65वीं

एम्स वार्षिक रिपोर्ट

2020—2021

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली 110029

65वीं
एम्स
वार्षिक रिपोर्ट
2020-21

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली - 110029

संयुक्त रूप से संपादित:

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. नसरीन अख्तर, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग

डॉ. दालिम बैद्य, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग

डॉ. नीतू भारी, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग

डॉ. अंजना दुहा, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. राकेश गर्ग, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर सं.रो.कैं.अ.

डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीररचना विज्ञान विभाग

डॉ. सिद्धार्थ जैन, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. राजीव कुमार, सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) एवं मूत्ररोग विज्ञान विभाग

डॉ. राकेश लोढ़ा, बाल चिकित्सा विभाग

डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद जैवरसायन विभाग

डॉ. संजीव लालवानी, कुल सचिव एवं न्याय चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग

डॉ. पूर्वा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. रश्मि रामाचन्द्रन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग

डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग

डॉ. सिद्धार्थ सरकार, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. अर्चना सिंह-I, जैवरसायन विभाग

डॉ. शालिनी सिंह, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

डॉ. अल्पना शर्मा, जैवरसायन विभाग

डॉ. जितेंद्र सोढ़ी, अस्पताल प्रशासन विभाग

डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र

डॉ. राखी यादव, जैवरसायन विज्ञान

प्रकाशनों की जांच मुख्य रूप से सुश्री नीतू प्रिया, पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा डॉ. शांतनु गांगुली, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के मार्गदर्शन में की गई है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्त्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिक के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान द्वारा स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रीयाँ प्रदान की जाती हैं। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा रुपए सौ करोड़ से अधिक का बाहरी अनुदान प्राप्त करने के साथ-साथ एम्स चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा-नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50-बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

विषय-सूची

वार्षिक रिपोर्ट 2020-21

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान और इसकी समितियां 10
3. शैक्षिक अनुभाग 17
4. परीक्षा अनुभाग 43
5. सामान्य प्रशासन 52
6. अस्पताल 56
   - 6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग 58
   - 6.2 आहारविज्ञान 74
   - 6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग 76
   - 6.4 नर्सिंग सेवाएं 76
   - 6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक 86
   - 6.6 मुख्य रक्त कोष 96
7. नर्सिंग कॉलेज 99
8. अनुसंधान अनुभाग 120

विभाग

9.1. संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार 159
9.2. शरीर-रचना विज्ञान 177
9.3. जैव रसायन 191
9.4. जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 212
9.5. जैव भौतिकी 217
9.6. जैव सांख्यिकी 227
9.7. जैव प्रौद्योगिकी 238
9.8. सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 251
9.9. त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान 285
9.10. आपात चिकित्सा 291
9.11. अंत:स्राविकी एवं चयापचय 302
9.12. न्याय चिकित्सा 315
9.13. जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक 321
9.14. जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण 335
9.15. जराचिकित्सा 341
9.16. रुधिर विज्ञान 346
9.17. अस्पताल प्रशासन 356
9.18. प्रयोगशाला चिकित्सा 365
9.19. काय चिकित्सा 384
9.20. सूक्ष्मजैव विज्ञान 396
9.21. वृक्क विज्ञान 428
9.22. नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) 438

9.23. नाभिकीय चिकित्सा....444
9.24. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान....453
9.25. अस्थिरोग....479
9.26. नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान....486
9.27. बाल चिकित्सा....500
9.28. बाल शल्य चिकित्सा....544
9.29. विकृति विज्ञान....556
9.30. भेषजगुण विज्ञान....578
9.31. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास....585
9.32. शरीर क्रिया विज्ञान....592
9.33. प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा....608
9.34. मनोचिकित्सा....612
9.35. पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार....634
9.36. विकिरण निदान....642
9.37. प्रजनन जैवविज्ञान....656
9.38. रूमेटोलॉजी....667
9.39. शल्य चिकित्सा विभाग....674
9.40. आधान चिकित्सा....700
9.41. प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी....705
9.42. मूत्रविज्ञान....714

केंद्र

10.1. हृद् वक्ष विज्ञान केंद्र....724
10.2. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र....769
10.3. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल....795
10.4. डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र....866
10.5. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र....905
10.6. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र....968
10.7. तंत्रिका विज्ञान केन्द्र....986

केंद्रीय सुविधा

11.1. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय....1046
11.2. कैफेटेरिया....1049
11.3. केंद्रीय पशु सुविधा....1051
11.4. केंद्रीय कार्यशाला....1053
11.5. कंप्यूटर सुविधा....1057
11.6. इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा....1072
11.7. छात्रावास अनुभाग....1076
11.8. नीति विषयक समिति....1080
11.9. के.एल. विग चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (सीएमईटी-आई)....1081
11.10. मीडिया प्रकोष्ठ और प्रोटोकॉल प्रभाग....1094
12. प्रकाशन....1154

वित्त विभाग

13.1. बजट और वित्त....1155
13.2. लेखा परीक्षा रिपोर्ट....1249

एम्स-एक नज़र में

2020-2021

स्थापना वर्ष 1956

शिक्षण विभाग एवं केंद्र	**42+7**	चिकित्सा स्नातक	**3351**
संकाय सदस्य (स्वीकृत 1099)	**743**	स्नातकोत्तर	**11534**
गैर-संकाय स्टाफ (स्वीकृत 12,392)	**9,762**	नर्सिंग/परा-चिकित्सा स्नातक	**3570**
स्नातक-पूर्व विद्यार्थी	**1101**	पत्रिकाओं/सार में प्रकाशन	**2315**
स्नातकोत्तर विद्यार्थी	**1985**	पुस्तकों में अध्याय/पुस्तक	**327**

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केंद्र	**बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)**	**दाखिले**	**शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन/प्रक्रियाएं)**	**बिस्तर**		
				सामान्य	**प्राइवेट**	**कुल**
मुख्य अस्पताल	5,64,962	55,282	28,083	997	165	1162
डॉ. रा.प्र. केंद्र	1,28,979	13,786	18,899	288	22	310
डॉ. भी.रा.अ.सं.कैं.अ.	82,392	28,225	3650	167	15	182
हृद वक्ष विज्ञान केंद्र	33,015	2966	1296	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केंद्र	47,002	3116	1513	174	31	
एन.डी.डी.टी.सी.*	2,21,947	4445	-	50	-	50
सी.सी.एम.†	2,13,513	9491	951	50	-	50
जे.पी.एन.ए.टी.सी.	49,041	8348	3919	243	22	265
सी.डी.ई.आर.	10,131	255	8142	17	-	17
एन.सी.आई, झज्जर	48,676	15,048	5667	694	-	694
आऊटरीच बाह्य रोगी बाढ़सा, झज्जर	1,43,196	-	617	-	-	-
कुल	**15,42,854**	**1,40,962**	**72,737**	**2906**	**288**	**3194**

*त्रिलोकपुरी, सुन्दर नगरी तथा कोटला मुबारकपुर सहित †पी.एच.सी. दयालपुर सहित

अस्पताल कार्य निष्पादन सूचकांक

मानक	मुख्य अस्पताल		हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र		जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
ठहरने की औसतन अवधि (दिन)	**10.4**	**9.9**	**13.8**	**10.5**	**9**	**10**
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	**56.2**	**85.9**	**46.7**	**83.8**	**67**	**84**
शुद्ध मृत्यु दर (%)	**3.0**	**1.7**	**6.9**	**2.6**	**9**	**5**
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर (%)	**8.9**	**5.6**	-	-	-	-

सी.सी.एम.: सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
सी.डी.ई.आर.: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.: डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
डॉ. रा.प्र. केंद्र: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
जे.पी.एन.ए.टी.सी.: जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
एन.सी.आई.: राष्ट्रीय कैंसर संस्थान
एन.डी.डी.टी.सी.: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

1. निदेशक की समीक्षा

मुझे संस्थान की 65वीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2020-2021 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा आयुर्विज्ञान शिक्षा और स्वास्थ्य उपचार के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (एम्स-दिल्ली) की स्थापना वर्ष 1956 में की गई थी।

वैश्विक स्वास्थ्य आपातकालीन स्थिति का सामना करते हुए, एम्स-दिल्ली परिवार ने कोविड-19 से प्रभावित रोगियों को सर्वोत्तम उपचार सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ सार्स-कोविड-2 के एटियोपैथोजेनेसिस को समझने, इसका उपचार विकसित करने और इलाज करने के लिए गंभीर प्रयास करते हुए कड़ी मेहनत की। इस संकट के बीच भी एम्स-दिल्ली में अन्य उत्कृष्ट कार्य बिना किसी बाधा के जारी रहे, क्योंकि हमने लोगों की परेशानियों को कम करने तथा सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधा में सुधार करने और उनके कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। हजारों संकाय-सदस्यों, वैज्ञानिकों, नर्सिंग कार्मिकों, इंजीनियरिंग स्टाफ, तकनीशियनों, स्वच्छता और स्वास्थ्य परिचरों और छात्रों की प्रेरक छवि और अथक परिश्रम, संस्थान की कार्य क्षमता और निरंतर प्रतिभा को सशक्त करती है।

एम्स-दिल्ली में उनके द्वारा हर दिन किए जाने वाले काम के लिए मैं उनका आभारी हूँ और अपनी विनम्रता प्रकट करता हूँ; और मैं जानता हूँ कि मैं अत्यंत भाग्यशाली हूँ कि इस असाधारण परिवार का हिस्सा हूँ।

नेतृत्व

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू.), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.) और राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (नीति) आयोग के सहयोग से, एम्स-दिल्ली ने कोविड महामारी की रोकथाम और कोविड-19 से संक्रमित लोगों का उपचार करने से संबंधित राष्ट्रीय प्रयासों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एम्स-दिल्ली ने व्यापक टेस्टिंग क्षमताओं (रेपिड एंटीजन जांच [आरएटी] सहित), स्वास्थ्य उपचार कर्मियों के लिए बेहतर संक्रमण नियंत्रण पद्धति, और अधिक अस्पताल क्षमता की आवश्यकता की पहचान की प्रक्रिया हेतु नेतृत्व किया।

एम्स-दिल्ली ने एसएआरएस-कोविड-2 के जीवविज्ञान पर अनुसंधान कार्य करके वायरस का सामना करने और भविष्य में इस प्रकार की किसी भी महामारी जैसी स्थिति के लिए तैयार होने के लिए सहयोगी अनुसंधान पहल आरंभ की। एम्स प्रयोगशालाओं ने परीक्षणों के विकास और प्रयोगशाला सेवाओं की निगरानी करने पर कार्य किया। अस्पताल के अन्वेषणकर्ताओं ने नए उपचारों की खोज शुरू की। जन स्वास्थ्य और नैदानिक विशेषज्ञों ने महामारी विज्ञान और टीकों के विकास पर एक साथ मिलकर काम किया। एक सुव्यवस्थित नीति विषयक समिति प्रक्रिया के कारण अध्ययन की सुविधा भी प्राप्त हुई।

अप्रैल 2020 में, देश भर में कोविड-19 जांच क्षमता को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता थी। एम्स-दिल्ली ने एक समन्वय केंद्र के रूप में कार्य किया और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और

आई.सी.एम.आर. द्वारा चिन्हित 14 परामर्शदाता संस्थानों के साथ, कोविड जांचों पर कई मेडिकल कॉलेजों में प्रयोगशालाओं के कौशल को उन्नत करने में मदद की। इसके परिणामस्वरूप, जांच क्षमता 2000 से अधिक प्रयोगशालाओं और प्रतिदिन 20 लाख से अधिक जांचों तक बढ़ गई।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कोविड-19 से संबंधित मृत्यु-दर को कम करने के उद्देश्य से ई-आईसीयू परियोजना शुरू की। इस परियोजना के अंतर्गत, एम्स-दिल्ली ने गंभीर उपचार एकक (आईसीयू) में भर्ती कोविड-19 रोगियों के नैदानिक उपचार पर बड़े सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों के लिए टेली-परामर्श मार्गदर्शन का आयोजन किया। कुल 30 वीडियो कांफ्रेंसिंग आयोजित की गई जिसमें देश भर के 543 संस्थानों के चिकित्सक शामिल हुए।

उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) को हब एवं स्पोक तरीके से क्षेत्रीय एवं राज्य केंद्रों के बीच क्षमता निर्माण हेतु योजनाबद्ध किया गया है। इसमें सर्वोत्तम नैदानिक प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान तथा राज्य सीओई द्वारा उनसे संबंधित राज्य सुविधाओं के अनुवर्ती ज्ञान का प्रसार करना सम्मिलित था। एम्स-दिल्ली द्वारा राज्यों द्वारा नामित 28 सीओई को परामर्श दिया गया।

एम्स द्वारा नीति आयोग तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय कोविड ग्रैंड राउंड आयोजित किए गए। इनमें विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्यकर्मियों से जुड़े लाइव दर्शकों के बीच नैदानिक मामलों तथा कोविड-19 के साक्ष्य-आधारित उपचार पर संवादात्मक चर्चा करना शामिल था। इस प्रकार के बीस एन-सीजीआर आयोजित किए गए तथा एम्स के यूट्यूब चैनलों पर इसे देखने वाले कुल दर्शकों की संख्या 2 लाख से अधिक हो गई।

सूचना, महामारी का सामना करने की कुंजी है। प्रकाशित साहित्य की समालोचनात्मक समीक्षा करने तथा एम्स कोविड वेबसाइट पर तर्कपूर्ण सारांश तीव्रता से अपलोड करने के लिए संकाय-सदस्यों की सोलह टीमों का गठन किया गया था।

सार्स-कोव-2 संक्रमण के प्रसार को कम करने तथा कोविड-19 की गंभीरता एवं मृत्यु दर को कम करने के लिए एक व्यापक टीकाकरण की आवश्यकता है। एम्स-दिल्ली में एक सफाईकर्मी श्री मनीष कुमार के टीकाकरण के साथ 16 जनवरी 2021 को राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण अभियान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री हर्षवर्धन की सतर्क देखरेख में आरंभ किया गया। टीकाकरण हेतु पात्र होने के पहले दिन ही माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 1 मार्च 2021 को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगवाई। प्रधानमंत्री ने भारत बायोटेक तथा आईसीएमआर द्वारा विकसित भारत में निर्मित कोवैक्सिन का टीका लगवाया। उन्होंने ट्वीट किया, "मैंने एम्स में कोविड-19 टीके की पहली खुराक ली। उल्लेखनीय है कि किस प्रकार हमारे चिकित्सकों तथा वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए त्वरित समय में कार्य किया है। मैं सभी पात्र लोगों से अपील करता हूँ कि वे टीका लगवाएं। आइए, हम सब मिलकर भारत को कोविड-19 मुक्त बनाएं।" उनके इस कार्य ने टीके के प्रति असमंजस की स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एम्स ने सार्स-कोव-2 के नियंत्रण, चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा कोविड के उपचार की सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के विषय में गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार और दिल्ली सहित कई राज्य सरकारों को परामर्श दिया।

अपनी सामान्य भूमिकाओं तथा कर्तव्यों को जारी रखते हुए, एम्स-दिल्ली ने भारत सरकार के कई अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं पहलों के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान की। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) ने राष्ट्रीय एचआईवी निगरानी संस्थान के रूप में कार्य किया तथा देश में एचआईवी महामारी पर नज़र रखने में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) को सहयोग दिया। नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), गृह मंत्रालय तथा संस्थानों के नेटवर्क (एमआईएनईआरवीए) के सहयोग से भारत की मृत्यु दर निगरानी में सहायता की। संस्थान द्वारा आईसीएमआर के कई 'सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस (सीएआरई),' का सहयोग भी किया जाता है। जैसे, वर्चुअल ऑटोप्सी में सीएआरई (न्याय चिकित्सा विभाग), अग्नाशय रोग चिकित्सा तथा आंतों के रोगों में सीएआरई (जठरान्त्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण विभाग), न्यूरोमॉड्यूलेशन में सीएआरई (मनोचिकित्सा विभाग), वृक्क विज्ञान में सीएआरई, फुप्फुसीय विज्ञान में सीएआरई, तथा बाल्यावस्था तंत्रिका विकासात्मक विकारों में सीएआरई (बाल चिकित्सा विभाग)। दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया था। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र ने एनीमिया नियंत्रण (एनसीईएआर-ए) पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र के रूप में कार्य किया तथा एनीमिया मुक्त भारत अभियान का नेतृत्व किया। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से 25 'एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी (एटीएफ)' कार्यक्रम आरंभ किया।

एम्स-दिल्ली ने कई विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्रों (डब्ल्यूएचओ सीसी) [जैसे- समुदाय आधारित गैर-संचारी रोग (एनसीडी) के नियंत्रण एवं रोकथाम संबंधी अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र, औषध दुरुपयोग (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र) हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र, अंधता की रोकथाम (राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र [आरपीसीओएस]) हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र, मुख स्वास्थ्य वर्धन (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र [सीडीईआर]) हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र, नवजात उपचार में नवजात प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र तथा नैदानिक एवं प्रयोगशाला अनुवांशिकी में प्रशिक्षण (बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग) हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र तथा ट्यूबरकुलोसिस में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान (काय-चिकित्सा विभाग) हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्र।] को आवासीय व्यवस्था देकर वैश्विक स्तर पर नेतृत्वकारी की भूमिका निभाना जारी रखा है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने म्यांमार सरकार को ब्यूप्रेनोफिन-आधारित ओपिओइड निर्भरता उपचार शुरू करने के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान की।

सेवा

25 मार्च 2020 को प्रथम देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के एक सप्ताह के भीतर, एम्स-दिल्ली ने अपने जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.) एवं राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर को सफलतापूर्वक 1500 से अधिक बिस्तरों वाले एक समर्पित कोविड अस्पताल में परिवर्तित कर दिया तथा क्लीनिकल स्टाफ नियुक्त किया जिन्होंने बाद के महीनों में हजारों रोगियों को उपचार

प्रदान किया। इसके बाद, एम्स ने नए आरंभ हुए 'बर्न्स एवं प्लास्टिक' ब्लॉक में कोविड-19 रोगियों के उपचार हेतु 100 बेड और बढ़ाए। महत्वपूर्ण रूप से, इसने एम्स में कोविड-19 के लिए गंभीर चिकित्सा (सघन चिकित्सा एकक) सुविधा में पहले से उपलब्ध 90 बेड (ट्रॉमा केंद्र में 50 और एनसीआई-झज्जर में 40) की संख्या को बढ़ाकर उसमें 30 बेड की अतिरिक्त बढ़ोतरी कर दी।

एम्स-दिल्ली ने कोविड-19 हेतु एक प्रबंधन प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया और संसाधन प्रबंधन समिति, मानव संसाधन समिति, नैदानिक प्रबंधन समिति और चिकित्सा प्रबंधन समिति सहित रोगियों के उपचार से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के समन्वय के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को रोगियों का उपचार करते समय स्वयं की देखभाल करने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) को संभालने तथा उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। एम्स ने अपने उन्नत कोविड-19 वार्ड में स्वास्थ्यकर्मियों और संक्रमित रोगियों के बीच शारीरिक दूरी बढ़ाने में सहायता प्रदान करने के लिए रोबोट तैनात किए ताकि संक्रमण प्रसार के जोखिम को कम किया जा सके। आइसोलेशन वार्ड के रोगी भी इस रोबोट द्वारा समय-समय पर अपने संबंधियों से वार्तालाप कर सकते थे। एम्स ने अस्पताल से छुट्टी प्राप्त कर चुके कोरोना वायरस रोगियों की स्वास्थ्य लाभ प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक पोस्ट-कोरोना वायरस स्वास्थ्य लाभ क्लिनिक भी आरंभ किया।

कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग ने सीबीएनएएटी/ टीआरयू ईएनएटी पद्धति का उपयोग करके कोविड-19 हेतु तीव्र निदान (90 मिनट के भीतर) प्रदान करने के लिए एक नई प्रयोगशाला आरंभ की। इस सेवा ने न केवल संक्रमित रोगियों की प्रारंभिक जांच एवं उनको अलग करने में सहायता प्रदान की, बल्कि स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एम्स-दिल्ली यद्यपि कोविड-19 महामारी के विरुद्ध लड़ाई में सबसे आगे था, लेकिन यह गैर-कोविड रोगियों को आवश्यक चिकित्सा के प्रति भी जागरूक रहा। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निदेशों के अनुरूप, हमें 24 मार्च 2020 को कोविड-19 पॉजिटिव रोगियों के लिए वेंटिलेटर एवं सघन चिकित्सा एकक (आईसीयू) बेड खाली करने के लिए अपनी गैर-आवश्यक सेवाओं तथा वैकल्पिक प्रक्रियाओं को स्थगित करना पड़ा। पूरे लॉकडाउन के दौरान, एम्स ने अपने आपातकालीन विभाग को चौबीसों घंटे चलाए रखा तथा कैंसर केंद्र एवं डायलिसिस इकाइयों जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में पूरी क्षमता से कार्य किया। हमने तीव्र गति से लॉकडाउन पर अपनी प्रतिक्रिया दी और अप्रैल के आरंभ तक अपने रोगियों के लिए टेली-परामर्श सेवाएं आरंभ कर दीं। चिकित्सकों तथा रोगियों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कोविड-19 नेशनल टेलीकंसल्टेशन सेंटर (सीओएनटीईसी) नामक एक टेली-हेल्पलाइन नंबर और एक ईमेल हेल्पलाइन (technicalquery.covid19@gov.in) भी विकसित की गई। एम्स-दिल्ली ने 25 जून 2020 को चरणबद्ध तरीके से अपनी गैर-आवश्यक स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं को पुनः आरंभ कर दिया, शुरुआत में सीमित बाह्य रोगी पंजीकरण तथा संक्रमण के कम जोखिम वाली इंटरवेन्शन/प्रक्रियाओं को आरंभ किया गया। अत्यावश्यकता को देखते हुए, कोरोना वायरस महामारी की अवधि के दौरान सामान्य सेवाओं की पुनर्बहाली होने तक एम्स-दिल्ली ने अपने सभी रोगियों को सामान्य वार्डों में भर्ती तथा चिकित्सा जांच के लिए शुल्क के भुगतान की छूट प्रदान की।

एम्स अस्पताल ने सभी रोगियों के लिए अपने उच्च मानकों और लागत प्रभावी सेवाओं को जारी रखा। एम्स के मुख्य अस्पताल एवं केंद्रों - हृद्-वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सीएन सेंटर), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी), डॉ. बीआर अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (बीआरएआईआरसीएच), डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (आरपीसीओएस), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी)- में कुल बिस्तरों की संख्या 3194 है। वर्ष 2020-2021 के दौरान एम्स ने लगभग 15.42 लाख बाह्य रोगियों तथा 1.42 लाख भर्ती रोगियों को उपचार प्रदान किया तथा इष्टतम रोगी चिकित्सा सेवा मानकों के अनुसार 0.7 लाख से अधिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं की गईं, जिसमें बिस्तर अधिभोग औसत लगभग 56%, अस्पताल में भर्ती रहने की औसत अवधि लगभग 10.4 दिन; तथा निम्न शुद्ध मृत्यु दर लगभग 3% रही। एम्स, भारत के भीतर तथा बाहर, विशेष रूप से दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व एशिया में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में आगे बढ़ा रहा है।

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग ने राजकुमारी अमृत कौर नई ओपीडी ब्लॉक में टोटल लेबोरेटरी ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके एक अत्याधुनिक पूर्णतः स्वचालित एकीकृत प्रयोगशाला (स्मार्ट लैब) का संचालन किया। इसने उपलब्ध जांच मापदंडों को पिछले वर्ष के लगभग 35 से बढ़ाकर चालू वर्ष में 92 (रुधिर विज्ञान, जैव रसायन, प्रतिरक्षा विश्लेषण तथा सीरम विज्ञान) कर दिया है। सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग ने आईएसओ 15189:2012 के अनुसार एनएबीएल प्रत्यायन जारी रखने के लिए ऑनसाइट एनएबीएल बाह्य मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री हर्षवर्धन ने 18 जनवरी 2021 को एम्स में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक का उद्घाटन किया। ब्लॉक में एक समर्पित बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी वार्ड, एक 20-बेड वाली आपातकालीन इकाई, एक आईसीयू तथा 6 ऑपरेशन कक्ष हैं। इसमें प्रति वर्ष बर्न संबंधी 50,000 आपातकालीन रोगियों तथा 5000 भर्ती रोगियों का उपचार करने की क्षमता है। इसमें स्किन बैंकिंग सेवा, पूर्णतः सुसज्जित फिजियोथेरेपी एकक तथा विशेष रूप से निर्मित दाब वस्त्र भंडार का प्रावधान भी है।

प्रशिक्षण

एम्स-दिल्ली अपने शैक्षिक हितधारकों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया एवं कौशल विकास की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए शैक्षणिक अनुभाग ने कई कदम उठाए। इनमें आंतरिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रबंधन, देशभर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मियों के लिए पेशेगत विकास कार्यक्रम और साथ ही आम जनता के लिए शैक्षिक कार्यक्रम शामिल थे।

संकाय-सदस्यों ने पूर्णतः नए पाठ्यचर्या दृष्टिकोण का प्रतिपादन किया जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रखने में सहायता मिली। ऑनलाइन स्क्रीन समय को कम करने के लिए समय-सारणी को पुनः तैयार किया गया तथा लो-बैंड-विड्थ वाले प्लेटफार्मों पर व्याख्यान की रिकॉर्डिंग अथवा लाइव प्रसारण हेतु प्रावधान किए गए ताकि खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी वाले छात्र बाद में इन्हें देख सकें। ऑनलाइन मूल्यांकन कार्य किए गए और छात्रों को तनाव मुक्त करने के लिए कई मूल्यांकनों को एक साथ जोड़ दिया गया अथवा स्थगित कर दिया गया।

शैक्षिक सामग्री के ऑनलाइन वितरण के साथ-साथ छात्र जीवन चक्र प्रबंधन (ऑनलाइन आवेदन, शोधपत्र जमा करना, आदि) के लिए एक समर्पित शिक्षण प्रबंधन प्रणाली, छात्र उन्नत संसाधन एवं शिक्षा (सरल) का व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। इस प्लेटफॉर्म पर कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाए गए और वितरित किए गए। सरल प्लेटफॉर्म पर शिक्षाप्रद सामग्री के भंडारण, मिश्रित शिक्षण तथा शिक्षण के फ़्लिप कक्षा मॉडल के लिए अनुमति दी गई। संवादात्मक वर्चुअल केस चर्चाओं का उपयोग करके नैदानिक मामलों पर चर्चा की गई।

एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग, टेलीमेडिसिन) सुविधा ने अपने बुनियादी ढांचे में एक उन्नत एयरवे प्रशिक्षण प्रयोगशाला एवं अल्ट्रासाउंड सिमुलेशन प्रयोगशाला को जोड़ा। एसईटी सुविधा ने 34 ऑनलाइन कौशल प्रशिक्षण के मॉड्यूल बनाए। इनमें से कुछ मॉड्यूल विशेष रूप से कोविड-19 पर लक्षित थे, जैसे कोविड-19 रोगियों हेतु उन्नत कार्डियक लाइफ सपोर्ट [एसीएलएस] प्रशिक्षण; कोविड-19 आईसीयू हेतु इंट्यूबेशन प्रशिक्षण; हल्के/मध्यम कोविड हेतु नैदानिक उपचार दिशानिर्देश; कोविड-19 संदिग्ध मां से पैदा हुए बच्चे के पुनर्रुज्जीवन हेतु व्यवस्थित दृष्टिकोण; तथा पीपीई में काले चश्मे की फॉगिंग की रोकथाम। टेलीमेडिसिन सेवाओं ने 700 से अधिक शैक्षणिक सत्र आयोजित किए और 100 से अधिक परीक्षाओं में सहयोग किया। कोविड संबंधी उपचार पर चिकित्सकों एवं नर्सों के लिए कई वेबिनार आयोजित किए गए, जैसे, प्रसूति चिकित्सा तथा आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य पर वेबिनार। पंजाब कोविड-19 टास्क फोर्स तथा कोविड-19 स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मियों के लिए विशिष्ट वेबिनार आयोजित किए गए। सार्क देशों एवं ऐन-शम्स विश्वविद्यालय, मिस्र में संस्थानों के सहयोग से स्वास्थ्यकर्मियों के लिए; तथा आम लोगों के लिए श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली के सहयोग से वेबिनार भी आयोजित किए गए। एम्स टेलीमेडिसिन यूट्यूब चैनल को वर्ष के दौरान 6 लाख से अधिक बार देखा गया।

डॉ. के एल विग चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र (सीएमईटीआई), जो पहले से ही नवाचार वर्चुअल शिक्षण अनुभव प्रदान करने में अग्रणी है, ने हमारे संकाय-सदस्यों को नवीनतम कोविड-19 संबंधी विकास कार्यों पर ऑनलाइन पेशेगत विकास पाठ्यक्रमों की ओर निर्बाध रूप से बढ़ने में सहायता प्रदान की।

एम्स-दिल्ली पहला संस्थान था जिसने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु समय से प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के सहयोग से यात्रा प्रतिबंधों और अन्य लॉजिस्टिक बाधाओं के बावजूद 11 जून 2020 को पहले लॉकडाउन में ढिलाई के एक सप्ताह के भीतर राष्ट्रव्यापी प्रवेश परीक्षा (239 शहरों में) आयोजित की थी। एम्स के शैक्षिक अनुभाग तथा कोविड टास्क फोर्स के परामर्श से प्रवेश परीक्षाओं के साथ-साथ पेशेगत परीक्षाओं के लिए नई मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार की गईं। इन्हें बाद में हमारे देश की अन्य परीक्षा संचालन एजेंसियों द्वारा अपनाया गया। जुलाई 2020 एवं जनवरी 2021 के लिए एम्स के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु सभी प्रवेश परीक्षाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली गईं।

एम्स ने आम जनता के साथ अपनी साझेदारी को बहुत गंभीरता से लिया। प्रिंट मीडिया में संस्थान के 700 से अधिक संदर्भ थे और संस्थान के संकाय-सदस्यों ने वर्ष के दौरान मीडिया के साथ 127 बार वार्तालाप किया, जिनमें अधिकतर कोविड स्थिति पर थीं। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया, सार्वजनिक

नीति एवं स्वास्थ्य प्रणाली विशेषज्ञ, चंद्रकांत लहरिया तथा वैक्सीन शोधकर्ता एवं विषाणु-विज्ञानी, गगनदीप कांग की एक पुस्तक "टिल वी विन" ने कोविड-19 के विरुद्ध भारत की लड़ाई का एक निश्चित विवरण प्रस्तुत किया है। सामान्य पाठकों को कोविड अनुरूप व्यवहार पर सुझाव देने के अतिरिक्त इस पुस्तक में यह भी बताया गया है कि कैसे कोविड -19 महामारी से मिलने वाली सीख का उपयोग भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को और अधिक मजबूत करने के लिए किया जा सकता है।

आगे आने वाली चुनौतियों एवं अवसरों के लिए तैयार रहकर, हम मानव पीड़ा को कम करने तथा स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्ध मार्गदर्शकों के एक विविध समुदाय का निर्माण करके भविष्य के लिए रचनात्मक रूप से नींव बनाना जारी रखेंगे। अपने 7 केंद्रों में विभिन्न शिक्षण विभागों एवं सुविधाओं और 42 एकल विभागों तथा 700 से अधिक संकाय-सदस्यों सहित 10,000 से अधिक की श्रमशक्ति के साथ, एम्स-दिल्ली बड़ी संख्या में चिकित्सा स्नातक, विशेषज्ञ (एमडी/एमएस), उत्कृष्ट-विशेषज्ञ (डीएम/एमसीएच), पीएचडी स्कॉलर तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं मूलभूत विज्ञान विशेषज्ञ तैयार करता है जिनमें नर्स एवं पराचिकित्सा पेशेवर भी शामिल हैं। वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1179 स्कॉलरों का पंजीकरण किया। संस्थान ने 45 अल्पकालिक प्रशिक्षुओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण भी प्रदान किया। एम्स-दिल्ली ने अन्य एम्स के लिए संरक्षक की भूमिका निभानी जारी रखी।

उत्कृष्टता की खोज के लिए सहयोगी संस्कृतियों के ज्ञान को जानने की आवश्यकता होती है। एम्स का संयुक्त राज्य अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और मिशिगन विश्वविद्यालय; यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन, यूके; ऑस्ट्रेलिया में डीकिन विश्वविद्यालय, मोनाश विश्वविद्यालय और जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ; कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी; इरास्मस विश्वविद्यालय, नीदरलैंड; और आईआईटी-खड़गपुर और आईआईटी-दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हैं।

एम्स-दिल्ली स्वास्थ्य उपचार के क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सकों एवं विज्ञान के अग्रणियों को चिकित्सा की वास्तविक दुनिया के क्षेत्र में विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में नए रुझानों से परिचित कराता है। संस्थान ने हजारों चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों को कौशल, ज्ञान एवं प्रदर्शन में सुधार करने में सहायता करने के लिए क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान की। हमने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 69 कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया/की मेजबानी की।

राजकुमारी अमृत कौर के विजन को ध्यान में रखते हुए, एम्स-दिल्ली ने देश में चिकित्सा प्रशिक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्थान बने रहने हेतु स्वयं को चुनौती देना जारी रखा। एम्स-दिल्ली ने 2020 के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में चिकित्सा महाविद्यालयों में; भारत में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की इंडिया टुडे ग्रुप रैंकिंग के 2020 संस्करण में तथा सब्जेक्ट 2021 द्वारा क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अनुसंधान

एम्स-दिल्ली में अनुसंधान अनुभाग को शासनादेश प्राप्त है कि वह विज्ञान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान के संचालन हेतु बुनियादी ढांचे का निर्माण करे। वर्ष के दौरान, केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधाएं (सीसीआरएफ) एवं नैदानिक अनुसंधान इकाई (सीआरयू) क्रियाशील कर दी गईं। सीसीआरएफ जैव सुरक्षा स्तर 2 एवं 3 प्रयोगशाला सुविधाओं का सहयोग करता है, जो समकालीन प्रौद्योगिकियों, जैसे जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, बायोएनालिटिक्स एवं बायोइनफॉरमेटिक्स के एकीकृत केंद्र के रूप में कार्य करता है। हमने ज्ञान-साझाकरण तथा अनुसंधान कार्य प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को अनुसंधान सहयोगी भी बनाया है।

अनुसंधान अनुभाग ने अनुसंधान निधि प्रस्तावों हेतु विभिन्न निर्णयों की शुरुआत की, कार्यशालाओं का आयोजन किया तथा अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया। एक अधिक जीवंत अनुसंधान वातावरण बनाने, क्रॉस-डोमेन अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा दीर्घकालिक सहयोग की नींव रखने के उद्देश्य से, एम्स के भीतर एवं अन्य संस्थानों जैसे आईआईटी और ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेकनोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के साथ सहयोगी परियोजनाओं हेतु निधि प्रस्ताव दिए गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन (यूसीएल) और एम्स, नई दिल्ली के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए एक संयुक्त अनुसंधान सीड फंड की स्थापना की गई थी।

एम्स अनुसंधानकर्ताओं के पास 155 करोड़ रुपये लागत के जारी 878 बाह्य अनुदान हैं। इन परियोजनाओं में लगभग 1250 शोधकर्ता कार्यरत हैं, जिन्हें भविष्य के अनुसंधान अग्रणी बनने के लिए तैयार किया जाता है। निधि प्रदाता एजेंसियों में आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आईएनएसए, सीएसआईआर, डीआरडीओ, स्वास्थ्य मंत्रालय, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, वेलकम ट्रस्ट आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एम्स अनुसंधान अनुभाग ने 16 करोड़ रुपये के 341 आंतरिक अनुदानों को वित्तपोषित किया। एम्स ने स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान में 'मीरा सेठ कॉर्पस फ़ंड' के तहत एक प्रतिष्ठित चेयर: शोभा सेठ वेंगर भी सृजित की। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर नीरजा भाटला इस पुरस्कार की प्रथम प्राप्तकर्ता हैं।

एम्स ने बड़ी तेजी से महामारी का जवाब दिया। कोविड-19 पर अनुसंधान को तीव्रता प्रदान करने के लिए अनुसंधान अनुभाग ने 'सार्स-कोव-2 पर शोध' तथा 'कोविड-19 के दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों पर अनुसंधान' विषयों पर आंतरिक परियोजनाओं हेतु दो विशिष्ट प्रस्ताव दिए। 81 कोविड-19 परियोजनाओं तथा 11 दीर्घ कोविड परियोजनाओं को अनुदान की स्वीकृति प्रदान की गई।

वर्ष 2020-2021 में, एम्स में अनुसंधान समुदाय ने छात्रवृत्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय-सदस्यों तथा वैज्ञानिकों ने 154 बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ आरंभ कीं तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1900 से अधिक शोधपत्र तथा 300 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें एवं पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए।

उपसंहार

यह वर्ष महान बलिदानों का वर्ष था, किन्तु इसने चिकित्सा विज्ञान के साहस एवं सहनशक्ति को भी प्रदर्शित किया। 11 जनवरी 2021 को हमारे 47वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री हर्षवर्धन ने कहा कि एम्स-दिल्ली ने संकट के दौरान रोगी चिकित्सा, अनुसंधान एवं शिक्षा में अपना बहुत महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, "हमें अंदर तक हिला कर रख देने वाली कोविड महामारी से उबरते समय हमको एम्स स्टाफ द्वारा लड़ी गई प्रतिदिन की लड़ाइयों को याद रखना चाहिए। हमारे चिकित्सक हमारे असली नायक हैं।" इन प्रशंसनीय शब्दों तथा एम्स में विद्वत समुदाय के हमारे प्रति विश्वास से प्रोत्साहित होकर, हम सर्वोत्तम संभावित चिकित्सा को खोजने, उसका प्रसार करने तथा प्रत्येक व्यक्ति को इसे उपलब्ध कराने के प्रति अपने निरंतर प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लेते हैं, क्योंकि हमारा काम अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है।

रणदीप गुलेरिया
निदेशक

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	**डॉ हर्ष वर्धन** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
2.	**डॉ अनिल जैन, सांसद(राज्य सभा)** डी-244, अनुपम गार्डन, सैयद उल अजैब नई दिल्ली-110068	सदस्य (25 मार्च, 2021 से)
3.	**प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)** 8-ए, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली-110003	सदस्य (25 मार्च, 2021 तक)
4.	**श्री रमेश बिधूड़ी सांसद (लोक सभा)** हॉउस नं. 179, सनपथ हॉउस, गाँव तुगलकाबाद, नई दिल्ली-110044	सदस्य
5.	**श्री मनोज कुमार तिवारी, सांसद (लोकसभा)** 24, मदर टेरेसा क्रीसेंट मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य
6.	**श्री अमित खरे** सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य
7.	**श्रीमती प्रीति सूदन** सचिव(स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
8.	**प्रोफेसर पी.सी. जोशी** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007	सदस्य (पदेन) (28 जून, 2020 से)

9.	**प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007	सदस्य (पदेन) (27 जून, 2020 तक)
10.	**डॉ सुनील कुमार** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
11.	**डॉ राजीव गर्ग** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
12.	**डॉ डी.एस. राणा** अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली	सदस्य
13.	**डॉ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना** पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, (आई.एस.सी.ए.), कोलकाता, पश्चिम बंगाल समन्वयक, जैव सूचना विज्ञान डीबीटी (भारत सरकार) का मूल संरचना सुविधा केंद्र, अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, दयानंद कन्या पी.जी. कॉलेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर-208002, उत्तर प्रदेश	सदस्य
14.	**डॉ महेश बी. पटेल** एफ-001, शिलालेख टॉवर, पुलिस स्टेडियम के सामने, शाही बाग, अहमदाबाद-380004, गुजरात	सदस्य
15.	**डॉ डी.जी. महैसेकर** कुलपति, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, डिंडोरी रोड, महासरूल, नासिक-422004, महाराष्ट्र	सदस्य

16. **डॉ एन. गोपालकृष्णन** सदस्य
आचार्य (वृक्क विज्ञान), मद्रास मेडिकल कॉलेज,
चेन्नई-600003, तमिलनाडु

17. **डॉ डी.एस. गंगवार** सदस्य
अपर सचिव और वित्त सलाहकार,
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011

18. **डॉ डी.के. वर्मा** सदस्य
प्रोफेसर, शल्य चिकित्सा विभाग, इंदिरा गांधी मेडिकल
कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश-171001

19. **प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** सदस्य-सचिव
निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

20. **श्री निलाम्बुज शरण** विशेष आमंत्रित
सयुंक्त सचिव
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011

21. **श्री सुनील शर्मा** विशेष आमंत्रित
सयुंक्त सचिव
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011

22. **प्रोफेसर वी.के. बहल** विशेष आमंत्रित
संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

23. **डॉ डी.के. शर्मा** विशेष आमंत्रित
चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

शासी निकाय

1.	**डॉ हर्ष वर्धन**	अध्यक्ष
2.	**डॉ अनिल जैन, सांसद (राज्य सभा)**	सदस्य (25 मार्च, 2021 से)
	प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य (25 मार्च, 2021 तक)
3.	**श्रीमती प्रीति सूदन**	सदस्य
4.	**श्री अमित खरे**	सदस्य
5.	**डॉ डी.एस. राणा**	सदस्य
6.	**डॉ सुनील कुमार**	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
7.	**डॉ राजीव गर्ग**	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
8.	**डॉ महेश बी. पटेल**	सदस्य
9.	**डॉ डी.जी. महैसेकर**	सदस्य
10.	**डॉ डी.एस. गंगवार**	सदस्य
11.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य-सचिव
12.	**प्रोफेसर वी.के. बहल** संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित
13.	**डॉ डी.के. शर्मा** चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

वित्त समिति

1.	**श्रीमती प्रीति सूदन**	अध्यक्ष
2.	**डॉ सुनील कुमार**	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
3.	**डॉ राजीव गर्ग**	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
4.	**श्री अमित खरे**	सदस्य
5.	**डॉ. डी.जी. महैसेकर**	सदस्य
6.	**डॉ डी.एस. गंगवार**	सदस्य
7.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** **निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान**	सदस्य-सचिव

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	**डॉ महेश बी. पटेल**	अध्यक्ष
2.	**डॉ सुनील कुमार**	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
3.	**डॉ राजीव गर्ग**	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
4.	**श्री अमित खरे**	सदस्य
5.	**डॉ डी.जी. महैसेकर**	सदस्य
6.	**डॉ डी.एस. राणा**	सदस्य
7.	**डॉ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना**	सदस्य

8. **प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** सदस्य-सचिव
निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

स्थायी संपदा समिति

1.	**प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)**	अध्यक्ष
2.	**डॉ डी.एस. राणा**	सदस्य
3.	**डॉ सुनील कुमार**	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
4.	**डॉ राजीव गर्ग**	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
5.	**प्रोफेसर पी.सी. जोशी**	सदस्य (पदेन)
6.	**प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी**	सदस्य (पदेन)
7.	**डॉ डी.एस. गंगवार**	सदस्य
8.	**डॉ एन. गोपाकृष्णन**	सदस्य
9.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य-सचिव

स्थायी अस्पताल कार्य समिति

1.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोक सभा)**	सदस्य
2.	**डॉ डी.एस. राणा**	सदस्य
3.	**डॉ (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना**	सदस्य
4.	**डॉ डी.जी. महैसेकर**	सदस्य

5.	**डॉ एन. गोपालकृष्णन**	सदस्य
6.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान	सदस्य-सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	**डॉ डी.एस. राणा**	अध्यक्ष
2.	**डॉ सुनील कुमार**	सदस्य (पदेन) (13 अगस्त, 2020 से)
3.	**डॉ राजीव गर्ग**	सदस्य (पदेन) (12 अगस्त, 2020 तक)
4.	**डॉ डी.जी. महैसेकर**	सदस्य
5.	**डॉ महेश बी. पटेल**	सदस्य
6.	**श्री अमित खरे**	सदस्य
7.	**डॉ एन. गोपालकृष्णन**	सदस्य
8.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य-सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
वी.के. बहल (31 जुलाई, 2020 तक)
चित्रा सरकार (1 अगस्त 2020 से 28 अगस्त 2020)
अनिता सक्सेना (29 अगस्त, 2020 से)

सह-संकायाध्यक्ष
राजीव कुमार

कुलसचिव
संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग द्वारा नीतियां एवं योजनाएं बनाई जाती हैं तथा शैक्षिक गतिविधियों का एम्स, नई दिल्ली में संचालन किया जाता है। इन गतिविधियों के अंतर्गत चिकित्सा, नर्सिंग तथा पराचिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रम आते हैं। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर तथा परा-चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक-पूर्व शिक्षा
अनुभाग द्वारा नए छात्रों के प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताएं पूरी की जाती है, पाठ्यक्रमों का विकास एवं संशोधन किया जाता है तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले स्नातक-पूर्व छात्रों का आंतरिक मूल्यांकन करने के साथ ही शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एम.बी.बी.एस., बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिक, नेत्रविज्ञान तकनीक, ऑपरेशन थिएटर प्रौद्योगिकी, बी.एस.सी. दंत स्वच्छता, बी.एस.सी. दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक (डीओआरए), बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) एवं बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं।

चिकित्सा स्नातक एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)
जुलाई 2004 में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा तथा पुन:संरचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम साढ़े पांच वर्ष का है तथा इस अवधि में 3 चरण और इटर्नशिप होती है। विवरण निम्नानुसार हैं:-

चरण	**अवधि (वर्षों में)**	**प्रशिक्षण**
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व-नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा-नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में प्रतिवर्ष 125 भारतीय छात्रों को (50 सामान्य श्रेणी, 34 अन्य पिछड़े वर्ग, 12 आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी, 19 अनुसूचित जाति और 9 अनुसूचित जनजाति) एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। दिव्यांग (पी.डब्ल्यू.डी.) व्यक्तियों को 5% क्षैतिज आधार पर आरक्षण दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष सात विदेशी राष्ट्रीय छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है। 2020 के प्रारंभ से, ये प्रवेश, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के माध्यम से योग्यता के आधार पर किए जाते हैं।

31 मार्च, 2021 को, एम.बी.बी.एस. के 73 इंटर्न सहित 523 विद्यार्थी पंजीकृत थे। व्यावसायिक परीक्षाओं के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले नौ योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा-चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2020-21 में, बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 98 छात्रों (38 सामान्य श्रेणी, 10 आर्थिक रूप से कमज़ोर श्रेणी, 15 अनुसूचित जाति, 7 अनुसूचित जनजाति और 26 अन्य पिछड़े वर्ग, 2 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 45 छात्रों (21 सामान्य श्रेणी, 8 अनुसूचित जाति, 3 अनुसूचित जनजाति, 9 अन्य पिछड़ा वर्ग, 3 आर्थिक रूप से कमज़ोर और 1 विदेशी नागरिक को प्रवेश दिया गया। विभिन्न बी.एस.सी. पाठ्यक्रम में दाखिल छात्र:-

पाठ्यक्रम	**सामान्य**	**अनुसूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**	**आर्थिक रूप से कमज़ोर**	**कुल**
नेत्र विज्ञान तकनीक	9	2	2	5	2	20
रेडियोग्राफी चिकित्सा तकनीकी	5	1	1	3	1	11
ऑपरेशन थिएटर तकनीकी	1	1	1	2	1	6
दंत स्वच्छता	1	1	0	2	1	6
दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक	2	2	1	3	2	10

दिनांक 31 मार्च 2021 के अनुसार इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की संख्या निम्नलिखित है:

पाठ्यक्रम	**छात्रों की संख्या**
नर्सिंग	
बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक)	78
बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	323
परा-चिकित्सा	
बी.एस.सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	74
बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी चिकित्सा तकनीकी	39

बी.एस.सी. शल्यक्रिया कक्ष तकनीकी	31
बी.एस.सी. दंत स्वच्छता	11
बी.एस.सी. दंत शल्यक्रिया कक्ष सहायक	22

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेज़िडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में फेलोशिप, पी.एच.डी., डी.एम.,एम.सी.एच., एम.डी.,एम.एस., एम.डी.एस., एम.सी.एचा.डी.एम. (प्रत्यक्ष तौर पर 6 वर्षीय पाठ्यक्रम) एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम.एस.सी. पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन भी किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश, अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है। सभी एम.एस.सी., एम.एस.सी. नर्सिंग तथा एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है तथा अन्य सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए वर्ष में दो बार परीक्षा आयोजित की जाती है। विदेशी नागरिकों को एक ही प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रायोजित श्रेणी के तहत प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2020-21, के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 748 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2021 तक पंजीकृत स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1966 थी।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश-

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**जुलाई 2020**	**जनवरी 2021**	**कुल**
1.	एम.एस.सी. / एम. बायोटेक / एम.एस.सी. नर्सिंग (अगस्त)	76	*	76
2.	एमडी / एमएस / एमडीएस/एमसीएच / डीएम (प्रत्यक्ष तौर पर 6 वर्ष)	260	186	446
3.	डीएम / एमसीएच	96	105	201
4.	पीएचडी	53	37	90
5.	फेलोशिप	17	22	39
	कुल	**502**	**350**	**852**

*दाखिले वर्ष में एक बार किए जाते हैं।

पंजीकृत स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**पंजीकृत छात्रों की संख्या**
1.	पीएचडी	295
2.	डीएम	363
3.	एमसीएच	174

4.	फेलोशिप कार्यक्रम	49
5.	एम.डी.	766
6.	एम.एस.	115
7.	एमडीएस	67
8.	एमएससी / एम.बायोटेक / एम.एस.सी. नर्सिंग	156
	कुल	**1985**

पंजीकृत पी.एच.डी. छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान एवं प्रशामक चिकित्सा (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)	-	1
2.	संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.सें.)	1	1
3.	शरीर रचना विज्ञान	14	-
4.	जैव रसायन	48	-
5.	जैव भौतिकी	24	-
6.	जैव प्रौद्योगिकी	12	-
7.	हृदय जैव रसायन	2	-
8.	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	4	1
9.	एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान केंद्र	1	-
10.	नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान	1	-
11.	नर्सिंग कॉलेज	-	1
12.	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा.प्र. केंद्र)	1	-
13.	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	4	-
14.	न्यायचिकित्सा विकृतिविज्ञान एवं आण्विक डीएनए (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.सें.) प्रभाग	1	-
15.	अंत:स्राविकी एवं चयापचय	2	-
16.	न्यायचिकित्सा	3	-
17.	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	7	-
18.	प्रयोगशाला चिकित्सा	3	-
19.	प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान	13	-
20.	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)	10	-
21.	चिकित्सा भौतिकी (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)	2	1
22.	सूक्ष्म जीव विज्ञान	6	1
23.	तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान	-	1
24.	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	1	-
25.	तंत्रिका विज्ञान	11	-

26.	तंत्रिका मनोविज्ञान	1	-
27.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	1	-
28.	नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद	6	1
29.	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	1	-
30.	नेत्र विज्ञान (डॉ. रा.प्र.कें.)	2	-
31.	नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा.प्र. कें.)	1	-
32.	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा.प्र. कें.)	3	-
33.	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा.प्र. कें.)	3	-
34.	बाल शल्य चिकित्सा	2	1
35.	बाल चिकित्सा	4	1
36.	विकृति विज्ञान	15	-
37.	भेषजगुण विज्ञान	17	-
38.	शरीर क्रिया विज्ञान	21	-
39.	मनोचिकित्सा (व्यसन मनोचिकित्सा)	3	-
40.	मनोचिकित्सा (नैदानिक मनोविज्ञान)	1	-
41.	मनोचिकित्सा	2	-
42.	पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार	4	-
43.	विकिरणनिदान	-	1
44.	प्रजनन जीवविज्ञान	12	-
45.	मूल कोशिका	3	-
46.	शल्य चिकित्सा	2	-
47.	शल्य क्रिया अर्बुद विज्ञान	-	1
48.	शल्य चिकित्सा (ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.सें.)	1	-
49.	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी	4	3
	कुल	**280**	**15**

पंजीकृत डी.एम. छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	व्यसन मनोचिकित्सा (एनडीडीटीसी)	11	1
2.	हृदय शल्य चिकित्सा गहन उपचार	5	4
3.	हृदय संवेदनाहरण विज्ञान	14	1
4.	हृदयरोग विज्ञान	23	4
5.	नैदानिक रुधिररोग विज्ञान	10	2
6.	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	1
7.	संवेदनाहरण विज्ञान एवं गंभीर उपचार	20	1

8.	अंत:स्राविकी	8	3
9.	जठरांत्र रोग विज्ञान	21	3
10.	रुधिर विकृति विज्ञान	8	3
11.	संक्रामक रोग	10	1
12.	चिकित्सा आनुवांशिकी	7	1
13.	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	26	1
14.	नवजात विज्ञान	9	2
15.	वृक्क विज्ञान	8	2
16.	तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान और गहन उपचार	17	2
17.	तंत्रिका विज्ञान	34	-
18.	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान	6	3
19.	अर्बुद संवेदनाहरण, डॉ. बी.आर.ए. आईआरसीएच	18	-
20.	बाल हृद्विज्ञान	5	1
21.	बाल वृक्क विज्ञान	3	1
22.	बाल तंत्रिका विज्ञान	9	-
23.	बाल पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार	3	3
24.	बाल अर्बुद विज्ञान	9	3
25.	पल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा विकार	12	1
26.	प्रजनन चिकित्सा	5	3
27.	चिकित्सीय काय-चिकित्सा	5	-
28.	हृद्वाहिका विकिरणविज्ञान एवं इंडोवस्कुलर इंटरवेंशन	11	-
	कुल	**320**	**43**

पंजीकृत डी.एम. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	संक्रामक रोग	12	-
	कुल	**12**	**-**

पंजीकृत एम.सी.एच. छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	स्तन, अंत:स्रावी और सामान्य शल्य चिकित्सा	12	1
2.	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	25	1
3.	जठरांत्र शल्यचिकित्सा	11	3
4.	स्त्रीरोग विज्ञानी अर्बुदविज्ञान	6	3
5.	सिर-गला शल्यचिकित्सा और अर्बुदविज्ञान	7	1

6.	न्यूनतम एक्सेस शल्य चिकित्सा और सामान्य शल्य चिकित्सा	14	3
7.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
8.	बाल शल्य चिकित्सा	5	1
9.	प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक शल्य चिकित्सा	15	-
10.	शल्यक अर्बुदविज्ञान	15	2
11.	आघात शल्य चिकित्सा और गहन उपचार	15	6
12.	मूत्ररोग विज्ञान	8	1
	कुल	**150**	**24**

पंजीकृत एम.सी.एच. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	10	-
2.	बाल शल्य चिकित्सा	4	-
	कुल	**14**	**-**

पंजीकृत फेलोशिप छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	बेरिएट्रिक एवं चयापचय शल्य चिकित्सा	1	-
2.	नैदानिक अनुसंधान कार्य पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा	3	-
3.	संवेदनाहरण विज्ञान-पीड़ा चिकित्सा	4	1
4.	मेरुदंड शल्य चिकित्सा	4	-
5.	स्कल बेस एवं सेरिब्रोवस्कुलर सर्जरी (एनएस)	2	-
6.	बाल शल्य चिकित्सा (एनएस)	2	-
7.	उन्नत जठरांत्र इंडोस्कॉपी	2	-
8.	न्यूनतम इनवेसिव मूत्र रोग विज्ञान (लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक्स)	2	-
9.	जी.आई. विकिरण विज्ञान	2	-
10.	थॉरासिक विकिरण विज्ञान	2	-
11.	बाल विकिरण विज्ञान	2	-
12.	न्यूनतम इनवेसिव स्त्रीरोग विज्ञान संबंधी सर्जरी	2	-
13.	जठरांत्रविज्ञान-पेंक्रिएटोलॉजी	1	-
14.	जठरांत्रविज्ञान-प्रदाहक आंत्र रोग	2	-
15.	जठरांत्रविज्ञान-हिपेटोलॉजी	1	-
16.	तंत्रिका गहन उपचार	2	-
17.	महाधमनी शल्य चिकित्सा	2	1
18.	मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम)	1	-

19.	आर्थ्रोस्कोपी	2	-
20.	ज्वाइंट रिप्लेस्मेंट	1	-
21.	मांसपेशी-अस्थि अर्बुदविज्ञान	1	-
22.	श्रोणि-एसीटेबुलर आघात	1	-
	कुल	**42**	**2**

पंजीकृत एम.डी. / एम.एस. / एम.डी.एस. छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	संवेदनाहरण विज्ञान	69	3
2.	शरीर रचना विज्ञान	13	-
3.	जैव रसायन	15	-
4.	जैव भौतिकी	14	-
5.	सामुदायिक चिकित्सा	26	1
6.	रक्षात्मक दंत चिकित्सा विज्ञान एवं एंडोडोटिक्स	11	1
7.	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	21	3
8.	आपात चिकित्सा	40	2
9.	न्याय चिकित्सा	11	1
10.	जरा चिकित्सा	21	3
11.	अस्पताल प्रशासन	8	2
12.	संक्रामक रोग डी.एम. (प्रत्यक्ष तौर पर 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	18	-
13.	प्रयोगशाला चिकित्सा	11	-
14.	काय चिकित्सा	61	3
15.	सूक्ष्म जैव विज्ञान	14	-
16.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा-एम.सी.एच. (प्रत्यक्ष तौर पर 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	11	-
17.	नाभिकीय चिकित्सा	19	3
18.	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	44	3
19.	नेत्ररोग विज्ञान	122	3
20.	ओरल एवं मैसिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	14	1
21.	ऑर्थोडोंटिक्स	14	1
22.	अस्थि रोग	20	3
23.	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	22	3
24.	बाल शल्य चिकित्सा-एम.सी.एच. (प्रत्यक्ष तौर पर 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	8	-
25.	बाल चिकित्सा	34	3
26.	प्रशामक चिकित्सा	17	2
27.	विकृति विज्ञान	30	3

28.	पेडोडोंटिक्स और प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री	14	1
29.	भेषजगुण विज्ञान	16	-
30.	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	10	2
31.	शरीरक्रिया विज्ञान	20	-
32.	प्रोस्थोडोंटिक्स	10	-
33.	मनोचिकित्सा विज्ञान	32	3
34.	विकिरण निदान	30	-
35.	विकिरण चिकित्सा	16	3
36.	शल्य चिकित्सा	64	3
37.	आघान (ट्रांसफ्यूजन) चिकित्सा	7	2
	कुल	**927**	**58**

पंजीकृत एम.एस.सी. छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	शरीर रचना	9	-
2.	जैव रसायन	10	1
3.	जैव भौतिकी	6	-
4.	भेषजगुण विज्ञान	11	-
5.	शरीर क्रिया विज्ञान	10	-
6.	जैव प्रौद्योगिकी	22	1
7.	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	22	2
8.	प्रजनन जैवविज्ञान	10	1
9.	हृदवाहिका इमेजिंग एवं अंत: वाहिका तकनीकी	3	-
	कुल	**103**	**05**

पंजीकृत एम.एस.सी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय-वार वितरण:-

क्र.सं.	**विषय**	**ओपन**	**प्रायोजित**
1.	हृद विज्ञान / सी.टी.वी.एस. नर्सिंग	5	2
2.	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	4	2
3.	बाल नर्सिंग	5	1
4.	मनोचिकित्सा नर्सिंग	6	2
5.	अर्बुद विज्ञान नर्सिंग	4	2
6.	वृक्क विज्ञान नर्सिंग	4	2
7.	गंभीर उपचार नर्सिंग	5	4
	कुल	**33**	**15**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत एवं विदेश के विभिन्न संगठनों के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधि, दीर्घावधि एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2020-21, के दौरान 518 भारतीयों को अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया कोविड-19 महामारी के कारण, वर्ष के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए और इसके चलते उम्मीदवारों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक है।

इस वर्ष के दौरान शैक्षणिक अनुभाग ने 7 व्याख्यान आयोजित किए और 69 सम्मेलनों / कार्यशालाओं के आयोजन की अनुमति दी।

समिति की बैठकें

शैक्षिक अनुभाग द्वारा शैक्षिक समिति काउसिंल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतिकरण की बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई:-

क्र.सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1.	शैक्षिक	1
2.	स्टाफ काउंसिल	0
3.	संकायाध्यक्ष समिति	2
4.	संकाय (सामान्य चर्चा)	7
5.	अनुसंधान प्रस्तुतिकरण	1

सरल प्लेटफार्म

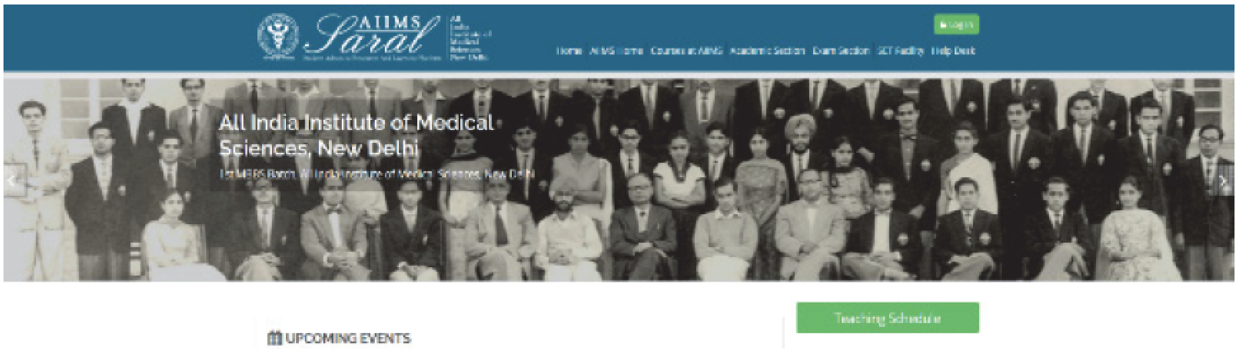

शैक्षिक सामग्री के ऑनलाइन वितरण के साथ-साथ छात्र प्रबंधन दोनों के लिए 2020-21 के दौरान सरल प्लेटफार्म का व्यापक रूप से प्रयोग किया गया था। संकाय द्वारा अपलोड की जा रही सामग्री के साथ संपूर्ण स्नातक शिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया गया था। प्लेटफार्म पर कई ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाए और वितरित किए गए। इन पाठ्यक्रमों में लाइव इंटरेक्शन, क्विज़ और सर्टिफिकेट जनरेशन शामिल है। इनमें से कुछ का व्यापक रूप से कोविड-19 के प्रबंधन में जनशक्ति को प्रशिक्षित करने हेतु उपयोग किया गया है। सभी नए शामिल हुए रेजिडेंट को कोविड क्षेत्रों में कार्यभार ग्रहण करने से पहले ऑनलाइन प्रशिक्षण लेना आवश्यक है। 5 दिन के पाठ्यक्रम के सभी

पहलुओं को कवर करने हेतु लघु वीडियो बनाने वाले संकाय के साथ रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए फांउडेशन पाठ्यक्रम को भी ऑनलाइन मॉडयूल में परिवर्तित किया गया था।

इसके अतिरिक्त, छात्र प्रबंधन प्रणाली को छात्रों के अनुप्रयोगों और थीसिस सहित दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंधन के लिए सक्रिय किया गया था।

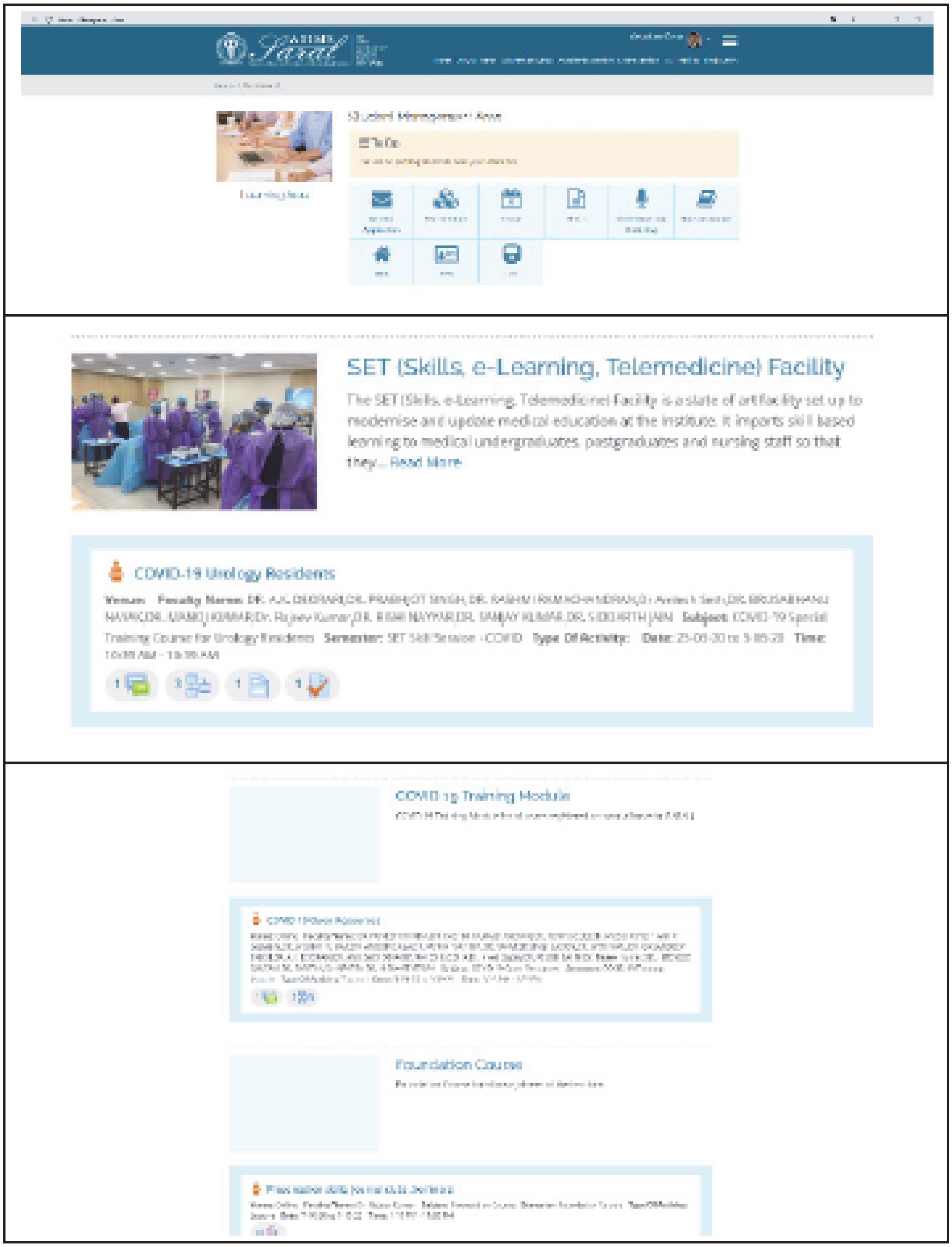

कोविड-19 वैश्विक महामारी

शैक्षणिक खंड, एम्स, नई दिल्ली ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए कई कदम उठाए। इनमें शैक्षणिक अनुभाग कार्यक्रमों के प्रबंधन के साथ-साथ देश भर में चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु करना शामिल है। इसमें आम जनता के लिए कई शैक्षिक कार्यक्रम भी शामिल हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रमों में बदलाव

सभी कक्षाओं और प्रदर्शनों को सरल प्लेटफॉर्म और कई वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म पर उपदेशात्मक सामग्री के साथ ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया गया है। ऑनलाइन स्क्रीन समय को कम करने हेतु अनुसूचियों को फिर से तैयार किया गया और लो-बैंड-विड्थ वाले प्लेटफॉर्म पर व्याख्यान की रिकॉर्डिंग या लाइव प्रसारण के लिए प्रावधान किया गया था ताकि खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी वाले छात्र इसे बाद में देख सकें।

शिक्षण के फ्लिप्ड क्लासरुम मॉडल को सरल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके नियोजित किया गया था और नैदानिक मामलों पर इंटरैक्टिव वर्चुअल केस चर्चाओं का उपयोग करके चर्चा की गई थी। मूल्यांकन भी ऑनलाइन किए गए थे और छात्रों को तनाव मुक्त करने के लिए कई मूल्यांकन संयोजित या आस्थगित किए गए। छात्र के जीवन-चक्र प्रबंधन में आवेदन, थीसिस और प्रोटोकॉल आदि प्रस्तुत करना शामिल है, फिज़िकल बातचीत को कम करने के लिए सरल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन स्थानांतरित कर दिया गया था।

साहित्य समीक्षा अद्यतन

महामारी पर तेजी से बदलती जानकारी ने बड़ी मात्रा में प्रकाशित साहित्य उत्पन्न किया और यह महत्वपूर्ण था कि उचित उपयोग के लिए इसकी समीक्षात्मक समीक्षा की गई। प्रकाशित लेखों की समीक्षा करने, वैज्ञानिक तर्क के साथ आलोचनात्मक विश्लेषण करने के लिए संकाय की 16 टीमें बनाई गई। इसकी और तेजी से समीक्षा की गई और एम्स की कोविड वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

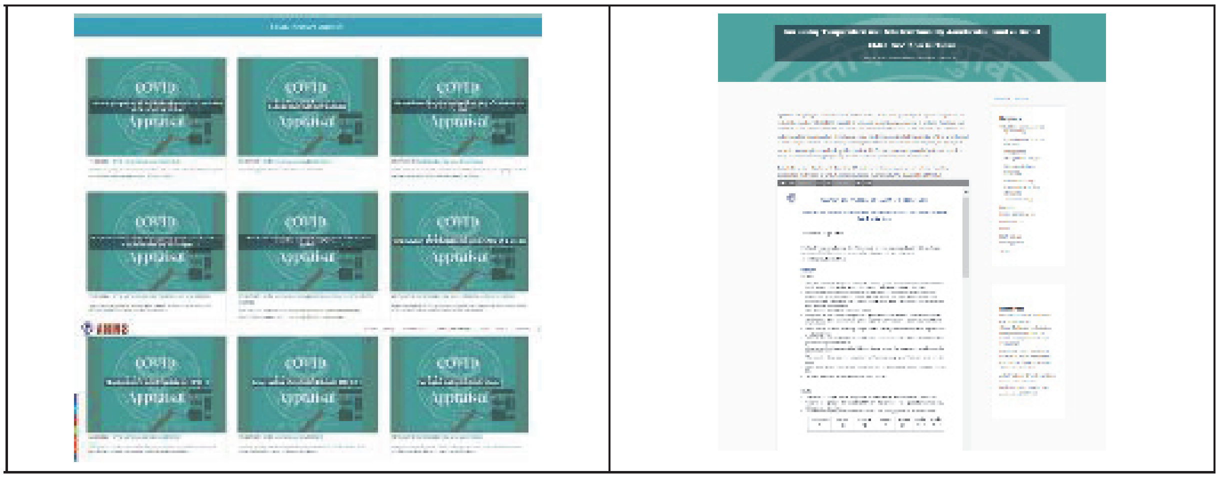

कोविड-19 उपचार के लिए राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण और परामर्श

शैक्षणिक अनुभाग ने देश भर में कोविड-19 के उपचार के लिए कई शैक्षणिक और प्रशिक्षण गतिविधियों का समन्वय किया।

- **मेडिकल कॉलेज में टेस्टिंग क्षमता बढ़ाने के लिए मेंटोरशिप**

  अप्रैल 2020 में, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में कोविड-19 परीक्षण क्षमता में तेजी से वृद्धि करने की आवश्यकता थी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के सहयोग से, देशभर में 14 मेंटोर संस्थानों की पहचान की गई, जिन्होंने अपने क्षेत्रों में कॉलेजों को परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया। कॉलेजों की प्रगति की निगरानी के लिए एक लाइव, ऑनलाइन डैशबोर्ड बनाया गया और इसके परिणामस्वरूप, परीक्षण क्षमता बढ़कर 100 प्रयोगशालाओं और प्रतिदिन 10 लाख परीक्षण से अधिक हो गई।

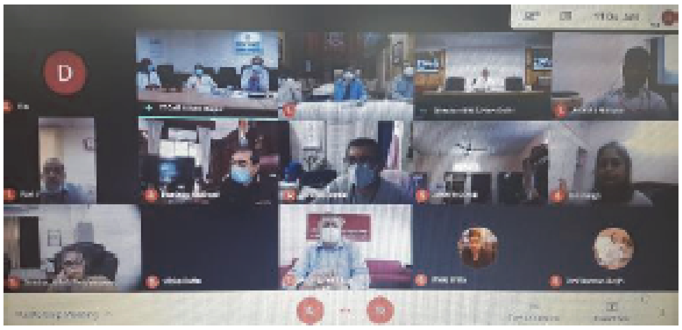

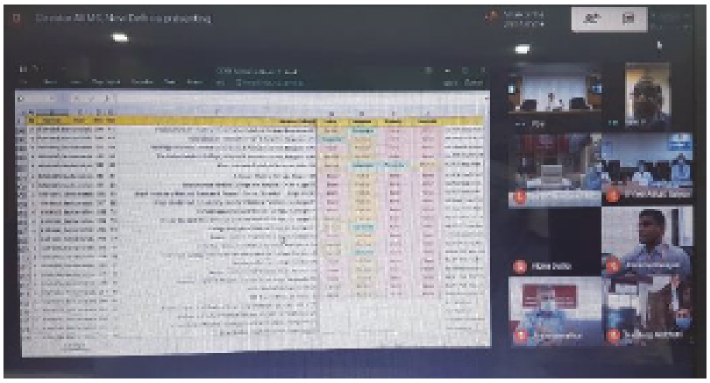

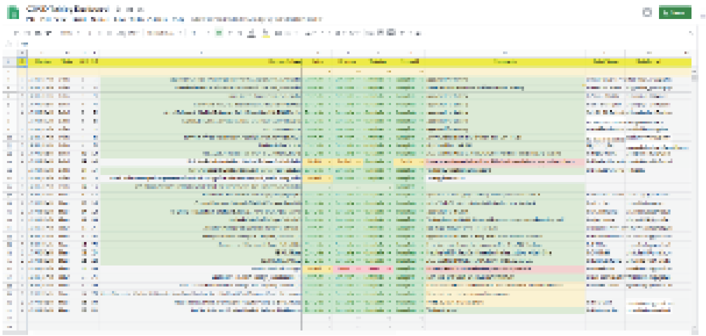

- **गंभीर रोगियों के उपचार संबंधी परामर्श के लिए ई-आईसीयू**

ई-आईसीयू परियोजना को कोविड-19 संबंधित मृत्यु दर को कम करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ शुरु किया गया था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से, एम्स के विशेषज्ञों के साथ स्टेट-वाइज़ जुड़ाव के साथ देश भर में व्यापक स्तर की सुविधाओं द्वारा मरीजों का इलाज करने वाले डॉक्टरों के बीच विचार-विमर्श किया गया। जुलाई 2020 से 30 वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई और 543 संस्थानों के डॉक्टरों को शामिल किया गया।

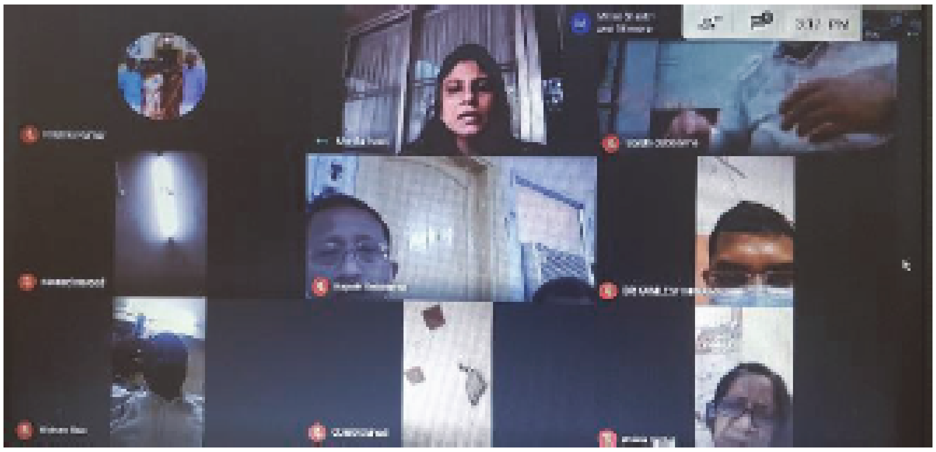

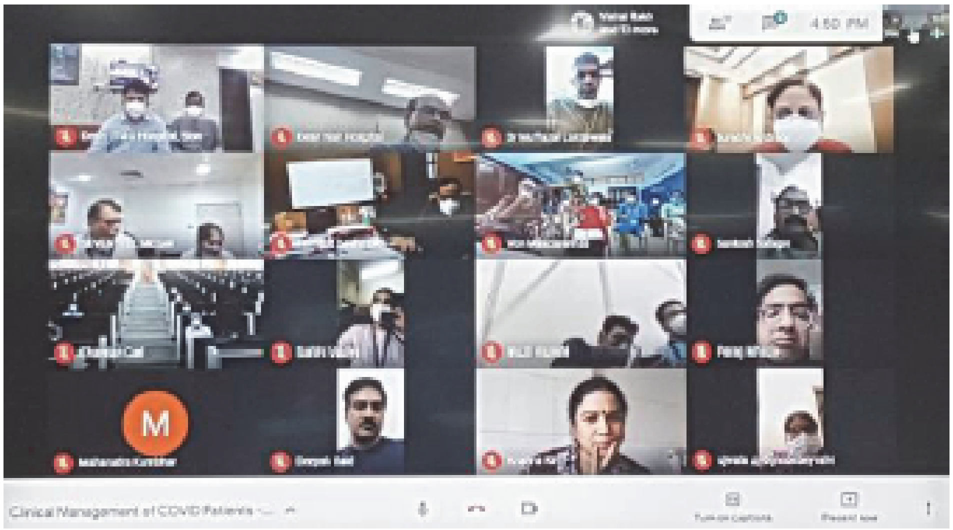

- **नेशनल कोविड ग्रैंड राउंड**

  नीति आयोग और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से, राष्ट्रीय कोविड ग्रैंड रांउड में कोविड-19 के साक्ष्य-आधरित प्रबंधन के लिए नैदानिक केस-चर्चा और विषय प्रस्तुतिकरण शामिल थे। पैनलिस्ट में भारत एवं विदेशों के डॉक्टर शामिल थे और कार्यक्रम को देखने हेतु लॉगड करने वाले डॉक्टरों के लिए प्रश्नोत्तर के साथ लाइव प्रसारित किया गया था। 1500 से अधिक लाइव उपस्थित लोगों ने कुछ सत्रों को देखा और एम्स यूटयूब चैनलों पर दर्शकों की कुल संख्या 2,00,000 से अधिक हो गई। 20 एन-सीजीआर आयोजित किए गए, जिनमें प्रत्येक सत्र 90-120 मिनट तक चला।

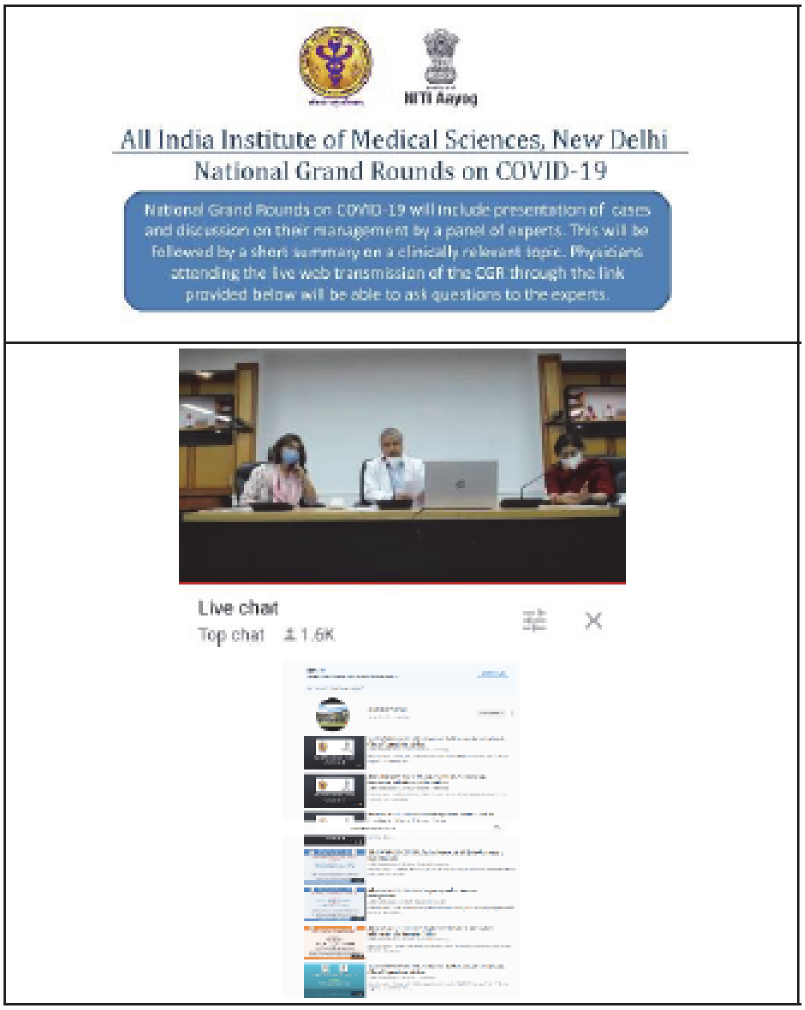

- **उत्कृष्टता कार्यक्रम केंद्र (सीओई):-**

  सीओई कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्रीय और राज्य केंद्रों के बीच हब और स्पोक माध्यम से क्षमता का निर्माण करना है। उनका उद्देश्य नैदानिक सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना और बाद में राज्य के सीओई द्वारा उनके संबंधित राज्य सुविधाओं के ज्ञान का प्रसार करना था। पहले चरण में राज्यों द्वारा 28 सीओई नामित किए गए थे।

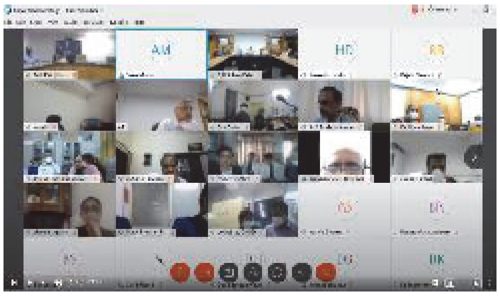

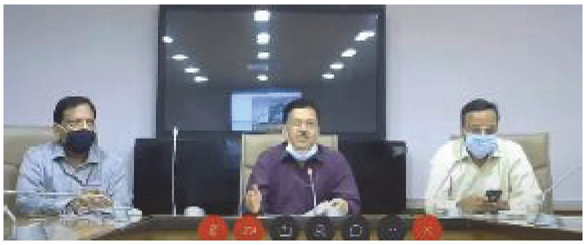

एसईटी (स्किल्स, ई-लर्निंग एवं टेलीमेडिसिन) सुविधा प्रबंधन समिति

आचार्य रणदीप गुलेरिया, निदेशक, अ.भा.अ.सं.: अध्यक्ष

आचार्य ए. सक्सेना, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक): सह-अध्यक्ष

आचार्य ए.के. देवरारी

आचार्य एम.के. सिंह

आचार्य ए. शरीफ

आचार्य आशीष सुरी

आचार्य आरती विज़

आचार्य राजीव कुमार, सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

आचार्य संजीव लालवानी, कुल सचिव-सदस्य सचिव

आचार्य अंबुज रॉय, प्रभारी सुविधा समन्वयक

प्रशासनिक एकक

आचार्य ऐ.के. देवरारी, अध्यक्ष स्किल (ड्राइ एवं वैट लेब) सुविधा

आचार्य एम.के. सिंह, अध्यक्ष, ई-लर्निंग सुविधा

आचार्य ए. शरीफ, अध्यक्ष, टेलीमेडिसिन सुविधा

आचार्य अंबुज रॉय, प्रभारी सुविधा समन्वयक

श्री आदर्श कुमार शर्मा, मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री कुशल कुमार, प्रशासनिक अधिकारी

सुश्री अर्चना शर्मा, भंडार अधिकारी

उद्देश्य:-

- कौशल सुविधा स्थापित करना-ड्राइ लेब, वैट लेब, सिमुलेशन-आधारित लर्निंग
- ऑनलाइन लर्निंग के लिए ई-प्लेटफॉम स्थापित करना
- पूरे भारत में संस्थानों के बीच सहयोग के लिए टेलीमेडिसन सुविधा

2020-21 में नई सुविधाएं जोड़ी गई

- उन्नत वायुमार्ग प्रशिक्षण प्रयोगशाला

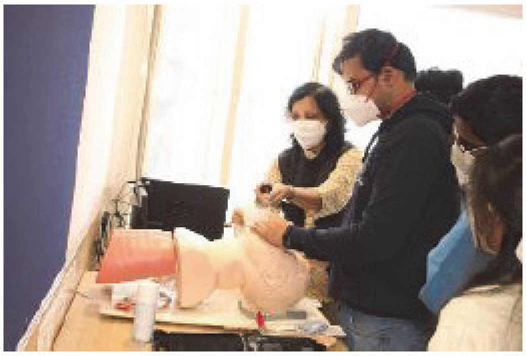

- अल्ट्रासाउंड सिमुलेशन प्रयोगशाला

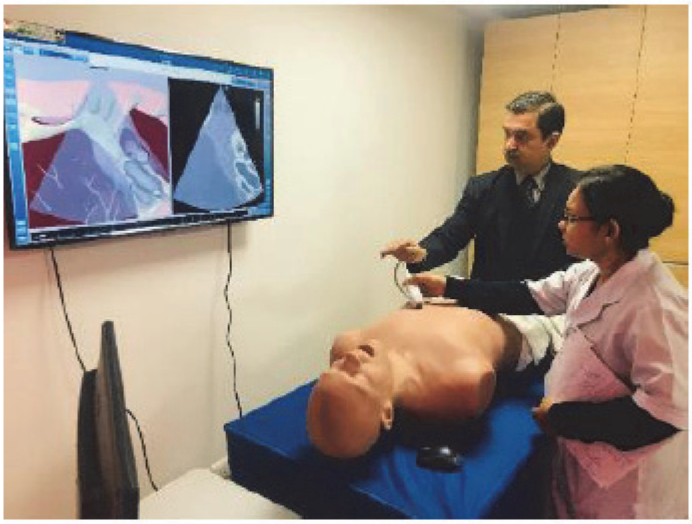

- विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियां

कौशल लैब

1. **पूर्वस्नातक छात्र**
    - स्नातक छात्रों के लिए कौशल आधारित शिक्षा जो पाठ्यक्रम में एकीकृत है।
    - कार्यक्रम चौथे सेमेस्टर में मिश्रित ऑनलाइन और व्यावहारिक शिक्षण पद्धति के उपयोग द्वारा शुरु होता है।
        - कौशल प्रशिक्षण सत्र की संख्या: 20
        - विभिन्न सत्रों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या: 349
2. **नर्सिंग छात्र**
    - नर्सिंग कॉलेज के छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम: 7
    - भाग लेने वाले छात्रों की संख्या: 320
3. **स्नातकोत्तर छात्र**
    - एयरवे इंट्यूवेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम (कोविड और नॉन-कोविड संबंधित)
        - कुल संचालित: 07
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 63
    - रेज़िडेंट के लिए बाल चिकित्सा आपात स्थिति प्रशिक्षण कार्यक्रम
        - कुल संचालित: 01
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 40
    - सामान्य लेबर और एपिसियोटॉमी
        - कुल संचालित: 04
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 44
    - सीयूटी इन्सर्शन पेल्विक जांच
        - कुल संचालित: 04
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 52
    - पीपीएच ड्रिल
        - कुल संचालित: 01
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 10
4. **एमसीएच / डीएम / सुपर-स्पेशिऐलिटी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम**
    - सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम
        - कुल संचालित: 01
        - कुल नामांकित रेज़िडेंट: 31
    - बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम (एएचए अधिकृत)
        - कुल संचालित: 01
        - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 19
    - यूएसजी सिमुलेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम
        - कुल संचालित: 02

- कुल नामांकित प्रतिनिधि: 40
- जटिल एयरवे इंट्यूवेशन प्रशिक्षण
    - कुल संचालित: 24
    - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 110

5. संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण)

- विभिन्न मॉडयूल के लिए रिकॉर्डिंग
    - कुल संचालित: 12
    - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 18

कौशल लेब में कोविड संबंधित गतिविधियां

कोविड-19 संदेहयुक्त मां से पैदा हुए बच्चे के पुनर्जीवन के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण

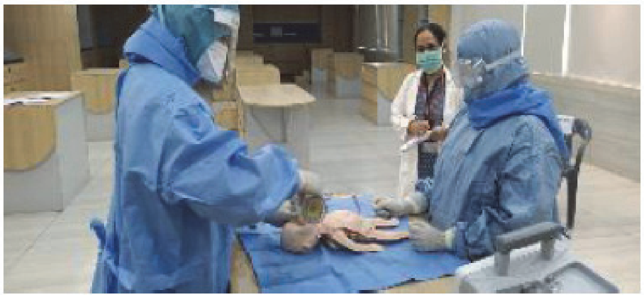

वेट लैब

शव प्रशिक्षण कार्यशालाएं (संकाय / एमसीएच छात्र / फेलोशिप छात्र हेतु)

1. सिमुलेटिड टिशू पर सर्जिकल विच्छेदन
   - कुल संचालित: 11
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 60
2. बुनियादी लेप्रोस्कोपिक कौशल पाठ्यक्रम
   - कुल संचालित: 2
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 10
3. उन्नत एंडोस्कोपिक विधि
   - कुल संचालित: 03
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 13
4. इलेक्ट्रों सर्जरी और सर्जिकल स्टेप्लर
   - कुल संचालित: 1
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 6
5. थायरोप्लास्टी
   - कुल संचालित: 1
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 14
6. एटीएलएस परीदृश्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
   - कुल संचालित: 01
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 10
7. थीसिस हेतु (पशु उत्तक पर इस्तेमाल किए जाने वाला दाहक पदार्थ)
   - कुल संचालित: 03
   - कुल नामांकित प्रतिनिधि: 03
8. एमडी परीक्षा (बाल चिकित्सा)
   1. कुल संचालित: 01
   2. कुल नामांकित प्रतिनिधि: 20
9. एमडी परीक्षा (आपातकालीन)
   3. कुल संचालित: 03
   4. कुल नामांकित प्रतिनिधि: 19

10. इंटरनल परीक्षा (सर्जिकल क्षेत्र)
- कुल संचालित: 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि: 20

11. वीडियो सम्मेलन
- कुल संचालित: 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि: 04

12. वीडियो रिकॉर्डिंग (संवेदनाहरण)
- कुल संचालित: 01
- कुल नामांकित प्रतिनिधि: 03

13. एंडो प्रशिक्षक
- सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कुल भाग लेने वाले रेज़िडेंट: 96

कोविड-19 के दौरान वैट लैब में कौशल प्रशिक्षण

ई-लर्निंग

एसईटी सुविधा में सम्मिलित संकाय द्वारा स्किल लर्निंग के लिए लर्निंग मॉड्यूल्स का निर्माण किया गया। ऑनलाइन प्रदर्शित प्रत्येक मॉड्यूल स्किल के संबंध में सीखने के लिए स्किल, ऑडियो-वीडियो फाइल एवं बहु-चयन प्रश्नों हेतु मानक ऑपरेटिंग प्रक्रियाओं को सम्मिलित किया गया है।

निर्मित मॉड्यूल की संख्या : 34
स्नातकपूर्व स्किल लर्निंग हेतु स्किल मॉड्यूल का वितरण:-

चौथा एवं पांचवा सेमेस्टर

- हाथ धोना
- आईएम इंजेक्शन
- पीवी परीक्षण
- पेप स्मीयर
- आईवी कैनुलेशन
- पल्स ऑक्सीमीटर प्रयोग

छठा सेमेस्टर

- बैग एवं मास्क
- छाती दवाब - (वयस्क)
- छाती दवाब - (बच्चे)
- नवजात इंट्यूवेशन
- बेसिक सूचरिंग
- सीयू-टी प्रवेशन
- इंडोमेट्रियल चूषण

सातवां सेमेस्टर

- एलएमए प्रवेशन
- धमनी रक्त नमूनाकरण
- इंटोट्रेकियल इंट्यूवेशन
- ग्लूकोमीटर प्रयोग
- ग्लूविंग एवं गावनिंग
- फ्रैक्चर स्टेबिलाइजेशन

आठवां सेमेस्टर

- वयस्क एनजी ट्यूब प्रवेशन
- डायग्नोस्टिक एलपी
- ऐस्सिटिक टेप

- ग्रीवा कालर एप्लिकेशन
- ट्रू-कट बायोप्सी
- सामान्य योनि प्रसूति
- एपीसियोटॉमी रिपेयर
- नवजात ओजी फीडिंग
- नवजात एलपी

इंटर्नशिप

- आईसीडी प्रवेशन
- मूत्र कैथेटराइजेशन
- नीडल थोरासेंटेसिस
- सीवीसी प्रवेशन
- पीआईसीसी प्रवेशन
- बीएलएस एवं एसीएलएस

कोविड संबंधित प्रशिक्षण मॉड्यूल-

- कोविड रोगियों में एंडोट्रोकियल इंट्यूवेशन
- कोविड रोगियों में सीपीआर
- पीपीई में चश्मे की फॉगिंग को कैसे रोकें?
- हल्के / मध्यम कोविड के लिए नैदानिक उपचार संबंधी दिशा-निर्देश

टेलीमेडिसन सेवाएं

- टेली परामर्श 140
- टेली-क्रॉफ्रेंस 13
- टेली सीएमई 90
- टेली-साक्ष्य 21
- शैक्षणिक लाइव प्रसारण 199
- सेमिनार 30
- वेबीनार 86
- जर्नल क्लब 15
- कार्यशालाएं 20
- ओबीएस रिकॉर्डिंग 41
- परीक्षण 101

कोविड संबंधी गतिविधियां

- चिकित्सकों के लिए वेबिनार
- परिचारकों के लिए वेबिनार

- प्रसूति देखभाल पर वेबिनार
- पंजाब कोविड-19 टास्क फोर्स के साथ वेबिनार
- सार्क (एस एस आरक्सी) देशों के साथ वेबिनार
- एइन-शम विश्वविद्यालय, इजिप्ट के साथ वेबिनार
- पंजाब कोविड-19 एचसीडब्ल्यू के साथ वेबिनार
- कोविड-19 के दौरान आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने पर वेबिनार
- श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली की जनता हेतु आयोजन के लिए वेबिनार

एम्स टेलीमेडिसिन यूटयूब चैनल पर 6 लाख व्यूज थे।

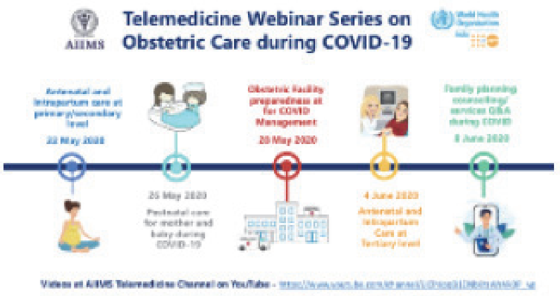

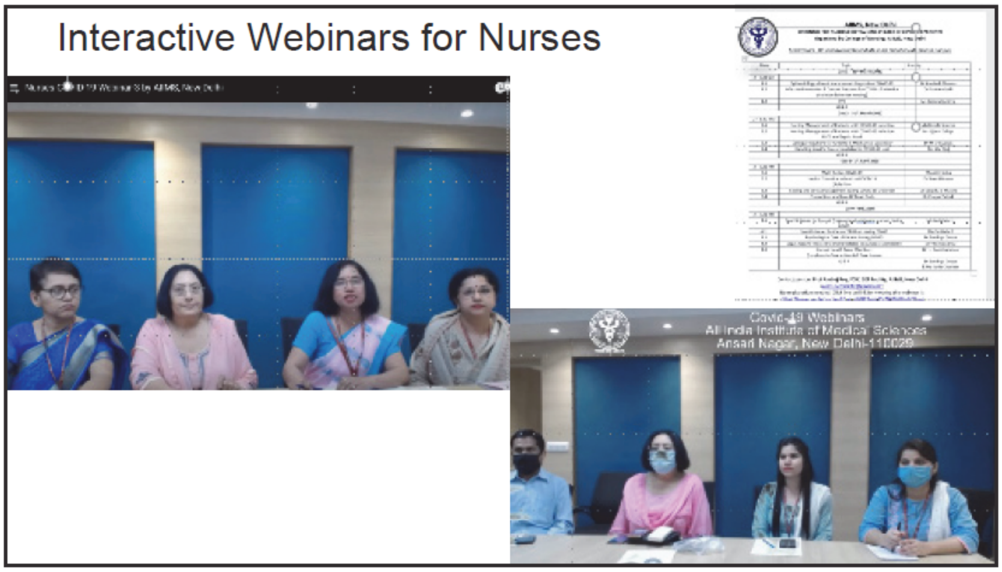

अनुसंधान

जारी

1. चिकित्सा छात्रों द्वारा मैनिक्यून में इंट्यूवेशन हेतु सीधे लैरिंगोस्कॉप के साथ किंग विजन विडियोलैरिगोस्कॉपी चैनल्ड एवं गैर-चैनल्ड ब्लैड्स की तुलना: एक यादृच्छिक मैनिक्यून अध्ययन।
2. चिकित्सा प्रशिक्षुओं के मध्य समेकित योग्यता-आधारित लर्निंग कार्यक्रम की प्रभावकता एवं कथित उपयोगिता: एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।
3. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतरंग क्षेत्रों में पुनर्जीवन प्रयोग: एक जांच बिंदु आधारित अग्रदर्शी, अवलोकनात्मक आंकड़ा संग्रहण अध्ययन।

पूर्ण

1. नर्सों के ज्ञान, दक्षता एवं आत्म-विश्वास के सदंर्भ में नवजात पुनर्जीवन पर परम्परागत बनाम उत्प्रेरण शिक्षा पद्धतियों के प्रभाव की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. कोविड-19 वाले रोगियों को संभालते समय आत्मविश्वास और एरोसोल उत्पन्न करने की प्रक्रियाओं का वास्तविक आचरण, प्रदर्शनकर्ता के ज्ञान पर अनुकरण आधारित शिक्षण का प्रभाव।
3. बाल चिकित्सा एवं सर्जरी वार्डों में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान तथा स्व-प्रभावकता पर रुढ़ प्रशिक्षण से परे उत्प्रेरण आधारित लर्निंग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।
4. रिमोट ट्रेनर निर्देशित डेलिबरेट अभ्यास बनाम रिटेंशन पीएफ सीपीआर कौशल के लिए स्व-निर्देशित वीडियो आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता अनुकरण अध्ययन।
5. नर्सिंग छात्रों में मिडवाइफरी दक्षाताओं को प्राप्त करने में अल्प फिडिलिटी उत्प्रेरण की भूमिका: एक मिश्रित पद्धति एप्रोच।

निदेशक, एम्स द्वारा एसईटी सुविधा में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान करने वाले संकाय।

क्र.सं.	नाम	विभाग
1.	डॉ. सीनू वी	शल्य चिकित्सा
2.	डॉ. रश्मि रामाचद्रंन	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
3.	डॉ. थिलकामुथिया	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
4.	डॉ. मनप्रीत कौर	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
5.	डॉ. देवलिना गोस्वामी	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
6.	डॉ. दालिम बैद्या	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
7.	डॉ. निशांत कुमार	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
8.	डॉ. अभिषेक एन	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
9.	डॉ. पारिन लालवानी	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
10.	डॉ. श्रेया बी. शाह	संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
11.	डॉ. निष्कर्ष गुप्ता	अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान
12.	डॉ. राकेश गर्ग	अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान
13.	डॉ. विनोद	अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान
14.	डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सिंह	तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान
15.	डॉ. प्रबुद्ध गोयल	बाल शल्य चिकित्सा
16.	डॉ. अनु सचदेवा	बाल चिकित्सा
17.	डॉ. रजनी शर्मा	बाल चिकित्सा
18.	डॉ. झूमा शंकर	बाल चिकित्सा
19.	डॉ. नरेंद्र बागरी	बाल चिकित्सा
20.	डॉ. के. अपर्णा शर्मा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

21.	डॉ. जूही भारती	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
22.	डॉ. ज्योति मीणा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
23.	डॉ. विदूषी सिन्हा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
24.	डॉ. अर्चना	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
25.	डॉ. अनुभूति राणा	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
26.	डॉ. दीपाली	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
27.	डॉ. कुसुम	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
28.	डॉ. रिंचेन	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
29.	डॉ. रवनीत कौर	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
30.	डॉ. हर्षल साल्वे	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
31.	डॉ. हेमंगा के. भट्टाचार्जी	शल्य चिकित्सा
32.	डॉ. सुहानी	शल्य चिकित्सा
33.	डॉ. मोहित जोशी	शल्य चिकित्सा
34.	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	नर्सिंग कॉलेज
35.	डॉ. समिता दास	नर्सिंग कॉलेज
36.	सुश्री लेविस मुरै	नर्सिंग कॉलेज
37.	डॉ. अरविंद कुमार	चिकित्सा
38.	डॉ. रणवीर सिंह जादोन	चिकित्सा
39.	डॉ. उपेन्द्र राज	चिकित्सा
40.	डॉ. अक्षय कुमार	आपातकालीन चिकित्सा
41.	डॉ. प्रभजोत सिंह	मूत्ररोग विज्ञान
42.	डॉ. ऋषि नय्यर	मूत्ररोग विज्ञान
43.	डॉ. बृषभानु नायक	मूत्ररोग विज्ञान
44.	डॉ. आर.के. यादव	वृक्क विज्ञान

4. परीक्षा अनुभाग

संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

सुब्रता सिन्हा (31 सितंबर 2020 तक) के.के. दीपक (1 अक्तूबर 2020 से)

सह-संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

नवल के. विक्रम

सहायक परीक्षा नियंत्रक

एम.के. सिंह

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

पदम सिंह

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पहला संस्थान है जिसने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के सहयोग से यात्रा संबंधी बाधाओं एवं अन्य तार्किक प्रतिबंधों के बावजूद स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए समय पर प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए 11 जून 2020 को लॉकडाउन 1.0 खुलने के पहले सप्ताह के अंदर एक राष्ट्र-व्यापी प्रवेश परीक्षा (239 शहर) आयोजित की। एम्स के शैक्षिक अनुभाग तथा कोविड टास्क फोर्स के साथ परामर्श से व्यवसायिक परीक्षाओं के साथ प्रवेश परीक्षा के लिए नई मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार की गईं। इन प्रक्रियाओं को बाद में हमारे देश की परीक्षा आयोजक एजेंसी द्वारा ग्रहण किया गया। जुलाई 2020 तथा जनवरी 2021 हेतु एम्स के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए सभी प्रवेश परीक्षाएं निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरी कर ली गईं।

प्रवेश परीक्षाओं के अतिरिक्त,

1. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निर्णय तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देश के अनुसार सभी एम्स हेतु नर्सिंग अधिकारियों **(एनओआरसीईटी)** के लिए एक संयुक्त भर्ती परीक्षा।
2. आईएनआई **(आईएनआईसीईटी)** हेतु संयुक्त स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।
3. विभिन्न व्यवसायिक कार्यक्रमों (स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर तथा अतिविशिष्ट फेलोशिप) हेतु संस्थान में ही नियमित समय सीमा के भीतर परीक्षाएं पूरी कर ली गई। व्यवसायिक परीक्षाओं हेतु कंप्यूटरीकरण के साथ थीसिस के मूल्यांकन तथा व्यवसायिक परीक्षा (ई-एसटीईएमएम) के संचालन के प्रबंधन के लिए ऑनलाइन डिजिटल सिस्टम को विकसित किया गया।
4. समूह 'ख' तथा 'ग' के तहत 18 प्रकार के पदों हेतु भी भर्ती परीक्षा पूरे देश में आयोजित की गई।

   समीक्ष्य अवधि (2020-21) के दौरान, परीक्षा अनुभाग ने निम्नलिखित व्यवसायिक तथा प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की:

स्नातकोत्तर तथा स्नातकपूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

स्नातकपूर्व परीक्षाएं

क्र.सं.	माह/वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1.	मई-जून 20	बी.एससी (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण II	24	01	23	-
2.	-तदैव-	अंतिम एमबीबीएस (पूरक)	15	01	14	-
3.	अगस्त 2020	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-IV	60	-	60	-
4.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीकी चरण- III	10		07	03
5.	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक चरण-III	16	-	12	04
6.	अक्तूबर 2020	दंत स्वास्थ्यविज्ञान में बी.एससी चरण-I	03	-	03	-
7.	-तदैव-	दंत स्वास्थ्यविज्ञान में बी.एससी चरण-II	02	-	02	-
8.	-तदैव-	दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक में बी.एससी-I	07	-	07	-
9.	-तदैव-	दंत ऑपरेटिंग कक्ष सहायक में बी.एससी- II	04	-	04	-
10.	-तदैव-	ओटीटी में बी.एससी चरण-I	08	01	06	01
11.	-तदैव-	ओटीटी में बी.एससी चरण-II	17	01	13	03
12.	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक चरण-I	21	01	13	07
13.	-तदैव-	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकी चरण-I	11	-	07	04
14.	-तदैव-	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकी चरण-II	10	02	08	-
15.	-तदैव-	बी.एससी (पोस्ट-बेसिक) नर्सिंग चरण-I	30	01	27	02

16	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक चरण-II	15	03	06	06
17.	अक्तूबर-नवबंर 2020	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-I	81	-	65	16
18.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-II	70	-	70	-
19.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-III	73	-	73	-
20.	-तदैव-	द्वितीय एमबीबीएस (पूरक)	27	03	21	03
21.	दिसंबर 2020	प्रथम एमबीबीएस (पूरक)	08	-	08	-
22.	-तदैव-	प्रथम एमबीबीएस व्यावसायिक	115	06	92	17
23.	-तदैव-	द्वितीय एमबीबीएस व्यावसायिक	107	05	78	24
24.	-तदैव-	फाइनल एमबीबीएस व्यावसायिक	74	02	67	05
25.	फरवरी 2021	फाइनल एमबीबीएस (कंपार्टमेंटल)	02	-	02	-
26.	मार्च 2021	प्रथम एमबीबीएस (पूरक)	18	02	06	09+01 एन.ई.
27.	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक (पूरक) चरण -I	08	-	06	02
28.	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक (पूरक) चरण -II	09	-	08	01
29.	-तदैव-	ऑप्टोमीटरी में स्नातक (पूरक) चरण -III	04	-	01	03
30.	-तदैव-	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकी (पूरक) चरण -I	04	00	-	-
31.	-तदैव-	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकी (पूरक) चरण -II	02	00	-	-
32.	-तदैव-	रेडियोग्राफी में बी.एससी (ऑनर्स) चिकित्सा तकनीकी (पूरक) चरण -III	04	00	-	-

33.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-I (पूरक)	14	00	-	-
34.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-।। (पूरक)	04	00	-	-
35.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-।।। (पूरक)	03	00	-	-
36.	-तदैव-	बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग चरण-IV (पूरक)	01	00	-	-
37.	-तदैव-	बी.एससी (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण-। (पूरक)	02	00	-	-
38.	-तदैव-	बी.एससी (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण-।। (पूरक)	01	00	-	-
39.	-तदैव-	ओटीटी में बी.एससी चरण-।	01	00	-	-
40.	-तदैव-	ओटीटी में बी.एससी चरण-।।	05	00	-	-
		कुल	**890**			

स्नातकोत्तर परीक्षाएं

क्र.सं.	माह/वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1.	जून 2020	एम.डी.	157	01	155	01
2.	-तदैव-	एम.एस.	25	-	23	02
3.	-तदैव-	एम.डी.एस.	12	-	12	-
4.	-तदैव-	फेलोशिप कार्यक्रम	15	-	14	01
5.	-तदैव-	एम.जैवप्रौद्योगिकी	12	-	10	02
6.	दिसम्बर 2020	एम.डी.	83	04	77	02
7.	-तदैव-	एम.एस.	14	-	14	-
8.	-तदैव-	एम.डी.एस.	08	-	08	-
9.	-तदैव-	फेलोशिप कार्यक्रम	20	-	18	02
10.	-तदैव-	एम.जैवप्रौद्योगिकी	03	01	02	-
11.	मई 2020	डी.एम.	58	-	57	01
12.	-तदैव-	एम.सीएच.	30	-	30	-
13.	-तदैव-	एम.एससी.नर्सिंग चरण-II	26	-	26	-
14.	-तदैव-	एम.एससी. पाठ्यक्रम	43	-	42	01

15.	-तदैव-	एम.एससी.नर्सिंग-I	25	-	25	-
16	दिसम्बर 2020	डी.एम.	65	-	64	01
17.	-तदैव-	एम.सीएच.	35	01	34	-
18.	-तदैव-	एम.एससी. पाठ्यक्रम	02	-	02	-
19.	-तदैव-	एम.एससी.नर्सिंग- II	02	-	02	-
		कुल	**635**			

स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश परीक्षाएं

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**परीक्षा की तिथि**	**अभ्यर्थियों की संख्या**	
			आवेदनों की संख्या	**उपस्थिति**
1.	एमडी/एमएस/एमडीएस (एम्स) जुलाई सत्र 2020	11.06.2020	38144	28127
2.	डीएम/एम.सीएच/फेलोशिप कार्यक्रम/एमडी (अस्पताल प्रशासन) (जुलाई सत्र 2020)	11.06.2020	3896	3138
3.	फेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2020 सत्र	11.06.2020	143	92
4.	ऑनलाइन बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग 2020	21.08.2020 (प्रात:)	9697	6105
5.	ऑनलाइन बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) 2020	11.06.2020 (प्रात:)	489	352
6.	ऑनलाइन बी.एससी (ऑनर्स) पैरामेडिकल पाठ्यक्रम 2020	21.08.2020 (प्रात:)	4200	2151
7.	ऑनलाइन एम.एससी पाठ्यक्रम 2020	21.08.2020 (प्रात:)	785	534
8.	ऑनलाइन एम.एससी नर्सिंग 2020	11.06.2020 (प्रात:)	2236	1794
9.	ऑनलाइन एम.जैवप्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2020	21.08.2020 (सायं)	576	378
10.	सीनियर रेजीडेंट भर्ती परीक्षा, जुलाई 2020 सत्र	21.08.2020	1662	1224

11	पी.एचडी. जुलाई सत्र 2020	21.08.2020	761	590
12.	सीनियर रेजीडेंट भर्ती परीक्षा, जनवरी 2021	01.02.2021	1007	669
13.	एमडी/एमएस/एमडीएस (एम्स) जनवरी 2021 सत्र	20.11.2020	81748	74194
14.	डीएम/एम.सीएच/एमडी/(अस्प.प्रशा.) जनवरी 2021 सत्र	20.11.2020	5375	3723
15.	पी.एचडी. जनवरी 2021 सत्र	12.03.2021	486	275
16.	फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी 2021 सत्र	20.11.2020	221	129
17.	बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग (आरएके)	21.08.2021	1427	1231
18.	एम.एससी नर्सिंग (आरएके)	21.08.2021	322	181
		महायोग	**153175**	**124887**

पी.एचडी. की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी: 62

भर्ती हेतु परीक्षाएं

क्र.सं.	**परीक्षा का नाम**	**ऑनलाइन सीबीटी परीक्षा**	**अभ्यर्थियों की संख्या**	
			आवेदन	**उपस्थिति**
1.	सहायक वार्डन	20.11.2020	26	07
2.	नर्सिंग अधिकारी भर्ती सामान्य पात्रता परीक्षा (एनओआरसीईटी-2020)	08.09.2020	104194	94130
3.	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	20.11.2020	925	419
4.	कनिष्ठ अभियंता (एसी एवं आर)	20.11.2020	96	49
5.	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	20.11.2020	485	229
6.	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	20.11.2020	92	42
7.	अवर श्रेणी लिपिक कौशल विभागीय	23.12.2020	18	12
8.	चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविद्	21.08.2020	1747	1270
9.	चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड-II	21.08.2020	307	203
10.	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकीविद	20.11.2020	15	08
11.	ऑपरेशन थिएटर सहायक	21.08.2020	1854	1389
12.	फार्मासिस्ट ग्रेड-II	20.11.2020	1836	871
13.	प्रोग्रामर	20.11.2020	836	351
14.	सफाई निरीक्षक ग्रेड-II	20.11.2020	107	21

15.	भंडारपाल (औषधि)	08.09.2020	1396	947
16.	भंडारपाल (सामान्य)	08.09.2020	260	147
17.	आशुलिपिक (सीधी भर्ती)*	21.08.2020	2070	1107
18.	तकनीशियन (विकिरण)	21.08.2020	1140	885
		Total	**117404**	**102087**

*आशुलिपिक कौशल परीक्षा 01.02.2021 से 06.02.2021 तक आयोजित की गईं।

परीक्षाओं का संपूर्ण विवरण

1. स्नातकपूर्व व्यावसायिक परीक्षा का विवरण
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 40
   - ख. उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या: 890
2. स्नातकोत्तर व्यावसायिक परीक्षा का विवरण
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 19
   - ख. उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या: 635
3. शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश परीक्षा विवरण
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या: 18
   - ख. आवेदकों की संख्या: 153175
   - ग. उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या: 124887
   - घ. पी.एचडी. मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी: 62
4. भर्ती परीक्षाओं का विवरण
   - क. आयोजित परीक्षाओं की संख्या: 18
   - ख. आवेदकों की संख्या: 117404
   - ग. उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या: 102087

आयोजित प्रवेश परीक्षाएं

1. जुलाई सत्र हेतु 11 जून, 2020 को 250 केंद्रों (दिल्ली 24 तथा बाहरी 226) में एमडी/एमएस/एमडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एम्स पी.जी. प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई तथा आईएनआई के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों हेतु आईएनआई-सीईटी जनवरी 2021 सत्र के लिए 20 नवंबर, 2020 को 582 केंद्रों (दिल्ली/एनसीआर 58, बाहरी - 524) में परीक्षा आयोजित की गई। इसके परिणाम क्रमश: 17 जून, 2020 तथा 27 नवंबर, 2020 को घोषित किए गए।
2. जुलाई 2020 एवं जनवरी 2021 सत्रों के लिए विभिन्न पोस्ट-डॉक्टरल (अति विशिष्ट) पाठ्यक्रम अर्थात् डीएम/एम.सीएच/एमडी(अस्पताल प्रशासन) के लिए चयन तथा जुलाई सत्र 2020 हेतु 22-24 जून, 2020 से और जनवरी 2021 सत्र के लिए 2-4 दिसम्बर, 2020 तक विभागीय मूल्यांकन किया गया।

3. संस्थान ने जुलाई 2020 सत्र के लिए वरिष्ठ रेजीडेंट/वरिष्ठ डेमोंस्ट्रेटर पद हेतु 21 अगस्त, 2020 को तथा जनवरी 2021 सत्र के लिए 1 फरवरी, 2020 को ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की।
4. जनवरी 2020 तथा जुलाई 2020 के लिए पी.एचडी. प्रोग्राम के पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों का चयन एवं विभागीय मूल्यांकन 23 जनवरी, 2020 तथा 1 सितंबर, 2020 को निष्पादित किया गया।
5. बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर एवं ऋषिकेश) में सी.बी.टी. ऑनलाइन माध्यम द्वारा 21 अगस्त, 2020 को आयोजित की गई।
6. 20 अगस्त, 2020 को दिल्ली में ऑनलाइन माध्यम से एम.एससी. तथा एम.जैवप्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।
7. वर्ष 2005 से एम.एससी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की शुरूआत की गई। यह परीक्षा सी.बी.टी. ऑनलाइन माध्यम से दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर 11 जून, 2020 को आयोजित की गई। इस पाठ्यक्रम में काउंसिलिंग द्वारा मेरिट के आधार पर सीटों के आबंटन द्वारा प्रवेश दिया गया।
8. बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) प्रवेश परीक्षा का आयोजन 8 जुलाई, 2020 को उम्मीदवारों के वैयक्तिक आकलन के पश्चात् सी.बी.टी. ऑनलाइन माध्यम द्वारा 11 जून, 2020 को दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर किया गया।
9. अगस्त सत्र हेतु पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे ऑप्टोमीटरी स्नातक में बी.एससी. (ऑनर्स), तथा रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में बी.एससी. (ऑनर्स), डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट (डी ओ आर ए) में बी.एससी पाठ्यक्रम, डेंटल हाइजिन में बी.एससी. पाठ्यक्रम, ऑपरेटिंग थिएटर प्रौद्योगिकी (ओ.टी.टी.) में बी.एससी. पाठ्यक्रम, चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (एम.एल.टी.), ऑपरेश थिएटर तथा एनेस्थिसियोलॉजी टेक्नोलॉजी (ओटीएटी) में बी.एससी., मेडिकल टेक्नोलॉजी एवं इमेजिंग थेरेपी हेतु दिल्ली तथा बाहर 21 अगस्त, 2020 को सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति से प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
10. जुलाई 2020 सत्र तथा जनवरी, 2021 सत्र हेतु फेलोशिप कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा क्रमश: 11 जून, 2020 तथा 20 नवंबर, 2020 को दिल्ली में आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता

1. परीक्षा अनुभाग ने शैक्षिक अनुभाग के संकाय एवं स्टाफ की सहभागिता से एम्स- स्नातकोत्तर, एम.बी.बी.एस., बी.एससी. (ऑनर्स) पैरा-मेडिकल, एम.एससी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश के

लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की शुरूआत। परीक्षा अनुभाग ने बी.एससी. (नर्सिंग) पोस्ट-सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक आकलन में सक्रियता से भाग भी लिया।

2. परीक्षा अनुभाग भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाओं के संचालन के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान कर रहा है

5. सामान्य प्रशासन

उप-निदेशक (प्रशासन)

शुभाशीष पांडा (19 फरवरी, 2021 तक) विशाल चौहान (3 मार्च, 2021 से)

उप-सचिव

धीरेंद्र वर्मा (2 जून, 2020 तक) आर. गोपीनाथ (3 दिसंबर, 2020 से)

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग, भंडार, समन्वय, संसदीय मामलों, शिकायत आदि सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उप-निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने वाली विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यगण की सहायता से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखरेख करने वाले अधिकारियों / स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

श्री देव नाथ साह

अधीक्षण अभियंता

एम्स परिसर

श्री मंजुल रस्तोगी (31 दिसंबर, 2020 तक)

श्री विनोद कुमार शर्मा (स्थानापन्न) (1 जनवरी, 2021 से)

एम्स, झज्जर परिसर

हृदेशो कुमार

कार्यकारी अभियंता

विद्या भूषण

विनोद कुमार शर्मा

अशोक कुमार (1 फरवरी 2020 से)

जोगिंदर मल्होत्रा (31 दिसंबर, 2020 तक)

हरपाल सिंह

डी. विजय राघवन (1 फरवरी 2020 से)

मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सत्येंद्र कुमार

उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी

दीपक कुमार

आर.एस. रावत

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

ललित उरांव	रेनू भारद्वाज (31 अगस्त, 2020 तक)
बी.एस. गिल	राजेंद्र पिल्लई जी (5 दिसंबर, 2020 से)
राज कुमार (7 सितंबर 2020 से 28 फरवरी 2021)	अनिता टेटे (1 मार्च 2021 से)

प्रशासनिक अधिकारी

एस. एल. चमोली	निखिल भटनागर
राज कुमार (6 सितंबर, 2020 तक)	राजेंद्रन पिल्लई जी. (4 दिसंबर, 2020 तक)
अनिता टेटे (28 फरवरी, 2021 तक)	बी.के. सिंह
आर. संतोष कुमार (21 अगस्त, 2020 से)	आर. के. शर्मा (21 अगस्त, 2020 से)
भूप सिंह (10 सितंबर, 2020 से)	उत्तम चंद (7 दिसंबर, 2020 से)
जोगिंदर कुमार (5 दिसंबर, 2020 से)	लता पाउलोस (5 दिसंबर, 2020 से)
विमल ठकराल (5 दिसंबर, 2020 से)	सरोज पंत
नरेंद्र कुमार गुप्ता (31 मई, 2020 तक)	विपिन प्रकाश

कुशाल कुमार

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

भूप सिंह (9 सितबर, 2020 तक)	आर.के. शर्मा (20 अगस्त, 2020 तक)
आर. संतोष कुमार (20 अगस्त, 2020 तक)	निर्मला जैसिंटा कुजूर
उत्तम चंद (6 दिसंबर, 2020 तक)	सी.पी. सादना (31 अगस्त, 2020 तक)
विमल ठकराल (4 दिसंबर, 2020 तक)	लता पाउलोस (4 दिसंबर, 2020 तक)
आशा डोगरा (30 सितंबर, 2020 तक)	विद्या सागर
कृष्ण लाल	कमल चंद्र भट
जोगिंद कुमार (4 दिसंबर, 2020 तक)	सरोज कुमारी लाल
राजेश कुमार	सुरजीत सिंह (31 अक्टूबर, 2020 तक)
संजय नंदी	सुरेश कुमार
नरेंद्र कुमार गुप्ता	ईश्वर दत्त शर्मा (31.12.2020 तक)
सुदेश सोनी	शकुंतला रावत
रेणु भसीन	नरेश नांगिया
संतोष मनोचा (खोसला)	सोहनबीर
देवी प्रसाद (19 अक्टूबर, 2020 से)	ग्यान चंद (19 अक्टूबर, 2020 से)
अशोक कुमार (23 अक्टूबर, 2020 से)	

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

राकेश कुमार

नरेंद्र कुमार (31 दिसंबर, 2020 से) भवानी राम (31 दिसंबर, 2020 से)

भंडार अधिकारी

नरेंद्र कुमार (30 दिसंबर, 2020 तक) कमल सिंह

अर्चना शर्मा भवानी राम (30 दिसंबर, 2020 तक)

मनोहर आर्या

स्थापना अनुभाग तथा सामान्य प्रशासन के उत्तरदायित्व में भर्ती, सेवा मामले, सांविधिक समितियों की बैठकें करना, संपदा एवं संपत्ति का प्रबंधन, उपकरण, सामग्री एवं उपभोज्यों सामग्रियों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों का कल्याण आदि शामिल हैं।

संस्थान के कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या 13,491 है। दिनांक 31 मार्च 2021 तक भरे गए पदों की संख्या 10,505 थी और इसमें सभी केंद्रों / मुख्य अस्पताल / नि.का. के स्टाफ कर्मचारीगण शामिल थे। समूहवार स्वीकृत स्टाफ संख्या और कार्यरत स्टाफ की संख्या नीचे दी गई है:-

क्र.सं.	**श्रेणी / समूह**	**स्वीकृत संख्या**	**ग्रहित-पद**
1.	संकाय	1099	743
2.	समूह 'क' (गैर-संकाय)	665	510
3.	समूह 'ख'	7390	5770
4.	समूह 'ग' और तत्कालीन समूह 'घ'	4337	3482
	कुल	**13491**	**10505**

एम्स, नई दिल्ली में अ.जा. / अ.ज.जा. / महिला प्रकोष्ठ की संरचना

अ.जा. / अ.ज.जा. / पी.डब्ल्यू.डी. कर्मचारियों के संपर्क अधिकारी

डॉ. राजपाल, आचार्य नेत्र विज्ञान, डॉ.रा.प्र. केंद्र, एम्स

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए संपर्क अधिकारी

डॉ.राकेश यादव (10 सितंबर, 2020 तक) आचार्य, हृदयरोग विज्ञान विभाग

डॉ.रश्मि रामाचद्रंन (11 सितंबर, 2020 से 27 जनवरी, 2021 तक), आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

डॉ.दयानंद शर्मा (28 जनवरी, 2021 से), आचार्य एवं अध्यक्ष, विकिरण चिकित्सा विभाग

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

अनिता टेटे

वर्ष के दौरान (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021) के दौरान इस कार्यालय में प्राप्त शिकायतों / अभ्यावेदनों का विवरण नीचे दिया गया है:-

प्राप्त अभ्यावेदनों की कुल संख्या: 32
समाधान किए गए / निपटाए गए मामलों की कुल संख्या: 24
विचाराधीन मामलों की कुल संख्या: 8

6. अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा

अस्पताल प्रशासन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

आचार्य

आई.बी. सिंह संजय कुमार आर्य

अपर आचार्य

नीरूपंम मदान अनूप डागा

अमित लठवाल महेश आर.

सह-आचार्य

एंजेल राजन सिंह परमेश्वर कुमार विजयदीप सिद्धार्थ

सहायक आचार्य

अब्दुल हकीम जितेंदर सोढ़ी विकास एच. शीतल सिंह

लक्ष्मी तेज वुंदावल्ली कनिका जैन अनंत गुप्ता

बिस्तर संख्या

बिस्तर श्रेणी	मुख्य अस्पताल	दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	हृद्वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
सामान्य आई.सी.यू. ऑब्जरवेशन	836 92 69	17 - -	317 74 09
प्राइवेट वार्ड	165	-	64
कुल	**1162**	**17**	**464**

अस्पताल कार्य निष्पादन सूची

मापदंड	मुख्य अस्पताल		सी.एन.सी		सी.डी.ई.आर.		निष्कर्ष
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	
ठहरने कि औसत अवधि (दिनों में)	10.4	9.9	13.8	10.5	5.1	5.0	*नियमित भर्ती हेतु बिस्तरों का प्रभावी उपयोग*
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	56.2	85.9	46.7	83.8	19.7	69.6	*उचित अधिभोग*
शुद्ध मृत्यु दर (%)	3.0	1.7	6.9	2.6	0.0	0.05	*बहुत बड़ी संख्या में गंभीर रूप से बीमार भर्ती हुए रोगियों के बावजूद भी कम मृत्यु दर*
संयुक्त क्रूड संक्रमण की दर (%)	8.9	5.6	-	-	-	-	

6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग

प्रभारी अधिकारी
महेश आर.

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (कार्यकारी)
संदीप एम. सिंह

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी
रोशन लाल-II

कोविड 19 (महामारी)

कोविड -19 के प्रकोप (महामारी) के दौरान बहुत लोग प्रभावित हुए हैं और बहुतों ने अपनी जान गंवाई है। इस स्थिति ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को काम पर जबरदस्त दबाव में डाल दिया। इस दबाव के बीच चिकित्सा अभिलेख अनुभाग सहित प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी की प्रतिबद्धता सभी किसी भी तरह रोगियों की जान बचाने की थी।

हमारे अनुभाग की भूमिका थी कि हम एम्स के विभिन्न कोविड केंद्रों, जैसे एनसीआई झज्जर, ज.प्र.ना.ए. ट्रामा केंद्र एवं मुख्य अस्पताल के वार्डों से कोविड -19 आंकड़े संकलित करें और सरकार की विभिन्न एजेंसियों और विभागों, जैसे आईडीएसपी, डीजीएचएस, डीसी साउथ, डेथ ऑडिट कमेटी, हेल्थकेयर वर्कर्स को भेजें, उन्हें सूचीबद्ध करें और रविवार एवं राजपत्रित छुट्टियों सहित दैनिक कोविड-19 संबंधी सूचना, डेटा मैनेजमेंट पोर्टल आदि पर अपलोड करें।

न्यायालय में उपस्थिति

1. दिल्ली के विभिन्न न्यायालयों और दिल्ली के बाहर से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) को कुल 31 सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए थे। अ.भा.आ.सं. अस्पताल की ओर से मामले को निपटाने/समाधान करने के लिए संबंधित चिकित्सकों/परामर्शदाताओं (केस के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख अनुभाग के कर्मचारियों को न्यायालय में उपस्थित होने हेतु नियुक्त किया गया था।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संबंधी सहायता

1. अनुसंधान, शिक्षा एवं अन्य सरकारी प्रयोजनों के लिए संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा प्राधिकृत रेज़ीडेंटों के लिए लगभग 6342 चिकित्सा केस अभिलेखों (केस शीट) को पुनः प्राप्त एवं जारी किया गया।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण

1. अभिलेखों को आसानी से पुनः प्राप्त करने के लिए वर्ष 2014 से मुख्य अस्पताल में भर्ती होने वाले रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों का डिजिटलीकरण आरंभ हुआ। रोगियों के केस रिकॉर्ड की 1.31 करोड़ से अधिक प्रतियों को भविष्य के संदर्भ के लिए स्कैन किया गया है।

अंतरंग रोगी सेवाएं

1. मुख्य अस्पताल, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) तथा हृद् वक्ष एवं तंत्रिका (सीएन) केंद्र, अ.भा.आ.सं. का वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन का सार परिशिष्ट-I में दिया गया है।
2. एम्स अस्पताल ने सम्पूर्ण भारत के साथ-साथ विदेशों से अस्पताल आने वाले रोगियों की बढ़ती हुई संख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवाओं एवं गुणवत्ता की अपनी परंपरा को बनाए रखा है। वित्तीय वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के विभिन्न क्लीनिकल एककों में कुल 61,619 रोगियों को भर्ती किया गया। विभागवार, राज्यवार एवं लिंगवार रोगियों का भार, भर्ती, अस्पताल से छुट्टी एवं अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि का विवरण क्रमशः परिशिष्ट-II, III और IV में दिया गया है। विभागवार मृत्यु का विवरण एवं इसकी सूची परिशिष्ट-V में दी गई है।
3. वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. (तालिका VI) के विभिन्न शल्यक विभागों में कुल 39,034 शल्यक प्रक्रियाएं (बड़ी एवं छोटी) निष्पादित की गईं।
4. अंतरंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को शिक्षा, अनुसंधान/शोधपत्र, प्रस्तुतिकारण, बीमा, कोर्ट केसों आदि के प्रयोजन हेतु सहजता से पुनः प्राप्त करने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को सी.आर. नंबरों के अनुसार कॉम्पैक्टर में संग्रहीत किया जाता है। मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के सभी अंतरंग अभिलेखों का मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा अलग से अनुरक्षण किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

1. एम्स का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ (सी.ए.ओ. एंड ई.) बिना विराम 365 दिन चौबीसों घंटे कार्य करता है।
2. मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के अंतरंग क्षेत्र हेतु सभी भर्ती इस कार्यालय के द्वारा होती है। यह संस्थान के हृदय की भांति कार्य करता है एवं भर्ती पर्ची (फेस-शीट) बनाने के लिए रोगी पंजीकरण एवं परिचर पास आदि जारी करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है।
3. भर्ती कार्यालय, वी.आई.पी./वी.वी.आई.पी. के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में एम्स के उच्च प्राधिकारियों के साथ-साथ अनेक मंत्रालयों को भी जानकारी प्रदान करता है।
4. इसके अतिरिक्त, यह कार्यालय रोगी एवं संस्थान के बारे में शीघ्र एवं सही जानकारी प्रदान करते हुए एक सामान्य पूछताछ के रूप में भी कार्य करता है। इस कार्यालय में कार्य करने वाले समस्त कर्मचारीगण शिफ्ट में कार्य करते हैं तथा कार्यालय में कनिष्ठ स्वागतकर्त्ता अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी तथा चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन आदि शामिल हैं।

बाह्य रोगी विभाग एवं विशिष्टता क्लिनिक

1. मुख्य अस्पताल, अ.भा.आ.सं. (तालिका VII) के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.), विशिष्टता क्लिनिक एवं आपात विभाग में कुल **5,64,962 रोगी अपने उपचार हेतु आए।**

अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	संख्या
1.	वर्ष के दौरान अंतरंग रोगी अभिलेखों में किए गए संशोधन	768
2.	वर्ष के दौरान जन्म अभिलेखों में किए गए संशोधन	306
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु अभिलेखों में किए गए संशोधन	476
4.	मुख्य अस्पताल और सी.डी.ई.आर. में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती और अन्य शुल्क में छूट	12574
5.	सी.एन. सेंटर में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्क में छूट	335

वर्ष 2020-2021 (वार्षिक रिपोर्ट) के लिए सांख्यिकीय आंकड़े, चिकित्सा अभिलेख अधिकारी के पर्यवेक्षण में चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन, श्री राजबीर सिंह द्वारा तैयार/संकलित किए गए हैं।

तालिका I. वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन

क्रमांक	मद	मुख्य अस्पताल		सी.एन. सेंटर		सी.डी.ई.आर.	
		2020-21	2019-20	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
1.	भर्ती किए गए कुल रोगी	55282	120110	6082	20127	255	1948
	क) वयस्क एवं बच्चे	53691	117621	-	-	-	-
	-नियमित	18934	33555	4653	12489	237	864
	-लघु अवधि	34757	84066	1429	7638	18	1084
	ख) नवजात शिशु	1591	2489	-	-	-	-
	नियमित	1591	2489	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (एलएएमए, अस्पताल से भाग	52152	116565	5512	19662	248	1933

	गए, अनुरोध पर छुट्टी एवं मृत्यु सहित)						
	क) वयस्क एवं बच्चे	50587	114023	-	-	-	-
	-नियमित	17163	32894	4210	12247	231	868
	-लघु अवधि	33424	81129	1302	7415	17	1065
	ख) नवजात शिशु	1565	2542	-	-	-	-
	नियमित	1565	2542	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
3.	उपचार के कुल दिन	228096	431711	59573	136559	1187	5405
	क) वयस्क एवं बच्चे	215284	410275	-	-	-	-
	-नियमित	181860	329146	58271	129144	1170	4340
	-कभी कभार	33424	81129	1302	7415	17	1065
	ख) नवजात शिशु	12812	21436	-	-	-	-
	नियमित	12812	21436	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
4.	नियमित रोगियों के ठहरने की औसत अवधि	10.4	9.9	13.8	10.5	5.1	5.0
	क) वयस्क एवं बच्चे	10.6	10.0	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	8.2	8.4	-	-	-	-
5.	कुल रोगी देखभाल दिन (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	224221	342644	77558	139190	1223	4318
	क) वयस्क और बच्चे	222311	339382	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	1910	3262	-	-	-	-
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	614	939	212	381	03	12

	क) वयस्क और बच्चे	609	930	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	05	09	-	-	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग	56.2	85.9	46.7	83.8	19.7	69.6
	क) वयस्क और बच्चे	55.7	85.1	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	0.5	0.8	-	-	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	1588	2489	-	-	-	-
	क) लड़का	828	1296	-	-	-	-
	ख) लड़की	759	1189	-	-	-	-
	ग) इंटर सेक्स	01	04	-	-	-	-
9.	कुल अंतरंग रोगी मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	2369	3073	504	697	00	01
	क) 48 घंटे के अंदर मृत्यु	842	1148	134	191	00	00
	ख) 48 घंटे के बाद मृत्यु	1527	1929	370	506	00	01
	ग) सकल मृत्यु दर (%)	4.5	2.6	9.1	3.5	0.0	0.05
	घ) कुल मृत्यु दर (%)	3.0	1.7	6.9	2.6	0.0	0.05
10.	आपातकाल में कुल उपस्थिति	95184	149550	-	-	-	-
	मृत्यु	1863	1835	-	-	-	-
	मृत लाए गए रोगी	1082	1271	-	-	-	-
11.	विशिष्टता क्लिनिक सहित ओपीडी में उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	469778	1894052	-	-	-	-
	नए मामले	215664	687314	-	-	-	-
	पुराने मामले	254114	1206738	-	-	-	-

तालिका III विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर और सी.डी.ई.आर.)

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एल.ए.एम.ए., भागे हुए रोगी, एवं मृत्यु सहित)		उपचार के कुल दिन		नियमित भर्ती होने पर ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्प कालीन	नियमित	अल्प कालीन	
संवेदनाहरण (पीड़ा क्लिनिक)	00	69	00	61	00	61	0.0
त्वचाविज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान	150	431	139	427	19088	427	13.7
अंतःस्रावी एवं चयपचय	156	19	144	25	2312	25	16.1
जठरान्त्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	1352	1221	1253	1132	15298	1132	12.2
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	327	75	304	47	5731	47	18.9
जरा चिकित्सा	899	94	781	98	7920	98	10.1
रुधिरविज्ञान	537	7830	492	7581	9341	7581	19.0
कायचिकित्सा I	1095	80	985	65	11320	65	11.5
कायचिकित्सा II	1091	106	944	95	10341	95	11.0
कायचिकित्सा III	1121	97	989	84	9773	84	9.9
वृक्कविज्ञान	583	6803	465	6650	5738	6650	12.3
नवजात	1591	00	1565	00	12812	00	8.2
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	50	01	09	00	64	00	7.1
नाभिकीय चिकित्सा	220	109	213	94	364	94	1.7
प्रसूति एवं स्त्री रोग I	1096	312	1055	258	8050	258	7.6
प्रसूति एवं स्त्री रोग II	1194	364	1131	349	10283	349	9.1
प्रसूति एवं स्त्री रोगIII	1134	427	1127	396	8655	396	7.7
अर्बुद विज्ञान (मुख्य)	253	00	229	00	1237	00	5.4
अस्थिरोग I	409	370	468	283	3634	283	7.8

अस्थिरोग II	590	536	520	464	5836	464	11.2
कान,नाक, गला विज्ञान I	190	84	201	74	1887	74	9.4
कान,नाक, गला विज्ञान II	218	99	219	82	2305	82	10.5
कान,नाक, गला विज्ञान III	179	73	163	68	1403	68	8.6
बाल चिकित्सा I	586	1224	539	1218	5148	1218	9.6
बाल चिकित्सा II	446	468	432	455	5822	455	13.5
बाल चिकित्सा III	1187	8754	824	8617	7723	8617	9.4
बालशल्य चिकित्सा	816	418	752	408	9102	408	12.1
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	00	00	01	00	33	00	33.0
मनोचिकित्सा	185	00	132	03	3907	03	29.6
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	669	1684	571	1616	5731	1616	10.0
प्लास्टिक एवं पुनर्रसंरचना सर्जरी	56	17	43	12	673	12	15.7
विकिरण चिकित्सा	02	00	00	00	00	00	0.0
रुमेटोलॉजी	07	956	03	915	23	915	7.7
शल्य चिकित्सा I	390	133	355	123	3744	123	10.5
शल्य चिकित्सा II	385	103	352	77	4030	77	11.4
शल्य चिकित्सा III	305	91	331	64	3581	64	10.8
शल्य चिकित्सा IV	482	152	459	136	4196	136	9.1
मूत्ररोग विज्ञान	574	1557	538	1447	4747	1447	8.8
कुल (मुख्य)	**20525**	**34757**	**18728**	**33424**	**194672**	**33424**	**10.4**
हृदविज्ञान	1898	329	1760	311	19740	311	11.2
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	736	03	673	02	11086	02	16.5
तंत्रिकाविज्ञान I	486	274	389	288	3845	288	9.9
तंत्रिकाविज्ञान II	333	122	324	98	3481	98	10.7
तंत्रिकाविज्ञान III	320	207	269	193	4111	193	15.3
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	438	267	376	230	8241	230	21.9

तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	415	227	391	180	7132	180	18.2
तंत्रिका विकिरण चिकित्सा	27	00	28	00	635	00	22.7
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**4653**	**1429**	**4210**	**1302**	**58271**	**1302**	**13.8**
सी.डी.ई.आर.	237	18	231	17	1170	17	5.1

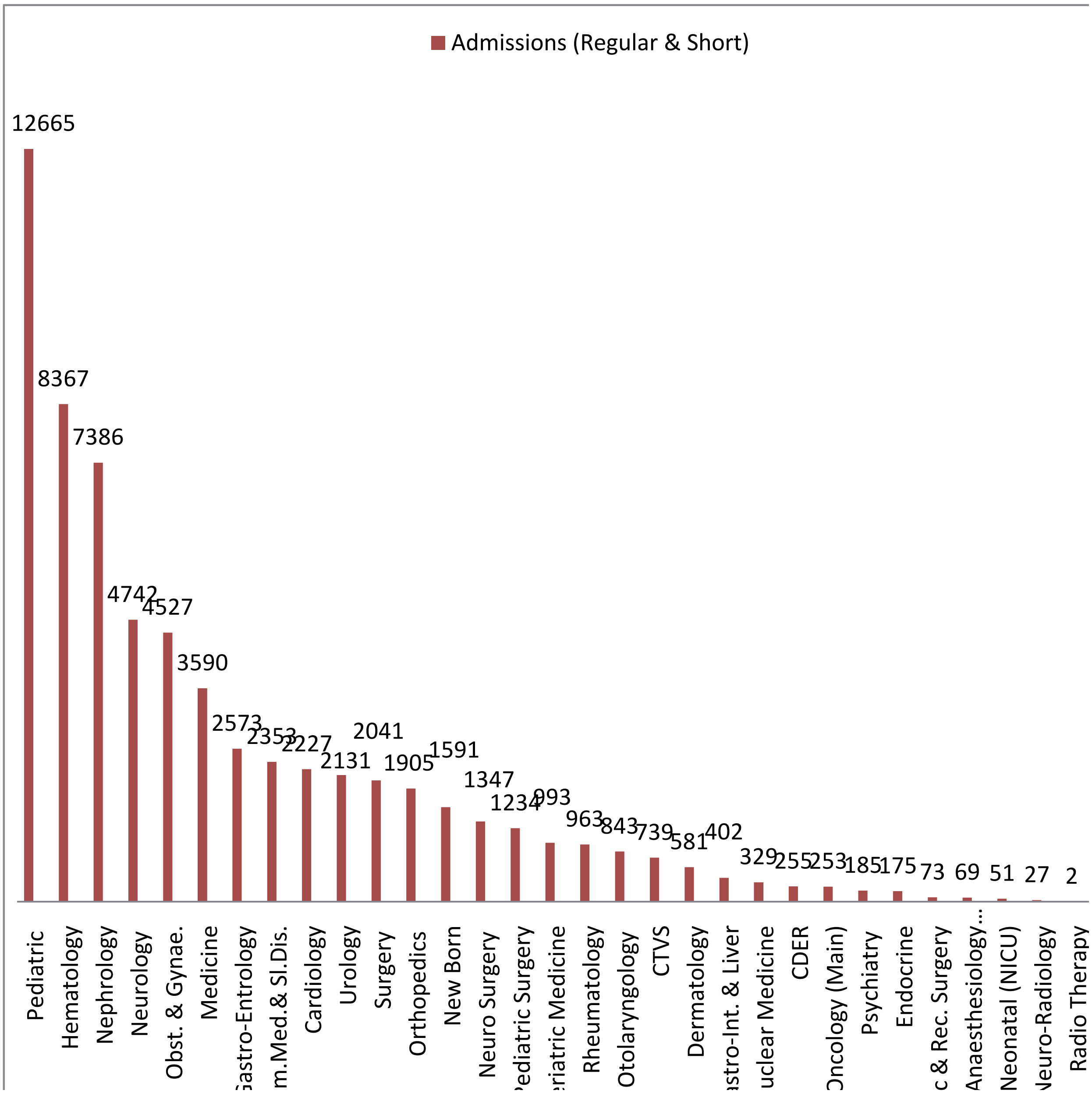

चित्र 1. विभागवार ठहरने की औसत अवधि

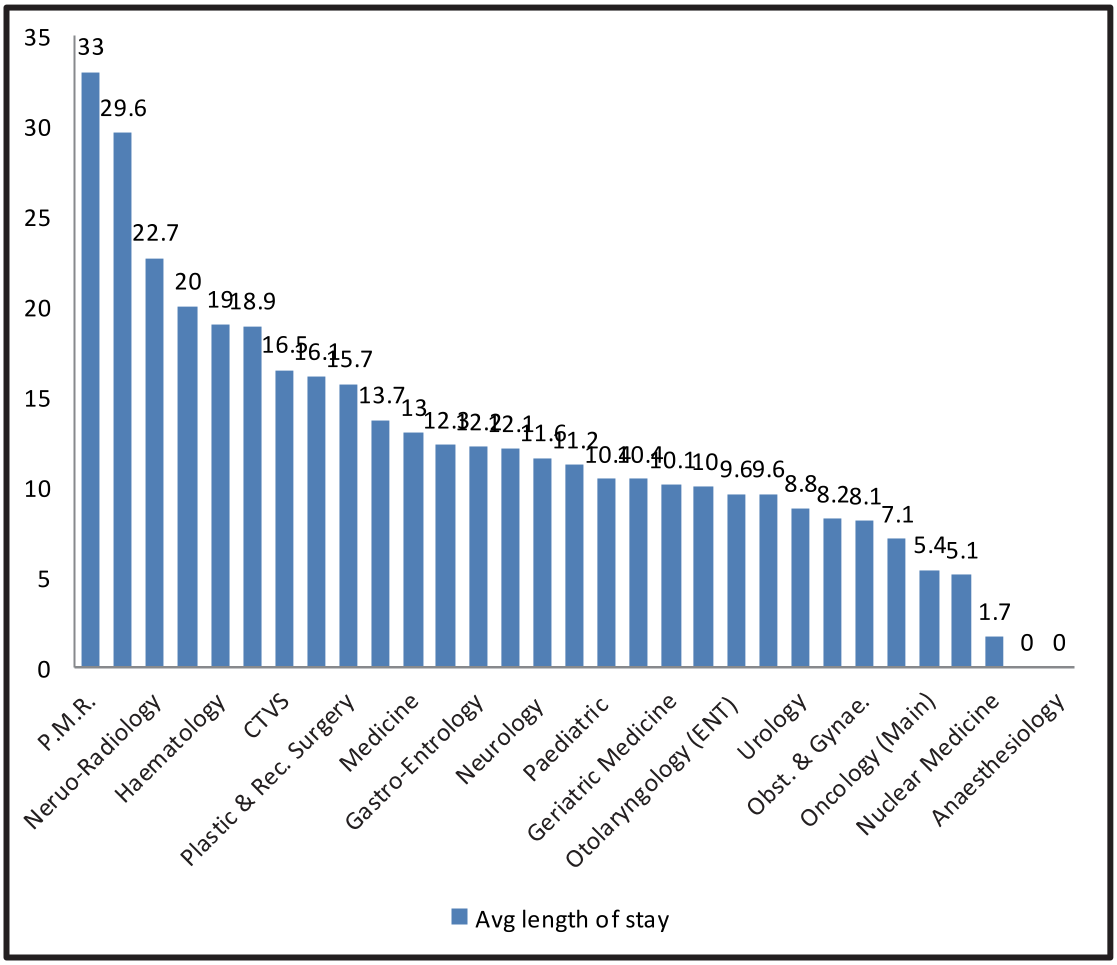

चित्र 2. मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. में लिंगवार अंतरंग रोगी

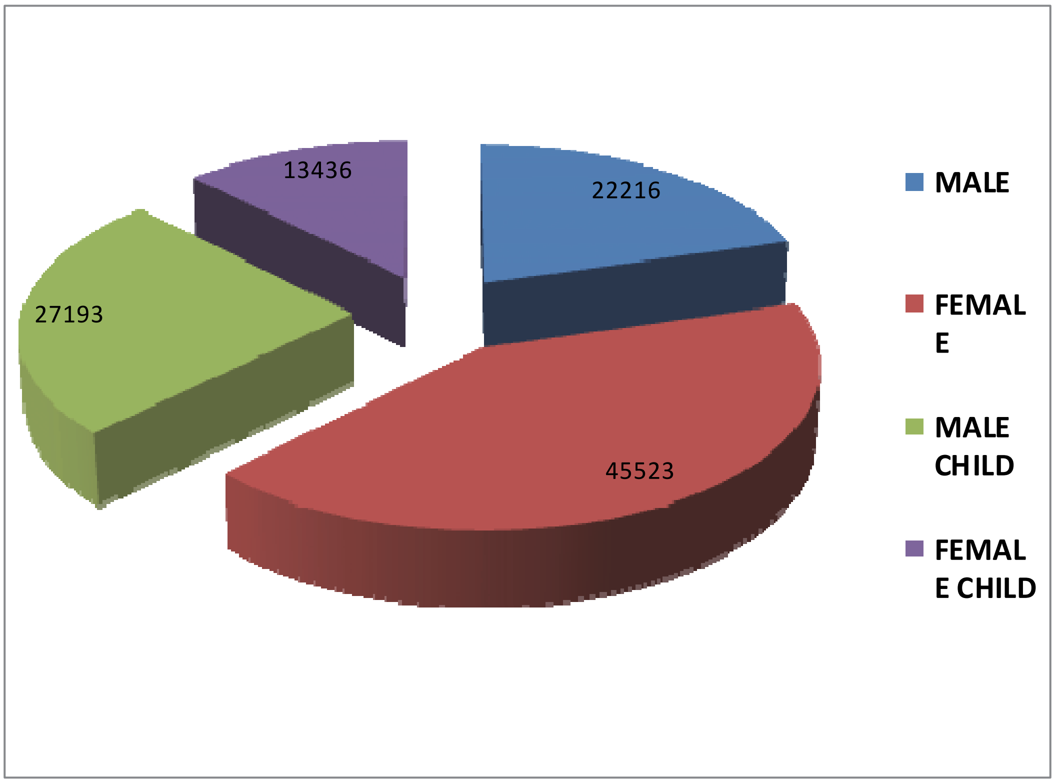

तालिका III. मुख्य अस्पताल एवं सी.एन. सेंटर में विभागवार मृत्यु

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के भीतर मृत्यु	48 घंटे के बाद मृत्यु	सकल मृत्यु दर (%)	शुद्ध मृत्यु दर (%)
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	61	00	00	00	0.0	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	566	04	00	04	0.7	0.7
अंतःस्रावी एवं चयापचय	160	07	03	04	4.4	2.5
जठरान्त्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण	2385	362	141	221	15.2	9.8
गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लिवर प्रत्यारोपण	360	53	05	48	14.7	13.5
जरा चिकित्सा	879	324	111	213	36.9	27.5
रुधिर विज्ञान	8073	175	69	106	2.2	1.3
कायचिकित्सा I	1050	261	94	167	24.9	17.5
कायचिकित्सा II	1039	298	109	189	28.7	20.3
कायचिकित्सा III	1073	250	108	142	23.3	14.7
वृक्कविज्ञान	7115	60	13	47	0.8	0.7
नवजात	1565	49	19	30	3.1	1.9
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	09	0	00	00	0.0	0.0
नाभिकीय चिकित्सा	307	0	00	00	0.0	0.0
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	1313	02	00	02	0.2	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	1480	03	00	03	0.2	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	1523	04	00	04	0.3	0.3
अर्बुदविज्ञान (मुख्य)	229	92	46	46	40.2	25.1
अस्थिरोग I	751	01	00	01	0.1	0.1
अस्थिरोग II	984	01	00	01	0.1	0.1
कान, नाक, गला विज्ञान I	275	01	00	01	0.4	0.4
कान, नाक, गला विज्ञान II	301	03	00	03	1.0	1.0
कान, नाक, गला विज्ञान III	231	01	00	01	0.4	0.4
बाल चिकित्सा I	1757	36	09	27	2.0	1.5
बाल चिकित्सा II	887	50	16	34	5.6	3.9

बाल चिकित्सा III	9441	59	18	41	0.6	0.4
बाल शल्य चिकित्सा	1160	35	06	29	3.0	2.5
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	01	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	135	00	00	00	0.0	0.0
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	2187	131	36	95	6.0	4.4
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	55	00	00	00	0.0	0.0
विकिरण चिकित्सा	00	00	00	00	0.0	0.0
रुमेटोलोजी	918	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा I	478	27	07	20	5.6	4.2
शल्य चिकित्सा II	429	26	10	16	6.1	3.8
शल्य चिकित्सा III	395	24	09	15	6.1	3.9
शल्य चिकित्सा IV	595	21	1 1	10	3.5	1.7
मूत्ररोग विज्ञान	1985	09	02	07	0.5	0.4
कुल (मुख्य अस्पताल)	**52152**	**2369**	**842**	**1527**	***4.5***	***3.0***
हृदविज्ञान	2071	156	83	73	7.5	3.7
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	675	151	22	129	22.4	19.8
तंत्रिकाविज्ञान I	677	46	06	40	6.4	6.0
तंत्रिकाविज्ञान II	422	36	07	29	8.5	7.0
तंत्रिकाविज्ञान III	462	31	06	25	6.7	5.5
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	606	48	07	41	7.9	6.8
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	571	35	03	32	6.1	5.6
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	28	01	00	01	3.6	3.6
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**5512**	**504**	**134**	**370**	**9.1**	**6.9**
सी.डी.ई.आर.	**248**	**00**	**00**	**00**	**0.0**	**0.0**

चित्र 3. अंतरंग रोगियों (मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केंद्र और सी.डी.ई.आर.) का भौगोलिक वितरण

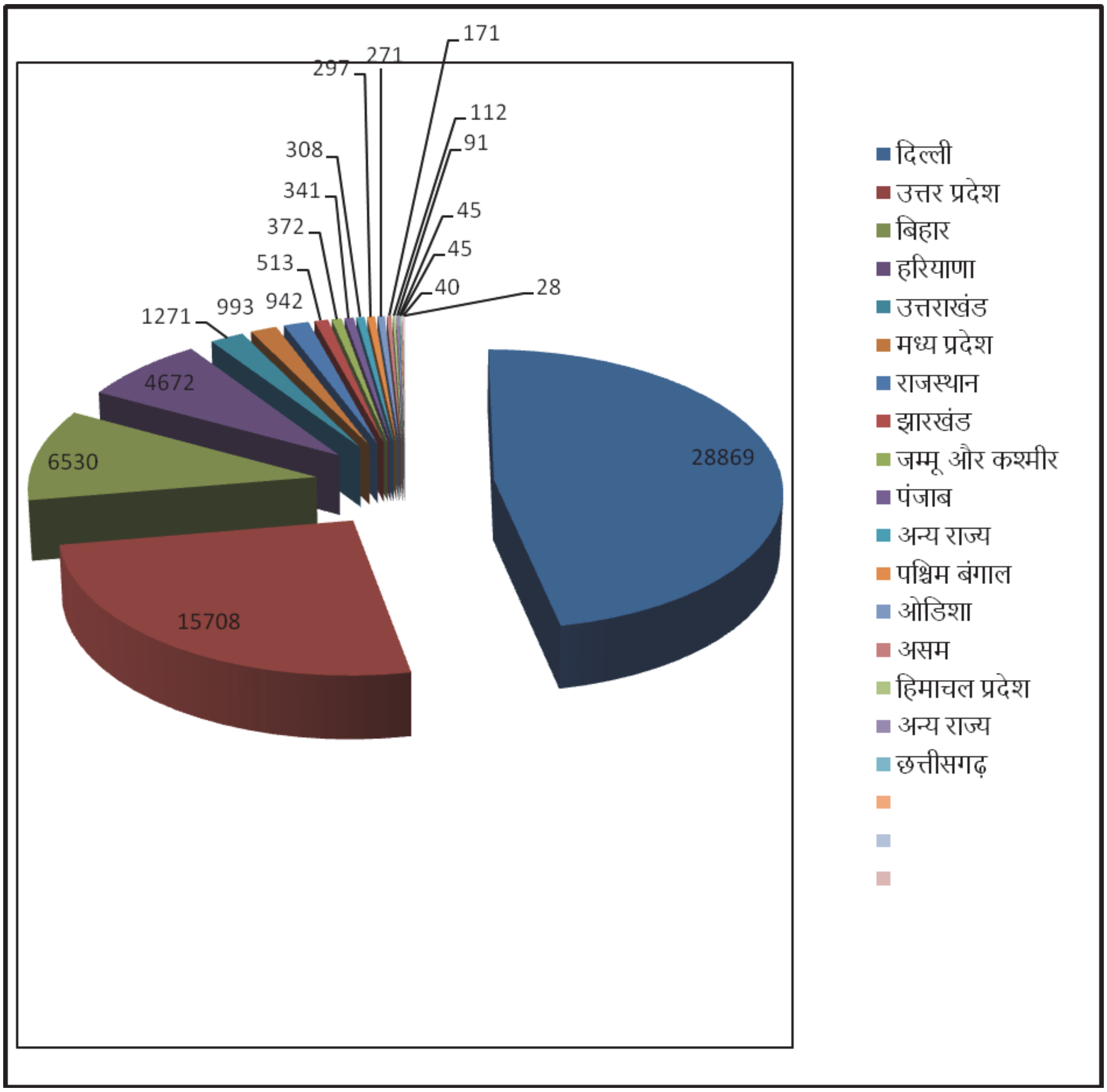

तालिका IV मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. और हृ.तं.केंद्र में की गई शल्य प्रक्रियाएं

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी	बाह्य रोगी	
शल्य चिकित्सा I	354	50	1132	1536
शल्य चिकित्सा II	284	52	765	1101
शल्य चिकित्सा III	257	29	854	1140
शल्य चिकित्सा IV	398	92	900	1390
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लीवर प्रतिरोपण	259	01	00	260
मूत्ररोग विज्ञान	469	228	3917	4614

प्रसूति विज्ञान	941	50	00	991
इन-विट्रो फर्टिलाईजेशन	00	236	00	236
स्त्रीरोग विज्ञान I	212	87	00	299
स्त्रीरोग विज्ञान II	210	80	00	290
स्त्रीरोग विज्ञान III	306	149	00	455
भ्रूण चिकित्सा	00	319	00	319
कान,नाक,गला विज्ञान I	243	31	2143	2417
कान,नाक,गला विज्ञान II	236	49	2382	2667
कान,नाक,गला विज्ञान III	189	25	2376	2590
अस्थिरोग I	410	209	00	619
अस्थिरोग II	587	1206	00	1793
बालशल्य चिकित्सा	640	84	00	724
आपात विभाग	55	122	00	177
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	325	18	2106	2449
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	07	77	00	84
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	00	00	63	63
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	00	00	1869	1869
कुल (*मुख्य अस्पताल*)	***6382***	***3194***	***18507***	***28083***
हृद वक्ष एवं वाहिकीय शल्य चिकित्सा	1296	00	00	1296
तंत्रिका शल्य चिकित्सा I	632	101	00	733
तंत्रिका शल्य चिकित्सा II	681	99	00	780
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	***2609***	***200***	***00***	***2809***
दंत शल्य चिकित्सा/सीडीईआर	**204**	**14**	**7924**	**8142**

तालिका V. बाहय रोगी एवं विशिष्ट क्लीनिकों में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	8464	12439	20903
	क) मोटापा और चयापचय विकार	00	00	00
	ख)संक्रामक रोग क्लिनिक	125	159	284
रुमेटोलॉजी	सामान्य ओपीडी	2037	3876	5913
	क) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	03	1189	1192

जरा चिकित्सा		2012	5193	7205
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	सामान्य ओपीडी	2305	3334	5639
	क) निद्रा विकार	05	03	08
	ख)फेफड़े का कैंसर	72	23	95
	ग) आईएलडी - पीएएच	15	19	34
	घ) संयुक्त पुल्मोनरी शल्य चिकित्सा	02	01	03
नाभिकीय चिकित्सा		889	4019	4908
अंतःस्राविकी एवं चयापचय		4473	9230	13703
वृक्कविज्ञान	सामान्य ओपीडी	3124	9293	12417
	ए) प्रतिरोपण क्लिनिक	09	1732	1741
	ख) आरटीसीसी	99	93	192
रुधिरविज्ञान		2788	5662	8450
जठरान्त्र रोग विज्ञान		7812	10643	18455
बाल चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	7831	15042	22873
	क) स्वस्थ शिशु	00	00	00
	ख) फॉलोअप टीबी	00	00	00
	ग) गुर्दा क्लिनिक	00	00	00
	घ) बाल तंत्रिका विज्ञान	00	00	00
	च) बाल वक्ष क्लिनिक	00	00	00
	छ) उच्च जोखिम वाले नवजात	00	00	00
	ज) आनुवंशिक एवं जन्मदोष क्लिनिक	00	00	00
	झ) अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	00	00	00
	ट) बाल विकास क्लिनिक	00	00	00
	ठ) एंडोक्रिनोलॉजी क्लिनिक	00	00	00
	ड) न्यूरो सिस्टीसर्कोसिस क्लिनिक	00	00	00
	ढ) पी.सी.एस.सी.	00	00	00
	त) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	00	00	00
	थ) मायोपैथी क्लिनिक	00	00	00
	द) बाल जठरान्त्र रोग विज्ञान क्लीनिक	00	00	00
	ध) ऑटिज्म	00	00	00
त्वचा एवं रतिज	सामान्य ओपीडी	7422	9844	17266

रोग विज्ञान	क) यौन संचरित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्जरी)	116	108	244
	ख) एलर्जी क्लिनिक	27	28	55
	ग) कुष्ठ रोग	26	50	76
	घ) सोरियासिस	10	49	59
	च) त्वचा शल्य चिकित्सा	62	46	108
	छ) विटिलिगो	18	38	56
	ज) फोटोथेरेपी	06	17	23
	झ) फोटो त्वचा रोग विज्ञान	01	06	07
	ट) बाल त्वचा रोग विज्ञान	08	07	15
मनोचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	5247	12886	18133
	क) बाल निरीक्षण	237	56	293

शल्यचिकित्सा विभाग		**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
शल्यचिकित्सा		8685	8682	17367
प्लास्टिक सर्जरी		3794	6627	10421
मूत्ररोग विज्ञान		1645	2665	4310
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रतिरोपण		1299	2219	3518
बाल शल्य चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	2590	5531	8121
संवेदनाहरण विज्ञान	क) पीड़ा क्लिनिक	80	335	415
	ख) प्री-एनेस्थीसिया क्लिनिक	775	231	1006
अस्थि रोग	**सामान्य ओपीडी**	10731	18139	28870
	क) फिजियोथेरेपी	5663	5367	11030
	ख) ऑक्यूपेशनल थेरेपी	256	718	974
	ग) हाइड्रोथेरेपी	266	1052	1318
	घ) क्षय रोग	01	00	01
	च) स्कोलियोसिस	42	70	112
	छ) हैंड क्लिनिक	23	27	50
	ज) जन्मजात टैलिप्स इक्विनोवरस	18	150	168
	झ) स्पोर्ट्स क्लिनिक	00	00	00
	ट) फ्रैजीलिटी फ्रैक्चर क्लिनिक और	01	03	04

	संपर्क सेवा			
	ठ) हड्डी और कोमल ऊतक सार्कोमा क्लिनिक	00	00	00
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	सामान्य ओपीडी	7441	8462	15903
	क) श्रवणविज्ञान	00	00	00
	ख) वाक	544	347	891
	ग) श्रवण	1 1	12	23
	घ) वाणी	13	07	20
	ट) वर्टिगो	00	00	00
	च) राइनोलॉजी	00	00	00
	एच.एन. एवं आर.	07	03	10
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	9302	12692	21994
	क) इन विट्रो फर्टिलाइजेशन	00	01	01
	ख) परिवार कल्याण	1231	390	1621
	ग) प्रसवपूर्व	30	03	33
	घ) अंतःस्राविकी-स्त्रीरोग	00	00	00
	ट) उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था	156	00	156
विकिरण चिकित्सा		219	326	545
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	**सामान्य ओपीडी**	3054	4652	7706
	क) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	391	908	1299
	ख)अक्षमता मूल्यांकन क्लिनिक	00	20	20
	ग) ओपीडी (पीटी अनुभाग)	00	1912	1912
	घ) ओपीडी (ओटी अनुभाग)	00	803	803
	च) ओपीडी (एमएसएसओ)	282	267	549
अन्य	1. आपातकालीन/आपात	65743	29441	95184
	2. कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	99609	66408	166017
	3. पोषण	2260	00	2260
महायोग		***281407***	***283555***	***564962***

6.2 आहारविज्ञान

मुख्य आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

विशिष्टताएँ

जुलाई 2020 में "अस्पताल आहार हेतु पोषण मानक" नामक एक मेनुअल का निर्माण और मुद्रण किया गया था। अस्पताल के भीतर सामान्य वार्ड और निजी वार्ड के रोगियों को परोसे जाने वाले विभिन्न प्रकार के आहार के पोषण मानकों का व्यापक विकास एक नई प्रक्रिया है और भारतीय अस्पतालों में इससे पहले इस प्रकार की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई है। एम्स, नई दिल्ली के आहार विशेषज्ञों की टीम द्वारा 8 से अधिक नियमित आहारों के लिए अस्पताल आहार हेतु पोषण मानक (एनएसएचडी), 30 रोग-विशिष्ट चिकित्सीय आहार तथा आतंरिक पोषण पर निर्भर रोगियों हेतु 8 अस्पताल-आधारित आहार का कार्यभार लिया गया। नियमित आहार मानकों का निर्माण राष्ट्रीय पोषण संस्थान, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, भारत द्वारा अनुशंसित पोषण भत्तों के अनुसार किया गया था। उपलब्ध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार रोग-विशिष्ट चिकित्सीय आहार की योजना का निर्माण किया गया था। प्रत्येक आहार में निर्धारित ऊर्जा एवं पोषक तत्वों के साथ यह भी निर्धारित किया गया था कि खाद्य पदार्थ किस प्रकार के होंगे, क्या मात्रा होगी और कितना परोसा जाएगा। आहार विशेषज्ञ, चिकित्सक, खाद्य सेवा प्रबंधकों एवं नीति निर्माताओं द्वारा एनएसएचडी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयोग किया जाता है कि अस्पताल में भोजन उपलब्ध कराने हेतु सर्वोत्तम प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जा सके।

कोविड -19 इनडोर अस्पताल के सामान्य वार्ड और निजी वार्ड के रोगियों को शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले आहार प्रदान किए गए।

कोविड -19 इनडोर अस्पताल के परिचरों/परिवार के सदस्यों और साथ ही सामान्य वार्ड एवं निजी वार्ड के रोगियों को उसी के अनुसार आहार देने का प्रबंध करवाया गया।

एम्स, नई दिल्ली में सेवारत स्वास्थ्यकर्मियों/पेशेवरों को खायी जाने वाली उच्च प्रोटीन की खुराक प्रदान की।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा/ कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

परमीत कौर

1. भारत के प्रोटीन विरोधाभास का हल, ईटी एज अनवायर्ड, 28 अगस्त 2020, गोरेगांव, मुंबई, ऑनलाइन
2. एक्सटेम्पोर फिएस्टा, इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर, 10 सितंबर 2020, नई दिल्ली, ऑनलाइन
3. हेल्दी रेसिपी, एफएम, रेनबो, आकाशवाणी, नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2020, नई दिल्ली

4. बेहतर स्वास्थ्य हेतु महिला पोषण, **मिशन शक्ति**, 2020, राज्य परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एसपीआईयू) यूपी तथा बुंदेलखंड इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईईटी), झांसी, 16 जनवरी 2021, झांसी (ऑनलाइन)
5. बीइंग वीमेन, इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर, 8 मार्च 2021, नई दिल्ली (ऑनलाइन)
6. सघन चिकित्सा में न्यूट्रीशन स्क्रीनिंग टूल्स, इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन, दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च 2021, नई दिल्ली (ऑनलाइन)

प्रकाशन

जर्नल: 2

रोगी उपचार

प्रतिदिन अस्पताल में भर्ती लगभग 2300 रोगियों की चिकित्सीय आहार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ती की जाती है। रोगियों को उनके रोग एवं आहार संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न प्रकार के आहार प्रदान किए जाते हैं, जिसका आकलन इस आधार पर किया जाता है कि पोषण संबंधी जांच हुई है तथा आहार विशेषज्ञों द्वारा उनके संबंधित वार्डों में मूल्यांकन किस प्रकार किया गया है। मुख्य अस्पताल एवं केन्द्रों में भर्ती रोगियों के एक दिन में दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आहारों के वार्षिक आंकड़े इस प्रकार हैं:

आहार का प्रकार	**रोगियों की संख्या**
सामान्य	2,27,629
प्राइवेट वार्ड	46,064
अर्धठोस	31,143
चिकित्सीय	58,494
रसोई आधारित एंटरल (आंत्र) भोजन	40,652
वाणिज्यिक फार्मूला	2675
गेस्ट हाउस	189
कुल	**4,06,846**

इसके अतिरिक्त मुख्य अस्पताल में पोषण संबंधी परामर्श ओपीडी का संचालन भी होता है। वर्ष 2020-2021 में जिन भर्ती और ओपीडी रोगियों ने परामर्श लिया, उनकी संख्या इस प्रकार है:

लिंग	**पोषण परामर्श**		
	बाह्य	**अंतरंग**	**कुल**
पुरुष	1143	2536	3679
महिला	1117	2446	3563
कुल	**2260**	**4982**	**7242**

6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान रोगियों के लिए अनुदानों की प्राप्ति और किए गए भुगतान इस प्रकार हैं:

दानदाताओं से प्राप्त दान : रु. 28,40,267.86
(बैंक ब्याज, दान, निर्धन निधि बॉक्स एवं
आरटीजीएस द्वारा ऑनलाइन प्राप्त दान)
किए गए भुगतान (**310** रोगी) : रु. 9,90,354.00

(निर्धन रोगियों को जो राशि वितरित की गई थी वह वर्ष के दौरान दान दाताओं से प्राप्त अनुदान के साथ-साथ 'एम्स निर्धन निधि खाते' में बची पिछली शेष राशि है)।

6.4 नर्सिंग सेवाएं

मुख्य नर्सिंग अधिकारी
सुश्री कमलेश चंदेलिया

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगियों और समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाली नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। पेशेवर नर्स एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो अस्पताल में संबद्ध विभागों के सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएँ प्रदान करने हेतु सम्पूर्ण व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करता है।

स्टाफ संख्या

एम्स में मुख्य स्तर कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित पेशेवर नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता हैं। एम्स में नर्सिंग सेवा में स्टाफ सदस्य एस.आई.यू. (स्टाफ निरीक्षण एकक) के मानकों के आधार पर नियुक्त होते हैं।

अस्पताल और केंद्रों में कर्मचारियों की संख्या	
मुख्य परिचर्या अधिकारी	1
परिचर्या अधीक्षक	6
उप परिचर्या अधीक्षक (डीएनएस)	36
सहायक परिचर्या अधीक्षक (एएनएस)	200
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी	963
नर्सिंग अधिकारी	3204
कुल	**4410**

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा

एम्स में नर्सिंग उपचार के स्तर में सुधार करने के लक्ष्य के साथ कार्य करने वाली नर्सों के चिकित्सीय ज्ञान को अद्यतन करने के लिए सेवाकालीन और सतत शिक्षा कार्यक्रमों द्वारा वर्ष भर स्टाफ शिक्षा को निष्पादित किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा (एनआईई) कार्यक्रम

एक सुसंरचित सेवकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 से आरम्भ किया गया है। प्रारम्भ में, इसे सप्ताह में दो बार एक-एक घंटे की कक्षा के साथ आरम्भ किया गया जिसे बाद में सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी) के लिए सप्ताह में दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर एवं उपरोक्त) के लिए है।

प्रबंधकर्त्ता : सुश्री कमलेश चंदेलिया
संरक्षक : सुश्री हनुमती देवी
शिक्षक : सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड
सुश्री श्रीनित्या राघवन
सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी

I. नैदानिक शिक्षण

नर्सिंग देखभाल के मानकों का उन्नयन करने करने और इस क्षेत्र में ही व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य मुख्य अस्पताल के ए, बी, सी और डी विंग में नैदानिक शिक्षण आरंभ किया गया। यह प्रयास नैदानिक क्षेत्रों के बेडसाइड नर्सों और पर्यवेक्षी नर्सिंग कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से वर्ष 2015 से आरम्भ हुआ था।

अगस्त 2018 से नैदानिक शिक्षण का कार्य संबंधित वार्डों के ए.एन.एस. प्रभारी को सौंप दिया गया था।

II. सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

कोविड 19 महामारी के कारण, ऑफ़लाइन कक्षाओं का आयोजन नहीं हो सका। सभी कक्षाएं एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गईं। एनआईई सत्र सप्ताह में तीन बार आयोजित किए गए ताकि इन सत्रों से अधिकतम नर्सों को लाभ प्राप्त हो सके। **कोविड उपयुक्त व्यवहार** पर कुछ महीनों तक सत्र बार-बार आयोजित किया गया, ताकि प्रत्येक नर्सिंग कर्मी इससे परिचित हो सके। अन्य ऑनलाइन सत्रों में सम्मिलित हैं:

- मेडिसिन एंड इक्विपमेंट ऑडिट
- मांसपेशियों रेलेक्सेंट
- कोविड19 के रोगियों का उपचार

- वेंटिलेटर पर रोगी का उपचार
- नॉन-इंवेसिव वेंटिलेशन
- ऑपरेशन से पहले का उपचार

III. पीपीई को पहनने ओर उतारने के संबंध में स्वास्थ्यकर्मियों का शिक्षण:

एनआईई टीम फरवरी 2020 से ही अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम के साथ सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए पीपीई के पहनने और उतारने के शिक्षण में सम्मिलित थी। पीपीई पहनने और उतारने के शिक्षण के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों के लिए कोविड19 पर एक प्रस्तुति भी प्रदर्शित की गयी, जिसमें कोविड19 रोगियों में रोग के संचरण, रोकथाम एवं नियंत्रण तथा उपचार के तरीके पर विशेष बल दिया गया। चिकित्सकों, नर्सों और पराचिकित्सा कर्मियों के लिए भी सत्र का आयोजन किया गया ताकि वह महामारी से डरने के बजाए कोविड 19 रोगी के उपचार का प्रबंधन कर सके।

IV.कोविड 19 जागरूकता प्रशिक्षण

मई 2020 से, एम्स में कार्यरत स्वास्थ्य पेशेवरों के प्रत्येक कैडर के लिए एक सुसंगठित जागरूकता प्रशिक्षण योजना का शुभारम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण की योजना एम्स संकाय-सदस्यों, अस्पताल संक्रामण नियंत्रण टीम और एनआईई टीम के साथ मिलकर बनाई गई थी। इसमें निम्नलिखित सत्र सम्मिलित थे:

- एस.एम.एस. अर्थात् सोशल डिस्टेंसिंग (सामाजिक दूरी), मास्क, हैंड सेनिटाइजेशन
- हाथ धोने के जरूरी प्रयासों पर सत्र
- मास्क पहनने और उतारने की उचित प्रक्रिया तथा मास्क का प्रकार और 20 दिनों के लिए एन95 मास्क का प्रयोग
- श्वसन मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए व्यायाम और मानसिक विश्राम के लिए सरल योगमुद्रा
- कोविड 19 के डर से संबंधित मानसिक तनाव को कम करने की रणनीतियाँ
- स्वास्थ्यवर्धक आहार

एम्स, नई दिल्ली में कर्मचारियों के निम्नलिखित समूहों हेतु विभिन्न सत्रों की योजना बनाई गई थी:

- चिकित्सक
- नर्स
- एमबीबीएस छात्र
- नर्सिंग छात्र
- सभी विभागों का कार्यालय स्टाफ
- सुरक्षा गार्ड
- नैदानिक क्षेत्रों के अस्पताल और स्वच्छता परिचारक
- शैक्षणिक विभागों के हाउसकीपिंग सफाई कर्मचारी/नई आर.ए.के. ओपीडी

- सभी ओपीडी/अन्य सभी क्षेत्रों के रोगी उपचार प्रबंधक एवं समन्वयक (पीसीएम और पीसीसी)।
- एबी-पीएमजेएवाई स्टाफ
- मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमपीएस)
- कोविड परिसर में तैनात विभागों के सभी कर्मचारियों हेतु
- सभी केंद्रों के प्रयोगशाला सेवा कर्मचारी
- सभी केंद्रों के तकनीकी कर्मचारी
- टेलीफोन एक्सचेंज/पेजिंग के कर्मचारी
- पुलिस
- बैंक, रेलवे कर्मचारी
- परिवहन सेवाओं के कर्मचारी/डीटीसी
- छात्रावास अनुभाग के कर्मचारी (मेस ठेकेदार)
- इंजीनियरी सेवाओं के कर्मचारी

V. नर्सिंग अधिकारियों हेतु कोविड--19 विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

कोविड-19 मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाओं के क्षेत्र में कोविड और गैर-कोविड दोनों क्षेत्रों में काम कर रहे सभी नर्सिंग अधिकारियों के लिए एक बार पुन: प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता का अनुभव किया गया। एम्स, नई दिल्ली ने 90-120 मिनट के एक समर्पित सत्र में प्रश्नोत्तरी के साथ एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूल एवं अग्रवर्ती) का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम के पूरा होने पर, प्रतिभागियों द्वारा एक प्रमाण पत्र बनाया जा सकता है।

यह ऑनलाइन विमर्श वाल एक पूर्णतः ऑनलाइन पाठ्यक्रम था। ऑनलाइन इंटरैक्टिव वर्चुअल बैठक सत्र की योजना, चर्चा एवं संदेहों के स्पष्टीकरण के लिए परामर्शदाताओं के साथ बनाई गई थी। पाठ्यक्रम के लिए परामर्शदाता, एम्स के संकाय-सदस्य, कॉलेज अथवा नर्सिंग के संकाय-सदस्य, नर्सिंग शिक्षण टीम के शिक्षक और संक्रमण नियंत्रण नर्स थे।

यह पाठ्यक्रम एम्स, नई दिल्ली के मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में कार्यरत सभी नर्सिंग कर्मियों के लिए अनिवार्य कर दिया गया था। इस पाठ्यक्रम को प्रोफेसर ए.के. देवरारी की अध्यक्षता में एसईटी परिसर एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था।

VI. रोगी सुरक्षा पर कार्यशाला

एमएससी और पोस्ट-सर्टिफिकेट बीएससी नर्सिंग छात्रों की पाठ्यक्रम आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु क्लिनिकल नर्सों के लिए नर्सिंग महाविद्यालय एम्स द्वारा रोगी सुरक्षा पर दस कार्यशालाओं की योजना बनाई गई थी। इन कार्यशालाओं का आयोजन 15-26 मार्च 2021 के दौरान एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किया गया था। मुख्य अस्पताल एवं केन्द्रों से मुख्य नर्सिंग अधिकारी के कार्यालय द्वारा कुल 383 नर्सों को नामित किया गया था।

VII- सतर्कता रिपोर्ट

उपर्युक्त सभी एनआईईई गतिविधियों की रिपोर्ट मुख्य नर्सिंग अधिकारी के कार्यालय से मासिक आधार पर सतर्कता प्रकोष्ठ के सम्मुख प्रेषित की गयी।

VIII.नर्सिंग सेवा नियमावली

12 जनवरी 2021 को माननीय निदेशक, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया द्वारा नर्सिंग सेवा नियमावली का पहला संस्करण जारी किया गया। यह पत्रिका 1956 में एम्स की स्थापना के बाद से संकलित की गयी अपने प्रकार की प्रथम पत्रिका है। इस नियमावली को मुख्य नर्सिंग अधिकारी, श्रीमती कमलेश चंदेलिया के कुशल मार्गदर्शन में मुख्य नर्सिंग अधिकारी के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किया गया था, जो एम्स में नर्सिंग सेवाओं के इतिहास में अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इस नियमावली में पद के दायित्वों, आचार-संहिता, नर्सिंग संगठन, छुट्टी नियम, वार्ड प्रबंधन एवं नर्सिंग सेवाओं के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी सहित सभी अन्य मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इस नियमावली का उद्देश्य नर्सिंग सेवाओं के संबंध में प्रशासनिक नीतियों एवं प्रक्रियाओं का मानकीकरण करना, नए कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में सहायता प्रदान करना तथा नर्सिंग समुदाय के लिए आसानी से जानकारी उपलब्ध कराना है। इस पत्रिका को 25 फरवरी 2021 को एम्स की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था।

IX. सक्शनिंग पर मानक संचालन प्रक्रिया:

ईएनटी विभाग के सहयोग से सक्शनिंग पर एक मानक संचालन प्रक्रिया का विकास एनआईईई टीम द्वारा किया गया था। सीएमईटीआई की सहायता से पोस्टर बनाए गए और उन्हें ईएनटी वार्ड में महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रदर्शित किया गया।

X. अहमदाबाद में भावी जराचिकित्सा अस्पताल हेतु संसाधन व्यक्ति

दिनांक 24 फरवरी 2021 को अहमदाबाद में एक भावी जराचिकित्सा परिसर हेतु नर्सिंग सेवाओं के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करने के लिए जराचिकित्सा के संकाय-सदस्यों द्वारा एनआईईई टीम को एक संसाधन स्रोत के रूप में आमंत्रित किया गया था।

XI. अनुसंधान अध्ययन किया गया

सुश्री रिबेका हेराल्ड, सुश्री श्रीनित्या राघवन, सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी, सुश्री कमलेश चंदेलिया, डॉ. दीपिका खाखा, डॉ. डीके शर्मा द्वारा तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में कोविड 19 उपचार क्षेत्रों में काम करने वाली नर्सों के मनोवैज्ञानिक अनुभवों का पता लगाने के लिए एक गुणात्मक अध्ययन का आयोजन किया गया।

XII- अनुसंधान परियोजनाओं में सहायता

विभिन्न विभागों द्वारा कोविड-19 के प्रति स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान, कई परियोजनाएं आरम्भ की गईं। कोविड 19 रोगियों का उपचार करते समय एम्स अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों पर उनकी शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं के अध्ययन हेतु कई अनुसंधान परियोजनाओं का भी आयोजन किया गया। एनआईई टीम ने ऐसी परियोजनाओं का आयोजन करने के लिए कॉलेज ऑफ नर्सिंग एम्स और मनोचिकित्सा विभाग की सहायता की। चूंकि, सभी परियोजनाओं का आयोजन ऑनलाइन ही किया गया था, सभी नर्सिंग कर्मियों का उनके नाम, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी सहित एनआईई टीम द्वारा एक डाटाबेस तैयार किया गया था और फिर बाद में उन्हें परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए परियोजना समन्वयकों को भेजा गया।

XIII आगामी वर्ष हेतु नियोजित विजन/गतिविधियां

- क्लिनिकल नर्सों के लिए सॉफ्ट स्किल्स पर समय-समय पर कार्यशालाएं
- बाल चिकित्सा, गहन चिकित्सा एकक तथा आपातकालीन नर्सों के लिए आधे दिन की कार्यशाला।
- एक दिवसीय विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम।
- सफाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- नर्सों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं : प्रक्रिया नियमावली
- ऑपरेशन थियेटर के लिए मानक संचालन प्रक्रिया।

संक्रमण नियंत्रण नर्स गतिविधियाँ

संक्रमण नियंत्रण केंद्रीय समिति, मुख्य अस्पताल, 2020-2021

डॉ. डीके शर्मा	चिकित्सा अधीक्षक, एम्स, अध्यक्ष
डॉ आरती कपिल	आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
डॉ राकेश लोढ़ा	आचार्य, बाल रोग विज्ञान विभाग
डॉ रश्मि रामचंद्रन	आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
डॉ अनूप डागा एडिशनल	आचार्य, अस्पताल प्रशासन
डॉ पीयूष रंजन	अपर आचार्य, काय चिकित्सा विभाग
डॉ करण मदान	सह-आचार्य, पल्मोनरी चिकित्सा विभाग
डॉ गगनदीप सिंह	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
डॉ हितेंद्र गौतम	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
डॉ निशांत वर्मा	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
डॉ सरिता महापात्रा	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
डॉ झूमा शंकर	सह-आचार्य, बाल रोग विज्ञान विभाग
डॉ पंकज जोरवाल	सह-आचार्य, काय चिकित्सा विभाग

सुश्री मीना कुमारी	एनएस, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री एल्प्रेडा एम विक्टर	(फरवरी 2021 तक) वरिष्ठ एनएसजी अधिकारी, आई/सी। आईसीएन
सुश्री इवेंजेलिन वासंथ	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री बेट्टी मारिया बिनु	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री किरण सिंह	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री पूनम आनंद	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री संगीता आर. कुंबले	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
श्री धवल द्विवेदी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
श्री कुंज बिहारी गौतम	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री प्रिया एम	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री मुथुसेल्वी एस	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री आर इवांगेलिन	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री त्सेरिंगलामो	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
सुश्री निवेदा पी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
श्री गुरप्रीत सिंह	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण

एचआईसीसीओएम केंद्रीय समिति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों एवं हस्तक्षेपों पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर बैठकों का आयोजन करती है। संक्रमण नियंत्रण केंद्रीय समिति के साथ समय-समय पर एचआईसीसीओएम द्वारा प्रशासनिक दौरे आयोजित किए जाते हैं और उनमें समस्याओं की पहचान कर उन्हें ठीक किया जाता है।

एचआईसीसीओएम की गतिविधियाँ

- एचआईसीसीओएम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) ने कोविड उपयुक्त व्यवहार एवं प्रक्रियाओं के संबंध में सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों, संवर्ग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। सत्र में कुल **5232** स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया
- **35** सेवारत नर्सिंग कर्मियों के एक समूह के लिए आईसीएन ने नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स द्वारा आयोजित बाल चिकित्सा वार्ड तथा आईसीयू में रासायन खतरों और संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं पर एक सत्र का आयोजन किया गया
- चार्ट के रूप में नीडल स्टिक इंजरी और स्पिल प्रबंधन प्रोटोकॉल पर एसओपी और कीटाणुनाशक समाधान को एम्स के सभी नैदानिक क्षेत्रों में वितरित एवं प्रदर्शित किया गया था।
- सभी आईसीएन ने कायाकल्प-2020-2021 राउंड के आयोजन और संचालन में सक्रिय भागीदारी की

1. स्वच्छता परिचारकों तथा अस्पताल परिचारकों को हाथ की स्वच्छता, पीपीई, स्पिल प्रबंधन और निडिल स्टिक इंजरी प्रोटोकॉल के प्रति जागरूक होना सिखाया गया।

2. बायोटिक कर्मचारियों के लिए सत्रों का आयोजन हाथ की स्वच्छता, पीपीई, टीकाकरण, स्पिल प्रबंधन और निडिल स्टिक इंजरी प्रोटोकॉल, व्यक्तिगत स्वच्छता, बीएमडब्ल्यू नियमों के अनुसार बीएमडब्ल्यू ट्रॉलियों को लोड करने किया गया था।

कोविड-19 शिक्षण एवं प्रदर्शन गतिविधियाँ

कोविड महामारी के दौरान, आईसीएन कोविड-19 मामलों को सीमित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्यरत थे। आईसीएस ने **एचआईसीसीओएम** एम्स के मार्गदर्शन में वर्ष 2020 से सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए संक्रमण नियंत्रण, रोकथाम एवं मानक सावधानियों पर प्रशिक्षण का आयोजन और संचालन किया। **एचआईसीसीओएम** एम्स ने समय-समय पर कई दिशानिर्देशों का विकास किया है तथा आईसीएन सभी नैदानिक क्षेत्रों में इन पर जोर दे रहे हैं।

आईसीएन मुख्य अस्पताल की 8वीं मंजिल से भूतल तक सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मानक सावधानियों, श्वसन शिष्टाचार तथा पीपीई पहनने तथा उतारने पर प्रशिक्षण कक्षाएं संचालित कर रहा है। इनमें आईसीयू, एचडीयू, डे केयर इकाई, निजी वार्ड, तीनों मंजिलों के नए निजी वार्ड ब्लॉक, आपातकालीन सेवाएं, ओपीडी ब्लॉक और नई आर.ए.के. ओपीडी क्षेत्रों सहित ए, बी, सी और डी विंग के सभी वार्डों को सम्मिलित किया गया था।

आईसीएन अस्पताल के सभी क्षेत्रों में कोविड 19 (रेडी रेकनर) के सन्दर्भ में, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण संबंधी सभी प्रक्रियाओं पर शिक्षण एवं प्रशिक्षण सत्र प्रदान करने में संलग्न है, जिसमें पीपीई कैसा हो, मानक सावधानियां, कीटाणुशोधन, अन्य संक्रमण रोकथाम गतिविधियाँ और कोविड 19 अपशिष्ट प्रबंधन सम्मिलित हैं। .

आईसीएन रेजीडेंटों, स्नातक छात्रों, नर्सों, ओटी तथा लैब तकनीशियनों, कार्यालय कर्मचारियों, स्वच्छता परिचारकों, अस्पताल परिचारकों, सुरक्षा गार्डों, एम्बुलेंस चालकों के लिए कोविड उपयुक्त व्यवहार के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने में सक्रिय रूप से संलग्न है एवं अभी भी सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करवा रहे हैं।

एचआईसीसीओएम केंद्रीय समूह के सदस्यों द्वारा जब भी आवश्यक होता है, तब आईसीएन एचआईसीसीओएम की बैठक में भाग लेते हैं तथा इसके अतिरिक समूह सभी सतहों (लो टच और हाई टच क्षेत्रों) का विसंक्रमण करने, वस्तुओं का विसंक्रमण, विसंक्रमिक समाधानों का सही विलयन, कोविड परिसर का समय-समय पर विसंक्रमण, उचित फॉगिंग दिशानिर्देश, कोविड परिसर से नमूनों को लाना, कोविड परिसर में रोगियों के लिए प्रयोग किए जाने वाले बिस्तर की सफाई और प्रबंधन करना, रोगी को हर बार ले जाने पर लिफ्ट की सफाई और कोविड परिसर में बायोमेडिकल कचरे का प्रबंधन और संख्या का रिकॉर्ड बनाए रखना, बायोटिक टीम को सौंपे गए थैलों की संख्या और उसका उचित परिवहन आदि कार्य करने में संलग्न हैं

एचआईसीसीओएम टीम के अनुरोध पर आईसीएन सभी गैर-कोविड वार्डों में सभी सतहों की सफाई करने के लिए, पोंछा लगाने के लिए 1% सोडियम हाइपोक्लोराइट घोल के प्रयोग पर जोर दे रही है।

सभी नैदानिक क्षेत्रों में अलग-अलग मात्रा में 1% एनएओसीआई घोल तैयार करने के संबंध में सूचना पत्र वितरित किया गया।

नर्सों, एचए तथा एसए को पीपीई पहनने और उतारने पर शिक्षित करने और पुनः जोर देने के लिए कोविड परिसरों में विशेष रूप से ध्यान दिया गया था क्योंकि वे पीपीई समय-समय पर बदलते रहती हैं और पीपीई का प्रयोग भी अपने विवेक के अनुसार समय-समय पर करती हैं।

सभी आईसीएन द्वारा सभी नैदानिक क्षेत्रों में संक्रमण नियंत्रण एवं रोकथाम प्रक्रियाओं की उचित सूची बनाई गई।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर के आईसीएन को संक्रमण नियंत्रण व्यवहार एवं प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षण एवं शिक्षण प्रदान किया गया।

कोविड 19 की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु मानक सावधानियों तथा श्वसन शिष्टाचार पर प्रशिक्षित कर्मचारियों के आंकड़े

संकाय	रेजीडेंट और प्रशिक्षु	परिचर्या कर्मचारी	भंडार एवं कार्यालय के कर्मचारी	एचए/एसए/पीसीएम/पीसीसी	प्रयोगशाला/ईसीजी/ओटी तकनीशियन	एम्बुलेंस चालक	सुरक्षा गार्ड
215	1107	1205	71	852	157	25	1600

प्रशिक्षित कुल कर्मचारी: 5232

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियाँ:

1. आईसीयू/एचडीयू, बीएसआई पर शल्य चिकित्सा क्षेत्रों, आरटीआई (वीएपी), एसएसआई, यूटीआई, सीएसएफ/अन्य संक्रमणों आदि में कुल एचसीएआई पर आंकड़ों को संकलित किया गया। सभी शल्य चिकित्सा एककों तथा सभी आईसीयू हेतु मासिक रूप से आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और आंकड़ों के विश्लेषण का प्रदर्शन शल्य चिकित्सा एककों तथा आईसीयू के सभी संबंधित प्रभारी-आचार्य को वितरित किया गया।
2. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा सूची का प्रयोग करके दैनिक आधार पर व्यक्तिगत रूप से दौरा किया जाता है और आवश्यकतानुसार नैदानिक क्षेत्रों में ऑनसाइट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं औरएचआईसीसीओएम केंद्रीय समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद समस्याओं का समाधान किया जाता है।
3. निगरानी गतिविधियाँ: मासिक आधार पर निगरानी के उद्देश्य से अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों से नमूने (पर्यावरण संस्कृति, बाँझपन एवं प्रयोग में आने वाले नमूने) एकत्र किए जाते हैं। अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने के लिए सभी संबंधित क्षेत्रों में रिपोर्ट एकत्र और वितरित की जाती है।

वार्षिक स्वास्थ्य चिकित्सा संबद्ध संक्रमण (एचसीएआई) दर

क्षेत्र	कुल प्रमुख सर्जरी/प्रवेश	एचसीएआई	%
शल्य चिकित्सा एकक	4049	229	5.6
आईसीयू	3411	438	12.8

$$\textbf{संयुक्त एचसीएआई दर: } \frac{229+438}{7460} \times 100 = 8.9\%$$

अप्रैल 2020- मार्च 2021 के दौरान एकत्र किए गए निगरानी नमूने (मुख्य अस्पताल, एम्स)

शल्य चिकित्सा एककों तथा आईसीयू के लिए मासिक निगरानी और डाटा की गणना की जाती है और फिर उसे एमआरडी अनुभाग को प्रस्तुत किया जाता है। शल्य चिकित्सा एककों और आईसीयू के वार्षिक संयुक्त आंकड़ों के विश्लेषण की गणना की गयी और डॉ. आरती कपिल, प्रभारी-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, प्रोफेसर डी.के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, सुश्री कमलेश चंदेलिया, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ. अनूप डागा, प्रभारी अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सा, अभिलेख अनुभाग को प्रस्तुत किया गया।

- प्रकोप प्रबंधन की निगरानी की गई और फिर एचसीडब्ल्यू को सावधानियों के विषय में शिक्षित किया गया।
- दैनिक आधार पर रिपोर्टिंग के लिए मैनुअल और ऑनलाइन रिपोर्ट का रखरखाव किया गया और साथ ही घटना एवं हस्तक्षेप की रिपोर्टिंग के लिए एक समर्पित रजिस्टर भी रखा गया।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत "**काया-कल्प**" - स्वच्छ अस्पताल अभियान आरम्भ किया है। स्वच्छ और हरित एम्स अभियान हेतु दिशानिर्देश निर्मित किए गए। एम्स बदलाव तथा इन दिशानिर्देशों को अपनाने का वाहक होने के कारण, काया-कल्प परिवर्तन के इस आन्दोलन का मुख्य स्वर बनने के लिए तैयार है।

6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

बी.आर. शेखर

पर्यवेक्षण चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

पंकज कुमार

कुल पर्यावरण और स्टर्लिटी नमूने	कुल प्रयोग समाधान नमूने	कुल स्टेराइल नमूने		कुल गैर-स्टेराइल नमूने	
		कुल पर्यावरण और स्टर्लिटी के नमूने	प्रयोग समाधान नमूने	कुल पर्यावरण एवं स्टर्लिटी नमूने	प्रयोग समाधान नमूने
2899	888	2400	798	499	90

परिचय

एम्स में चिकित्सा समाज कल्याण एकक की नींव 1960 में रखी गई थी जब मुख्य अस्पताल में प्रथम चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्त किया गया था। चिकित्सा समाज कल्याण एकक आरम्भ से ही चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में कार्य कर रहा है। चिकित्सा सामाजिक सेवाओं का एकीकरण होने के कई सकारात्मक परिणाम मिले हैं क्योंकि यह रोगियों को सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है तथा उपचार प्राप्त करते समय समस्याओं को कम करता है। मुख्य अस्पताल चिकित्सा समाज कल्याण एकक में 14 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) हैं जो मेन मुख्य अस्पताल में 20 महत्वपूर्ण विभागों की ओपीडी और वार्ड की देखभाल करते हैं। एमएसएसओ की एक टीम के अतिरिक्त, रोगी उपचार एवं मार्गदर्शन हेतु एकक के अंतर्गत 13 अंशकालिक सामाजिक गाइड (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर कार्य कर रहे हैं।

हमारा सिद्धांत: "रोगियों के लिए प्रतिबद्ध, एम्स के लिए प्रतिबद्ध"

हमारे उद्देश्य:

1. डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, रोगी, परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सीय-नेटवर्क तैयार करना।
2. संपूर्ण शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास के लिए एक समग्र-उपचार की ओर अग्रसर करना।
3. रोगियों के मूल मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
4. निर्धन और वंचित रोगियों के लिए विभिन्न सेवाओं की सुविधा।
5. आधारभूत रोगी कल्याण सेवाओं को सरल बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और उपचार कर रहे संकाय-सदस्यों के साथ समन्वय करना।

6. सामाजिक कार्य के छात्रों को चिकित्सा समाज कार्य का प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान करना।
7. हमारे एकक और एम्स के अन्य विभागों द्वारा आरम्भ की गई अनुसंधान अध्ययनों को संचालित और समन्वय करना।

पदनाम	**स्टाफ-सदस्यों की संख्या**
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड 1	2
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड 2	10

विशिष्टताएँ

एम्स में एबी-पीएमजेएवाई योजना का समन्वय और कार्यान्वयन

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ए.बी.-पीएमजेएवाई), भारत सरकार का एक कार्यक्रम है 23 सितंबर 2018 को जिसे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरम्भ किया गया था। एम्स इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन में एक हस्ताक्षरकर्ता एवं सहभागी है तथा इसके लिए एम्स में गेट नंबर 1 के पास एक समर्पित कार्यालय का निर्माण किया गया।

एम्स में चिकित्सा अधीक्षक के नेतृत्व में चिकित्सा समाज कल्याण एकक, प्रधानमंत्री आरोग्य मित्र (पीएमएएम) एवं रोगी उपचार प्रबंधक (पीसीएम) की एक टीम के साथ इस योजना के कार्यान्वयन करने हेतु समन्वय कर रहा है। इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए एम.एस.एस.ओ. एक प्रमुख अधिकारी हैं तथा मुख्य एम.एस.एस.ओ. के पर्यवेक्षण में ही चिकित्सा समाज कल्याण एकक की टीम ने यह सुनिश्चित किया है कि यह महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम अधिक से अधिक लाभार्थियों तक सुचारू रूप से पहुंचे।

योजना के प्रति उत्साही केंद्र लाभार्थी की पहचान, गोल्डन कार्ड सृजन, कौन से उपचार के लिए कौन सा पैकेज चुनना है, पैकेज के लिए आवश्यकताएँ, शल्यक एवं चिकित्सा उपचार, दावा आरम्भ करने, रिपोर्टिंग, नेटवर्किंग और शिकायत निवारण की सुविधा प्रदान करता है। 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत लाभान्वित रोगियों के समेकित आंकड़े नीचे दी गई तालिका में दर्शाए गए हैं:

कुल वॉक-इन	4986
बीआईएस अनुरोध	930
कुल सर्जिकल केस	835
कुल मेडिकल केस	698
विशेष अनुमोदन केस	33
कुल मामले	52482

गरीब एवं वंचित रोगियों के उपचार हेतु आर्थिक सहायता

1. एम्स निर्धन निधि में 28,40,267 रुपये प्राप्त हुए।
2. एम्स एमएस निर्धन निधि के माध्यम से 310 निर्धन रोगियों को रु. 9,90,354 की सहायता की सुविधा प्रदान की गई।
3. एमएसएसओ निर्धन निधि के माध्यम से गरीब एवं वंचित रोगियों को 1,00,000 रुपये की सहायता की सुविधा प्रदान की गई।
4. जानलेवा रोगों के उपचार हेतु 177 बीपीएल रोगियों के लिए परिवार और स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय की राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) अम्ब्रेला योजना से 6,84,82,950 रुपये का अनुदान प्राप्त किया।
5. निम्नलिखित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)/ट्रस्ट/गैर सरकारी संगठनों से वित्तीय सहायता की व्यवस्था की गई:

फिएम फाउंडेशन	7 रोगियों हेतु 10,82,700 रुपये
रिलैक्सो फुटवियर्स	1 रोगी हेतु 1,44,000 रुपये
रोशनी फाउंडेशन	6 रोगियों हेतु 34,5400 रुपये
बैज नाथ भंडारी ट्रस्ट	3 रोगियों हेतु 111800 रुपये
जवाहर भवन ट्रस्ट	15 रोगियों हेतु 372220 रुपये
साहू जैन ट्रस्ट	2 रोगियों हेतु 25,000 रु
सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट	4 रोगियों हेतु 122000 रुपये
युवराज सिंह फाउंडेशन	1 रोगी हेतु 5,00,000 रुपये
द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	रु 3,00,000
गोपाल फाउंडेशन	कैंसर रोगियों हेतु दवाईयाँ

गरीब एवं वंचित रोगियों के लिए निशुल्क दवाईयां एवं अन्य दान :

1. एमएसडब्ल्यूयू में स्वैच्छिक दान द्वारा 5000 ओपीडी रोगियों को रु. 7,00,000 रुपये मूल्य की निशुल्क दवाईयां।
2. एम्स में भर्ती लगभग 1200 रोगियों को निर्धन रोगी प्रोफार्मा के माध्यम से नि:शुल्क दवाईयां /शल्य चिकित्सा सामग्री।

अस्पताल लेवी शुल्क तथा रेलवे रियायत की छूट

1. लगभग 9000 बीपीएल/गरीब रोगियों को सीटी, एमआरआई, पीईटी और एचएलए आदि सहित विभिन्न अस्पताल प्रभारों की छूट।
2. लगभग 5000 बाह्य रोगियों को रेलवे रियायत सुविधा प्रदान की गई।

परामर्श और मार्गदर्शन:

1. रेफरल सेवाओं, एबी पीएमजेएवाई, आरएएन आदि जैसी स्वास्थ्य योजनाओं, वित्तीय सहायता, डायलिसिस केंद्रों आदि के लिए लगभग 32000 रोगियों को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

Counseling with Social Distancing

आपात चिकित्सा के माध्यम से पुनर्वास और रेफरल:

1. लगभग 350 रोगियों का पुनर्वास किया गया: मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) और गैर एमएलसी/अज्ञात/अप्राप्य/निराश्रित/अनाथ।
2. बेड की अनुपलब्धता के कारण लगभग 2000 रोगियों को आपात एमएसएसओ के माध्यम से प्रवेश के लिए सफदरजंग अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान की गयी।
3. माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अंतर्गत रोगियों को नि:शुल्क उपचार हेतु निजी अस्पतालों में रेफर करने की सुविधा प्रदान की।

विशेष समारोह:

13 नवंबर 2021 को एबी-5 वार्ड में दीपावली समारोह: बाल चिकित्सा सर्जरी वार्ड में चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने दीपावली-पूजन और उपहार वितरण का आयोजन किया।

एम्स में सामाजिक कार्य

अन्य गतिविधियां

Social Work Celebration in AIIMS

दिनांक 23 मार्च 2021 को एमएसडब्ल्यू एकक द्वारा किए गए कोविड राहत कार्यों पर निदेशक महोदय, चिकित्सा अधीक्षक, उप-निदेशक (प्रशासन), संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करके विश्व सामाजिक कार्य दिवस का आयोजन किया गया।

सितंबर 2020 को 65वें संस्थान दिवस समारोह एवं प्रदर्शनी में 'कोविड-19 के दौरान चिकित्सा समाज कल्याण सेवाएं' विषय पर मेडिकल सामाजिक कल्याण एकक का एक विस्तृत पोस्टर प्रदर्शित किया गया।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव

एक ही दिन में रिकॉर्ड रक्तदान के साथ 3 फरवरी 2021 को आयोजित यह कार्यक्रम एक विशेष सफलता थी। चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने जागरूकता बढ़ाई तथा लोगों को प्रेरित किया कि वह आएं और इसमें प्रतिभागिता करें। सामाजिक एकक की ओर से प्रत्येक रक्तदाता को प्रशंसा के प्रतीक के रूप में एक हैंड सैनिटाइज़र प्रदान किया गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान एमएसएसओ द्वारा योगदान

1. **आपातकालीन चिकित्सा** विभाग में चिकित्सा सामाजिक सेवाएं : एम्स एवं **आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन औषधि योजना** कार्यालय ने **24x7** अपना संचालन जारी रखा तथा कई एमएसएसओ के कोविड-19 से संक्रमित होने के बावजूद भी एक कार्य दिवस के लिए भी संचालन बंद नहीं होने दिया।
2. जेपीएनएटीसी में नियुक्त एमएसएसओ ने कोविड-19 के रोगियों और उनके रिश्तेदारों के बीच **वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग आरम्भ की** :
    1. **1437** रोगियों और उनके परिजनों के बीच **वीडियो कांफ्रेंसिंग** हुई
    2. एमएसडब्ल्यू एकक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए **100%** मरीज रिश्तेदारों से संपर्क किया
    3. **63.36%** रोगियों के परिजनों ने अपने प्रियजनों के साथ **वीडियो कांफ्रेंसिंग** की
    4. **वीडियो कांफ्रेंसिंग** के लिए रोजाना औसतन **10** रोगियों के परिजन आते थे।
3. लॉकडाउन के दौरान जब रोगियों की छुट्टी हुई तो लगभग **सभी गरीब-वंचित रोगियों को परिवहन के** लिए विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की गई ।
4. लॉकडाउन के दौरान **आठ रोगी आश्रय गृहों का सर्वेक्षण** और एम्स में टेली-परामर्श का समन्वय।
5. धर्मशाला में रोगियों और परिचारकों के लिए स्वच्छता और भौतिक दूरी पर एक ओरिएंटेशन किया गया और मास्क वितरित किए गए।
6. एमएसडब्ल्यू एकक के अनुरोध पर सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा एम्स परिसर का **सैनिटाइजेशन** किया गया
7. सिग्निफाई-फिलिप्स के सीएसआर द्वारा **चार यूवी** सेनिटाइजेशन **चैंबर्स** की स्थापना की गयी ।
8. कुल **415 ईजी आरयूएसएफ** बॉक्स (खाने के लिए तैयार थेरेपेतिक फ़ूड) प्राप्त किए गए और कोरोना योद्धाओं के बीच वितरित किए गए।

Donation of Canopy for wheelchairs in new RAK OPD

नई आर.ए.के. ओपीडी में व्हीलचेयर हेतु कैनोपी दान एवं शेल्टर हाउस का सर्वे

Survey of Shelter Home

9. सर्दी के मौसम में गरीब वंचित रोगियों को **कंबल** वितरित किए गए।
10. ओपीडी, विश्राम सदन और रेन-बसेरा में लगभग **20,000** मास्क का दान और वितरण
11. रोगियों एवं परिचारकों को 5000 मेडिनीम-साबुन वितरित किए गए।
12. बाटा के सीएसआर से लगभग **7000** जोड़ी जूते और चप्पल प्राप्त हुए और प्रेरणा एवं सहयोग के लिए एम्स के कोरोना योद्धाओं (ग्रुप-डी स्टाफ) के बीच वितरित किए।

कोविड योद्धओं के लिए जूते

13. एमएसडब्ल्यू एकक के माध्यम से एम्स को **51,000** कोलगेट-पामोलिव सैनिटाइज़र (लगभग 40 लाख रुपये मूल्य के) दान में प्राप्त हुए ।
14. पीपीई किट खरीद के लिए एम्स को **4.5 लाख** रुपये का दान प्राप्त हुआ ।
15. नई आरएके ओपीडी में व्हीलचेयर और ट्रॉली के लिए दो **कैनोपी** (लगभग **2.5 लाख रुपये** मूल्य की) लगाई गईं ।
16. ट्रॉमा ईडी पुनर्वास : लगभग **350** रोगियों (अज्ञात / परिचर के बिना) का पुनर्वास किया गया है, जिन्हें ट्रॉमा इमरजेंसी के अंतर्गत भर्ती कराया गया था ।

चिकित्सा समाज कल्याण/एमएसडब्ल्यू एकक द्वारा शिक्षण एवं प्रशिक्षण:

1. दिनांक 12 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू) द्वारा आयोजित वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन पर 96वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में श्री बी.आर. शेखर और श्री विवेक कुमार सिंह ने "जनसंपर्क और मेडिको सोशल सर्विसेज" पर एक सत्र प्रस्तुत किया।

2. दिनांक 19 मई 2020 को आईएसएस, आगरा द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी में अस्पताल में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका : वर्तमान चुनौतियां और आगे का रास्ता" विषय पर श्री बी आर शेखर ने एक सत्र प्रस्तुत किया।

3. दिनांक 18 जुलाई 2020 को एआईएएमएसडब्ल्यूपी और केरल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा - महामारी के दौरान स्वास्थ्य चिकित्सा में सामाजिक कार्य: भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य- में श्री आफताब आलम शाह ने संयोजक की भूमिका निभाई।
4. दिनांक11 जुलाई 2020 को एआईएएमएसडब्ल्यूपी द्वारा आयोजित वेबिनार 'सामाजिक कार्य पेशे के दायरे और चुनौतियां' में श्री अभिषेक राजपूत ने एक पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।
5. दिनांक 27 जून 2020 को विश्वास न्यूज द्वारा आयोजित वेबिनार 'कोविड महामारी के दौरान सुरक्षा के साथ बाहर कैसे जाएं' में श्री विवेक कुमार सिंह ने पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया।

6. दिनांक 21 अगस्त 2020 को एआईएएमएसडब्ल्यूपी द्वारा आयोजित 'एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में कोविड-19 के साथ जीना' कार्यक्रम में श्री बी आर शेखर ने स्वागत भाषण दिया।
7. दिनांक 25 जुलाई 2020 को एआईएएमएसडब्ल्यूपी द्वारा आयोजित 'महामारी के दौरान दिव्यांग व्यक्ति हेतु दृष्टिकोण और चुनौतियां: सामाजिक कार्यकर्ता के परिदृश्य' में श्री बी आर शेखर ने स्वागत भाषण दिया।
8. दिनांक 11 जुलाई 2020 को एआईएएमएसडब्ल्यूपी द्वारा आयोजित 'कोविड-19 के मध्य सामाजिक कार्य पेशे का दायरा और चुनौतियां' में श्री बीआर शेखर ने स्वागत भाषण दिया।
9. 28 अगस्त, 2020 को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में आत्मनिर्भर भारत के लिए एक रोडमैप असंगठित क्षेत्र पर वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक ट्रांस-डिसिप्लिनरी वन वीक नेशनल ई-फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (ई-एफडीपी) में "स्वास्थ्य नीति और असंगठित कार्यबल" विषय पर डॉ. कीर्ति आर्य ने तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया
10. दिनांक 17 सितंबर, 2020 को डॉ कीर्ति आर्य ने एम्स मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन (एएमए) नई दिल्ली, और सामाजिक कार्य विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज (एमसीसीएसडब्ल्यूडी), चेन्नई द्वारा आयोजित वेबिनार "मेडिकल सोशल वर्कर्स एंड कम्युनिटी आउटरीच" वेबिनार में *"समुदाय आधारित स्वास्थ्य उपचार : चिंतन, चुनौतियां और चिकित्सा सामाजिक कार्य के दायरे से आगे का रास्ता"* विषय पर सत्र प्रस्तुत किया।
11. दिनांक 9 दिसंबर 2020 को डॉ. कीर्ति आर्य ने एमए (सामाजिक कार्य), सामाजिक कार्य विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के छात्रों हेतु *"समकालीन भारत में स्वास्थ्य नीति और कार्यान्वयन चुनौतियां* " पर सत्र प्रस्तुत किया ।
12. दिनांक 5 मार्च 2021 को डॉ. कीर्ति आर्य ने सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, पुणे में मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (एमपीएच), पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम, के छात्रों हेतु " *आयुष्मान भारत का महत्व और दायरा: भारत में सामाजिक सुरक्षा* " पर सत्र प्रस्तुत किया ।
13. दिनांक 18 जुलाई 2020 डॉ. कीर्ति आर्य ने एआईएएमएसडब्ल्यूपी और केरल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा - "महामारी के दौरान स्वास्थ्य चिकित्सा में सामाजिक कार्य: भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य में" सह-संयोजक के रूप में भाग लिया।

सामाजिक कार्य प्रशिक्षण

समवर्ती क्षेत्र कार्य: दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क (डीएसएसडब्ल्यू) के 2 छात्रों को वर्ष भर समवर्ती क्षेत्र कार्य प्रदान किया।

शैक्षणिक गतिविधियां

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार: जिनमें एमएसएसओ ने प्रतिभागिता की

1. कोविड-19 महामारी के बाद का समाज: हम कहाँ पर होंगे?
2. सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्याओं के रूप में भविष्य में कोविड-19 के साथ रहना।

3. महामारी के दौरान दिव्यांग व्यक्ति के प्रति दृष्टिकोण और चुनौतियां: सामाजिक कार्यकर्ता का दृष्टिकोण
4. महामारी के दौरान स्वास्थ्य चिकित्सा में सामाजिक कार्य: भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य
5. कोविड-19 के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य पर विचार
6. कोविड-19 के दौरान सामाजिक कार्य पेशे के क्षेत्र और चुनौतियाँ
7. कोविड-19 महामारी के दौरान परामर्श की भूमिका
8. कोविड-19 महामारी के दौरान मिथक और वास्तविकता
9. कोविड-19 के समय में सामाजिक संकट और सार्वजनिक स्वास्थ्य
10. कोविड-19 महामारी: परिवार के कामकाज में जोखिम और लचीलापन
11. शोध एवं समकालीन विकास प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार: स्थाई भविष्य हेतु आवश्यक शिक्षण।
12. कोविड-19 संकट के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना
13. वैश्विक स्वास्थ्य संकट और कोविड -19 का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव: एक भौगोलिक परिदृश्य
14. भूकंप, बाढ़, भूस्खलन, आग और अन्य आकस्मिक खतरों के विशेष संदर्भ में आपदा जोखिम में कमी।
15. नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस
16. सामाजिक कार्य पेशेवरों का दायरा और चुनौतियां
17. कोविड 19 के परिदृश्य में जन जातियों के जीवन की स्थिति
18. महामारी के दौरान दिव्यांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूडी) के प्रति दृष्टिकोण और चुनौतियां: पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ताओं के परिदृश्य में
19. कोविड -19 महामारी: योद्धाओं और उत्तरजीवियों की दृष्टि से अनुभव
20. अस्पतालों में रोगी के उपचार के लिए विभिन्न वित्तीय योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता के लिए मार्गदर्शन: चिकित्सा सामाजिक कार्य पेशेवरों की भूमिका"
21. 23-24 जनवरी 2021 और 30-31 जनवरी 2021 को ऑनलाइन सत्र के माध्यम से एसपीजेआईएमआर मुंबई से प्राप्त सक्षम (सशक्तिकरण संगठन) प्रमाणपत्र।

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने "संबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख वृत्ति विधेयक, 2018" की पड़ताल की। समिति ने विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित किया। राज्यसभा में समिति के समक्ष उपस्थित होने के लिए समिति ने मुख्य एमएसएसओ श्री बी.आर शेखर को आमंत्रित किया था। विधेयक में चिकित्सा समाज कार्य पेशा को सम्मिलित करने के लिए जो प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया गया, उसके आधार पर समिति द्वारा समस्त अनुशंसाओं को स्वीकार किया गया तथा **'संबद्ध एवं स्वास्थ्य देख-रेख वृत्ति अधिनियम 2021'** का निर्माण कर दिया गया, जिससे चिकित्सा समाज कार्यकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय आयोग बनाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
2. विश्व सामाजिक कार्य माह 2021 के अवसर पर दिनांक 21 मार्च 2021 को आयोजित प्रथम एआईएएमएसडब्ल्यूपी राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता की सदस्य श्रेणी में डॉ. कीर्ति आर्य, एमएसएसओ ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशन

जर्नल: 3

6.6 मुख्य रक्त कोष

प्रदत्त रोगी उपचार सेवाएं

दान कक्ष

1.	कुल संग्रह	38675
2.	स्वैच्छिक दाता	7327
3.	प्रतिस्थापन दाता	30291
4.	अफेरेसिस प्रक्रिया	1057
5.	कुल स्वैच्छिक दाताओं हेतु आयोजित शिविर	59
6.	टीपीई	135
7.	पीबीएससी	13

नियमित प्रयोगशाला एवं आपात काउंटर

1.	कुल प्राप्त रोगी अनुरोध	43675
2.	किए गए (दाता + रोगी) कुल रक्त समूह (एबीओ और आरएच)	84549
3.	किए गए कुल एक्स-मैच (आपातकालीन और नियमित)	38918

4	किए गए कुल आईसीटी	1833
5.	किए गए कुल डीसीटी	1804
6.	किए गए कुल टिट्रे (आईसीटी+एबीओ)	206
7.	कुल स्क्रीनिंग की गई एंटीबॉडी	84549

जारी /अस्वीकृत किए गए

1.	जारी की गई कुल पीआरबीसी इकाईयां	35962
2.	बाहरी अस्पताल को जारी कुल पीआरबीसी	1226
3.	टीटीआई प्रतिक्रियाशील स्थिति के कारण अस्वीकृत कुल इकाईयां	1399
4.	प्लाज्मा फ्रैक्शनेशन सेंटर प्लाज्मा को जारी कुल अधिशेष प्लाज्मा	3627 लीटर और 979 मिली

विशेष प्रक्रिया प्रयोगशाला

1.	माइनर ग्रुपिंग	2322
2.	क्रॉस मिलान विसंगति	640
3.	जीआर विसंगति	59
4.	एबी पहचान	780
5.	एंटी सेरा क्यूसी	14
6.	ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन वर्क अप	72

घटक प्रयोगशाला

1.	प्लेटलेट कंसन्ट्रेट	34133
2.	ताजा जमे हुए प्लाज्मा	14799
3.	तरल प्लाज्मा	22925
4.	क्रायोप्रेसिपिटेट	450
5.	लाल रक्त कोशिकाएं	38928
6.	घटक क्यूसी	364
7.	बफ़ी कोट	18336

संक्रमण प्रयोगशाला

1.	एचआईवी जांच	38675
2.	एचबीवी जांच	38675
3.	एचसीवी जांच	38675
4.	वीडीआरएल	38675
5.	मलेरिया पेरासाइट	38675
6.	एनएटी (मुख्य+सीएनसी+ट्रॉमा केंद्र)	48875

7. नर्सिंग कॉलेज

आचार्य एवं प्राचार्य

लता वेंकटेशन (दिनांक 31.10.2021 से)

सह आचार्य एवं कार्यवाहक प्राचार्य

संध्या गुप्ता (दिनांक 31.10.2021 तक)

सह-आचार्य

दीपिका सी. खाखा	कमलेश के. शर्मा	शशि मवार
पूनम जोशी	एल. गोपीचंद्रन	सिबी रिजु
अदिति पी. सिन्हा	प्रज्ञा पाठक	उज्जवल दहिया
रिंपल शर्मा	सेसिलिया एमएस	मंजू अमित कुमार राजोरा
लेविस मुरी	वाई. सुरबाला देवी	स्मिता दास
अजेश कुमार टी.के.	मिलन तिरवा	मुथुवेंकटचलम एस.

सहायक आचार्य

गीता राजदान

ट्यूटर्स

किरण सिंह सिमक	गायत्री बत्रा	सुचेता	बबीता साहू
फिलोमिना थॉमस	मीना अरा	सीमा सचदेवा	अनुभा देवगौरौ
नीलिमा राजी	नेमखोलम	हंसाराम	मोनिका सभरवाल
ममता चौधरी	मनिता दलाल	सुमन डबास	सविता

वर्ष 2020-21 में दाखिला प्राप्त छात्र

पाठ्यक्रम	स्वीकृत संख्या	दाखिला लेने वाले छात्र	वर्तमान संख्या (नए दाखिला)
बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग	96 + 5 विदेशी	96	94
बी.एससी (पीबी) नर्सिंग	50	50	44
एम.एससी नर्सिंग	36 + 1	37	23
क. क्रिटिकल केयर नर्सिंग	6	6	05
ख. ऑन्कोलॉजिकल नर्सिंग	5	5	03
ग. बाल चिकित्सा नर्सिंग	5	5	03
घ. तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	6	6	02

ड. नेफ्रोलॉजिकल नर्सिंग	5	5	03
च. कार्डियोलॉजिकल/सीटीवीएस नर्सिंग	5	5	03
छ. मनोरोग (साइकियाट्रिक) नर्सिंग	5	5	04
कुल	**188**	**184**	**161**

वर्तमान छात्रों की संख्या

पाठ्यक्रम		**प्रथम वर्ष**	**द्वितीय वर्ष**	**तृतीय वर्ष**	**चतुर्थ वर्ष**	**कुल**
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	नियमित	94	75	75	72 09	**325**
	अनियमित					
बीएससी (पोस्ट-बेसिक) नर्सिंग	नियमित	44	29	लागू नहीं	लागू नहीं	**74**
	अनियमित		01			
एमएससी नर्सिंग	नियमित	23	25	लागू नहीं	लागू नहीं	**48**
	अनियमित					
कुल		**161**	**130**	**75**	**81**	**447**

वर्ष 2020 में स्नातक छात्र

पाठ्यक्रम	**छात्रों की संख्या**
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	60
बीएससी (पोस्ट-बेसिक) नर्सिंग	23
एमएससी नर्सिंग	27
कुल	**110**

उपलब्धियां

स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय और एम्स के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

- **नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्य**
  - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसार देश के नर्सिंग अधिकारियों और नर्सिंग छात्रों के लिए **कोविड-19 रोगियों की देखभाल में प्रशिक्षण के लिए वेबिनार के माध्यम से 39 व्याख्यान** आयोजित किए गए जो मार्च से जून 2020 तक यूट्यूब पर (स्ट्रीमिंग) किए जा रहे हैं।

वेबिनार के माध्यम से प्रदत्त व्याख्यान के विषय

1. महामारी विज्ञान, नैदानिक विशेषताएं और कोविड-19 का निदान।
2. कोविड-19 संक्रमण के लिए संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण अभ्यास (आइसोलेशन और बैरियर नर्सिंग) ।
3. पीपीई।
4. कोविड-19 संक्रमण वाले मरीजों का नर्सिंग उपचार।
5. कोविड-19 संक्रमण एआरडीएसऔर सेप्टिक शॉक वाले मरीजों का नर्सिंग उपचार।
6. मैकेनिकल वेंटिलेटर में मरीजों की देखभाल संबंधी सावधानियां।
7. कोविड-19 यूनिट से संबंधित विशिष्ट मुद्दों का संचालन।
8. मिथ बुस्टर-कोविड-19
9. कोविड-19 से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा (रोल प्ले)
10. कोविड-19 के प्रकोप के दौरान इसका मुकाबला और तनाव संबंधी उपचार।
11. मृत शरीर संबंधी सावधानियां और देखभाल।
12. कोविड से पीड़ित गर्भवती और प्रसवोत्तर महिलाओं की देखभाल के लिए विशिष्ट मुद्दे।
13. कोविड से पीड़ित बच्चों की देखभाल के लिए विशिष्ट मुद्दे।
14. कोविड वाले रोगी की मनोवैज्ञानिक देखभाल।
15. कानूनी पहलू - कोविड से संबंधित देखरेख की जिम्मेदारी
16. स्वास्थ्य टीम के सदस्यों की देखभाल (प्रोफिलैक्सिस-संगरोध-स्वयं की देखभाल के मुद्दे)।
17. सार्स कोव-2 संक्रमण के संदिग्ध रोगी के नमूना संग्रह और सैंपल संग्रह के लिए नर्स की जिम्मेदारी।
18. कोविड प्रकोप के लिए अस्पताल हेतु बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिस: नर्स की भूमिका।
19. कोविड प्रकोप के लिए घर के लिए बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिस: नर्स की भूमिका।
20. सार्स को-वी संक्रमण के प्रकोप के दौरान उपकरणों और सतहों की कीटाणुशोधन प्रक्रिया।
21. सार्स को-वी 2 संक्रमण वाले मरीजों के लिए आइसोलेशन और क्वारंटाइन की तैयारी: घर पर सिद्धांत और व्यवहार: परिवार को तैयार करने में नर्स की भूमिका।
22. घर पर सार्स कोवी-2 संक्रमण वाली प्रसवपूर्व, प्रसवोत्तर महिलाओं का उपचार: परिवार को तैयार करने में नर्स की भूमिका।
23. सार्सकोवी-2 संक्रमण की निगरानी।
24. सार्सकोवी-2 संक्रमण के संदिग्ध व्यक्ति के साथ संचार स्थापित करना।
25. सार्सकोवी-2 संक्रमण के प्रकोप के दौरान मादक द्रव्यों के सेवन विकारों और मादक द्रव्यों के सेवन विकारों वाले रोगियों की विशिष्ट देखभाल के मुद्दों के विकास की संभावना।
26. सार्स-कोवी-2 के सह-संक्रमण वाले पीएलएचआईवी का उपचार: नर्स की भूमिका।
27. सीओपीडीऔर सार्स-कोवी-2 का सह-संक्रमण और सह-संक्रमण का उपचार: नर्सों की भूमिका।
28. टीबी और सार्स-कोवी-2 सह-संक्रमण उपचार: नर्स की भूमिका।

29. कोविड-19 महामारी (मधुमेह, सीकेडी, कैंसर आदि) के दौरान पुरानी बीमारियों और उनके उपचार पर प्रभाव।
30. संसाधन आबंटन और उपयोग: कोविड-19 महामारी के दौरान नर्सों के लिए एक चुनौती।
31. कोविड-19 के प्रकोप के दौरान कमजोर वर्ग की आबादी (आश्रयविहीन, प्रवासी, दिव्यांगजन, अकेले रहने वालेव्यक्ति)के लिए सावधानियां और देखभाल : नर्स की भूमिका।
32. डिटेंशन और लंबे समय तक घरों में रहने की स्थिति में कोविड-19 की तैयारी, रोकथाम और नियंत्रण: नर्स की भूमिका (किशोर गृह, नारी निकेतन, अनाथालय, वृद्धाश्रम और लंबे समय तक रहने वाले संस्थान)।
33. वृद्ध आबादी में सार्स-कोवी-2 संक्रमण के लिए सावधानियां और देखभाल : नर्स की भूमिका।
34. कोविड-19 की देखभाल में चुनौतियों का सामना करने के लिए फ्रंटलाइन योद्धाओं की तैयारी।
35. कोविड प्रकोप में साक्ष्य आधारित अभ्यास की भूमिका।
36. महामारी के दौरान नर्सों के बीच एक लचीलेपन का निर्माण।
37. नर्सिंग पेशेवरों के लिए आगे बढ़ने का मार्ग।

- नर्सिंग डिवीजन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए राज्यों से नर्सों के लिए 'कोविड 19 महामारी का प्रबंधन' पर तीन वेबिनार में सत्र लिया गया। जो जून-जुलाई 2020 से यू-ट्यूब पर चल(स्ट्रीमिंग) रहा है।
- स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया और एम्स के लिए एमएससी और बीएससी (पीबी) नर्सिंग छात्रों को शामिल करने वाली कंप्यूटर सुविधा के साथ-साथ कोविड-19 के लिए टेली-परामर्शी कॉल सेंटर का आयोजन किया गया, जो अप्रैल 2020 से दिसंबर 2020 तक चल रहा था, सेवाएं 24x7 प्रदान की गईं।
- कॉलेज ऑफ नर्सिंग के फैकल्टी सदस्य ने एम्स प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड यूनिट्स (एनसीआई, जेपीएनएटीसी, प्राइवेट वार्ड, सी-6/डी-6 वार्ड, न्यू इमरजेंसी आदि) में कार्यरत सभी नर्सिंग अधिकारियों के लिए आमने-सामने के वर्चुअल प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया।
- संकाय सदस्यों ने सत्र 2020 में शामिल होने वाले एमएससी, बीएससी (पीबी) और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों के नए प्रवेशकों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए।

1. पीजी और पीबी नर्सिंग के छात्रों ने भाग लिया।

- कोविड-19 के लिए टेली-परामर्श (टेली-कंसल्टेशन) कॉल सेंटर
- अप्रैल-जून 2020 के दौरान पीआरसी में विभिन्न स्तरों के लिए पीपीई किट की पैकिंग का पर्यवेक्षण।

2. सितंबर 2020 से कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा नर्सिंग छात्रों के लिए कल्याण कार्यक्रम शुरू किया गया था।

क- नर्सिंग कॉलेज के छात्रों के बीच संबंध और कल्याण में सुधार के लिए **बडी प्रोग्राम** का गठन किया गया था। छात्र सलाहकार, एसएनए सलाहकार और उप छात्रावास अधीक्षक जो रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में काम करते हैं। बडी सीनियर और संबंध प्रबंधकों के बीच लगातार बैठकें आयोजित की

जाती हैं। छात्र द्वारा सामना की जाने वाली किसी भी चिंता या समस्या की सूचना प्रधानाचार्य और कल्याण समन्वयक को दी जाती है। किसी भी छात्र को सहायता की आवश्यकता होती है, उसे उपयुक्त व्यक्ति (व्यक्तियों), प्राचार्य या उप छात्रावास अधीक्षक या मनोचिकित्सा विभाग द्वारा संचालित उप छात्रावास अधीक्षक के पास भेजा जाता है।

ख- अभिभावक शिक्षक वर्चुअल बैठकें / टेलीफोनिक: सभी कक्षा शिक्षक, सहायक कक्षा शिक्षकों एवं माता-पिता के साथ वर्चुअल मीटिंग करते हैं।

ग- कक्षा शिक्षकों और पाठ्यक्रम समन्वयकों द्वारा घटनाओं की एक डायरी तैयार की गई थी।

घ- पीजी / यूजी नर्सिंग छात्रों के लिए कल्याण प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 सितंबर 2020 को शुरू किया गया था। फैकल्टी सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए थे।

3. सितंबर 2020 से नर्सिंग कॉलेज द्वारा नर्सिंग छात्रों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रशिक्षण और अभियान शुरू किया गया था।

नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्यों ने महामारी के दौरान संक्रमण के(संचरण) ट्रांसमिशन की रोकथाम को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पहल की है: शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र। महाविद्यालय के सभी क्षेत्रों में सेनिटाइजेशन गतिविधियों का पर्यवेक्षण, छात्रों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई और एम्स के दिशानिर्देशों के अनुसार नोडल अधिकारियों द्वारा मास्क के उपयोग, विशिष्ट संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और एम्स की नीति के अनुसार मास्क खरीदने की व्यवस्था के संबंध में संपर्क ट्रेसिंग की गई। बार-बार सैनिटाइजेशन गतिविधियां की गईं।

4. महामारी के दौरान नर्सिंग कॉलेज द्वारा आयोजित परीक्षाएं।

सभी परीक्षाएं कोविड-19 के विशिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की गईं; सभी व्यावहारिक (प्रैक्टिकल)ऑनलाइन परीक्षाओं हेतु आभासी रूप से कक्षाएं आयोजित की गईं।

5. स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय के अनुरोध पर एमएससी नर्सिंग छात्रों द्वारा देश में उपलब्ध नर्सिंग और पैरामेडिकल एवं स्वयंसेवकों की राज्यवार-जनशक्ति की वर्गीकृत सूची का विकास।

छात्र नर्स संघ (एसएनए) गतिविधियां (हाइब्रिड मोड):

- सात इंट्रा कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे एक्सटेम्पोर, पोस्टर मेकिंग, मेंहदी, एकल नृत्य, कंकड़ पेंटिंग, वाद-विवाद, कविता पाठ और सुडोकू का आयोजन किया गया।
- पांच इंटर कॉलेजिएट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- छात्रों ने हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया।

6. अन्य सहायक पाठ्यक्रम:

नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान दिए गए और डीओआरए(डोरा) छात्रों, सीडीईआर, एम्स, दिल्ली की व्यावहारिक कक्षाएं संचालित की गई।

7. सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

नर्सिंग कॉलेज द्वारा आयोजित: एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग अधिकारियों के लिए **दस** सेवाकालीन शिक्षा आभासी कार्यक्रम, प्रत्येक दिन

1. मरीजों की सुरक्षा एक अवलोकन, आईपीएसजी लक्ष्य, 15 मार्च 2021, नई दिल्ली।
2. शारीरिक सुरक्षा: एक सार्वभौमिक कॉल, 16 मार्च 2021, नई दिल्ली।
3. प्रभावी संचार, 17 मार्च 2021, नई दिल्ली।
4. दवा सुरक्षा: "अधिकार" से आगे बढ़ें, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली।
5. स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण, 19 मार्च 2021, नई दिल्ली।
6. "स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुरक्षा: एक सुरक्षा संस्कृति का निर्माण", 22 मार्च 2021, नई दिल्ली।
7. स्वास्थ्य देखभाल में सुरक्षित शिशु: मरीजों का दृष्टिकोण, 23 मार्च 2021, नई दिल्ली।
8. सर्जिकल सुरक्षा, 24 मार्च 2021, नई दिल्ली।
9. रोगी सुरक्षा के लिए रोगी- सुरक्षित स्वास्थ्य के लिए एक पहल, 25 मार्च 2021, नई दिल्ली।
10. चिकित्सा आपात स्थिति: चेतावनी के संकेत, 26 मार्च 2021, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान:

डॉ. संध्या गुप्ता 1

डॉ. दीपिका सी खाखा 16	डॉ. कमलेश शर्मा 23
डॉ. शशि मवर 3	डॉ. पूनम जोशी 18
डॉ. एल. गोपीचंद्रन 12	सुश्री सिबि रिजिक 2
डॉ. प्रज्ञा पाठक 5	सुश्री रिंपल शर्मा 6
सुश्री सेसिलिया एमएस 3	सुश्री लेविस मुरी 4
सुश्री वाई सुरबाला देवी 3	सुश्री स्मिता दास 1
सुश्री मिलन तिरवा 2	डॉ. मुथुवेंकटचलम 7
सुश्री गायत्री बत्रा 2	डॉ. फिलोमिना थॉमस 1
सुश्री अनुभा देवगौरौ 3	सुश्री नीलिमा राज 1
सुश्री सुमन डबास 1	सुश्री सविता 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक तृतीयक देखभाल केंद्र, में उपशामक देखभाल प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों के बीच चयनित चर पर एनाल्जेसिक और सहायक के अनुपालन के पारंपरिक प्रिस्क्रिप्शन बनाम मोबाइल ऐप की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण,एल गोपीचंद्रन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.57 लाख रुपये।

2. एक तृतीयक देखभाल सुविधा में मरीजों की उपशामक देखभाल में चयनित चर पर एनाल्जेसिक और सहायक अनुपालन के मोबाइल ऐप आधारित नुस्खे की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक आरसीटी, एल. गोपीचंद्रन, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 7.78 लाख रुपये।
3. कोविड-19 रोगियों या संदिग्धों व्यक्तियों के संपर्क में आने वाले स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य परिणामों के निर्धारक, कमलेश कुमारी शर्मा, एम्स, कोविड-19 संस्थान अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2020-2021, पहले वर्ष के लिए 4.5 लाख रुपये।
4. एम्स में दुर्दम्य मिर्गी की रिपोर्टिंग वाले बच्चों के माता-पिता द्वारा क्यूओएल और प्राथमिक चिकित्सा प्रबंधन (एफएएमएस) पर मिर्गी देखभाल ऐप की प्रभावशीलता: एक प्रायोगिक यादृच्छिक अध्ययन। प्रज्ञा पाठक, एम्स, 1.5 साल, 2020-2022, 2 लाख रुपये।
5. अंतर-पेशेवर (इंटरप्रोफेशनल) शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण, टीम वर्क और स्वीकृति के संदर्भ में मेडिकल और नर्सिंग छात्रों पर सिमुलेशन का उपयोग करके नवजात आपात स्थिति के प्रबंधन के लिए यूनिप्रोफेशनल प्रशिक्षण की तुलना में अंतर-पेशेवर (इंटरप्रोफेशनल) शिक्षा की प्रभावशीलता; दृष्टिकोण का एक मिश्रित विधि एल. लेविस मरे, एम्स, 1 साल, 2020-2021 2.82 लाख रुपये।
6. दक्षिण एशिया-ए गुणात्मक अध्ययन (2020-21) पर व्यापक ध्यान देने के साथ भारत में कमजोर और जोखिम वाले समूहों में कोविड-19 के मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव को संबोधित करने के लिए स्थानीय रूप से निहित साक्ष्य-आधारित ज्ञान का निर्माण करने के लिए अंतःविषयक नैदानिक अनुसंधान नेटवर्क, गोपीचंद्रन, यूसीएल-एम्स, 1 साल, 2020-2021, 5 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली एनसीआर में हायर सेकेंडरी स्कूल के गैर-एथलीट छात्रों (14-18 वर्ष के बीच) के साथ एथलीट की मनोदशा, लचीलापन और आत्मविश्वास की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन।
2. आंशिक रूप से पलदाई खिलाए गए और विशेष रूप से स्तनपान कराने वाले स्थिर लेट प्रीटर्म और टर्म नियोनेट्स के स्तनपान व्यवहार का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. कोविड-19 महामारी के दौरान हृदय संबंधी विकारों के रोगियों की चिंता, अवसाद और तनाव के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
4. डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली में कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे कैंसर रोगियों में वित्तीय विषाक्तता और चिकित्सीय अनुपालन पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
5. कोविड-19 महामारी के दौरान मधुमेह मेलिटस टाइप 1 वाले बच्चों (6-18 वर्ष) में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर शारीरिक गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।

6. एम्स, नई दिल्ली में कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे बच्चों में दर्द की धारणा, थकान और जीवन की गुणवत्ता पर योग हस्तक्षेप के प्रभाव की जांच करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन।
7. एम्स, नई दिल्ली में ट्रांसप्लांट के बाद जीवित गुर्दादाताओं (किडनी डोनर)के अनुभवों पर एक हेमनेयुटिक घटना संबंधी अध्ययन।
8. एम्स, नई दिल्ली में हृदय प्रत्यारोपण के बाद रोगियों के अनुभवों पर एक व्याख्यात्मक घटना संबंधी अध्ययन।
9. एम्स, दिल्ली में कोविड पॉजिटिव व्यक्तियों के लिव्ड-इन अनुभवों और इससे मुकाबला करने की रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए एक व्याख्यात्मक घटना संबंधी अध्ययन।
10. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षा गार्डों के बीच सामाजिक कलंक, कथित तनाव और मनोवैज्ञानिक संकट का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
11. एम्स, नई दिल्ली में कार्डियोलॉजी विभाग में चयनित परिणामों पर हार्टफेलियर के रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच संरचित परामर्श की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अर्ध प्रायोगिक अध्ययन।
12. एम्स, नई दिल्ली के पीआईसीयू में बेहोश बच्चों के चयनित नैदानिक मापदंडों पर मातृ ऑडियो टेप की आवाज के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. एम्स, नई दिल्ली में ल्यूपस नेफ्रैटिस रिपोर्टिंग वाले रोगियों में चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
14. हृदयाघात के रोगियों की देखभाल पर कोविड -19 के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
15. कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच कोविड-19 महामारी के कारण तनाव, चिंता, अवसाद और मनोवैज्ञानिक संकट का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, - एक वेब आधारित क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण।
16. आईसीयू, एम्स, दिल्ली में वेंटिलेटर एसोसिएटेड न्यूमोनिया (वीएपी) की रोकथाम के लिए सामूहिक अनुपालन हेतु नर्सों के लिए शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
17. तंत्रिका विज्ञान आईसीयू इकाइयों, एम्स में कार्यरत नर्सों के बीच ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास पर स्थिति-पृष्ठभूमि-मूल्यांकन-सिफारिश दृष्टिकोण पर शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
18. एम्स नई दिल्ली में न्यूरोलॉजी ओपीडी में भाग लेने वाले पार्किंसंस रोग के रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच घरेलू देखभाल प्रबंधन पर वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
19. एम्स, नई दिल्ली के नर्सिंग छात्रों के बीच नर्सिंग शिक्षा पर कोविड -19 महामारी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।

20. एम्स, नई दिल्ली में रिश्तेदारों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए आईसीयू अभ्यास प्रोटोकॉल विकसित करने की दृष्टि से गंभीर देखभाल क्षेत्रों में भर्ती रोगी के रिश्तेदारों द्वारा अनुभव की गई समस्याओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
21. सेरेब्रल पाल्सी से पीडित बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता और आम तौर पर विकासशील बच्चों के साथ एम्स, नई दिल्ली में पीडियाट्रिक न्यूरो ओपीडी में भाग लेने वालों की तुलना करने के लिए एक अध्ययन।
22. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से गुजर रहे रोगियों के लिए हेमोडायलिसिस रोगी सुरक्षा देखभाल प्रोटोकॉल विकसित करने और इसकी व्यावहार्यता, नर्सों की स्वीकार्यता और रोगी संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
23. अपने परिवार के साथ अल्कोहल निर्भरता सिंड्रोम से उबरने वाले मरीजों के एकीकरण से जुड़े कारकों का एक खोजपूर्ण अध्ययन।
24. मिर्गी से पीडित रोगियों और उनकी देखभाल करने वालों में आभासी इंटरैक्टिव मिर्गी शिक्षा बनाम डिजिटल शैक्षिक सामग्री का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
25. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सामाजिक समर्थन और अवसाद की व्यापक्ता की धारणा।

पूर्ण

1. जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल), सुरक्षा और प्रभावकारिता के संदर्भ में स्टोमा (रंध्र) देखभाल और पारंपरिक बनाम अभिनव पाउच रहित रंध्र उपकरण की तुलना पर एक क्षमता निर्माण अध्ययन।
2. एम्स, नई दिल्ली की न्यूरोसर्जिकल इकाइयों में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों (एचसीपी) के बीच वयस्क बिस्तर बाध्य रोगियों के बीच दवा की खुराक की गणना में 3 पैरामीटर नोमोग्राम का उपयोग करके वजन अनुमान की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
3. एम्स, नई दिल्ली के पूर्वस्नातक नर्सिंग छात्रों के बीच शरीर की छवि (बॉडी इमेज), आत्म-सम्मान, नींद की गुणवत्ता और सामाजिक योग्यता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली में कार्डियक सर्जरी के बाद माता-पिता के ज्ञान और बच्चों के चयनित नैदानिक परिणामों पर बहु-घटक हस्तक्षेप कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्व-प्रायोगिक अध्ययन।
5. उत्सर्जन ऐप आधारित घरेलू देखभाल और प्रबंधन के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों के माता-पिता की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक पूर्व-प्रयोगात्मक अध्ययन।
6. एम्स नई दिल्ली में सरकोमा से बचे लोगों की अधूरी जरूरतों का पता लगाने और उत्तरजीवी देखभाल में नर्स की भूमिका को फिर से परिभाषित करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

7. एम्स, दिल्ली में पीआईसीयू में गंभीर रूप से बीमार अस्पताल में भर्ती बच्चों के बीच फीडिंग प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित सर्वेक्षण।
8. एम्स, नई दिल्ली में सीकेडी रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दे की देखभाल संबंधी सामूहिक प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. पारंपरिक म्यूकोटॉक्सिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित मौखिक म्यूकोसाइटिस और जीवन की गुणवत्ता की घटनाओं और गंभीरता को कम करने पर च्यूइंग गम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. एनडीडीटीसी गाजियाबाद से इलाज कर रहे ओडीएस रोगियों की स्थिति, शर्म, अपराध और आत्म-सम्मान की रिकवरी पर आत्म-क्षमा हस्तक्षेप पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
11. नई दिल्ली के चयनित स्कूल में किशोरों के बीच गेमिंग विकारों और मनोसामाजिक सहसंबंधों के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
12. पोस्टऑपरेटिव रोगियों में चयनित रोगी देखभाल के परिणामों पर एबीसीडीईएफ बंडल के कार्यान्वयन के प्रभाव और एम्स, दिल्ली के एचडीयू / सर्जिकल आईसीयू में नर्सों के ज्ञान और प्रथाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
13. एम्स, दिल्ली में गंभीर स्नायविक विकलांगता वाले रोगियों की देखभाल करने वालों के लिए दबाव अल्सर की रोकथाम पर इंटरवेंशनल पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन - एक आरसीटी
14. स्व-प्रभावकारिता और ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन के स्तर पर टाइप 2 मधुमेह वाले वयस्कों के लिए नर्स के नेतृत्व वाले वेब आधारित शैक्षिक पैकेज की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
15. एसएनआईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में सर्जिकल नियोनेट के होमकेयर प्रबंधन में माताओं के ज्ञान और कौशल पर सुरक्षित निर्वहन कार्यक्रम (एसडीपी) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन"
16. एटीएलएस दिशानिर्देशों (ट्रॉमा प्रशिक्षण) के अनुसार कई घायल रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन में नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान, कौशल और इसके प्रतिधारण में सुधार पर सिमुलेशन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
17. एम्स, नई दिल्ली में नर्सों के ज्ञान और रोगी देखभाल के परिणामों पर संरचित आईसीयू कार्डियक सर्जरी क्लिनिकल मार्ग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
18. ई-शैक्षिक सामग्री विकसित करने की दृष्टि से एम्स, नई दिल्ली में स्वास्थ्य देखभाल के हितधारकों के बीच मानव दूध बैंकिंग (ह्यूमन मिल्क बैंकिंग) के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और कथित बाधाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।

19. बाल चिकित्सा रोगियों में चयनित रोगी देखभाल परिणामों पर पोस्ट-एक्सट्यूबेशन नेबुलाइजेशन प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन के प्रभाव और सीटीवीएस, आईसीयू में भर्ती बाल रोगियों की देखभाल के ज्ञान और अभ्यास के बाद के बारे में अभ्यास को विकसित करने और मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
20. आईसीयू में भर्ती पोस्ट एक्सट्यूबेटेड रोगियों में डिस्पैगिया पर स्वालोविंग एक्सरसाइज की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन।
21. रेडियोलॉजिकल इमेजिंग अध्ययन के दौर से गुजर रहे कैंसर रोगियों के ज्ञान और मनोवैज्ञानिक तनाव पर नर्स के नेतृत्व वाली मनोशिक्षा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन।
22. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा सर्जरी ऑपरेशन थिएटर में डब्ल्यूएचओ सर्जिकल सुरक्षा जांच सूची के अनुपालन और इसके कार्यान्वयन में होने वाली बाधाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन।
23. मनोरोग इकाई में रोगी की सुरक्षा के बारे में देखभाल करने वालों की धारणा - एक मिश्रित विधि का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं: *जारी*

1. उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल, न्यूरोसर्जरी की न्यूरोसर्जिकल इकाइयों में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच दवा खुराक गणना में 3 पैरामीटर नोमोग्राम का उपयोग करके वजन अनुमान की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, न्यूरोसर्जरी।
2. एम्स, नई दिल्ली, सीटीवीएस में पोस्ट सीएबीजी रोगियों के बीच नर्स के ज्ञान और रोगी देखभाल परिणामों पर संरचित आईसीयू सीएबीजी नैदानिक मार्ग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
3. गुणात्मक दृष्टिकोण, ऑन्कोलॉजी का उपयोग करके ली-फ्रामेनी सिंड्रोम के पुष्टि या संभावित निदान वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन।
4. उन्नत कैंसर रोगियों की घर-आधारित सहायक देखभाल के लिए उनके देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता पर नर्स के नेतृत्व में एकीकृत शैक्षिक हस्तक्षेप का प्रभाव: एक संभावित आरसीटी, ओन्को-एनेस्थीसिया, नर्सिंग सेवाएं।
5. नर्सिंग छात्रों के बीच कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन के चयनित कौशल पर मोबाइल ऐप आधारित शिक्षण-यादृच्छिक भावी प्रायोगिक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग और कार्डियोलॉजी।
6. पीआईसीयू में भर्ती गंभीर रूप से बीमार बच्चों में रक्त आधान और संबंधित जटिलताओं की भविष्यवक्ता बाल रोग विभाग, नर्सिंग सेवाएं।
7. कोविड-19 महामारी के दौरान नर्सों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट, मनोचिकित्सा।

8. एनआईसीयू, एम्स नई दिल्ली, नियोनेटोलॉजी और आरपीसी नर्सिंग सेवाओं में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों के बीच प्रीमैच्योरिटी (आरओपी) शैक्षिक पैकेज की रेटिनोपैथी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन।

पूर्ण

1. कोरोना महामारी, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली के दौरान कैंसर से पीड़ित बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच मनो-सामाजिक संकट।
2. नर्सिंग छात्रों, बाल चिकित्सा, इग्नू के ज्ञान और संतुष्टि के संदर्भ में एक ऑनलाइन इंटरएक्टिव आईएमएनसीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन।
3. कार्डियक अरेस्ट कोविड -19 रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिशानिर्देशों के प्रसार के लिए दो ऑनलाइन शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता की तुलना: एक याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कंप्यूटर सुविधा और इको इंडिया।
4. नर्सों के बीच कोविड -19 रोगियों के लिए कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन प्रशिक्षण का प्रसार: सिंगल-आर्म्ड,पूर्व-प्रयोगात्मक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कंप्यूटर सुविधा।

प्रकाशन

जर्नल: 50 **किताबों में अध्याय: 5** **पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1**

रोगी उपचार

1. 2020-21 में शहरी समुदाय (अंबेडकर नगर) में मिर्गी, कोविड-19 के प्रति महिलाओं के प्रति धारणा आदि विषयों पर छह **स्वास्थ्य सर्वेक्षणों का** समन्वय और पर्यवेक्षण किया गया।
2. महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों अर्थात कोरोना संक्रमण, आंखों की समस्याएं और उनका प्रबंधन, सर्वाइकल कैंसर आदि पर स्वास्थ्य की रोकथाम और संवर्धन पर भूमिका निभाने और प्रदर्शनियों के रूप में 13 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आयोजन किया।
3. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग, बीएससी (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग और एम एससी नर्सिंग छात्रों के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा सहित प्रत्यक्ष रोगी देखभाल प्रदान की जाती है, जो पूरे वर्ष कॉलेज के संकाय सदस्यों की देखरेख में विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों में तैनात होते हैं।
4. 65वें स्थापना दिवस' 2019 के अवसर पर, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, दिल्ली में कोविड-19 महामारी के समय में गतिविधियों के बहुरूपदर्शक पर पोस्टर प्रदर्शनी जैसी विभागीय गतिविधियों का सह-आयोजन किया गया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

भागीदारी और पुरस्कार / पुरस्कार जीते:

1. गायन प्रतियोगिता में (राज्य स्तरीय-तृतीय पुरस्कार)
2. इंटर कॉलेज - फोटोग्राफी और फेस पेंटिंग प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार।

डॉ संध्या गुप्ता ने स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से कोविड-19 निर्देशों की निगरानी के लिए एनसीसी कैडेटों के प्रशिक्षण के लिए एमओएचएफडब्ल्यू के लिए एक वीडियो फिल्म तैयार की। (अप्रैल 2020 में यूट्यूब पर); एमओएचएफडब्ल्यू की विभिन्न समितियों में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया: **(i) स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय नर्स और मिडवाइफरी आयोग का मसौदा तैयार करने के लिए; (ii) इंडियन नर्सिंग काउंसिल के लिए नर्सिंग प्रैक्टिस एक्ट का मसौदा तैयार करने के लिए; (iii) भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार के लिए भारत में नर्सों के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान के मानकों के विकास के लिए;** (iv) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए आईएससीओवर्गीकरण के अनुसार भारत में नर्सिंग प्रोफेशनल के लिए समता का मसौदा तैयार करने के लिए; (v) डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओके लिए एडिटिंग फैसिलिटेटर्स मैनुअल के लिए - नर्सों के लिए वृद्धावस्था देखभाल में प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षकों के लिए 2020; और (vi) दो संस्थानों के लिए चयन समिति के लिए; स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा / एनईईटी पर **टास्क फोर्स** में भाग लिया; डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के लिए बुजुर्गों और कमजोर लोगों के लिए दीर्घकालिक देखभाल के मानकों को विकसित करने पर **टास्क फोर्स** में भाग लिया; राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा / एनईईटी पर **टास्क फोर्स** में भाग लिया; 20 नवंबर 2020 को आईएसपीएन द्वारा आमंत्रित महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन के लिए मनोवैज्ञानिक देखभाल पर **टास्क फोर्स** में भाग लिया; स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए सिंगल एंट्री पर **टास्क फोर्स** में भाग लिया; प्रश्न-बैंक तैयार करने के लिए विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया; दिसंबर, 2020 में राजीव गांधी विश्वविद्यालय के लिए भारतीय नर्सिंग परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्न-बैंक की तैयारी के लिए विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया; भारतीय नर्सिंग परिषद, नई दिल्ली के गोपनीय कार्य के लिए विशेषज्ञ बैठक में भाग लिया; **इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्रिक नर्सिंग के** मुख्य संपादक हैं; 4 अनुक्रमित पत्रिकाओं **जे. मानसिक स्वास्थ्य मानव व्यवहार;** वर्तमान चिकित्सा अनुसंधान और अभ्यास; इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री; मनोरोग नर्सिंग के अभिलेखागार (आर्काइव) के लिए समीक्षक; (i) जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड प्रैक्टिस (जेएनईपी) के एडवाइजरी बोर्ड; (ii) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन (आईजेओएनई)।

डॉ दीपिका सी खाखा निम्नलिखित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस, स्कॉलर रिपोर्ट; इंडियन जर्नल ऑफ एडवांस नर्सिंग; जर्नल ऑफ कॉम्प्रेहेंसिव नर्सिंग रिसर्च एंड केयर; जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ मैनेजमेंट; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज के ***लिए* समीक्षक**, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी नर्सिंग जर्नल, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन नर्सिंग साइंस, एनल्स ऑफ नर्सिंग एंड प्रैक्टिस, जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ केयर, *करंट साइकियाट्री* रिव्यूज जर्नल ऑफ अफेक्टिव डिसऑर्डर, जर्नल ऑफ कम्युनिटी हेल्थ मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी इन हेल्थ साइंसेज, एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव, कॉम्प्लिमेंटरी एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, द नर्सिंग जर्नल ऑफ इंडिया, ब्रिटिश जर्नल ऑफ

मेंटल हेल्थ नर्सिंग, अमेरिकन जर्नल ऑफ साइकियाट्री एंड न्यूरोसाइंस, जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव, सप्लीमेंट्री एंड इंटीग्रेटिवमेडिसिन, पांच एमएससी थीसिस के लिए निर्णायक, 3 फॉर नाइन, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 2 फॉर केजीएमसी, लखनऊ, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए पीएचडी के लिए निर्णायक और परीक्षक (1), एमजीआर विश्वविद्यालय (2); एमएससी थीसिस और पीएचडी थीसिस के लिए सामग्री वैधता विशेषज्ञ; एम्स में कोविड प्रशिक्षण के लिए मेंटर, एम्स के 4 समूहों में कोविड प्रशिक्षण के लिए पर्यवेक्षक, नर्सिंग अधिकारी, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के ग्लोबल क्लिनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क (जीसीपीएन), व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया के सदस्य, प्रभावी संचार पर सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम के आयोजन सचिव: रोगी सुरक्षा के लिए बांड; शैक्षणिक समिति के सदस्य, आचार समिति के सह-अध्यक्ष (यकृत पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली); एम्स, दिल्ली और बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में डॉक्टरेट अनुसंधान समिति; **डब्ल्यूएचओ** ग्लोबल क्लिनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क; मॉडरेशन कमेटी-एम्स; वेबिनार में भाग लिया; बेंच से बेडसाइड में अनुवाद अनुसंधान का उभरता दायरा**, 4-6 फरवरी 2021 से मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन**।

डॉ कमलेश के शर्मा "बाह्य सदस्य" बोर्ड ऑफ स्टडीज(बीओएस) नर्सिंग,यूजी और पीजी पाठ्यक्रम, एम्स, भुवनेश्वर में"बाह्य सदस्य"; बाबा फरीद विश्वविद्यालय में अनुसंधान गुणवत्ता समिति (नर्सिंग) आरक्यूसी **(एन)** की बैठक में विशेष सदस्य; **एनएचएसआरसी, एनआईएचएफडब्ल्यू, दिल्ली के साथ बाह्य परामर्शदाता प्रशिक्षक (सीपी/सीपीएचसी);** संसाधन व्यक्ति, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्टाफ नर्सों के लिए राष्ट्रीय टीओटी (**डॉक्टरों और नर्सों)** का ऑनलाइन प्रशिक्षण, आईसीएमआर-एनआईसीपीआर (एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार) द्वारा "स्टाफ नर्सों के लिए ऑनलाइन कैंसर स्क्रीनिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम', कोविड पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-19 नर्सिंग ऑफिसर्स 2020 के लिए मेंटर; परीक्षक - आरजीयूएचएस, बैंगलोर के तहत नेशनल कंसोर्टियम फॉर पीएचडी; और डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई; विजिटिंग फैकल्टी, परीक्षक और मूल्यांकनकर्ता, केजीएमयू, बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय, पीजीआई नाइन, चंडीगढ़ रूफैडाकॉन, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, आईएलबीएस, दिल्ली, उप छात्रावास अधीक्षक, सीएपीआईओ, नर्सिंग कॉलेज, **विभिन्न समितियां, एम्स,** नई दिल्ली, सदस्य - खरीद और अनुपयोगी सामान निपटान समितियां, नर्सिंग और छात्रावास कॉलेज, - विभागीय डॉक्टरेट समिति, अध्यक्ष- बीएससी नर्सिंग (पीबी) / 2021 के लिए एमसीक्यू का ज्ञापन; संक्रमण नियंत्रण समिति, नोडल अधिकारी कोविड-19, छात्रावास अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, पीएच.डी नर्सिंग (आईएनसी) के लिए राष्ट्रीय संघ (तीन) के मार्गदर्शक पीएचडी उम्मीदवार, संपादकीय बोर्ड सदस्य (2 पत्रिकाएं), समीक्षक (5 पत्रिकाएं), 'मेडिकेशन सेफ्टी' पर एम्स नर्सों के लिए इन-सर्विस एजुकेशन प्रोग्राम का आयोजन, एडहॉक इंस्पेक्टर, दिल्ली नर्सिंग काउंसिल।

डॉ शशि मवार ने सितंबर 2020 में बीएलएस और एसीएलएस के लिए प्रदाता पाठ्यक्रम में भाग लिया और बीएलएस और एसीएलएस के लिए अनुदेशक के रूप में कार्य किया; 16 मार्च 2021 को स्वास्थ्य

सेवा में रोगियों की शारीरिक सुरक्षा पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए सेवाकालीन कार्यक्रम का आयोजन किया; 20-21 मार्च 2021 से बीएलएस और एसीएलएस के लिए अनुदेशक कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ पूनम जोशी ने एक प्रदाता के रूप में पीएलएस (एएचए) कार्यक्रम में भाग लिया और अनुदेशक के रूप में कार्य किया और 23-24 फरवरी 2021 को एक सफल निगरानी पूरी की; नर्सिंग अधिकारियों (24-31 अप्रैल 2020) के लिए कोविड-19 पर ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए मेंटर; 1 दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 तक मोबाइल फोन आधारित इंटरैक्टिव ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रीटर्म केयर पैकेज के प्रसार के लिए फैसिलिटेटर(सुविधाकर्ता); संक्रमण नियंत्रण नर्स, सीटीवीएस, एम्स, नई दिल्ली द्वारा सीवीसी देखभाल के मान्य दिशानिर्देश विकसित किए गए हैं; "एंथ्रोपोमेट्री, शिशुओं में, रंध्र देखभाल, वायुमार्ग प्रबंधन, छाती संपीड़न, प्रतिक्रिया का मूल्यांकन" पर एसईटी सुविधा के लिए विकसित शैक्षिक सामग्री।

- **परीक्षक और मूल्यांकनकर्ता के रूप में विजिटिंग फैकल्टी**
  - इग्नू, नई दिल्ली, रुफैदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, बाबा फरीदकोट यूनिवर्सिटी, पीजीआई नाइन, चंडीगढ़।

डॉ एल. गोपीचंद्रन

1. टीएनएआईदिल्ली शाखा के अध्यक्ष और राष्ट्रीय टीएनएआईईसी सदस्य (2020-24) के रूप में चुने गए।
2. एम्स इंस्टिट्यूट डे सेलिब्रेशन (2020) पर एम्सोनियन ऑफ अमेरिका बेस्ट कम्युनिटी वर्क इन नर्सिंग अवार्ड-2019 के प्राप्तकर्ता।
3. दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी एंड कार्डिएक नर्सिंग (आईएसईसीएन) द्वारा सम्मान और मान्यता संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त किया (फरवरी 2021)।
4. एम्स, नई दिल्ली में क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन में फेलोशिप से सम्मानित। (2021)।

सर्टिफिकेट कोर्स (एम्स, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित)

इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर द्वारा आयोजित सर्टिफिकेट कोर्स इन एसेंशियल ऑफ पैलिएटिव केयर पर सर्टिफिकेट कोर्स (2020)।

बीएससी और एमएससी (नर्सिंग) (2019-20) के लिए बाह्य परीक्षक:

एम्स नई दिल्ली ऋषिकेश, एम्स जोधपुर, एम्स भोपाल, आईएलबीएस कॉन दिल्ली, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, टाटा मेमोरियल इंस्टीट्यूट, मुंबई, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय में आंतरिक और बाह्यपरीक्षक और प्रश्न पत्र सेटर के रूप में नियुक्त।

2019-2020 में भारत भर के कई शहरों में **विभिन्न एम्स पीजी, यूजी और नर्स भर्ती ऑनलाइन / शारीरिक परीक्षा आयोजित करने के लिए** एक **संकाय प्रभारी के** रूप में नियुक्त किया गया।

सुश्री सिबिरिजु

1. एएचए द्वारा स्वीकृत एसीएलएस/बीएलएस प्रशिक्षक का दर्जा प्राप्त किया।

डॉ प्रज्ञा पाठक

1. 18.8.20 को चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब में पीएच.डी. के उम्मीदवारों के थीसिस और सार्वजनिक रक्षा के परीक्षक।
2. दिनांक 05.10.20 को रामचंद्र विश्वविद्यालय, चेन्नई में पीएच.डी. सार्वजनिक रक्षा के पैनल के प्रख्यात सदस्य।
3. नर्सिंग कॉलेज (एम्स ऋषिकेश, पीजीआई चंडीगढ़, आईएलबीएसदिल्ली, सेंट स्टीफन दिल्ली, केजीएमयू लखनऊ, पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, बाबा फरीद विश्वविद्यालय पंजाब।) में एमएससी नर्सिंग और बी.एससी परीक्षा के लिए परीक्षक।
4. 24.11.20-26.11.20 से निर्माण, एमसीक्यू के सत्यापन, चेकलिस्ट, सिमुलेशन परिदृश्यों के बारे में सलाह देने के लिए भारतीय नर्सिंग परिषद और झीपीगो द्वारा किए गए शोध अध्ययन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

सुश्री उज्जवल दहिया

1. अप्रैल 2020 में कोविड-19 संक्रमण के संदिग्ध / या होने वाले रोगियों की देखभाल में प्रशिक्षण के लिए नर्सिंग अधिकारियों के लिए वेबिनार में अध्यक्ष।
2. मई 2020 में कोविड-19, प्रशिक्षण के लिए एम्स में नर्सिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण समन्वयक।
3. 27 सितंबर 2020 कोइंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर(आईएपीसी) से प्रशामक देखभाल के अनिवार्यता में सर्टिफिकेट कोर्स पूरा किया।
4. रोगी सुरक्षा के लिए मरीजों पर सेवाकालीन नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रम के लिए आयोजन सचिव और संसाधन व्यक्ति, मार्च 2021।

सुश्री लेविस मुरी

1. मई से जून 2020 तक सरल मंच के माध्यम से नर्सिंग संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन कोविड प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति / संरक्षक।
2. नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम ऑफ इंडिया और इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सों द्वारा आयोजित 01.11.2020 से 10.01.2021 तक "प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी की रोकथाम के लिए प्रीटर्म केयर" पर नर्सों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए मेंटर।

3. नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम ऑफ इंडिया द्वारा 12.12.2020 से 10.03.2021 तक "प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी की रोकथाम के लिए प्रीटर्म केयर" पर डॉक्टरों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए मेंटर।
4. भारत में लेबर रूम और डिलीवरी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए लक्ष्य कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय गुणवत्ता सुधार मेंटर।
5. भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा "ममापोड - कंगारू मदर केयर के लिए एक परिधान" के लिए "बायोटेक उत्पाद और प्रक्रिया विकास और व्यावसायीकरण पुरस्कार 2020" से सम्मानित किया गया।
6. **सम्मेलन में भाग लिया (ऑनलाइन):**
7. यूपी-आईएपी वेंटिलेशन वर्कशॉप - 10 मई से 22 मई 2020।
8. पाल्स वर्कशॉप - 25 से 26 फरवरी 2021

सुश्री सुरबाला देवी

1. शोध पत्र की समीक्षा के लिए बीएमजे के सहयोग से शंघाई मानसिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा प्रकाशित जनरल साइकियाट्री-पीयर रिव्यू ओपन एक्सेस जर्नल की जर्नल वेबसाइट पर ***वर्ष 2020 के लिए समीक्षकों की वार्षिक सूची*** में सूचीबद्ध ।
2. प्रमाणित प्रशिक्षक-डिपार्टमेंट ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजी, निमहंस, विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत) और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से नर्सिंग विभाग द्वारा 28 से 30 दिसंबर, 2020 को" **कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना"** आयोजित किया गया।
3. सामान्य मनश्चिकित्सा के लिए एक पांडुलिपि की समीक्षा की ।
4. अगस्त, 2020 में हेल्थ विजन साइंसेज पब्लिशर, मोहाली द्वारा प्रकाशित डॉ. भरत पारीक और श्री संदीप आर्य द्वारा लिखित पुस्तक का शीर्षक, "अंडरग्रेजुएट नर्सिंग स्टूडेंट्स के लिए मानसिक स्वास्थ्य और मनोरोग नर्सिंग की पाठ्यपुस्तक" की समीक्षा की।

सुश्री मिलन तिरवा

1. वर्ष 2020 के लिए क्रिटिकल केयर एम.एससी. नर्सिंग छात्रों के लिए सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक।
2. क्रिटिकल अल्ट्रासाउंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क द्वारा आयोजित सीओवीआईएसआईएम पर आभासी सम्मेलन में भाग लिया।
3. एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षित (प्रगति पर है)
4. कोविड-19 से संबंधित शंकाओं और प्रश्नों के लिए बैक एंड कॉल के लिए स्वैच्छिक सहायता हेतु कोविड के दौरान भाग लिया।

किरण सिंह सिमक

1. **15/3/21** को **"रोगी की सुरक्षा - आईपीएसजी लक्ष्यों का एक अवलोकन"** पर वेबिनार के लिए सहायक आयोजन सचिव।
2. **नर्सिंग कॉलेज, एम्स के बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग के चतुर्थ वर्ष छात्रों के लिए निर्देशित अनुसंधान परियोजना।**

सुश्री सुचेता

1. रोगी सुरक्षा पर वेबिनार के लिए सहायक आयोजन सचिव: प्रभावी संचार: आईएसई, कॉन, एम्स, नई दिल्ली के हिस्से के रूप में 17.03.2021 को रोगी सुरक्षा के लिए बांड।
2. 24.09.2020 से 26.09.2020 तक इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शराब (अल्कोहल) से संबंधित जिगर की बीमारियों और इसके प्रबंधन पर वेबिनार में भाग लिया।
3. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए निर्देशित अनुसंधान परियोजना।

सुश्री बबीता साहू

1. रोगी सुरक्षा पर सेवा शिक्षा के लिए सहायक आयोजन सचिव: दवा सुरक्षा: आईएसई, कॉन, एम्स, नई दिल्ली के हिस्से के रूप में 18.03.2021 को "अधिकार" से आगे बढ़ाना।
2. 01.02.2021 से 05.02.2021 तक नर्सिंग कॉलेज, बरहामपुर, ओडिशा द्वारा आयोजित नर्सिंग शिक्षा और अनुसंधान में नवाचारों पर ई-कार्यशाला में भाग लिया।
3. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए निर्देशित अनुसंधान परियोजना।

डॉ फिलोमिना थॉमस

1. 19/3/2021 को एम्स, नई दिल्ली में "स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमणों" पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम के आयोजन में सहायता प्रदान की।
2. आईसीएमआर, नई दिल्ली के तहत राष्ट्रीय कैंसर संस्थान द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण स्क्रीनिंग मॉड्यूल तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

डॉ सीमा सचदेवा

1. सर्जरी के सुरक्षित संचालन के लिए स्क्रब नर्स और सर्कुलेटरी नर्स के रूप में अभ्यास करना सीखने के लिए आरपीसी ओटी, ऑर्थो ओटी और मेन ओटी में बीएससी द्वितीय वर्ष के नर्सिंग छात्रों के सुपर विज़िंग छात्र।
2. फरवरी 2021 में इग्नू अध्ययन केंद्र, मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम, हरियाणा में डीसीसीएन परीक्षा में बाह्य परीक्षक।
3. मार्च 2021 में इग्नू अध्ययन केंद्र, आर्टेमिस अस्पताल, गुरुग्राम, हरियाणा में प्राथमिक उपचार में सर्टिफिकेट प्रोग्राम के लिए बाह्य परीक्षक।

4. जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में क्रिटिकल केयर नर्सिंग,एमएससी नर्सिंग प्रोग्राम के लिए बाह्य परीक्षक।
5. इग्नू, नई दिल्ली द्वारा एकाधिक कार्यक्रम परीक्षा (मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग, प्राथमिक चिकित्सा और क्रिटिकल केयर नर्सिंग) के मॉडरेशन में शामिल।
6. मार्च 2021 में पूर्ण एएचए **प्रत्यायन प्राप्त एसीएलएस, बीएलएस अनुदेशक और प्रदाता पाठ्यक्रम** सफलतापूर्वक पूरा किया।
7. वर्तमान में एक सक्रिय एटीसीएन अनुदेशक सदस्य।
8. **फेलोशिप** : जून 2020 में एम्स दिल्ली से क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी और एविडेंस बेस्ड मेडिसिन में पूर्ण।

सुश्री नीलिमा राज

1. 12 मई, 2020 को सीबीएस प्रकाशकों द्वारा आयोजित **सुपर नर्स** प्रतियोगिता की विजेता।

श्री हंसाराम

1. आईएसई, कॉन, एम्स, नई दिल्ली के हिस्से के रूप में रोगी सुरक्षा पर सेवा शिक्षा के लिए सहायक आयोजन सचिव।
2. कोविड-19 से संबंधित 2 वेबिनार प्रस्तुत किए गए।
3. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग चतुथ वर्ष के छात्रों के लिए निर्देशित अनुसंधान परियोजना।

सुश्री मोनिका सभरवाल

1. 19/3/2021 को एम्स, नई दिल्ली में "स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े संक्रमण" पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए सेवा शिक्षा कार्यक्रम में सहायक समन्वयक।
2. बीएससी पीबी नर्सिंग के छात्र के लिए निर्देशित अनुसंधान परियोजना।

सुश्री ममता चौधरी:

व्यक्तिगत संकाय सदस्यों के लिए

1. सितंबर 2020 में बीएलएस और एसीएलएस के लिए प्रदाता पाठ्यक्रम में भाग लिया और बीएलएस और एसीएलएस के लिए अनुदेशक के रूप में कार्य किया।
2. 16 मार्च 2021 को हेल्थकेयर की स्थापना में रोगियों के शारीरिक सुरक्षा पर नर्सिंग अधिकारी के लिए संगठित इन-सर्विस कार्यक्रम आयोजित किया।
3. 20 मार्च से 21 मार्च 2021 को बीएलएस और एसीएलएस के लिए अनुदेशक कार्यक्रम में भाग लिया।

सुश्री सुमन डबास

1. 23 मार्च, 2021 को एम्स, दिल्ली में "स्वास्थ्य देखभाल में सुरक्षित बच्चे: रोगी के परिप्रेक्ष्य में" विषय पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम में संगठन की सहायता की।
2. नवंबर 2020-जनवरी 2021 से एनआईसीयू प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन प्रीटर्म पैकेज के लिए मेंटर।
3. डोरा के छात्रों के लिए व्याख्यान आयोजित किया।

सुश्री सविता

1. 16 मार्च, 2021 को एम्स, दिल्ली में: "रोगी की सुरक्षा: एक यूनिवर्सल कॉल" पर नर्सिंग अधिकारियों के लिए आभासी इन-सर्विस शिक्षा कार्यक्रम में संगठन की सहायता की।

इन-सर्विस (सेवाकालीन) शिक्षा कार्यक्रम - चित्र

ट्रौविल छात्र कार्यक्रम - चित्र

TROUVAILLE
2021
Enthusiasm

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

चित्रा सरकार (30 सितंबर 2020 तक)

सुब्रत सिन्हा (1 अक्टूबर 2020 से)

सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

विनीत आहूजा

विशिष्टताएं

अनुसंधान अनुभाग ने संस्थान में संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और विद्‌यार्थियों के बीच अनुसंधान के माहौल को प्रोत्साहित करने के लिए कई अनुसंधान निधि प्रस्तावों की शुरुआत की, कार्यशालाओं का आयोजन किया और बुनियादी ढांचे का निर्माण किया। पहले इंट्राम्यूरल फंडिंग सहायता का ध्यान एम्स के एकल जांचकर्ताओं पर कैंद्रित रखा जाता था। अधिक जीवंत अनुसंधान वातावरण बनाने और भविष्य के दीर्घकालिक सहयोग के लिए मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से, फंडिंग कॉल प्रस्तावों में ध्यान अब आईआईटी और टीएचएसटीआई जैसे अन्य संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाओं के साथ सह-क्रियात्मक 'क्रॉस-अनुसंधान गतिविधि' को उत्प्रेरित करने की ओर दिया जाने लगा है। एम्स में पहली बार, संकाय सदस्य अब किसी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्‌यालय के साथ इंट्राम्यूरल सहयोगी फंडिंग के अवसर के लिए प्रतिस्पर्धा कर सके हैं। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन (यूसीएल) और एम्स, नई दिल्ली के बीच अंतःविषयी और सहयोगी अनुसंधान रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से, एक संयुक्त शोध बीज कोष की स्थापना की गई है और इसके अंतर्गत दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों से प्राप्त संयुक्त परियोजना प्रस्तावों को वित्त पोषित किया गया है। कैंद्रीकृत कोर रिसर्च फैसिलिटीज (सीसीआरएफ) और क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) की दोहरी फेसिलिटीओं के संचालन के माध्यम से बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण कार्य को प्रोत्साहन मिला।

बाहय परियोजनाएं

वित्त पोषण एजेंसी	परियोजनाओं की संख्या	प्राप्त अनुदान (रुपए में)
डीएसटी	133	15,75,31,521
डीबीटी	101	17,63,73,400
आईसीएमआर	315	55,42,45,840
अन्य	329	66,29,48,222
जोड़	**878**	**1,55,10,98,983**

आंतरिक परियोजनाएं

आंतरिक अनुदान के लिए एक ऑनलाइन जमा प्रणाली बनाया गया है।

एम्स में सहायक आचार्य और सह-आचार्यो के लिए प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान

1. सह-जांचकर्ताओं के साथ एकल प्रधान अन्वेषक
2. फंडिंग: रु. 5 लाख/वर्ष, जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा मॉनीटरिंग

एम्स में सभी स्तरों के संकाय सदस्यों के लिए आंतरिक अंतर-विषयी सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

1. दो अलग-अलग विभागों/विषय-क्षेत्रों के दो प्रमुख अन्वेषक (पीआई) पूरक विशेषज्ञता के साथ
2. फंडिंग: दो साल के लिए प्रति पीआई 5 लाख रुपए/वर्ष (कुल 20 लाख रुपये)
3. बाह्य परियोजना समीक्षा समिति द्वारा मानीटरिंग

एम्स में तीसरे सेमेस्टर से आगे के विद्यार्थियों के लिए अंडरग्रेजुएट रिसर्च मेंटरशिप योजना

1. एक संकाय सदस्य (मेंटर के रूप में नामित) के मार्गदर्शन में 2-3 एमबीबीएस विद्यार्थियों का समूह
2. फंडिंग: एक साल के लिए प्रति परियोजना 2 लाख रुपये
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा मानीटरिंग

अंतर-संस्थागत सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं - निम्नलिखित संस्थानों के साथ:

1. आईआईटी, दिल्ली
2. आईआईटी, खड़गपुर
3. टीएचएसटीआई, फरीदाबाद
    - पूरक विशेषज्ञता वाले दो अलग-अलग संस्थानों के दो प्रधान अन्वेषक
    - वित्त पोषण (दोनों संस्थानों से आंतरिक): रुपए 5 लाख/वर्ष प्रति पीआई दो साल के लिए (कुल 20 लाख रुपये)
    - बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी की जाती है

कोविड संबंधित आंतरिक परियोजनाएं:

1. कोविड-पहली कॉल: फास्ट ट्रैक इंट्राम्यूरल रिसर्च के लिए तत्काल कॉल इंट्राम्यूरल ग्रांट विषय: 21 मार्च 2020 को SARS-CoV-2 और कोविड-19 पर शोध
2. कोविड-द्वितीय कॉल: फास्ट ट्रैक इंट्राम्यूरल रिसर्च के लिए दूसरा कॉल इंट्राम्यूरल ग्रांट विषय: 18 मई 2020 को SARS-CoV-2 और कोविड-19 पर शोध
3. कोविड- तीसरी कॉल: अंतर-विषयी इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स के लिए कॉल
   विषय: 18 जनवरी 2021 को कोविड-19 के दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणाम
4. कोविड-चौथी कॉल: प्रस्तावों के लिए फास्ट ट्रैक इंट्राम्यूरल कॉल: म्यूकोर्मिकोसिस और कोविड-19 - 19 मई 2021 को

अनुसंधान अनुभाग ने कोविड के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इंट्राम्यूरल योजनाएं शुरू कीं। **लॉन्ग कोविड** के लिए इंट्राम्यूरल ग्रांट के लिए दो कॉल साथ-साथ म्यूर्कोमाइकोसिस से संबंधित परियोजनाओं के लिए एक विशिष्ट कॉल। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि संकाय सदस्यों को कोविड से संबंधित अनुसंधान करने के लिए फास्ट ट्रैक सीड मनी तक पहुंच उपलब्ध थी। 81 कोविड परियोजनाओं, 11 लंबी कोविड परियोजनाओं और 26 कोविड म्यूकोर्मिकोसिस परियोजनाओं को समग्र रूप से आंतरिक मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं की प्रगति का विवरण देने वाली एक परियोजना समीक्षा बैठक भी शुरू की गई जहां जांचकर्ताओं को प्रगति प्रस्तुत करनी थी और यह प्रक्रिया अब सभी इंट्राम्यूरल योजनाओं के लिए एक मानदंड बन जाएगी।

1. एम्स-यूसीएल

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के साथ अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग जारी रहा और इस वर्ष छह परियोजनाओं को सौंपा गया। पिछले साल चार परियोजनाएं सौंपी गई थीं।

- दोनों संस्थानों से पूरक विशेषज्ञता वाले दो प्रमुख अन्वेषक
- वित्त पोषण यूसीएल और एम्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया जाता है। प्रत्येक सफल प्रस्ताव के लिए यूसीएल संकाय सदस्य को प्रति वर्ष ब्रिटिश पाउंड 5,000 तक और एम्स, नई दिल्ली संकाय के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपए, एक वर्ष के लिए ।
- निगरानी बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा की जाती है

वर्ष के दौरान निम्नलिखित योजनाओं के लिए आंतरिक वित्तपोषण किया गया

क्र.सं.	योजना	नई परियोजनाएं + जारी परियोजनाएं	प्रदत्त राशि - रुपए में
1.	अर्ली कॅरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना	166	5,54,96,329
2.	एम्स-सहयोगी	15	1,95,47,000
3.	एम्स-आईआईटीडी सहयोगी परियोजनाएं	45	3,43,62,284
4	एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजनाएं	08	59,54,000
5.	एम्स-यूसीएल, लंदन	10	44,69,440
6.	अंडरग्रेजुएट मेंटरशिप योजना	24	42,74,790
7.	एम्स कोविड	75	4,06,04,405
	जोड़	**341**	**16,47,08,248**

अनुसंधान अनुभाग नियमावली:

एम्स को अनुसंधान की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। यह प्रसिद्धि केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी है। यह प्रसिद्धि संस्थान को देश के सभी चिकित्सा संस्थानों के बीच

विशिष्ट बनाती है। तथापि, अनुदान आवेदनों, फेलोशिप आदि के प्रक्रियात्मक विवरण के संबंध में शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन करने के लिए कभी भी कोई व्यापक मैनुअल उपलब्ध नहीं रहा है। श्री अमित कुमार क्वात्रा (अनुसंधान अनुभाग) ने **"प्रक्रियाओं का संग्रह"** (एम्स में अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत और सुगमीकरण के लिए दिशानिर्देश) लिखा/संकलित किया है, जिसे डीन की अनुसंधान समिति और माननीय निदेशक, एम्स द्वारा सराहा गया है। पुस्तक का विमोचन 25 सितंबर **2020** को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और अध्यक्ष, एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया गया था।

एंडाउड चेयर: "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान में शोभा सेठ वेंगर विशिष्ट पीठ
मीरा सेठ कॉर्पस फंड ने एम्स में एक स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान पीठ स्थापित करने के लिए धन दान किया है।

एंडाउड चेयर का उद्देश्य: यह प्रतिष्ठित अध्ययन पीठ एम्स, नई दिल्ली के एक वरिष्ठ संकाय सदस्य/वैज्ञानिक को प्रदान की जाएगी, जिनका स्त्री रोग संबंधी अर्बुदविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान होगा।

डॉ. नीरजा भटला, प्रोफेसर और प्रमुख, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग को **2** साल की अवधि के लिए "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान में 'शोभा सेठ वेंगर' विशिष्ट पीठ पर नियुक्त किया गया है।

नैदानिक अनुसंधान एकक की स्थापना
एम्स ने एक नई शोध सुविधा शुरू की है, जिसका नाम है - क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू)। क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू), एम्स नई दिल्ली का उद्देश्य सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुपालन में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए नैदानिक अनुसंधान की योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और विश्लेषण में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करना है।

सीआरयू की कार्य समिति में शामिल हैं:
1. प्रोफेसर सुब्रत सिन्हा, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान
2. प्रोफेसर विनीत आहूजा, सह-संकायाध्यक्ष, अनुसंधान
3. डॉ. विजय प्रकाश माथुर, संकाय समन्वयक
4. डॉ. पूजा गुप्ता, कार्यशाला समन्वयक
5. डॉ. एम. कलैवानी, वैज्ञानिक समन्वयक
6. डॉ. राकेश लोढ़ा
7. डॉ. समीर बख्शी
8. डॉ. सुमित मल्होत्रा
9. डॉ. जीवा शंकर
10. डॉ. सौरभ केडिया

आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. **अनुसंधान को बेंच से बेडसाइड तक ले जाने के मामले में उभरती संभावनाओं पर एम्स बीआईआरएसी वेबिनार:** वेबिनार का आयोजन सीआरयू, एम्स, नई दिल्ली और डीबीटी बीआईआरएसी के अनुसंधान अनुभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। वेबिनार का उद्देश्य बीआईआरएसी के वित्त पोषण के अवसरों के बारे में एम्स में शोधकर्ताओं को संवेदनशील बनाना है। यह वेबिनार 29 अक्टूबर 2020 को डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स में आयोजित किया गया था। ज़ूम वेबिनार प्लेटफॉर्म पर वक्ता और प्रतिभागी वर्चुअल रूप से शामिल हुए। संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, अनुसंधान कर्मचारियों और विभिन्न विषयों के पीएच.डी. तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में से 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।
2. **ग्रांटमैनशिप वर्कशॉप:** सीआरयू ने मार्च 2021 में डीबीटी वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस क्लिनिकल आवेदकों के लिए और पब्लिक हेल्थ फेलोशिप आवेदकों के लिए आमने-सामने मेंटरिंग का आयोजन किया, जिसमें क्लिनिकल ट्रायल यूनिट, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूसीएल लंदन से प्रो. उषा मेनन की मदद प्राप्त की गई। टीएचएसटीआई से डॉ. शिंजिनी भटनागर और एम्स की डॉ. मधुलिका काबरा ने मास्टर मेंटर के रूप में काम किया।
3. **एम्स की ओर से सीआरयू ने कोकरेन इंडिया नेटवर्क के हिस्से के रूप में कोकरेन एफिलिएट सेंटर के लिए आवेदन किया और इसे मंजूरी दे दी गई।** यह अपेक्षित है कि कोक्रेन एफिलिएट के रूप में, एम्स द्वारा चिकित्सा में साक्ष्य निर्माण के संबंध में क्षमता निर्माण पर काम करेगा और भारत में कोक्रेन सहयोग के काम को आगे बढ़ाएगा।

केंद्रीकृत मुख्य अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ)

क्र.सं.	उप-केन्द्र	संकाय प्रभारी	विज्ञानी-II
1.	जैव-विश्लेषणविज्ञान	डॉ. टी वेलपांडियन, आचार्य, ऑक्युलर फार्मेकोलॉजी एंड फॉर्मेसी डिवीजन, डॉ. रा.प्र. केंद्र	डॉ. हनुमान प्रसाद शर्मा
2.	जैवसूचना विज्ञान	डॉ. पुनीत कौर, प्रोफेसर, जैव-भौतिकी विभाग	डॉ. अमित कटियार
3.	जैव-सुरक्षा प्रयोगशाला-3	डॉ. सुब्रत सिन्हा, आचार्य एवं प्रमुख, जैव-रसायन विभाग डॉ. विक्रम सैनी, जैव प्रोद्योगिकी विभाग (समन्वयक)	डॉ. सुनीता कांसवाल डॉ. अतुल वशिष्ठ
4.	फ्लो साइटोमेट्री कोर फेसिलिटी	डॉ. डी के मित्रा, आचार्य एवं प्रमुख, टीआईआई विभाग	डॉ. राहुल शर्मा डॉ. नसीम अंसारी
5.	जनरल फेसिलिटी	डॉ. कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव-रसायन विभाग	डॉ. विकास शर्मा डॉ. अमित सिंह
6.	जीनोमिक्स कोर फेसिलिटी	डॉ. मधूलिका काबरा, आचार्य और प्रभारी, आनुवंशिकी प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग	डॉ. लता रानी
7.	माइक्रोस्कोपी	डॉ. प्रार्थ प्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव-रसायन	डॉ. सौमित्र देव चौधुरी

8.	प्रोटियोमिक्स	डॉ. पुनीत कौर, आचार्य, जैव-भौतिकी विभाग	डॉ. सब्यसाची बंध्योपाध्याय
9.	परियोजना प्रबंधन	प्रोफेसर सुब्रत सिन्हा, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रोफेसर विनीत आहूजा, सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	डॉ. कमल गुलाटी

I. बायोएनालिटिक्स

विवरण

बायोएनालिटिक्स सुविधा, केंद्रीकृत कोर अनुसंधान फेसिलिटी (सीसीआरएफ) की कई अन्य परिष्कृत सुविधाओं के बीच एक अत्याधुनिक सुविधा है। बायोएनालिटिक्स सुविधा एम्स, नई दिल्ली के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, चिकित्सा रेजिडेंट्स और विद्यार्थियों के गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण की आवश्यकता को पूरा करती है।

बायोएनालिटिक्स सुविधा के अंतर्गत, जैविक स्रोतों (पौधों, जानवरों, सूक्ष्म जीवों और मनुष्यों) से यौगिकों के अलगाव के लिए अति-आधुनिक उपकरणों का प्रयोग किया जाता है। यह सुविधा पृथक यौगिकों के शुद्धिकरण, पहचान और परिमाणीकरण का अवसर प्रदान करती है। अनुसंधान सुविधा आगे औषध चयापचय, औषध क्षरण और अशुद्धता विश्लेषण अध्ययन करने में सक्षम बनाती है। उपरोक्त के अलावा, इस सुविधा में औषध और जैविक विश्लेषणों के फार्मेको-काइनेटिक्स, सूचना-निर्भर अज्ञात यौगिक पहचान का कार्य भी किया जाता है। इस सुविधा से मल्टी-ओमिक्स को शामिल करके लिपिडोमिक्स, मेटाबॉलोमिक्स और ग्लाइकोमिक्स के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक तरीके से अनुसंधान के दायरे का विस्तार होने की उम्मीद है।

प्रमुख उपकरण

उपकरण	प्राथमिक अनुप्रयोग
हाई प्रिसीजन मास स्पेक्टोमीटर 	1500 Da से कम जीवाणुओं के मात्रायन के लिए अत्याधुनिक उत्कृष्ट मानक जो निम्नलिखित को क्रियान्वित करने में सक्षम हो- • गुणात्मक विश्लेषण • मात्रात्मक विश्लेषण • सूचना पर निर्भर अधिप्राप्ति

विश्लेषणात्मक एचपीएलसी 	यह तरल क्रोमैटोग्राफी प्रणाली, कॉलम में पैक, तरल मोबाइल चरण और स्थिर चरण का उपयोग करके पृथक्करण का विज्ञान प्रदान करती है यह निम्नलिखित को क्रियान्वित करने में सक्षम है- • मात्रात्मक विश्लेषण (माइक्रोग्राम से मिलीग्राम) • गुणात्मक विश्लेषण
प्रीपेयरेटिव एचपीएलसी 	क्रूड प्लांट के अर्क के मिश्रण से वांछित फाइटोकेमिकल्स का अलगाव, जटिल मैट्रिक्स के मिश्रण से शुद्ध मानकों की बड़े पैमाने पर तैयारी, बड़े पैमाने पर सूक्ष्मजीव विषाक्त पदार्थों का विभेदन, अशुद्धता अलगाव/उन्मूलन और गुणवत्ता परीक्षण।

प्रदान की जा रही सेवाएं

- जैविक तरल पदार्थों से कार्बनिक यौगिकों का मात्राकरण
- जैविक मैट्रिक्स से बायोएक्टिव यौगिक का अलगाव
- यौगिक विश्लेषण के लिए नवीनतर विधियों का विकास
- ड्रग मेटाबॉलिज्म, फार्मेको-काइनेटिक्स और ड्रग डिग्रेडेशन अध्ययन
- जैविक ऊतकों में फोरेंसिक महत्व के औषधों की पहचान
- बड़ी संख्या में जैव-नमूनों में लक्षित प्रोटिओमिक्स, लिपिडोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स में मात्राकरण की आवश्यकता

प्रमुख उपकरणों का संस्थापन

- उच्च परिशुद्धता मास स्पेक्ट्रोमीटर 6500+ क्यूटीआरएपी जुलाई 2020 में स्थापित किया गया था। 6500+ क्यूटीआरएपी आयनड्राइव™ टर्बो वी स्रोत, आयनड्राइव™ क्यूजेट आयन गाइड और आयनड्राइव™ उच्च ऊर्जा डिटेक्टर+ से लैस है। ये विशेषताएं 6500+ क्यूटीआरएपी को सबसे संवेदनशील मास स्पेक्ट्रोमीटर में से एक बनाती हैं। यह मास स्पेक्ट्रोमीटर एक्सियन एलसी अल्ट्रा-हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफिक सिस्टम से भी लैस है। हालांकि मास स्पेक्ट्रोमीटर आइसोबैरिक यौगिकों को अलग करने में असमर्थ हैं, तथापि सेलेक्सआयन®+ डीएमएस

टेक्नोलॉजी, एक संशोधक का उपयोग करके अंतर गतिशीलता स्कैनिंग के माध्यम से आइसोबार पृथक्करण को सक्षम बनाती है। यह तकनीक फरवरी 2021 में स्थापित की गई थी। आशा है कि इस तकनीक से जटिल लिपिडोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स में अतिरिक्त पृथक्करण लाभ प्राप्त हो सकेगा।

- फ्लैश क्रोमैटोग्राफी अक्टूबर 2020 में स्थापित की गई थी। स्थापित फ्लैश क्रोमैटोग्राफी उच्च प्रवाह पंप, पेल्टियर कूल्ड ऑटोसैंपलर, स्वचालित अंश कलेक्टर और उच्च मात्रा प्रवाह सेल के साथ अति-संवेदनशील फोटोडायोड सरणी डिटेक्टर से युक्त है। फ्लैश क्रोमैटोग्राफी माध्यमिक मेटाबोलाइट्स के अलगाव, यौगिक शुद्धिकरण, और सक्रिय संघटक संवर्धन को सक्षम बनाती है।

प्रयोक्ता गतिविधि

विविध कार्यों के लिए एम्स के विभिन्न विभागों के प्रयोक्ताओं ने इस विभाग से संपर्क किया। वांछित कार्यों में आणविक भार की पहचान से लेकर अलक्षित ओमिक्स तक शामिल थे। एम्स के करीब 15 अलग-अलग विभागों के संकाय, चिकित्सीय रेजिडेंट्स, पीएचडी स्कॉलर और वैज्ञानिकों ने बायोएनालिटिक्स सुविधा से संपर्क किया। यह केन्द्र, कोविड-19 महामारी के दौरान भी लगातार अपनी सेवाएं दे रहा था।

बायोएनालिटिक्स सुविधा का लाभ उठाने वाले प्रयोक्ताओं का विवरण

विज्ञानी के साथ परामर्श		
विभाग	**पद**	**कार्य का प्रकार**
तंत्रिका विज्ञान	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
विकृति विज्ञान	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
सीटीवीएस	वरिष्ठ रेजिडेंट	अलक्षित एवं लक्षित मात्राकरण
हृद् जैव रसायन	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
जैव भौतिकी	पीएच.डी. शोधार्थी	फ्लेश क्रोमेटोग्राफी एवं गुणात्मक एलसी-एमएस
शरीर रचना	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
भेषज्ञगुण विज्ञान	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
प्रयोगशाला चिकित्सा	संकाय सदस्य	फ्लेश क्रोमेटोग्राफी एवं गुणात्मक एलसी-एमएस
जैव रसायन	वरिष्ठ रेजिडेंट	ग्लोबल लिपिडोमिक्स एलसी-एमएस
वृक्क विज्ञान	संकाय सदस्य	मात्रात्मक एलसी-एमएस
जैव रसायन	पीएच.डी. शोधार्थी	अलक्षित एवं लक्षित मात्राकरण
पूरे किए गए कार्य		
शरीर रचना	पीएच.डी.शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
जारी कार्य		

हृद् जैव रसायन	पीएच.डी. शोधार्थी	मात्रात्मक एलसी-एमएस
जैव रसायन	पीएच.डी. शोधार्थी	अलक्षित एवं लक्षित मात्राकरण
जैव रसायन	वरिष्ठ रेजिडेंट	ग्लोबल लिपिडोमिक्स एलसी-एमएस

इस केन्द्र तक पहुँचने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए, बायोएनालिटिक्स केन्द्र का प्रस्ताव, नीचे दी गई विधि से लागू करने का है:

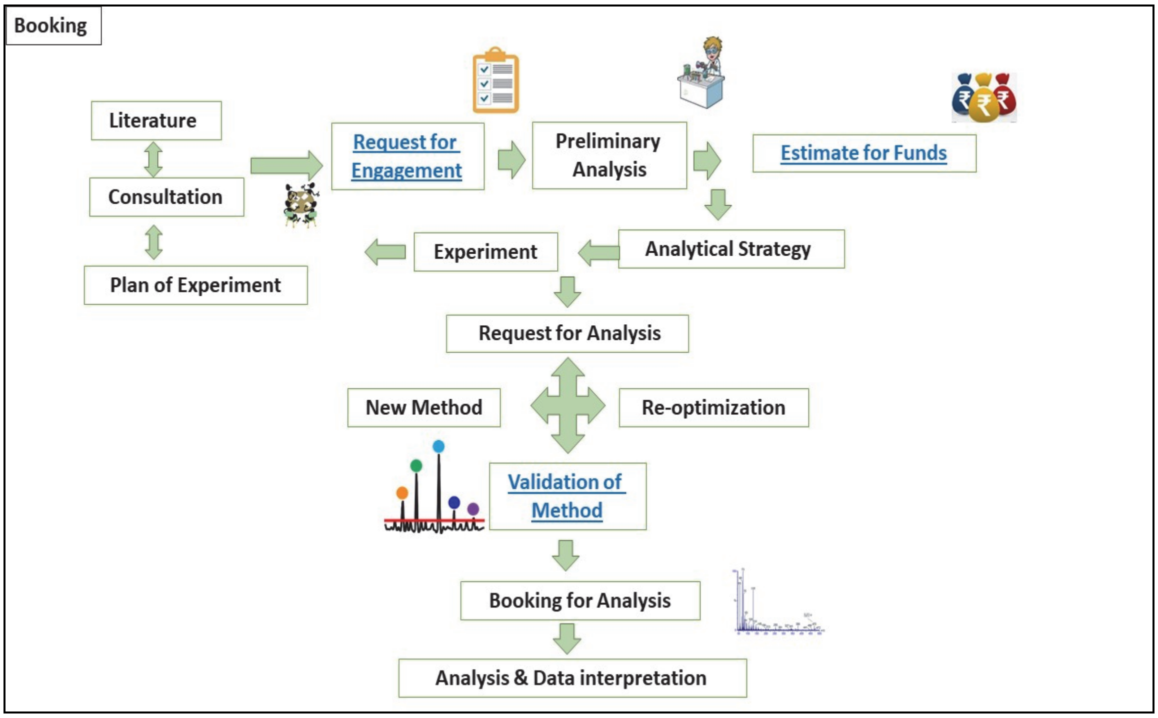

बायोएनालिटिक्स केन्द्र का विश्लेषणात्मक कार्यप्रवाह

एक अलक्षित और लक्षित तरीके से मल्टी-ऑमिक्स विश्लेषण को सुविधाजनक बनाने के लिए, बायोएनालिटिक्स केन्द्र द्वारा एक अभूतपूर्व कार्यनीति की तलाश की जा रही है। अलक्षित विश्लेषण उच्च विभेदन मास स्पेक्ट्रोमेट्री पर संचालित किया जाएगा। विभिन्न सॉफ्टवेयर और जैविक यौगिक लाइब्रेरीज़ का उपयोग करके लक्ष्य एनोटेशन किया जाएगा। उच्च परिशुद्धता मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके सांख्यिकीय रूप से मान्य हिट की मात्रा निर्धारित की जाएगी। इस कार्यनीति से एम्स के संकाय सदस्य, वैज्ञानिकों, चिकित्सा रेजिडेंट्स और विद्यार्थियों को रोग प्रसार और उपचार को पूरी तरह से नए आयाम में देखने में मदद मिलेगी।

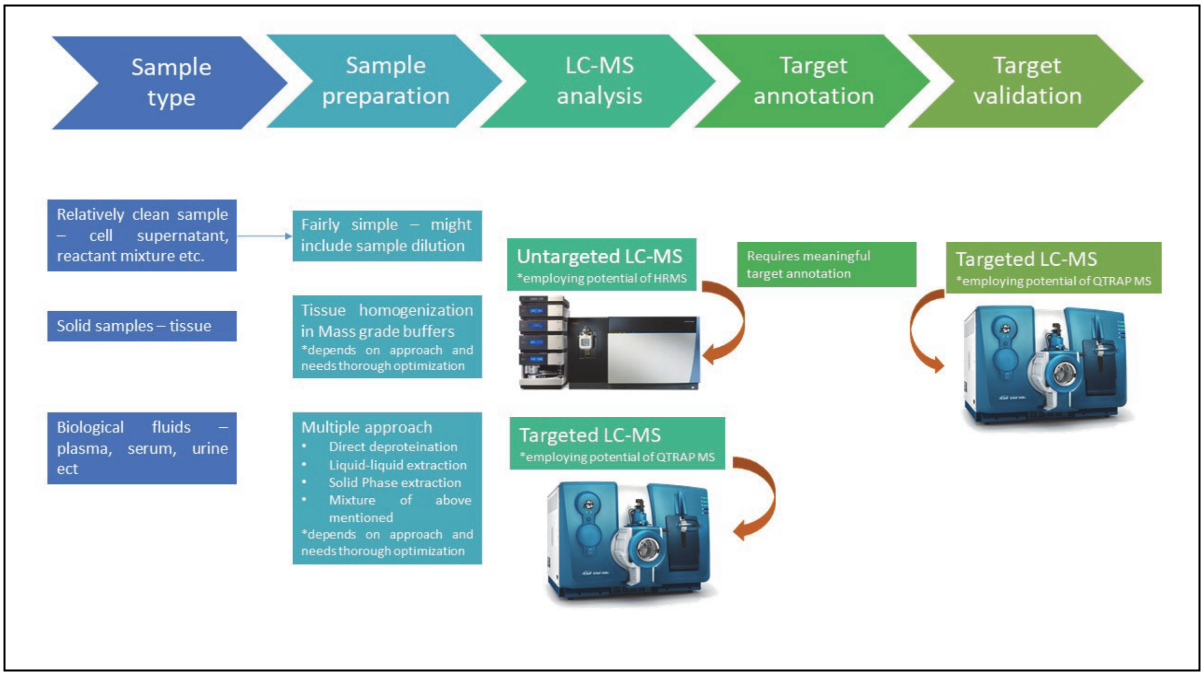

उच्च विभेदन एवं उच्च परिशुद्धता स्पेक्ट्रोमेट्री का प्रयोग करने वाली मल्टी-ओमिक्स कार्यनीति

अब तक की प्रमुख गतिविधियां

- **सीसीआरएफ वेबिनार सीरीज: बायोएनालिटिक्स सुविधा वेबिनार, 22 सितंबर 2020, सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक।**

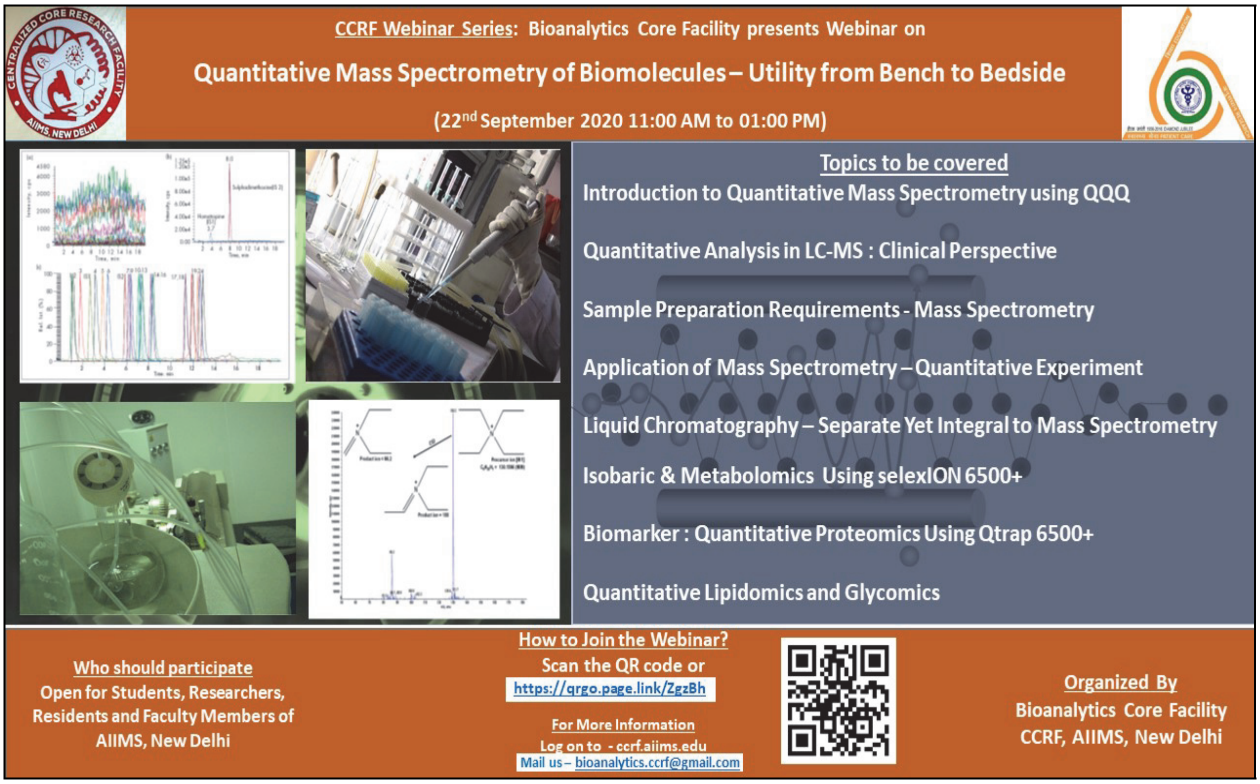

सीसीआरएफ वेबिनार श्रृंखला के एक भाग के रूप में, बायोएनालिटिक्स केन्द्र ने 22 सितंबर 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था, "बायोमॉलीक्यूल्स-यूटिलिटी की मात्रात्मक मास स्पेक्ट्रोमेट्री-बेंच से बेडसाइड तक"।

CCRF Webinar Series: Bioanalytics Core Facility presents Webinar on

Quantitative Mass Spectrometry of Biomolecules – Utility from Bench to Bedside

(22nd September 2020 11:00 AM to 01:00 PM)

Topic	Speakers	Timing
Address by the Director, AIIMS	Prof. Randeep Guleria, Director, AIIMS	11:00-11:05
Introduction by Dean (Research)	Prof. Chitra Sarkar, Dean (Research), AIIMS	11:05-11:10
Introduction to Quantitative Mass Spectrometry using QQQ	Prof. T. Velpandian, Dr. R. P. Centre, AIIMS	11:10-11:35
Quantitative analysis in LC-MS : Clinical Perspective	Dr. Neerja Gupta, Dept. of Pediatrics, AIIMS	11:35-11:45
Sample Preparation Requirements - Mass Spectrometry	Dr. H. P. Sharma, Bioanalytics, CCRF, AIIMS	11:45-11:55
Application of Mass Spectrometry – Quantitative Experiment	Prof. T. Velpandian, Dr. H. P. Sharma	11:55-12:10
Isobaric & Metabolomics using selexION 6500+	Dr. Dipankar Malakar, Sciex	12:10-12:25
Liquid Chromatography – Separate yet Integral to Mass Spectrometry	Dr. UjjalKumar Das; Dr. R. P. Centre, AIIMS	12:25-12:30
Biomarker : Quantitative Proteomics using Qtrap 6500+	Dr. Dipankar Malakar, Sciex	12:30-12:45
How to Approach Bioanalytics Facility	Dr. Nabanita Halder, Dr. R. P. Centre, AIIMS	12:45-12:50
Question and Answer Session	Moderator – Prof. Vineet Ahuja and Prof. T. Velpandian	12:50-01:00

उपरोक्त सूचीबद्ध विषयों को संबंधित वक्ताओं द्वारा विस्तार से कवर किया गया था। कुल मिलाकर, उपस्थित लोगों की संख्या लगभग 50 थी और वेबिनार को YouTube लाइव पर प्रसारित किया गया था।

- **विभिन्न बहु-उपयोगी सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन**

  18 जनवरी 2021 को 'मेटाबोलाइटपायलट' और 'मार्करव्यू सॉफ्टवेयर' का एक ऑनलाइन प्रदर्शन किया गया था। सॉफ्टवेयर का परिचय और प्रदर्शन Sciex के वैज्ञानिक विशेषज्ञ द्वारा किया गया था। 22 जनवरी 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से Sciex के वैज्ञानिक विशेषज्ञ द्वारा प्रोटीनपायलट सॉफ्टवेयर का प्रदर्शन किया गया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से पहले प्रदर्शित सॉफ्टवेयर का ऑन-साइट प्रशिक्षण 15-17 मार्च 2021 तक आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण में पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ-साथ नमूना प्रसंस्करण और सॉफ्टवेयर द्वारा आगे का विश्लेषण शामिल था। इन प्रदर्शनों और ऑनसाइट प्रशिक्षण में सीसीआरएफ के बायोएनालिटिक्स और प्रोटिओमिक्स केन्द्र के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

II जैव सूचना विज्ञान

परिचय

वैज्ञानिक आविष्कार के लिए बड़े आंकड़ों का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण एक अभिन्न और आवश्यक साधन बन गया है। जैव सूचना विज्ञान सुविधा का उद्देश्य उभरती अनुसंधान आवश्यकताओं के जवाब में डेटा

विश्लेषण के लिए नए और कुशल कार्यनीति उपलब्ध कराना है। यह केन्द्र जीनोमिक्स और प्रोटिओमिक्स सुविधाओं के साथ घनिष्ठ संपर्क में है और यह केन्द्र, अनुक्रमण और प्रोटिओमिक्स प्रयोगों - दोनों के लिए आवश्यक विश्लेषण की विस्तृत श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम करता है। जनवरी 2021 से संचालित इस केन्द्र का उद्देश्य डेटा विश्लेषण के विभिन्न पहलुओं में नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल प्रदान करना है।

प्रमुख उद्देश्य

जैव सूचना विज्ञान केन्द्र का प्राथमिक उद्देश्य अगली पीढ़ी की 'मल्टी-ओमिक्स' प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सृजित जैव चिकित्सा/नैदानिक डेटा के विश्लेषण द्वारा वैज्ञानिक खोजों के लिए जांचकर्ताओं की सहायता करना है। इसका दूसरा उद्देश्य, नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से डेटा विश्लेषण के लिए सीखने के संसाधन और जैव सूचना विज्ञान उपकरणों में प्रशिक्षण प्रदान करना है।

जैव सूचना विज्ञान मुख्य सुविधा का कार्यात्मक लॉजिस्टिक्स

मुख्य केन्द्र में संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, रेजिडेंट्स, कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित संस्थान के सभी प्रयोक्ताओं को सहायता प्रदान की जाएगी। केन्द्र की टीम के परामर्श से अग्रिम बुकिंग के माध्यम से इस सुविधा तक पहुँच बनाई जा सकती है। प्रत्येक प्रयोक्ता पहले पंजीकरण करेगा, आवश्यक प्रोफार्मा भरेगा और वेबसाइट पर उपलब्ध बुकिंग फॉर्म जमा करेगा।

प्रदत्त सेवाएं

सीसीआरएफ में स्थित जैव सूचना विज्ञान केन्द्र ने जनवरी 2021 से एम्स संकाय दस्यों/वैज्ञानिकों/शोध विद्यार्थियों को अपनी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। मुख्य सेवाओं में निम्नलिखित से संबंधित डेटा का विश्लेषण शामिल है:

- संपूर्ण-जीनोम सीक्वेंसिंग (डब्ल्यूजीएस)
- संपूर्ण-एक्सोम सीक्वेंसिंग (डब्ल्यूईएस)
- आरएनए सीक्वेंसिंग (आरएनए-सीक्वेंसिंग)
- लघु आरएनए सीक्वेंसिंग (एसआरएनए-सीक्वेंसिंग)
- प्रतिलिपि संख्या भिन्नता (सीएनवी)
- लक्षित सीक्वेंसिंग/पैनल
- डि नोवो जीनोम असेंबली और एनोटेशन
- पैन-जीनोम (कोर जीनोम और एक्सेसरी जीनोम)
- इलुमिना बीडचिप एरे (ह्यूमन मिथाइलेशन450/ईपीआईसी)
- माइक्रोएरे (एफिमीट्रिक्स, एजिलेंट और इल्यूमिना)
- 16एस मेटाजीनोमिक्स
- रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर)

- जीन ऑन्कोलॉजी और पाथवे एनरिचमेंट विश्लेषण
- कार्यात्मक जीन एनोटेशन
- अनुक्रम/जीनोम संरेखण
- तुलनात्मक जीनोमिक्स
- मोटिफ प्रीडिक्शन
- फाइलो-जेनेटिक विश्लेषण
- प्रोटीन-प्रोटीन संपर्क नेटवर्क
- पाथवे और नेटवर्क विश्लेषण
- बायोमार्कर (एमआरएनए, एमआईआरएनए और प्रोटीन एक्सप्रेशन डेटा में मार्करों की खोज
- प्रोटिओमिक विश्लेषण
- आणविक डॉकिंग और सिमुलेशन
- जैव सूचना विज्ञान डेटाबेस और डेटामाइनिंग
- जीनोमिक्स डेटा पर मशीन लर्निंग/एआई

डेटा विश्लेषण

अब तक इस केन्द्र ने जीनोमिक्स, अगली पीढ़ी के सीक्वेंसिंग और नैदानिक अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में 17 से अधिक परियोजनाओं के लिए 10 से अधिक विभागों को सेवाएं प्रदान की हैं।.

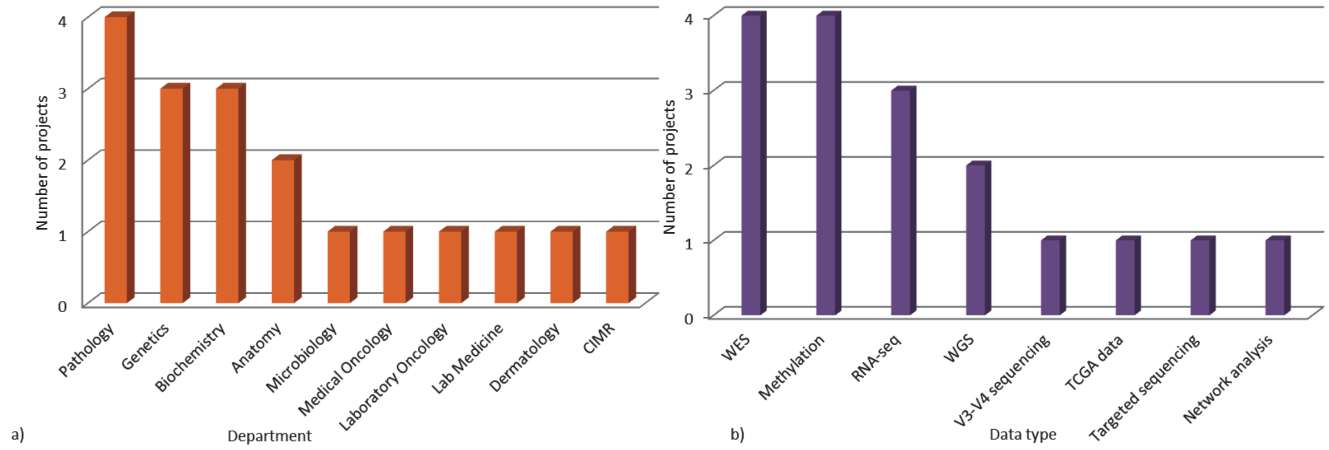

परामर्श सेवा

कई विभागों को उनके प्रयोगों को डिजाइन करने, परियोजना लेखन और डेटा विश्लेषण के लिए वैज्ञानिक चर्चा/परामर्श सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

जैव सूचना विज्ञान सॉफ्टवेयर

जांचकर्ताओं को प्रयोक्ता अनुकूल तरीके से प्रयोगात्मक डेटा के विश्लेषण में मदद करने के लिए जैव सूचना विज्ञान सॉफ्टवेयर/पाइपलाइन स्थापित की गई हैं।

पाइपलाइनों का विकास/अनुकूलन

नैदानिक एनजीएस डेटा (जैसे वैरिएंट कॉलिंग, कॉपी नंबर वेरिएशन, मिथाइलोम, माइक्रोबायोम विश्लेषण आदि) के विश्लेषण के लिए जैव सूचना विज्ञान पाइपलाइनों को विकसित/अनुकूलित किया गया है।

III. जैव सुरक्षा स्तर 3 प्रयोगशाला

बीएसएल-3 केन्द्र का परिचय और विवरण

पिछले कुछ वर्षों में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बहु-औषध प्रतिरोध (एमडीआर) और चरम दवा प्रतिरोध (एक्सडीआर) उपभेदों के उद्भव और हाल ही में कोविड-19 के प्रकोप ने संक्रामक रोग जीव विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे संक्रामक और उच्च जोखिम वाले समूह रोगजनकों को संभालने के लिए जैव सुरक्षा नियंत्रण केन्द्रों के प्रावधान की आवश्यकता होती है। एम्स, नई दिल्ली में सीसीआरएफ की बीएसएल-**3** प्रयोगशाला की स्थापना 2019 में संक्रामक रोगजनकों संबंधी अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी। यह 'ऑन-कैंपस' बीएसएल-3 केन्द्र संक्रामक रोगों, नैदानिक विज्ञान, दवा की खोज और टीके के विकास के क्षेत्र में ट्रांसलेशनल अनुसंधान के लिए आवश्यक था।

एम्स में स्थित बीएसएल-3 का यह अत्याधुनिक केन्द्र, अत्यधिक संक्रामक बैक्टीरिया और वायरस (जोखिम समूह 3 रोगजनक) के अनुसंधान में शामिल सभी कर्मचारियों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण को सक्षम करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली जैव सुरक्षा नियंत्रण सुविधाओं से लैस है ताकि, जैव सुरक्षा के विशिष्ट क्षेत्र में प्रशिक्षण और कौशल विकास को सुगम बनाने के लिए और संक्रामक रोगों के संबंध में सुरक्षित अनुसंधान के लिए एक स्वस्थ माहौल का निर्माण किया जा सके।

एम्स में यह बीएसएल 3 केन्द्र एम्स, नई दिल्ली में कनवर्जेंस ब्लॉक की 9वीं मंजिल पर स्थित है। इस केन्द्र में, उच्च जोखिम वाले रोकथाम केन्द्र के कुशल संचालन के लिए आवश्यक सभी जरूरी विशेषताएं शामिल हैं जैसे कि वायरोलॉजी और टीबी/बैक्टीरियोलॉजी क्षेत्रों के लिए अनन्य एयर हैंडलिंग यूनिट (एएचयू), एचईपीए फ़िल्टर्ड एग्जॉस्ट एयर सिस्टम और उच्च तापमान पास-थ्रू (डबल डोर) आटोक्लेव। इस केन्द्र में समर्पित जनरेटरों के माध्यम से एएचयू, चिलर और बिजली के लिए 100% रिडंडेंसी है।

एरोसोल की रोकथाम के लिए प्रयोगशाला में हर समय एक नकारात्मक वायु दाब संचालित रहता है। यदि प्रयोगशाला में हवा का दबाव नियंत्रण के निर्धारित मान से नीचे चला जाता है तो अलार्म चालू हो जाता है।

प्रयोगशाला के अंदर सामग्री/नमूनों को स्थानांतरित करने के लिए दोहरे दरवाजे वाले गतिशील पास-बॉक्स का उपयोग किया जाता है। ये पास बॉक्स विसंक्रमण के लिए अल्ट्रावायलेट लाइट फंक्शन से लैस हैं। समर्पित एएचयू इकाइयां और टीबी/बैक्टीरियोलॉजी एवं वायरोलॉजी के लिए कार्य क्षेत्रों में स्वतंत्र प्रवेश/निकास से, परिचालन रखरखाव या स्पिलेज सहित किसी अन्य आकस्मिकता की स्थिति के दौरान केन्द्र की अखंडता से समझौता किए बिना पूर्ण कार्यक्षमता सुनिश्चित होती है।

बीएसएल 3 केन्द्र में प्रवेश और निकास द्वार कार्ड-की एक्सेस सिस्टम द्वारा नियंत्रित होते हैं। सभी वायरोलॉजी और टीबी/बैक्टीरियोलॉजी और बीएसएल3 प्रशिक्षण क्षेत्रों में स्वतंत्र आपातकालीन निकास भी हैं जो आसान निकास के लिए सीढ़ी के करीब खुलते हैं।

स्थापित किए गए उपकरण और उपस्कर

संस्थान में संक्रामक रोगों से संबंधित नैदानिक और बुनियादी शोध कार्य को सुगम बनाने के लिए बीएसएल-3 सुविधा में निम्नलिखित उपकरण स्थापित किए गए-

बीएसएल-3 प्रशिक्षण प्रयोगशाला		
क्र.सं.	**उपकरण का नाम**	**मात्रा**
1	बायोसेफ्टी कैबिनेट	2
2	ऑटौक्लेव वर्टिकल डबल जैकिटिड	1
3	कोल्ड कैबिनेट (ग्लास डोर)+4°C से 8°C	2
4	फ्रीज़र -20°C (सीधा)	1
5	सेंट्रीफ्यूज (पीकोफ्यूज)	2
6	हीट ब्लॉक/ड्राई बाथ	2
7	वाटर सिस्टम-इवोकुआ	1
8	इनक्यूबेटर (बीओडी)	1
9	वोर्टेक्स	2
बीएसएल-3 टीबी/बैक्टीरियोलॉजी प्रयोगशाला		
क्र.सं.	**उपकरण का नाम**	**मात्रा**
1	बायोसेफ्टी कैबिनेट	10
2	एनेरोबिक ग्लोव बॉक्स	1
3	ड्राई बाथ (ट्यूब ब्लॉक)	1
4	ड्राई बाथ (माइक्रो)	1
5	कोल्ड कैबिनेट (ग्लास डोर)+4°C to 8°C	2
6	फ्रीज़र -20°C (सीधा)	3
7	इनक्यूबेटर (बीओडी)	4
8	माइक्रोपिपेट सैट	17 sets
9	रीयल टाइम पीसीआर	1
10	सेंट्रीफ्यूज (पीकोफ्यूज)	3
11	मल्टीमोड माइक्रोप्लेट प्रणाली	3
12	हीट ब्लॉक	3
13	पीएच मीटर	3
14	वोर्टेक्स	4

15	आक्सीजन इनक्यूबेटर	7
16	बैक्टीरियल लूप इंसीनिरेटर	3
17	कॉलोनी काउंटर	1
18	मैग्नेटिक स्टिरर	1
19	स्केनर	5
20	ट्यूब रोटेटर	2
21	वेइंग बेलेंस	1
22	इलेक्ट्रोपोरेटर	1
23	माइक्रोफ्यूज	1
24	ऑटोक्लेव (उच्च गति डिजिटल ऑटोक्लेव)	1
25	लैपटॉप (जैम)	5
26	मल्टीचैनल पिपेट (8 चैनल)	24
27	एमजीआईटी-960 कल्चर सिस्टम	2
28	पिपेट्स- एड पिपेटर्स	13
29	हैवी ड्यूटी स्टेकेबल रेफ्रिजरेटेड शेकर इनक्यूबर	6
30	डिजिटल होमोजिनाइजर	1
31	मीडियम वॉल्यूम डिजिटल होमोजिनाइजर	1
32	उच्च वॉल्यूम डिजिटल होमोजिनाइजर	1
33	एलिसा रीडर एंड वॉशर	1
34	फास्ट प्रैप-24-बीड बीटर	1
35	न्यूक्लीइक एसिड एक्सट्रैक्शन प्रणाली	2
36	हाइड्रोजन पैरोक्साइड वेपराइज़र- फॉगर	1
37	माइक्रोवेव	1

बीएसएल-3 विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला

क्र.सं.	**उपकरण का नाम**	**मात्रा**
1	बायोसेफ्टी कैबिनेट(एनयूएआईआरई)	4
2	ऑटोक्लेव वर्टिकल डबल जैकिटिड	2
3	कोल्ड कैबिनिट (ग्लास डोर)+4°C to 8°C	2
4	फ्रीज़र -20°C	2
5	इनक्यूबेटर (बीओडी)	1
6	माइक्रोपिपेट सैट	1
7	सेंट्रीफ्यूज (पीकोफ्यूज)	1
8	हीट ब्लॉक/ड्राई बाथ	1
9	अल्ट्रासेंट्रिफ्यूज फ्लोर मॉडल	1

बीएसएल-3 केन्द्र में गतिविधियां

कोविड-19 महामारी के आगमन के बाद से सीसीआरएफ में स्थित बीएसएल-3 केन्द्र भारत में एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 निदान की आधारशिला रही है। बीएसएल-3 केन्द्र के अंदर स्वतंत्र प्रवेश और निकास के साथ दो समर्पित क्षेत्रों को चौबीसों घंटे कोविड-19 निदान करने के लिए विकसित किया गया था।

बीएसएल-3 प्रशिक्षण क्षेत्र: एम्स के सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के प्रो. ललित डार और उनकी टीम द्वारा, बीएसएल 3 प्रशिक्षण प्रयोगशाला का उपयोग एम्स में कोविड-19 संदिग्धों के नमूनों के प्रसंस्करण के लिए किया जा रहा है। प्रयोगशाला में दो बी 2-टाइप-II बायोसेफ्टी कैबिनेट (बीएससी) और रेफ्रिजेरेटेड सेंट्रीफ्यूज, वोर्टेक्स मिक्सर, कोल्ड कैबिनेट्स, डीप फ्रीजर (-20°C) आदि सहित विभिन्न उपकरण हैं। सार्स कोरोनावायरस-2 आरटी-पीसीआर के कुल लगभग 72,000 नमूनों को संसाधित किया जा चुका है।

बीएसएल - 3 विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला क्षेत्र: एम्स के इमरजेंसी विभाग, विभिन्न ओपीडी और आईसीयू में पहुंचने वाले मरीजों को नैदानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए, कोविड-19 निदान के लिए एम्स में, बीएसएल-3 वायरोलॉजी प्रयोगशाला में नैदानिक प्रक्रियाओं को एम्स के सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग की प्रो. उर्वशी बी सिंह और उनकी टीम के नेतृत्व में सक्रिय किया गया है। प्रयोगशाला में चार बी 2-टाइप-II बायोसेफ्टी कैबिनेट (बीएससी) और कोल्ड कैबिनेट, डीप फ्रीजर (-**20°**C) आदि सहित विभिन्न उपकरण हैं। ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट प्लेटफॉर्म का उपयोग करके एसएआरएस कोरोनावायरस-2 के लिए कुल लगभग 47000 नमूनों को संसाधित किया जा चुका है।

उपरोक्त दोनों कोविड-19 निदान सुविधाओं को बीएसएल-3 विज्ञानियों और तकनीकी कर्मचारियों की टीम द्वारा अच्छी तरह से सहायता सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

जैव सुरक्षा से संबंधित राष्ट्रीय क्षमता निर्माण पहल और प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्तर पर जैव सुरक्षा, जोखिम मूल्यांकन और क्षमता निर्माण के बारे में जागरूकता लाने में बीएसएल-3 केन्द्र, सीसीआरएफ की कोर टीम भी शामिल है।

1. डॉ. विक्रम सैनी (संकाय प्रभारी, बीएसएल-3 केन्द्र, सीसीआरएफ) राष्ट्रीय जैव रक्षा कार्यक्रम और रक्षा विभाग, डीआरडीओ, भारत सरकार की प्राथमिकता प्राप्त-रोगज़नक़ नियंत्रण सुविधाओं के विकास के तकनीकी मूल्यांकन संबंधी राष्ट्रीय समिति के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य और सलाहकार हैं।
2. पीपीई किट की गुणवत्ता, प्रदर्शन और पुन: उपयोग के मुद्दे को देखने के लिए भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा गठित राष्ट्रीय समिति में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी डॉ. सैनी को आमंत्रित किया गया था।

3. डॉ. सैनी राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारत में उच्च रोकथाम जैव सुरक्षा सुविधाओं (बीएसएल 3) के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान कर रहे हैं; यह डीआरडीओ, भारत और उत्तराखंड राज्य सरकार, भारत/विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित पहल है।
4. डॉ. सैनी ने ओडिशा स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी और पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जैव सुरक्षा और संरक्षा, और प्रकोप प्रतिक्रिया विषय पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 29 जनवरी 2021 को "भारत में कार्यकारी और नियामक प्रक्रियाओं" पर एक वेबिनार में व्याख्यान दिया।
5. डॉ. सैनी ने 25 सितंबर 2020 को आयोजित 65वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनी (विषय: एम्स इन द टाइम्स ऑफ कोविड-19) में "चुनिंदा पुन: उपयोग के लिए पीपीई के सुरक्षित और प्रभावी कीटाणुशोधन" पर एक पोस्टर भी प्रस्तुत किया।

बीएसएल-3 वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की प्रशिक्षण गतिविधियाँ

1. डॉ. सुनीता कंसवाल ने 19 फरवरी 2021 को यूएस डिवीजन ऑफ लेबोरेटरी सिस्टम, सीडीसी, अटलांटा द्वारा "जैविक सुरक्षा कैबिनेट में सुरक्षित रूप से काम करने के मूल सिद्धांत" पर एक ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा किया।
2. डॉ. सुनीता कंसवाल ने 20 फरवरी 2021 को इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ प्रैक्टिस यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा द्वारा "नैदानिक प्रयोगशालाओं के लिए जैव सुरक्षा" पर एक ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम पूरा किया।
3. देश में कोविड-19 महामारी की प्रारंभिक अवधि के दौरान पीपीई किट आपूर्ति की अप्रत्याशित कमी को दूर करने के उद्देश्य से, बीएसएल-3 संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की एक टीम ने कोविड-**19** और अन्य जैव सुरक्षा पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेष रूप से, डॉ. विक्रम सैनी ने कोविड-19 की स्थितियों में काम करने के जैव सुरक्षा पहलुओं पर कई सत्र आयोजित किए। डॉ. अतुल वशिष्ठ (वैज्ञानिक II, बीएसएल-3) को एम्स में एचपीवी आधारित पीपीई कीटाणुशोधन केन्द्र के संचालन के लिए नर्सिंग अधिकारियों, अस्पताल परिचारकों, स्वच्छता परिचारकों आदि सहित 15 से अधिक अस्पताल प्रशासन कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पीपीई कीटाणुशोधन स्थल, एम्स में तैनात किया गया था। डॉ. सुनीता कंसवाल ने दिन-प्रतिदिन की परिचालन आवश्यकताओं के संबंध में नैदानिक दल की सहायता की।

डॉ. रणदीप गुलेरिया (निदेशक, एम्स) और आचार्य सुब्रत सिन्हा (संकायाध्यक्ष, अनुसंधान) को एम्स में पीपीई कीटाणुशोधन और पुन: उपयोग के लिए एचपीवी सुविधा के बारे में जानकारी देते हुए डॉक्टर सैनी

IV फ्लो साइटोमेट्री मुख्य सुविधा

विवरण

फ्लो साइटोमेट्री एक लेजर-आधारित तकनीक है जिसका उपयोग कई विषय-क्षेत्रों में किया जाता है। यह अपेक्षाकृत कम समय में हजारों अलग-अलग कोशिकाओं की कई विशेषताओं का एक साथ विश्लेषण करने की एक शक्तिशाली तकनीक है। फ्लो साइटोमेट्री में, इलेक्ट्रोस्टैटिक पृथक्करण द्वारा विशिष्ट सेलुलर विशेषताओं के आधार पर कोशिकाओं के विभिन्न सब-पॉपुलेशन के भौतिक अलगाव की सुविधा होती है। अन्य जैव रासायनिक तकनीकों के विपरीत, फ्लो साइटोमेट्री में पॉपुलेशन मापन के विपरीत एकल कोशिकाओं पर इन मल्टीपैरामीट्रिक मापों की सुविधा होती है। स्थिर कोशिकाओं को 'हाइड्रोडायनामिक फ़ोकसिंग' नामक तकनीक द्वारा उच्च गति से गतिशील कराया जा सकता है, जिसके

बाद विभिन्न लेज़रों द्वारा उनकी जांच की जाती है। फ्लोरोसेंट लेबलयुक्त एंटीबॉडी, प्रोब्स या विशेष रंगों का उपयोग सेल्युलर फ़ंक्शन के विभिन्न पहलुओं के साथ-साथ सेल के जैव रासायनिक और भौतिक गुणों का मूल्यांकन करने के लिए किया जा सकता है। यह कार्य लेजर, ऑप्टिकल फिल्टरों, डिटेक्टरों के साथ-साथ कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर के संयोजन द्वारा किया जाता है जो डेटा को पठनीय रूप में परिवर्तित करता है। यह सॉफ्टवेयर मशीन के साथ संचार करने के लिए इंटरफेस भी उपलब्ध कराता है। कन्वर्जेंस बिल्डिंग की 9वीं मंजिल पर स्थित यह केन्द्र एम्स के सभी संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और अन्य शोधकर्ताओं को शुल्क के आधार पर उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। फ्लो-साइटोमेट्री कोर केन्द्र में उच्च गति फ्लोरोसेंस-सक्रिय सेल सॉर्टिंग सहित एकल सेल स्तर पर कोशिकाओं के फ्लोरोसेंट विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन उपलब्ध होंगे।

प्रदत्त सेवाएं

एम्स में एफएसीएस मुख्य सुविधा का मिशन अत्याधुनिक फ्लोरोसेंस-सक्रिय सेल सॉर्टिंग और विश्लेषणात्मक सेवाएं प्रति घंटे की उचित दरों पर प्रदान करके अत्याधुनिक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करना है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, सुविधा में प्रयोग डिजाइन सहित डेटा संग्रह के सभी पहलुओं के साथ जांचकर्ताओं की सहायता के लिए प्रशिक्षण और सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

हमारा लक्ष्य प्रायोगिक डिजाइन, उपकरण ज्ञान और प्रशिक्षण, डेटा विश्लेषण और सेल सॉर्टिंग के क्षेत्रों में फ्लो साइटोमेट्री में विशेषज्ञता प्रदान करना है। हम शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल में सर्वोत्तम सुविधा प्रदान कराने की दृष्टि से फ्लो साइटोमेट्रिक प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति प्रदान करके एम्स के मिशन में सहायता प्रदान करते हैं। यह सुविधा शोधकर्ताओं को उच्च किस्म के अत्याधुनिक फ्लो साइटोमेट्री प्लेटफॉर्म तक पहुंच प्रदान करने के लिए अकादमिक रूप से उत्प्रेरक और सहयोगी वातावरण प्रदान करेगी, और इसका रख-रखाव नियमित प्रशिक्षणों, दिशानिर्देशों की व्यवस्था, एसओपी और संसाधन शिक्षण सामग्री के माध्यम से क्षमता निर्माण एवं ज्ञान साझा करने के लिए कुशल कामकाज की दृष्टि से इष्टतम गुणवत्ता नियंत्रण और अंशांकन के साथ केंद्रीय रूप से किया जाएगा।

फ्लो-साइटोमेट्री मुख्य सुविधा का कार्यात्मक लॉजिस्टिक्स

मुख्य सुविधा में संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, रेजिडेंट्स, कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित संस्थान के प्रयोक्ताओं को सहायता प्रदान की जाएगी। सुविधा टीम के परामर्श से अग्रिम बुकिंग के माध्यम से सुविधा तक पहुँचा जा सकता है। नमूने प्राप्त करने के लिए प्रति घंटे की उचित दरें होंगी। पंजीकरण और भुगतान की पुष्टि के बाद, प्रयोक्ता तकनीकी सहायता के लिए सुविधा से परामर्श करने में सक्षम होंगे और मुख्य कार्यस्थानों पर विश्लेषण के बाद उपकरण (उपकरणों) में अपने नमूने संसाधित कर सकेंगे। प्रत्येक प्रयोक्ता को उस सुविधा के लिए पंजीकृत होने की आवश्यकता होगी जिसका वह उपयोग करना चाहता है। प्रयोक्ताओं को वेबसाइट पर उपलब्ध बुकिंग फॉर्म भरने और जमा करने की आवश्यकता होगी। इस सुविधा में, प्रयोक्ताओं के लिए नियमित आधार पर प्रशिक्षण

कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित की जाएंगी ताकि इसमें प्रयोग करने और उपयुक्त उपकरण के सही विकल्प की योजना बनाने में मदद मिल सके।

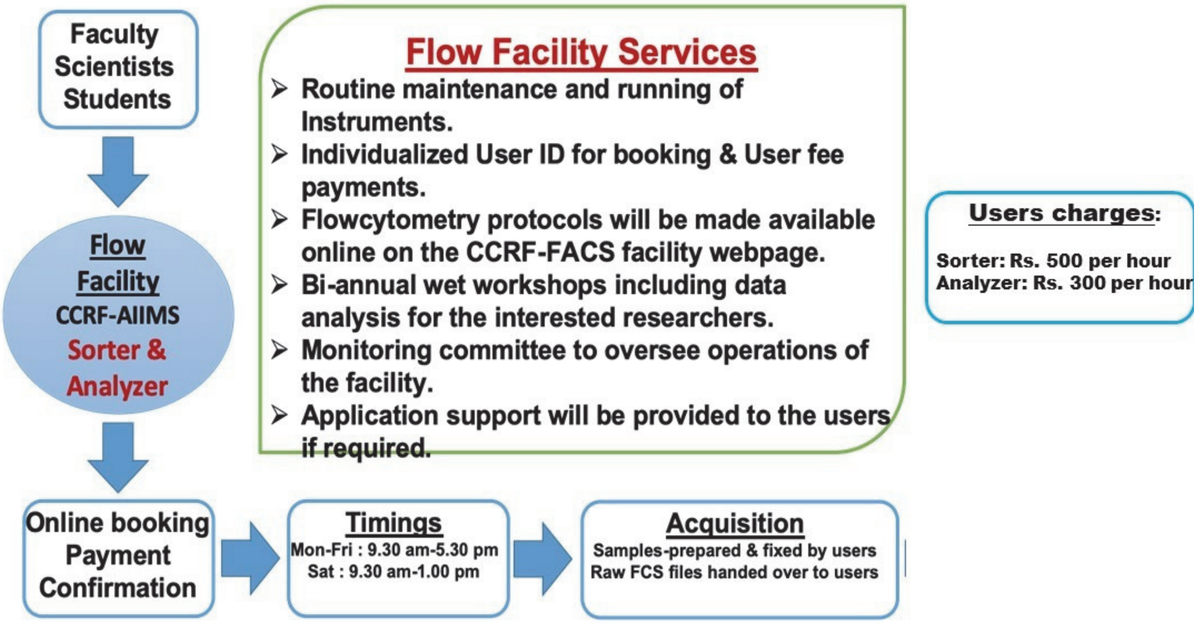

सुविधा में उपकरण:

1. एफएसीएस कोर सुविधा में **पांच लेजर, 18 रंग और 20 पैरामीटर क्षमता वाला एक उच्च किस्म का फ्लो साइटोमीटर (सॉर्टर) है** जो अब चालू है।
   विश्लेषण के साथ-साथ छँटाई संबंधी निम्नलिखित सेवाएं नियमित रूप से प्रदान की जा रही हैं:
   - कोशिका प्रसार
   - इंट्रासेल्युलर और स्रावित साइटोकाइन
   - सेल फेनोटाइपिंग
   - अपोप्टोसिस और कोशिका चक्र अध्ययन
   - संकेत पारगमन
   - बायोमार्कर का पता लगाना
   - डीएनए विश्लेषण

2. एफएसीएस मुख्य सुविधा में एक उच्च स्तरीय विश्लेषक **(बीडी एफएसी सिंफनी ए5, 33 रंग और 35 पैरामीटर क्षमता)** प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही है।
3. एफएसीएस सुविधा में सॉर्ट किए जाने के बाद, कोशिकाओं की शुद्धता की जांच करने के लिए "फ्लोरेसेंस और डिजिटल इमेजिंग की क्षमता के साथ एक अपराइट त्रिकोणीय चरण-कंट्रास्ट माइक्रोस्कोप" है।

प्रशिक्षण और कार्यशालाएं

संस्थान में शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को प्रशिक्षित करने के लिए सुविधा का उपयोग करने में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं/वेबिनार का एक रोस्टर तैयार किया गया है।

कार्यशाला पाठ्यचर्या में साइट पर वेट-लैब प्रदर्शन के साथ-साथ निजी उद्योग और अकादमिक - दोनों क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जाना शामिल है। विषय क्षेत्र के लिए प्रासंगिक फ्लो-साइटोमेट्री प्रौद्योगिकियों में व्यापक अनुप्रयोगों और वर्तमान प्रगति पर केंद्रित वैज्ञानिक चर्चा भी होगी। समय-समय पर कार्यशालाओं का अपडेट और घोषणाएं नियमित अंतराल पर सीसीआरएफ वेबसाइट पर अपलोड की जाएंगी।

एफएसीएस सुविधा में चालू वर्ष में दो वेबिनार सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं जैसा कि नीचे बताया गया है:

फ्लो साइटोमेट्री के लिए व्यावहारिक कार्यनीति, 20 सितंबर 2020, 3 घंटे। शामिल संकाय सदस्य थे-

1. प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, निदेशक
2. प्रोफेसर चित्रा सरकार, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
3. प्रोफेसर डीके मित्रा (संकाय प्रभारी)
4. प्रोफेसर कल्पना लूथरा (जैव रसायन)
5. प्रोफेसर रितु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
6. डॉ. जयंत कुमार (जैव रसायन)
7. डॉ. रूपेश श्रीवास्तव (जैव प्रौद्योगिकी)
8. डॉ. संजीव गोस्वामी (टीआईआई)
9. डॉ. नसीम अंसारी (वैज्ञानिक, एफएसीएस सुविधा)

मल्टी पैरामीटर फ्लो साइटोमेट्री: सेल सॉर्टिंग की मूल बातें, 3 मार्च 2021, 3 घंटे। शामिल संकाय सदस्य थे-

1. प्रोफेसर सुब्रत सिन्हा, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)
2. प्रोफेसर कल्पना लूथरा (जैव रसायन)
3. प्रोफेसर रितु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)
4. डॉ. जयंत कुमार (जैव रसायन)
5. डॉ. रूपेश श्रीवास्तव (जैव प्रौद्योगिकी)
6. डॉ. संजीव गोस्वामी (टीआईआई)
7. डॉ. नसीम अंसारी (वैज्ञानिक, एफएसीएस सुविधा)
8. डॉ. राहुल शर्मा (वैज्ञानिक, एफएसीएस सुविधा)

प्रयोक्ताओं द्वारा सुविधा का उपयोग

यह सुविधा 1 फरवरी 2021 से प्रयोक्ताओं के लिए चालू हो गई। तब से विभिन्न शोधकर्ता संस्थान में चल रही अनेक प्रकार की परियोजनाओं के संबंध में अपने प्रवाह साइटोमेट्री कार्य के लिए संपर्क कर रहे हैं। प्रयोक्ता से छँटाई के लिए 500 रुपये प्रति घंटे और नमूने लेने के लिए 300 रुपये प्रति घंटे की दर

से शुल्क लिया जाता है। अब तक कुल 8 प्रयोक्ताओं ने सेवा का लाभ उठाया है, 6 सॉर्टिंग के लिए और 2 विश्लेषण के लिए।

भावी परिदृश्य

एम्स, नई दिल्ली में स्थित एफएसीएस कोर सुविधा देश में सबसे उन्नत फ्लो साइटोमेट्री सुविधा में से एक है। यहां जल्द ही सबसे उन्नत विश्लेषकों में से एक (50 कलर डिटेक्शन के साथ) लगाया जाएगा, जो हमारे देश में अपनी तरह का पहला होगा और इस तरह शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल के क्षेत्र में संस्थान के जारी मिशन को बढ़ावा देने के लिए यह एक अग्रगामी कदम होगा। यह सुविधा संस्थान में विभिन्न शोधकर्ताओं के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न प्रशिक्षण और वेबिनार भी आयोजित करेगी।

V सामान्य सुविधा

विवरण

सामान्य सुविधा (जीएफ) सीसीआरएफ का एक अभिन्न अंग है जिसे एक छत के नीचे सभी एम्स संकाय सदस्यों/शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को बुनियादी और साथ ही उन्नत आणविक उपकरण सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। जीएफ का एक प्रमुख लक्ष्य अनुसंधान कार्य को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना भी है जिससे एम्स में संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को अपनी व्यक्तिगत अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित करने हेतु सशक्त बनाया जा सके। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, बुनियादी अनुसंधान/आणविक विधियों में शामिल संकाय सदस्यों, एमडी/डीएम/एमसीएच, पीएचडी शोधार्थियों, एमएससी और एमबायोटेक विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए भी जनरल सुविधा प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, यह सुविधा सीसीआरएफ के अन्य उप-केन्द्रों (प्रोटिओमिक्स/जीनोमिक्स/बायो-एनालिटिक्स और कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी फेसिलिटी सहित) को उनके नमूनों को संसाधित करने और विश्लेषण के विभिन्न चरणों में सहायता प्रदान करती है।

सामान्य सुविधा के सदस्य

1. डॉ. कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव रसायन - समन्वयक
2. डॉ. रविंदर गोस्वामी, आचार्य, अंत:स्राविकी
3. डॉ. पार्थोप्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव रसायन
4. डॉ. लक्ष्मी आर, आचार्य, हृद् जैव रसायन
5. डॉ. दीपाली जैन, अपर आचार्य, विकृति विज्ञान
6. डॉ. अर्चना सिंह-1, सह-आचार्य, जैव रसायन
7. डॉ. जयंत कुमार, सह-आचार्य, जैव रसायन
8. डॉ. विकास शर्मा (वैज्ञानिक II)
9. डॉ. अमित सिंह (वैज्ञानिक II)

गतिविधियां

सीसीआरएफ में स्थित जनरल फेसिलिटी में फरवरी **2020** से सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया गया है। प्रयोक्ताओं को कार्यशाला का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के अलावा, निम्नलिखित उपकरण एम्स संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं द्वारा निरंतर उपयोग में हैं-

पहले से स्थापित और संचालित प्रमुख उपकरण

- रीयल-टाइम पीसीआर मशीनें
- पीसीआर मशीन
- मल्टीमोड-माइक्रोप्लेट रीडर
- विद्युतीकरण प्रणाली
- अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज
- रेफ्रिजेरेटेड-सेंट्रीफ्यूज
- होमोजेनाइज़र
- वेस्टर्न ब्लॉट एपारेटस
- रैपिड सेमी-ड्राई सिस्टम
- पावर पैक के साथ अगारोज जैल सिस्टम
- आटोक्लेव
- लेमिनार फ्लो हुड

वित्तीय वर्ष 2020-2021 में खरीदे गए नए और अब चालू हो चुके प्रमुख उपकरण

- शेकिंग इनक्यूबेटर
- जैल प्रलेखन प्रणाली
- प्रोफ्लेक्स मल्टीब्लॉक पीसीआर
- केंद्रीकृत शुद्ध जल प्रणाली
- एलिसा रीडर
- एलिसा वॉशर
- माइक्रोवेव
- जल-स्नान सह शेकर
- इलेक्ट्रॉनिक मल्टी-डिस्पेंसर पिपेट

संक्षेप में, सामान्य सुविधा की स्थापना, दो समर्पित प्रयोगशालाओं (जीएफ 1 और जीएफ 2) में की गई है। पहली प्रयोगशाला (जीएफ 1) प्रशिक्षण और सेवा सुविधाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है और इस प्रकार नमूना तैयार करने (जैसे डीएनए, आरएनए और प्रोटीन अलगाव), नमूना शुद्धिकरण के साथ-साथ परिमाणीकरण में शामिल महत्वपूर्ण उपकरण इस फेसिलिटी में उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में कई

महत्वपूर्ण उपकरण हैं (जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है) जो महत्वपूर्ण नमूना प्रक्रियाओं में आवश्यक होते हैं जिनमें एक्सोम आइसोलेशन और डाउनस्ट्रीम अध्ययन शामिल हैं। अन्य प्रयोगशाला (जीएफ 2) में ऐसे उपकरण हैं जिनका उपयोग डाउनस्ट्रीम आणविक अध्ययन करने के लिए किया जाता है और जिनके लिए नमूना परिमाणीकरण, प्रवर्धन या प्रसंस्करण की आवश्यकता होती है। इसके लिए हमारे पास हाई एंड मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर, रीयल-टाइम पीसीआर, पीसीआर मशीनें हैं। इनके अलावा, कई छोटे उपकरण जैसे डिजिटल वेइंग बैलेंस, पीएच-मीटर, वोर्टेक्सर, मिनी सेंट्रीफ्यूज, थर्मो-ब्लॉक आदि भी सभी प्रयोक्ताओं के लिए उपलब्ध हैं। सभी प्रयोक्ताओं को अधिकतम लाभ प्रदान करने के लिए, सभी प्रयोक्ताओं को जीएफ आणविक जीव विज्ञान उपकरण मुफ्त उपलब्ध कराए जाते हैं।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में सामान्य सुविधा में उपलब्ध सेवाओं का विवरण

- पिछले वित्तीय वर्ष में, लगभग सभी स्थापित मशीनें काम करती रही हैं और प्रयोक्ताओं द्वारा उपयोग में लाई जा रही हैं। इनमें से कुछ उपकरण जैसे रीयल-टाइम पीसीआर, जैल प्रलेखन प्रणाली, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, होमोजेनाइज़र, पीसीआर, शेकिंग इनक्यूबेटर्स को विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं द्वारा नियमित रूप से एक्सेस किया गया है।
- इस दौरान कई प्रयोक्ताओं को विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों (उनके प्रतिबद्ध कार्य की आवश्यकता के अनुसार) पर काम करने के लिए दिन-प्रतिदिन के आधार पर प्रशिक्षित किया गया है। प्रयोक्ताओं ने अल्ट्रा-सेंट्रीफ्यूज के विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए प्राइमर डिजाइनिंग, पीसीआर और रीयल-टाइम पीसीआर ऑप्टिमाइज़ेशन, प्रोटोकॉल ऑप्टिमाइज़ेशन और मानकीकरण, प्रयोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रोपोरेटर ट्रांसफ़ॉर्मेशन प्रोटोकॉल के अनुकूलन, क्लोनिंग और प्रोटीन एक्सप्रैशन पर भी चर्चा की और उनको अनुकूलित किया।
- संस्थान के कई शोध समूहों ने जीएफ के वैज्ञानिकों के साथ अपनी चालू/आगामी परियोजनाओं के बारे में/अपनी परियोजनाओं को तैयार करने में इस्तेमाल किए जा सकने वाले विभिन्न उपकरणों के बारे में चर्चा की है। उपयोक्ताओं को उपकरणों की कार्यप्रणाली की ओर उन्मुख करने के लिए कई उपकरणों का प्रदर्शन आयोजित किया गया।
- सीसीआरएफ के लिए एम्स वेब पोर्टल पर इस सेवा की सहज बुकिंग के लिए एक ऑनलाइन पंजीकरण और उपकरण बुकिंग प्रक्रिया विकसित की गई है।

कोविड-19 महामारी में सामान्य सुविधा में उपलब्ध सेवाएं

- चल रही महामारी की अवधि के दौरान, जनरल फेसिलिटी को प्रयोक्ताओं के लिए खुला रखा गया।
- इस अवधि के दौरान, जीएफ वैज्ञानिक (डॉ. अमित सिंह) को कोविड-**19** के आणविक निदान के लिए वायरोलॉजी प्रयोगशाला में तैनात किया गया।
- जीएफ उपकरणों और प्रयोगशाला क्षेत्र का उपयोग जीनोमिक्स फेसिलिटी और संबद्ध प्रयोगशालाओं द्वारा अगली पीढ़ी की अनुक्रमण सेवाओं के लिए कोविड-**19** नमूनों के परिमाणीकरण, लाइब्रेरी तैयार करने के लिए भी किया गया।

6. जीनोमिक्स मुख्य सुविधा

अनुभाग का विवरण

हाल के प्रौद्योगिकीय विकास जैसे कि उच्च थ्रूपुट नेक्स्ट जेन सीक्वेंसिंग विधियों और मजबूत जैव सूचना विज्ञान कार्यनीतियों ने क्लीनिकों में नैदानिक, रोगसूचक और चिकित्सीय महत्व के संभावित जीनोमिक बायोमार्करों को स्पष्ट किया है और इस बारे में अनुसंधान में तेजी से प्रगति हुई है। सुविधा में उपलब्ध उन्नत उपकरण प्लेटफॉर्म पर समय और लागत के संदर्भ में संसाधन-कुशल तरीके से नैदानिक रूप से प्रासंगिक उच्च थ्रूपुट डेटा का सृजन हुआ है और इससे जीनोमिक्स के क्षेत्र में एम्स के शोधकर्ताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे और अंततः पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त होगा। हाल ही में स्थापित जीनोमिक्स मुख्य सुविधा के मिशन का सारांश सीख, आविष्कार और अनुप्रयोग की ट्रिनिटी के संदर्भ में निकाला जा सकता है।

प्रमुख उद्देश्य

1. शोधकर्ताओं के लिए उच्च किस्म के अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों तक पहुंचने के लिए अकादमिक रूप से उत्प्रेरक और सहयोगी वातावरण बनाना और उपलब्ध कराना, जिसे कुशल कामकाज के लिए इष्टतम गुणवत्ता नियंत्रण और अंशांकन के साथ केंद्रीय रूप से बनाए रखा जाएगा।
2. नियमित प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से क्षमता निर्माण और ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देना। इस तरह की गतिविधियों में प्रयोगात्मक डिजाइनिंग और परख के संबंध में जांचकर्ताओं के लिए व्याख्यान श्रृंखला और कार्यशालाएं शामिल होंगी। इन गतिविधियों में प्रयोक्ताओं के लिए दिशानिर्देश तैयार करना और मानक संचालन प्रक्रियाओं तथा स्रोत अधिगम सामग्री का विकास भी शामिल होगा।
3. अत्याधुनिक जीनोमिक प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन और कार्यान्वयन करना।
4. अन्वेषकों से प्राप्त विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रत्युत्तर में शोधकर्ताओं के लिए नवीन प्रयोगात्मक विधियों के विकास को सुगम बनाना।

स्थापित प्रमुख उपकरण

- अगली पीढ़ी के सीक्वेंसर
  - नोवासेक 6000 (इलुमिना)
  - मिसेक (इलुमिना)
- 48 केशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 (एप्लाइड बायोसिस्टम्स)
- एनकाउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर (नैनोस्ट्रिंग टेक्नोलॉजीज)
- फोकस्ड अल्ट्रासोनिकेटर ME220 (कोवारिस)
- फ्रेगमेंट विश्लेषक 5200 (एजिलेंट टेक्नोलॉजीज)
- क्यूबिट 4.0 फ्लोरोमीटर (थर्मोफिशर साइंटिफिक)

निम्नलिखित अनुप्रयोगों को कार्यान्वित करने के लिए उपकरणों को अंशांकित किया गया है:

1. **अगली पीढ़ी के सीक्वेंसर**
    - संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (डब्ल्यूजीएस)
    - संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण (डब्ल्यूईएस)
    - प्रोटीन-डीएनए/आरएनए इंटरैक्शन (चिप-सीक्वेंसिंग, आदि)
    - स्मॉल आरएनए खोज/अभिव्यक्ति
    - प्रतिलेख अनुक्रमण
    - लक्षित पुन: अनुक्रमण
    - मेटाजेनॉमिक्स
    - एचएलए टाइपिंग
    - प्रसव पूर्व आनुवंशिक जांच कार्यप्रवाह
    - नए अनुप्रयोगों और/या नोवासेक के लिए तैयार लाइब्रेरीज़ का क्यूसी

    ***एम्स में शोधकर्ताओं द्वारा नवीन अनुप्रयोगों** के लिए मंच उपलब्ध होगा

2. **48 केशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 (एप्लाइड बायोसिस्टम्स)**
    - उत्परिवर्तन का पता लगाने, एसएनपी विश्लेषण के लिए पारंपरिक सेंजर अनुक्रमण
    - एकाधिक बंधाव निर्भर जांच प्रवर्धन (एमएलपीए)
    - सूक्ष्म-उपग्रह विश्लेषण
    - प्रवर्धित खंड लंबाई बहुरूपता (एएफएलपी)

3. **एन-काउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर (नैनोस्ट्रिंग टेक्नोलॉजीज)**
    - एम आरएनए, एमआई आरएनए, आईएनसी आरएनए की प्रोफाइलिंग
    - प्लाज्मा/सीरम या अन्य बायोफ्लुइड्स जैसे थूक या मूत्र से एमआई आरएनए
    - सीएनवी विश्लेषण
    - सीएच आईपी विश्लेषण (सीएच आईपी-स्ट्रिंग)

4. **फोकस्ड अल्ट्रासोनिकेटर (कोवारिस**)
    - न्यूक्लिइक एसिड के अपरूपण के लिए

5. **फ्रेगमेंट विश्लेषक 5200** (**एजिलेंट टेक्नोलॉजीज)**

जी डीएनए, टोटल आरएनए, स्मॉल आरएनए, सीएफ डीएनए, लार्ज डीएनए फ्रेगमेंट, एनजीएस लाइब्रेरीज और सीआरआईएसपीआर वर्कफ्लो की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए।

6. **क्यूबिट 4.0 फ्लोरोमीटर (थर्मोफिशर साइंटिफिक)**

जी डीएनए, टोटल आरएनए और एनजीएस लाइब्रेरीज की मात्रा का आकलन करने के लिए

प्रदत्त सेवाएं

क. प्रयोग डिजाइन: प्रयोगों के डिजाइन के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है जिसमें शामिल हैं-

1. **एनजीएस/सेंजर अनुक्रमण:**
   - प्रयोक्ता की आवश्यकता के अनुसार किट की उपलब्धता और उपयुक्तता के संबंध में मार्गदर्शन
   - धन की आवश्यकता
   - पुस्तकालय की तैयारी के लिए एसओपी तैयार करना
   - प्रयोग के लिए आवश्यक अनुक्रमण गहनता और कवरेज
   - आवश्यक कवरेज के लिए बहुसंकेतन

ख. न्यूक्लिीइक एसिड/एनजीएस लाइब्रेरीज की गुणवत्ता और मात्रा का आकलन: सुविधा में उपलब्ध फ्रैगमेंट एनालाइजर और/या क्यूबिट का उपयोग करना

ग. डीएनए/आरएनए शियरिंग: कोवारिस-**ME220** फोकस्ड-अल्ट्रासोनिकेटर का उपयोग करना

घ. नमूना तैयार करना: विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए नमूना तैयार करने हेतु प्रयोक्ता प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की जाएगी। ये अनुप्रयोग नियमित रूप से व्यावहारिक कार्यशालाओं के माध्यम से सुविधा में उपलब्ध उपकरणों पर किए जा सकते हैं।

ड. पुस्तकालय की तैयारी: विभिन्न प्रोटोकॉल: डब्ल्यूईएस, डब्ल्यूजीएस, ट्रांसक्रिप्टोम, स्मॉल आरएनए अनुक्रमण, सीएच आईपी सीक्वेंसिंग, मेटाजिनोमिक्स, पीजीएस, आदि का उपयोग करते हुए पुस्तकालय की तैयारी में प्रयोक्ता प्रशिक्षण और समर्थन।

च. अनुक्रमण: प्रयोग की आवश्यकता के आधार पर, अनुक्रमण निम्नलिखित में से किसी भी उपकरण पर किया जाएगा:
- नोवासेक 6000 (इलुमिना)
- माइसेक (इलुमिना)

छ. <u>गोपनीयता बनाए रखते हुए जैव सूचनात्मक विश्लेषण के लिए आधारिक डेटा का प्रावधान</u> इन अनुक्रमण सेवाओं का प्रावधान लक्षित विश्लेषण के लिए या एनजीएस पर पाए गए वेरिएंट की पुष्टि के लिए होगा।

2. **48 केशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 (एप्लाइड बायोसिस्टम्स):**
   - विभिन्न अनुप्रयोगों जैसे फ्रेगमेंट विश्लेषण, एमएलपीए, एसएनपी जीनोटाइपिंग आदि के लिए प्रयोग डिजाइनिंग।
   - आनुवंशिक विश्लेषक पर नमूने संसाधित करना
   - डेटा विश्लेषण

3. **एनकाउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर:**
   - प्रयोक्ता की आवश्यकता के अनुसार मल्टी जीन पैनल/किट की उपलब्धता और उपयुक्तता के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।
   - नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से एनकाउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर पर आरएनए, डीएनए और प्रोटीन प्रोफाइलिंग और अन्य अनुप्रयोगों के लिए भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

संचालित की गई गतिविधियां:

पिछले एक साल में एम्स के संकाय सदस्यों/शोधकर्ताओं को सभी स्थापित उपकरण उपलब्ध कराए गए। लगभग 150 नमूनों को माइसेक पर सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया गया है, 200 नमूनों को 48 केशिका आनुवंशिक विश्लेषक 3730 पर सफलतापूर्वक अनुक्रमित किया गया है और 48 नमूनों को एनकाउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर का उपयोग करके प्रोफाइल किया गया है। नोवासेक पर भी दो रन सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं। सुविधा ने क्रमशः फ्रैगमेंट एनालाइज़र 5200 और क्यूबिट 4.0 फ्लोरोमीटर का उपयोग करके लगभग 80 एनजीएस लाइब्रेरीज की गुणवत्ता और मात्रा का आकलन करने के लिए सेवाएं प्रदान कीं। यह सुविधा एसएआरएस-कोविड-2 के संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण की योजना बनाने, मानकीकरण करने और उसे पूरा करने में शामिल है। लगभग 50 जीनोम अनुक्रमों को अनुक्रमित किया गया है और इंट्राम्यूरल अनुदान के एक भाग के रूप में जीआईएसएआईडी को प्रस्तुत किया गया है। इस सुविधा ने कुछ प्रयोक्ताओं को एनजीएस के लिए प्रायोगिक कार्य करने के लिए मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान की है। सुविधा ने अनुदान प्रस्तावों के लिए कार्यप्रवाह डिजाइन करने में शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जिसमें सुविधा में उपलब्ध प्रौद्योगिकियां/प्लेटफॉर्म शामिल थे।

7. माइक्रोस्कोपी सुविधा

विवरण और उद्देश्य

प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी में की गई प्रगति ने जैवचिकित्सीय निदान क्षेत्र में क्रांति ला दी है। एम्स में शोधकर्ताओं की उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीसीआरएफ में माइक्रोस्कोपी सुविधा स्थापित की गई है। जैस एलएसएम980 सिस्टम के साथ, अब कोई भी उच्च स्पेटियो-टैम्पोरल रिज़ॉल्यूशन पर छवि के नमूने ले सकता है। यह अत्याधुनिक कॉन्फोकल सिस्टम लाइव इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए तापमान और गैस नियंत्रित ऊष्मायन कक्ष से लैस है। सुविधा में एक ऑफ़लाइन छवि प्रसंस्करण प्रणाली भी है जिसका उपयोग डेटा विश्लेषण, परिमाणीकरण और 3डी पुनर्निर्माण के लिए किया जा सकता है। यह सुविधा शोधकर्ताओं को प्रयोग डिजाइन करने, छवि अधिग्रहण करने और डेटा परिमाणीकरण तक की सहायता प्रदान करेगी। सीसीआरएफ के विज़न और अधिदेश के अनुसार, माइक्रोस्कोपी सुविधा शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और उन्हें माइक्रोस्कोपी और इमेजिंग तकनीकों में नवीनतम रुझानों से अवगत कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में नियमित रूप से वेबिनार, कार्यशालाएं और शोध वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। इस प्रकार, यह सुविधा जैव रसायन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान, फार्मेसी और अन्य के क्षेत्र में शोधकर्ताओं को बायोमार्कर खोज, क्लिनिको पैथोलॉजी, ड्रग परख, आणविक निदान आदि से संबंधित उनके शोध प्रश्नों का समाधान करने में सहायता करेगी। सुविधा के मुख्य उद्देश्य हैं:

1. बौद्धिक रूप से स्फूर्तिदायक और अत्यधिक सहकारी व्यवस्था में एम्स में शोधकर्ताओं की उच्च स्तरीय इमेजिंग आवश्यकताओं तक पहुंच प्रदान करना।
2. एम्स में शोधकर्ताओं के लिए फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी से संबंधित प्रयोगों को डिजाइन करने को सुकर बनाना।

3. नवीनतम रुझानों/इमेजिंग प्लेटफॉर्म के साथ अप-टु-डेट रहने के लिए सिस्टम अपग्रेड की आवश्यकता का समय-समय पर आकलन और मूल्यांकन करना।
4. नवीन इमेजिंग विधियों/उपकरणों का विकास करना जो शोधकर्ताओं के समक्ष आ रही चुनौतियों/विशिष्ट प्रश्नों से उत्पन्न हो सकते हैं।
5. मासिक समाचार पत्रक के माध्यम से एम्स के शोधकर्ताओं को माइक्रोस्कोपी में नवीनतम रुझानों से परिचित कराना।
6. नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से एम्स में मानव संसाधन विकसित करना, जिनमें व्याख्यान, वेबिनार और कार्यशालाएं शामिल हैं।

स्थापित प्रमुख उपकरण:

लाइव-सेल इमेजिंग की सुविधा से युक्त लेजर कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी (एलएसएम 980, जीस)

सीसीआरएफ में नवंबर 2020 में कन्वर्जेंस ब्लॉक के भूतल पर (कमरा संख्या 8 के बगल में) कॉन्फोकल सिस्टम स्थापित किया गया था। जीस द्वारा छह महीने (अप्रैल 2021 तक) की अवधि के लिए एक तकनीकी सहायता स्टाफ प्रदान किया गया था। सुविधा के प्रभारी वैज्ञानिक ने फरवरी 2021 में संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रयोक्ता और प्रदत्त सेवाएं

सीसीआरएफ-एम्स में माइक्रोस्कोपी फेसिलिटी संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, रेजिडेंट्स, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए खुली है जो सेलुलर संगठन को समझने, उच्च रिज़ॉल्यूशन, प्रोटीन स्थानीयकरण, बायोमार्कर विज़ुअलाइज़ेशन और परिमाणीकरण, रोग विकृति विज्ञान, उच्च गति आयन फ्लक्स अध्ययन, समय पर निर्भर दवा प्रशासन परख, आदि संरचनात्मक विवरण का विश्लेषण पर काम करते हैं या काम करने के इच्छुक हैं। फेसिलिटी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में शामिल हैं:

1. कॉन्फोकल इमेजिंग
2. लाइव-सेल इमेजिंग
3. ज़ेन सॉफ़्टवेयर का उपयोग करते हुए ऑफ़लाइन छवि विश्लेषण

सिस्टम का उपयोग निम्नलिखित के लिए किया जा सकता है:

1. ऑप्टिकल जेड-सेक्शनिंग, टाइम-लैप्स और मल्टी-चैनल इमेजिंग सहित बहुआयामी छवि अधिग्रहण।
2. एक्सवाईजेड-बहाव नियंत्रण के साथ पर्यावरण-नियंत्रित सेटिंग में लाइव इमेजिंग प्रयोग।
3. एफआरएपी और एफआरईटी विश्लेषण क्रमशः कोशिकाओं के भीतर अणुओं और प्रोटीन परस्पर क्रियाओं के प्रसार का अध्ययन करने के लिए।
4. कोशिकाओं के भीतर प्रोटीन गतिकी का अध्ययन करने के लिए फोटोएक्टिवेशन और फोटो-रूपांतरण प्रयोग।

5. एक समय में पांच चैनलों की एक साथ इमेजिंग करके उच्च रिजोल्यूशन सह-स्थानीयकरण अध्ययन।
6. हिस्टोग्राम विश्लेषण और तीव्रता प्रोफाइलिंग सहित छवि विश्लेषण।
7. 3डी मापन और वॉल्यूम रेंडरिंग और 3डी पुनर्निर्माण।
8. अधिग्रहीत छवि का विघटन।
9. वर्णक्रमीय विश्लेषण जिसमें वर्णक्रमीय इमेजिंग, अनमिक्सिंग और ऑटोफ्लोरेसेंस पृथक्करण शामिल हैं।
10. अराइवस/ज़ेन सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके 3D मूवी बनाना।

माइक्रोस्कोपी सुविधा द्वारा संचालित गतिविधियाँ

सीसीआरएफ में स्थापित जीस एलएसएम980 कॉन्फोकल सिस्टम का प्रदर्शन

कॉन्फोकल सिस्टम का एक प्रदर्शन जिसमें बुनियादी ऑपरेशन प्रोटोकॉल, ज़ेन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बहुआयामी छवि अधिग्रहण और बुनियादी छवि विश्लेषण शामिल थे, का संचालन डॉ. सोमनाथ घटक, अनुप्रयोग विशेषज्ञ, कार्ल-ज़ीस इंडिया द्वारा 4 मार्च, 2021 को किया गया था। यह प्रदर्शन सीएमईटी द्वारा वीडियो रिकॉर्ड किया गया था और प्रयोक्ताओं के लिए सीखने के संसाधन के रूप में एम्स टेलीमेडिसिन चैनल पर उपलब्ध कराया गया है।

"कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी, विनिर्देशों और जीस एलएसएम980 सिस्टम के अनुप्रयोगों" पर वेबिनार

सीसीआरएफ में स्थापित सिस्टम के कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी, विनिर्देशों और अनुप्रयोगों पर एक वेबिनार 8 मार्च, 2021 को एसईटी सुविधा में आयोजित किया गया था और इसमें निदेशक और संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) ने सुविधा के अन्य संकाय सदस्यों के साथ भाग लिया था। वेबिनार का एम्स टेलीमेडिसिन चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया था और रिकॉर्डिंग प्रयोक्ताओं के लिए सीखने के संसाधन के रूप में उपलब्ध है। वेबिनार का एक संक्षिप्त एजेंडा नीचे दिया गया है:

समय	**विषय**	**वक्ता**
10:00 - 10:20 पूर्वाह्न	उद्घाटन स्वागत वक्तव्य	डॉ. रणदीप गुलेरिया, *निदेशक* डॉ. सुब्रत सिन्हा, *संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)*
10:20 - 10:40 पूर्वाह्न	कॉन्फोकल माइक्रोस्कोपी का परिचय	डॉ. पार्थप्रसाद चट्टोपाध्याय, *आचार्य (जैव रसायन)*
10:40 - 11:00 पूर्वाह्न	सिस्टम वर्कफ्लो एंड एक्सपेक्टेशंस	डॉ. सौमित्र डे चौधुरी, *विज्ञानी-II (सीसीआरएफ)*
11:00 - 11:20 पूर्वाह्न	एलएसएम980 के बायोमेडिकल अनुप्रयोग	डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, *सह-आचार्य (शरीर रचना विज्ञान)*
11:20 - 12:00 दोपहर	एलएसएम980 का प्रचालन	डॉ. सोमनाथ घटक, *अनुप्रयोग विशेषज्ञ, कार्ल-जीस इंडिया*

8. प्रोटिओमिक्स मुख्य सुविधा

विवरण

सीसीआरएफ, एम्स में स्थापित प्रोटिओमिक्स मुख्य सुविधा का उद्देश्य संस्थान में विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को 2डी जैल, डीआईजीई और लिक्विड क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसीएमएस) आधारित विधियों का उपयोग करके प्रोटीन पहचान, प्रोटीन प्रोफाइलिंग और प्रोटीन परिमाणीकरण के लिए उच्च थ्रूपुट के साथ प्रोटिओमिक प्रयोग करने में सक्षम बनाना है। प्रोटिओमिक्स मुख्य सुविधा नवंबर 2020 से चल रही है। सुविधा का उपयोग करने के लिए प्रारंभिक एसओपी विकसित की गई और उसे प्रयोक्ताओं के साथ साझा किया गया है।

उद्देश्य

1. सीसीआरएफ में एक उच्च किस्म की, अत्याधुनिक उपकरण सुविधा - प्रोटिओमिक्स कोर फेसिलिटी की स्थापना प्रयोक्ताओं (संकाय सदस्यों, क्लीनिशियन, वैज्ञानिक, आरओ, विद्यार्थी आदि) हेतु प्रोटिओमिक्स अनुसंधान की सुविधा के लिए और उन्हें प्रासंगिक चिकित्सीय एवं जैविक अनुसंधान प्रश्नों का जवाब देने में मदद करने के लिए की गई है।
2. कोशिकाओं, ऊतकों, बायोफ्लुइड्स और सूक्ष्मजीवों जैसे सभी प्रकार के जैविक नमूनों से जैल आधारित प्रोटिओमिक्स प्रयोगों के लिए उपकरण और संसाधनों के लिए सहायता प्रदान करना।
3. सुविधा में जैल आधारित प्रोटिओमिक्स प्रयोग करने के इच्छुक प्रयोक्ताओं को सहायता प्रदान करना।
4. कोशिकाओं, ऊतकों, बायोफ्लुइड्स और सूक्ष्मजीवों जैसे सभी प्रकार के जैविक नमूनों से डाइजेस्ट किए गए पेप्टाइड्स का उपयोग करके एलसीएमएस आधारित प्रोटिओमिक्स प्रयोग संचालित करना।
5. अच्छी तरह से स्थापित अत्याधुनिक विधियों का उपयोग करके जटिल जैविक नमूनों से व्यापक प्रोटिओम की पहचान, परिमाणीकरण और प्रोफाइलिंग।

स्थापित उपकरण

जैल आधारित प्रोटिओमिक्स	**एलसीएमएस आधारित प्रोटिओमिक्स**
एट्टन पीएचओआर आईपीजी (साइटिवा)	डायोनेक्स अल्टीमेट 3000 यूएचपीएलसी (थर्मो साइंटिफिक)
एमर्शम टाइफून एनआईआर स्कैनर (साइटिवा)	ईएएसवाई-एनएलसी™ 1200 नैनो एलसी सिस्टम (थर्मो साइंटिफिक)
एमर्शम टाइफून आरजीबी स्कैनर (साइटिवा)	ऑर्बिट्रैप फ्यूजन ट्राइब्रिड मास स्पेक्ट्रोमीटर (थर्मो साइंटिफिक)
एमर्शम इमेजर 680 (साइटिवा)	

प्रदत्त सेवाएं:

1. आइसो-इलेक्ट्रिक फोकसिंग (आईईएफ)
2. 2डी जैल वैद्युतकणसंचलन
3. जैल स्टेनिंग
4. जैल वैद्युतकणसंचलन (डीआईजीई) में अंतर
5. जैल स्पॉट परिमाणीकरण
6. ट्रिप्सिन पाचन
7. पचे हुए पेप्टाइड्स का विलवणीकरण और सफाई
8. पेप्टाइड विभाजन
9. ऑर्बिट्रैप फ्यूज़न मास स्पेक्ट्रोमीटर पर एलसीएमएस प्रयोग
10. गुणात्मक प्रोटिओमिक्स (केवल प्रोटीन पहचान)
11. आइसोबैरिक टैग आधारित (आई ट्रैक/टीएमटी) प्रोटीन परिमाणीकरण
12. लेबल मुक्त प्रोटीन परिमाणीकरण (एलएफक्यू)
13. प्रोटिओम डिस्कवरर 2.4 (पीडी2.4) में प्रोटिओमिक्स विश्लेषण
14. प्रोटिओमिक्स से संबंधित जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण में प्रयोक्ताओं की सहायता करना

अप्रैल 2020 के बाद की गई गतिविधियां:

	गतिविधि	दिनांक	स्थान	विषय	शामिल विशेषज्ञ
1.	'प्रोटिओमिक प्रयोगों के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण' पर वेबिनार	07/09/2020	सीएमईटी व्याख्यान कक्ष, एम्स	• परिचय • विभेदक प्रोटिओमिक्स के लिए व्यावहारिक कार्यनीति • 2डी-जीई और डीआईजीई आधारित प्रोटिओमिक्स के लिए व्यावहारिक कार्यनीति • ऑर्बिट्रैप फ्यूज़न मास स्पेक्ट्रोमीटर की मूल बातें • लेबल मुक्त मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स के लिए व्यावहारिक कार्यनीति • टीएमटी लेबल वाले मात्रात्मक	• **प्रो. चित्रा सरकार** संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) • **प्रो. पुनीत कौर** जैवभौतिकी विभाग • **डॉ. हरिप्रसाद जी** जैवभौतिकी विभाग • **प्रो. टी. वेलपांडियन** नेत्र औषध विज्ञान विभाग • **डॉ. सब्यसाची बंद्योपाध्याय** वैज्ञानिक- II, प्रोटिओमिक्स सुविधा सीसीआरएफ

				प्रोटिओमिक्स के लिए व्यावहारिक कार्यनीति • आई ट्रैक लेबल वाले मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स के लिए व्यावहारिक कार्यनीति • प्रोटिओम खोजकर्ता 2.4 में प्रोटिओमिक्स डेटा विश्लेषण • प्रोटिओमिक्स सुविधा का लाभ कैसे उठाया जाए	
2.	एमर्शम टाइफून स्कैनर और एमर्शम इमेजर 680 का प्रदर्शन और प्रशिक्षण	29/10/20	प्रोटिओमिक्स कोर फेसिलिटी, सीसीआरएफ, एम्स	• जैल स्कैनिंग का परिचय • एमर्शम टाइफून स्कैनर कैसे चलाएं • एमर्शम इमेजर 680 कैसे चलाएं • मेलानी 9 सॉफ्टवेयर में डीआईजीई डेटा कैसे प्राप्त करें	• **प्रो. पुनीत कौर** जैवभौतिकी विभाग • **डॉ. हरिप्रसाद जी** जैवभौतिकी विभाग • **डॉ. सब्यसाची बंद्योपाध्याय** वैज्ञानिक- II, प्रोटिओमिक्स सुविधा सीसीआरएफ

अनुसंधान अनुभाग, एम्स से सुविधा केंद्रित इंट्रामुरल परियोजना

परियोजना का शीर्षक: कोविड-19 पर प्रोटिओमिक्स अध्ययन: रोग विशिष्ट हस्ताक्षर प्रोटीन की जांच

अवधि: दो वर्ष (अगस्त 2020 से)

जांचकर्ता:

आचार्य पुनीत कौर, आचार्य और अध्यक्ष, बायोफिजिक्स विभाग (पीआई)

डॉ. हरिप्रसाद जी, अपर आचार्य, जैव भौतिकी विभाग

आचार्य ललित डार, आचार्य, सूक्ष्मजैव विभाग

डॉ. सब्यसाची बंद्योपाध्याय, वैज्ञानिक- II, प्रोटिओमिक्स मुख्य सुविधा

आचार्य रितु गुप्ता, आचार्य और अध्यक्ष, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच

डॉ. मेघा ब्रिजवाल, सहायक आचार्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग

अब तक किया गया कार्य: यूरिया कैओट्रोपिक एजेंट का उपयोग करके नियंत्रित और कोविड-19 नासिका ग्रसनी स्वाब नमूने से प्रोटीन निकाले गए और ट्रिप्सिन एंजाइम के साथ डाइजेस्ट किए गए। डाइजेस्ट किए गए पेप्टाइड्स को डेटा डिपेंडेंट एक्विजिशन (डीडीए) विधि का उपयोग करके ऑर्बिट्रैप फ्यूजन मास स्पेक्ट्रोमीटर में विलवणित किया गया और संसाधित किया गया। कोविड-19 रोग में विभेदित रूप से व्यक्त प्रोटीन का प्रारंभिक डेटा प्रोटीन डिस्कवरर 2.4 प्रोटीन विश्लेषण सॉफ्टवेयर में लेबल फ्री क्वांटिफिकेशन (एलएफक्यू) पद्धति का उपयोग करके तैयार किया गया।

प्रयोक्ताओं द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सुविधा का प्रयोग किया गया:

प्रयुक्त सुविधा	**विभाग**	**प्रयोक्ताओं की संख्या**	**प्रयोग**
एलसीएमएस आधारित प्रोटिओमिक्स	जैव रसायन	प्रयोक्ता-1	एलएफक्यू का उपयोग करते हुए प्रोटीन प्रोफाइलिंग और डिफरेंशियल प्रोटिओम एक्सप्रेशन
	जैव भौतिकी	प्रयोक्ता-1	नमूनों के 4 अलग-अलग समूहों के एलएफक्यू आधारित डिफरेंशियल प्रोटिओम
		प्रयोक्ता-2	एलएफक्यू आधारित प्रारंभिक अध्ययन और आई ट्रैक आधारित विभेदक प्रोटिओम अध्ययन
		प्रयोक्ता-3	2डी जेल स्पॉट से शुद्ध प्रोटीन का एलएफक्यू आधारित डिफरेंशियल प्रोटिओम
		प्रयोक्ता-4	एलएफक्यू आधारित डिफरेंशियल प्रोटिओमिक्स, एक प्रारंभिक अध्ययन
	प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान	प्रयोक्ता-1	फ्रॉम गॉल ब्लैडर कैंसर टिश्यू एक्सट्रेक्ट से एलएफक्यू आधारित डिफरेंशियल प्रोटिओमिक्स
	बाल चिकित्सा	प्रयोक्ता-1	पीएजीई से निकाले गए शुद्ध प्रोटीन का पाचन। विभेदक प्रोटिओमिक्स का प्रारंभिक अध्ययन
	सूक्ष्मजैव विज्ञान एवं प्रोटिओमिक्स फेसिलिटी	प्रयोक्ता-1	वीटीएम से प्रोटीन निकाले गए। एलएफक्यू का उपयोग करते हुए कोविड-19 की डिफरेंशियल प्रोटिओम एक्सप्रेशन।
	शरीर रचना	प्रयोक्ता-1	शुद्धीकृत प्रोटीन की पहचान। इविंग्स सारकोमा पर अध्ययन
		प्रयोक्ता-2	ई. कोलाई के सत्त से शुद्धीकृत प्रोटीन की पहचान

9. परियोजना प्रबंधन एकक

परियोजना प्रबंधन एकक (पीएमयू) का समन्वय संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) और सह-संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) के मार्गदर्शन में डॉ. कमल गुलाटी, वैज्ञानिक-II (परियोजना प्रबंधन), सीसीआरएफ और बीएसएल-2 एवं 3 द्वारा किया जाता है। सीसीआरएफ और बीएसएल-2 और 3 में पीएमयू के मुख्य कार्यों में विभिन्न उप-केन्द्रों के संकाय प्रभारियों और वैज्ञानिकों के परामर्श से सीसीआरएफ सुविधा का प्रबंधन, विभिन्न उप-समितियों की बैठकों का समन्वय, मशीनरी, उपकरण और अभिकर्मकों की खरीद, सीसीआरएफ सुविधा का रखरखाव, कर्मियों की भर्ती, प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन में सहायता करना, भंडार अनुभाग से स्टेशनरी और सामान्य वस्तुओं की मांग करना, तैयार किए जा रहे अनुसंधान ब्लॉक के लिए एम्स मास्टरप्लान कार्यों में सहायता, और अनुसंधान अनुभाग के लेखा विभाग आदि के समन्वय से प्रयोक्ता शुल्क के भुगतान की सुविधा प्रदान करना शामिल है।

महत्वपूर्ण उपलब्धि:

डॉ. कमल गुलाटी:

1. ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) और फैकल्टी ऑफ मेडिकल लीडरशिप एंड मैनेजमेंट, यूके द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बीएमजे लीडर्स इन हेल्थकेयर 2020 में "चिकित्सकों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम का प्रभाव: भारत से पहला अध्ययन" पर एक व्याख्यान देने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित, 17-19 नवंबर 2020।
2. इंडिया एलायंस और इंडिया रिसर्च मैनेजमेंट इनिशिएटिव द्वारा अध्यक्ष और विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया "वित्त पोषित कार्यक्रमों के प्रबंधन" पर केंद्रित इंडिया एलायंस आईआरएमआई वेबिनार के लिए विशेषज्ञ पैनल में शामिल होने के लिए, 16 अक्टूबर 2020।
3. वारिक विश्वविद्यालय, यूके और द मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, 2021 के "स्वास्थ्य सुधार एवं नवोन्मेष में नेतृत्व" पाठ्यक्रम को पूरा करने पर 'उपलब्धि प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया।
4. फरवरी 2021 में डीबीटी वेलकम इंडिया एलायंस द्वारा वर्चुअल तरीके से आयोजित इंडिया रिसर्च मैनेजमेंट इनिशिएटिव (आईआरएमआई) कार्यशाला 2021 में भाग लिया।

अन्य गतिविधियां

- अनुसंधान अनुभाग ने एम्स में अनुसंधान सुविधाओं के आयामों और विस्तार को बढ़ाने के अपने प्रयास में एक बायोइन्क्यूबेटर प्रारंभ किया है। इसे **"सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई)"** कहा जाएगा और इसे एम्स के मुख्य परिसर के साथ-साथ एम्स, झज्जर परिसर में दो मंजिलों की जगह आवंटित की गई है। इसे बायोनेस्ट योजना के तहत डीबीटी से वित्त पोषण सहायता प्रदान की गई है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि स्वास्थ्य देखभाल के लिए नए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उत्पादों या प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए नवाचारों के प्रोत्साहन की तत्काल आवश्यकता है। इस केंद्र की शुरुआत के साथ, एम्स दिल्ली में नियामक अनुपालन के लिए आवश्यकतानुसार विश्लेषणात्मक सत्यापन, इन-विट्रो,

एक्स-विवो, इन-विवो (प्रीक्लिनिकल) और नैदानिक अध्ययन के लिए एक निर्बाध गुणवत्ता प्रणाली सक्षम पोषण सुविधा विकसित की जा सकती है। एम्स में यह इनक्यूबेटर भारत में अपनी तरह का पहला इनक्यूबेटर हो सकता है जो चिकित्सकों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित कर सकता है। यह सुविधा सीसीआरएफ (बेसिक साइंस फैसिलिटी), सीआरयू (क्लिनिकल रिसर्च फैसिलिटी) और बायोइनक्यूबेटर की तिकड़ी को पूरा करेगी, जो पिछले 4 वर्षों में फलीभूत हुए हैं और जिनसे एम्स में अनुसंधान को बहुत प्रोत्साहन मिल सकेगा।

- अनुसंधान अनुभाग ने ऑनलाइन अनुसंधान पद्धति कार्यशाला भी शुरू की जिसमें कई विभागों के संकाय सदस्यों की भागीदारी के साथ 11 मॉड्यूल शामिल हैं। पहली बार, बेसिक विज्ञान से संबंधित अनुसंधान पद्धति संबंधी मॉड्यूल भी पेश किए गए हैं और ये रेजिडेंट्स के बीच बहुत लोकप्रिय रहे हैं।

मॉड्यूल 1	**वक्ता**	**संचालक**
अनुसंधान के लिए प्रेरणा	डॉ. रणदीप गुलेरिया	डॉ. चित्रा सरकार
अपने मेंटर से अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त करें?	डॉ. शिंजिनी भटनागर	
अनुसंधान प्रोटोकॉल की सामग्री	डॉ. आरएम पांडे	
मॉड्यूल 2		
एक शोध प्रश्न कैसे तैयार करें?	डॉ. वीके पॉल	डॉ. आर एम पांडे
लिटरेचर की खोज कैसे करें?	डॉ. अशोक जरयाल	
स्वास्थ्य अनुसंधान में वेरिएबिल को समझना	डॉ. प्रताप शरण	
मॉड्यूल 3		
अध्ययन डिजाइन का चयन	डॉ. आनंद कृष्णन	डॉ. विनीत आहूजा
क्रॉस सेक्शनल अध्ययन/केस कंट्रोल अध्ययन	डॉ. राकेश लोढ़ा	
कोहोर्ट स्टडी	डॉ. रमेश अग्रवाल	
मॉड्यूल 4: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण कैसे करें		
क) परीक्षण डिजाइन करना ख) रैंडमाइजेशन और ब्लाइंडिंग ग) भ्रामक पूर्वाग्रह	डॉ. अतुल शर्मा डॉ. जी कार्तिकेयन डॉ. एम कलैवानी	डॉ. नवीत विग
मॉड्यूल 5		
नमूना आकार की गणना कैसे करें?	डॉ. जीवा शंकर	डॉ. एम वी पद्मा
डेटा संग्रह के तरीके	डॉ. पुनीत मिश्रा	
मास्टर डेटा शीट कैसे बनाएं?	डॉ. सुमित मल्होत्रा	
मॉड्यूल 6		
डेटा के प्रकार और डेटा का सारांश	डॉ. तूलिका सेठ	डॉ. राजीव कुमार
पैरामीट्रिक परीक्षण और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण	डॉ. एस एन द्विवेदी	

परिकल्पना परीक्षण के सिद्धांत: टाइप I और 2 त्रुटि	डॉ. राधिका टंडन	
मॉड्यूल 7		
डिकोटोमस वेरिएबिल्स: एसोसिएशन के लिए परीक्षण और एसोसिएशन के उपाय (ओआर, आरआर, आरडी)	डॉ. अदिति सिन्हा	डॉ. पी वनमेल
निरंतर डेटा का विश्लेषण ("टी" परीक्षण, एनोवा)	डॉ. नवल किशोर विक्रम	
नैदानिक परीक्षण डेटा का विश्लेषण: पीपी/आईटीटी/संशोधित आईटीटी	डॉ. निखिल टंडन	
मॉड्यूल 8		
उत्तरजीविता विश्लेषण के सिद्धांत: केएम वक्र और जोखिम अनुपात	डॉ. ए.के. मिश्रा	डॉ. एम रामम
बहुचर विश्लेषण	डॉ. एम.ए. खान	
नैदानिक परीक्षण मूल्यांकन	डॉ. एस रामकृष्णन	
मॉड्यूल 9		
मेटाएनालिसिस और व्यवस्थित समीक्षा: मूल सिद्धांत	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	डॉ. अनुराग श्रीवास्तव
रिपोर्टिंग दिशानिर्देश: स्ट्रोब, कंसोर्ट, प्रिज्मा, स्टार्ड	डॉ. सौरभ केडिया	
मॉड्यूल 10		
प्रबंध संदर्भ और संदर्भ प्रबंधक	डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब	डॉ. नीरजा भटला
स्वास्थ्य अनुसंधान में नैतिकता	डॉ. समीर बख्शी	
मॉड्यूल 11: बेसिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए गुणवत्ता नियंत्रण		
बेसिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति और गुणवत्ता नियंत्रण: एक विवरण	डॉ. अर्चना सिंह	डॉ. कल्पना लूथरा
जीनोमिक्स और जीन एक्सप्रैशन विश्लेषण तकनीकों में गुणवत्ता नियंत्रण	डॉ. जयन्त कुमार	
प्रोटीन विश्लेषण तकनीकों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण	डॉ. प्रज्ञान आचार्य	
पुन: प्रस्तुत करने योग्य फ्लो साइटोमेट्री प्रयोगों के लिए अनुसंधान डिजाइन की मूल बातें	डॉ. ऋतु गुप्ता	
माइक्रोस्कोपी और छवि विश्लेषण के नियम	डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब	
इन-विट्रो तकनीक: सावधानियां और चूक	डॉ. सुदीप सेन	

पशु प्रयोगों के लिए अध्ययन डिजाइन: सामान्य त्रुटियों से बचना और परिणामों का अनुकूलन करना	डॉ. रूपेश श्रीवास्तव	

प्रकाशन

पत्रिका: 3

9.1. संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजेश्वरी सुब्रमणियम

आचार्य

अंजन त्रिखा	माया देहरान	दिलीप आर शिंदे
लोकेश कश्यप	गंगा प्रसाद	वीरेंद्र कुमार मोहन
विमी रेवाड़ी	वनलाल डार्लोंग	रेणु सिन्हा (डॉ. रा.प्र. केंद्र)
ज्योत्सना पुंज	बबीता गुप्ता (जेपीएनए टीसी)	रविंद्र कुमार पाण्डेय
अंजलि छाबड़ा	छवि साहनी (जेपीएनए टीसी)	रश्मि रामचंद्रन

अपर आचार्य

दालिम कुमार बैद्य (सीडीईआर) देवलीना गोस्वामी (सीडीईआर)

सह-आचार्य

पुनीत खन्ना	बिकाश रंजन रे	राहुल कुमार आनंद
देबेश भोई	शैलेंद्र कुमार (आईवीएफ)	

सहायक आचार्य

मनप्रीत कौर	सौविक मैत्रा	तिलका मुथैया
अखिल कांत सिंह	कानिल रंजीत कुमार (डॉ. रा.प्र. केंद्र)	राकेश कुमार
निशांत पटेल	अरशद अयूब (डॉ. रा.प्र. केंद्र)	युद्धवीर सिंह (जेपीएनए टीसी)
अभिषेक कुमार	क्रिस्टोफर दास	अजिशा अरविंदन
विनीता वेंकटेश्वरन	वेंकट गणेश	अंजू गुप्ता
केलिका प्रकाश	मृत्युंजय कुमार	परिन चेलानी
सुलगना भट्टाचार्जी	श्रेया भरत शाह	अभिषेक सिंह (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)

विशिष्टताएं

इस महामारी के दौरान, हमारे विभाग ने कोविड-19 द्वारा आकस्मिक रोगी भार का प्रबंधन करने के लिए अस्पताल की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस कार्य को एम्स मुख्य में माननीय निदेशक, प्रो. राजेश्वरी और जेपीएनटीसी में प्रोफेसर अंजन त्रिखा के दिशा निर्देश में किया गया था। हमारी शैक्षिक गतिविधियों को सेट सुविधा की सामयिक सहायता के साथ वेब कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया था। इसके साथ ही हमारे फैकल्टी भी कोविड का प्रबंधन करने वाले नेशनल क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स का हिस्सा थे, जिसका लाइव टेलीकास्ट यूट्यूब पर किया गया था। हमारा विभाग विशेषकर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ ऑनलाइन आयोजित की गयी कई सहयोगी प्रस्तुतियों और चर्चा मंचों का भी हिस्सा बना था।

शिक्षा

कोविड की रोकथाम और प्रबंधन के संबंध में रेजीडेंटों और स्वास्थ्य उपचार कर्मियों के ऑनलाइन प्रशिक्षण में हमारे विभाग ने सक्रिय रूप से भूमिका का निर्वहन किया है। हमारे विभाग के फैकल्टी निम्नलिखित विभिन्न ऑनलाइन वेबिनार सम्मिलित थे:

1. कोविड-19 में आईसीयू देखभाल और वेंटिलेशन नीति। https://youtu.be/mXEAqRaqafY (डॉ. दालिम के बैद्य, डॉ. बिकाश आर रे,
2. https://www.youtube.com/watch?v=VTG-ecGqJQ0- कोविड-19 मरीजों में तत्काल और अर्ध-तत्काल सर्जरी (प्रो. राजेश्वरी)
3. https://covid.aiims.edu/covid-webinar आईसीयू को स्थापित करना और एरोसोल उत्पादन प्रक्रियाओं का प्रबंधन (प्रो. अंजन त्रिखा, प्रोफेसर विमी रेवाड़ी)

   डॉ. रश्मि रामचंद्रन, डॉ. अभिषेक एन और डॉ. परिन चेलानी एचआईसीसी/सेट परिसर में संयुक्त ऑनलाइन ई-कोर्स में कोविड क्षेत्रों में नियुक्त किए गए स्वास्थ्य कर्मियों के ऑनलाइन प्रशिक्षण में सम्मिलित हैं।

   डॉ. अंजू गुप्ता, डॉ. परिन चेलानी और डॉ. श्रेया बी शाह ने स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए ऑनलाइन शिक्षण मॉड्यूल का निर्माण किया है। जो मोड्यूल विकसित किए गए हैं वह हैं: बाल चिकित्सा सीपीआर (डॉ. अंजू गुप्ता), मातृ सीपीआर, धमनी केन्युलेशन (डॉ. परिन चेलानी) और एबीजी विश्लेषण (डॉ. श्रेया बी शाह)।

प्रदत्त व्याख्यान

एस राजेश्वरी: 6	**अंजन त्रिखा: 8**	**लोकेश कश्यप: 1**
वीके मोहन: 4	**विमी रेवाड़ी: 4**	**ज्योत्सना पुंज: 12**
रेणु सिन्हा: 16	**अंजलि छाबड़ा: 3**	**बबीता गुप्ता: 2**
छवि साहनी: 2	**रश्मि रामचंद्रन: 8**	**दलीम के बैद्य: 9**
देवलीना गोस्वामी: 2	**देबेश भोई: 2**	**मनप्रीत कौर: 5**
निशांत पटेल: 1	**अभिषेक कुमार एन: 1**	**वेंकट गणेश: 2**
अंजू गुप्ता: 9	**केलिका प्रकाश: 1**	**मृत्युंजय कुमार: 2**

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ऑपरेशन से पहले चिंता को कम करने में मेलाटोनिन, गैबापेंटिन और अल्प्राजोलम का तुलनात्मक अध्ययन 2020: केलिका प्रकाश, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष, 2020-2021, 3.5 लाख रुपये।

2. ट्रेंडेलेनबर्ग स्थिति में लैप्रोस्कोपिक सर्जरी करवा रहे मरीजों में आईजेवी अक्षमता और ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक शिथिलता के साथ इसके संबंध का आकलन, अखिल कांत सिंह, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2018-2020, 500000 रुपये।
3. मध्यम से गंभीर गैर-मधुमेह कोविड-19 मरीजों में बेसलाइन इंसुलिन प्रतिरोध और अस्पताल मृत्यु दर के बीच संबंध: एक अवलोकन अध्ययन, सौविक मैत्रा, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.44 लाख रुपये।
4. सरवाइकल कॉलर, का प्रयोग करते हुए सिम्युलेटेड सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन में एंडोट्रैकियल इन्ट्युबेशन के लिए सी-मैक डी-ब्लेड और एयरट्रैक वीडियो लैरींगोस्कोप का तुलनात्मक मूल्यांकन, मनप्रीत कौर, इंट्राम्यूरल, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 1.5 लाख रुपये।
5. पेरैंटल उपस्थिति के साथ या उसके बिना चिंता की तुलना और नेत्र चिकित्सा संबंधी प्रक्रियाओं को करवा रहे बच्चों में एनेस्थिशिया देने के दौरान स्ट्रेस बायोमार्कर के साथ इसका सहसंबंध - एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. निशांत पटेल, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2020, 490000 रुपये।
6. सामान्य एनेस्थीशिया के अंतर्गत इंटरवेंशनल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं के लिए एलएमए गैस्ट्रो™ बनाम एंडोट्रैकियल ट्यूब की प्रभावोत्पादकता: एक संभावित याद्दच्छिक परीक्षण, अंजू गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-2021, 3 लाख रुपये।
7. सीपीआर कौशल के प्रतिधारण के लिए रिमोट ट्रेनर आधारित सप्रयास अभ्यास बनाम स्व-आधारित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक याद्दच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंडेड सिमुलेशन अध्ययन, डॉ. अभिषेक एन, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020- 2022, 4.8 लाख रुपये।

पूर्ण

1. चिकित्सा कर्मियों द्वारा कोविड सिम्युलेटेड इन्ट्युबेशन के लिए किंग विजन वीडियो लैरींगोस्कोप चैनलेड ब्लेड और नॉन-चैनल ट्यूरेन वीएल की तुलना: एक याद्दच्छिक क्रॉसओवर मैनिक्वीन अध्ययन। (इंट्राम्यूरल ग्रांट: कोविड श्रेणी):, अंजू गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल कोविड श्रेणी, 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारत में मेडिकल पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के अनुसंधान और शिक्षाविदों पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक संभावित प्रश्नावली-आधारित सर्वेक्षण।
2. एक कोविड-19 निमोनिया में कोंवाल्सेंट प्लाज्मा देने पर पूर्वव्यापी प्रवृत्ति स्कोर-मिलान कोहोर्ट अध्ययन: एक एकल केंद्र अध्ययन और अनुभव।
3. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी करवा रहे मरीजों में संयुक्त एसएपी और पीआईएफबी ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता: एक पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन।

4. स्तन सर्जरी करने वाले मरीजों में रेट्रोलामिनर प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता : एक सिंगल सेंटर, भावी, अवलोकन संबंधी अध्ययन।
5. आरओएक्स इंडेक्स और आरओएक्स-एचआर इंडेक्स का प्रयोग एक्सट्यूबेशन के बाद श्वसन विफलता में उच्च प्रवाह नोज़ल ऑक्सीजनेशन की प्रतिक्रिया के संकेतक के रूप में - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
6. स्पाइनल हाइपोटेंशन के बाद पूर्वसूचक के रूप में अवर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई) और कैरोटिड आर्टरी पीक वेलोसिटी (सीएपीवी) की भिन्नता का आकलन।
7. पेरीओपरेटिव हाइपरटेंशन, अस्पताल में रहने की अवधि और पेरीओपरेटिव कार्डियोवैस्कुलर जटिलताओं के बीच परस्पर संबंध: तृतीयक उपचार केंद्र से एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
8. सामान्य एनेस्थिसिया के अंतर्गत स्पाइनल सर्जरी करवा रहे बुजुर्ग मरीजों में प्री-ऑपरेटिव फ्रेटिलिटी और ऑपरेशन के बाद डिलिरियम और कॉग्निटिव डिसफंक्शन के बीच संबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
9. बहुत मोटे मरीजों में फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण और कठिन एयरवे के बीच सम्बन्ध
10. आपातकालीन लैपरोटॉमी में ऑपरेशन के बाद के परिणामों के साथ इंट्राऑपरेटिव रक्त ग्लूकोज परिवर्तनशीलता का सम्बन्ध।
11. एक वयस्क सघन देखभाल सेटिंग में संवर्धित गुर्दे को निकाला जाना - व्यापकता, जोखिम कारक और डायग्नोस्टिक परिणामों पर प्रभाव।
12. भारत में यांत्रिक रूप से प्रकट कोविड-19 मरीजों में श्वसन यांत्रिकी के लक्षण।
13. ओपन गाइनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी करवा रही मरीजों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए कंबाइंड ट्रांस-मस्क्यूलर क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपन लेबल प्रॉस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड नॉन-इन्फियरिटी ट्रायल।
14. ओपन गाइनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी करवा रहे मरीजों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए कंबाइंड ट्रांस-मस्क्यूलर क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपन लेबल प्रॉस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड नॉन-इन्फियरिटी ट्रायल।
15. शिशुओं में सामान्य एनेस्थिसिया के दौरान आई-जेल सुप्राग्लॉटिक एयरवे और सेल्फ-प्रेशराइजिंग एयर-क्यू इंटुबैटिंग लारेंजियल एयरवे की तुलनात्मक प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा: एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
16. शिशुओं में सामान्य एनेस्थिशिया के दौरान आई-जेल सुप्राग्लॉटिक एयरवे और सेल्फ-प्रेशराइजिंग एयर-क्यू इंटुबेटिंग लारेंजियल एयरवे की तुलनात्मक प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा: एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
17. क्रोनिक डिस्कोजेनिक दर्द के इलाज में प्लेटलेट रिच प्लाज़्मा बनाम मेथिलीन ब्लू के इंट्राडिस्कल इंजेक्शन की तुलनात्मक प्रभावोत्पादकता।

18. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी में अल्ट्रासाउंड आधारित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक में निरंतर बनाम इंटरमिटेंट बोलस तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन- एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
19. ऊपरी भाग के अंगों की सर्जरी के लिए कोस्टोक्लेविकुलर ब्राकियल प्लेक्सस ब्लॉक के मेडियल और लेटरल एप्रोच के बीच तुलना- एक प्रायोगिक इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. सामान्य एनेस्थिशिया कराने वाले बच्चों में नियंत्रित वेंटिलेशन के लिए एएमबीयू ऑरा गेन और ब्लॉकबस्टर लारेंजियल मास्क की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
21. अंगों की डिस्क सर्जरी करवा रहे मरीजों में परम्परागत थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक (टीएलआईपी) बनाम थोरको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता की तुलना: एक तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
22. रेटिनोब्लास्टोमा के साथ एन्यूक्लिएशन सर्जरी करवा रहे बच्चों में परम्परागत सामान्य एनेस्थिशिया और पेरिबुलबार ब्लॉक एवं पारंपरिक सामान्य एनेस्थिशिया की प्रभावोत्पादक्ता के बीच तुलना-एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड समानांतर नियंत्रित परीक्षण।
23. हाइपोस्पेडिया मरम्मत करवा रहे बच्चों में बुपीवाकेन और क्लोनिडाइन के प्रयोग से पुडेंडल नर्व ब्लॉक की कॉडल ब्लॉक के साथ एनाल्जेसिक की प्रभावोत्पादकता: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
24. लम्बर डिस्क सर्जरी करवा रहे मरीजों में थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक (टीएलआईपी) बनाम लेटरल थोराको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता की तुलना: एक रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
25. टोपिकल एनेस्थीसिया और डेक्समेडेटोमिडाइन इन्फ्यूजन के अंतर्गत एंटीसिपेटेड कठिन एयरवे वाले मरीजों में फ्लेक्सिबल फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियोलेरिंजोस्कोप का प्रयोग करते हुए जागते हुए नासोट्रैचियल इन्ट्युबेशन की तुलना।
26. वयस्क मरीजों में एयरक्यू और एलएमए ब्लॉकबस्टर के माध्यम से नेत्रहीन इन्ट्युबेशन सफलता दर की तुलना।
27. हिप फ्रैक्चर सर्जरी करवा रहे मरीजों में निरंतर पेरीकैप्सुलर तंत्रिका समूह (सीपीईएनजी) ब्लॉक बनाम निरंतर फस्किया इलियाका ब्लॉक (सीएफआईबी) की तुलना- एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन।
28. हिप फ्रैक्चर सर्जरी करवा रहे मरीजों में निरंतर पेरिस्कैपुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक बनाम निरंतर फस्किया इलियाका ब्लॉक की तुलना।
29. प्रॉक्सिमल स्प्लिनो-रीनल शंट (पीएसआरएस) सर्जरी करवा रहे मरीजों में निरंतर घाव होते रहने के लिए अकेले रोपिवाकाइन के साथ एक सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

30. क्षेत्रीय एनेस्थीसिया के अंतर्गत सहज रूप से सांस लेने वाले मरीजों में प्रोपोफोल और डेक्समेडेटोमिडाइन सेडेशन के बीच डायफ्रैग्मेटिक गतिविधि की तुलना: संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।

31. बाल मरीजों में इन्ट्युबेशन के लिए ग्लाइड स्कोप और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक संभावित, तुलनात्मक और यादृच्छिक अध्ययन।

32. बाल मरीजों में इन्ट्युबेशन के लिए ग्लाइड स्कोप और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक संभावित, तुलनात्मक और यादृच्छिक अध्ययन

33. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के इलाज में पर्क्यूटेनियस रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोएग्यूलेशन और परक्यूटेनियस माइक्रोबैलून कम्प्रेशन ऑफ गेसेरियन गैंग्लियन की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

34. बाल मरीजों में फार्माकोकाइनेटिक्स एवं सेडाटिव प्रभाव की तुलना इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ सब्लिंगुअल डेक्समेडेटोमिडाइन: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।

35. सकारात्मक दबाव एक्सट्यूबेशन के साथ पारंपरिक एक्सट्यूबेशन करवा रहे मरीजों में एक्सट्यूबेशन के बाद फेफड़ों के वातन की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण।

36. ऊपरी अंग सर्जरी में सिंगल बनाम ट्रिपल इंजेक्शन कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

37. वैकल्पिक लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग संबंधी सर्जरी करा रहे मरीजों में प्रोसील लारेंजियल मास्क एयरवे (पीएलएमए) सम्मिलन के मानक परिचयकर्ता उपकरण गाइडिड बनाम सक्शन कैथेटर गाइडिड तकनीकों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

38. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रियाओं के दौरान अंडक पुन: प्राप्ति के लिए प्रक्रियागत सिडेशन एवं एनाल्जेसिया के रूप में केटोफॉल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

39. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी के बाद ऑपरेशन के बाद होने वाले दर्द को नियंत्रित करने के लिए पीसीए फेंटेनल के साथ इंट्राथेकल मॉर्फिन, अल्ट्रासाउंड-आधारित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की प्रभावोत्पादकता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

40. विट्रो-रेटिनल सर्जरी करवा रहे बच्चों में दो एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना: इनहेलेशनल बनाम टीसीआई (लक्ष्य नियंत्रित इन्फ्यूजन) - एक यादृच्छिक प्रायोगिक क्लीनिकल परीक्षण।

41. सिम्युलेटर का प्रयोग करते हुए समस्या-आधारित हाथों के साथ या बिना ट्रांस थोरैसिस इकोकार्डियोग्राफी करने में नौसिखिए एनेस्थीसिया रेजीडेंटों की योग्यता: एक यादृच्छिक नियंत्रित मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंड परीक्षण।

42. डॉपलर व्युत्पन्न कैरोटिड धमनी सही प्रवाह समय, दबाव ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न रेडियल धमनी प्रवाह समय और नाड़ी दबाव भिन्नता के बीच सहसंबंध: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

43. ऐच्छिक सिजेरियन सेक्शन करवा रहे गर्भवती मरीजों में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन एपिसोड के साथ ऑपरेशन से पहले इंटरनल जुगुलर वेन एनाटॉमिक माप का सहसंबंध।

44. प्रोपोफोल के साथ डेसफ्लुरेन बनाम कुल अंतःशिरा एनेस्थिशिया: लैप्रोस्कोपिक बेरिएट्रिक सर्जरी में इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर और श्वसन यांत्रिकी पर प्रभाव।

45. गैर-तकनीकी कौशल (एमयूटीआईएनटीएस) में चिकित्सा स्नातक के प्रशिक्षण के लिए सिमुलेशन-आधारित पाठ्यक्रम का विकास और छात्रों के बीच इसकी स्वीकार्यता और उपयोगिता का आकलन

46. कोविड-19 मरीजों में तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (ARDS) के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन में ड्राइविंग दबाव गाइडिड पीईईपी नीति बनाम चिकित्सक-गाइडिड पीईईपी नीति (एआरडीएसएनईटी प्रोटोकॉल): एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

47. बिस्पेक्ट्रल इंडेक्स मॉनिटर के प्रयोग से प्रोपोफोल की इंडक्शन डोज़ पर अलग-अलग समय अंतराल पर दी गई फेंटेनाइल का प्रभाव।

48. ऊपरी पेट की सर्जरी के बाद डायाफ्रेग्मेटिक कार्य और फेफड़ों के वातन पर उच्च प्रवाह वाली नाक ऑक्सीजन थेरेपी का प्रभाव; एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

49. वैकल्पिक प्रमुख पेट की सर्जरी करवा रहे वयस्क मरीजों में ऑपरेशन के बाद लंग एटेलेक्टासिस पर वृद्धिशील पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

50. आपातकालीन लैपरोटॉमी करवा रहे मरीजों में ऑपरेशन के बाद पल्मोनरी जटिलताओं पर वृद्धिशील पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

51. लैप्रोस्कोपिक गायनोकोलॉजिकल सर्जरी में ऑपरेशन के बाद लंग एटलेक्टासिस पर फिक्स्ड पीईईपी बनाम लंग अनुपालन आधारित आदर्श पीईईपी का प्रभाव: डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल।

52. बच्चों में ऑपरेशन के बाद लंग एटेलेक्टासिस पर आदर्श सकारात्मक अंत श्वसन दबाव (पीईईपी) का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

53. स्तन कैंसर के मरीजों में जीवन स्तर की गुणवत्ता और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थेसिया का प्रभाव।

54. हड्डी के विशाल सेल ट्यूमर के लिए सर्जरी करवा रहे मरीजों में इन्फ्लेमेटरी बायोमार्कर के स्तर पर क्षेत्रीय एनेस्थिशिया का प्रभाव तथा ऑपरेशन से पहले रक्तस्राव और परिणाम के साथ इसका संबंध।

55. तीव्र अग्नाशयशोथ में क्लीनिकल परिणामों और अंग विफलता पर पैरेंटेरल ओमेगा-3 फैटी एसिड अनुपूरक के प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

56. गंभीर रूप से बीमार मरीजों में पर्क्यूटेनियस डिलेटेशनल ट्रेकोस्टॉमी के बाद जटिलता को कम करने के लिए देखभाल के एक आदर्श बण्डल की प्रभावोत्पादकता।

57. बाल चिकित्सा इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी में कुडल ब्लॉकों की अवधि को लम्बा करने में बुपीवाकेन के साथ हाइड्रोक्सीएथाइल-स्टार्च की प्रभावोत्पादकता।

58. आईसीयू में वीनिंग विफलता होने पर कार्डियोमेट्री द्वारा थौरैसिक द्रव सामग्री की प्रभावोत्पादकता: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

59. महामारी विज्ञान, क्लीनिकल विशेषताएं और कोविड-19 और गैर-कोविड गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (SARI) के मरीजों के परिणाम: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

60. ब्रेकियल प्लेक्सस अल्ट्रासाउंड चित्रों की पहचान के लिए डीप लर्निंग एल्गोरिथम का मूल्यांकन - एक खोजपूर्ण अध्ययन।

61. हीमोर्हगिक आघात के मरीजों में रक्त घटकों के प्रयोग पर क्रायोप्रिसिपिटेट के प्रारंभिक प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन।

62. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी करवा रहे मरीजों में सीज़र गतिविधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी समय और कॉर्टिकल गतिविधि की अवधि पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन।

63. स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में व्यायाम के समान सेट के बाद एन-95 श्वासयंत्र के प्रयोग के साथ शारीरिक श्वसन मापदंडों का मूल्यांकन: एक तुलनात्मक अध्ययन

64. सर्जरी करवा रहे जेरियाट्रिक ट्रॉमा के मरीजों में प्रतिकूल डिस्चार्ज परिणामों के संकेत के रूप में फ्रैलिटी: एक संभावित केस कंट्रोल स्टडी।

65. जेरियाट्रिक कोविड-19 मरीजों में क्लीनिकल गंभीरता के संकेत के रूप में फ्रैलिटी: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

66. समग्र शिक्षार्थी परिणामों पर मेडिकल छात्रों के लिए इंट्रावास्कुलर एक्सेस (एसटीआईवीए) में सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

67. सेप्टिक शॉक में मायोकार्डियल डिसफंक्शन की घटना और रोग-संबंधी प्रभाव - एक अवलोकनात्मक कोहोर्ट अध्ययन

68. तृतीयक उपचार अस्पताल से कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों में गुर्दे में तीव्र चोट की घटना।

69. सामान्य एनेस्थिसिया के अंतर्गत कमजोर नहीं बुजुर्ग मरीजों की तुलना में कमजोर बुजुर्ग मरीजों में ऑपरेशन के बाद उन्माद और संज्ञानात्मक उन्माद और संज्ञानात्मक शिथिलता की घटना।

70. आपातकालीन लैपरोटॉमी करवा रहे वयस्क मरीजों में गंभीर गुर्दे की क्षति की घटना, जोखिम कारक और परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

71. ग्लूकोकार्टिकोइड थेरेपी ले रहे कोविड-19 मरीजों में क्लीनिकल परिणामों पर ग्लूकोकॉर्टीकॉइड थेरेपी का मेटाबोलिक प्रभाव और हाइपरग्लाइसेमिया का प्रभाव - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

72. पेट के निचले हिस्से की सर्जरी करवा रहे मरीज में डे केयर सर्जरी के लिए इंट्राथेकल रोपिवाकेन की न्यूनतम प्रभावी खुराक।

73. कोविड-19 निमोनिया में मृत्यु दर का संकेत देने के लिए विभिन्न गंभीरता सूचकांक और प्रयोगशाला मापदंडों का प्रदर्शन: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

74. सर्जरी के लिए आने वाले भारतीय जेरिअट्रिक मरीजों के रुकने की अवधि में वृद्धि और प्रतिकूल परिणाम की भविष्यवाणी करना: एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन।

75. ऑपरेशन से पहले सीएसएफ मेलाटोनिन सांद्रता और हिप फ्रैक्चर के लिए सर्जरी करवाने वाले बुजुर्ग मरीजों में उन्माद की घटना। एक प्रारंभिक अध्ययन।

76. मुख्य मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में दो अलग-अलग एनेस्थीसिया तकनीकों के बाद मरीजों की स्वास्थ्य लाभ विशेषताएँ: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

77. सीपीआर कौशल के प्रतिधारण के लिए रिमोट ट्रेनर निर्देशित सप्रयास अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंड अनुकरण अध्ययन।

78. सीपीआर कौशल के प्रतिधारण के लिए रिमोट ट्रेनर निर्देशित सप्रयास अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंड अनुकरण अध्ययन।

79. आईसीयू में तीव्र संचार में विफल हो चुके मरीजों में तीव्र गुर्दे की चोट का पूर्वानुमान करने के लिए रीनल डॉपलर अल्ट्रासाउंड: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

80. कोविड-19 मरीजों में एनआईवी की विफलता के जोखिम कारक: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

81. विभिन्न वेटेब्रल स्तरों पर बाल मरीजों में एपिड्यूरल स्पेस की गहराई और अभिविन्यास का सोनोग्राफिक आकलन: एक अवलोकन संबंधी क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन।

82. वेध पेरिटोनिटिस सर्जरी के बाद गुर्दे की गंभीर चोट का शीघ्र पता लगाने के लिए डॉपलर रेनल रेसिस्टिव इंडेक्स और अर्धवार्षिक शक्ति डॉपलर अल्ट्रासाउंड।

83. एकतरफा पेट की सर्जरी करवा रहे बच्चों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता का आकलन करना: एक तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन।

84. बच्चे के जन्म के परिणाम और अनुभव पर एक जन्म योजना यात्रा के माध्यम से व्यवस्थित प्रसव शिक्षा के कार्यान्वयन के प्रभाव का आकलन करना: एक गुणवत्ता सुधार परियोजना।

85. सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत थायरॉयड सर्जरी कराने वाले मरीजों में द्विपक्षीय सतही सर्विकल प्लेक्सस ब्लॉक के साथ अल्ट्रासाउंड गाइडिड द्विपक्षीय इंटरमीडिएट सर्विकल प्लेक्सस ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना करना।

86. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी करवा रहे मरीजों में सबराचनोइड ब्लॉक की अवधि पर अंतःशिरा डेक्सामेथासोन की विभिन्न खुराक की प्रभावोत्पादकता का आंकलन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण डबल-ब्लाइंड अध्ययन।

87. विभिन्न ऑन्कोलॉजिकल स्तन सर्जरी में दर्द से राहत के लिए पेक्टोरल तंत्रिका ब्लॉक (पीईसीएस I और II) में क्लोनिडाइन की विभिन्न खुराक की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करना: एक संभावित, तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

88. विभिन्न ऑन्कोलॉजिकल स्तन सर्जरी में दर्द से राहत के लिए पेक्टोरल तंत्रिका ब्लॉक (पीईसीएस I और II) में क्लोनिडाइन की विभिन्न खुराक की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करना: एक संभावित, तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

89. अल्ट्रासाउंड आधारित बनाम फ्लोरोस्कोपिक आधारित लम्बर सिम्पैथेटिक गैंग्लियन ब्लॉक: एक संभावित सिंगल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड स्टडी।

90. सेप्टिक शॉक के साथ यांत्रिक रूप से वेंटिलेट किए गए वयस्कों में वॉल्यूम रिस्पॉन्सिबिलिटी बताने के लिए आरोही महाधमनी में मापा गया वेलोसिटी-टाइम इंटीग्रल और स्ट्रोक वॉल्यूम।

गैर वित्तपोषित

पूर्ण

1. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी करवा रहे मरीजों में ऑपरेशन के बाद एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडिड इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक - एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. इन्ग्युनल लिगामेंट फस्किया इलियाका के ऊपर या नीचे ब्लॉक? कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी में प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन। एक यादृच्छिक संभावित अध्ययन।
3. जागृत फाइबर ऑप्टिक नाक इन्ट्युबेशन के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए केटामाइन और मिडाज़ोलम के संयोजन के साथ डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना, एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण।
4. आइसोफ्लुरेन या डेसफ्लुरेन के प्रयोग से सामान्य एनेस्थिशिया के अंतर्गत खुली सर्जरी करवा रहे बुजुर्ग मरीजों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक कमी आने की घटना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
5. आउट पेशेंट ट्यूबल लिगेशन के लिए कम खुराक इंट्राथेकल एनेस्थीसिया की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता।
6. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड आकलन पर पोस्टुरल प्रभाव: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।
7. तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल में महत्वपूर्ण देखभाल की आवश्यकता वाले कोविड-19 मरीजों की महामारी विज्ञान और क्लीनिकल विशेषताएं।
8. गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 मरीजों में हृद्वाहिका दुष्क्रिया की महामारी विज्ञान और क्लीनिकल विशेषताएं: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।
9. ईआरसीपी के दौरान अचेत करने के लिए केटामाइन-डेक्समेडेटोमिडाइन संयोजन बनाम केटामाइन-प्रोपोफोल संयोजन की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. तृतीयक देखभाल केंद्र में क्लिनिको-महामारी विज्ञान की विशेषताएं और कोविड-19 के साथ मृत मरीजों की मृत्यु दर का विश्लेषण।
11. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में भर्ती गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 मरीजों की महामारी संबंधी विशेषताएं: एक पूर्वव्यापी अवलोकन संबंधी अध्ययन।
12. सिजेरियन सेक्शन करवाने वाले कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों में मातृ और नवजात विशेषताओं, ऑपरेशन संबंधी विवरण और परिणाम: एक पूर्वव्यापी अवलोकन संबंधी अध्ययन।
13. सेवोफ्लुरेन की आवश्यकता के साथ कुपोषण का संबंध और डे केयर प्रक्रियाओं के दौरान जागना।
14. परिधीय धमनी रोग के मरीजों में अल्ट्रासाउंड गाइडिड आउटप्लेन लम्बर सिम्पैथेक्टोमी ब्लॉक की तकनीकी व्यवहार्यता और फ्लोरोस्कोपी द्वारा इसकी पुष्टि का आंकलन करना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

15. नोविस एनेस्थीसिया रेजिडेंट्स द्वारा किए जाने पर एंडोट्रैकियल इन्ट्युबेशन के लिए एक विश्वसनीय उपकरण के रूप में अल्ट्रासाउंड का प्रयोग - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
16. बच्चों में डेसफ्लुरेन या सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के बाद इमर्जेंस डिलिरियम और रिकवरी मापदंडों पर डेक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव: एक संभावित अवलोकन संबंधी यादृच्छिक अध्ययन।
17. अल्ट्रासाउंड आधारित कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक के लिए 0.5% रोपाइवाकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा खोजने के लिए एक अध्ययन।
18. पेल्वियासेटेबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की कई प्रकार की खुराकों का प्रभाव: यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण।
19. वैकल्पिक नेत्र प्रक्रियाएं करवा रहे बच्चों (1-18 वर्ष) में एयर-क्यू बनाम प्रोसील की प्रभावोत्पादकता की तुलना करना - एक यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण।
20. सामान्य और क्षेत्रीय एनेस्थिशिया के अंतर्गत शल्य चिकित्सा करवा रहे मरीजों में 30 दिन के पश्चात के परिणाम का संकेत करने में आयु-समायोजित चार्लसन कोमर्बिडिटी सूचकांक की भूमिका का मूल्यांकन करना
21. एक समझौता मुक्त फ्लैप का सटीक और शीघ्र पता लगाने में माइक्रोडायलिसिस की भूमिका।
22. रेट्रो-ऑरिकुलर एप्रोच द्वारा रोबोटिक थायराइडेक्टोमी में ऑपरेशन से पहले एनाल्जेसिया के लिए एंटीरियर मार्ग द्वारा अल्ट्रासाउंड आधारित इंटरमीडिएट सर्विकल प्लेक्सस ब्लॉक की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता: एकल संस्थान के अनुभव की पूर्वव्यापी समीक्षा।
23. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी में अल्ट्रासाउंड आधारित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक में निरंतर बनाम इंटरमिटेंट बोलस तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
24. सीजेरियन सेक्शन में सहायक के रूप में कलोनीडाइन बनाम फेंटेनिल के साथ इंट्राहिकल 0.75% आइसोबेरिक रोपिवैक्सीन की क्लीनिकल प्रभावोत्पादकता की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
25. पर्क्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी करवा रहे मरीजों में अल्ट्रासाउंड आधारित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता: एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक मुख्य अध्ययन।
26. ग्रसनी वायुमार्ग की मात्रा में सुधार का मूल्यांकन करने के लिए और एंकिलोसिस और मैंडिबुलर व्याकुलता के एक साथ रिलीज में मेम्बिबल को लंबा करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
27. लेटरल नेक एक्स-रे का प्रयोग कर कठिन लेरिंगोस्कोपी और ऑरोट्रैकियल इन्ट्युबेशन की भविष्यवाणी: एक संभावित अवलोकन संबंधी डबल-ब्लाइंड अध्ययन।
28. सामान्य व्यक्तियों सहित एलोप्लास्टिक टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट, गैप आर्थ्रोप्लास्टी द्वारा इलाज किए गए टीएमजे एंकिलोसिस के मरीजों में बाइट फोर्स और च्यूइंग क्षमता का मूल्यांकन और तुलना करना।
29. प्रस्तुति के समय कोविड-19 मरीजों में थोरैसिक रेडियोलॉजिकल विशेषताएं - संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

30. कोविड-19 मरीजों में कार्डियोपल्मोनरी रीससिटेशन में सम्मिलित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच सारस-कोवि V2 संक्रमण का जोखिम।

31. कोविड-19 के कारण तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में एचएफएनओ बनाम एनआईवी की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

32. कोविड-19 के कारण तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में जाग्रत प्रवण बनाम जाग्रत रीपोज़िशनिंग की तुलना।

33. वेध पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी करवा रहे मरीजों में प्रतिकूल परिणाम के भविष्यवक्ता के रूप में ब्रेकियल धमनी प्रतिक्रियाशीलता का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

34. एक्यूट फिब्राइल बीमारी में सघन उपचार इकाई में प्रवेश और मृत्यु दर का पूर्वानुमान: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

35. आईसीयू में मांसपेशियों की कमजोरी का आंकलन करने के लिए एक विधि के रूप में अग्रभाग टेम्पोरलिस मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की व्यवहार्यता।

36. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के साथ गंभीर रूप से बीमार मरीजों में लाल रक्त कोशिका आधान ट्रिगर का भविष्यसूचक महत्व: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

37. सेप्सिस के मरीजों में मृत्यु दर के संकेत के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना।

38. पेरिटोनिटिस के मरीजों में ऑपरेशन से पहले एसिड-बेस असामान्यताएं और गुर्दे की शिथिलता के बीच संबंध: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

39. सहज रूप से सांस लेने वाले मरीजों में वॉल्यूम प्रतिक्रिया का संकेत देने के लिए वेलोसिटी- टाइम इंटीग्रल और स्ट्रोक वॉल्यूम की माप करना।

40. आपातकालीन लैपरोटॉमी करवा रहे वयस्क मरीजों में ऑपरेशन के बाद ऑक्सीजन की स्थिति पर घटते हुए पीईईपी परीक्षण की प्रभावोत्पादकता: एक मुख्य यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

41. एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता और श्रम एनाल्जेसिया के लिए सहायक के रूप में इंट्राथेकल मॉर्फिन का एलए स्पेरिंग प्रभाव - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

42. नेत्र दिवस देखभाल प्रक्रियाओं में सामान्य एनेस्थिशिया करवाने वाले बाल रोगियों में ऑपरेशन से पहले चिंता स्कोर पर वीडियोडिस्ट्रक्शन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

43. एयर-क्यू और एलएमए ब्लॉकबस्टर के माध्यम से नेत्रहीन श्वासनली इन्ट्युबेशन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

44. सर्जिकल ट्यूमर हटाने करवा रहे फियोक्रोमोसाइटोमा / पैरागैंग्लिओमा वाले मरीजों में अवर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापी गई ऑपरेशन से पहले इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम स्थिति- एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

45. मेडिकल इंटर्न के बीच एक समेकित कौशल-आधारित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता और अनुमानित उपयोगिता: एक मिश्रित तरीके का अध्ययन।

46. बच्चों में ऑरोट्रैकियल इन्ट्युबेशन के लिए एक कन्ड्युट के रूप में एयर क्यू आईएलए: सुपाइन और पार्श्व स्थिति के बीच तुलना।

47. प्रोपोफोल के कारण पोस्ट इंडक्शन हाइपोटेंशन पर विभिन्न मरीज स्थितियों का प्रभाव - एक याद्दच्छिक तुलनात्मक परीक्षण।

48. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी (पीसीएनएल) सर्जरी करवा रहे मरीजों में अल्ट्रासाउंड गाइडिउ इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता: एक संभावित याद्दच्छिक तुलनात्मक मुख्य अध्ययन।

49. मरीज बच्चों में सीएमएसी मिलर ब्लेड आकार 1 और सीएमएसी मैकिन्टोश ब्लेड आकार 2 के साथ इंटुबेट और इन्ट्युबेशन स्थितियों के लिए समय की तुलना- एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

50. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी करवाने वाले मरीजों में सूजन मार्करों और ऑपरेशन से पहले एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, याद्दच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।

51. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय विट्रो रेटिना सर्जरी (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन करना

52. गुर्दे के प्रत्यारोपण के लिए निर्धारित मरीजों में ऑपरेशन से पहले एनाल्जेसिया के लिए इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक और क्वाड्रेट्स लंबोरम ब्लॉक की प्रभावोत्पादकता - एक एकल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन

53. फेसेट आर्थ्रोपैथी में ऑफ डोर्सल रेमस डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड आधारित मेडियल ब्रांच ब्लॉक तकनीकी मूल्यांकन और फ्लोरोस्कोपी द्वारा सत्यापन।

54. वयस्क मरीजों में सही ब्रैकियोसेफेलिक नस के अल्ट्रासाउंड आधारित कैथीटेराइजेशन की व्यवहार्यता का अध्ययन।

55. कोविड-19 मरीजों में गंभीरता का संकेत देने के लिए मार्कर के रूप में लिम्फोसाइट अनुपात हेतु न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

56. कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मास्क के प्रयोग के संबंध में ज्ञान, द्दष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) - एक प्रश्नावली-आधारित सर्वेक्षण।

57. सीधे तौर पर कोविड-19 उपचार में सम्मिलित हेल्थकेयर प्रदाताओं के बीच समाधान करने की रणनीतियाँ : एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. टोटल लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी में ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए योनि कफ पर बुपीवाकेन सिक्त सर्जिकल और सामान्य सेलाइन सिक्त सर्जिकल अनुप्रयोग के बीच तुलना करने के लिए एक मुख्य अध्ययन: - एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग।

2. कोरोना वायरस रोग (कोविड-19) में मलेरिया-रोधी एंटीबॉडी के स्तरों और मरीज के परिणामों का संबंध, काय चिकित्सा।

3. डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी में ऑपरेशन के बाद दर्द को कम करने में पेरिटोनियल इरिगेशन के लिए इंट्रापेरिटोनियल सोडियम बाइकार्बोनेट और सामान्य सेलाइन के बीच तुलना - प्रसूति और स्त्री रोग विभाग।

4. आर्थ्रोप्लास्टी करवा रहे मरीजों में बीमारी और मृत्यु दर की भविष्यवाणी करने के लिए 5 कारक संशोधित फ्रेलिटी इंडेक्स और एएसए वर्गीकरण की तुलना - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, अस्थि रोग विभाग।

5. 30 दिनों के मृत्यु दर पर गंभीर तीव्र कोलनजाइटिस के मरीजों में पित्त जल निकासी (तत्काल बनाम प्रारंभिक) के समय का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एसीटी परीक्षण), जठरांत्र और मानव पोषण विभाग।

6. क्रिकोफैरेनजिल डिसफंक्शन के कारण ग्रसनी-एसोफेजियल डिसफैगिया के इलाज के लिए ऊपरी एसोफेजियल स्फिंक्टर में ओनाबोटुलिनम टॉक्सिन ए (बोटॉक्स) इंजेक्शन की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, न्यूरोलॉजी विभाग, जठरांत्र और मानव पोषण विभाग, रेडियोडायग्नोसिस विभाग।

7. रेडिकल सिस्टक्टोमी के दौरान पेल्विक लिम्फैडेनेक्टॉमी की सीमा - मानक और विस्तारित पेल्विक लिम्फैडेनेक्टॉमी के बीच विविध संस्थागत ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण - पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, एम्स, नई दिल्ली; जिपमेर, पांडिचेरी, एम्स, भुवनेश्वर; एम्स, जोधपुर; एम्स, ऋषिकेश।

8. अल्सरेटिव कोलाइटिस के मरीजों में ऑपरेशन से पहले कम खुराक बनाम मानक खुराक स्टेरॉयड रेजिमेन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, लीवर प्रत्यारोपण और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विभाग।

9. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के बाद एनेस्थीसिया के बाद रिकवरी की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानक इलाज के साथ ही ऑपरेशन से पहले म्यूजिक थेरेपी: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, मैक्सिलो-फेशियल सर्जरी विभाग।

10. स्कोलियोसिस सर्जरी करवा रहे मरीजों में ऑपरेशन से पहले रक्त उपचार के लिए एक्यूट नॉर्मोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (एएनएच) की प्रभावशीलता निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आघान चिकित्सा।

11. पेरेकोक्सीब, तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता को कम करने के लिए भूमिका: एक चयनात्मक साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 अवरोधक एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्ररोग विज्ञान और मानव पोषण विभाग।

12. एकलेसिया कार्डिया के लिए मुखीय एंडोस्कोपिक मायोटॉमी के दौरान लघु खंड बनाम लंबे खंड जाइलोटॉमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्ररोग विज्ञान और मानव पोषण विभाग।

13. पुरानी पीठ दर्द के इलाज के लिए एक सहायक के रूप में स्पंदित विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र (पीईएमएफ) का प्रयोग: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, हड्डी रोग विभाग।

पूर्ण

1. ईगल्स सिंड्रोम के मरीजों में एक्सट्राऑरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड आधारित तकनीक का प्रयोग कर ग्लोसोफेरीन्जियल नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल रेडियोलॉजी विभाग।
2. टोटल लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी के बाद ऑपरेशन के बाद दर्द के लिए बुपीवाकेन द्वारा योनि वॉल्ट इन्फिलट्रेशन का आकलन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग।
3. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनाल्जेसिया में रोपीवाकेन और लेवोबुपिवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावोत्पादकता की तुलना - एक संभावित डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग।
4. प्रारंभिक परिणामों और लागत प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और आकस्मिक हर्निया के उपचार के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्यचिकित्सा विभाग।
5. हृदय स्वायत्त न्यूरोपैथी के साथ और बिना मधुमेह वाले टाइप 2 मधुमेह के मरीजों में वेकुरोनियम और आइसोफ्लुरेन की अवधि का निर्धारण:, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
6. कोविड-19 में एटिपिकल निमोनिया पैदा करने वाले जीवाणु एजेंटों की पहचान, और मरीज के परिणामों पर इसका प्रभाव, माइक्रोबायोलॉजी।
7. वास्तविक समय पीसीआर द्वारा लेगियोनेला न्यूमोफिला का आणविक पता लगाना और अनुक्रम आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग।
8. एक तृतीयक उपचार अस्पताल में स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के मोबाइल फोन के परिशोधन के लिए यूवी विकिरण, माइक्रोबायोलॉजी विभाग।

प्रकाशन

पत्रिका: 128

रोगी उपचार

वैकल्पिक और आपातकालीन सर्जरी के लिए एनेस्थिसिया सेवाएं प्रदान की गईं। इसके साथ ही, एंडोस्कोपी, रेडियोलॉजी, एमईसीटी आदि सहित कई परिधीय क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान की गईं। मरीजों की विस्तृत संख्या इस प्रकार है:

एनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर विभाग की वार्षिक रिपोर्ट - 2020-2021

विशिष्टताएँ	निष्पादित मामलों की संख्या
जीआई सर्जरी (ओटी 1, 2, 3)	220
सर्जरी (ओटी 2, 3, 4, 5, 6)	1079
डेंटल सर्जरी (सीडीईआर)	193
प्लास्टिक सर्जरी	231

यूरोलॉजी		291
कोविड संदिग्ध ओटी (ओटी-12)		13
ईएनटी		356
स्त्री रोग		281
बाल चिकित्सा सर्जरी		415
हड्डी रोग (इकाई 1+2)		997
मुख्य एम्स में हड्डी रोग आघात		2,228
मातृत्व ओटी आईवीएफ ओटी		1,424 77
नेत्ररोग	रूटीन+ ईयूए आपातकाल आरपीसी यूएसजी एमएसी आरओपी कुल	2,693 984 000 129 86 3,892
आपात सेवाएँ	मामले कॉल	4,835 1,660
आईसीयू	कुल	553
	पिछले महीने के आगे आए मामले	96
	नया प्रवेश	457
	छुट्टी दे दी गई	322
	समय सीमा समाप्त	119
सहायक सेवाएं	1. एमआरआई 2. एमईसीटी 3. सीटी स्कैन 4. अन्य रेडियोलॉजिकल सेवाएं (डीएसए, आरएफए, लिथोट्रिप्सी) 5. जीआई एंडोस्कोपी	69 186 42 30 371
पेन ओटी		58

पेन क्लिनिक (नया) पेन क्लिनिक (पुराना)

पुरुष	महिला	बच्चा (बालक)	बच्चा (बालिका)	कुल	पुरुष	महिला	बच्चा (बालक)	बच्चा (बालिका)	बच्चा (बालक)	बच्चा (बालिका)	कुल
45	35			80	168	197	1		17	18	366

पुरस्कार और सम्मान

आचार्य अंजन त्रिखा इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की अकादमिक समिति की मनोनीत सदस्य थी; जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एंड क्रिटिकल केयर के मनोनीत मुख्य संपादक।

आचार्य विमी रेवाड़ी ने 18 सितंबर 2020 को मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली में 6वें सीएलबीएस संगोष्ठी में 'लीवर प्रत्यारोपण में हृदय संबंधी मुद्दों' पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 5 नवंबर, 2020 को लीवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित लीवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में "लिवर ट्रांसप्लांट एनेस्थीसिया में वर्तमान मुद्दे" पर एक सत्र की अध्यक्षता की। लीवर और पित्त विज्ञान के द्वितीय विकसित संस्थान में "एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर इन लीवर ट्रांसप्लांटेशन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की; (एआईएलबीएस) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 20 मार्च, 2021 को नई दिल्ली, भारत में ऑनलाइन किया गया।

आचार्य ज्योत्सना पुंज वर्ष 2014 से प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के इंटरनेशनल जर्नल के एसोसिएट एडिटर थीं; इंडेक्स्ड जर्नल्स: इंडियन जर्नल ऑफ़ एनेस्थीसिया (आईजेए), जर्नल ऑफ़ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फ़ार्माकोलॉजी (जेओएसीपी), जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एनेस्थीसिया (जेसीए)। मेडिकल केस रिपोर्ट जर्नल में समीक्षक; एमडी थीसिस (एनेस्थिसियोलॉजी) और एमडी एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षाओं के मूल्यांकन के लिए साउथ कैंपस दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक के रूप में नामांकित; एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए जेएनएमसी अलीगढ़ के परीक्षक के रूप में मनोनीत; एमडी (एनेस्थिसियोलॉजी) परीक्षा और एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए जीएमसी, जम्मू के लिए परीक्षक के रूप में नामांकित।

आचार्य रवींद्र कुमार पांडे वर्ष 2014 से इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पेरीओपरेटिव अल्ट्रासाउंड एंड एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के प्रधान संपादक थे; इंडेक्स्ड जर्नल्स: इंडियन जर्नल ऑफ़ एनेस्थीसिया (आईजेए), जर्नल ऑफ़ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फ़ार्माकोलॉजी (जेओएसीपी), जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एनेस्थीसिया (जेसीए)। मेडिकल केस रिपोर्ट जर्नल में समीक्षक; एमडी थीसिस (एनेस्थिसियोलॉजी) और एमडी एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षाओं के मूल्यांकन के लिए साउथ कैंपस दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक के रूप में नामांकित; एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए पीजीआईएमएस, चंडीगढ़ के लिए परीक्षक के रूप में नामांकित; एमडी (एनेस्थिसियोलॉजी) परीक्षा और एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के लिए परीक्षक के रूप में नामांकित।

डॉ. दलीम कुमार बैद्य (सीडीईआर) 28 अगस्त 2020 को आईएलबीएस, नई दिल्ली में पीडीसीसी क्रिटिकल केयर के बाहरी परीक्षक थे; 13 नवंबर, 2020 को एरा विश्वविद्यालय लखनऊ में पीडीसीसी क्रिटिकल केयर के बाहरी परीक्षक; रायपुर में 23 जनवरी, 2021 को एम्स रायपुर में एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के बाहरी परीक्षक।

डॉ. देबेश भोई प्रॉस्पेक्ट वेबिनार का भाग बने थे। इसका आयोजन प्रोस्पेक्ट ग्रुप यूरोपियन सोसाइटी ऑफ़ रीजनल एनेस्थीसिया एंड पेन थेरेपी के सहयोग से, 27 नवंबर 2020 को हुआ था।

डॉ. अंजू गुप्ता ने फरवरी 2021 को एयरवे प्रबंधन (उपकरण) में मौखिक प्रस्तुति के लिए अच्युत आनंद पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त किया; 27-28 अगस्त 2020 में आयोजित "गायज़ एयरवे मैनेजमेंट कोर्स" (एयरवे मैनेजमेंट का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (लंदन) में दूसरा पुरस्कार (मूल शोध)।

डॉ. मृत्युंजय कुमार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के जीवन रक्षक एनेस्थिसिया कौशल (एलएसएएस) और आपातकालीन प्रसूति देखभाल (ईएमओसी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। इसके लिए कई अध्याय लिखे और संपादित किए; इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम में सेक्शन एडिटर (ट्रांसप्लांट एनेस्थीसिया) के रूप में नियुक्त।

डॉ. सुलगना भट्टाचार्जी को अपोलो ग्लेनीगल्स अस्पताल, कोलकाता द्वारा आयोजित "न्यूट्रोपेनिक सेप्सिस" विषय के लिए "क्रिटिकल केयर एंड रेस्पिरेटरी मेडिसिन, 5 और 6 फरवरी 2021 पर अपडेट कार्यक्रम में वर्ष" में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया था।

9.2. शरीर-रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए शरीफ

आचार्य

एस बी रे | रीमा दादा | अरुंधति शर्मा (जेनेटिक्स)

रेणु ढींगरा | टीसी नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी) | रीतु सहगल

अपर आचार्य

सरोज कालेर

सह-आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब | नीरजा रानी | सीमा सिंह

एस सी यादव (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)

सहायक आचार्य, संविदा आधार पर

विधु धवन | मोनिका बक्सला | के हरीशा

विशिष्टताएँ

शिक्षा

शरीर रचना विभाग ने कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के दृष्टिगत चिकित्सा प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए संस्थान के प्रयासों का नेतृत्व किया। शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन संचालित करने के लिए सक्षम विच्छेदन कक्ष तथा डिजिटल ऊतक विज्ञान प्रयोगशाला सहित आंतरिक रूप से डिजिटल आधारभूत ढाँचा अत्यधिक महत्वपूर्ण था। पिछले (एमबीबीएस 2019-20) तथा वर्तमान (एमबीबीएस 2020-21) तथा बीएससी पराचिकित्सीय पाठ्यक्रम बैचों (2020-21) के लिए ऑनलाइन शिक्षण / प्रशिक्षण कार्यक्रमों में न केवल शिक्षाप्रद व्याख्यानों का प्रसार करने के लिए, बल्कि क्विज़ एवं एसाइनमेंट के रूप में प्रभावी व्यावहारिक सत्र और प्रारंभिक मूल्यांकन अभ्यासों के प्रसार के लिए एक वृहत प्रयास किया गया। एमबीबीएस 2019-20 और 2020-21 बैचों के लिए क्रमशः लगभग 60 और 50 लेक-डेम्स ऑनलाइन आयोजित किए गए थे। इस वृहत प्रयास में संपूर्ण विभागीय संकाय-सदस्यों, रेजीडेंटों तथा कर्मचारियों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता के साथ योगदान दिया। हड्डियों, आँतों और अभियोजन नमूनों पर पर्यवेक्षित और स्वदेशी रूप से बनाए गए वीडियो के द्वारा सकल शरीर-रचना विज्ञान व्यावहारिक प्रदर्शन तथा विच्छेदन को लाइव प्रदर्शन के रूप में ऑनलाइन प्रसारित किया गया था। 4 माह की अवधि में प्रासंगिक ऑनलाइन सत्रों के दौरान लगभग 20 ऐसे वीडियो तैयार किए गए और उनका उपयोग किया गया। संपूर्ण सामग्री को डिजिटल

रूप से एनाटॉमिकल (शरीर-रचना संबंधी) संरचनाओं के अंतर्संबंधों की पहचान करने तथा व्यावहारिक संशोधन (23 पीडीएफ डॉक्यूमेंट्स) का निर्माण करने और मूल्यांकन अभ्यास का निर्माण करने के लिए फोटो / विडियोग्राफ और लेबल किया गया था। इन सभी मॉड्यूलों को अपलोड किया गया और सरल (एसएआरएएल - स्टूडेंट्स एडवांस्ड रिसोर्सिज एंड लर्निंग) प्लेटफॉर्म पर छात्रों के लिए सुलभ बनाया गया। माइक्रोएनाटॉमी, न्यूरोएनाटॉमी और एम्ब्रियोलॉजी स्लाइड, नमूने और मॉडल भी इसी प्रकार व्यावहारिक प्रदर्शन, संशोधन और मूल्यांकन सत्रों के लिए फोटो / वीडियोग्राफ़ किए गए थे। इस प्रकार, शरीर-रचना विज्ञान विभाग ने शिक्षण / प्रशिक्षण मॉड्यूल के रूप में पूरे प्रथम वर्ष के शरीर-रचना विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए पर्याप्त इन-हाउस डिजिटल सामग्री सफलतापूर्वक तैयार की है, जिसमें सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षा तथा मूल्यांकन सम्मिलित हैं। विभाग ने संस्थान के कई दूसरे विभागों को भी इसी प्रकार महामारी के दौरान उनके पाठ्यक्रम के प्रबंधन में विभागीय डिजिटल आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करके उन्हें बहुमूल्य सहायता प्रदान की।

पहली बार विभाग ने एमबीबीएस 2019-20 बैच के लिए प्रथम पेशेगत सिद्धांत तथा व्यावहारिक परीक्षा पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजित की है। वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के दौरान साप्ताहिक शिक्षण बैठकें, जर्नल क्लब चर्चा, एमडी / एमएससी परीक्षा, पीएचडी मौखिक परीक्षा तथा अंतिम रक्षा सत्र सभी मूल तथा प्रभावी ढंग से ऑनलाइन आयोजित किए गए हैं।

प्रदत्त व्याख्यान

रीमा दादाः 35 **टीसी नागः 1**

टोनी जॉर्ज जैकबः 8 **विधु धवनः 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर : 29

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मानव निम्न कोलेकुलस में आयु संबंधी परिवर्तनः एक रूपात्मक और तंत्रिका रासायनिक अध्ययन, टॉनी जॉर्ज जैकब, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, रुपए 43.86 लाख
2. चूहों में मॉर्फिन सहिष्णुता की दिशा में ग्लियाल गैप जंक्शनों का योगदान, एसबी रे, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, रुपए 55 लाख
3. इनवेसिवफंगल साइनुसिटिस के मामले में इम्युनोग्लोबुलिन, एचएलए और ट्रेस तत्वों के सीरम स्तर का सहसंबंध, ए शरीफ, एम्स, 2 वर्ष, 2019-21, रुपए 10 लाख
4. क्रायो इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी (ईटी) और मानव नमूनों से कोविड-19 की सेलुलर संक्रामकता और आंतरिककरण को समझने के लिए सहसंबंध माइक्रोस्कोपी, सुभाष चंद्र यादव, आईयूएसएसटीएफ यूएसए, 18 महीने, 2020-22, रुपये 50 लाख
5. वृक्क प्रत्यारोपण करा चुके रोगियों के सीरम से बीके वायरस के त्वरित और लागत प्रभावी नैनो-एलएएमपी आधारित डिटेक्शन, सुभाष चंद्र यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपए 35.8 लाख

6. डेवलपमेंट ऑफ ए डेटाबेस ऑफ द फ्लोराइड एंड शुगर लेवल्स फॉर द कमर्शिअली अवेलेबल बेबी फूड सप्लीमेंट्स, ए. शरीफ, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपए
7. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई-1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट जांच प्रणाली का विकास, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-22, रुपए 79.86 लाख
8. रूमेटॉइड संधिशोथ आर्थराइटिस पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-20, रुपए 54 लाख
9. इडियोपैथिक बांझपन और प्रारंभिक गर्भावस्था हानि में शुक्राणुजोज़ा टेप और एमआईआरएनए अभिव्यक्ति पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, डीएसटी, सत्यम, 3 वर्ष, 2020-23, 54 लाख रुपये
10. लेबर वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एलएचओएन) के रोगियों में दृष्टिगत कार्य, सेलुलर उम्र बढ़ने के बायोमार्कर और माइटोकॉन्ड्रियल कॉपी नंबर पर योग का प्रभाव, ।, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, रुपए 30 लाख
11. लाइफस्टाइल इंटरवेंशन और साइकोलॉजिकल स्ट्रेस का उम्र वृद्धि के सूचकों पर प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-20, रुपए 40 लाख
12. भारी धातुओं, जहरीले तत्वों का पर्यावरणीय जोखिम और गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा पर इसका प्रभाव प्रेरण और प्रगति, ए शरीफ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपये 43 लाख ।
13. भारी धातुओं, विषाक्त तत्वों का पर्यावरणीय जोखिम और मूत्राशयकार्सिनोमा प्रेरण और प्रगति पर इसका प्रभाव, ए शरीफ, एम्स, 2 वर्ष, 2020 - 22, 10 लाख रुपये।
14. बायोमेडिकल लाइव सेल इमेजिंग और नैनो-पार्टिकुलेट ड्रग डिलीवरी के लिए लेजर कन्फोकल माइक्रोस्कोप सुविधा की स्थापना, सुभाष चंद्र यादव, डीएसटी-एफआईएसटी, 5 वर्ष, 2018-23, 165 लाख रुपए
15. सर्वाइकल कैंसर के उपचार के लिए मानव पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनो-वाहक का उपयोग कर सिस्प्लैटिन की बाहरी डिलीवरी, एससी यादव, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-21, रुपए 10 लाख
16. सर्वाइकल ऑसीफाइड पश्चवर्ती लोंगिट्यूडिनल स्नायुबंधन के रोगियों में शरीर के तरल पदार्थ और ऊतकों में फ्लोराइड का स्तर, सीमा सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2020-21, रुपए 5 लाख
17. बिहार के समुदाय में इंटरवेंशन और परामर्श के माध्यम से फ्लोरोसिस शमन, ए. शरीफ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, रुपए 152.76
18. वंशानुगत कार्डियोमायोपैथी के रोगजनन में आनुवंशिक वेरिएंट की पहचान और उनका कार्यात्मक मूल्यांकन, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 72.28 लाख रुपए
19. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस के रोगियों में अंतर्निहित डिफरेंशियल प्रकटीकरण और रोग-विशिष्ट सिग्नेचर प्रोफाइल की पहचान, अरुंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 40.05 लाख रुपए
20. श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में एपोप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका की पहचान करना, नीरजा रानी, एम्स, 1 वर्ष, 2020 - 21, 5 लाख रुपए

21. चूहों में क्रोनिक अग्नाशयशोथ के प्रायोगिक मॉडल में पेरिफेरल और सेंट्रल नर्वस सिस्टम में परिवर्तन की जाँच, टोनी जॉर्ज जैकब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 32.23 लाख रुपए
22. चूहों में प्रयोगात्मक तौर पर लौहतत्व के अधिभार के बाद रेटिना फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता और ऑटोफेगी की स्थिति, टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 30 लाख रुपए
23. विकासशील मानव कॉक्लियर नाभिक और सर्पिल नाड़ीग्रंथि का मॉर्फोलॉजिकल अध्ययन, टोनी जॉर्ज जैकब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 45.40 लाख रुपए
24. एटियोलॉजी में भारी धातुओं और विषाक्त तत्वों की भूमिका, गैर-आईपीएफ फैलाने वाले फुप्फुसीय रोगों की गंभीरता और प्रगति, ए शरीफ़, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपए
25. प्री-एक्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, रेणु ढींगरा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, 45 लाख रुपए
26. स्पेक्ट्रम विकार और एडीएचडी और सेरेब्रल पाल्सी सहित अन्य न्यूरोडेवलपमेंटल विकार: एक परा अनुभागीय अध्ययन, ए शरीफ़, आईसीएमआर, स्वीकृत, 3 वर्ष, 2021-24, रु. 2 करोड़
27. प्री-एक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइम, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस और एमआईआर-22 की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण को मॉड्यूलेट करने में उनकी भूमिका, रेणु ढींगरा, सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2019-21, 15 लाख रुपए
28. फोकल सेरेब्रल इस्किमिया के एक चूहे के मॉडल में कोलीनर्जिक न्यूराइट्स के संरचनात्मक पुनर्गठन का अध्ययन, प्रभाकर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2020 - 22, रुपए 10 लाख
29. ऑटिस्म में आणविक, आनुवंशिक और पर्यावरण संबंधी मार्करों के बीच संबंध का पता लगाना
30. गैस्ट्रो-एन्ट्रोपेनक्रिएटिक और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमरों में नवीन प्रोटीनों की भूमिका को उजागर करना, नीरजा रानी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-22, रुपए 50 लाख
31. पुरूष बांझपन और कैंसर के बीच आनुवंशिक अंतर को उजागर करनाः योग हस्तक्षेपों की भूमिका, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपए 35 लाख
32. थायरॉयड के प्राणघातक घावों को अलग करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता, अरुंधति शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-23, रुपए 74.16 लाख

पूर्ण

1. चुंबकीय नैनो-कणों और क्वांटम बिन्दुओं से जुड़े, साइटोलॉजी नमूने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं की दृष्टिजनित पुष्टि: ग्रामीण भारतीय स्थिति के लिए एक लागत प्रभावी, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, सुभाष चंद्र यादव, एसईआरबी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 3 वर्ष, 2018 - 21, रुपये 38.68 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एल्कोहल और ओपिऑइड निर्भरता में मस्तिष्क इमेजिंग (पीईटी/स्पेक्ट) के साथ मोनोएमिनर्जिक और गाबार्जिक पाथवे जीन पॉलीमॉर्फिज्म के आनुवंशिक संबंध और सहसंबंध पर एक अध्ययन
2. एल्कोहल निर्भरता में एडीएच और एएलडीएच जीन वेरिएंट की भूमिका का अध्ययन
3. ओपिऑइड निर्भरता में न्यूरोट्रांसमीटर जीन में एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिज्म और एपिजेनेटिक परिवर्तनों के संबंध का मूल्यांकन करने हेतु अध्ययन
4. चूहे के आंशिक मॉडल में गैर-गर्भाधान और प्रेरक तंत्रिकाओं की क्रियाओं का व्यवहार सम्बंधित मूल्यांकन
5. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड के संपर्क में आए वयस्क मादा चूहों के हाइपोथैलेमस और हिप्पोकैम्पस में संज्ञानात्मक कार्य और एस्ट्रोजन रिसेप्टर प्रोफाइल पर करक्यूमिन आपूर्ति का प्रभाव।
6. जीर्ण अग्न्याशयशोथ से ग्रसित चूहों के मॉडल पर लहसुन (एलियम सैटिवम एल) का प्रभाव
7. एंटरिक नर्वस सिस्टम के विकास पर फ्लोराइड जोखिम का प्रभावः एक प्रयोगात्मक अध्ययन
8. शारीरिक और विकृतिजन्य स्थितियों के अंतर्गत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में मेसेंकाईमल संक्रमण के लिए उपकला के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन
9. शराब निर्भरता और ओपिऑइड निर्भरता में डोपामिनर्जिक मार्ग जीन के जीनोमिक परिवर्तन और जीआरआईएन2ए जीन बहुरूपता का संबंध
10. एसएलसी6ए4 और टीपीएच2 बहुरूपता के साथ ओपिओइड निर्भरता को संभावित संबंध का मूल्यांकन
11. चूहों के बेसल गैंग्लिया में आर्सेनिक ट्राईऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिसिटी पर करक्यूमिन सप्लीमेंट की भूमिका का मूल्यांकन
12. प्रीएक्लेम्पसिया में एमआईआर-22, विशिष्टता प्रोटीन-1 और सिस्टेथिओनिन बीटा सिंथेज की व्यंजना और ट्रोफोब्लास्ट प्रसार में उनकी भूमिका
13. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के मायेन्टेरिक प्लेक्सस में पी2एक्स7 रिसेप्टर की अभिव्यक्ति
14. पूर्वकाल पिट्यूटरी एडेनोमा के रोगियों में आनुवंशिक और एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग
15. मेन2 सिंड्रोम वाले रोगियों की आनुवंशिक जाँच
16. पोस्टीरियर पोलर मोतियाबिंद का आनुवंशिक अध्ययन
17. पैंक्रियटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के प्रकरणों में अनोखे प्रोटीनों, अपॉप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों और एक्जोसोम की पहचान और मूल्यांकन
18. प्रयोगात्मक न्यूरोपैथिक पीड़ा के चूहे मॉडल के माइक्रोग्लियल सक्रियण और एएमपीए रिसेप्टर्स इन हिप्पोकैम्पस का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन
19. मोटापे पर अल्पकालिक योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव
20. रूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिजिनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव
21. रूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव

22. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव
23. पीओएजी पर ध्यान (मेडिटेशन) और उसका प्रभाव
24. ध्यान आधारित तनाव न्यूनीकरणः क्या यह प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) के उपचार में सक्षम है
25. फाइब्रोमाइल्गिया में आणविक अध्ययन
26. अल्प प्रतिक्रियाकर्ताओं में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण
27. गोनैडल डिसिजनेसिस और 46, एक्सवाई कार्योटाइप से ग्रसित रोगियों में कैंडीडेट जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण
28. रिफ्रेक्टरी रिकेट्स और हाइपोफॉस्फेटिमिया से ग्रसित रोगियों में उत्परिवर्तक अध्ययन
29. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक
30. चूहे में प्रकाश-प्रेरित रेटिना क्षति के बाद क्षैतिज कोशिकाओं की रीमॉडलिंग
31. सूजन और कोशिका मृत्यु के विशेष संदर्भ में प्रायोगिक तीव्र अग्नाशयशोथ में स्वरभंग की भूमिका
32. प्रीएक्लेम्पसिया की तरह प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में एक औषधीय मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका
33. प्रीएक्लेम्पसिया में सिस्टेथिओनिन गामा लाइसेज के माध्यम से होने वाले ट्रोफोब्लास्ट सेल अटैक में सूक्ष्म आरएनए-30 की भूमिका और स्थिति
34. ट्रोफोब्लास्ट सेल प्रसार को नियमित करने में एमआईआरएनए की भूमिका
35. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एंजियोजेनिक कारकों में विनियमन में एमआईआरएनए की भूमिका
36. मानव स्ट्रा वैस्कुलरिस में उम्र से संबंधित परिवर्तनों का अध्ययन
37. बांझ पुरुषों में मेथिलेनेटेट्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (एमटीएचएफआर) बहुरूपता के संघ का अध्ययन
38. चुनिंदा मूलर कोशिका क्षति के बाद उज्जवल प्रकाश के संपर्क में आने वाले चूहों के रेटिना में माइक्रोग्लिया का अध्ययन
39. प्रीएक्लेम्पसिया में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस-9 जीन बहुरूपता के संबंध का अध्ययन
40. एल्कोहल निर्भरता में मोनोअमाइन पाथवे जीन की बहुरूपता, मिथाइलेशन और भावाकृति स्थिति के संबंध का अध्ययन
41. स्टिवेंस-जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के अंतर्निहित आनुवंशिक आधार की पहचान करने हेतु अध्ययन

पूर्ण

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों के मायेन्टेरिक प्लेक्सस में डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स का अध्ययन
2. प्री-एक्लेम्पसिया ई में सिस्टेथिओन बीटा सिंथेटेज और इसके जीन पॉलीमॉर्फिज्म के सीरम स्तर का अध्ययन
3. पूर्व-एक्लेम्पसिया अध्ययन शीर्षक में सिस्टेथिओनिन बीटा सिंथेटेज जीन पॉलीमॉर्फिज्म का एक संबंध अध्ययन

4. विस्टार चूहों के स्ट्रोक मॉडल के मध्य सेरेब्रल धमनी ऑक्लूजन में ऑटोफैगी और न्यूरोजेनेसिस
5. ऑसीफाइड पोस्टीरियर लॉन्गिट्यूडिनल स्नायुबंधन के रोगियों में शरीर के तरल पदार्थ और अस्थि हिस्टोलॉजी में फ्लोराइड स्तर का सहसंबंध
6. चूहे के मध्य सेरेब्रल धमनी में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभावः आकृति विज्ञान एवं जैव रासायनिक अध्ययन
7. मानव ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं के स्थानांतरण पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति
8. हल्के दीर्घकालिक अग्नाशयशोथ के चूहे मॉडल में रैपामाइसिन का प्रभाव
9. बिहार में गर्भावस्था के दौरान एनीमिया प्रेरित एंडीमिक फ्लोराइड, एक अग्रदर्शी अध्ययन
10. मानव तंत्रिका ऊतक में ऑटोफ्लोरेसेंस का मूल्यांकन
11. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा रोगियों में तंत्रिका वृद्धि कारक को दर्शाना
12. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा रोगियों के कोलोनिक ऊतक के एंटरोनिक न्यूरॉन्स में एन-एमवाईसी डाउनस्ट्रीम रेगुलेटेड जीन 4 (एनडीआरजी4) को दर्शाना
13. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और श्वसन न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में साइटोकैराटिन19 और सीकेआईटी का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मात्रात्मक विश्लेषण
14. प्रीक्लेम्पसिया में एमएमपी9 प्रमोटर पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका
15. प्रीएक्लेम्पसिया में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस में घुलनशील वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर-1 (एसवीईजीएफआर-1/एसएफएलटी-1) की भूमिका - एक *इन विट्रो अध्ययन*

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पीओएजी में जीनोटाइप और फेनोटाइप सहसंबंध, डॉ. रा.प्र. केंद्र
2. पीसीजी के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव, डॉ. रा.प्र. केंद्र
3. फाइब्रोमाइल्जिया का जेनेटिक अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान
4. शुक्राणु एपिजीनोम पर उच्च पैतृक आयु और प्रतिकूल जीवनशैली का प्रभावः ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार की संभावित एटियोलॉजी, बाल रोग विज्ञान विभाग
5. रुमेटाइड गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव, कायचिकित्सा
6. गोनाडल डिसजेनेसिस/एजेनेसिस, एंडोक्रिनोलॉजी के कारण 46 एक्सवाई डीएसडी वाले रोगियों में जीन उत्परिवर्तन का अध्ययन करना
7. एमडीडी-आरसीटी पर वाईबीएलआई का प्रभाव, मनोचिकित्सा
8. मोटापे में अल्पकालिक योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर-क्रिया विज्ञान
9. बालपन के कैंसर में शुक्राणु डीएनए अखंडता की हानि, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
10. योग और ग्लूकोमा में क्यूओएल पर इसका प्रभाव, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र

11. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा के रोगियों के रक्त, जलीय एवं ट्रबेक्युलर मेशवर्क में सूजन सम्बन्धी मार्करों और जीन अभिव्यक्ति के प्रोफाइल पर योग आधारित हस्तक्षेपः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र
12. उन्नत प्राथमिक ओपन एंगल मोतियाबिंद से ग्रसित रोगियों में माइंडफुलनेस आधारित तनाव न्यूनीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
13. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणामों पर प्रीऑपरेटिव स्टेरॉयड का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
14. प्रारंभिक और उन्नत ग्लूकोमा में इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक परिवर्तन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
15. बांझपन में साइटोजेनेटिक और आणविक विश्लेषण, एनाटॉमी विभाग, एम्स, रायपुर
16. बांझपन के प्रबंधन में अश्वगंधा की भूमिका, आयुर्वेद केन्द्र, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
17. मोटापा और डीएम में लघु और दीर्घकालिक योग आधारित हस्तक्षेप के बाद तनाव, सूजन और सेलुलर एजिंग का पता लगाने के लिए जीनोम वाइड विश्लेषण, शरीर-क्रिया विज्ञान
18. इंट्रावैसल इंजेक्शन पुरूष गर्भनिरोधक के साथ चरण-III नैदानिक परीक्षण-आरआईएसयूजी, जैवचिकित्सा इंजीनियरी
19. भारत की विविध जातीय जनसमूहों में हृदय रोगों से जुड़े नवीन आनुवंशिक रूपों की पहचान और लक्षण वर्णन, हृदरोग विज्ञान
20. "ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्रा ओकुलर प्रेशर, जीवन की गुणवत्ता, शोथ-मार्करों और जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
21. एपिजेनेटिक्स के दायरे में बचपन के ल्यूकेमिया का कारण बनने के लिए मातृजा भाव (मातृ कारक) और रसजा भाव (पोषण संबंधी कारक) के आकलन के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान दिल्ली।
22. बचपन में चयापचय संबंधी विकारों के कारण के लिए मातृजा भाव के अतिसंवेदनशीलता का मूल्यांकनः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, दिल्ली।
23. अर्बुद की व्यापकता में षडगर्भकर भाव (छह प्रजनन कारकों) की शारीरिक अवधारणा का एक अवलोकनात्मक अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, दिल्ली।
24. भारत की विविध जातीय जनसमूहों में हृदय रोगों से जुड़े नवीन आनुवंशिक रूपों की पहचान और लक्षण वर्णन, हृदय विज्ञान
25. एमईएन2 सिंड्रोम की आनुवंशिकी, अंतःस्राविकी
26. प्राथमिक हाइपर-पेराथायरायडिज्म, अग्नाशय के ट्यूमर और पिट्यूटरी ट्यूमर के रोगियों में एमईएन1 जीन उत्परिवर्तक और इसके नैदानिक प्रभाव, अंतःस्राविकी
27. एंगल क्लोजर मोतियाबिंद की आनुवंशिकी, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
28. एल्कोहल और नशीली दवाओं पर निर्भरता की आनुवंशिकी, मनोरोग विभाग

29. हाइपोफॉस्फेटमिक रिकेट्स का आनुवंशिक अध्ययन, बाल चिकित्सा
30. कार्डियोमायोपैथी का आनुवंशिक अध्ययन, हृदरोग विज्ञान
31. पोस्टीरियर पोलर मोतियाबिंद का आनुवंशिक अध्ययन, राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
32. पल्मोनरी फाइब्रोसिस प्रेरित ब्लेयोमायसिन के प्रायोगिक मॉडल में अधाटोडा वासिका के प्रभाव को जांचने की फार्माकोलॉजिकल एवं मोलीक्यूलर एप्रोच, भेषजगुण विज्ञान
33. सीबकथॉर्न से हर्बल फॉर्मूलेशन का विकास स्ट्रेप्टोजोटोसिन से प्रेरित डायबिटिक चूहों में मायोकार्डियल इंफार्क्शन के प्रायोगिक नमूनों में सीबकथॉर्न ऑयल एवं रामिप्रिल के संयोजन की तुलना में एकल रामिप्रिल की प्रभावकारिता पर आणविक एवं औषधीय जाँच-पड़ताल
34. इंटरवेंशन एवं परामर्श के माध्यम से बिहार के समुदाय में फ्लोरोसिस का शमन। शरीर-रचना विज्ञान

पूर्ण

1. अग्नाशय वाहिनी, जठरान्त्ररोग शल्यचिकित्सा के सर्जिकल लिगेशन द्वारा प्रेरित गंभीर पैंक्रियाटाइटिस से पीड़ित वयस्क नर विस्टार चूहों में अंग की शिथिलता की गंभीरता पर मिथाइलप्रेडनिसोलोन और एंटी टीएनएफ-अल्फा एंटीबॉडी (इंफ्लिक्सीमैब) के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन की प्रभावशालिता का एक अध्ययन, जठरान्त्ररोग शल्यचिकित्सा
2. सुपर रेजॉल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए दृष्टिगत रूप से सक्रिय सूक्ष्मकणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग के यांत्रिकी आधार की व्याख्या करना, जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जे.एन.यू., नई दिल्ली
3. "सीबकथॉर्न से हर्बल फॉर्मूलेशन का विकास" स्ट्रेप्टोजोटोकिन से प्रेरित मधुमेह के चूहों के फार्माकोलॉजी में मायोकार्डियल इंफार्क्शन के प्रायोगिक मॉडल में एकल सीबकथॉर्न ऑयल एवं रामिप्रिल के संयोजन की तुलना में एकल रामिप्रिल की प्रभावकारिता पर आणविक एवं औषधीय जांच-पड़ताल।
4. फाइब्रोमायलजिया के रोगियों में दर्द के उतार-चढ़ाव की स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल, चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
5. आईवीएफ कराने वाली पीसीओ से पीड़ित महिलाओं के कूपिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्करों का स्तर और परिणाम के साथ इसका संबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
6. गोनाडल डिसजनेसिस और 46, एक्सवाई कार्योटाइप से ग्रसित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का म्यूटेशन विश्लेषण, अंतःस्राविकी
7. जन्मजात विकृति वाले भ्रूण को धारण करने वाले जोड़ों और सामान्य गर्भधारण करने वाले जोड़ों के एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
8. पल्मोनरी फाइब्रोसिस प्रेरित ब्लेयोमायसिन के प्रायोगिक मॉडल में अधाटोडा वासिका के प्रभाव को जांचने की फार्माकोलॉजिकल एवं मोलीक्यूलर धारणा, भेषजगुण विज्ञान

9. इंजेक्ट किए गए मानव शव के सिर में सुदूर पार्श्व और ट्रांसकॉन्डाइलर पद्धतियों के माध्यम से प्राप्त शल्यक्रियात्मक संपर्कों की रेडियोलॉजिकल एवं माइक्रोसर्जिकल तुलना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

10. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के स्थानांतरण में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका और प्लेसेंटेशन पर इसका प्रभाव: एक इन-विट्रो अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 38 सारः 4 पुस्तकों में अध्यायः 3

रोगी उपचार

क्लिनिकल इकोटॉक्सीकोलॉजी नैदानिक सेवाएँ:

प्रोफेसर ए. शरीफ द्वारा स्थापित देश में अपनी तरह की पहली क्लिनिकल इको-टॉक्सिकोलॉजी (नैदानिक एवं अनुसंधान) की सुविधा, भारी धातु और अन्य तत्व की विषाक्तता का पता लगाने और रक्त में सूक्ष्म पोषक खनिजों का आकलन करने के लिए विभिन्न नैदानिक विभागों को नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रही है। ये परीक्षण प्रभावित रोगियों के उपचार में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाने में कारगर सिद्ध हुए हैं।

जेनेटिक डायग्नोस्टिक एंड काउंसलिंग सर्विसेज

कारयोटाइपिंग	154
वाईक्यू माइक्रोस्केलिटन विश्लेषण	21 मामले
स्पर्म डीएफआई-32	
सेमिनल आरओएस-48	
आणविक जाँच	
कॉर्नियल डिस्ट्रोफी	50
विभिन्न विकारों का उत्परिवर्तन विश्लेषण	45
विविध	03

शव संलेपन	**26**
परिवहन हेतु	19
शिक्षण/अनुसंधान हेतु	07

फ्लोरोसिस डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाः फ्लोराइड अनुमान

मूत्र	40
रक्त/सीरम	40
पीने का पानी	47

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर ए. शरीफ़ ने ई-लर्निंग संसाधनों के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए विभाग और संस्थान के भीतर आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया, जोकि कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए शिक्षण/प्रशिक्षण की गतिविधियों को जारी रखने के लिए आवश्यक हो गया। कंप्यूटर सुविधा के प्रभारी आचार्य के रूप में, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि रोगी उपचार, शिक्षाविदों और अनुसंधान के प्रयोजनों के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए आईटी नेटवर्क और बुनियादी ढाँचे को सर्वोत्तम स्थिति में बनाए रखा जाए। टेलीमेडिसिन सुविधा के प्रभारी प्रोफेसर के रूप में, उन्होंने संस्थान में टेलीमेडिसिन के अभ्यास की योजना बनाई और कार्यान्वित किया, जब सभी नैदानिक विभागों के सक्रिय समर्थन और सहयोग के साथ कोविड-19 महामारी के दौरान भौतिक (फिजिकल) ओपीडी को बंद कर दिया गया था। उन्होंने नीति आयोग, भारत सरकार की ओर से तथा एम्स निदेशक, कंप्यूटर सुविधा और टेलीमेडिसिन सुविधा की सहायता से हमारे संस्थान के सलाहकारों द्वारा कोविड-19 रोगियों का इलाज़ करने वाले देशभर के चिकित्सकों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करने के लिए संस्थान में "कोविड-19 नेशनल टेलीकंसल्टेशन सेंटर" (कोएनटीईसी-एम्स) का निर्माण किया और देखरेख की। इस सुविधा का शुभारंभ माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया था, जो पूरी महामारी के दौरान क्रियाशील रहा है; उन्होंने मेडिकल और नर्सिंग छात्रों, रेजिडेंट चिकित्सकों और संस्थान के संकाय सदस्यों (कोएनटीईसी-एम्स पब्लिक हेल्प ग्रुप) से युक्त पचास से अधिक स्वयंसेवकों के एक समूह का निर्माण किया, जो कोविड-19 और गैर-कोविड रोगों से संबंधित स्वास्थ्य के मामलों पर जनता को बहुमूल्य टेलीफोन द्वारा सहायता और मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने संस्थान के भीतर और बाहर के रोगियों को महामारी के दौरान क्लिनिकल इकोटॉक्सिकोलॉजिकल डायग्नोस्टिक सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा। उनके मार्गदर्शन में क्लिनिकल इकोटॉक्सिकोलॉजी फैसिलिटी ने "एलुरु मिस्ट्री इलनेस" के मरीज़ों के नमूनों में निकेल और लेड की उपस्थिति का पता लगाया, जिसने दिसंबर 2020 में भारत के आंध्र प्रदेश राज्य के पश्चिम गोदावरी जिले में एलुरु नगर निगम सीमा में लगभग 500 लोगों को प्रभावित किया था। उन्हें अज्ञात मूल के अचानक कन्वल्शन (शरीर में अचानक पड़नेवाला तेज़ झटका जिसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता - जोरदार ऐंठन, मरोड़, दौरा इत्यादि) के प्रकोप की जाँच के लिए और एजेंट के स्रोत की जाँच करने के लिए, घटना के विभिन्न कारणों की पूरी तरह से जाँच करने और उपचारात्मक उपायों का सुझाव देने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार (द्वारा जीओ आरटी सं. 1946. दिनांक 10-12-2020) द्वारा गठित उच्च स्तरीय बहु-अनुशासनात्मक समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था। ताकि भविष्य में, राज्य में इस तरह की कोई घटना न हो।

प्रोफेसर एस.बी. रे को (1) दिल्ली विश्वविद्यालय (2) गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और (3) अंबेडकर विश्वविद्यालय में शरीर-रचना विज्ञान में प्रथम प्रोफेसर एमबीबीएस परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक नियुक्त किया; कोविड-19 महामारी के प्रबंधन हेतु शरीर-रचना विज्ञान विभाग द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर रीमा दादा को इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के फेलो के रूप में शामिल किया गया। डॉ. दादा और उनकी टीम ने आईएवाईटी, एमए, बोस्टन, वर्ष के शोधकर्ता द्वारा आयोजित योग अनुसंधान पर संगोष्ठी में प्रतिष्ठित स्वामी कुवलयानंद युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया और आईवीएसीओएन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति प्रथम पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. दादा एचएच दलाई लामा के साथ वेबिनार के संपादक एओएन के रूप में विशेषज्ञ थीं। उन्होंने छह सम्मेलनों और एसआईजी कार्यशालाओं में सत्रों की अध्यक्षता की। वे एआरएम, क्लीवलैंड क्लिनिक द्वारा आयोजित वेबिनार में भाग लिया और निमहंस बैंगलोर द्वारा आयोजित यंत्र 2020 के लिए जज थीं। उन्हें एनबीई प्रत्यायन मूल्यांकन कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था और विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में संकाय-सदस्य चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें सुरेखा, साईं और राजगढ़िया विश्राम सदन के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और सदस्य सचिव नामित किया गया था। उन्हें 'एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंस' पत्रिका के लिए एक संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में नामित किया गया था और निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक / बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य किया : रिस्टोरेटिव न्यूरोलॉजी और न्यूरो-बहाली, इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन, ट्रांसलेशनल जेनेटिक्स और जीनोमिक्स, टेलोमेरे और टेलोमेरेज़, पीएलओसोन, आरबीएम ऑनलाइन, नेचर, ह्यूमन रिप्रोडक्शन और कई अन्य। उन्हें स्कूलों और कॉलेजों में आनुवंशिकी पाठ्यक्रम के संशोधन के लिए एनसीईआरटी द्वारा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। वह मेडिकल रिसर्च काउंसिल फेलोशिप, एडिनबर्ग और प्रजनन बायोमेडिसिन और स्टेम सेल, ईरान में रॉयल इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड्स के लिए ज्यूरी सदस्य बनी हुई हैं। वह पुरुष बांझपन पर आईसीएमआर टास्क फोर्स की सदस्य हैं। डॉ. दादा ने उन्नत अनुसंधान हेतु केंद्र स्थापित करने के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्हें आईआईटी दिल्ली में पीएचडी चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आनुवंशिकता में 6 एमडी और 6 पीएचडी शोधपत्रों का मूल्यांकन किया है और वे रेवेनशॉ यूनिवर्सिटी, सीसीएमबी और साउथ कैंपस में जेनेटिक्स में पीएचडी शोधपत्र के लिए बाह्य परीक्षक थीं। वह पंडित बीडी शर्मा विश्वविद्यालय, रोहतक में बीएससी जेनेटिक्स के लिए परीक्षक थीं। उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में अग्रलिखित समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया: एम्स दीक्षांत समारोह के लिए कोर समिति, डीएमए पदक के चयन के लिए समिति, पाठ्यक्रम समिति, पुनर्योगज पर संस्थान जैव सुरक्षा समिति स्वायत्त संस्थानों में अनुसंधान गतिविधियों के मानक में सुधार के लिए डीएनए अनुसंधान और संस्थान समिति। वह छात्र संघ चुनाव के लिए चुनाव आयुक्त थीं। प्रोफेसर रीमा दादा एमडीएनआईवाई, एचआईएमएस, दुर्गाभाई देशमुख कॉलेज, देशबंधु कॉलेज, नई दिल्ली के लिए बाह्य संकाय-सदस्य हैं। उनके लेख कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अखबारों में छपे। वह कई बार टीवी कार्यक्रमों विज्ञान प्रसार और राज्यसभा टीवी में दिखाई दीं। उन्हें अमेरिकन एकेडमी ऑफ योगा एंड मेडिटेशन द्वारा अध्यक्ष और सह-कार्यक्रम निदेशक के रूप में नामित किया गया है। उच्च प्रभाव जर्नल रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी एंड एंडोक्रिनोलॉजी द्वारा ऑक्सीडेटिव तनाव और डीएनए क्षति पर डॉ. दादा के शोध को दुनिया में तीसरा सबसे अच्छा माना गया। प्रोफेसर दादा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए शिक्षण प्रभारी थी और उन्होंने पीजी पाठ्यक्रम तैयार किया, पीजी सेमिनार, प्रैक्टिकल और परीक्षाओं का आयोजन किया।

प्रोफेसर अरुंधति शर्मा ने पीएचडी थीसिस के लिए समीक्षक के रूप में काम किया और कई पत्रिकाओं के संभावित प्रकाशन के लिए कई पांडुलिपियों की समीक्षा की। वह भारत सरकार की स्किल इंडिया पहल की सदस्यों में से एक हैं। वह विभागीय वार्षिक रिपोर्ट और वेबसाइट की जानकारी के लिए नोडल व्यक्ति हैं।

प्रोफेसर रेणु ढींगरा वर्तमान में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लास्टिनेशन की सदस्य, डीएएसएमओएस के कार्यकारी सदस्य, वर्चुअल टीचिंग के लिए अकादमिक सलाहकार पैनल की सदस्य और एम्स, नई दिल्ली में टीचिंग शेड्यूल कमेटी की सदस्य हैं। उन्होंने 21 जनवरी 2021 तक डिपार्टमेंटल स्टोर्स के संकाय प्रभारी के रूप में कार्य किया। डॉ. ढींगरा को फरवरी 2021 में केजीएमसी द्वारा आयोजित आईवाकॉन में अतिथि व्याख्यान के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कई पत्रिकाओं में प्रस्तुत शोध लेखों की भी समीक्षा की। उन्होंने इंट्रा और एक्स्ट्राम्यूरल प्रोजेक्ट्स के लिए कैडवर तैयारी के लिए सॉफ्ट एम्बलमिंग और डाई इंजेक्शन की सुविधा प्रदान की। उन्होंने अप्रैल 2020 से नवंबर 2020 तक एमबीबीएस 2019-20 बैच के लिए दूसरे सेमेस्टर अध्यापन प्रभारी के रूप में कोविड-19 महामारी की प्रतिक्रिया में ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, निर्देशन एवं समन्वय किया। उन्होंने जुलाई 2020 में आंतरिक परीक्षक के रूप में स्नातकोत्तर परीक्षा को सुगम बनाया। उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा एमबीबीएस की आरंभिक पेशेगत परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।

इस दौरान **प्रोफेसर टीसी नाग** ने एक पीएचडी थीसिस की जाँच की। उन्हें अनुसंधान सलाहकार समिति, कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। वे आईसीएमआर खरीद समिति के मुख्य सदस्य थे। उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं के लिए कई पांडुलिपियों की समीक्षा की है।

डॉ. एस के झाझरिया निम्नलिखित रोगी चिकित्सा / सहायक गतिविधियों में शामिल हैं: (क)- विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ (विशेष क्लीनिक और / अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)। (ख)- सामुदायिक सेवाएँ / शिविरों आदि। उन्हें आईएएसपी वित्तीय सहायता टास्क फोर्स द्वारा समर्थित आईएएसपी वर्ल्ड कांग्रेस ऑन पेन, 2021 के मुफ्त पंजीकरण से सम्मानित किया गया है। उन्होंने मार्च, 2021 में वीएमएमसी और सफदरगंज अस्पताल (जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय) में शरीर-रचना विज्ञान में नियमित आरंभिक पेशेगत एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में काम किया। वह इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी), इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज, एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्य बनी हुई हैं।

डॉ. जैकब समिति के सदस्य सचिव के रूप में एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 के लिए संचार प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने कोविड महामारी से संबंधित जैव कचरा प्रबंधन एवं विसंक्रमण के लिए दो वीडियो भी विकसित किए। वह एम्स में स्नातक पाठ्यक्रम के विकास के लिए केंद्रीय समिति का हिस्सा हैं। वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं के समीक्षक बने हुए हैं और नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया और जर्नल ऑफ़ केमिकल न्यूरोएनाटॉमी के संपादकीय बोर्ड में

शामिल हैं। वह एम्स में केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा की माइक्रोस्कोपी समिति के सदस्य सचिव भी हैं और लेजर स्कैनिंग कन्फोकल माइक्रोस्कोप के अधिग्रहण और स्थापना में सक्रिय रूप से शामिल थे। वह विभिन्न संस्थागत और विभागीय स्टोर खरीद और तकनीकी विशिष्टता समितियों का हिस्सा हैं। उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड और एम्स, नई दिल्ली द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में सक्रिय योगदान दिया है। वह दिल्ली, इंद्रप्रस्थ और रोहतक विश्वविद्यालयों में पहली व्यावसायिक परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक रहे हैं। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन और ऑफलाइन स्नातक शिक्षण कार्यक्रम के लिए खाका भी निर्धारित किया। वह दिल्ली में एम्स और अन्य चिकित्सा संस्थानों में संचार प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ भी बने हुए हैं।

डॉ. सीमा सिंह ने ई-लर्निंग संसाधन सामग्री की तैयारी के लिए योगदान दिया, एमबीबीएस और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए शरीर रचना विज्ञान शिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए एक नोडल अधिकारी हैं। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय में एक बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने लेखों को प्रकाशित किया तथा उनकी समीक्षा की।

डॉ. एससी यादव इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स के विशेष अंक "बायोमेडिकल रिसर्च में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी" के संपादक थे। उन्होंने नैनोस्केल, कोलाइड्स और सर्फेस बी, कोलाइड्स और सरफेस ए आदि से कई पांडुलिपियों की समीक्षा की और उन्हें मार्च, 2020 में आरसीबी फरीदाबाद, हरियाणा में आरसीबी दिवस पर वैज्ञानिक प्रस्तुतियों के लिए एक निर्णायक के रूप में नामित किया गया।

डॉ. प्रभाकर सिंह ने इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स के लिए एक पांडुलिपि की समीक्षा की।

डॉ. विधु धवन को वर्ष 2020-21 में बनाए गए इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (आईएफएस) के स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप (एसआईजी)-एप्लाइड जेनेटिक्स (सबग्रुप-मेल इनफर्टिलिटी एंड एपिजेनेटिक्स) के संस्थापक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। एसआईजी को अपने वार्षिक सम्मेलन, "फर्टिविजन 2020" में आईएफएस के सर्वश्रेष्ठ एसआईजी से सम्मानित किया गया। इन्होंने प्रजनन आनुवंशिकी पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईएफएस "रिप्रोजीनक्यू" के आधिकारिक समाचार पत्र के रूप में तीन समाचार पत्र जारी किए हैं और 3 वेबिनार के संचालन के लिए प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया है। उन्होंने आईएफएस के न्यूजलेटर्स में 2 लेखों का भी योगदान दिया है।

9.3. जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रत सिन्हा

आचार्य

एस. एस. चौहान
एम.आर. राजेश्वरी
पी.पी. चट्टोपाध्याय
कल्पना लूथरा
अल्पना शर्मा
कुंजंग चोसडॉल

अपर आचार्य

सुदीप सेन
अर्चना सिंह-I

सह-आचार्य

अर्चना सिंह-II
जयंत कुमार पी.
सुभ्रदीप कर्माकर
अशोक शर्मा
प्रज्ञान आचार्य

सहायक आचार्य

रियाज अहमद मीर
राखी यादव
प्रमोद कुमार गौतम
सिद्धार्थ कुंडु

विशिष्टताएं

- विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डी.बी.टी., डी.एस.टी., आई.सी.एम.आर., डी.एच.आर., डी.आर.डी.ओ., यू.जी.सी. (एम.ओ.ओ.सी.एस.), इंडो-ऑस्ट्रियन, वेलकम ट्रस्ट, आयुष मंत्रालय और आंतरिक एम्स द्वारा वित्तपोषित 29.39 करोड़ रूपए की राशी वाली 48 अनुसंधान परियोजनाएं विभाग में जारी हैं और इस वर्ष में 9 अनुसंधान परियोजनाएं (2.38 करोड़ रूपए) पूरी की गई।
- विभाग के विभिन्न संकाय के साथ 47 विभागीय परियोजनाएं तथा 57 सहयोगी परियोजनाएं जारी हैं।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 86 अनुसंधान प्रकाशन और 5 अनुक्रमित सार प्रकाशित किए गए।
- संकाय द्वारा 20 आमंत्रित वार्ताएं दी गई और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर संकाय/अनुसंधान छात्रों (मौखिक/पोस्टर) द्वारा 11 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।
- तीन संकाय सदस्यों ने एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार (मूलभूत विज्ञान) प्राप्त किया।
- संकाय एवं छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में यात्रा अनुदान सहित मौखिक प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न पुरस्कार और इनाम प्राप्त किए।
- डॉ कुंजंग चोसडॉल ने लेह, केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में कोविड-19 नैदानिक प्रयोगशाला (आरटी-पीसीआर एवं ट्रू नाट) की स्थापना की।
- विभाग में 13 एम.एस.सी., 15 एम.डी., 7 एस. आर. और 42 पंजीकृत पी.एच.डी. छात्र/छात्राएं काम कर रहे हैं।

- एम.बी.बी.एस. हेतु प्रैक्टिकल कक्षा तथा एम.डी. और एम.एस.सी. छात्रों के शिक्षण पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम कार्यों को अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को विभिन्न शामिल विषयों में और अधिक उन्नत कक्षाओं से जोड़ने के लिए आगे विस्तार किया गया।
- पी.एच.डी. छात्रों हेतु एक आधिकारिक पाठ्यक्रम कार्य एवं इसका आकलन विभिन्न मॉड्यूल के साथ विभाग में आरंभ किया जाता है।
- विभाग रोगियों को नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है और कुल 941 नमूनों में अलग-अलग जांच निष्पादित की गई। विभिन्न विभागों से प्राप्त 78 नमूनों में पॉर्फिरीया परीक्षण किया गया।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

विभाग ने स्नातक पूर्व शिक्षण पाठ्यक्रम में कुछ सुधार किए, जिसका उद्देश्य कौशल विकास बढ़ाना और ज्ञान दोनों को जैव रसायन में वर्तमान विकास के बराबर रखना है। सिद्धांत-व्यावहारिक जुड़ाव को बेहतर बनाने के लिए ग्लूकोज मॉनिटरिंग और गर्भावस्था परीक्षण के लिए पीओसीटी उपकरणों पर मधुमेह संबंधी व्याख्यान और प्रदर्शन व्यावहारिक से संबंधित केस चर्चाएं शुरू की गईं। छात्रों के लिए पारंपरिक और स्व-विश्लेषक आधारित पद्धति के बीच अंतर की पहचान करने के लिए कुछ नियमित जैव रासायनिक एनलाईट्स (यूरिक एसिड और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल) के लिए किट आधारित व्यावहारिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए। आणविक जैवविज्ञान में वर्तमान अनुप्रयोगों से संबंधित तकनीकों जैसे प्रतिबंध पाचन और प्रतिबंध साइट मानचित्रण भी पाठ्यक्रम में शामिल किए गए।

स्नातकोत्तर

इनमें 13 एम.एस.सी. और 15 एम.डी. छात्र शामिल हैं। विभाग में 42 पी.एच.डी. छात्र भी हैं। दो महिला वैज्ञानिक और तीन एन-पी.डी.एफ. पोस्ट डॉक्टरल छात्रों के रूप में काम कर रहे हैं।

आणविक जीव विज्ञान तथा कैंसर जीव विज्ञान मॉड्यूल में और अधिक उन्नत कक्षाएं जोड़ने के लिए स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का विस्तार किया गया। एमडी, एमएससी छात्रों और वरिष्ठ रेजिडेंटों के लिए विभिन्न पत्रिकाओं से जटिल केस रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए 'क्लिनिकल केस डिस्कशन' को संशोधित किया गया है।

विभाग में विभिन्न मॉड्यूल के साथ पीएचडी छात्रों के लिए एक औपचारिक पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया गया है। इसमें उन्नत प्रयोगशाला इंस्ड्रुमेंटेशन, कोशिका जीव विज्ञान और कल्चर तकनीक, मानव और पशु एथिक्स, जैव सांख्यिकी, अनुसंधान पद्धति आदि शामिल थे। पाठ्यक्रम कार्य पूरा होने के बाद छात्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग की गई।

विभाग बाल चिकित्सा आनुवंशिकी डीएम छात्रों को आणविक जीव विज्ञान में औपचारिक प्रशिक्षण भी दे रहा है।

प्रदत्त व्याख्यान

सुब्रत सिन्हा: 6	**श्याम एस चौहान: 1**	**कल्पना लुथरा: 3**
अल्पना शर्मा: 2.	**सुभ्रदीप कर्मकार: 2**	**अशोक शर्मा: 5**
प्रज्ञान आचार्य: 1	**रियाज़ अहमद मीर: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने हेतु बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग सुविधा का उपयोग करना। अशोक शर्मा, एम.ई.आई.टी.वाई., 2 साल, 2020-2022, 292 लाख रुपये
2. पशु मॉडल प्रणाली, का उपयोग करते हुए हेपेटोमा में एचएमजीबी1 की अभिव्यक्ति पर ट्रिपलेक्स फॉर्मिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स (टीएफओ) के कैंसररोधी प्रभाव का आकलन, एमआर राजेश्वरी, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 63.14 लाख रुपये
3. एसोफैगल कैंसर में डायपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य। श्याम एस चौहान, आईसीएमआर, भारत, 3 साल, 2019-2022, 35 लाख रुपये
4. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: रोग का निदान और चिकित्सा में समस्या। श्याम एस चौहान, आईसीएमआर, भारत, 1 साल, 2019-2020, 5 लाख रुपये
5. हाइपोक्सिया के संपर्क में आने पर भ्रूण के तंत्रिका स्टेम सेल की तंत्रिका प्लास्टिसिटी को समझना, सुदीप सेन, एम्स इंट्राम्यूरल परियोजना, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
6. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिका और रोडन्ट मॉडल का उपयोग करके सिम्फाइटम ऑफिसिनेल के ओस्टियोजेनिक प्रभाव को समझना, सुदीप सेन, सीसीआरएच (आयुष मंत्रालय), 2 साल, 2019-2021, 45 लाख रुपये
7. डेंड्रिटिक कोशिकाओं के कार्यात्मक निर्धारकों की भूमिका और एनके कोशिकाओं के साथ उनकी प्रतिरक्षा क्रॉस टॉक: पेम्फिगस वल्गरिस में संभावित चिकित्सीय लक्ष्य, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 42.31 लाख रुपये
8. गंभीर मायलोजेनस ल्यूकेमिया में कैंसर रोधी संभावना का वर्णन एवं यूनानी चिकित्सीय निर्माण इटरीफल-ए-अफ़तीमुन की कार्य प्रणाली, अल्पना शर्मा, सीसीआरयूएम, आयुष, 3 साल, 2019-2022, रु 68.66 लाख
9. हर्बल प्लांट एक्सट्रैक्ट और एचएसपी70- ट्यूमर एंटीजन का उपयोग करके कैंसर स्टेम कोशिका पर लिपोसोम / नैनोकणों का उपयोग करके लक्षित दवा वितरण का विकास और इसके एंटी-ट्यूमर प्रकार्य का मूल्यांकन करना, प्रमोद कुमार गौतम, एसईआरबी, डीएसटी, 3 साल, 2019-2022, रु 49 लाख
10. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए कैडेवर व्युत्पन्न सहायक कोशिकाओं में एटोह1 का संपादन। रियाज अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 70 लाख रुपये

11. इन विट्रो में विभिन्न तंत्रिका कोशिका प्रकारों पर हाइपोक्सिया का प्रभाव - अपरिपक्व शिशुओं में सेरेब्रल पाल्सी के खिलाफ चिकित्सीय पद्धतियों को डिजाइन करने हेतु मॉडल, सुदीप सेन, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 49 लाख रुपये
12. एचडीएल की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज-आधारित इफ्लक्स एस्से पर एक लिपोसोम-आधारित कोलेस्ट्रॉल इफ्लक्स एस्से का मूल्यांकन, अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 2 साल, 2021-2023, रु 28 लाख ।
13. आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन आईजीएफ2बीपी3 एवं लंबी गैर-कोडिंग आरएनए लिंक- आरएनए के बीच संबंध की खोज और एपिथेलियल कैंसर कोशिका पंक्तियों के स्थानांतरण और प्रभाव में उनके लक्ष्य, पी. चट्टोपाध्याय, एसईआरबी, 3 साल, 2018-2021, 42 लाख रुपये
14. मोटापा प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में बाह्यकोशिकीय मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग, राखी यादव, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 46 लाख रुपये
15. एक्यूटॉन-गंभीर यकृत विफलता की स्थिति में बहु-अंगों की शिथिलता के बाह्यकोशिकीय हृदवक्ष सिग्नेचर- एक प्रायोगिक अध्ययन
16. संक्रमित बच्चों से एचआईवी-1 के उपप्रकार-सी आधारित ट्राइमेरिक इम्युनोजेन का निर्माण और लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 साल, 2019-2022, रु 1.60 करोड़
17. मानव पित्ताशय थैली के कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए नॉवल रक्त आधारित बायोमार्कर की पहचान। श्याम एस चौहान, डीआरडीओ, भारत, 3 साल, 2018-2021, 46.16 लाख रुपये
18. एंडोथेलियल विकार में ट्रेग कोशिकाओं और एमडीएससी की भूमिका की पहचान, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 45.31 लाख रुपये
19. भारत में कोविड-19 रोगियों में ह्यूमरल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का इम्यूनो-एपिजेनेटिक्स अध्ययन। (एनआईआई के साथ बहु-संस्थागत परियोजना), अशोक शर्मा और निमेश गुप्ता, एसईआरबी-आईआरएचपीए, डीएसटी, भारत सरकार, 3 साल, 2020-2023, 80 लाख रुपये
20. नैदानिक रूप से प्रासंगिक गैर-हेम आयरन (II) - और 2-ऑक्सोग्लूटारेट-आश्रित डाइऑक्सीजिनेस के आणविक तंत्र में अंतर्दृष्टि और रोग जीव विज्ञान के लिए उनकी प्रासंगिकता का आकलन। सिद्धार्थ कुंडू, एम्स-आईएमआरजी, 2 साल, 2020-22, 5 लाख रुपये
21. कोविड-19 स्पाइक प्रोटीन सी टर्मिनस का परस्पर विश्लेषण: वायरस के प्रवेश के लिए संभावित उपचार योग्य लक्ष्य की पहचान, रियाज अहमद मीर, एम्स, 2 साल, 2020- 2022, 8 लाख रुपये
22. कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग के बीच अन्तःसंबंध और डिम्बग्रंथि के कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका संबंध, अशोक शर्मा, आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू; 3 साल, 2019-2022, 42.5 लाख रुपये।
23. एचआईवी-1 उपप्रकार सी संक्रमित व्यक्तियों से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का अलगाव और लक्षण का वर्णन, कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 साल, 2017-2020, 88 लाख रुपये

24. जेसी बोस फैलोशिप: हाइपोक्सिया प्रेरित प्रतिकूल फेनोटाइप और ग्लियल ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके नियोप्लासिया में चिकित्सीय प्रतिरोध से निपटने के लिए तर्कसंगत पद्धति। सुब्रत सिन्हा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 5 साल, 2017-2022, 98 लाख रुपये
25. ग्लियोमा के डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोट्यूमोरियोजेनिक सूजन के आणविक सिग्नेचर, कुंजंग चोसडॉल, एम्स (सहयोगी इंट्राम्यूरल अनुदान), 2 साल, 2018-2020, 20 लाख रुपये
26. एमओओसी-स्वयं विश्लेषणात्मक तकनीक, एमआर राजेश्वरी, एमएचआरडी, 2 साल, 2020-2021, 2 लाख रुपये
27. एमओओसी-स्वयं जैव आणविक, एमआर राजेश्वरी, एमएचआरडी, 2 साल, 2020-2021, 3 लाख रुपये
28. डिंबग्रंथि कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिक स्थानिक कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीई एक्सप्रेशन में पश्चजनन नियामक के रूप में नाभिकीय संरचना, अशोक शर्मा, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, रु 55 लाख
29. जीबीसी में नाभिकीय हार्मोन नेटवर्क, सुभ्रदीप कर्माकर, डीएचआर, 3 साल, 2021-2024, 55 लाख रुपये
30. प्रज्ञान आचार्य, एम्स, इंट्राम्यूरल शीघ्र करियर अनुदान, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये
31. पुरुष जननांग कैंसर के भारतीय रोगियों में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) की व्यापकता। अल्पना शर्मा, डीएचआर, 3 साल, 2018-2021, 25 लाख रुपये
32. कार्यक्रम का प्रोत्साहन: नए उपचार और निदान के विकास के लिए सी.आर.आई.एस.पी.आर. की मध्यस्थता वाली प्रौद्योगिकियां। परियोजना समन्वयक और प्रधान अन्वेषक: सुब्रत सिन्हा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-2022, रु 2.89 करोड़
33. कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में लिवर सिरोसिस के तीव्र विघटन के शमनकर्ता के रूप में स्टैटिन का पुनरुत्पादन: पूर्व विवो एस्से के साथ आणविक उपचार और परिणाम, प्रज्ञान आचार्य, एम्स इंट्रामुरल कोविड-19 अनुदान, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 10 लाख
34. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आरएनए मिथाइल ट्रांसफरेज मशीनरी की भूमिका, जयंत कुमार पलानीचामी, एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 20 लाख रुपये
35. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज प्रभावक प्रकार्य पर हाइपरग्लाइसेमिया की भूमिका, अर्चना सिंह, एसईआरबी डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 49 लाख रुपये
36. लिम्फोमेगनेसिस में आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका, जयंत कुमार पलानीचामी, डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस अर्ली करियर फेलोशिप फॉर क्लिनिशियन एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्चर्स, 5 साल, 2016-2021, रु 187 लाख
37. हड्डी और रक्त बनाने वाले स्टेम और मूल कोशिका स्थानांतरण और विकास के नियमन में मैक्रोफेज की भूमिका, प्रमोद कुमार गौतम, डीएसटी, 5 साल, 2017-2022, 35 लाख रुपये

38. जंगली प्रकार और उत्परिवर्ती पी53 के कार्यात्मक संयोजन में पीएक्यूओसोम/आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका, रियाज अहमद मीर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
39. हाइपोक्सिया के तहत एफएटी1 और पी53 के बीच सिग्नलिंग इंटरैक्शन: ग्लियोमा में ट्यूमर फेनोटाइप पर उनका प्रभाव और नोवल आणविक लक्ष्यों की पहचान, कुंजंग चोसडोल, डीबीटी, 3 साल, 2016-2020, रु 55.52 लाख
40. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के टीएचपी1 सेल लाइन और मोनोसाइट्स से विभेदित मैक्रोफेज में फेनोटाइपिक और कार्यात्मक परिवर्तन पर हाइपरग्लेसेमिया के प्रभाव का अध्ययन, अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, रु 30 लाख
41. मानव बीटा डिफेन्सन 2 और कैथेलिसिडिन के एक्स्प्रेशन और फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस में उनके जीन बहुरूपता के साथ सहसंबंध का अध्ययन, अर्चना सिंह: परामर्शदाता, एम्स स्नातक-पूर्व अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2019-20, रु 2 लाख
42. इन विट्रो में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ सहायक और कीमो-इम्यूनोथेरेपी के रूप में माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणि और ह्यूमन बीटा डिफेंसिन -2 का अध्ययन, अर्चना सिंह, आईएमआरजी, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
43. मोटापे से जुड़े एडीपोज ऊतक विकार में वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) और इसके आइसोफॉर्म का अध्ययन, राखी यादव, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
44. ग्लियोब्लास्टोमा (जीबीएम) प्रभावकता में एफएटी1 विनियमित एमआईआरएनए की भूमिका: जीबीएम रोगियों में नैदानिक मार्कर के रूप में संभावित एमआईआरएनए की पहचान, कुंजंग चोसडोल, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 42.33 लाख रुपये
45. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिका पर मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका पर जोर देने के लिए अध्ययन, प्रमोद कुमार गौतम, आईएमआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये
46. प्लेसेंटल अपर्याप्तता (समयपूर्व जन्म और प्रीक्लेम्पसिया) में परिवर्तित भ्रूण-मातृ क्रॉसस्टॉक और ट्रोफोब्लास्ट संबंधी अंतर कार्यक्रम का अध्ययन करने के लिए एक पूर्व-विवो मॉडल के रूप में 3डी ट्रोफोब्लास्ट ऑर्गेनोइड की क्षमता का पता लगाना, सुभद्रदीप कर्मकार, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, रु 60 लाख
47. ग्लियोमा में एफएटी1 जीन एक्स्प्रेशन पर एनएफकेबी की कार्यात्मक भूमिका का अध्ययन करना, कुंजंग चोसडॉल, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, 33.33 लाख रुपये
48. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा में ट्यूमर डायनेमिक्स और इम्यून प्रतिरक्षा कोशिका इंटरेक्शन, रियाज अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 30 लाख रुपये
49. बहुत अधिक रक्त की क्षति होने पर यूनानी हर्बल फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता का पता लगाना, अल्पना शर्मा, आयुष, 3 साल, 2017-2020, 62.12 लाख रुपये

पूर्ण

1. गंभीर अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा मार्गों का एक अध्ययन, कल्पना लूथरा, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
2. पशु मॉडल प्रणाली का उपयोग करते हुए हेपेटोमा में एचएमजीबी1 का पता चलने पर ट्रिपलेक्स फॉर्मिंग ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स (टीएफओ) के कैंसररोधी प्रभाव का आकलन, एमआर राजेश्वरी, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 64.14 लाख रुपये
3. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस में आईएनओएस अभिव्यक्ति और एनओ स्तर के साथ सहसंबंध में एल-आर्जिनिन स्तर का मूल्यांकन और स्वास्थ्य नियंत्रण की तुलना में उनके घरेलू संपर्क, अर्चना सिंह, टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीबीएआई) (लघु अनुदान), 6 माह, 2019-2020, रु. 25,000
4. गंभीर मलेरिया परिणामों के साथ प्लास्मोडियम प्यूरीन साल्वेज पाथवे एंजाइम और मेटाबोलाइट्स के संबंध की जांच, प्रज्ञान आचार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2020, 49 लाख रुपये
5. एक्यूट-ऑन-क्रोनिक यकृत ख़राब होने की स्थिति में मेटाबोलाइट मध्यस्थता वाले अंग क्रॉस-टॉक को मापना, प्रज्ञान आचार्य, एम्स नई दिल्ली, आतंरिक अनुदान, 2 साल, 2016-2020, 10 लाख रुपये
6. एक्यूट-ऑन-क्रोनिक यकृत ख़राब होने कि स्थिति में मेटाबोलाइट मध्यस्थता अन्तःकोशिकीय सिग्नलिंग, प्रज्ञान आचार्य, एम्स नई दिल्ली, आतंरिक अनुदान, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये
7. मनुष्यों में एरिथ्रोयड भिन्नता के दौरान एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ) द्वारा टीईटी2 प्रोटीन का नियमन और एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया (एएमएल) में इसकी भूमिका की जांच, शुभ्रदीप कर्मकार, एसईआरबी, 3 साल, 2017-2020, 45 लाख रुपये
8. वसा ऊतक एबीसीए1 और चयापचय स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन, अर्चना सिंह, एसईआरबी, 3 साल, 2017-2021, 40 लाख रुपये
9. स्टेम कोशिका, कैंसर स्टेम कोशिका रीमॉडेलिंग और इससे जुड़े सूक्ष्म वातावरण पर -डिफेंसिन की भूमिका का अध्ययन करना, प्रमोद कुमार गौतम, आई एम् आर जी, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, रु 10 लाख

विभागीय परियोजनाएं (शोध/लघु शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एचआईवी -1 संक्रमित बच्चों में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं पर एआरटी की प्रारंभिक शुरुआत के प्रभाव का एक लॉन्गीट्यूडनल अध्ययन
2. मनुष्य के गंभीर अग्नाशयशोथ के विकारी-शरीरक्रिया में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन
3. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य
4. ए.सी.एल.एफ. में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की विशेषता

5. प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए नोवल रक्त-आधारित बायोमार्कर की खोज के लिए विभिन्न चरण के कैंसर रोगियों के बीच तुलनात्मक विश्लेषण- एक प्रायोगिक अध्ययन
6. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: रोग का निदान और चिकित्सा में जटिलताएं
7. मोटापे से ग्रस्त जनसंख्या समूह से विसेरल और सबक्यूटेनियस एडिपोसाइट्स में एडिपोसाइट आकार, कोलेस्ट्रॉल इफ्लक्स और इंसुलिन प्रतिरोध के बीच संबंधों को समझना।
8. नैदानिक और अग्रसूचक महत्व के साथ संवेदनशील और तीव्र पार्श्व प्रवाह उपकरण का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर बायोमार्कर की पहचान
9. स्टेम कोशिका, कैंसर स्टेम कोशिका और उनसे जुड़े सूक्ष्मपर्यावरण पर जैवसंयुग्म कीमोथेरापेटिक अणुओं का प्रभाव
10. क्लेड सी आधारित इम्युनोजेन के विकास की दिशा में ट्रिमेरिक एन्वेलोप ग्लाइकोप्रोटीन संरचना जैसे एचआईवी-1 मूल की इंजीनियरिंग
11. एंडोथेलियल कोशिकाओं पर एडिपोनेक्टिन, स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट (एस1पी) और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के एंटी-एथेरोजेनिक प्रभावों के लिए एक एकीकृत मार्ग की खोज
12. ग्लियोमा की कीमो-संवेदनशीलता पर एफएटी1 और p53
13. एफएटी1 प्रोटीन: ग्लियोमा कोशिकाओं में इसका प्रसंस्करण और कोशिकीय कार्य कार्य
14. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व
15. ग्लियोमा में एफएटी1 और एमआई आरएनए के बीच कार्यात्मक संबंध
16. एचआईवी-1सी संक्रमित बालचिकित्सीय न्यूट्रलाइजर्स से वंश आधारित एन्वेलोप ट्राईमर का निर्माण और लक्षणों का वर्णन
17. इम्युनोजेन डिजाइन हेतु बालरोग एचआईवी-1 क्लैड सी एन्वेलोप ट्राईमर का निर्माण और लक्षण वर्णन
18. जन्मजात एचआईवी-1 संक्रमण वाले बच्चों से स्यूडोवायरस का निर्माण और लक्षण वर्णन
19. हाइपोक्सिया और कीमोथेरेपी से सुधार: ग्लियल ट्यूमर कोशिकीय रेखाओं का अध्ययन
20. टीजीएफ-बीटा और जीपीसीआर के छोटे अणु मोड्युलेटर्स के चिकित्सीय मिश्रण की पहचान
21. नोवल प्रोस्टेट, प्लेसेंटा, अंडाशय, वृषण की प्रतिरक्षा चिकित्सा क्षमता- डिम्बग्रंथि के कैंसर में पहचाने गए एंटीजन।
22. बी-कोशिका एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आरएनए मिथाइलेशन और आईजीएफ2बीपी अभिव्यक्ति की भूमिका की जांच
23. लीवर फाइब्रोसिस के पूर्व-नैदानिक प्रयोगशाला मॉडल की दिशाएँ।
24. पीएचडी शोध: सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस के विकारी-शरीरक्रिया में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लेसेमिया के विभिन्न स्तर का प्रभाव

25. पीएचडी शोध: फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस में मैक्रोफेज प्रभावकारक प्रकार्य पर हाइपरग्लेसेमिया की भूमिका
26. कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईई के पश्चजनन नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका
27. मनुष्यों में ट्रोफोब्लास्ट प्रभाव पर सीओ सिग्नलिंग की भूमिका
28. आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के कार्य पर कब्ज़ा करने में ई7 की भूमिका
29. विटिलिगो में गामा डेल्टा टी कोशिका और स्कावेंजर्स प्राप्तकर्ता की भूमिका
30. मुख के कैंसर में मानव विषम नाभिकीय रायबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका
31. ईटीवी6-आरयूएनएक्स1 पॉजिटिव बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका
32. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम सेल स्थानांतरण और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका
33. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा में स्मृति टी कोशिकाओं की भूमिका
34. मौखिक डिसप्लेसिया के घातक परिवर्तन में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका
35. सेल चक्र को नियंत्रित करने वाले आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के पीआईएच1डी1 कॉम्प्लेक्स की भूमिका
36. ट्रोफोब्लास्ट ली प्रभावकारिता में पीपीएआर अल्फा की भूमिका
37. ग्लियाल ट्यूमरजेनिसिस में प्रोथिमोसिन- α की भूमिका
38. डीएलबीसीएल में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के आरयूबीवीएल1 घटक की भूमिका
39. मूत्राशय कैंसर में ऑटोफैगी और संबंधित अणुओं में टीएएम की भूमिका
40. मूत्राशय के यूरोटेलियल कार्सिनोमा में बी सेल सबसेट और उनके प्रतिरक्षा नियामक कार्यों का अध्ययन
41. मोटापे में वसा ऊतक की शिथिलता में ईसीएम रीमॉडेलिंग का अध्ययन
42. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में जन्मजात लिम्फोइड कोशिकाओं का अध्ययन
43. विटिलिगो के रोगजनन में एनके कोशिकाओं का अध्ययन
44. बालचिकित्सा एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में माइटोकॉन्ड्रियल चयापचय रिप्रोग्रामिंग पर अध्ययन।
45. ल्यूकेमोजेनेसिस में आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन, आईजीएफ2बीपी1/3 और आरएनए मिथाइलट्रांसफेरेज़, एमईटीटीएल14 का तालमेल
46. ल्यूकेमोजेनेसिस में आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन, आईजीएफ2बीपी1/3 और आरएनए मिथाइलट्रांसफेरेज़, एमईटीटीएल3 का तालमेल
47. गामा डेल्टा कोशिकाओं पर ट्यूमर व्युत्पन्न एक्सोसोम के प्रतिरक्षामॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना

पूर्ण

1. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए एक नए बायोमार्कर के रूप में कैंसर-वृषण प्रतिजन पीओटीईई के सीरम स्तर और अंतर-ट्यूमर एक्स्प्रेशन का विश्लेषण करने के लिए एक प्रयोजनात्मक अध्ययन। एक्स्ट्राम्यूरल अनुदान: डीएचआर-आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरेपेटिक लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का मूल्यांकन। डीबीटी-रामलिंग-स्वामी पुरस्कार; 32.5 लाख; (पांच साल)
2. एक्यूट- ऑन क्रोनिक यकृत विफलता के रोगियों के सीरम में सेल-मुक्त न्यूक्लिक एसिड का विश्लेषण
3. पी. विवाक्स संक्रमित में तुलनात्मक टीएनएफ अल्फा प्रोफाइलिंग
4. उच्च और निम्न माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए प्रतिलिपि संख्या समूहों में बाल चिकित्सा एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में विभेदक जीन एक्स्प्रेशन।
5. एपिथेलियल डिंबग्रंथि कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर-वृषण प्रतिजन पीओटीई के सीरम स्तर का अनुमान। एम्स-आईएमआरजी पुरस्कार; 10 लाख।
6. उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) और एल्ब्यूमिन बाउंड स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट द्वारा सक्रियण के बाद स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट रिसेप्टर 1 के इंट्रासेल्युलर सिग्नलिंग मार्ग की खोज।
7. भविष्य के इम्युनोजेन डिजाइन के लिए न्यूट्रलाइजिंग निर्धारकों की पहचान की दिशा में एचआईवी-1 सी काइमेरिक एनवेलोप का निर्माण और लक्षण वर्णन
8. डब्ल्यूएचओ 2016 ग्लियोमा के वर्गीकरण के संदर्भ में ग्लियोमा के आणविक सिग्नेचर
9. सीलियक रोग में छोटी आंतों की बायोप्सी के प्रोटिओमिक्स
10. ग्लिओमस में एफएटी1 जीन एक्स्प्रेशन का नियमन
11. मौखिक कैंसर में एचएनआरएनपीडी द्वारा पीएआरपी-1 एक्स्प्रेशन का नियमन।
12. पेम्फिगस वल्गरिस में गामा डेल्टा टी कोशिकाओं की भूमिका
13. एससीएफवी फेज लाइब्रेरी की स्क्रीनिंग और सार्स-सीओवी-2 स्पाइक प्रोटीन बाइंडिंग क्लोन का चयन
14. गंभीर और हल्के मलेरिया के मरीज
15. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1a के बीच सिग्नलिंग इंटरैक्शन
16. हाइपोक्सिया की विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम कोशिकीय रेखाओं में जीन एक्स्प्रेशन और गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एचआईएफ1 विनियमन में पी53 की भूमिका का अध्ययन करना
17. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के प्रतिरक्षी रोगजनन में मैक्रोफेज ध्रुवीकरण और उनके प्रभावकारक कार्यों पर बी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मूत्राशय कैंसर में बी7एच4-रोधी चिकित्सा का एक नया चिकित्सीय दृष्टिकोण, मूत्ररोग विज्ञान
2. सुनीटिनिब थेरेपी पर कैंसर के रोगियों में हाथ-पैर की त्वचा की प्रतिक्रिया को रोकने के लिए पूर्व-उपचार के रूप में सामयिक यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित प्रयोगात्मक अध्ययन, औषध विज्ञान
3. स्तन कैंसर में ऊतक स्थान-विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइल के मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अध्ययन, शल्य चिकित्सा
4. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं का उपयोग करके हाइड्रोजन सल्फाइड मध्यस्थता ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन पर एक अध्ययन और प्रीक्लेम्पसिया में उनका जुड़ाव, शरीर-रचना-विज्ञान
5. रक्ताल्पता पर नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया (एनसीईएआर-ए) के हिस्से के रूप में रक्ताल्पता अनुसंधान कंसोर्टियम, सामुदायिक चिकित्सा
6. अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगी के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने हेतु बड़े आंकड़ों और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, जैव रसायन
7. दंत संशोधन आंदोलन के दौरान एकल बनाम परवर्ती माइक्रोऑस्टियोपरफोरेशन सिमुलेटेड 1एल-1बीटा स्तरों का आकलन- एक प्रयोगिक अध्ययन, दंत शल्य चिकित्सा
8. सीलियक रोग में बायोमार्कर की खोज, जठरान्त्र रोगविज्ञान
9. अग्नाशय संबंधी रोगों में उपचार, जठरान्त्र रोगविज्ञान एवं मानव पोषण
10. प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए नोवल रक्त-आधारित बायोमार्कर की खोज के लिए विभिन्न चरण के कैंसर रोगियों के बीच तुलनात्मक विश्लेषण- एक प्रायोगिक अध्ययन, जैव रसायन
11. रूट कैनाल विसंक्रमण के लिए उपयोग की जाने वाली इंट्राकैनल दवाओं की साइटोटोक्सिसिटी और एपिकल पैपिला से स्टेम कोशिका के प्रसार और विभेदन क्षमता पर उनका प्रभाव, सीडीईआर
12. उपचारात्मक और नैदानिक महत्व के साथ संवेदनशील और तीव्र पार्श्व प्रवाह उपकरण का उपयोग करके पौरुषग्रंथि कैंसर बायोमार्कर का पता लगाना, जैव रसायन
13. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी के साथ ट्यूमर एंटीजन टीआरपी -2 को एकीकृत करके एक नॉवल कैंसर प्रतिरक्षाचिकित्सीय घटक का विकास और माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी ट्यूमररोधी प्रभावकारिता और प्रतिरक्षातंत्र का विश्लेषण। आईएमआरजी पुरस्कार;10 लाख; 2019-2021 (2 वर्ष), आईआरसीएच
14. सिर और गर्दन के कैंसर पर ध्यान सहित कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरॉइड का विकास, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेस, जेएनयू, नई दिल्ली

15. स्टेम कोशिका, कैंसर स्टेम कोशिका और उनसे जुड़े सूक्ष्मपर्यावरण पर बायोकॉन्जुगेटेड कीमोथेरेपेटिक अणुओं का प्रभाव, जैव रसायन
16. दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले व्यक्तियों में मिर्गी की आवृत्ति पर विटामिन डी पूरक का प्रभाव और बायोमार्कर के साथ इसका संबंध, भेषजगुणविज्ञान
17. टीबी रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार के लिए मानक डॉट्स (डीओटीएस) उपचार के सहायक के रूप में ऊर्जा सघन पोषण पूरक की प्रभावकारिता, फुप्फुसीय चिकित्सा और सीसीएम
18. पोस्ट-ट्रॉमैटिक सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में प्रो-इंफ्लेमेटरी और एंटी-इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन जीन का एपिजेनेटिक नियमन- सेप्सिस -3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित। प्रमुख ट्रामा रोगियों में एक खोजपूर्ण अध्ययन, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
19. जीसीएफ में आरएएनकेएल और निम्न स्तर की लेजर थेरेपी के साथ दंत निकासी के दौरान दांतों की गति की दर का मूल्यांकन- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत शल्य चिकित्सा
20. अग्न्याशय के कार्सिनोमा वाले रोगियों में रेग-4 और एमयूसी-4 की अभिव्यक्ति, जठरान्त्र रोगविज्ञान
21. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में बाहयकोशिकीय मैट्रिक्स रीमॉडेलिंग, जैव रसायन
22. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के रोगियों में जीन एक्सप्रेशन, सिग्नलिंग पाथवे की सक्रियता और नैदानिक परिणाम के साथ इसका सहसंबंध। जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा
23. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में चिकित्सीय बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता प्रतिजन) विशिष्ट एंटीबॉडी का निर्माण और विशेषता वर्णन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
24. बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटने के लिए पूर्वानुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार और वजन घटने को बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, शल्य चिकित्सा
25. प्रतिरक्षाचिकित्सा के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में प्रोस्टेट कैंसर के नॉवल आणविक उपप्रकारों की पहचान", विकृति विज्ञान
26. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) में संभावित आणविक मार्करों (पीआरएल3 फॉस्फेट, सीएवी2, एलएएमए4 और जीआरपी78) की पहचान: ट्यूमर लक्षण का पुर्वानुमान, मूत्ररोगविज्ञान
27. सक्रिय ट्यूबरकुलोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लाइसेमिया के विभिन्न ग्रेड का प्रभाव, जैव रसायन
28. कोविड-19 स्पाइक प्रोटीन सी-टर्मिनस का परस्पर विश्लेषण; वायरस के प्रवेश के लिए संभावित दवा योग्य लक्ष्य की पहचान, जैव रसायन
29. अग्नाशय कैंसर से उच्च जोखिम में होने की संभावना वाले गंभीर अग्नाशयशोथ के रोगियों में बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, जठरान्त्र रोगविज्ञान
30. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और नैदानिक-विकृतिजनन लक्षण के साथ इसका सह-संबंध, विकृति विज्ञान

31. घातक लैक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर की आणविक विशेषता, डॉ रा. प्र. केंद्र

32. यूवील मेलेनोमा में एनएफकेबी मार्ग का आणविक लक्षण वर्णन, डॉ रा. प्र. केंद्र

33. दिल्ली की शहरी बस्ती में पोषक तत्वों के सेवन, मानवशास्त्रीय और चयनित सीरम बायोमार्कर द्वारा मूल्यांकन के रूप में गर्भवती महिलाओं की पोषण स्थिति-एक समुदाय आधारित संभावित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा

34. मध्यम से गंभीर प्लेक सोरायसिस में उपचर्म ईटनेरसेप्ट बनाम ओरल मेथोट्रेक्सेट की प्रभावकारिता की तुलना करने और टीएच1, टीएच2, टीएच17 और टीआरईजी कोशिका पैटर्न के साथ प्रतिक्रिया का सहसंबंध पता करने के लिए एक संभावित गैर-यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान

35. शल्य चिकित्सीय नवजात और शिशुओं में सीरम प्रोकैल्सीटोनिन के स्तर की प्रवृत्ति का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन और शल्य चिकित्सा पश्चात की अवधि के दौरान घटनाओं के साथ इसके सहसंबंध, जैव रसायन

36. ट्रॉमा आईसीयू में भर्ती वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया वाले पॉलीट्रॉमा रोगियों में साइटोकाइंस आईएल 17 और आईएल 22 की भूमिका, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

37. महिला जननांग ट्यूबरकुलोसिस में एपिजेनेटिक्स की भूमिका, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

38. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस में मैक्रोफेज प्रभावकारक कार्य पर हाइपरग्लेसेमिया की भूमिका, जैव रसायन

39. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम सेल स्थानांतरण और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका, जैव रसायन

40. अग्नाशय के कैंसर में सिग्नल पारगमन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, जठरान्त्र रोगविज्ञान

41. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) की वृद्धि और पूर्वानुमान में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, आईआरसीएच

42. फुप्फुसीय और अतिरिक्त-फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया के निदान और निगरानी में सीरम सीए-125 स्तर की भूमिका, काय-चिकित्सा

43. एक एससीएफवी पुस्तकालय की स्क्रीनिंग और सार्स-कोव-2 स्पाइक प्रोटीन बाइंडिंग क्लोन का चयन, जैव प्रौद्योगिकी

44. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और एडिपोनेक्टिन का स्तर, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

45. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस रोगियों से टीएचपी1 कोशिकीय रेखा से विभेदित मैक्रोफेज में फेनोटाइपिक और कार्यात्मक परिवर्तन पर हाइपरग्लेसेमिया और मोनोसाइट्स के प्रभाव का अध्ययन, जैव रसायन

46. सिर की चोट वाले रोगियों में आघात ठीक होने की प्रक्रिया पर ओस्टोजेनिक ह्यूमरल कारकों का अध्ययन: रहस्य का पता लगाना, अस्थि रोग

47. मोटापे से जुड़े वसा ऊतक विकार में संवहनी एंडोथेलियल वृद्धि कारक (वीईजीएफ) और इसके आइसोफॉर्म का अध्ययन, जैव रसायन

48. अपने नैदानिक और आणविक विशेषताओं के साथ मुख संबंधी विकार में गैर-इनवेसिव विधि का उपयोग करके वर्तमान और प्रतिरोधक मुख संबंधी एचपीवी इंजेक्शन की पहचान, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

49. मेटास्टेटिक क्लियर सेल आरसीसी वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की रोगसूचक भूमिका, मूत्ररोग विज्ञान

50. वर्तमान और पुराने सुपारी उपयोगकर्ताओं में सुपारी एल्कलॉइड और कैटेचिन की सांद्रता और प्रो-ऑन्कोजेनिक साइटोकिन्स और मुख संबंधी संभावित घातक विकारों के साथ उनका संबंध निर्धारित करना, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

51. प्रोस्टेट कैंसर में पीआई3के/एकेटी/एमटीओआर और एआर सिग्नलिंग पाथवे के एक नए नियामक के रूप में आर2टी पी कॉम्प्लेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना, विकृति विज्ञान

52. कार्सिनोमा पित्ताशय के निदान और पूर्वानुमान में ट्यूमर मार्कर सीए-242, सीईए और सीए 19-9 की भूमिका का मूल्यांकन करना, जीआई सर्जरी

53. मायलोमा रोगियों में रक्त सांद्रता और नैदानिक प्रतिक्रिया में बोर्टेज़ोमिब पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन करना, भेषजगुण विज्ञान

54. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में रक्त सांद्रता और नैदानिक प्रतिक्रिया में बोर्टेज़ोमिब पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन करना, भेषजगुण विज्ञान

55. रीनल एलोग्राफ़्ट रोगियों के बीच एफओएक्सपी3, ओएक्स40, पीडी1 और टीआईएम-3 के पैटर्न का अध्ययन करने के लिए और गुर्दे की चोट के जोखिम के साथ इसका संबंध", शल्य चिकित्सा

56. गर्भावस्था के दौरान मातृ सीआरएच स्तर में क्रमिक परिवर्तनों और परिणाम के साथ सहसंबद्ध का अध्ययन करना, प्रसव के अंतःस्रावी मध्यस्थ के रूप में इसकी भूमिका, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

57. सेप्सिस में एक्यूट किडनी आघात के पूर्वानुमान के लिए बायोमार्कर के रूप में मूत्राशय नॉवल माइक्रोआरएनए, संवेदनाहरण विज्ञान

पूर्ण

1. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ-साथ पीएमजेड-1620 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित, बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर, चरण III नैदानिक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान

2. ऑर्थोडोंटिक दंत आंदोलन के दौरान एकल बनाम परवर्ती माइक्रोऑस्टियोपरफ़ोरेशन सिमुलटेड 1एल-1बीटा स्तरों का आकलन- एक प्रयोगिक अध्ययन, दंत शल्य चिकित्सा

3. चूहों में केवल बेनिडिपिन और मोनोक्रोटलाइन प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप में बोसेंटन और सिल्डेनाफिल के संयोजन का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान ईएचपीवीओ, बालरोग शल्य चिकित्सा

4. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने रोगियों में नॉवल प्रोटीन का अनुमान, जराचिकित्सा

5. जीसीएफ में आरएएनकेएल और निम्न स्तर की लेजर थेरेपी सहित दंत निकासी के दौरान दांतों की गति की दर का मूल्यांकन- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत शल्य चिकित्सा

6. सीरम ओटोलिन -1 का बायोमार्कर के रूप में और सौम्य पैरॉक्सिस्मल पोजिशनल वर्टिगो रोगियों में सीरम विटामिन-डी स्तरों के महत्व का मूल्यांकन, ईएनटी

7. विटिलिगो के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में प्राकृतिक घातक कोशिकाओं के फेनोटाइप और कार्यात्मक भूमिका की खोज, जैव रसायन

8. संधिशोथ में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव", शरीर-रचना

9. आईएमआरजी: आवर्तक श्वसन पैपिलोमाटोसिस -के प्रबंधन में वास्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर की भूमिका, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)

10. डायरेक्ट लोडिंग के दौरान ऑर्थोडोंटिक मिनी-इम्प्लांट्स के आसपास इंटरल्यूकिन-1βएटा स्तर-एक एकल-केंद्र, स्प्लिट माउथ, पैरेलल ग्रुप प्रॉस्पेक्टिव यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ऑर्थोडॉन्टिक्स, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

11. एमसीएच थीसिस: सीरम हेपेटोट्रोफिक कारकों की प्रोफाइल, सीरम अमोनिया के स्तर और रोगियों में जीवन की गुणवत्ता

12. वृद्ध भारतीयों में एक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि, जराचिकित्सा

13. एपिथेलियल ओवेरियन ट्यूमर के प्रीऑपरेटिव डायग्नोसिस में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की भूमिका: एक प्रयोगिक अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

14. डिम्बग्रंथि के कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन के साथ सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पीएआरपी1 और γ-ग्लूटामाइलसिस्टीन सिंथेटेज़ इनहिबिटर की भूमिका, आईआरसीएच

15. ल्यूकोट्रिएन ए4 हाइड्रोलेस जीन पॉलीमॉर्फिज्म की भूमिका और कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स ट्रीटेड ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस रोगी में नैदानिक परिणाम का सहसंबंध, तंत्रिका विज्ञान

16. दो या दो से अधिक बार असफल इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन वाली महिलाओं में उन्नत प्राकृतिक घातक कोशिका स्तर के साथ इंट्रालिपिड सप्लीमेंटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करना- एक प्रयोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान

17. एंटीफंगल थेरेपी के साथ ओरल ल्यूकोप्लाकिया में कैंडिडा और प्रोइनफ्लेमेटरी साइटोकाइंस और केमोकाइन्स के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

18. फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में मैक्रोफेज ध्रुवीकरण और उनके प्रभावकारी कार्यों पर बी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, जैव रसायन

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 65 **सार : 05**

रोगी उपचार (अप्रैल 2020 से मार्च 2021)

1. नैदानिक रसायन (ट्यूमर मार्कर्स) 2020-21

क्रम संख्या	परीक्षण का नाम	परीक्षणों की संख्या
1	सी.ई.ए.	226
2	सी.ए. 19.9	206
3	कुल पी.एस.ए.	332
4	सी.ए. 125	70
5	β-एच.सी.जी.	56
6	ए.एफ.पी.	51
	कुल परीक्षण	**941**

2. पोरफिरिया परीक्षण (2020-21)

क्रम संख्या	परीक्षण	परीक्षणों की संख्या
1	प्लाज्मा पोर्फ्यरिन स्क्रीनिंग	28
2	मूत्र पोर्फोबिलिनोजेन (वॉटसन श्वार्ट्ज परीक्षण)	25
3	मूत्र कुल पोर्फ्यरिन/क्रियेटिनीन अनुपात (स्पेक्ट्रो-फोटोमेट्री)	25
	कुल परीक्षण	**78**

गुणवत्ता नियंत्रण :
आंतरिक दिनचर्या गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले 01 वर्ष के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ई.क्यू.यू.ए.एस.) में सफल मासिक भागीदारी। विभाग ने पोरफिरिया परीक्षण प्रारम्भ कर दिया है एवं संस्थान के विभिन्न विभागों से नमूने प्राप्त कर रहा है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर सुब्रत सिन्हा भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के 2019 से उपाध्यक्ष के रूप में और साथ ही इसके दिल्ली क्षेत्र के संयोजक के रूप में कार्य कर रहे थे; सभी राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई), भारतीय विज्ञान अकादमी (आईएएस), राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) के फेलो के रूप में निरंतर कार्यरत हैं; वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के लिए फेलो की जांच करने वाली समिति में हैं। मैं राष्ट्रीय तंत्रिकाविज्ञान अकादमी का फेलो भी हूं। मैं कोविड-19 से संबंधित जानकारी, सहयोगिता और मार्गदर्शन में सार्वजनिक पहुंच बढ़ाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में एक समिति का नेतृत्व करता हूं; डीबीटी द्वारा गठित राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी नीति के लिए नीति निर्माण समूह का सदस्य; जीव विज्ञान पुरस्कार अनुभाग के अध्यक्ष और

स्वर्णजयंती फैलोशिप, डीएसटी की कोर समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत; अध्यक्ष: डीबीटी की ब्राइट(बीआरआईटीई) पुरस्कार चयन समिति- राष्ट्रीय जीव विज्ञान पुरस्कार, एम के भान पुरस्कार, महिला वैज्ञानिक पुरस्कार इत्यादि जैसे प्रतिष्ठित फैलोशिप हेतु चयन करने के लिए; संस्थान निकाय, संस्थागत निकाय: शासी निकाय के सदस्य, स्थायी चयन समिति और शैक्षणिक समिति जिपमेर (जेआईपीएमईआर) पांडिचेरी (2019); सोसाइटी, जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर; शासी निकाय, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कल्टीवेशन ऑफ साइंस (2019); संस्थान निकाय, शासी निकाय, स्थायी चयन समिति और शैक्षणिक समिति जिपमेर (जेआईपीएमआईआर) पांडिचेरी (2019); वैज्ञानिक सलाहकार समितियां (एसएसी): पैथोलॉजी संस्थान, आईसीएमआर (2008-वर्तमान अध्यक्ष) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); कोशिकीय एवं आणविक जैव विज्ञान केंद्र, हैदराबाद (2017-2020) की अनुसंधान परिषद (आरसी) के सदस्य; आरसी, भारतीय रासायनिक जैवविज्ञान संस्थान, कोलकाता (2014-2016; 2017-20); एसएसी- राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (2008-2020); एसएसी-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स (2018); एसएसी-टीएचएसटीआई 2018); एसएसी- जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर (2017); वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों की समितियां- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की परियोजनाओं की समीक्षा के लिए कई समितियों की अध्यक्षता/सदस्य: अध्यक्ष, संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (2014-2020); अध्यक्ष, योग और ध्यान का विज्ञान और प्रौद्योगिकी (2015-2020); सदस्य, पीआरसी चिकित्सा विज्ञान (एसईआरबी) (2018-2020) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर); अध्यक्ष, जैव रसायन, प्रतिरक्षा विज्ञान और एलर्जी के लिए पीआरसी (2012-जारी); सदस्य, ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंसेज के लिए पीआरसी, 2014-निरंतर; सदस्य, कोशिका और आणविक जीव विज्ञान के लिए पीआरसी (2013-निरंतर); सदस्य, स्टेम कोशिका अनुसंधान और चिकित्सा की राष्ट्रीय समिति (2017-जारी); सदस्य, पीआरसी नैनोटेक्नोलॉजी (2017-जारी); सदस्य एनएसी एससीआरटी नेशनल एपेक्स समिति, स्टेम कोशिका अनुसंधान एवं चिकित्सा (2018); अध्यक्ष- जीटीएसी जीन थेरेपी सलाहकार समिति (2018)- मैं राष्ट्रीय जीन थेरेपी दिशानिर्देश तैयार करने के वाले एक समिति का प्रमुख हूं जो मेरी अध्यक्षता में जारी किए गए थे; महामारी की प्रारंभिक अवधि के दौरान कोविड-19 के लिए आणविक परीक्षण में भारी वृद्धि की देखरेख करने वाली आईसीएमआर एम्स की परामर्श समिति के सदस्य रहे।

प्रोफेसर एस.एस. चौहान ने 23 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित 60वें एन.ए.एम.एस.सी.ओ.एन. में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के डॉ खानोलकर व्याख्यान दिया। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के लिए जैव रसायन के राष्ट्रीय समन्वयक हैं। प्रो. चौहान एम्स जैव-सुरक्षा समिति, पशु आचार समिति और पीएच.डी. शिकायत समिति के अध्यक्ष हैं। वह संस्थान की लघु पशु सुविधा के प्रभारी-आचार्य भी हैं। वह डीएसटी की एसईआरबी युवा वैज्ञानिक-जीवन विज्ञान विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं। उन्होंने एम्स, जोधपुर में आंतरिक अनुसंधान अनुदान के मूल्यांकन और एम्स जोधपुर, एम्स पटना, एम्स, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, दिल्ली में संकाय के चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में भी सेवा प्रदान की। उन्होंने डीबीटी-आरए, सीएसआईआर-आरए और आईसीएमआर पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में सेवा प्रदान की।

चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव को ध्यान में रखते हुए उन्हें भारतीय चिकित्सा परिषद के अतिरिक्त बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा स्नातक-पूर्व विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में भी नियुक्त किया गया था। वह पुस्तकालय समिति, जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण सलहकर समिति, एम्स, जैव सुरक्षा समिति, वीपी वक्ष संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, मॉल रोड, दिल्ली की जैव सुरक्षा समिति के लिए डीबीटी-नामित सदस्य बने हुए हैं। वे सदस्य, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के अध्ययन बोर्ड और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, और किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ की पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या समिति हैं। प्रो. चौहान 'जैव रसायन में अनुसंधान और रिपोर्ट' और 'इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री' के के संपादकीय बोर्ड में होने के साथ-साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। वह सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (इंडिया), एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च और इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के आजीवन सदस्य हैं।

प्रोफेसर एम.आर. राजेश्वरी "डीएनए सोसाइटी ऑफ इंडिया" की अध्यक्ष थी; मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल- रेयर डिजीज सोसाइटी ऑफ इंडिया के सलाहकार बोर्ड की सदस्य और रिसर्च बोर्ड की सदस्य हैं।

प्रोफेसर कल्पना लूथरा ने 2020 में मुलभूत अनुसंधान में एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार, 2019 (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त किया। नितेश मिश्रा (पीएचडी छात्र) को साउथेम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके में डॉ मैक्स क्रिस्पिन की प्रयोगशाला में शोध कार्य के लिए ईएमबीओ शॉर्ट-टर्म फेलोशिप पुरस्कार दिया गया, जिसका शीर्षक था, 'एचआईवी-1 इम्युनोजेन डिजाइन का मार्गदर्शन करने के लिए क्लैड सी नेटिव-जैसी एसओएसआईपी ट्राईमर पर ग्लाइकेन शील्ड की आणविक संरचना की खोज'। (4 फरवरी 2021 से 3 मई 2021); एसीबीआई, आईआईएस, एंटीवायरल रिसर्च सोसाइटी, आईएबीएस की आजीवन सदस्य हैं; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी की कार्यकारी समिति की सदस्य; 23 दिनांक दिसंबर 2020 से यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में संस्थागत एथिक्स समिति की अध्यक्ष; दिनांक 10 अगस्त 2019 से टीएचएसटीआई, फरीदाबाद में अकादमिक समिति के बाह्य सदस्य के रूप में 2 साल के लिए नामित; SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) के लिए अंतर-मंत्रालयी संचालन समिति की वैज्ञानिक सलाहकार समूह की सदस्य; कोविड-19, के लिए ट्रांसलेशनल इम्यूनोलॉजिकल दृष्टिकोण के तहत आईपी कंसोर्टियम के लिए सलाहकार और निगरानी समिति, आईसीएमआर की सदस्य, जुलाई 2020; बीआईआरएसी- कोविड एलओआई, जून 2020 का मूल्यांकन करने वाली समिति के सदस्य और डीबीटी कोविड-19 ए आर पी चिकित्सा विज्ञान/ टीके/ पुनर्प्रयोजन, अप्रैल 2020 के तहत प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए समीक्षा समिति की सदस्य; कोविड-19 कंसोर्टियम के लिए डीबीटी एसएजी समिति की सदस्य और वैक्सीन चिकित्सीय निदान के तहत प्रस्ताव का मूल्यांकन, 20-21 नवंबर 2020; टीएचएसटीआई में विभिन्न कोविड-19 से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए एक कोविड-19 परियोजना समीक्षा समिति (सीपीआरसी) की सदस्य, अप्रैल 2020; सर्पदंश के जहर पर प्रस्तावों के मूल्यांकन के

लिए डीबीटी-बीआईआरएसी सलाहकार समिति की सदस्य; राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन कार्यक्रम के तहत जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता (बीआईआरएसी) को प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति की सदस्य; एलर्जी प्रतिरक्षाविज्ञान और मानव आनुवंशिकी, आईसीएमआर के पीआरसी की सदस्य; कोशिका और आणविक जीवविज्ञान, जीनोमिक्स और स्टेम कोशिका अनुसंधान के तहत प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर की विशेषज्ञ समूह समीक्षा समिति की सदस्य; अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं-फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ डायबिटीज; थेरपेटिक एडवांसेस इन वैक्सीन, राष्ट्रिय पत्रिकाओं- एनएमजेआई, एमस्फेयर को प्रस्तुत पांडुलिपियों की समीक्षक; यूके-इंडिया कोविड-19 साझेदारी पहल, दिसंबर 2020 के लिए यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) के तहत जमा किए गए संयुक्त आवेदनों की समीक्षा करने के लिए डीबीटी पीयर समीक्षक; 9 दिसंबर 2020 को वीपीसीआई (दिल्ली विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों के पदोन्नति के मामलों पर विचार करने के लिए स्क्रीनिंग-सह-चयन समिति की सदस्य; यूसीएमएस के लिए डीसीएपी-2008 (डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेसन) के तहत पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग समिति की बाहरी विशेषज्ञ सदस्य, 28 नवंबर 2020 और 10 दिसंबर 2020; स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एचआरडी योजना हेतु टीईसी की सदस्य (डीएचआर) 8 दिसंबर 2020; वेलकम ट्रस्ट को प्रस्तुत एक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण फैलोशिप परियोजना की पीयर समीक्षक, सितंबर 2020 रहीं।

प्रोफेसर अल्पना शर्मा ने जैव रसायन और जैव चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली से फैलोशिप पुरस्कार प्राप्त किया; कश्मीर विश्वविद्यालय, कश्मीर, केजीएमयू, लखनऊ, एम्स भुवनेश्वर और सुपरस्पेशलिटी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल्स, नोएडा में संकाय पदों के लिए विशेषज्ञ चयन समिति की सदस्य; डॉ निधि गुप्ता, पीएचडी छात्र को पीएचडी थीसिस 2020 के सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए डॉ अरुण फोटेदार मेमोरियल एम्सोनियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया; अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च, यूएसए और इंटरनेशनल गाइनी कैंसर सोसाइटी, यूएसए की सक्रिय सदस्य; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जेएन मेड कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, और जिपमेर, पुडुचेरी में पीएचडी थीसिस और साक्षात्कार (वाइवा) संचालन के लिए बाहय परीक्षक; एम्स, ऋषिकेश में एमडी, वीएमएमसी, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में एमडी बायोकेम के लिए बाहय परीक्षक और एमएससी एम्स, नई दिल्ली के लिए परीक्षक; वित्तीय अनुदान के लिए प्रस्तुत डीबीटी, आयुष और यूपीसीएसटी के तदर्थ अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की; वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स और एम्स में स्नातक-पूर्व के लिए शिक्षण अनुसूची समिति की सदस्य हैं।

प्रोफेसर कुंजंग चोसडॉल को 15 अगस्त 2020 को लेह की आधिकारिक यात्रा के दौरान, लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री राधा कृष्ण माथुर द्वारा 'कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई' में अनुकरणीय योगदान की मान्यता में लेह, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कोविड-19 नैदानिक आरटी-पीसीआर प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए प्रतिष्ठित एलजी ट्रॉफी और एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

डॉ सुदीप सेन पीएचडी छात्र थे (देवांजन डे) ने आईएसएससीआर 2020 वार्षिक बैठक (वर्चुअल), 23-27 जून 2020 में अपने सार के लिए आईएसएससीआर झोंगमेई चेन योंग यात्रा पुरस्कार प्राप्त किया; पीएचडी छात्र (डॉ. जानवी मन्हास) को भारत-यू.एस. विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) द्वारा "एसटीईएमएम-विस्टेम में महिला प्रवासी छात्र इंटर्नशिप पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। जानवी 6 महीने (जनवरी से जून, 2020) के लिए 'स्टेम सेल बायोलॉजी एंड रीजनरेटिव मेडिसिन विभाग', केक स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएससी में प्रोफेसर लियोनार्डो मोरसुट के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूएससी), लॉस एंजिल्स, यूएसए में 'एली एंड एडीथ ब्रॉड सेंटर फॉर रीजनरेटिव मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च' का दौरा कर रही हैं। वह कठोर ट्यूमर में कैंसर स्टेम कोशिका को लक्षित करने के लिए सिंथेटिक जीव विज्ञान उपकरण विकसित करने पर कार्य कर रही है। फेलोशिप में 19,000 अमरीकी डालर का अनुदान बजट है।

डॉ अर्चना सिंह को वर्ष 2020 में 'फुफ्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस रोगियों और उनके पारिवारिक सदस्यों पर विटामिन डी और इसके संबंधित अणुओं के साथ फोक 1 वीडीआर पॉलीमॉर्फिज्म का संबंध' शोध पत्र के लिए एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार 2019 द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ जयंत कुमार को कीस्टोन सम्मेलन 'आरएनए एडिटिंग एंड मॉडिफिकेशन: फ्रॉम बायोलॉजी टू थेरेपी' में ग्लोबल हेल्थ ट्रैवल अवार्ड (सितंबर 2020) से सम्मानित किया गया।

डॉ. अशोक शर्मा को दिनांक 18-20 दिसंबर 2020 को 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समस्या समाधान के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग' (एसओसीपीआरओएस 2020) विषय पर लिवरपूल होप यूनिवर्सिटी, लिवरपूल, यूके द्वारा आयोजित और सह-आयोजक आईआईटी इंदौर के साथ सॉफ्ट कंप्यूटिंग रिसर्च सोसाइटी (एससीआरएस), नई दिल्ली, भारत द्वारा एक पैनल सत्र में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसका शीर्षक था, "जैवचिकित्सीय अनुप्रयोगों में सॉफ्ट कंप्यूटिंग का भविष्य- वादा, प्रचार और वास्तविकता!!"; चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स और जीनोमिक एजुकेशन फाउंडेशन (यूके) द्वारा 20-21 नवंबर 2020 को आयोजित "भारतीय कैंसर जेनेटिक्स और जीनोमिक्स सम्मेलन, 2020" में "अत्याधुनिक जीनोमिक प्रौद्योगिकी" सत्र के लिए एक अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; वे फ्रंटियर्स इन ऑन्कोलॉजी, कैंसर साइंस एंड सेल बायोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (आईजेआईआईटी); 'इम्यूनोएपिजेनेटिक्स': ट्यूमर निर्देशित चिकित्सा के लिए एक भविष्य प्रहरी, जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी, हिंदवी पर विशेष अंक के अतिथि संपादक; समीक्षक: पीएलओएस वन, पीएलओएस जेनेटिक्स, पीएलओएस बायोलॉजी, बीएमसी कैंसर, साइंटिफिक रिपोर्ट, फ्रंटियर्स इन न्यूरोलॉजी; कार्सिनोजेनेसिस- ऑक्सफोर्ड जर्नल, प्रयोगशाला जांच- प्रकृति, आदि; आईसीएमआर के नवाचार और प्रौद्योगिकी ट्रांसलेशन प्रभाग के सलाहकार हैं। उन्होंने वर्तमान में बाजार में एमएसएमई की निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों को स्थापित करने में मदद की, जो अंतरराष्ट्रीय निर्यात भी कर रहे हैं। गुणवत्ता और संवेदनशीलता के लिए तृतीय-पक्ष सत्यापन के बाद ऐसी कुछ ट्रांसलेशटेड प्रौद्योगिकियां हैं- 1. स्वदेशी ग्लूकोमीटर (पहला भारतीय-मान्य ग्लूकोज परीक्षण उपकरण (सुचेक) - मेरी शोध प्रयोगशाला में मान्य 2. एचबीए1सी परीक्षण उपकरण (कम लागत)- मेरी शोध प्रयोगशाला में

मान्य 3. बाइक-लैबाइक पर लैब (कम लागत वाली मोबाइल जैव चिकित्सीय प्रयोगशाला); समाचार और मीडिया में शोध कार्य: 1. 'फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी' में प्रकाशित कोविड-19 से भारत में सामान्य सर्दी के वायरस ने लोगों की जान बचाई, जो प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्र और समाचार चैनल "टाइम्स ऑफ इंडिया, टीवी9 और आरएसटीवी आदि; (http://timesofindia.indiatimes.com/articleshow/ 81640239.) द्वारा कवर किया गया है। 2. 'एपिजेनेटिक्स- डीएनए में लिखी गई नियति को बदलना' विषय पर पॉडकास्ट। संचालक-निष्ठा मोदी और कनय माथुर, कवर आर्ट -प्रियंका विनायक, इस पॉडकास्ट का समर्थन करें: https://anchor.fm/epigenetics-kn/support। 3. "कोरोना संक्रमण से कैंसर रोगियों की रक्षा कैसे करें" विषय पर हिंदी समाचार पत्र राष्ट्रीय सहारा में साक्षात्कार दिनांक 20 जुलाई 2020 को प्रकाशित हुआ है।

डॉ प्रमोद कुमार गौतम कोविड-19 के लिए जैवरसायन विभाग के नोडल अधिकारी और संक्रमण नियंत्रण अधिकारी थे; विभागीय खरीद, विनिर्देश तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे, उन्होने एसपीसी बैठकों में भाग लेना, और विभाग में सहायक भंडार-प्रभारी के रूप में काम किया; नव पंजीकृत पीएच.डी. छात्र हेतु पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य-प्रभारी; साइंस इंडिया फेस्ट में आयोजित "वाईएससी 2020- वर्तमान महामारी और भविष्य संकट" के लिए न्यायमंडल में आमंत्रित थे।

9.4. जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी

आचार्य एवं अध्यक्ष

नरेश भटनागर

आचार्य

हरपाल सिंह

सह-आचार्य

नीतू सिंह	अमित मेहंदीरत्ता	संदीप झा
दिनेश कल्याणसुंदरम		अनूप सिंह

सहायक आचार्य

दीपक जोशी	जयंत भट्टाचार्या	अर्नब चंदा
विश्वरूप मुखर्जी		सचिन कुमार बी

प्रतिष्ठित आचार्य

वीना कौल

मानद आचार्य

एस.के. गुहा

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग (जिसे आईआईटी दिल्ली में सीबीएमई, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में भी जाना जाता है) में अब बारह स्थायी संकाय सदस्य, एक प्रतिष्ठित आचार्य और एक मानद प्रोफेसर हैं।

विशिष्टताएं

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग की स्थापना 1971 में एम्स, नई दिल्ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। विभाग ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों को लागू किया है। विभाग की भारत में प्रमुख संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगी परियोजनाएं चल रही हैं। विभाग के पास ज्ञान के प्रसार और निदान के लिए तकनीकों, उपकरणों और विधियों के विकास, उपचार प्रतिक्रियाओं का फॉलो-अप, दवा वितरण और रोग उपचार में सहायता की अपनी कार्यनीति मौजूद है। विभाग के संकाय सदस्य प्राथमिकता वाले निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान के प्रति समर्पित हैं:

- जैव सामग्री
- बायोइंस्ट्रूमेंटेशन
- बायोमैकेनिक्स
- मेडिकल इमेजिंग

पिछले एक साल में, एम्स के जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग में स्थित "बायोमेक्ट्रोनिक्स लैब" में भारतीय आबादी में चेहरे की विशेषताओं और मोटापे के बीच परस्पर संबंध को समझने के लिए एक पायलट अध्ययन किया गया था। भिन्न-भिन्न रोग समूहों के स्वस्थ और अस्वस्थ प्रतिभागियों को लेकर संकाय सदस्यों द्वारा कई अन्य अध्ययन किए गए।

अनुसंधान के अलावा, विभाग शिक्षण गतिविधियों में लगा हुआ है जहां आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी से संबंधित पीजी, यूजी और प्री-पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।

शिक्षा

वर्तमान में विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा 40 पीएच.डी. छात्रों का पर्यवेक्षण किया जा रहा है। एक पीएच.डी. विद्यार्थी ने पिछले वर्ष स्नातक किया है।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बायोडिग्रेडेबिल बहुलकों का विकास
2. दंत प्रत्यारोपण के बेहतर ओसियो-इंटीग्रेशन के लिए सरफेस संशोधन
3. मल्टीपल कार्डिएक बायोमार्कर का उपयोग करके मायोकार्डियल रोधगलन का पता लगाने के लिए माइक्रोफ्लुइडिक एप्टैमर आधारित बायोसेंसर
4. ऑस्टियोआर्थराइटिस में इमेजिंग
5. बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए जैविक रूप से व्युत्पन्न नैनोकण
6. परफ्यूजन एमआरआई
7. कैंसर चिकित्सा के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स
8. एसडब्ल्यूआई-एमआरआई
9. घुटने की एमआरआई छवियों का छवि प्रसंस्करण
10. न्यूरोमैकेनिक्स

11. एंटीकैंसर एजेंटों की डिलीवरी के लिए बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों का विकास
12. न्यूरो-रिहैबिलिटेशन
13. ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोग के लिए कोशिका-कोशिका और कोशिका-सामग्री एवं अंतःक्रिया को समझना
14. परफ्यूजन इमेजिंग और छवि प्रसंस्करण
15. मल्टी पैरामीट्रिक प्रोस्टेट इमेजिंग
16. क्रोनिक घाव भरने की प्रक्रिया
17. एंटीकैंसर एजेंटों के वितरण के लिए बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों का विकास
18. बायोमेकेनिकल अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न सामग्रियों पर सतह पैटर्निंग का अध्ययन
19. कैंसर मेटास्टेसिस का अध्ययन करने के लिए ऊतक इंजीनियरिंग
20. आर्थोपेडिक उपकरणों का डिजाइन विकास और जैव यांत्रिक मूल्यांकन
21. स्नायु-कंकालीय विकार के लिए बायोमेडिकल मॉडल का अनुकरण और सत्यापन
22. कार्यात्मक विद्युत उत्तेजना का उपयोग करके स्ट्रोक में ऊपरी अंगों का पुनर्वास
23. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के लिए बायो-थेरेप्यूटिक्स का डिजाइन सिंथेसिस और वैलिडेशन
24. कैंसर इम्यूनोथेरेपी मॉडलिंग और अनपेक्षित स्लिप्स और फॉल्स का शमन
25. इंट्राक्रैनल मास लीजंस के बेहतर निदान और उपचार के लिए मल्टी पैरामीट्रिक एमआरआई
26. जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए रोगाणुरोधी पॉलिमर का विकास
27. ऊतक इंजीनियरिंग के लिए मचानों का विकास
28. जैव चिकित्सा और संरचनात्मक अनुप्रयोग के लिए सतह संशोधन की जांच
29. जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों में सहायक प्रौद्योगिकियां
30. जैव चिकित्सा अनुप्रयोग के लिए माइक्रोफ्लुइडिक चिप विकास
31. कैंसर चिकित्सा के लिए नैनो वितरण प्रणाली
32. गैर-संचारी रोगों के लिए नॉन-इनवेसिव बायोसेंसर
33. कैंसर मार्जिन निकासी के लिए नैनो-प्लेटफॉर्म का विकास
34. बहुक्रियाशील नैनोपार्टिकल कैंसर थेरानोस्टिक्स
35. कॉम्बैट ऑपरेशन के तहत अस्पताल-पूर्व देखभाल के लिए बायोपॉलिमर आधारित फॉर्मूलेशन का विकास
36. रोगी विशिष्ट प्रत्यारोपणों का डिजाइन और विकास
37. रीढ़ की हड्डी की चोट के रोगियों के लिए न्यूरो-रिहैबिलिटेशन
38. नैनोकण-मध्यस्थता आरएनएआई
39. कार्बन डॉट्स द्वारा रोगजनकों की इलेक्ट्रिकल डिटेक्शन
40. कैंसर इमेजिंग

41. जलने की चोट के शमन के लिए उच्च विस्तार वाले ऑक्सेटिक स्किन ग्राफ्ट का विकास
42. कैंसर चिकित्सा के लिए बायोडिग्रेडेबल पॉलिमरिक नैनोपार्टिकल्स
43. ब्रेन ट्यूमर और इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों का एमआरआई डेटा विश्लेषण
44. ऊपरी छोर के बायोनिक उपकरणों के लिए सोनोमायोग्राफी आधारित नियंत्रण
45. ऊपरी अंग विच्छेदन वाले व्यक्तियों में सेंसरिमोटर नियंत्रण के न्यूरोमस्कुलर बायोसिग्नेचर्स
46. पूरे शरीर के नरम ऊतक सरोगेट्स की बायोमेकेनिकल मॉडलिंग
47. बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए चिप पर माइक्रोफ्लुइडिक लैब
48. कैंसर निदान और रोग निदान के लिए चिकित्सा अनुनाद इमेजिंग
49. ड्रग एल्यूटिंग इम्प्लांट्स का डिजाइन और विकास
50. मात्रात्मक एमआरआई और इसके अनुप्रयोग सेरेब्रल पाल्सी में GAIT बहाली
51. बायोफिडेलिक फुटवियर ट्रैक्शन टेस्टिंग डिवाइस का विकास
52. दवा वितरण के लिए नैनो आधारित प्लेटफार्म

पूर्ण परियोजनाएं

अस्थि ट्यूमर में कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए इंट्रावॉक्सल इनकोहेरेंट मोशन (आईवीआईएम) और मल्टी-पैरामीट्रिक एमआरआई विश्लेषण।

अनुसंधान

दायर पेटेंट: 1

1) **अर्नब चंदा**, **आशुतोष तिवारी**, **और दीपक जोशी,** अनुकूलन योग्य और लचीला बल संवेदी प्रतिरोधक**,** भारतीय पेटेंट आवेदन संख्या: 202011029409, 10 जुलाई 2020 को दायर किया गया।

परियोजनाएं

जारी वित्तपोषित परियोजनाएं

1. मात्रात्मक बहु-पैरामीट्रिक एमआरआई के लिए कार्यप्रणाली का विकास और ब्रेन ट्यूमर के वर्गीकरण और फॉलो-अप उपचार में मशीन लर्निंग के साथ-साथ इसकी क्षमता का मूल्यांकन, अनूप सिंह, एसईआरबी, डीएसटी, 30 लाख रुपये।
2. मजबूत और किफायती ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग साउंड4ऑल के लिए हाई एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइस की री-इंजीनियरिंग - फेज 2. दिनेश कल्याणसुंदरम, इंडो-जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर, 55 लाख रुपये।
3. जलने की चोटों और ट्रॉमा केयर के लिए आर्टिफिशियल स्किन (बायो-इंस्पायर्ड बाई-लेयर पॉलीमेरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड), वीना कौल, इम्प्रिंट इंडिया, एमएचआरडी और एमओएच, 220 लाख रुपये।
4. कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए एमयूसी1 स्पंदित डीसी-व्युत्पन्न एक्सोसोम, जयंत भट्टाचार्य, डीबीटी, 63 लाख रुपये।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 23 **पुस्तकों में अध्याय: 2**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

संकाय सदस्य

1. **डॉ. नीतू सिंह** को जानकी अम्मल राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया।

अतिथि वैज्ञानिक एवं आमंत्रित वार्ता

1. **डॉ. सौतिक बेताल**, सहायक आचार्य, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली ने मैग्नेटोइलेक्ट्रिक नैनोरोबोट पर एक वार्ता (24 फरवरी 2021) प्रस्तुत की।

9.5. जैव भौतिकी

एसईआरबी के प्रतिष्ठित आचार्य

टीपी सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ष

पुनीत कौर

आचार्य

सविता यादव सुजाता शर्मा

अपर आचार्य

जी. हरिप्रसाद राव शर्मिष्ठा डे

सह - आचार्य

इतायातुल्ला ए.एस. कृष्ण कुमार इनामपुडी सरोज कुमार

सहायक आचार्य

ज्योतिर्मोय बैनर्जी प्रदीप शर्मा

वैज्ञानिक

आशा भूषण एस भास्कर सिंह मनोज कुमार उद्दीपन दास

विशिष्टताएँ

रिपोर्ट की अवधि के दौरान, जैव भौतिकी विभाग के पास 34 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएँ चल रही है जो बाह्य अनुदान द्वारा वित्त पोषित हैं। जैव भौतिकी विभाग में अनुसंधान जैविक प्रक्रिया, तर्कसंगत संरचना-आधारित दवा डिजाइन और नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज के आणविक आधार का निर्धारण करने से संबंधित है। विभाग प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार से अनुदान उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की आधारभूत संरचना में सुधार के लिए धन प्राप्त हुआ है जोकि पिछले वर्ष से जारी है। पिछले एक वर्ष में, संकाय और वैज्ञानिकों ने विभिन्न पत्रिकाओं की समीक्षा की तथा पत्रिकाओं में 52 शोध प्रकाशित किए। विभाग ने एमएससी, पीएचडी और एमडी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा और अल्प और दीर्घकालिक प्रशिक्षण प्रदान करना जारी है।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

बायोफिजिक्स विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने पीएचडी, एमएससी (बायोफिजिक्स) और एमडी (बायोफिजिक्स) की डिग्री के लिए छात्रों को पढ़ाना और मार्गदर्शन करना जारी रखा। स्नातकोत्तर शिक्षण में थ्योरी कक्षाएं, व्यावहारिक कक्षाएं और एक शोध प्रबंध परियोजना शामिल है।

अल्प और दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग ने विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एमएससी और एमटेक छात्रों को लंबी और छोटी अवधि के प्रशिक्षण भी प्रदान किए।

प्रदत्त व्याख्यानः

टीपी सिंह: 7 **पुनीत कौर: 1** **सविता यादव: 3**
सुजाता शर्मा: 1 **शर्मिष्ठा डे: 3** **ज्योतिर्मोय बैनर्जी: 1**
मनोज कुमार: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 9

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एएमआर-डायगः ए नोवेल डायग्नोस्टिक टूल फॉर सीक्वेंस बेस्ड प्रीडिक्शन ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, पुनीत कौर, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (इंडो-नॉर्वे), 3 वर्ष, 2018-2021, 136 लाख रुपए
2. करेक्टराइजेशन ऑफ सिल्क फाइब्रोइन फिल्म प्रीपेयर्ड फ्रॉम ओक टसार (एन्थेराएप्रोलेई) कोकून फॉर पोटेंशियल बायोमटैरियल एप्लीकेशंस, पुनीत कौर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 29.67 लाख रुपए
3. कम्परेटिव प्रोटिओमिक्स एनालाइजिस टू आइडेंटीफाई पोटेंशियल बायोमार्कर ड्यूरिंग द ट्रांस्फोर्मेशन ऑफ प्रीमैलिग्नेंट ओरल कंडीशंस टू मेलीगेंट ओरल स्क्वैमस सेलकार्सिनोमा, एस भास्कर सिंह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2019-2021, 43 लाख रुपए
4. डिसाइफरिंग द रोल ऑफ फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 8 (एफजीएफ 8) इन द प्रोग्रेसेन ऑफ ओवेरियन कैंसर, सविता यादव, एसईआरबी-पावर फेलोशिप, 3 वर्ष, 2021-2024, 30 लाख रुपए
5. डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ नोवल इमेजिंग एजेंट्स फॉर अर्लीयर डायग्नोसिस ऑफ अल्जाइमर डिसीज, सरोज कुमार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 37 लाख रुपए
6. डिजाइन एंड इवैल्यूऐशन ऑफ नोवेल पेप्टाइड इनहीबीटर एज एन एंटी-पार्किंसंस डिजीज एजेंट टारगेटिंग सिरटुइन 2, शर्मिष्ठा डे, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, 3 वर्ष, 2018-2021, 34 लाख रुपए

7. डेवेलपमेन्ट ऑफ ए नॉन-इनवेन्सिव नोवल मेथड फार अर्ली डिटेक्शन ऑफ कॉग्नीटिव इम्पायरमेंट, सरोज कुमार, आईसीएमआर एक्स्ट्राम्यूरल (एड-हॉक), 3 वर्ष, 2021-2024, 47 लाख रुपए

8. डेवेलपमेन्ट ऑफ डिजिटल एलिसा डायग्नोस्टिक्स टू मॉनीटर थेरेप्यूटिक इफीसेसी ऑफ फार्मेकोलॉजीकल इंटरवेंशन इन डोपामाइन डिक्टेटेड स्टेट ऑफ पार्किंसंस डिजीज एंड सिजोफ्रेनिया, हरिप्रसाद जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान-आईआईटीडी, 2 वर्ष, 2020-2022, 20 लाख रुपए

9. डिपार्टमेंट ऑफ नोवल एंड एफीसिएंट कार्बोहाइड्रेट एंजाइम फार बायोएनर्जी एंड बायोवैल्यूड प्रॉडक्ट्स, पुनीत कौर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 23.99 लाख रुपए

10. डेवेलपमेन्ट ऑफ पोटेंट इनहीबीटर्स अगेंस्ट ड्रग्स-रजिस्टेंस ईजीएफआर किनेज फॉर ट्रीटमेंट ऑफ ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर्स, कृष्णा के. इनामपुडी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2020-2023, 40 लाख रुपए

11. डेवेलपमेन्ट ऑफ पोटेंट इनहीबीटर्स फॉर एनएसपी आरएनए पोलीमेराज एंड पीएलप्रोटीज फ्रॉम नोवल फॉर कोरोना वायरस फार द ट्रीटमेंट ऑफ कोविड-19, कृष्णा के. इनामपुडी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपए

12. ड्रग्स रिपरपोजिंग अगेंस्ट एसएआरएस-सीओवी-2 मेन प्रोटीजः स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज, प्रदीप शर्मा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपए

13. इफेक्ट ऑफ नॉन-आयनाइजिंग इलैक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) ऑन हुमेन हेल्थ, सविता यादव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 5 वर्ष, 2017-2022, 61 लाख रुपए

14. इफैक्ट ऑफ प्लाज्मा जेट ऑन ट्यूमर इसूज रिसेक्टेड फ्रॉम पेशेंट्स विद ट्यूमर लिंक्ड रिफ्रैक्टरी एपीलेप्सी, ज्योतिर्मय बनर्जी, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), 3 वर्ष, 2018-2021, 33 लाख रुपए

15. इलूसिडेटिंग रीजन-स्पेस्फिक अल्टरेशंस ऑफ ग्लूटामेटेरिक एक्साइट्रेटोरी यूरोट्रांसमिशन इन ए रोडेंट पाइलोकार्पिन मॉडल ऑफ टेम्पोरल लोब एपीलेप्सी, ज्योतिर्मय बैनर्जी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, 61 लाख रुपए

16. एक्सप्लोरिंग मेल फैक्टर्स इन रीकरंट प्रेग्नेंसी लॉसिस: ए जीनोमिक्स एंड प्रोटिओमिक्स बेस्ड अप्रोच, सविता यादव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 49 लाख रुपये

17. फंक्शनल करेक्टराइजेशन ऑफ ह्यूमन मल्टीमेरिन 1 (इन-विट्रो और इन-विवो) एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ इट्स इनहीबीटर्स एज पोटेंशियल थेरेप्यूटिक टारगेट/स इन ओवेरियन कैंसर, सविता यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 54 लाख रुपए

18. इन सिलिको स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल करेक्टराइजेशन ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एलोंगेशन फैक्टर्स, प्रो. सुजाता शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2023, 24 लाख रुपए

19. इनवेस्टिगेटिंग द रोल ऑफ मेटाबोलाइट्स एंड न्यूरोट्रांसमीटर्स इन एबनॉर्मल सिनैप्टिक ट्रांसमिशन एसोसिएटड विद मेसियल टेम्पोरल लोब एपीलेप्सी (एमटीएलई) एंड फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया (एफसीडी): पॉसिबिल बायोमार्कर्स फॉर लोकलाइजेशन ऑफ एपिलेप्टोजेनिक फॉसी, ज्योतिर्मय

बनर्जी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फार एपीलेप्सी रिसर्च फेस-II, भारत सरकार के तहत परियोजना, 3 वर्ष, 2018-2021, 168 लाख रुपए

20. प्रोटिओमिक्स स्टडी ऑन- कोविड-19, इनवेस्टिगेशन ऑफ डिजीज स्पेस्फिक सिग्नेचर प्रोटीन, पुनीत कौर, इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-21, 10 लाख रुपए

21. रेशनल स्ट्रक्चर-बेस्ड लिजैंड डिजाइन फॉर डेवलेपिंग द नोवल एंटीबैक्टीरिया एजेंट अगेंस्ट द एंजाइम्स ऑफ सीओए सिंथेटिक पाथवे इन ड्रग रेजिस्टेंट बैक्टीरिया, एसिनेटोबैक्टरबाउमनी, सुजाता शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2023, 50 लाख रुपए

22. रेशनल स्ट्रक्चर-बेस्ड लिजैड डिजाइन फार डेवेलपिंग द नोवल एंटीबैक्टीरिया एजेंट अगेंस्ट प्रोटीन इंवॉल्व इन द हिस्टिडीन बायोसिंथेसिस पाथवे इन एसिनेटोबैक्टर बाउमनी, प्रदीप शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2023, 29.4 लाख रुपए

23. रोल ऑफ α7 एंड α4β2 सबटाइप्स ऑफ निकोटिनिक रिसेप्टर्स इन एबनॉमर्ल सिनैप्टिक ट्रांसमिशन एसोसिऐटेड विद हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस, ज्योतिर्मय बैनर्जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्रामुरल), 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपए

24. स्क्रीनिंग ऑफ थेरेपेटिक पी53 एक्टिवेटर मोलेक्यूलस टू रीस्टोर द फंक्शन ऑफ पी53 ओलिगोमेरिज़ेशन डोमेन म्यूटेंट इन ब्रेस्ट कैंसर, ए.एस. इतायातुल्ला, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 31 लाख रुपए

25. स्ट्रक्चरल एनालाइजिस ऑफ पी4 न्यूक्लीज एंजाइम ऑफ लीशमैनिया इन्फैंटमः इंप्लीकेशंस फार द डिजाइन ऑफ पोटेंट इनहीबीटरी मोलेक्यूलस एंड वैक्सीन कैन्डीडेट्स, हरिप्रसाद जी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3, 2020-2023, 13 लाख रुपए

26. स्ट्रक्चरल एनालाइजेस ऑफ आरएनए पोलीमेराज एंजाइम फ्रॉम एसएआरएस-सीओ वी-2: इंप्लीकेशंस फॉर द डिजाइन ऑफ पोटेंट ड्रग मोलेक्यूल्स एंड वैक्सीन कैन्डीडेट्स अगेंस्ट कोविड 19, हरिप्रसाद जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपए

27. स्ट्रक्चरल एंड बायोकेमिकल करेक्टराइजेशन ऑफ ग्लिसराल्डिहाइड-3-फॉस्फेट डिहाइड्रोजिनेस (जीएपीडीएच) फ्रॉम ए. बॉमनी एंड डिजाइन ऑफ इन्हीबीटर्स, सुजाता शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 25 लाख रुपए

28. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज ऑन ट्रिप्सिन क्लेव्ड फंक्शनल फ्रेगमेंट्स ऑफ लैक्टोफेरिन एंड देयर बाइंडिंग विथ लिपोपॉलीसेकेराइड, सुजाता शर्मा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 60 लाख रुपए

29. स्ट्रक्चर बेस्ड इन सिलिकोआइडेंटिफिकेशन, केमिकल सिंथेसिस एंड बायोलॉजिकल इवैल्यूएशन फॉर इनहीबीटर्स अगेंस्ट डीएनए गाइरेस फ्रॉम साल्मोनेला टाइफी, पुनीत कौर, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 3 वर्ष, 2019-2022, 56.5 लाख रुपए

30. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज ऑफ पेप्टिडोग्लाइकन रीकंग्नीशन प्रोटीन फ्रॉम इन्नेट इम्यून सिस्टम, टी.पी. सिंह, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-एसईआरबी, 5 वर्ष, 2014-2019, 141 लाख रुपए
31. स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग्स डिजाइन: इन सिलिको स्क्रीनिंग ऑफ इनहीबीटर्स फॉर सेल डिवीजन प्रोटीन ड्रग टारगेट एफटीएसजेड टू डेवेलप एंटीमाइक्रोबियल एजेंट अगेंस्ट ड्रग्स रजिस्टेंट एसिनेटोबैक्टर बाउमनी, ए.एस. इतायातुल्ला, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष, 2020-2023, 24 लाख रुपए
32. थेरेप्यूटिक इंटरवेंशन ऑफ स्माल मोलेक्यूल बेस्ड नोवल एक्टीवेटर ऑफ सिर्टुइन ऑन रेट मॉडल ऑफ अल्जाइमर डिजीज, शर्मिष्ठा डे, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 65 लाख रुपए
33. टू इंवेस्टीगेट द रोल ऑफ डिस्फंक्शनल बेंजोडाइजेपाइन बाइंडिंग साइट ऑन गाबा ए रिसेप्टर इन बेंजोडाइजेपाइन-रजिस्टेंस एसोसिएटड विद फार्माको-रसिस्टेंस एपीलेप्सी, ज्योतिर्मय बैनर्जी, ऑफिस ऑफ प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर टू गवर्नमेंट ऑफ इंडिया अंडर द प्रोजेक्ट "एडवांस्ड एपीलेप्सी रिसर्चः ए मल्टीडिसप्लनेरी अप्रोच", 3 वर्ष, 2018-2021, 136 लाख रुपए
34. अंडरस्टेडिंग द रोल ऑफ न्यूरोनल सालीवरी एक्सोसोम इन पार्किंसंस डिसीज, सरोज कुमार, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपए

पूर्ण

1. डिजाइन एंड इवैल्यूएशन ऑफ नोवल पेप्टाइड इनहीबीटर्स एज एन एंटी-पार्किंसंस डिजीज टारगेटिंग सिरटुइन 2, शर्मिष्ठा डे, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2018-2021, 34 लाख रुपये
2. इवेल्यूएशन ऑफ सीरम सिर्टुइन लेवल एंड देयर कोरिलेशन विद -ट्यूबुलिन्स, -सिन्यूक्लिन ओलिगोमर्स इन पार्किन्सन डिजीस, शर्मिष्ठा डे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2016-2020, 30 लाख रुपए
3. आइडेंटिफिकेशन ऑफ इनहीबीटर्स ऑफ मैलेट सिंथेज फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, ए नोवल ड्रग टारगेट फॉर लैटेंट टीबी इंफैक्शन, मनोज कुमार, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
4. मैकेनिस्टिक डिटेल्स ऑफ 5-एलओएक्स इनहीबीटर्स ऑन एक्टीवेशन ऑफ पीआईके3/एकेटी सिग्नलिंग पाथवे इन अल्जाइमर डिजीज, शर्मिष्ठा डे, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2017-2020, 10 लाख रुपए
5. पेप्टिडाइलआरएनए हाइड्रोलेस (पीटीएच): स्ट्रक्चर एंड फंक्शनल मैकेनिज्म ऑफ पीटीएच विथ नॉन हाइड्रोलाइजेबल पेप्टिडाइल आरएनए, कृष्णा के. इनामपुडी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2017-2020, 9.8 लाख रुपए

6. प्रोटिओमिक्स ऑफ एक्सिलरी सेंटीनेल लिम्फ नोड टिस्यूज इन अर्ली ब्रेस्ट कैंसरः इम्प्लीकेशंस फॉर आइडेंटिफिकेशन ऑफ बायोमार्कर टू गाइड सर्जीकल इंटरवेंशन, हरिप्रसाद जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2018-2020, 9.8 लाख रुपए
7. रोल ऑफ $\alpha 7$ और $\alpha 4\beta 2$ सबटाइप ऑफ निकोटिनिक रिसेप्टर्स इन एबनॉर्मल सिनैप्टिक ट्रांसमिशन एसोसिऐटिड विथ हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस, ज्योतिर्मोय बैनर्जी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपए
8. स्ट्रक्चरल इंवेस्टीगेशन ऑफ सग एबीसी ट्रांसपोर्टर फ्रॉम माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, उद्दीपन दास, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये
9. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल करेक्टराइजेशन ऑफ ट्रांसलेशनल रेस्क्यू सिस्टम बाय पेप्टिडाइल टीआरएनए हाइड्रोलेस बाय फॉर्मिंग नॉन-हाइड्रोलिसेबल पेप्टिडाइल टीआरएनए कॉम्प्लेक्स टू गेन इनसाइट फॉर ड्रग डेवेलपमेंट अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस, कृष्णा के इनामपुडी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 4 वर्ष, 2017-2021, 4.9 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएँ

1. अल्जाइमर रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सिजिनेसेस को लक्षित करने वाले एमाइलॉइड बीटा (Aβ) के एंटीन्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण
2. एथेरोस्केलेरोटिक हृदय रोगः आईटीआरएक्यू आधारित मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स द्वारा बायोफ्लुइड एक्सोसोम से प्रारंभिक बायोमार्कर को प्रकट करना
3. बायोमार्केर बेस्ड अंडरस्टैंडिंग ऑफ पार्किंसन’स डिजीज पैथोजेनेसिस बाय यूजिंग प्रोटियोमिक्स एंड लिपिडोमिक प्रोफाइलिंग ऑफ ब्लड, यूरिन एंड सलीवा
4. कैरेक्टराइजेशन एंड सिक्वेंसिंग एनालाइजिस ऑफ एक्जोसम्स एमआईआरएनए फ्रॉम बायो फ्लुइड्स ऑफ कोरोनरी आर्टरी डिजीज
5. डेसीफेरिंग द रोल ऑफ $\alpha 7$-निकोटिनिक रिसेप्टर्स (एनएसीएचआरएस) इनीपिलोकार्पिन मॉडल ऑफ टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी.
6. डिज़ाइन ऑफ इन्हिबिटर्स अगेंस्ट मुरबी फ्रॉम एस टाइफी टू डेवलप ड्रग्स फॉर एमडीआर पैथोजेन्स यूजिंग इन सिलिको स्क्रीनिंग एंड स्ट्रक्चर बेस्ड एप्रोच
7. ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर के उपचार के लिए दवा प्रतिरोधी ईजीएफआर काइनेज के विरूद्ध शक्तिशाली अवरोधकों का विकास
8. एनएसपी आरएनए पोलीमरेज़ के लिए शक्तिशाली अवरोधकों का विकास और कोविड-19 के उपचार के लिए नोवल कोरोना वायरस से पीएल प्रोटीज
9. अस्थायी लोब मिर्गी से संबंधित एपिलेपटोजेनेसिस एवं हाइपरएक्सीटेबिलिटी में सेमोफोरिन की भूमिका को स्पष्ट करना।
10. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए मानव एसईजीएफआर के विरूद्ध डीएनए एप्टेमर्स की पहचान

11. इन्वेस्टीगेशन ऑन द रोल ऑफ अस्ट्रॉयटिक गैप जंक्शंस इन द पैथोजेनेसिस ऑफ फोकल कोर्टिकल डिस्प्लेसिआ.
12. सेलाइन एंड यूरिन डेराइव्ड बायोमार्कर्स टू कम्प्रेहेंड पार्किंसन’स डिजीज पैथोजेनेसिस
13. स्ट्रक्चरल एंड बायोफिजिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ पी73डीबीडी विद पी53 नेचुरल प्रमोटर सीक्वेंस
14. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल एनालाइजिस ऑफ डीएनए गिरेस फ्रॉम साल्मोनेला टाइफी
15. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल करेक्टराइजेशन ऑफ p53
16. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल रीएक्टिवेशन ऑफ p53 म्युटेंट यूजिंग नेचुरल कंपाउंड्स इन हुमेन कैंसर सेल लाइन्स हारबोरिंग म्युटेशन वाई220सी
17. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज ऑफ एफटीएसजेड सेल डिवीजन प्रोटीन एज ए पोटेंशियल ड्रग टारगेट अगेंस्ट साल्मोनेला टाइफी।
18. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडाइल टीआरएनए हाइड्रोलेस - ए नोवल ड्रग टारगेट ऑफ मल्टीड्रग रेजिस्टेंस ट्यूबरकुलोसिस
19. स्ट्रक्चरल एंड फंक्शनल स्टडीज ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडाइल टीआरएनए हाइड्रोलेस - ए नोवल ड्रग टारगेट ऑफ मल्टीड्रग रेजिस्टेंस ट्यूबरकुलोसिस
20. स्ट्रक्चर बेस्ड डिजाइन ऑफ नेनोबॉडी इनहिबिटर्स अगेंस्ट ईजीएफआर: ए प्रोटीन इंजीनियरिंग अप्रोच टू डेवेलप नोवल थेरेप्यूटिक्स फॉर लंग्स कैंसर
21. स्ट्रक्चर बेस्ड इनहिबिटर डिजाइन ऑफ एंटीलेशमैनियल कम्पाउंड्स यूजिंग एंजाइम एन-एसिटाइल डी-ग्लूकोसामिनिलफॉस्फेटिडिल इनोसिटोल डी-एन-एसिटाइलस (एनएजीपीअईडीए)
22. साल्मोनेला टायफी से मुरई (एमयूआरई) का संरचना का निर्धारण और नई दवाओं के विकास के लिए संरचना आधारित लिजैंड डिजाइन
23. स्टडी ऑन सर्कुलेटिंग लेवल ऑफ इंफ्लेमेटरी प्रोटीन्स, देयर सिग्नलिंग कैस्केड इन मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर एंड थेरेप्यूटिक इम्प्लीकेशन फॉर द सेम।
24. थेरेपेटिक इंटरवेंशन ऑफ अल्जाइमर डिजीज बाय टारगेटिंग सिर्टुइन इन-विवो मॉडल
25. अंडरस्टेंडिंग एज डिपेन्ड डिसमैच्योरिटी ऑफ सेरेब्रल कॉर्टेक्स इन कॉर्टिकल डिसप्लेसिया।

पूर्ण

1. बायोफिजिकल इंवेस्टीगेशंस ऑफ द ट्रेहालोसेबाइंडिंग प्रोटीन फ्रॉम माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस
2. करेक्टराइजेशन ऑफ फाइब्रोब्लास्ट टू अंडरस्टेंड द पोसिबिल रोल इन ब्रेस्ट कैंसर प्रोग्रेशन बाय एफटीआईआर इमेजिंग
3. कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ पी53 म्युटेंट विद स्क्रीन्ड ड्रग एंड करक्यूमिन
4. प्रारंभिक जांच तकनीक का विकास और संज्ञानात्मक हानि को समझना
5. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए मानव एसईजीएफआर के विरूद्ध डीएनए एप्टेमर्स की पहचान
6. कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग करके एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड इंहिबिटर डिजाइन एवं वैलीडेशन

7. पी53 प्राकृतिक प्रमोटर अनुक्रम के साथ पी73 डीबीडी का संरचनात्मक और बायोफिजिकल लक्षण वर्णन
8. टू कोरिलेट द लेवल ऑफ ओस्टियोकैल्सीन इन पेरी-इम्प्लांट सरविकुलर फ्लूड विद क्रेस्टल बोन लॉस एट डिफरैंट टाइम इंटरवेलस इन इमीडियेट एंड डिलेड लोडड डैंटल इम्प्लांटः ए रेन्डोमाइज्ड कंट्रोल पायलट स्टडी
9. अंडरस्टैंडिंग द रोल ऑफ सैलिवरी एक्जोसम्स इन द प्रोग्रेशन ऑफ कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट टू अल्जाइमर'स डिजीज

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. टारगेटिंग ड्रग रेजिस्टेंट ट्यूमर हार्बरिंग म्यूटेंट ईजीएफआरः ए नेक्स्ट जेनेरेशन मोलेक्यूलर अप्रोच फॉर ट्रीटमेंट आफ नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. ए नैनोमेडिसिन अप्रोच अगेंस्ट ड्रग रजिस्टेंट्स ईजीएफआर किनेज फार ट्रीटमेंट ऑफ ईजीएफआर पॉजिटिव ट्यूमर, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर विभाग, एम्स, नई दिल्ली, रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, जैव रसायन विभाग, माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी विभाग, ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा
3. सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड प्रोटिओमिक्स एनालेसिस टू आइडेंटिफाइ बायोमार्कर्स टू कोरिलेट विद प्राइमरी सीएनएस वैक्यूलाइटिस, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. सीएसएफ इन्फ्लेमेटरी मार्कर्स इन द डायग्नोसिस ऑफ ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, इंट्राम्यूरल ग्रांट, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
5. डिजाइन एंड डेवेलपमेंट ऑफ नोवल इमेजिंग एजेंट्स फार अर्लियर डायग्नोसिस ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज, आईआईटी बीएचयू
6. डेवेलपमेंट ऑफ अर्ली डिटेक्शन टैक्नीक्स ऑफ पार्किंसंस डिसीज, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
7. डेवेलपमेंट ऑफ अर्ली स्क्रीनिंग टैक्नीक एंड अंडरस्टैंडिंग ऑफ कॉग्नीटिव इम्पेयरमेंट, जेरियाट्रिक्स और न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
8. डिस्कवरी ऑफ इंहिबीटर्स अगेंस्ट एसीएचई और बीयूसीएचई फॉर ट्रीटमेंट ऑफ अल्जाइमर डिजीज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
9. इफेक्टस ऑफ प्रोबायोटिक्स एंड रिपीटिव ट्रांसक्रानियल मैगनेटिक स्टीमुलेशन ऑन कांग्नीटिव एंड मोटर फंक्शन इन 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन रेट मॉडल ऑफ पार्किंसंस डिजीज, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. इल्यूसीडेटिंग द मेडीटेशन एसोसिएटिड एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन इन पर्सन्स विद टेम्पोरल एंड टेम्पोरल प्लस एपीलेप्सी, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. इल्यूसीडेटिंग द रोल ऑफ प्रोटीन टाइरोसिन किनसे (पीवाईके2) सिग्नलिंग इन पैथोफिजियोलॉजी ऑफ टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (टीएलई)। बीआर अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

12. इल्यूसीडेटिंग ऑफ सर्कुलेटिंग सेल फ्री एमआईआरएनए इन पैथोजेनेसिस, डिजीज प्रोग्रेशन एंड आउटकम इन मल्टीपल मायलोमा यूजिंग इंटीग्रेटिड बायोइन्फॉर्मेटिक्स एंड एक्सपेरीमेंटल अप्रोच, लैब ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच।

13. जीनोमिक एनालाइजिस ऑफ एस. टाइफी, माइक्रोबायोलॉजी

14. हार्मोनाइज्ड डायग्नोस्टिक असेसमेंट ऑफ डिमेंशिया (डीएडी) फॉर लॉग्टीट्यूडीनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई), जराचिकित्सा विभाग

15. पोटेंशियल ऑफ क्वेरसेटिन एज ए ड्यूरेटिक एजेंट एट हाई अल्टीट्युड बाय टार्गेटिंग कार्बनिक एनहाइड्रेज II, डीआरडीओ

16. री-परपोजिंग ऑफ एफडीए अप्रूव्ड ड्रग्स टू टारगेट लेटेंट टीबी इन्फेक्शन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स

17. गैस्ट्रोएन्टेरोनोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में एपोप्टोसिस प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

18. रोल ऑफ किन्यूरेनिक एसिड, ए ग्लूटामेट रिसेप्टर इन्हिबीटर, इन हाइपरएक्स्टेबिलिटी एसोसिएटेटड विद मेसियल टेम्पोरल लोब एपीलेप्सी (एमटीएलई)। एम्स, नई दिल्ली के न्यूरोसर्जरी विभाग, भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा वित्त पोषित।

19. रोल ऑफ म्यूटेशंस इन एसएलसी26 एजीन इन सिस्टिक फाइब्रोसिस कंडक्टेंस रेग्यूलेशन इन इंडियन पेशेंट, बाल रोग विभाग, एम्स।

20. रोल ऑफ म्यूटेशन इन एसटीएएमबीपी प्रोटीन इन सीवियर माइक्रोसेफली एंड मल्टीपिल केपीलरी हिमैन्जीओमस इन इंडियन चिल्ड्रेन, बाल रोग विभाग, एम्स।

21. स्क्रीनिंग ऑफ इन्हिबीटरी मोलेक्यूल्स अगेंस्ट केआईएफसी1, केआईएफ4ए, केआईएफ15 एंड केआईएफ20ए एंड इवैल्यूएशन ऑफ एंटीकैंसर एक्टीविटी ऑफ आइडेंटीफाइड मोलेक्यूल्स ऑन ब्रेस्ट कैंसर सेल्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी।

22. स्ट्रक्चर बेस्ड डिजाइन ऑफ नैनोबॉडी इनहिबिटर अगेंस्ट ईजीएफआरः ए प्रोटीन इंजीनियरिंग अप्रोच टू डेवेलप नोवल थेरेप्यूटिक्स फॉर लंग्स कैंसर, जीवन विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय, कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान और जैव सूचना विज्ञान केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिसऑर्डर विभाग, एम्स, नई दिल्ली

23. स्टडी ऑफ रीजनरेशन ऑफ स्कैल्टन मसल्स इन ओल्ड ऐज, जरा-चिकित्सा विभाग

24. अंडरस्टेंडिंग द इंटरैक्शशंस ऑफ डीईवीआर और सिगए प्रोटीन ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स

पूर्ण

1. कार्डियो प्रोटेक्टिव रोल ऑफ फिसेटिन एंड एजिल्सर्टन इन इस्केमिक रीपरफ्यूजन डैमेज, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स
2. डेसीफेरिंग द रोल ऑफ एटीएफ3 और टीजीएफβ सिग्नलिंग इन मेसियल टेम्पोरल लोब एपीलेप्सी (एमटीएलई) पेशेंट्स, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, इंट्राम्यूरल ग्रांट, रिसर्च सेक्शन, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. डेसीफरिंग द रोल ऑफ गाबा ए रिसेप्टर अल्टरेशंस इन पेडीएट्रिक एंड एडल्ट पेशेंट्स विद फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया। न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, इंट्राम्यूरल ग्रांट, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. इवैल्यूएशन ऑफ पेरी-इम्प्लांट सरविकुलर फ्लूइड मेटालोप्रोटीनेज-8 (एमएमपी-8) एंड कैथेप्सिन-के (सीटीएसके) लेवल इन इमीजिऐट लोडेड एंड डिलेड लोडेड डेंटल इम्प्लांट्स, सेंटर ऑफ डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली।
5. स्पेक्ट्रम ऑफ पैथोजेनिक वेरिएंट इन एसआरडी5ए2 इन इंडियन चिल्ड्रेन विद 46, एक्सवाई डिसऑर्डर ऑफ सेक्स डेवेलपमेंट एंड क्लीनीकली सस्पेक्टड स्टेरॉयड 5α-रिडक्टेस 2 डेफीसिएंसी, बाल रोग विभाग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 38 सारः 2 पुस्तकों में अध्यायः 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर पुनीत कौर सदस्य, अध्ययन बोर्ड, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; विभाग ने 10-12 नवंबर 2020 तक "स्ट्रक्चर बेस्ड ड्रग डिजाइनिंग" पर कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर सविता यादव को एसईआरबी-पावर फेलोशिप से सम्मानित किया गया; इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज, भारत के फेलो के रूप में चुने गए।

डॉ. शर्मिष्ठा डे को एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड, 2019 में प्रथम पुरस्कार मिला, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. सरोज कुमार फ्रेड्रिक निकोलाजेफ: पार्किंसंस रोग का प्रारंभिक निदान। आईवीएएस (रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग साइंसेज) 100 सूची 2020: ज्ञान से स्थायी प्रतिस्पर्धा तक (https://www.iva.se/projekt/research2business/ivas-100-lista-2020/)

डॉ. ज्योर्तिमय बैनर्जी न्यूरोलॉजी इंडिया पत्रिका के सह-संपादक थे; जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूरोसाइंस एंड फ्रंटियर्स इन फार्माकोलॉजी (न्यूरोफार्माकोलॉजी सेक्शन) के लिए समीक्षा संपादक।

अतिथि वैज्ञानिक

वैज्ञानिकों और प्रख्यात शिक्षाविदों ने पिछले वर्ष में व्याख्यान और वैज्ञानिक सहयोग प्रस्तुत करने के लिए विभाग का दौरा किया है:

डॉ सोनिका भटनागर, नई दिल्ली, डॉ पुष्कर शर्मा, नई दिल्ली।

9.6. जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष
रवींद्र मोहन पांडेय

आचार्य
सदानंद द्विवेदी

अपर आचार्य
मारूफ अहमद खान

सहायक आचार्य
अंजलि पांडे (संविदा)

वैज्ञानिक-I

मणि कलाइवानी | शिवम पांडेय | नीलिमा

विशिष्टताएँ

विभाग ने संकाय/रेजीडेंट्स और संस्थान में पीएचडी छात्रों के लिए जैव सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर व्यावहारिक कार्यशालाएँ आयोजित की। विभाग के पास एक जारी बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ थी। संस्थान में विभिन्न केंद्रों/विभागों के साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में 76 जारी हैं तथा 30 अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है। विभाग में संकाय और वैज्ञानिकों के पास विभिन्न शीर्ष समीक्ष्य चिकित्सा पत्रिकाओं में 144 अनुसंधान प्रकाशन थे। संकाय तथा वैज्ञानिकः देश में लगभग सभी प्रमुख चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए और विभिन्न चिकित्सा विशिष्टताओं से कई अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे; संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों पर कार्य किया गया; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आयुष की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के आमंत्रित सदस्य थे; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों की डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्डों (डीएसएमबी) पर कार्य किया; देश और विदेश में विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों में आमंत्रित व्याख्यान दिये; और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में जमा पीएचडी शोधपत्रों के परीक्षक के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

विभाग ने स्नातक-पूर्व, पैरामेडिकल और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एमबीबीएस, बीएससी (ऑनर्स) विकिरण विज्ञान में चिकित्सा तकनीकी, एम. बायोटेक, बीएससी और एमएससी नर्सिंग, एवं एमडी सामुदायिक चिकित्सा हेतु "जैव सांख्यिकी और अनुसंधान विधियों की अनिवार्यता" का शिक्षण जारी रखा। संस्थान में रेजीडेंट के लिए अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार कार्यशालाओं के संचालन में

विभाग प्रमुख भूमिका निभाता है, चार बैचों में 5 दिवसीय पाठ्यक्रम अनिवार्य है। अनुरोध करने पर, संकाय सदस्यों ने रेजीडेंट, पीएचडी छात्रों के लिए व्याख्यान-दिए और संस्थान में विभिन्न केंद्रों/विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतियों में भाग लिया। विभाग में पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन करने के अलावा, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने सह-मार्गदर्शक के रूप में, पीएचडी के डीसी सदस्यों, डीएम, एमसीएच, एमडी/एमएस/एमएचए/एमडीएस के छात्रों को संस्थान में अन्य विभागों की शैक्षणिक गतिविधियों में योगदान दिया। इसके अतिरिक्त, विभागीय संकाय और वैज्ञानिकों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों में अनुसंधान पद्धति और जीव विज्ञान पर विभिन्न कार्यशालाओं में 29 अतिथि व्याख्यान दिए।

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. "गेटिंग स्टार्टेड विद आर - डेटा मैनेजमेंट एंड बेसिक स्टेटिस्टिकल एनालाइजिस" पर कार्यशाला, 24 फरवरी 2021 जैव सांख्यिकी विभाग, एम्स, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

एसएन द्विवेदीः 13 **अंजलि पांडे: 1**

एम. कलाइवानीः 2 **शिवम पांडेः 1**

नीलिमाः 3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. वायु प्रदूषण एवं स्वास्थ्य पर इसका प्रभावः 20 शहरों के विभिन्न स्थलों का अध्ययन, आरएम पांडे, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2019-2021, 26.40 लाख रुपए

पूर्णः

1. भारत में क्रोन्स रोगः देश से बहु-केंद्रीय अध्ययन जहाँ आंतों के तपेदिक के साथ-साथ जोहन्स रोग स्थानिक है (डेटा कोऑर्डीनेशन एंड स्टडी मॉनिटरिंग), वी. श्रीनिवास, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, 3.5 वर्ष, 2016-2020, 28.0 लाख रुपए
2. तीन सप्ताह के इमोबिलाइजेशन के बाद क्लो हैंड के लिए टेंडन ट्रांसफर प्रक्रियाओं की तुलना में अर्ली एक्टिव मोबिलाइजेशन के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु बहुकेंद्रित परीक्षण (डेटा कोआर्डीनेशन एंड स्टडी मॉनिटरिंग), वी. श्रीनिवास, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2015-2020, 21.22 लाख रुपए

सहयोगी परियोजनाएँ:

जारी

1. दंत चिकित्सा में लक्षणात्मक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस के साथ गहरे या अत्यंत गहरे परिगलित परिपक्व स्थायी दांतों में किए गए संपूर्ण पल्पोटॉमी के परिणाम का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन
2. आघात तथा ज्ञानात्मक क्षरण (कॉग्निटिव डिकलाइन) के कारणों को उजागर करने के लिए आबादी आधारित दूरदर्शी समूह अध्ययनः क्रॉस-कल्चरल पर्सपेक्टिव, तंत्रिका विज्ञान
3. सेरीब्रल पाल्सी के बच्चों में टेली-रिहैबिलिटेशन के साथ और इसके बिना सेवा-प्रदाताओं द्वारा निर्देशित गृह आधारित व्यवहार की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, बाल चिकित्सा
4. हेलो नेवस के साथ विटिलिगो के मामलों में नेवस/नेवी के उच्छेदन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान
5. मानक चिकित्सा देखभाल, शल्यक्रिया से सम्बंधित अनुशासनों की तुलना में परिधीय धमनी रोग से जुड़े दीर्घकालिक मधुमेह के घावों के उपचार में प्लेटलेट से समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण
6. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल फंक्शन और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन एवं विभिन्न सोमाटोटाइप वर्गीकरणों के साथ उनका सह-संबंध, शरीर क्रिया विज्ञान
7. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं में एंडोमेट्रियोसिस से जुड़े एस्ट्रोजेनिक क्रिया के सेलुलर फिजियोलॉजी पर एक अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान
8. कोविड-19 के मध्यम से गंभीर संक्रमण में पिरफेनिडोन और निंटेडेनिब की सुरक्षा और प्रभावकारिता पर एक अध्ययन, कायचिकित्सा
9. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर की आणविक विविधता को समझने के लिए एक ओमिक्स एप्रोच, जैव रसायन
10. अल्जाइमर्स रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सिजिनेस को लक्षित करने वाले एमॉइलॉइड बीटा (Ab) के एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी
11. चिकित्सकीय रूप से अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों वाले रोगियों में रुग्णता का आकलन और चिकित्सकीय रूप से अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों वाले रोगियों के प्रबंधन में व्यापक उपचार मॉड्यूल का विकास, कायचिकित्सा।
12. पुल्मोनरी इंटरवेंशंस की आवश्यकता वाले पुल्मोनरी अथवा एयरवे से संबंधित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन एवं लक्षणों की अधिकता का आकलन - अग्रदर्शी अध्ययन, अर्बुद संवेदनाहरण तथा प्रशामक चिकित्सा
13. न्यूनतम पहुँच वाले शल्यचिकित्सकों में कार्यभार और मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का आकलन - एक संभावित अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग।

14. बाह्य रोगियों में मोटापे हेतु जैविक एवं व्यावहारिक जोखिम के कारक और अस्पताल आधारित व्यवस्था में मोटे रोगियों के बीच वजन घटाते समय आई बाधाएँ, काय-चिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
15. स्तन कैंसर के रोगियों में आणुविक कारकों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों के जैव-सांख्यिकी पहलूः महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, विकिरण चिकित्सा
16. उपचारित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगोत्तर लक्षण (सेक्वेलै) वाले रोगियों में नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परस्पर संबंध, काय-चिकित्सा
17. कम्पेरिजन ऑफ अल्फा एमिटिंग 225Ac-डोटेटेट वर्सेज बीटा एमिटिंग 177Lu-डोटेटेट थैरेपी इन एडवांस्ड एंड स्टेज गैस्ट्रोएंटेरोपैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (जीईपी-नेट) पेशेंट्स, नाभिकीय चिकित्सा
18. मौखिक एंटीकोआगुलेंट्स लेने वाले रोगियों में ब्रिजिंग थेरेपी के साथ और उसके बिना निष्कर्षण के बाद रक्तस्राव होने की जटिलता की तुलनाः एक पायलट अध्ययन, दंत चिकित्सा
19. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य उपचार व्यवस्था में फ्रैजिलिटी क्लिनिक में भाग लेने वाले बुजुर्ग व्यस्कों का व्यापक बृद्धावस्था आकलन, जराचिकित्सा
20. फरीदाबाद, भारत में 18-24 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थियों के बीच ई-स्वास्थ्य साक्षरता को मापने के लिए एक (अंग्रेजी संस्करण) पैमाने का विकास, भारत, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
21. इंडियन फ्रेल्टी रजिस्ट्री ऑफ ओल्डर एडल्ट्स का विकास, जरा चिकित्सा
22. ऑर्थोपेडिक ट्रामा सर्जरी में पेरीऑपरेटिव इन्फ्लेमेटरी साइटोकिन्स अल्ट्रेशन एवं क्लीनिकल जटिलताओं पर रीजनल एनेस्थीसिया का प्रभाव, संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रामा सेंटर (जेपीएनएटीसी)
23. टी2डीएम और अवसाद के रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः टूआर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंत:स्राविकी एवं चयापचय
24. स्ट्रोक के बाद की घबराहट में फ्लुओक्सेटीन की प्रभावकारिता - प्रॉस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड ओपन ब्लाइंड एंड-पॉइंट (प्रोब) अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
25. वयस्क भारतीय नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज़ (एनएएफएलडी) रोगियों के बीच मैटाबोलिक, एन्थ्रोपोमेट्रिक और अल्ट्रासाउंड मापदंडों पर गहन आहार परामर्श के प्रभावः यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय-चिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
26. पीसीआई के बाद वाले रोगियों में योग आधारित हृदय संबंधी स्वास्थ्यलाभ की प्रभावकारिताः एक संभावित यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंडेड एंड-पॉइंट ट्रायल, हृद विज्ञान
27. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और मादक पदार्थों के उपयोग के बारे में साक्षरता को बढ़ाना - एक हस्तक्षेप अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
28. लिम्फ नोड भागीदारी के साथ तपेदिक के निदान में 99एमटेक्नेटियम लेबल किए हुए एंटीबायोटिक स्किन्टिग्राफी का मूल्यांकन, कायचिकित्सा।
29. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक (ओएमएआईएस) में ओरल मेटफोर्मिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकनः संभावित यादृच्छिक ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (प्रोब) परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान।

30. तीव्र आघात में बुखार, हाइपरग्लाइसेमिया, निगलने की प्रक्रिया एवं उच्च रक्तचाप का उपचारः एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आघात चिकित्सा अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार), तंत्रिका विज्ञान
31. प्रतिरक्षा में अक्षम रोगियों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी की आवृत्ति और आनुवंशिक लक्षण वर्णन, सूक्ष्मजैव विज्ञान
32. भारत के लौंगिट्यूडिनल एंजिग अध्ययन (एलएएसआई) हेतु अनुकूलित डिमेन्शीआ का हार्मोनाइज्ड नैदानिक मूल्यांकन (डीएडी), जरा चिकित्सा
33. प्राथमिक सुप्रैटेंटोरियल अंतःमस्तिष्कीय रक्तस्राव हेतु डेक्सामेथासोन की उच्च खुराकः एक व्यावहारिक समानांतर समूह ओपन लेवल यादृच्छिक परीक्षण के साथ ब्लेंडेड एंडपॉइंट आकलन (पीआरओबीई), तंत्रिका विज्ञान
34. पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों (एमएसएम) में एचआईवी परीक्षण में वृद्धि करने के लिए एक तंत्र के रूप में एचआईवी स्व-परीक्षण: एक मिश्रित पद्धति अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
35. पीडियाट्रिक ल्यूकेमिया में मानव साइटोमेगालोवायरस रोग का पुनःसक्रियण, संक्रामक रोग चिकित्सा
36. एनएमआर का उपयोग करके पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान, एनएमआर
37. सारकोपेनिक एशिया के भारतीय स्थूलकाय व्यक्तियों में अगली पीढ़ी के अनुक्रमण का प्रयोग करते हुए सीरम प्रोटीन की पहचान और कंकाल के माँसपेशी की विशिष्ट माइक्रोआरएनए "मायोमीआरएस" की विभेदक अभिव्यक्ति, कायचिकित्सा।
38. वृद्ध भारतीय आबादी में प्रमुख ऑर्थोपेडिक सर्जरी के परिणाम पर फ्रेल्टी और जेरिएट्रिक सिंड्रोम का प्रभाव, जरा चिकित्सा
39. तृतीयक देखभाल सार्वजनिक अस्पताल, में एसटी एलिवेशन मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन के उपचार के लिए आपातकालीन सेवाओं के उपयोग पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव, हृद विज्ञान
40. पीडियाट्रिक कैंसर रोगियों में न्यूरोट्रोपेनिक एंटेरोकोलाइटिस के परिणाम के बारे में जानकारी और निर्धारक, बाल चिकित्सा
41. दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच हल्की संज्ञानात्मक हानि और संबंधित कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
42. बहु-मायलोमा में जीनोमिक विपथन का कम आक्रामक मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच
43. सर्जिकल प्रशिक्षण के सर्जिकल विषय के लिए फैंटम मॉडल का संशोधन और सत्यापन
44. दिल्ली एवं इससे जुड़े हुए क्षेत्र में सूक्ष्म जीवाणुजनित विकृति के मामले से विलग निएसेरिया मैनिंजाइटिस का आणुविक वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान
45. स्वस्थ लोगों में प्रकृति प्रकार के साथ तथा अन्य तकनीकों और फेनोटाइपिंग आधारित सहसंबंध, एनएमआर

46. अत्यंत गहरे परिगलित घाव और लाक्षणिक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस के साथ परिपक्व स्थायी दांतों में कोरोनल और डीप पल्पोटॉमी का परिणाम- एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, दंत चिकित्सा
47. द्वितीयक हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस के पूर्वसूचक परिणाम, संक्रामक रोग चिकित्सा
48. उत्तर भारत से नॉन-टाइपेबल हिमोफिलस इन्फ्लुएंजा (एनटीएचआई) के फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन, सूक्ष्मजैवविज्ञान
49. कार्डियक सर्जरी में फिबक्सोस्टैट का शल्यक्रिया से पूर्व उपयोग - एक डबल ब्लाइंड अग्रदर्शी यादृच्छिक चरण II का परीक्षण, सीटीवीएस।
50. 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों में ब्रेन एमआरआई पर प्रासंगिक निष्कर्षों की व्यापकताः एक जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
51. बाल किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात का लौटावः एक बहुआयामी पैमाने का विकास एवं साइकोमेट्रिक गुण, मनोचिकित्सा
52. बचपन के हॉज्किन लिंफोमा के उत्तरजीविताओं में पल्मोनरी डिसफंक्शन, बाल रोग
53. एकपक्षीय वोकल फोल्ड पैरालिसिस, ओटोलैरिंगोलॉजी और हेड नेक सर्जरी के रोगियों में ऑफिस बेस्ड इंजेक्शन लैरिंगोप्लास्टी के श्वसन और आवाज के परिणाम
54. मानव ट्राफोब्लास्ट कोशिकाओं के स्थानांतरण पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
55. आयुर्वेदिक उपचारों की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका, एनएमआर
56. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
57. रिकरंट प्रेग्नेंसी लॉस में शुक्राणु आणविक कारकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान
58. टी-नियामक कोशिकाओं (ट्रेग्स) की भूमिका और उपकला एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में उनका नैदानिक सहसंबंध, शल्यक अर्बुदविज्ञान
59. अधिक वजन / मोटापे वाले स्कूली बच्चों में बीएमआई को कम करने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन आधारित हस्तक्षेपः एक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, बाल चिकित्सा।
60. पर्क्यूटेनस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में स्पाइना प्लेन ब्लॉकः एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान एवं पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार
61. फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) का इस्तेमाल करके क्रोनिक इन्ट्रैक्टबल एपिलेप्सी में कॉगनिशन तथा जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
62. एम्स, नई दिल्ली में एचआईवी से पीड़ित बच्चों की सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययनः एक केस-नियंत्रण अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

63. इनफ्लेमेटरी प्रोटीन के परिसंचारी स्तर, मेटास्टैटिक स्तन कैंसर में उनके सिग्नलिंग कैस्केड और उसके लिए चिकित्सीय संबंध पर अध्ययन, जैव भौतिकी

64. ऐच्छिक ओपन पाइलोप्लास्टी करवा रहे बाल रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद एनलजेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार

65. सेप्सिस से पीड़ित गंभीर रूप से अस्वस्थ वयस्क रोगियों के मृत्यु दर की भविष्यवाणी में मायलोपेरॉक्सीडेज और न्यूट्रोफिल सीडी-64 का पूर्वानुमान सम्बन्धी महत्त्वः एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार

66. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेजिटेंट प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में एबेरेटेरोन ऐसिटेट बनाम कॉन्कोमिटैंट 177एलयू-डीकेएफजेड-पीएसएमए-717 और एबिरेटेरोन ऐसिटेट थेरेपी का उपचारात्मक प्रभावः ओपन लेबल, टू आर्म, फेस II परीक्षण, नाभिकीय चिकित्सा

67. वीएटीएस से गुजरने वाले रोगियों में डायफ्रामेटिक मोटाई के अंश की तुलना इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम स्थानीय इनफिल्ट्रेशन के साथ करना, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार

68. ऑफपंप बनाम ऑनपंप सीएबीजी से गुजर रहे एलवी डिसफंक्शन वाले रोगियों में फुफ्फुसीय क्रियाकलाप की तुलना, हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

69. उच्च जोखिम वाली आबादी (बीआरआईसी) में कोविड-19 की घटनाओं और गंभीरता को कम करने में बैसिलस काल्मेट-ग्युरिन (बीसीजी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करनाः चरण III, बहुकेंद्रीय, क्वाडरुप्ल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा

70. आपात चिकित्सा में तीव्र पेट दर्द वाले रोगियों के क्लिनिक एपिडेमीओलॉजिकल प्रोफाइल का अध्ययन करना, आपात चिकित्सा

71. प्रयोगशाला के चूहे में पुरुष प्रजनन पर डीजल निकास के खतरे के प्रभाव का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान

72. प्रयोगशाला के चूहे में पुरुष प्रजनन पर डीजल निकास के खतरे के प्रभाव का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान

73. स्तर-1 ट्रॉमा केंद्र, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी) में वैश्विक एनकोव19 महामारी के कारण आघात की मात्रा और लक्षण पर राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के प्रभाव का अध्ययन करना

74. हृदघात वाले रोगियों में कैरोटिड पल्स जाँचने के लिए पॉइंट ऑफ़ केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका का अध्ययन करना, आपात चिकित्सा

75. चुंबकीय इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी, का उपयोग करके प्रमुख अवसादजनित विकार वाले रोगियों में संरचनात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों को समझना, एनएमआर

76. प्री-फ्रेल से पीड़ित बुजुर्गों के लिए गृह-आधारित वीडियो-अवलोकित नॉर्डिक वॉकिंग प्रशिक्षण बनाम प्रत्यक्ष-अवलोकित नॉर्डिक वॉकिंग प्रशिक्षण, जराचिकित्सा

पूर्ण

1. कैंसर रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल दर्द के उपचार में स्क्रैम्बलर थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, आईआरसीएच
2. कमर के निचले हिस्से में गंभीर दर्द से पीड़ित रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना का एक अध्ययनः ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
3. 50 वर्ष एवं अधिक आयु के वयस्कों के जनसमुदाय में वाहिका जोखिम कारक, मस्तिष्क एम.आर.आई. उपाय, संज्ञान एवं गति का संबंधः जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
4. स्तन कैंसर के आनुवंशिक पहलू से संबंधित भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों की जागरूकता एवं ज्ञान, आईआरसीएच
5. सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में आप्लावन अवस्था में सघन चिकित्सा टीईई बनाम पारंपरिक टीईई की तुलना- एक डबल ब्लाइंडेड अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार
6. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकारः एक समुदाय-आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
7. भारत में जनसंख्या आधारित समूह के अध्ययन के लिए अंग्रेजी और हिंदी में साक्ष्य आधारित प्रश्नावली की अभिकल्पना और मान्यता, तंत्रिका विज्ञान
8. प्रेरण के अंत में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा बी-सेल लाइनऐज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में मिनिमल रेजिडुअल डिजीज (एमआरडी) का पता लगाना, बाल चिकित्सा
9. सीरम प्रोटीन मार्कर का विकास और अल्जाइमर के रोग के लिए संभावित मॉड्यूलेटर का उपयोग करके एंटीऑक्सीडेटिव प्रभाव का अध्ययन, जैवभौतिकी
10. रेडियोन्यूक्लाइड (131आई-एनए) थेरेपी करा रहे डिफ्रेंशिएटेड थायराइड कैंसर वाले बच्चों और व्यस्कों पर डॉसिमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा
11. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड के संपर्क में आए वयस्क महिला चूहों के हाइपोथेलेमस तथा हिप्पोकैम्पस में संज्ञानात्मक कार्य और एस्ट्रोजेन रिसेप्टर प्रोफाइल पर रेस्वेराट्रोल पूरकता का प्रभाव, शरीर-रचना विज्ञान
12. दिल्ली के तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में चयनित परिचर्या कर्मचारियों में तनाव एवं जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता पर संरचित योगा कार्यक्रम का प्रभाव- एक छोटे स्कैल पर फेज़-2 परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
13. अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में ब्लड इन्वेंट्री मैनेजमेंट का मूल्यांकन एवं रक्त की कमी को दूर करने हेतु रणनीति का विकास, नैदानिक जैव रसायन
14. मेमोरी क्लिनिक में जाने वाले रोगियों में गैट और संतुलन का आकलन, जरा चिकित्सा
15. एचआईवी नेगेटिव लिम्फ नोड ट्यूबरक्लोसिस में पैराडाक्सिकल रिएक्शन की घटना, परिणाम एवं जोखिम के कारक, कायचिकित्सा

16. एचएनएससीसी में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन-जी के हस्तक्षेप और इसके चिकित्सीय संबंध, जैव भौतिकी
17. पार्किंसंस रोग में ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन की भूमिका की जांच, तंत्रिका विज्ञान
18. कम संज्ञानात्मक बधिरता वाले पार्किंसंस रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक एवं बायोकेमिकल संबंधी मैपिंग, एनएमआर एवं एमआरआई सुविधा
19. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का मैटाबोल्मिक्स अध्ययन, एनएमआर
20. इम्यूनोकंप्रोमाइज्ड व्यक्तियों में माइकोप्लाज्मा निमोनिया एवं न्यूमोक्सीस्टिस जिरोवेसी की आणविक एपिडेमियोलॉजी, सूक्ष्मजैव विज्ञान
21. गंभीर डेंगू का पूर्वानुमान करने वाले एवं गंभीरता मापने हेतु स्कोरिंग सिस्टम का विकास, कायचिकित्सा
22. तृतीयक उपचार अस्पताल में व्यापक रूप से वजन घटाने की प्रक्रिया से गुजरने वाले मोटापे से ग्रसित वयस्कों के बीच वजन घटाने के सफल परिणाम के पूर्वानुमानक, कायचिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय
23. दिल्ली के शहरी क्षेत्र में रहने वाले 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों में सेरिब्रल माइक्रो-ब्लीड्स की व्यापकता एवं निर्धारकः जनसंख्या आधारित क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
24. आपातकालीन विभाग में उपस्थित संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में 7 और 28 दिनों के परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में क्यू-सोफा स्कोर, आपात चिकित्सा विभाग
25. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक सिंड्रोम में गुर्दे की रोगजनन पर फ्लोराइड विषाक्तता की भूमिका, एक अल्ट्रा स्ट्रक्चरल, जैव रासायनिक एवं प्रोटॉमिक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
26. अल्जाइमर रोग में टाऊ के हाइपरफॉस्फोरिलीकरण में शामिल मार्गों को लक्षित करने वाले संभावित मॉड्यूलेटर का अध्ययन, जैव भौतिकी
27. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम कारकः एक केस नियंत्रित अध्ययन, शल्यचिकित्सा
28. माइक्रोन्यूक्लि एस्से का उपयोग करके हाइपरथायरॉइड रोगियों में कम खुराक वाली 131आई थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा
29. माइक्रो वस्कुलर एनजाइना में संवहनी क्रिया एवं पीड़ा संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान
30. रजोनिवृत्त महिलाओं के लिए वजन प्रबंधन मॉड्यूलः स्त्रीरोग विशेषज्ञों हेतु एक व्यावहारिक गाइड, काय चिकित्सा, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 131

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य रविन्द्र मोहन पांडेय को निम्नलिखित सम्मान और महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम: सदस्यः महामारी विज्ञान और नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा स्थापित कोविड-19 की निगरानी, । आचार समितिः भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान (पीएचएफआई के अंतर्गत), के अध्यक्ष दिल्ली; सदस्यः जैव प्रौद्योगिकी संयुक्त राष्ट्र क्षेत्रीय केंद्र, डीबीटी के अंतर्गत। समन्वयकः एम्स में पीजी के छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार पर अनिवार्य 5 दिवसीय कार्यशाला; सदस्यः नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (आईसीएमआर) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; भारत में लाइसोसोमल भंडारण विकारों के नैदानिक, जैव रासायनिक और आणविक लक्षण वर्णन के बहु-केंद्रित सहयोगात्मक अध्ययन की संचालन समिति के सदस्य; विशेषज्ञ समिति, क्लैफ्ट लिप और पैलेट एनामली (आईसीएमआर) पर टास्क फोर्स परियोजना; बिल मिलेंडा गेट्स फाउंडेशन और डीबीटी द्वारा वित्तपोषित ग्रांड चैलेंज भारत के तकनीकी सलाहकार समूह/पोषण और स्वास्थ्य; जीवन पर मोबाइल टावर्स और हैंडसेट्स से आईएमएफ रेडिएशन एक्सपोजर के संभावित प्रभाव पर आरएंडडी प्रोपोजल के आकलन तथा डीएसटी के द्वारा आर एंड डी पर एक्सपर्ट कमेटी; भारत में पीडियाट्रिक एचआईवी मामलों की अधिकता के आकलन पर विशेषज्ञ समिति (आईसीएमआर), सदस्य डीएसएमबीः नवजात शिशु मृत्यु दर पर समुदाय आधारित कंगारू मदर उपचार, डब्ल्यूएचओ द्वारा समन्वित; परीक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रस्तुत की गई पीएच.डी. थीसिस; सीएमसी वेल्लोर और केरल विश्वविद्यालय।

आचार्य सदानंद द्विवेदी, यूजीसी, नई दिल्ली के एक स्वायत्त केंद्र, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी) के संचालन परिषद् के सदस्य थे; सदस्य (यूजीसी नामित), सलाहकार समिति, सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता यूनिवर्सिटी; बाहरी सदस्य, सांख्यिकी, असम विश्वविद्यालय, सिलचर में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड; सदस्य, शासी निकाय, एप्लाइड सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ; सदस्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के लिए विधियों और परियोजना समीक्षा समितियों पर कार्य बल समिति; एम्स में एक शोध परियोजना के लिए औषधि और सुरक्षा निगरानी बोर्ड के सदस्य; दो पाठ्यक्रमों के लिए बाह्य परीक्षकः (i) औद्योगिक सांख्यिकी; और (ii) इंजीनियरिंग सांख्यिकी II; गणित और सांख्यिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संकाय, वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय, सेंट ऑगस्टीन कैंपस, त्रिनिदाद और टोबैगो, वेस्ट इंडीज में 3 वर्ष (2021-2023) के लिए; दो पीएचडी छात्रों के लिए सलाहकार, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, हैदराबाद (2021) में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल यूनियन फॉर साइंटिफिक स्टडी ऑफ पॉपुलेशन (आईयूएसएसपी) के 29वें अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय आयोजन समिति; सांख्यिकी विभाग, और अन्य विभागों, सामाजिक विज्ञान संस्थान, डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में छात्रों और संकाय को संबोधित करने के लिए मुख्य अतिथि; जैव सांख्यिकी और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान विभाग, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में पीएचडी छात्र के लिए बाहरी विशेषज्ञ; गृह विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्र के लिए बाहरी विशेषज्ञ; इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स के वर्चुअल सम्मेलन के दौरान "डेटा की गुणवत्ता, जनसांख्यिकीय, पोषण और स्वास्थ्य के मुद्दे: राष्ट्रीय डेटा गुणवत्ता मंच" पर एक पूर्ण वार्ता सत्र की अध्यक्षता की; तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के बायोस्टैटिस्टिक्स में पीएचडी डिग्री प्रदान करने हेतु, पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक; बनारस हिंदू

विश्वविद्यालय, वाराणसी के सांख्यिकी विषय में पीएचडी डिग्री प्रदान करने हेतु पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए बाह्य परीक्षक; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन करने और इसकी मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; सांख्यिकी विभाग, सामाजिक विज्ञान संस्थान, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में एमस्टैट छात्रों की परियोजना कार्य के मौखिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाह्य परीक्षक; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के लिए चयन समिति के सदस्य; वर्ल्ड जर्नल ऑफ मेटा एनालाइजिस के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; सांख्यिकीय संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ; संपादक, डेमोग्राफी इंडिया; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जैवसांख्यिकी एंड बायोमेट्रिक्स ओपन एक्सेस जर्नल; बीएमजे ओपन के लिए समीक्षक; वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के लिए समीक्षक; समीक्षक, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लीनिकल बायोस्टेटेस्टिक्स; सिस्टमैटिक रिव्यूज; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड रिव्यूज; सदस्य, एडिटोरियल बोर्ड ऑफ इंडियन स्पाइन जर्नल; समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, बीएचयू, वाराणसी; सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स; निर्वाचित सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान, और सांख्यिकीय शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ, नीदरलैंड; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संघ, यूएसए; फेलो, रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसाइटी, यूके; सदस्य, स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए संस्थान आचार समिति; अध्यक्ष, चयन समिति, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली; सोसाइटी फॉर एविडेंस बेस्ड हेल्थ केयर के संस्थापक उपाध्यक्ष।

डॉ. मारूफ अहमद खान संपादकीय बोर्ड (बायोस्टैटिस्टिक्स) के सदस्य थे - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स; अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ रिसर्च, यूएसए के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ ओबेसिटी, यूके के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, यूके के वैज्ञानिक समीक्षक; अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन रिसर्च के वैज्ञानिक समीक्षक; अमेरिकन जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट के वैज्ञानिक समीक्षक; अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट के वैज्ञानिक समीक्षक; ब्रिटिश जर्नल ऑफ विजुअल इंपेयरमेंट के वैज्ञानिक समीक्षक; बीएमसी मेडिकल रिसर्च मेथडोलॉजी आदि के वैज्ञानिक समीक्षक।

9.7. जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

श्याम एस. चौहान

एनएएसआई वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फैलो

जया एस. त्यागी

सह-आचार्य

अनुश्री गुप्ता

सहायक आचार्य

रूपेश कुमार श्रीवास्तव	भूपेंद्र कुमार वर्मा	विक्रम सैनी
सिरीश कुमार इप्पागुंटा	सुमित राठौर	महेंद्र सिरवी
	विनीत चौधरी	

वैज्ञानिक

श्राबनी सौगंधिका

विशिष्टताएँ

विभाग प्रति बैच 12-14 छात्रों को प्रवेश देकर चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ जैव प्रौद्योगिकी में एक उच्च स्तरीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाता है। विभाग एक पीएचडी कार्यक्रम भी चलाता है। एमएससी और पीएचडी छात्रों की कुल संख्या लगभग 35 है। विभाग विभिन्न पृष्ठभूमि से आए हुए छात्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए एक छात्र मेंटरशिप एवं कैरियर जागरूकता कार्यक्रम चलाता है। विभागीय संकायों ने प्रतिष्ठित वेल्कम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलाएंस इंटरमीडिएट फेलोशिप अनुदान सहित विभिन्न वित्तपोषित एजेंसियों से बाहरी अनुदान प्राप्त किया है। विभागीय संकायों ने जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदानों के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों से राष्ट्रीय स्तर के सम्मान/अवार्ड प्राप्त किए। विभागीय संकायों ने भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित अनेक वैज्ञानिक सिमतियों में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। विभागीय संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं में समकक्ष समीक्षा अनुसंधान लेखों की असंख्य संख्या को प्रकाशित किया है। विभाग में 6 वरिष्ठ निर्देशक (डॉ. साक्क्षी डींगरा, कृति सीकरी, प्रिया कालरा, सौरभ शर्मा, प्रियंका दुग्गल एवं चमन सैनी) हैं जो विभाग की शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों में भाग लेते हैं। प्रोफेसर सैनी के समूह (सैनी वीएट ऑल, गट पेथोजेन्स 2020) द्वारा विकसित पीपीई विसंक्रमण पर पोस्टर को 65वें संस्थान दिवस प्रदर्शन (विषय: कोविड के समय में अ.भा.आ.सं.) के लिए चुना गया। अ.भा.आ.सं. में भारत के प्रथम पीपीई विसंक्रमण सुविधा को स्थापित कर उसका सफल संचालन किया जोकि प्रोफेसर सैनी के समूह द्वारा विकसित

वाष्पीकृत हायड्रोजन पेराऑक्साइड पद्धति पर आधारित था। अ.भा.आ.सं. में कोविड-19 आईसीयू एवं वार्ड में प्रयुक्त 4000 से भी अधिक पीपीई सूटों को पुन:उपयोग चयनात्मक हेतु इस सुविधा में विसंक्रमित किया गया था। पीपीई विसंक्रमण कार्य (सैनी वीएट ऑल गट पेथोजेन्स 2020) विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देश (2020) में प्रमुख रूप से पीपीई विसंक्रमण के लिए कमी और आपातकालीन स्थितियों को कम करने के लिए अनुशंसित विधि के रूप में शामिल है। मानक ब्यूरों, भारत सरकार पीपीई के विसंक्रमण के लिए वाष्पीकृत हाइड्रोजन पेरोक्साइट पद्धति को शामिल करते हैं। इसके अलावा कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे सिंगल एवं मल्टी-यूज पीपीई का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए पीपीई के परिशोधन के लिए अनुशंसित विधि के रूप में शामिल किया। प्रोफेसर सैनी की प्रयोगशाला से डॉ. कामिनी गौतम को राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल फैलोशिप से सम्मान किया गया है।

1

1. निदेशक अ.भा.आ.सं. प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया संकायाध्यक्ष अनुसंधान प्रोफेसर सुब्राता सिन्हा एवं डॉ. विक्रम सैनी, संयोजक, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में पीपीई रिसायकलिंग पर भारत की प्रथम अनुसंधान सुविधा में पीपीई विसंक्रमण समिति अ.भा.आ.सं.

2

2. संस्थान में कोविड-19 विशेष प्रदर्शनी में पीपीई रिसायकलिंग पर जैवप्रोद्योगिकी के कार्य के दौरान डॉ. हर्षवर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भूविज्ञान मंत्री।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

- विभाग, जैव प्रौद्योगिकी में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी पर जोर दिया जाता है, जिससे एम. बायोटेक डिग्री प्राप्त होती है। शिक्षण कार्यक्रम में 16 विषय सम्मिलित है, अर्थात सैल एवं विकासात्मक जीव विज्ञान, आनुवांशिकी, मानव जैव रसायन विज्ञान, चिकित्सा सूक्ष्मजीव-विज्ञान, इम्यूनोलॉजी एवं इम्यूनोटेक्नोलॉजी, आणविक जीव विज्ञान, संक्रामक रोग जीवविज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग एवं जीनोम प्रौद्योगिकी, जैवभौतिकी (सिद्वांत, तकनीक और चिकित्सा में अनुप्रयोग), जैव सूचना विज्ञान, ओएमआईसीएस (जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबॉलिमिक्स), जैव सांख्यिकी, प्रयोगशाला तकनीकों में सेमिनार (सिद्वांत और इंस्ट्रूमेंटेशन) मेडिकल जैवप्रौद्योगिकी (जर्नल क्लब एवं कम्युनिकेशन स्किल्स), आणविक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी में सेमिनार एवं चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में शोध-प्रबंध शामिल हैं।
- विभाग ने एम. बायोटेक्नोलॉजी(2019-2021) के पाठ्यक्रम में पाँच नए क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं जिनमें संक्रामक रोग जीवविज्ञान, ओएमआईसीएस: जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स, और चयापचय, बौद्धिक, संपदा अधिकार, जैवनैतिकता और जैव सुरक्षा (आईबीबी), आणविक डायग्नोस्टिक्स एवं क्लिनिकल जैवरसायन (एमडीबी) तथा चिकित्सा सूक्ष्मजैव-विज्ञान एवं संक्रामक रोग जैवविज्ञान पर प्रयोगशाला पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं।
- व्यावहारिक कक्षाओं में छात्रों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया जाता है एवं व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।
- विभिन्न विषयों से एम्स संकाय के अतिरिक्त पीजीआईएमईआर, जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई, आईआईटी, टीएचएसटीआई, आरसीबी, बीसीआईएल, टीईआरआई, जामिया हमदर्द और दिल्ली विश्वविद्यालय से बायोटेक्नोलॉजी, बायोइंफोर्मेटिक्स, आणविक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि में सेमिनार व्याख्यान प्रदान करने के लिए विशेषज्ञो को आमंत्रित किया जाता है।
- विभाग जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक पीएच.डी. कार्यक्रम आयोजित करता है।
- विभाग डीबीटी और डीएसटी राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल एवं युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त युवा वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. उद्योग उपक्रम एवं कौशल विकास कार्यक्रम, मई-जून,2020, डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव, डॉ. भूपेन्द्र के वर्मा। जैवप्रौद्योगिकी विभाग, अ.आ.आ.सं., नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

श्याम चौहान: 1	**जया एस. त्यागी: 2**	**रूपेश कुमार श्रीवास्तव: 8**
भूपेंद्र कुमार वर्मा: 3	**विक्रम सैनी: 5**	**सिरीश कुमार इप्पागुंटा: 1**
सुमित राठौर: 1	**महेंद्र सिरवी: 2**	**विनीत चौधरी: 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर की सूची

1. श्रीवास्तव आर.के. "सोडियम बेंजोएट (एनएबी) ओस्टियोपोरोसिस को कम करता है एवं होस्ट ओस्टियोइम्यून सिस्टम को संशोधित करके हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ाता है" अमेरिकन सोसायटी ऑफ बोन एंड मिनरल रिसर्च (एएसबीएमआर) 2020, वार्षिक बैठक, वर्चुअल इवेंट, 11-15 सितम्बर 2020, वाशिंगटन डीसी, यूएसए।
2. श्रीवास्तव आर.के. "ओस्टियोपोरोसिस के उपचार में "जीयूटी" इम्यून" अक्ष की दोहन क्षमता ईएमबीओ-ईएमबी.एल संगोष्ठी: शरीरक्रियाविज्ञान एवं रोग में अंतर-अंग संचार 15-18 मार्च 2020, हीडलबर्ग जर्मनी।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एप्टामेर-आधारित तपेदिक निदान टूलबॉक्स टॉलरेंस (सहयोगी परियोजनाएं), विक्रम सैनी, जया.एस. त्यागी (1 जनवरी 2019 से सह-पीआई), डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रू. 16.52 लाख।
2. एसोफैगल कैंसर में डायपेप्टिडाइल पेप्टिडेज 111 के सेलुलर एवं इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य, श्याम एस. चौहान, आईसीएमआर, इंडिया, 3 वर्ष, 2019-2022, रू. 35 लाख।
3. मायोबैक्टेरिएम व्रण से एल.डी-ट्रांस्पेप्टाइडेसिस का लक्षण-वर्णन: उभरता हुआ अवसरवादी रोगजनक, विक्रम सैनी, (नम्राता कुशवाहा वुमेन साइंसिस्ट हेतु मेंटर) डीएचआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, रू.30.9 लाख।
4. प्लास्मोडियम वाइवेक्स संक्रमणों में पैरासाइट लाइगेंड-होस्ट रिसेप्टर इंट्रेक्शन्स का लक्षण-वर्णन, सुमित राठौर, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, रू.65 लाख।
5. प्लास्मोडियम वाइवेक्स गंभीर मलेरिया में एमआईआरएनए को संचारित करना, सुमित राठौर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2019-2021, रू. 10 लाख।
6. ऐंटीबायोटिक सहनशीलता की चुनौती का सामना करना: एम ट्यूबरकुलोसिस क्लिएरेंस को सुधारने के लिए परम्परागत ऐंटी-ट्यूबरकुलर दवाइयों को डेवआर डोर्मेसी रेगुलेटर-लक्षित एप्रोच के साथ मिश्रित करना। विक्रम सैनी (डॉ. जया एस. त्यागी की अधिवर्षिता पर 01.06.2019 से पीआई), जया एस. त्यागी (1 जून 2019 से सह-पीआई), डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रू. 47.30 लाख।
7. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में सिस्टिन कैथेप्सिन्स: रोग निदान एवं रोग चिकित्सा में जटिलताएं, श्याम एस.चौहान, आईसीएमआर, भारत 1 वर्ष, 2019-2020, रू. 5 लाख।
8. साइटोप्लाज्मिक स्ट्रेस ग्रेन्यूल्स: कैंसर कोशिकाओं में एनास्टेटिस के गतिशील नियामक? महेन्द्र सेरवी, डी.एस.टी.-एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट, 3 वर्ष, 2021-2024, रू. 64 लाख।
9. कोविड-19 के संदर्भ में डिकोडिंग स्प्लिसोसोम, भूपेन्द्र के वर्मा, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष, 2020-2021, रू. 9.2 लाख।

10. ओस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए नोवेल मशरूम आधारित सिनबायोटिक फूट सप्लीमेंट का विकास, रूपेश के श्रीवास्तव, अ.भा.आ.सं.-आईआईटी-दिल्ली इंटर इंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-2021, रू. 20 लाख।

11. रूमेटॉयड गठिया मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं एवं सिनोवियल फाइब्रोब्लास्ट्स पर टोल-जैसे रिसेप्टर सिग्नलिंग इनहिबिटर के प्रदाहक-रोधी प्रभावों की खोज: रूमेटॉयड गठिया में सूजन को नियंत्रित करने के लए भविष्य की संभावित रणनीति के रूप में टीएलआर सिग्नलिंग अवरोध की पहचान करने के लिए इन विट्रों अध्ययन, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, आईसीएमआर 3 वर्ष, 2021-2024, रू. 71 लाख।

12. ओस्टियोपोरोसिस के प्रोबायोटिक्स मीडियाटिड इंहिबीशन में जीयूटी रेजीडेंट रेगुलेटरी टी कोशिकाओं को सम्मिलित करते हुए सेलुलर प्रक्रियाविधि की व्याख्या, रूपेश के श्रीवास्तव, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, रू. 65 लाख।

13. ल्यूपस रोगियों से परीसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में नोवल टोल-जैसे रिसेप्टर-सिग्नोलिंग इंहिबीटर्स की इम्यूनोमोडुलेटरी गतिविधियों की खोज करना: ल्यूपन के लिए दवा लक्ष्य के रूप में टीएलआर की पहचान करने के लिए एक अध्ययन। सिरीश कुमार इप्पागुंटा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, रू. 68.1 लाख।

14. ''सार्स कोव-2 के स्पाइक प्रोटीन के विरूद्ध उच्च एफीनिटी संयाजक म्यूरीन मोनोक्लोनल ऐंटीबॉडी अंशों (एससीएफवी) का निमार्ण'' सुमित राठौर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष, 2020-2021, रू. 8 लाख।

15. हर गोविंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड (आईवाईबीए), जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, विक्रम सैनी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रू. 59.06 लाख।

16. हल्के रोगसूचनक, रोगग्रस्त एवं बीमार कोविड-19 रोगियों में होस्ट टांस्क्रिऐमिक प्रोफाइलिंग, विक्रम सैनी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2020-2022, रू. 10 लाख।

17. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएनए अंशों की पहचान एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन, भूपेंद्र के वर्मा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, रू. 39.41 लाख।

18. मानव पित्ताशय की थैली के कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए नोवल रक्त आधारत बायोमार्कर की पहचान, श्याम एस. चौहान, डीआरडीओ, भारत, 3 वर्ष, 2018-2021, रू. 46.61 लाख।

19. एक्टोपिक लिपिड ड्रॉपलेट फॉर्मेशन में सीपिन प्रोटीन की भूमिका की जांच, विनीत चौधरी, अ.भा.आ.सं. इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, रू. 10 लाख।

20. ईएमटीमें टीआरएनए युत्पन्न गैर-कोडिंग आरएनए की भमिका की जांच एवं विकृतियों के लिए इसकी प्रासंगिकता, भूपेन्द्र के. वर्मा, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2020-2022, रू. 10 लाख।

21. तपेदिक उपचार के लिए एक नोवल दृष्टिकोण के रूप में सेलेनियम पूरकता के माध्यम से होस्ट बायोएनेरजेटिक्स स्वास्थ्य तथा रेडॉक्स प्रकार्य का मॉडुलेशन, विक्रम सैनी, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, रू. 53.85 लाख।

22. लिपिड ड्रापलेट बायोजेनेसिस की आण्विक प्रक्रियाविधि, विनीत चौधरी, वेल्कम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस। योजना: बेसिक बायोमेडिकल अनुसंधान के क्षेत्र में इंटरमीडिएट फेलोशिप ग्रांट, 5 वर्ष, 2021-2026, रू. 360 लाख।

23. पूर्वात्तर क्षेत्र सहित भारत में जूनोटिक एवं ट्रांस्बाउंड्री रोगों पर चर्चा करने हेतु एक स्वास्थ्य के लिए नेशनल कंसोर्टियम, विक्रम सैनी (अ.भा.आ.सं. में पीआई), डीबीटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, रू. 57.12 लाख।

24. नोवल स्मॉल मॉलिक्यूल इंहिबीटर का उपयोग कर स्वास्थ्य दाताओं के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल - जैसे रिसेप्टर एवं इंटरल्यूकिन-1 सिसेप्टर के जीव विज्ञान की जांच करना, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2020-2021, रू. 5 लाख।

25. माइक्रोबियल संक्रमण के उपचार के लिए एक नोवल दृष्टिकोण के रूप में प्रोबायोटिक्स मध्यस्थता बायोएनेरजेटिक्स स्वास्थ्य मॉडुलेशन, विक्रम सैनी, डीआरडीओ, भारत, 3 वर्ष, 2020-23, रू. 75.50 लाख।

26. स्तन कैंसर कोशिकाओं में एनास्टेटस एवं संबद्ध कैंसर स्टेम सैल-जैसे सेलुलर परिवर्तन में एएलडीएच1ए3 की भूमिका, महेन्द्र सेर्वी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.), इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2022, रू. 10 लाख।

27. ''रजोनिवृत्ति के पश्चात ओस्टोपोरोसिस में नियामक बी कोशिकाओं (ब्रेग्स) की भूमिका स्थापित करना'' रूपेश के. श्रीवास्तव, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2022, रू. 10 लाख।

पूर्ण

1. कैंसर कोशिकाओं में एनास्टेटिस की प्रक्रियाविधि: रोग आवर्ती क्षमता एवं थेरेपी में इसका प्रभाव, महेन्द्र सेर्वी, डीएसटी-एसईआरबी यंग साइंटिस्ट, 3 वर्ष, 2016-2019, रूपये 26 लाख।

2. डेंगू वायरस के साथ संबंधित नोवल जीन नियामक सर्कुटस: चिकित्सीय संभावना की खोज करना, भूपेन्द्र के. वर्मा, अ.भा.आ.सं., 2 वर्ष, 2018-2020, रू. 9.9 लाख।

3. सेलेनियम सप्लीमेंटेशन और माइकोबैक्टीरियल संक्रमण। विक्रम सैनी, अ.भा.आ.सं. इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2018-2020, रूपये 10 लाख।

4. मुखीय कार्सिनोजेनेसिस में मानव हीटरोजेनेयस रिबोन्यूक्लिप्रोटीन डी अभिव्यक्ति की भूमिका एवं नियामक का अध्ययन, श्याम एस.चौहान, डीएसटी, भारत, 3 वर्ष, 2016-2019, रू. 74.66 लाख।

5. ओवीएक्स चूहों में हड्डी के नुकसान की लैक्टोबैसिलस रेमनेसस मीडियाटिड इंहिबिशन में ट्रैग-टीएच 17 कोशिकाओं की भूमिका को विभाजित करना, डॉ. रूपेश के. श्रीवास्तव, अ.भा.आ.सं.-इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2018-2020, रू. 10.00 लाख।

6. पुरुष प्रजनन क्षमता में उच्च नमक आहार (एचएसडी) की भूमिका का अध्ययन करना: हड्डी के हार्मोन ओस्टियोकैल्सिन की भूमिका। डॉ. श्राबनी सौगांधिका, अ.भा.आ.सं. - इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2018-2020, रू. 10.00 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. विटामिन सी डॉर्मेसी मॉडल में माइक्रोबैक्टीरियम तपेदिक का अनुकूलन।
2. स्वास्थ परिसरीए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में इंडोसोमल टीएलआर-प्रवृत्त सिग्नेलिंग सक्रियण पर नोवल पायराजोल-आधारित छोटे अणु अवरोधक के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. स्वस्थ परिसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में सैल सतह टीएलआर-प्रेरित सिग्नेलिंग सक्रियण पर नोवल पायराजोल-आधारित छोटे अणु अवरोधक में प्रभाव का विश्लेषण करना।
4. संक्रमण के विटामिन सी पूर्व विवो मॉडल में माइकोबैक्टीरियम तपेदिक के लिए होस्ट ट्रांस्क्रिप्शनल प्रतिक्रिया का विश्लेषण एवं सक्रिय टीवी एवं गुप्त टीवी संक्रमण में नैदानिक प्रतिक्रियाओं के साथ तुलना।
5. एसोफेगेल कैंसर में डायपेप्टिडाइल पेप्टिडेज III के सेलुलर एवं इम्यूनोमॉडुलेटरी प्रकाय।
6. सार्स-कोव-2 के संदर्भ में स्प्लिसोजोम का लक्षण-वर्णन।
7. जांच की गई दवा एवं करक्यूमिन के साथ पी53 वाई220 उत्परिवर्ती का तुलनात्मक अध्ययन।
8. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: पूर्वानुमान एवं रोग चिकित्सा में जटिलता (जटिलताएं)।
9. कोविड-19 के संदर्भ में स्पिलिसियोसम को विसंकेतन करना।
10. प्लाज्मोडिएम संक्रमण का पता लगाने के लिए एप्टामर आधारित विश्लेषण का विकास।
11. क्लैड-सी आधारित इम्यूनोजेन के विकास की ओर एचआईवी-1 नेटिव-जैसे ट्रिमेरिक एनविलप ग्लाइकोप्रोटीन कंस्ट्रक्ट की इंजीनियरिंग।
12. ल्यूपस परिसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल- जैसे रिसेप्टर सिग्नेलिंग इंहिबिटर्स की इम्यूनोमोडुलेटरी गतिविधियों का मूल्यांकन।
13. डेंगू वायरस प्रतिकृति में आर नेजिस की भूमिका का प्रकार्यात्मक लक्षण वर्णन।
14. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएनए अंशों की पहचान एवं प्रकार्यात्मक लक्षण-वर्णन।
15. सीएचआईपी-सिक विश्लेषण द्वारा एमटीबी जीनोम में डीईवीआर बाइंडिंग स्थलों की पहचान।
16. ईएमटी में टीआरएनए व्युत्पन्न गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका की जांच एवं दुर्दमताओं हेतु इसकी प्रासंगिकता।
17. लीशमैनियाइनफैंटम के पीआई न्यूक्लीज एंजाइम का आणविक मॉडलिंग: लीशमैनियाइनफैंटम के लिए प्रबल इंहिबिटरी अणुओं के डिजाइन एवं वैक्सीन अभ्यर्थियों के लिए जटिलताएं।
18. मुखीय कैंसर में मानव विषम न्यूक्लियर रियोबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका।
19. मुखीय डिस्प्लेसिया के दुर्दम परिवर्तन में ईजीएफआर के नेगेटिव नियामकों की भूमिका।
20. ग्लियाल ट्यूमर जेनिसिस में प्रोथिमोसिन -α की भूमिका।

21. एससीवी फेज लाइब्रेरी की स्क्रीनिंग एवं सार्स-कोव-2 स्पाइक प्रोटीन बाइंडिंग क्लोन्स का चयन।
22. डेंगू विकृतिशरीरक्रियाविज्ञान में स्प्लिसियोमल विनियमन।
23. सार्स-कोव-2 से आरएनए पोलीमिरेज एंजाइम का संरचनात्मक विश्लेषण कोविड-19 के विरूद्ध वैक्सीन अभ्यर्थियों एवं प्रबल दवाई अणुओं के डिजाइन हेतु जटिलताएं।
24. प्लास्मोडिएम फाल्सीपेरम के मिटोकोड्रियल कैरियर प्रोटीन का उपकोशिकीय स्थानीयकरण।
25. एम तपेदिक की दवा सहनशीलता का मुकाबला करने के लिए डीवीआर का लक्ष्यीकरण।
26. बोन रीमॉडलिंग को विनियमित करने में एमसी-एलआर के प्रभाव का अध्ययन करना।
27. बोन रीमॉडलिंग को विनियमित करने में सोडियम बेंजोएट (एनएवी) के प्रभाव का अध्ययन करना।
28. होस्ट ओस्टियो-प्रतिरक्षा प्रणाली को विनियमित करने के माध्यम से अस्थि स्वास्थ्य को संशोधित करने में बिफीडोबैक्टीरियम लोंगम की भूमिका का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. स्वस्थ परीसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में कोशिका सतह टोल-जैसे रिसेप्टर-प्रवृत्त प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन अभिव्यक्ति पर नोवल लघु अणु ऐंटागोनिस्ट के प्रभाव का विश्लेषण करना।
2. स्वस्थ परीसरिए रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में इंडोसोमल टोल-जैसे रिसेप्टर-प्रवृत्त प्रो इंफ्लेमेटरी साइटोकाइन अभिव्यक्ति पर नोवल लघु अणु ऐंटागोनिस्ट के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. गौण स्प्लिसियोसम एवं पोलीएडेंलेशन मशीनरी के मध्य प्रकार्यात्मक परस्पराक्रिया का लक्षण-वर्णन।
4. डेंगू वायरस के संदर्भ में पूर्व-एमआरएनए सिप्लिंग का लक्षण-वर्णन।
5. इरथ्रोसाइट सतह के साथ प्लास्मोडिएम वाइवेक्स ट्राइप्टोफन रिच ऐंटीजन 26.3 (पीवीटीआरएजी 26.3) के इंटरेक्टिंग प्रोटीन्स की पहचान।
6. माइक्रोबायल संक्रमणों का माइक्रो-न्यूट्रीएंट सप्पलीमेंटेशन का प्रभाव।
7. मुखीय कैंसर में एचएनआरएनपीडी द्वारा पीएआरपी-1 अभिव्यक्ति का नियमन।
8. प्लास्मोडिएम वाइवेक्स गंभीर मलेरिया के रोगियों में रेटीकुलोमाइट्स का सतह प्रोटियोमिक्स।
9. माइक्रोसिस्टिन-एलआर प्रवृत्त अस्थि हानि में टीएच 17-ट्रेग कोशिकाओं की भूमिका को विश्लेषित करना।
10. ओवीएक्स चूहों में प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस रेम्नोसस (एलआर) एवं टी कोशिका वंशावली के मध्य संबंध का अध्ययन करना।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक स्थल-विशिष्ट प्रोमोटर डीएनए मेथीलेशन प्रोफाइल्स के मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का अध्ययन, शल्यचिकित्सा।
2. एटेक्सिया टेलेंजिएक्टेसिया में ऐंटीसेंस ओलिगो मिडियाटिड थेरेपिस, बालचिकित्सा।

3. कैंसर स्टेम कोशिका मार्कर्स की क्लिनिकल महत्ता तथा विभिन्न ग्रेड्स एस्ट्रोसाइटोमस में इसके प्रोटीन्स, आर.पी. केंद्र।
4. ओस्टियोपोरोसिस के उपचार हेतु नोवल मशरूम आधारित साइनबायोटिक खाद्य सप्पलीमेंट का विकास, आईआईटी-दिल्ली।
5. कायनूरीनाइन पथ द्वारा ट्रायप्टोफन मेटाबोलिज्म की व्याख्या करना एवं कोर्नियल प्रतिरोपण करवाने वाले केराटोकोनस एवं फूच्स इंडोथेलियल कोर्नियल डिस्ट्रॉफी रोगियों में नैदानिक परिणाम का साथ उनका सह-संबंध, रा.प्र. केंद्र।
6. पैंक्रियास के कार्सिनोमा वाले रोगियों में रेग एवं एमयूसी-4 की अभिव्यक्ति, जठरांत्रविज्ञान।
7. टी-वंश तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में टीआरएनए-व्युत्पन्न अंशों की अभिव्यक्ति प्रोफाइल, सं.रो.कैं.अ.।
8. गट माइक्रोबायोम एवं एनएबी, एनसीसी, पुणे।
9. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में माइटोकॉन्ड्रियल मोर्फोलॉजी एवं माइटोकॉन्ड्रियल जैवजनन के मध्य लिंक, जैवरसायन।
10. गौण स्प्लिसियोसोमल तथा डेंगू, टीएचएसटीआई।
11. अग्नाशय कैंसर विकसित होने के उच्च जोखिम वाले चिरकारी अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, जठरांत्ररोग विज्ञान।
12. फाइटोथेरेप्यूटिक्स एवं अस्थि स्वास्थ्य, आईआईटी-खड़गपुर।
13. अस्थि स्वास्थ्य पर बीपीए की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय।
14. अग्नाशयशोथ में प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका, जठरांत्ररोग विज्ञान।
15. टीबी में प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका, शरीरक्रिया विज्ञान।
16. अग्नाशय के कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, जठरांत्ररोग विज्ञान।
17. ओस्टियोक्लास्टोजेनेसिस में टीएच9 कोशिकाओं की भूमिका, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद।
18. एम तपेदिक में इंट्रासेल्युलर गैसों की भूमिका को स्पष्ट करना, शरीरक्रियाविज्ञान।
19. पशु मॉडल का उपयोग करके आधात रक्तस्रावी शॉक के मध्य हेमाटोपोइएटिक विफलता के लिए आईपीएससी व्युत्पन्न हेमाटोपोइएटिक प्रोजेनीटर कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, आपात चिकित्सा।
20. आरएनए स्प्लिसिंग एवं स्थिरता में वाईबीएक्स प्रोटीन्स, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद।

पूर्ण

1. तपेदिक उपचार प्रतिक्रिया हेतु मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, आईसीजीईबी नई दिल्ली तथा इन स्टेम बैंगलोर।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 23 **सार: 4**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

श्याम एस चौहान, ने 23 दिसंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित हुए 60वें एनएएमएससीओएन में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी का डॉ. खानोल्कर ओरेशन प्रदान किया; वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली हेतु जैवरसायन के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर है; प्रोफेसर चौहान एम्स बायो-सेफ्टी कमेटी, एनिमल एथिक्स कमिटी एवं पीएचडी ग्रिवियांस कमेटी के सभापति हैं; वह संस्थान के लघु पशु सुविधा के प्रभारी अधिकारी भी हें; वह एसईआरबी यंग साइंटिस्ट-लाइफ साइंसिस एक्सपर्ट कमेटी ऑफ डीएसटी के सदस्य है; उन्होंनें एम्स, जोधपुर में बाहरी अनुसंधान अनुदान के मूल्यांकन एवं एम्स जोधपुर, एम्स पटना, एम्स पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायलेरी साइंसिस, दिल्ली में संकाय के चयन हेतु विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया; उन्होंनें डीबीटी-आरए, सीएसआईआर-आरए एवं आईसीएमआर पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव पर विचार करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सप्रेशन में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा यूजी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में भी नियुक्त किए गए; वह पुस्तकालय समिति, जैवप्रौद्योगिकी शिक्षण सलाहकार समिति, अ.भा.आ.सं., बायो-सेफ्टी कमेटी, वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य पद पर हैं एवं वह बायो-सेफ्टी कमेटी ऑफ इस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एवं इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, माल रोड, दिल्ली, सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ एवं सेंट्रल यूनीवर्सिटी ऑफ हरियाणा महेन्द्रगढ़ एवं कोर्स करिकुलम कमेटी ऑफ किंग जोर्ज मेडीकल यूनीवर्सिटी लखनऊ; प्रोफेसर चौहान विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के साथ ही इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्र्टी एवं जैवरसायन में रिसर्च एवं रिपोर्ट के एडिटोरियल बोर्ड में है। वह सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल कैमिस्ट्स (इंडिया) एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोलॉकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च एवं इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडीकल साइंसिस के अजीवन सदस्य हैं।

डॉ जया एस. त्यागी को एक्सीलेंसी इन बायोलॉजिकल साइंसिस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ सीएसआईआर (2020) के लिए जीएन रामचंद्रन गोल्ड मेडल प्रदान किया गया था। उन्होंने एनएएसआई सीनियर साइंटिस्ट प्लेटिनम जुबली था। फेलोशिप को प्राप्त किया; वह (ओनोरेरी विजिटिंग प्रोफेसर हैं, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की फेलो; भारतीय विज्ञान अकादमी की फेलो; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (भारत) की फेलो; गुहा रिसर्च कांफ्रेंस के सदस्य; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (भारत) के उपाध्यक्ष एवं परिषद सदस्य; पेनल ऑन साइंटिफिक वैल्यू, भारतीय विज्ञान अकादमी, बंगलौर; सदस्य, साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन ट्यूबरकुलोसिस, चैन्नई; सदस्य, साइंटिक एडवाइजरी कमेटी ऑफ टीएचएसटीआई; सदस्य, आरएपी-एसएसी ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी एवं सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एंड डायग्नोटिक्स; सदस्य, डीबीटी एक्सपर्ट ग्रुप ऑन ट्यूबरकुलोसिस; सदस्य, एचआरडी पर डीबीटी स्टिरिंग कमेटी एवं टास्क फोर्स; सदस्य, डीबीटी टेक्नीकल इवैल्यूशन कमेटी फॉर इंफैक्टिशियस डिजीज बायोलॉजी; सदस्य एनईआर हेतु मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी-II में तकनीकी मूल्यांकन अध्यक्ष, आईजीआईबी के इंस्टीट्यूशनल ह्यूमन एथिक्स कमेटी; सदस्य, टेक्नीकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ नेशनल बायोफार्मा मिशन, बीआईआरएसीडीबीडी; क्वैस्ट 2020 ऑफ टाटा ट्रस्ट हेतु इवेल्यूशन पैनल सदस्य;

एसएसी डिसीज बायोलॉजी उप समिति, आईआईएससी, बैंगलोर में बायोलॉजिकल साइंसिस एंड बायोइंजीनियरिंग एडवांस्ड रिसर्च हेतु डीबीटी-II एससीपार्टनरशिप प्रोग्राम के कंवेनर; सदस्य आरईपोओआरटी इंडिया हेतु डीबीटी सैंपल एक्सेंस एंड स्टीरिंग कमेटी; सदस्य, बीआईआरएसी-एनईएसटीए बूस्ट ग्रांट प्रोग्राम की प्रोग्रेस रिव्यू कमेटी; सदस्य, गवर्निंग कॉन्सिल सन फार्मा साइंस फाउंडेशन; सदस्य, आईएनएसए वीमेन इन साईंस पेनल; सदस्य, राष्ट्रीय संस्थानों में संकाय पदों के लिए चयन समिति; सदस्य, सीएसआईआर एसआरएफ/आरए चयन समिति मेडिकल साइंस एंड फार्मा साइंसिस); स्वास्थ्य उपचार विषय के अंतर्गत सीएसआईआरएफटीटीएफटीसी मॉनीटरिंग कमेटी की अध्यक्षता की।

डॉ अनुश्री गुप्ता जैव प्रौद्योगिकी विभाग हेतु केंद्रीय जन सूचना अधिकारी, बायोइंफोर्मेटिक कोर्स कोर्डिनेटर हैं, इन्होंने दिनांक 30 सितंबर - 4 अक्टूबर 2019 तक आईआईटी रूड़की में "कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड ट्रांसलेशनल बायोइनफॉरमैटिक्स" पर एक सप्ताह का लघु संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ रूपेश श्रीवास्तव, एल्सिवियर के बोन रिपोर्टस "टॉप-डाउनलोडिड एवं टॉप-साइटिड आथर्स" सूची में दर्शित है; ट्रि-साइंस एकेडेमिक्स ऑफ इंडिया के "यंग साइंस लीडरशिप" (वाईएसएल) के भाग है; एम बायोटेक प्रोग्राम कोर्डिनेटर; सदस्य, इंस्टीट्यूशनल कोविड-19 लिटरेचर एप्रेजल कमेटी, इंस्टीट्यूशनल ई ग्रांट अपडेट एवं ई न्यूजलेटर कमेटी, इंस्टीट्यूशनल आईपीआर कमेटी, इंस्टीट्यूशनल सीसीआरएफ-एफएलओडब्ल्यू साइटोमीट्रिकमेटी, कोविड-19 हेतु विभागीय संक्रमण नियंत्रण समिति; समीक्षा संपादक, कोशिका एवं विकासात्मक जीवविज्ञान में फ्रन्टियर्स तथा आण्विक जीवविज्ञान में फ्रन्टियर्स; संपादक, फ्रन्टियर्स, जीवविज्ञान में; इम्यूनोलॉजी (प्रदाहक) में सह संपादक, फ्रन्टियर्स।

डॉ भूपेंद्र कुमार वर्मा एम बायोटेक प्रोग्राम कोर्डिनेटर हैं; कोविड-19 प्रबंध, एम्स हेतु नोडल अधिकारी; कोविड-19 हेतु विभागीय संक्रमण नियंत्रण समिति के कोर्डिनेटर; सदस्य, कोविड-19 नैदानिक प्रबंध समिति; कोविड-19 लिटरेचर एप्रेजल कमेटी फॉर इम्यूनोलॉजी, मोलीकुलर बायोलॉजी एंड वैक्सीन डेवलपमेंट।

डॉ विक्रम सैनी हरगोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट हैं, फेलो, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं संक्रमण रोग, जैवसुरक्षा एवं जैवसंरक्षा में एक मान्यप्राप्त विशेषज्ञ। डॉ. सैनी ने नेशनल बायोडिफेंस प्रोग्राम एवं प्राथमिकता-पैथोजेन नियंत्रण सुविधाओं के विकास के तकनीकी मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय समिति, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य एवं परामर्शदाता। डॉ. सैनी ने पीपीई किटों की गुणवत्ता, कार्य संपादन एवं पुन: उपयोग के मुद्दे को देखने के लिए ऑफिस ऑफ प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर, भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय समिति के विशेषज्ञ के रूप में भी कार्य किया; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारत डीआरडीओ, भारत एवं उत्तराखंड राज्य सरकार, भारत/इन क्षेत्रों में उच्च नियंत्रण जैवसुरक्षा सुविधाओं के विकास के लिए विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित पहल के लिए तकनीकी विशेषज्ञ एवं परामर्शदाता। डॉ. सैनी कमेटी फॉर दि पर्पस ऑफ कंट्रोल एंड सुपरविजन ऑफ एक्सपेरीमेंट्स ऑन एनिमल्स (सीपीसीएसईए), पशुपालन व डेयरी विभाग,

भारत सरकार के लिए चयनित नामित है; एवं उत्तरपूर्वी क्षेत्र सहित भारत में जूनोटिक एंड ट्रांस्बोड्री डिसीस को देखने के लिए नेशनल कंसोर्टिएम फॉर वन हेल्थ में प्रमुख अन्वेषक (एम्स में) इसके अतिरिक्त डॉ. सैनी अस्पताल की वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए विकृतिजनक विसंक्रमण के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों की प्रभावकता की जांच करने के लिए ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के आरएआईएसई प्रोग्राम के लिए प्रमुख अन्वेषक एवं तकनीकी विशेषज्ञ होने के अतिरिक्त एम्स में अनेक कार्यो में सम्मिलित है; कोविड-19 हेतु पीपीई डिकंटेमिनेशन एंड री-व्यूज कमेटी के कंवेनर; इंस्टीट्यूशनल कोविड-19 डायग्नोस्टिक कमेटी के सदस्य सचिव, सेंट्रल रिसोर्स कमेटी के सदस्य एवं कोविड-19 के दौरान अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में पीपीई उपयोग के चयन के सदस्य तथा सदस्य, इंस्टीट्यूशनल पर्चेस कमेटी। इसके अतिरिक्त डॉ. सैनी इंस्टीट्यूशनल बायोसेफ्टी कमेटी (आईबीएससी), इंस्टीट्यूशनल एनिमल एथिक्स कमेटी (आईएईसी), कोर कमेटी सीसीआरएफ, कमेटी फॉर न्यूड-माइस/ट्रांस्जेनिक माइस सुविधा सहित विभिन्न संस्थागत निकायों/कमेटियों के लिए सदस्य/विशेष आमंत्रित है; सीसीआरएफ-बीएसएल-3 प्रयोगशाला, अ.भा.आ.सं. के लिए सुविधा प्रभारी एवं कोर्डिनेटर; एवं केंद्रीय पशु सुविधा, एम्स में ए-बीएसएल3 के लिए सदस्य-सचिव; जैवप्रौद्योगिकी विभाग, एम्स में जैवप्रौद्योगिकी में कैरियर जागरूकता कार्यक्रम के कोर्डिनेटर। इसके अतिरिक्त डॉ. सैनी ने सूक्ष्मजैवविज्ञान में जर्नल फ्रंट्रियर्स में समीक्षा संपादक एवं विभिन्न् पत्रिकाओं तथा वित्तपोषित एजेंसियां डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी, स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एसएनएफ) आदि के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया। वह बायोडिफेंस प्रोग्राम एवं प्राथमिकता-रोगजनक, निषेध सुविधाओं के विकास के तकनीकी मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय कमेटी, रक्षा विभाग, भारत सरकार के लिए विशेषज्ञ सदस्य एवं परामर्शदाता के रूप में आमंत्रित। वह पीपीई किटों की गुणवत्ता, कार्य प्रदर्शन एवं पुन:उपयोग के मुद्दे को देखने के लिए ऑफिस ऑफ प्रिंसिपल साइंटिफिक एडवाइजर, भारत सरकार द्वारा गठित राष्ट्रीय कमेटी में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में डॉ. सैनी के समूह द्वारा विकसित वाष्पीकृत हाइड्रोजन पेराक्साइड पद्धति पर आधारित, अ.भा.आ.सं. में भारत के प्रथम पीपीई विसंक्रमण सुविधा की स्थापना एवं उसका सफलतापूर्वक संचालन। पीपीई विसंक्रमण पद्धति रॉयल सोसायटी ऑफ कैमिस्ट्री मैगजीन के लेख में दर्शित हुई तथा इसे आपात स्थितियों एवं कमियों को दूर करने के लिए पीपीई पेराक्साइड पद्धति के लिए डब्ल्यू एचओ दिशा-निर्देश (2020) में भी प्रमुख से दर्शाया है। मानक ब्यूरो, भारत सरकार ने पीपीई के विसंक्रमण के लिए वाष्पीकृत हाइड्रोजन पेराक्साइड पद्धति को शामिल किया है। इसके साथ ही वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे एकल एवं बहु-प्रयोग पीपीई का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए पीपीई को कीटाणुरहित करने के लिए संस्तुत पद्धति के रूप में शामिल किया है।

डॉ विनीत चौधरी ने प्रतिष्ठित वेल्कम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फेलोशिप ग्रांट प्राप्त किया। यह पहला अवसर है जब अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली से किसी को बेसिक बायोमेडिकल अनुसंधान के क्षेत्र में इस प्रकार का प्रतिष्ठित ग्रांट प्रदान किया गया है। डॉ. चौधरी विभागीय स्तर पर संरचनात्मक जीवविज्ञान एवं एनएमआर प्रौद्योगिकी तथा कोशिका एवं विकासात्मक जीवविज्ञान के लिए पाठ्यक्रम कोर्डिनेटर के रूप भी सम्मिलित हो रही हैं; डॉ. चौधरी द्वारा जर्नल ऑफ सैल बायोलॉजी लेख (6 जुलाई 2020; 219 (7): ई201910177; डीओआई: 10.1083/जेसीबी 201910177) को कोशिका जीवविज्ञान

पत्रिका में "बिलिडंग द लाइपिड ड्रापलेट एसेम्बली कोम्प्लेक्स" नामक शीर्षक स्पॉटलाइट कमेंटरी में दर्शाया गया था। https://rupress.org/jcb/article/219/ 7/e202006025/151882/बिल्डिंग-द-लाइपिड-ड्रापलेट-एसोम्बली; यही लेख माइक्रोबायल सैल रीव्यू में भी दर्शित है। https://www.ncbi.nlm-hlm-hin-gov/pmc/articles/पीएमसी7380455/इसके अतिरिक्त एक आउटरीच के रूप में उसी लेख को यूरोपियन आयोग (ईयू) अनुसंधान परिणाम अनुभाग कोर्डिस के लिए स्पॉटलाइट के रूप में चुना गया था एवं संक्षेप में परिणाम शीर्षक "द अनएकसपेटडली कॉम्प्लेक्स इश्यू ऑफ पुटिंग ऑन एंड लूजिंग फैट" छह भाषाओं में प्रकाशित किया गया था: https://cordis.europa.eu/article/id/422501-द- अनएक्पेक्टडली-कॉम्प्लेक्स-इश्यू-ऑफ पुटिंग-ऑन-एंड-लूजिंग-फैट; डॉ. चौधरी विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए एक समीक्षक के रूप में कार्य करते है; वह अमेरिकन सोसायटी फॉर सैल बायोलॉजी एवं अमेरिकन सोसायटी फॉर बायोकैमिस्ट्री तथा मोलीकुलर बायोलॉजी के सदस्य है; वह एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (एआईबी), एमिटी यूनीवर्सिटी हरियाणा (एयूएच), गुरूग्राम, हरियाणा (20 अक्तूबर 2020) द्वारा आयोजित "इमेर्जिंग ट्रैंड्स इन हेल्थ एंड डिसीज रिसर्च" ईटीएचडीआर-2020 पर ई-कोलोक्यूएम में आमंत्रित स्पीकर थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ मंजुला कालिया, पीएचडी, सह आचार्य, आरसीबी, फरीदाबाद ने 16 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
2. डॉ निमेश गुप्ता, संकाय एनआईआई, नई दिल्ली ने 16 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
3. डॉ सुनील के अरोड़ा, पीएचडी, आचार्य, पीजीआई चंडीगढ़ ने 17 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
4. डॉ उपासना रे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईआईसीबी, कोलकत्ता ने 17 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
5. डॉ रीतूब्राता गोस्वामी, सहायक आचार्य, आईआईटी, खड़गपुर ने 20 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
6. डॉ अमरेश पांडा, वैज्ञानिक-डी, आईएलएस, भुवनेश्वर ने 22 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
7. डॉ शरत चंद्र, वैज्ञानिक अधिकारी डी, एसीटीआरईसी, मुम्बई ने 22 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
8. डॉ डिंपल नोटानी, संकाय, एनसीबीएस, बंग्लौर ने 22 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
9. डॉ सरवनन मथेश्वरन, सहायक आचार्य, आईआईटी, कानपुर ने 23 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
10. एनसीसीएस, पुणे की वैज्ञानिक शैलजा सिंह ने 24 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
11. डॉ अन्वेषा भट्टाचार्य, संकाय, जेएमआई, नई दिल्ली ने 24 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
12. डॉ राजीव कुमार, सहायक आचार्य, बीएचयू, वाराणसी ने 27 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
13. डॉ जावेद अग्रवाल, आचार्य, आईआईटी रोपड़ ने 28 अप्रैल 21 को संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

9.8. सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशि कान्त

आचार्य

संजीव कुमार गुप्ता	किरण गोस्वामी	आनंद कृष्णन
बेरिडेलाइन नौंगकायरिह	पुनीत मिश्रा	संजय कुमार राय
	वाई एस कुसुमा कुमारी	

अपर आचार्य

कपिल यादव	सुमित मल्होत्रा	अनिल कुमार गोस्वामी

सह-आचार्य

पार्थ हल्दर	रवनीत कौर	हर्षल रमेश साल्वे
	राकेश कुमार	

सहायक आचार्य

मोहन लाल बैरवा

विशिष्टताएं

जैसा कि हम देश और नई दिल्ली में कोविड-19 महामारी की जारी गंभीर दूसरी लहर के बीच इस रिपोर्ट का मसौदा तैयार कर रहे हैं, इस विभाग के संकाय सदस्यों को फिर से कोविड उपचार सेवाओं के लिए तैनात किया गया है। एम्स, नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) के संकाय-सदस्य कोविड-19 प्रतिक्रिया के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स का हिस्सा बनकर महामारी से निपटने की तैयारी में भारत सरकार को सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कोविड-19 प्रतिक्रिया पर भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के तीन सर्वसम्मति बयान तैयार किए और वैक्सीन सुरक्षा, प्रभावशीलता परीक्षण के लिए जांचकर्ताओं के रूप में योगदान दिया है और इससे राष्ट्रीय और साथ ही वैश्विक स्तर पर कोवैक्सीन टीका को जारी करने में मदद मिली है। लगातार जारी इस भीषण महामारी के बावजूद, कई बार वर्चुअल माध्यम से नियमित शिक्षण जारी रहा। एम्स, नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) के भीतर स्थित संकाय और कर्मचारियों का ध्यान समुदाय आधारित शिक्षण, अनुसंधान और सेवा प्रावधान पर रहा है। शहरी फील्ड अभ्यास क्षेत्र (दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में) और व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ के द्वारा सशक्त उपचार कार्यक्रम एवं उपचार मोडेल उपलब्ध कराया जाता है; भारत सरकार के कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और पहलों के लिए तकनीकी सुझाव नियमित रूप से प्रदान किए जाते हैं। सीसीएम, एचआईवी निगरानी के लिए राष्ट्रीय संस्थान के रूप में कार्य करता है और देश में एचआईवी महामारी पर नज़र रखने में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), भारत सरकार की सहायता करता है। विभाग में समुदाय आधारित गैर-

संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण पर अनुसंधान और क्षमता निर्माण के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र है। विभाग को रक्ताल्पता नियंत्रण (एनसीईएआर-ए) पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र के रूप में भी नामित किया गया है और हितधारकों के साथ देश में एनीमिया मुक्त भारत का नेतृत्व किया है। भारत के महारजिस्ट्रार (आरजीआई), गृह मंत्रालय और संस्थानों के नेटवर्क (मिनरवा) के सहयोग से नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) आधारित मौखिक शव परीक्षा के लिए एम्स तकनीकी सहायता एकक के माध्यम से देश में मृत्यु निगरानी की प्रणाली को मजबूत किया गया है। भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य-आधारित सहयोग को मजबूत करने के लिए सीडीसी अटलांटा के साथ सीसीएम की कई सहयोगी परियोजनाएं हैं। एक नवोन्मेष एवं शिक्षण केंद्र के माध्यम से आयुष्मान भारत के अंतर्गत व्यापक प्राथमिक उपचार केंद्र (सीपीएचसी) को सहयोग दिया जाता है, जो सुविधाहीन जिले, नूह, हरियाणा में स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र (एचडब्ल्यूसी) को तकनीकी रूप से मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने भारत के प्रधान मंत्री के साथ संवाद के दौरान सुझाव भी दिया। सीसीएम के संकाय सदस्य, संस्थान के भीतर कई अंतर-विभागीय सहयोगी परियोजनाओं और शोध का हिस्सा हैं।

शिक्षा

कोविड के कारण, सभी शिक्षण और मूल्यांकन को ऑनलाइन माध्यम में बदलना पड़ा; व्याख्यान के अलावा, संकाय सदस्यों के बीच नवोन्मेषों पर चर्चा की गई कि क्षेत्र आधारित पोस्टिंग को कैसे जारी रखा जा सकता है, जो सीसीएम में स्नातक पोस्टिंग का मूल सिद्धांत है; इसलिए उपलब्ध सीमित विकल्पों के बीच शहरी स्वास्थ्य पोस्टिंग, पारिवारिक स्वास्थ्य सलाहकार सेवाओं और ग्रामीण पोस्टिंग को नया रूप दिया जाना था, और कुछ हद तक नैदानिक मामले, पारिवारिक कार्य, प्रबंधन चर्चा और स्वास्थ्य शिक्षा के लिए परिवार-आधारित अभ्यास द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। स्नातक अनुसंधान अभ्यास प्रासंगिक विषयों और उपयुक्त अध्ययन प्रतिभागियों पर एक ऑनलाइन आंकड़ा संग्रह मंच पर आधारित था। विभाग द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुतियों का समन्वयन किया गया जिसमें सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। मूल्यांकन में ऑनलाइन स्पॉटिंग अभ्यास (प्रत्येक बैच के लिए 3 सेट में तैयार), केस संबंधी चर्चा, परियोजना प्रस्तुति, स्वास्थ्य चर्चा और साक्षात्कार शामिल थे। छात्रों की प्रतिक्रिया नियमित रूप से एकत्र की जाती थी। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को कोविड वार्डों में तैनात किया गया था, इसलिए संगोष्ठी उनकी सुविधा के अनुसार निर्धारित किए जाने थे। जब भी महामारी बढ़ रही थी, जर्नल क्लब ऑनलाइन चर्चा करते थे। एक बार संक्रमण दर कम हो जाने के बाद, जर्नल क्लबों को हाइब्रिड माध्यम में संचालित किया जाता था- जिसमें कुछ प्रतिभागियों ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए प्रत्यक्ष रूप में भाग लिया और समूह के बाकी लोगों ने समानांतर ऑनलाइन सत्रों में भाग लिया।

स्नातक-पूर्व एमबीबीएस छात्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सातवें सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में चार बैचों में प्रत्येक 6 सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। कोविड महामारी के कारण, इस वर्ष, हमने शिक्षण का एक मिश्रित तरीका अपनाया। 6 सप्ताहों में से, 3

सप्ताह की पोस्टिंग आवासीय थी और शेष 3 सप्ताह ऑनलाइन माध्यम से किए गए थे। पोस्टिंग के दौरान उन्हें महामारी विज्ञान की अवधारणाएं सिखाई गईं, उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य के बारे में एक अभिविन्यास कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, बाल स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक पहलू, विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य प्रणाली और स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैं। उसमें नवजात और बचपन की बीमारी के एकीकृत प्रबंधन (आईएमएनसीआई) और महामारी विज्ञान पर प्रशिक्षित करने के लिए विशेष मॉड्यूल थे। छात्रों ने इस पोस्टिंग के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति स्नातक-पूर्व का ओरिएंटेशन (ओयूसीएच) मॉड्यूल के तहत एक संक्षिप्त गुणात्मक विधि-आधारित शोध परियोजना भी शुरू की। 6 सप्ताह की प्रत्येक पोस्टिंग को आंतरिक मूल्यांकन के साथ संपन्न किया गया। सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में आवासीय पोस्टिंग के दौरान दो कौशल मॉड्यूल अर्थात् ग्लूकोमीटर उपयोग और ग्लोइंग एंड गाउनिंग को भी शामिल किया गया था।

प्रशिक्षु

प्रशिक्षुओं को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कुल तीन महीने की अवधि के लिए तैनात किया जाता है। इस अवधि को एसडीएच में 6 सप्ताह में और दयालपुर और छैंसा में स्थित प्रत्येक पीएचसी में 3 सप्ताह में विभाजित किया गया है; पूरी तैनाती आवासीय है। एसडीएच में, प्रशिक्षुओं को ओपीडी और वार्डों में तैनात किया जाता है जो उन्हें बुनियादी नैदानिक कौशल सीखने में मदद करते हैं, साथ ही साथ सामान्य प्रसव के संचालन सहित इन-पेशेंट उपचार भी करते हैं। उन्हें संबंधित वरिष्ठ रेजिडेंट (एसआर) की देखरेख में एसडीएच में सभी उपलब्ध नैदानिक विषयों में तैनात किया जाता है; पीएचसी पोस्टिंग के दौरान, प्रशिक्षु पीएचसी के क्लीनिकों, उप-केंद्रों के साथ-साथ प्रसवपूर्व क्लीनिकों में स्वास्थ्य उपचार सुविधा प्रदान करने के कार्य में भाग लेते हैं; उन्हें सामुदायिक चिकित्सा के एसआर के समग्र पर्यवेक्षण के तहत प्रत्येक पीएचसी में प्रसव वाले स्थान में भी तैनात किया जाता है। उन्हें सामुदायिक स्तर की गतिविधियों में अनुभव मिलता है जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की देखरेख, ट्यूबरकुलोसिस विरोधी उपचार के दौरान लापरवाही करने वाले रोगियों का फ़ॉलोअप, उप-केंद्रों का पर्यवेक्षण, पीएचसी में आउटरीच गतिविधियों, टीकाकरण और अन्य चल रही गतिविधियों को शुरू करना। प्रशिक्षु पीएचसी में विशेष गतिविधियों जैसे कायाकल्प मूल्यांकन, वार्षिक जनगणना, जन जागरूकता सृजन और स्कूल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भी शामिल होते है। सीआरएचएसपी में तैनाती के अंत में, प्रशिक्षु संबंधित एसआर द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अपनी लॉग-बुक जमा करते हैं, जिसके अंतर्गत उन्हें अंतिम तैनाती मूल्यांकन के लिए तैनात किया गया था।

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्र

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को 18 महीने के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। यह तैनाती आवासीय है। कुल अवधि में से, वे उप-जिला अस्पताल और दोनों पीएचसी में एक-एक करके 5 महीने और 10 दिन बिताते हैं। इससे उन्हें एसडीएच और पीएचसी दोनों में आवश्यक कौशल और अनुभव हासिल करने का पर्याप्त अवसर मिलता है। उन्हें पीएचसी में निर्णय लेने और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित शिक्षण कार्यक्रम में

संगोष्ठी, परिवार और नैदानिक विषय संबंधी प्रस्तुतियाँ, अस्पताल और फील्ड-अभ्यास क्षेत्रों पर आधारित समस्या अभ्यास शामिल हैं।

बीएससी नर्सिंग और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में बीएससी नर्सिंग व पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग के छात्रों को डेढ़ माह के लिए तैनात किया जाता है। यह पोस्टिंग आवासीय प्रकृति की है। वे एक महीने एसडीएच में और 2 सप्ताह दोनों पीएचसी में बिताते हैं। उन्हें प्रसव पूर्व उपचार, वार्ड प्रबंधन और टीकाकरण का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें ओपीडी और वार्ड दोनों में तैनात किया जाता है। वे ओपीडी और वार्ड में स्वास्थ्य वार्ता और आईईसी प्रदान करते हैं; नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली के एक संकाय सदस्य द्वारा किया जाता है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

छात्रों के शिक्षण के अलावा, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों के विभिन्न संवर्गों के लिए समय-समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 2020-21 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण इस प्रकार थे:

1. नर्सिंग कॉलेज के संकाय सदस्यों के सहयोग से, गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र के नर्सिंग स्टाफ और फील्ड स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए नवजात पुनर्जीवन पर एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण मार्च 2021 में आयोजित किया गया था।
2. पीएचसी दयालपुर और छैंसा में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं (24*2=48) के लिए कुल 50 घंटे का सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया (आंकड़े सम्मिलित हैं)। ये हर महीने बैठकों के दौरान आयोजित किए जाते हैं। क्षेत्र पर्यवेक्षण के दौरान पहचानी गई प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आधार पर विषयों का निर्णय लिया गया; रिपोर्टिंग अवधि के लिए, निम्नलिखित कार्य किए गए थे: जेएसवाई लाभार्थियों की पहचान और उन्हें लाभ प्रदान करने हेतु सुविधा उपलब्ध कराना, जानवरों के काटने पर उपचार प्रदान करना, एलबीडब्ल्यू शिशुओं का उपचार, परिवार नियोजन - तरीके, महत्व और सुविधा में सुधार कैसे करें, जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, उच्च जोखिम गर्भावस्था और उपचार की ट्रैकिंग, जटिलता प्रबंधन और कंगारू मातृ उपचार सहित मां और नवजात शिशु के लिए प्रसवोत्तर देखभाल, आईएमएनसीआई-बीमार बच्चे की पहचान और उपचार, क्षेत्र स्तर पर कुपोषण की पहचान, देखभाल और उपचार, टीकाकरण के लिए कोल्ड चेन प्रबंधन पीएचसी पर प्रशिक्षण साइट और वापस पीएचसी, टीबी के मामलों का निदान और प्रबंधन।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. मिनर्वा वेबिनार

- 9 अक्टूबर 2020 - डॉक्टरों द्वारा मृत्यु के कारणों की गुणवत्ता में सुधार - मिनर्वा के कोडर्स ने भाग लिया। 236 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- 18 दिसंबर 2020- मृत्यु के कारणों के चिकित्सा प्रमाणन की गुणवत्ता में सुधार। 118 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 5 मार्च 2020 - मृत्यु दर डेटासेट से अतिरिक्त मृत्यु अनुमान दृष्टिकोण। 110 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

2. **डब्ल्यूएचओ/एसईएआरओ वेबिनार**

   एनसीडी सेवा वितरण के लिए स्वास्थ्य कार्यबल के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए आभासी दृष्टिकोण पर डब्ल्यूएचओ/एसईएआरओ कार्यशाला - 19 जून 2020

3. **जेएचयू-आईपीएसआई वेबिनार**
   - 24 फरवरी 2021 - एम्स एनडी और जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय ने वेबिनार: कोविड-19 प्रतिक्रिया में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल: वैश्विक अनुभव" की सह-मेजबानी की।
   - 24 मार्च 2021 - एम्स एनडी और जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने वेबिनार: ए टेल ऑफ़ टू सिटीज़: अर्बन प्राइमरी हेल्थ एट द टाइम ऑफ़ कोविड-19" की सह-मेजबानी की।

4. **प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के लिए आवश्यक गैर-संचारी रोग (पीईएन) हस्तक्षेप के पैकेज पर डब्ल्यूएचओ/एसईएआरओ ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**

   यह पाठ्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली (सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, हृद विज्ञान विभाग, अन्तःस्रावी विभाग और दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र), पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई), नई दिल्ली (सेंटर फॉर कंट्रोल ऑफ क्रॉनिक कंडीशंस), पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ (फुप्फुसीय चिकित्सा विभाग) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बेंगलुरु, भारत सभी का एक बहु-संस्थागत बहु-अनुशासनात्मक टीम प्रयास है। पाठ्यक्रम अक्टूबर 2020 से जनवरी 2021 तक कुल 75 घंटे चला, जिसमें से 25 घंटे संकाय संपर्क समय था। पाठ्यक्रम एक मिश्रित दृष्टिकोण के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था जहां प्रतिभागियों को संकाय की सुविधा द्वारा पूरक ऑनलाइन मॉड्यूल को पूरा करने की आवश्यकता थी। संकाय-प्रतिभागियों की बातचीत के लिए ज़ूम प्लेटफॉर्म का उपयोग किया गया था। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका से स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में विभिन्न स्तरों के लगभग 100 स्वास्थ्य पेशेवरों (स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में नर्सों और फार्मासिस्टों तक) ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम की मेजबानी: https://ccm-searo.aiims.edu/ पर की गई है।

5. 18-19 अगस्त 2020 तक एम्स, नई दिल्ली में एचआईवी और हेपेटाइटिस प्रहरी निगरानी के लिए "राष्ट्रीय परामर्श बैठक" का आयोजन।
6. एम्स नई दिल्ली में दिनांक 12 से 17 अक्टूबर 2020 तक भारत के सभी 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्रीय संस्थानों, राज्य एड्स नियंत्रण समितियों (एसएसीएस), केंद्रीय टीम के सदस्यों (सीटीएम), क्षेत्रीय संस्थान के सदस्यों और राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के अधिकारियों के लिए "राष्ट्रीय पूर्व-निगरानी कार्यशाला" आयोजित की गई।

7. एम्स नई दिल्ली में 14-15 दिसंबर 2020 विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों और पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड) के राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के अधिकारियों के लिए "एएनसी, जेल और एचआरजी एचआईवी प्रहरी निगरानी 2021 (एचएसएस 2021) पर पूर्व-निगरानी अभिविन्यास और योजना कार्यशाला" का आयोजन किया गया।
8. कोविड के सामाजिक भय पर एनएमओ वार्ता- 27 मई 2020
9. विश्व योग दिवस व्याख्यान, दयालबाग एजुकेशनल सोसाइटी, 21 जून 2020
10. 22 अगस्त 2020 को वेक्टर जनित रोगों पर दिल्ली न्यायिक अकादमी की कक्षा
11. 27 अगस्त 2020 को एआई और भू-स्थानिक विश्लेषण
12. 16-17 सितंबर 2020 को डीएसटी कार्यक्रम सलाहकार समिति
13. 22 नवंबर 2020 को एमपीजी छात्रों के लिए व्याख्यान
14. राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी)- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और बाल विकास परियोजना अधिकारियों के लिए एनीमिया के परिणाम, जनवरी-फरवरी 2021 तक 4 व्याख्यानों की एक श्रृंखला वितरित की गई।
15. डीपीओआरसीओएन के कर्मचारियों के लिए 9 मई 2021 को सीसीएम, एम्स में "वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए लार्विसाइड और कीटनाशकों" के उपयोग पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
16. 31 फरवरी 2021 को दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, नई दिल्ली में "कोविड-19" पर एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कुल प्रतिभागी-150

प्रदत्त व्याख्यान

किरण गोस्वामी: 1 **आनंद कृष्णन: 7** **बेरिडेलाइन नोंगकायरिह: 7**
पुनीत मिश्रा: 4 **संजय के राय: 6** **कपिल यादव: 2**
सुमित मल्होत्रा: 5 **अनिल कुमार गोस्वामी: 2** **पार्थ हल्दर: 2**
रवनीत कौर: 2 **हर्षल रमेश साल्वे: 6** **राकेश कुमार: 3**
मोहन लाल बैरवा: 4

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर: 8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक बहु-केंद्रित नॉवल कोरोनावायरस (कोविड-19) जनसंख्या-आधारित आयु-स्तरीकृत सीरो-महामारी विज्ञान अध्ययन (भारत में चयनित केंद्रों में शहरी, ग्रामीण और जनजातीय समुदायों में: एक संभावित अध्ययन), पुनीत मिश्रा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2020 - 2021, 2.39 करोड़ रुपए

2. नूह जिला, हरियाणा, में व्यापक स्वास्थ्य उपचार में आशा के ज्ञान, कौशल और अभ्यास में सुधार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य परिणाम मॉडल के लिए टेली-मेंटरिंग एक्सटेंशन की प्रभावशीलता को समझने के लिए एक अध्ययन, सुमित मल्होत्रा, ईसीएचओ इंडिया, 2 साल, 2019-2021, रु 21.75 लाख

3. 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों एन-2111 में आरएसवी संक्रमण की रोकथाम के लिए बायोमेडिकल इंटरवेंशन को आगे बढ़ाना, आनंद कृष्णन, आईएवीआई, 15 महीने, 2020-2021, रु 30.9 लाख

4. स्वस्थ स्वयंसेवकों में संपूर्ण-विरियन निष्क्रिय एसएआरएस-कोविड-2 वैक्सीन (बीबीवी152) की सुरक्षा, प्रतिक्रियाशीलता, सहनशीलता और प्रतिरक्षण क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुकूली, निर्बाध चरण 1, इसके बाद चरण 2 यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, बहुकेंद्रीय अध्ययन, संजय के राय, भारत बायोटेक, 1 साल, 2020-2021, 46 लाख रुपये

5. 18 वर्ष की आयु से अधिक के वयस्कों में एक संपूर्ण विषाणु निष्क्रिय एसएआरएस-कोविड-2 वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, प्रतिरक्षण क्षमता और बीबीवी152 की लॉट-टू-लॉट स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए एक घटना-संचालित, चरण 3, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय अध्ययन, संजय के राय, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 71.3 लाख

6. राष्ट्रीय दिल्ली क्षेत्र के भीतर स्कूल से बाहर किशोरों में साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड पूरक कार्यक्रम से संबंधित कार्यान्वयन और बाधाओं का आकलन, सुमित मल्होत्रा, दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, 3 साल, 2018 -2021, रु 16 लाख

7. स्वास्थ्य कर्मियों में कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के जोखिम कारकों का आकलन: एक केस नियंत्रण

8. भारत के उत्तरी हिस्सों में टेली-मेंटरिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के संचालन के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पैकेज में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं की क्षमता निर्माण, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा, 2 साल, 2020-2022, 6.89 रुपये लाख

9. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में कोविड-19 प्रसार के दौरान सामुदायिक व्यवहार: एक मिश्रित विधि अध्ययन, हर्षल आर साल्वे, एम्स इंट्रामुरल परियोजना, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 2.75 लाख

10. कोविड-19 महामारी के दौरान समुदाय का स्वास्थ्य सलाह का अनुपालन: भविष्य में बीमारी की रोकथाम रणनीतियों पर निहितार्थ के अनुपालन को समझने के लिए एक सामाजिक-पारिस्थितिकीय ढांचा, वाई.एस. कुसुमा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 3.5 लाख

11. ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के विभिन्न मॉडलों का तुलनात्मक मूल्यांकन, रवनीत कौर।

12. दिल्ली क्लस्टर- दिल्ली रिसर्च इम्प्लीमेंटेशन एंड इनोवेशन (डीआरआईआईवी): दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटना, हर्षल आर साल्वे, वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार, 2 साल, 2020 - 2022, रु 8 लाख

13. कोविड-19 महामारी में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के लिए ऐप-आधारित द्विभाषी ई-लर्निंग मॉड्यूल विकसित करना, रवनीत कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 5 लाख

14. प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के लिए आवश्यक एनसीडी (पीईएन) हस्तक्षेपों के पैकेज के लिए ऑनलाइन शिक्षण और सीखने के संसाधनों का विकास और दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में एक वर्चुअल लर्निंग नेटवर्क की स्थापना, आनंद कृष्णन, डब्ल्यूएचओ, 6 महीने, 2020, रु 21.42 लाख

15. नए निदान किए गए थूक, सकारात्मक फुफ्फुसीय तपेदिक रोगी में प्रारंभिक प्रस्तुति और उपचार प्रतिक्रिया पर ग्लाइसेमिक स्थिति का प्रभाव,: एक संभावित अध्ययन, डॉ राकेश कुमार, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 9.85 लाख रु

16. कोविड-19 महामारी के दौरान अग्रवर्ती स्वास्थ्य कर्मियों के बीच तनाव पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव, डॉ पुनीत मिश्रा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 1 वर्ष, 2021- 2022, 14.6 लाख रुपये

17. एनीमिया नियंत्रण में अग्रवर्ती स्वास्थ्य कर्मियों- एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा द्वारा उपचार केंद्र परीक्षण की प्रभावशीलता, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, रु 98.49 लाख

18. फेफड़ों के ट्यूबरकुलोसिस रोग से पीडित कुपोषित वयस्क रोगियों में बलगम के सकारात्मक परिणामों द्वारा सुधार के लिए मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में एनर्जी डेंस न्यूट्रीशनल सप्लीमेंट (ईडीएनएस) की प्रभावशीलता। राकेश कुमार (सह-प्रधान अन्वेषक और समन्वयक), आईसीएमआर, 2 साल 5 महीने, 2020-2022, रु 98 लाख

19. नमूना पंजीकरण प्रणाली में वर्बल शव परीक्षा आधारित मौत के कारण के लिए तकनीकी सहायता एकक की स्थापना, भारत के महारजिस्ट्रार, आनंद कृष्णन, गृह मंत्रालय (ओआरजीआई), 5 साल, 2020-2025, 2.8 करोड़ रुपये

20. दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के सदस्य राज्यों को उनकी कोविड-19 प्रतिक्रिया में समानता को बढ़ावा देने के लिए मार्गदर्शन, आनंद कृष्णन, डब्ल्यूएचओ, 6 महीने, 2020, रु 7.5 लाख

21. भारत परियोजना के लिए एचआईवी प्रहरी निगरानी, संजय के राय, एनएसीओ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 साल, 2018-2020, 2.34 करोड़ रुपये

22. उत्तर भारत की ग्रामीण और शहरी आबादी में कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के लिए घरेलू संचरण जांच, कपिल यादव, डब्ल्यूएचओ, 9 महीने, 2020-2021, 63.8 लाख रुपये

23. मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना-परिचालन अनुसंधान, सुमित मल्होत्रा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 7 वर्ष, 2014-2021, 56 लाख रुपये

24. अनुसूचित जनजातियों के बीच सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के संदर्भ में स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार: विशाखापत्तनम जिले में एक कार्यान्वयन अनुसंधान, आंध्र प्रदेश, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 2 साल 5 महीने, 2020-2022, 29.2 लाख रुपये

25. हरियाणा के एक चयनित जिले में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए नवोन्मेष शिक्षण केन्द्र, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 साल, 2018-2021, 41.45 लाख रुपये
26. दिल्ली एनसीआर में परिवेशी पीएम एक्सपोजर का मृत्यु दर, हर्षल आर साल्वे, एम्स-आईआईटी संयुक्त सहयोगी परियोजना अनुदान, 2 साल, 2018-2020, 8.90 लाख रुपये,
27. एनएचएसआरसी, स्वा.एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 साल, 2019-2021, 25 लाख रुपये।
28. दिल्ली के शहरी क्षेत्र में पोषक तत्वों के सेवन, एंथ्रोपोमेट्री और चयनित सीरम बायोमार्कर द्वारा मूल्यांकन के अनुसार गर्भवती महिलाओं की पोषण स्थिति - एक समुदाय आधारित अध्ययन, रवनीत कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, रु 8,25,000/-,
29. सकारात्मक फुफ्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस रोगी: एक संभावित अध्ययन, डॉ. राकेश कुमार, एम्स, इंट्राम्यूरल।
30. सीवीडी (हृदय रोग) के कारण समय से पहले मृत्यु दर को कम करना- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर हृदय उपचार के लिए देरी और बाधाओं की पहचान - दिल्ली I-1119, आनंद कृष्णन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, रु 25.3 लाख
31. दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में पेन हार्ट्स कार्यक्रम के माध्यम से एनसीडी सेवा वितरण में तेजी लाने के लिए विशेषज्ञों के क्षेत्रीय समूह की स्थापना - 2025 क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं की ओर एक कदम, आनंद कृष्णन, डब्ल्यूएचओ, 5 महीने, 2019-2020, 12.0 लाख रुपये
32. भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य-आधारित सहायता को मजबूत करना (एन-1814), आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 साल, 2018-2023, 9.3 करोड़ रुपये
33. अध्ययन, रवनीत कौर, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 साल, 2020-2021, 21.63 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत के चुनिंदा जिले में गर्भवती महिलाओं में आयोडीन की स्थिति का आकलन, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2 साल 5 महीने, 2016-20, 57.6 लाख रुपये
2. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, भारत में वेक्टर जनित रोगों के लिए सामुदायिक स्तर की जलवायु आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (सीसीईडब्ल्यूएस) विकसित करना, हर्षल आर. साल्वे, जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (स्प्लिस) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017 - 2020, रु 55.62 लाख
3. किसी समुदाय में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव और कल्याण पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव, इसकी व्यवहार्यता और दीर्घकालिक स्थिरता, पुनीत मिश्रा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 2 साल (प्लस 1 वर्ष विस्तार), मार्च 2018 - मार्च 2021, रु. 47.5 लाख
4. ग्रामीण उत्तर भारत में एनपीसीडीसीएस के तहत सीओपीडी / अस्थमा के लिए स्क्रीनिंग और प्रबंधन प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन पर पायलट अध्ययन, हर्षल आर. साल्वे, एनसीडीसी, 6 महीने, 2019-2020, 40,750

5. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों में एनीमिया की व्यापकता, अनिल के. गोस्वामी, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2021, रु 5 लाख
6. भारत में वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य प्रभावों पर अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए प्राथमिकताएं, हर्षल आर. साल्वे, स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान, बोस्टन यूएसए, 5 महीने, 2019-2020, रु 19.93 लाख
7. हरियाणा, भारत के बल्लभगढ़ ब्लॉक में चुनिंदा उच्च जोखिम समूहों (स्वास्थ्य कार्यकर्ता, वृद्ध वयस्क) के बीच नवीन कोरोनावायरस संक्रमण (एसएआरएस-कोविड-19) का सीरो प्रसार, राकेश कुमार, एम्स (इंट्राम्यूरल), 1 वर्ष, 2020-2021, रु 5.73 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्रामीण हरियाणा में गैर-एनीमिक गर्भवती महिलाओं में एनीमिया प्रोफिलैक्सिस के लिए ओरल मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट (एमएमएस) बनाम ओरल आयरन और फोलिक-एसिड की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. जिला फरीदाबाद में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन - एक मिश्रित विधि अध्ययन
3. शहरी पुनर्वास कॉलोनी, नई दिल्ली में किशोरियों के बीच चुनिंदा पोषण संबंधी समस्याओं का आकलन- एक मिश्रित विधि अध्ययन
4. एम्स, नई दिल्ली के नए चिकित्सीय स्नातक-पूर्व छात्रों पर योग और तनाव और कथित कल्याण पर इसके प्रभाव को शुरू करने की समुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान व्यावहार्यता।
5. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में आशा की भागीदारी पर समुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान अध्ययन
6. फरीदाबाद, भारत में 18-24 वर्ष की आयु के कॉलेज जाने वाले छात्रों (अंग्रेजी संस्करण) के बीच ई-स्वास्थ्य साक्षरता को मापने के लिए एक पैमाने का विकास
7. दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप।
8. दिल्ली में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच आहार विविधता और संबद्ध कारक
9. बुजुर्गों में आर्थिक बोझ, निमोनिया की रोकथाम और नियंत्रण
10. सामुदायिक सेटिंग में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव और कल्याण पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव, इसकी व्यावहार्यता और दीर्घकालिक स्थिरता। 2018-21
11. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ाना और मानसिक बीमारी के भाय को कम करना: एक पारंपरिक अध्ययन।
12. बल्लभगढ़, हरियाणा की ग्रामीण आबादी में अद्यतन डब्ल्यूएचओ सीवीडी जोखिम चार्ट का उपयोग करके 30-59 वर्ष की आयु के वयस्कों में हृदय संबंधी जोखिम का अनुमान

13. नूह (मेवात) जिला, हरियाणा में लॉट क्वालिटी असेसमेंट सैम्पलिंग (एलक्यूएएस) तकनीक का उपयोग कर कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग (पीबीएस) का मूल्यांकन
14. स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात आघात के लिए अस्पताल आधारित ट्रॉमा रजिस्ट्री के कार्यान्वयन की व्यावहार्यता और रोगी उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
15. उत्तर भारत में समुदाय आधारित युवाओं के स्वास्थ्य और पोषण व्यवहार आकलन की आवश्यकता।
16. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में स्वस्थ खाद्य खरीद और खुदरा खाद्य वातावरण
17. एमएसएम के बीच एचआईवी परीक्षण की गति बढ़ाने के लिए एक तंत्र के रूप में एचआईवी स्व-परीक्षण: एक मिश्रित विधि अध्ययन
18. उत्तर भारत के ग्रामीण समुदाय में नियमित टीकाकरण सेवाओं पर कोविड-19 लॉकडाउन का प्रभाव।
19. बल्लभगढ़ ट्यूबरकुलोसिस एकक, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में फुप्फुसीय ट्यूबरकुलोसिस के लिए सफलतापूर्वक इलाज किए गए रोगियों में फेफड़े की कार्यक्षमता में कमी।
20. दिल्ली में पुरुषों (एमएसएम) और ट्रांसजेंडरों (टीजी) के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में एचआईवी के लिए प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस (पीआरईपी) का ज्ञान और स्वीकार्यता
21. दिल्ली में शहरी आबादी में परिवेशी वायु प्रदूषण और ऐप-आधारित वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से संबंधित ज्ञान और व्यवहार
22. ग्रामीण बल्लभगढ़ में रहने वाले वयस्कों में सिरदर्द विकारों का उपचार: रोगी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता परिप्रेक्ष्य
23. दिल्ली में एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच हल्के संज्ञानात्मक हानि और संबद्ध कारक।
24. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना को अपनाने के लिए रसोई ईंधन के उपयोग और बाधाओं के पैटर्न और निर्धारक - एक मिश्रित विधि अध्ययन"
25. दिल्ली की एक पुनर्वास कॉलोनी में वृद्ध व्यक्तियों में रक्ताल्पता की व्यापकता।
26. हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता, जिन्हें गर्भावस्था के दौरान मध्यम रक्ताल्पता के इलाज के लिए अंतःशिरा आयरन सुक्रोज मिला था: 6 और 12 महीने बाद
27. भारत सरकार के परिचालन दिशानिर्देशों का उपयोग करते हुए हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में पहली और दूसरी तिमाही की गर्भवती महिलाओं में गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस की व्यापकता।
28. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में वृद्ध व्यक्तियों के बीच पीठ के निचले हिस्से में दर्द और इससे जुड़े कारकों की व्यापकता।
29. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिक (एएफएचसी) का गुणवत्ता मूल्यांकन
30. मृत्यु के कारण के लिए वर्बल शव परीक्षा में व्याख्याओं की प्रासंगिकता और कब्जा

31. फरीदाबाद, हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में रहने वाले कोविड-19 संक्रमण मुक्त रोगियों में कोविड-19 विशिष्ट आईजीजी एंटीबॉडी की स्थिति
32. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन
33. कोविड-19 महामारी के दौरान हरियाणा के बल्लभगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग।

पूर्ण

1. आयरन फोलिक एसिड आपूर्ति श्रृंखला और एनीमिया निदान सुविधाओं पर ध्यान देने के साथ जिला फरीदाबाद, हरियाणा में एनीमिया नियंत्रण उपायों का आकलन: एक मिश्रित विधि अध्ययन
2. शहरी पुनर्वास कॉलोनी, नई दिल्ली में किशोरियों के बीच चुनिंदा पोषण संबंधी समस्याओं का आकलन- एक मिश्रित विधि अध्ययन
3. ग्रामीण हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच उच्च वसा, नमक, चीनी (एचएफएसएस) भोजन का सेवन
4. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकार: एक समुदाय आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
5. हरियाणा के फरीदाबाद जिले में लॉट क्वालिटी असेसमेंट सैंपलिंग (एलक्यूएएस) तकनीक का उपयोग कर कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग के कवरेज का मूल्यांकन।
6. हरियाणा के जिला फरीदाबाद के बल्लभगढ़ ब्लॉक में संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पंजीकृत नव निदान वयस्क ट्यूबरकुलोसिस रोगियों के बीच रोगी लागत और उपचार में देरी।

सहयोगात्मक

जारी

1. आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली में कीमोथेरेपी कराने वाले रोगियों की वित्तीय स्थिति और इसके संबंधित चयनित पृष्ठभूमि के साथ गैर-अनुपालन का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय
2. नवीन नैदानिक बलगम के सकारात्मक फुप्फुसीय टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू लोगों से संपर्क द्वारा ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) की रोकथाम में दो टीकों वीपीएम1002 और इम्मुवैक (एमडबल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, फुप्फुसीय चिकित्सा और निद्रा विकार।
3. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक पतन के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित भावी समूह अध्ययन: एक क्रॉस-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, तंत्रिका विज्ञान

4. नए कोरोनावायरस न्यूमोनिया (कोविड-19) के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त जमावट और फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित बहुकेंद्रीय अवलोकनात्मक अध्ययन, रुधिरविज्ञान

5. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों के बीच स्क्रीनिंग के माध्यम से जोखिम कारकों और मुंह के कैंसर के प्रसार की पहचान करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग महाविद्यालय (एमएससी थीसिस)।

6. भारत में टाइफाइड साल्मोनेला में एएमआर के निगरानी नेटवर्क के लिए उन्नत नोडल केंद्र, सूक्ष्मजैवविज्ञान

7. एम्स, नई दिल्ली में मृत्यु प्रमाणन प्रथाओं की गुणवत्ता का आकलन और गुणवत्ता सुधार समाधान का परीक्षण, अस्पताल प्रशासन

8. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में गंभीर दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्न का आकलन, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र

9. ओपन गाइनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी कराने वाले मरीजों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए कंबाइंड ट्रांस-मस्क्यूलर क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपन लेबल प्रॉस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड नॉन इंफीरियरिटी ट्रायल। संवेदनाहरण, दर्द चिकित्सा एवं गंभीर उपचार

10. दिल्ली इमरजेंसी लाइव हार्ट-अटैक पहल- "मिशन दिल्ली" सेविंग हार्ट, सेविंग लाइफ, आपातकालीन चिकित्सा

11. भारत में बच्चों के बीच अनुदैर्ध्य वृद्धि संदर्भ और विकास वेग, कार्डियो-मेटाबोलिक उपायों और इसके सहसंबंधों का विकास- एक संभावित अध्ययन, जैवसांख्यिकी

12. घबराहट और चिंता का विकास भारतीय प्रश्नावली (पीएएनक्यू), मनोचिकित्सा

13. एलर्जिक फंगल राइनोसिनिटिस पर इट्राकोनाजोल का प्रभाव: एक क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सह-संबंध अध्ययन, कान, नाक एवं गला विभाग।

14. समुदाय-अधिग्रहित मूत्र पथ के संक्रमण में उभरती दवा प्रतिरोध और भारतीय आइसोलेट्स में प्रतिरोध लक्षणों की गतिशीलता में आणविक अंतर्दृष्टि- एक बहु-केंद्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। सूक्ष्मजैवविज्ञान, काय-चिकित्सा

15. वैश्विक वैक्सीन उम्मीदवारों की पहचान के लिए भारतीय आबादी में पी. विवैक्स का जीनोम आधारित एंटीजेनिक विविधता विश्लेषण। सूक्ष्मजैवविज्ञान, काय-चिकित्सा

16. भारत की चुनिंदा अंतर्विवाही आबादी की मानव माइक्रोबायोम पहल, जठरान्त्ररोग विज्ञान

17. दवाओं के तर्कसंगत इस्तेमाल पर आईसीएमआर टास्क फोर्स केंद्र, भेषजगुण विज्ञान

18. बल्लभगढ़, हरियाणा में माध्यमिक उपचार अस्पताल में पांच वर्ष से कम उम्र के कुपोषित बच्चों की पोषण स्थिति पर व्यापक पोषण पैकेज (सीएनपी) का प्रभाव, नर्सिंग महाविद्यालय।

19. इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस एंड एलाइड डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क, तंत्रिकाविज्ञान।

20. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा, उत्तर भारत, आईआईटी दिल्ली में परिवेशी पीएम2.5 एक्सपोजर का मृत्यु दर बोझ
21. राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, प्रहरी निगरानी प्रयोगशाला, सूक्ष्मजैवविज्ञान।
22. ग्रामीण समुदाय सेटिंग में रहने वाले व्यक्तियों के स्वस्थ आंत वनस्पतियों में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन की व्यापकता, जठरान्त्ररोग विज्ञान
23. हरियाणा, भारत के बल्लभगढ़ ब्लॉक में रहने वाले वयस्कों में जन्मजात हृदय रोग की व्यापकता: जनसंख्या आधारित अध्ययन, हृदविज्ञान
24. गर्भावस्था के नुकसान की मनो-सामाजिक गतिशीलता: एक समूह मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल, मनोचिकित्सा के एक बहुआयामी पैमाने और विकास और प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण) का विकास
25. व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ इंडिया

पूर्ण

1. दिल्ली में किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिक में मदद मांगने वाले किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और व्यसनी व्यवहार की सीमा, राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र।
2. प्रथम संपर्क और प्री-रेफरल प्रबंधन और यूवाइटिस के रोगियों में उपचार का अनुपालन, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र।

प्रकाशन

पत्रिका: 69

रोगी उपचार

उक्त शीर्षक रोगी उपचार/सहायक गतिविधियां के तहत कृपया निम्न जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि सहित। कृपया जहां उपयुक्त हो, वहां आंकड़े भी प्रदान करें।

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी) रिपोर्ट

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा केंद्र का ग्रामीण कार्यक्रम है। इसमें एक उप जिला अस्पताल (एसडीएच) और दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) दयालपुर और छैंसा में हैं। 31 मार्च 2021 तक सीआरएचएसपी के गहन अभ्यास क्षेत्र में कुल जनसंख्या 1,04,699 थी। सीआरएचएसपी के इंटेंसिव फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य उपचार के बुनियादी ढांचे को दो उपरोक्त पीएचसी से जुड़े 12 उप-केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से स्थापित किया गया है। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ का मिशन ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान और रोगी उपचार के द्वारा जन स्वास्थ्य में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ रोगी उपचार, शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में शामिल है। एमबीबीएस 7वें सेमेस्टर के छात्र, प्रशिक्षु, स्नातकोत्तर छात्र और विभिन्न विषयों के वरिष्ठ रेजीडेंट और नर्सिंग छात्रों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में उनके प्रशिक्षण के लिए एक उप-जिला सुविधा और पीएचसी स्तर पर स्वास्थ्य उपचार में एक्सपोजर हेतु तैनात किया जाता है। छात्रों को इन पीएचसी में अपने आवासीय शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों के प्रति भी संवेदनशील बनाया जाता है, जिसमें वे समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद करते हैं।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्वास्थ्य उपचार प्रावधान के आँकड़े (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021)

- ओपीडी सेवाएं - 1,70,237 रोगी,
- इन-पेशेंट सेवाएं- 9,183 रोगी,
- आपातकालीन सेवाएं - 43,276 रोगी
- गर्भवती महिलाओं के कुल 2,723 प्रसव हुए
- सर्जरी की कुल संख्या - 972 (केवल एसडीएच बल्लभगढ़ में)

निम्नलिखित नोट सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रदान करता है, जिसमें दो पीएचसी वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2020 - 31 मार्च 2021 के लिए शामिल हैं:

1. रोगी उपचार
2. नवीनतम पहल

I. रोगी उपचार

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में रोगी उपचार निम्नलिखित दो श्रेणियों के अंतर्गत वर्णित है:

क. उप-जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएं

ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदान की जाने वाली रोगी उपचार सेवाएं

बाहय रोगी विभाग:

प्रतिदिन	सप्ताह में एक बार
सामान्य चिकित्सा	गैर-संचारी रोग क्लीनिक
सामान्य शल्य चिकित्सा	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर)
बाल चिकित्सा	बाल शल्य चिकित्सा
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	तंत्रिका विज्ञान
नेत्र विज्ञान	प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
मनोचिकित्सा	पोषण ओपीडी
दंत चिकित्सा	**सप्ताह में तीन बार**
आयुष (होमियोपैथी)	प्रसव-पूर्व क्लीनिक
आयुष (आयुर्वेद)	**सप्ताह में दो बार**
अस्थिरोग	त्वचारोग विज्ञान
	कान, नाक एवं गला

क. एसडीएच बल्लभगढ़ में उपलब्ध रोगी उपचार सेवाएँ: (2020-21)

कुल बाह्य रोगी

बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) कुल (नए+पुराने)	1,70,237
नए ओपीडी रोगी (%)	94,958 (55.8%)
काय-चिकित्सा (नए+पुराने)	59,675
बालचिकित्सा (नए+पुराने)	28,332
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान (नए+पुराने)	20,621
प्रसव पूर्व उपचार क्लीनिक पंजीकरण, कुल विजिट, (नए+पुराने)	13,137
नेत्र विज्ञान (नए+पुराने)	9,192
शल्य चिकित्सा (नए+पुराने)	3,430
ईएनटी(नए+पुराने)	1,291
दंत चिकित्सा	3,978
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (नए+पुराने)	179
गैर-संचारी रोग क्लीनिक, कुल (नए+पुराने)	1,715
त्वचाविज्ञान (नए+पुराने)	566
आयुष (होमियोपैथी+ आयुर्वेद)	9,361
अस्थिरोग (नए+पुराने)	12,334
मनोचिकित्सा	6,330
पोषण ओ पी डी	79
प्लास्टिक शल्य चिकित्सा	5
तंत्रिका विज्ञान	0
बाल शल्य चिकित्सा	12

2. इन-पेशेंट सेवाएँ

- **कुल बेड की संख्या: 50**

क. कुल भर्तियाँ (जन्म सहित)	**9,183**
आपात चिकित्सा विभाग से भर्ती	4,864
ओपीडी से भर्ती	1,611
नवजात भर्ती (जन्म)	2,708
ख. अलग-अलग भर्तियों का विवरण, विशेषज्ञता अनुसार (एन=12,608)	
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	5,769
बाल चिकित्सा	85
नेत्र विज्ञान	423
शल्य चिकित्सा	99
काय चिकित्सा	86

ई एन टी	13
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पी एम आर)	0
ग. औसतन बेड भर्ती दर (%)	82.96%
घ. सभी रोगियों हेतु भर्ती रहने की औसतन अवधि (दिनों में)	1.72
ङ. कुल संचालित प्रसव (आई यू डी सहित)	2,723

आपात चिकित्सा विभाग सेवाएं: बेड संख्या - 10	
पंजीकृत रोगी संख्या	43,276
चिकित्सा-विधिक मामले	4,415
आपातकालीन भर्ती	308

एसडीएच बल्लभगढ़ में कुल शल्य चिकित्सीय प्रक्रियाएँ	
1. नेत्र विज्ञान	385
2. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	472
3. सामान्य शल्य चिकित्सा	94
4. बाल शल्य चिकित्सा	3
5. ई एन टी	18
6. पी एम आर	0
कुल	**972**

प्रयोगशाला एवं नैदानिक सेवाएं	
क. प्रयोगशाला परीक्षण (जैव रासायनिक एवं रुधिरविज्ञानी)	1,30,109
ख. एक्स रे	12,181
ग. यूएसजी	6,858
घ. मलेरिया स्लाइड्स	1,292
पी.विवाक्स	शून्य
पी फाल्सिपरम	शून्य
ङ. एचआईवी हेतु परामर्श एवं परीक्षण सेवाएँ	9068

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम:

एसडीएच बल्लभगढ़ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एक क्षय रोग उपचार एकक (टीयू) है। तीन निर्दिष्ट माइक्रोस्कोपी केंद्र (डीएमसी) इस इकाई से जुड़े हुए हैं। 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक बल्लभगढ़ अस्पताल में इलाज किए गए कुल क्षय रोग के मामले इस प्रकार थे:

कुल शुरू किए गए उपचार मामले	**769**
क. नए मामले	740
ख. पूर्व में उपचार किए गए	29

ख. सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ 28 गांवों के गहन फील्ड प्रैक्टिस एरिया (आईएफपीए) में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (दयालपुर और छैंसा) और 12 उप केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। आईएफपीए में डोमिसिलरी, आउट पेशेंट, इनपेशेंट और रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती हैं। वर्ष (2020-21) के लिए आईएफपीए के लिए महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक इस प्रकार थे:

संकेतक	**मूल्य**
जनसंख्या	1,04,699
प्रति 1000 जनसंख्या पर जन्म दर	17.4
प्रति 1000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	5.9
जन्म पर लिंग दर (प्रति 1000 बालक पर बालिका)	939
प्रति 1000 जन्म पर नवजात शिशु मृत्यु दर	22.8
प्रति 1000 जन्म में 5 से कम उम्र के शिशु की मृत्यु दर	29.1

1. गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं:

इसमें पीएचसी की ओपीडी में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य उपचार सेवाएं, साथ ही विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिकों की ओपीडी शामिल हैं, जो आईपीएचए के प्रत्येक गांव में आयोजित की जाती हैं।

पी एच सी	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**कुल**
दयालपुर	12,909	15,210	28,119
छैंसा	13,910	15,106	29,016
कुल	26,819	30,316	**57,135**

पीएचसी दयालपुर में पंजीकृत आयुष ओपीडी रोगियों की कुल संख्या: **3,880**

2. पीएचसी में प्रदत्त इन-पेशेंट सेवाएं:

पीएचसी	**कुल**
दयालपुर	323
छैंसा	333
कुल	**656**

3. पीएचसी में आपात सेवाएं:

पीएचसी	**कुल**
दयालपुर	9,477
छैंसा	2,948
कुल	**12,425**

4. परिवार कल्याण एवं मातृ शिशु स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं:-

संकेतक	मूल्य
कुल प्रसव-पूर्व पंजीकरण	2,226
पंजीकृत मामलों की सम्पूर्ण टीटी कवरेज़ (%)	90.2
आईएफपीए में संस्थानिक प्रसव का प्रतिशत	
पीएचसी छैंसा (%)	98.7%
पीएचसी दयालपुर (%)	98.0%
पीएचसी में प्रसव केन्द्रों में कुल प्रसव	
पीएचसी छैंसा	333
पीएचसी दयालपुर	323

5. अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम:

रक्त स्लाइड का संग्रह ओपीडी में निष्क्रिय निगरानी के एक भाग के रूप में और आईएफपीए में अधिवास यात्राओं के दौरान सक्रिय निगरानी के रूप में किया जाता है।

संकेतक	पीएचसी छैंसा	पीएचसी दयालपुर
जांच किए गए कुल मलेरिया स्लाइड की संख्या	881	1,564
पॉज़िटिव मामलों की कुल संख्या	0	0
वार्षिक परजीवी की घटना (प्रति 1000 व्यक्ति)	0	0
वार्षिक रक्त जांच दर (%)	1.7%	2.9%
स्लाइड पॉज़िटिविटी दर (%)	0	0

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम:

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों के अनुसार आईएफपीए में संचालित किया जाता है। दयालपुर पीएचसी को माइक्रोस्कोपी केंद्र के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है एवं आईएफपीए के अंतर्गत सभी गावों को उपचार सुविधा उपलब्ध कराता है। आईएफपीए में उपचार किए गए क्षय रोगियों की संख्या निम्नवत है:

संकेतक (2019-2020)	पीएचसी छैंसा	पीएचसी दयालपुर
उपचार शुरू किए गए कुल रोगियों की संख्या	79	80
नए मामले	78	80
पूर्व में उपचार किए गए मामले	1	0

6. विशेष सेवाएं:

आउटरिच विशिष्ट ओपीडी (ओआरएसओ) प्रत्येक पीएचसी में संचालित की जाने वाली एक विशेष गतिविधि है जहां एसडीएच बल्लभगढ़ में तैनात वरिष्ठ रेजीडेंट साप्ताहिक आधार पर पीएचसी में रोगियों का उपचार करते हैं। ये सेवाएँ जून 2013 में प्रारम्भ की गई थी। दिनांक 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 की अवधि में, प्रत्येक पीएचसी में उपचार किए गए रोगियों की संख्या निम्नानुसार थी:

सेवाएं	पीएचसी छैंसा	पीएचसी दयालपुर
स्त्रीरोग विज्ञान	45	
बाल चिकित्सा	34	68
नेत्र विज्ञान	38	94
मनोचिकित्सा	45	25
आउटरिच विशिष्ट ओपीडी (ओआरएसओ) (कुल)	**958**	**2130**

7. पशु दंश उपचार क्लीनिक:

दोनों पीएचसी छैंसा एवं दयालपुर में पशु दंश उपचार क्लीनिक है। पीएचसी छैंसा में रेबीज के कुल 818 एवं पीएचसी दयालपुर में कुल 452 टीके लगाए गए।

गर्भवती महिलाओं को विशेष सेवाएं	**पीएचसी छैंसा**	**पीएचसी दयालपुर**
गर्भधारण आईवीआईएस	107	198
पीपीआईयूसीडी	62	108
उच्च जोखिम गर्भधारण	338	356

8. आईईसी गतिविधियां

समूह स्वास्थ्य वार्ता:

निम्नलिखित विषयों पर समूह स्वास्थ्य वार्ता की गई:

पीएचसी छैंसा और दयालपुर में क्रमशः कुल 28 और 55 स्वस्थ्य वार्ता आयोजित की गई। नवजात शिशु उपचार, कंगारू मातृ उपचार, स्तनपान एवं स्तनपान छुड़ाना, प्रसव-पूर्व उपचार, उच्च जोखिम गर्भधारण, गर्भधारण में रक्ताल्पता, संस्थानिक प्रसव की महत्ता, प्रतिरक्षाकरण, मलेरिया एवं डेंगू, ट्यूबरकुलोसिस, बच्चों में रक्ताल्पता, बच्चों मे कुपोषण, विटामिन-ए की कमी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एचआईवी/एड्स, बच्चों में दुर्घटना, व्यक्तिगत स्वच्छता, परिवार नियोजन विधियाँ, प्रसवोत्तर उपचार एवं आहार, नवजात की देखभाल, स्वाइन फ्लू, जराचिकित्सा उपचार, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि।

9. लघु फिल्म कार्यक्रम:

स्तनपान, प्रसव-पूर्व देखभाल, शिशु उपचार, बालिका भ्रूण हत्या, नेत्र उपचार, विटामिन-ए की कमी, कुपोषण एवं ओपीडी के दौरान दस्त जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर बाल कल्याण केंद्र, बल्लभगढ़, पीएचसी दयालपुर एवं पीएचसी छैंसा में फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई।

10. पीएचसी में वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान विशेष कार्यक्रम

1. **कायाकल्प पुरस्कार:** पीएचसी दयालपुर एवं पीएचसी छैंसा को कायाकल्प पुरस्कार 2017-18 के अंतर्गत श्रेष्ठ एवं द्वितीय श्रेष्ठ केंद्र चुना गया।
2. **इंटेन्सिव मिशन इंद्रधनुष:** दोनों पीएचसी ने इंटेन्सिव मिशन इंद्रधनुष में भाग लिया जहां 60 गर्भवती महिलाओं तथा 275 शिशुओं को सात टीका निवारक रोगों के विरुद्ध टीके दिए गए।
3. **राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक हेतु आकलन:** दोनों ही पीएचसी लाभार्थी गुणवत्तापूर्ण व्यापक उपचार सुविधा प्रदान करने के मिशन के साथ कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दोनों ही पीएचसी को यह प्रमाणित किया गया था कि वे राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक का पालन करते हैं।

11. पुरस्कार एवं सम्मान

1. **प्राथमिक चिकित्सा केंद्र में कायाकल्प पुरस्कार:** वर्ष 2017-18 हेतु कायाकल्प कार्यक्रम में फ़रीदाबाद जिला में सभी प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों में, सीआरएचएसपी के पीएचसी दयालपुर को कायाकल्प पुरस्कार हेतु श्रेष्ठ केंद्र जबकि सीआरएचएसपी के दूसरे प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, अर्थात पीएचसी छैंसा को प्रशंसा पुरस्कार हेतु चुना गया था।
2. **उप-जिला स्तरीय अस्पताल में कायाकल्प पुरस्कार:** राज्य स्तर पर, सीआरएचएसपी के उप-जिला स्तरीय बल्लभगढ़ अस्पताल को वर्ष 2017-18 हेतु कायाकल्प कार्यक्रम में कायाकल्प पुरस्कार हेतु प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

12. सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ एवं पीएचसी दयालपुर एवं पीएचसी छैंसा में कोविड प्रतिक्रिया

कोविड महामारी और राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण, अस्पतालों में भीड़भाड़ से बचने और एचसीडब्ल्यू पर बोझ कम करने के लिए, ओपीडी सेवाओं को 23 मार्च 2020 से 15 अप्रैल 2020 तक बंद कर दिया गया था। सभी आपातकालीन सेवाएं और मातृ उपचार सुविधाएं जारी थी। लाक्षणिक (इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी) रोगी के लिए वार्ड में ही स्क्रीनिंग शुरू की गई थी। वरिष्ठ रेजिडेंट्स और संकाय-सदस्यों की देखरेख में स्तर 3 पीपीई पहनकर कनिष्ठ रेजिडेंट्स और प्रशिक्षुओं द्वारा स्क्रीनिंग की गई। तत्काल प्रसव वाली कोविड-19 पॉजिटिव एएनसी माताओं के लिए विशेष प्रसव कक्ष बनाए गए। 30 मार्च से आईएलआई/कोविड संदिग्ध रोगियों के लिए फ़्लू क्लिनिक शुरू किया गया था। फ़्लू क्लिनिक 31 जुलाई 2020 तक जारी रहा। जो रोगी कोविड-19 संदिग्ध थे, उन्हें परीक्षण के लिए बी.के. अस्पताल रेफर किया गया था। कोविड-19 एंटीजन-आधारित परीक्षण भी सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में संदिग्ध कोविड-19 मामलों के लिए आईपीडी प्रवेश और ओटी के लिए 20 अगस्त 2020 से शुरू किया गया था। लगभग सभी विशेष क्लीनिकों के साथ सभी ओपीडी सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय लॉकडाउन खत्म होने के बाद फिर से शुरू किया गया था। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कोविड अनुरूप व्यवहार अपनाने के लिए एसओपी निर्धारित किए गए और लागू किए गए। ओपीडी के अंदर 6 फीट की दूरी चिह्नित की गई। बैठने के दौरान शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए कुर्सियों पर क्रॉस भी चिह्नित किया गया था। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ परिसर में कोविड-19 संबंधी सावधानियां/ लक्षणों/ हेल्प-लाइन नंबरों से संबंधित आईईसी सामग्री लगाई गई थी। ओपीडी में आने वाले मरीजों को त्रिस्तरीय सर्जिकल

मास्क दिए गए और खांसी संबंधी शिष्टाचार का पालन करने की सलाह दी गई। रोगियों के लिए सुलभ स्थानों पर अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र रखे गए थे। एम्स के अस्पताल संक्रामण नियंत्रण दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया।

	फ्लू क्लीनिक में ओपीडी हाजिरी	**वयस्क**	**बालचिकित्सा**	**रेफर किए गए वयस्क**	**रेफर किए गए बच्चे**
मार्च 2020	40	25	15	0	0
अप्रैल 2020	355	264	92	9	7
मई 2020	464	340	124	25	1
जून 2020	625	593	32	248	14
जुलाई 2020	597	461	136	229	52
कुल	2082	1683	399	511	74

छैंसा

आपात सेवा को छोड़कर तालाबंदी की प्रारम्भिक अवधि के दौरान सभी सेवाओं को बंद कर दिया गया था। कोविड संदिग्ध एवं आईएलआई मामलों के लिए तालाबंदी के दौरान पीएचसी में फ्लू क्लीनिक आरंभ किया गया था। आईएलआई मामलों की पहचान करने के लिए समुदाय आधारित सर्वेक्षण किया गया। कोविड पॉज़िटिव रोगियों को रोग की गंभीरता के अनुसार गृह एकांतवास, अस्पताल में भर्ती होने अथवा निर्दिष्ट कोविड उपचार केंद्र हेतु रेफर किया गया। पीएचसी में 8 अप्रैल 2020 तथा उप-केंद्र में 15 अप्रैल 2020 को फिर से नियमित टीकाकरण सेवा शुरू की गई। पीएचसी में दिनांक 18 अप्रैल 2020 को ओपीडी सेवाएँ शुरू की गई थी। अगस्त 2020 में सामान्य ओपीडी के साथ ज्वर क्लीनिक को सम्मिलित कर दिया गया था। 20 जुलाई 2020 को पीएचसी में एवं 5 अगस्त को उप-केंद्र में एएनसी सेवाएं चालू की गई थी। दिनांक 1 दिसंबर 2020 को उप-केन्द्रों में ईएचसी क्लीनिक शुरू की गई थी। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 21 जनवरी से तथा अन्य रोगों सहित 45-59 वर्ष आयु के वयस्क एवं वृद्धों हेतु 8 मार्च से कोविड-19 टीकाकरण अभियान आरंभ किया गया था।

क्रम सं.	**संकेतक**	
1)	31/03/2021 तक किए गए आरटी-पीसीआर परीक्षणों की संख्या	1177
2)	31/03/2021 तक किए गए आरएटी परीक्षणों की संख्या	2174
3)	31/03/2021 तक आरटी-पीसीआर द्वारा पॉज़िटिव मामलो की संख्या	11
4)	31/03/2021 तक आरएटी द्वारा पॉज़िटिव मामलो की संख्या	94
5)	31/03/2021 तक पीएचसी क्षेत्र में पॉज़िटिव मामलों की कुल संख्या	260

दयालपुर

आपात सेवा को छोडकर लॉकडाऊन की प्रारम्भिक अवधि के दौरान सभी सेवाओं को बंद कर दिया गया था। कोविड संदिग्ध एवं आईएलआई मामलों के लिए लॉकडाऊन के दौरान पीएचसी में फ्लू क्लीनिक आरंभ किया गया था। आईएलआई मामलों की पहचान करने के लिए समुदाय आधारित सर्वेक्षण किया

गया। कोविड पॉज़िटिव रोगियों को रोग की गंभीरता के अनुसार गृह एकांतवास, अस्पताल में भर्ती होने अथवा निर्दिष्ट कोविड उपचार केंद्र हेतु रेफर किया गया। पीएचसी में 8 अप्रैल 2020 तथा उप-केंद्र में 15 अप्रैल 2020 को फिर से नियमित टीकाकरण सेवा शुरू की गई। पीएचसी में दिनांक 18 अप्रैल 2020 को ओपीडी सेवाएँ शुरू की गई थी। अगस्त 2020 में सामान्य ओपीडी के साथ ज्वर क्लीनिक को सम्मिलित कर दिया गया था। 20 जुलाई 2020 को पीएचसी में एवं 5 अगस्त को उप-केंद्र में एएनसी सेवाएं चालू की गई थी। दिनांक 1 दिसंबर 2020 को उप-केन्द्रों में ईएचसी क्लीनिक शुरू की गई थी।

स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 19 जनवरी से तथा अन्य रोगों सहित 45-59 वर्ष आयु के वयस्क एवं वृद्धों हेतु 8 मार्च से कोविड-19 टीकाकरण अभियान आरंभ किया गया था।

क्रम सं.	**संकेतक**	
1	31/03/2021 तक किए गए आरएटी परीक्षणों की संख्या	2124
2.	31/03/2021 तक किए गए आरटी-पीसीआर परीक्षणों की संख्या	5873
3.	31/03/2021 तक पीएचसी दयालपुर में पॉज़िटिव मामलों की कुल संख्या	488

दोनों पीएचसी में, 31 मार्च 2021 तक कोविड-19 टीकाकरण:

क्रम सं.		
1	स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या	779
2	अग्रवर्ती कर्मी	118
3	वयोवृद्ध	2968
4	अन्य रोग सहित 45-59 वर्ष आयु के	1064

ख) शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र का फील्ड अभ्यास क्षेत्र दक्षिण दिल्ली में दक्षिणपुरी एक्सटैन्शन, डॉ. अंबेडकर नगर है जिसमें 1-7,14,15,19 ब्लॉक हैं। सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी लगभग 36,582 लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी उपचार सुविधा प्रदान की जाती है।

नैदानिक सेवाएं

कोविड-19 के कारण 23 मार्च 2020 से 30 सितम्बर 2020 तक शहरी स्वास्थ्य केंद्र को बंद कर दिया गया था।

	गतिविधियां	**संख्या**
ओपीडी	बाह्य रोगी हाजिरी (टीकाकारण एवं एएनसी सहित)	5442
प्रयोगशाला सेवाएं	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	949
	किए गए एचबी. परीक्षणों की संख्या	326
	उनमें से कितने एचबी. <7 जीएम% हैं	9

	उनमें से कितने एचबी. <11जीएम% हैं	139
	रक्त शुगर	569
	परीक्षण किए गए मूत्र एलब्यूमिन एवं शुगर	16
	मलेरिया हेतु आरडीटी	6
	रक्त समूह	33

शिशु स्वास्थ्य सेवाएं

आयोजित टीकाकारण सत्रों की संख्या - 49

बीसीजी	28
डीपीटी 1=0 / पेंटवेलेंट 1	110
डीपीटी =0 / पेंटवेलेंट 2	111
डीपीटी 3 =1 / पेंटवेलेंट 3	135
ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)	15
ओपीवी1	113
ओपीवी2	129
ओपीवी3	135
हेपेटाइटिस-बी 1	0
हेपेटाइटिस-बी 2	0
हेपेटाइटिस-बी 3	0
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 1	109
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 2	136
रोटावायरस 1	110
रोटावायरस 2	111
रोटावायरस 3	135
एमआर पहली खुराक	142
एमआर दूसरी खुराक	162
एमएमआर	लागू नहीं
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 1(1.5 वर्ष)	160
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 2 (5-6 वर्ष)	261
टाइफ़ाइड टीका	290
टीडी-10 वर्ष	310
टीडी- 16 वर्ष	112
9 माह से 5 वर्ष की आयु को दी गई विटामिन-ए	607
5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को एल्बेण्डाज़ोल	65
बहुत कम वजन वाले बच्चों को प्रदान की गई स्वास्थ्य सुविधा (0-5 वर्ष)	19

मातृ स्वास्थ्य सेवाएं

प्रसव-पूर्व देखभाल	शहरी स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं के उपचार की कुल संख्या (12 सप्ताह में नए मामले =25)	151
	टीडी-1 दिए गए गर्भवती महिलाओं की संख्या	31
	टीडी-2 दिए गए गर्भवती महिलाओं की संख्या=12 + टीडी बूस्टर=4	16
	180 आईएफए टैबलेट दी गई महिलाओं की कुल संख्या	15
	गर्भवती महिलाएं- अल्बेण्डाज़ोल दिए गए	6
परिवार नियोजन	वितरित किए गए कॉन्डोम की संख्या	250
	प्रेरित की गई महिलाओं की संख्या एवं ट्यूबल लीगेशन हेतु रेफरल	7
	सी यू टी हेतु महिला काउंसल्ड	13
	नए आरटीआई/एसटीआई मामलों की पहचान	पुरुष-6, महिला-48 कुल =54

विकसित, तैयार एवं डिज़ाइन की गई स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री:

क्रम सं.	विषय	सामग्री	सं.	भाषा
1.	“कोविड-19 संदिग्ध व्यक्तियों के गृह एकांतवास हेतु दिशा-निर्देश” पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में 2 पुस्तिकाएं तैयार की	पुस्तिका	02	हिन्दी एवं अंग्रेजी
2.	“गैर-लाक्षणिक एवं हल्के कोविड-19 रोगियों गृह एकांतवास हेतु दिशा-निर्देश” पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में 2 पुस्तिकाएं तैयार की	पुस्तिका	02	हिन्दी एवं अंग्रेजी
3.	अंग्रेजी में कोविड-19 पर प्रायः पूछे जाने वाले 40 प्रश्न तैयार किए गए एवं हिन्दी में उनका अनुवाद किया गया तथा जन-जागरूकता एवं पूछताछ के लिए एम्स की वेबसाइट पर अपलोड किए गए	प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न	40	हिन्दी एवं अंग्रेजी
4.	निबंध प्रकाशन	पोस्टर	01	अंग्रेजी

एम्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां:

- 30 छात्र स्वेच्छा सेवी बने और वर्ष के दौरान कोविड-19 महामारी के समय कोविड-19 से संबन्धित संदेह निवारण हेतु एम्स हेल्पलाइन में शामिल हुए।
- दिनांक 30 जनवरी, 2021 को दक्षिणपुरी एक्सटैन्शन में ‘विश्व कुष्ठ रोग दिवस’ पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। (60 समुदाय के लोगों ने भाग लिया)
- दिनांक 24 मार्च, 2021 को दक्षिणपुरी एक्सटैन्शन में ‘विश्व टी.बी. दिवस’ पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। (50 समुदाय के लोगों ने भाग लिया)

अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

दिनांक	कार्यक्रम
31 मार्च 2021	एम्स के विभिन्न ओपीडी, वार्ड एवं सामान्य स्थानों तथा अन्य स्थानों जैसे शहरी स्वास्थ्य केंद्र, दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन, नई दिल्ली, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र गाजियाबाद एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ एवं सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ के अंतर्गत 28 गांवों में कोविड-19 पर 522 पोस्टर प्रकाशित किए गए।
1 जुलाई, 2020	एम्स नई दिल्ली तथा शहरी स्वास्थ्य केंद्र एम्स (दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन) में 54 स्थानों पर 'हीट स्ट्रोक' पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई।
15 दिसंबर 2020	एम्स नई दिल्ली तथा शहरी स्वास्थ्य केंद्र एम्स (दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन) में 54 स्थानों पर "डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया" पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई।
15 मार्च 2021	एम्स नई दिल्ली तथा शहरी स्वास्थ्य केंद्र एम्स (दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन) में 18 स्थानों पर "शीत लहर" पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई।
30 जनवरी 2021	हमारे शहरी स्वास्थ्य केंद्र, दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन, नई दिल्ली में "विश्व कुष्ठरोग दिवस" के अवसर पर 'कुष्ठ रोग' पर स्वास्थ्य प्रदर्शनी लगाई गई।
24 मार्च 2021	3 मार्च 2021 को दक्षिणपुरी एक्सटेन्शन, नई दिल्ली में "विश्व टी.बी. दिवस प्रदर्शनी" लगाई गई। (50 प्रतिभागियों ने भाग लिया)

- वर्ष 2020-21 के दौरान एम्स के विभिन्न ओपीडी, आपातकालीन सेवा एवं केन्द्रों में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया पर कुल 6,250 (हिन्दी) तथा मधुमेह मेलिटस पर 6,560 पुस्तिका वितरित किए गए।
- वर्ष 2020-21 के दौरान जन जागरूकता एवं कोविड-19 के निवारण तथा नियंत्रण हेतु कोविड-19 स्क्रीनिंग ओपीडी और आपातकालीन चिकित्सा विभाग में गृह क्वारंटाइन एवं गृह एकांतवास पर कुल 64,400 पुस्तिका वितरित की गई।
- 24-26 मार्च 2021 को एम्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय वार्षिक "कायाकल्प निगरानी एवं मूल्यांकन कार्यक्रम" में भाग लिया।
- स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियां: 94 स्वास्थ्य वार्ता आयोजित करने एवं संचालित करने के अलावा, शहरी स्वास्थ्य केंद्र की तैनाती का भी पर्यवेक्षण किया गया।
- 520 सिनेमाटोग्राफरों द्वारा यूजी एवं पीजी की शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के दौरान 520 परियोनाएं चलाई गई।
- छात्रों, स्टाफ एवं संकाय-सदस्य में जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार के लिए 'इस सप्ताह नया' सूचना पट्ट पर 280 नए पेपर क्लिप दर्शाए गए।

पुरस्कार, सम्मान

आचार्य किरण गोस्वामी की कविता 'फील, इमेजीन, थिंक' चित्र प्रतियोगिता में चुनी गई एवं; स्कोपोफोबिक विथ अ स्टेथोस्कोप, रिसर्च अँड ह्यूमनिटीज़ इन मेडिकल एडुकेशन 2020 में प्रकाशित हुई थी। 7:171

महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य शशि कांत कोविड-19 पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य थे; आईसीएमआर के महामारी विज्ञान और निगरानी कार्य समूह के सदस्य के रूप में, आईसीएमआर को प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा की; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर के शासी निकाय और संस्थान निकाय के सदस्य थे; एम्स, नागपुर के लिए संकाय-सदस्यों के चयन में भाग लिया; एम्स, नागपुर की मानव संसाधन उप-समिति के सदस्य के रूप में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कोलेरा एंड एंटरिक डिजीज, कोलकाता की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य है; भारत में एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र के प्रमुख व्यक्ति; भारत में एचआईवी अनुमान पर राष्ट्रीय कार्य समूह के सदस्य; भारत में एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य; क्षेत्रीय संस्थान, साथ ही, भारत में एचआईवी प्रहरी निगरानी के लिए राष्ट्रीय संस्थान दोनों के सदस्य; परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की सहायता की; भारत के संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम की राष्ट्रीय परिचालन अनुसंधान समिति के सदस्य थे; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के संकायाध्यक्ष समिति के सदस्य।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता कई पत्रिकाओं के समीक्षक, जैसे फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री, द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के जनसंख्या स्थिर कोष के आजीवन सदस्य। "ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस (टीबीएम) के लिए 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने के एंटी-ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की प्रभावशीलता का निर्धारण": एक यादृच्छिक नियंत्रित, गैर-हीनता परीक्षण" शीर्षक वाली परियोजना के लिए डेटा सेफ्टी मैनेजमेंट बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य: (प्रधान अन्वेषक: दीप्ति विभा, सह-आचार्य, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, एम्स) और एम्स की मुख्य वार्ता समिति (डीओ) के सदस्य हैं।

आचार्य किरण गोस्वामी- सीबीएमई हेतु पाठ्यक्रम विकास के लिए एम्स की पाठ्यक्रम समिति की सदस्य थी; राष्ट्रीय संस्थान और मध्य क्षेत्र संस्थान, एचआईवी प्रहरी निगरानी, तकनीकी सलाहकार समूह एसईईडी, डीएसटी; कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए आंतरिक शिकायत समिति, आईआईएचएमआर; पीजी शिक्षकों, एमसीआई के लिए संकाय विकास कार्यक्रम हेतु विशेषज्ञ समूह; यूजीसी-नेट के लिए एनटीए विशेषज्ञ समूह। समीक्षक-आईजेपीएच, आईजेएबीएमआर, डीएसटी परियोजनाएं, शोध-एम्स ऋषिकेश एवं जोधपुर, बीएफयूएचएस। परीक्षक-डीएनबी, एमडी-एम्स ऋषिकेश, एनआईएचएफडब्ल्यू, एमबीबीएस-बीएफयूएचएस और एमपीएच-एम्स ऋषिकेश। विषय विशेषज्ञ-संकाय चयन साक्षात्कार-एम्स कल्याणी, जोधपुर, पटना, गुवाहाटी।

आचार्य आनंद कृष्णन समुदाय आधारित एनसीडी रोकथाम और नियंत्रण पर अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र, एम्स, एसआरएस-वीए और मिनर्वा नेटवर्क के लिए तकनीकी सहायता इकाई के प्रमुख थे। आईसीएमआर-एनआईआरईएच भोपाल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर-एनआईओएच, अहमदाबाद की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, भारतीय जन स्वास्थ्य अकादमी में गैर-संचारी रोग और पर्यावरण अध्याय के अध्यक्ष। क्षेत्रीय काउंसलर, दक्षिण पूर्व एशिया, वर्ल्ड एनसीडी फेडरेशन। भारत में संक्रामक रोगों के पर्यावरणीय निर्धारकों के लिए वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष (फोकस कोविड-19), आईआईएचएमआर, नई दिल्ली दिनांक: 7 से 10 दिसंबर 2020। डब्ल्यूएचओ/एसईआरएओ के लिए कोविड-19 हेतु अनुसंधान प्राथमिकता; मालदीव और तिमोर लेस्ते में स्वास्थ्य अनुसंधान क्षमता मूल्यांकन का आयोजन किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए 18 राज्यों में आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के कार्यान्वयन के आकलन की रिपोर्ट तैयार की। कोविड-19 मृत्यु दर आकलन पर यूएनडीईएसए/ डब्ल्यूएचओ तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी), इन्फ्लुएंजा रोग की मृत्यु दर पर कार्य करने वाले डब्ल्यूएचओ कार्य समूह के सदस्य। एम्स नई दिल्ली में परियोजना मूल्यांकन समिति के सदस्य, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन भारत, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, हृद-फुप्फुसीय विकारों के लिए उत्कृष्टता, जलवायु और स्वास्थ्य केंद्र के सदस्य, राष्ट्रीय आपदाओं से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी तैयारी: चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी आपदाएं, आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की समीक्षा के लिए समिति, स्कूल बोर्ड, स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सामाजिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए केंद्र समिति, जेएनयू, एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा गठित व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के लिए एनसीडी नीति समूह के सदस्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र के शासी निकाय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सदस्य, भारतीय चिकित्सा परिषद की पीजी विशेषज्ञ समिति के सदस्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एससीटीआईएमएसटी, जेआईपीएमईआर के लिए चयन समिति के सदस्य, भारत की राष्ट्रीय तंबाकू नियामक फोरम के सदस्य।

आचार्य बेरिडेलाइन नोंगकायरिह के अनुक्रमित चिकित्सा पत्रिकाओं- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में आठ प्रकाशन थे। वे इंडियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिटी मेडिसिन, ग्लोबल हेल्थ एक्शन, इंडियन जर्नल ऑफ़ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ एंड जर्नल ऑफ़ हेल्थ, पॉपुलेशन एंड न्यूट्रिशन, आईसीडीडीआर बांग्लादेश, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड मेडिकल रिसर्च, डब्ल्यूएचओ साउथ-ईस्ट एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, कैंसर बायोलॉजी एंड मेडिसिन आदि के समीक्षक रहे। प्रबंधकीय कौशल और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, 2018 में कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक। भारत के महापंजीयक और एम्स नई दिल्ली द्वारा एसआरएस के लिए मिनर्वा नेटवर्क के प्रमुख टीम के सदस्य और राष्ट्रीय प्रशिक्षक। प्रबंधकीय कौशल और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम के राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक। डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा के साथ गैर संचारी रोगों के एक चिकित्सा अधिकारी के रूप में 6 महीने (16 मार्च-15 सितंबर 2020) के लिए काम किया। 1 अक्टूबर 2020 से 25 फरवरी 2021 तक दक्षिण पूर्व एशिया में जन-केंद्रित एनसीडी सेवा वितरण पर

डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ ऑनलाइन पाठ्यक्रम का समन्वय किया। एनसीडी के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य। अक्टूबर 2020 में भारत में डब्ल्यूएचओ भारत के सहयोग से एनआईएमएचएएनएस बंगलोर के साथ एक सहयोगी परियोजना- संगठित कार्यस्थलों के लिए गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देशों के विकास में योगदान दिया। एम्स जोधपुर एमबीबीएस अंतिम वर्ष के लिए बाहरी परीक्षक (दिसंबर 2020); एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग में एमबीबीएस अंतिम वर्ष (जनवरी 2021) के लिए बाहरी परीक्षक। एनसीडी के प्रति जन स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति, 2-6 मार्च 2021।

आचार्य पुनीत मिश्रा पीएलओएस वन, आईजेसीएम, बीएमजे, लैंसेट पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, एनएमजेआई, बीएमसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डेवलपिंग कंट्रीज, एडिक्टिव बिहेवियर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेंट मेडिसिन एंड हेल्थ, बीएमसी पब्लिक हेल्थ, बीएमसी वुमन हेल्थ, बीएमसी इन्फेक्शस डिजिज, बायोमेडिकाल एण्ड एनविरोनमेंटल साइंस, फैमिली मेडिसन एंड कम्यूनिटी हेल्थ, एनएमजेआई, डीएसटी, आईसीएमआर, डीबीटी, फुलब्राइट छात्रवृत्ति और कई अन्य के लिए प्रस्ताव आदि हेतु समीक्षक थे। कार्यक्रम सलाहकार समिति, डीएसटी, भारत सरकार, एसवाईएसटी, एडब्ल्यूएसएआर। विशेषज्ञ समिति और पेपर समीक्षक, एसईईडी प्रभाग, डीएसटी, भारत सरकार। नेपाल में हमारे आगामी वीआई-डीटी टाइफाइड संयुग्म टीका चरण III नैदानिक परीक्षण के लिए डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य- 23-24 अक्टूबर नेपाल। आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के सदस्य, आईसीएमआर टास्क फोर्स पीसीओएस, अनुसंधान अनुभाग एम्स, चयन समिति। मधुमेह, चयापचय संबंधी विकार, गुर्दे और यकृत विकार, हृदय रोगों पर टीईसी, आईसीएमआर के सदस्य। आईसीएमआर, डीएसटी, डीबीटी और अन्य एजेंसियों के लिए परियोजना समीक्षक। डीडी न्यूज, एलएस टीवी, आरएस टीवी, एबीपी न्यूज, ज़ी टीवी, सीएनएन, आज तक, इंडिया टीवी आदि सहित विभिन्न मीडिया चैनलों के लिए टीवी पर 50 से अधिक कार्यक्रम। युवा वैज्ञानिक सम्मेलन, आईआईएसएफ 2020 की अध्यक्षता की और आईआईएसएफ 2020 के लिए पूर्वोत्तर के छात्रों हेतु एक सत्र की अध्यक्षता की। केजीएमयू और डीयू के लिए पीएचडी थीसिस मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक, डीयू के लिए पीएचडी परीक्षक, एलएचएमसी और एम्स ऋषिकेश के लिए के लिए एमडी परीक्षक तथा एम्स ऋषिकेश के लिए एमडी थीसिस के मूल्यांकनकर्ता।

आचार्य संजय के. राय ने विभिन्न पेशेवर संगठनों जैसे इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन, इंडिया पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, इंडियन चेस्ट सोसाइटी, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, द ब्रिटिश काउंसिल आदि में 30 से अधिक ऑनलाइन व्याख्यान दिए। उन्हें गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय द्वारा एमडी सामुदायिक चिकित्सा के लिए परीक्षक बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। उन्होंने एक बाहरी परीक्षक के रूप में 6-7 जुलाई 2020 तक वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षा आयोजित की। आईसीएमआर-एनआईसीईडी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य के रूप में, 24 सितंबर, 2010 को आईसीएमआर-एनआईसीईडी कोलकाता में आईसीएमआर-एनआईसीईडी की 48वीं एसएसी बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। पूरे देश में एचआईवी प्रहरी निगरानी (एचएसएस) के लिए तकनीकी

सहायता प्रदान करने हेतु एम्स, नई दिल्ली में एचएसएस के लिए एनएसीओ के नामित राष्ट्रीय संस्थान के "प्रमुख व्यक्ति" (फोकल पर्सन) के रूप में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित किया गया। चल रहे एचएसएस में सहयोग करने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, अंडमान और निकोबार के कई जिलों का दौरा किया। एम्स इंजीनियरिंग सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य के रूप में इंजीनियरिंग सेवाओं के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए कई इंजीनियरिंग सलाहकार समिति की बैठकों में भाग लिया। सीसीएम के भंडार के प्रभारी-आचार्य के रूप में 2020-21 के दौरान बजट तैयार करने और सीसीएम के लिए विभिन्न मदों की खरीद में भाग लिया। भारत में एचआईवी अनुमानों पर एनएसीओ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य और 2020 के दौरान टीआरजी की कई बैठकों में भाग लिया। एक विषय विशेषज्ञ के रूप में, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिबीनगर, तेलंगाना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी, असम, राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची, झारखंड और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़ की स्थायी चयन समिति के सदस्यों का सहयोग किया। उन्होंने विभिन्न संकाय पदों के चयन के लिए वर्चुअल मोड में क्रमशः एम्स बीबीनगर, तेलंगाना, एम्स भुवनेश्वर को दिनांक 27-29 सितंबर 2020 तक, 11 नवंबर 2020, 21 दिसंबर 2020 और 25 फरवरी 2021 को सहयोग किया। वे वर्ष 2019-2022 के लिए इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन के "अध्यक्ष" चुने गए।

डॉ. कपिल यादव को "नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल (एनसीईएआर-ए)", स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए प्रमुख व्यक्ति के रूप में जारी रखा गया। एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, एनसीईएआर-ए ने 6 नए एम्स से शिक्षा जगत के सभी प्रमुख व्यक्तियों के साथ समन्वयन किया और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया; डॉ. कपिल यादव ने एएमबी के राष्ट्रीय अभियानों में एक प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. कपिल यादव ने आयोडीन और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों पर अपना अनुसंधान कार्य जारी रखा और उपरोक्त विषयों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण की पाठ्यपुस्तकों के लिए कई अध्याय लिखे।

डॉ. सुमित मल्होत्रा अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली के अंतर्गत नैदानिक अनुसंधान एकक (सीआरयू) की कार्यकारी समिति के सदस्य थे; नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर एम्स संकाय के लिए फेलोशिप कार्यक्रम के शिक्षण सदस्य; नूह, हरियाणा में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के कार्यान्वयन में सहयोग के लिए "नवाचार और शिक्षण केंद्र" के लिए प्रमुख व्यक्ति; वृद्धावस्था और उपशामक उपचार, मानसिक और तंत्रिका संबंधी रोगों से संबंधित नए पैकेज शुरू करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक [राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा विकसित प्रशिक्षण पैकेज], व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार के हिस्से के रूप में आपातकालीन और आघात देखभाल तथा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए टेली-मेंटरिंग कार्यक्रम संचालन के प्रशिक्षक; अनुसंधान अनुभाग, एम्स, दिल्ली के अंतर्गत अनुसंधान पद्धति पर स्नातकोत्तर शिक्षण

कार्यक्रम के लिए संकाय-सदस्य बने रहे। कोविड रोगियों के परीक्षण और उपचार के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी विभिन्न दिशा-निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की जाँच करने के लिए दिल्ली के उत्तर और उत्तर पश्चिम जिलों के सभी निजी अस्पतालों का दौरा करने के लिए केंद्रीय बहु-अनुशासनात्मक टीम के हिस्से के रूप में नामांकित (17-18 नवंबर 2020); उन्हें एसएआरएस कोविड-2 (18-20 जून 2020) के लिए तेजी से नैदानिक परीक्षणों के संचालन की निगरानी के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा आईसीएमआर द्वारा गठित केंद्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान दल के हिस्से के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था, वे एसआरएस-वीए के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के सदस्य और मिनर्वा नेटवर्क तथा राष्ट्रीय एनीमिया नियंत्रण पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के सदस्य थे। जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी तथा एम्स, दिल्ली द्वारा आयोजित पीएचडी परीक्षा के लिए एमसीक्यू प्रश्न बैंक में योगदान दिया; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और आईआईपीएच (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ)- दिल्ली के लिए एमडी और एमपीएच थीसिस का मूल्यांकन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के लिए पूरक परीक्षा 2019-20 (सामुदायिक चिकित्सा) सहित एमडी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे। एम्स, दिल्ली में एमबीबीएस प्री-प्रोफेशनल परीक्षा और पूरक परीक्षा 2020-21 के लिए आंतरिक परीक्षक थे। आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा वेक्टर जनित रोगों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए समीक्षक और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुक्रमित पत्रिकाओं के समीक्षक थे।

डॉ. अनिल गोस्वामी एक राष्ट्रीय निकाय "ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स" चंडीगढ़ के 2016-21 तक संरक्षक थे। 2008 से "रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ" (डीपीओआरसी) एम्स के नामित नोडल अधिकारी थे। उनकी देख-रेख में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एम्स परिसर में निगरानी और मूल्यांकन गतिविधि की गई। 2012 से "संस्कानाकिराजा बायाकाया-नवायना साइमैत" एम्स के नामित नोडल अधिकारी। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र में दैनिक उपयोग में और विशेष रूप से विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य विषयों पर स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री विकसित करके हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। कायाकल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत स्वच्छता संवर्धन के लिए उप-समिति के सदस्य (स्वच्छ और हरित एम्स के केआरए-7), काया कल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत "सार्वजनिक प्रतिक्रिया" (स्वच्छ और हरित एम्स के केआरए-8) के लिए उप-समिति के सदस्य। तंबाकू नियंत्रण प्रभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में "नई निर्दिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के विकास के लिए विशेषज्ञ समिति" के सदस्य के रूप में निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा मनोनीत।

डॉ. पार्थ हल्दर एम्स नई दिल्ली की नैदानिक महामारी विज्ञान एकक के सदस्य हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री की 'वैभव' पहल के तहत 'क्षैतिज: सुदूर एवं ग्रामीण स्वास्थ्य: उपेक्षित तक पहुँच' के अंतर्गत भारत में पोषण मूल्यांकन के लिए लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने विचार-विमर्श के लिए प्रवासी भारतीय वैज्ञानिकों को भी आमंत्रित किया। वे राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित भारत में हेपेटाइटिस

निगरानी के लिए तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे हैं और अभी भी हैं। वह सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के एमडी छात्रों के लिए स्वास्थ्य अर्थशास्त्र मॉड्यूल का संचालन करते हैं। डॉ. पार्थ हल्दर भारत में एचआईवी स्व-परीक्षण के लिए तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य भी हैं, जिसका गठन राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया है। वह एम्स, दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा 2020-21 की एमबीबीएस अंतिम प्रॉफेशनल परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक थे। उन्हें एम्स नई दिल्ली के निदेशक द्वारा कायाकल्प 2020-2021 के तहत चिकित्सा संस्थानों के एक सहकर्मी-समीक्षक के रूप में नामित किया गया था। उन्हें रक्त आधान चिकित्सा विभाग के औषधि एवं उपकरण लेखा-परीक्षा के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एम्स नई दिल्ली (एनआई-एचएसएस) में एचएसएस के लिए नाको (एनएसीओ) नामित राष्ट्रीय संस्थान और एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के सदस्य बने हुए हैं। उन्हें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी, चेन्नई से एमपीएच थीसिस के मूल्यांकन का काम सौंपा गया था। वह कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं जिनमें शामिल हैं: साइंटिफ़िक रिपोर्ट्स, बीएमजे ओपन, पीएलओएस वन, बीएमसी प्रेग्नेंसी एंड चाइल्ड बर्थ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन, जर्नल ऑफ क्लिनिकल पैथोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी एंड साइकियाट्री, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ।

डॉ. रवनीत कौर नैदानिक परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं पर संस्थान की एथिकल उप-समिति की सदस्य थीं। एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन) सुविधा के लिए संकाय, एम्स और स्नातक शिक्षण के लिए कौशल मॉड्यूल तैयार किया। उन्होंने दिनांक 19-21 मार्च 2021 को सामुदायिक चिकित्सा विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के 42वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 21 मार्च 2021 को "फूड फोर्टिफिकेशन: ए सस्टेनेबल पब्लिक हेल्थ स्ट्रैटेजी फॉर कंट्रोल ऑफ माइक्रोन्यूट्रिएंट डेफिशिएंसी: फ्रॉम आयोडीन टू आयरन" नामक एक पूर्ण सत्र का संचालन किया गया। उन्होंने दिनांक 19-21 मार्च 2021 तक सामुदायिक चिकित्सा विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के 42वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "पोषण" विषय पर एक पोस्टर सत्र की निर्णायक बनी। 16 एवं 17 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित आईएपीएसएम के एमआईवाईसीएन राष्ट्रीय कार्य समूह का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन - पोशनकॉन 2020 में आयोजन समिति की सदस्य। वे कई पत्रिकाओं की समीक्षक (ग्लोबल हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी, बीएमजे ओपन, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन)।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे एसईएआर क्षेत्रीय स्तर पर थे; शारीरिक गतिविधि पर वैश्विक कार्य योजना (जीएपीए) दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का रोडमैप विकसित करने के लिए भारत से एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में काम किया; वे सामुदायिक चिकित्सा केंद्र में समुदाय-आधारित गैर-संचारी रोग निवारण और

नियंत्रण में क्षमता निर्माण और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, कोविड-19 प्रतिक्रिया के एक भाग के रूप में, जयपुर राजस्थान में लॉकडाऊन के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमसीटी) के सदस्य के रूप में काम किया; वे सीसीएम में उस संकाय समूह का हिस्सा हैं जो मिनर्वा नेटवर्क में मैनुअल विकसित करने, मेडिकल कॉलेजों का नेटवर्क बनाने और मृत्यु के कारणों की वर्बल ऑटोप्सी कोडिंग और आरजीआई के पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए कोडर के रूप में योगदान दे रहे हैं। मिनर्वा को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत आरजीआई द्वारा वित्त पोषित किया जाता है; उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों: मधुमेह, कैंसर, हृदय-संवहनी रोगों और स्ट्रोक के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रमों में योगदान दिया- जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग के लिए चिकित्सा अधिकारियों और स्टाफ नर्सों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में योगदान दिया, राष्ट्रीय स्तर पर डब्ल्यूएचओ के लिए एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम की समीक्षा की। जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम - कार्यक्रम की समीक्षा, क्षमता निर्माण और अनुसंधान के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में; एनसीडीसी, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर क्लाइमेट चेंज एंड कार्डियो-पल्मोनरी डिजीज का हिस्सा हैं। एनसीडीसी द्वारा वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य पर विभिन्न तकनीकी वेबिनार के लिए संसाधन व्यक्ति; दिल्ली एनसीआर में पीएम 2.5 एक्सपोजर के कारण मृत्यु दर मूल्यांकन पर एक परियोजना के लिए एम्स-आईआईटी सहयोगात्मक परियोजना के तहत अनुदान प्राप्त हुआ; दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए नवोन्मेष इंटेर्वेशन के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार के कार्यालय से अनुदान प्राप्त किया; सीआरएचएसपी बल्लभगढ़, हरियाणा में कोविड-19 से संबंधित धारणा और प्रथाओं को समझने के लिए समुदाय आधारित अध्ययन किया। संस्थान में, सेट (एसईटी) सुविधा के तहत एमबीबीएस छात्रों के लिए ग्लूकोमीटर उपयोग पर मॉड्यूल विकसित किया और इसे सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में एमबीबीएस शिक्षण में लागू किया; सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में सातवें सेमेस्टर के दौरान एमबीबीएस शिक्षण का समन्वय किया; विभाग के स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया; हमारे विभाग में स्नातकोत्तरों को जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से संबंधित नए विषयों को शामिल कराया और पढ़ाया; सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में संकाय के पद पर तैनात; सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में, भंडार, ओपीडी सेवाओं और स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के प्रभारी; एचएमआईएस के पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू की।

डॉ. राकेश कुमार "संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) और भारत के महापंजीयक' के अंतर्गत क्षय रोग से होने वाली मृत्यु रिपोर्टिंग के लिए तंत्र को मजबूत करना" नामक परियोजना की विशेषज्ञ सलाहकार समिति का हिस्सा थे और मूत्रविज्ञान में बाहय तदर्थ अनुसंधान के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष थे; अमेरिकन जर्नल ऑफ़ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन, ट्रांज़ैक्शन ऑफ़ द रॉयल सोसाइटी ऑफ़ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हेल्थ, ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, और द जर्नल ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ़ इंडिया के लिए समीक्षक।

डॉ. मोहन लाल बैरवा बोर्ड ऑफ स्टडीज, स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय), जयपुर, भारत के सदस्य थे। संपादकीय बोर्ड के सदस्य (वैश्विक स्वास्थ्य), बीएमसी जन स्वास्थ्य और अनुभाग संपादक (रिसर्च मेथड्स), लंग इंडिया। इंटरनेशनल जर्नल फॉर इक्विटी इन हेल्थ के समीक्षक; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजरी कंट्रोल एंड सेफ्टी प्रमोशन; बीएमजे ओपन; इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन; मानव टीके और इम्यूनोथैरेप्यूटिक; पीएलओएस ओएनई और; वैश्विक स्वास्थ्य कार्रवाई; बीएमसी पब्लिक हेल्थ; इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन: डब्ल्यूएचओ का बुलेटिन; बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल; "एनसीडी हेतु उपचार के बदलते प्रतिमान: दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में अग्रवर्ती एनसीडी सेवाओं की कहानियां" प्रकाशन के दस्तावेजीकरण पर डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ के परामर्शदाता।

9.9. त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीना खन्ना

आचार्य

कौशल के वर्मा	एम राममम	बिनोद के. खेतान
सुजॉय खांडपुर	जी सेतुरमन	सोमेश गुप्ता

सह-आचार्य

कनिका साहनी

सहायक आचार्य

नीतू भारी	विशाल गुप्ता

शिक्षा

विभाग में 25 कनिष्ठ रेजीडेंटों, 10 वरिष्ठ रेजीडेंटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं 3 पी.एचडी. अभ्यर्थियों को गाइड किया जा रहा है। एम.डी. (कायचिकित्सा) एवं एम.डी. (बालचिकित्सा) के लिए 2 सप्ताह का योग्यता आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने दिनांक 8 नवंबर 2020 को कांटैक्ट एंड आक्यूपेशनल डर्माटोसिस फॉरम ऑफ इंडिया (सी.ओ.डी.एफ.आई.सी.ओ.एन. 2020) के 10वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।

प्रदत्त व्याख्यान

नीना खन्ना: 6	**कौशल के वर्मा: 8**	**एम राममम: 8**
बिनोद के. खेतान: 4	**सुजाय खांडपुर: 16**	**कनिका साहनी: 2**
नीतू भारी: 15	**विशाल गुप्ता: 8**	

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. निकाले हुए केश फोलिकल्स के बाह्य रूट शीथ से संवर्ध मेलेनोसाइटिस बनाम एपिडर्मिस से संवर्ध मेलेनोसाइटिस के प्रतिरोपण का दोहरा-ब्लाइंड याद्दच्छिक परीक्षण, सोमेश गुप्ता, डीबीटी, 4 वर्ष 2018-2022, रु.60 लाख।
2. एच I - ऐंटीहिस्टेमाइन्स से अपर्याप्त रूप से नियंत्रित किशोरों एवं वयस्कों में चिरकारी सहज पित्ती (सीएसयू) के उपचार में लिजीलिजुमेब (क्यूजीई031) की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा की

जांच करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, दोहरा, सक्रिय एवं प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन। (वित्तपोषित परियोजना), नीना खन्ना, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2019-2021, रु.11.24 लाख।

3. रितुक्सीमेब से उपचारित पेम्फिगस वाले रोगियों में आवर्ती सूचक क्लिनिकल एवं इंम्यूनोलॉजिक कारक: एक अग्रदर्शी कोहार्ट अध्ययन, विशाल गुप्ता, अ.भा.आ.सं.-इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2022, रु.9.8 लाख।
4. वृद्धिकारक गैर-खंडयुक्त विटिलिगो के उपचार में एप्रेमिलास्ट बनाम बीटामिथेसोन मुखीय-मिनी प्लस थेरेपी की तुलना: एक ओपन लेबल गैर-अपकर्ष यादृच्छिक परीक्षण, विशाल गुप्ता, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2020-2021, रु.3.65 लाख।
5. प्लांट पारथीनियम के कारण वायु जनित संपर्क डर्मेटाइटिस के रोगियों में प्रदाहक साइटाकाइन स्तरों एवं डर्मेटाइटिस पर साइक्लोस्पोराइन के प्रभाव का मूल्यांकन। कौशल के वर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रु.36 लाख।
6. रूढ़ डेक्सामिथेसन प्लस एवं नई बायोलॉजिकल रितुक्समेब थेरेपी प्राप्त करने वाले पेंफिगस वल्गरिस रोगियों में रोग आवर्ती सूचक में बीएएफएफ एवं एपीआरआईएल लाइगंड्स एवं उनके रिसेप्टर्स सीटी 4 एवं रेगुलेटरी बी एवं टी कोशिकाओं की भूमिका, सुजय खांडपुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020 से आरंभ, रु.25 लाख।
7. एटोपिक डर्माटाइटिस वाले बच्चों में टीएच2/टीएच17 प्रदाहक साइटोकाइन्स मोडुलेटिंग फ्लैग्गरिन अभिव्यक्ति, नीतू भारी, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2019-2021, रु.7.45 लाख।

वित्तपोषित परियोजना

पूर्ण

गैर-संवर्धित निकला हुआ फोलीकुलर बाह्य रूट शीथ कोशिका सस्पेंशन एवं रूढ़ एपिडर्मा स्थिर विटिलिगो की प्रभावकता एवं सुरक्षा तथा कंस्टीट्यूंट स्टेम सैल जनसंख्या के साथ इसका संबंध। सोमेश गुप्ता, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध निबंध)

जारी

1. मुखीय हायपरपिग्मैंटिड त्वचा विक्षतियों के डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का एक क्रास सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन।
2. बच्चों में जन्मजात एवं अर्जित वाहिका विक्षतियों में डर्मोस्कॉपिक खोजों का एक क्रास सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन।
3. बैक्टेरियल (बीवी) से पीड़ित महिलाओं एवं स्वस्थ कंट्रोल्स में वेजीनल माइक्रोबायोम तथा मेटाबोलोम का सार्कोयडल ऊतक प्रतिक्रिया अध्ययन का 5डी इच स्केल क्लिनिकोहिस्टोपेथोलॉजिकल सह-संबंध तथा चिरकारी पुरूराइटिस की गंभीरता का आकलन तथा 12 आइटम पुरूराइटिस गंभीरता स्केल का प्रयोग करके जीवन गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

4. आटोनोमिक नर्वस सिस्टम असंतुलन का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन तथा दैहिक स्केलेरोसिस वाले रोगियों में त्वचीय प्रकटनों के साथ इसका सह-संबंध (एमडी थीसिस)।
5. एरेथमा नोडोसम लेप्रोसम प्रतिक्रिया के रूप में हिस्टोलॉजिकली नैदानित स्लाइडों की हिस्टोपैथोलॉजिकल खोज समीक्षा।
6. एक्सटेंसिव नॉन-सेग्मेंटल विटिलिगों के पूर्वसूचकों पर अस्पताल आधारित केस कंट्रोल अध्ययन।
7. क्रमिक विकास के विभिन्न चरणों में नॉन-सेग्मेंटल विटिलिगों के डर्माटोस्कोपिक खोजों का एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
8. पार्थेनियम डर्माटाइटिस के रोगियों में पैच जांच पोजीटिविटी को प्रकट करने के लिए पार्थेनियम ऐसीटोन एक्सट्रेक्ट की विभिन्न सान्द्रताओं (अर्थात 1:50, 1:100 एवं 1:200) की तुलना।
9. स्थानीयकृत विटिलिगों में हस्त यूवीबी कॉम्ब बनाम एक्सीमर लाइट थेरेपी की तुलना।
10. एलर्जिक संपर्क डर्माटाइटिस के रोगियों में ओक्कुलशन समय के 24 एवं 48 घंटे के पश्चात पैच जांच पोजीटिविटी की तुलना।
11. एक्सिमर लैंप के संयोजन के साथ 0.1% टेक्रोलिमस/0.2% टेक्रोलिमस/प्लेसिबो का उपयोग करके विटिलिगो में पुन: पिग्मेंटेशन का अध्ययन करने के लिए दोहरा ब्लांइड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
12. रोगियों के मानसिक स्वास्थ्य पर चिरकारी त्वचा रोगों के प्रभाव का मूल्यांकन, पेम्फीगस में डेक्सामिथेसन-साइक्लोफोस्फेमाइड प्लस थेरेपी।
13. एटोपिक डर्माटाइटिस वाले बच्चों में सेरामाइड आधारित मास्चुराइजर की तुलना में पेराफ्फिन आधारित मास्चुराइजर का मूल्यांकन: एक दोहरा ब्लांइडिड, दो समूह समानार्थक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
14. प्रतिकूल अत्वचीय औषध प्रतिक्रियाओं के निदान में पैच जांच का मूल्यांकन एवं मुखीय औषध प्रोवोकेशन से इसका सह-संबंध।
15. उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल आने वाले डर्माटोफिटिक संक्रमण वाले रोगियों में उपचार असफलता के कारण बनने वाले एपिडेमियोलॉजिकल कारकों का अध्ययन।
16. दैहिक स्केलिरोसिस बनाम योगा थेरेपी नहीं करवाने वाले रोगियों के उपचार में योगा थेरेपी का प्रभाव: एक प्रायोगिक यादृच्छिक कंट्रोल परीक्षण।

पूर्ण

1. मुखीय हायपरपिग्मेंटिड त्वचा विक्षतियों की डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का एक क्रास सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन।
2. अर्जित ब्लेस्को-लाइनर एवं सेग्मेंटल विटिलिगों के सिवाय सेग्मेंटल डर्माटोलोजिकल रोग की क्लिनिकल एवं हिस्टोपेथोलॉजिकल विशेषताओं का वर्णनात्मक अध्ययन।
3. गंभीर अवत्वचीय औषध प्रतिक्रियाओं का एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
4. दैहिक स्केलेरोसिस संबंधित इंटरस्टीटियल लंग रोग में इम्यूनोसप्प्रेसिव थेरेपी की प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए एक एंबिस्पेक्टिव कोहर्ट अध्ययन।

5. मानक संपूर्ण बॉडी नेरो के साथ हैंडहेल्ड नेरो बैंड यूवीबी यंत्र की तुलना करते हुए एक ओपन लेबल गैर-यादृच्छिक प्रारंभिक अध्ययन।
6. स्थानीयकृत विटिलिगों के उपचार में बैंड-यूवीबी थेरेपी।
7. हेक्सावेलेंट क्रोमियम से एलर्जिक संपर्क डर्माटाइटिस के अवरुद्ध प्रकटन में ग्लुटेथियन एवं आयरन सल्फेट के टोपिकल अनुप्रयोग का मूल्यांकन।
8. स्प्लिट मुख यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन में प्लाज्मा के उपचार में फ्रैक्शनल सीओ2 लेजर एवं ट्रिपल थेरेपी एकल के साथ टॉपिकल ट्रिपल थेरेपी फोर्मुलेशन की प्रभावकता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करना।
9. विटिलिगों पीड़ित रोगियों के परिवार के सदस्यों के लिए परिवार विटिलिगो प्रभाव स्केल, जीवन गुणवत्ता स्केल की सायकोमेट्रिक घटकों का अध्ययन करना।
10. एक्ज्जीमर लाइट थेरेपी की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय सोरियाटिक आर्थेराइटिस वाले रोगियों में ग्लेनमार्क एप्रेजो एवं एप्रिमिलास्ट टैबलेट्स की सुरक्षा एवं प्रभावकता का मूल्यांकन करने के लिए एक फेज IV क्लिनिकल परीक्षण, रूमेटोलॉजी।
2. बैक्टेरियल वेजीनोसिस में मेटोबोलोमिक्स का नैदानिक एवं/या पूर्वसूचक संभावनाओं का विश्लेषण, इसका अन्य यौन संचरित संक्रमणों हेतु संवेदनशीलता, एनएमआर एवं एमआरआई सुविधा।
3. सिकाट्रिकियल एक्ट्रोपियन के उपचार हेतु ओटोलोगस फैट ट्रांस्फर, नेत्ररोगविज्ञान।
4. शहरी क्षेत्रों में कुष्ठरोग का उन्मूलन करने के लिए नए केस का पता लगाने की पद्धतियां (एनसीडीएस) तथा जनसंख्या आधारित कुष्ठरोग रजिस्ट्री (पीबीएलआर) का विकास, टीएलएम शाहदरा।
5. हिड्राडेंटिस सुप्पुरेटिव के उपचार हेतु रेडियोएक्टिव त्वचा पैचिस की प्रभावकता का मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा।
6. पोलिसिस्टिक अंडाशय संलक्षण (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय मोडेलिटिस की प्रतिक्रिया में व्यापकता, क्षेत्रीय फीनोटायपिक भिन्नता, सह-रूग्णताओं, जोखिम कारकों एवं भिन्नताओं का मूल्यांकन: संपूर्ण भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन (आईसीएमआर-पीसीओएस टास्क फोर्स) बहुकेंद्रीय अध्ययन।
7. बेसल सैल कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोएक्टिव त्वचा पैचिस की चिकित्सीय प्रभावकता का मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा।
8. किलोड्स के उपचार हेतु रेडियोएक्टिव त्वचा पैचिस की चिकित्सीय प्रभावकता का मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा।
9. पेम्फिगस वल्गरिज के इम्यूनोपेथोजेनेसिस में सहज प्रतिरक्षा की भूमिका को उद्घाटित करना, जैवरसायन।

10. सबक्लिनिकल हायपोथायरोडिज्म सहित पोलीसिस्टिक ओवरी संलक्षण (पीसीओएस) वाली महिलाओं में क्लिनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल एवं इंसुलिन संवेदनशीलता पैरामीटर्स के लिवोथिरोक्सिन प्रतिस्थापन में सुधार, अंत:स्राविकी।
11. आधारपंक्ति क्रम में डिसपर्स ओरेंज 3 के बिना टेक्सटाइल डाय मिक्स के साथ पैच परीक्षण, इंटरनेशनल कॉन्टेक्ट डर्माटाइटिस रिसर्च ग्रुप (आईसीडीआरजी) एवं डिपार्टमेंट ऑफ ओक्यूपेशनल एंड इन्वाइरमेंटल डर्माटोलॉजी, स्केन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, माल्मो, स्वीडन।
12. कुष्ठ रोगियों में सीडी4 टीसीआर की भूमिका का मूल्यांकन करना, जैवरसायन।

पूर्ण

1. पेंफिगस वल्गरिस के इम्यूनोपेथोजेनेसिस में गामा-डेल्टा टी-कोशिकाओं की भूमिका को उद्घाटित करना, जैवरसायन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 68 **पुस्तकों में अध्याय: 2**

रोगी उपचार

विभाग में दो एकांत कक्ष सहित 29 बिस्तरों वाला वार्ड है। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक दीर्घावधि के लिए भर्ती रोगियों की कुल संख्या 771 तथा अल्पावधि के लिए भर्ती रोगियों की कुल संख्या 2132 थी। ओपीडी दोपहर में सामान्य डर्मेटोलॉजी रोगियों (प्रथम पाली में) एवं विशेष क्लिनिक (एसटीडी, कुष्ठ रोग, त्वचारोग, पिग्मेंटेशन, एलर्जी) तथा लेजर (डायोड, कार्बनडाइऑक्साइड, एनडीवाईएजी लेजर, पल्स डाई लेजर) दोनों को सेवा प्रदान करती है। साइड लैब प्रक्रियाएं तथा डर्मेटोसर्जरी प्रक्रियाएं सुबह और दोपहर दोनों समय संचालित की जाती हैं। जनगणना के अनुसार, बाहय रोगी विभाग में 30263 नए रोगियों को देखा गया था तथा पुराने रोगियों की कुल संख्या 55857 थी। एक सीनियर रेजीडेंट सप्ताह में दो बार त्वचा ओपीडी के लिए बल्लभगढ़ जाते हैं और विभाग ने सप्ताह में दो बार झज्जर में सामुदायिक त्वचाविज्ञान ओपीडी सेवाएं आरंभ की हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर नीना खन्ना को आईएडीवीएल 2021 (उत्तरी क्षेत्र) हेतु श्रेष्ठ अध्यापिका का पुरस्कार प्रदान किया गया था; आईएडीवीएल दिल्ली स्टेट ब्रांच आरेशन 2020; संपर्क समिति आईएडीवीएल की सदस्य।

प्रोफेसर कौशल के वर्मा वैज्ञानिक समिति कांटेक्ट एंड ओक्यूपेशनल डर्माटोसिस फोरम ऑफ इंडिया (सीओडीएफआई) वार्षिक सम्मेलन के सभापति थे, 8 नवंबर 2020; सभापति के रूप में इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्सयुली ट्रांस्मिटिडिड इंफेक्शन्स-एशिया पैसिफिक (आईयूएसटीआई-एपी) एग्जीक्यूटिव वार्षिक बैठक को आयोजित, समन्वित एवं संचालित किया, 27 नवंबर 2020; अ.भा.आ.सं. जोधपुर हेतु संकाय चयन हेतु विशेषज्ञ संकाय, 29 अक्टूबर 2020, जोधपुर, राजस्थान; विशेषज्ञ संकाय चयन, जन सेवा संप्रेषण जे एवं के, 21 जनवरी 2021, जम्मू (जे एवं के); दिनांक 12 अक्टूबर 2020 को आईयूएसटीआई-एपी सभापति के रूप में आईयूएसटीआई-वर्ल्ड एक्सको वर्चुअल मीटिंग में भाग लिया;

दिनांक 2 अगस्त 2020 को आईसीडीआरजी सदस्य के रूप में आईसीडीआरजी बोर्ड वर्चुअल मीटिंग में भाग लिया; दिनांक 14-17 जुलाई 2021 को आयोजित हुई इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्सुअली ट्रांस्मिटिडिड इंफेक्शन्स (आईयूएसटीआई) वर्ल्ड क्रांफ्रेंस की एब्स्ट्रेक्ट रीव्यू कमेटी के सदस्य; सभापति-शिकायत प्रकोष्ठ, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली; दिनांक 13 मार्च 2020 को आईसीडीआरजी के सदस्य के रूप में आईसीडीआरजी बोर्ड वर्चुअल मीटिंग में भाग लिया; प्रोफेसर, सुपरवाइजिंग विभागीय भंडार; कोविड-19 संक्रमण निवारण, उपचार एवं टीकाकरण मुद्दों आदि पर जन जागरूकता, सामुदायिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी उपायों आदि तथा कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित रूप से होली मनाने के लिए सावधानियां/उपायों पर डीडी समाचार पर 9वें सत्र पर लाइव फोन-इन टीवी कायक्रमों में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्माटोलोजिस्ट्स, विनरियालोजिस्ट्स एंड लैप्रोलॉजिस्ट (डीएसबी) में “सिंपल टू डायग्नोस डिफिकल्ट टू ट्रिट डर्माटोसिस” पर सत्र की अध्यक्षता की, 17 मई 2020; इंडियन एसोसिशन ऑफ डर्माटोलोजिस्ट्स, विनरियोलॉजिस्ट्स एंड लैप्रोलॉजिस्ट (डीएसबी), के ‘‘साइटोकाइन स्ट्रोम इन आटोइंफ्लैमेटरी सिंड्रोम्स-क्लिनिकल एप्रोच एंड एप्रोच” पर सत्र की अध्यक्षता की, वार्षिक सम्मेलन, 20 दिसंबर 2020; 6 पत्रिकाओं जे. कॉस्मेटिक डर्माटोलॉजी, आईजेडीवीएल, जेईएडीवी, आईजेएसटीडी, डर्माटोलॉजी थेरेपी हेतु समीक्षक; दो पत्रिकाओं-जेसीएएस, एनजेडीवीएल के संपादकीय मंडल में सम्मिलित।

प्रोफेसर बिनोद के. खेतान आईसीएमआर में त्वचाविज्ञान हेतु मानक उपचार कार्यप्रवाह (एसटीडब्ल्यू) हेतु त्वचाविज्ञान विशेषज्ञ समूह के सभापति थे; सभापति: कठिन केसों पर पेनल, सीयूटीआईसीओएन 2020, मई 2020, ऑनलाइन।

प्रोफेसर सुजॉय खांडपुर आईएडीवीएल दिल्ली शाखा 2020 के अध्यक्ष थे; आईएडीवीएल टेक्स्टबुक ऑफ डर्माटोपैथोलॉजी के सह संपादक; सचिव, डर्मापेथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, 2020; सदस्य, एजुकेशन कमिटी ऑफ एशियन सोसाइटी ऑफ डर्मापेथोलॉजी, सदस्य, स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप ऑफ डर्मापेथोलॉजी, आईएडीवीएल; वर्ष 2019-20 हेतु माइ थीसिस स्टूडेंट ने श्रेष्ठ थीसिस एम्स, नई दिल्ली हेतु मोहन लाल विग अवार्ड प्राप्त किया, आईजेडीवीएल के “लैटर टू एडिटर” भाग में 2 श्रेष्ठ लेख अवार्ड प्राप्त किए।

डॉ. नीतू भारी आयोजन सचिव, 10वां वार्षिक सम्मेलन कॉन्टेक्ट एंड आकुपेंशन डर्माटोसिस फोरम ऑफ इंडिया, 8 नवंबर 2020 थीं।
समन्वयक, वार्षिक आईएडीवीएल एसआईजी-डर्मापेथोलॉजी न्यूजलैटर, दिसंबर, 2020; सहायक संपादक, आईएडीवीएल टेक्सबुक ऑफ डर्माटोपेथोलॉजी; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ डर्माटोलॉजी, वेनरियोलॉजी एवं लैप्रोलॉजी; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ पेडियाट्रिक डर्माटोलॉजी।

9.10. आपात चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रवीण अग्रवाल

आचार्य

एल.आर. मुरमू | संजीव कुमार भोई

सह-आचार्य

नायर जमशेद | तेज प्रकाश सिन्हा

सहायक आचार्य

मीरा इक्का | अक्षय कुमार | प्रकाश रंजन मिश्रा

विशिष्टताएँ

आपात चिकित्सा विभाग सभी प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात शल्य चिकित्सा और अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को चौबीसों घंटे, विश्वस्तरीय आपातकालीन उपचार प्रदान करता रहा है। वर्ष 2020-21 में आपातकालीन चिकित्सा विभाग सार्स-कोव2 संक्रमण रोगियों को प्रारंभिक सेवा प्रदान करने में अग्रणी रहा है। विभाग सार्स-कोव2 से संक्रमित रोगियों को इनवेसिव तथा गैर-इनवेसिव वेंटिलेशन दोनों प्रदान करता रहा है। वर्ष 2020-21 के दौरान, लगभग 95,000 रोगी इस विभाग में आए थे। गैर-कोविड-19 रोगियों के अतिरिक्त, इस प्रकार के रोगियों के उपचार हेतु रेजिडेंटों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया है। विभागीय संकाय अन्य विभागों (कायचिकित्सा, शल्यचिकित्सा, जराचिकित्सा, संवेदनाहरण एवं सघन उपचार चिकित्सा, चर्मरोग, मनोविज्ञान एवं अन्य सहित) के स्नातकोत्तर, स्नातक छात्रों, नर्सिंग छात्रों तथा आपात चिकित्सा के क्षेत्र में पैरामेडिक्स के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य भी करता रहा है।

विभाग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में जिला अस्पतालों में जलने के मामलों और आघात के साथ-साथ आपातकालीन विभाग के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं।

दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, विभाग ने सड़क सुरक्षा, चोट के उपचार पर दिशानिर्देश तैयार करने के साथ-साथ भारत में आपातकालीन और आघात देखभाल के एकीकरण में भी शामिल है। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत, आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने रोगी उपचार एवं परिणाम को बेहतर बनाने के लिए परियोजनाएँ आरंभ की है। इससे रोगियों के अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि में कमी के भी परिणाम सामने आए हैं।

शिक्षा

विभागीय संकाय ने विभाग में तैनात स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए जीवन सहायक पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। रेजीडेंटों के लिए विभिन्न आपातकालीन कौशल का प्रदर्शन करने हेतु सोनोग्राफी, कार्डियक लाइफ सपोर्ट, ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट, लम्बर पंचर, इंटुबेशन सहित अन्य विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। आपात चिकित्सा के रेजीडेंटों के लिए शैक्षिक गतिविधियों के कार्यक्रम (गोष्ठी, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा, पैनल चर्चा) सप्ताह में दो बार 8 घंटे के लिए चलाए जाते हैं। रोगियों की आपातकालीन चिकित्सा में अल्ट्रासाउंड के उपयोग पर रेजीडेंटों को शिक्षा एवं कौशल प्रदान किया जाता हैं। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित शिक्षण (दोनों टेबल-टॉप तथा हाई-फिडेलिटी सिमुलेटर) प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, विभागीय संकाय द्वारा व्याख्यान तथा संगोष्ठी के माध्यम से स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएँ

1. कोविड-19 महामारी के संदर्भ में, 7 तथा 27 मई 2020 को 'दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार में आपात चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करने हेतु सामरिक निर्देश', क्षेत्रीय रणनीति दस्तावेज़ को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठकें आयोजित की गईं।
2. 28 जनवरी से 8 फरवरी 2021 तक ज.प्र.ना.ए. ट्रॉ.कें., एम्स, नई दिल्ली में सीआरपीएफ के लिए सामरिक प्रतिरोधक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।
3. दिनांक 9 फरवरी 2021 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, के ईएमआर प्रभाग द्वारा पैरा-मेडिक्स और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियनों के लिए प्री-हॉस्पिटल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम मॉड्यूल निर्माण हेतु बैठक (वर्चुअल/ऑनलाइन) आयोजित की गयी।
4. दिनांक 8 मार्च 2021 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी) द्वारा आपात चिकित्सा हेतु प्रशिक्षण दिशा-निर्देशों के लिए विशेषज्ञ समूह परामर्श का आयोजन किया गया।
5. दिनांक 10 और 20 मार्च 2021 को जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी), एम्स, नई दिल्ली में सीआरपीएफ के लिए सामरिक प्रतिरोधक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवालः 3 | **संजीव भोई: 1**

तेज प्रकाश सिन्हाः 1 | **प्रकाश रंजन मिश्रा: 1**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैच इनिशिएटिवः मिशन दिल्ली, प्रवीण अग्रवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2017-21, (विस्तारित), रुपए 4.9 करोड़
2. डेवेलपमेन्ट ऑफ लो कास्ट यूएसजी-गाइडेड निडल ट्रैकिंग फैंटम मॉडल फॉर मेडीकल एजुकेशन, प्रकाश रंजन मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल परियोजना, 2 वर्ष, 2020-22, रुपए 0.62 लाख
3. देश के चुनिंदा जिलों में एसटी-सेगमेंट एलिवेटेड मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन (एसटीईएमआई) में थ्रोम्बोलिसिस दर में परिवर्तन पर एक स्वास्थ्य प्रणाली-आधारित कार्य का मूल्यांकन - एक स्वास्थ्य कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना, प्रवीण अग्रवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2020-22, रुपए 87.93 लाख
4. आपातकालीन विभाग में आने वाले सेप्सिस रोगियों में इम्यूनो-क्लिनिकल कोरिलेशन, अक्षय कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल परियोजना, 2 वर्ष, 2020-22, रुपये 9.5 लाख
5. ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों के स्वस्थ्यलाभ एवं सूजन के डिसरेगुलेशन पर एल्कोहल का प्रभाव, तेज प्रकाश सिन्हा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-21, रुपये 9.5 लाख
6. सेप्टिक शॉक रोगियों में सेप्सिस प्रीडिक्टिव बायोमार्कर की पहचान करने हेतु मल्टी-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण, तेज प्रकाश सिन्हा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-23, रुपये 92.3 लाख
7. ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों में नैदानिक परिणाम के साथ इसका संबंध और सेलुलर सिग्नलिंग पाथवे की सक्रियता, जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना, संजीव भोई, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2018-21, रुपये 58 लाख
8. ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों में हेमटोपोइएटिक प्रोजेनिटर कोशिकाओं एवं ग्रैनुलोसाइट कॉलोनी स्टीम्युलेटिंग घटक के स्वरूप का अध्ययन करना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-22, रुपये 16 लाख
9. ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों के पेरीफरल ब्लड में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल, हेमटोपोइएक स्टीम और प्रोजेनिटर कोशिकाओं के स्वरूप का अध्ययन करना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपये 41 लाख
10. ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों में कोशिका मुक्त-डीएनए की भूमिका एवं नैदानिक परिणाम तथा गंभीरता के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-22, रुपये 41 लाख
11. पशु मॉडल का उपयोग करते हुए ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक रोगियों में हेमटोपोइएटिक असफलता हेतु प्राप्त हेमटोपोइएटिक प्रोजेनिटर कोशिकाओं (एचपीसी) आईपीएससी (इन्ड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टीमसेल) की भूमिका का अध्ययन करना, संजीव भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, रुपये 40 लाख

12. तृतीयक चिकित्सा केंद्र के आपात प्रतिक्रिया केंद्र में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए टेलीमेडिसिन की उपयोगिता, तेज प्रकाश सिन्हा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-21, रुपये 2.8 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. आपातकालीन विभाग में सुप्रा-वेंट्रिकुलर टैचीकार्डिया वाले रोगियों में कार्डियोवर्जन के लिए संशोधित वलसाल्वा बनाम मानक वलसाल्वमनोउवर का यादृच्छिक परीक्षण
2. आपातकालीन विभाग में सेप्सिस की प्रारंभिक पहचान में एम्स सेप्सिस ट्राइएज प्रोटोकॉल की सटीकता
3. इन्फेरियर वीना कावा कॉलेप्सिबिलिटी की तुलना में आंतरिक वाहिका आयतन स्थिति के निर्धारण में आंतरिक जुगुलर शिरा एवं ऊरु शिरा की बंध्यता का आकलन
4. आपातकालीन विभाग में लंबे समय तक भर्ती रहने तथा अस्पताल में मृत्यु दर के बीच संबंध
5. मस्तिष्क की घातक चोट वाले रोगियो में रिजिड सर्वाइकल कॉलर एप्लीकेशन के उपरांत आप्टिक नर्वस शीथ डायामीटर में बदलाव: तृतीयक चिकित्सा केंद्र में एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
6. आपातकालीन विभाग में आने वाले हृदयघात के रोगियों के लक्षण, उपचार एवं प्रणाम, एम्स, नई दिल्ली
7. रजिस्ट्री अध्ययन में छाती का दर्द एवं हृदयघात
8. आपातकालीन विभाग में आने वाले तीव्र छाती के दर्द के रोगियों का नैदानिक एपिडीमिओलॉजिकल प्रोफाइल।
9. सीएलडी में एकेआई वाले रोगियों की नैदानिक क्लीनिकल एपिडीमिओलॉजिकल प्रोफाइल।
10. आपातकालीन विभाग में पेट के तीव्र दर्द का नैदानिक एपिडीमिओलॉजी अध्ययन।
11. आपातकालीन विभाग में कार्डियक अरिथिमिया की क्लिनिको-एपिडिमिओलॉजिकल प्रोफाइल।
12. आपातकालीन विभाग में आने वाले एकेआई के रोगियों की क्लीनिकल-एपिडीमीओलॉजिकल प्रोफाइल।
13. आपातकालीन विभाग में आने वाले कोरोसिव पोइजनिंग से ग्रसित रोगियों की क्लीनिकल-एपिडीमीओलॉजिकल प्रोफाइल।
14. एलीवेटेट लीवर एंजाइम्स पीडीऐट्रिक ब्लंट एब्डोमीनल ट्रॉमा के रोगियों में एफएएसटी की उपचारात्मक सटीकता।
15. पोस्ट क्रेनियोएक्टॉमी रोगियों में नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण परिस्थितियों का पता लगाने के लिए ट्रांसक्रेनियल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता
16. मानसिक स्थिति में बदलाव वाले दीर्घकालिक यकृत रोग से पीड़ित रोगियों में सीटी ब्रेन का नैदानिक प्रभाव।

17. क्या पोकस निर्देशित एम्स-पेडीऐट्रिक पोकस एल्गोरिदम गंभीर रूप से बीमार बाल रोगियों में शीघ्र निदान एवं महत्वपूर्ण उपचार चिकित्सा निर्णय में सुधार करता है?
18. क्या पोकस निर्देशित एक्यूट एब्डोमेन एल्गोरिदम आपातकालीन विभाग में आने वाले एक समान दीर्घकालिक पेट के दर्द से ग्रसित वयस्क रोगियों में शीघ्र निदान एवं महत्वपूर्ण उपचार निर्णय में सुधार करता है?
19. आपातकालीन विभाग में एक्यूट एजीटेटड रोगियों के उपचार में इंट्रामस्क्युलर हेलोपेरिडोल और ओलंज़ापाइन की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. ऑर्गेनो-फास्फोरस विषाक्तता में इंट्रा लिपिड इमल्शन थेरेपी की प्रभावकारिता - एक अन्वेषक अध्ययन
21. आपात चिकित्सा रेजीडेंटों की शिक्षा में फ़्लिप्ड क्लासरूम का प्रभाव।
22. इंसुलिन और डेक्सट्रोज उपचार लेने वाले हाइपरकलेमिक रोगियों में हाइपोग्लाइसीमिया की व्यापकता।
23. आघात पुनरुज्जीवन में तीव्र अनुक्रम इन्टयूबेशन के दौरान उपचार-बिंदु अल्ट्रासाउंड का एकीकरणः एक बहुस्तरीय यादृच्छिक अध्ययन।
24. सांस लेने में परेशानी तथा बुखार से पीड़ित बाल रोगियों में फेफड़े का अल्ट्रासाउंड अथवा सोनोग्रामया अल्ट्रासोनोग्रामसांस (यूएसजी)।
25. आपातकालीन विभाग में आने वाले हेमोप्टीसिस रोगियों में नेबुलाइज्ड बनाम अंतःशिरा ट्रानेक्सैमिक एसिडः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
26. आपातकालीन विभाग में आने वाले अपर ग्रेस्ट्रो-इंटेस्टीनल ब्लीड से ग्रसित रोगियों के परिणाम।
27. एसटी-एलेवेशन मायोकार्डिअल रोधगलन के रोगियों में इंफैर्क्ट संबंधी धमनी प्रत्यक्षता के पूर्वानुमान के रूप में प्लेटलेट-लिम्फोसाइट अनुपात
28. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रेक्शियल इंटुबेशन करा रहे रोगियों के प्रांडल स्टेटस की पहचान करने और निर्धारित करने में प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड।
29. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रेक्याल इंस्टुबेशन की प्रथम पास सफलता दर में गुणवत्ता सुधार।
30. दिल का दौरा पड़ने वाले रोगियों के परिणाम में हाइड्रोकार्टिसोन की भूमिका- एक यादृच्छिक प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण।
31. संक्षारक एसोफेगियल चोट में मेथिलप्रेडनिसोलोन दवा की भूमिः एक यादृच्छिक ओपन लेबल ट्रायल
32. आपातकाल विभाग में आने वाले सीएलडी रोगियों में एक्टिव ब्लीड के उपचार में टीईजी बनाम कंवेशनल कॉएग्यूलेशन मापदंड।
33. आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों में पारंपरिक एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल की तुलना में अंडर-ट्राएज दर को कम करने में सोनो-ट्राएज का कार्यप्रदर्शन।
34. दुर्घटनाग्रस्त तीव्र फुफ्फुसीय एडिमा (एससीएपीई) वाले रोगियों के नैदानिक-महामारी विज्ञान प्रोफाइल का अध्ययन

35. आपातकालीन चिकित्सा प्रदाताओं में प्रशिक्षण के साथ पारंपरिक तरीकों की तुलना में मुश्किल इंट्रावेनस एक्सेस (डीआईवीए) रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित परिधीय अंतःशिरा पहुँच की प्रथम पास सफलता दर का अध्ययन करना।
36. दिल के दौरे के रोगियों में कैरोटिड पल्स चेक हेतु पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका का अध्ययन करना।
37. एम्स, नई दिल्ली के आपातकालीन विभाग में आने वाले सदमे के रोगियों में ईटीसीओ$_2$ निगरानी की उपयोगिता।

पूर्ण

1. डेंगू गंभीरता के प्रारंभिक पूर्वानुमानक के रूप में सीरम काइमेज़ स्तर का आकलन।
2. हृदयघात के रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमान हेतु जैव रासायनिक मार्कर
3. आपातकालीन चिकित्सा विभाग में आपातकालीन एयरवे प्रबंधन की आवश्यकता वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल।
4. आपातकालीन विभाग में परिवर्तित सेंसरियम वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम के पोर्र्वनुमान में गैर-प्रतिक्रियात्मकता की पूर्ण रूपरेखा (चार) अंक एवं ग्लासगो कोमा पैमाने की तुलना।
5. तीव्र अग्नाशयशोथ में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले स्कोर (एपीएसीएचई II, सीटीएसआई और बीआईएसएपी) की तुलना में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात की नैदानिक विशेषता का मूल्यांकन।
6. सीटी स्कैन की तुलना में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर की पहचान में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का मूल्यांकन।
7. परिवर्तित मानसिक स्थिति वाले रोगियों में यूएसजी-निर्देशित ऑब्जैकटिव प्यूपिलरी आकार और प्यूपिलरी रिफ्लेक्सिस बनाम नैदानिक परीक्षा के प्रारंभिक मूल्यांकन की व्यवहार्यता
8. आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले रोगियों के परिणाम।
9. आपातकालीन विभाग में आने वाले संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में 7 और 28 दिनों के परिणाम के पूर्वानुमानक के रूप में क्यू-सोफा स्कोर।
10. सफल इंडिबेशन समय में इंडक्शन को कम करके आपातकालीन विभाग में एयरवे प्रबंधन को आगे बढ़ाने के लिए गुणवत्ता सुधार अध्ययन।
11. आपातकालीन विभाग में सेप्सिस के रोगियों में एंटीबायोटिक समय को कम करने और ब्लड कल्चर दर बढ़ाने हेतु गुणवत्ता सुधार अध्ययन।
12. आपातकालीन विभाग में आने वाले एसटी एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन के रोगियों में परफ़्यूजन समय को कम करने हेतु गुणवत्ता सुधार अध्ययन।
13. आपातकालीन विभाग में आने वाले दुर्घटनाग्रस्त तीव्र पल्मोनरी एडिमा के रोगियों के लिए उच्च खुराक एनटीजी बोलस की भूमिका - एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।

14. छाती के कुंद आघात के रोगियों के उपचार में अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना।
15. मृत्यु दर एवं सघन चिकित्सा इकाई में प्रवेश के संदर्भ में एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल को वैधता प्रदान करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एटीएलएस दिशानिर्देशों पर नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान प्रतिधारण एवं कौशल विकास के संबंध में वर्चुअल सिमुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
2. तीव्र श्वसन रोग वाले वृद्ध रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वसूचक के रूप में नैदानिक दुर्भावना सूचकांक: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग
3. ऊपरी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव के उपचार में कम बनाम उच्च खुराक टेरलिप्रेसिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरान्त्ररोग विज्ञान विभाग।
4. हृदरोग विभाग के गैर- हृदरोग चिकित्सकों हेतु इकोकार्डियोग्राफी प्रशिक्षण के संरचित मॉड्यूल का विकास।
5. आपातकालीन विभाग का महामारी विज्ञान संबंधी दौरा - अंतर्राष्ट्रीय बहुकेंद्रीय अध्ययन, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, एन आर्बर, अमेरिका
6. इमरजेंसी स्टडी में ग्लोबल वन डे - ग्लोबल मल्टीसेंट्रिक पीरियड प्रीवेलेंस स्टडी, यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, एन आर्बर, अमेरिका
7. प्रयोगशाला सूचना प्रणाली का इष्टतम उपयोग एवं आपातकालीन चिकित्सा परिसर में इसका प्रभाव: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
8. एक स्तर 1 ट्रॉमा केंद्र में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल आघात रोगियों में आधान प्रक्रियाओं का संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
9. बाल-ए सिरोसिस में तीव्र वैरिकाज़ रक्तस्राव में एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस की भूमिका: एक बहु-केंद्रित ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरान्त्ररोग विज्ञान विभाग
10. दीर्घकालिक वैरिकेल ब्लीडिंग के रोगियों में स्टैंडर्ड मेडिकल थेरेपी प्लस इंट्रावेनस एल्ब्यूमिन बनाम स्टैंडर्ड मेडिकल थेरेपी : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरान्त्ररोग विज्ञान विभाग

पूर्ण

शून्य

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 40

<u>रोगी उपचार सेवाएँ</u>

1. (क.) आपातकालीन सेवाएं प्राप्त करने वाके रोगियों की संख्या

कुल नए रोगी	कुल पुराने रोगी	कुल रोगी
65,743	29,441	95,184

(ख.) न्याय-चिकित्सा मामले

आपातकालीन विभाग विंग	कुल एमएलसी
नई आपातकालीन	309
शल्यक आपातकालीन	9464
बाल आपातकालीन	395
स्क्रीनिंग आपातकालीन	791
कुल	**10,959**

2. प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग प्रयोगशाला (पीओसीटी) डाटा

जांच का प्रकार	की गई कुल जांचे	कुल योग
कंपलीट ब्लड काउंट	63,000	**1,61,600**
क्वांटिटेटिव ट्रोपोनिन I	11,200	
ब्लड गैस एनालाइजिस	82,000	
एनटी प्रो-बीएनपी	1100	
डी डीमर	900	
यूरिन टॉक्स स्क्रीन	550	
पीटी/आईएनआर	2500	
यूरिन ओस्मोलेलिटी	350	

3. आपातकालीन ओटी में की गई प्रक्रियाएँ

प्रक्रिया का नाम	कुल संख्या
ट्रैकियोस्टोमी	101

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल जर्नल ऑफ इमरजेंसीज़, ट्रामा एंड शॉक, पबमेड में सम्मिलित एक अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य संपादक बने हुए हैं। वे फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के एकल समीक्षा पैनल के नामित सदस्य, सदस्य-वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पदों पर बने हुए हैं। वे एकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स इन इंडिया के उपाध्यक्ष हैं तथा ऑर्गेनाइज्ड मेडिसिन एकेडिमिक गिल्ड ऑफ इंडिया, जो भारत में आयुर्विज्ञान के महत्वपूर्ण संगठनों तथा समुदायों का एक गिल्ड है जिसका उद्देश्य रोगी उपचार, शिक्षा तथा अनुसंधान में राष्ट्रीय नीतियों का निर्माण करना है, के संयुक्त सचिव चुने गए। वह 'वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन' साउथ-ईस्ट एशिया संशोधित एडीशन के मुख्य संपादक रहे हैं। वह विभिन्न परियोजनाओं में अध्ययन की जा रही दवाओं के गंभीर प्रतिकूल प्रभावों का आकलन करने के लिए संस्थान नैतिकता उप-समिति के सदस्य हैं। वह भारत के राष्ट्रीय फार्मूलेरी मे संशोधन करने के लिए विशेषज्ञों की कोर समिति के सदस्य हैं। वह आपातकालीन चिकित्सा में भी शामिल हैं जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त कार्यक्रमों के लिए आपातकालीन चिकित्सा में संकाय विकास कार्यक्रम के लिए मुख्य पाठ्यक्रम और दिशानिर्देश तैयार करती है।

प्रोफेसर संजीव भोई के कार्य का प्रमुख क्षेत्र भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में आपातकालीन चिकित्सा प्रणाली का विकास करना है, जो डब्ल्यूएचओ के प्रमुख के रूप में आपातकाल और आघात के लिए एसईएआरओ में सहयोग कर रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्रालय और सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की समिति सहित कई अन्य संगठनों को भी अपनी विशेषज्ञता दी। उन्होंने केरल और अरुणाचल प्रदेश राज्यों को आपातकालीन देखभाल प्रणाली के विकास के लिए सलाह दी। इस अवधि के दौरान उनके मार्गदर्शन में आयोजित महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों में 'ट्राएज प्रोटोकॉल वर्कशॉप', 'अर्धसैनिक कर्मियों के लिए टैक्टिकल कॉम्बैट कैजुअल्टी वर्कशॉप' और 'प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग में आपातकालीन चिकित्सा को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' शामिल है। एक शिक्षक के रूप में, उन्हें राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर आपातकालीन चिकित्सा में छात्रों को पढ़ाने का बहुत शौक रहा है। नैदानिक विषयों के बीच स्नातकोत्तरों के लिए अल्ट्रासाउंड प्रशिक्षण और स्नातक छात्रों और नर्सों के बीच प्रसार उनके काम का प्रमुख क्षेत्र था। वह सीओवीआईपीओसीयूएस 2021- 'फोकस इन द पेंडेमिक' ग्लोबल ई-कांग्रेस में 2, 16, 23 और 30 जनवरी 2021 को और सीओवीआईएसआईएम2021 में, 'सार्स-सिमुलेशन एंड सर्वाइवल', ग्लोबल ई-कांग्रेस 6, 13, 20 और 27 फरवरी 2021 को सत्र मॉडरेटर रहे थे। रोगी की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन देखभाल एक दशक से उनका कार्यक्षेत्र रहा है और वह इस मुद्दे पर लगातार अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उनके शोधकार्य का प्रमुख क्षेत्र, पिछले 8 वर्षों से विशेष रूप से ट्रांसलेशनल में, ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक रहा है, और उन्होंने उसी पर कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

डॉ. नायर जमशेद एमडी शिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी हैं, जिसमें साप्ताहिक सेमिनार, जर्नल क्लब, टिनटिनल्ली की पाठ्यपुस्तक-आधारित पाठ चर्चा, साक्ष्य-आधारित चिकित्सा और नैदानिक मामलों पर

चर्चा शामिल है। टीचिंग शेड्यूल में हाई फिडेलिटी सिमुलेशन, टेबल टॉप सिमुलेशन, ओएससीई और ओएसपीई, इमेज फोरम और पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड भी शामिल रहे हैं। वह विभाग के सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी भी हैं। उन्होंने आपातकालीन विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभागीय पैनल चर्चा भी शुरू कर दी है। वह एक वर्ष में प्रकाशित होने वाली चार पत्रिकाओं के समीक्षक हैं। वह संस्थान कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी हैं और उन्होंने कोविड-19 पर एम्स के दिशानिर्देशों के लिए लिखित रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह एम्स के पाठ्यक्रम संशोधन कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में से एक हैं। वे एम्स और कोविड संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में से भी एक हैं। वे एम्स के पाठ्यक्रम संशोधन कार्यक्रम के नोडल अधिकारियों में से भी एक हैं। वह एसईटी सुविधा के एक शिक्षण संकाय सदस्य हैं और उसके लिए मॉड्यूल भी विकसित किया है। वह विभाग द्वारा संचालित एम्स ईसीजी और इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स के लिए शिक्षण संकाय सदस्य भी है। डॉ. जमशेद मरीज की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार और विभाग की मृत्यु दर और रुग्णता पर बैठक के प्रभारी विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का एक हिस्सा है। वे प्रस्तावित विष विज्ञान फैलोशिप कार्यक्रम के लिए शिक्षण संकाय सदस्य में से एक हैं। डॉ. जमशेद, रहस्यमय बीमारी की जाँच के लिए आंध्र प्रदेश के एलुरु में स्थित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, (एमओएचजीडब्ल्यू) द्वारा गठित केंद्रीय समिति के प्रमुख भी थे। वह सीनियर रेजीडेन्ट्स/प्रदर्शकों के चयनार्थ संस्थान चयन समिति के सदस्य भी हैं और छात्र कल्याण समिति के सदस्य हैं। वह मनोदैहिक चिकित्सा में प्रस्तावित डीएम पाठ्यक्रम के लिए विभाग के एक सहायक संकाय भी हैं। वह इस अवधि के दौरान विभिन्न स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए आपातकालीन चिकित्सा के बाहरी परीक्षक भी रहे हैं।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा ने अपने कार्यक्षेत्र को 'आपातकालीन और आघात उपचार प्रणाली के निर्माण' में केन्द्रित किया है। उनका उद्देश्य आपातकालीन चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में एक मजबूत और एकीकृत आपातकालीन देखभाल प्रणाली बनाने के लिए स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना रहा है। वह सर्जिकल एक्यूट केयर में सुधार लाने और 'एक्यूट केयर सर्जरी' में एक अकादमिक कार्यक्रम तैयार करने के उद्देश्य से सर्जरी विभाग के सहयोग से काम कर रहे हैं। वह स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड में प्रशिक्षण और अनुसंधान में शामिल रहे हैं। एक मुख्य मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक के रूप में, वह स्नातकोत्तर छात्रों को पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड से संबंधित थीसिस के लिए सलाह दे रहे हैं। वर्तमान में, वे वैश्विक आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान नेटवर्क "इमरजेंसी मेडिसिन एजुकेशन एंड रिसर्च बाई ग्लोबल एक्सपर्ट्स (इमर्ज)" की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जिसका उद्देश्य आपातकालीन उपचार अनुसंधान के माध्यम से वैश्विक स्तर पर जीवन बदलना है। वे इस क्षेत्र में इमरजेंसी और ट्रॉमा के लिए डब्ल्यूएचओ- सहयोगी केंद्र के एक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और भारत और एसईएआर क्षेत्र में भारत के विभिन्न राज्यों और एसईएआरओ के सदस्य देशों के साथ मिलकर आपातकालीन चिकित्सा के लिए एकीकृत आपातकालीन और आघात उपचार प्रणालियों के निर्माण हेतु काम कर रहे हैं।

डॉ. मीरा इक्का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक रहीं, और 'एनल्स ऑफ क्लिनिकल केस स्टडीज़' के संपादकीय बोर्ड में भी शामिल हैं। वे एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया और इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सदस्य हैं। वह स्टोर की संकाय प्रभारी और आपातकालीन चिकित्सा विभाग के लिए उपकरण ऑडिट (लेखा परीक्षा) करने के लिए नोडल अधिकारी हैं। विभाग में ट्राइएज और स्क्रीनिंग ओपीडी शुरू करने में उनकी मुख्य भूमिका रही थीं। वह दर्द मुक्त आपातकालीन विभाग के लिए गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं का हिस्सा हैं। वह सेट फैसिलिटी के लिए मौजूद शिक्षण संकायों में से एक हैं और उन्होंने एमबीबीएस छात्रों के लिए 'निडिल डिकंप्रेशन इन टेंशन न्यूमोथोरैक्स' पर एक शिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है। वह एम्स इमरजेंसी ईसीजी और विभाग द्वारा चलाए जा रहे मेडिकल/पैरामेडिकल सीएपीएफएस कोर्स के इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर ट्रेनिंग के लिए टीचिंग फैकल्टी भी हैं। वे प्रस्तावित 'विष विज्ञान फैलोशिप कार्यक्रम' के लिए शिक्षण संकाय-सदस्यों में से भी एक हैं।

डॉ. अक्षय ने कई 'गुणवत्ता सुधार' परियोजनाओं का नेतृत्व किया, जिसमें मरीज की देखभाल की प्रक्रियाओं में सुधार करना और घर-घर जाकर एंटीबायोटिक समय और आपातकालीन विभाग में रक्त संस्कृति दरों में सुधार करना शामिल है, जिसका रोगी की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। वह महामारी की पहली और दूसरी लहर के दौरान संस्थान के सभी कर्मचारियों के लिए सरल मंच का उपयोग करके कोविड-19 संबंधित आभासी प्रशिक्षण का नेतृत्व करने वाले एक प्रमुख संकाय थे। वह सेट फेसिलिटी में विषय-वस्तु को विकसित करने और रेजीडेन्ट्स और स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण देने में शामिल रहे हैं। वह राष्ट्रीय चिकित्सा शिक्षा बोर्ड के लिए ओएससीई विकास में शामिल आपातकालीन चिकित्सा में विशेषज्ञ समिति का हिस्सा थे। उन्हें स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मेडिकल, ट्रॉमा और बर्न्स सहित आम आपात स्थितियों के लिए परिचालन दिशानिर्देशों को लागू करने में 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स प्रोग्राम' हेतु सलाहकार समिति का हिस्सा बनने के लिए भी नामित किया गया था।

डॉ प्रकाश रंजन मिश्रा ने पैनलिस्ट के रूप में कई पैनल चर्चाओं में भाग लिया है। उन्होंने छात्रों के लिए एम्स इमरजेंसी ईसीजी कोर्स जारी रखा है जो उन्हें एक्यूट केयर सेटिंग्स में ईसीजी कौशल में प्रशिक्षित करता है और विभाग द्वारा संचालित आपातकालीन जीवन समर्थन पाठ्यक्रमों के लिए एक शिक्षण संकाय है। वह सेट फेसिलिटी हेतू एक शिक्षण संकाय भी हैं और उसने प्रशिक्षण और शिक्षण के लिए ई-मॉड्यूल विकसित किए हैं। वह रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का एक हिस्सा भी रहे हैं। वह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से एसईएआर क्षेत्र में आपातकालीन देखभाल सेवाओं को मजबूत करने के लिए ऑनलाइन कार्यशालाओं के दौरान डॉक्टरों और सहयोगी स्टाफ को प्रशिक्षण देने में भी शामिल रहे हैं। वह दक्षिण-पूर्व एशिया संस्करण 'वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन' नामक पुस्तक के सह-संपादक रहे हैं।

9.11. अंत:स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

निखिल टंडन

आचार्य

रविन्दर गोस्वामी राजेश खड़गावत विवेका पी ज्योत्सना

सह-आचार्य

यशदीप गुप्ता

सहायक आचार्य

अल्पेश गोयल

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा कई शैक्षिक गतिविधियां की जाती हैं, जैसे कि प्रत्येक वैकल्पिक सप्ताह में अंत:स्रावी-पैथेलॉजी कॉन्फ्रेंस तथा प्रत्येक सप्ताह में अंत:स्राविकी-सर्जरी-न्यूक्लियर मेडिसिन (बुधवार) और अंत:स्राविकी-रेडियोडायग्नोसिस (शुक्रवार) बैठक का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक सप्ताह सेमिनार (बुधवार), जर्नल क्लब (शुक्रवार) और नैदानिक कक्षाएं (गुरूवार) होती हैं। इन शैक्षिक गतिविधियों के दौरान नैदानिक महत्व के विषयों और हाल ही में उच्च प्रभाव वाले आलेखों पर चर्चा की जाती है। विभाग दैनिक आउट पेशेटं सुविधाओं का संचालन करता है और यहां हार्मोन संबंधी जांच चयापचय अध्ययन और अस्थि धनत्व माप के लिए आधुनिकतम प्रयोगशाला सेवाएं दी जाती हैं। वर्ष के दौरान कोविड-19 के कारण विभाग की कई शैक्षणिक गतिविधियों को वर्चुअल मोड में संचालित किया गया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग स्नातकपूर्व मेडिकल विद्यार्थियों और नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। आंतरिक चिकित्सा और जराचिकित्सा मेडिसिन से स्नातकोत्तर विद्यार्थी (एमडी) विभाग में एक और दो महीने की तैनाती पर आते हैं। इसके अलावा, एमसीएच वक्ष और अंत:स्रावी सर्जरी, डीएम न्यूक्लियर मेडिसिन और एमएससी प्रजनन जीवविज्ञान में नामांकित स्नातकोत्तर फेलो भी विभाग द्वारा 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए रोटेशन पर भेजे जाते हैं।

दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण

- तीन उम्मीदवार डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए (2 सामान्य, 1 प्रायोजित)
- कोविड-19 के कारण किसी भी उम्मीदवार को अल्पकालिक प्रशिक्षण हेतु अनुमति नहीं दी गई।

दिए गए व्याख्यान

निखिल टंडन: 30 **राजेश खड़गावत: 8** **यशदीप गुप्ता: 4**

अल्पेश गोयल: 6 **निखिल टंडन: 11**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक खुराक-अन्वेषण संबंधी परीक्षण जो 2 साल या उससे अधिक उम्र तक कोई कैच-अप वृद्धि नहीं होने के साथ गर्भकालीन उम्र के लिए छोटे कद के बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® की तुलना में सोमापेसिटन के एक बार-साप्ताहिक उपचार के प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन करता है, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2020-2025, 25 लाख रुपये।
2. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस से ग्रसित दक्षिण एशियाई महिलाओं में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस की रोकथाम के लिए जीवन शैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, नई दिल्ली, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015-2021, 72.77 लाख रुपये।
3. मौखिक एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक ड्रग्स ले रहे टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस के रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण को बिगड़ने से रोकने में क्या योग से सहायता मिल सकती है, इस बात का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-कैंद्रीय ओपन लेबल समानांतर आर्म आरसीटी, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, 75 लाख रुपये।
4. वृद्धि संबंधी हार्मोन की कमी से पीड़ित यौवन-पूर्व बच्चों में दैनिक जीनोट्रोपिन की तुलना में साप्ताहिक एमओडी-4023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का फेज़ 3, ओपन-लेबल, यादृच्छिक, बहुस्तरीय, 12 माह-थैरेपी अध्ययन, राजेश खड़गावत, ओपको बायोलॉजिकल, 3 वर्ष, 2017-2021, 30 लाख रुपये।
5. मेटफॉर्मिन हाइट्रोक्लोराइड उपचार से अनियंत्रित टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित रोगियों में यूएसवीसीएपी नुस्खे की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए फेज़ II ख, ओपन-लेबल, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन, राजेन्द्र खड़गावत, यूएसवी लिमिटेड, 3 वर्ष, 2019-2021, 25 लाख रुपये।
6. वृद्धि संबंधी हार्मोन की कमी वाले पूर्व-यौवनवस्था वाले बच्चों के वृद्धि हार्मोन उपचार में दैनिक विकास हार्मोन उपचार की तुलना में सप्ताह में एक बार एनएनसी 0195-0092 उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने वाली एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय, (ओपन-लेबल्ड), खुराक खोजी, (डबल-ब्लाइंड), समानांतर समूह परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2017-2021, 30 लाख रुपये।
7. मेटफोर्मिन को चिकित्सा के रूप में शामिल करते हुए टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के उपचार में आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष डी' का एक यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित फेज़ 2 अध्ययन, राजेश खड़गावत, कैंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2021, 35 लाख रुपये।

8. प्री-डायबिटिक रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण हेतु आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष डी' का एक यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित अग्रदर्शी फेज II क्लिनिकल अध्ययन, राजेश खड़गावत, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2021, 35 लाख रुपये।
9. उच्च कार्डियोवस्कुलर जोखिम वाले टाइप 2 मधुमेह रोगियों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर एफेग्लेमेटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेन्द्रीय अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, 5 वर्ष, 2018-2023, 20 लाख रुपये।
10. वृद्धि संबंधी हार्मोन की कमी वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® के साथ सोमापेकिटन की सप्ताह में एक बार की खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करने वाला एक परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2018-2023, 10 लाख रुपये।
11. एंडोजेनस कुशिंग सिंड्रोम वाले रोगियों, जिन्होंने पिछला नोवार्टिस-पायोजित ऑसिलोड्रोस्टैट (एलसीआई 699) अध्ययन पूरा कर लिया है और जांचकर्ता द्वारा ओसिलोड्रोस्टैट के साथ नियमित उपचार से लाभ प्राप्त करने योग्य पाए जाते हैं, में दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक ओपन-लेबल, बहु-कैंद्रीय, रोल-ओवर अध्ययन, विवेका पी. ज्योत्स्ना, नोवार्टिस / आईक्यूवीए, 6 वर्ष, 2019-2024, 30 लाख रुपये।
12. टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोनेटोमिकल और न्यूरोफंक्शनल असामान्यता का आकलन, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 34.81 लाख रुपये।
13. अस्थि खनिज धनत्व और क्रोनिक अल्कोहलिज्म तथा डिसल्फिरम डीएडिक्शन थेरेपी के बाद परिवर्तन, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 1 वर्ष, 2017-2021, 45 लाख रुपये।
14. युवा मधुमेह रोगियों संबंधी उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र (केयर), निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 104.95 लाख रुपये।
15. बच्चों में परिवर्तित मधुमेह, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 11 वर्ष, 2012-2023, 25 लाख रुपये।
16. दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौजूदा कार्डियोवस्कुलर कम्युनिटी कॉहोर्ट के बीच मधुमेह और / या उच्च रक्तचाप से पीड़ित और बिना उच्च रक्तचाप वाले लोगों में एसएआरएस-सीओवी की व्यापकता की तुलना, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021-2022, 58.51 लाख रुपये।
17. प्री-डायबिटीज से पीड़ित रोगियों में टाइप-2 टायबिटीज के विकास को रोकने या विलंबित करने के लिए ट्राइगोनेला फेनम-ग्रेकुम सीड्स के मानक सूत्रीकरण का विकास, राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2021, 35 लाख रुपये।
18. एक अन्वेषणात्मक नई औषधि के लिए द्वितीय चरण नैदानिक परीक्षण का विकास, निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, 7 वर्ष, 2014-2022, 84.53 लाख रुपये।
19. जीडीएम से पीड़ित रह चुकी महिलाओं में नींद की गुणवत्ता, अवसाद स्कोर और इष्टतम स्तनपान अवधि में सुधार के लिए जीवनशैली संशोधन हेतु हस्तक्षेप का प्रभाव: 'लिविंग' संबंधी उप-अध्ययन, निखिल टंडन, यूएसवी लिमिटेड, 3 वर्ष, 2018-2021, 53.42 लाख रुपये।

20. टी 2 डीएम और अवसाद के रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: द्वि-बाहु समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 36.54 लाख रुपये।
21. टाइप 2 मधुमेह वाले बच्चों और किशोरों में मेटफॉर्मिन और / या बेसल इंसुलिन के संयोजन में ओरल सेमाग्लूटाइड बनाम ओरल प्लेसिबो की प्रभावकारिता और सुरक्षा, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2020-2023, 25 लाख रुपये।
22. आईसीएमआर-युवा मधुमेह रजिस्ट्री (वाईडीआर) और वाईडीआर कोहोर्ट- चरण III, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 27.02 लाख रुपये।
23. उच्च रक्तचाप और मधुमेह संस्थान के लिए एकीकृत ट्रैकिंग रेफरल, और एल्गोरिथम उपचार (I-टीआरईसी) प्रणाली, निखिल टंडन, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2017-2022, $ 649,748
24. टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी पर सेमाग्लूटाइड के दीर्घकालिक प्रभाव (फोकस), निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, 27,50,000 लाख रुपये।
25. एचबीए1सी एचपीएलसी-123जी8 मशीन के स्वर्ण मानक के खिलाफ स्वदेशी रूप से विकसित एचबीए1सी के लिए प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का प्रदर्शन विश्लेषण (उच्च प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी द्वारा), विवेका पी ज्सोत्सना, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 19 लाख रुपये।
26. एसएआरएस-सीओवी 2 संक्रमण (कोविड-19) मधुमेह और / या उच्च रक्तचाप वाले लोगों के बीच नैदानिक परिणामों से संबंधित है-एक अस्पताल आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021-2022, 45.21 लाख रुपये।
27. टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में एसओयूएल-सेमाग्लूटाइड कार्डियोवास्कुलर परिणाम परीक्षण, निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, 30 लाख रुपये।
28. सही परीक्षण और परीक्षण बारंबारता का उपयोग करके गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस से पीड़ित रह चुकी महिला की प्रसवोत्तर अनुवर्ती जांच के लिए कार्यनीति विकसित करना और उनके विचारों को जानने के बाद रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करना, निखिल टंडन, ल्यूपिन लिमिटेड, 3 वर्ष, 2018-2021, 40.41 लाख रुपये।
29. मोटापे से ग्रस्त / अधिक वजन वाली महिलाओं को (पिछले बच्चे के जन्म के 2 साल के भीतर) जब उनके पति के साथ जीवन शैली इंटरवेंशन कार्यक्रम में शमिल किया गया तथा उन्हें अकेले शामिल करने की तुलना में उस कार्यक्रम की प्रभाविकता का मूल्यांकन करना: द्वि-बाहु, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 47 लाख रुपये।
30. मानव के चयापचय प्रोफाइल पर वृद्धि हार्मोन की स्थिति में परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु, राजेश खड़गावत, 3 वर्ष, 2021-2023, 28 लाख रुपये।
31. लक्षण-रहित स्वस्थ भारतीयों में विटामिन डी की कमी और अस्थि माइक्रोआर्किटेकचर: कम सीरम 25 (ओएच) डी और उच्च पीटीएच के कार्यात्मक महत्व की खोज, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 4 साल, 2019-2023, 76 लाख रुपये।

पूर्ण

1. 'अकेले या केबरगोलिन के साथ संयोजन में पेसीरियोटाइड सी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए चरण 2 परीक्षण।' वित्त पोषित: नोवार्टिस (प्रोटोकॉल नंबर CSOM230B2411) (2015-2021), विवेका पी ज्योत्सना, नोवार्टिस, 6 वर्ष, 2015-2021, 26.40 लाख रुपये।
2. कुशिंग रोग के रोगियों के उपचार के लिए एलसीआई 699 की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए 24 सप्ताह, एकल-आर्म, ओपन-लेबल खुराक अनुमापन और उपचार अवधि के बाद एलसीआई 699 का चरण III, बहु-केंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक वापसी अध्ययन, विवकेका पी ज्योत्स्ना नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2016-2021, 29.53 लाख रुपये।
3. मेटफोर्मिन सहित या उसके बिना बेसल इंसुलिन पर अपर्याप्त रूप से नियंत्रित टाइप 2 मधुमेह रोगियों में इंसुलिन ग्लारगिन के साथ निश्चित अनुपात संयोजन में इंसुलिन ग्लारगिन / लिक्सिसेनटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की मल्टीसेंटर तुलना के लिए एक यादृच्छिक, 24 सप्ताह, नियंत्रित, ओपन लेबल, समानांतर बाहु, बहु-केंद्रीय अध्ययन, राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, 3 साल, 2017-2020, 5 लाख रुपये।
4. अधिक वजन या मोटापे और टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम की प्रभाव और सुरक्षा, राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2017-2020, 30 लाख रुपये।
5. युवाओं में मधुमेह की मौजूदा रजिस्ट्रियों का सामंजस्य: अमेरिका-भारत सहयोगी अनुसंधान भागीदारी, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2016-2020, 84.13 लाख रुपये।
6. एनएन 1218-4131, प्रभावकारिता और सुरक्षा टाइप 1 डायबिरीज से पीड़ित व्यस्कों में इंसुलिन डीग्लूडेक के संयोजन में नोवो रेपिड की तुलना में तीव्र-प्रभावकारी इंसुलिन, निखिल टंडन्, नोवा नॉर्डिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 4 साल, 2016-2020, 9.02 लाख रुपये।
7. एनएन 924-4221 पायनियर 6-कार्डियोवास्कुलर परिणाम: टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में मौखिक सेमाग्लूटाइड की कार्डियोवस्कुलर सुरक्षा की जांच करने के लिए एक परीक्षण, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2017-2020, 21.57 लाख रुपये।
8. उत्तर-भारत में गैर-एल्कहॉलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) का प्रसार और कार्डियो-मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 172.53 लाख रुपये।
9. भारत में मधुमेह से पीड़ित लोगों की रजिस्ट्री जिनमें मधुमेह चरण II कम उम्र में शुरू हो गया हो, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 8 वर्ष, 2012-2020, 246.99 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. छिटपुट प्राथमिक हाइपरथाइरॉइडिज़्म तुलना में बहु अंत:स्रावी रसौली से संबंधित प्राथमिक हाइपरथाइरॉइडिज़्म की व्यापकता और विशेषताओं पर एक महत्वकांक्षी अध्ययन

2. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके “संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव” के संबंध में भारतीय शाकाहारी आहार का आकलन करना
3. टर्नर सिंड्रोम के रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य
4. जीए 68-डोटानॉक पीईटी / सीटी और एफ 18-एफडीजीपीईटी / सीटी दिए जाने पर न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के लक्षणों का वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसके परिणामों की तुलना।
5. एक्टोपिक एक्ट एच सिंड्रोम वाले रोगियों के एटियलॉजिकल और क्लिनिकल प्रोफाइल: एमबिसपैक्टिव
6. हाइपोपैराथायराइडिज्म में बेसल गैन्ग्लिया कैल्सीफिकेशन के रोगजनन में आणविक पहलू
7. आइलेट एंटीबॉडी का पैटर्न और उत्तर भारत के टाइप 1 मधुमेह रोगियों में उनकी दृढ़ता
8. अध्ययन
9. हाइपरग्लाइकेमिया वाली गर्भवती महिलाओं के ग्लाइसेमिक प्रोफाइल की तुलना फ्रीस्टाइल लिबरे प्रो और मेडट्रॉनिक सीजीएमएस से करना
10. किशोरों में आहार की गुणवत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना: लड़कों और लड़कियों के बीच तुलना
11. प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म वाले रोगियों में उपचार के परिणामों का अध्ययन करना
12. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना।
13. मोटे, अधिक वजन और सामान्य बीएमआई, विटामिन डी की कमी वाले 5 से 12 वर्ष की आयु के भारतीय बच्चों में विटामिन डी उपचार की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने हेतु-एक खुला लेबल यादृच्छिक इंटरवेंशन अध्ययन
14. विटामिन डी की स्थिति और इसका कार्यात्मक महत्व

पूर्ण

1. 11-17 वर्ष की आयु के मोटे एशिया-भारतीय मरीजों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फंक्शन पर विटामिन डी पूरकता के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।
2. 6-18 वर्ष की आयु के मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनियों में अकड़न का मूल्यांकन करना
3. टाइप 1 मधुमेह वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, तंत्रिका संबंधी और तंत्रिका संबंधी असामान्यताओं का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
4. गर्भावस्था में गर्भकालीन मधुमेह मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही में ग्लूकोज स्क्रीनिंग और सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच सह-संबंध।
5. डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 से ग्रसित व्यस्क रोगियों में खाने के विकारों और आहार पैटर्न का मूल्यांकन और मेटाबोलिक मापदंडों एवं ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ उनका संबंध।
6. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फिनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सह-संबंध
7. फियोक्रोमोसाइटोमा / पैरागैंग्लिओमा के मामलों में प्री और पोस्ट-ऑपरेटिव डिसग्लिइसिमिया- उत्तरी भारत में तृतीयक उपचार केंद्र अध्ययन

8. गर्भवती एशियाई-भारतीय महिलाओं में थायराइड पेरोक्सीडेज एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार
9. हाइपरपेराथायरॉयडिज्म में बोनी माइक्रोआर्किटेक्चर असामान्यताओं की प्रतिवर्तिता
10. टाइप 2 डायबिटीज में माइटोकॉन्ड्रियल दोष और वीडीआर बहुरुपता का अध्ययन
11. कूल्हे के दर्दनाक फ्रैक्चर वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का मूल्यांकन करना
12. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस के पूर्ववृत्त वाले और बिना पूर्ववृत्त वाले रोगियों में गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर की व्यापकता का अध्ययन और तुलना करना:
13. एथोरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया (सीआईएमटी) का अध्ययन करना और मोटापे से ग्रसित 4-18 वर्ष के आयु समूह के बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के साथ इसका सह-संबंध
14. मोटापे से ग्रसित बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना
15. प्राथमिक हाइपरपैराथाइराइडिज़्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन करना: विटामिन डी पोषण और हिस्टोपैथोलॉजी का प्रभाव
16. मोटापे से ग्रसित 6-18 वर्ष की आयु के रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फ़ंक्शन के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के सहसंबंध का अध्ययन करना
17. स्पष्ट तौर पर स्वस्थ पुरुष मरीजों में सीरम एण्ड्रोजन मापदंडों पर वसा के प्रभाव का अध्ययन करना
18. नियमित उपचार के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का अध्ययन करना
19. भारत में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोलेकैलसिफेरोल औषधि मिश्रण की अवयव शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कुल या पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के शुरूआती पूर्वानुमान कारकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ईएनटी विभाग, एम्स (2021-2023)
2. सौम्य थायरॉयड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो-ब्रेस्ट दृष्टिकोण की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने हेतु एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, मिनिमल एक्सेस सर्जरी एवं सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, एमसीएच (2019-2021)
3. स्तन कैंसर के रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध की व्यापकता पर एक अध्ययन, (2021-20223) निवारक ऑन्कोलॉजी विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, इंट्रामुरल परियोजना, वित्तपोषण एम्स।
4. बोटुलिनम टॉक्सिन की नैदानिक प्रतिक्रिया के साथ यूबीएम पर लेवेटरमुलर की जटिल धनिष्ठता का सहसंबंध, थायराइड से संबंधित रोगियों में ऊपरी पलक की गंभीर रिट्रैक्शन के साथ एक इंजेक्शन, नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स (2020-2022)

5. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में क्रोमेटिन रीमॉडेलिंग, एमटीओआर पाथवें और एसएसआर एक्स्प्रेशन का मूल्यांकन, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स (2020-2022)
6. मानक चिकित्सा उपचार की तुलना में पुरानी मधुमेह और पेरीफरेल आर्टिरियल रोग अल्सर के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग, (2021-2023)
7. न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में आनुवंशिक परिवर्तन की पहचान: निदान और प्रबंधन में निहितार्थ, वित्तपोषण: आईसीएमआर शरीर रचना विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (2020-2023), नई दिल्ली
8. ऑटोइम्यून और प्रतिरक्षित संबंधी ऑर्बिटोपैथी वाले रोगियों में 68 जीए डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी के साथ सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर अभिव्यक्ति के विवो मूल्यांकन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स (2019-2021)
9. प्राथमिक पैराथायरॉयड एडेनोमा का रोगजनन, विकृति विज्ञान विभाग, न्याय चिकित्सा विभाग और शरीर रचना विभाग
10. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोगसूचक और भविष्यसूचक कारकों के साथ इसके संबंध की मात्रा निर्धारित करने का अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स (2021-2023)

पूर्ण

1. इंडक्शन कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे तीव्र ल्यूकेमिया रोगियों में पोषण की स्थिति / मापदंडों का आकलन, रुधिरविज्ञान विभाग के साथ सहयोग, एम्स
2. एम्स में भर्ती मरीजों में हाइपरग्लेसेमिया के उपचार में एडीए / एसीसी दिशा-निर्देश आधारित इंसुलिन प्रोटोकॉल के परिणाम के प्रभाव, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स
3. नए निदान किए गए उच्च रक्तचाप वाले टाइप 2 मधुमेह रोगियों में एंजियोटेंसिन परिवर्तित एंजाइम अवरोध के बाद रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंध का अध्ययन करने हेतु, वित्तपोषण: इंट्रामुरल; शरीरक्रिया विज्ञान विभाग के साथ सहयोग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 82

रोगी उपचार

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक ओपीडी / क्लिनिक उपस्थिति

एंडो नए रोगी	एंडो पुराने रोगी	एंडो फॉलो-अप टेली-परामर्श	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
4431	9877	3359	262	800	31	18760

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक ओपीडी में उपस्थिति हेतु माह-वार ब्यौरा

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	फॉलो-अप टेली-परामर्श	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
अप्रैल, 2020	0	0	42	0	0	0	42
मई, 2020	0	0	894	0	0	0	894
जून, 2020	70	667	54	2	0	0	793
जुलाई, 2020	79	69	277	1	37	0	463
अगस्त, 2020	233	254	188	4	55	0	734
सितंबर, 2020	393	527	428	16	92	4	1460
अक्टूबर, 2020	467	857	393	9	114	3	1843
नवंबर, 2020	427	836	259	6	62	1	1591
दिसंबर, 2020	485	1044	286	12	90	4	1921
जनवरी, 2021	533	1318	242	49	119	4	2265
फरवरी, 2021	760	1900	156	62	115	2	2995
मार्च, 2021	984	2405	140	101	116	13	3759
कुल	**4431**	**9877**	**3359**	**262**	**800**	**31**	**18760**

भर्ती रोगी और अन्य रोगी से संबंधित विवरण कृपया अस्पताल (चिकित्सा अभिलेख अनुभाग) में देखे जा सकते हैं।

प्रयोगशाला सेवाएं

हार्मोन की जांच

क्र.सं.	हार्मोन	की गई ट्यूब जांच		सं	हार्मोन	की गई ट्यूब जांच
1.	टी4	3596		15	सी पेप्टाइड	1570
2.	टीएसएच	6062		16	जीएच	237
3.	टीपीओ	901		17	जीएडी	202
4.	एलएच	614		18	एफटी4	1539
5.	एफएसएच	572		19	टी3	764
6.	पीआरएल	719		20	एफ टी3	384
7.	कॉर्टिसोल	2173		21	आइजीएफ 1	386
8.	टेस्टोटिरोन	575		22	ई 2	182
9.	डीएचईए	129		23	एल्डोस्टेरोन	220
10.	17ओएचपी	43		24	रेनिन	205
11.	एसीटीएच	435		25	एफजीएफ 23	194

12.	पीटीएच	1754		26	ऑस्टियोकेल्सिन	239
13.	विटामिन डी	3390		27	125 विटामिन डी	132
14.	इंसुलिन	2116		28	सारस कोविड-2	943
					कुल योग	**30276**

वर्तमान में, हम परिणामों की तुलना के लिए हमारे वेलिडेटिड रिजेन्ट विधि प्रोटोकॉल और पारंपरिक आरआईए का उपयोग करके एचपीएलसी-एमएस / एमएस नामक दोनों तरीकों का उपयोग करते हुए रोगी के नमूनों में स्टेरॉयड हॉर्मोन का परीक्षण मापने की प्रक्रिया में है।

जैव रासायनिक जांच

सं.	**जांच**	**नमूनों की संख्या**
1.	रक्त ग्लूकोज	6581
2.	ग्लाइसेटिड हीमोग्लोबिन (एचबीए1सी)	5008
3.	यूरिन पीएच	64
4.	ओस्मोलेलिटी (यूरिन एवं सीरम)	325
5.	लिपिड प्रोफाइल	3893
6.	टी टीजी एलिसा टेस्ट	575
	कुल जांच	**16446**

विशिष्टता क्लिनिक:

(क) शनिवार को डायबिटीज ऑफ यंग (डीओवाई) क्लिनिक

(ख) सोमवार दोपहर को बाल चिकित्सा और किशोर एंडोक्राइन क्लिनिक (पीएईसी)

(ग) शुक्रवार सुबह गर्भावस्था डायबिटीज मेलिटस (जीडीएम) क्लिनिक

(घ) सामुदायिक सेवाएं / शिविर।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. निखिल टंडन को महानिदेशक, डब्ल्यूएचओ द्वारा 13वें जनरल प्रोग्राम ऑफ वर्क (जीपीडब्ल्यू 13) की मापन और प्रभाव रुपरेखा समिति, जिनेवा, स्विजटजरलेडं में सेवा देने के लिए नामित किया गया; वे, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, नई दिल्ली के सदस्य नामित किए गए; वे संयुक्त वैश्विक स्वास्थ्य परीक्षण योजना के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य; (मेडिकल रिसर्च काउंसिल यूके / डीएफआईडी / वेलबस ट्रस्ट) वैज्ञानिक पत्रिका 'ग्लोबल हेल्थ, एमिडिमियोलॉजी एंड जीनोमिक्स' के एसोसिएट एडिटर; मधुमेह और सीकेडी दिशा-निर्देश; कार्य समूह के के.डी.आई.जी.ओ. उपचार के सदस्य; 'फोकस' अध्ययन के ग्लोबल पैनल के सदस्य के रूप में नामांकित; सदस्य, शासी निकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ध्रुवीय विज्ञान कार्यक्रम (एनसीपीपी), अंटार्कटिका के लिए राष्ट्रीय समन्वय समिति के

सदस्य के रूप में नामित; सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, मुनिरका, नई दिल्ली; 38वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान अंटार्कटिका (आईएसईए), गोवा के लिए चिकित्सा अधिकारियों के चयन हेतु चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान निकाय (आईबी), शासी निकाय (जीबी), स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) और एम्स, जोधपुर राजस्थान, कोविड-19 के लिए संकाय / रेजीडेन्टों के विकास के लिए एम्स में मानव संसाधन समिति के अध्यक्ष, सह-संपादक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया (एनएमजेआई), नई दिल्ली, सदस्य, थायरॉइड अनुसंधान पर संपादकीय बोर्ड, यूके, सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ परामर्श समूह, दीर्घकालिक रोग हेतु वैश्विक गठबंधन, सदस्य, संचालन बोर्ड, दीर्घकालिक रोग नियंत्रण के लिए केंद्र, सदस्य, संयुक्त वैश्विक स्वास्थ्य परीक्षण योजना (चिकित्सा अनुसंधान परिषद यूके / डीएफआईडी / वेल्कम ट्रस्ट), सदस्य, एनसीडी व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण का नीति समूह, सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी परिषद, सदस्य, सन फार्मा फाउंडेशन की गवर्निंग कांउसिल, सदस्य, सीएसआईआर की अनुसंधान परिषद-इंस्टीटयूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, एम्स की स्थायी चयन समिति की सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ, बिलासपुर, एंडोक्रिनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग में सहायक आचार्य के पद पर चयन हेतु, एम्स, बिलासपुर, (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित), सदस्य, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा गठित चयन समिति, फेलोशिप और मेमोरियल लेक्चर के पुरस्कार हेतु भारत (वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली फेलोशिप, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और एनएएसआई मेमोरियल लेक्चर पुरस्कार), अनुबंध के आधार पर सहायक आचार्य (एंडोक्रिनोलॉजी) के चयन हेतु डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चयन बोर्ड के बाहरी सदस्य, सह-रूग्णताओं वाले लोगों के लिए कोविड टीकाकरण के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता हेतु दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए समिति में विशेषज्ञ, सेंटर फॉर कंट्रोल फॉर क्रॉनिक कंडीशंस एंड पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "एंडोक्रिनोलॉजी मास्टरक्लास" के लिए वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के प्रोग्राम चेयर, चिकित्सा विज्ञान संस्थान में संकाय पदों के लिए चयन समिति के को-चेयर, बीएचयू (13-14 अगस्त 2020 के बीच आयोजित बैठकें), अध्यक्ष, अंटार्कटिका में भारतीय अभियान के लिए चिकित्सकों का चयन करने हेतु चयन समिति की बैठक (बैठक 5 अक्टूबर 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा की गई), सदस्य, निदेशक पद के लिए चयन समिति की बैठक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू (11 अगस्त 2020 तक; और 12 अक्टूबर 2020 को बैठक की गई।)

प्रोफेसर रविंदर गोस्वामी संयुक्त राज्य अमेरिका के एंडोक्राइन सोसाइटी द्वारा शुरु किए गए हाइपोपैराथायरायडिज्म पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य थे, 2015 से अब तक सीएसआईआर चिकित्सा परियोजनाओं हेतु सदस्य परियोजना समीक्षा समिति, केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) की सदस्य कोर समिति, बैंगलोर, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग में प्रोफेसर की अभ्यर्थिता पर विचार हेतु चयन बैठक, काय-चिकित्सा के संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कैरियर उन्नति योजना के तहत शैक्षणिक स्तर 15 में वरिष्ठ प्रोफेसर के रूप में पदोन्नति के लिए बीएचयू, 2-3 सितंबर 2020 को आयोजित 'महिलओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं' कॉल के तहत डीबीटी परियोजनाओं की समीक्षा बैठक हेतु विशेषज्ञ, वर्ष 2020-21 हेतु नैदानिक परियोजनाओं (B) हेतु

अध्यक्ष एम्स में इंट्राम्यूरल परियोजना मीटिंग, 5 सिंतबर 2020 को आयोजित आईसीएमआर मुख्यालय में आरबीएमसीएच के डिवीजन के तहत फेलोशिप पर सदस्य विशेषज्ञ समूह की बैठक, 14 सिंतबर 2020 को प्रतिष्ठित शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार के लिए सदस्य चयन समिति की बैठक आयोजित की गई, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग में संकायों की चयन समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना, 22 सिंतबर 2020 को आयोजित किया गया, प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म में कैल्शियम सैंसिंग रिसेप्टर के ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेटर में एपिजेनेटिक संशोधनों का अध्ययन करने के लिए परीक्षक पीएचडी (प्रियंका सिंह, एस के भदादा मुख्य गाइड, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़)।

प्रोफेसर राजेश खड़गावत को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआरसीपी) एडिनबर्ग, यूके की फेलोशिप मिली, झंडू फाउंडेशन ऑफ हेल्थ रिसर्च, कोलकता की वैज्ञानिक परिषद के सदस्य हैं, विशेषज्ञ, राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, अंत: स्राविकी बाहरी विशेषज्ञ, जापान एंटी-डोपिंग एंजेसी (जेएडीए), जापान बोर्ड ऑफ मेंबर (बीओएम), राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचए), जयपुर, सदस्य, चयन बोर्ड; राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस), जयपुर, सदस्य, एसएई-मृत्यु समिति, डीसीजीआई, भारत सरकार, विषय विशेषज्ञ समिति (अंत:स्राविकी), डीसीजीआई भारत सरकार, विषय विशेषज्ञ, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति (एसएनसीएम), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, विषय विशेषज्ञ, सदस्य, विषय समीक्षा समिति, नेशनल फॉलमूलरी ऑफ इंडिया (एनएफआई), 6 संस्करण, सदस्य (चिकित्सक), संस्थागत नीतिशास्त्र समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैम्पस, सदस्य (चिकित्सक), केंद्रीय नीतिशास्त्र समिति, आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, मुख्य समन्वयक और बाहरी परीक्षक, डीएनबी प्रैक्टिकल अंत:स्राविकी परीक्षा 19-20 अगस्त 2020, मुख्य समन्वयक और बाहरी परीक्षक, डीएनबी प्रैक्टिकल अंत:स्राविकी परीक्षा 10-11 मार्च 2021, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वर्चुअल डीएम परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक 13-14 अगस्त, 2020, 22 सिंतबर, एसएमएस मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित वर्चुअल डीएम परीक्षा के लिए बाहय परीक्षक, जयपुर, 3 अक्टूबर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 18 मार्च को संसद स्वास्थ्य कैंप का आयोजन, भारत सरकार, संघ लांक सेवा (यूपीएससी) आयोग के लिए संकाय चयन / पदोन्नति विषय विशेषज्ञ (अंत:स्राविकी) एम्स-भोपाल, एम्स-भुवनेश्वर, एम्स-जोधपुर, एम्स-रायपुर, राजस्थान जन सेवा आयोग (आरपीएससी), पीजीआई रोहतक और अन्य राज्य लोक सेवा आयोग, एसईआरबीएसयूपीआरए (वैज्ञानिक और उपयोगी गहन अनुसंधान उन्नति) योजना के लिए स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य, 19-20 जनवरी विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा आयोजित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार थे।

डॉ. यशदीप गुप्ता को भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसाइटी द्वारा दिया जाने वाला आरएसएसडीआई नोवार्टिस यंग, इन्वेस्टीगेटर अॅवार्ड था, भारत के एंडोक्राइन सोसाइटी द्वारा दिए गए

नैदानिक एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में अनिल आर सेठ यंग इन्वेस्टीगेटर अॅवार्ड और नैदानिक श्रेणी के लिए एम्स एक्सीलैंस रिसर्च अॅवार्ड 2019 (2020 में प्रदान किया गया) (प्रमाण-पत्र)।

डॉ. अल्पेश गोयल ने फंक्शनल न्यूरोएंडोक्राइन टयूमरस मॉडरेट, एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया इंटरनेशनल वेबिनार सीरीज पर, 29 अगस्त 2020 को एक सत्र लिया था और 21 फरवरी 2021 को एंडोक्रिनोलॉजी ओर मधुमेह में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु सोसाइटी द्वारा आयोजित स्पीडकॉन 2021 में गर्भावस्था (पैनल चर्चा) में हाइपरग्लाइसेमिया में एक पैनलिस्ट थे।

9.12. न्याय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुधीर गुप्ता

आचार्य

डी.एन. भारद्वाज | ओ.पी. मूर्ति | मिल्लो टेबिन

संजीव लालवानी (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.) | आदर्श कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

अपर आचार्य

चित्तरंजन बेहेरा

सह-आचार्य

कुलभूषण प्रसाद | अभिषेक यादव

सहायक आचार्य

वरूण चंद्रन ए (तदर्थ)

समूह 'क' अधिकारी

वैज्ञानिक -1

निधि शर्मा

रसायनज्ञ

ए.के. जायसवाल

विशिष्टिताएं

न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग भारत में जटिल चिकित्सा-विधिक समस्याओं के लिए सर्वोच्च रेफरल केंद्र है। विभाग विभिन्न राज्यों के सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, न्यायालयों और अपराध शाखा द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान कर रहा है। यह चिकित्सा-विधिक शव परीक्षा, एमएलसी मृत्यु होने पर शव लेप, नैदानिक न्याय चिकित्सा सेवाओं, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, निर्दिष्ट चिकित्सा-विधिक मामलों और न्यायालय संबंधी कार्यों में विशेषज्ञ के रूप में राय देने संबंधी कार्यों में संलग्न है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं - टॉक्सीकोलॉजी, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और हिस्टो पैथालॉजी तथा फोरेंसिक रेडियोलॉजी, फोरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी और फोरेंसिक बायोकेमिस्ट्री के रूप में तीन सहायक सेवाओं का संचालन किया जा रहा है। कुल 1905 चिकित्सा विधिक शव-परीक्षाएं आयोजित की गईं । कोविड-19 महामारी के दौरान, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र के मुर्दाघर को शवों के प्रबंधन के लिए निर्दिष्ट किया गया। इस दौरान ट्रॉमा केन्द्र के मुर्दाघर से कुल 1543 शवों को दिल्ली के विभिन्न श्मशान घाटों में पहुंचाया गया। विभाग भारत में कोविड-19 से होने वाली मौतों में चिकित्सा विधिक शव-परीक्षाओं के लिए मानक दिशानिर्देश तैयार

करने में शामिल था। देश में अपनी तरह का पहला अत्याधुनिक गंधहीन शवगृह स्थापित किया गया है। 20 मार्च, 2021 को वर्चुअल ऑटोप्सी (वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र) की सुविधा का उद्घाटन किया गया। यह आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना क्रियाशील है जो शवों के सम्मानजनक प्रबंधन की दिशा में एक कदम है। बायोइंफोर्मेटिक्स टूल और तकनीकों के उपयोग द्वारा 'एम्स, नई दिल्ली में अज्ञात शवों की शव-परीक्षा हेतु डीएनए डेटाबेस तथा पहचान पोर्टल का विकास' नामक आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित टास्क फोर्स परियोजना क्रियाशील है। कुल 10 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं और तीन पूरी हो चुकी हैं। दो सहयोगी परियोजना पूरी हो चुकी हैं और सात जारी हैं।'

शिक्षा

विभाग में 12 स्नातकोत्तर (एमडी)विद्यार्थी और एक पीएचडी विद्यार्थी नामांकित है।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन- विभाग ने एम्स, नई दिल्ली में 19 एवं 20 मार्च, 2021 को द्वितीय एम्स फोरेंसिक संघ बैठक-2021 का आयोजन किया।

प्रदत्त व्यख्यान

आदर्श कुमार: 8 **चित्तरंजन बेहेरा: 3**

अभिषेक यादव: 5 **ए.के. जायसवाल: 1**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/पोस्टरों की सूची

1. यादव अभिषेक, पोस्टर-वर्चुअल ऑटोप्सी- फोरेंसिक रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग (आईएसएफआरआई 2020), 7-11 सितम्बर 2020, ऑनलाइन की अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी की 9वें सम्मेलन में भारतीय चिकित्सा विधिक सिस्टम के कार्यान्वयन में चुनौतियां।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अग्रिम अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र में वर्चुअल शव परीक्षा, सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष 2019 - 2024, 5 करोड़ रूपये।
2. कार्य बल परियोजना- एम्स, नई दिल्ली में जिन अज्ञात शवों की शव-परीक्षा की गई, उनके लिए जैव-सूचना-विज्ञान उपकरण और तकनीकों का उपयोग करके डीएनए डेटाबेस और पहचान पोर्टल का विकास, चित्तरंजन बेहेरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 1.36 करोड़ रूपये।
3. मातृ वंश के लिए माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए परीक्षण के महत्व का अध्ययन करना, निधि शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रूपये।

विभागीय परियोजनाएं (शोध-प्रबंध/शोध निबंध सहित)

जारी

1. मौत के विभिन्न कारणों में सीटी स्कैन और डिजीटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल शव-परीक्षा और हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा सहित पारंपरिक शव परीक्षा का तुलनात्मक अध्ययन
2. हड्डियों एवं जोड़ों के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा आयु का अनुमान
3. भारतीय जनसंख्या में आंतरिक अंगों के वज़न और आयाम की कंप्यूटिड टोमोग्राफिक और मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण
4. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा विधिक शव-परीक्षा के दौरान संयमित आत्महत्या नोट की विषय-वस्तु और भाषा-संबंधी विश्लेषण
5. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म का आनुवांशिक संबंध
6. गर्दन पर घातक दबाव के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों गर्दन की भीतरी चोटों का रेडियोलॉजिकल अध्ययन
7. एंथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल तकनीको का उपयोग करके हाइयॉन बोन से यौन द्विरूपता और अनुमानित आयु प्रमाणित करना
8. सड़क यातायात हादसों के मामलों में वर्चुअल ऑटोप्सी निष्कर्ष बनाम पारंपरिक ऑटोप्सी निष्कर्ष
9. कार्डियक ऑरिजिन से हुई अचानक मौत में वर्चुअल ऑटोप्सी निष्कर्ष बनाम पारंपरिक ऑटोप्सी निष्कर्ष

पूर्ण

1. एंटीमॉर्टम और पोस्टमॉर्टम इलेक्ट्रोक्यूशन बर्न मास्क का सकल, हिस्टोलॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक अध्ययन
2. आरटी-पीसीआर द्वारा मानव डीएनए की निर्धारित मात्रा और गुणवत्ता मूल्यांकन
3. गर्दन पर घातक दबाव के कारण होने वाली मृत्यु के मामलों में सीटी स्कैन और डिज़िटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल शव-परीक्षा और हिस्टोपैथालॉजिकल परीक्षा सहित पारंपरिक शव परीक्षा।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सोशल मीडिया के इंटरफेस और संपूर्ण आत्महत्याओं पर एक प्रारंभिक अध्ययन, मनोरोग चिकित्सा विभाग
2. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए कैडेवर व्युत्पन्न सहायक कोशिकाओं में एटोह1 का संपादन, जैवरसायन एवं इएनटी विभाग
3. कार्डियोमायोपैथी का आनुवांशिक परिदृश्य, पैथोलॉजी विभाग

4. मंडी, हिमाचल प्रदेश के ब्राहमण और राजपूत आबादी में कान और नाक के मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन - फोरेंसिक मानव - वैज्ञानिक जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
5. केडेवरिक कशेरूक में रीढ़ की हड्डी को फिक्स करने के लिए की गई शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं की जैव रासायनिक स्थिरता का अध्ययन, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एम्स, नई दिल्ली
6. युवाओं में अचानक हृदयगति रूकने से होने वाली मृत्यु : कारण की पहचान के लिए शव परीक्षा और आण्विक अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग
7. जुड़वा बच्चों के बीच रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करना और फिंगरप्रिंट विशेषताओं का उपयोग करते हुए लिंग निर्धारण करना, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, केएमसी, मनीपाल

पूर्ण

1. रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन प्रोटोटाइप का विकास, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली/आईआईटी दिल्ली
2. आत्मघाती मृत्यु में न्यूरो इन्फलामैशन और ग्लियाल सक्रियण की भूमिका : मानव मस्तिष्क पोस्टमार्टम में एक अध्ययन, शरीर-रचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 30

रोगी उपचार

क. **आपातकालीन सेवाएं:** न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, दिल्ली के दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी जिले के लिए चोट, यौन अपराधों, जहरखुरानी आदि जैसे मामलों में चौबीसों घंटे चिकित्सा-विधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

ख. **शव गृह सेवाएं:** शव गृह में कुल 1905 चिकित्सा-विधिक शव परीक्षण किए गए। कोविड-19 के दौरान ट्रॉमा सेंटर कुल 1543 शवों को दिल्ली के विभिन्न श्मशान घाटों में पहुँचाया गया। (एम्स के नामित कोविड सेंटर)

ग. **नैदानिक न्याय चिकित्सा:** जांच अधिकारी द्वारा लाए गए और अदालत द्वारा भेजे गए पोटेंशी और अन्य चिकित्सा विधिक जांच के कुल 467 मामले विभाग द्वारा निपटाए गए। सीबीआई के कुल 25 मामलों को विभाग के मेडिकल बोर्ड द्वारा निपटाया गया। आपात-कालीन विभाग आदि से भेजे गए मामलों सहित कुल 348 जटिल मामलों में अनुवर्ती राय दी गई।

घ. **सम्मन:** विभाग के डॉक्टरों ने दिल्ली और अन्य राज्यों से प्राप्त सम्मन के 54 मामलों में न्यायालय में उपस्थिति दर्ज कराई।

ङ. **चिकित्सा विष विज्ञान:** एम्स के नैदानिक विभागों, मेडिकोलीगल मामलों और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए विभिन्न विषों के लिए 81 नमूनों हेतु कुल 226 परीक्षण किए गए।

च. **न्याय ऊतक विकृति विज्ञान:** विभाग, दक्षिणी और दक्षिणी पूर्व जिले से प्राप्त चिकित्सा-विधिक शव परीक्षण के नमूनों के लिए और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए भी ऊतक विकृति विज्ञान सेवाएं प्रदान कर रहा है । इस अवधि के दौरान कुल 35 मामले और 204 नमूनों की जांच की गई।

छ. **शव-संलेपन सुविधा:** विभाग एमएलसी मामलों (पोस्टमॉर्टम मामलों) के लिए शव-संलेपन सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 59 शव-संलेपन किए गए।

ज. **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति:** राष्ट्रीय नेत्र बैंक द्वारा प्रत्यारोपण के लिए कुल 113 कॉर्निया को शवागार में पुर्नप्राप्त किया गया।

झ. **फोरेंसिक विकिरण विज्ञानी सेवाएं:** 262 मामलों में न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान की गई, विभिन्न चिकित्सा विधिक और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए 1148 एक्स-रे किए गए। (शव परीक्षण एंव जीवित मामले दोनों)

ञ. **न्याय चिकित्सा नृविज्ञान सेवाएं:** अदालतों, खेल प्राधिकरणों और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए 69 मामलों में आयु का आंकलन

ट. **डीएनए फिंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला:** यह प्रयोगशाला, डीएनए की एसटीआर प्रोफाइलिंग के लिए जेनेटिक एनालाईजर का उपयोग करके विवादित माता-पिता परीक्षण के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करती है। (02 मामले और 6 रन) अज्ञात शवों के नमूने/नमूनों की डीएनए-प्रोफाइलिंग की गई : डीएनए अलगाव, डीएनए का मात्रामापन और नमूना आरयूएनएस (137 मामले और 156 रन) डीएनए अलगाव और डीएनए के मात्रामापन हेतु शोध नमूने संसाधित किए गए (68 - नमूने, रीयल टाइम पीसीआर : 245 रिएक्शन, पीसीआर: 6753 रिएक्शन)।

ठ. **न्याय चिकित्सा जैवरसायन:** 15 नमूनों में 30 परीक्षण किए गए

ड. **सामुदायिक सेवाएं:** विभाग ने पूरे देश के सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सरकारी वकीलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना जारी रखा।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ. आदर्श कुमार को ढाका, बंगलादेश में 2019-2021 के लिए इंडो-पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल सदस्य के रूप में चुना गया था, 2018-2021 के लिए विधिक चिकित्सा की अंतर्राष्ट्रीय अकादमी के सहायक राजदूत नामित किए गए, जापान में 2018-2020 के एक और सत्र के लिए एशिया पेसिफिक चिकित्सा विधिक एसोसिएशन के सदस्य थे, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के चिकित्सा विधिक विशेषज्ञ थे, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद् (एनएमसी) द्वारा निर्धारक नामित किए गए, राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् द्वारा निर्धारक नामित किए गए। वे इंडियन जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसन एंड टॉक्सीकोलॉजी के संपादक, अंतर्राष्ट्रीय संपादक-मंडल के सदस्य-एचएसओए जर्नल ऑफ फोरेंसिंक, लीगल एंड इन्वेस्टीगैटिव सांइसिस (यूएसए), इजिप्शन जर्नल ऑफ फोरेंसिक सांइसिस-इजिप्ट, अदली टिप बुलेटिन-टर्की, द इजिप्शन जर्नल ऑफ फोरेंसिक सांइसिस एंड अप्लाइड टॉक्सीकोलॉजी, बायोमेडिकल एंड बायोसोशल ऐन्थ्रोपलॉजी (यूक्रैन); सह- संपादक- मेडिकोलीगल अपडेट; वेब संपादक-

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हैल्थ रिसर्च एंड मेडिकोलीगल प्रैक्टिस; संपादक-मंडल थे, सदस्य-जर्नल ऑफ इंडियन सोसाईटी ऑफ टॉक्सीकोलॉजी; जर्नल ऑफ कर्नाटका मेडिकोलीगल सोसाइटी; इंडियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी एंड फैमिली मेडिसिन; जर्नलऑफ फोरेंसिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सीकालॉजी एंड जर्नल ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन थे।

डॉ. चित्तरंजन बेहेरा जर्नल ऑफ फोरेंसिक एंड लीगल मेडिसिन, मेडिसिन साइंस एंड लॉ, जर्नल ऑफ अग्रेशन एंड वाइलन्ट बिहेव्यर, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिसिन रिसर्च, जर्नल ऑफ न्यूरोसांइसिस इन रूरल प्रैक्टिस, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिर्सच आदि जैसी सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के समीक्षक थे। वह इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सीकालॉजी एंड लीगल मेडिसिन के सहायक संपादक थे और आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सीकालॉजी सांइसिस के सह संपदाक थे; एआरसी जर्नल ऑफ फोरेंसिक सांइस, ऐनल्ज ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन रिसर्च एंड ऐनालिसिस, सांइन्टिफिक फेडरेशन जर्नल ऑफ फोरेंसिक, जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसन, आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सीकालॉजी सांइसिस के संपादक मंडल के सदस्य थे।

डॉ. अभिषेक यादव को भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था द्वारा चिकित्सा नैतिकता और चिकित्सा विधिक विषयों पर पाठ्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ संकाय के रूप में आमंत्रित तथा नियुक्त किया गया था। “भारत में कोविड-19 मौतों के चिकित्सा-विधिक शव-परीक्षण के मानक दिशा-निर्देश” के निरूपण के लिए आईसीएमआर द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे और वह अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मामले में सीबीआई द्वारा मृत्यु की जांच हेतु गठित चिकित्सा बोर्ड के सदस्य थे। इस मामले ने देश में बड़ी अशांति पैदा कर दी और एक अपराधिक जांच में यह अब तक का सबसे बड़ा मीड़िया ट्रायल देखा गया है।

9.13 जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनूप सराया

आचार्य

प्रमोद गर्ग (प्रतिनियुक्ति पर **31** मई **2023)** विनीत आहूजा गोविंद के मखरिया

अपर आचार्य

शालीमार बैबास्वत नायक

सहायक आचार्य

सौरभ दीपक गुंजन

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

सौम्या जगन्नाथ महापात्रा

विशिष्टताएं

विभाग के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और पीएच.डी. छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र पुरस्कार, यात्रा अनुदान सहित कई पुरस्कार प्राप्त किए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न जीआई रोगों पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश बनाने की पहल की और समन्वय किया।

शिक्षा

विभाग ने जठरांत्ररोग विज्ञान में डीएम और जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषाहार में पीएच.डी. पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखा। विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया। विभाग ने उन्नत फेलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण: चौबीस डीएम विद्यार्थी; छह पीएच.डी. विद्यार्थी; एडवांस्ड एंडोस्कोपी, हेपेटोलॉजी, पैनक्रिएटोलॉजी और आईबीडी में छह एडवांस फेलोशिप

प्रदत्त व्याख्यान:

अनूप सराया: 15 **प्रमोद गर्ग: 5** **विनीत आहूजा: 26**
शालीमार: 4 **बी नायक: 4** **सौरभ केडिया: 4**
दीपक गुंजन: 3

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 18

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (आईएसजी सीओएन) के 61वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार, 19-20 दिसंबर 2020 (सोनू कुमार/नायक, पर्यवेक्षक)।
2. इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लिवर (आईएनएएसएल) की 27वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में पोडियम प्रेजेंटेशन अवार्ड (मौखिक), 2-4 दिसंबर 2020, (बी नायक)
3. अनुसंधान

वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं

जारी

1. स्टेमप्यूसेल (वयस्क मानव हड्डी) व्युत्पन्न, संवर्धित पूल, एलोजेनिक स्ट्रोमल सेल मैरो के स्थानीय रूप से देने की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए ओपन लेबल, सिंगल आर्म, अन्वेषक आरंभित चरण I/II अध्ययन विनीत आहूजा, स्टैम्प्यूटिक्स रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2018-2021, 5.77 लाख रुपये।
2. क्रॉन्स रोग से ग्रस्त रोगियों में फिल्गोटिनिब की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन, विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 6 साल, 2017-2023, 6.71 लाख रुपये
3. अल्सरेटिव कोलाइटिस से पीड़ित रोगियों में फिल्गोटिनिब की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन, विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 6 साल, 2017-2023, रुपये 70.2 लाख
4. नवीन बायोमार्कर्स का मूल्यांकन करते हुए एक बहुकेंद्रीय नैदानिक अध्ययन: एक्यूट-ऑन-क्रोनिक लीवर विफलता वाले रोगियों में डाइमिथाइलार्जिनिन और इस्किमिया-संशोधित एल्ब्यूमिन; शालीमार, स्पार्क, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 24 लाख
5. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग से ग्रस्त रोगियों में मिरिकिज़ुमाब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 3, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो- और सक्रिय-नियंत्रित, समूचे उपचार के दौरान किया जाने वाला अध्ययन, विनीत आहूजा, एली लिली फार्मास्युटिकल कंपनी, 2 साल, 2021-2023, रुपये 28.04 लाख
6. वायरस प्रेरित इम्यूनो-मॉड्यूलेशन और होस्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए सार्स-सीओवी -2 प्रोटीन की एडेनो संबद्ध वायरस -2 वेक्टरेड अभिव्यक्ति, बी नायक, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, रुपये 10.00 लाख
7. क्रोनिक हेपेटाइटिस बी के रोगियों में फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण (एफएमटी) की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए ओपन लेबल पायलट यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, शालीमार, पीएफआई, 2 साल, 2019-2021, 1.25 लाख रुपये
8. अल्कोहल-प्रेरित लीवर रोग (एएलडी) में सीडी 14 जीन विविधताएं और अल्कोहलिक अग्नाशयशोथ (एएलपी) में सह-रुग्णता स्थिति तथा सीडी14-एलपीबीएस-टीएलआर4

कॉम्प्लेक्स अणु बंधन के बीच एसोसिएटेड पॉलीमॉर्फिज्म और एमडी 2 संबंध, बी नायक, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, रुपये 27 लाख

9. अग्नाशय रोगों में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, प्रमोद गर्ग, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 50.5 लाख रुपये
10. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंटेस्टाइनल डिजीज, विनीत आहूजा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 5 साल, 2019-2024, 500 लाख रुपये
11. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस से ग्रस्त रोगियों में रेमिशिन के प्रेरण और मेंटेनेंस में फिल्गोटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने वाला संयुक्त चरण 2बी/3, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, विनीत आहूजा, गिलियड विज्ञान, 5 वर्ष, 2017-2022, रुपये 6.73 लाख
12. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय क्रोहन रोग से ग्रस्त रोगियों में फिल्गोटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने वाला संयुक्त चरण 3, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, विनीत आहूजा, गिलियड साइंसिज, 7 वर्ष, 2017-2024, 38.72 लाख रुपये
13. इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज से ग्रस्त इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों और उनके संपर्क में आने वाले स्वस्थ लोगों के बीच सार्स-कोव-2 के कारण संक्रमण के जोखिम की तुलना, सौरभ केडिया, एम्स इंट्राम्यूरल कोविड प्रोजेक्ट, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपये 4.5 लाख
14. दक्षिण एशियाई लोगों में क्रोहन रोग (सीडी): रोकथाम और बेहतर उपचार के लिए रोग जीव विज्ञान को परिभाषित करना, विनीत आहूजा, द लियोना एम. और हैरी बी हेम्सले चैरिटेबल ट्रस्ट, 3 साल, 2021-2024, 102 लाख रुपये
15. भारत में क्रोहन रोग: एक ऐसे देश से बहु-केंद्रित अध्ययन जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ जोहान की बीमारी स्थानिक है, विनीत आहूजा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 4 साल, 2017-2021, 42.5 लाख रुपये
16. जैव प्रौद्योगिकी विभाग- सीलिएक रोग कंसोर्टियम, गोविंद के मखारिया, डीबीटी, 3+2 वर्ष, 2017-2022, 228 लाख रुपये (कुल 516 लाख)
17. हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने के लिए रिवर्स जेनेटिक आधारित पुनः संयोजक न्यूकैसल रोग वायरस मॉडल का विकास, बी नायक, डीबीटी-एनईआर, 3 साल, 2017-2020, 105 लाख रुपये
18. उत्तर भारत के आईबीडी से ग्रस्त मरीजों में गट माइक्रोबायोम, मायकोबायोम और वाइरोम पर शहरीकरण का प्रभाव, विनीत आहूजा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 3 साल, 2019-2022, 12.3 लाख रुपये
19. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग में एंटीवियो (विडोलिजुमाब IV) एक्सटेंडेड एक्सेस प्रोग्राम, विनीत आहूजा, फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट (पीपीडी), 6 साल, 2016-2022, रुपये 4.29 लाख

20. अल्सरेटिव कोलाइटिस में आंत माइक्रोबायोटा व्युत्पन्न मेटाबोलाइट्स के माध्यम से आंतों की उपकला स्टेम कोशिकाओं की एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग, विनीत आहूजा, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) 3 साल, 2020-2023, रुपये 56.4 लाख
21. कम इम्युनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए अन्वेषण, गोविंद के मखारिया, आईएआरआई, 3+5 वर्ष, 2015-2023, 92 लाख रुपये
22. भारतीय रोगियों में बड चियारी सिंड्रोम/यकृत शिरापरक बहिर्वाह पथ बाधा का आनुवंशिक आधार, शालीमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 74 लाख
23. गट माइक्रोबायोम - स्वास्थ्य और सूजन आंत्र रोग में आंतों के स्टेम सेल नीश के नियामक, विनीत आहूजा, एमएचआरडी-शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग संवर्धन योजना (एसपीएआरसी), 2 साल, 2019-2021, 45.9 लाख रुपये
24. एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस में होम बेस्ड ब्लेन्डराइज्ड फॉर्म्युलेशंस: एक पायलट रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 39.87 लाख रुपये
25. भारत की चुनिंदा अंतर्विवाही आबादी की मानव माइक्रोबायोम पहल, गोविंद के मखारिया, डीबीटी, 2 साल, 2020-2022, 106 लाख रुपये (कुल 29 करोड़)
26. आईबीडी में निरंतर प्रतिरक्षा दमन के तहत कोविड-19 एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, विनीत आहूजा, द लियोना एम. और हैरी बी. हेल्मस्ते चैरिटेबल ट्रस्ट, 2 साल, 2021-2023, 9.24 लाख रुपये
27. 'कैंसर मृत्यु दर को कम करना पर संयुक्त केंद्र, प्रमोद गर्ग, आईयूएसएसटीएफ, 2 साल, 2018-2020, 38 लाख रुपये।
28. क्रोनिक लिवर रोग के रोगियों में हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए तरल बायोप्सी, बी नायक, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 49.48 लाख रुपये
29. सिरोसिस के रोगियों में ओवर्ट हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी के उपचार में एल-ऑर्निथिन एल-एस्पार्टेट: एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, शालीमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 10 लाख
30. ग्रामीण समुदाय सेटिंग में रहने वाले व्यक्तियों के स्वस्थ आंत फ्लोरा में एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन की व्यापकता, सौरभ केडिया, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगी परियोजना, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये
31. अग्नाशय एडेनोकार्सिनोमा के रोगजनन में जीन-विनियमन और प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों की भूमिका, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 98 लाख रुपये
32. अग्न्याशय के सिस्टिक नियोप्लाज्म के सौम्य बनाम घातक किस्म की पहचान करने में एमआई आरएनए की भूमिका, दीपक गुंजन, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019- 2021, रुपये 10 लाख
33. अग्नाशय के कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका अनूप सराया, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 58.93 लाख रुपये

34. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के रोगियों में गट माइक्रो बायोम और मेटाबॉलिक एवं बॉडी रिस्पांस पर अग्नाशय एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी की भूमिका, दीपक गुंजन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, 50.24 लाख रुपये
35. पुरानी अग्नाशयशोथ में सरकोपेनिया: महामारी विज्ञान, निदान और एटियोलॉजिकल कारकों का मूल्यांकन और सरकोपेनिया के लिए जिम्मेदार आणविक तंत्र, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 78.84 लाख रुपये
36. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में एचबीएक्स का लक्ष्यीकरण और प्रतिकृति पर उत्परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए प्रतिकृति आधारित परख का विकास, बी नायक, एसईआरबी-डीएसटी, साल, 2020-2022, 22.36 लाख रुपये
37. कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड- 19) की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल अभिव्यक्ति, शालीमार, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपये
38. मल्टीड्रग प्रतिरोधी जीवों से एंटी-माइक्रोबियल जीन की कमी होने और आंतों के विघटन के कारण फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण के माध्यम से फेज ट्रांसफर की भूमिका का मूल्यांकन करना, विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 साल, 2021-2024, रुपये 57.3 लाख
39. सोफोसबुवीर-आधारित चिकित्सा से उपचारित क्रोनिक हेपेटाइटिस सी रोगियों में प्रतिरोध एसोसिएटेड वेरिएंट (आरएवी) का अध्ययन करना, शालीमार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (डीएचआर), 3 साल, 2017-2021, 44 लाख रुपये
40. कोलोरेक्टल कैंसर के कारण और उपचार में गट माइक्रोबायोटा और उनके मेटाबोलाइट्स की भूमिका को समझना, गोविंद के मखरिया, डीएसटी, 3 साल, 2020-2023, 53 लाख रुपये
41. इरीटेबल आंत्र सिंड्रोम और गैर-सीलिएक ग्लूटेन सेंसिटिव रोगियों में संपूर्ण आंत और आंतों का मेटाजिनोम और ग्लूटेन मुक्त आहार का प्रभाव, गोविंद के मखारिया, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 61.7 लाख रुपये

वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं: पूर्ण

1. मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन (एचएलए-जी) अणुओं की नैदानिक प्रासंगिकता और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में इसकी बहुरूपता, बी नायक, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2016-2018, 4 लाख रुपये
2. प्रदाहक आंत्र रोग में तुलनात्मक आंत यूकेरियोटिक माइक्रोबायोम: अलग-अलग रोग प्रसार वाले क्षेत्रों में रहने वाली आनुवंशिक रूप से समान आबादी में सामान्य लिंक की खोज करना, विनीत आहूजा, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, 2 साल, 2015-2017, 21 लाख रुपये
3. बिना लेबल वाले और लेबल वाले ग्लूटेन-मुक्त खाद्य उत्पादों और सीलिएक रोग के रोगियों द्वारा प्रयुक्त आमतौर पर उपयोग में लाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन घटक का अनुमान, डॉ गोविंद के मखरिया, आईसीएमआर, 3 साल, 2018- 2020, रु 24 लाख
4. ग्लू अनुदान योजना "ह्यूमन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल प्रोग्राम" विनीत आहूजा, डीबीटी-ग्लू ग्रांट, 3 साल, 2014-2017, 144 लाख रुपये

5. लिपोलाइटिक हेलिकोबैक्टर पाइलोरी एंजाइम और रोगजनन में उनकी संभावित भूमिका, विनीत आहूजा, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 साल, 2017-2020, 56.7 लाख
6. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ और अंग विफलता तथा मृत्यु दर के साथ उनके सह-संबंध का अध्ययन करना, अनूप सराया, डीबीटी, 3.5 साल, 2015-2019, 56 लाख रुपये
7. क्रोहन रोग और आंतों के तपेदिक में माटूक्रोफेज की जन्मजात सूजन क्षमता का अध्ययन करना, विनीत आहूजा, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 27.4 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध निबंध सहित)

जारी

1. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द के उपचार के लिए सहायक वृद्धिशील प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसीबो का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव रोगियों में कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और अनन्य आंत्र पोषण (ईईएन) बनाम कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और ईईएन एकल के साथ अंतःशिरा एल्बुमिन इन्फ्यूजन का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. वायरस प्रेरित इम्युनोमोड्यूलेशन और मेजबान प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए एडीनो संबद्ध वायरस -2 सार्स-कोव-2 प्रोटीन की वेक्टर्ड अभिव्यक्ति
4. तीव्र वैरिसील रक्तस्राव के प्रकरण के दौरान भिन्न-भिन्न नैदानिक चरणों में सिरोसिस के रोगियों में आंत बाधा दुष्क्रिया, एंडोटॉक्सिमिया और प्रदाहक मध्यस्थों का आकलन: एक भविष्यलक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन
5. सीलिएक रोग के रोगियों के प्रथम पंक्ति के रिश्तेदारों में विलस एंटरोपैथी का आकलन
6. 20केपीए (सीएएलडी-20 परीक्षण) से अधिक जिगर कठोरता से ग्रस्त उच्च जोखिम वाले वराइसेस के बिना जिगर की पुरानी बीमारी के कंपेंसेटिड उन्नत रोगियों में विघटन को रोकने के लिए कार्वेडिलोल: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. साइटोकाइन स्टॉर्म सिंड्रोम और हेमिन अर्ली सीवियर एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस की विशेषता: एक भविष्यलक्षी कोहोर्ट अध्ययन
8. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगियों में रोग विकास और दर्द के प्रकार के पैटर्न की विशेषता और बहुविध उपचार के प्रति प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध
9. ग्लूटेन मुक्त भोजन की लागत और पोषण संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण उनके ग्लूटेन युक्त समकक्षों के साथ।
10. तीव्र वैरिसील रक्तस्राव वाले रोगियों में 1-दिवसीय बनाम 3-दिवसीय अंतःशिरा टेरलिप्रेसिन की तुलना: एक ओपन-लेबल पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
11. भारतीय सीलिएक रोग के रोगियों में ग्लूटेन मुक्त आहार के आकलन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन
12. सीलिएक रोग के रोगियों में एंटी-एंडोमिसियल एंटीबॉडी की नैदानिक प्रभावकारिता

13. तीव्र अग्नाशयशोथ में तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में गैर-आक्रामक सकारात्मक दबाव वेंटिलेशन का प्रारंभिक उपयोग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
14. तीव्र अग्नाशयशोथ में संक्रमित तीव्र द्रव संग्रह के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित पर्क्यूटेनियस जल निकासी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
15. आईबीडी में अज़ैथीओप्रिन की प्रभावकारिता
16. सीलिएक रोग के रोगियों द्वारा उपभुक्त लेबल-मुक्त और लेबल वाले ग्लूटेन-मुक्त खाद्य उत्पादों और आमतौर पर उपयोग में लाए जाने वाले खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन घटक का अनुमान
17. भारत में अपच की ईटियोलॉजी, प्रकृति और गंभीरता: एक राष्ट्रीय कार्य बल अध्ययन"
18. बोन टर्नओवर मार्करों का मूल्यांकन और क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के रोगियों में ऑस्टियोपोरोसिस के सीटी आधारित प्रीडिक्शन का प्रदर्शन
19. सीलिएक रोग के रोगियों में प्रजनन क्षमता के मुद्दों का मूल्यांकन
20. जीएफडी के 12 महीने के बाद अनुत्तरदायी सीलिएक रोग में ग्लूटेन मुक्त आहार वाले रोगियों में सतत विलस एट्रोफी में आंतों के स्टेम सेल (आईएससी) नीश की खोज
21. अनुमानित गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ में इंट्रावास्कुलर द्रव निर्देशित चिकित्सा बनाम मानक द्रव चिकित्सा: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
22. आईबीडी में एंटी टीएनएफ थेरेपी विफलता के मार्कर
23. एन ब्यूटाइल साइनोएक्रिलेट ग्लू बनाम एन ब्यूटाइल साइनोएक्रिलेट ग्लू प्लस गैस्ट्रिक वेरिसिस के सेकेंडरी प्रोफिलैक्सिस के लिए रेडियोलॉजिक इंटरवेंशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
24. पोस्ट कोविड जीआई सीक्वेल और छोटी आंतों के जीवाणु की अतिवृद्धि
25. क्रिप्टोजेनिक यकृत रोग वाले वयस्कों में सीलिएक रोग की व्यापकता
26. प्रदाहक आंत्र रोग के रोगियों में सीलिएक रोग की व्यापकता
27. उत्तर भारत में किसी तृतीयक उपचार केंद्र में आणविक निदान पद्धति का उपयोग करते हुए हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में क्लैरिथ्रोमाइसिन की व्यापकता
28. भारत के उत्तरी भाग के समुदाय-आधारित अध्ययन से वयस्क प्रतिभागियों में एलिवेटेड एलेनिन एमिनोट्रांस्फरेज स्तर की व्यापकता
29. कार्यात्मक अपच में रिफैक्सिमिन प्लेसबो - एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण
30. तीव्र वैरिसील रक्तस्राव के प्रकरण के दौरान चाइल्ड-ए सिरोसिस वाले रोगियों में संक्रमण को रोकने में रोलियोंफेंटीबिटोक प्रोफिलैक्सिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
31. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा पथ की भूमिका
32. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्कर की भूमिका
33. वयस्कों में सीलिएक रोग के निदान में गैर-बायोप्सी मार्ग की भूमिका
34. सीलिएक रोग के रोगियों में लंबाई का स्पेक्ट्रम
35. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा और रेस्टिंग ऊर्जा व्यय पर अग्नाशयी एंजाइम प्रतिस्थापन की स्थिति और प्रभाव

36. एक वर्ष या उससे अधिक के लिए ग्लूटेन मुक्त आहार पर रह रहे रोगियों में गैर-प्रतिक्रियाशील सीलिएक रोगों की व्यापकता और एटियोलॉजी का आकलन करना
37. ऑटो-इम्यून हेपेटाइटिस के रोगियों में दूसरी पंक्ति की दवाओं के लिए जैव रासायनिक और नैदानिक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. आंत के अल्सरो-कंस्ट्रक्टिव रोग में क्रोहन रोग से आंतों के तपेदिक को अलग करने के लिए एक मल्टीपैरामीटर मॉडल
2. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव बृहदांत्रशोथ के रोगियों में केवल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स बनाम कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के साथ विशेष एंटरल पोषण का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. सीलिएक रोग के रोगियों में आंतों की विफलता को परिभाषित करना
4. लीवर सिरोसिस के रोगियों में सरकोपेनिया के मापदंडों पर ब्रांच्ड चेन अमीनो एसिड के पूरक का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडिड रेंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
5. छोटे आंत्र की सख्ती और फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता और सहनशीलता: एक स्तरीकृत आरसीटी
6. सीलिएक रोग की अतिरिक्त छोटी आंतों जीआई अभिव्यक्तियाँ
7. सीलिएक रोग वाले भारतीय रोगियों में ग्लूटेन-मुक्त आहार के अनुपालन पर कोविड 19 महामारी का प्रभाव
8. प्रदाहक आंत्र रोग (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन रोग) में विटामिन ए द्वारा मानव प्रतिरक्षा और प्रदाहक प्रतिक्रियाओं का मॉड्यूलेशन
9. जिगर की पुरानी बीमारी के रोगियों में सीलिएक रोग की पूल्ड व्यापकता: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
10. छोटे कद के रोगियों में सीलिएक रोग की पूल्ड व्यापकता: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
11. बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका और एचसीसी लक्ष्यीकरण एमटीओआर मार्ग में इसका मॉड्यूलेशन
12. पुरानी अग्नाशयशोथ में सरकोपेनिया: व्यापकता, निदान और रोग-पूर्वानुमान महत्व
13. नया-नया इलाज करा रहे रोगियों में और ग्लूटेन मुक्त आहार पर चल रहे सीलिएक रोग के रोगियों में सीलिएक रोग की दंत अभिव्यक्ति का स्पेक्ट्रम
14. क्रोनिक जिगर विफलता वाले रोगियों में तीव्र मस्तिष्क शोफ और न्यूरोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों की व्यापकता का अध्ययन करना।
15. सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों में लक्षित रणनीति का इलाज करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा के लिए पैन्क्रियाटिक-ओड्डुओडेनेक्टॉमी के बाद पेरीऑपरेटिव परिणामों पर सार्कोपेनिया के प्रभाव पर एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, जीआई सर्जरी विभाग
2. वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस के एंडोस्कोपिक बनाम लैप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग
3. कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद के लक्षणों का आकलन और जीवन गुणवत्ता मूल्यांकन: एक भविष्यलक्षी कोहोर्ट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग
4. वयस्क सीलिएक रोग में बायोप्सी (बायो.ए.सीईडी) - ईएसएससीडी आम सहमति: बहुराष्ट्रीय अध्ययन, पार्टिमेंटो डि मेडिसिना चिरुर्गिया, स्कूओला मेडिका सालेर्निटाना, यूनिवर्सिता डि सालेर्नो, इटली
5. ग्लूटेन मुक्त आहार के प्रति प्रतिक्रियाहीन सीलिएक रोग के रोगियों के समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर-तरीकों की तुलना, विकृतिविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. क्रिस्पर/सीएएस13ए प्रणाली का उपयोग कर वायरल डीएनए की पहचान के लिए एक कम लागत वाले डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म का विकास, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
7. डक्ट लिगेशन पर सूजन-रोधी दवाओं का प्रभाव और चूहों में प्रायोगिक तीव्र अग्नाशयशोथ के एनए-टौरोकोलेट मॉडल, सहयोगी विभाग: जीआई सर्जरी और एनाटॉमी विभाग
8. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में फेकल माइक्रोबायोम, शल्य चिकित्सा विभाग
9. भारतीय आबादी में आत्महत्या की प्रवृत्ति के साथ साइटोकाइन का आनुवंशिक संबंध, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग, एम्स
10. सीलिएक रोग के रोगियों के एचएलए-डीक्यू2/डीक्यू8 मैच्ड प्रथम पंक्ति के रिश्तेदारों में रोग संशोधक के रूप में एमआईआरएनए, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. ग्रोथ डिफरेंशियल फैक्टर-15 (जीडीएफ-15), आयरन ट्रैफिकिंग प्रोटीन, डायबिटीज और मेटाबोलिक सिंड्रोम में माइक्रोन्यूट्रिएंट एंटीऑक्सीडेंट के बीच मॉलिक्यूलर एक्सप्रेशन और इंटरेक्शन, लैब मेडिसिन विभाग
12. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र संबंधी चोट की व्यापकता, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
13. कोलोरेक्टल कैंसर के कारण और उपचार में गट माइक्रोबायोटा और उनके मेटाबोलाइट्स की भूमिका को समझना, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई), नई दिल्ली

पूर्ण

1. जिगर की बीमारी के रोगियों में सीलिएक रोग के पूल्ड प्रसार का अनुमान: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर, यूएसए

2. छोटे कद के रोगियों में सीलिएक रोग के पूल्ड प्रसार का अनुमान, बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर, यूएसए
3. लीवर फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोसोम की हेपेटिक पुनर्योजी क्षमता, स्टेम सेल फेसिलिटी, एम्स
4. सीलिएक रोग में आंतों के स्टेम सेल, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. हेपेटाइटिस ई वायरस के विरुद्ध नैनो टेक्नोलॉजी आधारित वैक्सीन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, यूपी
6. सीलिएक रोग के लिए आचार बिन्दू पर परीक्षण, बेथ इज़राइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर, यूएसए
7. एशिया में सीईडी का पूल्ड प्रसार: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 91 सार: 29 पुस्तकों में अध्याय: 2

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग, में देखे गए रोगियों की संख्या निम्नलिखित है:

क. नियमित जठरांत्ररोग विज्ञान क्लिनिक (सोमवार से शुक्रवार)

नए मामले : 7920

पुराने मामले : 11956

ख. विशेष क्लीनिक:

क्लीनिक का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी
लिवर क्लीनिक	502	2323
पेनक्रियास क्लीनिक	265	985
आईबीडी और आईटीबी क्लीनिक	248	5187
इंटरवेंशनल क्लीनिक	37	19
सीलिएक क्लीनिक	42	100

ग. एंडोस्कोपी सेवाएं:

प्रक्रियाओं की सूची

नैदानिक एवं उपचारात्मक एंडोस्कोपी : 5027

नैदानिक एवं उपचारात्मक कोलोनोस्कोपी : 1445

डायग्नोस्टिक सिग्माइडोस्कोपी : 711

साइड-व्यूइंग एंडोस्कोपी : 417
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियो-पेनक्रियाटोग्राफी (ईआरसीपी) : 712
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं उपचारात्मक) : 434
एचवीपीजी : 106
पीओईएम : 16
पीईजी : 46
लावेज : 43
एसईएमएस : 49
एंट्रोस्कोपी : 28
फाइब्रोस्केन : 4079

जी.आई. मोटिलिटी:

- हाई रिजोल्यूशन ऐसोफिजियल मेनोमीट्री - 113
- हाई रिजोल्यूशन एनोरेक्टल मेनोमीट्री - 169
- बायो फीडबैक - 105
- 24 घंटे एंबुलेटरी पीएच मॉनीटरिंग - 6

विभाग में किए गए परीक्षणों की सूची

क्रम संख्या	**परीक्षण का नाम**	**संख्या**
1	प्रयोगशाला जांच के लिए रोगियों की संख्या	1675
2	परीक्षण के लिए वायरल न्यूक्लीइक एसिड आइसोलेशन	1220
3	रक्त से जीनोमिक डीएनए पृथककरण	841
4	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचबीवी परिमाणीकरण	770
5	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचसीवी परिमाणीकरण	544
6	रीयल टाइम पीसीआर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	40
7	लाइन प्रोब एसे (एलआईपीए) द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	80
8	मात्रात्मक एचईवी डिटेक्शन	155
9	एलिसा द्वारा एचबीएसएजी	319
10	एलिसा द्वारा एचबीईएजी	371
11	एलिसा द्वारा एंटी एचबीई	100
12	एलिसा द्वारा एंटी एचबीसी	75
13	विडास द्वारा एचबीसी आईजीएम	9

14	एलिसा द्वारा एचएवी आईजीएम	130
15	एलिसा द्वारा एचईवी आईजीएम	184
16	एलिसा द्वारा एंटी एचसीवी	157
17	एलिसा द्वारा ईबीवी आईजीएम	96
18	एलिसा द्वारा सीएमवी आईजीएम	60
19	आर्टीरियल अमोनिया	441
20	नेफ्रोलॉजी द्वारा आईजीजी4	16
21	कलरोमीटरी द्वारा डी-जाइलोस	32
22	ईथर एक्सट्रेक्शन द्वारा फेकल फैट	7
23	एलिसा द्वारा फेकल इलासटेज	110
24	हाइड्रोजन ब्रेथ परीक्षण	23
25	यूरिया ब्रेथ परीक्षण	26
26	एलिसा द्वारा टीटीजी आईजीए	963
27	टर्बिडोमीटरी द्वारा सेरुलो-प्लाज्मिन	538
28	कलरोमीटरी द्वारा सीरम कॉपर	310
29	24 घंटे यूरीनरी कॉपर	245
30	स्पेक्ट्रोफोटोमीटरी द्वारा लिपिड पैरोक्सीडेशन (एमडीए)	83
31	मुक्त रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटेंशियल (एफआरएपी)	83
32	फेकल कैलप्रोटेक्टिन	96
33	टोटल ऑक्सीडेंट स्ट्रैस (टीओएस)	12
34	टोटल एंटी ऑक्सीडेंट स्ट्रैस (टीएएस)	12

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर प्रमोद गर्ग को जेसी बोस फैलोशिप (2020-2025), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार से सम्मानित किया गया। वे फेलो ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस (एफएएससी) बैंगलोर हैं।

प्रोफेसर गोविंद मखारिया क्लिनिकल रिसर्च कमेटी, वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (2019-2021) के सह-अध्यक्ष हैं; वे जलवायु समिति और प्लेनेटरी स्वास्थ्य, विश्व गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन के सदस्य भी हैं; इसके अलावा वे, काउंसिल सदस्य, एशियन पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (2019-2022); इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के महासचिव (2016-2022); संपादकीय सलाहकार बोर्ड

के सदस्य, क्लिनिकल और ट्रांसलेशनल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) भी हैं; वे, सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली; जैव सुरक्षा समिति, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, जेएनयू के सदस्य; इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड (आईईआरबी), जेएनयू, (2020 से आगे) के सदस्य; सिस्टम मेडिसिन के विशेष केंद्र की विशेष समिति के सदस्य, सदस्य, अकादमिक समिति, राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली; उपाध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान संबंधी आईसीएमआर समिति; आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति; सदस्य, परियोजना समीक्षा और निगरानी समिति, बीआईआरएसी, डीबीटी; सदस्य, अकादमिक समिति, सीलिएक रोग संबंधी जैव प्रौद्योगिकी विभाग कंसोर्टियम के समन्वयक; समूह नेता, सीलिएक रोग संबंधी एशियाई प्रशांत कार्य समूह; शासी परिषद सदस्य, भारतीय गतिशीलता और कार्यात्मक रोग संघ; इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज संबंधी इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टास्क फोर्स के समन्वयक; यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के समन्वयक; उन्होंने भारत में हेलिकोबैक्टर पाइलोरी के निदान और उपचार पर इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के दिशानिर्देश तैयार किए हैं।

डॉ. बैबस्वता नायक को इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के 61वें वार्षिक सम्मेलन (आईएसजीसीओएन) 19-20 दिसंबर 2020 में सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया (सोनू कुमार/डॉ नायक, पर्यवेक्षक)। इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लीवर (आईएनएएसएल), की 27वीं वार्षिक बैठक 2-4 दिसंबर 2020 में डॉ बैबस्वता नायक को पोडियम प्रेजेंटेशन अवार्ड (मौखिक) प्रदान किया गया। डॉ बी नायक को नेशनल पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप, एसईआरबी (डॉ गीतांजलि / डॉ नायक मेंटर), द्वारा 24 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में नामांकित किया गया जिनमें फ्रंटियर्स इन सेल्युलर और संक्रमण माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स इम्यूनोलॉजी, टर्किश जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीएलओएसपैथोजेन, वायरस रोग, नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट, जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान, ड्रग रिसर्च, ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीएलओस वन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, वायरस रिसर्च, वायरोलॉजी जर्नल, वायरल इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ वेटरनरी साइंस, एक्टाट्रोपिका, बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल, बीएमसी मेडिकल जीनोमिक्स में कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने, लिपिड्स का आणविक और कोशिका जीव विज्ञान, अनुसंधान रिपोर्ट, कनाडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम्स इन बायोमेडिसिन एंड इंफॉर्मेटिक्स इन मेडिसिन, आईसीएमआर और डीएसटी द्वारा विभिन्न कोविड -19 संबंधित अनुदानों के लिए समीक्षक के रूप में, इनोवेशन एंड ट्रांसलेशन रिसर्च (आईटीआर), आईसीएमआर, के लिए समीक्षा और विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में सेवा की। इसके अलावा, आईसीएमआर आरए और एसआरएफ के समीक्षक रहे, और आईसीएमआर (दस्त रोग) परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य, डीएसटी एसईआरबी, आयुष/सीसीआरएच, आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर आईटीआर (नवाचार ट्रांसलेशनल अनुसंधान) समूह के बाह्य वित्तपोषण के लिए समीक्षक नामित किए गए और संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) के लिए डीबीटी नामित सदस्य रहे।

डॉ. दीपक गुंजन को "बीएमसी गैस्ट्रोएंटरोलॉजी" के सह संपादक के लिए नामांकित किया गया था, इस्कॉन 2020 में उन्हें पूर्ण सत्र के लिए चुना गया और उन्होंने पेपर में तीसरा पुरस्कार जीता, जिसका शीर्षक था 'डेवलपमेंट ऑफ ए मशीन लर्निंग मॉडल टु प्रीडिक्ट ब्लीड इन ऐसीफेजियल वेरिसिज इन कंपेंसेटिड एडवांस्ड क्रोनिक लिवर डिजीज'। उन्हें, आईएसजीसीओएन 2020 में मौखिक पोस्टर के लिए चुना गया और उन्होंने 'अग्न्याशय' श्रेणी में तीसरा पुरस्कार जीता। पेपर का शीर्षक था "पुरानी अग्नाशयशोथ में वृद्धि कारकों और अग्नाशयी स्टेलेट सेल सक्रियण का विभेदक अवस्थान"।

9.14. जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष

पीयूष साहनी

आचार्य

सुजॉय पाल   निहार रंजन दास

सहायक आचार्य

राजेश पंवार   आनंद नारायण सिंह   सौरभ गलोढा

विशिष्टताएं

चूंकि कोविड-19 महामारी के कारण वैकल्पिक कार्य को संक्षिप्त करना पड़ा, लेकिन विभाग द्वारा जठरांत्र विकारों वाले गंभीर रूप से बीमार रोगियों को आपातकालीन उपचार प्रदान करना जारी रखा गया। विभाग ने गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों के भर्ती होने के दौरान उपचार में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग ने कोविड-19 स्थिति पर नज़र बनाए रखने के लिए सर्जिकल विशिष्टताओं से एक कोविड समूह के गठन में भी भाग लिया और उन रोगियों की ओ पी डी और भर्ती होने के समय उपचार के दौरान कोविड -19 के प्रसार को कम करने के तरीके विकसित किए जिन्हें ऑपरेशन और ऑपरेशन के पश्चात उपचार आवश्यकता थी।

शिक्षा

विभाग स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। निम्नलिखित विषयों को छठे और आठवें सत्र में छात्रों को उपचारात्मक व्याख्यान और एकीकृत सेमिनार के माध्यम से पढ़ाया जाता है।

पोर्टल उच्च रक्तचाप
हल्का तथा दुर्दम्य ग्रासनली विकार
ऊपरी जठरांत्रीय रक्तस्राव
निचला जठरांत्रीय रक्तस्राव
तीव्र आंत्रीय रूकावट
आंतों का तपेदिक
आंत्र और यकृत के अमीबिक घाव
छोटी आंत और बड़ी आंत में जलन वाले घाव
पेट का कैंसर
पित्त की पथरी का रोग और जटिलताएं
पित्त अवक्षेप
पित्ताशय का कैंसर
अवरोध के कारण पीलिया
अग्न्याशय का रोग
तीव्र अग्न्याशयशोथ
पुराना अग्न्याशयशोथ
ऑपरेशन वाले रोगियों में पोषण

विभाग जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एम सी एच हेतु 3 वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्तमान में विभाग में 14 एम सी एच छात्र हैं। विभाग 1 से 3 माह की अवधि वाली अल्पकालीन ऑब्जर्वरशिप भी प्रदान करता है। साप्ताहिक शैक्षणिक गतिविधियों में साप्ताहिक ऑडिट, हाल में प्रकाशित पत्रों के सार

पर प्रस्तुति, एक सेमिनार, जर्नल क्लब तथा अनुसंधान व शोध परियोजना पर चर्चा शामिल है। इसके अलावा, जठरांत्र विज्ञान पर एक संयुक्त सत्र तथा जी.आई. रेडियोलॉजी पर एक सम्मेलन का सप्ताह में एक बार तथा जी ई - जी आई सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी पर दो सप्ताह में एक बार सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी : 17 **सुजॉय पॉल : 5** **निहार रंजन दास : 4**

राजेश पंवार : 1 **सौरभ गलोढा : 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

1. गलोढा एस, अग्रवाल जे. इन्सिडेंटल कार्सिनोमा पित्ताशय: जीवन में सुधार के लिए सबसे अच्छा तरीका, जापान सर्जिकल सोसायटी की 120वां वार्षिक सम्मेलन, 16 अप्रैल 2020, योकोहामा, जापान।
2. गलोढा एस, कॉल आर, देवकरन बी : कोलेडोलिथियासिस के साथ कोलेलिथियासिस वाले रोगियों में ईआरसीपी क्लियरेंस और स्टेंटिंग के बाद लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी का ऑप्टीमल समय: एक यादृच्छिक अध्ययन, केएसईएलएस 2020 और केएआरओएस वर्चुअल सम्मेलन, 28 अगस्त 2020, सियोल, दक्षिण कोरिया।
3. बालाकृष्णा एस, पाल एस, मधुसूदन केएस, शालीमार एस, सराया ए, दास एनआर, साहनी पी: लिवर ट्रांसप्लांट के लिए प्रतीक्षा कर रहे पुराने लिवर के रोग वाले रोगियों में सरकोपेनिया का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन, लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसायटी ऑफ इंडिया का तीसरा वार्षिक सम्मेलन" (एलटीएसआईसीओएन 2020 वर्चुअल सम्मेलन), 8 नवंबर 2020, नई दिल्ली।
4. पाल एस: आर्टरी फर्स्ट एप्रोच (वीडियो प्रजेंटेशन) का उपयोग करके मल्टीफोकल अग्न्याशय पीएनईटी एस के लिए कुल अग्न्याशयोच्छेदन आईएचपीबीए 2020 (वर्चुअल कांग्रेस) का 14वां विश्व सम्मेलन, 27-29 नवंबर 2020, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया।
5. उप्पल एम, पाल एस, डांगी एस, टंडन एन, मधुसूदन केएस, कुमार आर, गर्ग पी, साहनी पी; एनईटी अग्न्याशय के लिए कुल पैनक्रियाटेक्टॉमी : भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में 'आर्टरी फर्स्ट' एप्रोच के साथ शुरूआती अनुभव, आईएचपीबीए (वर्चुअल सम्मेलन) का 14वां विश्व सम्मेलन, 27-29 नवंबर, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया।
6. दास एनआर, मूंद वी, पाल एस, साहनी पी। भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में पोर्टल बिलियोपैथी के लिए पित्त सर्जरी के दीर्घकालिक और अल्पकालिक परिणाम, आईएचपीबीए 2020 (वर्चुअल सम्मेलन) का 14वां विश्व सम्मेलन, 27-29 नवंबर 2020, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया।
7. गलोढा एस, पंवार ए, महाजन पी, गुप्ता एम, फोतेदार वी, वर्मा डीके। स्थानीय रूप से उन्नत अनरिसेक्टेबल कार्सिनोमा पित्ताशय में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी : उत्तर भारत में एक तृतीयक केंद्र में शुरू होने वाला एक नवीन आरंभ। आईएचपीबीए 2020 (वर्चुअल सम्मेलन) का 14वां विश्व सम्मेलन, 27-29 नवंबर, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेरिएम्पुलरी कार्सिनोमा वाले रोगियों में पुनरावृत्ति - मुक्त और समग्र अस्तित्व के साथ सर्कूलेटिंग ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की उपस्थिति का सहसंबंध: एक संभावित अध्ययन, आनंद नारायण सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-22, 4.5 लाख रूपये।
2. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल डेटा एकत्र करने के लिए गॉल ब्लेडर कैंसर रजिस्ट्री का विकास और कार्यान्वयन करना, सुजॉय पाल, एम्स - टीएचएसटीआई, 3 वर्ष, 2019-22, 10 लाख रूपये।
3. निदान और पूर्वानुमान कार्सिनोमा पित्ताशय में ट्यूमर मार्कर सीए-242, सीईए और सीए 19-9 की भूमिका के मूल्यांकन हेतु, सौरभ गलोढा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 4.96 लाख रूपये।

पूर्ण

1. भारत में कोलोरेक्टल कैंसर के आनुवंशिक और आणविक प्रोफाइल का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, सुजॉय पाल, एम्स, 3 वर्ष, 2016-19, 5 लाख रूपये।
2. पोस्टिरीयर (एसएमए) दृष्टिकोण बनाम मानक अग्न्याशय के कैंसर के रोगियों में परीधिक रीसेक्शन मार्जिन और मध्यम अवधि के सर्वाइवल के परिणाम पर विशेष ध्यान देने के साथ एक संभावित नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 5 वर्ष, 2013-18, 5 लाख रूपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. इसोफेगेक्टॉमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में नेसोजिजुनल ट्यूब प्लेसमेंट के साथ फीडिंग जेजुनोस्टॉमी की तुलना करना - एक पायलट अध्ययन।
2. गैस्ट्रिक पुलअप और सर्वाइकल इसोफैगेगैस्ट्रिक एनास्टोमोसिस के बाद एनास्टोमोटिक 10 स्ट्रिक्चर और रिफ्लक्स लक्षणों के विकास पर प्रोटॉन पंप अवरोधक का प्रभाव - एक यादृच्छिक परीक्षण
3. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में प्री-ऑपरेटिव कम खुराक बनाम मानक खुराक स्टेरॉयड : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. निकटवर्ती लिनोरेनल शंट सर्जरी के बाद एक्स्ट्रा हेपेटिक पोर्टल वीनस रूकावट रोगियों में न्यूनतम यकृत एन्सेफेलोपैथी का प्रसार
5. बड़े गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और हेपेटोपैंक्रिएटिक पित्त शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रोगियों में ऑपरेशन पश्चात की जटिलताओं को मापने के लिए एक उपकरण के रूप में जटिलता गंभीरता स्कोर (सीएसएस) की संभावित मान्यता
6. कोरोसिव ग्रासनली स्ट्रिक्चर के लिए सर्जरी : जीवन की गुणवत्ता का आकलन

पूर्ण

1. यकृत प्रत्योरोपण की प्रतीक्षा कर रहे वयस्क दीर्घकालिक यकृत रोग (सीएलडी) में सरकोपेनिया का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
2. गंभीर तीव्र अग्न्याशयशोथ के एक प्रायोगिक मॉडल में अंग की शिथिलता पर लक्षित चिकित्सा के प्रभाव का अध्ययन
3. अंग की शिथिलता के साथ तीव्र अग्न्याशयशोथ का एक प्रायोगिक मॉडल
4. पैंक्रियाटिकोड्यूरेडोक्टॉमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पैंक्रियाटोबाइलरी अंग का बाह्य स्राव बनाम कोई स्राव नहीं - एक अग्रगामी अध्ययन
5. पित्त की थैली में कार्सिनोमा के उपचार में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) की सुरक्षा, प्रभावकारिता और अल्पकालिक परिणाम

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मानव जीर्ण अग्न्याशय की पैथोफिजियोलॉजी में इम्यून प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन (जठरांत्र विज्ञान)
2. भारत की जनसंख्या के बीच पित्ताशय कार्सिनोमा में शामिल डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग पाथवे में विभेदित रूप से प्रोटीन आधारित बायोमार्कर और संबंधित जीन एक्सप्रैशन का लक्षण वर्णन (ऑनकोपैथोलॉजी, आईआरसीएच)
3. एम्पुलरी कार्सिनोमा में लक्षित बायोमार्कर का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन और हिस्टोलॉजिकल उपप्रकार के साथ उनका संबंध (विकृति विज्ञान)
4. पित्ताशय के कैंसर में हेमोरेसिस्टेंस की मध्यस्थता में और रोगजनन में डिपेप्टिडाइल पेप्टिडेज ||| (डीपीपी |||) की भूमिका को समझना (जैवरसायन)
5. स्टोमा रोगियों पर कोविड की स्थिति का प्रभाव (नर्सिंग कॉलेज)
6. चरण |||सी/IV एपिथिलियल ओविरियन, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा में अंतराल डिबल्किंग सर्जरी के समय एचआईपीईसी की व्यवहार्यता और पेरी-ऑपरेटिव परिणाम का मूल्यांकन : एक पायलट अध्ययन (स्त्री रोग विज्ञान)
7. अग्न्याशय के कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका (जठरांत्र रोग विज्ञान)
8. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगजनन में न्यूक्लियर रिसेप्टर नेटवर्क सिग्नलिंग की भूमिका (जैवरसायन)
9. पित्ताशय कार्सिनोमा में इंट्राट्यूमोरल हेटेरोजेनिटी का अध्ययन (विकृति विज्ञान)
10. पित्ताशय के कैंसर में दवा परीक्षण और नैदानिक निर्णय लेने हेतु एक संभावित उपकरण के रूप में रोगी व्युत्पन्न ओर्गेनोइड स्थापित करना (जैवरसायन)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15　　सार : 4　　पुस्तक में अध्याय : 1

रोगी उपचार

ओपीडी

फिजिकल ओपीडी: नए रोगी:	1277	पुन: आगमन:	2241
टैलीकंसलटेशन:	423		

विशिष्टता क्लिनिक

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए प्रतिदिन एक क्लिनिक चलाता है।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

ऐनल मेनोमीटरी, ग्रासनली मेनोमीटरी, 24 घंटे चलने वाली एम्बुलेटरी ग्रासनली पीएच मॉनीटरिंग, एंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

भर्ती रोगी

कुल ऑपरेशन : 317　　ऐच्छिक : 174　　आपात स्थिति : 143

विशेष रूचि वाले क्षेत्र

पित्त रूकावट:	51	पोर्टल उच्च रक्तचाप:	11
ग्रासनली कैंसर	16	कार्सिनोमा पित्ताशय	24
व्रणीय वृहदांत्रशोध	24	ऊपरी जठरांत्र रक्तस्राव	10
निचला जठरांत्र रक्तस्राव	13	तीव्र अग्न्याशयशोथ	25
पुराना अग्न्याशयशोथ	3	बाइलरी स्ट्रिक्चर	5
पैंक्रियाटो - ड्यूोडेनेक्टॉमी	23	यकृत उच्छेदन	17

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर पीयूष साहनी अध्यक्ष, शिक्षण समिति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी, अध्यक्ष, इंडियन एसोएिशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स, सदस्यता समिति, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी (एलिमेंटरी ट्रैक की सर्जरी हेतु सोसायटी का ऑफिशियल जर्नल) एंड इंटरनेशनल रिप्रजेन्टेटिव, सदस्य सेवा समिति, सोसायटी ऑफ सर्जरी ऑफ एलिमेंट्री ट्रेक्ट, यूएसए; सदस्य, मेडिकल जर्नल एडिटर की अंतर्राष्ट्रीय समिति; सदस्य, एथिक्स समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद्; सदस्य बोर्ड ऑफ स्टडीज़, एम्स, भुवनेश्वर; चिकित्सा शिक्षा प्रोद्योगिकी और नवाचार हेतु डॉ. केएल विग केंद्र का प्रमुख नियुक्त किया गया था; संयुक्त सचिव, एम्सोनियन (एलुमनी एसोसिएशन ऑफ एम्स)।

प्रोफेसर सुजॉय पाल संक्रमण नियंत्रण समिति के भाग के रूप में विभाग हेतु नॉडल अधिकारी नामित किए गए, वे मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, (21 नवंबर, 2020) द्वारा आयोजित भारतीय कैंसर आनुवंशिकी और जीनोमिक्स सम्मेलन (वर्चुअल 2020) में कोलोरेक्टल कैंसर (भाग I) के अध्यक्ष थे।

प्रोफेसर निहार रंजन दास पोस्टर के लिए जज थे और चर्चा में पैनलिस्ट थे : आईएएस जीसीओएन 2020 (वर्चुअल) पित्त वाहिनी क्षति का उपचार; उन्हें ईएसपीईएन - आईएपीईएन द्वारा पोषण पर एम्स में आयोजित किए जाने वाले एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रमुख समन्वयक के रूप में चुना गया; भोजन तालिका के रोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय समाज के अनुसंधान अनुभाग के लिए एक कार्यकारी सदस्य के रूप में चुना गया; लगातार 10वीं बार "ओस्टोमी सोसायटी/इंडियन ओस्टोमी सोसायटी" के अध्यक्ष के रूप में चुने गए; 2023 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएनसी आयोजित करने के लिए चुना गया।

डॉ. राजेश पंवार जीआई और एचपीबी सर्जरी में 'रिसेंट एडवांसेज़' सत्र के अध्यक्ष थे और आईएएसजीसीओएन 2020 (वर्चुअल), सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, 20-21 फरवरी 2021, में सत्र-I पोस्टर के लिए जज थे।

डॉ. सौरभ गलोढा को अप्रैल 2020 (वर्चुअल कांग्रेस इवेन्चुअली) योकोहामा, जापान में आयोजित जापान सर्जिकल सोसायटी के 120वें वार्षिक सम्मेलन हेतु यात्रा पुरस्कार मिला।

9.15. जराचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

नवीत विग

सह-आचार्य

प्रसून चटर्जी   अविनाश चक्रवर्ती

सहायक आचार्य

विजय कुमार

वैज्ञानिक III

जोयिता बनर्जी

विशिष्टताएं

दुनिया भर में, बुजुर्ग आबादी कोविड-19 वैश्विक महामारी से सबसे बुरी तरह से प्रभावित थी । विभाग ने बुजुर्ग लोगों को सभी स्तरों पर पूर्ण सहायता प्रदान की। हमने सामाजिक न्याय मंत्रालय के साथ सहयोग से कोविड-19 वैश्विक महामारी के आरंभिक काल में वृद्ध लोगों के लिए महामारी की रोकथाम संबंधी उपाय तथा घरेलू-देखभाल संबंधी दिशा-निर्देश बताए जोकि आईआईटी मुम्बई, के स्पोकन ट्यूटोरियल द्वारा विभिन्न 13 क्षेत्रीय भाषाओं (https://covid.aiims.edu/advisory-for-senior-citizens-during-COVID-19-pandemic) में अनूदित किए गए थे। एम्स में नेशनल सेंटर फॉर एजिंग का कार्य राष्ट्र-व्यापी लॉकडाउन के दौरान बहुत अधिक प्रभावित हुए बिना अच्छी गति से चल रहा है। जराचिकित्सा विभाग ने रोकथाम संबंधी उपायों को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता पैदा करने के लिए तथा बुजुर्गों में कोविड-19 महामारी की चिंता को कम करने हेतु उनकी देखभाल करने वाले बहुसाझेदारों के साथ मिलकर 1 अक्तूबर, 2020 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में एक वेबिनार आयोजित किया।

शिक्षा

यह विभाग, भारत में सबसे बड़ा जराचिकित्सा स्नातकोत्तर विभाग है। संस्थानिक शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के अतिरिक्त विभाग ने प्रतिमाह शिक्षण के पांच सत्रों सहित स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया। डॉ. ओमप्रकाश, भा.प्र.से., उपायुक्त (स्वास्थ्य), अहमदाबाद नगर निगम ने अहमदाबाद नगर निगम के स्वामित्व वाले एनएचएल चिकित्सा महाविद्यालय, अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में जराचिकित्सा उपचार सुविधा की शुरूआत करवाने के संबंध में 9 फरवरी 2021 को एम्स दिल्ली के जराचिकित्सा विभाग का दौरा किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

'कोविड-19 वैश्विक महामारी में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल कैसे करें' पर जन जागरूकता वेबिनार, 1 अक्तूबर 2020, एम्स दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रसून चटर्जी: 2 **अविनाश चक्रवर्ती: 1** **जोयिता बनर्जी: 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. इंडियन सुपर एजर्स की विशेषताएं - एक संभावित भविष्यसूचक मॉडल सहित एक प्रारंभिक संभावित सहगण अध्ययन, प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2019 - 2022, 29 लाख रू.।
2. बुजुर्ग लोगों में गतिशीलता की स्वतंत्रता पर स्मार्ट नॉर्डिक वर्किंग प्रशिक्षण का प्रभाव - एक प्रारंभिक अध्ययन प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 27 लाख रू.।
3. भारत के एलएएसआई लोन्गिट्यूडन्ल ऐजिंग पर अध्ययन हेतु डिमेंशिया (डीएडी) का हार्मोनाइज्ड नैदानिक निर्धारण, जीनोमिक अध्ययन, प्रसून चटर्जी एनआईएच, 5 वर्ष, 2019-2024, रू. 24,27,06,639 ।
4. एम्स के जराचिकित्सा क्लीनिक में आने वाले सब्जेक्टिव कोंगनिटिक इम्पेयरमेंट (एसीआई) वाले कई बुजुर्ग रोगियों में मल्टीमॉडल निवारण (आहार, व्यायाम तथा कंप्यूटर आधारित कोग्निटिव परीक्षण) प्रसून चटर्जी, डीएसटी, तीन वर्ष, 2017-2020, 38 लाख रू. ।
5. साफ-सफाई, स्वास्थ्यवृत्त तथा स्वास्थ्य हेतु इंटरजनरेशनल एंगेजमेंट एंड साइंस के एक प्रारूप के विषय में जानकारी, व्यवहार बोध, निर्देश तथा चिकित्सीय जागरूकता का राष्ट्रीय अध्ययन, प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 1 वर्ष, 2019-2020, 21 लाख रू.।
6. बुजुर्ग लोगों तथा उनकी देखभाल करने वालों के लिए www.oldagesoulutions.org एक वेब पोर्टल है। प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 47 लाख रू.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तृतीय स्वास्थ्य उपचार केंद्र में वि.स्वा.सं. आईसीओपीई के औचित्य के मूल्यांकन हेतु एक कोहार्ट अध्ययन।
2. सरकोपेनिक तथा गैर- सरकोपेनिक भारतीय वृद्ध जनसंख्या में लेफ्ट वेन्ट्रिकुलर मस्कुल मास तथा इसके फंक्शन का तुलनात्मक अध्ययन।
3. संशोधित सीडीआर का उपयोग करके सूचित साक्षात्कार के आधार पर बुजुर्गों में डेमेंशिया संबंधी एक सूचनात्मक अध्ययन।
4. समुदाय में बुजुर्ग जनसंख्या में संज्ञानात्मक दुर्बलता तथा डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग करके उनके जोखिम के स्तरीकरण की जांच पर एक क्रास सेक्शनल अध्ययन।
5. अस्पताल से शीघ्र डिस्चार्ज में बाधक जोखिम कारकों के मूल्यांकन हेतु एक अध्ययन।

6. भारतीय बुजुर्गों में दुर्बलता की स्थिति में ऑटोनोमिक फंक्शन का मूल्यांकन।
7. कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय वृद्ध जनसमुदाय में मानसिक स्वास्थ्य के मामलों का मूल्यांकन।
8. बुजुर्ग भारतीयों में जैविक आयुवृद्धि के संकेत तथा इनका पारस्परिक संबंध।
9. भारतीय वृद्ध जनसंख्या में बायोमार्कर्स तथा नैदानिक उपकरण।
10. जराचिकित्सा ओ.पी.डी. में आने वाले बुजुर्ग भारतीयों का हृदय संबंधी परीक्षण।
11. संज्ञानात्मक रूप से दुर्बल व्यक्ति के कैरियर पर देखभाल करने संबंधी दबाव तथा भार।
12. एम्स कैंसर क्लीनिक में आने वाले बुजुर्गों के उपचार परिणाम पर संज्ञानात्मक दुर्बलता एवं उसका प्रभाव।
13. कोविड-19: जराचिकित्सा उपचार में टेलीमेडिसिन स्विचिंग: एक पूर्वव्यापी कोहार्ट अध्ययन।
14. बुजुर्गों में एक नव नैदानिक दुर्बलता पैमाने का विकास।
15. बुजुर्गों में अंतस्थ क्षमता को नैदानिक ढंग से एकत्र करने की शुरूआत।
16. संज्ञानात्मक दुर्बलता हेतु बायोमार्कर्स के रूप में बुजुर्ग रोगियों के बीच नोवल प्रोटीन का आकलन।
17. आयुवृद्धि के मार्कर के रूप में सीरम में नोवल इंट्रासेल्यूलर प्रोटीन का मूल्यांकन।
18. मानक उपकरणों की तुलना में बुजुर्गों की अंतस्थ क्षमता का आकलन करने हेतु आत्म-मूल्यांकित प्रश्नावली की प्रभावकारिता का मूल्यांकन।
19. रोगियों में प्रारंभिक मूल्यांकन हेतु दुर्दमता वाले बुजुर्ग लोगों के लिए एक नव विकसित पैमाने द्वारा रूधिर-संबंधी विकृतियों वाले रोगियों में जराचिकित्सा मूल्यांकन।
20. अति वृद्ध लोगों में कार्यात्मक स्थिति पर नॉर्डिक वाकिंग प्रशिक्षण का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
21. अचेतना की घटनाएं तथा प्रसार और वृद्ध जनसमुदाय में इसके सामाजिक जनसांख्यिकीय, नैदानिक एवं जैवरासायनिकों का परस्पर संबंध।
22. बुजुर्ग भारतीयों में एक कार्बन मेटाबोलिज्म तथा संज्ञानात्मक दुर्बलता।
23. सब्जेक्टिव कोंगनिटिव डिकलाइन वाले रोगियों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन की संभावनाएं।
24. भारतीय बुजुर्गों में न्यूमोकोक्कल टीके के नैदानिक तथा प्रतिरक्षात्मक प्रभाव के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक प्लेसेबो नियंत्रण परीक्षण।
25. बुजुर्गों में कंकालीय-मांसपेशियों के पुनर्जनन हेतु अध्ययन।
26. वृद्ध जनसंख्या में ओबीस तथा सारकोपेनिक ओबीस में सारकोपेनिक के बीच स्वास्थ्य स्थिति की तुलना।
27. फेफड़ों के कैंसर वाले जराचिकित्सा रोगियों हेतु एक नव विकसित पैमाने को मान्यता तथा इनके आरंभिक आकलन हेतु वृद्ध जनसंख्या में फेफड़ों के कैंसर में बायोमार्कर्स के रूप में ट्यूमर सप्रेसर्स की क्षमता का पूर्वानुमान, देखभाल तथा जांच।

पूर्ण

1. कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार बुजुर्गों के नैदानिक लक्षण : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
2. एसएआरआई वाले बुजुर्गों में मृत्यु दर की संभावना बताने हेतु क्लीनिकल फ्रैल्टी स्केल - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
3. मेटाबोलिक सिंड्रोम तथा बुजुर्गों में कोविड-19 के परिणाम में इसका संबंध : संभावित क्रॉस सेक्शन अध्ययन।
4. कोविड-19 जटिलता की संभावना में 6-मिनट के वॉक टेस्ट में प्रदर्शन : एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
5. साफ-सफाई, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य के लिए इंटरजेनरेशन एंगेजमेंट एंड साइंस संबंधी - एक मॉडल के बारे में ज्ञान, व्यवहार, धारणा तथा चिकित्सा जागरूकता का अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 18

रोगी उपचार

विभाग द्वारा प्रतिदिन ओ.पी.डी. सुविधाएं एवं सप्ताह में एक बार अपराह्न स्मृति निदानशाला उपलब्ध करायी गई तथा रोगियों को कोविड-19 महामारी के दौरान टेलीकंसलटेशन सेवाओं से परिचित कराया गया। इस वर्ष के दौरान ओपीडी में 11357 (नए तथा पुन: आने वाले) रोगियों को प्रत्यक्ष तथा 565 टेलीकंसलटेशन प्रदान की गई और 137 रोगियों की (प्रत्यक्ष रूप से 83 तथा कंसलटेशन के माध्यम से 54) स्मृति निदानशाला में संज्ञानात्मक दुर्बलता हेतु जांच की गई। विभाग की डे-केयर सेवा से 4963 रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं। जराचिकित्सा वार्ड में वर्ष के दौरान 654 रोगियों को भर्ती किया गया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. प्रसून चटर्जी ने 'कोविड-19' के मामले में दीर्घकालिक उपचार केंद्रों में वृद्ध लोगों के लिए' 'कोविड-19 के दिशा-निर्देश' के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य के रूप में भाग लिया। उन्होंने सदस्य राज्यों में कोविड-19 के प्रकोप के दौरान बुजुर्गों हेतु अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रश्नोत्तरी की रूपरेखा बनाने तथा वि.स्वा.सं. द्वारा डिकेड ऑफ हेल्दी एजिंग बेसलाइन रिपोर्ट को तैयार करने में भाग लिया। उन्होंने दूरदर्शन, आकाशवाणी के कई कार्यक्रमों में भाग लिया तथा बुजुर्गों से संबंधित मामलों पर वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. विजय कुमार ने दूरदर्शन, आकाशवाणी के कई कार्यक्रमों में भाग लिया तथा बुजुर्गों से संबंधित मामलों पर वार्ता प्रस्तुत की।

डॉ. जोयिता बनर्जी ने बुजुर्गों के लिए पैलिएटिव केयर में तथा एनजीओ "केन सपोर्ट" के प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार कर्मियों के लिए विभिन्न स्ट्रेनिंग सत्रों में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

अहमदाबाद नगर निगम के कायचिकित्सा, मनोचिकित्सा तथा भौतिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्षों की अध्यक्षता में चिकित्सकों के बहुविषयक दल ने 9 फरवरी 2021 को एम्स दिल्ली के जराचिकित्सा विभाग का दौरा किया, यह दौरा अहमदाबाद नगर निगम के स्वामित्व वाले एनएचएल चिकित्सा महाविद्यालय के एसवीपी अस्पताल, अहमदाबाद में जराचिकित्सा उपचार सुविधा के निर्माण करवाने के संबंध में किया।

सामुदायिक सेवा

विभाग के संकायों तथा रेजिडेंट्स ने कोविड-19 के संबंध में रोकथाम संबंधी मानदंडों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में शामिल स्वास्थ्य परिसर में भाग लिया तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए दवा एवं खाद्य सामग्रियों का वितरण किया। यह दिल्ली एनसीआर क्षेत्रों के वृद्धाश्रमों तथा बेघर लोगों में गैर-सरकारी संगठन हेल्दी एजिंग इंडिया द्वारा आयोजित किया गया।

9.16. रुधिर विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

मनोरंजन महापात्रा

आचार्य

सीमा त्यागी तूलिका सेठ

सहायक आचार्य

ऋषि धवन जस्मिता दास मुकुल अग्रवाल

गणेश कुमार वी. प्रदीप कुमार

वैज्ञानिक -II

सुमन लता

वैज्ञानिक - I

रवि रंजन रवि कुमार

विशिष्टताएं

रुधिर विज्ञान विभाग एक संयुक्त विभाग है जो संस्थान को नैदानिक रुधिर विज्ञान तथा रुधिर-विकृति विज्ञान दोनों सेवाएं प्रदान करता है। नैदानिक रुधिर विज्ञान सेवा सुसाध्य एवं घातक रुधिर विज्ञान संबंधी रोगों से ग्रसित रोगियों हेतु व्यापक उपचार प्रदान करती है। विभाग इन रोगों से ग्रसित रोगियों के लिए विशेष बाह्य रोगी क्लिनिक चलाता है। विभाग अप्लास्टिक एनीमिया, थैलेसीमिया, मायलोमा, लिम्फोमास, ल्यूकिमिया तथा मायलोडिसप्लास्टिक सिंड्रोम जैसी विभिन्न सौम्य एवं रक्त संबंधी रोगों हेतु ऑटोलॉगस एवं एलोजेनिक हिमेटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन (एचसीटी) करता रहा है, जिसमें हैप्लोइडिकल डोनर एचसीटी भी शामिल है।

रुधिर-विकृति विज्ञान रक्त तथा अस्थि मज्जा रोगों का अत्याधुनिक मूल्यांकन प्रदान करता है। विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विशिष्ट रुधिर-विकृति विज्ञान संबंधी सेवाओं में शामिल हैं: इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री तथा साइटोकेमिस्ट्री सहित अस्थि मज्जा परीक्षण; फ़्लो साइटॉमेट्री; आणविक निदान; विशिष्ट हेमोलिटिक तथा कोएगुलेशन परीक्षण। रुधिर विज्ञान विभाग द्वारा हेमोग्राम हेतु संचालित आईएसएचटीएम-एम्स बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम को एनएबीएल द्वारा पीटी प्रदाता के रूप में आगामी 2 वर्षों के लिए मान्यता दी गई थी। रुधिर विज्ञान विभाग इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बॉन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हेमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करता रहा।

शिक्षा

- विभाग रुधिर विज्ञान के क्षेत्र में डीएम (क्लिनिकल हेमेटोलॉजी), डीएम (हेमेटोपैथोलॉजी) तथा पीएच.डी कार्यक्रम आयोजित करता है। शैक्षणिक कार्यक्रम में नियमित सेमिनार, संगोष्ठी, सूक्ष्म शिक्षण एवं केस चर्चा शामिल हैं।
- संकाय-सदस्य पैथोलॉजी, रुधिर विज्ञान तथा चिकित्सा में एमबीबीएस कर रहे छात्रों हेतु सिद्धांत एवं व्यावहारिक कक्षाओं में सम्मिलित होते है। एमडी (पैथोलॉजी) के छात्रों को रुधिरविज्ञान प्रयोगशाला में प्रशिक्षित किया जाता है। बालरोग चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातचिकित्सा तथा रक्त-आधान चिकित्सा में एम.डी. कर रहे छात्र विभाग में प्रशिक्षण तथा केस चर्चा के लिए आते हैं।
- विभाग रुधिर विज्ञान के क्षेत्र में रुचि रखने वाले चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा एमएससी छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- वर्ष 2020-21 में अधिकांश शैक्षणिक गतिविधियां वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित की गईं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- विभाग ने वर्चुअल माध्यम से इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसएचबीटी) के 61वें वार्षिक सम्मेलन में 20 नवंबर 2020 को "हेमेटोलॉजी में आरटीपीसीआर की भूमिका" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था।

प्रदत्त व्याख्यान

एम. महापात्रा : 2	**तूलिका सेठ : 37**	**ऋषि धवन : 5**
जस्मिता दास : 11	**मुकुल अग्रवाल : 20**	**गणेश कुमार वी. : 3**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सीओ-पीआई के रूप में नए कोरोनावायरस निमोनिया (कोविड-19) के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त जमने तथा फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित बहु-केंद्रित अवलोकनात्मक अध्ययन, जस्मिता दास; मुकुल अग्रवाल, कोविड इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-2021, रु. 10 लाख
2. नियमित नैदानिक उपचार अभ्यास (एक्सप्लोरर™ 6) के अनुसार अथवा बिना अवरोधकों द्वारा उपचार किए गए हेमोफिलिया ए एवं बी रोगियों में एक संभावित, बहु-राष्ट्रीय, गैर-पारंपरिक अध्ययन, तूलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क, 2 वर्ष, 2020-2021, रु. 4.4 लाख
3. न्यूनतम अवशिष्ट रोग मूल्यांकन हेतु निदान एवं उपचार के उपरांत बी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में बीसीएल -2 अभिव्यक्ति का आकलन, प्रदीप कुमार, एम्स अर्लि कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, रु 10 लाख

4. टाइरोसिन काइनेज अवरोधक (टीकेआई थेरेपी) वाले क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया (सीएमएल) तथा उपचार मुक्त छूट (टीएफआर) के लिए पात्र रोगियों में बीसीआर-एबीएल 1 ट्रांसक्रिप्ट क्वांटिटेशन हेतु डिजिटल ड्रॉपलेट पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (डीडी-पीसीआर) एवं क्वांटिटेटिव रियल टाइम पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूआरटी-पीसीआर) का तुलनात्मक अध्ययन, गणेश कुमार वी, एम्स अर्लि कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये
5. गंभीर हीमोफिलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा नैदानिक फेनोटाइप का शमन, एम. महापात्र, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 8 लाख रुपये
6. भारत में राष्ट्रीय रेफरल एवं प्रशिक्षण केंद्रों को मजबूत तथा मानकीकृत करें, तूलिका सेठ, नोवो नॉर्डिस्क हीमोफिलिया फाउंडेशन (एनएनएचएफ), 3 वर्ष, 2020-2022, स्विस सीएफ़ 570,000
7. अधिग्रहित अप्लास्टिक एनीमिया के रोगियों में बी-सेल सबसेट एवं एनके सेल सबसेट का अध्ययन, डॉ. जस्मिता दास, एम्स अर्लि कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, रु 10 लाख
8. क्या टिश्यू फैक्टर पाथवे इनहिबिटर (टीएफपीआई) का स्तर एवं इसके बहुरूपता मध्यम तथा गंभीर हीमोफिलिया ए रोगियों में रक्तस्राव की गंभीरता को प्रभावित करते हैं, का अध्ययन करना, मुकुल अग्रवाल, एम्स अर्लि कैरियर इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. इन्हिबिटर्स वाले हीमोफिलिया बी हेतु ए कंसीज़ुमाब्लेबल ट्रायल, तूलिका सेठ, नोवोनोर्डिस्क, 3 वर्ष, 2019-2021, 3.5 लाख रुपये
2. एनएन7415-4311/4307, तूलिका सेठ, एनओवीओएनओआरडीआईएसके, 3 वर्ष, 2019-2021, 3.5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं (शोध/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. मोनोसाइटोसिस के मामलों में परिधीय रक्त में मल्टीपैरामीटर प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा मोनोसाइट उपसमुच्चय का विश्लेषण
2. तृतीयक चिकित्सा केंद्र के ओपीडी में आने वाले सीएमएल के पुराने रोगियों में उपचार मुक्त छूट हेतु पात्रता का आकलन
3. तीव्र प्रोमायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र रक्तस्राव एवं थ्रोंबोसिस
4. नव निदान मायलोमा में इम्युनोपेरेसिस की विशेषता तथा मायलोमा रोधी थेरेपी के संबंध में प्रगति-मुक्त और समग्र अस्तित्व पर इसका प्रभाव
5. हीमोग्लोबिनोपैथी के निदान में एचबी सीजेडई और एचपीएलसी की तुलना करना
6. प्राथमिक आईटीपी वाले वयस्कों में थ्रोम्बोपोइटिन रिसेप्टर एगोनिस्ट और सीरम एलडीएच प्रोफाइल के मूल्यांकन के साथ अंतर्जातीय थ्रोम्बोपोइटिन स्तरों का सहसंबंध
7. क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया वाले पुरुष रोगियों में शुक्राणु मापदंडों एवं पिट्यूटरी गोनाडल अक्ष पर टाइरोसिन किनासे अवरोधक का प्रभाव

8. फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में मायलोब्लास्ट पर क्रमादेशित मृत्यु-लिगैंड1 (पीडी-एल1)/सीडी274 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
9. अप्लास्टिक एनीमिया में इम्यूनोसप्रेसिव थेरेपी एवं एल्ट्रोम्बोपैग की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
10. क्षणिक इलास्टोग्राफी का मूल्यांकन, एमआरआई टी2* लीवर द्वारा हेप्टिक आइरन एकाग्रता, सीरम लीवर फाइब्रोसिस इंडेक्स बनाम थैलेसीमिया प्रमुख हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण हेतु पात्र रोगियों में यकृत बायोप्सी, एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
11. बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो साइटोमेट्रिक प्लोइड विश्लेषण
12. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में सीडी 26+ ल्यूकेमिया स्टेम सेल का फ्लो साइटोमेट्री मूल्यांकन
13. भारत में एफ VII तथा एफ X के वंशानुगत दोषों में अंतर्निहित आणविक दोषों की पहचान एवं इन-सिलिको लक्षण वर्णन
14. सीएमएल में इमैटिनिब खुराक वृद्धि: संकेत, प्रतिक्रियाएं एवं परिणाम
15. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा मल्टीपल मायलोमा में इम्यूनोफेनोटाइपिंग एवं एमआरडी विश्लेषण
16. भारतीय सिकल सेल सिंड्रोम रोगियों के फेनोटाइप पर आणविक आनुवंशिकी का प्रभाव।
17. एक सीमित एंटीबॉडी पैनल का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में न्यूनतम अवशिष्ट रोग विश्लेषण
18. गंभीर हीमोफिलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा नैदानिक फेनोटाइप का शमन
19. मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम उपसमूहों की आणविक रूपरेखा - रोग निदान एवं उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन हेतु एकल वंश डिसप्लेसिया सहित एमडीएस तथा बहु-वंशीय डिसप्लेसिया सहित एमडीएस।
20. मायलोइड-व्युत्पन्न शमन कोशिकाएं एवं प्रीकर्सर बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया: परिधीय रक्त नमूनों में पहचान एवं मात्रा का ठहराव
21. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया / इवांस सिंड्रोम में सामान्य चर इम्युनोडेफिशिएंसी तथा ऑटोइम्यून लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार की व्यापकता एवं नैदानिक परिणामों पर उनका प्रभाव
22. बीसीआरबीएल नकारात्मक मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा जीएटीए1 प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।
23. तीव्र ल्यूकेमिया वाले रोगियों में रक्तस्राव के जोखिम की भविष्यवाणी करने में थ्रोम्बोलास्टोग्राफी की भूमिका का अध्ययन
24. लक्षणों की अधिकता तथा जीवन गुणवत्ता के आकलन हेतु एमपीएन 10 प्रश्नावली की उपयोगिता का आकलन करने हेतु तथा मायलोफिब्रोसिस के रोगियों के लिए इस्तेमाल की जा रही विभिन्न स्कोरिंग प्रणालियों का आकलन
25. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) के रोगियों के निदान एवं उपचार में हॉल बॉडी लॉ डोज़ गणना टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) तथा कंवेंशनल स्केलेटल सर्वे (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना करना।

26. सीडी 20 पॉजिटिव प्रीकर्जर बी तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के इंडक्शन थेरेपी के साथ रिटक्सिमैब लेने वाले बनाम रीटक्सिमैब न लेने वाले रोगियों में दुष्प्रभाव प्रोफाइल, न्यूनतम अवशिष्ट रोग एवं इवैंट फ्री सर्वाइवल की तुलना करना
27. फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम नेगेटिव मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म के निदान एवं पूर्वानुमान में फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा असामान्य एच-एमआईसीएल अभिव्यक्ति के साथ परिसंचारी स्टेम सेल की गणना की उपयोगिता का मूल्यांकन करना
28. टाइरोसिन काइनेज इनहिबिटर्स (टीकेआई) के प्रतिरोध के साथ क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया रोगियों में बीसीआर-एबीएल1 काइनेज डोमेन तथा अन्यत्र उत्परिवर्तन की संयुक्त भूमिका का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड होस्ट में पेट का संक्रमण: एक नैदानिक, सूक्ष्मजैवविज्ञानी एवं विकिरणविज्ञानी सहसंबंध
2. इंडक्शन कीमोथेरेपी करा रहे तीव्र ल्यूकेमिया रोगियों में पोषण की स्थिति/ मापदंडों का आकलन
3. उत्तर भारत के एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में आने वाले हाइपेरोसिनोफिलिया के रोगियों की नैदानिक एवं प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल
4. माइक्रोसाइटिक हाइपोक्रोमिक एनीमिया के रोगी में सीरम आयरन प्रोफाइल एवं हेक्सिडिन स्तर का सहसंबंध।
5. ल्यूकिमिया एवं लिंफोमा रोगियों में ट्यूमर लसीका सिंड्रोम के उपचार में कम खुराक रसब्यूरीकेस की प्रभावकारिता
6. भारत में डीप वीन थ्रोंबोसिस के रोगजनन में ऊतक कारक एवं ऊतक कारक मार्ग अवरोधक जीन बहुरूपता की भूमिका का मूल्यांकन करना
7. नीलोटिनिब बनाम इमैटिनिब सीएमएल में तीव्र आणविक प्रतिक्रिया
8. संदिग्ध एमडीएस मामलों में निदान को बढ़ाने में अस्थि मज्जा बायोप्सी पर सीडी 61 एवं पी 53 के साथ आईएचसी की भूमिका-पूर्वव्यापी एवं संभावित अध्ययन।
9. नए निदान एवं उपचार प्राप्त मल्टीपल मायलोमा रोगी में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा सेरेब्लोन प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आघात एवं संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित भावी समूह अध्ययन: एक क्रॉस सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। डीबीटी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग। एम्स एवं इरास्मस मेडिकल सेंटर रॉटरडैम, नीदरलैंड्स, क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, एम्स
2. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया: नैदानिक एवं सीरोलॉजिकल सहसंबंध, आधान चिकित्सा, एम्स

3. बीसीआर-एबीएल प्रोटीन की एक त्वरित एवं विशिष्ट पहचान प्रणाली का विकास, शरीर रचना विभाग

4. 3 माह में नैदानिक परिणाम में सुधार हेतु आइरन की कमी वाले वयस्क सियानोटिक, जन्मजात हृदरोग रोगियों में मौखिक आइरन उपचार की तुलना में अंतःशिरा आइरन चिकित्सा की प्रभावशीलता। हृदरोग विज्ञान, एम्स

5. इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर हेमटोलॉजिकल विकृतियों में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले रोगियों में 2 घंटे के भीतर माइक्रोबियल संक्रमण तथा एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पता लगाना। आरएएमजेए जीनोसेन्सर प्राइवेट लिमिटेड, आईआईटी दिल्ली

6. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी हेतु उत्तरदाताओं तथा गैर-प्रतिसादकर्ताओं में जीन बहुरूपता एवं प्रकृति की पहचान करना। हृदरोग विज्ञान, एम्स

7. हपलो समरूप एचएससीटी, प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी एवं इम्यूनोजेनेटिक्स, एम्स में प्रतिरक्षा पुनर्गठन

8. एलोजेनिक एचएससीटी करवाने वाले रोगियों में नेत्र संबंधी जीवीएचडी, नेत्र विज्ञान, एम्स

9. एक भारतीय चिकित्सा केंद्र में मल्टीपल प्लेटलेट ट्रांसफ़्यूज़न प्राप्त करने वाले रोगियों में प्लेटलेट रिफ्रैक्टरीनेस की व्यापकता एवं इसके कारणों का आकलन करने हेतु संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन। रक्त-आधान चिकित्सा, एम्स

10. इस्केमिक सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन के तीव्र मामलों में ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल के इंट्रा विट्रियल इंजेक्शन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नेत्ररोग विज्ञान, एम्स

11. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान हेतु रीयल टाइम पीसीआर, माइक्रोबायोलॉजी, एम्स

12. एएमएल में डब्ल्यूटी1 जीन अभिव्यक्ति की प्रासंगिकता, भी.रा.अ.सं.रो.कें.अ.

13. टाइप -2 मधुमेह के रोगियों में प्रणालीगत सूजन के विकास में प्लेटलेट सक्रियण की भूमिका, अंतःस्राविकी, एम्स तथा क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी)

14. डिम्बग्रंथि द्रव्यमान के आकलन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल: लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट: लिम्फोसाइट अनुपात एवं सीए 125 की भूमिका का मूल्यांकन करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एम्स

पूर्ण

1. ईसिनोफिलिया के रोगियों की नैदानिक एवं एटिऑलॉजिकल प्रोफाइल, कायचिकित्सा विभाग

2. माध्यमिक एचएलएच में परिणाम पूर्वानुमानक, संक्रामक रोग विभाग

3. रास होमोलोग जीन परिवार (आरएचओए) एवं आइसोसाइट्रेट डिहाइड्रोजनेज 2 (आईडीएच 2) एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी सेल लिम्फोमा (एआईटीएल) में उत्परिवर्तन, विकृति विज्ञान विभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 32 **सार : 22**

रोगी चिकित्सा

क. नैदानिक सेवाएं

- **ओपीडी/क्लीनिक सप्ताह में 6 दिन चलते हैं:**

  नए रोगी : सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को क्लीनिक:

  1. सोमवार: सीएमएल, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी
  2. मंगलवार: स्टेम सेल ट्रांसप्लांट क्लिनिक
  3. बुधवार: हेमोलिटिक एनीमिया और आईटीपी, सीएमपीडी
  4. गुरुवार: कोएगुलेशन एवं ब्लीडिंग क्लिनिक
  5. शुक्रवार: अप्लास्टिक एनीमिया, सीएलपीडी क्लिनिक
  6. शनिवार: ल्यूकेमिया सर्वाइवर क्लिनिक

- **अंतरंग रोगी चिकित्सा:**

  I. रोगी: सी2, सी6, डी6, आपातकालीन वार्ड, निजी वार्ड

  II. स्टेम सेल प्रत्यारोपण: प्रति माह 4-6 नए एलोजेनिक प्रत्यारोपण

  III. हेमेटोलॉजी डे केयर: प्रक्रियाओं, कीमोथेरेपी एवं रक्ताधान सेवाओं हेतु

रुधिर विज्ञान डे केयर केंद्र जनगणना 2020-21

माह	भर्ती	कीमोथेरेपी	आधान		प्रक्रियाएँ			कुल प्रक्रियाएँ
			आरबीसी	एसडीपी/पीआरपी/ एफएफपी/क्रायो	अस्थि मज्जा	इंट्रा-थीकल	फ्लेबेटॉमी	
अप्रैल 2020	147	38	98	43	शून्य	शून्य	शून्य	172
मई 2020	329	133	185	47	शून्य	शून्य	2	361
जून 2020	369	571	226	71	1	शून्य	शून्य	396
जुलाई 2020	445	173	201	71	35	26	3	506
अगस्त 2020	523	213	211	67	52	21	5	626
सितंबर 2020	657	305	253	52	63	42	2	720
अक्तूबर 2020	750	357	258	72	73	30	9	801
नवंबर 2020	776	428	246	63	66	17	5	802
दिसंबर 2020	809	422	248	71	68	40	8	872
जनवरी 2021	891	502	260	75	84	64	10	993
फरवरी 2021	858	400	228	84	111	33	13	869
मार्च 2021	913	441	256	94	128	43	22	973

- **सामुदायिक सेवा**

  विभाग थैलेसीमिया फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा हीमोफिलिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की सहायता से थैलेसीमिया एवं हीमोफिलिया जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय है।

ख. प्रयोगशाला सेवाएं

रुधिर विज्ञान विभाग में निम्नलिखित अत्याधुनिक सुविधाएं हैं:

- अस्थि मज्जा महाप्राण, अस्थि मज्जा बायोप्सी एवं पेरिफेरल स्मीयर
- इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
- आणविक आनुवंशिकी
- हेमोलिटिक एनीमिया वर्कअप
- फ़्लो साइटॉमेट्री
- हीमोग्लोबिनोपैथी हेतु कैपिलरी इलैक्ट्रोफोरेसिस
- आनुवांशिक एवं अधिग्रहित रक्तस्राव विकारों हेतु कोएगुलेशन वर्कअप
- प्लेटलेट एग्रीगोमेट्री
- थ्रोम्बोफिलिया वर्कअप
- हीमोफिलिया एवं हीमोग्लोबिनोपैथी का प्रसव पूर्व निदान

विभिन्न प्रयोगशालाओं के आंकड़े (2020-21)

- **अस्थि मज्जा बायोप्सी प्रयोगशाला**
  - बायोप्सी (एच एंड ई): 1379
  - इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री: 1186
  - रेटिकुलिन स्लाइड्स: 324
  - मसान ट्राइकोम : 48

  कुल बायोप्सी: 2937

- **कोएगुलेशन प्रयोगशाला**
  - कोएगुलेशन परीक्षण: 4171
  - थ्रोंबोसिस: 927

  कुल: 5098

- **हेमोलिटिक लैब**
  - एचपीएलसी: 1200
  - सीरम फेरिटिन: 410
  - जी6पीडी: 241
  - डीसीटी: 105
  - ओएफटी: 55

- पीएनएच: 50
- मूत्र हेमोसाइडरिन: 21
- क्रायोग्लोबुलिन: 08
- सिकलिंग टेस्ट: 32
- एलएपी स्कोर: 51
- साइटोकेमिस्ट्री: 650

  कुल **2823**

- **हीमोग्राम प्रयोगशाला**
  - ओपीडी एवं वार्ड के रोगी : 24381
  - रुधिर विज्ञान ओपीडी के रोगी: 3152
  - बोनमैरो स्टेनिंग: 4674
  - हेमोग्राम पीएस स्टेनिंग: 24381
  - रेटिक गणना: 24381
  - एमबीबीएस कक्षा हेतु स्लाइड स्टेनिंग: 650

  कुल **81619**

- **आणविक निदान प्रयोगशाला**
  - आरटीपीसीआर/ आरक्यूपीसीआर: 725 (आरटी पीसीआर -145, आरक्यूपीसीआर -580)
  - कोएगुलेशन आणविक: 1082 (हीमोफिलिया-32, थ्रोम्बोफिलिया-1050)

  कुल **1807**

- **फ़्लो साइटोमेट्री**
  - तीव्र ल्यूकेमिया: 352
  - क्रोनिक लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार: 115
  - पैरॉक्सिस्मल नोक्टर्नल हीमोग्लोबिनुरिया: 351
  - न्यूनतम अवशिष्ट रोग: 86
  - सीडी34 एन्यूमरेशन: 05
  - प्लेटलेट विकार: 08

  कुल: **917**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर मनोरंजन महापात्रा वर्तमान में इंडियन जर्नल हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईजेएचबीटी) के प्रधान संपादक हैं; वह हेमेटोलॉजी पर जीएटीसी (जीन थेरेपी सलाहकार एवं मूल्यांकन समिति) कार्य समूह के सदस्य हैं। वह सिकल सेल एनीमिया पर सीएसआईआर मिशन के विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं;

वह "चिकित्सीय उपयोग हेतु उपचार मानक के रूप में स्टेम सेल का उपयोग" पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य भी हैं।

प्रोफेसर तूलिका सेठ एम्स-पीजी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय की नैतिक समितियों की सदस्य हैं; वह नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु आईईसी एम्स की उपसमिति की सदस्या हैं। वह रुधिर विज्ञान के लिए एनबीई की नामित सदस्या हैं।

डॉ. मुकुल अग्रवाल राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा), भारत के साथ एथलीट जैविक पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एबीपीयू) हेतु हेमटोलॉजी विशेषज्ञ के रूप में तथा एंटी-डोपिंग प्रयोगशाला, टोक्यो के साथ कार्य कर रहे हैं।

डॉ ऋषि धवन को हावर्ड मेडिकल स्कूल, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 25% ट्यूशन शुल्क छूट छात्रवृत्ति के साथ एक वर्षीय सर्टिफिकेट कार्यक्रम - ग्लोबल क्लिनिकल स्कॉलर्स रिसर्च ट्रेनिंग (जीसीएसआरटी) 2021 कार्यक्रम हेतु चुना गया था।

9.17. अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रा.प्र.केंद्र

शक्ति कुमार गुप्ता (31 जनवरी 2021 को सेवानिवृत्त)

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल

डी.के. शर्मा

आचार्य

आई.बी. सिंह संजय आर्य

अपर आचार्य

निरूपम मदान अमित लठवाल अनूप डागा महेश आर

सह-आचार्य

ऐंजल राजन सिंह परमेश्वर कुमार विजयदीप सिद्धार्थ

सहायक आचार्य

अब्दुल हकीम जितेन्द्र सोढ़ी लक्ष्मी तेज वूंडावल्ली
शीतल सिंह विकास एच

सहायक आचार्य (संविदागत)

अनंत गुप्ता कनिका जैन

शिक्षा

विभाग द्वारा चिकित्सा स्नातकों के लिए एक स्नाताकोत्तर डिग्री कार्यक्रम अर्थात् एमडी (एचए) चलाया जा रहा है जिसे पहले एमएचए (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर) के रूप में जाना जाता था। इस पाठ्यक्रम की शुरूआत देश में पहली बार फरवरी 1966 में हुई थी और तब से इसे विशिष्ट स्नातकोत्तर अध्ययन के विषय के रूप मे मान्यता प्राप्त है । जनवरी 2016 में इसको एमडी (अस्पताल प्रशासन) के रूप में शैक्षिक समिति (एसी-113/10) के निर्णयानुसार परिवर्तित कर दिया गया जिसे दिनांक 13 अप्रैल 2015 को विधिवत रूप से जीबी (जीबी-152/7) की बैठक में मंजूर किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी पाठ्यक्रम 'व्यावहारिक प्रशिक्षण' पर ध्यान केंद्रित करता है, जहां रेजीडेंट प्रशासकों की तैनाती चौबीसों घंटे 'ड्यूटी ऑफिसर' के रूप में मुख्य अस्पताल, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर में 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष' में की जाती है और कार्य अवधि के उपरांत अस्पताल की सभी गतिविधियों का समन्वयन करते हैं। विभाग ने "ऑनलाइन" एवं "हाइब्रिड" व्याख्यान पद्धति का आरंभ किया है एवं कोविड-19, कोवैक्सिन पहल, नर्सिस

स्ट्राइक-जेनेसिस, लीगल फ्रेमवर्क एवं स्ट्राइक का प्रबंधन, डिमिस्टीफाइंग कोविड-19 वैक्सीन विकास परिदृश्य पर 7 विभागीय सेमिनारों का संचालन किया, टेलीमेडिसिन का प्रयोग करके पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनरों को स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने में सक्षम बनाना संचालन, कोविड-19 का उपचार, आरटीआई अधिनियम में अस्पताल प्रशासन की भूमिका : बून या ब्रेन; अपडेट एवं प्रशासनिक चुनौतियां, कोविड-19 वैक्सीन : वर्ष 2020-2021 के दौरान 6 जर्नल क्लब्स के साथ विकास, अद्यतन एवं प्रशासनिक चुनौतियां। यह किसी भी अस्पताल/केंद्रों का केंद्र बिंदु होता है। विभाग में वरिष्ठ रेजिडेट्स भी हैं, जो मुख्य अस्पताल और विभिन्न केंद्रों में प्रशासनिक कार्यों में संकाय सदस्यों की सहायता हेतु तैनात होते हैं। वे एम्स में नई परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भी शामिल होते हैं। संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न संगठनों जिसमें केंद्र, राज्य सरकारों, अर्ध-सैनिक बलों तथा विविध पीएसयू जैसे आई.सी.सी.एम., रांची तथा अन्य प्रबंधन संस्थानों में भी कार्य करने वाले डॉक्टरों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन भी किया गया।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. एसजीपीजीआई, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से चार एम डी (एचए) छात्र
2. शेर-ए-कश्मीर आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर, जे एंड के से चार एमडी (एचए) छात्र

प्रदत्त व्याख्यान

सिद्धार्थ सतपति: 9	**निरूपम मदान: 3**	**अनूप डागा: 3**
महेश आर: 1	**ऐंजल राजन सिंह:1**	**विजयदीप सिद्धार्थ: 3**
परमेश्वर कुमार:1	**कनिका जैन:1**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरों की सूची : 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. चिकित्सा अभिलेखों के विसंक्रमण की विभिन्न पद्धतियों का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ. निरूपम मदान, अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, 1 वर्ष 6 माह 2020 - 2021, रू. 4.82 लाख।
2. कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए मानव श्रम को कम करने के लिए फर्श की साफ-सफाई में रोबोट की प्रभावकारिता विजयदीप सिद्धार्थ, अ.भा.आ.सं., इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष 2020 -2021, रू. 6,28,580
3. अंतरंग रोगी पर्यावरण संबंधी वायु में माइक्रोबाइल भार सहित वायु गुणवत्ता पर वायु गुणवत्ता इंटरवेंशन का प्रभाव, विजयदीप सिद्धार्थ अ.भा.आ.सं. इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2020-2021, रू.3.46 लाख ।
4. महामारी प्रतिक्रिया हेतु स्वास्थ्य पद्धति संचालन को सशक्त बनाना, ऐंजिल राजन सिंह, अ.भा.आ.सं. इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2022, रू. 5.0 लाख।

गैर वित्तपोषित,संस्थान एथिक्स समिति द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं:

1. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में मृत्यु प्रमाणीकरण प्रैक्टिस की गुणवत्ता का मूल्यांकन तथा जांच गुणवत्ता सुधार समाधान, महेश आर।
2. तृतीयक उपचार अस्पताल, नई दिल्ली में कोविड पॉजीटिव, कोविड संदिग्ध तथा गैर-कोविड रोगियों के अभिलेख की तुलनात्मक चिकित्सा अभिलेख लेखा परीक्षा, महेश आर।
3. कोविड-19 रोगियों के मनोविज्ञान पर अंत-अस्पताल परिरोध तटस्थ अंत रोगी सेटिंग्स के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण, निरूपम मदान।
4. तृतीयक उपचार अस्पताल में कोविड पॉजिटिव, कोविड संदिग्ध एवं गैर-कोविड रोगियों की देखरेख करने वाले स्वास्थ्य उपचार कर्मियों की द्वितीयक आघात, ऊर्जाहीन, संवेदनात्मक थकान का तुलनात्मक अध्ययन, महेश आर।
5. तृतीयक उपचार संस्थान में कोविड-19 संदिग्ध केसों के लिए एक अस्थाई मेकशिफ्ट पार्थक्य सुविधा की शुरूआत एवं उसे क्रियाशील करने की लागत, महेश आर।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में वार्षिक कार्य-निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीएआर) एवं वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) पद्धतियों का एक तुलनात्मक विश्लेषण।
2. अ.भा.आ.सं. अस्पताल में विशिष्ट मशीनरी एवं उपकरण वस्तुओं की मरम्मत एवं रखरखाव की वित्तीय जटिलताओं पर एक अध्ययन।
3. एक अस्पताल आधारित परियोजना कार्यान्वयन मॉडल को विकसित करने के लिए अध्ययन।
4. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के विभिन्न अंत-रोगी क्षेत्रों में घटना रिपोर्टिंग पर रोगी सुरक्षा घटना रिपोर्टिंग पद्धति के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक इंटरवेंशनल अध्ययन।
5. तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में गहन उपचार की लागत।
6. अ.भा.आ.सं. में सी.एस.आर. के विश्लेषण की आवश्यकता।
7. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के विभिन्न केंद्रों के विशिष्ट रेडियोथेरेपी उपकरण का उपयोग एवं रेडियोथेरेपी सेवाओं का अध्ययन।
8. जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर आईसीयू में केंद्रीय पंक्ति से संबंधित रक्त स्ट्रीम संक्रमणों (सीएलएबीएसआई) की घटना पर शैक्षिक हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
9. दिल्ली में तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल में बाल बाह्य रोगी विभाग में एक स्क्रीनिंग उपकरण के रूप में टेलीमेडिसिन की उपयोगिता का मूल्यांकन करना।
10. ओपीडी सेवाओं में सुधार करने के लिए अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, आर ए के ओपीडी के विशिष्ट विभागों में परंपरागत एवं टेलीमेडिसिन परामर्श सेवाओं के संबंध में रोगियों एवं चिकित्सकों की संतुष्टि का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. अ.भा.आ.सं. में विभागाध्यक्षों के नेतृत्व प्रोफाइल का अध्ययन एवं साथी डॉक्टरों के कार्य निष्पादन एवं स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव।
2. सिस्टेनिक सुधार हेतु अभाआसं/जेपीएनएटीसी में एमएलसी का प्रक्रिया प्रवाह।

शोध निबंध

जारी

1. तृतीयक उपचार अस्पताल में स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं में रोगी सुरक्षा संवर्धन पर एक अध्ययन।
2. तृतीयक उपचार अस्पताल में सह-रूग्णताओं एवं कोविड-19 के मध्य सह संबंध का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन।
3. तृतीयक उपचार शिक्षण अस्पताल के मुख्य ओ.टी. के ऑपरेटिंग कक्षों में शल्यक उपभोज्यों के उपयोग का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।
4. अ.भा.आ.सं. मुख्य अस्पताल एवं इसके केंद्रों में उपलब्ध कल्याण योजनाएं एवं रोगियों हेतु विभिन्न वित्तीय सहायता तथा गरीब रोगियों को इनके द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने की पद्धतियों की पहचान करने के लिए अध्ययन।
5. कार्यस्थल में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रावधानों के संबंध में अस्पताल व्यवस्था में महिला एवं पुरूष डॉक्टरों के मध्य मानकीकृत स्वीकार्य संप्रेषण को मानकीकृत करने के लिए एक अध्ययन।(रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013
6. एबी-8 आईसीयू एवं मुख्य ओ.टी. के लाइनिन प्रबंध पद्धति को समझने तथा पद्धति के सुधार हेतु उपाय संबंधी सुझाव हेतु एक अध्ययन।
7. उत्तरी भारत में अति विशिष्ट केंद्र में बाह्य रोगी विभाग में एक निर्णायक माध्यम के रूप में कतारबद्ध सिद्धांत का अनुप्रयोग।
8. कैंसर-रोधी दवाओं की लागत समस्या : संपूर्ण भारत में मूल्य भिन्नताओं पर एक अध्ययन।
9. एक जारी ओपन लेबर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण में उच्च जोखिम फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बाल कैंसर रोगियों में क्लिनिकल सुधार पर एंपिरिकल एंटीबायोटिक थेरेपी के शीघ्र समापन की लागत - प्रभावकता।
10. भारत में तृतीयक अस्पताल में कोविड-19 के भर्ती हुए केसों का जानपदिक लक्षण-वर्णन।
11. एनसीआर में तृतीयक उपचार अस्पताल में आने वाले रोगियों एवं उनके परिचरों में नेत्रदान के संबंध में जागरूकता का अध्ययन करना।
12. अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में अग्नि सुरक्षा पुस्तिका का अद्यतनीकरण।

पूर्ण

1. अ.भा.आ.सं. में चिकित्सा नुस्खों के संक्षिप्त रूप की “कभी प्रयोग न करें” सूची की प्रभावशीलता का अध्ययन।

2. भारत में तृतीयक उपचार कैंसर संस्थान में बाजार में लाए गए फॉर्मुलेशन्स में कैंसर-रोधी दवाइयों एवं एंटीबायोटिक्स की गुणवत्ता का आकलन। बाल कैंसर केसों में क्लिनिकल सुधार में एंपिरीकल एंटीबायोटिक थेरेपी की शीघ्र समापन का लागत प्रभावी नेस्टिड अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोविड -19 से गंभीर रूप से बीमार वृद्धों का क्लिनिकल लक्षण-वर्णन, जराचिकित्सा।
2. मध्यपंक्ति उदरीय भित्ति हर्निया का मानकीकृत लेप्रोस्कोपिक मेश मरम्मत का लागत विश्लेषण, शल्यचिकित्सा विभाग, अ.भा.आ.सं.।
3. भारत में कोविड के कारण मृत्यु दर के निर्धारक सीसीएम।
4. मृत्यु के कारण आंकड़ों को सुधारने एवं निहित मृत्यु के कारण को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सकों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम का विकास, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
5. भारत में कोविड-19 में यथार्थ समय अंतदृष्टि हेतु उच्च फ्रीक्वेंसी पैनल, जराचिकित्सा।
6. बाह्य रोगी व्यवस्था में सेफिड एक्सपर्ट सार्स को वि-2 का प्रयोग करके लक्षण वाले रोगियों में सार्स को वी-2 का पता लगाने के लिए एक विकल्प नमूना स्रोत के रूप में लार, प्रयोगचिकित्सा।
7. मृत लाए गए रोगियों का एटियोलॉजिक प्रोफाइल एवं कोविड-19 के कारण मृत्यु की तुलना का अध्ययन, आपात चिकित्सा।
8. लेप्रोस्कोपिक इंजुनल हर्निया रिपेयर की ऑपरेशन पूर्व जटिलताएं एवं लागत का अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग, अ.भा.आ.सं.।

पूर्ण

1. इलेक्टिव ऑपरेशनों के लिए सूचीबद्ध किए गए रोगियों में रद्द करने का कारण, शल्यक विभाग।
2. मौखिक ऑटोप्सी के द्वारा मृत्यु के कारण को सुपुर्द करने की पद्धतियों की तुलना, आईसीएमआर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 31 पुस्तकों में अध्याय: 2

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सिद्धार्थ सतपति निदेशक अ.भा.आ.सं. द्वारा अ.भा.आ.सं. के प्रतिनिधि के रूप में नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स (एनएबीएच) के सदस्य थे। उन्होंने वर्ष के दौरान 3 बोर्ड बैठकों में भाग लिया एवं वर्तमान पद्धतियों में सुधार लाने के लिए योगदान दिया; मेंटर के रूप में अ.भा.आ.सं. भुवनेश्वर के विकास में तथा दिनांक 5 मार्च 2021 को अ.भा.आ.सं. भुवनेश्वर में गैर-संकाय प्रशासनिक पद (योग अनुदेशक) हेतु चयन समिति की सहायता करने के लिए विषय

विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया; सह आचार्य, स्कूल ऑफ हेल्थ सिस्टम स्टडीज टीआईएसएस, मुम्बई; तथा सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग अ.भा.आ.सं. मंगलागिरी एवं भटिंडा के चयन हेतु चयन समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; बिल्डिंग कमेटी ऑफ ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट के सदस्य, ओडीटोरियम, शैक्षिक खंड एवं प्रयोगशालाओं के विकास तथ उससे संबंधित कानूनी मुद्दों हेतु जिम्मेदारी का वहन किया; यूज़ीसी द्वारा सौंपे गए अनुसार शैक्षिक सुधार हेतु आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की शैक्षिक लेखा-परीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में योगदान दिया; तथा फरवरी 2021 में आई आई पी ए, नई दिल्ली में लोक प्रशासन में एडवांस्ड प्रोफेशनल प्रोग्राम के लिए एमफिल थीसिस मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा हेतु विषय विशेषज्ञ; जून 2020 में पी पी ई (15919) हेतु मानकों के विकास हेतु बीआईएस कमेटी (एमएचडी-21) के विशेषज्ञ सदस्य; जेएएचए एवं आई जेआरएफएचएचए के संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया एवं नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल आफ पब्लिक हेल्थ (आई जे पी एच) हेतु समीक्षक; "क्रिटिकल अप्रेजल ऑफ कोविड लिटरेचर" हेतु योगदान दिया जो जन सामान्य के लिए covid.aiims.edu पर उपलब्ध है।

प्रोफेसर डी के शर्मा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित नए एम्स जैसे संस्थान के स्थल निरीक्षण हेतु रेवाडी (हरियाणा) गए; एचएनबी उत्तराखण्ड मेडिकल एजुकेशन विश्वविद्यालय (राज्य सरकार का विश्वविद्यालय) देहरादून द्वारा "डॉक्टर ऑफ साइंस" की उपाधि सम्मान प्राप्त करने के लिए देहरादून (उत्तराखण्ड) गए; समिति कक्ष, मेडिकल कॉलेज ब्लॉक, अ.भा.आ.सं. जोधपुर में अस्पताल प्रशासन विभाग में संकाय के चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति की बैठक में सम्मिलित होने के लिए जोधपुर गए; कर्नाटक में अ.भा.आ.सं. को स्थापित करने के लिए स्थल की उपयुक्तता का निरीक्षण करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित केंद्रीय दल के सदस्य के रूप में कर्नाटक (हुबली-धारवाड़) गए।

प्रोफेसर आई बी सिंह अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में मई 2020 को आयोजित हुए अस्पताल प्रशासन परीक्षा में एमडी हेतु बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स के आंतरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे; पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ में दिनांक 27 जून 2020 से 30 जून 2020 को आयोजित हुई अस्पताल प्रशासन परीक्षा में स्नातकोत्तर हेतु बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए; एमएएसएचएबी इज़रायल एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवलपमेंट कॉपरेशन द्वारा दिसम्बर 15 को आयोजित हुए इंटरनेशनल डिवलपमेंट - कन्वेंशन में भाग लिया। इन्होंने 1930 घंटे (भारतीय समय) में दिनांक 15 दिसम्बर 2020 को सोसायटी फॉर इंटरनेशनल डिवलपमेंट (एसआईडी) इज़रायल द्वारा आयोजित "द चेंजिंग फेस ऑफ इंटरनेशनल डिवलपमेंट एंड ह्यूमेनिटेरियन एड एमिड कोविड-19" पर 9वें डॉ. यहुदा पाज एन्नुअल इंटरनेशनल डे कांफ्रेंस में भाग लिया; स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रशासन विभाग के क्षेत्र में डी एन बी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) प्रदान करने के लिए एनबीई हेतु प्रश्न-पत्रों के आधुनिकीकरण के लिए मोडरेटर के रूप में नियुक्त हुए तथा दिनांक 12 सितंबर, 2020 को प्रश्न-पत्रों का संचालन किया; दिनांक 24 से 27 सितंबर 2020 तक आयोजित हुई एन बी ई अंतिम थ्योरी परीक्षा एवं थ्योरी पेपरों की जांच करने के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए तथा एन बी ई कार्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में दिनांक 18 दिसंबर, 2020 को प्रश्न-पत्रों की जांच की; डी एन बी

अहर्ता (स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रशासन विषय में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) प्रदान करने के लिए एन बी ई परीक्षा हेतु क्वेश्चन सेटर के रूप में नियुक्त हुए तथा एन बी ई कार्यालय द्वारका, नई दिल्ली दिनांक 17 फरवरी 2021 को प्रश्न पत्र (पत्र I, II, III एवं IV) तैयार किए; डॉ एनटीआर यूनीवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिस, एपी विजयवाड़ा-08 के तहत मेडिकल कॉलेज में 1 मई 2021 से आयोजित हुए अस्पताल प्रशासन विषय में पी जी डिग्री परीक्षा के लिए एमडी अस्पताल प्रशासन के दो अभ्यर्थियों के थीसिस के परीक्षक/मूल्यांकनकर्ता के रूप में नियुक्त हुए।

डॉ निरूपम मदान कोविड जांच के लिए सुविधाओं को निर्मित करने एवं उन्हें पंजीकृत करने हेतु बिहार एवं नई दिल्ली के राज्यों के लिए मेंटर रही; कोविड महामारी के होने पर भारत सरकार के लिए प्रेशर स्विंग एडजोर्प्शन ऑक्सीजन एक्सट्रेक्टर्स के योजनाबद्ध प्रावधान के द्वारा ग्रामीण भारत में ऑक्सीजन की कमी से निपटने के लिए नीति प्रस्तावित की जिसे स्वीकृत करके कार्यान्वित किया गया है; 18 विभागों सहित नए ओपीडी परिसर की शुरूआत, नवीकृत सीएसएसडी को शुरू किया गया; अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के सभी कोविड उपचार क्षेत्रों के लिए मशीनरी एवं उपकरण की प्राप्ति; कोविड उपचार अस्पतालों के लिए स्टाफ संबंधी दिशा-निर्देश के निर्माण हेतु समिति के सदस्य सचिव, इन्हें तत्पश्चात कोविड उपचार अस्पतालों के स्टाफ हेतु राष्ट्रीय दिशा-निर्देश के रूप में स्वीकार किया गया; रोगी रिसेप्शन एवं उनके स्थानांतरण के लिए प्रोटोकॉल तथा डोनिंग एवं डोफिंग क्षेत्र, क्रमबद्ध स्क्रिनिंग पद्धति के संस्थापन द्वारा कोविड रोगियों को लेने, उन्हें वरीयता देने एवं उनके लिए प्रबंध करने के लिए आपात विभाग का रूपांतरण किया; नई ओपीडी की भौतिक संरचना एवं व्यवस्था का रूपांतरण तथा महामारी के दौरान सामाजिक दूरी एवं जनता की सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल का संस्थापन, पुराने आर ए के ओपीडी में आघात ई डी का शिफ्टिंग एवं प्रबंधन; टेलीकंसलटेशन स्थापित करने एवं चालू करने में कंप्यूटर सुविधा को सहायता देना; जेपीएनएटीसी, अ.भा.आ.सं. के लिए नए लिक्विड ऑक्सीजन संग्रहण टैंक का प्रावधान करना; अपर चिकित्सा अधीक्षक के रूप में जेपीएनएटीसी कोविड अस्पताल का प्रबंधन; 53 वार्ड बिस्तरों (जेपीएनएटीसी में 24 एवं बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी में 29) की शुरूआत करना एवं 21 वार्ड बिस्तरों को आईसीयू बिस्तरों में अपग्रेडेशन; कोविड में उपयोग करने के लिए 30 वार्ड बिस्तरों को ऑक्सीजन बिस्तरों में अपग्रेड करना; जेपीएनएटीसी में आई सी यू रोगियों के लिए विडियो कांफ्रेंसिंग का प्रावधान; नई ओ पी डी में नई क.स्वा.यो. परामर्श क्षेत्र एवं फार्मेसी की योजना बनाकर उसे स्थापित किया; नए ओ पी डी में टीकाकरण क्षेत्र की सेटिंग में सहायता; अ.भा.आ.सं. रक्तकोष के साथ 8 मार्च 2021 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला दाताओं को लक्षित करके एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया; कोविड-19 की पहली लहर के दौरान अप्रैल 2020 से जून 2020 तक अ.भा.आ.सं. के तीन सदनों में रहने वालों के लिए भोजन का प्रबंध किया।

डॉ अनूप डागा सह-संपादक, जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जे ए एच ए), नोएडा, भारत; सदस्य, संपादकीय मंडल, इंटरनेशनल जर्नल आफ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एवं हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आई जे आर एफ एच एच ए), नई दिल्ली, भारत; सदस्य, टेक्नीकल टेक्सटाइल कमिटी (मेडिकल एवं सर्जिकल टेक्सटाइल सहित), भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस), नई दिल्ली, भारत; सदस्य, सर्विस सेक्टर डिवीजन कांसिल, भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस), नई दिल्ली रहे।

डॉ महेश आर क्लिनिकल प्रतिष्ठानों एवं कार्य के दौरान डॉक्टरों पर हमला करने के विरूद्ध केंद्रीय कानून एवं लाभ एवं हानि की जांच करने के लिए समिति के सदस्य; सदस्य-सचिव, कार्यालय सं.एफ 20-5/2020-स्था-। (समिति), दिनांक 4 मार्च 2020 के द्वारा गठित फायर ऑडिट टीम, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली में अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु अहर्ता के लिए केसों के मूल्यांकन हेतु, उप-समिति के सभापति; तकनीकी विशेषज्ञ, चैंपियन सर्विस सैक्टर स्कीम, स्वा. एवं परि. कल्याण मंत्रालय, एफ आई सी सी आई एवं एस ई पी सी वित्त सेवा विभाग के भाग के रूप में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल थे।

डॉ ऐंजल राजन सिंह दिनांक 28 अप्रैल 2020 को एन ए बी एच की तकनीकी समिति के नियुक्त सदस्य थे।

डॉ विजयदीप सिद्धार्थ कायाकल्प एसेसमैंट ऑफ द इंस्टीट्यूट के संचालन हेतु समन्वयक थे एवं अभाआसं ने तृतीयक उपचार अस्पतालों के केंद्रीय सरकार के समूह क में कायाकल्प प्रोग्राम में प्रथम पुरस्कार जीता; एम्स डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली सृजनात्मक टीम के सदस्य रहे, यह फरवरी 2020 में जारी हुई थी; कोविड-19 अवशिष्ट के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश बनाने के लिए सी पी सी बी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; इन्होंने कोविड महामारी हेतु तत्परता को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण लॉकडाउन के दौरान बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक को शीघ्रता से पूर्ण किया। फरवरी 2020 में बी एवं पी एस सर्जरी ब्लॉक का उद्घाटन किया गया; संपूर्ण संस्थान के लिए कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के लिए अपेक्षित दवाओं एवं विसंक्रमणों/एंटीसेप्टिकों की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखा।

डॉ परमेश्वर कुमार अ.भा.आ.सं. में कोविड़-19 टीकाकरण हेतु नोडल अधिकारी थे; इन्होंने अ.भा.आ.सं. में सुविधा को स्थापित एवं क्रियाशील किया; महामारी के दौरान स्वास्थ्य उपचार कार्मिकों एवं उनके लाभार्थियों के लिए आर टी पी सी आर जांच हेतु सुविधा को बढ़ाया, सुव्यवस्थित किया एवं पुनर्स्थापित किया; अभाआसं मुख्य अस्पताल मेनीफोल्ड में तरल ऑक्सीजन टैंक की क्षमता 12,000 लीटर से 20,000 लीटर तक बढ़ाई; कोविड महामारी प्रतिक्रिया के भाग के रूप में निजी सुरक्षात्मक उपकरण (पीपीई) की आपूर्ति श्रृंखला एवं प्रापण को सुव्यवस्थित किया।

डॉ जितेन्द्र सोढ़ी अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली के मुख्य भंडार क्रय समिति (एस पी सी) के सदस्य; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के अस्पताल प्रशासन सहित स्वास्थ्य प्रशासन में विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य थे; इन्होंने कोर्ट केसों के लिए प्रभारी अधिकारी के रूप में माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली में बच्चों के दुर्लभ रोगों के मामलें में सूचीबद्ध समूह पिटीशनों के लिए अस्पताल की ओर से उत्तर बनाने की तैयारी में बहुतायत से योगदान दिया; मुख्य ओटी के सभी ऑपरेशन कक्षों में नए, समसामयिक सहित पुराने, एनेस्थिसिया पेंडेंटो के प्रतिस्थापन की शुरूआत करने में योगदान दिया; कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पताल के सभी रोगी उपचार क्षेत्रों के लिए लाइनिन, स्क्रब, लाइनिन मास्कों की योजना बनाने एवं उसकी अबाधित आपूर्ति को सुनिश्चित करने में योगदान दिया; मुख्य ओटी में कोविड-19 संदिग्धों की आपात सर्जरी के लिए 48 घंटों में ऑपरेशन कक्षों को तुरंत तैयार करने की शुरूआत करने में योगदान दिया; मुख्य अस्पताल में लाइनिन को निराकृत करने की पद्धति को सुव्यवस्थित किया एवं यह सुनिश्चित किया कि यह प्रक्रिया प्रत्येक तीन माह में संपन्न हो; एबी-8 आईसीयू एवं अन्य गंभीर उपचार एककों के लिए

अस्पताल भंडार के द्वारा सक्शन टूथ ब्रश, शैम्पू कैप्स एवं बाथ वाइप्स को खरीदने में पहल करने की शुरूआत की; मुख्य ओटी एवं एबी-8 आई सी यू के लिए अग्नि सुरक्षा के उपायों को सशक्त बनाने में योगदान दिया।

डॉ अब्दुल हकीम राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) आई टी प्लेटफॉर्म पर राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आर ए एन) के कार्यान्वयन की पद्धतियों की संस्तुति करने के लिए नेशनल टास्क फोर्स के सदस्य, नवंबर 2020; कोविड-19 महामारी के प्रकोप में मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए समिति सदस्य। (वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय, डिपार्टमेंट ऑफ प्रोमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड) (एक्सप्लोसिव सेक्शन), अप्रैल 2020, वर्किंग ग्रुप-5 "स्ट्रेंथनिंग ऑफ पब्लिक हॉस्पिटल थ्रू एबीपीएम-जेएवाई" के समिति के सदस्य थे।

9.18. प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रता सिन्हा (जनवरी 2020 से अब तक)

आचार्य

सरमन सिंह (अ.भा.आ.सं. भोपाल में प्रतिनियुक्ति पर)

सह-आचार्य

सुदीप कुमार दत्ता   श्याम प्रकाश

सहायक आचार्य

सुनीता मीणा तुषार सहगल

अपर्णा निंगोम्बम (संविदा पर)   पारूल चोपड़ा (संविदा पर)

विभागीय विशिष्टताएं

विभाग ने नए आरएके ओपीडी ब्लॉक में संपूर्ण प्रयोगशाला ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म का प्रयोग करके अत्याधुनिक पूर्ण स्वचालित एकीकृत प्रयोगशाला (स्मार्ट लैब) का सफलतापूर्वक उद्घाटन कर उसे क्रियाशील कर दिया है। इससे वर्तमान वर्ष में उपलब्ध जांच मानदंडों में पिछले वर्ष के लगभग 35 से वर्तमान वर्ष में 92 (रूधिरविज्ञान+जैवरसायन+प्रतिरक्षा जांच+सीरोलॉजी) तक की वृद्धि हुई है। यह प्रयोगशाला मुख्य अस्पताल एवं सीएनसी के ओपीडी एवं आईपीडी भारों का प्रबंध त्वरित समय अवधि में कर रही है।

एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) प्रोग्राम को एनएमसी द्वारा मान्यता प्रदान कर दी गई है एवं दिनांक 2 सितम्बर 2020 के एमसीआई-18(1)/2020मेड./118224 में गजट अधिसूचना के द्वारा इसे पीजी रेगुलेशन में सम्मिलित किया गया है। इस पाठ्यक्रम को अभाआसं, नई दिल्ली द्वारा विकसित किया गया है एवं इसे केवल इसी संस्थान में संचालित किया गया था।

विभाग द्वारा मुख्य विभाग में आईपीडी सेवाओं के लिए पूर्ण-संचालित शुष्क रसायन प्रयोगशाला का सफलतापूर्वक संस्थापन किया गया। स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्लेटलेट प्रकार्य जांच एवं क्वांटिटेटिव सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी आरंभ किए गए हैं। स्टाफ के लिए यथोचित सुरक्षा के साथ कोविड रोगियों हेतु नमूना संग्रहण के लिए सुविधाओं सहित केंद्रीय संग्रहण सुविधाओं में वृद्धि की गई है।

विभाग ने दो डब्ल्यूएचओ इकाई परियोजनाओं में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के साथ सहयोग किया है। साथ ही विभाग अभाआसं में संचालित अनेक अनुसंधान परियोजनाओं एवं क्लिनिकल परीक्षणों को प्रयोगशाला सहायता प्रदान कर रहा है।

विभाग ने वर्तमान वर्ष में 1,33,05,359 (लगभग एक करोड़ पैंतीस हजार) जांच की हैं।

- 4 विभागीय परियोजनाएं
- 34 सहयोगी परियोजनाएं
- 11 एमडी, 9 एसआर, 1 पीएचडी छात्र वर्तमान में कार्यरत हैं।

शिक्षा

विभाग 3 वर्षीय एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) पाठ्यक्रम और एक सुदृढ़ पीएचडी कार्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग के संकाय निम्नलिखित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हैं:

- एम बायोटेक्नोलॉजी छात्रों के लिए इम्यूनोलॉजी व्याख्यान (क्लिनिकल एवं मोलीक्यूलर इम्यूनोलॉजी)
- फेलबोटोमिस्ट्स का प्रशिक्षण
- एमबीबीएस छात्रों के लिए व्याख्यान/सेमिनार
- बीएससी नर्सिंग कक्षाएं
- एमडी विकृतिविज्ञान, जैवरसायन, बालचिकित्सा छात्र

प्रदत्त व्याख्यान

सुदीप कुमार दत्ता: 1

प्रस्तुत मौखिक/पोस्टरों की सूची

क्र.सं. लेखक प्रस्तुतिकरण का शीर्षक कांफ्रेंस का नाम तिथि शहर/देश (केवल भारत से बाहर की स्थिति में)

1. आचार्य एस, निंगोम्बम ए, सरकार ए, कुमार के, डेंगू के रोगियों में परीसरीय रक्त स्मियर में भिन्न लिम्फोसाइटिस का एक प्लेथोरा : रोड्स मोट्स, डॉवनी एवं अधिक। 61वां एन्युअल कांफ्रेंस आफ इंडियन सोसाइटी ऑफ हिमाटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न (आई एस एच बी टी) 20-21 नवम्बर, 2020, वर्चुअल।
2. आचार्य एस1 निंगोम्बम ए1, सरकार ए1, ब्रिजवाल एम2, डार एल2, अरूलसेल्वी एस1। डेंगू सीरोलॉजी स्टेटस वाले सिस्मेक्स एक्स एन एनालाइजर का उच्च फ्लूरेसेंस लिम्फोसाइट कोशिका प्रतिशत का संबंध (श्रेष्ठ छात्र प्रस्तुतिकरण अवार्ड) प्रयोगशाला रूधिरविज्ञान में तकनीकी नवाचार पर 33वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 22 जून - 25 सितम्बर 2020, मेलबोर्न वर्चुअल।
3. आचार्य एस[1], सरकार ए[1], निंगोम्बम ए[1], मदान के[2], सोनेजा एम[3], दत्ता एस[1], टाइप 2 डायबिटिज मेलिटस सहित या रहित वाले फुप्फुसीय तपेदिक से गस्त रोगियों में सीडी4+टी एवं सीडी$_8$+टी कोशिका सबसेट जनसंख्या का फ्लोसाइटोमेट्रिक मूल्यांकन, प्रयोगशाला रूधिरविज्ञान में तकनीकी नवाचारों पर 33वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 22 जून - 25 सितम्बर 2020, मेलबोर्न वर्चुअल।

4. अनुपूर्वा एस, सहगल टी, हिमोडायलेसिस के रोगियों में एनीमिया के मूल्यांकन के लिए एक नोबल पैरामीटर के रूप में आर ई टी-ही, हिमाटोकॉन 2020, नवम्बर 2020 वर्चुअल।
5. भारद्वाज एस, चोपड़ा पी, अरोड़ा ए, एबीओ विसंगतियों की पहचान करना एवं उसका समाधान करना: 191351 केसों का अध्ययन करना, इंडियन सोसायटी ऑफ हिमाटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न (आईएसएचबीटी) का 61वां वार्षिक सम्मेलन, नवंबर 2020 वर्चुअल।
6. चोपड़ा पी, भारद्वाज एस, समकारिया ए, अमोली ए, अरोडा ए। अबू इसोएम्लुटिनिन टाइट्रेस के मापन के लिए इरेथायरोसाइट मैग्नीटाइजेशन तकनीक का मूल्यांकन, रूधिररोगविज्ञान एवं रक्ताधान (आईएसएचबीटी) 61वां एन्युअल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन सोसाइटी, नवम्बर 2020 वर्चुअल
7. गौर एम, सहगल टी, प्लाज्मा सैल नियोप्लाज्मा के रूप में टायफायड मास्क्यूरेडिंग, एचएईएमएटीओसीओ एन 2020 नवम्बर 2020 वर्चुअल
8. मिश्रा सी, सहगल टी ट्रीसोमी21, क्षणिक असामान्य मायलोपोइिसिस एवं बड़ी धमनियों का स्थानांतरण, हिमाटोकॉन 2020, नवम्बर 2020 वर्चुअल।
9. रंजन आर, यादव आर, चौरसिया वी, सिंह यू, सहगल टी तीव्र, पेनक्रियाटिटिस के केस में ब्ल्यू ग्रीन न्यूट्रोफिल समावेशन, हिमाटोकोन 2020 वर्चुअल नवम्बर 2020।
10. सिंह एस, सहगल एस, तीव्र प्रोमायलोसायटिक ल्यूकीमिया में स्वचालित सैल काउंटर का ग्राफिक डिस्प्लेस, हिमाटोकॉन 2020, नवंबर 2020 वर्चुअल।
11. वशिष्ठ वी, मोंगा सी, चतुर्वेदी एच, सहगल टी, अरूलसेल्वी एस, 5 वर्षीय या उससे अधिक आयु वाले रोगियों में एनीमिया के निदान की शारीरिक जांच की शुद्धता : चिकित्सा साहित्य की यथाक्रम समीक्षा, हिमाटोकॉन 2020, नवंबर 2020।

अनुसंधान

क. वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

12. मूत्र के नमूने में सूक्ष्म एल्बुमिन के देखभाल स्तर पर ही निदान के लिए आप्टो-इलेक्ट्रॉनिक सेंसर का विकास, सुदीप कुमार दत्ता (अ.भा.आ.सं.) सतीश दूबे (आईआईटी-दिल्ली) अ.भा.आ.सं. - आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं, 2 वर्ष 2019-2021 रू. 20 लाख
13. गंभीर आघातिक क्षति में तीव्र ट्रॉमा-इंड्यूस्ड कोएगुलोपेथी को पूर्व में सूचित करने के लिए रेपिड थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (आर-टीईजी) का मूल्यांकन, तुषार सहगल अभाआसं, 1 वर्ष, 2020-2021 रू. 5 लाख
14. अवस्था 3-5 चिरकारी किडनी रोग (सीकेडी) में कैल्सीट्रिओल थेरेपी की प्रभावकता पर विटामिन डी रिसेप्टर्स (वीडीआर) की भूमिका का मूल्यांकन : एक अग्रदर्शी दोहरा ब्लाइंड अध्ययन, सुदीप कुमार दत्ता आईसीएमआर, 3 वर्ष 2020-2022 रू. 53,97,494
15. भारतीय जनसंख्या में एंजियोटेंसिन कंवट्रिंग इंजाइम 2(एसीई2) जीन पोलीफोर्मिज्म्स की प्रकार्यात्मक जटिलताओं का नेक्स्ट-जेनसीक्वेंसिंग आधारित मूल्यांकन तथा संक्रमण के परिणाम में उनकी भूमिका : एक प्रायोगिक अध्ययन। सुदीप कुमार दत्ता कोविड-19 आई सी एम आर, अ.भा.आ.सं., 1 वर्ष 2020-2021, रू.10 लाख।

पूर्ण

1. नए कोरोना वायरस न्यूमोनिया (कोविड-19) वाले रोगियों में एआरडीएस की आपात स्थिति में रक्त कोगुलेशन एवं फाइब्रिनोलाइसिस की भूमिका पर एक अग्रदर्शी बहुकेंद्रीय अध्ययन, तुषार सहगल अभाआसं, 1 वर्ष 2020-2021 रू. 10 लाख।
2. भारतीय जनसंख्या में आटोसोमल डोमिनेंट पोलीसिस्टिक किडनी रोग (एडीपीकेडी) का जीनोटायपिक लक्षण-वर्णन: एक प्रायोगिक अध्ययन; सुदीप कुमार दत्ता, आईएमआरजी, अ.भा.आ.सं. 2 वर्ष 2018-2020, रू. 10 लाख।

विभागीय परियोजनाएं (थिसिस/शोध निबंध सहित)

जारी

1. अस्पताल सूचना पद्धति के श्रेष्ठतम उपयोग पर एक अग्रदर्शी अध्ययन एवं आपात उपचार सेटिंग में इसका प्रभाव।
2. तृतीयक उपचार केंद्र में यूरिन आइसोलेट्स में कार्बेपिनम एवं कोलिस्टिन प्रतिरोध पर अध्ययन।
3. अवस्था 4-5 चिरकारी किडनी रोग के रोगियों में विटामिन डी रिसेप्टर जीन (वीडीआर) विटामिन डी एवं पराथायरॉयड हार्मोन स्तरों का फॉक 1 पोलीमोर्फिज्म का मूल्यांकन।
4. भारतीय जनसंख्या में नए रक्त कोशिका एवं रेटीकुलोसायट पैरामीटर्स के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए संदर्भ श्रेणियों का निर्धारण।
5. थायरॉयड प्रकार्य पर कोविड-19 संक्रमण के तीव्र एवं दीर्घावधिक परिणामों का मूल्यांकन।
6. एक तृतीयक उपचार केंद्र में रीनल प्रतिरोपण वाले रोगियों में जठरांत्र पैरासाइटिक एवं माइक्रोस्पोर्डिया संक्रमण।
7. किसी बहिरंग सेटिंग में सेफाइड एक्सपर्ट एक्सप्रेस सार्स कोव-2 का प्रयोग करके संलक्षण वाले रोगियों में सार्व- कोव-2 का पता लगाने के लिए एक वैकल्पिक नमूना स्रोत के रूप में स्लाइवा।
8. हिमाटोलॉजिकल दुर्दमताओं वाले रोगियों में इनवेसिव पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस के शीघ्र निदान के लिए एक संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्रिएसीटायलफुसेरिनाइन सी (टीएएफसी)।

पूर्ण

1. सीरम में हेपाटाइटिस वायरस का स्वत: ही पता लगाने के लिए एक मल्टीफ्लेक्स रियल टाइम पीसीआर (क्यूपीसीआर) का विकास।
2. एक्स्ट्रा-हेपेटिक बिलियरी एट्रिसिया वाले शिशुओं के निदान एवं पूर्व-सूचना में सीरम मेट्रिक्सय मेटालोप्रोटीनेज़ 7 स्तरों की भूमिका।
3. संसाधन फिनाइट सेटिंग्स में आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण के रूप मे प्रयोग करने के लिए 36 घंटों से अधिक परंपरागत रेफ्रीजिरेटर में संग्रहित साइट्रेटिड प्लाज्मा की स्थिरता का अध्ययन करना।
4. कोविड-19 रोगियों में पूर्व सूचना के लिए एक मार्कर के रूप में एसयूपीएआर का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत में चयनित केंद्रों में 9 वर्ष से कम आयु वर्ग पर एक बहु-केंद्रीय नोवल कोरोनावायरस (कोविड-19) जनसंख्या आधारित आयु स्ट्रेटिफाइट सर - एपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन : एक अग्रदर्शी अध्ययन।
2. पुरूष बंध्यता एवं कैंसर के मध्य संपर्क क विश्लेषण करना, शरीर रचना विज्ञान।
3. वृद्ध भारतीयों के इंट्रींसिक क्षमता एवं जिरियाट्रिक संलक्षणों का पता लगाने में एकीकृत उपचार टूल-बीआरआई ई एफ (आईसीटी - बी आर आई ई एफ) का अनुप्रयोग, जराचिकित्सा।
4. सीबीसी पैरामीटरों का प्रयोग करके वृद्ध होने की प्रक्रिया में योग की भूमिका का मूल्यांकन करना, शरीर रचना।
5. पीएलएचआईवी जनसंख्या में एड्रिनोकोर्टिकल प्रकार्य का मूल्यांकन एवं इसकी मेटाबोलिक जटिलताएं, कायचिकित्सा।
6. स्वास्थ्यकर्मियों मे कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन : केस कंट्रोल अध्ययन।
7. वयस्क गहन उपचार सेटिंग्स में बढ़ा हुआ रीनल क्लियरिंएस-क्लिनिकल परिणामों पर व्यापकता, जोखिम कारक एवं प्रभाव, गंभीर उपचार चिकित्सा।
8. पोलीसिस्टिक अंडाशय संलक्षण, टाईप-2 मेलीटुसेंड स्वस्थ प्रजनन आयु वाली भारतीय महिलाओं में अंत:स्रावी डिस्रेप्टर रसायनों (ओर्गेनोक्लोराइन, ओर्गेनोफॉस्फेट, बायफिनायल ए, फिथेलेट) का तुलनात्मक मूल्यांकन एवं आहार संबंधी आदतों (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) एवं आनुवंशिक भिन्नता के उनका संबंध, बहु-केंद्रीय परियोजना।
9. रोगी एवं प्रक्रिया परिणामों के संदर्भ में ईडी हेतु तीव्र आघात से ग्रस्त रोगियों में रिससिटैशन में टीईजी निर्देशित आधान के प्रभाव की तुलना तथा प्रक्रिया परिणामों की तुलना करना, आपात चिकित्सा।
10. मेटाबोलिज्म रोगियों के अजन्में त्रुटि के मध्य एचपीएलसी पद्धति का प्रयोग करके एमिनो एसिड के प्रमाणीकरण के लिए शुष्क रक्त-धब्बों एवं प्लाज्मा नमूनों की तुलना, बालचिकित्सा।
11. गर्भावस्था के इंट्राहेपाटिक कोलेस्टेटिस में ***फिट-रोमेटर्नल*** परिणाम के साथ सीरम प्रदाहक बायोमार्कस का सह-संबंध : एक प्रायोगिक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।
12. ओप्थाल्मिक प्रक्रियाओं को कराने वाले बच्चों में संवेदनाहरण के इंडक्शन के दौरान तनाव बायोमार्क्स, मेलाटोनिन स्तर एवं बेचैनी स्कोर पर माता-पिता की उपस्थिति का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण।
13. मुकोर्मायकोसिस सहित एवं उसके बिना कोविड-19 रोगियों में सहज एवं एडेप्टिव प्रतिरक्षा का आकलन, तंत्रिकाविज्ञान।
14. एकाकी आघातिक मस्तिष्क क्षति वाले रोगियों के परीसरिए रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन एवं इसका सह संबंध। प्रयोगाशाला चिकित्सा, जेपीएनटीसी।

15.थेरेपी के निदान एवं मॉनीटरिंग के लिए एपिथेलियल अंडाशय कैंसर में एचई4 स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान।

16.पोलीसिस्टिक अंडाशय संलक्षण (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं मे विभिन्न चिकित्सकीय पद्धतियों की प्रतिक्रिया में व्यापकता, क्षेत्रीय फीनोटायपिक सह-रूग्णताओं, जोखिम कारकों एवं विविधताओं का मूल्यांकन : संपूर्ण भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, बहु-केंद्रीय परियोजना।

17.ल्यूपस नेफ्रिटिस में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं (सीटीएलए-4, पीडी-1 पीडी-एल1) साइटोकाइन्स एवं टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, वृक्कविज्ञान।

18.सक्रिय मिरगी वाले व्यक्तियों में सहायक थेरेपी के रूप में फिनोफाइब्रेट: दोहरा - ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान।

19.उत्तर भारत की ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या में कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड-19) के लिए पारिवारिक संचरण जांच।

20.एचआईवी नेगेटिव लिम्फनोड तपेदिक में पैराडॉक्सिकल प्रतिक्रिया की घटना, परिणाम एवं जोखिम कारक, कायचिकित्सा।

21.बाल आघातिक मस्तिष्क क्षति के रोगियों में संवर्धित रीनल क्लियरेंस की व्यापकता, तंत्रिक संवेदनाहरण।

22.उत्तरी भारत में आंशिक उपचार अस्पतालों में इसिनोफिलिया वाले रोगियों मे पैरासाइटिक संक्रमणों की व्यापकता, कायचिकित्सा एवं सूक्ष्मजैवविज्ञान।

23.कोविड-19 रोगियों का उपचार कर रहे स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों में मनोवैज्ञानिक एवं ओक्यूपेशनल प्रभाव, मनोचिकित्सा एवं आपात चिकित्सा।

24.सार्कोपेनिया वाले स्थूल रोगियों में स्केलेटल पेशी मास एवं प्रकार्य में परिवर्तनों पर व्यायाम एवं पोषणिक हस्तक्षेपों के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा।

25.तीव्र आघातिक मस्तिष्क क्षति में पूर्वानुमानिक मार्कर के रूप में लाल-कोशिका विभाजन विस्तृति, तंत्रिका विज्ञान।

26.मेनिनजाइटिस के हेतुविज्ञान की पहचान करने में सीएसएफ लैक्टेट एवं क्लोराइड की भूमिका, कायचिकित्सा।

27.स्थूलता में टी-रेगुलेटरी कोशिकाओं (टी-रेग्स) की भूमिका एवं चिरकारी किडनी रोग (सीकेडी) एवं टाईप-2 डायबिटिक में प्रदाहक संबंधित स्थूलता में उनका क्लिनिकल सह-संबंध, वृक्कविज्ञान।

28.आण्विक एवं परिसरीय रक्त-बायोमार्कर्स का अध्ययन एवं मृदु एवं मध्यम टीबीआई प्रवृत्त संज्ञानात्मक क्षति का निदान करने के लिए उनकी उपयोगिता, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनटीसी।

29.एक्सट्रा पुल्मोनरी टीबी के निदान में व्यवसायिक रूप से उपलब्ध किट-आधारित लूप मिडियाटिड इसोर्थ्मल, एंपलीफिकेशन (टीबीएलएएमपी विश्लेषण) की भूमिका का मूल्यांकन करना, कायचिकित्सा।

30. मनुष्यों में गंभीर आघातिक मस्तिष्क क्षति (एसटीवीआई) के पश्चात वाइट मैटर पैथोलॉजी में ओलिगोड्रेंडोसाइटिस में मायलिनेशन एवं परिवर्तनों की जांच करना, न्याय चिकित्सा विकृतिविज्ञान एवं आण्विक डीएनए, जेपीएनएटीसी।
31. तीव्र किडनी क्षति के पूर्वानुमान हेतु मार्कर के रूप में यूरिन एल्बुमिन क्रिटीनाइन अनुपात तथा गंभीर रूप से बीमार सेप्सिस रोगियों में रोगी उपचार - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण एवं गंभीर उपचार।
32. कोविड-19 रोगियों की गाइडिंग थेरेपी में टीईजी की उपयोगिता, जठरांत्ररोगविज्ञान।
33. डेंगू उपचार में सीरम फेर्रिटिन की उपयोगिता, कायचित्सिा एवं सूक्ष्मजैवविज्ञान।
34. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तंत्रिकाविज्ञानात्मक परिणामों के पूर्वानुमान हेतु एक एंपिरिक टूल की वैधता - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, बालचिकित्सा।

पूर्ण

1. पैंक्रियाटिक डक्ट के सर्जिकल लाइगेशन द्वारा प्रवृत्त तीव्र पैंक्रियाटिटिस सहित वयस्क पुरूष बिस्टर रेट्स में अंग दुष्क्रिया की गंभीरता पर मेथील्प्रिडनिसोलोन एवं एंटी-टीएनएफ एल्फा एंटीबॉडी (इंफ्लिक्सिमेव) की इंट्रापेरीटोनियल इंजेक्शन की प्रभावकता का अध्ययन, जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण।
2. अंग दुष्क्रिया वाले तीव्र पैंक्रियाटिटिस का प्रयोगात्मक मॉडल, जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण।
3. सिस्टिक फिब्रोसिस वाले बच्चों में सिस्टिक फिब्रोसिस संबंधित डायबिटिज की व्यापकता एवं जोखिम कारक: क्रास सेक्शनल अध्ययन, बालचिकित्सा।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 20 सार: 3 पुस्तकों में अध्याय: 1

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित सूचना सम्मिलित हैं: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक्स एवं/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित) (ख) सामुदायिक सेवाएं/कैंप आदि।

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (चौबीस घंटे)

रूधिरविज्ञान सेवाएं

जांच का नाम	जांच की संख्या
संपूर्ण रक्त गणना टीएलसी आरबीसी एचजीबी एचसीटी एमसीवी एमसीएचसी पीएलटी आरडीडब्ल्यू एनआरबीसी एनईयूटी एलवाईएमपीएचओ एमओएनओ ईओ बीएएसओ संपूर्ण एन. गणना संपूर्ण एल. गणना संपूर्ण एम. गणना संपूर्ण ई. गणना संपूर्ण बी. गणना	187468
रेटिक गणना	1593
परीसरीय स्मियर	4912
ईएसआर	7607
पीटी	93846
एपीटीटी	47495
डी-डाइमर	3427
फाइब्रिनजेन	3237
शरीर तरल	11235
यूरिन किटोन/शुगर	1705

नैदानिक जैवरसायन

जांच का नाम	जांच की संख्या
ग्लूकोज़	10193
एस. यूरिया	129592
एस. क्रिएटिनिन	129564
एस. बिलिरूबिन	106147
एस. एमाइलेस	8118
सोडियम	136712
पोटेशियम	136539
क्लोराइड	100838
आयोनिक कैल्शियम	100838
एसजीओटी	23
एसजीपीटी	22
एएलपी	00
सीएसएफ ग्लूकोज़	4760
सीएसएफ प्रोटीन	4474
आर्ट्रियल रक्त गैस विश्लेषण	4660
कुल	872480

नैदानिक जैवरसायन: मुख्य अस्पताल प्रयोगशाला

जांच का नाम	जांच की संख्या
यूरिया	30220
क्रिएटिनाइन	30428
कैल्शियम	33528
फॉस्फोरस	30564
यूरिक एसिड	30304
एन ए	30239
के	30237
टोटल बिलिरूबिन	30353
डायरेक्ट बिलिरूबिन	30288
कुल प्रोटीन	30204
एल्बुमिन	30242
एएसटी	30290

एएलटी	30287
एल्कालाइन फॉस्फेट	30298
कोलेस्ट्रॉल	806
एमाइलेज़	760
शर्करा	32,756

यूरिन एवं तरल नमूने:

जांच का नाम	जांच की संख्या
यूरिन	2162
तरल	665
कुल	**2827**

स्मार्ट लैब सेवाएं

जांच का नाम	जांच की संख्या
नैदानिक रसायन	
कैल्शियम	135727
फॉस्फोरस	135626
यूरिक एसिड	135569
एएलपी	134142
एएलटी	134054
एएसटी	134036
बिलिरूबिन (आई)	134024
बिलिरूबिन (टी)	134013
बिलिरूबिन (डी)	134002
क्रिएटिनाइन	131038
यूरिया	131000
क्लोराइड	130873
पोटेशियम	130670
सोडियम	130657
एल्बुमिन	112256
टोटल प्रोटीन	112060
ए/जी अनुपात	111843
ग्लोबुलिन	111803
टोटल कोलेस्ट्रॉल	28975

ट्राइग्लिराइड्स	23870
एलडीएल-सी	23862
सीएचओएल/एचडीएल अनुपात	23861
एलडीएल/ एचडीएल अनुपात	23857
एचडीएल -सी	23857
वीएलडीएल-सी	23853
ग्लूकोज़ एफ	20840
सीआरपी	18052
विटामिन डी3 टोटल	11602
विटामिन बी12	9041
ग्लूकोज़ पीपी	8404
ग्लूकोज़ आर	7661
फेर्रिटिन	6723
सीरम फोलेट	5932
आयरन	4839
एलडीएच	4657
टीआईबीसी (यूआईबीसी)	4240
ट्रांसफेर्रिन	3612
मैग्निशियम	3282
यूरिन क्रिएटिनाइन	2869
एएफपी	2275
यूरिन प्रोटीन	2078
टोटल एमाइलेज़	1909
सीके	1743
यूरिन 24 घंटे क्रिएटिनाइन	1658
जीजीटी	1565
यूरिन एल्बुमिन	1499
यूरिन 24 घंटे एल्बुमिन	1447
यूरिन एसीआर	1282
यूरिन 24 घंटे प्रोटीन	1177
यूरिन सोडियम	1127
आर ए फैक्टर	1095
ओजीटीटी	1038
आईजीजी	1010
लाइपेज़	994

ओजीटीटी -1 घंटा	942
ओजीटीटी -2 घंटे	880
होमोसिस्टिन	834
यूरिन पोटेशियम	803
यूरिन 24 घंटे कैल्शियम	767
सीके - एमबी (गतिविधि)	752
कॉम्पलीमैंट सी 3	743
एलडीएच	679
एचएस सीआरपी	635
आईजीए	605
कॉम्पलीमैंट सी 4	507
यूरिन 24 घंटे फॉस्फेट	458
आईजीएम	454
यूरिन कैल्शियम	409
यू क्लोराइड (सीएल)	393
ट्रोपोनिन टी - एचएस	384
कुल पीएसए	356
यूरिन 24 घंटे यूरिक एसिड	350
वॉल्पोरिक एसिड	316
यूरिन फॉस्फेट	305
एएसओ	266
यूरिन 24 घंटे यूरिया	245
बीटा एचसीजी	231
यूरिन 24 घंटे सोडियम	226
यूरिन 24 घंटे पोटेशियम	220
मुक्त पीएसए	207
यू 24 एसपी रिक्वेस्ट	174
यूरिन यूरिया	156
यूरिन 24 घंटे क्लोराइड	133
यूरिन यूरिक एसिड	121
मायोग्लोबिन	110
कार्बमेजेपाइन	76
हार्मोन्स एवं इम्यूनोएस्से	
टीएसएच (अति संवेदनशील)	16292
टी4	15575

टी3	15571
इंटेक्ट पीटीएच	2637
कॉर्टीसोल	1183
एफटी4	891
एफटी 3	851
प्रोलेक्टिन	728
एफएसएच	686
एलएच	628
टेस्टोस्टेरॉन	488
इंसुलिन	435
इस्ट्राडियोल	189
प्रोजेस्टेरॉन	169
रूधिरविज्ञान	
एमसीवी	67523
मोनो	67515
एमपीवी	67513
न्यूट्रो	67511
मोनो - एबीएस	67510
न्यूट्रो - एबीएस	67503
एनआरबीसी	67500
प्लेटलेट गणना	67498
एमसीएचसी	67491
आरबीसी गणना	67490
आरडीडब्ल्यू - सीवी	67486
एमसीएच	67479
डब्ल्यूबीसी गणना	67475
एचबी	67464
लिम्फो	67461
एसिनो	67455
बेसो-एबीएस	67448
हिमाटोक्रिट	67445
लिम्फो-एबीएस	67438
इसिनो - एबीएस	67432
बेसो	63711
एचबीए1सी	8685

आईएनआर	7751
पीटी	7076
एपीटीटी	5271
(अन्य) हेतु पीएस	1355
हिमोपेरासाइट्स हेतु पीएस	855
एटाइपिकल कोशिका हेतु पीएस	672
करेक्टिड रेटीकुलोसाइट	627
रेटीकुलोसाइट गणना-एबीएस	584
सिस्टोसाइटस हेतु पीएस	491
डी डायमर	329
फिब्रिनोजेन	154
ल्यूपस एंटीकोगुलेंट कंफर्म	114
ल्यूपस एंटीकोगुलेंट स्क्रीन	112
एंटीथ्रोम्बिन	41
प्रोटीन सी	24
टीटी	16
सीरोलॉजी	
एंटी एचसीवी एबी	9280
एचआईवी कॉम्बो (एचआईवी 1, 2)	8812
एचबीएस एजी	8294
एंटी एचबीएस	2738
एंटी एचएवी आईजीएम	1810
आईजीएम एंटी एचबीसी	337

महायोग: 41,68,015 जांच

नैदानिक सूक्ष्मजैवविज्ञान सेवाएं

क. नैमिक जांच

1. यूरिन			
जांच का नाम	**ओ.पी.डी.**	**वार्ड**	**कुल**
मेडिकल बोर्ड	1965	0	1965
नैमिक	13842	47512	61354
माइक्रोस्कोपिक	6921	23756	30677
पीएच	6921	23756	30677

विशिष्ट ग्रेविटी	6921	23756	30677
एसीटोन	6921	23756	30677
बाइल पिगमेंट/साल्ट	6921	23756	30677
यूरोबिलिनोजेन	6921	23756	30677
रक्त	11	4	15
बेंस जोनस प्रोटीन	40	52	92
कायलुरिया	59	42	101
पोर्फोबिलिनोजेन	0	0	0
मायग्लोबिनुरिया	0	0	0
हिमोग्लोबिन	0	0	0
यूरिन कल्चर	4415	0	4415
स्ट्रेन पहचान जांच	3440	0	3440
एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी	892	0	892
उप-योग	64225	190146	254371
2. मल जांच			
जांच का नाम	**ओ.पी.डी.**	**वार्ड**	**कुल**
वेट माउंट सेलाइन	890	2214	3104
वेट आयोडीन स्टेन	890	2214	3104
मल में ओकुल्ट रक्त	452	1281	1733
फैट ग्लोबुलस	29	17	46
स्टूल जेडएनस्टेन, मोडिफ हेतु विशेष स्टेन्स	15	27	42
उप योग	2276	5753	8029
3. **वीर्य विश्लेषण**			
जांच का नाम	**ओ.पी.डी.**	**वार्ड**	**कुल**
नैमिक	824	0	824
प्रतिक्रियाओं की संख्या	824	0	824
मोटीलिटी	824	0	824
गणना	495	0	495
फ्रुक्टोज़	247	0	247
उप योग	3214	0	3214

4. **थूक विश्लेषण**			
जांच का नाम	**ओ.पी.डी.**	**वार्ड**	**कुल**
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	458	0	458
जेडएन स्टेनिंग : (माइक्रोस्कोपी)	916	0	916
एमटीबी कल्चर	166	0	166
उप योग	1540	0	1540
5. **यूरिन एएफबी विश्लेषण**			
जांच का नाम	**ओ.पी.डी.**	**वार्ड**	**कुल**
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	336	0	336
जेडएन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	672	0	672
एमटीबी कल्चर	0	0	0
उप योग	1008	0	1008
<u>ख. विशिष्ट जांचें</u>			
इम्यूनो सीरोलॉजिकल एवं मोलीकुलर निदान			
जांच 6. टॉर्च			
जांच का नाम*(ये जांचे वर्ष भर के लिए रोक दी गईं थी)			
टोक्सोप्लाज़्मा गोंडी आईजीजी	697		
टोक्सोप्लाज़्मा गोंडी आईजीएम	716		
रूबैला आईजीजी	651		
रूबैला आईजीएम	670		
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	821		
साइटोमेगालो वायरस	756		

आईजीएम			
हर्पिस सिम्पलेक्स वायरस आईजीजी	379		
हर्पिस सिम्पलेक्स वायरस 2 आईजीजी	378		
हर्पिस सिम्पलेक्स वायरस (1 + 2) आईजीएम	0		
रूबेला आईजीजी एविडिटी	0		
उप-योग	5068		
6. **वायरल मार्कर एवं एचआईवी**			
एचएवी आईजीएम	823		
एचबीएसएजी	15389		
एचबीसी आईजीएम	49		
एचबीईएजी	572		
एंटी एचबीई	115		
एंटी एचबीएस	696		
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	15361		
एचईवी आईजीएम	305		
एचआईवी	14138		
एचबीवी डीएनए	65		
एचसीवी आरएनए	378		
उप-योग	47891		
7. **अन्य**			
मीसल्स आईजीजी	56		
मम्पस आईजीजी	56		
वेरीसेला आईजीजी	56		
वेरीसेला आईजीएम	0		
ईबीवी आईजीजी	0		
ईबीवी आईजीएम	0		
कुल योग	168		
8. **आण्विक जांच**			
लीश्मेनिया पीसीआर	0		

टीबी पीसीआर	0		
सीएमवी (आरटी पीसीआर)	463		
उप-योग	463		
9. **लीश्मेनिया सीरोलॉजी**			
आरकेई-16 सीरोलॉजी	0		
एलडी हेतु माइक्रोस्कोपी	0		
क्लिनिकल नमूनों से निष्पादित लीश्मेनिया कल्चर	0		
लैब स्ट्रेन अनुरक्षण (इन विट्रो)	0		
हैमस्टर में लैब स्ट्रेन अनुरक्षण	0		
उप-योग	0		
10. **बीडी इनफ्लक्स सैल सोर्टर** (**फ्लो साइटोमीटर**)			
फ्लो साइटोमीटर विश्लेषण		0	
11. **टी.बी. प्रयोगशाला**			
प्राप्त नमूनों की संख्या		114	
जेडएन स्टेनिंग:		228	
एलजे मीडियम इनोकुलेटिड		0	
एडीए टैस्ट		0	
बीएसीटीईसी एमजीआईटी 960		124	
बीएसीटीईसी एमजीआईटी डीएसटी 960		0	
बीएसीटीईसी एमजीआईटी डीएसटी 960: द्वितीय पंक्ति		0	

क्लोरीमेट्रिक रीडोक्स संकेतक विश्लेषण (सीआर आई)		0	
लाईन प्रोब विश्लेषण (हैन्स जांच)		0	
जेनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ		109	
आरके 39		25	
डीएनए सीक्वेंसिंग		0	
उप-योग		600	
महायोग		**324,317**	

पुरस्कार सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता एथिक्स संबंधी इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ क्लिनिकल कैमिस्ट्री (आईएफसीसी) टास्क फोर्स हेतु भारत से कोरेस्पोंडिंग सदस्य (2018 तक) हैं, वे सचिव, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल कैमिस्ट्री (ए ए सी सी) - इंडिया सेक्शन (2018 तक), कार्यकारी सदस्य, एसोसिएशन ऑफ मेडीकल बायोकैमिस्ट्री ऑफ इंडिया (एएमबीआई), दिल्ली चैप्टर (2019 तक) है।

डॉ. तुषार सहगल ने दिनांक 12 मार्च 2021 को मुम्बई रूधिरविज्ञान समूह के 44वें वार्षिक सम्मेलन में सेसप्सिस का शीघ्र पता लगाने के लिए एक स्क्रीनिंग टूल के रूप में मोनोसाइट डिस्ट्रीब्यूशन विड्थ पर सत्र की अध्यक्षता की।

9.19. काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

नवीत विग

आचार्य

रीता सूद
आशुतोश बिस्वास
संजीव सिन्हा
नवल के विक्रम

अपर आचार्य

मनीश सोनेजा
पीयूष रंजन

सह आचार्य

नीरज निश्चल
पंकज जोरवाल
अरविंद कुमार
रणवीर सिंह जादोन

सहायक आचार्य

अनिमेश रे
उपेंद्र बैथा
प्रयास सेठी
वेद प्रकाश मीणा
पारुल कोडन (अनुबंध पर)
गौरव गुप्ता (अनुबंध पर)
बिंदु प्रकाश (अनुबंध पर)

मुख्य विशेषताएं

मेडिसिन विभाग एक जीवंत विभाग है जो समग्र रोगी देखभाल सेवाए प्रदान करता रहा है, मेडिकल शिक्षा में नवाचार लाता रहा है और ट्रांसलेशनल तथा क्लिनिकल अनुसंधान आयोजित करता रहा है। विभाग ने संक्रामक रोगों मेटाबोलिक संबंधी विकारों, चेस्ट मेडिसिन और नींद की बीमारी तथा बहु-अनुशासनिक देखभाल की आवश्यकता वाली अनेक चिकित्सा समस्याओं के उपचार में एक मजबूत पकड़ बनाई है। कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए विभाग संस्थान और राष्ट्रीय स्तर पर अग्रसर रहा है। महामारी के प्रभाव को नियंत्रित करने और कोविड-19 रोगियों के उपचार हेतू संस्थान को तैयार करने के लिए विभाग विभिन्न उपायों की योजना बनाने और उन्हें लागू करने में एकीकृत रूप से शामिल था। विभागीय संकाय और रेजीडेन्ट्स डॉक्टर्स ने प्रबंधन दिशानिर्देश और एल्गोरिदम तैयार किए, जिन्हें बाद में कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के रूप में अपनाया गया। एल्गोरिथ्म का देश भर में व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

तपेदिक, एचआईवी, डेंगू, चिकनगुनिया, इंफ्लूएंजा आदि जैसे विभिन्न संक्रामक रोगों में दिशा-निर्देश तैयार करने जैसी विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में विभाग संकाय और रेजीडेन्ट्स डॉक्टर्स सबसे आगे रहे हैं। इस वर्ष हमने शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल

करना भी शुरू कर दिया है। प्रशिक्षु रेजीडेन्ट्स डॉक्टर्स के लिए प्रक्रियाओं और रुचि के सामान्य विषयों पर वीडियो साझा करने के लिए बनाए गए यू-ट्यूब चैनल की व्यापक रूप से सराहना की गई है।

शिक्षा

विभाग व्यापक स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाता है जिसमें एकीकृत व्याख्यान, सेमिनार, जर्नल क्लब और बेडसाइड क्लिनिकल मामले चर्चाएं शामिल हैं। वर्तमान में 64 एमडी छात्रों, 41 डीएम-संक्रामक रोग और 18 वरिष्ठ रेजीडेंट को चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षित किया जा रहा है। हम अपेक्षित परिणामों सीखने के अवसरों और आकलनों के बीच बेहतर संरेखण के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के क्लिनिकल प्रशिक्षण में सुधार करने का प्रयास कर रहे हैं। इस वर्ष महामारी को देखते हुए हम लोगों ने शिक्षण और प्रशिक्षण के ऑनलाइन मोड को अपनाया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (विभाग / विभागीय संकाय द्वारा आयोजित)

- दिनांक 14 अगस्त 2020 को एम्स, नई दिल्ली में "भारत में COVID-19 की समाप्ति" पर वर्चुअल संगोष्ठी आयोजित हुई।
- दिनांक 6 सितंबर 2020 को एम्स, नई दिल्ली में "साक्ष्य आधारित चिकित्सा" पर वर्चुअल संगोष्ठी आयोजित की गई।
- दिनांक 4 दिसंबर 2020 को एम्स, नई दिल्ली में "एचआईवी" पर वर्चुअल संगोष्ठी आयोजित की गई।
- दिनांक 22 दिसंबर 2020 को एम्स, नई दिल्ली में 1 और 2 सेमेस्टर के रेजीडेंटों के लिए "गुणवत्ता सुधार" पर वर्चुअल संगोष्ठी आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान

संजीव सिन्हा: 5

नवल के विक्रम: 4 **मनीष सोनेजा: 5** **नीरज निश्चल: 1**

अरविंद कुमार: 4 **अनिमेष रे: 8** **प्रयास सेठी: 4**

वेदप्रकाश मीणा: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग और मोटापे वाले उत्तर भारतीय व्यक्तियों में शरीर संरचना, बहु मेटाबोलिक उपायों पर 6 महीने के यौगिक व्यायाम बनाम नियमित शारीरिक गतिविधि का एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। एनके विक्रम, डीएसटी, 3 वर्ष, जून 2019-2022, 96,39,720 रूपये।

2. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों में पल्मोनरी माइक्रोबायोम और मेटाबोलामिक्स पर एक अध्ययन, अनिमेष रे, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 9,98,168 रुपये।

3. रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्स के ज्ञान और बुनियादी और उन्नत जीवन समर्थन के बारे में कौशल पर सिमुलेशन के प्रभावों पर एक अध्ययन। उपेंद्र बैथा, एम्स, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत आंतरिक परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपये।

4. स्थानीय उपचार मानक (सोलिडेरिटी ट्रायल) प्राप्त करने वाले अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों के लिए अतिरिक्त उपचारों का एक अंतर्राष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण, मनीष सोनेजा, डब्ल्यूएचओ-आईसीएमआर, 6 माह, 2020-2021, 4,11,000 रुपये।

5. कोरोना वायरस रोग (कोविड) -19 संक्रमण में मलेरिया-रोधी एंटीबॉडी स्तरों और रोगी परिणामों का संबंध, प्रयास सेठी, फास्ट ट्रैक कोविड इंट्राम्युरल ग्रांट (एम्स), 1 वर्ष, 2020-2021, 2,83,960 रुपये।

6. कई अंगो की निष्क्रियता वाले और बिना झटके के साथ तीव्र ज्वर की बीमारी वाले रोगियों की क्लिनिकल और साइटोकाइन प्रोफाइलः एक संभावित अवलोकन अध्ययन, रणवीर सिंह जोदान, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष (विस्तारित), 2019-2021, 2 लाख रुपये।

7. एम्स, नई दिल्ली में, कोविड-19 मरीजों का नैदानिक और सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल उपेंद्र बैथा, एम्स, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपये।

8. कोविड-19 मामलों में गंभीरता का नैदानिक भविष्यवक्ता, पंकज जोरवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2020,-2021, 10 लाख रुपये।

9. "कोविड-19 सर्वाइवर्सः शॉर्ट टर्म एंड लॉन्ग टर्म कॉम्प्लीकेशंस", आशुतोष बिस्वास, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।

10. महिला आधारित व्यापक वजन प्रबंधन मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन, पीयूष रंजन, डीएसटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 34,28,560 रुपये।

11. कोविड-19 रोगियों के उपचार में लगे स्वास्थ्य कर्मियों के परिवार के सदस्यों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट से निपटने के लिए योग आधारित हस्तक्षेप कार्यक्रम का विकास और मूल्यांकन। पीयूष रंजन, डीएसटी सत्यम, 1 वर्ष, 2021-2022, 9,78,306 रुपये।

12. भारत में विभिन्न जनसंख्या समूहों के बीच कोविड-19 महामारी के दौरान बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोसामाजिक और व्यवहारिक प्रभावों का अध्ययन, पीयूष रंजन, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च, 1 वर्ष, 2020-2021, 6.21 लाख रुपये।

13. क्रिटिकल केयर इलनेस के रोगियों में आंत माइक्रोबायोम और क्लिनिकल कोर्स पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव-एक पायलट अध्ययन, अनिमेष रे, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, 2 वर्ष, 2019-2021, 35,33,234 रुपये।

14. क्रोनिक पल्मोनरी एस्पर्गिलोसिस के सीरो डायग्नोसिस के लिए एलडी बायो एस्पर्गिलोसिस आईसीटी लेटरल फ्लो जांच की प्रभावकारिता, अनिमेष रे, प्रा कंपनी (जॉली हेल्थकेयर), 6 महीने, 2021-2021, 2,49,700 रुपये।

15. कोविड-19 वाइरल भार का एफटीआईआर आधारित अल्ट्राफास्ट पहचान एंड मूल्यांकन, पीयूष रंजन, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, 5,67,000 रुपये।
16. डेंगू रोग के दौरान होने वाली मानव सीडी8 टी सेल प्रतिक्रिया का कार्यात्मक विश्लेषण, नवीत विग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, रु 25,18,800
17. भारत में अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबायल स्टीवर्डशिप गतिविधियों की शुरूआत, नवीत विग, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021,10 लाख रुपये।
18. संक्रमण के दौरान "डेंगू वायरस के तेजी से प्रसार की क्रियाविधि", एनके विक्रम, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 20 लाख रुपये।
19. चेतावनी के संकेत के साथ डेंगू रोगियों में आवश्यकता-आधारित बनाम दिशानिर्देश-आधारित तरल देना: ओपन-लेबल यादृच्छिक अध्ययन, मनीष सोनेजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 57 लाख रुपये।
20. तपेदिक के उपचार के लिए नए जैव चिकित्सीय दृष्टिकोण। द्वारा वित्तपोषित। (नाइपर मोहाली और एम्स के बीच एक सहयोगी परियोजना)। वर्ष 2016। भूमिका: प्रधान अन्वेषक, एम्स, संजीव सिन्हा, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार, 5 वर्ष (2 वर्ष का विस्तार मिला), प्रारंभ वर्ष-2015, 1,17,000,00 रुपये।
21. गैर एचआईवी रोगियों के बीच लिम्फ नोड तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रिया- नैदानिक निहितार्थ और परिणाम, पंकज जोरवाल, आरएनटीसीपी, 2 वर्ष, 2019-2021, 1,90,000 रुपये।
22. हिस्टोपैथोलॉजिक जांच के साथ कोविड-19 के रोगियों में पोस्टमार्टम न्यूनतम इनवेसिव ऊतक नमूना अनिमेष रे, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 8,53,600 रुपये।
23. श्रेणी 1 के फुफ्फुसीय क्षयरोग से पीड़ित रोगियों में विटामिन डी3 पूरक सहित अथवा विटामिन डी पूरक के बिना दोबारा क्षयरोग की संभावना की रोकथामः एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रण क्लिनिकल परीक्षण। (देश भर से 3 साइटों वाली बहुकेंद्रित परियोजना। एम्स, नई दिल्ली एलआरआई है), संजीव सिन्हा, डीएचआर, आईसीएमआर, 5 वर्ष (2 वर्ष का विस्तार मिला), प्रारम्भ वर्ष-2016, 2 लाख रुपये।
24. सार्कोपेनिया मोटापे वाले रोगियों में मांसपेशियों के कार्यात्मक सुधार और कंकाल समूह में परिवर्तन पर व्यायाम तथा पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एनके विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, अगस्त 2019-22, 83,01,698 रुपये।
25. इनवेसिव फंगल संक्रमण के शीघ्र निदान के लिए बायोमार्कर की भूमिका और एल्गोरिद्म में इसकी उपयोगिता, मनीष सोनेजा, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2021, 10 लाख रुपये।
26. स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड - 19 के लिए एचसीक्यू केमोप्रोफिलैक्सिस की सुरक्षा और प्रभावकारिता, मनीष सोनेजा, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 2,50,000 रुपये।
27. एचआईवी एवं एड्स (पीएलएचआईवी) जनसमुदाय में रहने वाले लोगों में सरकोपेनिया: क्लिनिकल एंड लेबोरेटरी सहसंबंध एवं रसिस्टेंस ट्रेनिंग एक्सरसाइज का प्रभाव, प्रयास सेठी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, पहले वर्ष के लिए 9,66,000/- रुपये।

28. अस्पताल में भर्ती मरीजों में कोविड-19 का सीरो-प्रचलन, अनिमेष रे, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 75,000 रुपये।
29. स्थूल वयस्कों में शरीर संरचना, बहु मेटाबोलिक एवं शरीर क्रिया विज्ञानात्मक पैरामीटरों पर अनिरंतर फास्टिंग एवं निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध के प्रभाव की तुलना करना, एन के विक्रम, आईसीएमआर, 2 वर्ष, फरवरी 2021-2023, 53,16,985 रुपये।
30. उच्च जोखिम वाली आबादी (बीआरआईसी) में कोविड-19 की घटनाओं और गंभीरता को कम करने में बेसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: चरण III, बहुकेंद्रित, चौगुनी ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संजीव सिन्हा एम्स, आईसीएमआर, 2 वर्ष - 2020 से शुरू, 2 लाख रुपये।
31. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करनाः एकल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। अरविंद कुमार, आईसीएमआर नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-22, 50 लाख रुपये।
32. डेंगू हेतु सपोर्ट प्रोफिलेटिक् एवं चिकित्सीय युक्तियों हेतु प्लेटफर्म प्रौद्योगिकियों को स्थापित करने के लिए ट्रांस्लेशनल अनुसंधान कंसोर्टिएम-संकल्पना प्रमाण हेतु खोज, नवीत विग, बीआईआरएसी, 4 वर्ष, 2019-2023, 33,56,908 रुपये।

पूर्ण

1. क्रोनिक कैविटरी पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के इलाज के लिए मुखीय इट्राकोनाजोल के साथ नेबुलाइज्ड एम्फोटेरिसिन बी की तुलना करने वाला एक अध्ययन।(एम्स द्वारा वित्त पोषित), अनिमेश रे, एम्स इंट्राम्युरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2018-2020, 4,60,000 रुपये।
2. भारत के चुनिंदा शहरों/कस्बों और ग्रामीण आबादी के बीच वसा, नमक और चीनी में उच्च खाद्य और खाद्य उत्पादों/वस्तुओं का उपभोग पैटर्न, एनके विक्रम, आईसीएमआर, 15 माह, 2018-20, रु. 62,59,700 रुपये।
3. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल आईसीयू में उच्च जोखिम वाले रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण का पैटर्न, पंकज जोरवाल, इंट्राम्युरल, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये।
4. स्वस्थता, नींद और संज्ञानात्मक कार्य पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना। (देश भर से 3 साइटों वाली बहुकेंद्रीय परियोजना। एम्स, नई दिल्ली एलआरआई है), संजीव सिन्हा, डीएसटी, 5 वर्ष, 2015-2020

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम वाले रोगियों में फेफड़े के अल्ट्रासाउंड आधारित पीईईपी अनुमापन बनाम एफआईओ2 आधारित पीईईपी अनुमापन पर एक तुलनात्मक अध्ययन: तृतीयक अस्पताल, नई दिल्ली में दो वर्ष का संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

2. मिनिमली इनवेसिव टिश्यू सैंपलिंग का उपयोग करके वयस्कों में मृत्यु के कारण को सुनिश्चित करने के लिए क्रास सेक्शनल अध्ययन (एमआईटीएस)।
3. उत्तरी भारत में स्वस्थ भारतीय वयस्कों के श्वसन इंपिडेंस पैरामीटरों की पूर्वसूचना एवं वैधीकरण के लिए संदर्भ इक्वैशनों के विकास का क्रास-सेक्शनल अध्ययन।
4. बहु-औषध प्रतिरोध (एमडीआर) एवं व्यापक रूप से औषध प्रतिरोध (एक्सडीआर) ग्राम नेगेटिव बैक्टेरिया के कारण वेंटीलेटर संबंधित न्यूमोनिया का क्लिनिकल प्रोफाइल एवं परिणाम को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रत्याशित अवलोकनात्मक अध्ययन।
5. सेप्टिक शॉक के निदान के लिए संशोधित शॉक इंडेक्स की उपयोगिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
6. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस पर सक्रिय निगरानी एवं लक्षित इंटरवेंशन तथा मेडिकल आईसीयू में वेंटीलेटर सह न्यूमोनिया पर इसका प्रभाव।
7. फैटी लीवर के रोगियों में एंटी ट्यूबरकुलर ड्रग के कारण लीवर में चोट।
8. कोविड 19 से ठीक होने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के बीच एंटीबॉडी प्रतिक्रिया।
9. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में एंटी-ट्यूबरक्युलर थेरेपी प्रेरित लिवर की चोटः संभावित समूह अध्ययन।
10. युवा स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के शरीर की संरचना और मेटाबोलिक प्रोफाइल का आकलन।
11. एचआईवी जनसंख्या में सार्कोपेनिया का आकलन।
12. ब्रोंकिइक्टेसिस में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी संक्रमण का संबंध एवं क्लिनिकल लक्षण वर्णन एवं रोग वृद्धि पर इसका प्रभाव।
13. कैंडिडा ऑरिसः इंफैक्शन, कोलोनाइजेशन एवं हेल्थकेयर सेटिंग में प्रसार का जोखिम।
14. कायचिकित्सा वार्ड एवं आईसीयू में परिवर्तित सेंसोरिएम को ध्यान में रखते हुए इंटुबेटिड रोगियों का क्लिनिकल प्रोफाइल एवं परिणाम।
15. तृतीयक देखभाल केंद्र पर अज्ञात मूल के बुखार वाले रोगी का क्लिनिको-एटियोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणाम।
16. डिसलिपिडेमिया-एचआईवी-एड्स रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम कारक।
17. गंभीर उपचार रोग वाले रोगियों में संपूर्ण गट माइक्रोबायोम पर प्रोबायोटिकस का प्रभाव।
18. घुटने के ओस्टियोआर्थेराइटिस वाले स्थूल रोगियों में शरीर संरचना एवं वजन पर शरीर के ऊपरी भाग के व्यायाम का प्रभाव।
19. वयस्कों में न्यूमोनिया संबंधित वेंटीलेटर की घटना एवं परिणाम: भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।
20. एचआईवी नेगेटिव लिम्फ नोड ट्यूबरक्लोसिस में विरोधाभास की प्रतिक्रिया की घटनाएं, परिणाम और अनुमान कारक।
21. प्रारंभिक निदान में इनवेसिव फंगल संक्रमणों और बायोमार्कर तथा आणविक पहुँच की भूमिका।

22. फेफड़े के कार्य में कमी तथा पल्मोनरी तपेदिक के पश्चात रेडियोलॉजिकल सीक्वेल: एक व्यवस्थित समीक्षा।
23. कृत्रिम इंटेलिजेंस बेस्ड डिसीजन सर्पोट सिस्टम का उपयोग करके वेंटीलेटर सहित न्यूमोनिया की पूर्वसूचना।
24. दंपत्ति के बीच एचआईवी सेरो-डिस्कोर्डेंस का पूर्वसूचक। एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
25. ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस के निदान में जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा की भूमिका।
26. पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टयूबरक्लोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के निदान और निगरानी में सीरम सीए-125 स्तर की भूमिका।
27. एनएएफएलडी वाले रोगियों में मस्तिष्क प्रमात्रा और संज्ञानात्मक मूल्यांकन का अध्ययन।
28. थ्रोम्बोएलास्टोग्राफिक असामान्यताएं और डेंगू बुखार में रक्तस्राव के प्रकटन के साथ संबंध
29. एचआईवी इन्सेफैलोपैथी में पीईटी स्कैन की उपयोगिता।
30. डेंगू बुखार में सीरम फेरिटिन की उपयोगिता।

पूर्ण

1. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में भाग लेने वाले क्रोनिक कैविटरी पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के इलाज के लिए मुखीय इट्राकोनाजोल के साथ नेबुलाइज्ड एम्फोटेरिसिन बी की तुलना करने वाला एक अध्ययन।
2. मधुमेह और मेटाबोलिक मापदंडों के साथ लीन मास, मांसपेशियों की ताकत और शारीरिक प्रदर्शन की सहबद्धता।
3. कैथेटर से जुड़े मूत्र पथ के संक्रमण (कौटी) - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
4. इस्नोफीलिया के रोगियों के नैदानिक और एटियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल।
5. उपचारित फुफ्फुसीय तपेदिक रोगोत्तर लक्षण (सेक्वेलै) वाले रोगियों में नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परस्पर संबंध।
6. नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर बीमारी वाले मोटे और गैर-मोटे व्यक्तियों के बीच तुलना।
7. उत्तर भारत के एक तृतीयक अस्पताल में भर्ती हल्के कोविड-19 स्थिति वाले परिवारों में द्वितीयक आक्षेप की दर का निर्धारण।
8. रेट्रो पाज़िटिव व्यक्तियों के बीच ट्यूबरक्लोसिस हेतु आइसोनियाजिड निवारक चिकित्सा की प्रभावशीलता।
9. यांत्रिक वेंटिलेशन पर रोगियों की देखभाल में साक्ष्य-आधारित प्रथाओं के कार्यान्वयन के प्रभाव: "एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन"।
10. परिणाम की भविष्यवाणी के लिए संदिग्ध संक्रमण वाले रोगियों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले बेडसाइड आरंभिक चेतावनी स्कोर का मूल्यांकन।
11. तपेदिक मैनिंजाइटिस के निदान में लूप मध्यस्थता इज़ोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (टीबी-लैंप) जांच का मूल्यांकन।

12. फुफ्फुसीय तपेदिक में प्रतिरक्षा एग्जॉशन मार्कर्स की अभिव्यक्ति।
13. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में महामारी के दौरान संस्थागत कोविड -19 स्क्रीनिंग ओपीडी और केंद्रीय नमूना टीम का कार्य।
14. गंभीर डेंगू के पूर्वसूचक भविष्यवक्ता और तीव्रता के लिए एक स्कोरिंग प्रणाली का विकास।
15. इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी) के नए निदान किए गए मामलों के मूल्यांकन में इंपल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस) की भूमिका।
16. निदान, क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल और मूत्र पथ के परिणाम में जीन-विशेषज्ञ की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पूर्व-मिश्रित इंसुलिन एनालॉग्स का उपयोग करके मधुमेह के रोगियों के साथ वयस्क रोगियों में 70/30 मिश्रित एसएआर 341402 का नोवोमिक्स® 30 के साथ 26 सप्ताह की यादृच्छिक ओपन लेबल समानांतर समूह की तुलना अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
2. मेटफोर्मिन के साथ या उसके बिना बेसल इंसुलिन पर अपर्याप्त रूप से नियंत्रित टी2डी एम रोगियों में इंसुलिन ग्लेर्जिन/ इंसुलिन ग्लेर्जिन हेतु लिक्सिसेनेटिड नियत अनुपात सम्मिश्रण की प्रभावकता एवं सुरक्षा की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक 24 सप्ताहित नियंत्रित ओपन लेबल पेरालल आर्म बहुकेद्रिक अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
3. टीडीएम2 कार्डियोवस्कुलर जोखिम कारक और मध्यम रूप से विकृत गुर्दे के कार्यो वाले रोगियों में हृदय संबंधी जोखिम और गुर्दे की घटनाओं पर सोटाग्लिफ़्लोज़िन के प्रभाव के प्रदर्शन हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
4. पूर्व-डायबेटिक रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडेड ड्रग 'आयुष-डी' के यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित भावी चरण II का नैदानिक अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
5. हाई कार्डियोवस्कुलर जोखिम, में टी2डीएम के रोगियों में कार्डियोवस्कुलर परिणामों पर एफ्पेग्लेनाइटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो कंट्रोल समानांतर समूह बहुकेंद्रीय अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
6. सहायक थेरेपी सब्जेक्ट्स के रूप में मेटफॉर्मिन के साथ टी2डीएम में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडित ड्रग "आयुष-डी" का एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित प्रौस्पेक्टिव चरण II क्लिनिकल अध्ययन, अंत:स्राविकी एवं चयापचय।
7. अधिक वजन या मोटापा से ग्रस्त, और टाइप मधुमेह 2, वाले व्यक्तियों में सेमाग्लुटाइड 2.4मिलीग्राम की सप्ताह में एक खुराक का प्रभाव और सुरक्षा अंत:स्राविकी एवं चयापचय।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 100 **सारः 1** **पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1**

रोगी देखभाल

मेडिकल ओपीडी

कुल केस	22974 (टेली ओपीडी सहित)

संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य और वयस्क टीकाकरण क्लिनिक (सोमवार और गुरुवार दोपहर 2 बजे)

कुल केसेस	300 (टेली ओपीडी सहित)

स्लीप क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2 बजे)

कुल केसेस	51

चेस्ट क्लिनिक (शुक्रवार दोपहर 2 बजे)

कुल केसेस	260 (टेली ओपीडी सहित)

मोटापा और चयापचय विकार क्लिनिक

कुल केसेस	87 (टेली ओपीडी सहित)

एंटीरेट्रोवाइरल (एआरटी) केंद्र

प्री - एआरटी	433
एआरटी	407

प्रयोगशालाएँ:

पीओसीटी लैब:

पीसीटी	3504
प्रो बीएनपी	1868
ट्रॉप I	1907
एबीजी	25641
ब्लड कल्चर	3025
रोटेम	131

स्लीप लेबोरेटरी (नींद प्रयोगशाला):

नींद अध्ययन	52
रक्तचाप की एम्बुलेटरी निगरानी	08

पीएफटी लैब:

पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	428
6 मिनट वॉक टेस्ट	90
एफओटी	48

किए गए ब्रोंकोस्कोपी की संख्या:

ब्रोन्कोएल्वेलर (बीएएल)	78
बायोप्सी	17
ट्रांसब्रोन्कियल नीडल एस्पिरेशन (टीबीएनए)	27
ईबीयूएस	6
ट्रेकियोस्टोमी	1

एडीए/एसीई लैब (प्रयोगशाला):

एसीई जांच	340

मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं:

स्पुटम स्मीयर के लिए नमूनों की संख्या -	13299
लिक्विड कल्चर के लिए नमूनों की संख्या -	9972
लिक्विड (तरल) डीएसटी के लिए नमूनों की संख्या (पहली पंक्ति)	113
लिक्विड (तरल) डीएसटी के लिए नमूनों की संख्या (दूसरी पंक्ति)	201
लाइन जांच परख के लिए नमूनों की संख्या (पहली पंक्ति एलपीए)	5683
लाइन जांच परख के लिए नमूनों की संख्या (दूसरी एलपीए)	718
जीन/एक्सपर्ट के लिए नमूनों की संख्या	4835

पुरस्कार ,सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर नवीत विग, एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 टास्क फोर्स के अध्यक्ष और मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष हैं; कोविड-19 पर नेशनल टास्क फोर्स के सदस्य, कोविड-19 पर क्लिनिकल रिसर्च ग्रुप (आईसीएमआर) के सदस्य, और तपेदिक में प्रशिक्षण और अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के नोडल अधिकारी; अध्यक्ष, टीबी पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह-कोमोरबिडिटिस; अध्यक्ष विशेषज्ञ समिति, नैदानिक प्रशिक्षण और अनुवाद संबंधी अनुसंधान पर वित्त पोषित कार्यशाला के लिए डीएचआर-आईसीएमआर; सह-अध्यक्ष, स्थायी उपचार दिशानिर्देश (चिकित्सा), आईसीएमआर; सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के शासी निकाय; भारतीय फार्माकोपिया आयोग के वैज्ञानिक निकाय के सदस्य; एचआईवी/एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य और एचआईवी/एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य रहे।

प्रोफेसर आशुतोष बिस्वास को डब्ल्यूएचओ डेंगू बुलेटिन के समीक्षक के रूप में नामित किया ग**या था;** उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत डेंगू और कोविड-19 सह-संक्रमण प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने में, एक विशेषज्ञ के रूप में, महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; स्क्रीनिंग की एक अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ इंफेक्शियस डिजीज (आईएसआईडी,

मुख्यालय यूएसए) की परिषद के सदस्य के रूप में 5 वर्ष के लिए चुना गया था; दिनांक 8 फरवरी 2021 को संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-8 फरवरी 2021 में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा, 2021 के लिए व्यक्तित्व परीक्षण बोर्ड में आयोग की सहायता करने हेतू संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली के विशेषज्ञ सदस्य रहे;जनवरी 2021 में, पीएचडी थीसिस स्थगित करने के लिए जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च पुडुचेरी द्वारा नियुक्त परीक्षक बोर्ड के सदस्य रहे; दिनांक 3 दिसंबर 2020 को सामान्य चिकित्सा विभाग में संकाय की भर्ती के लिए आभासी साक्षात्कार के रूप में एम्स, भोपाल (एमपी) की स्थायी चयन समिति के पैनल में विशेषज्ञ की भूमिका निभायी; दिनांक 27 नवंबर 2020 को आईटीएस सेंटर फॉर डेंटल स्टडीज एंड रिसर्च, मुराद नगर, गाजियाबाद (यूपी) में बीडीएस III वर्ष के लिए सामान्य चिकित्सा में प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (यूपी) के बाह्य परीक्षक चुना गया; दिनांक 28 अक्टूबर 2020 को फैकल्टी पद पर भर्ती के लिए चयन समिति के लिए एम्स, तेलंगाना द्वारा विशेषज्ञ सदस्य नामित किया गया। दिनांक 18 सितंबर 2020 को सहायक और अपर प्रोफेसर के पद के लिए सामान्य चिकित्सा विभाग में पात्र संकाय सदस्य का चयन करने के लिए जूम ऐप के माध्यम से वर्चुअली आईजीआईएमएस, पटना (बिहार) के बाह्य विशेषज्ञ चुने गए; दिनांक 22 जुलाई 2020 को आर्मी हॉस्पीटल (आर एंड आर) (सेन्टर ऑफ प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन) में एमडी (जनरल मेडिसिन) की व्यावहारिक/नैदानिक/वाइवा लिखित वार्षिक परीक्षा आयोजित/मूल्यांकन करने के लिए, एमडी (जनरल मेडिसिन) के विषय में परीक्षा बोर्ड में दिल्ली विश्वविद्यालय के बाह्य परीक्षक चुने गए। 9-13 अप्रैल 2021 के दौरान कपूरथला, पंजाब में कोरोना वायरस रोग के प्रकोप की जांच और नियंत्रण करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ), भारत सरकार द्वारा केंद्रीय बहु-अनुशासनात्मक टीम और केंद्रीय नोडल अधिकारी की तैनाती के लिए केंद्रीय टीम के विशेषज्ञ सदस्यों में से एक के रूप में मनोनीत किया गया।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, इंडियाक्लैन, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएनएएमएस), इंडियन चेस्ट सोसाइटी, इंडियन थायराइड सोसाइटी, अमेरिकन थौरैसिक सोसाइटी, इंटरनेशनल एड्स सोसाइटी, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) के सदस्य थे; वे मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका अभियान, भारत सरकार, गोवा, वैज्ञानिक समिति, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, के सदस्य भी थे। इंडेक्स्ड अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं / राष्ट्रीय निकायों और संस्थानों की समीक्षा समितियों के संपादकीय बोर्डों की सदस्यताः ‘‘केसेस जर्नल’’ के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट की समीक्षा समिति के सदस्य रहे। दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित, जर्नल आईजेएमआर की समीक्षा समिति और वर्तमान एचआईवी अनुसंधान जर्नल की समीक्षा समिति के सदस्य, डीएचआर, आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति। वे एम्स के पीजीआर एथिक्स कमेटी के सदस्य सचिव भी हैं।

डॉ मनीष सोनेजा को एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया, दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा प्रतिष्ठित श्रीमती पवन कुमारी जैन भाषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया; कोविड महामारी से संबंधित मुद्दों

पर सीओई, एमओएचएफडब्ल्यू, एम्स, सीजीआर, राष्ट्रीय मीडिया सहित विभिन्न समाचार चैनलों और समाचार पत्रों सहित विभिन्न प्लेटफार्मों पर चिकित्सकों और जनता के लिए व्याख्यान दिया और चर्चा में भाग लिया।

डॉ अनिमेष रे को इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एपीआईसीओएन 2021 में फेलोशिप और नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (इंडिया) 2020 में फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ पारुल कोडन को क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों में उत्कृष्ट प्रशिक्षु के लिए टीएई आउटस्टैंडिंग ट्रेनी अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया; यूरोपियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी एंड इंफेक्शियस डिजीज - ईएससीएमआईडी द्वारा सम्मानित किया गया।

9.20. सूक्ष्मजैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा चौधरी

आचार्य

आरती कपिल	ललित धर	बिमल के दास
बिजय रंजन मिर्धा	इमाकुलाता जैस	बेनु धवन
सीमा सूद		उर्वशी बी सिंह

सह-आचार्य

सरिता मोहापात्रा	आशीष चौधरी	गगनदीप सिंह
हितेंद्र गौतम		निशांत वर्मा

सहायक आचार्य

किरण बाला	मेघा बृजवाल	राजालीन दास
प्रियम बत्रा	आशिमा जैन विद्यार्थी	अर्घ्य दास

विशिष्टताएँ

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग पिछले एक वर्ष के दौरान कोविड -19 महामारी से लड़ने में अग्रणी रहा है, फिर चाहे वह आरटी-पीसीआर एवं सीबीएनएएटी जैसी नैदानिक सहायता हो या संक्रमण नियंत्रण गतिविधियां। कोविड -19 महामारी को देखते हुए, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग ने सीबीएनएएटी / टीआरयूईएनएटी प्रणालियों का उपयोग करके कोविड-19 हेतु तीव्र निदान प्रदान करने के लिए एक नई प्रयोगशाला आरंभ की। ये प्रणालियाँ 1-1.5 घंटे में रोग निदान प्रदान करने में सक्षम हैं। ये सेवाएं आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों तथा आपातकालीन हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले रोगियों को प्रदान की गई थीं। सीबीएनएएटी -कोविड प्रयोगशाला में 29 मई 2020 से कार्य आरंभ हो गया तथा जुलाई 2020 से 24 घंटे सेवा आरंभ हो गयी थी। इस सेवा ने न केवल संक्रमित रोगियों के शुरुआती परीक्षण तथा उन्हें एकांत में रखने में मदद की, बल्कि स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा में भी बहुत योगदान दिया। यह सुविधा जारी महामारी के लिए 24 घंटे सेवाएं प्रदान करना जारी रखे हुए है।

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं का एक अनिवार्य घटक है जिसने रोगी चिकित्सा की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष के दौरान इसने कुल 2,89,009 नैदानिक परीक्षण किए जिनमें 72,285 आरटी-पीसीआर तथा 46,422 सीबीएनएएटी कोविड-19 शामिल हैं। विभिन्न संकाय-सदस्य अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य हैं तथा कोविड-19 की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु संस्थान के पूरे स्टाफ को प्रशिक्षण देने में शामिल हैं। उन्होंने संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण दिशानिर्देशों से संबंधित कुछ दस्तावेज भी तैयार किए हैं जो हमारे सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए तैयार संदर्भ के रूप में कार्य करते हैं। पिछला वर्ष हम सभी के लिए शिक्षण हेतु नवाचारों के

मामले में अद्‌वितीय रहा है। एमबीबीएस, एमडी, डीएम, पीएचडी और बीएससी (नर्सिंग) पाठ्‌यक्रमों में नामांकित स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों का पाठ्‌यक्रम ऑनलाइन संचालित किया गया था। वेबिनार के माध्यम से पूरे देश में जानकारी फैलाने के लिए शिक्षण के ऑनलाइन माध्यम का लाभकारी उपयोग किया गया था। विभाग ने एम्स-एएसएम वेबिनार श्रृंखला के एक भाग के रूप में डॉ. रमा चौधरी, विभागाध्यक्ष एवं अमेरिकन सोसाइटी फॉर सूक्ष्म जैव विज्ञान (एएसएम) की कंट्री एंबेसडर के नेतृत्व में तीन वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। पहला वेबिनार एम्स, नई दिल्ली और एसएचयू ए टीएस, प्रयागराज द्‌वारा संयुक्त रूप से 2-4 जुलाई 2020 तक "मिलेनियम महामारी कोविड-19 से मुकाबला" शीर्षक पर आयोजित किया गया था। वेबिनार में विश्व भर से 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा इसमें महामारी विज्ञान, रोगजनन, नैदानिक प्रस्तुति से लेकर इसके निदान, रोकथाम एवं उपचार तक एसएआरएस कोरोनावायरस रोग के सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। दूसरा वेबिनार जिसका शीर्षक "एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस : रिन्यूड फाइट" था का आयोजन 7 और 8 अक्टूबर 2020 को किया गया था जिसमें मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्‌वीप से करीब 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। हम सभी को इस बात से अवगत कराने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया था कि हमें अपने देश की सबसे महत्वपूर्ण समस्या अर्थात एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को नहीं भूलना चाहिए। वेबिनार में बैक्टीरिया के साथ-साथ कवक के बीच प्रतिरोध के उद्भव पर चर्चा की गई और विभिन्न नये चिकित्सीय विकल्पों जैसे कि फेज, एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स जिसे एएमआर की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर में उपलब्ध कराए जा रहे हैं, पर भी चर्चा की गई। "एनारोब्स: माइक्रोब्स ऑफ द मिलेनियम" नामक तीसरे वेबिनार में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय-सदस्यों तथा विभिन्न देशों के प्रतिनिधि थे और यह 4 और 5 मार्च 2021 को आयोजित किया गया था। वेबिनार ने हमें एनारोब्स के बारे में बताया जो अक्सर बहुत महत्वपूर्ण होते हैं लेकिन उपेक्षित रोगजनक होते हैं। वेबिनार में विभिन्न रोगों में एनारोब्स की भूमिका, उपलब्ध विभिन्न उपचार विधियों तथा स्वास्थ्य एवं रोग में आंत माइक्रोबायोम और प्रोबायोटिक्स की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। विभाग ने आईएसओ 15189:2012 के अनुसार ऑनसाइट एनएबीएल बाहरी मूल्यांकन और विभाग के एनएबीएल प्रत्यायन की निरंतरता को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह हमारी पूरी सूक्ष्म जैव विज्ञान टीम की दृढ़ता और ईमानदारी को उजागर करता है। इस वर्ष भी काया कल्प हेतु बाह्य निरीक्षण समिति स्वच्छता के स्तर और जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन मानकों का अनुपालन किए जाने से अत्यधिक संतुष्ट थी।

विभाग ने अनुक्रमित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 90 प्रकाशनों के साथ अनुसंधान के मामले में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवधि के दौरान कई वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं आरंभ की गईं अथवा जारी रहीं, जिनमें से कई परियोजनाएं को अन्य विभागों एवं संस्थानों का सहयोग सहयोग प्राप्त था। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलनों में कई पुरस्कार प्राप्त मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ दी गईं। एक्सडीआर-टीबी (मार्च 2021 में पूर्ण पेटेंट प्रदान किया गया) के लिए ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स (प्रोब) के विकास हेतु पेटेंट प्रदान किया गया था।

प्रोफेसर बीआर मिर्धा ने वर्ष 2020 में नेशनल मेडिकल एकेडमी ऑफ इंडिया द्‌वारा प्रतिष्ठित डॉ.पी.एन.चट्टानी ओरेशन प्राप्त किया।

फोटो

एनएबीएल मूल्यांकन

National Accreditation Board for
Testing and Calibration Laboratories

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, SECOND FLOOR, TEACHING BLOCK, ANSARI NAGAR, NEW DELHI, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-3267

Issue Date: 15/11/2019 Valid Until: 14/11/2021

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Identity : ALL INDIA INSTITUE OF MEDICAL SCIENCES

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

एनएबीएल नवीनीकरण प्रमाणपत्र

कोविड-19 संबंधित संक्रमण नियंत्रण गतिविधियां

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण :

चिकित्सा सूक्ष्मजैव विज्ञान हेतु एमबीबीएस बीएससी (नर्सिंग) - चिकित्सा सूक्ष्मजैव विज्ञान

बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी - चिकित्सा शूक्ष्म जैव विज्ञान

स्नातकोत्तर शिक्षण:

पीएचडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

व्याख्यान - एक बार/सप्ताह जर्नल क्लब - एक बार/सप्ताह

एमडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

व्याख्यान/संगोष्ठी - एक बार/सप्ताह जर्नल क्लब - एक बार/सप्ताह

ट्यूटोरियल - दो बार/माह व्यावहारिक अभ्यास प्रस्तुति - दो बार/माह

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला तैनाती

डीएम (संक्रामक रोग)

संगोष्ठी - एक बार/सप्ताह

विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला तैनाती

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग ने देश के विभिन्न हिस्सों से दो उम्मीदवारों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया ।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

विभाग द्वारा आयोजित:

1. एम्स-एएसएम 2020 का पहला वेबिनार जिसका शीर्षक "मिलेनियम महामारी कोविड-19 से मुकाबला" 2-4 जुलाई 2020 को आयोजित किया गया।
2. एम्स-एएसएम 2020 का दूसरा वेबिनार जिसका शीर्षक "एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस : रिन्यूड फाइट" 7-8 अक्टूबर 2020 को आयोजित किया गया।
3. एम्स-एएसएम 2021 का वेबिनार जिसका शीर्षक "एनारोब्स: माइक्रोब्स ऑफ द मिलेनियम" 4-5 मार्च 2021 को आयोजित किया गया।
4. **एचआईवी राज्य संदर्भ प्रयोगशाला हेतु कार्यशाला/प्रशिक्षण का आयोजन**

कार्यशाला:

- इक्यूएएस पैनल वितरण कार्यशाला- मार्च- 2021 (वर्चुअल)
- प्रतिभागी: **चार राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं ने भाग लिया** अर्थात पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; सरकारी मेडिकल कॉलेज, पटियाला; सरकारी मेडिकल कॉलेज, अमृतसर और इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला और एचआईवी प्रयोगशाला, एम्स के कर्मचारी।

प्रशिक्षण:

- एनएसीओ द्वारा हैदराबाद में ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजित ब्लेंडेड प्रशिक्षण कार्यक्रम में सफल भागीदारी।
  प्रतिभागी: सभी एचआईवी एनआरएल कर्मचारी।
- आईसीएमआर- एनएआरआई द्वारा आयोजित ऑनलाइन एचआईवी सेंटिनल सर्विलांस कार्यक्रम (एचएसएस-डीबीएस) प्रशिक्षण में सफल भागीदारी।

प्रदत्त व्याख्यान

रमा चौधरी: 2 **आरती कपिल: 4** **ललित धर : 2**
उर्वशी बी सिंह: 3 **सरिता मोहापात्रा:** **गगनदीप सिंह: 5**
हितेंद्र गौतम: 3 **निशांत वर्मा: 1** **मेघा बृजवाल : 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 24

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जल एवं तलछट दोनों में गंगा नदी की गैर-क्षयकारी संपत्ति को समझने के लिए एक विस्तृत अध्ययन, आईसीएमआर:, रमा चौधरी, एमओडब्ल्यूआर एवं आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2020, रु 70 लाख।
2. भारत में एचआईवी -1 के उभरते नए वायरल उपभेदों की प्रतिकृति अनुकूलता एवं रोगजनक गुणों की जांच करने हेतु एक बहु-केंद्रित अवलोकनात्मक अध्ययन, बिमल कुमार दास, डीबीटी, 6 वर्ष 6 माह, 2014-2021, रुपये 79 लाख।
3. भारत (आईएनडीएन अध्ययन) में डेंगू संक्रमण की घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए एक बहु-केंद्रित, संभावित, समुदाय-आधारित कोहोर्ट अध्ययन, आशीष चौधरी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, रुपये 38 लाख ।
4. भारत में एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में हेमेटोपोएटिकस्टेम कोशिका प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में वायरल संक्रमण का एक संभावित अध्ययन, मेघा बृजवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपये 45 लाख।
5. कैंडिडा ओरिस डीएसटी की पारिस्थितिकी, क्रमविकास और प्रतिरोध तंत्र का एक अध्ययन, इमाकुलाता जैस, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 32 लाख।
6. सूजन आंत्र रोग (अल्सरेटिव कोलाइटिस / क्रोहन रोग) में आंत माइक्रोबायोटा और म्यूकोसल प्रतिरक्षा पर प्रोबायोटिक उपभेदों (*बैसिलस क्लॉसी*) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, रमा चौधरी, युनीक बायोटेक, 4 वर्ष, 2017-2021, रु 70 लाख।
7. बायोफिल्म निर्माण एवं जीवाणु संक्रमण को रोकने के लिए सक्रिय सतह संशोधन रणनीति, सरिता मोहापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 20 लाख।
8. नोडल सेंटर फॉर नेशनल सर्विलांस ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस - 2018-2023 आईसीएमआर, नई दिल्ली, आरती कपिल, दूसरे वर्ष में 50 लाख रुपये।
9. बैक्टीरियोफेज एंडोलिसिन: एमडीआर एसीनेटोबैक्टरपीपी के लिए एक वैकल्पिक रणनीति, रमा चौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपये 43 लाख।

10. ज्वर-संबंधी न्यूट्रोपेनिक रोगियों में एनएमआर और मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा बैक्टर्मिया, एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोधक्षमता तथा अस्पताल द्वारा प्राप्त संक्रमण के लिए बायोमार्कर", हितेंद्र गौतम, बीआईआरएसी- डीबीटी, 2.5 वर्ष, 2019-2021, रुपये 36.5 लाख ।
11. लाइम रोग का नैदानिक एवं महामारी विज्ञान अध्ययन: भारत (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) में एक बहु-केंद्रित कार्य बल अध्ययन, डॉ. रमा चौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2022, रुपये 90 लाख।
12. हरपीज ज़ोस्टर के निदान हेतु पारंपरिक एवं आणविक परीक्षणों की तुलना, आशीष चौधरी, एम्स, नई दिल्ली (एमबीबीएस मेंटरशिप प्रोग्राम), 1 वर्ष, 2020-2021, रुपये 2 लाख ।
13. भारत में क्रोहन रोग: देश से एक बहुकेंद्रीय अध्ययन जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ स्थानिक में जोहान की बीमारी, उर्वशी बी सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016-2021, 500 लाख रुपये।
14. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में बीके पॉलीओमावायरस का पता लगाना तथा जीनोटाइपिंग, मेघा बृजवाल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 9 लाख रुपये।
15. रैपिड पथोजेन कल्चर की पहचान तथा रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण की सुविधा के लिए नई विधि का विकास, आरती कपिल, टीएचएसटीआई, डीबीटी और एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
16. बैक्टीरिया एवं खमीर वृद्धि को रोकने के लिए सुपर हाइड्रोफोबिक कैथेटर का विकास, सरिता मोहापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-2021, 20 लाख रुपये।
17. संभावित बायोमार्कर के रूप में अलग-अलग व्यक्त प्रोटीन का उपयोग करने वाले पल्मोनरी और अतिरिक्त पल्मोनरी तपेदिक रोगियों का रोग निदान। प्वाइंट ऑफ केयर टेस्ट के विकास हेतु दृष्टिकोण, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 60 लाख रुपये।
18. फंगल इन्फेक्शन में औषध प्रतिरोधक्षमता: एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस सर्विलांस एंड रिसर्च नेटवर्क (एएमआरएसएन) के अंतर्गत, इमाकुलाता, आईसीएमआर, 2016 से आरंभ, 10 लाख रुपये प्रति वर्ष।
19. अर्ली बैक्टीरिसाइडल एक्टिविटी (ईबीए) और पीके/पीडी स्टडी ऑफ रिफैम्पिसिन फेरोपेनेम सेफडिनिर विद क्लैवुलानेटव्स स्टैंडर्ड ऑफ केयर इन न्यू डायग्नोज्ड स्मियर पॉजिटिव रिफैम्पिसिन ससेप्टिबल टीबी, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 70 लाख रुपये।
20. तपेदिक (रिफैम्पिसिन ससेप्टिबल) में रिफैम्पिसिन और फेरोपेनेम की अर्ली बैक्टीरिसाइडल एक्टिविटी (ईबीए) - उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 70 लाख रुपये।
21. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ स्वच्छ आर्थोपेडिक सर्जरी करवा रहे रोगियों में सर्जिकल साइट संक्रमण में बंडल इंटरवेनशन की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", बेनु धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 43 लाख।
22. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया और कवक रोगज़नक़ के विरुद्ध इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, सरिता मोहापात्रा, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2019-2021, 20 लाख रुपये।

23. समुदाय में उभरती दवा प्रतिरोध ने भारतीय आइसोलेट्स में प्रतिरोधी लक्षणों की गतिशीलता में यूरिनरी ट्रैक्ट के संक्रमण और मॉलिक्यूलर इनसाइट - एक अखिल भारतीय बहु-केंद्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सरिता मोहापात्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 65 लाख रुपये।

24. ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 और तपेदिक महामारी का महामारी विज्ञान प्रभाव एवं प्रतिच्छेदन, उर्वशी बी सिंह, डीएसटी, 2 वर्ष, 2021-2023, 172 लाख रुपये।

25. भारतीय आबादी में टाइफाइड संक्रमण में वाहक चरण की ओर ले जाने वाले प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन करना; संभावित कोहार्ट अध्ययन, बिमल के आर दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 101 लाख रुपये।

26. राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स संदर्भ प्रयोगशाला, एम्स, दिल्ली की बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस), बिमल केआर दास, एनएसीओ, जारी, 2005 से आरंभ, 9 लाख रुपये प्रति वर्ष।

27. एचआईवी एकीकृत परामर्श और परीक्षण और सीडी4 परीक्षण कार्यक्रम, बिमल कुमार दास, एनएसीओ, जारी, 2005 से आरंभ, 8.5 लाख रुपये प्रति वर्ष।

28. बाल रोग संबंधी विकृतियों में मानव साइटोमेगालोवायरस रोग, आशीष चौधरी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये।

29. कोविड-19 में संभावित सह-संक्रमण की पहचान तथा रोगी परिणामों पर इसका प्रभाव, रमा चौधरी, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।

30. एक संस्थागत एंटिफंगल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम (एएफएसपी) का कार्यान्वयन तथा एंटिफंगल उपयोग पर इसका प्रभाव तथा तीव्र फंगल संक्रमण वाले रोगियों में इसके परिणाम, गगनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 48 लाख रुपये।

31. एंटरोबैक्टीरिया के क्लिनिकल आइसोलेट्स में प्लाज़ोमिसिन की इन विट्रो संवेदनशीलता तथा एमिनोग्लाइकोसाइड संशोधित एंजाइम प्रतिरोध तंत्र के साथ इसके सहसंबंध, डॉ हितेंद्र गौतम, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.82 लाख रुपये।

32. सामुदायिक अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में स्पर्शोन्मुख मलेरिया संक्रमण की मात्रा, निशांत वर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-19 (इस वर्ष भी कार्य जारी रहा), 4.98 लाख रुपये।

33. जीनोमिक्स अवधारणा का उपयोग करके असम, सिक्किम और त्रिपुरा में एमडीआर-टीबी के हॉटस्पॉट्स की मैपिंग, उर्वशी बी सिंह, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 400 लाख रुपये।

34. एचआईवी वायरल लोड (वीएल) और प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) हेतु एनएसीओ क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला, ललित धर, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012 से आरंभ, 11 लाख रुपये (प्रति वर्ष) + अभिकर्मक समर्थन।

35. नेशनल सर्विलांस सिस्टम फॉर एंटेरिक फीवर इन इंडिया (एनएसएसईएफआई) - टीयर 3, आरती कपिल, वेलकम ट्रस्ट, सीएमसी, वेल्लोर, 4 वर्ष, 2018-2022, 45 लाख रुपये।

36. डेंगू और चिकनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम शीर्ष प्रयोगशाला, ललित धर, एनवीबीडीसीपी, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012 से आरंभ, 3 लाख रुपये (प्रति वर्ष) + अभिकर्मक सहायता।

37. नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम सर्विलांस लेबोरेटरी, ललित धर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), कोई निश्चित अवधि नहीं, 2019 से आरंभ, लगभग 95 लाख रुपये।

38. नोडल सेंटर फॉर नेशनल सर्विलांस ऑफ एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस- 2018-2023 आईसीएमआर, नई दिल्ली।

39. एमडीआर और एक्सडीआर *क्लेबसिएलेपन्यूमोनिया* के विरुद्ध नवीन चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की खोज के लिए मंच, सरिता मोहापात्रा, डीबीटी-बीआईआरएसी, 3 वर्ष, 2021-2024, 90 लाख रुपये।

40. एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के लिए डायग्नोस्टिक टूल के रूप में एंटीजन डिटेक्शन के लिए प्वाइंट ऑफ केयर यूरिनरी लिपोअराबिनोमैनन (एलएएम), किरण बाला, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.90 लाख रुपये।

41. एचआईवी पॉजिटिव रोगियों में हिस्टोप्लाज्मोसिस की व्यापकता, गगनदीप सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2019, 6 लाख रुपये।

42. एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी के लिए रैपिड मॉलिक्यूलर ड्रग रेजिस्टेंस डिटेक्शन और दिल्ली राज्य से मॉलिक्यूलर टाइपिंग ऑफ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस फ्रॉम ज़ीहल-नील्सन'स स्टेनेड माइक्रोस्कोपिक स्लाइड्स, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 60 लाख रुपये।

43. क्षेत्रीय वायरस अनुसंधान एवं नैदानिक प्रयोगशाला (आरएल-वीआरडीएल), ललित धर, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), कोई निश्चित अवधि नहीं, 2019 से आरंभ, लगभग 500 लाख रुपये।

44. रियल टाइम पीसीआर द्वारा तीव्र ज्वर संबंधी रोग तथा आणविक पहचान वाले रोगियों में रिकेट्सिया और स्क्रब टाइफस का सीरो-महामारी विज्ञान का अध्ययन। एनईआर के लिए डीबीटी ट्विनिंग कार्यक्रम, रमा चौधरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 70 लाख रुपये।

45. असम में बालकों के न्यूमोनिया संबंधी मामलों से आइसोलेट्स में स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया और हीमोफिलस सीरोटाइप का वितरण, बिमल कुमार दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 38 लाख रुपये।

46. दवा प्रतिरोधी रोगाणुओं के लिए जीवाणुरोधी अणुओं के संभावित स्रोत के रूप में हाइपर सेलाइन हैबिटेट से हेलोफिलिक / हेलोकैलिफिलिकैक्टिनोमाइसेट्स और बैक्टीरिया पर अध्ययन, सीमा सूद, एम्स-आईआईटी, 2.5 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये।

47. दिल्ली, भारत में तृतीयक चिकित्सा श्वसन केंद्र के नैदानिक नमूनों से पृथक हाइलिन गैर-स्पोरुलेटिंग मोल्ड्स का अध्ययन, गगनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30 लाख रुपये।

48. *न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी* निमोनिया (पेनुमोसिस्टिस निमोनिया) के *इम्यूनोपैथोजेनेसिस* और रोग की गतिशीलता का अध्ययन, बी आर मिर्धा, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 44 लाख।

49. एक पॉलीमाइक्रोबियल संक्रमण, बैक्टीरियल वेजिनोसिस के लिए पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट विकास की ओर, सीमा सूद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 46 रुपये लाख।

50. दिल्ली में एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में सार्स-कोव-2 नये कोरोनावायरस के स्ट्रेन का संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण, आशीष चौधरी, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, 11 लाख रुपये।

पूर्ण

1. दवा प्रतिरोधी रोगाणुओं के लिए जीवाणुरोधी अणुओं के संभावित स्रोत के रूप में हेलोफिलिक / हेलोकैलिफिलिकैक्टिनोमाइसेट्स और बैक्टीरिया और हाइपरसैलिन हैबिटैट, आरती कपिल, आईआईटी, दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, रुपये 10 लाख।
2. तीव्र फंगल संक्रमण: महामारी विज्ञान, दवा प्रतिरोध और अस्पताल से नैदानिक और पर्यावरणीय आइसोलेट्स का आणविक लक्षण वर्णन, इमाकुलाता जैस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 45 लाख रुपये।
3. *नोनोरिया* का पता लगाने के लिए नैनो-सक्षम बायोसेंसर, सीमा सूद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, 50 लाख रुपये।
4. *एन.* गोनोरिया के लिए एप्टामर आधारित पहचान प्रणाली का विकास, सीमा सूद, डीएचआर, 3.5 वर्ष, 2016-2019, 46.5 लाख रुपये।
5. मूत्र के नमूनों से क्षय रोग के निदान के लिए प्वाइंट ऑफ केयर डिस्पोजेबल सीनियर स्ट्रिप का डिजाइन और सत्यापन, उर्वशी बी सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 60 लाख रुपये।
6. बच्चों में सक्रिय फुप्फुसीय तपेदिक के निदान के लिए नोवेल बायो-सिग्नेचर का सत्यापन, उर्वशी बी सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 38 लाख रुपये।
7. बाल चिकित्सा फुप्फुसीय तपेदिक के निदान के लिए स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों का सत्यापन। बहुकेंद्रित, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, 125 लाख रुपये।
8. अतिरिक्त फुप्फुसीय तपेदिक के निदान के लिए स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों का सत्यापन। बहुकेंद्रित, उर्वशी बी सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, 125 लाख रुपये।
9. श्रेणी II तपेदिक रोगियों में सीरम मार्कर्स का प्रोग्नोस्टिक मूल्य, उर्वशी बी सिंह, दिल्ली राज्य अथवा टास्क फोर्स, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-2020, 2 लाख रुपये।
10. प्री एक्सडीआर - टीबी के ट्रीटमेंट ऑपरेशनल के रूप में मोक्सीफ्लोक्सासिन की उपयोगिता, डॉ. उर्वशी बी सिंह, दिल्ली राज्य अथवा टास्क फोर्स, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-2020, 2 लाख रुपये।
11. बच्चों और वयस्कों में प्राथमिक और माध्यमिक डेंगू संक्रमण के साथ फैलने वाले डेंगू के प्रकारों का सहसंबंध, आशीष चौधरी, एम्स दिल्ली (एमबीबीएस मेंटरशिप प्रोग्राम), 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये।
12. घटक एवं दीर्घकालिक मेनिनजाइटिस में साइटोकाइन प्रोफाइल और प्रतिरोधक कोशिकाओं का अध्ययन, हितेंद्र गौतम, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2020, 4.95 लाख रुपये।
13. फुप्फुसीय तपेदिक में उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने हेतु व्यवहार्यता परख का नैदानिक मूल्यांकन, किरणबाला, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, रु 4.94 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मिनिमली इनवेसिव टिश्यू सैंपलिंग (एमआईटीएस) का उपयोग करके वयस्कों में मृत्यु का कारण निर्धारित करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

2. कोविड-19 से स्वस्थ होने के बाद स्वास्थ्यकर्मियों में एंटीबॉडी रिस्पांस।

3. विभिन्न प्रणालीगत रोगों जैसे कि कार्डियो वैस्कुलर रोग और समय से पहले जन्म और नीम के पत्ते के प्रभाव और ओरल पथोजेंस पर अन्य हर्बल दवा के अर्क के साथ ओरल इन्फेक्शन में माइक्रोबियल पथोजेंस का जुड़ाव (*टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी)* ।

4. तीव्र फंगल संक्रमण वाले वयस्कों में एंटिफंगल उपचार के उपयोग हेतु ऑडिट।

5. बच्चों में असंतोषजनक नियंत्रित अस्थमा के लिए एज़िथ्रोमाइसिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. पेरिप्रोस्थेटिक जोड़ों के संक्रमण में जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी संशोधन के नैदानिक एवं विकिरण विज्ञान संबंधी परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

7. खाज खुजली (दाद) के निदान हेतु पारंपरिक और आणविक तकनीकों की तुलना।

8. भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) के साथ और बिना वास्तविक समय पीसीआर बनाम न्यूजेंट स्कोरिंग निदान सटीकता की तुलना।

9. रुधिर विज्ञान संबंधी रोगों वाले रोगियों में पर्वोवायरस बी19 संक्रमण का पता लगाना।

10. एप्टामर्स का उपयोग करके पीओसीटी का विकास: *निसेरिया गोनोरिया* एक प्रोटोटाइप के रूप में।

11. पार्किंसंस रोग के 6 हाइड्रॉक्सी डोपामाइन चूहे मॉडल में संज्ञानात्मक तथा मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक और ट्रांस क्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव ।

12. इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में *माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया* और *न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी* की आवृत्ति और आनुवंशिक लक्षण का वर्णन ।

13. बाल ल्यूकेमिया (एएलएल और एएमएल) में ह्यूमन साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) रोग।

14. क्लिनिकल नमूनों में हाइपरविरुलेंट *क्लेबसिएलेपन्यूमोनिया* की पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न ।

15. हाइपरविरुलेंट *क्लेबसिएलेपन्यूमोनिया* की पहचान और एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता पैटर्न।

16. क्लिनिकल नमूनों से पृथक एस्परगिलस की गुप्त प्रजातियों की पहचान और लक्षण वर्णन।

17. *निसेरिया गोनोरिया के* लिए वैकल्पिक एंटीमाइक्रोबियल संयोजनों का इन विट्रो मूल्यांकन।

18. रक्त प्रवाह संक्रमण / सेप्सि, यूरिनरी ट्रैक्ट के संक्रमण अथवा निमोनिया के रोगियों से कार्बापेनम-प्रतिरोधी ग्राम-नकारात्मक बेसिली की अपेकक्षा सेफिडेरोकोल की इन विट्रो संवेदनशीलता।

19. एक्सडीआर एसिनेटोबैक्टर बाउमैनी के नैदानिक आइसोलेट्स में एरावासाइक्लिनव / एस टाइगेसाइक्लिन की इन विट्रो संवेदनशीलता और प्रतिरोध तंत्र का अध्ययन।

20. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिकेंटेरोकोलाइटिस के परिणाम की घटनाएं और निर्धारक।

21. एएमएल अथवा ऑटोलॉगस एचएससीटी के लिए कंडीशनिंग के लिए स्टैंडर्ड इंडक्शन कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में बहु-औषध प्रतिरोधक बैक्टीरिया द्वारा गट कोलोनाइजेशन की घटना और प्रभाव।

22. सेंट्रल वेनस कैथेचर से जुड़े वेनस थ्रोम्बोसिस की घटना, जोखिम कारक और जटिलताएं।

23. एसिनेटोबैक्टर बाउमन्नी क्लिनिकल आइसोलेट्स के खिलाफ बैक्टीरियोफेज का अलगाव और लक्षण का वर्णन।

24. एमडीआर बैक्टीरियल स्ट्रेन के खिलाफ बैक्टीरियोफेज का अलगाव और पहचान।
25. एमडीआर-टीबी रोगियों के करीबी संपर्कों की माइक्रोबायोलॉजिकल फॉलोअप और जीनोटाइपिक जांच।
26. मलेरिया के निदान के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर परख और पीवाइवाक्स में क्लोरोक्वीन रेसिस्टेंस का आणविक पता लगाना।
27. स्टेराइल पायरिया के रोगियों में *क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, यूरियाप्लाज्माउरेलिटिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटलियम* की उपस्थिति।
28. उत्तर भारत के एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में ईयोसिनोफिलिया के रोगियों में परजीवी संक्रमण की व्यापकता।
29. प्रसवपूर्व महिलाओं में योनि और प्लेसेंटा माइक्रोबियल फ्लोरा की प्रोफाइल।
30. एमआरएसए और एजिथ्रोमाइसिन की पहचान के लिए रैपिड एलेक्ट्रोकेमिकल : रेसिस्टेंट एनजी एक नई रणनीति।
31. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) से जुड़े बैक्टीरिया का पता लगाने में एप्टामर तकनीक की भूमिका।
32. प्रसवपूर्व रोगियों में योनि माइक्रोबियल फ्लोरा और प्लेसेंटा की अधिकता का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. एलोजेनिक हेमटोपोइएटिक स्टेम कोशिका प्रतिरोपण के रोगियों में बीके और जेसी पॉलीओमावायरस का पता लगाना।
2. लैक्टोबैसिलस स्ट्रेन की विशेषता और उनके इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभावों का मूल्यांकन।
3. क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और यूरोसेप्सिस का परिणाम - उत्तर भारत के एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में एक संभावित अध्ययन।
4. मल्टीप्लेक्स पीसीआर और *एस न्यूमोनिया (एक वर्ष में रोक दिया गया क्योंकि यह आईसीएमआर एसआरएफ फैलोशिप के अंतर्गत था और छात्र ने फेलोशिप छोड़ दी) के* विषाणु चिह्नक द्वारा बच्चों में तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस एटिओलॉजी का निर्धारण ।
5. असामान्य जीवों पर विशेष जोर देने के साथ वेंटिलेटर संबंधी न्यूमोनिया में एटियोलॉजिकल एजेंट्स।
6. भारतीय अस्पताल में वृक्क एलोग्राफ़्ट प्राप्तकर्ताओं के दीर्घकालिक परिणामों पर हेपेटाइटिस सी उपचार का प्रभाव।
7. बालपन में इंट्रा-थोरेसिक ट्यूबरकुलोसिस का मेटाबॉलिक प्रोफाइल।
8. टिक-जनित लाइम बोरेलिओसिस, ह्यूमन मोनोसाइटिक एर्लिचियोसिस और ह्यूमन ग्रैनुलोसाइटिक एनाप्लास्मोसिस का आणविक पता लगाना तथा लक्षण का वर्णन करना।
9. तीव्र ज्वर संबंधी रोग वाले रोगियों में रिकेट्सियासी की आणविक पहचान और लक्षण का वर्णन।
10. रियल टाइम पीसीआर द्वारा लीजियोनेला न्यूमोफिला का आणविक पता लगाना और अनुक्रम-आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण का वर्णन ।
11. एचआईवी संक्रमित रोगियों में स्टैफिलोकोकस ऑरियस की अधिकता : घटना, जोखिम कारक और बाद में त्वचा और कोमल ऊतक संक्रमण।

12. न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी न्यूमोनिया (पीजेपी)/न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया (पीसीपी) के नैदानिक रूप से निदान किए गए रोगियों के समूह में जीवाणु संक्रमण का अध्ययन और रोग के परिणाम पर इसका प्रभाव।

13. ब्रोन्किइक्टेसिस के एटियोलोजी के रूप में न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी का अध्ययन और रोग की प्रगति पर इसका प्रभाव।

14. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों के विभेदन में 99एम-टीसीयूबीक्वीसीडीन की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नए निदान प्राप्त सेप्टम पॉजिटिव फुप्फुसीय तपेदिक के वयस्कों में रिफैम्पिसिन, आइसोनियाज़िड, पाइराज़िनमाइड और एथमब्यूटोल के साथ दिए जाने के पश्चात मेटफॉर्मिन की एंटी-बैक्टीरियल गतिविधि, फार्माकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए चरण आईआईबी ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण: एक 8-सप्ताह का अध्ययन आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित; 2018-19, फुप्फुसीय, सघन चिकित्सा एवं निद्रा चिकित्सा।

2. मिश्रित योनि संक्रमण के रोगियों में क्लिंडामाइसिन 100 मिलीग्राम और क्लोट्रिमेज़ोल 100 मिलीग्राम बनाम क्लोट्रिमेज़ोल 100 मिलीग्राम योनि सपोसिटरी के निश्चित खुराक संयोजन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण- IV, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक, संभावित, बहुकेंद्रित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग ।

3. पट्टिका और मसूड़े की सूजन को कम करने में हर्बल माउथवॉश की प्रभावकारिता की पुष्टि करने वाला एक अध्ययन: इन विट्रो मूल्यांकन और एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, पीरियोडोंटिक्स।

4. एएमआर-डियाग: एएमआर के अनुक्रम आधारित पूर्वानुमान हेतु एक नया नैदानिक संयंत्र, जैव भौतिकी (इंडो-नॉर्वे)।

5. चिकित्सा वार्ड तथा सघन चिकित्सा एकक में क्लिनिकल और एनवायर्नमेंटल फंगल आइसोलेट्स का विश्लेषण-अस्पताल संक्रमण निगरानी के लिए एक उपकरण, कायचिकित्सा।

6. बीवी में मेटाबोलामिक्स की नैदानिक/या पूर्वानुमान लगाने की क्षमता का विश्लेषण, इसकी उपचार में विफलता, अन्य एसटीआई हेतु रिलैप्स और संवेदनशीलता, त्वचारोग विज्ञान।

7. उपचार से पहले और बाद में बैक्टीरियल वेजिनोसिस से प्रभावित महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और मेटाबॉलिज्म का विश्लेषण और पुनरावर्तन अथवा पुनरावृत्ति के साथ उनका संबंध, त्वचारोग विज्ञान।

8. समय पूर्व नवजात शिशुओं में त्वचा कीटाणुशोधन के लिए 1% जलीय सीएचजी के अनुप्रयोग के दो अलग-अलग तरीकों के बाद एंटीसेप्टिक प्रभावकारिता और प्लाज्मा क्लोरहेक्सिडिन स्तर: सिंगल ब्लाइंडेड, समानांतर समूह, यादृच्छिक परीक्षण, बाल रोग विज्ञान।

9. कोरोनावायरस रोग 19 संक्रमण में मलेरिया-रोधी एंटीबॉडी स्तरों और रोग परिणामों का संबंध, कायचिकित्सा।

10. बैक्टीरियोफेज एंडोलिसिन: सुपरबग एमडीआर एसिनेटोबैक्टर एसपीपी के लिए एक वैकल्पिक रणनीति, सूक्ष्म जैव विज्ञान ।
11. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र फंगल संक्रमण की अधिकता, बाल रोग विज्ञान।
12. भारत में जिला अस्पताल में बहुऔषध प्रतिरोधी नवजात सेप्सिस की अधिकता, बाल रोग विज्ञान।
13. इन्फ्लुएंजा और अन्य श्वसन संबंधी वायरस, रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी), अटलांटा (यूएसए) और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स पर सीडीसी-एम्स सहकारी समझौता परियोजनाएं।
14. परामर्श प्रक्रिया निगरानी के साथ संयुक्त रक्त प्रवाह संक्रमण रोगियों में पारंपरिक प्रोसेसिंग पर एमएएलडीआई-टीओएफ एमएस का उपयोग करने की नैदानिक प्रभावकारिता: एक पूर्व-पोस्ट अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन, कायचिकित्सा।
15. एमडीआर और एक्सडीआर ग्राम-नेगेटिव बेसिली के कारण वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के क्लिनिकल प्रोफाइल और परिणाम, कायचिकित्सा।
16. क्लिनिको-महामारी विज्ञान स्पेक्ट्रम और म्यूकोर्मिकोसिस के पूर्वानुमान को प्रभावित करने वाले कारक, कायचिकित्सा।
17. चिकित्सा अभिलेखों के विसंक्रमण के विभिन्न तरीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, अस्पताल प्रशासन।
18. व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण, यूनिसेफ।
19. कोविड-19 महामारी के जवाब में प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा कर्मचारियों हेतु ऐप-आधारित द्विभाषी ई-लर्निंग मॉड्यूल विकसित करना, सामुदायिक चिकित्सा।
20. पार्किंसंस रोग में उतार-चढ़ाव वाले रोगियों में 8 स्ट्रेन के प्रोबायोटिक सैशे के साथ आहार अनुपूरक; अवधि 3 वर्ष: जून 2019 - मई 2022, शरीर क्रिया विज्ञान।
21. क्या नवजात प्रारंभिक सेप्सिस के मामले में भ्रूण की प्रतिरक्षा संबंधी प्रतिक्रिया गर्भाशय में शुरू होती है, बाल रोग विज्ञान।
22. नव नैदानित सेप्टम सकारात्मक फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में प्रारंभिक प्रस्तुति और उपचार प्रतिक्रिया पर ग्लाइसेमिक नियंत्रण का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
23. पार्किंसंस रोग में उतार-चढ़ाव वाले रोगियों में अनुभूति और मोटर लक्षण पर प्रोबायोटिक सप्लीमेंटेशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान।
24. कैरीज़ एक्टिव बालकों में माइक्रोबियल काउंट पर क्रैनबेरी एक्सट्रेक्ट माउथ रिंस बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंस की प्रभावशीलता - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पेडोडोंटिक्स।
25. कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए मानव एक्सपोज़र को कम करने के लिए फर्श की सफाई में रोबोट की प्रभावशीलता, अस्पताल प्रशासन।
26. ड्रग रेसिस्टेंस बैक्टीरिया और कवक रोगज़नक़ के खिलाफ इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावशीलता: इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, आईआईटी, नई दिल्ली।

27. कुपोषित नव निदानित सेप्टम सकारात्मक फुफ्फुसीय तपेदिक वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार करने वाले मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में एनर्जी डेंस न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट (ईडीएनएस) की प्रभावकारिता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
28. दीर्घकालिक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के सेरोडायग्नोसिस के लिए एलडी बायो एस्परगिलस आईसीटी लेटरल फ्लो परख की प्रभावकारिता, कायचिकित्सा।
29. उत्तर भारत में एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में एक्यूट, सब-एक्यूट और क्रोनिक एन्सेफलाइटिस / एन्सेफैलोपैथी के साथ होने वाले शिशुओं, बच्चों और किशोरों की ईटियोलॉजिकल प्रोफाइल: 2019-2022, बाल रोग विज्ञान।
30. उत्तर भारत में एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में एक्यूट, सब-एक्यूट और क्रोनिक एन्सेफलाइटिस / एन्सेफैलोपैथी के साथ होने वाले शिशुओं, बच्चों और किशोरों की ईटियोलॉजिकल प्रोफाइल, बाल रोग विज्ञान।
31. एक नये हर्बल एंटीसेप्टिक फॉर्मूलेशन का मूल्यांकन - क्रोनिक लिंब अल्सर और प्रेशर अल्सर के इलाज के लिए एसईपीआईएल: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंडेड, प्लेसबो-नियंत्रित बहु-केंद्रित परीक्षण, अस्थिरोग।
32. आईवीएफ करवाने वाली ट्यूबल और अस्पष्टीकृत बांझपन वाली महिलाओं में क्रोनिक एंडोमेट्रैटिस में हिस्टेरोस्कोपी, हिस्टोपैथोलॉजी और आणविक सूक्ष्म जैव विज्ञान की नैदानिक क्षमता का मूल्यांकन- एक संभावित कोहार्ट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
33. महिला जननांग तपेदिक के आरंभिक नैदानिक अनुशंषित आरएनटीसीपी तरीकों के मुक़ाबले नए आणविक तरीकों और एंटीजन आधारित डायग्नोस्टिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
34. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए वैकल्पिक लार निदान रणनीतियों की खोज, जैव भौतिकी।
35. कोविड-19 में एटिपिकल निमोनिया पैदा करने वाले जीवाणु एजेंटों की पहचान, और रोगी के परिणामों पर इसका प्रभाव, संवेदनाहरण एवं कायचिकित्सा।
36. उत्तर भारत में एमएएलडी-टीओएफ एमएस द्वारा पता लगाए गए दुर्लभ रोगजनकों की पहचान, रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न और क्लिनिकल सहसंबंध, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
37. अंतःरोगी पर्यावरणीय वायु में माइक्रोबियल अधिकता सहित वायु गुणवत्ता पर वायु गुणवत्ता हस्तक्षेप का प्रभाव, अस्पताल प्रशासन।
38. *एसिनेटोबैक्टरबाउमन्नी* वेंटिलेटर-एसोसिएटेड न्यूमोनिया (वीएपी) के लिए *सल्बैक्टम* संयोजन उपचारों के इन विट्रो मूल्यांकन, कायचिकित्सा।
39. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिकेंटेरोकोलाइटिस के परिणाम की घटना और निर्धारक अवधि 2 वर्ष: जून 2019 - मई 2021, बाल रोग विज्ञान।
40. तीव्र फंगल संक्रमण और प्रारंभिक निदान में बायोमार्कर और आणविक दृष्टिकोण की भूमिका, कायचिकित्सा।
41. विभिन्न तरीकों से कोलिस्टिन संवेदनशीलता की जांच और एंटरोबैक्टीरियासी में कोलिस्टिन रेसिस्टेंस का तेजी से पता लगाना, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

42. एक्सडीआर *एसिनेटोबैक्टरबाउमानी* के क्लिनिकल आइसोलेट्स में एरावासाइक्लिन बनाम टिगेसाइक्लिन के इन विट्रो संवेदनशीलता और प्रतिरोध तंत्र के अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

43. एमडीआर बैक्टीरियल स्ट्रेन के खिलाफ बैक्टीरियोफेज का अलगाव और पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

44. प्लेसेंटा के माइक्रोबायोम का मेटागेनोमिक मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग, रिकेट्सिया और तीव्र ज्वर संबंधी बीमारी वाले रोगियों में स्क्रब टाइफस का सीरो-महामारी विज्ञान अध्ययन और रियल टाइम पीसीआर द्वारा आणविक पहचान, कायचिकित्सा।

45. बच्चों में तीव्र बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस की एटियलजि का निर्धारण करने के लिए बहु-केंद्रित संभावित अस्पताल-आधारित सेंटिनल सर्विलांस, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, केआईएमएस अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, केम्पेगौड़ा आयुर्विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।

46. चरण III, रैंडमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, वीपीएम 1002 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित नव निदानित थूक पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी (पीटीबी) रोगियों के स्वस्थ परिवारों के संपर्कों में ट्यूबरक्लोसिस रोग की रोकथाम में इम्यूनोवैक टीके; 2018-2020, फुप्फुसीय, सघन चिकित्सा एवं निद्रा चिकित्सा।

47. कोविड-19 में सार्स-कोव-2 के लिए आईजी एंटीबॉडी की व्यापकता और दृढ़ता ने स्वास्थ्यकर्मियों और उनके परिवार के क्लस्टर की पुष्टि की अवधि- 2020-2022, सूक्ष्म जैव विज्ञान।

48. प्रसवपूर्व महिलाओं में योनि और प्लेसेंटा माइक्रोबियल फ्लोरा प्रोफाइल, प्रसूति एवं स्त्री रोग।

49. "अस्पष्टीकृत बांझपन" के साथ महिलाओं में तपेदिक और जननांग *क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस* संक्रमण की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग।

50. कायचिकित्सा आईसीयू में भर्ती मरीजों में *कैंडिडा ऑरिस के* विशेष संदर्भ में कैंडिडा कॉलोनाइजेशन के लिए स्क्रीनिंग, कायचिकित्सा।

51. मधुमेह के रोगियों में यूरिनरी ट्रैक्ट के संक्रमण की सेक्युलर ट्रेंड और उनकी एंटीबायोटिक संवेदनशीलता, अंतःस्राविकी एवं चयापचय।

52. ओरल ल्यूकोप्लाकिया में प्रो-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स पर कैंडिडा और एंटिफंगल थेरेपी का प्रभाव - एक प्रायोगिक अध्ययन, मुख चिकित्सा और विकिरण विज्ञान।

53. उच्च जोखिम वाली आबादी (बीआरआईसी) में कोविड-19 की घटनाओं और गंभीरता को कम करने में बेसिलस कैलमेट गुएरिन (बीसीजी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना : एक बहुकेंद्रित, क्वाड्रपल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा।

54. भारतीय आबादी में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करना: सिंगल ब्लाइंड, समानांतर समूह, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा।

55. प्रीटर्म और टर्म नियोनेट्स में गर्भनाल की ब्लड कल्चर सकारात्मकता: संभावित कोहोर्ट अध्ययन, बाल रोग विज्ञान।

56. संक्रमण के कारण अज्ञात मूल के पाइरेक्सिया (पीयूओ) के रोगियों में एक निर्णय समर्थन एल्गोरिदम की स्थापना में इमेजिंग एजेंटों के रूप में रेडियो लेबल एंटीबायोटिक्स की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक क्लिनिकल परिणामों पर इसका प्रभाव, नाभिकीय चिकित्सा।

57. संक्रमण के कारण अज्ञात मूल (पीयूओ) के पाइरेक्सिया वाले रोगियों में इमेजिंग एजेंटों के रूप में रेडियोलैबल्ड एंटीबायोटिक दवाओं की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, नाभिकीय चिकित्सा।

58. *कैंडिडा ऑरिस* का संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (आईएसएचएम के 'जीनोमिक एपिडेमियोलॉजी ऑफ फंगल इंफेक्शन' वर्किंग ग्रुप के अंतर्गत समन्वय समूह।), सीडीसी, अटलांटा।

पूर्ण

1. राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) जल संसाधन और नदी विकास मंत्रालय, एमओडब्ल्यूआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित पानी और तलछट दोनों में गंगा नदी की गैर-क्षयकारी संपत्ति को समझने के लिए विस्तृत अध्ययन।

2. इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड होस्ट में पेट में संक्रमण: एक रेडियोलॉजिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल और क्लिनिकल सहसंबध, रुधिर विज्ञान।

3. टीबी लिम्फैडेनाइटिस के रोगियों में उपचार की प्रतिक्रिया के साथ चिकित्सीय दवा के स्तर और कृमि संक्रमण का संघ, कायचिकित्सा।

4. नैव अल्सरेटिव कोलाइटिस के उपचार वाले रोगियों में समृद्ध फेकलमाइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरान्त्ररोग विज्ञान।

5. नवजात शिशुओं में त्वचा के एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडाइनग्लुकोनेट तैयारी की प्रभावकारिता: एनोइनफेरियरिटी यादृच्छिक परीक्षण, बाल रोग विज्ञान।

6. *प्लास्मोडियम वाइवैक्स* संक्रमण में गंभीरता के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन - एक संभावित अध्ययन, कायचिकित्सा।

7. तीव्र ज्वर संबंधी बीमारी (एमपीओसीटी) के लिए मल्टीप्लेक्स प्वाइंट-ऑफ-केयर परीक्षण, बाल रोग विज्ञान।

8. नियोएएमआर ग्लोबल अवलोकनात्मक अध्ययन: अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, बाल रोग विज्ञान।

9. कोलेस्टीटोमा आक्रामकता का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, कान, नाक, गला विभाग।

10. वेंटिलेटर संबंधी न्यूमोनिया के साथ एयरवे कॉलोनाइजेशन और एंडोट्रैचियल ट्यूब बायोफिल्म के गतिशील संबंधों का अध्ययन करना, फुप्फुसीय चिकित्सा तथा निद्रा रोग।

प्रकाशन

पत्रिका : 73 **पुस्तकों में अध्याय : 2** **पुस्तकें : 1**

रोगी चिकित्सा

सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग ने वर्ष 2020-2021 के दौरान कुल **2,89,009 परीक्षण** किए।

परख/ परीक्षा / जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या		परख/ परीक्षा/जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या
बैक्टीरियोलॉजी लैब			**परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला**	
पस नमूने कल्चर और पहचान	10,334		**क. सीरोलॉजिकल जांच**	
सोनिकेशन के लिए आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण	15		एलिसा द्वारा एंटी-*अमीबिक* आईजीजी एंटीबॉडीज के लिए सीरोलॉजी	116
यूरिन नमूने कल्चर और पहचान	22,098		एलिसा द्वारा आईजीजी एंटीबॉडी के लिए एंटी-*इचिनोकोकस* *के* लिए *सीरोलॉजी*	62
ब्लड नमूने कल्चर और पहचान	18,790		एलिसा द्वारा एंटी-*टॉक्सोप्लाज्मा* आईजीजी एंटीबॉडी के लिए सीरोलॉजी	24
थूक / गले की सूजन / श्वासनली की सूजन के नमूने कल्चर और पहचान	10,009		**ख. मलेरिया के लिए जांच**	
सीएसएफ/बाँझ नमूने कल्चर और पहचान • नियमित रोगी चिकित्सा के लिए सीएसएफ नमूने की ऑटोमेटेड कल्चर	5,379 (700/5379)		फ्लोरोसेंट स्टैनिंग (एक्रिडीन ऑरेंज)	2178
मल के नमूने कल्चर और पहचान	1,063		गिमेसा स्टैनिंग	2178
बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के लिए सीएसएफ नमूने से लेटेक्स एग्लूटीनेशन (एंटीजन डिटेक्शन)	415		मात्रात्मक बफी कोट (क्यूबीसी) परख	2178

रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण			एचआरपी-II एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट	2178
मवाद / एक्सयूडेट्स / ऊतक - रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	2,254		**ग .काला-जर के लिए जांच**	
मूत्र - रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	1,718		फ्लोरोसेंट स्टैनिंग (एक्रिडीन ऑरेंज)	112
रक्त - रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	1,752		गिमेसा स्टैनिंग	112
श्वसन के नमूने - रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	4,090		काला-जार सीरोलॉजी (आरके-39)	225
सीएसएफ/बाँझ नमूने - रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण • सीएसएफ/ स्टेराइल नमूने से ऑटोमेटेड एंटीमाइक्रोबियल सीएसएफ /बाँझ नमूने से ऑटोमेटेड एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता परीक्षण (वीआईटीईके-2)	712 (65/712)		**घ. आंतों के परजीवी के लिए फेकल नमूने की जांच**	
मल के नमूने - एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता परीक्षण	शून्य		प्रत्यक्ष और एकाग्रता तकनीक	805
कुल	**78,215**		*इन-विट्रो* कल्चर	030
			आंतों के कोक्सीडिया के लिए संशोधित एसिड-फास्ट और विशेष स्टैनिंग	805
अस्पताल संक्रमण नियंत्रण (एचआईसी) लैब			माइक्रोस्पोर्डिया प्रजातियों का पता लगाने के लिए पीसीआर परख	805
सर्विलांस कल्चर	13,512		**ड.. एस्पिरेट्स की जांच**	
सीएसएसडी / नसबंदी निगरानी	1,605		थूक, पस और अन्य एस्पिरेट्स	40

पानी के नमूने	1,261		**च. फाइलेरिया के लिए जांच**	
कुल	**16,378**		प्रत्यक्ष और एकाग्रता तकनीक	281
			एक्रिडीन ऑरेंज	281
अवायवीय और विशेष जीवाणु रोगजनक प्रयोगशाला			थिन स्मीयर जांच	281
अवायवीय कल्चर के लिए नमूने (रक्त, पित्त, बाल, सीएसएफ, ऊतक)	287		थिक स्मीयर जांच	281
			फाइलेरिया प्रतिजन का पता लगाना	281
क्लोस्ट्रीडायोड्स डिफिसाइल			क्यूबीसी	281
सी . डिफिसाइल के लिए स्टूल कल्चर	326		**छ. अन्य जांच**	
सी . डिफिसाइल एलिसा . के लिए मल के नमूने	326		स्टैनिंग और पीसीआर परख द्वारा *न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी* संक्रमण (पीसीपी) का पता लगाने के लिए जांच	159
सी . डिफिसाइल पीसीआर के लिए मल का नमूने	300		मुक्त रहने वाले अमीबा (एफएलएएस) के लिए मस्तिष्कमेरु द्रव परीक्षण	14
सी . डिफिसाइल जेनएक्सपर्ट के लिए मल का नमूने	22		कृमि के नमूने	01
विशेष जीवाणु रोगज़नक़ प्रयोगशाला (एसबीपीएल)			आर्थ्रोपोड नमूने	02
लेप्टोस्पाइरा			**कुल**	**13,770**
लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के लिए कल्चर हेतु साइट्रेट ब्लड नमूने।	25			

लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के लिए कल्चर हेतु यूरिन नमूने ।	22		**विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला**	
लेप्टोस्पाइरा आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	602		**मॉलिक्यूलर टेस्ट (पारंपरिक, रियल टाइम पीसीआर)**	
मूत्र डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	390		सार्स-कोव-2 नॉवेल कोरोनावायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	72,285
प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	401		सार्स-कोव-2 के लिए संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (एनजीएस)	55
स्क्रब टाइफस और रिकेट्सिया			इन्फ्लुएंजा रीयल टाइम मल्टीप्लेक्स आरटी-पीसीआर	359
स्क्रब टाइफस के लिए आईजीएम एलिसा	628		रेस्पिरेटरी वायरस पैनल (इन्फ्लूएंजा के अलावा) मल्टीप्लेक्स पीसीआर	54
स्क्रब टाइफस के लिए आईएफए	152		एचएसवी 1 और 2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ, जीयूडी, ओकुलर आदि)	117
स्क्रब टाइफस के लिए आईसीटी	70		एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (यूरिन, कोलोनिक बायोप्सी, सीएसएफ आदि)	180
स्क्रब टाइफस नेस्टेड पीसीआर 56 केडीए जीन	106		आरंभिक शिशु डायग्नोसिस के लिए एचआईवी -1 आरटी-पीसीआर (डीबीएस नमूने)	3,188
स्क्रब टाइफस रियल टाइम पीसीआर 47 एचटीआर जीन	172		एचआईवी -1 आरएनए आरटी-पीसीआर (वायरल लोड)	2,138
रिकेट्सिया स्पॉटेड फीवर ग्रुप आईजीएम एलिसा	212		डेंगू और चिकनगुनिया वायरस रीयल टाइम आरटी-पीसीआर	99
रिकेट्सिया टाइफस समूह आईजीएम एलिसा	212		पॉलीओमावायरस (बीके/जेसी) रीयल टाइम आरटी-पीसीआर	247
रिकेट्सिया नेस्टेड पीसीआर जीएलटी जीन	56		रैश वायरल पैनल के साथ बुखार (खसरा, एंटरोवायरस, पर्वोवायरस बी19, एचएचवी-6 और एचएचवी -7)	3

रिकेट्सिया रीयल-टाइम पीसीआर जीएलटी जीन	112		वायरल मेनिनजाइटिस / एन्सेफलाइटिस पीसीआर पैनल (एचएसवी, एंटरोवायरस, पारेकोवायरस, वीजेडवी, मम्प्स)	120
बर्टोनेला			वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस पैनल (रोटावायरस, नोरोवायरस, एडेनोवायरस 40/41)	13
बार्टोनेला कल्चर के लिए नमूने	02		एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) डीएनए पीसीआर (पारंपरिक, रियल टाइम पीसीआर)	87
बार्टोनेला आईएफए के लिए नमूने	02		पर्वोवायरस बी19 रियल टाइम पीसीआर	67
लेजिओनेला न्यूमोफिला			रियल टाइम आरटी-पीसीआर द्वारा डेंगू वायरस सीरोटाइपिंग	181
लेजिओनेला सीरोलॉजी	353		**एंटीजन का पता लगाना**	
लेजिओनेला पीसीआर	353		डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलिसा)	1,854
लीजियोनेला के लिए कल्चर	117		रोटावायरस एंटीजन (आईसीटी)	12
लीजियोनेला यूरिन एंटीजन	353		सार्स-कोव-2 एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट (आईसीटी)	10
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया			**एंटीबॉडी का पता लगाना (सीरोलॉजी)**	
माइकोप्लाज्मा आईजीएम एंटीबॉडी का पता लगाना	353		डेंगू रोधी आईजीएम (एलिसा)	2,225
माइकोप्लाज्मा आईजीजी एंटीबॉडी का पता लगाना	60		प्राथमिक बनाम माध्यमिक डेंगू निर्धारण के लिए एंटी-डेंगू आईजीजी (एलिसा)	94
माइकोप्लाज्मा पीसीआर	317		चिकनगुनिया विरोधी आईजीएम (एलिसा)	67
माइकोप्लाज्मा कल्चर	153		एंटी-जापानी इंसेफेलाइटिस आईजीएम (एलिसा)	30
क्लैमाइडिया निमोनिया			खसरा रोधी आईजीएम (एलिसा)	1
क्लैमाइडिया न्यूमोनिया आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	353		एंटी-ईबीवी (वीसीए) आईजीएम (एलिसा)	2

क्लैमाइडिया न्यूमोनिया आईजीजी एंटीबॉडी के लिए एलिसा	60		एंटी-सार्स-कोव-2 आईजीजी (एलिसा)	658
लाइम रोग			**प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी**	
लाइम रोग आईजीएम एलिसा	44		टीजंक स्मीयर (एचएसवी1 और 2, वीजेडवी के लिए)	23
लाइम रोग आईजीजी एलिसा	44		डाउनी कोशिकाओं/एटिपिकल लिम्फोसाइटों के लिए पीएस (ईबीवी-संबंधित संक्रामक मोनोन्यूक्लिओसिस)	3
लाइम रोग आईजीमिमानब्लॉट	10		**कुल**	**84,174**
लाइम रोग आईजीमिमानब्लॉट	10			
बोरेलिया 16एस रीयल-टाइम पीसीआर	67		**माइकोलॉजी प्रयोगशाला**	
कुल	**7,072**		**प्रत्यक्ष माइक्रोस्कोपी और कल्चर**	
			ब्लड कल्चर/अस्थि मज्जा/रक्त बीएसीटीईसी	960
माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला			श्वसन (बाल, थूक, श्वासनली एस्पिरेट)	3355
क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस पीसीआर	120		यूरिन	1079
यूरियाप्लाज्माउरेलिटिकम कल्चर	81		सीएसएफ	909
यूरियाप्लाज्माउरेलिटिकम पीसीआर	113		ऊतक/बायोप्सी	525
माइकोप्लाज्मा होमिनिस कल्चर	81		स्किन स्क्रेप्पिंग/नाखून/बाल	51
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	113		तरल पदार्थ (पेरिटोनियल, पेरिकार्डियल और एस्सिटिक फ्लूइड)	653

माइकोप्लाज्मा जननांग पीसीआर	100		मवाद	420
कुल	**608**		विविध (प्लेटें, स्वैब, कैथेटर युक्तियाँ)	804
			फंगल सीरोलॉजी / एंटिफंगल / टीडीएम / पीसीआर	
यौन संचारित रोग (एसटीडी) प्रयोगशाला			क्रिप्टोकोकल एंटीजन	767
कल्चर के लिए क्लिनिकल नमूने (नियमित/एनजी)			गैलेक्टोमैनन एंटीजन	2444
उच्च योनि स्वैब (एचवीएस)	329		β डी ग्लूकेन परख	121
सीमेन	137		टीडीएम (वोरिकोनाज़ोल)	109
व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ईपीएस)	08		टीडीएम (पॉसकोनाज़ोल)	56
यूरेथ्रल डिस्चार्ज	17		एंटिफंगल संवेदनशीलता	259
सरवाइकल डिस्चार्ज	27		पीसीआर (पैनफंगल 9, हिस्टोप्लाज्मा 2,)	11
योनि स्राव	11		**कुल**	**12,523**
ग्रसनी स्वाब	11			
रेक्टल स्वैब	11			
सिर्फ माइक्रोस्कोपी के लिए क्लिनिकल नमूने			**ट्यूबरक्लोसिस लेबोरेटरी**	
बीवी के लिए योनि स्वैब	59		**ट्यूबरक्लोसिस डायग्नोसिस**	
एनजी के लिए पीसीआर के लिए क्लिनिकल नमूने			जीन विशेषज्ञ एमटीबी/आरआईएफ	1497
यूरेथ्रल डिस्चार्ज	17		जेडएन स्मीयर के लिए संसाधित नमूने	3949
योनि स्राव	11		*माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के* लिए पीसीआर	917
सरवाइकल डिस्चार्ज	27		एमजीआईटी 960 . पर रैपिड कल्चर	581

रेक्टल स्वैब	11		एलजे माध्यम पर कल्चर	2287
ग्रसनी स्वाब	11		एमजीआईटी डीएसटी	348
एंटीमाइक्रोबियल संवेदनशीलता परीक्षण			**कुल**	**9,579**
एचवीएस	63		**सीबीएनएएटी द्वारा कोविड-19 का डायग्नोसिस**	
सीमेन	18		जीन विशेषज्ञ	17955
ईपीएस	03		ट्रुएनएटी	28467
यूरेथ्रल डिस्चार्ज	-		**कुल**	**46,422**
सरवाइकल डिस्चार्ज	-			
योनि स्राव	-		**एचआईवी इम्यूनोलॉजी लैब**	
ग्रसनी स्वाब	-		एचआईवी परीक्षण	619
रेक्टल स्वैब	-		सीडी4 काउंट • एम्स का एआरटी केंद्र • लिंक्ड सेंटर : एलआरएस हॉस्पिटल • एम्स अस्पताल में भर्ती मरीज	 3749 1810 128
कुल	**771**		एचआईवी अनिश्चित नमूनों के लिए वेस्टर्न ब्लॉट (जुड़े राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं से प्राप्त)	03
			आईसीटीसी गतिविधि • पूर्व परीक्षण परामर्श • परीक्षण के बाद परामर्श • आरएनटीसीपी सेंटर रेफर किए गए मरीज	 620 474 34
मॉलिक्यूलर बायोलॉजी लेबोरेटरी			एचआईवी डीबीएस सेंटिनल सर्विलांस कार्यक्रम के तहत सूखे रक्त स्पॉट नमूने का एचआईवी परीक्षण • 31 मार्च 2021 तक प्राप्त कुल नमूना (कुल परीक्षण किए गए नमूने: 528)	900
एक्यूट बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस (एबीएम) के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर **कुल**	**238**		**कुल**	**8337**

सीरोलॉजी लेबोरेटरी				
वीडीआरएल	3057			
विडाल	1858			
टीपीएचए	96			
एएसओ	46			
ब्रुसेला एंटीबॉडी के लिए मानक एग्लूटिनेशन टेस्ट (सैट)	22			
एलिसा द्वारा सार्स-कोव-2. में एंटीबॉडी का पता लगाना	5843			
कुल	**10,922**			

एसटीडी प्रयोगशाला

- बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन
  डब्ल्यूएचओ जीएएसपी (गोनोकोकल एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम) के बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (इक्यूए) कार्यक्रम में भाग लिया और परिणाम प्रतीक्षित हैं। हमारा पिछला प्रतिशत स्कोर 97.3% था।

सीरोलॉजी प्रयोगशाला :

- बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस):
  एपेक्स क्षेत्रीय एसटीडी केंद्र, त्वचा विज्ञान और एसटीडी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली के साथ सिफलिस सीरोलॉजी (वीडीआरएल / टीपीएचए) के लिए आईएलसी में भाग लिया और हमारे परिणाम 100% समवर्ती थे।
  समवर्ती परिणाम के साथ आईएएमएम-ईक्यूएएस, नई दिल्ली में भाग लिया

एचआईवी प्रयोगशाला

1. एपेक्स प्रयोगशाला राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, पुणे के साथ ईक्यूएएस गतिविधि, अगस्त, 2020 और जनवरी 2021: प्रदर्शन: 100%
2. ईक्यूएएस पैनल को 4 एचआईवी राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं को वितरित किया गया अगस्त, 2020 और दिसंबर, 2021: प्रदर्शन: 100%

पैरासिटोलॉजी प्रयोगशाला

पैरासिटोलॉजी प्रयोगशाला ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी (आईएटीपी) द्वारा संचालित बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) के लिए लगातार "ए +" ग्रेड प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय एनएबीएल मूल्यांकनकर्ताओं ने वर्ष 2021 की शुरुआत में अपनी यात्रा के दौरान अभिलेख रखने और पैरासिटोलॉजी अनुभाग के अन्य मानकों की अत्यधिक सराहना की।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर रमा चौधरी कोविड-19 के लिए एमओएचएफडब्ल्यू के संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) की विशेष आमंत्रित सदस्य थीं; आईबीएससी समिति के राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञ; आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की आईबीएससी समिति की सदस्य; आनुवांशिक रोगों के लिए आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति की अध्यक्ष; एनसीडीसी डीजीएचएस के अंतर्गत आईएससीपी (अंतरक्षेत्रीय समन्वय हेतु कार्यक्रम) के क्षेत्रीय समन्वयन हेतु समीक्षा बैठक की सदस्य; एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (आईपीएचएल) के विशेषज्ञ समूह की बैठक की सदस्य; ग्रांट चैलेंज इंडिया बीआईआरएसी-डीबीटी के एएमआर तकनीकी सलाहकार समूह की सदस्य; आईसीएमआर, डीबीटी और सीएसआईआर के लिए परियोजनाओं के लिए समीक्षक; जर्नल ऑफ क्लिनिकल सूक्ष्म जैव विज्ञान, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, इमर्जिंग इंफेक्शियस डिजीज, बीएमसी इंफेक्शियस डिजीज, मॉलिक्यूलर एंड सेल्युलर बायोकेमिस्ट्री, जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी और जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन की समीक्षक थीं।

प्रोफेसर ललित धर सार्स-कोव-2 /कोविड-19 के लिए आईसीएमआर उच्च स्तरीय टास्क फोर्स के सदस्य थे; उभरती बीमारियों के लिए संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी), डीजीएचएस, एमओएच के सदस्य; डीएचआर आईसीएमआर द्वारा वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (वीआरडीएल) के राष्ट्रीय नेटवर्क के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है, जिसमें देश भर में 105 वायरोलॉजी प्रयोगशालाएँ शामिल हैं; टीकाकरण नीतियों पर भारत सरकार को सलाह देने के लिए शीर्ष निकाय, राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह टीकाकरण (एनटीएजीआई) के सदस्य के रूप में मनोनीत; एम्स के बाहर विभिन्न एजेंसियों में सक्रिय रूप से योगदान देते हैं; परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) की केंद्रीय प्रत्यायन समिति के सदस्य; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोगी संकाय-सदस्य; तकनीकी संसाधन समूह, राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के सदस्य; आईसीएमआर वायरोलॉजी प्रोजेक्ट रिव्यू कमेटी फॉर वायरोलॉजी के सदस्य; आईसीएमआर फैलोशिप समिति के सदस्य; नाको तकनीकी संसाधन समूह (प्रयोगशाला सेवाएं) के सदस्य थे।

प्रोफेसर बिमल के दास ने इंटरनेशनल एड्स सोसाइटी, यूएसए (बिमल के दास के अंतर्गत शेष, अनुसंधान सहायक) द्वारा 6-11 जुलाई 2020 को आयोजित "23 वें अंतर्राष्ट्रीय एड्स सम्मेलन" और "आईएएस कोविड-19 सम्मेलन" में भाग लेने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की; कीस्टोन संगोष्ठी, यूएसए (प्रोफेसर बिमल के दास के अंतर्गत डॉ. शेष, अनुसंधान सहयोगी) द्वारा 15-16 जून, 2020 को आयोजित "महामारी के युग में वैक्सीनोलॉजी: कोविड-19 और अन्य वैश्विक खतरों के खिलाफ रणनीतियाँ" में भाग लेने के लिए छात्रवृत्ति; कीस्टोन संगोष्ठी, यूएसए (प्रोफेसर बिमल के दास के अंतर्गत डॉ. शेष, अनुसंधान सहयोगी) द्वारा 8-9फरवरी 2021 को आयोजित "कोविड-19: वन ईयर लेटर" में भाग लेने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की।

प्रोफेसर बीआर मिर्धा को नैदानिक सूक्ष्म जैव विज्ञान में उत्कृष्ट शोध पूरा करने और माइक्रोबायोलॉजिकल साइंसेज में पेशेवर विकास में उनके महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए भारत के नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) द्वारा 2020 डॉ. प्राणनाथ चट्टानी ओरेशन से सम्मानित किया गया; 21 फरवरी को अकादमी के 60वें वार्षिक सम्मेलन में सम्मानित किया गया, जिसमें उन्होंने "क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस के विकसित पैटर्न: भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में मुद्दे और निहितार्थ" शीर्षक से व्याख्यान दिया था।

प्रोफेसर सीमा सूद पेटेंट: मल्होत्रा एस और सूद एस निसेरिया गोनोरिया के लिए आप्टामर्स। आवेदन संख्या: 201911021888 (स्थिति: परीक्षा हेतु अनुरोध की प्रतीक्षा में); रिसर्च एक्सीलेंस (टीएआरई) फेलोशिप के लिए टीचर्स एसोसिएटशिप का अनुदान - एसईआरबी; "भारतीय चिकित्सा शिक्षा में विद्वान् महिलाओं के उत्कृष्ट योगदान: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2021 पर एक मान्यता" ग्लोबल जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च 2021; 21(1): संस्करण 1.0; कार्यकारी सदस्य- आईयूएसटीआई एशिया प्रशांत क्षेत्र; संकाय - राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई); आईआईटीडी-एआईआईए अंतःविषय परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; सदस्य- संस्थान मानव नैतिक समिति (आईएचईसी), एसीबीआर (डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च); समीक्षक- प्रकृति समीक्षा, आईजेएमआर, आईजेएमएम, एसटीडी और एड्स की इंडस्ट्रीज़ जे थीं।

प्रोफेसर उर्वशी बी सिंह सदस्य, विषय विशेषज्ञ समितियों (एंटीमाइक्रोबियल और एंटीवायरल), सीडीएससीओ (डीसीजीआई), भारत सरकार; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समितियां (इन-विट्रो डायग्नोस्टिक डिवाइस), सीडीएससीओ (डीसीजीआई), भारत सरकार; सदस्य, परिचालन अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार; सह-अध्यक्ष, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार के तहत क्षय रोग के निदान पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह; सदस्य, भारत में एलटीबीआई प्रबंधन पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार; सदस्य, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार के तहत क्षय रोग के उपचार पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह; सदस्य, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार के तहत बाल चिकित्सा ट्यूबरक्लोसिस के उपचार पर राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह; सदस्य, टीबी सह-रुग्णता पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार; सदस्य, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति; सदस्य 'स्टॉप टीबी न्यू डायग्नोस्टिक्स वर्किंग ग्रुप', डब्ल्यूएचओ सिंस 2009; सदस्य 'भारतीय स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के लिए सत्यापन प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति', आईसीएमआर; इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर, डायग्नोस्टिक, चिकित्सीय, वैक्सीन और कार्यान्वयन अनुसंधान समूहों के सदस्य; सदस्य, राज्य टीबी टास्क फोर्स और ऑपरेशन अनुसंधान समिति; इंटरनेशनल एसएजी कमेटी ऑफ इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर की विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य संपादकीय बोर्ड - सूक्ष्म जैव विज्ञान में फ्रंटियर्स; वैज्ञानिक रिपोर्ट, उभरते संक्रामक रोग, मेडिकल सूक्ष्म जैव विज्ञान, सूक्ष्मजीव और संक्रमण, महामारी विज्ञान और संक्रमण, पीएलओएस वन, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस की समीक्षक थीं।

डॉ सरिता मोहापात्रा को एफआईएस/एचईएस इंटरनेशनल 2020 में सूक्ष्म जैव विज्ञान सोसाइटी इंफेक्शन साइंस अवार्ड से सम्मानित किया गया; डीबीटी बीआईआरएसी द्वारा वित्तपोषित परियोजना के साथ सह-प्रधान अन्वेषक "एमडीआर और एक्सडीआर क्लेबसिएलेन्यूमोनिया के खिलाफ नये चिकित्सीय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की खोज के लिए मंच"; पोस्टर सत्र का निर्णय: ईएमआईसीआरओसीओएन-2020।

डॉ आशीष चौधरी को 18 दिसंबर 2020 को 'सर्टिफिकेशन बोर्ड ऑफ इंफेक्शन कंट्रोल एंड एपिडेमियोलॉजी, इंक.' (सीबीआईसी), यूएसए द्वारा आयोजित ऑनलाइन लिखित परीक्षा के आधार पर 'सर्टिफिकेशन इन इंफेक्शन कंट्रोल (सीआईसी)' से सम्मानित किया गया; सदस्य- संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएसई), एम्स दिल्ली; सदस्य- बीएसएल -3 फैकल्टी, सेंट्रल कोर रिसर्च फैकल्टी (सीसीआरएफ), एम्स दिल्ली।

डॉ गगनदीप सिंह आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के तहत दवाओं और स्वास्थ्य चिकित्सा उत्पादों (एसएनएमसी और एचसीपी) पर बनी स्थायी राष्ट्रीय समिति, उपसमितियों, 1. स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य संबंधी उत्पाद और 2. एंटी-इन्फेक्टिव,एमओएचएफडब्ल्यू & आईसीएमआर के सदस्य थे; कोविड-19 के लिए एमओएचएफडब्ल्यू के संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) के सदस्य के रूप में विभाग के प्रमुख द्वारा सहयोजित; सदस्य, कोविड-19 के लिए संसाधन प्रबंधन समिति, उप-समिति: पीपीई खरीद, एम्स; माननीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय में कोविड संबंधित प्रथाओं के लिए संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य; पीपीई, एमओएचएफडब्ल्यू की कीटाणुशोधन के लिए यूवीजीआई के उपयोग के लिए समिति के सदस्य; दिल्ली के अस्पतालों, जीएनसीटीडी में कोविड प्रतिक्रिया की साप्ताहिक निगरानी के लिए टीम के सदस्य; विभिन्न होटलों, जीएनसीटीडी में कोविड देखभाल अस्पताल और कोविड देखभाल केंद्रों की स्थापना के लिए समिति के सदस्य; सदस्य, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), एम्स, नई दिल्ली की कोर कमेटी के सदस्य, जिसमें शामिल है: **1.** एम्स, नई दिल्ली, के लिए कोविड-19 के लिए संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण दिशानिर्देश तैयार करना **2.** कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण पर मुख्य एम्स के स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए दिया गया व्याख्यान। फैकल्टी रिसोर्स पर्सन, सरल प्लेटफॉर्म पर कोविड-19 के लिए रेजिडेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम। **3.** डोनिंग और डोफिंग के लिए वीडियो और पोस्टर जैसी आईईसी सामग्री तैयार करने में शामिल। **4.** डिवाइस से जुड़े संक्रमणों की रोकथाम के लिए तैयार चेकलिस्ट सीएलएबीएसआई, सीएयूटीआई, वीएपी और एसएसआई; पीपीई कीटाणुशोधन और पुन: उपयोग समिति एम्स के सदस्य; सदस्य, विभाग कोविड-19 के लिए संपर्क अनुरेखण टीम (डीसीटीटी); कोविड-19 के लिए आईसीएमआर डेंटल गाइडलाइंस में योगदानकर्ता; सदस्य, संक्रमण नियंत्रण 2020-2021 के लिए एम्स काया कल्प टीम; माइकोलॉजी लैब के एनएबीएल प्रत्यायन के लिए नोडल व्यक्ति; आईसीएमआर उन्नत माइकोलॉजी निदान और अनुसंधान केंद्रों की प्रगति की निगरानी के लिए समिति के सदस्य; मुख्य एम्स में सीएसएसडी के बड़े पैमाने पर नवीनीकरण के लिए उपकरण जांच समिति का अध्यक्ष; सदस्य, मस्जिद मोठ परिसर में नए सीएसएसडी के लिए कार्य की प्रगति की निगरानी के लिए समिति; सदस्य, विभागीय स्टोर खरीद समिति; सदस्य, एम्स मास्टर प्लान के लिए विभागीय समिति; सदस्य, विभागीय उपकरण लेखापरीक्षा समिति (बाह्य और आंतरिक); सदस्य, एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम

सुधार और एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह (एयू-सीओजी) के लिए समिति; आयोजन सचिव: एम्स-एएसएम 2020 अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार; एम्स, नई दिल्ली में द्वितीय प्रो. एमबीबीएस परीक्षा (सूक्ष्म जैव विज्ञान) के लिए आंतरिक परीक्षक; इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सूक्ष्म जैव विज्ञान-दिल्ली चैप्टर; समीक्षक: माइकोपैथोलोजिया, बीएमसी संक्रामक रोग, मायकोसेस, इंडियन जे मेड सूक्ष्म जैव विज्ञान, इंडियन जे ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी, जर्नल ऑफ लैब फिजिशियन, ईरानी जे ऑफ सूक्ष्म जैव विज्ञान, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया आदि के कार्यकारी समिति सदस्य थे।

डॉ हितेंद्र गौतम को 11-12 सितंबर 2020 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट, दिल्ली चैप्टर के दूसरे अध्याय वर्चुअल मीट में एंटीबायोटिक संवेदनशीलता परीक्षण श्रेणी पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए डॉ. श्रीनिवास पुरस्कार प्रदान किया गया; एम्स एएसएम 2020, एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया : नवीनीकृत फाइट 7- 8 अक्टूबर 2020, दिल्ली; 8-11 दिसंबर 2020 को ई-माइक्रोकॉन 2020, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट की पहली आभासी वार्षिक कांग्रेस में एंटीबायोटिक रेसिस्टेंस श्रेणी (2020) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया; सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग के लिए कोविड-19 के लिए नोडल अधिकारी: 1. पॉजिटिव कोविड-19 मामलों का संपर्क ट्रेसिंग 2. पॉजिटिव मामलों के उच्च जोखिम और कम जोखिम वाले संपर्कों को परिभाषित और प्रबंधित करना 3. कोविड-19 परीक्षण प्रयोगशालाओं सहित पूरे विभाग के लिए पीपीई का प्रावधान 4. विभाग की संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण गतिविधियाँ 5. विभाग की सफाई और कीटाणुशोधन का प्रबंधन 6. विभाग के लिए कोविड-19 संबंधित जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन; विभाग के लिए नोडल अधिकारी: विभाग का उपकरण लेखा परीक्षा; कोविड-19 के लिए आईसीएमआर ऑटोप्सी दिशानिर्देशों में योगदानकर्ता; एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत दिल्ली की सार्स कोव-2 आईजीजी सेरो-सर्विलांस; हमारे विभाग में सार्स कोव-2 आईजीजी परीक्षण की शुरुआत; नई दिल्ली के कंटेनमेंट जोन में कोविड-19 के लिए एटीसी (एंटीजन टेस्टिंग सेंटर) के लिए आईसीएमआर-एम्स के तहत निरीक्षण दल के सदस्य; सदस्य: कोविड-19 के लिए विभाग संपर्क अनुरेखण टीम (डीसीटीआई); कोविड-19 के संबंध में सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग के लिए एंटी-माइक्रोबियल हैंडरूब की घरेलू तैयारी; सदस्य सचिव: डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति: अप्रैल 2020 से डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में एटीपी बायोल्यूमिनेशन के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता निगरानी की शुरुआत। कोविड-19 के नियंत्रण के लिए मदद की; अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), केंद्रीय समिति सदस्य एम्स, नई दिल्ली: 1. एम्स में एचआईसी के लिए एक कोर ग्रुप सदस्य के रूप में एम्स, नई दिल्ली के लिए 2019-एनसीओवी (कोविड-19) के लिए संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण दिशानिर्देशों का निर्माण, नई दिल्ली 2. "स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण" और "पीपीई पहनना और उतारना" पर डॉ. बीआरए आईआरसीएच और मुख्य एम्स के स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए व्याख्यान की श्रृंखला 3. सफाई और कीटाणुशोधन प्रोटोकॉल और चेकलिस्ट निर्माण और कार्यान्वयन के साथ शामिल 4. डिवाइस से जुड़े संक्रमण (सीएलएबीएसआई, सीएयूटीआई, वीएपी) और एसएसआई की रोकथाम के लिए चेकलिस्ट की केंद्रीकृत तैयारी; 23-24 नवंबर 2020 के दौरान वर्ष 2020-21 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत निमहंस, बैंगलोर के समकक्ष मूल्यांकन के लिए बाह्य मूल्यांकनकर्ता ; 20 नवंबर 2020 को वर्ष 2020-21 के लिए कायाकल्प पुरस्कार योजना के तहत डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल)

अस्पताल, नई दिल्ली के समकक्ष मूल्यांकन के लिए बाहय मूल्यांकनकर्ता; प्रभारी: विभागीय काया कल्प समिति। एम्स काया कल्प टीम का हिस्सा। विभाग के लिए काया कल्प निरीक्षण प्रबंधन, मार्च 2021; विभाग एनएबीएल केंद्रीय कमेटी सदस्य और सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली के उप गुणवत्ता प्रबंधक: विभाग को 15/11/2019 से एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है; सदस्य: संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण के लिए आस्ट्रेलिया कॉलेज (एसीआईपीसी); ब्रिटिश सोसायटी फॉर एंटीमाइक्रोबियल कीमोथेरेपी (बीएसएसी) के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार और एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह (एयू-सीओजी) के लिए समिति के सदस्य; टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी में रिसर्च मेडिकल सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रोग्राम द्वारा मेडिसिन में पीएचडी के लिए को-गाइड; जून 2020 तक स्नातकपूर्व कक्षा प्रभारी थे।

डॉ निशांत वर्मा पैरासिटोलॉजी लैब के एनएबीएल प्रत्यायन थे; सदस्य सचिव-पीपीई कीटाणुशोधन और पुन: उपयोग समिति; स्नातक शिक्षण प्रभारी; सदस्य विभागीय स्टोर खरीद समिति; विभागीय डीएम आईडी शिक्षण समिति सदस्य; डीएम संक्रामक रोग पाठ्यक्रम के लिए केंद्रीय समिति सदस्य; सदस्य-एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह के तहत; एनसीआई, झज्जर में सूक्ष्म जैव विज्ञान सेवाओं की स्थापना का समन्वय करने वाली समिति के सदस्य; पैरासिटोलॉजी सेक्शन में चार नई जांच शुरू की- मलेरिया मल्टीप्लेक्स पीसीआर, एलिसा फॉर स्ट्रांगाइलोइड्स आईजीजी, टोक्सोकारा आईजीजी और टेनिया आईजीजी; कोर ग्रुप सदस्य: अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), एम्स, नई दिल्ली; कोविड-19 के संबंध में स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्रों की श्रृंखला; सदस्य सचिव: सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; वेबिनार-एनारोबिक फोरम इंडिया 2021, एम्स-एएसएम 2021 में आयोजन सचिव; वेबिनार-एनारोबिक फोरम इंडिया 2021, एम्स-एएसएम 2021 में आयोजन अध्यक्ष; एक वेबिनार-एनारोबिक फोरम इंडिया 2021, एम्स-एएसएम 2021 में चेयरपर्सन-सेशन; एम्स, नई दिल्ली में द्वितीय प्रो. एमबीबीएस परीक्षा (सूक्ष्म जैव विज्ञान) के लिए आंतरिक परीक्षक; एम्स, नई दिल्ली में बीएससी (अ.) नर्सिंग (सूक्ष्म जैव विज्ञान) प्रोफेसर की परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक; एम्स, नई दिल्ली में बीएससी (एच) नर्सिंग (सप्लीमेंट) प्रोफेसर (सूक्ष्म जैव विज्ञान) की परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक; कार्यकारी समिति के सदस्य: इंडियन एसोसिएशन ऑफ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी; सदस्य-अस्पताल संक्रमण सोसायटी- भारत; सदस्य-आईएएमएम- दिल्ली चैप्टर; जर्नल ऑफ हॉस्पिटल इंफेक्शन, ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी और पीएलओएस उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग के समीक्षक थे।

डॉ किरणबाला सदस्य थीं - इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट (लाइफ मेम्बरशिप 3301/19), द यूनियन इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिजीज (सदस्यता सीयू 0783207); सदस्य सचिव- कीटाणुशोधन और पीपीई किट / मदों & एमपी का पुन: उपयोग; एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 महामारी के प्रबंधन में प्रयुक्त एन-95 फेस मास्क; सदस्य- एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा की संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण टीम; एम्स, नई दिल्ली में सीसीआरएफ केंद्रीय समिति की विशेषज्ञ सदस्य बीएसएल -3, बीएसएल -2 उपसमिति; बीएमजे केस रिपोर्ट, इंडियन जे ऑफ यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जे ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, मेडिकल माइकोलॉजी, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरकुलोसिस, मायकोपैथोलोजिया की समीक्षक थीं।

9.21. वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय कुमार अग्रवाल

आचार्य

दीपांकर मधुसूदन भौमिक | संदीप महाजन

अपर आचार्य

सौमिता कमल कुमार बागची

सह-आचार्य

राज कुमार यादव

सहायक आचार्य

अरुण कुमार सुब्बिहा

विशिष्टताएँ

विभाग अत्याधुनिक वृक्क वैज्ञानिक उपचार प्रदान करने के साथ साथ किफ़ायती लागत पर वृक्क के प्रत्यारोपण की सुविधा भी प्रदान करता है। एबीओ-असंगत वृक्क प्रत्यारोपण नियमित रूप से किया जा रहा है। वृक्क प्रत्यारोपण करवा चुके सभी रोगियों हेतु संक्रमण रोकने के लिए विभाग ने प्रतिरक्षा कम करने वाली नि:शुल्क दवाओं और संक्रमण की निगरानी जारी रखी है। विभाग चौबीसों घंटे हीमोडायलिसिस की सुविधा बहुत कम कीमत पर तथा गरीबी रेखा के नीचे आने वाले रोगियों के लिए निशुल्क प्रदान कर रहा है। विभाग संस्थान के कई विभागों में बेड साइड डायलिसिस भी प्रदान कर रहा है तथा ट्रॉमा केंद्र और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, हरियाणा में सहायक डायलिसिस भी प्रदान कर रहा है। विभाग प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोग एवं दीर्घकालिक वृक्क रोग के रोगियों के लिए वृक्क विज्ञान में संभावित अनुसंधान के लिए नमूनों की एक जैव-भंडार (बायो-रिपॉजिटरी) संचालित कर रहा है। विभाग के संकाय-सदस्य दीर्घकालिक वृक्क रोग, डायलिसिस तथा वृक्क प्रत्यारोपण, और राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) से संबंधित लगभग सभी सरकारी नीति-निर्माण निकायों में शामिल हैं। डॉ. एस. के. अग्रवाल राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के तकनीकी सलाहकार तथा राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण रजिस्ट्री (एनओटीटीआर) के प्रभारी अधिकारी हैं। विभाग ने अपने विभाग के भीतर हीमोडायलिसिस के लिए संवहनी पहुंच और पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए पेरिटोनियल एक्सेस के लिए इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी कार्यक्रम भी आरंभ किया है। हमारा केंद्र दक्षिण एशिया के केंद्रों में से एक है जिसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय रेजीडेंटों को प्रशिक्षित करने के लिए चुना गया है। 10 मार्च 2021 को आयोजित विश्व किडनी दिवस के अवसर पर चिकित्सकों के लिए हमारे वेबिनार में पूरे भारत के चिकित्सकों ने आगे बढ़कर भाग लिया। कोविड

रोगियों के लिए गुर्दे का उपचार तथा कोविड पॉजिटिव रोगियों को डायलिसिस की सहायता पूरी महामारी के दौरान प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, डायलिसिस के लिए बुलाए गए गैर-कोविड रोगियों का उपचार पूरी महामारी के दौरान जारी रखा गया। रोगियों को बेहतर सेवा देने के लिए, विभाग द्वारा टेलीकंसल्टेशन शुरू किया गया तथा 20000 से अधिक टेलीकंसल्टेशन की सुविधा प्रदान की गईं।

शिक्षा

दीर्घ-कालिक प्रशिक्षण

विभाग अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता के आधार पर एम्स द्वारा चयनित एमडी/डीएनबी(कायचिकित्सा तथा बालरोग चिकित्सा) उम्मीदवारों के लिए तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम डीएम वृक्क विज्ञान संचालित करता है। एम्स दिल्ली के साथ-साथ विभाग अन्य एम्स जैसे संस्थानों के लिए भी आवश्यकतानुसार परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस अवधि के दौरान तीन उम्मीदवारों को एम्स, नई दिल्ली में डीएम वृक्क विज्ञान पाठ्यक्रम में नामांकन कराया गया था। बाल रोग वृक विज्ञान और विकृति विज्ञान विभाग के रेजिडेंट नियमित रूप से नेफ्रोपैथोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आते हैं। प्रत्येक सेमेस्टर, विभाग में दो से तीन गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट होते हैं जिनमे से प्रत्येक अधिकतम 6 माह की अवधि के लिए काम करते हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है:

1. आंतरिक चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, मूत्रविज्ञान, संवेदनाहरण, संक्रामक रोग, गंभीर उपचार चिकित्सा और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग से स्नातकोत्तर छात्रों को कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों की परिवर्तनशील अवधि के लिए रोटेशन आधार पर तैनात किया जाता है।
2. हमारे केंद्र को इस वर्ष इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा इंटरनेशनल इंटरवेंशन नेफ्रोलॉजी सेंटर के रूप में चुना गया है। आगामी वर्ष में हमारे पास विभाग द्वारा प्रशिक्षित किए जाने के लिए अन्य देशों से चुने गए अल्पावधि प्रशिक्षु होंगे।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विश्व वृक्क दिवस-2021, दिनांक 10 मार्च 2021 को चिकित्सकों के लिए वेबिनार एबीवीआईएमएस डॉ. आरएमएल अस्पताल के सहयोग से वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था और पूरे भारत में लगभग 200 चिकित्सकों ने इसमें भाग लिया था।

प्रदत्त व्याख्यान

एस के अग्रवाल: 5	**दीपांकर भौमिक: 5**	**संदीप महाजन: 12**
सौमिता बागची: 2	**राज कुमार यादव: 2**	**अरुण कुमार सुब्बैया: 3**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी के रोगियों के उपचार में रीटक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, डोज़-ब्लाइंड समानांतर समूह, थ्री आर्म, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट क्लिनिकल ट्रायल, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 2 लाख प्रति रोगी।
2. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूली निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, खुराक लेने वाला अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, रु 1.98 लाख प्रति रोगी।
3. हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन रक्त सांद्रता और ल्यूपस नेफ्रैटिस में रोग गतिविधि के साथ इसका संबंध, अरुण कुमार सुब्बैया, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपये 4.75 लाख।
4. एंटी फॉस्फोलिपेज़ ए2 रिसेप्टर (पीएलए2आर) एंटीबॉडी के सर्कुलेटिंग लेवल और इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी (आईएमजीएन) के साथ इसके सहसंबंध का पता लगाने के लिए संभावित कोहोर्ट अध्ययन, एस के अग्रवाल, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2021, रुपये 30 लाख।
5. टाइप-2 मधुमेह और सीकेडी में मोटापे से जुड़ी सूजन में टी-रेगुलेटरी कोशिका (टी-रेग्स) और उनके नैदानिक सहसंबंध की भूमिका, संदीप महाजन , आईसीएमआर , 3 वर्ष , 2019 -2022, रुपये 5653300.00।
6. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ एचएलए प्रतिजनों का संघ, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2019- 2020, रु 9.7 लाख।
7. वृक्क प्रतिरोपण प्राप्तकर्ताओं में वैल्गैनिक्लोविर की चिकित्सीय दवा निगरानी, अरुण कुमार सुब्बैया, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, 2 वर्ष, 2020-2022, रुपये 5 लाख।

पूर्ण

1. टाइप 2 मधुमेह, हृदय तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी जोखिम तथा आंशिक रूप से खराब वृक्क के रोगियों में हृदय तथा रक्तवाहिकाओं एवं वृक्क संबंधी घटनाओं पर सोटाग्लिफ्लोज़िन के प्रभावों को प्रदर्शित करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह,मल्टीसेंटर अध्ययन, आर के यादव, सनोफी फार्मा, 5 वर्ष (कोविड के कारण समय से पहले बंद कर दिया गया), 2018-2020, रुपये 4.71 लाख प्रति रोगी।
2. आईजीए नेफ्रोपैथी से ग्रसित भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीए1 की व्यापकता और महत्व: एक केस नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2017-2018, रु 5 लाख।
3. भारतीय रोगियों में गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बीके वायरस प्रतिकृति की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2014-2016, रुपये 6.2 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

चालू

1. एम्स, नई दिल्ली में सीकेडी रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर वृक्क उपचार की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. एक यादृच्छिक परीक्षण- लैप्रोस्कोपिक सीएपीडी सम्मिलन में कैथेचर की खराबी की तुलना ओमेंटेक्टोमी बनाम ओपन सीएपीडी इंसर्शन के साथ करना।
3. ओमेंटेक्टॉमी बनाम ओपन सीएपीडी इंसर्शन के साथ लैप्रोस्कोपिक सीएपीडी इंसर्शन में कैथेटर की खराबी की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक परीक्षण।
4. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस करवा रहे रोगियों के लिए हेमोडायलिसिस रोगी सुरक्षा उपचार प्रोटोकॉल विकसित करने और इसकी व्यवहार्यता, नर्सों की स्वीकार्यता और रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
5. एम्स, नई दिल्ली की वृक्क विज्ञान ओपीडी में आने वाले रोगियों में अज्ञात मूल की दीर्घकालिक वृक्क रोग की विशेषता-एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
6. प्राथमिक वेसीकोरेटेरल फ्लक्स (वीयूआर) ग्रेड III-V वाले बच्चों में गुर्दे के कार्यों की तुलना गुर्दे के निशान के बिना और ग्रेड 1 और ग्रेड 2 गुर्दे के निशान के साथ करना।
7. क्रोनिक किडनी रोग में पोषण की स्थिति और व्यायाम करने की क्षमता का मूल्यांकन-डायलिसिस एवं गैर-डायलिसिस।
8. भारतीय अस्पताल में वृक्क एलोग्राफ़्ट प्राप्तकर्ताओं के दीर्घकालिक परिणामों पर हेपेटाइटिस सी उपचार का प्रभाव।
9. इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड व्यक्तियों में माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी का आणविक महामारी विज्ञान।
10. प्राथमिक एफएसजीएस के रोगियों में गुर्दे के प्रत्यारोपण के परिणाम।
11. गुर्दे के कार्यों पर फ़ंडस फ्लोरोसेंट एंजियोग्राफी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु अध्ययन।
12. आईजीए नेफ्रोपैथी का सहायक उपचार - एक संभावित अध्ययन।

पूर्ण

1. गुर्दे के प्रत्यारोपण से पहले और बाद में हेमोडायलिसिस पर क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में व्यायाम करने की क्षमता और पोषण की स्थिति में परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए एक कोहार्ट अध्ययन।
2. प्रत्यारोपण के बाद प्रथम वर्ष में गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में प्रोटीनूरिया का एक अध्ययन।
3. सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए / पूरक कारक 3 (आईजीए / सी3) का सहसंबंध आईजीए नेफ्रोपैथी के रोगियों में नैदानिक और हिस्टोलॉजिक गंभीरता के साथ करना।
4. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद के रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड बेस की परेशानी : संभावित अध्ययन।

5. गुर्दे के दान के बाद मापा गया जीएफआर, इकोकार्डियोग्राफी, अस्थि खनिज चयापचय के मार्कर और कैरोटिड अंतरंग औसत दर्जे की मोटाई (सीआईएमटी) में परिवर्तन का मूल्यांकन।
6. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी वाले भारतीय रोगियों में रोग की गंभीरता और परिणाम पर विटामिन डी के स्तर की भूमिका का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एक यादृच्छिक परीक्षण- लैप्रोस्कोपिक सीएपीडी इंसर्शन में कैथेटर की खराबी की तुलना ओमेंटेक्टोमी बनाम ओपन सीएपीडी इंसर्शन करना, शल्यचिकित्सा।
2. चरण 4-5 सीकेडी रोगियों में वीडीआर जीन, विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन के स्तर के फोक I बहुरूपता का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा।
3. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद के रोगियों के सीरम और मूत्र के नमूनों से बीके वायरस के तेजी से और किफायती नैनो-एलएएमपी आधारित डिटेक्शन की डिजाइनिंग, शरीररचना विज्ञान।
4. एक्सीमर लैंप के संयोजन में 0.1% टैक्रोलिमस / 0.2% टैक्रोलिमस / प्लेसीबो का उपयोग करके गैर-सेगमेंटल विटिलिगो में पुन: रंजकता का अध्ययन करने के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण ट्रायल, त्वचारोग विज्ञान।
5. भारतीय आबादी में ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी रोग (एडीपीकेडी) का जीनोटाइपिक लक्षण वर्णन: एक प्रायोगिक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा।
6. लाइव डोनर रीनल ट्रांसप्लांट के बाद ग्राफ्ट परिणाम पर इंट्रा-ऑपरेटिव निर्धारकों का प्रभाव, सर्जरी ।
7. ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं का उपयोग कर सीकेडी वी रोगियों में एवी फिस्टुला हेमोडायलिसिस एक्सेस की परिपक्वता दर में सुधार: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, हृदवाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंतःस्राविकी वाहिका इंटरवेंशन
8. तृतीयक चिकित्सा केंद्र चिकित्सा में गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों में आंतों के परजीवी और माइक्रोस्पोरिडिया संक्रमण, प्रयोगशाला।
9. एंटी-पूरक कारक एच एंटीबॉडी का दीर्घकालिक परिणाम एटिपिकल हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम, बालरोग चिकित्सा।
10. रोगियों के श्वसन नमूनों में न्यूमोसिस्टिक जिरोवेसी का आणविक पता लगाना और लक्षण वर्णन, दोनों प्रतिरक्षी के साथ-साथ संदिग्ध अंतरालीय निमोनिया और अन्य पुरानी फेफड़ों की बीमारियों के साथ प्रतिरक्षित, सूक्ष्म जीव विज्ञान।
11. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी और ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम: एक महत्वाकांक्षी तुलनात्मक कोहोर्ट अध्ययन, शल्यचिकित्सा।
12. पिछले एक दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के गुर्दा प्रत्यारोपण आंकड़ों का सर्जिकल ऑडिट, शल्य चिकित्सा।

पूर्ण

1. सीलिएक रोग के रोगियों में आंतों की कमी को परिभाषित करना, जठरान्त्ररोग विज्ञान।
2. गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में 24 घंटे बनाम मानक 7 दिन रोगनिरोधी एंटीबायोटिक आहार के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 23 **सार: 1**

रोगी उपचार: डॉ अरुण कुमार एस : माननीय सांसदों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर (दिनांक 16.03.2021 तथा दिनांक 23.03.2021)

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

विभाग वृक्क विज्ञान से संबंधित सभी रोगों हेतु सामान्य वृक्क विज्ञान चिकित्सा प्रदान करने के अतिरिक्त, अंतिम चरण के गुर्दे के रोग के किसी भी रोगी को बहुत कम लागत पर अत्याधुनिक वृक्क पुनर्स्थापन थेरेपी, हीमोडायलिसिस, सीएपीडी तथा गुर्दे के प्रत्यारोपण की सुविधा प्रदान करता है। विभाग स्वैप प्रत्यारोपण और एबीओ असंगत गुर्दा प्रत्यारोपण करता है। हेमोडायलिसिस के दौरान, मशीन को अल्ट्राप्योर पानी उपलब्ध कराया जाता है ताकि रोगियों को बिल्कुल सुरक्षित हीमोडायलिसिस किया जा सके। कोविड-संदिग्ध रोगियों का डायलिसिस करने के लिए एकांत कक्ष तैयार किए गए थे। लॉकडाउन के दौरान और बाद में, उपचार और समुचित चिकित्सा प्रबंधन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बाह्य रोगियों को टेली-परामर्श प्रदान किया गया।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

विभाग रोगियों को प्रत्यारोपण करने के लिए नि:शुल्क इम्यूनोसप्रेसिव दवा निगरानी प्रदान करता है। वृक्क कार्य परीक्षणों के अलावा, विभागीय प्रयोगशाला में सीरम बाइकार्बोनेट के स्तर को मापा जाता है। गुर्दे के रोगियों को प्रयोगशाला में प्रोटीनमेह का सटीक मूल्यांकन प्रदान किया जाता है।

निम्नलिखित संख्या में रोगियों को संबंधित सुविधा प्रदान की गई

क्रम सं.	क्षेत्र	उप-शीर्षक	2020
1	एचडी संबंधित	एचडी संबंधी नए रोगी	1304
		आपातकालीन एच.डी. रोगी	1228
		कुल एचडी	10761
		प्लाज्माफेरेसिस	58
		फीमोरल वेन कैथीटेराइजेशन	677
		जुगुलर / सबक्लेवियन कैथीटेराइजेशन	152
		एवी शंट	0
		एवी फिस्टुला	88
		पर्मकैथ इंसर्शन	17

2	आईसीयू संबंधी	सीआरआरटी / स्लेड	3
3	पेरिटोनियल डायलिसिस	एक्यूट पीडी	16
		सीएपीडी	6
4	इंडोर संबंधी	किडनी बायोप्सी	346
		लीवर बायोप्सी	3
		इनडोर रेगुलर एडमिशन	573
		इनडोर शार्ट एडमिशन	1736
		इंडोर डेथ / पुरुष	65/40
		वृक्क विज्ञान परामर्श	4448
		अल्ट्रासाउंड	329
5	डे केयर उपचार	पल्स मेथिलप्रेडनिसोलोन टीटी	31
		IV आयरन थेरेपी	34
		IV साइक्लोफॉस्फेमाइड थेरेपी	22
		अन्य विविध उपचार	1649
6	गुर्दा प्रतिरोपण	एलआरआरटी का मूल्यांकन	88
		कैडेवर प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	46
		की गयी लिविंग आरटी	28
		की गई कैडवर आरटी	4
7	वृक्क प्रयोगशाला संबंधी	रक्त सैंपलिंग	60107
		जैव रसायन (यूरिया, क्रोमियम,सोडियम,	38469
		मूत्र परासरण	1140
		24 घंटे मूत्र परीक्षण	7213
		आरटी मरीजों के लिए हीमोग्राम	5372
		सीओ 2	11520
		सीरम आयरन	3931
		टीआईबीसी	3931
		यूआईबीसी	3931
		टी संतृप्ति	3931
		सीरम फेडरिटिन	1326
		एनजीएएल	0
		टैक स्तर	2666
		विटामिन-डी और पीटीएच	0
		मूत्र पीओ4	0
8	ओपीडी संबंधी	रेनल क्लिनिक नए रोगी	3091
		रेनल क्लिनिक पुराने रोगी	13779
		रेनल क्लिनिक कुल रोगी	16870

		आरटीसीसी के नए मामले	101
		आरटीसीसी के पुराने मामले	252
		आरटी के नए मामले	27
		आरटी के पुराने मामले	3323
		आरटी क्लिनिक कुल रोगी	3350
	कोविड-19 डायलिसिस		2215
	टेलीकंसल्टेशन		20713

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

हमारे केंद्र को इस वर्ष इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा इंटरनेशनल इंटरवेंशनल नेफ्रोलॉजी ट्रेनिंग सेंटर के रूप में चयनित किया गया है। यह सम्मान पाने वाले हम भारत और दक्षिण एशिया के एकमात्र केंद्र हैं। आने वाले वर्ष में हमारे पास विभाग द्वारा प्रशिक्षित किए जाने के लिए अन्य देशों से चुने गए अल्पकालिक प्रशिक्षु होंगे।

विभाग में सीनियर रेजिडेंट डॉ. अर्पित गुप्ता ने डीएम/डीएनबी नेफ्रोलॉजी छात्रों के लिए पेरिटोनियल डायलिसिस पर वार्षिक नेफ्रोलॉजी निबंध प्रतियोगिता के लिए तीसरा एसवीआईएमएस विश्वविद्यालय डॉ. वी शिव कुमार स्वर्ण पदक जीता।

प्रोफेसर संजय कुमार अग्रवाल को जर्नल ऑफ लैब फिजिशियन (2020 के आरंभ से) के लिए सह-संपादक बनने के लिए आमंत्रित किया गया, अंतर्राष्ट्रीय "ओपन यूरोलॉजी एंड नेफ्रोलॉजी जर्नल" (2020 के आरंभ से) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया; भारत में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम (2020 के आरंभ से) के बीच सहयोगात्मक रणनीति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; भारत में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (2020 के आरंभ से) के बीच सहयोगात्मक रणनीति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; द ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ द वर्ल्ड द्वारा दक्षिण एशियाई क्षेत्र से प्रत्यारोपण में चैंपियन बनने के लिए आमंत्रित किया गया (जनवरी 2021 के आरंभ से); राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) की व्यापक समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य (2021 से आगे) ; प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण समिति (नेटकॉम) के विशेषज्ञ सदस्य (2020 के आरंभ से); डायलिसिस में मुख्य संगोष्ठियों में संपादक (2020 के आरंभ से); इन चीफ इंडियन जे ऑफ नेफ्रोलॉजी में संपादक (2015 से आगे); चेयर ऑफ बर्डेन ऑफ़ डिजीज: वैश्विक रोग व्यापकता संबंधी गतिविधि के हिस्से के रूप में भारत सीकेडी विशेषज्ञ समूह (2017 से); प्रेसिडेंट इंस्टीट्यूट फाउंडेशन दिल्ली (2012 से); एनओटीटीओ रजिस्ट्री और वेबसाइट के मुख्य सलाहकार (2013 से); राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदयवाहिका रोग और आघात रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया, (2017 से); आवश्यक चिकित्सा संशोधन समिति की राष्ट्रीय सूची के लिए कोर कमेटी सदस्य, (2021); इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की आईएसएन-इंडिया उपसमिति के

सदस्य (2011 से); राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम, भारत सरकार के सलाहकार बोर्ड के सदस्य (2014 से); सीकेडी कार्यक्रम, भारत सरकार के सलाहकार बोर्ड के सदस्य (2018 से); इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय बोर्ड के सदस्य (2015 से आगे); एम्स में नेफ्रोलॉजी विभाग में बायो-रिपॉजिटरी सुविधा के लिए प्रधान अन्वेषक, सचिव भारतीय नेफ्रोलॉजी अकादमी (2005 से); इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी एडवांसिंग क्लिनिकल ट्रायल (आईएसएन-एसीटी) नेटवर्क के सदस्य (2017-से) हैं।

प्रोफेसर दीपांकर मधुसूदन भौमिक नेफ्रोलॉजी, एम्स ऋषिकेश के विजिटिंग प्रोफेसर हैं; इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के उप संपादक; संक्रमण नियंत्रण के लिए नोडल अधिकारी (कोविड सहित); सीपीआईओ, वृक्क विज्ञान विभाग; विभागीय भंडार; विभाग के लिए सामग्री प्रदाता के वेबसाइट प्रभारी; राष्ट्रीय बोर्ड डीएनबी (नेफ्रोलॉजी) प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए राष्ट्रीय समन्वयक; दिल्ली के किडनी फाउंडेशन संस्थान के कोषाध्यक्ष, एम्स ऋषिकेश, आईएलबीएस, नई दिल्ली, आईजीआईएमएस पटना में संकाय-सदस्य चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ; विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों पीजीआई चंडीगढ़, एम्स जोधपुर के लिए डीएम परीक्षक; गुरु कृपा ट्रस्ट के ट्रस्टी; गुर्दे के रोगों पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी में शामिल हुए; आवश्यक दवाओं की सूची के राष्ट्रीय समिति के सदस्य (उपकरण); आईएसएनएनजेड और आईएफकेडी के सहयोग से एम्स, आरएमएल में मार्च 2020 में विश्व वृक्क दिवस समारोह का आयोजन किया गया; कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं।

प्रोफेसर संदीप महाजन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) (2021) की अनुदान सहायता (जीआईए) योजना के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के संपादकीय बोर्ड सदस्य (2021); संभावित प्राथमिकता टीकाकरण के लिए कोविड-19 रोग में मृत्यु के जोखिम को बढ़ाने वाली सह-रुग्णता वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए दिशानिर्देश विकसित करने वाली समिति के सदस्य। कोविड-19 (एनईजीवीएसी) के लिए टिकाकरण करने पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह द्वारा गठित; पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और आयुष को शामिल करते हुए एक एकीकृत प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा गठित वर्किंग ग्रुप सदस्य - 3 "क्लिनिकल प्रैक्टिस (2021)"; नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च (एनसीपीओआर) द्वारा आयोजित अंटार्कटिका के वार्षिक अभियान के विशेषज्ञ (2021); वार्षिक सम्मेलन एसआरएनएमसीओएन-2020 में सोसाइटी ऑफ रीनल न्यूट्रिशन एंड मेटाबॉलिज्म द्वारा एसआरएनएम ओरेशन से सम्मानित किया गया; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा उच्च रक्तचाप के प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स के राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल सदस्य (2016 से) ; पेरिटोनियल डायलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया की वैज्ञानिक समिति के सदस्य (2019 से); टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल प्रोग्राम (नेफ्रोलॉजी) के लिए प्रोग्राम चेयर (2017 से); जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा मेटाबोलिक विकारों और ऑटो-प्रतिरक्षा रोगों के पुनर्गठित टास्क फोर्स के विशेषज्ञ सदस्य (2017 से); राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पेरिटोनियल डायलिसिस के रोल-आउट के लिए समिति सदस्य (2017 से जारी); नेफ्रोलॉजी के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो (एसटीडब्ल्यूएस) की तैयारी के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समूह के सह-अध्यक्ष (2018 से); ठोस अंग प्राप्तकर्ताओं में यात्रा और स्थानिक संक्रमण के

लिए दक्षिण एशियाई दिशानिर्देशों के सदस्य (2019 से); एम्स के औषधि चयन समिति के सदस्य (2018 से); अतिरिक्त बजटीय संसाधनों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर समिति के सदस्य (2018 से); एम्स पब्लिक अवेयरनेस कमेटी के सदस्य (2018 से जारी); न्यू पेड वार्ड ब्लॉक के लिए एम्स परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्य (2018 से); एम्स, नई दिल्ली के विस्तार के लिए योजनाओं की समीक्षा करने के लिए समिति सदस्य (2018 से) हैं।

डॉ आरके यादव को 13 मार्च 2021 को गोवा में टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित "द गैलेक्सी - शाइनिंग नेफ्रोस्टार्स" का पुरस्कार मिला।

डॉ अरुणकुमार सुब्बैया वर्ष 2020 के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के ला-रेनॉन रिसर्च ग्रांट के प्राप्तकर्ता हैं; वे एम्स बिल सत्यापन समिति के सदस्य हैं।

9.22. नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर)

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा जयासुंदर

आचार्य

एस. सैंथिल कुमारन

अपर आचार्य

उमा शर्मा | वीरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ | पवन कुमार

विशिष्टताएँ

एमआरआई सुविधा कोविड-19 संकट के आरंभ से ही कार्यशील थी। यही एकमात्र एमआरआई सुविधा है जोकि इस संकट के दौरान काम करती रही है। मार्च 2021 में एनएमआर विभाग के सहयोग से कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी तथा एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग द्वारा आयरन क्वांटिटेटिव इमेजिंग के उपयोग को प्रदर्शित करने हेतु 1.5 टेस्ला एरा एमआर स्कैनर का इस्तेमाल करके थैलेसीमिया रोगियों के लिए एक एक्सप्रेस स्कैनिंग प्रोटोकॉल को 22 रोगियों में 12 घंटे में पूरा कर लिया गया।

शिक्षा

संकायों और वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिया और संस्थान में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में एमआर तकनीकों के प्रदर्शन में भाग लिया: (i) जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम - (i) पाठ्यक्रम 10 (स्ट्रक्चरल बायोलॉजी एंड एनएमआर टेक्नोलॉजी), पाठ्यक्रम 11 (जैव सूचना विज्ञान एवं आण्विक चिकित्सा); (ii) तृतीय सेमेस्टर, एमबीबीएस पाठ्यक्रम; (iii) एमडी फिजियोलॉजी पाठ्यक्रम, फिजियोलॉजी विभाग

अल्प अवधि/दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

इस वर्ष महामारी के कारण बाहरी उम्मीदवारों को प्रशिक्षित नहीं किया जा सका।

प्रदत्त व्याख्यान

रमा जयासुंदर: 25 **एस. सैंथिल कुमारन: 2** **वीरेंद्र कुमार: 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर: 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अनुभूति पर पर्यावरण एवं पेशेवर ध्वनि का प्रभाव, एस. सेंथिल कुमारन, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलएसआरबी), डीआरडीओ, 3 वर्ष 10 माह, 2018-2021, रुपये 59.25 लाख
2. रुमेटाइड गठिया की पैथोफिज़ियोलॉजी समझना तथा मेटाबोलामिक्स एवं प्रोटिओमिक्स का उपयोग करके प्रतिक्रिया के बायोमार्कर की पहचान, उमा शर्मा, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, रुपये 44.23 लाख
3. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके नॉन-इंवेसिव बायोमार्कर की संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों एवं पहचान को स्पष्ट करना, उमा शर्मा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपये 33.08 लाख
4. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग तथा न्यूरोएनाटोमिकल तकनीकों का उपयोग करके हाउस क्रो में श्रवण धारणा की खोज, एस. सेंथिल कुमारन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-2022, रुपये 36.42 लाख
5. चुनिंदा आयुर्वेदिक रोगनिरोधी तथा फॉर्मूलेशन का इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, प्रोटीज निरोधात्मक गतिविधि एवं स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नवीन सार्स कोविड संक्रमण हेतु इन विट्रो अध्ययन, रमा जयासुंदर, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 67.69 लाख
6. कंप्यूटर दृष्टि आधारित विश्लेषण का उपयोग करते हुए एमआरआई तकनीकों के माध्यम से स्पिनोसेरेबेलर अटैक्सिया प्रभावित रोगियों (एससीए) में रूपात्मक एवं न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तन, एस. सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 21.01 लाख
7. ग्लूटेन गतिभंग तथा सीलिएक रोग से ग्रसित रोगियों में नॉन-इनवेसिव बायोमार्कर की पहचान हेतु एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, उमा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रुपये 4.5 लाख

पूर्ण

1. चुंबकीय अनुनाद एवं अन्य तकनीकों पर आधारित संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक बायोमार्कर का उपयोग करके आघात उपरांत स्वास्थ्यलाभ में शास्त्रीय आयुर्वेदिक इंटरवेनशन की पैथोबाईलॉजी को स्पष्ट करना, रमा जयासुंदर (पीआई-2), विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 4 वर्ष , 2017-2021, रु 79.00 लाख
2. एनएमआर फाइटोमेटाबोलामिक्स तथा केमोसेंसरी सिग्नेचर का अध्ययन, रमा जयासुंदर, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 4 वर्ष, 2017-2021, रु 74.76 लाख

विभागीय परियोजनाएं (शोधपत्र/ शोधप्रबंध सहित)

जारी

1. मल्टी-मोडल एमआरआई का उपयोग करके आरंभिक सिज़ोफ्रेनिया (ईओएस) में संज्ञानात्मक कमी से जुड़े मस्तिष्क व्यवहार संबंध का मूल्यांकन
2. चूहों में स्ट्रोक के प्रायोगिक मॉडल में फ्यूमरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
3. स्वस्थ स्वेच्छाकर्मियों के फेनोटाइपिंग में चुंबकीय अनुनाद
4. मेटास्टेसिस प्रोस्टेट कैंसर की पहचान करने हेतु मेटाबॉलिक एनएमआर फिंगर प्रिंटिंग रक्त
5. ग्लूटेन गतिभंग वाले रोगियों का मेटाबोलोमिक्स
6. चूहों में क्षणिक फोकल सेरेब्रल इस्किमिया के मध्य सेरेब्रल आर्टरी ऑक्लूज़न मॉडल में नैनो कैरियर आधारित बर्बेरिन क्लोराइड का न्यूरोप्रोटेक्टिव अध्ययन।
7. चुनिंदा औषधीय पौधों के कार्यात्मक सिग्नेचर हेतु रसायन विज्ञान एवं औषधीय मूल्यांकन के लिए एनएमआर फाइटोमेटाबोलामिक्स
8. प्रोस्टेट कार्सिनोमा में मात्रात्मक इमेजिंग बायोमार्कर
9. आघात के रोगियों में आयुर्वेदिक इंटरवेंशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
10. आघात के रोगियों में फिजियोथेरेपी इंटरवेंशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
11. आघात के रोगियों में योग इंटरवेंशन की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका
12. एमआरआई तथा एमआरएस द्वारा प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों के पैथोफिज़ियोलॉजी को समझना

पूर्ण

1. चूहों में आघात एवं आघात उपरांत दौरा संवेदनशीलता के प्रायोगिक मॉडल में डायहाइड्रोमाइरिकेटिन का मूल्यांकन।
2. चूहों में आघात के प्रायोगिक मॉडल में फ्यूमरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
3. प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित रोगियों में इन-बोर एमआर निर्देशित लक्षित प्रोस्टेट बायोप्सी।
4. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबॉलिक प्रोफाइल
5. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सीलिएक रोग का मेटाबोनोमिक्स अध्ययन
6. प्रोस्टेट कैंसर का एमआरआई और एमआरएस
7. एनएमआर मेटाबोलामिक्स प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में रक्त एवं मूत्र का अध्ययन करता है।
8. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत अल्ट्रासाउंड एवं उन्नत एमआरआई की भूमिका
9. एंटी-एचआईवी औषधीय पौधों पर स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्किज़ोफ्रेनिया, आसक्त बाध्यकारी विकार, तथा आसक्त बाध्यकारी लक्षणों वाला स्किज़ोफ्रेनिया में 1एच एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन, मनोरोग विभाग, एम्स
2. मिरगी-रोधी दवा लेने वाले मिर्गी से ग्रसित रोगियों में योग एवं शारीरिक गतिविधि का अतिरिक्त प्रभाव: दौरा नियंत्रण की स्थिति, न्यूरोबिहेवियरल प्रतिकूल प्रभाव एवं न्यूरोट्रांसमीटर स्तर का आकलन, भेषजगुण विज्ञान, एम्स
3. लाइपोऑक्सीजिनेज को लक्षित करने वाले अल्जाइमर्स (एडी) रोग विकृति में अमाइलॉइड बीटा के एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी विभाग, एम्स
4. फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक रोगियों में एनएमआर तथा मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा जीवाणु, रोगाणुरोधी प्रतिरोध एवं अस्पताल में होने संक्रमण हेतु बायोमार्कर, सूक्ष्मजीवविज्ञान, एम्स
5. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में ईईजी कॉर्टिकल स्रोत तथा वर्किंग मेमोरी एवं लैंग्वेज प्रोसेसिंग का जुड़ाव, शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स
6. चुंबकीय अनुनाद एवं अन्य तकनीकों पर आधारित संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक बायोमार्कर का उपयोग करके आघात उपरांत स्वास्थ्यलाभ में शास्त्रीय आयुर्वेदिक इंटरवेनशन की पैथोबाईलॉजी को स्पष्ट करना, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग, एम्स
7. चुनिंदा आयुर्वेदिक रोगनिरोधी तथा फॉर्मूलेशन का इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, प्रोटीज निरोधात्मक गतिविधि एवं स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नवीन सार्स कोविड संक्रमण हेतु इन विट्रो अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स
8. एनएमआर फाइटोमेटाबोलामिक्स तथा आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के केमोसेंसरी सिग्नेचर का अध्ययन, नेत्रसंबंधी भेषजगुण विज्ञान एवं औषधालय विभाग, एम्स
9. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने एवं स्थानीयकरण में मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी-दिल्ली
10. क्षय रोग के निदान में छोटे अणु जैव-सिग्नेचर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स।
11. मानकीकरण एवं गुणवत्ता मूल्यांकन हेतु औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं औषध विभाग, एम्स
12. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) एवं स्वस्थ नियंत्रण वाली महिलाओं में वेजाइनल माइक्रोबायोम एवं चयापचय का अध्ययन, त्वचारोग विज्ञान विभाग, एम्स
13. कम लागत वाली गैर-इनवेसिव मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों का उपयोग करके पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी को बढ़ाने के लिए न्यूरल प्लास्टिसिटी की जानकारी एवं सुविधा, न्यूरोलॉजी, एम्स

पूर्ण

1. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का उपयोग कर मस्तिष्क के स्ट्रोक के बाद रिकवरी अध्ययन में चिकित्सीय हस्तक्षेप के रूप में योग विज्ञान को स्पष्ट करना, तंत्रिका विज्ञान एवं तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स
2. प्रोटॉन परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर सेप्सिस रोगियों में सीरम का चयापचय, चिकित्सा विज्ञान विभाग, एम्स
3. चूहों में स्ट्रोक के प्रायोगिक मॉडल में लरकेनिडिपिन और सिटालोप्राम का न्यूरोप्रोटेक्टिव अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 18 **सार: 1**

रोगी चिकित्सा

रोगी चिकित्सा एवं अनुसंधान हेतु विभाग के पास तीन एमआरआई स्कैनर (दो 3.0 टेस्ला और एक 1.5 टेस्ला स्कैनर) हैं। विभाग निरंतर रोगी चिकित्सा एमआरआई (24x7) सेवाएं प्रदान करता है। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 की अवधि के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है:

क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एमआरआई स्कैन:	3657 रोगी
अनुसंधान:	198 रोगी एवं विषय
प्रीक्लिनिकल एफएमआरआई :	22 रोगी (ट्यूमर, मिर्गी सहित); आरटीएमएस योजना >3

पिछले वर्ष कोविड-19 महामारी के दौरान, एमआरआई स्कैन के लिए प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, क्लिनिकल एनआरआई सुविधा चौबीसों घंटे (24x7x365) उपलब्ध थी।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर रमा जयासुंदर एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली (अनुसंधान), नीति आयोग, भारत सरकार पर कार्य समूह की सदस्य; सार्स-कोव-2 वायरस तथा कोविड-19 रोग से संबंधित आयुष क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की शुरुआत, समन्वय और निगरानी हेतु भारत सरकार की अंतःविषय आयुष अनुसंधान एवं विकास कार्य बल की मनोनीत सदस्य, 2020; आयुर्वेद में समकालीन अनुसंधान में योगदान के लिए आईएएसटीएएएम डॉ. सी. द्वारकानाथ पुरस्कार से सम्मानित, 2020, भारत; नागालैंड विश्वविद्यालय हेतु भारत के माननीय राष्ट्रपति की नामिति; भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के इतिहास में शिक्षण पाठ्यक्रम में वार्षिक पुनश्चर्या कार्यक्रम हेतु अकादमिक परिषद की सदस्य के रूप में कुलपति, जवाहरलाल विश्वविद्यालय (जेएनयू) की नामिति; दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद की सदस्य के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति की नामिति; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुंबई हेतु भारत के राष्ट्रपति की नामिति (विजिटर की नामिति); सीएसआईआर-पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय (सीएसआईआर-टीकेडीएल), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार की सलाहकार समिति की सदस्य; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद हेतु भारत के माननीय राष्ट्रपति की नामिति (आगंतुक की नामिति); वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य,

उत्कृष्टता केंद्र, इंटरडिसिप्लीनरी स्कूल ऑफ हैल्थ साइन्सिज़, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकाता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स हेतु भारत सरकार द्वारा नामित; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली, 2018 में प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए चयन समिति परिषद की नामिती के रूप में भारत सरकार द्वारा नामित; (i) जे मेडिकल फिजिक्स (ii) जे बायोसाइंसेज, (iii) करंट साइंस, (iv) फूड बायोफिजिक्स, (v) बायोमेड जे, (vi) जे आयु इंटेग मेड, (vii) एड न्यूट्र फूड साइंस, (viii) एनल्स ए मेड, (ix) एनसी साइंस लाइफ, (x) साक्ष्य आधारित सीएएम, (xi) इंड जे मेड एथिक्स, (xii) जे कॉम्प मेड रेस, (xiii) प्लस वन की समीक्षक; संपादकीय बोर्ड की सदस्य- जे आयु इंटेग्र मेड, एल्सेवियर प्रकाशन थीं।

प्रोफेसर एस सेंथिल कुमारन (i) जर्नल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, (ii) जर्नल ऑफ पार्किंसन डिजीज, (iii) जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, (iv) जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, (v) ब्रेन रिसर्च और (vi) प्लोस वन के लिए समीक्षक थे; चुंबकीय अनुनाद के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, एसईआरबी और आईसीएमआर अनुदान परियोजनाओं के लिए समीक्षक थे।

डॉ उमा शर्मा फ्रंटियर्स इन ऑंकोलॉजी के लिए सह-संपादक, करंट मेटाबॉलिकमिक्स एंड सिस्टम्स बायोलॉजी के संपादकीय बोर्ड पैनल, बैंथम साइंस एंड वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; पत्रिकाओं हेतु समीक्षक: साइंटिफ़िक रिपोर्ट, स्प्रिंगर नेचर, जर्नल फॉर मैग्न. रेजोन इमेजिंग, फ्रंटियर्स इन न्यूरोसाइंसेज, बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स रिपोर्ट, एनएमआर इन बायोमेडिसिन, प्लोस वन; दिल्ली विश्वविद्यालय की थीसिस परीक्षक थीं।

डॉ वीरेंद्र कुमार सदस्य, वार्षिक बैठक कार्यक्रम समिति (एएमपीसी), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), कैलिफोर्निया, यूएसए; बाह्य विशेषज्ञ, तीन वर्ष के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीस (बीओएस), मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर; कार्यक्रम समिति के सदस्य, पैटर्न पहचान एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर चौथे भूमध्य सम्मेलन (एमईदीपीआरएआई), हम्मामेट, ट्यूनीशिया, दिसंबर 20-22, 2020; ई. के. ज़ावोस्की पुरस्कार 2020 से सम्मानित, आईएसएमआरएम, कैलिफोर्निया, यूएसए; करंट मेटाबोलोमिक्स एंड सिस्टम्स बायोलॉजी, बैंथम साइंस का संपादकीय बोर्ड पैनल; पत्रिकाओं हेतु समीक्षक: (i) साइंटिफ़िक रिपोर्ट, स्प्रिंगर नेचर, (ii) कैंसर इमेजिंग, स्प्रिंगर नेचर, (iii) वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, स्प्रिंगर नेचर, (iv) कैंसर मेडिसिन, जॉन विले, (v) मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन, जॉन विले, मेडिसिन, वोल्टर्स क्लूवर, (vi) एनालिटिकल साइंस एडवांसिस, विले, (vii) प्लोस वन, प्लोस, (viii) बीएमसी न्यूरोसाइंस, स्प्रिंगर नेचर, (ix) करंट फार्मास्युटिकल डिज़ाइन, बैंथम, (x) आईईईई एक्सेस, आईईईई।

9.23. नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सी. एस. बाल

आचार्य

राकेश कुमार

चेतन डी. पटेल (हृद् तंत्रिका केंद्र)

अपर आचार्य

माधवी त्रिपाठी

अनिल के. पांडेय (चिकित्सा भौतिकी)

सह आचार्य

निशिकान्त ए. दामले

शमीम ए. शमीम

सहायक आचार्य

खंगमम बंगकिम चंद्र

विशिष्टताएँ

सदी में एक बार आने वाली इस महामारी में इस पूरी दुनिया; विशेषकर भारत जैसे सीमित संसाधनों एवं दुर्लभ स्वास्थ्य सुविधाओं वाले देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। एम्स, नई दिल्ली के एक विभाग के रूप में हम खराब समय से नहीं बच सके। हालांकि, हमने नियमित सेवाएं प्रदान करना जारी रखा जो पिछले वर्षों की तुलना में लगभग एक तिहाई था। हमने अपने छात्रों की ऑनलाइन शिक्षा को जारी रखा और 112 सहकर्मी-समीक्षित वैज्ञानिक शोधपत्र प्रकाशित किया। प्रोफेसर सी.एस. बाल को प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु के विधिवत फेलो (एफएएससी) के रूप में चुना गया।

हृद् वक्ष केंद्र (सीटीसी) में नाभिकीय चिकित्सा नैदानिक नाभिकीय हृदरोग प्रक्रियाओं का निष्पादन करता है, इस वर्ष कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण वैकल्पिक नैदानिक प्रक्रियाओं की संख्या कम थी। हाल ही में, हमने टीसी99एम. पाइरोफॉस्फेट (पीवाईपी) का उपयोग करके कार्डियक अमाइलॉयडोसिस के लिए इमेजिंग शुरू की है और ब्रिघम और महिला अस्पताल/हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए द्वारा संचालित *"भारत, कुवैत और दक्षिण अफ्रीका में उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय अमाइलॉयडोसिस केंद्रों की स्थापना"* नामक एक परियोजना में भाग ले रहे हैं।

शिक्षा

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्नातकोत्तर छात्र : 53 (चिकित्सीय परमाणु चिकित्सा के 5 डीएम, परमाणु चिकित्सा के 30 एमडी और परमाणु चिकित्सा प्रौद्योगिकी के 18 एमएससी छात्र)। चिकित्सीय अध्ययनों को रिपोर्ट करते समय एमडी छात्रों के शिक्षण के लिए जर्नल क्लब / संगोष्ठी / अंतर-विभागीय व्याख्यान / केस पर चर्चाओं का 'ऑन साइट' आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यानः

सीएस बालः 5 **राकेश कुमारः 3** **चेतन पटेलः 2**

अनिल कुमार पांडेः 1 **माधवी त्रिपाठीः 1** **निशिकान्त दामलेः 4**

शमीम ए शमीमः 3 **खंगमम बंगकिम चंद्रः 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर: 37

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारीः

1. हेप्टोसेलुलर कार्सिनोमा के मूल्यांकन हेतु ^{68}जीए-पीएसएमए पीईटी-सीटी, शमीम ए शमीम, इंट्राम्यूरल फंडिंग, 1+1 वर्ष, 2019-2021, 5,00,000/-
2. एडवांस्ड एंड स्टेज गैस्ट्रोएंटेरोप्रैक्ट्रिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (जीईपी-नेट) रोगियों में अल्फा एमिटिंग 225एसी-डोटेटेट बनाम बीटा एमिटिंग 177एलयू-डोटेटेट थैरेपी की तुलना। सी.एस. बाल, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रु.1.5 करोड़
3. एडवान्स्ड हेप्टोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार में आरई-188-एचडीडी लिपियोडोल ट्रांस आर्टिरियल रेडियोन्यूकलाइड थैरेपी (टीएआरटी) से आरई-188-डीईडीसी लिपियोडोल टीएआरटी की तुलना : एक यदृचिक नियंत्रण परीक्षण, शमीम ए शमीम, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 47,56,910
4. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में लक्षित 225एसी-पीएसएमए-617 अल्फा कण चिकित्सा के सापेक्ष 177एलयू- पीएसएमए-617 बीटा कण चिकित्सा की तुलना : एक मुक्त स्तर, टू-आर्म, चरण II आरसीटी, चंद्रशेखर बाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2020, ऑनली मैनपावर सैलरी रिसर्च एसोसिएट रु. 6.96 लाख प्रति वर्ष
5. बाल चिकित्सा रुधिर संबंधी विकृतियों में ज्वर न्यूट्रोपेनिया में तीव्र कवक रोग (आईएफडी) के निदान में एंटिफंगल स्किन्टिग्राफी की नैदानिक सटीकता, निशिकान्त ए दामले, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख / वर्ष।
6. भारत, कुवैत और दक्षिण अफ्रीका में उत्कृष्टता के अंतरराष्ट्रीय अमाइलॉइडोसिस केंद्रों की स्थापना, चेतन डी, पटेल, ब्रिघम और महिला अस्पताल / हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए, 2 वर्ष, 2021- 2022, यूएस $ 20000
7. 68जीए-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी पर सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर अभिव्यक्ति के साथ स्टेरॉयड प्रतिरोधी ग्रेव्स ऑप्थाल्मोपैथी दीर्घकालिक ऑक्टेरोटाइड थेरेपी का मूल्यांकन, डॉ. निशिकान्त ए दामले, इंट्रामुरल, 3 वर्ष, 2019-2022, रु 5 लाख / वर्ष।
8. एक मानक शाकाहारी भोजन का उपयोग करके पेट को खाली करने वाली स्किंटिग्राफीः मध्य-अवधि के फॉलोअप पर पोस्ट-स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी रोगियों में संदर्भ मूल्यों की स्थापना, खांगमम बंकिम चंद्र, अन्तर्संस्थानिक, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये

9. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, चेतन डी. पटेल, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, सितंबर 2019 -जारी, पहला वर्ष 2000 यूरो
10. पैपिलरी थायराइड कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में बीआरएफ जीन का उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रमः भारतीय आबादी में एक आनुवंशिक रोग का अध्ययन, चंद्रशेखर बाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 25 लाख रुपये प्रति वर्ष
11. स्थानीय रूप से आवर्तक या मेटास्टेटिक, प्रगतिशील, रेडियोआयोडीन रेफ्रेक्टोरी डिफरेंशिएटेड थायराइड कैंसर वाले रोगियों में लेनवाटिनिब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए संभावित सिंगल आर्म पोस्ट मार्केटिंग चरण 4 का अध्ययन। चरण 4 एफडीए परीक्षण, चंद्रशेखर बाल, क्लिआंथा रिसर्च लिमिटेड, जब तक सभी रोगी एक कार्यक्रम में भाग नहीं ले लेते, अगस्त 2018-जारी, कोई धनराशि किसी और को नहीं, धनराशि सीधे रोगियों को।
12. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के निदान और फॉलोअप में गैलियम-68 लेबिल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट मेंब्रेन एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का प्रयोग, डॉ. राकेश कुमार, परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, 2017-2021, 18000 यूरो
13. संक्रमण के कारण होने वाले अज्ञात मूल के पायरेक्सिया (पीयूओ) के रोगियों में निर्णय समर्थन देने वाले एल्गोरिथ्म की स्थापना में इमेजिंग एजेंटों के रूप में रेडियोलैबल्ड एंटीबायोटिक की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक चिकित्सीय परिणामों पर इसका प्रभाव, निशिकान्त ए दामले, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 36 लाख रुपये

पूर्ण

1. कैस्ट्रेशन-रेजिस्टेंट कैंसर रोगियों में 177 एलयू-लेबल्ड पीएसएमए-617 की डोसिमेट्री। चंद्रशेखर बाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, पूर्ण
2. सह-रुग्णताओं के साथ और इनके बिना प्रारंभिक चरण के अल्जाइमर रोग के आकलन और निदान में बहु-स्वरुप वाले इमेजिंग का मूल्यांकन, माधवी त्रिपाठी, आईएईए, 5 वर्ष, 2015-2020, 24,000 यूरो

विभागीय परियोजनाएँ (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में ^{68}जीए-पीएसएमए पीईटी/सीटी
2. मेटास्टैटिक रिलैप्स्ड सिनोवियल सार्कोमा में जेमिसिटाबाइन डोकेटेक्सेल मिश्रण का एक चरण II अध्ययन।
3. एफ-18 फ्लोरोएस्ट्राडियल (एफईएस) और एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी का उपयोग करके स्तन कैंसर में एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ईआर) के अभिव्यक्ति की विविधता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
4. हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा में ^{188}रे-एन-डीईडीसी/लिपिओडोल ट्रांस-धमनी रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, एकरुपता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन

5. संदिग्ध या पुष्ट ग्रैनुलोमैटस मायोकार्डिटिससे पीड़ित रोगियों का चिकित्सीय प्रोफाइल और उनके परिणाम
6. योगीकैड अध्ययन के डिजाइन और तरीके- पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जाँच परीक्षण
7. प्राथमिक ओरोफैरिंक्स, नैजोफैरिंक्स और अज्ञात प्राथमिक के द्वितीयक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना
8. एसीटीएच पर निर्भर कुशिंग सिंड्रोम के रोगियों में सीआरएच प्रेरित बीआईपीएसएस का नैदानिक प्रदर्शन"
9. सरकॉयडोसिस में हृदय की भागीदारी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन।
10. जीए-68 पीएसएमए और एफ-18 एफडीजी पीएटी/सीटी के साथ आईएनएमसीआरपीसी ट्यूमर की विषमता का मूल्यांकनः एक संभावित अध्ययन।
11. अस्थि ट्यूमर के लिए समीपस्थ टिबियल एंडोप्रोस्थेसिस में मेडियल गैस्ट्रोकनेमियस फ्लैप के कार्य और व्यवहार्यता का मूल्यांकन।
12. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत कोमल ऊतक सार्कोमा से ग्रसित रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका
13. एनाप्लास्टिक थायराइड कार्सिनोमा का इम्यून माइक्रोएनवायरनमेंट
14. गैर-आक्रामक ऊतक निदान - कार्डियक सारकॉइडोसिस में चिकित्सा की प्रतिक्रिया का निर्धारण करने में कार्डियक पीईटी स्कैन के साथ एमआरआई पर पैरामीट्रिक मानचित्रण की सटीकता की तुलना
15. इविंग ट्यूमर के परिवार के लिए 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी और पारंपरिक तौर-तरीकों के बीच संभावित तुलना
16. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में एफ-18 फ्लूरोडॉक्सीग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करने वाला संभावित अध्यय**न**
17. रोल ऑफ ^{18}एफ-फ़्लोरोचोलिन पीईटी / 4डीसीटी इन द लोकेलाइजेशन ऑफ कल्प्रिट लिजन इन पेशेंट्स विद परसिस्टेंट/रिकरंट प्राइमरी हाइपरपेरोथायरोयडिज्म
18. उच्च जोखिम वाली आबादी में ट्रान्सथायरेटिन कार्डिएक अमाइलॉयडोसिस (एटीटीआर-कार्डियक अमाइलॉयडोसिस) का पता लगाने में 99एमटीसी-पायरोफॉस्फेट इमेजिंग की भूमिका
19. कोविड-19 से बच गए लोगों में कोविड-19 के कार्यात्मक अनुक्रमों की मैपिंग में एफ-18 एफडीजी की भूमिका
20. बच्चों के लैंगरहान कोशिका हिस्टोसाइटोसिस में प्रारंभिक कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के आकलन में एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका।
21. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म के रोगियों में घावों के स्थानीयकरण में एकीकृत ^{18}एफ-फ्लुरोकोलिन पीईटी/4डीसीटी की भूमिका

22. प्राथमिक बाह्यकोशिकीय रेटिनोब्लास्टोमा में नव-सहायक रसायन चिकित्सा के उपचार की प्रतिक्रिया के आकलन में पीईटी-सीटी की भूमिका
23. फेफड़ों की छोटी कोशिका के कैंसर के प्रारंभिक चरण में पीईटी-सीटी की भूमिका
24. फेफड़ों के कैंसर के मूल्यांकन में डिफ्यूजन वेटेड इमेजिंग के साथ सम्पूर्ण शरीर के एमआरआई की भूमिका।
25. दीर्घस्थायी सूजन संबंधी गठिया के साथ छोटे और मध्यम आकार के जोड़ों में एलयू-177 टिन कोलॉयड रेडियोसाइनोवेक्टॉमी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. जीए-68 पीएसएमए पीईटी/सीटी का उपयोग करके आवर्तक एनाप्लास्टिक ग्लिओमास (ग्रेड III) और ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में इन-विवो पीएसएमए अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन।
2. औषध दुर्दम्य मिर्गी में 'सिस्कोस' की नैदानिक सटीकता का विश्लेषण करने के लिए एक अग्रदर्शी कोहोर्ट अध्ययन।
3. रेडियोआयोडीन (^{131}आई-एनए) थेरेपी करवाने वाले पृथक किए थायरॉयड कैंसर वाले बच्चों एवं युवा वयस्कों में डोसीमेट्रिक अध्ययन
4. 18एफ-टाऊ पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी पर मानकीकृत अपटेक वैल्यू के अनुपात का मूल्यांकन।
5. टीसी-99एम ट्रोडैट स्पेक्ट/सीटी पर स्ट्राइटल बाइंडिंग रेशो का मूल्यांकन।.
6. मानक शाकाहारी भोजन का उपयोग करके गैस्ट्रिक खाली करने वाली स्किन्टिग्राफी: नियंत्रण मूल्यों की स्थापना
7. रेडियोआयोडीन पृथक्करण के 3 माह बाद टीएसएच द्वारा दमन किए गए रोगियों में सीरम टीएसएच स्तर की पुनर्प्राप्ति का स्वरुप
8. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में ^{68}जीए-पीएसएमए-एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका
9. हाइपरइंसुलिनेमिक हाइपोग्लाइसीमिया वाले बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में एफ-डीओपीए पीईटी-सीटी की भूमिका
10. नरम ऊतक सार्कोमा में प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी में बनावट विश्लेषण की भूमिका
11. कोंस्ट्रेंड लीस्ट स्क्वायर फिल्टरिंग का उपयोग करके स्किन्टिग्राफिक इमेज रिस्टोरेशन
12. रिचर्डसन लुसी एल्गोरिद्म का उपयोग करके स्किन्टिग्राफिक इमेज रिस्टोरेशन
13. आई-131 आरएआई चिकित्सा प्राप्त कर रहे ग्रेव्स रोग के रोगियों की चिकित्सा के परिणाम की भविष्यवाणी में सीरम थायरोट्रोपिन रिसेप्टर एंटीबॉडीज
14. हृद आघात में कार्डियक सिंपथेटिक इनरवेशन के मूल्यांकन के लिए फ्लोरीन-18 फ्लोरो एल-डाइहाइड्रोक्सीफिनाइललानाइन (एफ-18 एफडीओपीए) की व्यवहार्यता का आकलन

15. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी करा रहे रोगियों की नैदानिक प्रोफाइल, जांच और परिणाम का अध्ययन करने हेतु : एक पूर्वव्यापी और संभावित अनुभव
16. थायरॉइड इमेजिंग और डेटा रिपोर्टिंग सिस्टम (टीआईआरएडीएस) और बेथेस्डा सिस्टम की एकान्त थायरॉयड नोड्यूल (एसटीएन) में अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ थायरॉयड सिस्टोपैथोलॉजी (टीबीएसआरटीसी) की रिपोर्ट करने के लिए अध्ययन करना।
17. माइक्रोवैस्कुलर एनजाइना में संवहनी के कार्य और दर्द की संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना
18. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों के भेद में 99एम-टीसी यूबिक्विसिडिन की उपयोगिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्फैजिया ऑप्टिमाइज्ड इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी के उपरांत, सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए चरण II का एक अध्ययन, और स्थानीय रूप से उन्नत नैसोफैरेन्जियल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीनबार वायरस डीएनए टाइटर के साथ चिकित्सीय परिणाम का सहसंबंध, आरटी-आईआरसीएच
2. कोविड के उपरांत, महाधमनी और फेफड़ों का सूजनः विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई-दिल्ली (2021-2022) द्वारा वित्त पोषित हृदय से सम्बंधित कार्यक्रम; भारत-ऑस्ट्रेलियाई की एक संयुक्त परियोजना का एक मार्कर। मुख्य अन्वेषक डॉ. अंबुज रॉय, हृद्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
3. कोविड के उपरांत, महाधमनी और फेफड़ों में सूजन: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित हृदय संबंधी कार्यक्रम; भारत-ऑस्ट्रेलियाई की एक संयुक्त परियोजना का एक मार्कर, हृद्र रोग विज्ञान
4. बायोडिस्ट्रिब्यूशन एंड रेडिएशन डोसिमीट्री ऑफ [^{68}जीए]-डीएटीए.एसए.एफएपीआई एंड [^{68}जीए]-डीएटीए.एसए.एफएपीआई इन पेशेंट्स डायग्नोस्ड विद वेरिसय कैंसर्स, रसायन विज्ञान विभाग, जोहान्स गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी मेंज, जर्मनी।
5. कैंसर रोगियों में [^{177}एलयू]एलयू-डीओटीए.एसए.एफएपीआई मोनोमर और [^{177}एलयू]एलयू-डीओटीएजीए.(एसए.एफएपीआई)2 डिमर का बायोडिस्ट्रीब्यूशन, रेडिएशन डोसिमेट्री, रसायन विज्ञान विभाग, जोहान्स गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी, मेंज, जर्मनी।
6. पीसीआई के उपरांत रोगियों में योग आधारित हृदय सम्बन्धी पुनर्वास की प्रभावशालिताः आयुष मंत्रालय, सीआईएमआर, हृद्र रोग विज्ञान विभाग द्वारा वित्तपोषित एक संभावित यादृच्छिक, मुक्त स्तर का, ब्लाइंडेड एंड पॉइंट परीक्षण
7. भारत, कुवैत, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिघम और महिला अस्पताल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए में उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय अमाइलॉयडोसिस केंद्रों की स्थापना
8. स्तन कैंसर की स्टेजिंग में [^{68}जीए]-डीओटीए / डीएटीए.एसए.एफएपीआई की भूमिका, रसायन विज्ञान विभाग, जोहान्स गुटेनबर्ग विश्वविद्यालय मेंज, जर्मनी।

9. विषयगत संज्ञानात्मक गिरावट वाले विषयों में बायोमार्करों का अध्ययन, जराचिकित्सा

10. प्रोस्टेट कैंसर में सिंगल स्टेजिंग मोडलिटी के रूप में 68जीए पीएसएमए पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, आईसीएमआर, दिल्ली (2019-2021) द्वारा वित्त पोषित, मुख्य अन्वेषक संजय कुमार, मूत्ररोग विज्ञान

11. आणविक इमेजिंग (पीईटी/सीटी) का उपयोग करके एक्स्ट्रास्पाइनल मस्कुलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन, आईसीएमआर, दिल्ली (2018-2021) द्वारा वित्त पोषित। मुख्य अन्वेषक डॉ. शाह आलम खान, अस्थि रोग विशेषज्ञ

12. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसल बीमारी वाले एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कलप्रिट धमनियों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान - अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी द्वारा वित्त पोषित, हृदरोग विज्ञान

पूर्ण

1. स्कलबेस ऑस्टियोमाइलाइटिस, ईएनटी के रोगियों में नैदानिक सुविधाओं और उपचार के परिणामों का मूल्यांकन

प्रकाशनः

पत्रिकाएँ: 97   सार: 21   पुस्तकों में अध्याय: 2

रोगी उपचार

कोविड महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण इस वर्ष संपन्न की गईं वैकल्पिक नैदानिक प्रक्रियाओं की संख्या कम थी। विभाग पूरी अवधि के दौरान संचालित था और हृद् रोग विज्ञान विभाग में अंतः रोगियों और रसायन चिकित्सा की प्रतीक्षा कर रहे आईआरसीएच के कैंसर रोगियों को सेवाएँ प्रदान करता रहा। जब महामारी की स्थिति कम हुई और ओपीडी फिर से खुल गई, तो ओपीडी से बेहतर चिकित्सा के लिए भेजे गए रोगियों को सेवाएं प्रदान की गईं। विभाग ने मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी इमेजिंग का प्रदर्शन किया जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन में एक अभिन्न जांच होती है। हमने मायोकार्डियल वायबिलिटी के आकलन के लिए एफ-18 एफडीजी के साथ कार्डियक पीईटी इमेजिंग और इंफ्लेमेटरी कार्डियोमायोपैथी के लिए गैलियम-68 डीओटीएएनओसी का भी प्रदर्शन किया। विभाग ने कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में हृदय के मूल्यांकन के लिए केंद्र और आईआरसीएच से भेजे गए रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के मूल्यांकन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी का प्रदर्शन किया।

नाभिकीय हृद् रोग विज्ञान में दिनांक 1/4/20 से 31/3/2021 तक जाँच किए गए रोगियों की कुल संख्या

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	377
आरएनवी अध्ययनः	215
कार्डिएक पीईटी	69
विविध (वी/क्यू स्कैन, पहला पास):	25
किए गए अध्ययनों की कुल संख्या -	686

डायग्नोस्टिक स्कैन और रेडियोन्यूक्लाइड थैरेपी की सहायता देने वालों की संख्या 2020-2021

रोगी उपचार	**2020-2021**
^{177}एलयू - डीओटीए टीएटीई	32
^{177}एलयू - पीएसएमए-617	22
^{177}एलयू - डीओटीए-जीए-एफएपीआई	25
^{225}4सी- डीओटीए - टीएटीई	22
^{225}एसी- पीएसएमए-617	19
^{225}एसी- डीओटीए-जीए-एफएपीआई	01
एफ-18 एफडीजी-पीईटी	3711
एफ-18 एफसीएच	43
एफ-18 एफडीओपीए	5
जीए-68 डीओटीएएनओसी	463
जीए-68 पीएसएमए	210
जीए-68 एक्स्टेंडिंग	9
जीए-68 एफएपीआई	75
प्लेन सीटी-स्कैन	247
थायराइड कैंसर के लिए आरएआई थेरेपी	328
टॉक्सिक थायराइड रोग के लिए आरआईटी	64
जीएफआर	770
आरएआईयू	360
बोन स्कैन	865
रीनल स्कैन	1970
डीएमएसए स्कैन	728
थायराइड स्कैन	273
एचआईडीए स्कैन	176
पैरा थायराइड स्कैन	153
जीईआर स्कैन	162
डीआरसीजी स्कैन	79
टीआरओडीएटी स्कैन	2451
ईसीडी	164
जी.आई. ब्लीड	13
एमईसीकेईएल	26
जी.ई.टी. स्कैन	106
लीवर स्कैन	7
जीएचए ब्रैन स्कैन	5
एमआईबीजी स्कैन	149
लिम्फो स्कैन	94

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर सीएस बाल भारतीय अकादमी विज्ञान, बैंगलोर (एफएएससी) के फेलो के रूप में चुने गए; ब्रिटिश न्यूक्लियर मेडिसिन सोसाइटी के जर्नल न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशन को "शीर्ष समीक्षक प्रमाणपत्र" से सम्मानित किया गया; मेरे पर्यवेक्षण के अंतर्गत एक पीएचडी छात्र ने इस वर्ष डिग्री प्रदान की, जहाँ मैं मुख्य मार्गदर्शक था। (अब तक मेरे मार्गदर्शन में 7 छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है); आईसीएमआर-आईसीआरसी कैंसर कंसोर्टियम पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर राकेश कुमार इंडियन जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (आधिकारिक जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, इंडिया) के संपादक थे; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक हैं।

प्रोफेसर चेतन डी पटेल, उपाध्यक्ष, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया; 31 अक्टूबर 2020 को एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन, श्री वेंकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति के लिए बाह्य परीक्षक; एम्स, जोधपुर में संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ; 24 मार्च 2021 को एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जिपमेर), पुडुचेरी के लिए बाह्य परीक्षक; एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के छात्रों की समीक्षा की गई थीसिस, श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, तिरुपति; एमडी पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए परमाणु चिकित्सा विभाग, एम्स, भुवनेश्वर के मूल्यांकन/आकलन के लिए विशेषज्ञ; सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की सदस्य स्टोर खरीद समिति; अध्यक्ष, सीआईएमआर में अनुसंधान परियोजनाओं में भर्ती के लिए चयन समिति; प्रशिक्षण: डीएम कार्डियोलॉजी के छात्र: डॉ शकील अहमद खानंद डॉ. उत्पल कुमार, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग-न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी, एम्स में एक महीने का अनुभव; एम्स, रायपुर (11-13 दिसंबर 2020) में आयोजित सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन - इंडिया (एसएनएमआईसीओएन-2020) के 52वें वार्षिक सम्मेलन में होमी भाभा व्याख्यान दिया।

डॉ खंगमम बंगकिम चंद्र को सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन कॉन्फ्रेंस 2020 (वर्चुअल) (एसएनएमआईसीओएन 2020) में 11-13 दिसंबर 2020 को "कृष्णमूर्ति न्यूक्लियर हेपाटोलॉजी अवार्ड" के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ; सदस्य, ईएचएस स्क्रीनिंग कोविड-19 मैनेजमेंट टीम (जून-अगस्त 2020); ब्रिटिश न्यूक्लियर मेडिसिन सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशंस के विदेशी समीक्षक थे; ब्रिघम और महिला अस्पताल, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय परियोजना, "भारत, कुवैत और दक्षिण अफ्रीका में उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय अमाइलॉयडोसिस केंद्रों की स्थापना करना" के लिए एक अन्वेषक हैं

9.24. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान

आचार्य और अध्यक्ष

सुनेश कुमार

आचार्य

दीपिका डेका	नीरजा भाटला	केके रॉय
नीना मल्होत्रा	वत्सला डढ़वाल	जेबी शर्मा
	नीता सिंह	

अपर आचार्य

के गरिमा	गरिमा कच्छावा
रीता माहे	पी वनमैल

सह-आचार्य

विदुषी कुलश्रेष्ठ	सीमा सिंघल
राजेश कुमारी	ज्योति मीणा

सहायक आचार्य

जूही भारती	नीलांचली सिंह	मोनिका गुप्ता
ऋचा वत्स	दीपाली गर्ग	रिंचन झंगमो
कुसुम लता	अर्चना कुमारी	अंजू सिंह
नेहा वरुण	सोनिया धीमान	अनुभूति राणा
	निमिषा अग्रवाल	

वैज्ञानिक

रोहिणी सहगल (जी.IV)	अरुण कुमार (जी. I)

मुख्य विशेषताएँ

प्रसूति और स्त्रीरोग विभाग शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने और उसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने कोविड-19 महामारी के दौर में भी आपातकालीन प्रसूति और स्त्री रोग की सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा और अनुकूलित मोबाइल एप्लिकेशनों और टेलीकंसल्टेशन सेवाओं द्वारा समर्थित विभाग में तैयार की गई नई पुनर्गठित कोविड सुविधा में भारत की पहली कोविड-पॉजिटिव गर्भवती महिला का प्रसव करवाया। विभाग ने एम्स-आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों में अपना योगदान दिया। कोविड-19 के आपातकाल के दौरान, आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने पर वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन मानव प्रजनन में हमारे डब्ल्यूएचओ सहयोगी अनुसंधान केंद्र (सीसआर) के सहयोग से किया। इसने

डब्लूएचओ-एसईएआर की गतिविधि के एक भाग के रूप में स्नातक पाठ्यक्रम के लिए एक व्यापक गर्भपात देखभाल मॉड्यूल के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाई और इसमें योगदान दिया।

विभाग कई गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) परियोजनाओं का संचालन कर रहा है और इसने सभी रेजिडेंटों के लिए क्यूआई फाउंडेशन पाठ्यक्रम संचालित किया। भारत सरकार के सहयोग से, विभाग ने देश भर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों को परामर्श प्रदान किया है और लक्ष्य प्रसव कक्ष के रूपांतरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए गुणवत्ता सुधार के सिद्धांतों के अंतर्गत उन्हें प्रशिक्षित किया है।

एम्स में एक प्रतिष्ठित पीठ की प्रथम स्थापना गाइनी-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में की गई है, अर्थात् गाइनी ऑन्कोलॉजी में शोभा सेठ वेंगर गणमान्य पद (चेयर) जिसे प्रो. नीरजा भाटला को प्रदान किया गया। विभाग डब्ल्यूएचओ कंट्री ऑफिस के सहयोग से सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन के लिए डब्ल्यूएचओ के वैश्विक रणनीति को क्रियान्वित करने में भी सक्रिय रूप से सम्मिलित था।

शिक्षा

विभागीय शिक्षण (स्नातक और स्नातकोत्तर)

नए मानदंडों को ध्यान में रखते हुए, शिक्षण गतिविधियों को स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण सत्रों के लिए ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसमें केस प्रेजेंटेशन, सेमिनार, जर्नल क्लब और ट्यूटोरियल सम्मिलित हैं, जिसमें 9 से अधिक स्नातक बैचों और स्नातकोत्तर के तीन सेमेस्टरों को कवर करने वाले वार्ड छोड़ने के आकलन सम्मिलित हैं। चूंकि बेडसाइड दौरे भी संभव नहीं थे, इसलिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से केस की चर्चा जारी रखी गयी। विभाग ने मातृ भ्रूण चिकित्सा, यूरोगायनीकॉलोजी और मिनिमली इनवेसिव गायनोकोलॉजिकल सर्जरी में फेलोशिप कार्यक्रमों के साथ एमडी, एमसीएच (गाइनीकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी), और डीएम (प्रजनन चिकित्सा) पाठ्यक्रम का संचालन करके उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना जारी रखा।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग उप-विशेषज्ञता के विभिन्न विषयों, जैसे कि गाइनी एंडोस्कोपिक सर्जरी, हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी, गाइनी ऑन्कोलॉजी, अल्ट्रासोनोग्राफी और इनफर्टिलिटी में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। निम्नलिखित डॉक्टरों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया:

1.	कनिका कुमार	1 अप्रैल-30 जून 2020	बांझपन
2.	प्रीति सिंह	25 मार्च-8 अप्रैल 2020	प्रसूति एवं स्त्रीरोग

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. विंग कमांडर एन मोहना प्रिया	7 अक्टूबर 2019-7 अक्टूबर 2021	मिनिमली इनवेसिव गायनोकोलॉजिकल सर्जरी
2. नेहा सहाय	16 मार्च 2021-14 मार्च 2023	मातृ भ्रूण चिकित्सा
3. लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत कुमार	11 अक्टूबर 2019-30 सितंबर 2020	मातृ भ्रूण चिकित्सा
4. कर्नल इस्मत अरा	17 जून 2019-16 दिसंबर 2020	मातृ भ्रूण चिकित्सा

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. यूरोगाइनीकोलॉजी कमिटी ऑफ़ एफओजीएसआई के अंतर्गत, “फीमेल यूरिनरी इंकॉन्टिनेंस” पर 30 अप्रैल 2020 को आभासी वेबिनार
2. "कोविड-19 आपातकाल के दौरान आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखना" पर डब्लूएचओ-एम्स वेबिनार श्रृंखला।
3. "एआरटी गर्भधारण का प्रबंधन" पर आईएफएस प्री-कांग्रेस कार्यशाला, 28 जून 2020, वर्चुअल
4. सोसाइटी ऑफ फीटल मेडिसिन का पीजी जागरूकता कार्यक्रम, जुलाई-अगस्त 2020, वर्चुअल
5. सुरक्षित मातृत्व समिति के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए व्यापक कोविड प्रशिक्षण, डब्ल्यूएचओ सीओ, भारत और एम्स, 17 -19 अगस्त 2020, वर्चुअल
6. 42वें वार्षिक एओजीडी अधिवेशन में "सभी त्रैमासिकों में भ्रूण की देखभाल" शीर्षक से भ्रूण चिकित्सा पर कार्यशाला, 2 नवंबर 2020, नई दिल्ली
7. "सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन में तेजी लाने के लिए वैश्विक रणनीति" के शुभारंभ के अवसर पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 17 नवंबर 2020, नई दिल्ली
8. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ‘रोकथाम योग्य गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर’ पर एफओजीएसआई स्क्रीनिंग शिविर और जागरूकता अभियान, 5, 6, 8 मार्च 2021, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान:

सुनेश कुमार: 2
नीरजा भाटला: 64
कल्लोल कुमार रॉय: 11
नीना मल्होत्रा: 35
वत्सला डढ़वाल: 35
जेबी शर्मा:8
नीता सिंह: 2
के अपर्णा शर्मा: 59
गरिमा कच्छावा : 2
रीता माहे: 5
पी वनमैल पेरुमल: 2
विदुषी कुलश्रेष्ठ : 10
सीमा सिंघल: 8
ज्योति मीणा: 7
जूही भारती: 1
नीलांचली सिंह: 3
नेहा वरुण: 1
अनुभूति राणा: 3
निमिषा अग्रवाल: 1

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टर: 53

पुरस्कारों की सूची (एओजीडी, 2020 के 42वें वार्षिक सम्मेलन में)

1. सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए डॉ. सुनीता मित्तल पदक। पीसीओएस से पीड़ित युवा लड़कियों में माहवारी चक्र के नियमन पर मायो-आइनोसिटोल और डी-काइरो-आइनोसिटोल का संयोजन- एक यादृच्छिक मुक्त स्तर का अध्ययन, कृतिका वीएस, कछवा जी, कुलश्रेष्ठ वी, कुमारी आर, माहे आर, वनमेल पी, खडगावत आर, शर्मा जेबी, भाटला एन, 30 अक्टूबर-1 नवंबर 2020
2. “महामारी दौर में प्रसव कक्ष और वार्ड में भर्ती के लिए कोविड-19 की जाँच के प्रश्नावली की प्रभावकारिता का विविध मूल्यांकन” विषय-वस्तु पर सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए श्री एस भट्टाचार्य और डॉ इंद्राणी गांगुली पदक।

3. साहू I, कुमारी ए, मित्तल डी, आर ए एस, गुप्ता एम, कुमारी आर, कछवा जी, शर्मा का, माहे आर डढवाल वी, भाटला एन, कुमार एस, 30 अक्टूबर -1 नवंबर 2020
4. सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति: “कोविड-19 महामारी के दौरान तृतीयक देखभाल सुविधा में पधारने वाले गर्भवती महिलाओं में अवसाद का मूल्यांकन” के लिए रजत पदक। (पोस्टर)। कुलश्रेष्ठ वी, डढवाल वी, सूद एम, मीना जे, धीमान एस, पेरुमल वी, कुमार एस, 30 अक्टूबर -1 नवंबर 2020
5. “गर्भावस्था में ग्लान्ज़मैन थ्रोम्बास्थेनिया: प्रत्येक प्रसूति रोग विशेषज्ञ का दुःस्वप्न” पर प्रशंसा पुरस्कार। जयसवाल पी, अली ए, सिंह ए, कछवा जी, अग्रवाल एम, गुप्ता एम, सिंह एन, वरुण एन, कुमारी आर, माहे आर, शर्मा जेबी, भाटला एन, 30 अक्टूबर-1 नवंबर 2020
6. प्रशंसा पुरस्कारः गर्भावस्था के दौरान ऑक्सीडेटिव तनाव के मार्करों और एंडोथेलियल क्रिया के आकलन का मूल्यांकन और गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप के विकास के साथ इसका पारस्परिक सम्बन्ध, एक संभावित सामूहिक अध्ययन।
7. कछावा जी, राज पी, गुप्ता टी, कुलश्रेष्ठ वी, कुमारी आर माहे एम, जरयाल एके, वनमेल पी, शर्मा जेबी, भाटला एन, 30 अक्टूबर-1 नवंबर 2020

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. 35 स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को गर्भाशय ग्रीवा के पूर्व-आक्रामक घावों की जाँच और उपचार के कौशल सिखाने के लिए एक कम लागत वाला प्रशिक्षण मॉडल विकसित करना, सीमा सिंघल, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2019- 2021, 3.55 लाख रुपये।
2. एल्जेवियर्स "अरेज़ो®" के उपयोग के साथ, भारतीय स्वास्थ्य-सेवा की परिस्थितियों में मानक उपचार दिशानिर्देशों की प्रयोज्यता, उपयोगिता और अनुपालन का आकलन करने के लिए एक व्यवहारिक अध्ययन - एक घोषणात्मक कृत्रिम बुद्धिमता आधारित चिकित्सीय निर्णय समर्थन प्रणाली और पाथवे प्रोद्योगिकी, के अपर्णा शर्मा, नीति आयोग-यूके-डीआईटी 1, 2019-2020, 37.83 लाख रुपये
3. योनिमार्ग के मिश्रित संक्रमण से पीड़ित रोगियों में क्लिंडामाइसिन 100 मिलीग्राम और क्लोट्रिमाज़ोल 100 मिलीग्राम वेजाइनल सपोसिटरी के निश्चित खुराक के संयोजन बनाम क्लोट्रिमाज़ोल 100 मिलीग्राम वेजाइनल सपोसिटरी की सुरक्षा और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक चरण IV वाला, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक, संभावित, बहुकेंद्रित अध्ययन, सुनेश कुमार, एनाज़ील एनालिटिकल्स एंड रिसर्च प्रा. लिमिटेड नवी मुंबई, 2 वर्ष, 2019-2021, 3.5 लाख रुपये
4. मर्क के एचपीवी6/11/16/18 वैक्सीन (गार्डासिल®) की तुलना में कोहोर्ट 1 (9-14 वर्ष की आयु के लड़कियों और लड़कों) के लिए दो-खुराक वाली सूची और कोहोर्ट 2 (15-26 वर्ष की आयु की महिलाओं और पुरुषों) के लिए एक तीन-खुराक वाली सूची के अनुसार, स्वस्थ स्वयंसेवकों में इंट्रामस्क्यूलर के तरीके से दिए गए एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन की प्रतिरक्षाजनकता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक चरण-II/III वाला, आंशिक रूप से डबल-ब्लाइंड,

यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहुकेंद्रित अध्ययन, नीरजा भाटला, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्रा- लिमिटेड, पुणे, 5 वर्ष, 2018-2023, 40.55 लाख रुपये

5. ऐतिहासिक कारकों और जैव-भौतिकीय एवं जैव रासायनिक मापदंडों के आकस्मिक उपयोग के आधार पर भारतीय लोगों के लिए प्रीएक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी का मॉडल विकसित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, के अपर्णा शर्मा, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2021, 3.5 लाख रुपये

6. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं में डिम्बग्रंथि के क्रियाकलाप और चयापचय संबंधी कारकों पर डी-काइरो आइनोसिटोल और मायो-आइनोसिटोल के संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, ओपन लेबल, सिंगल-सेंटर, सिंगल आर्म, पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, गरिमा कछावा, एम्ब्रोसिया लाइफ साइंस प्रा. लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019- 2021, 12.97 लाख रुपए

7. प्राइमिग्रेविडा महिलाओं में योनिमार्ग के माध्यम से सामान्य प्रसव के दौरान पेरिनियल चोट और पेल्विक फ्लोर की निष्क्रियता पर 'सामान्य एपिज़िऑटमी' बनाम 'एपिज़िऑटमी रहित' परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक मार्गदर्शी (पायलट) अध्ययन, अर्चना कुमारी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 8.8 लाख रुपए

8. एआरटी के लिए नियंत्रित डिम्बग्रंथि के उत्तेजना से गुजरने वाले लोगों में आर-एचएमजी और एचपी-एचएमजी की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, खुले स्तर, असेसर-ब्लाइंड, समानांतर समूह, बहु-केन्द्रित, चरण III का अध्ययन, डॉ रीता माहे, भारत सीरम लिमिटेड, 4 वर्ष, 2017- 2021, 5 लाख रुपये

9. स्ट्रेस यूरिन इंकॉन्टिनेंस से पीड़ित महिलाओं में ऑटोलोगस रेक्टस फैसिया प्यूबोवैजिनल स्लिंग बनाम मिड-यूरेथ्रल स्लिंग बनाम बर्च कोल्पोसस्पेंशन प्रक्रिया की तुलना करते हुए एक अध्ययन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जे बी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 65 लाख रुपए

10. बांझ (प्रजनन में असक्षम) और उर्वर (प्रजनन में सक्षम) भारतीय महिलाओं में एंटी-मुलेरियन हार्मोन (एएमएच) और एंट्रल फॉलिकल काउंट्स के आयु विशिष्ट नोमोग्राम, नीना मल्होत्रा, सीएसआर आरईसीपीडीसीएल, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, 3 वर्ष, 2016-2020, 50.00 लाख रुपये

11. एंडोमेट्रियोसिस के मार्कर के रूप में सर्कुलेटरी एक्जोसोमल माइक्रोआरएनए - एक मार्गदर्शी अध्ययन, जूही भारती एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-21, 5 लाख रुपए

12. कोविड-19 से पीड़ित पुरुषों से वीर्य और वीर्य के प्लाज्मा में आरटी-पीसीआर का उपयोग करके सार्स-कोव-2 का पता लगाना - एक मार्गदर्शी अध्ययन, नीना मल्होत्रा, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2020-2022, 4.26 लाख रुपये

13. गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की गैर-आक्रामक पहचान के लिए स्मार्ट फोन आधारित ऐप का विकास और पायलट परीक्षण, वत्सला डढवाल, एम्स-यूसीएल सहयोगी परियोजनाएँ, 10 महीने, 2020-2021, 4.85 लाख रुपये

14. प्लेसेंटा में लौह की स्थिति और मलेरिया के जोखिम का जल्द पता लगाने के लिए एक सूचनाप्रद उपकरण का विकासः गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों को कम करने के लिए एक लागत प्रभावी पद्धति, के अपर्णा शर्मा, आईसीएमआर (डीएचआर), 3 वर्ष, 2020-2022, 101.66 लाख रुपये
15. "एकल आगमन प्रक्रिया में दृश्य निरीक्षण पद्धति द्वारा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जाँच में मार्गदर्शन के लिए संवर्धित वास्तविकता (एआर) द्वारा सक्षम उपकरण का विकास", सीमा सिंघल, (आईआईटी-डी) डीएसटी एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट स्कीम के तहत, 3 वर्ष, 2020-2023, 38 लाख रुपये
16. गर्भावस्था पर मातृ और प्रसवकालीन परिणाम पर योग का प्रभाव। जे बी शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-2022, 35 लाख रुपये
17. सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम में एचपीवी वैक्सीन के 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावशीलता और सुरक्षाः एक भारतीय बहु-केंद्रीय यादृच्छिक परीक्षण, नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी, 17 वर्ष, 2009-2026, 219.21 लाख रुपये
18. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनिक विद्युत चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) के प्रभाव, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 47 लाख रुपये
19. गर्भावस्था में रक्ताल्पता (एनीमिया) को कम करने के लिए संवर्धित, अनुकूलित प्रसवपूर्व देखभाल - व्यापक रक्ताल्पता कार्यक्रम और व्यक्तिकृत उपचार (सीएपीपीटी) परियोजना, वत्सला डढवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 117 लाख रुपये
20. महिला जननांग के क्षय रोग के शीघ्र निदान में आरएनटीसीपी द्वारा अनुशंसित विधियों के विरुद्ध नए आणविक पद्धतियों और एंटीजन आधारित नैदानिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन, जे बी शर्मा, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 67 लाख रुपये
21. एलोइम्यूनाइज्ड गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व निगरानी में मातृ प्लाज्मा से परिसंचारी कोशिका मुक्त भ्रूण के डीएनए का उपयोग करते हुए पितृ आरएचडी जाइगोसिटी और भ्रूण के आरएचडी जीनोटाइप का मूल्यांकन, अनुभूति राणा, एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.85 लाख रुपये
22. पीसीओएस से पीड़ित भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह-रुग्णता, जोखिम के कारकों और भिन्नता का मूल्यांकन: सम्पूर्ण भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2021, 37.59 लाख रुपये
23. गर्भावस्था में तनाव बायोमार्करों का मूल्यांकन और मातृ-भ्रूण के परिणामों के साथ इनका पारस्परिक सम्बन्ध, अंजू सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 1 वर्ष, 2021-2022, 5 लाख रुपये
24. डिम्बग्रंथि के एंडोमेट्रियोसिस के दौरान, एंडोमेट्रियम और एक्टोपिक घाव में एआरबीबी रिसेप्टर परिवार और एस्ट्रोजन रिसेप्टरों (ईआर) की अभिव्यक्ति, दीपाली गर्ग, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

25. पहला त्रैमासिक चतुर्गुण परीक्षण और मातृ-भ्रूण के परिणाम के साथ इसका पारस्परिक सम्बन्ध, डॉ रिनचेन जांगमो, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
26. क्षीण कल्चर माध्यम पर अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस) का उपयोग करते हुए एन्यूप्लॉयडीज के लिए गैर-आक्रामक प्रत्यारोपण से पूर्व आनुवंशिक परीक्षण का कार्यान्वयन, नीता सिंह, आईसीएमआर (डीएचआर), 3 वर्ष, 2020 - 2023, 30 लाख रुपये
27. प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल स्तरों पर वेब आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ एएनसी मॉडल का कार्यान्वयन, के अपर्णा शर्मा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2019-2021, 19.75 लाख रुपये
28. गर्भावस्था में कोविड-19 के संपर्क में आने के बाद गर्भवती महिलाओं और उनके शिशुओं का अनुदैर्ध्य अनुवर्तन (फॉलोअप)। के अपर्णा शर्मा, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2021-2022, 5 लाख रुपये
29. गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण पर राष्ट्रीय पंजीयन, सुनेश कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 1 लाख रुपये
30. कैंसर के युवा उत्तरजीवियों में उर्वरता संरक्षण के लिए ओवेरियन टिश्यू क्रायोप्रीजर्वेशन (ओटीसी) - फ्रीजिंग और विट्रिफिकेशन तकनीकों की तुलना, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020 - 2022, 56.20 लाख रुपये
31. मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी) के विरुद्ध पुनर्जीवित पुनः संयोजक वैक्सीन की सुरक्षा, प्रतिरक्षाजनकता और जाँच की प्रभावकारिता पर चरण I-II का नैदानिक परीक्षण, सुनेश कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, दिसंबर 2017 - जून 2021, 26.48 लाख रुपये
32. एचपीवी से जुड़े मैलिग्नेंसीज की केयर डिटेक्शन का द्रुत बिंदु, नीरजा भाटला, एनसीआई, यूएसए एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के माध्यम से, 5 वर्ष, 2017-2022, 190 लाख रुपये
33. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ईडीसी'एस) की भूमिका", डॉ गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 35.72 लाख रुपये
34. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और सीरम एडिपोनेक्टिन के स्तर, ज्योति मीणा एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, दिसंबर 2020-2022, 2 लाख रुपये
35. कोविड-19 महामारी के दौरान, मनो-सामाजिक एवं व्यवहारिक प्रतिक्रियाओं और प्रसवोत्तर महिलाओं की चिंताओं का अध्ययन और प्रसूति रोग विशेषज्ञों और सामान्य चिकित्सकों के समग्र कल्याण में वृद्धि करने के लिए व्यापक परामर्श मॉड्यूल विकसित करना, अर्चना कुमारी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये
36. कोविड और गर्भावस्था पर निगरानी (स्कोप) परियोजना (डब्लूएचओ-स्कोप), सुनेश कुमार, डब्ल्यूएचओ-सीओ इंडिया, 1 वर्ष, 2020-2021, 35 लाख रुपये
37. कोविड-19 की गतिविधियों (टीएएससी ऐप) के लिए अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों के नोडल टीम के प्रशिक्षण, जोखिम का आकलन (संपर्क ट्रेसिंग), कर्मचारियों की जाँच और जागरूकता और संक्रमण नियंत्रण की गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन की व्यवहारिकता

और प्रज्योता का निर्माण और आकलन करना, के अपर्णा शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपए

38. प्रीएक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी में जैव रासायनिक एंडोथेलियल मार्करों और धमनियों की कठोरता के संयोजन का मूल्यांकन करना, गरिमा कछावा, आईसीएमआर (डीएचआर), 4 वर्ष, 2018-2022, 83.9 लाख रुपये

39. आरोपण की विफलता में प्राकृतिक किलर कोशिकाओं की भूमिका की जांच करना और नए गैर-दाता आईवीएफ चक्रों में गर्भाशय के उन्नत प्राकृतिक किलर (यूएनके) कोशिकाओं वाले महिलाओं में इंट्रालिपिड्स के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नीता सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 40 लाख रुपये

40. गर्भाशय के असामान्य रक्तस्राव वाले रोगियों में माहवारी रक्त की क्षति को कम करने में ट्रानेक्सामिक एसिड (500 मिलीग्राम) और मेफेनैमिक एसिड (250 मिलीग्राम) के साथ दिए गए डायोस्मा (900 मिलीग्राम) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन करना, जे बी शर्मा, वाल्टर बुशनेल प्रा. लिमिटेड, 5 वर्ष, 2016-2021, 17 लाख रुपये

41. बांझ और उर्वर भारतीय महिलाओं में एफएसएच रिसेप्टर जीन बहुरूपता के प्रसार का अध्ययन करना और आईवीएफ / आईसीएसआई प्रक्रिया से गुजरने वाले बाँझ उपसमुच्चय में डिम्बग्रंथि की उत्तेजना की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना, रीता माहे, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2022, 24 लाख रुपये

42. गर्भावस्था की अवधि के दौरान, माँ के कॉर्टिकोट्रोपिन रिलीजिंग हार्मोन के स्तर में अनुक्रमिक परिवर्तनों का अध्ययन करना और प्रसव के अंतःस्रावी मध्यस्थ के रूप में इसकी भूमिका के साथ पारस्परिक सम्बन्ध स्थापित करना, नेहा वरुण, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 1 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपये

43. प्रजनन क्षमता को कम करने वाली शल्यचिकित्सा के विकल्प को सरलीकृत करने के लिए, असामान्य एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया के मामलों में सह-अस्तित्व वाले कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम की भविष्यवाणी में पाइरूवेट काइनेस एम1 और एम2 बायोमार्कर का उपयोग, ऋचा वत्स, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020 - 2022, 5 लाख रुपये

44. प्रीएक्लेम्पसिया कांगो रेड डिटेक्शन किट (प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट) का मान्यकरणः मल्टीसेंट्रिक ट्रायल, के अपर्णा शर्मा, पर्किन-एल्मर, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.5 लाख रुपये

पूर्ण

1. सर्वाइकल कैंसर की जाँच से गुजर रही महिलाओं पर 100 रोगियों के एक मार्गदर्शी अध्ययन में एक ट्रांसवेजाइनल कोल्पोस्कोप की तुलना मानक देखभाल के दृष्टिगत निरीक्षण के साथ-साथ करना, डॉ नीरजा भाटला, ड्यूक यूनिवर्सिटी, एनसीआई, यूएसए, 3 वर्ष, 2017-2020, 10.53 लाख रुपये

2. समय पूर्व डिम्बग्रंथि के आयुवृद्धि के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो से उत्पन्न स्टेम कोशिकाओं के प्रत्यारोपण की भूमिका का मूल्यांकन करना, डॉ नीता सिंह, इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2019 - 2020, 10 लाख रुपए
3. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं के उपचार के लिए सारोग्लिटैज़र 2 मिलीग्राम और 4 मिलीग्राम टैबलेट्स बनाम प्लैसिबो की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, अनुकूलित डिज़ाइन, नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ गरिमा कछावा कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड, 1.5 वर्ष, 2019-2021, 1 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. भारतीय परिस्थितियों में कम जोखिम बनाम उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में उत्तेजना और अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन
2. सर्वाइकल मैलिग्नेंसी से पीड़ित महिलाओं में ट्यूमर की विशेषताओं और मेटास्टेटिक रोग का आकलन करने में मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) के साथ ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीआरयूएस) की प्रभावकारिता की तुलना
3. गर्भावस्था में माँ के वजन में वृद्धि और मनोवैज्ञानिक तनाव पर प्रसव पूर्व योग के प्रभाव और गर्भावस्था के परिणामों के साथ इसके जुड़ाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. उत्तर भारतीय लोगों में भ्रूण के मस्तिष्क की संरचनाओं के नॉमोग्राम को विकसित करने के लिए एक संभावित अध्ययन और विकसित नॉमोग्रामों का उपयोग करके विकास को प्रतिबंधित किए गए भ्रूणों में भ्रूण के इन मस्तिष्क संरचनाओं का आकलन करना।
5. प्रसवपूर्व आक्रामक परीक्षण के दौर से गुजर रहे रोगियों में 1% इंजेक्शन लिग्नोकेन बनाम इमला क्रीम लगाने के पश्चात पेन स्कोर का आकलन करना।
6. एफ18-फ्लुरोडिऑक्सीग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी द्वारा उन्नत चरण के एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित महिलाओं में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया का आकलन करना।
7. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन और प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणाम के पश्चात गर्भावस्था में भ्रूण के द्रव्यमान और वैस्कुलराइजेशन इंडेक्स का जुड़ाव
8. चुनिंदा भ्रूण के विकास की वृद्धि पर प्रतिबंध द्वारा जटिल मोनोकोरियोनिक डायम्नियोटिक जुड़वों के हृदय की क्रिया।
9. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन में गैर-दाता (डोनर) के प्रतिपक्षी चक्रों में एक दोहरे ट्रिगर बनाम एकल ट्रिगर की तुलना, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. पीसीओएस और गैर-पीसीओएस से पीड़ित बाँझ महिलाओं में मनोवैज्ञानिक रुग्णता और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) के मार्कर के रूप में इंसुलिन प्रतिरोध की तुलना - एक केस का नियंत्रित अध्ययन।

11. गर्भावस्था के दौरान इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में सीरम के इंफ्लेमेटरी बायोमार्करों का भ्रूण के परिणाम के साथ पारस्परिक सम्बन्ध

12. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं में चयापचय और अंतःस्रावी मार्करों के साथ विसरल एडिपोसिटी इंडेक्स (वीएआई) और लिपिड एक्युमुलेशन प्रोडक्ट्स (एलएपी) का पारस्परिक संबंध

13. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजर रहे रोगियों में एआरटी के परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

14. वैकल्पिक सीजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में क्रियात्मक स्वास्थ्य लाभ पर शल्यक्रिया के पश्चात विस्तारित स्वास्थ्य लाभ (ईआरएएस) प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता और व्यवहारिकताः एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

15. एंडोमेट्रियल कैंसर के प्रबंधन में टीसी99एम सल्फर कोलॉयड के रेडियोन्यूक्लाइड इंजेक्शन द्वारा 18एफ एफडीजी पीईटी विशिष्ट मात्रात्मक ट्यूमर के मापदंडों और सेंटिनल लिम्फ नोड के मानचित्रण का मूल्यांकन

16. गर्भाशय ग्रीवा के प्री-इनवेसिव घावों की जांच और प्रबंधन के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण का मूल्यांकन

17. मातृ आरएच-डी एलोइम्यून रोग से पीड़ित सिंगलटन गर्भावस्था में अंतर्गर्भाशयी आधान (इंट्रायूटेरिन ट्रांसफ्यूजन) के पश्चात, भ्रूण के मायोकार्डियल प्रदर्शन सूचकांक में परिवर्तन का मूल्यांकन और प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणाम के साथ इसका पारस्परिक संबंध।

18. चरण IIIसी/IV के एपिथेलियल ओवेरियन, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा में इंटरवल डिबल्किंग सर्जरी के समय एचआईपीईसी की व्यवहारिकता और पेरीऑपरेटिव परिणाम का मूल्यांकनः एक मार्गदर्शी अध्ययन

19. किशोरावस्था और शिथिल माहवारी वाले भारतीय युवा लड़कियों में हार्मोनल और मेटाबोलिक मापदंडों का मूल्यांकन।

20. नॉर्मोटेंसिव एशियाई भारतीय गर्भवती महिलाओं की तुलना में प्रीएक्लेम्पसिया में ल्यूकोसाइट और प्लैटिलेट सूचकांकों का मूल्यांकन।

21. गर्भावस्था के दौरान गुर्दे के कार्य के मापदंडों का मूल्यांकन और मातृ और भ्रूण के परिणाम के साथ इसका पारस्परिक संबंध।

22. गर्भधारण की आयु और उचित रूप से विकसित भ्रूणों के प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणामों की भविष्यवाणी में कार्डियोटोकोग्राफी आधारित अल्पकालिक परिवर्तनीयता की भूमिका का मूल्यांकन।

23. सीटी आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली "पॉज़" का उपयोग करके एपिथेलियल ओवेरियन, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा की सर्जिकल रिसेक्टेबिलिटी का मूल्यांकन।

24. भारतीय लोगों में डब्लूएचओ और इंटरग्रोथ-21 भ्रूण विकास चार्टों का मूल्यांकन

25. आईसीपी में भ्रूण के कार्डिएक प्रोफाइल और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका जुड़ाव

26. ओवेरियन रिजर्व बायो-मार्करों का उपयोग करके गोनाडोटॉक्सिक कीमोथेरेपी से गुजर रहे स्तन कैंसर से पीड़ित प्रजनन आयु की महिलाओं में डिम्बग्रंथि के कार्य की भविष्यवाणी - एक संभावित सामूहिक (कोहोर्ट) अध्ययन
27. ग्राम स्टेन और कल्चर का उपयोग कर प्रसवपूर्व महिलाओं में वेजाइनल और प्लेसेंटल माइक्रोबियल फ्लोरा की प्रोफाइल
28. उर्वर भारतीय पुरुषों में वीर्य विश्लेषण के मापदंडों के वर्तमान नॉमोग्राम को विकसित करने के लिए संभावित अध्ययन
29. प्रतिबंधित विकास और सामान्य रूप से विकसित भ्रूण में पल्मोनरी वेन पल्सेटिलिटी इंडेक्स कार्डियक रीमॉडलिंग (वैश्विक गोलाई सूचकांक) और उनका कार्य (मायोकार्डियल प्रदर्शन सूचकांक)
30. जमे हुए भ्रूण के स्थानांतरण चक्र के दौरान एंडोमेट्रियल की तैयारी के लिए लेट्रोज़ोल बनाम जीएनआरएच एगोनिस्ट एचआरटी का उपयोग करके गर्भावस्था के परिणाम की तुलना करके यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
31. एफजीटीबी में एपिजेनेटिक्स की भूमिका
32. रजनोवृत्ति उपरांत रक्तस्राव से पीड़ित महिलाओं में एंडोमेट्रियल मूल्यांकन के लिए ट्रांसवेजाइनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका
33. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और सीरम एडिपोनेक्टिन का स्तर
34. सहायक प्रजनन तकनीकों के बाद होने वाले गर्भधारण में भ्रूण के हृदय के पुनर्निर्माण और इसके प्रसवोत्तर दृढ़ता का अध्ययन
35. शिशु जन्म के परिणाम और अनुभव पर जन्म के नियोजन दौरे के माध्यम से व्यवस्थित प्रसव शिक्षा के प्रभाव का आकलन करनाः एक गुणवत्ता सुधार परियोजना
36. महिला जननांग के क्षयरोग के निदान में अन्य पारंपरिक तकनीकों की तुलना में टीबी लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एमप्लिफिकेशन की भूमिका का मूल्यांकन करना
37. पीओएसईआईडीओएन (रोगी उन्मुख रणनीतियाँ जिसमें व्यक्तिकृत ऊसाइट संख्या सम्मिलित है) के स्तरीकरण के अनुसार, रोग के निम्न पूर्व लक्षण वाली महिलाओं में आईवीएफ के परिणाम का मूल्यांकन करना और भारतीय महिलाओं में डिक्रीस्ड ओवेरियन रिजर्व (डीओआर) के संभावित एटियोलॉजी का मूल्यांकन करना।
38. डिम्बग्रंथि के द्रव्यमान के आकलन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल/लिम्फोसाइट अनुपात, प्लैटिलेट / लिम्फोसाइट अनुपात और सीए125 की भूमिका का मूल्यांकन करना।
39. प्रसवोत्तर रोगियों में मूत्रजननांग संबंधी समस्याओं की घटनाओं और प्रसव के तरीके के साथ इसके संबंध को देखना
40. तृतीयक देखभाल केंद्र में कोविड-19 की ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों में कोविड-19 के मनोवैज्ञानिक प्रभाव का अध्ययन करना
41. प्रीएक्लेम्पसिया में प्लैटिलेट अनुपात सूचकांक (एपीआरआई) स्कोर के लिए एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज और अपरिपक्व प्लेटलेट अंश (आईपीएफ) का रुझान: एक केस-नियंत्रण अध्ययन।

विभागीय परियोजनाएँ

पूर्ण

1. गर्भकालीन आयु और विकास प्रतिबंधित भ्रूण के लिए उचित रूप से विकसित, छोटे भ्रूण के कार्डियक प्रोफाइलिंग का एक संभावित अध्ययन और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका जुड़ाव
2. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर के सीरम और ट्यूमर ऊतक में आणविक बायोमार्करों का विश्लेषण
3. डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित रोगियों में बहु-जीन पैनल के परीक्षण के साथ बीआरसीए और गैर-बीआरसीए उत्परिवर्तनों का आकलनः एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन
4. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन और प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणाम के बाद गर्भावस्था में प्लैसेंटा की मात्रा और वैस्कुलराइजेशन इंडेक्स का जुड़ाव
5. प्रसव के सफल प्रतिष्ठापन की भविष्यवाणी के लिए सर्वाइकल शीयर वेव इलास्टोग्राफी, बिशप स्कोर और ट्रांसवेजाइनल सरवाइकल लेंथ मेजरमेंट की तुलनाः एक मार्गदर्शी अध्ययन।
6. लैप्रोस्कोपी के दौरान, न्यूमोपेरिटोनियम की स्थापना में डायरेक्ट ट्रोकार और वेरेस नीडल की तुलना: एक नैदानिक परीक्षण
7. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम से पीड़ित बांझ महिलाओं में हार्मोनिक स्केलपेल द्वारा लेट्रोज़ोल और डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग की तुलना: एक संभावित मार्गदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. आईवीएफ-आईसीएसआई चक्रों से गुजर रही पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में नियंत्रित डिम्बग्रंथि की उत्तेजना के लिए अकेले लेट्रोज़ोल प्लस गोनाडोट्रोपिन बनाम अकेले गोनाडोट्रोपिन की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. मानक देखभाल प्रोटोकॉल की तुलना में वेब-आधारित एप्लिकेशन के आधार पर प्रसवपूर्व देखभाल के गुणवत्ता की तुलना: एक मार्गदर्शी अध्ययन
10. सिजेरियन सेक्शन में त्वचा को बंद के लिए संवरण के तीन तकनीकों की तुलना (सबक्यूटिकुलर टांके, गैर-अवशोषित नायलॉन टाँका, सर्जिकल स्टेपलर): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. गर्भाशय ग्रीवा के प्रारंभिक कैंसर में संचालनीयता, लिम्फ नोड की स्थिति और रोग के स्थानीय विस्तार के साथ, एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल इंडेक्स का परस्पर संबंध
12. एशियाई भारतीय महिलाओं में गर्भकालीन डायबिटीज मेलाइट्स के विकास के साथ, पहली तिमाही के चयापचय मापदंडों और मातृ शरीर के वसा सूचकांकों का पारस्परिक सम्बन्ध - एक तुलनात्मक अध्ययन।
13. वैकल्पिक सीजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ पर शल्यचिकित्सा (ईआरएएस) के प्रोटोकॉल के बाद विस्तारित स्वास्थ्य लाभ की प्रभावशीलता और व्यवहारिकता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
14. स्त्री रोग संबंधी शल्यचिकित्सा से गुजरने वाली महिलाओं में शल्यचिकित्सा के बाद विस्तारित स्वास्थ्य लाभ (ईआरएएस) के प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन की प्रभावकारिता और व्यवहार्यता का मूल्यांकन

15. प्रजनन में अक्षम महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन
16. सामान्य एशियाई भारतीय गर्भवती महिलाओं की तुलना में प्रीएक्लैम्पसिया में ल्यूकोसाइट और प्लेटिलेट सूचकांकों का मूल्यांकन
17. भ्रूण के प्रतिबंधित विकास वाले गर्भावस्था में प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी और प्लेसेंटल वैस्कुलराइजेशन इंडेक्स का मूल्यांकनः एक केस नियंत्रित अध्ययन
18. भ्रूण के प्रतिबंधित विकास वाली गर्भावस्था में प्लैसेंटल वैस्कुलराइजेशन इंडेक्स और प्लैसेंटल इलास्ट्रोग्राफी का मूल्यांकन: एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन।
19. डिम्बग्रंथि के कैंसर में अनोखे निदान और पूर्वलक्षण सम्बन्धी बायोमार्कर ढूँढना।
20. कोविड-19 महामारी के दौर में स्त्री रोग संबंधी शल्यचिकित्सा - एक संभावित अध्ययन।
21. एनआईसीयू में भर्ती समय पूर्व शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य के समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रिया) की व्यापकताः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
22. मानव पेपिलोमा वायरस ऑंकोप्रोटीन ई6 और ई7 के एक लक्ष्य के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स
23. जमे हुए भ्रूण के स्थानांतरण चक्र के दौरान एंडोमेट्रियल की तैयारी के लिए लेट्रोज़ोल बनाम जीएनआरएच एगोनिस्ट एचआरटी का उपयोग करके गर्भावस्था के परिणाम की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
24. मध्य मस्तिष्क की धमनी के चरम सिस्टोलिक गति और अंतर्गर्भाशयी प्रतिबंधित विकास वाले भ्रूणों में प्रसवकालीन परिणाम के बीच संबंध
25. एपिथेलियल ओवेरियन ट्यूमर के शल्यक्रिया से पूर्व निदान में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीई-ई की भूमिकाः एक मार्गदर्शी अध्ययन
26. एडनेक्सल द्रव्यमानों के मूल्यांकन में आईओटीए के सरल नियमों और 3डी अल्ट्रासाउंड की भूमिका
27. इंटरवल साइटोरिडक्टिव शल्यक्रिया के समय डिम्बग्रंथि के कैंसर में लिम्फैडेनेक्टॉमी की भूमिका
28. रजनोवृत्ति के उपरांत रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में एंडोमेट्रियल मूल्यांकन के लिए ट्रांसवेजिनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका
29. योनि (वल्वा) के स्थानीय रूप से उन्नत कार्सिनोमा के उपचार के लिए शल्यक्रिया से पूर्व कीमो-रेडियोथेरेपी बनाम निश्चित कीमो रेडियोथेरेपी के बाद शल्यक्रिया
30. लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टोमी के बाद शल्यक्रिया के पश्चात दर्द को तत्काल कम करने में पैरासर्वाइकल ब्लॉक की भूमिका; एक संभावित यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण
31. गर्भावस्था के दौरान छोड़े गए श्वास में कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर का मूल्यांकन करना और माँ एवं भ्रूण के परिणाम के साथ इसके परस्पर संबंध को स्थापित करनाः एक मार्गदर्शी अध्ययन।
32. उन्नत प्राकृतिक किलर सेल के स्तरों के साथ, दो या दो से अधिक असफल इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन वाली महिलाओं में आरोपण दर पर इंट्रालिपिड आपूर्ति के प्रभाव का मूल्यांकन करनाः एक मार्गदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

33. डिम्बग्रंथि के द्रव्यमानों के आकलन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल/लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटिलेट/लिम्फोसाइट अनुपात और सीए125 की भूमिका का मूल्यांकन करना।
34. प्रीएक्लेम्पसिया में प्लेटलेट अनुपात सूचकांक (एपीआरआई) स्कोर और अपरिपक्व प्लेटिलेट अंश (आईआरएफ) के प्रति एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज का रुझान: एक केस-नियंत्रित अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. गर्भावधि के दौरान मधुमेह (डायबिटीज मेलाइटस) से पीड़ित दक्षिण एशियाई महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम के लिए जीवन शैली में हस्तक्षेप का एक कार्यक्रम। भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका। एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
2. स्नातक नर्सिंग छात्रों में चुनिंदा मिडवाइफरी कौशल से सम्बंधित जानकारी पर निष्ठा के निम्न अनुकरण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन। नर्सिंग कॉलेज
3. डिम्बग्रंथि के कैंसर से पीड़ित रोगियों में बहु-जीन वाले पैनल के परीक्षण के साथ बीआरसीए और गैर-बीआरसीए उत्परिवर्तनों का आकलनः एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन। जैव रसायन विभाग
4. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी नियामक कोशिकाओं (एफओएक्सपी3) की अभिव्यक्ति के साथ एचआईपीईसी के उपचार का जुड़ाव और इसका नैदानिक महत्त्व। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
5. उत्तर भारतीय लोगों में प्रोटियोमिक्स प्रक्रिया का उपयोग करके आईवीएफ से गुजरने वाली महिलाओं में सफल गर्भावस्था की भविष्यवाणी के लिए बायो-मार्करः अस्पताल-आधारित संभावित सामूहिक अध्ययन। क्लीनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट
6. नॉरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के अंतर्गत, मानव ओईसी के साथ मोनो-कल्चर और को-कल्चर प्रणालियों में एमएससी और एमएपीसी की संवहनी क्षमता की तुलना करना
7. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित रोगियों में एचपीवी परिसंचारी ट्यूमर डीएनए का पता लगाना। प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
8. डॉक्टरों के विरुद्ध हिंसा का आकलन करने के लिए एक प्रश्नावली का विकास और मान्यकरण। चिकित्सा विभाग
9. भारत में एमबीबीएस छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए संचार कौशल प्रशिक्षण मॉड्यूल (सीएसटीएम) का विकास, मान्यकरण और प्रसार, चिकित्सा विभाग
10. क्रोनिक पेल्विक दर्द में अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुपीरियर हाइपोगैस्ट्रिक प्लेक्सस ब्लॉक की प्रभावकारिता और सुरक्षाः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। एनेस्थिसियोलॉजी और पेन मेडिसिन
11. एंडोमेट्रियोसिस से जुड़े दर्द में एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रॉफिक घटक और तंत्रिका के रेशे। फिजियोलॉजी विभाग।

12. बांझ महिलाओं में जननांग सम्बन्धी टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन। चिकित्सा विभाग।

13. सर्वाइकल कैंसर के उपचार के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनोकैरियर्स का उपयोग करके सिस्प्लैटिन की बाहरी आपूर्ति, एम्स-आईआईटी-दिल्ली और शरीर रचना विभाग।

14. युग्मित साइटोलॉजी नमूने से गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर कोशिकाओं की चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स से जुड़ी दृष्टिगत पुष्टि: ग्रामीण भारतीय परिस्थिति के लिए एक लागत प्रभावी, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, शरीर रचना विभाग।

15. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका पारस्परिक सम्बन्ध, पैथोलॉजी

16. गर्भावस्था की क्षति होने पर मनोवैज्ञानिक अपघातः एक बहुआयामी आकलन उपकरण और एक सामूहिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।

17. गर्भावस्था के क्षति की मनोसामाजिक गतिकी: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और विकास की प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण) - आईसीएमआर। मनोरोग

18. मानव पेपिलोमा वायरस ओंकोप्रोटीन ई6 और ई7 के एक लक्ष्य के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स। लैब ऑन्कोलॉजी विभाग, आईआरसीएच

19. प्री-एक्लेमप्सिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों में औषधीय अधिमिश्रक के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका

20. डिम्बग्रंथि कैंसर के स्टेम कोशिका में एमआईआरएनए के माध्यम से एसटीएटी3 का विनियमन: एक चिकित्सीय पद्धति, प्रजनन।

21. प्रीएक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादन करने वाले एंजाइमों, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसों और एमआईआर-22 की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण को व्यवस्थित करने में उनकी भूमिका। एनाटॉमी

22. प्रसवोत्तर के लिए एक रणनीति विकसित करना, सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति का उपयोग करके गर्भावधि के दौरान मधुमेह के इतिहास वाली महिला का फॉलो अप करना और उनके विचारों को सम्मिलित करने के उपरांत रोगी केंद्रित पद्धति विकसित करना। एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

23. हृदय-संवहनी संबंधी जोखिम के घटकों पर ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रभाव का अध्ययन करने के लिए गर्भकालीन मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं की मां-संतान-पति/पत्नी का समूह स्थापित करना। एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

24. प्रीएक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी में जैव रासायनिक और जैवभौतिकीय मार्कर के संयोजन का मूल्यांकन करना। फिजियोलॉजी विभाग

25. अधिक वजन/मोटापे से ग्रस्त महिलाओं (पिछले बच्चे के जन्म के 2 वर्ष के भीतर) में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का उस समय मूल्यांकन करना, जब उन्हें यह कार्यक्रम अकेले

की तुलना में उनके पति साथ प्रदान किया गया: दो बाजू वाला समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

26. गर्भकालीन मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का उस समय मूल्यांकन करना, जब उन्हें यह कार्यक्रम अकेले की तुलना में उनके पति साथ प्रदान किया गया: दो बाजू वाला समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म

पूर्ण

1. फॉस्फोलाइपेज सी जेटा की अभिव्यक्ति पर मानव शुक्राणु के विट्रिफिकेशन का प्रभाव। प्रजनन जीवविज्ञान विभाग
2. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) में माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन और एनआरएफ-2 जीन एक्सप्रेशन में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की आणविक सहक्रिया। लैब मेडिसिन विभाग, एम्स
3. ऊसाइट की सक्रियता में एल-कार्निटाइन की भूमिका।

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: 90 सार: 3 पुस्तकों में अध्याय: 11 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 7

रोगी उपचार

विभाग ने चल रही महामारी की वजह से अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना किया और मरीज़ों को निर्बाध आपातकालीन प्रसूति तथा स्त्री रोग देखभाल प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक पुनर्गठन ने तेजी से कोविड-पॉजिटिव, कोविड-संदिग्ध और कोविड-नकारात्मक मामलों के श्रम और वितरण के लिए तीन अलग-अलग क्षेत्रों की सुविधा बनाई। इसके अलावा, कोविड महामारी के दौरान गैर-आपातकालीन स्त्री रोग और प्रसूति मरीज़ों को टेलीकंसल्टेशन सेवाएँ भी प्रदान की गईं। गाइनी कैंसर (gynae cancer) के मरीज़ों की देखभाल टेलीकंसल्टेशन और आवश्यकता पड़ने पर शारीरिक परामर्श दोनों माध्यमों से की जाती थी। अर्ध-आपातकालीन और आपातकालीन मामलों के लिए भी स्त्री रोग संबंधी सर्जरी की गई। कैंसर सर्जरी को उच्च प्राथमिकता दी गई थी और अस्थानिक गर्भावस्था, गंभीर रक्तस्राव आदि के साथ आपातकालीन जीवन के लिए ख़तरा वाले मामलों को भी प्राथमिकता मिली थी। उच्च जोखिम वाली प्रसूति और भ्रूण चिकित्सा सेवाएँ, जिनमें एमनियोसेंटेसिस (amniocenetsis), कॉर्डोसेन्टेसिस (cordocentesis), कोरियोन विलस सैंपलिंग (chorion villus sampling) और अंतर्गर्भाशयी संक्रामण (intrauterine transfusions) जैसी नैदानिक और आक्रामक प्रक्रियाएँ शामिल थीं। पूरे कोविड महामारी के दौरान दर्ज़ मामलों के अलावा अन्य अस्पतालों से रेफर किए गए बड़ी संख्या में गंभीर जटिलताओं वाले मामलों में भी हिस्सा लिया गया।

विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मरीज़ों को चौबीसों घंटे प्रसूति और स्त्री रोग संबंधी सेवाएँ भी प्रदान करता है। आईआरसीएच में स्त्री रोग क्लीनिक चल रहे हैं। इसके अलावा, एनसीआई, झज्जर में ऑपरेटिव कार्य सहित स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी सेवाएँ शुरू की गई हैं।

कोविड-19 महामारी लॉकडाउन फेज़ के दौरान हमने **टेलीकंसल्टेशन** के माध्यम से मरीज़ देखभाल सेवा ज़ारी रखी तथा परिणामस्वरूप, इस सेवा के माध्यम से कुल 3575 मरीज़ों को लाभ भी पहुँचा।

वर्ष 2020-2021 के दौरान ओपीडी / एलआर / ओटी में की गई प्रक्रियाओं का विवरण -

कैंसर सर्जरी **207**	
एन्डोमीट्रीअम	35
अंडाशय	153
सर्विक्स (ग्रीवा)	15
वुल्व (योनि)	4
सौम्य स्त्री रोग प्रक्रिया	
गर्भाशय • लेप्रोस्कोपिक • पेट • योनि • एनडीवीएच/एलएवीएच	**194** 88 80 23 3
डिम्बग्रंथि सिस्टेक्टोमी / ओओफोरेक्टॉमी • ओपन (खुला) • लेप्रोस्कोपिक	**91** 12 57
ऊफोरेक्टॉमी	22
• अस्थानिक गर्भावस्था • प्री आईवीएफ सैल्पिंगेक्टोमी	27 37
सरक्लेज • पेट • योनि	 5 6
मायोमेक्टॉमी / एडिनोमायोमेक्टॉमी 40 • ओपन • लेप्रोस्कोपिक • हिस्टेरोस्कोपिक	 12 16 12
प्रोलैप्स सर्जरी • पेट • योनि • लेप्रोस्कोपिक	**3** 1 1 1

वैजिनोप्लास्टी • एमसी इंडो	9
डे केयर सर्जरी	
बांझपन के लिए डायग्नोस्टिक लैपरोहिस्टरोस्कोपी	49
लैप्रोस्कोपिक एडिसियोलिसिस	1
डायग्नोस्टिक हिस्टेरोस्कोपी	90
हिस्टेरोस्कोपिक मेट्रोप्लास्टी	1
हिस्टेरोस्कोपिक एडिसियोलिसिस	10
हिस्टेरोस्कोपिक कैनुलेशन	7
हिस्टेरोस्कोपिक **CuT** हटाना	9
हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीपेक्टोमी	24
हिस्टेरोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन	5
टीवीटी	1
भ्रूण चिकित्सा	
एमनियोसेंटेसिस (उल्ववेधन)	110
कोरियोनिक विलस सैम्पलिंग	148
कॉर्डोसेंटेसिस	5
आईयूटी	59
आरएफए	8
शंट सम्मिलन	1
चयनात्मक भ्रूण कमी	5
पेरीकार्डियोसेंटेसिस	1
अब्स्टेट्रिक (प्रसूति)	
कुल वैजिनल डिलीवरी (योनि प्रसव)	679
टोटल सी-सेक्शन (सिजेरियन)	943
छोटी प्रक्रियाएं	
पैपस्मीयर	2997
सरवाइकल बायोप्सी	298
कॉल्पोस्कोपी	112
थर्मल एब्लेशन	8
लीप	3

कोविड स्थिति के अनुसार, प्रसूति मरीज़ों का विवरण -

कोविड स्टेटस (स्थिति)	**वैजिनल डिलीवरी (संख्या)**	**सिजेरियन (संख्या)**
नेगेटिव	661	892
पॉजिटिव	18	51
कुल संख्या	679	943

परिवार नियोजन सेवाएँ:

भारत में 'परिवार नियोजन कार्यक्रम' राष्ट्रीय कार्यक्रमों में से एक है, जिसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देना तथा मातृ, शिशु और बाल मृत्यु दर और रुग्णता को कम करना है।

लॉकडाउन की अवधि को छोड़कर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने सप्ताह में 6 दिनों के लिए निर्बाध परिवार नियोजन ओपीडी जारी रखा, जिसमें एक वरिष्ठ निवासी और एक कनिष्ठ निवासी निम्नलिखित परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान करने के लिए शामिल थे -

- प्रसवोत्तर बंधन
- पोस्ट एबॉर्शन (गर्भपात पश्चात् संबंधी) बंधन
- मेडिकल टर्मिनेशन
- आईयूसीडी सम्मिलन
- आईयूसीडी और प्रसवोत्तर आईयूसीडी की वजह से होने वाली जटिलताओं की निगरानी / प्रबंधन के लिए मरीज़ों की जाँच।

नए शुरू किए गए गर्भ निरोधकों के साथ विभिन्न गर्भनिरोधक नि:शुल्क उपलब्ध हैं: 'अंतरा' कार्यक्रम के तहत इंजेक्शन गर्भनिरोधक, एमपीए (Medroxyprogesterone acetate) और छाया (पहले सहेली के रूप में विपणन या marketed) भी उपलब्ध हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान आईयूसीडी (IUCD) और प्रसवोत्तर आईयूसीडी (PPIUCD) जैसी अंतराल विधियों पर ज़ोर दिया गया और निम्नलिखित परिवार नियोजन सेवाएँ प्रदान की गईं -

विधि	**संख्या**
एमटीपी	159
मौखिक गर्भनिरोधक	122
डीएमपीए	24
अंतराल सीयू-टी	47
पीपीआईयूसीडी	225
गर्भपात के बाद आईयूसीडी	28
मिरेना सम्मिलन	14
ट्यूबल बंधन	71

सामुदायिक सेवाएं / शिविर

1. भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए लक्ष्य लेबर रूम ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के रोल आउट के लिए एम्स-जीओआई (AIIMS-GOI) के नेतृत्व में राष्ट्रीय परामर्श।
2. 3 नवंबर, 2020 (मंगलवार) को दोपहर 03:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक "प्रारंभिक गर्भावस्था जटिलताओं" पर एफएम रेनबो आकाशवाणी, दिल्ली पर हेल्पलाइन कार्यक्रम।
3. सर्वाइकल कैंसर, इंडियन कैंसर सोसायटी के आसपास अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार वार्तालाप में व्याख्यान, 10 नवंबर 2020
4. सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पर व्याख्यान - एक महिला का दृष्टिकोण, रोटरी क्लब ऑफ कोयंबटूर मेट्रोपोलिस, 17 नवंबर 2020
5. जाँच के साथ स्तन कैंसर की पुष्टि या शासन पर व्याख्यान। ब्रेस्ट कैंसर पर ई कॉन्क्लेव फॉगसी, ब्रेस्ट कमेटी, ऑन्कोलॉजी कमेटी, पब्लिक अवेयरनेस कमेटी के साथ। 17 अक्टूबर 2020
6. 30 अगस्त, 2020 (रविवार) को अमेज वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित लाइव फेसबुक सत्र
7. एसोसिएशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट ऑफ दिल्ली, गाइनी ओपीडी द्वारा आयोजित एफओजीएसआई स्क्रीनिंग कैंप तथा प्रिवेंटेबल सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर पर जागरूकता अभियान का आयोजन किया, एम्स, 5, 6 और 8 मार्च 2021, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।
8. 'कोविड-19' एफएम गोल्ड पर चर्चा के लिए द्विभाषी लाइव फोन-इन कार्यक्रम पर बात करें, 14 फरवरी 2021
9. कार्यक्रम में लाइव फोन पर वार्ता- कोरोना जागरूकता सीरीज ब्रॉडकास्ट, ऑल इंडिया रेडियो न्यूज 100.1 एफएम गोल्ड, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च 2021

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर सुनेश कुमार एथिक्स कमेटी, एम्स, नई दिल्ली (2015-2020) और तकनीकी सलाहकार समूह-प्रजनन स्वास्थ्य, भारत सरकार के सदस्य थे तथा मानव प्रजनन पर भारत सरकार, डब्ल्यूएचओ-यूएनएफपीए-यूनिसेफ कार्यक्रम के तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। इन्होंने गर्भावस्था में कोविड संक्रमण पर डब्ल्यूएचओ का अध्ययन किया, स्नातक पाठ्यक्रम में चिकित्सा गर्भपात के लिए तकनीकी दिशानिर्देशों पर डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ अध्ययन किया। वे प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के मानव प्रजनन तथा सदस्य नीति और समन्वय समिति-यूएनएफपीए-यूएनडीपी-यूनिसेफ-डब्ल्यूएचओ-वर्ल्ड बैंक विशेष कार्यक्रम (एचआरपी) में कार्यक्रम निदेशक डब्ल्यूएचओ-सीसी थे।

प्रोफेसर नीरजा भाटला को महिलाओं के स्वास्थ्य और विशेषज्ञता के विकास में योगदान के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट, यूके द्वारा एफआरसीओजी विज्ञापन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी में शोभा सेठ वेंगर प्रतिष्ठित चेयर से सम्मानित, एम्स, नई दिल्ली में पहली संपन्न चेयर, 2021-23; बांग्लादेश के प्रसूति और स्त्री रोग सोसायटी (ओजीएसबी) के 29वें अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में मुख्य वक्ता थी; सत्र की अध्यक्षता की थीः

एचपीवी टीकाकरण के लिए परामर्श अंतर्राष्ट्रीय एफओजीएसआई ऑन्कोलॉजी समिति वेबिनार 17 अक्टूबर 2020 ऑनलाइन बैठक; सलाहकार समिति और विशेषज्ञ समूह के सदस्य थेः डब्ल्यूएचओ डीजी का तकनीकी सलाहकार समूह, और सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए कार्य समूह; वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईसीएमआर; एनआईआरआरएच-आईसीएमआर वैज्ञानिक सलाहकार समिति और अनुसंधान सलाहकार समिति; वैज्ञानिक सलाहकार समिति, निट कार्यक्रम, बीआईआरएसी; आईसीएमआर टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम; पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं पर आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन के लिए वार्षिक निगरानी-सह-विशेषज्ञ समिति की बैठक; डिब्रूगढ़ में बहुकेंद्रीय परियोजना आईसीएमआर-क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आईसीएमआर-आरएमआरसी) के विशेषज्ञ समूह; गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण की बीमारी की गंभीरता के लिए तकनीकी सलाहकार समूह; वैज्ञानिक समितिः सह-अध्यक्ष, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सरवाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी) इंडिया 2020 की 17वीं विश्व कांग्रेस; स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी ट्रैक के लिए XXIII एफआईजीओ वर्ल्ड कांग्रेस 2021, ऑस्ट्रेलिया की कार्यक्रम सलाहकार समिति; सदस्य, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई); इन्फ्लुएंजा वर्किंग ग्रुप और मातृ टीकाकरण उप-समूह (एसडब्ल्यूजी-आईवीआरसीबी); विशेषज्ञों का रणनीतिक सलाहकार समूह (एसएजीई) एचपीवी टीकों पर कार्य समूह, डब्ल्यूएचओ; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की व्यापक समीक्षा करने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे। सदस्य, सामान्य कैंसर की जाँच और गर्भाशय ग्रीवा के प्रति-कैंसर घावों के उपचार के लिए विशेषज्ञ तकनीकी समिति, पंजाब सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चंडीगढ़; आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के संशोधन के लिए दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति (एनएनसीएम) कोर समिति के सदस्य थे; सदस्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग के क्षेत्र में स्वास्थ्य बीमा सलाहकार समिति, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण, आईआरडीएआई - 2021; परिषद के सदस्य थे: एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी (2019-22); राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, भारत - 2019-21। महासचिव, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सरवाइकल पैथोलॉजी एंड कोल्पोस्कोपी (आईएफसीपीसी); संकाय चयन था : (i) स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी, (ii) प्रसूति और स्त्री रोग के एनबीई प्रत्यायन के लिए निर्धारक; निदेशक, आईसीएमआर-एनआईआरआरएच, मुंबई के पद के लिए खोज-सह-चयन समिति; चयन समिति संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), मोहाली; संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा, यूपीएससी; नई शिक्षण और सेवा पहल एम्स झज्जर में गाइनी ऑन्कोलॉजी प्रभारी; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर देश भर में 225 सदस्य समाजों द्वारा अर्धसैनिक बलों की कैंसर जाँच के लिए राष्ट्रीय समन्वयक, एफओजीएसआई स्तन और ग्रीवा जांच शिविर; सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए सर्वाइकल प्री-कैंसर घावों की स्क्रीनिंग और उपचार के लिए डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश सहित कई दिशानिर्देशों का विकास, दूसरा संस्करण; गर्भावस्था में कोविड के प्रबंधन के लिए आईसीएमआर दिशानिर्देश; कोविड-19 के प्रसवकालीन-नवजात प्रबंधन के लिए एनएनएफ-एफओजीएसआई (एनएनएफ-एफओजीएसआई) नैदानिक अभ्यास दिशानिर्देश; कोविड-19 महामारी में कैंसर के प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश; एनएचएम एंड एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश ओ एंड

जी सोसाइटीज के तहत सामान्य कैंसर के लिए स्क्रीनिंग के लिए हाइब्रिड प्रोग्राम में मास्टर ट्रेनर; इंडियन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट (आईसीओजी) के लिए स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी पर उद्घाटन जर्नल क्लब आयोजित किया।

प्रोफेसर नीना मल्होत्रा मेडिकल कॉलेज कोलकाता, आईएमएस बीएचयू, बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और एसआरएमएसआईएमएस, बरेली सहित देश भर के मेडिकल कॉलेजों में बढ़ती सीटों के लिए पीजी मूल्यांकन करने में एमसीआई के साथ सक्रिय रूप से शामिल थीं। उन्हें जिपमर, एम्स भुवनेश्वर, जोधपुर, रायपुर सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में और यूपीएससी में संयुक्त चिकित्सा परीक्षा के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आईएफएस की ओर से कोविड-19 महामारी के दौरान एआरटी सुविधाओं को फिर से खोलने पर दिशा-निर्देश तैयार किए, संयुक्त रूप से इंडियन सोसाइटी ऑफ़ असिस्टेड रिप्रोडक्शन (आईएसएआर), एसोसिएशन ऑफ़ क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया (एसीई) (जेएचआरएस, 2020 में प्रकाशित) के रूप में राष्ट्रीय निकायों के साथ। ये महामारी के दौरान प्रजनन क्षमता और एआरटी के लिए सेवाओं के पुनर्गठन पर देश भर में आईवीएफ इकाइयों का मार्गदर्शन करने में बहुत उपयोगी थे और प्रजनन के क्षेत्र में आईसीएमआर, डीएसटी और डीबीटी के लिए अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की, प्रजनन विज्ञान और अनुसंधान के सहयोगी संपादक बने, आधिकारिक पत्रिका आईएफएस और पीयर ने पीएलओएस, जेएचआरएस सहित प्रजनन चिकित्सा में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के लिए शोध लेखों की समीक्षा की। वह डीएम और नेशनल बोर्ड की फेलोशिप के लिए रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एग्जिट एग्जाम में एग्जामिनर थीं।

प्रोफेसर वत्सला डढ़वाल एसईसी (प्रजनन और मूत्रविज्ञान, एईएफआई समिति) की सदस्य थीं और एओजीडी (2020-2021) के कार्यकारी सदस्य भ्रूण चिकित्सा के सहायक संपादक जर्नल (संक्रमण पर ज़ारी) बन गईं। सत्र जुलाई 2020 के लिए भारत सरकार की रेजीडेंसी योजना के अनुसार कार्यकाल अवधि (3 वर्ष)। 9 दिसंबर, 2020 (बुधवार) को एम्स भोपाल में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संकाय की भर्ती के लिए गठित स्थायी चयन समिति के पैनल में विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित। उन्हें यूपीएससी, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली (इंडिया गेट के पास) में 1 से 5 फरवरी 2021 (सोमवार से शुक्रवार) तक संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2020 के लिए व्यक्तित्व परीक्षण (पीटी) बोर्ड में आयोग की सहायता के लिए आमंत्रित किया गया था। 26 जुलाई 2020 (रविवार) को रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में एम्स, कल्याणी की मानक चयन समिति की बैठक के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; उन्हें डॉ. एस अनेजा, प्रोफेसर और प्रमुख, बाल रोग विभाग, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय एईएफआई समिति सहित कई बैठकों के लिए आमंत्रित किया गया; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड कार्यालय में प्रसूति और स्त्री रोग की विशेषता में एमसीक्यू प्रश्न बैंक के सत्यापन / मॉडरेशन कार्यशालाओं की वर्तमान श्रृंखला में भाग लेने के लिए एक संकाय के रूप में आमंत्रित; एसईसी (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) की बैठक के लिए सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया; मातृ और भ्रूण चिकित्सा की विशेषता में एमसीक्यू क्वेश्चन बैंक के सत्यापन / मॉडरेशन कार्यशालाओं की वर्तमान श्रृंखला में भाग लेने के लिए एक संकाय के रूप में निमंत्रण और लिंग आधारित हिंसा का जवाब देने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण पर

एक वेबिनार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसे एमओएचएफडब्ल्यू और डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित किया गया था। वह निम्नलिखित सत्रों की अध्यक्ष थीं-

- पोस्ट-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस
- उपदंश प्रबंधन पर अपडेट
- चर्चा प्रश्नोत्तर धन्यवाद प्रस्ताव "एचआईवी और सिफलिस का ईएमटीसीटी (माँ से बच्चे में संचरण का उन्मूलन)" नाको के सहयोग से एफओजीएसआई और एओजीडी द्वारा आयोजित किया गया।

प्रोफेसर जेबी शर्मा को वर्ष 2020-2022 के लिए एफओजीएसआई की मूत्रविज्ञान समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। वे भाग 3 एमआरसीओजी परीक्षा के लिए परीक्षक थे। प्रोफेसर जेबी शर्मा को 2020 में NBE विशेषज्ञ बोर्ड- Obs and Gynae के संयोजक के रूप में नियुक्त किया गया था। वे भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग के प्रधान संपादक और जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (जेपीओजी) के सम्पादक हैं। वे प्रसूति और स्त्री रोग संबंधी उपकरणों और उपकरणों की अनुभागीय समिति, एमएचडी, भारतीय मानक ब्यूरो के सलाहकार बोर्ड में हैं। वे अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ सदस्य हैं। वे 1 जनवरी 2021 से सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत विभाग के लिए प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

प्रोफेसर नीता सिंह एम्स ऋषिकेश, आईजीआईएमएस पटना में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में अध्ययन बोर्ड के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर के रूप में, हमदर्द चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में सहायक प्रोफेसर (प्रसूति और स्त्री रोग विभाग) के पद के लिए साक्षात्कार के लिए एक विषय विशेषज्ञ के रूप में दौरा कर रही थीं। रिम्स, राँची, झारखंड में आकलन प्रोत्साहन योजना के तहत संकायों को बढ़ावा देने के लिए साक्षात्कार के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में काम किया। उन्होंने जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर एंड मेडिसिन में अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया है, वर्ष 2021 में कोविड-19 और ART पर विशेष अंक, खंड: 2, अंक: पूरक 1 फरवरी।

डॉ के अपर्णा शर्मा कोविड प्रतिक्रिया और विभागीय संक्रमण नियंत्रण समिति की नोडल अधिकारी थीं। वह कोविड मरीज़ों को पूरा करने और महामारी में निरंतर देखभाल के लिए सुविधाओं के पुनर्गठन और विभाग की प्रसूति संदिग्ध सुविधा के निर्माण में शामिल थीं। कोविड प्रोटोकॉल के संबंध में एसईटी सुविधा और एसएआरएएल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विभाग और संस्थान के निवासियों और नर्सों के प्रशिक्षण और सलाह में शामिल संस्थान स्तर पर; कोविड प्रोटोकॉल के संबंध में निवासियों के ऐप आधारित शिक्षण का विकास और प्रसार; राज्य स्तर पर, विभिन्न राज्य सरकारों के साथ समन्वय गर्भावस्था में कोविड के लिए प्रबंधन प्रोटोकॉल का प्रसार करने के लिए; दिल्ली, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, एमओएचएफडब्ल्यू के साथ उत्कृष्टता कार्यक्रम केंद्र; आईसीएमआर, डीएचआर, एफओजीएसआई और डब्ल्यूएचओ से जुड़े राष्ट्रीय स्तर पर गर्भावस्था में कोविड के प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश तैयार करना और उनका प्रसार करना; डब्ल्यूएचओ-सहयोगी केंद्र, एम्स के सहयोग से कोविड महामारी के दौरान आवश्यक प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने पर ज्ञान का प्रसार करने के लिए टेलीमेडिसिन प्लेटफार्मों के माध्यम से 12000 से अधिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के साथ जुड़ा हुआ है; WHO-

SCOPE मल्टीसेंटर सर्विलांस प्रोजेक्ट शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो कोविड और गर्भावस्था के परिणामों को देखता है। कार्यक्रम सलाहकार समिति (सरकार); अध्यक्ष, जिला सलाहकार समिति (दक्षिण), पीसी और पीएनडीटी सेल, दक्षिण जिला, एनसीटी सरकार, दिल्ली; MOHFW द्वारा "गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 संक्रमण पर परिचालन दिशानिर्देश" तैयार करने के लिए समिति का हिस्सा; गर्भावस्था में SWG-IVRCB, NTAGI के मातृ टीकाकरण उप-समूह का हिस्सा; कोविड-19 के दौरान गर्भवती महिलाओं के लिए ICMR दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए सलाहकार समूह का हिस्सा और महामारी के दौरान गर्भावस्था और नवजात शिशुओं के प्रबंधन के लिए DHR/ICMR दिशानिर्देश; विषय विशेषज्ञ समिति डब्ल्यूओएस-बी घटक के तहत प्राप्त परियोजना प्रस्तावों की जाँच करने और डीएसटी के KIRAN डिवीजन द्वारा प्रस्तावित डीएसटी को उपयुक्त सिफारिश करने के लिए; सदस्य सचिव, एसएफएम, भारत के लिए नैतिकता समिति; एक प्रभावी श्रम एनाल्जेसिया, एमओएचएफडब्ल्यू के रूप में 50% नाइट्रस ऑक्साइड और 50% ऑक्सीजन के समरूप गैस मिश्रण के उपयोग पर तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी); एसएफएम-अकादमिक सोसायटी समन्वय समिति का हिस्सा; SFM आक्रामक भ्रूण चिकित्सा कार्यक्रम समिति; सी-सेक्शन, एमओएचएफडब्ल्यू के युक्तिकरण और अनुकूलन के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी); ऑनलाइन POCQI कार्यशाला कार्यान्वयन के लिए मसौदा समिति के सदस्य, NQOCN; गर्भावस्था में पुरानी अग्नाशयशोथ पर सहमति के लिए समिति का हिस्सा; भारत में डीडीएच (Developmental Dysplasia of the Hip) स्क्रीनिंग के लिए एक देखभाल मार्ग के लिए स्क्रीनिंग दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति का हिस्सा। वैज्ञानिक सलाहकार समिति संयुक्त सचिव, सोसाइटी ऑफ फेटल मेडिसिन, भारत, 2020-2022; अध्यक्ष, गुणवत्ता सुधार समिति, एओजीडी, 2019-2021; उत्तर क्षेत्र समन्वयक, सुरक्षित मातृत्व समिति एफओजीएसआई, 2020-2022; सह-संयोजक, प्रारंभिक गर्भावस्था पर विशेष रुचि समूह, इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी, 2020-2022; नीति आयोग (2019-2020) के नेतृत्व में भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए अनुकूलित किए जा रहे अरेज़ो (Arezzo) के संस्करण को मान्य करने के लिए भारत-यूके (India-UK) हेल्थकेयर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैटलिस्ट (HAIC) का समर्थन करने वाले विशेषज्ञ समीक्षक समूह; FOGSI 2019-21 की आनुवंशिकी और भ्रूण चिकित्सा समिति के सदस्य। पत्रिकाओं के समीक्षक; भारत का राष्ट्रीय चिकित्सा जर्नल; भ्रूण चिकित्सा के जर्नल; प्रसूति और स्त्री रोग अनुसंधान जर्नल।

डॉ गरिमा कछावा को उनके इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट के आधार पर प्रस्तुति के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसका शीर्षक था - "गर्भावस्था के दौरान ऑक्सीडेटिव तनाव मार्करों और एंडोथेलियल फ़ंक्शन मूल्यांकन का मूल्यांकन और गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप के विकास के साथ सहसंबंधः एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन" 42वें वार्षिक वर्चुअल एओजीडी सम्मेलन 2020, नई दिल्ली में। उनकी थीसिस उम्मीदवार को विषय पर सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ सुनीता मित्तल के पदक से सम्मानित किया गयाः पीसीओएस के साथ युवा लड़कियों में मासिक धर्म चक्र विनियमन पर मायो-इनोसिटोल और डी-चिरो-इनोसिटोल संयोजन शीर्षक वाली सौम्य स्त्री रोग संबंधी स्थितियाँ - एक यादृच्छिक ओपन-लेबल अध्ययन। उसका नैदानिक कार्य रेजिडेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया था और "गर्भावस्था में ग्लानज़मैन थ्रोम्बस्थेनिया: हर प्रसूति रोग विशेषज्ञ का दुःस्वप्न" के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर

के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें विषय पर सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए श्री एस भट्टाचार्य और गांगुली पदक से सम्मानित किया गया: "महामारी के युग में लेबर रूम और वार्ड में प्रवेश पर कोविड-19 स्क्रीनिंग प्रश्नावली के प्रभावों का मूल्यांकन" विषय पर विविध श्रेणी। वह विभागीय कोविड टास्क फोर्स के लिए नोडल टीम की एक सक्रिय सदस्य हैं, उन्होंने कोविड-19 संदिग्ध क्षेत्र, पुरानी Gynae OPD तीसरी मंजिल को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने कोविड पॉजिटिव गर्भवती प्रसूति महिलाओं के पहले सिजेरियन सेक्शन की अनुमति दी और सक्रिय टीम का भी हिस्सा थी।

डॉ विदुषी कुलश्रेष्ठ को अक्टूबर, 2020 में एओजीडी के 42वें वार्षिक सम्मेलन (प्रथम ई-सम्मेलन) में 'कोविड-19 महामारी के दौरान तृतीयक देखभाल सुविधा का दौरा करने वाली गर्भवती महिलाओं के बीच अवसाद का आकलन' (ई-पोस्टर) पर पोस्टर प्रस्तुति में एओजीडी रजत पदक से सम्मानित किया गया था। उन्हें अक्टूबर 2020 में एओजीडी के 42वें वार्षिक सम्मेलन में पीसीओएस के साथ युवा लड़कियों में मासिक धर्म चक्र विनियमन पर "मायोइनोसिटोल और डी चिरोइनोजिटोल संयोजन" पर सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ सुनीता मित्तल का पदक मिला था।

डॉ सीमा सिंघल ने स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में अपना तीन साल का एम.सीएच प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। उन्हें एओजीआईएन इंडिया के कार्यकारी सदस्य के रूप में नामित किया गया था और उन्हें एओजीडी की ऑन्कोलॉजी समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

डॉ ज्योति मीणा 17-19 अगस्त 2020 तक आयोजित सुरक्षित मातृत्व समिति, डब्ल्यूएचओ और एम्स के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के ऑनलाइन व्यापक कोविड प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल बनाने में शामिल थीं। वह WHO लॉन्च के समर्थन में FOGSI FIGO सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम की समन्वयक थीं। 17 नवंबर, 2020 को आयोजित सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पहल की थी।

डॉ जूही भारती ने विश्व स्वास्थ्य संगठन-एसईएआर के सहयोग से स्नातक के लिए गर्भपात पाठ्यक्रम के निर्माण में संकाय के रूप में योगदान दिया, और उसी के लिए इंटर्न के लिए पायलट प्रशिक्षण आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल थी। वह 1 जनवरी 2021 से प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत "केंद्रीय जन सूचना अधिकारी" के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ नीलांचली सिंह को 2021 में एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय निकाय अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी से "इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट अवार्ड, 2021" से सम्मानित किया गया था। वह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएफसीपीसी, 2021 (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ कॉल्पोस्कोपी एंड सर्वाइकल साइटोपैथोलोजी), 2021 की आयोजन समिति की सदस्य थीं।

डॉ कुसुम लता ने डब्ल्यूएचओ-एसईएआर गतिविधि के एक भाग के रूप में व्यापक गर्भपात देखभाल के संदर्भ में स्नातक से नीचे के छात्रों के लिए पायलट प्रशिक्षण में भाग लिया है।

डॉ अर्चना कुमारी को नॉर्थ जोन के लिए डॉ कामिनी राव ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ अनुभूति राणा ने डब्ल्यूएचओ-एसईएआर गतिविधि के एक भाग के रूप में व्यापक गर्भपात देखभाल को मजबूत करने के लिए चिकित्सा पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में स्नातक से नीचे के छात्रों के लिए 'टीचिंग गाइड एंड लर्नर्स गाइड फॉर एबॉर्शन' का मसौदा तैयार करने में योगदान दिया है। उन्होंने डब्ल्यूएचओ - एसईएआर गतिविधि के एक भाग के रूप में व्यापक गर्भपात देखभाल के संदर्भ में स्नातक से नीचे के छात्रों के लिए पायलट प्रशिक्षण में भाग लिया है। उन्होंने सुरक्षित मातृत्व समिति, डब्ल्यूएचओ और एम्स के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए व्यापक कोविड प्रशिक्षण के आयोजन में योगदान दिया है।

9.25. अस्थिरोग

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजेश मल्होत्रा

आचार्य

हीरा लाल नाग | रवि मित्तल
शाह आलम खान | विजय कुमार

सह-आचार्य

भावुक गर्ग | मी. ताहिर अंसारी

सहायक आचार्य

विजय कुमार दिग्गी | विक्रांत मंहास
विवेक शंकर | वेंकटेशन संपत कुमार

शिक्षा

क्रमिक चिकित्सा/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 31 अक्टूबर-1 नवंबर 2020 को एम्स, नई दिल्ली में **"आर्थ्रोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएं, 2020" (वर्चुअल)**।
2. ऑस्टियोपोरोटिक स्पाइन फ्रैक्चर, व्हिच वे टू गो। जेरियाट्रिक ऑर्थोपेडिक सोसाइटी, 13 मई 2020
3. डिफिकल्ट केस सिनेरियो, लम्बर स्पाइन। पुणे ऑर्थोपेडिक सोसाइटी, 26 मई 2020

प्रदत्त व्याख्यानः

राजेश मल्होत्राः 43 | **शाह आलम खान: 1**
विजय कुमारः 6 | **भावुक गर्गः 23**
मौ. ताहिर अंसारीः 7 | **विजय कुमार दिग्गीः 1**
विक्रांत मंहासः 1 | **वेंकटेशन संपत कुमारः 6**
मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टर: 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. गंभीर मस्कुलोस्केलेटल स्थितियों के उपचार के लिए वोवरन इमल्जेल® (डाइक्लोफेनाक सोडियम 1.0% डब्ल्यू/डब्ल्यू) के साथ एसिक्लोफेनक टॉपिकल ऑइंटमेंट 1.5% डब्ल्यू/डब्ल्यू की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III, बहु-केंद्रीय, यादृच्छिक, खुले

स्तर एवं समानांतर समूह का तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन, डॉ. भावुक गर्ग, पैनेशिया बायोटेक लिमिटेड, 3 महीने 10 दिन, मार्च 2021-जून 2021, 3.3 लाख रुपये

2. कंप्यूटर आधारित नैविगेशन में प्रणालीगत एम्बोलि बनाम घुटना प्रतिरोपन की पारंपरिक शल्य तकनीक की तुलना हेतु एक भावी यादृच्छिक अध्ययन, प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपए
3. कंप्यूटर आधारित नैविगेशन में प्रणालीगत एम्बोलि बनाम घुटना प्रतिरोपन की पारंपरिक शल्य तकनीक की तुलना हेतु एक भावी यादृच्छिक अध्ययन, प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 50 लाख रुपए
4. स्कोलियोसिस में एपिकल पेडिकल्स की शरीर रचना, डॉ भावुक गर्ग, एम्स एमबीबीएस इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, 2019-2020, 1.25 लाख रुपए
5. भारतीय आबादी हेतु घुटने के प्रत्यारोपण का जैव-यांत्रिक डिजाइन मूल्यांकन, प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा, आईआईटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख
6. ट्रांसजेंडर आबादी में हड्डी स्वास्थ्य का आकलनः एक मार्गदर्शी अध्ययन", डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 72 लाख रुपए
7. रजोनिवृत्ति के उपरांत ऑस्टियोपोरोटिक तथा समान आयु वर्ग की स्वस्थ महिलाओं में आनुवांशिक तथा जैव रासायनिक प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 1.39 करोड़ रुपए
8. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस से ग्रसित एवं मुक्त भारतीय रोगियों में आनुवांशिक तथा साइटोकिन्स प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक अनुवर्ती अध्ययन", डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.24 करोड़ रुपए
9. जुड़े हुए कूल्हे और स्पाइनो-पेल्विक विकृति वाले रोगी के लिए कंप्यूटर आधारित सर्जिकल योजना, दीपक गौतम, आईआईटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपये
10. भारतीय आबादी के लिए पूर्ण कोहनी प्रतिस्थापन प्रोस्थेसिस का प्रारूप, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 84.6 लाख रुपए
11. ओस्टियोसारकोमा के ट्यूमर सूक्ष्म-वातावरण में प्रतिरक्षा जांच का मूल्यांकन, वेंकटेशन संपत कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपए
12. रोगसूचक घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए ऑटोलॉगस वसा ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल संवहनी अंश (एसवीएफ) या ह्यालूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शनः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, विक्रांत मन्हास, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.5 लाख रुपए
13. पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में पर्सोना नी सिस्टम का संभावित, बहु-केंद्रीय परिणाम अध्ययन। सीएसए2014-02के, प्रो. राजेश मल्होत्रा, ज़िमेर, 7 वर्ष, 2015-2022, 24 लाख रुपए
14. सिर की चोट से ग्रसित रोगियों में अस्थि-भंग चिकित्सा पर ओस्टोजेनिक ह्यूमॉरल फैक्टर का अध्ययनः डिकोड द मिस्ट्री, विजय डी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 49 लाख रुपए

15. बाल अस्थि सर्कोमा में निरीक्षण, शाह आलम खान, जीव दया फाउंडेशन, यूएसए, 3 वर्ष, 2016-2019, यूएसडी 20000
16. आणविक इमेजिंग (पीईटी-सीटी) का उपयोग करके अतिरिक्त रीढ़ की हड्डी के मस्कुलोस्केलेटल तपेदिक में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन, शाह आलम खान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 8 लाख रुपए
17. भारतीय एवं पश्चिमी आबादी में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझनाः लक्षण, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव, राजेश मल्होत्रा और विजय कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2021, 88 लाख रुपए
18. रीढ़ की हड्डी के विकारों के उपचार हेतु पेडल स्क्रू प्लेसमेंट में फ्री हैंड स्टैंडर्ड विधि बनाम ओ-आर्म नेविगेशनल तकनीक का उपयोगः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, भावुक गर्ग, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपए

पूर्ण

1. रजोनिवृत्ति ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एज़ेनिन बायोसाइंसेज लिमिटेड के बायोसिमिलर डेनोसुमाब बनाम अन्वेषक डेनोसुमाब की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक संभावित, सक्रिय-नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, बहुकेंद्रीय, चरण III अध्ययन, भावुक गर्ग, अल्केम लेबोरेटरीज, 2 वर्ष, 2018-2021, 8 लाख रुपए
2. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस से ग्रसित एवं मुक्त भारतीय रोगियों में आनुवांशिक तथा साइटोकिन्स प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2021, 1.4 करोड़ रुपए

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. पूर्ण घुटना आर्थ्रोप्लास्टी में गतिज एवं यांत्रिक संरेखण का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
2. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में डब्ल्यूएएलएएनटी की शुरूआत के प्रभाव का एक महत्वाकांक्षी विश्लेषण
3. स्कोलियोसिस के महिला रोगी में मासिक धर्म की अनियमितता और संबंधित विकारों की व्यापकता का निर्धारण करने वाला एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, तथा उनके प्रसूति और प्रजनन स्वास्थ्य का आकलन
4. स्कोलियोटिक रोगियों के नैदानिक, कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन का एक महत्वाकांक्षी एम्बी-स्पेक्टिव अध्ययन, पूर्व-ऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव।
5. दर्दनाक थोरा-कोलंबर फटने से होने वाले फ्रैक्चर के रोगियों में पोस्टेरियर लिगामेंट कॉम्प्लेक्स चोट की व्यापकता जानने के लिए एक अवलोकन अध्ययन
6. घुटना प्रतिस्थापन की जैव-यांत्रिकी मॉडलिंग।

7. पेरिप्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण में संशोधन संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
8. एसीएल पुनर्निर्माण के अंदर और बिना वृद्धि के सेमीटेंडिनोसस ग्राफ्ट का उपयोग करके सभी की तुलना करनाः एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. कूल्हा अंग-भंग पश्चात सर्जरी में देरीः परिणामों का कारण एवं प्रभाव
10. पृष्ठीय रिस्ट गैंग्लियन के खुले बनाम आर्थ्रोस्कोपिक उच्छेदन के परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छित नियंत्रण परीक्षण
11. भारतीय आबादी में शल्य चिकित्सा द्वारा उपचारित एसीएल चोटों का महामारी विज्ञान।
12. सामान्य लोगों में और घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस का गैर विश्लेषण
13. रोगसूचक घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार हेतु ऑटोलॉगस वसा ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल वैस्कुलर अंश (एसवीएफ) या हयालूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
14. स्पिनो-पेल्विक विकृति की मस्कुलोस्केलेटल मॉडलिंग।
15. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में रक्त-आधान कार्यप्रणाली का संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
16. रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल इंटर स्केलीन ब्राकियल प्लेक्सस ब्लॉक के तहत कंधे के ऑपरेशन का तुलनात्मक अध्ययन जिसके बाद प्राथमिक तौर पर चिपकने वाले कैप्सूलिटिस के उपचार में सर्जन निर्देशित फिजियोथेरेपी बनाम सर्जन निर्देशित फिजियोथेरेपी अलोन की तुलना।
17. एविंग सारकोमा में पी53, केआई 67 लेबलिंग इंडेक्स, सीएक्ससीएल12 केमोकाइन और इसके रिसेप्टर्स सीएक्ससीआर4 और सीएक्ससीआर7 का अध्ययन।
18. फिजियोथेरेपी बनाम फिजियोथेरेपी, प्राथमिक चिपकने वाले कैप्सुलिटिस के उपचार में इंटर स्केलीन ब्राकियल प्लेक्सस ब्लॉक के तहत कंधे के ऑपरेशन की प्रभावकारिता का तुलनात्मक अध्ययनः एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
19. दो अलग-अलग ग्राफ्ट निर्धारण विधियों के साथ आर्थोस्कोपिक एसीएल पुनर्निर्माण में टनल/सॉकेट मोरफोलोजी का मूल्यांकन करनाः एक पूर्वव्यापी सहयोगात्मक अध्ययन।
20. एक आर्थ्रोस्कोपिक एसीएल पुनर्निर्माण में टनल/सॉकेट आकृति विज्ञान ग्राफ्ट निर्धारण विधि की दो भिन्न पद्धतियों के मूल्यांकन हेतुः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

पूर्ण

1. मेलिग्नेंट बोन ट्यूमर में एक्स्ट्राकोर्पोरियल इराडिएशन थेरेपी की बायोमैकेनिकल जांच
2. अपक्षयी पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस हेतु पूर्ण घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद विकलांगता परिणाम
3. एएमओए के रोगियों में स्थिर बनाम गतिशील व्यवहार निर्देशित यूकेआर के कार्यात्मक एवं रेडियोलॉजिकल परिणामः एक आरसीटी

4. एम.केम. थीसिसः एक स्तर-I ट्रॉमा केंद्र में ट्रॉमा रोगियों की नैतिकता के भविष्यवक्ताओं का महामारी विज्ञान और विश्लेषण
5. एमडी थीसिसः अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में पूरक स्तरों का अध्ययन और कोगुलोपैथी तथा उत्तरजीविता से इसका संबंध।
6. पीईटी/सीटी स्कैन का उपयोग करके अतिरिक्त स्पाइनल मस्कुलोस्केलेटल ट्यूबरक्यूलोसिस में प्रतिक्रिया मूल्यांकन
7. ट्यूबरक्यूलोसिस स्पाइन के संदिग्ध मामले में सीटी निर्देशित परक्यूटेनियस बायोप्सी की भूमिका।

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

जारी

1. रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के आरोपण के साथ-साथ दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, शरीरक्रिया विज्ञान
2. रीढ़ की हड्डी के संलयन करवाने वाले धूम्रपान करने वाले रोगियों में पेरी-ऑपरेटिव ओपिओइड आवश्यकता पर निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी का प्रभाव, एक डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं सघन चिकित्सा
3. पैर और टखने में नरम ऊतक दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड-निर्देशित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता, विकिरण विज्ञान विभाग
4. हस्तक्षेप और परामर्श के माध्यम से बिहार के अनुसूचित जाति समुदाय में फ्लोरोसिस शमन - प्रोफेसर ए शरीफ़, शरीररचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
5. घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले मोटापे से ग्रसित रोगियों में शरीर की संरचना, वजन, मांसपेशियों की ताकत पर ऊपरी और निचले शरीर के व्यायाम का प्रभाव, चिकित्सा विभाग
6. घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में शरीर की संरचना और वजन पर ऊपरी शरीर के व्यायाम का प्रभाव, चिकित्सा विभाग।
7. मध्यम औसत दर्जे के घुटने के दर्द में इष्टतम गैर-सर्जिकल उपचार हेतु ट्रांसकैथेटर धमनी एम्बोलाईजेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन दुर्दम्य याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण - एक पायलट अध्ययन, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग।
8. द पैरिटी ट्रायल, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा।
9. भारतीय एवं पश्चिमी आबादी में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझनाः लक्षण, उपचार के विकल्प तथा उनके परिणाम पर प्रभाव, यूकेआईईआरआई-डीएसटी

पूर्ण

1. मेलिग्नेंट बोन ट्यूमर में एक्स्ट्राकोर्पोरियल इराडिएशन थेरेपी की बायोमैकेनिकल जांच, आईआईटी, दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 83 **पुस्तक में अध्यायः 4**

रोगी चिकित्सा

1. इंडोर कोविड-19 रोगी चिकित्सा।
2. निर्धन रोगियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कराने हेतु राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के लिए एम्स द्वारा सदस्य समिति का गठन
3. विशेषीकृत क्लीनिक, टीबी क्लिनिक, हैंड क्लिनिक, स्कोलियोसिस क्लिनिक, बोन ट्यूमर क्लीनिक, फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर क्लिनिक, सीटीईवी क्लिनिक, विकलांगता क्लिनिक, स्पोर्ट्स मेडिसिन क्लिनिक।
4. कोरोना महामारी को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण वर्ष था; विभाग ने नियमित ओपीडी, आईपीडी ऑपरेशन थिएटर सेवाओं के अलावा, कोरोना रोगियों हेतु समर्पित केंद्र के माध्यम से कोविड रोगियों के लिए विशेष सेवाएँ प्रदान की।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा एसआईसीओटी अनुसंधान अनुदान समिति के सदस्य; सदस्य, एनबीई के डीएनबी और एफएनबी कार्यक्रमों की विभिन्न विशिष्टताओं में विशेषज्ञ बोर्ड; डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति की बैठक के सदस्य; (डीओएसीओएन 2020) के दौरान पीजी प्रतियोगिता पेपर डीओएसीओएन के लिए जज; सदस्य, आर्थ्रोप्लास्टी सलाहकार बोर्ड (एनबीई); अध्यक्ष, डीआरडीओ द्वारा आयोजित इनमास परियोजनाओं की सहकर्मी समीक्षा बैठक; सदस्य, आईसीएमआर में आईटीआर के प्रभाग में परियोजना समीक्षा समूह की बैठक; सदस्य, आईआईटी द्वारा आयोजित परिवहन अनुसंधान और चोट निवारण कार्यक्रम समीक्षा समिति; सदस्य, "डीबीटी-स्कूल ऑफ इनोवेशन इन बायोडिजाइन" पर टीईसी; "IV मेडिकल बायोटैक्नोलॉजी एसटीएजी" पर टीईसी; आईआईबीसी प्रस्तावों के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (उपकरण, निदान और प्रत्यारोपण) पर चौथी टीईसी बैठक के सह-अध्यक्ष; टीसीएफ के लिए विशेषज्ञ, न्यूनतम मानक, मानक उपचार दिशानिर्देश और प्रमुख प्रदर्शन संकेतक; विशेषज्ञ, टीईसीओएन "नैनो-बायोटेक्नोलॉजी" की चौथी बैठक; विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर डीबीटी तकनीकी/सलाहकार कोर समिति की दूसरी बैठक-स्वीडन, फिनलैंड, फ्रांस; विशेषज्ञ सदस्य; डीबीटी-सहज कार्यक्रम के तहत अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा और प्लेटफॉर्म (आरआरएसएफपी) पर टास्क फोर्स की 5वीं बैठक; स्वास्थ्य क्षेत्र के आपदा की तैयारी और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रबंधन की समग्र योजना के अंतर्गत पूर्व-निर्मित, स्व-निहित, कंटेनर आधारित मोबाइल अस्पताल के प्रस्ताव पर सदस्य कार्यदल; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित "ऑपरेशनल गाइडलाइन्स मीटिंग ऑन मैनेजमेंट ऑफ कॉमन एमर्जेन्सीज़ बर्न्स एंड ट्रामा एट प्राइमरी केयर लेवल" के अध्यक्ष; सदस्य, शीर्ष तकनीकी समिति, एनओटीटीओ (राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन); प्रभारी, ट्रॉमा सेंटर, कोविड अस्पताल; सार्वजनिक शिक्षा के लिए कोविड के विभिन्न पहलुओं पर 65 लाइव टीवी और रेडियो शो थे।

प्रोफेसर हीरा लाल नाग, स्पोर्ट्स मेडिसिन सेक्शन, आईओए की केंद्रीय कार्य समिति के अध्यक्ष; जेएएसएम, आईएएस की आधिकारिका पत्रिका संपादकीय बोर्ड के सदस्य। विशेषज्ञ सदस्य, मानवाधिकार समिति; सदस्य ईएचएस सलाहकार समिति; भारतीय खेल प्राधिकरण के मानद सलाहकार; नए ओपीडी ब्लॉक के लिए सामान्य उपकरणों की खरीद के लिए सह-अध्यक्ष, तकनीकी विनिर्देश समिति; नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड; मनोनीत सदस्य, तकनीकी विशिष्टता चयन समिति (1) सर्जिकल आइटम (2) रबर के दस्ताने के प्रकार; सदस्य, एसपीसी, एम्स; सदस्य, एसआईसी (विस्तार), सफदरजंग के लिए चिकित्सा उपकरण समिति; बाहरी विशेषज्ञ, हड्डी रोग संकाय चयन के लिए स्थायी चयन समिति, आईजीआईएमएस पटना; सदस्य, लेह में चिकित्सा दल स्वास्थ्य शिविर; विशेषज्ञ सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो फॉर ऑर्थोपेडिक इम्प्लांट्स थे।

प्रोफेसर विजय कुमार को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जन, ग्लासगो की फेलोशिप मिली।

डॉ भावुक गर्ग को आईएससीआर का - एसीसीआरआई राष्ट्रीय पुरस्कार मिला; रीढ़ की शल्यक्रिया, डीबीटी में सुरक्षा की वृद्धि के लिए सर्वश्रेष्ठ नई पद्धतियों और तकनीकों के लिए पुरस्कार - बायोटेक उत्पाद प्रक्रिया का विकास और व्यावसायीकरण पुरस्कार; जीएपीआईओ कार्ल स्टोर्ज़ सर्जिकल एक्सीलेंस अवार्ड; सदस्यः एसआईसीओटी स्पाइन सबकमिटी; अध्यक्ष, एएसएसआईकोविड टास्क फोर्स; एओएसआईएन प्रतिनिधि; एएसएसआई की सह-अध्यक्ष, अनुसंधान एवं पुरस्कार समिति; सदस्य: स्कोलियोसिस स्क्रीनिंग पर एएसएसआई टास्क फोर्स, Elearnspine.org टास्क फोर्स, कैपेसिटी डेवलपमेंट प्रोग्राम टास्क फॉर्स, इंडियन स्पाइन जर्नल टास्क फोर्स, प्रकाशन, समिति सदस्य, एसआरएस रोगी शिक्षा समिति; एसोसिएट एडिटरः इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, नॉर्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी जर्नल, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा; अतिथि ने जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा एंड आईएसजे के स्पाइन अंक का संपादन किया।

9.26. नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आलोक ठक्कर

आचार्य

राकेश कुमार

अपर आचार्य

कपिल सिक्का   चिरोम अमित सिंह

सह-आचार्य

राजीव कुमार   प्रेम सागर   अरविंद कैरो

सुचिता सिंह   हितेश वर्मा

सहायक आचार्य

स्मृति पांडा   अनूप सिंह   पिराबू शक्थिवेल

विशिष्टताएं

विभाग ने अपने स्वयं के छात्रों और प्रतिनिधियों और पर्यवेक्षकों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अपनी गतिविधियों को जारी रखा।

पूरे वर्ष कोविड-19 महामारी से त्रस्त होने के बावजूद भी विभाग अपने स्वयं के रेजीडेंटों, छात्रों, फेलो और अन्य प्रतिनिधियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध था। विभाग ने कोविड-19 रोगियों की देखभाल करने में संस्थान को दी गई बड़ी जिम्मेदारी को साझा करने में अपनी भूमिका निभाई। हमारे विभाग ने कोविड के नमूने लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महामारी के बावजूद, हमारे संकाय सदस्यों और रेजीडेंटों ने कोविड क्षेत्रों में और मुख्य अस्पताल, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और एनसीआई झज्जर में यथासंभव सेवाएं प्रदान कीं। हमने एनसीआई झज्जर में 150 से अधिक सर्जरी की, सिर और गर्दन के कैंसर के मामलों में महत्वपूर्ण और अत्याधुनिक उपचार प्रदान किया। हमने दो महत्वपूर्ण शोध परियोजनाएं भी शुरू कीं और उनकी रिपोर्ट प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई। कोविड-19 के लिए ऑरोफरीन्जियल सैंपलिंग में स्थानीय एनेस्थीसिया पर हमारा डेटा, कोविड प्रबंधन के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन नेज़ल ड्रॉप्स और कोविड-19 की ईएनटी अभिव्यक्तियों को प्रकाशित और व्यापक रूप से उद्धृत किया गया है। हमने अपने रेजीडेंटों के लिए सिर और गले, एंडोस्कोपिक और टांके लगाने हेतु प्रशिक्षण के लिए इन-हाउस वर्कशॉप भी आयोजित किए।

शिक्षा

एमबीबीएस छात्रों के लिए औपचारिक व्याख्यान कार्यक्रम को छठे और आठवें सेमेस्टर में शामिल किया गया है और इसमें यह व्याख्यान 1 घंटे का होगा। पूर्वस्नातक छात्रों को रोटेशन के आधार पर कुल 2 महीने की अवधि के लिए ईएनटी विभाग (ओपीडी और वार्ड) में तैनात किया जाता है। यहां वे बुनियादी ईएनटी जांच सीखते हैं, सामान्य ईएनटी रोगों के डायग्नोसिस से परिचित होते हैं, और वे संचार कौशल सहित प्राथमिक उपचार सीखते हैं।

क्लिनिकल प्रशिक्षण में शामिल हैं:

1) उचित कान, नाक और गले की जांच सहित ईएनटी के क्लिनिकल पहलुओं के परिचय पर दो कक्षाएं आयोजित की गई।
2) सामान्य ईएनटी स्थितियों जैसे सीएसओएम, डेवियेटेड नाक सेप्टम, नाक पॉलीप्स, कैंसर लैरिंक्स इत्यादि पर बेडसाइड शिक्षण और केस की चर्चा की गई।
3) ईएनटी के अभ्यास में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले ईएनटी उपकरणों और एक्स-रे के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित।
4) सामान्य रूप से की जाने वाली ओपीडी प्रक्रियाओं जैसे नेज़ल पैकिंग, कान की पैकिंग, दाग़ना आदि की जानकारी प्रदान करना।
5) चुनिंदा ऑपरेटिव प्रक्रियाओं जैसे ट्रेकियोस्टोमी, टॉन्सिल्लेक्टोमी, सेप्टोप्लास्टी, नेज़ल पॉलीपेक्टॉमी आदि की जानकारी प्रदान करना।
6) निवारक ओटोलॉजी और सिर और गले का कैंसर।

नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान में पोस्टिंग के अंत में छात्र निम्न के लिए सक्षम हैं:-

1. सामान्य कान, नाक और गले की समस्याओं की जांच और निदान।
2. रोगी के निदान और उपचार के लिए सामान्य जांच प्रक्रियाओं और उनकी व्याख्या के संबंध में सुझाव।
3. प्राथमिक उपचार केंद्रों में सामान्य ईएनटी और सिर और गले की समस्याओं का इलाज करना।
4. कान की सीरिंजिंग नाक पैकिंग, और बायोप्सी प्रक्रियाओं जैसी विभिन्न छोटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं निष्पादित करना।
5. सार्वजनिक मार्गदर्शन के लिए निवारक ओटोलॉजी और सिर और गले के कैंसर के बारे में जागरूकता विकसित करना।

जहां सीधे क्लिनिकल पोस्टिंग संभव नहीं थी, वहां क्लिनिकल और प्रैक्टिकल सेशन को ऑनलाइन करने के लिए सभी प्रयास किए गए।

स्नातकोत्तर के लिए, प्रमुख लक्ष्य रोगी की देखभाल, शिक्षण, अनुसंधान क्षमता और टीम वर्क हैं। पीजी के छात्रों को संगोष्ठी / पेपर की प्रस्तुति, शोध लेखन और क्लिनिकल निर्णय लेने की क्षमता और उपचार विशेषज्ञता हासिल करनी होगी। स्नातकोत्तर छात्र एक संकाय सदस्य/सीनियर रेजिडेंट की देखरेख में बड़ी और छोटी शल्य प्रक्रियाएं करते हैं। उन्हें स्वतंत्र रूप से बड़े और छोटे ऑपरेशन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान, उन्हें ऑडियोलॉजी सेक्शन और वेस्टिबुलर लैबोरेटरी

की जानकारी प्राप्त करने के लिए तैनात किया जाता है, वार्ड में बेडसाइड हिस्ट्री लेना, इनडोर (मेडिकल; प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव) रोगियों की देखभाल, ओटी एक्सपोजर, कैजुअल्टी, आईसीयू की आवश्यकता और न्यूरोसर्जरी/एनेस्थीसिया जैसे संबंधित विषयों का दौरा करने के लिए तैनात किया जाता है। वे ऑपरेशन थिएटर और आपातकालीन ऑपरेशन में भाग लेते हैं, वार्ड राउंड में सहायता करते हैं और अन्य विभागों से कॉल / परामर्श में भाग लेने के लिए वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अन्य वार्डों का दौरा करते हैं। छात्र वार्ड में बेडसाइड क्लिनिकल पहलुओं के लिए शिक्षण सत्र में, दोपहर में विशेष क्लीनिकों में, सेमिनार / जर्नल क्लबों में भाग लेते हैं और विभाग के रोस्टर के अनुसार आपातकालीन ड्यूटी करते हैं। स्नातकोत्तर छात्रों को भी संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में एक थीसिस करना होता है।

विभाग एमसीएच हेड एंड नेक सर्जरी सुपर स्पेशियलिटी कोर्स और स्कल बेस सर्जरी में फेलोशिप भी चलाता है। एमसीएच रेसिडेंट्स को ओपीडी, ओटी में संबंधित विशिष्टताओं में कर्तव्यों का आवंटन किया गया है और विकिरण ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, न्यूरोसर्जरी आदि विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। एमसीएच रेसिडेंट्स और स्कल बेस फेलो को भी संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे बारी-बारी से सेमिनार और जर्नल क्लब पेश करते हैं। एमसीएच रेजिडेंट भी क्लिनिकल और शैक्षणिक ड्यूटी करने के लिए एनसीआई झज्जर में तैनात हैं। इस वर्ष, रेसिडेंट्स और संकाय सदस्यों को भी कोविड उपचार क्षेत्रों में तैनात किया गया था।

विभाग समय-समय पर रुचि के विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लाभ के लिए कार्यशालाओं और सम्मेलनों का भी आयोजन करता है। विभाग भारत और विदेशों से पर्यवेक्षकों के लिए प्रतिनिधियों का भी स्वागत करता है और उन्हें विभागीय गतिविधियों, विशेष क्लीनिकों, सेमिनारों और ऑपरेटिव प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने के लिए होस्ट करता है।

महामारी के दौरान वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम जारी रहा।

वैकल्पिक प्रशिक्षण:

- एम्स, नई दिल्ली के इंटर्न की वैकल्पिक पोस्टिंग।
- विभाग के पास आपातकालीन चिकित्सा, मेडिसिन,बाल रोग, मेडिसिन और फिजियोलॉजी विभागों के पर्यवेक्षक और रोटेशन पोस्टिंग थे।
- ऑडियोलॉजी और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी), एवाईजेएनआईएसएचडी, क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा में स्नातक के छात्रों की ऑब्जर्वरशिप पोस्टिंग।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन*

1. एनिमल मॉडल पर टांके लगाने की तकनीक (19 दिसंबर 2020)।
2. लैरींगोलॉजी - 29 जुलाई 2020 को वेबिनार सह पीजी शिक्षण गतिविधि और 29 जुलाई 2020 को एम्स, नई दिल्ली में लैरींगोलॉजी अपडेट - वेबिनार 2020 में "इवैल्यूएशन ऑफ़ वाईस" पर एक वार्ता दी।
3. 30 जुलाई 2020 को थायरोप्लास्टी पर पशु मॉडल आधारित व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित।

दिए गए व्याख्यान

आलोक ठक्कर: 22 **राकेश कुमार: 6** **कपिल सिक्का: 16**
चिरोम अमित सिंह: 4 **राजीव कुमार: 4** **प्रेम सागर: 5**
हितेश वर्मा: 1 **सुचिता सिंह: 1** **अरविंद कुमार कैरो: 2**
स्मृति पांडा: 2 **अनूप सिंह: 2**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 4

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सेल्वेज टोटल लैरिंजिक्टॉमी के पश्चात फैरेंगोकुटेनियस फिस्टुला रेटस को कम करने में पिक्टोरेलिस मेजर मायोफेसियल फ्लैप की उपयोगिता का एक फेज III, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, कपिल सिक्का, टीएमएच, 2021-जारी है।
2. साइनसिसिटिस, इनवेसिव फंगल साइनसिसिटिस और गैर-इनवेसिव फंगल साइनसिसिटिस के मामलों में एचएलए, फागोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन, हितेश वर्मा, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
3. पुराने प्रीलिंगुअल में कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के क्लिनिकल और सामाजिक परिणाम, कपिल सिक्का, सीआईजीआई, 3 साल, 2019-2022, 6 लाख रुपये।
4. हकलाने के लिए डिजिटल माध्यमों से दिए गए स्वचालित स्पीच थेरेपी की प्रभावशीलता का क्लिनिकल सत्यापन, शुचिता सिंह पचौरी, बीआईआरएसी, 2 साल 3 महीने, 2020-22, 10 लाख रुपये।
5. सिर और गले के कैंसर पर ध्यान देने के साथ कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरॉइड का विकास, हितेश वर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 3 करोड़ रुपये।
6. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकरण विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव: श्रवण और वेस्टिबुलर प्रणाली पर प्रभाव, राकेश कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष (विस्तारित), 2012-2022, 90 लाख रुपये।
7. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफाइल का मूल्यांकन, राजीव कुमार, एम्स, 2+1 वर्ष, 2018-2021, 9.9 लाख रुपये।
8. बायोकंपैटिबल लो प्रेशर का निर्माण, समायोज्य लंबाई, लंबे समय तक रहने, मूल्यवान ट्रेकिओसोफेगल वॉयस बटन (रेफ. एआई-20), प्रो. आलोक ठाकर, आईआईटी-एम्स, 2 साल, 2018 - जारी, 10 लाख रुपये।
9. बाल चिकित्सा आबादी में कर्णावत प्रत्यारोपण के परिणामों को प्रभावित करने वाले कारक, कपिल सिक्का, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 28.4 लाख रुपये।

10. सेंटिनल लिम्फ नोड एसएलएन डिटेक्शन के लिए मिनिमली इनवेसिव नैनो इनेबल्ड टार्गेटेड टेक्नोलॉजी" (संदर्भ: एन - 2050), आलोक ठक्कर, बीआईआरएसी, 1.6 साल, 9.12. दिसंबर 2019 - जारी, 13,.1 लाख रुपये।
11. स्वदेशी कर्णावत प्रत्यारोपण "श्रवण" (संदर्भ एन2014)का बहु-केंद्रित क्लिनिकल परीक्षण, प्रो. आलोक ठक्कर, डीआरडीओ, 12 महीने, जून 2019 - जारी, प्रति विषय 1 लाख रुपये।
12. स्वस्थ व्यक्तियों और निश्चित मेनियर रोग के रोगियों में बेसलाइन सीरम स्तर का आकलन करने के लिए चरणबद्ध प्रायोगिक अध्ययन एवं कोकलियर बाहरी बाल कोशिका कार्यात्मक स्थिति के बायोमार्कर के रूप में ओटोटॉक्सिटी, प्रेम सागर, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 4.25 लाख रुपये।
13. एन-एसिटाइल को इंट्राडक्टल देने के द्वारा रेडियोथेरेपी प्रेरित ज़ेरोस्टोमिया की रोकथाम, अरविंद कुमार कैरो, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 36 लाख रुपये।
14. साउंड4ऑल: मजबूत और किफायती ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग फेज 2 के लिए हाई-एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइस की री-इंजीनियरिंग, कपिल सिक्का, इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी), 3 साल, 2019-2022, 54 लाख रुपये।
15. सिनोनेजल ट्यूमर में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) एसोसिएशन का अध्ययन, कपिल सिक्का, दीपाली जैन, एम्स सहयोगी, 2 साल, 2018-2020, 20 लाख रुपये।
16. कोलेस्टीटोमा आक्रामकता का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, कपिल सिक्का, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 6.5 लाख रुपये।

पूर्ण

1. हाल ही में डायग्नोस किए गए सिर और गले के कैंसर के रोगियों में अवसाद के लिए क्लिनिकल और जैव रासायनिक मूल्यांकन, प्रेम सागर, एम्स, 3 साल, 2016-2019, 8,00,000 लाख रुपये।
2. पैपिलोमाटोसिस के मामलों में, आवर्तक श्वसन वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्तर का मूल्यांकन - हितेश वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.7 लाख रुपये।
3. अस्थायी हड्डी के 3डी पुनर्निर्मित मॉडल से बाहरी श्रवण ऑडिटरी कैनाल की रूपात्मक संरचना का मूल्यांकन, चिरोम अमित सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2020-21, गैर-वित्त पोषित।
4. सर्वाइकल लिम्फ नोड्स के लिए अज्ञात सिर और गर्दन के प्राइमरी मेटास्टेटिक का मूल्यांकन, डॉ. चिरोम अमित सिंह, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 4 लाख रुपये।
5. नोएक्स्नो के कार्य निष्पादन का आकलन करने के लिए पोस्ट मार्केट स्टडी, बच्चों के नाक गुहाओं में पूर्ववर्ती रूप से प्रभावित फॉरेन बॉडी को हटाने के लिए एक उपकरण, कपिल सिक्का, इन एक्सेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2018-2019, 1.5 लाख रुपये।
6. लार माइक्रो-आरएनए: तंबाकू उपयोगकर्ताओं बनाम तंबाकू गैर-उपयोगकर्ताओं में आणविक परिवर्तन के दौरान जैव-मार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता, सुचिता सिंह, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 10 लाख रुपये।
7. कोविड-19 के प्रारंभिक चरण में टोपिकल क्लोरोक्वीन नेज़ल ड्राप: वायरल लोड और इलाज के दरों पर प्रभाव। (संदर्भ ए-कोविड-11), आलोक ठक्कर, एम्स, 6 महीने, मई 2020, 4 लाख रुपये।

8. कोविड-19 के लिए नमूना लेते समय गैग रिफ्लेक्स को कम करने के लिए टोपिकल लिग्नोकेन का उपयोग: क्या यह नमूने की उपज को प्रभावित करता है? आलोक ठक्कर, एम्स, 6 महीने, मई 2020, 50,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रेडियोथेरेपी करवा रहे ऑरोफेरेंगिल कैंसर के रोगियों के निगलने और आवाज के परिणामों पर इंट्राडक्टल एन एसिटाइल सिस्टीन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन।
2. जन्मजात लैरिंगोट्रेकियोमैलेसिया के साथ बाल रोगियों में ट्रेकियोमैलेसिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित प्रायोगिक अध्ययन।
3. संपूर्ण थायरोडेक्टॉमी या थायरॉडेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के शुरुआती पूर्वानुमान कारकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
4. विस्टार चूहों में एलोजेनिक ऊतक इंजीनियरड ट्रेकिअल प्रत्यारोपण - प्रीक्लिनिकल स्टडी।
5. पोस्ट एडेनोडक्टोमी / एडेनोटोन्सिलेक्टोमी रोगियों में सार्स कोव-2 संक्रमण की घटनाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी समूह नियंत्रण अध्ययन।
6. स्वरयंत्र कार्सिनोमा में विकिरण या रसायन विकिरण के बाद आवाज के परिणामों का विश्लेषण और आवाज मापदंडों पर एन एसिटाइल सिस्टीन का प्रभाव।
7. संज्ञानात्मक असमर्थता के साथ जराचिकित्सा रोगियों में बहरेपन का संबंध।
8. लैरींगेक्टॉमी के बाद रोगियों में बेहतर तैनाती और आवाज का पुनर्वासन के लिए ट्रेकियाइसोफेगल प्रोस्थेसिस का डिजाइन और विकास।
9. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अतिरिक्त नोडल एक्सटेंशन का पता लगाना।
10. ऑरोफेरीनक्स, नासोफेरीनक्स और अज्ञात प्राथमिक से द्वितीयक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में आईएचसी द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना।
11. एएफआरएस में इट्राकोनाज़ोल का प्रभाव - एक क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
12. चयनात्मक गले के विच्छेदन के बाद रीढ़ की हड्डी की सहायक तंत्रिका का कार्यात्मक मूल्यांकन करना।
13. ओरल कैविटी के जिंजिवोबुकल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमा में ऑकल्ट और ओवर्ट लिम्फ नोड मेटास्टेसिस पर ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस का प्रभाव - एक संभावित अध्ययन।
14. पुराने प्रीलिंगुअल सेंसोरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में कर्णावत आरोपण के परिणाम।
15. पिन्ना पुनर्निर्माण और कैनालप्लास्टी के एक ही चरण से गुजरने वाले रोगियों के परिणाम।
16. नग्न आंखों के मूल्यांकन, सूक्ष्म मूल्यांकन और इंडोसायनिन ग्रीन का उपयोग करके निकट अवरक्त प्रतिदीप्ति द्वारा थायरॉयड सर्जरी में पैराथायराइड की पहचान।

17. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं का मूल्यांकन करने के लिए संभावित पायलट अध्ययन।
18. प्राथमिक पैरोटिड कार्सिनोमा वाले रोगियों में इंट्राग्लैंडुलर, पेरी-पैरोटिड, मनोगत और ओवरट सर्वाइकल लिम्फ नोड की घटनाओं को निर्धारित करने के लिए संभावित अध्ययन।
19. मुखीय जीभ स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में आईएचएमसीएफ पुनर्निर्माण की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन।
20. मुखीय गुहा के सर्जिकल उपचार में पीईटी सीटी की भूमिका।
21. भाषाई लिम्फ नोड्स की व्यापकता और जीभ के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में फैले लिम्फ नोडल के पैटर्न का मूल्यांकन करना।
22. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद प्रीलिंगुअल गंभीर एसएनएचएल रोगियों में एफएनआईआरएस पर देखी गई श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न सीआई परिणाम स्कोर की तुलना करना।
23. आंशिक / कुल स्वरयंत्र के लिए नियोजित कार्सिनोमा स्वरयंत्र और हाइपोफेरीनक्स वाले रोगियों में पैराट्रैकियल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं का निर्धारण करना।
24. स्कूल में सीआई के प्रभाव और पूर्व-बधिर बच्चों में शैक्षिक कार्य-निष्पादन का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. कैंसर मुखीय गुहा में हिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा मेजबान प्रतिरक्षाविज्ञानी ट्यूमर प्रतिक्रिया का आकलन और रोग निदान पर इसका प्रभाव-पूर्वव्यापी कोहोर्ट अध्ययन।
2. जुवेनाइल नेसोफेरिजिल एंजियोफिब्रोमा के कोबलेशन असिस्टेड एंडोस्कोपिक एक्सिशन: एक संभावित प्रायोगिक अध्ययन।
3. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के कम से कम 3 साल बाद प्रीलिंगुअल गंभीर एसएनएचएल रोगियों में एफएनआईआरएस पर देखी गई श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न कॉक्लियर इम्प्लांटेशन परिणाम के स्कोर की तुलना।
4. आंतरिक कान की विकृति वाले बच्चों बनाम सामान्य शरीर रचना वाले बच्चों में पोस्ट कॉक्लियर इम्प्लांट परिणामों की तुलना।
5. स्कल बेस ऑस्टियोमाइलाइटिस के रोगियों में क्लिनिकल विशेषताओं और उपचार के परिणामों का मूल्यांकन।
6. उपचार से पहले और बाद में सल्कस वोकलिस और वीडियो लेरींगो स्ट्रोबोस्कोपिक मूल्यांकन वाले रोगियों में वसा आरोपण का मूल्यांकन।
7. बीपीपीवी मरीजों में बायोमार्कर के रूप में सीरम ओटोलिन 1 का मूल्यांकन और सीरम विटामिन डी का महत्व।
8. ओएसए की गंभीरता-प्रदाहक मार्करों द्वारा सर्जरी के प्रभाव के साथ एक मूल्यांकन और संरचनात्मक कारकों के साथ सहसंबंध।

9. शल्य चिकित्सा द्वारा इलाज किए गए मुखीय गुहा कार्सिनोमा रोगियों के लिए जीवन रक्षा के परिणाम और जीवन मूल्यांकन की गुणवत्ता।
10. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद प्रीलिंगुअल गंभीर सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में श्रवण वर्बल परिणाम के साथ श्रवण कोर्टेक्स सक्रियण के कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी मापन को सहसंबंधित करना।
11. सिर और गले के कैंसर रोगियों में सिंक्रोनस एसोफेगिल नियोप्लाज्म का पता लगाने के लिए ट्रांसनेसल एसोफेजियल एंडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पुनर्योजी अनुप्रयोगों (एम्स-आईआईटी) के लिए 3डी प्रिंटेड ट्रेकिअल ग्राफ्ट्स, डॉ. सुजाता मोहंती (स्टेम सेल सुविधा-पीआई)।
2. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्रों में डब्ल्यूएचओआईसीओपीई दृष्टिकोण की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए एक कोहोर्ट अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग।
3. चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल से डिस्चार्ज रोगियों के बीच फॉलो-अप टेली-कंसल्टेशन शुरू किये जाने के लिए नर्स हेतु रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण, नर्सिंग।
4. सिर और गले के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में विकिरण प्रेरित डिस्पैगिया की रोकथाम में पेंटोक्सिफाइलाइन और अल्फा टोकोफेरोल (पीएटी) का चरण II परीक्षण, रेडियो-थेरेपी।
5. स्थानीय रूप से उच्च ओरोफेरेगिल एवं लैरिंगिल कार्सिनोमा में डिस्पैगिया-एस्पिरेशन संबंधित संरचनाओं और सबमंडिबुलर ग्लैंड स्पयेरिंग इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी (एसडब्ल्यूओएआर-आईएमआरटी) बनाम मानक आईएमआरटी (एस-आईएमआरटी) पेयरिंग की तुलना करते हुए चरण III संभावित यादृच्छिक परीक्षण, रेडियो-थेरेपी।
6. उत्तर भारतीय आबादी में *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* के नासोफेरींगिल कैरिज का एक अध्ययन, माइक्रोबायोलॉजी।
7. एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के संबंध में रोगी की संतुष्टि पर एक ओएमआर शीट आधारित फीडबैक सर्वेक्षण, नर्सिंग कॉलेज।
8. पैपिलरी थायरॉयड कैंसर का डायग्नोसिस, पूर्वानुमान, लक्षित चिकित्सा और फॉलो-अप के लिए एक भविष्य के गैर-आक्रामक उपकरण के रूप में बीआरएफ (टी 1799ए) म्युटेशन के लिए परिसंचारी डीएनए का विश्लेषण, पैथोलॉजी।
9. आक्रामक फंगल संक्रमण वाले वयस्कों में एंटिफंगल उपचार उपयोग के लिए लेखापरीक्षा "आक्रामक फंगल संक्रमण वाले वयस्कों में एंटिफंगल उपचार उपयोग के लिए लेखापरीक्षा" "आक्रामक फंगल संक्रमण वाले वयस्कों में एंटिफंगल उपचार उपयोग के लिए लेखापरीक्षा" आक्रामक फंगल संक्रमण वाले एंटिफंगल उपचार उपयोग के लिए लेखापरीक्षा, संक्रामक रोग।

10. भारत में कटे होंठ और तालु विसंगति: क्लिनिकल प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल आधारित अध्ययन "सह-अन्वेषक: प्रो. एससी शर्मा, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र।

11. सिर और गले की दुर्दमता में लिम्फ नोड के एफएनएसी सिद्ध एससीसी के मामलों में विभिन्न संभावित प्राथमिक साइटों का क्लिनिको-रेडियो-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन, ओटोलेरींगोलॉजी विभाग और हेड नेक सर्जरी, रेडियो-डायग्नोसिस विभाग, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

12. दुर्दम मुखीय स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा हेतु प्रीमैलिग्नेंट मुखीय स्थितियों के परिवर्तन के दौरान पोटेंट बायोमार्कर की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, बायोफिज़िक्स।

13. स्कल बेस ऑस्टियोमाइटिस (एसबीओ) में थ्री फेज 99एम टीसी-एमडीपी बोन सिंटीग्राफी, एसपीईसीटी/सीटी और 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी के बीच तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन।

14. सिर और गले के कैंसर बायोमार्कर डिटेक्शन के लिए नैनोमैटेरियल्स आधारित प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का डिजाइन और विकास, डॉ. प्रतिमा सोलंकी, जेएनयू।

15. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूबों की सफाई के लिए सक्शन मशीन विकसित करना, आईआईटी दिल्ली।

16. रातों रात पॉलीसोम्नोग्राफी के खिलाफ स्कूल जाने वाले बच्चों और 3-18 वर्ष की आयु के किशोरों में नींद की समस्याओं की पहचान करने के लिए एक प्रश्नावली आधारित उपकरण का विकास और सत्यापन, बाल रोग।

17. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा मूल्यांकन किए गए आणविक मानदंड और नाभिकीय विशेषताओं का उपयोग करके एनआईएफटीपी का डायग्नोसिस: एक प्रारंभिक अध्ययन, पैथोलॉजी विभाग।

18. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक प्रोफाइल का मूल्यांकन, पैथोलॉजी विभाग।

19. ऊतक के नमूनों में दुर्दमता की पहचान के लिए डीप लर्निंग सहित मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन, (आईआईटी-एम्स), डॉ. आंचल कक्कड़ (पैथोलॉजी- पीआई)।

20. कार्सिनोमा स्वरयंत्र के मंचन में स्प्लिट-बोलस डुअल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन (रेडियोडायग्नोसिस विभाग), रेडियोडायग्नोसिस।

21. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और एसएचएच सिग्नलिंग मार्ग का मूल्यांकन विकृति विज्ञान विभाग, पैथोलॉजी विभाग, ओटोलेरींगोलॉजी विभाग-हेड नेक सर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग।

22. हस्तक्षेप और परामर्श के माध्यम से बिहार के अनुसूचित जाति समुदाय में फ्लोरोसिस शमन, एनाटॉमी

23. लिम्फ नोड तपेदिक रोगियों में एटीटी के बाद लगातार लिम्फैडेनोपैथी की आवृत्ति और परिणाम, मेडिसिन।

24. एनाप्लास्टिक थायराइड कार्सिनोमा का इम्यून माइक्रोएन्वायरमेंट, पैथोलॉजी।

25. मुखीय श्लेष्म घावों के स्पेक्ट्रम में अंतःविषय भिन्नताएं, त्वचाविज्ञान।

26. प्राथमिक गुर्दे ट्यूबलर एसिडोसिस वाले रोगियों में मध्यम अवधि के परिणाम: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, बाल रोग।

27. रोग-संबंधी और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण वर्णन, विकृति विज्ञान विभाग।
28. रोगनिरोधी और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण, डीएसटी (एसईआरबी), डॉ. आंचल कक्कड़ (पैथोलॉजी- पीआई) ।
29. उत्तर भारत से नॉन-टाइपेबल *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* (एनटीएचआई) का फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षण, सूक्ष्म जीव विज्ञान।
30. विद्यमान चूषण उपकरणों के साथ बाल चिकित्सा ट्रेकियोस्टोमाइज्ड रोगियों के लिए स्वदेशी हैंडहेल्ड सक्शन असेंबली की प्रभावकारिता और उपयोगिता की तुलना पर प्रायोगिक अध्ययन, बाल चिकित्सा।
31. विद्यमान सक्शन डिवाइस के साथ बाल चिकित्सा ट्रेकोस्टोमाइज्ड रोगियों के लिए स्वदेशी हैंडहेल्ड सक्शन असेंबली की प्रभावकारिता और उपयोगिता की तुलना पर प्रायोगिक अध्ययन, ओटोलरींगोलॉजी विभाग और हेड नेक सर्जरी और बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
32. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में 68 जीए-पीएसएमए-एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन।
33. कॉम्प्रोमाइज्ड फ्लैप के क्षति से बचाव में एचबीओटी की भूमिका। (2021 में पूर्ण), प्लास्टिक सर्जरी।
34. प्रारंभिक जीभ कार्सिनोमा में ट्यूमर इंवेसन और लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की गहराई की भविष्यवाणी में अल्ट्रासाउंड की भूमिका, ओटोलेरींगोलॉजी विभाग और सिर गले की सर्जरी, रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
35. क्रोनिक इडियोपैथिक टिनिटस के साथ भारतीय आबादी में सीरम जिंक का स्तर, फार्माकोलॉजी।
36. मैक्सिलेक्टॉमी रोगियों में पारंपरिक और वैक्यूम गठित विधि का उपयोग करके निर्मित विलंबित सर्जिकल ऑबट्यूरेटर के कामकाज की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन (प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग), पैथोलॉजी।
37. अतिरिक्त-फुफ्फुसीय तपेदिक (ईपीटीबी) के डायग्नोसिस में किट-आधारित लूप-मध्यस्थ इज़ोटेर्मल एम्प्लीफिकेशन (टीबी-एलएएमपी) परख की भूमिका का मूल्यांकन करना, मेडिसिन।
38. टॉन्सिल्लेक्टोमी से गुजर रहे बच्चों में टॉन्सिलर वॉल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन: पोस्ट ऑपरेटिव रुग्णता का एक भविष्यवक्ता, एनेस्थिसियोलॉजी।

पूर्ण

1. चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल से डिस्चार्ज हुए रोगियों के बीच फॉलोअप टेली-कंसल्टेशन शुरू किये जाने के लिए नर्स हेतु रोगी की संतुष्टि का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य सर्वेक्षण, नर्सिंग विभाग।
2. जीए-68 पीएसएमएएचबीईडीसीसीपीईटी-सीटी पॉजिटिव एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा में एलयू-177 डीकेएफजेड- पीएसएमए 617 की चिकित्सीय क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

3. प्राथमिक रसायन चिकित्सा से उपचारित स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गले के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का निर्धारण करने में पीईटी-सीटी स्कैन की प्रभावकारिता का निर्धारण करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. एक चयनित तृतीयक उपचार अस्पताल में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के संबंध में रोगी की संतुष्टि पर एक ओएमआर शीट आधारित फीडबैक का सर्वेक्षण, नर्सिंग विभाग।
5. कार्सिनोमा स्वरयंत्र के मंचन में स्प्लिट-बोलस डुअल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन, रेडियोडायग्नोसिस विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
6. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और एसएचएच सिग्नलिंग मार्ग का मूल्यांकन, पैथोलॉजी विभाग।
7. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और एसएचएच सिग्नलिंग मार्ग का मूल्यांकन, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
8. मैक्सिलेक्टॉमी रोगियों में पारंपरिक और वैक्यूम गठित विधि का उपयोग करके निर्मित विलंबित सर्जिकल ऑबट्यूरेटर के कामकाज की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग, सीडीईआर।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 54 **पुस्तकों में अध्याय: 11**

रोगी उपचार

ओपीडी के अतिरिक्त ऑपरेशन थियेटर और माइनर ओटी सेवाओं के साथ-साथ विभाग में ऑडियोलॉजी और स्पीच पैथोलॉजी का एक पुनर्वास इकाई भी संचालित किए जाते हैं और ऑडियोलॉजी और स्कल बेस में विशेष क्लिनिक भी संचालित किए जाते हैं जिसमें कॉक्लियर इम्प्लांट के साथ राइनोलॉजी, वर्टिगो, वॉयस और निगलने की क्रिया सहित सप्ताह में दो बार सिर और गले के साथ क्लिनिक भी संचालित किए जाते हैं। विभाग सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान करता है। आँकड़े इस प्रकार हैं:

वार्ड में दाखिला: डी4 वार्ड: 1551*

दीर्घावधि दाखिले: 1434

अल्पावधि दाखिले: 117

ऑपरेशन किए गए रोगियों की संख्या

मुख्य ओटी: प्रमुख मामले-579 मामूली मामले-120

माइनर ओटी: ओपीडी प्रक्रियाएं: 6856

ओपीडी में देखे मरीजों की संख्या

नए मरीज - 6935 पुराना पंजीकरण - 8819

कुल - 15754

आरयूएएस में देखे गए मरीजों की कुल संख्या

नए मरीज: 544 पुराने पंजीकरण: 347

कुल आरयूएएस: 891

किए गए कुल ऑडियोलॉजिकल परीक्षण (पीटीए + टाइम्पेनोमेट्री + एफएफए + बीईआरए+ ओएई + एएसएसआर): 6945

टेलीकंसल्टेशन सेवाएं

आउटपेशेंट टेलीकंसल्टेशन की कुल संख्या: 29685

आरयूएएस टेलीकंसल्टेशन की कुल संख्या: 6009

स्पेशलिटी क्लीनिक में मामलों की संख्या

क्र.सं.	क्लिनिक	नए मामले	पुराने मामले	कुल
1	वर्टिगो	12	3	15
2	ओटोलॉजी और स्कल बेस	14	2	16
3	कॉकलीयर इम्प्लांट	22	13	35
4	आवाज़	37	9	46
5	राइनोलॉजी	15	3	18
6	सिर और गले का कैंसर	145	25	170
7	एचएनआरसी (सिर और गला पुनर्वास क्लिनिक)	10	5	15
8	रेडियोलॉजी सम्मेलन	264	-	264

सामुदायिक सेवा क्लिनिक

बल्लभगढ़ के सामुदायिक अस्पताल में सप्ताह में एक बार ऑपरेटिंग फैसिलिटी के साथ दो बार साप्ताहिक क्लिनिक।

गुड़गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में साप्ताहिक क्लीनिक।

आईआईटी दिल्ली के सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लिनिक।

विभाग आउटरीच ओपीडी झज्जर में दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। और सप्ताह में तीन बार ओटी सेवाएं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आलोक ठक्कर ईएनटी में मानक उपचार वर्कफ़्लो के लिए आईसीएमआर समिति के अध्यक्ष; चिकित्सा उपकरणों के लिए उपसमिति, दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के सह-अध्यक्ष; हेड-नेक कैंसर नेशनल कैंसर ग्रिड के लिए समन्वयक; आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाई)/राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के तकनीकी विशेषज्ञ; हेड-नेक ऑन्कोलॉजी के लिए फाउंडेशन के मानद अध्यक्ष; दिल्ली हेड-नेक ऑन्कोलॉजी फोरम के संयोजक; हेड-नेक ओन्कोसर्जरी-यूशिकागो-यूसीएमएस वेबिनार सीरीज के वैज्ञानिक निदेशक; दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए श्रवण

देखभाल पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह के डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ सदस्य; एशिया-प्रशांत सोसायटी ऑफ थायराइड सर्जरी (एपीटीएस)- 2019-2022 के परिषद सदस्य; स्वास्थ्य श्रवण कान के सलाहकार बोर्ड के सदस्य; ओटोलेरिंगोलॉजी विभाग, एम्स ऋषिकेश (2019-) के विजिटिंग प्रोफेसर; अध्ययन बोर्ड - ओटोरिनोलेरिंगोलॉजी विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय सदस्य, मणिपाल विश्वविद्यालय 2017 के सदस्य; परियोजना समीक्षा समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के सदस्य थे; मुख्य व्याख्यान-ओटोफ्रंट 2020 - ओटोरिनोलेरिंगोलॉजी एट द फ्रंटियर; सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज / सशस्त्र बल मेडिकल सर्विसेज 4-6 दिसंबर 2020।

आचार्य राकेश कुमार भारत में ईएनटी शल्य चिकित्सा उपकरणों के मानकों के देखभाल करने के लिए बीआईएस के एमएचडी-4 के अध्यक्ष; एम्स (ओआरएसए) के ओटोरिनोलेरिंगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी के मानद उपाध्यक्ष; ओटोरिनोलेरिंगोलॉजी विभाग और एचएनएस, आईजीआईएमएस पटना में मानद सलाहकार; ओटोरिनोलेरिंगोलॉजी विभाग और एचएनएस, एम्स, ऋषिकेश में मानद विज़िटिंग सलाहकार थे; एम्स, भुवनेश्वर और भोपाल में संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के पैनल में बाहरी विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; विभिन्न राष्ट्रीय क्लिनिकल बैठकों में अतिथि संकाय को आमंत्रित किया और कागजात प्रस्तुत किए और पैनल में भाग लिए थे।

डॉ कपिल सिक्का इंडियन जे ऑफ ओटोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहायक संपादक; समीक्षक, इंडियन जे ओटोलॉजी, इंडियन जे ओटोलेरींगोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी, इंडियन जे पीडियाट्रिक्स, इंडियन जे कैंसर, लैरींगोस्कोप इन्वेस्टिगेटिव ओटोलेरींगोलॉजी, इंडियन जे न्यूरोलॉजी; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलेरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली स्टेट ब्रांच; मानद कोषाध्यक्ष, एम्स (ओआरएसए), 2017 की ओटोरेनोलेरिंगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी; सदस्य मेडिकल बोर्ड, एम्स; सदस्य, शोध निर्देशिका के लिए संपादकीय टीम, एम्स; 9-10 फरवरी, 2021 को द्वारका नई दिल्ली में ओएससीई लेखन कार्यशाला, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, होटल ताज विवांता के विषय विशेषज्ञ; सदस्य, एडीआईपी कॉक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सलाहकार बोर्ड; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए पैनलबद्ध संकाय सदस्य थे।

डॉ चिरोम अमित सिंह ने 3-5 जनवरी 2020 से तीसरी माइक्रोवास्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला (लाइव रेट मॉडल) का आयोजन और संचालन किया।

डॉ राजीव कुमार एसोसिएशन ऑफ़ ओटोरिनोलेरिंगोलॉजिस्ट्स ऑफ़ इंडिया, दिल्ली शाखा, 2020-21 के **कोषाध्यक्ष** थे; बीएमजे केस रिपोर्ट्स के लिए समीक्षक, बीएमजे जर्नल्स; इंडियन जर्नल फॉर ओटोलेरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी; जर्नल ऑफ़ मेडिकल केस रिपोर्ट्स; इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग; क्योरस क्लिनिकल ओटोलेरींगोलॉजी; बाल चिकित्सा सर्जरी के विश्व जर्नल।

डॉ प्रेम सागर एबी-पीएमजेएवाई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत ईएनटी के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेज की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; मानक उपचार दिशानिर्देशों (एसटीजी), स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी), गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) पर परियोजना / कार्य के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के चिकित्सा प्रकोष्ठ, भारत सरकार में विशेषज्ञ; स्वास्थ्य और परिवार

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ईएनटी के लिए मानक उपचार कार्यप्रवाह (एसटीडब्ल्यू) के विशेषज्ञ समूह के सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा ईएनटी सर्जरी इंस्ट्रूमेंट्स, एमएचडी 04 के मानक की देखभाल और स्थापना ईएनटी अनुभागीय समिति के पैनल के सहयोजना सदस्य; एसोसिएशन ऑफ ओटोलेरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा, 2020-2021 के मानद संपादक; न्यूरो-इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी (एनईएस) - भारत, 2020-2021के कार्यकारी निकाय सदस्य; ओआरएल के लिए समीक्षक, कार्गर पब्लिशर्स इंडियन पीडियाट्रिक्स जर्नल, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) का आधिकारिक प्रकाशन, स्प्रिंगर नेचर; डेवलपमेंटल मेडिसिन एंड चाइल्ड न्यूरोलॉजी, अमेरिकन एकेडमी फॉर सेरेब्रल पाल्सी एंड डेवलपमेंटल मेडिसिन (एएसीपीडीएम), ऑस्ट्रेलियन एकेडमी ऑफ सेरेब्रल पाल्सी एंड डेवलपमेंटल मेडिसिन (एयूएसएसीपीडीएम), ब्रिटिश एकेडमी ऑफ चाइल्डहुड डिसएबिलिटी (बीएसीडी), ब्रिटिश पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एसोसिएशन (बीपीएनए) की आधिकारिक पत्रिका, यूरोपियन एकेडमी ऑफ चाइल्डहुड डिसएबिलिटी (ईएसीडी), और मैक्सिकन एकेडमी फॉर सेरेब्रल पाल्सी एंड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर, एनल्स ऑफ ओटोलॉजी, राइनोलॉजी एंड लैरींगोलॉजी, सेज जर्नल्स, इंटरनेशनल आर्काइव्स ऑफ ओटोरिनोलेरिंगोलॉजी (आईएओ), थिएम प्रकाशन, बीएमजे केस रिपोर्ट्स, बीएमजे जर्नल्स, बीएमजे इनोवेशन, बीएमजे जर्नल्स, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल रिसर्च, सेज पब्लिशिंग, जर्नल ट्रेंड्स इन एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, एल्सेवियर इंक।

डॉ हितेश वर्मा ने स्पेशल सेंटर फॉर सिस्टम्स मेडिसिन (एससीएसएम), जेएनयू, नई दिल्ली में एडजंक्ट फैकल्टी के रूप में कार्य ग्रहण किया।

डॉ अरविन्द कुमार कैरो ने पशु मॉडल(19 दिसंबर 2020) पर सिलाई तकनीक पर कार्यशाला (संगठन सचिव के रूप में) का आयोजन किया; संसद, नई दिल्ली में पीएचए स्वास्थ्य शिविर (15 मार्च 2021 से 26 मार्च 2021) में भाग लिया; आयोजन सचिव लैरींगोलॉजी - 29 जुलाई 2020 को वेबिनार सह पीजी शिक्षण गतिविधि और 29 जुलाई 2020 को एम्स, नई दिल्ली में लैरींगोलॉजी अपडेट - वेबिनार 2020 में "आवाज का मूल्यांकन" पर एक वार्ता दी; 30 जुलाई 2020 को थायरोप्लास्टी पर पशु मॉडल-आधारित हैंड्स-ऑन कार्यशाला के आयोजन सचिव; 16-17 अक्टूबर 2020 तक प्रतिनिधि के रूप में, चियाई, ताइवान में फोनो-सर्जरी ईएसीपी 2020-वर्चुअल पर 12वें पूर्व एशियाई सम्मेलन में भाग लिया; पेटेंट - अस्थि प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण की लंबाई निर्धारित करने के लिए मापन उपकरण। (फाइलिंग तिथि 25 मई 2020, आवेदन संख्या 202011021868 (आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से)।

डॉ सुचिता सिंह पचौरी को एचपीवी से संबंधित कैंसर से संबंधित यूसीएलए ग्लोबल हेल्थ सीड ग्रांट प्रोग्राम के सहयोगी प्रयास में एक वैश्विक भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया गया, ताकि एचपीवी और एचपीवी टीकाकरण के बारे में फिजिशियन(चिकित्सक), प्रशिक्षु और मेडिकल छात्र ज्ञान और दृष्टिकोण के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों का निर्माण और एचपीवी से संबंधित विकृतियों का फॉलोअप किया जा सके; एटम 360 जो कर्नाटक सरकार द्वारा चलाई गई एक भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्ट अप और सरकार द्वारा एलिवेट 2018 के विजेता के रूप में राष्ट्रव्यापी मौखिक स्क्रीनिंग परियोजना में सह-अन्वेषक के रूप में शामिल थी। परियोजना का शीर्षक "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पैथोलॉजिकल सहसंबंध का उपयोग करके छवि आधारित डायग्नोसिस का विश्लेषण" है।

9.27. बाल चिकित्सा

आचार्य और अध्यक्ष

अशोक के देवरारी (नवजात विज्ञान)

आचार्य

अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)	सुशील के काबरा (फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग)	मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)
पंकज हरि (वृक्क विज्ञान)	शेफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)	राकेश लोढ़ा (फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग)
रचना सेठ (अर्बुदविज्ञान)	वंदना जैन (नवजात विज्ञान)	रमेश के अग्रवाल (अंत:स्राविकी)

सह-आचार्य

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)	एम जीवा शंकर (नवजात विज्ञान)	अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)
बिश्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)	काना राम जाट (फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग)	झूमा शंकर
रजनी शर्मा (अंत:स्राविकी)	अनु सचदेवा जौहरी (तंत्रिका विज्ञान)	प्रशांत कुमार (नवजात विज्ञान)
रोहन मलिक (जठरांत्ररोग विज्ञान)	जगदीश प्रसाद मीणा (अर्बुदविज्ञान)	नरेंद्र कुमार बागरी (रूमेटोलॉजी)

सहायक आचार्य

आदित्य कुमार गुप्ता (अर्बुदविज्ञान)	अंकित वर्मा (नवजात विज्ञान)

वैज्ञानिक

मधुमिता रॉय चौधरी, अमिता, काजल जैन, रश्मि शुक्ला, लता सिंह

अन्य स्टाफ

अनुजा अग्रवाला (आहारविद्)	सुमिता गुप्ता (भौतिक चिकित्सक)
पल्लवी मिश्रा (जैवरसायनज्ञ)	सविता सैनी (तकनीकी अधिकारी)
धनेश्वर यादव (चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)	नीना मेहता (चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)
सुशीला यादव प्रयोगशाला तकनीशियन	सुरेश कुमार प्रयोगशाला तकनीशियन

विशिष्टताएं

कोविड संबंधित गतिविधियां

1. बाल चिकित्सा विभाग डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ के सहयोग से बच्चों में कोविड की प्रभावी देखभाल पर क्षेत्रवार वेबिनार आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। अंततः, यह 28 अप्रैल 2021 को बच्चों में कोविड के लिए भारत सरकार के दिशानिर्देशों में परिणत हुआ। इसी तरह, राष्ट्र के लिए आईएपी, एनएनएफ और एफओजीएसआई के साथ कोविड के लिए दूसरा ईडी, मई 2020 में नवजात शिशुओं में कोविड पर एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री के साथ जारी किया गया था।
2. विभाग के संकाय सदस्य ऑनलाइन और आमने-सामने कार्यशालाओं द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों के सभी स्तरों के बीच कोविड अनुरूप व्यवहार के लिए संस्थागत क्षमता निर्माण में लगे हुए हैं।
3. संकाय सदस्य संसाधनों के समुचित उपयोग, पीपीई की खरीद और एम्स में कोविड सेवाओं की उपलब्धता को सुव्यवस्थित करने के लिए एचआईसीसी का मार्गदर्शन करने में शामिल है।

विभाग के भीतर उत्कृष्टता केंद्र

नवजात शिशु के देखभाल में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए नियोनेटोलॉजी प्रभाग एक डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र (2019-2023) के रूप में बना हुआ है। आनुवंशिकी प्रभाग विकासशील देशों में नैदानिक और प्रयोगशाला आनुवंशिकी में प्रशिक्षण के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र (डब्ल्यूएचओ सीसी)के रूप में जारी है। बाल चिकित्सीय वृक्क विज्ञान, फुप्फुसीय विज्ञान और बाल तंत्रिका विकास विकार में उन्नत अनुसंधान केंद्र के रूप में तीन प्रभाग योगदान देते हैं।

नई पहलें

नैदानिक

तंत्रिका विज्ञान और आनुवांशिकी प्रभाग ने संयुक्त सहयोग से मानवीय आधार पर एसएमए रोगियों में नए अणुओं पर जीन थेरेपी और परीक्षण शुरू किया। तंत्रिका विज्ञान, आनुवांशिकी और अर्बुदविज्ञान द्वारा संयुक्त सहयोग से एड्रेनो-ल्यूकोडिस्ट्रॉफी वाले बच्चे के लिए हेमटोपोएटिक स्टेम सेल का प्रत्यारोपण किया गया।

शिक्षा (महामारी के कारण वर्चुअल प्लेटफॉर्म का प्रयोग)

विभाग 50 छात्रों के नामांकन के साथ नवजात विज्ञान, वृक्क विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आनुवांशिकी, अर्बुदविज्ञान और फुप्फुसीय चिकित्सा और गहन देखभाल में छह डीएम पाठ्यक्रम चला रहा है। चार छात्रों के साथ एक वाइब्रेंट पीएचडी कार्यक्रम चल रहा है।
एमडी कार्यक्रम: एक एमडी कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें कुल 38 छात्र शामिल है। इस वर्ष महामारी के कारण नियमित शिक्षण सत्र और वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर चल रहे आंतरिक मूल्यांकन की प्रणाली है।

डीएम कार्यक्रम: सभी प्रभागों में वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर सप्ताह में 2-3 बार नियमित रूप से तय शिक्षण गतिविधियाँ होती हैं। सभी विषयों में एकीकृत सेमिनार और संबंधित मामले पर चर्चा के रूप में

अंतःविषय और अंतर्विभागीय शिक्षण को प्रोत्साहित किया जाता है। रेजिडेंट और संकाय सदस्यों को शामिल करते हुए नियमित छोटी कार्यशालाएं और इंटरैक्टिव केस चर्चाएं आयोजित की जाती हैं। फुप्फुसीय चिकित्सा प्रभाग अन्य संस्थानों से जुड़ने के लिए टेलीमेडिसिन का उपयोग करता है। नवजात विज्ञान प्रभाग ने कंगारू मातृ उपचार, संपूर्ण मातृ-पितृ पोषण, उपकरण आदि जैसे सामान्य विषयों पर साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें रेजीडेंट और नर्सों के प्रशिक्षण शामिल है।

एमबीबीएस का शिक्षण : विभागीय संकाय सदस्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर व्याख्यान, संरचित ट्यूटोरियल और पूर्णांक संगोष्ठियों के साथ-साथ बाल चिकित्सा (ओपीडी और वार्ड) में तैनाती के दौरान एमबीबीएस छात्रों के शिक्षण में शामिल है। बाल चिकित्सा विभाग ने एसईटी सुविधा के लिए स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया। महामारी के बावजूद, नवजात विज्ञान विभाग ने छठे सेमेस्टर के लिए नवजात पुनर्जीवन पर वॉल चार्ट, सिमुलेटर, टैबलेट, केस स्टडी और कार्यशाला का उपयोग करके बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिए मानक उपचार प्रोटोकॉल पर यूजी छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

डब्ल्यूएचओ-सीसी ने दो हाइब्रिड ऑनलाइन प्रशिक्षण "समय पूर्व जन्मे शिशुओं के लिए सर्वोत्तम अभ्यास हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम" का आयोजन किया, जो तीन सप्ताहांतों में किया गया था जिसमें मूलभूत उपचार में सर्वोत्तम अभ्यासों पर पांच मॉड्यूल शामिल थे। इस वर्चुअल कोर्स में तीन सप्ताहांतों (अगस्त से सितंबर और अक्टूबर 2020) में 20 घंटे के लिए विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत के साथ-साथ 18 घंटे (www.pretermcare-elimintaingrop.org) पर एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मॉड्यूल को पूरा करना शामिल था। इसके अतिरिक्त 'टेलीग्राम' - एक फ्रीवेयर, क्लाउड-आधारित मैसेजिंग सॉफ्टवेयर, का उपयोग दस सप्ताह में 4600 नर्सिंग पेशेवरों के वार्तालाप और एसिंक्रोनस शिक्षण के लिए किया गया था। उन्हें भारत और एसईएआरओ क्षेत्र में 62 विशेषज्ञों (डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ) द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

शिक्षा

आनुवंशिकी

दीर्घकालीन/अल्पकालिक प्रशिक्षण रिकार्ड-2020-2021

1. अम्बरीश, 14 अक्टूबर 2019, 15 अप्रैल 2020, साइटोजेनेटिक्स, युएमएमआईडी पहल के तहत डीबीटी।
2. एकता, 16 अक्टूबर 2019, 15 अप्रैल 2020, आणविक, साइटोजेनेटिक्स, जैव रासायनिक, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली।
3. लेफ्टिनेंट कर्नल शिवानी सांगवान, 17 जून 2019, 16 जून 2020, साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला, डीजीएएफएमएस/डीजी-1डी कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली।
4. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ अनुरोध गुप्ता, 16 मार्च 2021, 15 मार्च 2022, आणविक/जैव रासायनिक प्रयोगशाला, डीजीएएफएमएस-1डी कार्यालय, रक्षा मंत्रालय, एम ब्लॉक,नई दिल्ली।
5. संतोष साहू, 1 मार्च 2021, 1 सितंबर 2021, सभी प्रयोगशाला, जैव प्रौद्योगिकी विभाग युएमएमआईडी कार्यक्रम।

फेलोशिप/रोटेशन अंत: एवं अन्तर्विभागीय

1. अभिजीत कुमार, मातृ एवं भ्रूण चिकित्सा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, 17.09.20 से 27.09.20, 10 दिन, सभी 3 लैब, एचओडी, प्रसूति और स्त्री रोग।
2. आकृति खरे, डीएम हेमेटोपैथोलॉजी, 1 नवंबर 2020 से 10 नवंबर 2020, 10 दिन, सभी 3 प्रयोगशाला, विभागाध्यक्ष, रूधिर विज्ञान।
3. रंजन यादव जेआर (शैक्षिक), प्रयोगशाला चिकित्सा, 1 दिसंबर 2020 से 31 दिसंबर 2020, एक माह, सभी 3 प्रयोगशालाएं, विभागाध्यक्ष, प्रयोगशाला चिकित्सा।
4. सरजना, डीएम हेमेटोपैथोलॉजी, 26 दिसंबर 2020 से 4 जनवरी 2020, 10 दिन, सभी 3 प्रयोगशाला, विभागाध्यक्ष, हेमटोलॉजी।
5. प्रियंका चौधरी, 18 जनवरी 2021 से 14 फरवरी 2021, एक महीना, सभी प्रयोगशाला और क्लीनिक, प्रोफेसर वत्सला डधवाल, प्रसूति और स्त्री रोग।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एसआईएएमजी-ओआरडीआई व्याख्यान श्रृंखला, अक्टूबर 2020-जनवरी 2021, वर्चुअल।
2. डेटा की गुणवत्ता और विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करते हुए जन्म दोष निगरानी को मजबूत करने में क्षमता निर्माण के लिए अंत:देशीय कार्यशाला, 25-26 नवंबर 2020, वर्चुअल।

नवजात विज्ञान

एमडी कार्यक्रम: प्रभाग ने कंगारू माता उपचार, संपूर्ण माता-पिता पोषण, उपकरण की समझ जैसे सामान्य विषयों पर रेजीडेंट और नर्सों के प्रशिक्षण पर 12 साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया।

डीएम कार्यक्रम : प्रभाग ने बेडसाइड इकोकार्डियोग्राफी, पैरेंट्रल न्यूट्रिशन, श्वसन संबंधी विकारों में वेंटिलेटर सेटिंग्स और नवजात उपकरणों पर साप्ताहिक कार्यशालाओं का आयोजन किया। प्रभाग ने शिक्षण कार्यक्रम में अन्य विषयों को शामिल करते हुए पांच एकीकृत संगोष्ठियों और केस चर्चाओं का आयोजन किया।

एमबीबीएस शिक्षण **:** विभाग ने एसईटी सुविधा के लिए स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है। नवजात विज्ञान विभाग ने आठवें सेमेस्टर के लिए एनआरपी कार्यशाला का आयोजन किया और सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए वाल चार्ट, सिमुलेटर, टैबलेट और केस स्टडी का उपयोग करके बीमार नवजात शिशुओं के उपचार के लिए मानक उपचार प्रोटोकॉल पर एक अन्य कार्यशाला का आयोजन किया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. राष्ट्रीय प्रसवकालीन वर्चुअल कोविड सम्मेलन, 11 जुलाई 2020, एम्स, नई दिल्ली।
2. राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ कोविड 19 पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों पर वेबिनार, 22 अगस्त 2020 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित।
3. "समय पूर्व जन्मे शिशुओं के लिए सर्वोत्तम अभ्यासों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम" भाग-I (पोषण, थर्मल विनियमन, केएमसी, विकासात्मक रूप से सहायक देखभाल) ।

4. वर्चुअल कोर्स: तीन सप्ताहांत (अगस्त से सितंबर 2020), के दौरान 20 घंटे के लिए अनिवार्य उपस्थिति और विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत के साथ (preterm care-eliminating rop.com) पर वर्चुअल कोर्स, अगस्त से सितंबर 2020,एम्स, नई दिल्ली।
5. "समय-पूर्व जन्मे शिशुओं के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम" वर्चुअल कोर्स में भाग II: अक्टूबर 2020 में तीन सप्ताहांत के दौरान 20 घंटे के लिए अनिवार्य उपस्थिति और विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन बातचीत के साथ (preterm care-eliminating rop.com) वर्चुअल कोर्स जिसमें शेष पांच मॉड्यूल ऊपर की तरह ही कवर किया गया था, अक्टूबर 2020, एम्स, नई दिल्ली।
6. मार्च 2021 तक दस सप्ताह में 4600 नर्सिंग पेशेवरों और फिर डॉक्टरों (600) के लिए इंटरएक्टिव और एसिंक्रोनस लर्निंग हेतु टेलीग्राम सॉफ्टवेयर, नवंबर 2020 से जनवरी 2021 तक, एम्स, नई दिल्ली।
7. एनएनएफ दिल्ली ई नियोकॉन के हिस्से के रूप में कोविड-19 पर पैनल: मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य, 1 नवंबर 2020, एम्स, नई दिल्ली।
8. एनएनएफ ऑनलाइन **बेसिक नियोनेटल इकोकार्डियोग्राफी कोर्स,** अक्टूबर 2020 -नवंबर 2020, एम्स, नई दिल्ली
9. एनएनएफ ऑनलाइन **बेसिक नियोनेटल वेंटिलेशन वर्कशॉप,** 24-30 दिसंबर 2020, एम्स, नई दिल्ली।

वृक्कविज्ञान

दीर्घकालीन/अल्पकालिक प्रशिक्षण रिकार्ड-2020-2021

1. लेफ्टिनेंट कर्नल अदिति शर्मा, जुलाई 2018-जुलाई 2020, दो साल की फेलोशिप, भारतीय सेना।
2. डॉ. जसिंथा सबनादेसन, मई 2019-जुलाई 2020, दो वर्षीय फेलोशिप (महामारी को देखते हुए कम किया गया), पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन, श्रीलंका।

तंत्रिकाविज्ञान

प्रभाग द्वारा विकसित ई-लर्निंग मॉड्यूल और वेबसाइट ने बाल तंत्रिका विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान प्रदान करना जारी रखा। प्रभाग द्वारा विकसित ऑटिज्म, मिर्गी (एपिलेप्सी), अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर और न्यूरो मोटर इंपेयरमेंट पर मोबाइल ऐप आधारित डायग्नोस्टिक टूल देश भर में चिकित्सा पेशेवरों की मदद करना जारी रखा गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- आयोजित सम्मेलन पूर्व कार्यशाला: बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान कार्यशाला: 30 नवंबर 2020 को उत्तर भारत और उत्तर भारत बाल चिकित्सा संक्रामक रोग के बाल चिकित्सा सम्मेलन के लिए एक प्राइमर(ऑनलाइन)।
- सीएसआईआर-आईजीआईबी, इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी टीचिंग नेटवर्क (आईसीएनए) और आईसीएमआर-एम्स कम्प्यूटेशनल जीनोमिक्स सेंटर के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च इन चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर के तत्वावधान में शैक्षणिक गतिविधियों के हिस्से के रूप में व्याख्यान श्रृंखला "पीडियाट्रिक न्यूरोजेनिक्स" का आयोजन किया।

1. एक बाल रोग विशेषज्ञ के लिए आवश्यक: 18 फरवरी 2021 को प्रोफेसर माधुरी हेगड़े, यूएसए द्वारा एक आनुवंशिक रिपोर्ट की व्याख्या, वर्चुअल।
2. बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान में सटीक दवा: 25 फरवरी 2021 को प्रोफेसर जे हेलेन क्रॉस, यूनाइटेड किंगडम द्वारा वर्तमान स्थिति और भविष्य की क्षमता, वर्चुअल।
3. 4 मार्च 2021 को प्रोफ़ेसर एंडोनीउर्टिज़बेरिया, फ़्रांस द्वारा न्यूरोमस्कुलर विकारों में हालिया चिकित्सीय प्रगति, वर्चुअल।
4. 25 मार्च 2021 को डॉ स्निया वलसा सुधाकर, यूनाइटेड किंगडम द्वारा बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी में रेडियोजेनॉमिक्स, वर्चुअल।

अर्बुदविज्ञान

1. चाइल्डहुड कैंसर डे का वर्चुअल पालन, 26 फरवरी 2021, एम्स, नई दिल्ली।
2. चाइल्डहुड कैंसर पर रोगी शिक्षा कार्यक्रम, 18 जनवरी 2021, एम्स, नई दिल्ली।

सुश्री अनुजा अग्रवाला

1. 26 अप्रैल 2020, 1 नवंबर 2020, 30 घंटे, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, सतत व्यावसायिक विकास - पूरा होने का प्रमाण पत्र 2 नवंबर 2020**,** आईबीएस (ऑनलाइन आहार विशेषज्ञ पाठ्यक्रम) के लिए कम एफओडीएमएपी आहार के उपयोग पर प्रशिक्षित।
2. 29 अप्रैल 2020 को ईमोरी विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ मेडिसिन, मानव आनुवंशिकी विभाग, डिवीज़न ऑफ़ मेडिकल जेनेटिक्स द्वारा आयोजित एक वर्चुअल शैक्षिक कार्यक्रम "ए टेस्ट ऑफ़ ईजीएनए: अब परियोजना ईसीएचओ के साथ विस्तार"।
3. 13 जून 2020, 14 जून 2020, 2 दिन, जीनसपोर्ट और आईडीए, दिल्ली क्षेत्र, पूर्णता का प्रमाण पत्र, न्यूट्रीजेनोमिक्स पर बुनियादी कार्यक्रम।
4. 17 जनवरी 2021, 28 फरवरी 2021, 5 सप्ताह, न्यूट्रोस्पेक्ट, पूर्णता का प्रमाण पत्र (एएएन), ऑटिज्म अवेयर न्यूट्रिशनिस्ट-कौशल निर्माण कार्यक्रम (nutrospectbyricha@gmail.com)

प्रदत्त व्याख्यान:

रजनी शर्मा: 7	**वंदना जैन: 8**	**रोहन मलिक : 2**
मधुलिका काबरा: 15	**नीरजा गुप्ता: 10**	**अमिता: 1**
अशोक के देवरारी: 16	**रमेश अग्रवाल: 3**	**एम जीवा शंकर: 16**
अनु सचदेवा:8	**अंकित वर्मा: 4**	**काजल जैन: 2**
अरविंद बग्गा: 6	**पंकज हरि: 4**	**अदिति सिन्हा: 6**
शेफाली गुलाटी: 44	**बिस्वरूप चक्रवर्ती: 11**	**प्रशांत जौहरी: 11**
रचना सेठ: 8	**सुशील के. काबरा: 36**	**राकेश लोढ़ा** *: 5*
काना राम जाट : 4	**झूमा शंकर: 6**	**नरेंद्र कु. बागड़ी: 5**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 47

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं (जारी)

अंतःस्राविकी

1. एनएएफएलडी के साथ अधिक वजन वाले किशोरों में यकृत वसा अंश और इंसुलिन प्रतिरोध की कमी में मेटफॉर्मिन की प्रभावशीलता: एक आरसीटी, वंदना जैन, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 59.2 लाख रुपये।
2. कम लागत और दर्द रहित ट्रांसडर्मल स्मार्ट इंसुलिन डिलीवरी डिवाइस, वंदना जैन, एम्स-आईआईटी खड़गपुर अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 20 लाख रुपये।
3. स्वस्थ समय-पूर्व जन्मे शिशुओं में जीवन के पहले छह महीनों के दौरान मोटापा में वृद्धि और पतले होने का अंतर का लाभ: निर्धारक और बाद के स्वास्थ्य पर प्रभाव, वंदना जैन, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 24.5 लाख रुपये।
4. मोटे बच्चों में पारंपरिक भारतीय बाजरा के रूप में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स आहार का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रजनी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 32.7 लाख रुपये।

आनुवंशिकी

1. क्लिनिकल फेनोटाइप के साथ संबद्ध स्पष्ट रूप से संतुलित क्रोमोसोम पुनर्व्यवस्था का ब्रेकप्वाइंट मैपिंग, रश्मि शुक्ला, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
2. क्लासिकल होमोसिस्टीनुरिया के साथ भारतीय रोगियों का नैदानिक और आणविक लक्षण का वर्णन, नीरजा गुप्ता (सुश्री पुनीता को एसआरएफ प्रदान किया गया), आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 14 लाख रुपये।
3. अमीनो एसिड चयापचय रोगियों की जन्मजात विकार के बीच एचपीएलसी पद्धति का उपयोग करके अमीनो एसिड की मात्रा का ठहराव के लिए सूखे रक्त के धब्बे और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, पल्लवी मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रु।
4. संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग का उपयोग करते हुए गंभीर भ्रूण और नवजात मेंडेलियन विकासात्मक दोषों के अंतर्निहित आणविक तंत्र का व्यापक मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, डीएचआर, जुलाई 2018, जुलाई-2020, फरवरी 2021 तक विस्तारित, 49.3 लाख रु.।
5. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के निर्माण में सिलिया और सोनिक हेजहोग पाथवे जीन में कॉपी नंबर और सीक्वेंस वेरिएंट का योगदान, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 65 लाख रु.।
6. नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (डीआईआईडी-एनजीएस अध्ययन) के माध्यम से इडियोपैथिक बौद्धिक विकलांगता (डीआईआईडी) को समझना, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, डीबीटी, अप्रैल 2018, -अप्रैल 2021, 86,81,682 रु।
7. पृथक पार्श्वकृत अतिवृद्धि / पृथक हेमीहाइपरप्लासिया के आणविक रोगजनन और नैदानिक स्पेक्ट्रम को समझना, डॉ मधुमिता रॉय चौधरी, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये।

8. आईजीआईबी के सहयोग से एक ऑर्थोलॉगस सीआरआईएसपीईआर/सीएएस9 सिस्टम (एफएन सीएएस9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और रोग मॉडलिंग और सुधार के लिए 3डीऑर्गेनोइड्स की जनरेशन में इसका अनुप्रयोग", मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, मधुमिता रॉय चौधरी, 2019, -2021, 1.2 करोड़ रुपये।
9. व्यापक जीनोमिक मूल्यांकन और ट्रांसलेशनल बायोइनफॉरमैटिक्स का उपयोग करके कंकाल डिसप्लेसिया वाले भारतीय रोगियों के जीनो-फेनोम का मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, आईसीएमआर, 2019, -2022, 57 लाख रु।
10. भारतीय रोगियों में एटीएम परिवर्तन के गंभीर दमन के लिए यौगिकों के माध्यम से पठन का मूल्यांकन, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 45 लाख रुपये।
11. एंटीसेंस ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स का उपयोग कर एटीएम स्प्लिस वेरिएंट का पूर्व विवो सुधार, डॉ रश्मी शुक्ला (श्रीमती अखिला शंकर एसआरएफ फैलोशिप से सम्मानित), आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 16 लाख रु।
12. नये एटीएम वैरिएंट का कार्यात्मक विशेषता और एंटीसेंस ओलिगोन्यूक्लियोटाइड्स (एओएन) मेदियेटेड करेक्शन,रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 इयर्स, 2021-2024, 50 लाख रुपये।
13. दुर्लभ और अन्य विरासत में मिली विकारों के लिए आईसीएमआर रजिस्ट्री, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, आईसीएमआर, 2019, -2025, 1.09 करोड़रु।
14. ज्ञात / नए जीन में वेरिएंट की पहचान और एक्टोडर्मल डिसप्लेसिया के रोगियों के पूर्वव्यापी कोहोर्ट में नावेल वेरिएंट के कार्यात्मक लक्षण का वर्णन, मधुलिका काबरा (श्वेता कुशमेकर को एसआरए प्रदान दिया गया), आईसीएमआर, 2 साल, 2020-2021, 14 लाख रुपये।
15. मातृ रक्त के नमूनों से डि नोवो ट्राइसॉमी (डाउन सिंड्रोम) का गैर-इनवेसिव प्रस्रव पूर्व पहचान, मधुलिका काबरा, डॉ नीरजा गुप्ता, रश्मी शुक्ला, सेक इंडिया, 2018 -2021, 12 लाख रु।
16. एसईएआर में जन्म संबंधी दोष और माइक्रोसेफली निगरानी के लिए गुणवत्ता आश्वासन, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, 2020 -2021, 12 लाख रुपये।
17. भारतीय सोरायसिस रोगियों में टीएनएफ, टीएनएफएआईपी3, टीएनआईपी1, टीआरएफ3आईपी2, आईएल12बी, आईएल23आर, आईएल17 और एचएलए-सीजीन में एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता का अध्ययन और नैदानिक विशेषताओं के साथ उनका जुड़ाव", डॉ. मधुमिता रॉय चौधरी (सुश्री सोनम सिंह को एसआरएफ फैलोशिप प्रदान की गई), आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 14 लाखरुपये।
18. इनहेरिटेड डिसऑर्डर (युएमएमआईडी) पहल के प्रबंधन और उपचार के अनूठे तरीकों के तहत एक आकांक्षात्मक जिला घटक के साथ मानव आनुवंशिकी में चिकित्सकों और आनुवंशिक नैदानिक इकाई के निर्माण का प्रशिक्षण (युएमएमआईडी), मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, डीबीटी, 2019, -2022,.4 करोड़ रु।

नवजात विज्ञान

1. भारत में जिला अस्पताल केन्द्र में बहु-औषधि-प्रतिरोधी नवजात सेप्सिस का बोझ, एम जीवा शंकर, बीएमजीएफ, यूएस, ढाई साल, 2019-2021, यूएसडी 12,43,286।
2. एसएम्ओएफ लिपिड(आर) बनाम इंट्रालिपिड (आर) का समय पूर्वनवजात शिशुओं में जन्म के समय वजन हासिल करने का प्रभाव (>=34 सप्ताह): एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अनु सचदेवा, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 4,25,000 रु(प्रति वर्ष)।
3. कल्चर-नेगेटिव सेप्सिस वाले नवजात शिशुओं में संभावित रोगज़नक़ों की पहचान, काजल जैन, डीबीटी, 5 साल, मार्च 2021- फरवरी2026, 2,41,62,700 रुपये।
4. नियोएएमआर ग्लोबल नियोनेटल सेप्सिस ऑब्जर्वेशनल स्टडी (नियो ओबीएस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, प्रो. रमेश अग्रवाल और डॉ काजल जैन, जीएआरडीपी, स्वाज़ीलैंड, 1½ वर्ष, 2018-2020, 1,51,35,291रुपये।
5. भारत में नवजात शिशुओं में सेप्सिस से संबंधित मृत्यु दर: संदर्भ-विशिष्ट समाधानों के लिए एक बहु-अनुशासनात्मक, बहु-संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम, एम जीवा शंकर, डीबीटी, 5 वर्ष, मार्च 2021- फरवरी 2026, 45,52,17,307/- रुपये।
6. देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्रीय अभिगम मंच को बनाए रखने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2020-2021, 34,44,000 रुपये।

वृक्कविज्ञान

1. मेम्ब्रेनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के नेफ्रोटिक सिंड्रोम के सेकेंडरी, ऑटोएंटीबॉडी से जुड़े वैकल्पिक पूरक पाथवे डिसरेगुलेशन टू पंकज हरि, डीबीटी, 3 साल, 2017 - 2019।
2. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के रोगियों के लिए बायोरिपोजिटरी और रजिस्ट्री की स्थापना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017 - 2022।
3. बचपन के गुर्दे की बीमारियों के निदान और उपचार के लिए साक्ष्य - आधारित दिशानिर्देश तैयार करना और प्रसारित करना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017 - 2022।
4. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम वाले बच्चों में संक्रामक और आनुवंशिक ट्रिगर, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 82 लाख रुपये।
5. बार-बार आवर्तन या स्टेरॉयड आश्रित नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में वैकल्पिक दिनों पर कम खुराक वाले प्रेडनिसोलोन बनाम. मानक चिकित्सा, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017- 2022।
6. पीडियाट्रिक रीनल बायोलॉजी कार्यक्रम : नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 साल, 2016 - 2021, 8 करोड़रु ।
7. वेसिकोरेटेरल रिफ्लक्स के साथ भारतीय बच्चों में आनुवंशिक विविधताओं का प्रायोगिक अध्ययन, पंकज हरि, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017 - 2022 ।
8. बाल चिकित्सा किडनी रोगों में अनुसंधान के लिए आईसीएमआर उन्नत केंद्र के लिए प्रस्ताव, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, 16,095,653/- रु।

9. बार-बार होने वाले स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में संक्रमण के दौरान दैनिक रूप से बनाए गए स्टेरॉयड कालेवमिसोल बनाम दीर्घकालिक वैकल्पिक दिनों की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए यादृच्छिक खुले लेबल नियंत्रित परीक्षण, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 साल, 2017 - 2022, उपरोक्त में शामिल।
10. 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पहले एपिसोड के लिए प्रेडनिसोलोन के साथ 6 - महीने बनाम 3 - महीने की थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक, बहुकेंद्रित, खुला लेबल, समानांतर समूह परीक्षण, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 साल, 2016 - 2021, ऊपर में शामिल।
11. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में रीनल हिस्टोलॉजी और थेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया के बायोमार्कर के रूप में सीरम और मूत्र माइक्रो आरएनए, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 साल, 2016 - 2019।
12. रीनल ट्यूबलर विकार वाले बच्चों में रजिस्ट्री और लक्षित एक्सोम सीक्वेंसिंग की स्थापना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 6 लाख रुपये।
13. बच्चों में सिस्टिक किडनी रोगों का आनुवंशिक आधार, अदिति सिन्हा, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रु।
14. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के गैर - दस्त और गैर - स्व-प्रतिरक्षित रूप वाले रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017 - 2022।

तंत्रिकाविज्ञान

1. भारत में ल्यूकोडिस्ट्रॉफी का एक बहुकेंद्रीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन: एक प्रायोगिक परियोजना, डॉ शेफाली साइट पीआई, आईएएन, 1 वर्ष, 2020, समन्वय स्थल पीजीआई, चंडीगढ़ को 5 लाख रुपये।
2. ए फेज 3, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित प्रभावकारिता और नॉन सेंस म्यूटेशन वाले मरीजों में एटालुरेन का सुरक्षा अध्ययन डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और ओपन लेबल एक्सटेंशन, शेफाली गुलाटी (साइट पीआई), पीटीसी थेरेप्यूटिक्स, यूएसए, 2 साल, 2019 - जारी, 50 लाख रु.।
3. 5 प्रमुख क्षेत्रों में अपनी परियोजनाओं के साथ बचपन के तंत्रिका विकास संबंधी विकारों पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र, शेफाली गुलाटी (पीआई), एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा सहयोग प्राप्त) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआर के हिस्से के रूप में), 5 साल, दिसंबर 2017 जारी, 11.3 (6.3 +5)करोड़ रु।
4. सीओएमपीएएसएस (कम्पास): दक्षिण एशिया परीक्षण (मैनचेस्टर और संगत विश्वविद्यालय) में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए संचार-केंद्रित माता-पिता मध्यस्थता उपचार, शेफाली गुलाटी (साइट पीआई), एमआरसी, यूके, 4 साल, 2018- जारी, एमआरसी को 11.2 करोड़ रुपये, एम्स को कुछ नहीं।

5. ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के अनुमान कौशल में सुधार के लिए सुदृढीकरण आधारित एआई मॉडल विकसित करना, शेफाली गुलाटी पीआई (एम्स), एम्स - आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 साल, 2019-2021, 5,00,000 लाखरु।
6. बचपन और किशोरावस्था के मोनोफैसिक और आवर्तक अधिग्रहित डिमाइलेटिंग विकारों को अलग करना: एक एचएलए टाइपिंग, सीरम और सीएसएफ ज्वलनशील बायोमार्कर आधारित अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन, डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती, एम्स-आईआरजी, 2 साल, 2020, 10 लाखरु।
7. एएसडी पीडित बच्चों में मोबाइल ऐप आधारित ऑगमेंटेटिव और वैकल्पिक संचार आधारित हस्तक्षेप, शेफाली गुलाटी (मेंटर), एम्स यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 2 साल, 2019 के बाद, 2 लाख रुपये।
8. एटैक्सिया तेलंगिक्टेसियाके रोगियों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए बहु-केन्द्रित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, शेफाली गुलाटी (साइट पीआई), एरी डेल, एसपीए, इटली, 2 साल, 2018- वर्तमान में जारी है लेकिन वर्तमान में ओपन लेबल एक्सटेंशन 2021, 72 लाख रु।
9. नींद से वंचित नींद के लिए तैनात बच्चों में नींद लाने में मेलाटोनिन और ट्राईक्लोफोस की प्रभावशीलता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए ईईजी: एक डबल ब्लाइंड, समानांतर डिजाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, प्रशांत जौहरी, एम्स-यूजी मेंटरशिप योजना, 1 वर्ष, 2019, 2 लाख रु।
10. बच्चों में फेब्राइल इंफेक्शन-रिलेटेड एपिलेप्सी सिंड्रोम (एफआईआरईएस) के नैदानिक और न्यूरोइमेजिंग विशेषताओं और परिणामों का निर्धारण करना, शेफाली गुलाटी (एम्स) प्रो. जे हेलेन क्रॉस (युसीएल पीआई), एम्स-युसीएल सहयोग, 1 वर्ष, 2020, एम्स के लिए, 5 लाख रु।
11. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडीएस) वाले बच्चों में ओरल प्रोबायोटिक सप्लीमेंट की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, शेफाली गुलाटी (साइट पीआई आईसीएमआर, 3 साल, 2019- सितंबर वर्तमान में जारी, 33,32,868 रुपये।
12. प्रारंभिक नवजात अवधि (<7 दिन) में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के निदान और प्रबंधन के लिए मल्टीजीन पैनल की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना, डॉ शेफाली गुलाटी सीओपीआई, आईसीएमआर, 3 साल, 2020, 2.85 करोड़ रुपये (एम्स में कोई निधि नहीं बल्कि जीनकार्ट अनुसंधान के लिए दिया गया है)।

अर्बुदविज्ञान

1. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (आईसीआईसीई) के नए रोगियों के लिए एक सहयोगी, बहुकेंद्रित, राष्ट्रीय अध्ययन, रचना सेठ, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड और आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017, - 2022, बाल रोग और आईआरसीएच(डॉ समीर बख्शी) के लिए संयुक्त रूप से प्राप्त किए गए)चूंकि दोनों साइट पीआई हैं।

2. "केमो ट्रक्योर (सी टू सी) "कैंसर उत्तरजीविता के अध्ययन, डॉ रचना सेठ, जेआईवी दया फाउंडेशन, 8 वर्ष, 2011 - 2021, 1.2 करोड़ रू.।

3. न्यूरोब्लास्टोमा रोगियों के रक्त के नमूनों में परिसंचारी कोशिका मुक्त माइक्रो-आरएनए की पहचान और इसका नैदानिक सहसंबंध, आदित्य कुमार गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, सितंबर - 2020-2022, 10 लाख रु।

4. पीडियाट्रिक एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (एएमएल) रिलैप्स के जीनोमिक्स और नैदानिक परिणाम, जगदीश प्रसाद मीणा, आईसीएमआर, 3 साल, 16 मार्च 2021-15 मार्च 2024, 45,15,254 रुपये।

5. कैंसर पीड़ित बच्चों में पोषण में सुधार, रचना सेठ, कडल्स फाउंडेशन, 3 साल, 2020, - 2023, 11,20,000 रुपये।

6. जैविक मार्करों के एकीकृत आणविक जीव विज्ञान: लिनियेज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के भारत के बच्चों में जीन की प्रतिलिपि संख्या परिवर्तन की भूमिका, निवेदिता, मेंटर के रूप में रचना सेठ, यूजीसी महिला वैज्ञानिक फैलोशिप, 5 साल, 2018, - 2022, 40 लाख रु।

7. संपूर्ण परीक्षा सिक्वेसिंग द्वारा भारतीय जेएमएमएल रोगियों के जीनोमिक लैंडस्केप की मैपिंग, डॉ आदित्य कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 1 मार्च 2021-28 फरवरी 2024, 44,71,278 रुपये।

8. कैंसर के फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक बच्चों में एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी के संक्रमण और प्रतिक्रिया के लिए एक नावेलबायोमार्कर के रूप में प्रो-एड्रेनोमेडुलिन और प्रोकैल्सिटोनिन से इसकी तुलना, जगदीश प्रसाद मीणा, डीएसटी, 3 साल, 2020, - 2023, 42,18,500 रुपये।

9. रिलैप्सड/अपवर्तक हॉजकिन लिंफोमा के लिए संभावित सहयोगात्मक अध्ययन, आदित्य कुमार गुप्ता (साइट पीआई), आईएनपीओजी, 5 वर्ष, 2019, -2024।

10. भारतीय बच्चों में कैंसर सर्वाइवरशिप संबंधी अध्ययन (सी2एस स्टडी), उपचार पूरा होने के बाद कैंसर पीडित बच्चों का पंजीकरण: मल्टीसेंटर स्टडी, रचना सेठ, आईएनपीओजी स्टडी, 10 साल, 2016-2026।

11. भारतीय बाल रोगियों में सभी बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (बीएएलएल) के रोगजनन में आईकेजेडएफ1 जीन और विभिन्न आईकेएआरओएस आइसोफॉर्म्स की भूमिका निर्धारित करना, डॉ काकली पुरकायस्थ, रचना सेठ, संरक्षक के रूप में, बायोकेयर अनुदान के तहत डीबीटी, 3 साल, 2018 - 2020,60 लाखरु।

12. एक्यूट ल्यूकेमिया के नए बच्चों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियो विषाक्तता का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए बायोमार्कर और इमेजिंग का उपयोग करना, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019 - 2022, 70,68,462रु।

फुप्फुसीय चिकित्सा

1. पीडियाट्रिक्स टीबी निदान के लिए एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्ट्रा के साथ संयुक्त मल परीक्षण किट के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक अध्ययन, प्रो राकेश लोढ़ा, फाइंड इंडिया, 2 साल, 2019-2021, 42,82,173रुपये।

2. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में एक्यूट जठरांत्ररोग आघात के बायोमार्कर, प्रो. राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 55,84,488 रुपये।

3. बालचिकित्सीय श्वसन रोगों में उन्नत अनुसंधान केंद्र। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2018-2023। जांचकर्ता:, राकेश लोढ़ा, कानाराम जाट, झूमा शंकर, 6.2 करोड़ निधि की परियोजनाएं निम्नानुसार हैं ((एनआई 1032)।

   क. बच्चों में जीर्ण श्वसन विकारों के प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण।

   ख. भारत में सिस्टिक फाइब्रोसिस: व्यापकता, उत्परिवर्तन प्रोफाइल और रजिस्ट्री का विकास।

   ग. बच्चों में अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी।

   घ. बच्चों में प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया के लिए उपचार परीक्षण का बिंदु।

   ङ. बच्चों में प्राथमिक और प्राप्त प्रतिरक्षा क्षमता कमी संबंधी विकार में श्वसन संबंधी जटिलताएं, एस के काबरा, आईसीएमआर, 5 साल, 2018, 6 करोड़ रुपये।

4. बच्चों में कोविड -19- मृत्यु दर और रुग्णता के जोखिम कारक, झूमा शंकर, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2021 (जारी), 3.6 लाख रु।

5. भारत में डेंगू संक्रमण (एन1602), एस के काबरा, एनआईएच, 5 साल, 2015, 90 लाख रुपये।

6. भारतीय बच्चों में नैदानिक फेनोटाइप के साथ प्राथमिक सिलियरी डिस्किनेशियर एवं म्यूटेशन के सह-संबंध के जेनेटिक म्यूटेशन प्रोफाइल की पहचान, काना राम जाट, डीबीटी, नई दिल्ली, 3 साल, 2018-2021, 30.86 लाख रु।

7. नैदानिक और बड़े डेटा के एकीकरण के माध्यम से नवजात और बाल चिकित्सा आईसीयू में सेप्सिस का शीघ्र पता लगाना, प्रो राकेश लोढ़ा, वेलकम ट्रस्ट डीबीटी एलायंस, 6 साल, 2015-2021, 3,81,16,842 रुपये।

8. भारत से डेंगू रोगियों में मानव बी सेल प्रतिक्रिया और रिसेप्टर प्रदर्शनों की सूची, प्रो राकेश लोढ़ा, डीबीटी, 2 साल, 2019-2021, 46,60,000 रुपये।

9. अत्यधिक गंभीर अस्थमा वाले बच्चों में माइकोप्लाज्मा और क्लैमाइडिया संक्रमण की व्यापकता, काना राम जाट, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 9.8 लाख रुपये।

10. बच्चों में प्रोकैल्सिटोनिन निर्देशित एंटीबायोटिक चिकित्सा, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 81 लाख रुपये।

11. बच्चों में सदमे के लक्षण, झूमा शंकर, डीएसटी, 3 साल, 2019-2021, 33.76 लाख रू.।

12. पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों में व्यवस्थित पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस केस का पता लगाना। (आई1031), एसके काबरा, आईसीएमआर, 2 साल, 2018, 1420900रु।

13. डेंगू डिस्कवरी टू प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट के लिए प्रोफिलैक्टिक और चिकित्सीय रणनीतियों में सहयोग करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकी की स्थापना के लिए ट्रांसलेशन रिसर्च कंसोर्टियम, राकेश लोढ़ा, बीआईआरएसी, 4 साल, 2019-2023, 1,61,00,000 रुपये।

रुमेटोलॉजी

1. जुवेनाइल डर्माटोमायोसाइटिस में परिणामों के पूर्वसूचक: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, एनके बागरी (मेंटर), संस्थान यूजी अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2020- जारी है, 1,94,000/- रु
2. किशोर अज्ञातहेतुक गठिया रोग के रोग क्रम और उपप्रकारों के अनुमान में श्लेष द्रव प्रोटिओमिक्स की भूमिका का पता लगाना", एनके बागरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-चल रहा, 42,12,984/-रु।
3. कोविड -19 से जुड़े पीडियाट्रिक मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम की व्यापकता, नैदानिक विशेषताओं और परिणाम का अध्ययन करना, एनके बागरी, इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2020- चालू, 6,75,240/- रु।

पूर्ण

अंतःस्राविकी

1. कम संसाधन वाले उपचार केन्द्र में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए इंसुलिन और आहार व्यवस्था का अनुकूलन, वंदना जैन, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 2.5 वर्ष, 2017-2020, 25.0 लाख रुपये।

जठरांत्ररोग विज्ञान

1. सीलिएक रोग के निदान में आंत्रिक फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन और सिट्रुलस की भूमिका और फॉलोअप पर अनुपालन के मूल्यांकन, रोहन मलिक, इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रू.।

नवजात विज्ञान

1. नवजात शिशु के नर्सरी और डॉक्टरों और नर्सों के सेवाकालीन प्रशिक्षण में व्यावहारिक प्रक्रियाओं के लिए वीडियो का विकास, प्रो अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 8 महीने, 2020-2021, 13.,20,000 लाख रु।
2. डॉक्टरों और नर्सों के सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण के लिए आवश्यक और बीमार नवजात शिशु के देखभाल के लिए वेबिनार का विकास, प्रो अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 10 महीने, 2020-2021, 14,90,000 रुपये।
3. 2-5 साल की उम्र में अत्यंत समय-पूर्व जन्मे शिशु (<28 सप्ताह या<1000 ग्राम) के मल्टी-सिस्टम स्वास्थ्य परिणाम (तंत्रिका विकास, वृद्धि, श्वसन, हृदय, चयापचय एवं गुर्दा), अनु सचदेवा, एम्स, 1 साल, 2019-2020, 5,00,000रुपये।
4. नियोएएमआर ग्लोबल नियोनेटल सेप्सिस अवलोकनात्मक अध्ययन (नियोओबीएस): अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, प्रोफेसर रमेश अग्रवाल, आईसीएमआर, डेढ़ साल, 2018-2020, 1,02,46,226रु।
5. नवजात परिणामों में सुधार के लिए शिशुओं हेतु मानव दूध की पहुंच और उपयोग को सार्वभौमिक बनाने के लिए व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) स्थापित करना, काजल जैन, सीएचआरआई, भारत, 3 साल, 2018-2021, 18,31,600 रु और सीएलएमसी के लिए उपकरण

6. उपचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्रीय शिक्षण मंच को बनाए रखने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, प्रो अशोक देवरारी, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2020-2021, 34,44,000 रुपये।

7. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में रोग जीव विज्ञान और जीवाणु सेप्सिस के निदान को समझना: एक बहु-केंद्र अध्ययन, प्रो. रमेश अग्रवाल, डीबीटी, भारत, 5 साल, 2015-2020, 2,09,12,624 रु।

8. मां और नवजात शिशु की प्रसवोत्तर देखभाल पर डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश, एम जीवा शंकर, डब्ल्यूएचओ, 4 महीने, 2019-2020, 714900 रुपये।

वृक्कविज्ञान

1. बच्चों में एंटी-पूरक कारक एच (एफएच) से जुड़े हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम (एचयूएस): प्रतिरक्षाविज्ञानी और आनुवंशिक आधार, और ऑटोएंटीबॉडी के कार्यात्मक लक्षण का वर्णन, अदिति सिन्हा, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 68,21,200 रुपये।

तंत्रिका विज्ञान

1. श्वसन संबंधी लक्षणों के साथ रिट सिंड्रोम के रोगियों में सरिजोटन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित छह महीने का अध्ययन, शेफाली गुलाटी (साइट पीआई), न्यूरॉन फार्मास्यूटिकल्स, इटली, 2 साल, 2017- 2020, 42 लाख रू.।

2. सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज- 9: न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस में कैल्सीफिकेशन और मिरगी का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित बायोमार्कर; एक अनुदैर्ध्य अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ बिस्वरूप चक्रवर्ती, एम्स आईआरजी, 2 साल, 2017-2020, 5 लाख रू.

3. सीरम एसआईसीएएम5 और एमपी9/टीआईएमपी1 का अनुपात: स्लीप (ईएसईएस) सिंड्रोम में इलेक्ट्रिकल स्थिति के साथ एन्सेफैलोपैथी वाले बच्चों में रोग की गतिविधि के संभावित अनुमानकर्ता, डॉ प्रशांत जौहरी, इंट्राम्यूरल (संस्थान अनुसंधान अनुदान, एम्स, नई दिल्ली), 2 साल, 2017-2020, 5 लाख रू.।

अर्बुदविज्ञान

1. बचपन में एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (*एएलएल)* में आणविक परिवर्तन: फैक्टर-2 (*सीआरएलएफ 2)* पुनर्व्यवस्था और जानूस *किनासे* (जेएके) उत्परिवर्तन की तरह साइटोकाइन रिसेप्टर की भूमिका, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 साल, 2015-2019, 38,00,00 रुपये।

2. पीडियाट्रिक एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (एएमएल) के मरीजों में जीन कॉपी नंबर वेरिएशन और म्यूटेशन प्रोफाइल का आणवि□क मूल्यांकन और प्रोग्नोसिस बीमारी के साथ इसका संबंध, जगदीश प्रसाद मीणा, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 10,0000रु।

फुप्फुसीय चिकित्सा और गहन देखभाल

1. सेप्टिक शॉक में प्रारंभिक द्रव का पुनर्जीवन में संतुलित नमक बनाम सामान्य खारापन, झूमा शंकर, डीएसटी, 3, 2017-2019 (2020 अप्रैल में पूर्ण), 71 लाख रुपये।

2. भारत में डेंगू वायरस का संक्रमण, प्रो. राकेश लोढ़ा, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 14-08-2015-31-01-2021, 99,00,000रु.।
3. गंभीर उपचार चिकित्सा में भविष्यवाणी और सटीकता के लिए अनुदैर्ध्य बिग-डेटा माइनिंग, राकेश लोढ़ा, डीएसटी, 2 साल, 5 मार्च 2018-4 सितंबर 2020, 35,74,668 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

अंतःस्राविकी

1. स्वस्थ शिशुओं में जन्म से लेकर 6 महीने तक मोटापे में वृद्धि, और 2 साल की उम्र में सीरम इंसुलिन, आईजीएफ-1 और एडिपोनेक्टिन पर इसका प्रभाव।
2. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले बच्चों में शारीरिक गतिविधि और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर कोविड-19 प्रतिबंधों का प्रभाव।
3. भारत में असामान्य जननांग के साथ पैदा हुए बच्चों के माता-पिता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव।
4. बॉडी मास इंडेक्स को कम करने और अधिक वजन / मोटापे वाले स्कूली बच्चों के बीच स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन-आधारित इंटरवेंशन: एक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
5. इडियोपैथिक छोटे कद वाले भारतीय बच्चों में अनुमानित वयस्क ऊंचाई अनुमान विधियों की वैधता।
6. टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले बच्चों और किशोरों में विटामिन डी सप्लीमेंटेशन और ग्लाइसेमिक की स्थिति: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

जठरांत्ररोग विज्ञान

1. गैस्ट्रोओसोफेगल वैरिस के लिए एक गैर-इनवेसिव अनुमान करने वाला मॉडल तैयार करना।
2. भारतीय बच्चों में पीआईबीडी में प्रभाव II की वैधता।

आनुवंशिकी

1. जीनोमिक दृष्टिकोण का उपयोग कर जन्मजात अंग दोषों के नैदानिक और आणविक लक्षण का वर्णन।
2. अनैच्छिक कंकाल डिसप्लेसिया की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और आणविक रूपरेखा।
3. 6 महीने-18 वर्ष की आयु के एमपीएस। और एमपीएस II के साथ ईआरटी सरल स्वभाव वाले रोगियों के सीरम में संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्राइसेकेराइड बीएम-652 का मूल्यांकन।
4. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों के सीरम में एम्आईआरएनए 132 एक्सप्रेशन: विकासात्मक देरी की गंभीरता का एक संभावित मार्कर।
5. नूनन सिंड्रोम वाले रोगियों में सामान्य स्वप्रतिरक्षी विकारों के लिए ऑटोएंटीबॉडी की व्यापकता और पीटीपीएन11 वेरिएंट के साथ उनका संबंध।
6. गहन देखभाल इकाई में गंभीर रूप से बीमार बच्चों में रैपिड ट्रायो होल एक्सोम सीक्वेंसिंग की उपयोगिता।

नवजात विज्ञान

1. समय-पूर्व जन्मे नवजात शिशुओं में त्वचा कीटाणुशोधन के लिए 1% जलीय क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट के अनुप्रयोग के दो अलग-अलग तरीकों के बाद एंटीसेप्टिक प्रभावकारिता और प्लाज्मा क्लोरहेक्सिडिन स्तर: एक ब्लाइंडेड, समानांतर समूह, परीक्षण।
2. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती सेप्सिस पीडित नवजात शिशुओं में बहु-दवा प्रतिरोध की शीघ्र पहचान के लिए मशीन लर्निंग पर आधारित अनुमान मॉडल का विकास और सत्यापन।
3. ब्रॉकोंपल्मोनरी डिसप्लेसिया वाले समय-पूर्व जन्मे शिशुओं (<32 सप्ताह के गर्भ) में सही उम्र के पहले 6 महीने तक श्वसन संबंधी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) संक्रमण की घटना: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।
4. भारत में एक तृतीयक अस्पताल में कोविड 19 संक्रमण के लम्बवत संचरण की घटना - एक संभावित अध्ययन।
5. प्रीमैच्योरिटी स्क्रीनिंग के रेटिनोपैथी से गुजरने वाले समय-पूर्व जन्मे शिशुओं में प्रक्रिया पश्चात दर्द: एक वर्णनात्मक अध्ययन।
6. बहुत ही अपरिपक्व नवजात शिशुओं में कैफीन थेरेपी की विफलता के जोखिम के कारक: एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन।
7. 28 से 33 सप्ताह के गर्भकाल के 'स्थिर प्रीटरम नियोनेट्स' की देखभाल के प्रारंभिक संक्रमण की सुरक्षा और व्यवहार्यता 'मोटे तौर पर प्रदाता संचालित' से 'मोटे तौर पर माता संचालित' सेटअप (स्टेप-डाउन एनआईसीयू से प्रसवोत्तर वार्ड) तक: एक सिंगल आर्म इंटरवेंशनल स्टडी।
8. गर्भनाल के ब्लड कल्चर समय-पूर्व जन्मे और समय पर जन्मे शिशुओं में सकारात्मकता - संभावित कोहोर्ट अध्ययन।
9. भारत में समय-पूर्व जन्मे शिशुओं में ब्रॉकोंपल्मोनरी डिसप्लेसिया अनुमान के लिए तीन नैदानिक पूर्वानुमान स्कोर का सत्यापन - एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन।

वृक्कविज्ञान

1. प्रभावकारिता और एंटी-फैक्टर एच संबद्ध एटिपिकल एचयुएस में प्लाज्मा एक्सचेंज के संक्षिप्त प्रोटोकॉल की सुरक्षा।
2. 2 साल से अधिक के लिए कैल्सीनुरिन इनहिबिटर पर रख-रखाव किए गए स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में छूट को बनाए रखने में अंतःशिरा रीटक्सिमैब बनाम मौखिक माइकोफेनोलेट मोफेटिल की प्रभावकारिता: ओपन-लेबल गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. एकेआई के प्रारंभिक चरणों के साथ आईसीयू में भर्ती बच्चों में गंभीर गुर्दे की चोट (एकेआई) चरण 3 की प्रगति की भविष्यवाणी में फ़्यूरोसेमाइड तनाव का परीक्षण।
4. एनएस के साथ बच्चों में रीटक्सिमैब थेरेपी की दीर्घकालिक सुरक्षा: मानव एंटी-काइमरिक एंटीबॉडी, हाइपोगैमाग्लोबुलिनमिया और बीके और जेसी विरुरिया की व्यापकता।
5. प्राथमिक रीनल ट्यूबलर एसिडोसिस वाले रोगियों में मध्यम अवधि के परिणाम: क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन।

6. लेवमिसोल प्राप्त करने वाले नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एंटी-न्यूट्रोफिल साइटोप्लाज्मिक एंटीबॉडी की व्यापकता।
7. इडियोपैथिक स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी-टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज (टीटीजी) एंटीबॉडी की व्यापकता: एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनातमक अध्ययन।
8. गंभीर किडनी रोग वाले बच्चों में डिस्लिपिडेमिया के उपचार के लिए एटोरवास्टेटिन की अल्पकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा।

तंत्रिकाविज्ञान

जारी

1. इलाज के साथ बच्चों में हार्मोनल थेरेपी की प्रतिक्रिया के अनुमान का विश्लेषण क्यूईईजी, सीरम बायोमार्कर, एफएमआरआई और डीटीआई के साथ सामान्य वेस्ट सिंड्रोम: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
2. ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का उपयोग करने वाले गैर-मिरगी वाले स्वस्थ बच्चों की तुलना में 5 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में इलेक्ट्रिकल स्थिति एपिलेप्टिकस इन स्लीप (ईएसईएस) के साथ कॉर्टिकल एक्साइटेविलिटि।
3. 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर में नैदानिक और उपचार अंतर: एक अवलोकन अध्ययन।
4. सीएनएस तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रियाओं की घटना और पैटर्न का मूल्यांकन।
5. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के साथ 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों में कोर फंक्शन डेफिसिट में सुधार के लिए मानक चिकित्सा के सहायक के रूप में थीटा बर्स्ट ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंडेड, शैम नियंत्रित परीक्षण।
6. पांच दिन बनाम चौदह दिन के बच्चों और किशोरों में ओरल डेक्सामेथासोन (5-18 वर्ष की आयु) पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टिसर्कोसिस (5 घावों तक) वाले: एक खुला लेबल क्लस्टर यादृच्छिक श्रेष्ठता परीक्षण।
7. प्राथमिक मोनोसिम्प्टोमैटिक निशाचर एन्यूरिसिस के तंत्रिका के साथ सहसंबंध: एक स्वायत्त कार्य परीक्षण और पॉलीसोम्नोग्राफी-आधारित अध्ययन।
8. सीजर्स वाले बच्चों और किशोरों में इष्टतम ईईजी की अवधि: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
9. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित संरचित हस्तक्षेप कार्यक्रम का उपयोग करके डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट शिक्षण विकार वाले भारतीय स्कूल जाने वाले बच्चों का उपचार: एक अनुदैर्ध्य हस्तक्षेप अध्ययन।
10. 5-12 वर्ष की आयु के बच्चों में स्टेरॉयड प्रतिरोध / रिलेप्स्ड ईएसईएस में कम आवृत्ति दोहराव वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) थेरेपी का सिंगल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन।
11. कम से कम 6 महीने के लिए मौखिक स्टेरॉयड पर 5-18 वर्ष की आयु के डायस्ट्रोफिनोपैथी वाले बच्चों में नींद संबंधी श्वसन विकार: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।

अर्बुदविज्ञान

1. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचे लोगों में रोगग्रस्त एडिपोकिंस का मूल्यांकन।
2. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के साथ भारतीय बच्चों में प्रस्तुति और प्रेरण कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया में आईकेजेडएफ1 जीन परिवर्तन और साइटोकाइन रिसेप्टर लाइक फैक्टर 2 (सीआरएलएफ2) अभिव्यक्ति का सहयोग।
3. रेटिनोब्लास्टोमा में सीरम उत्तरजीवी स्तरों की नैदानिक उपयोगिता।
4. बाल चिकित्सा ज्वर न्यूट्रोपेनिया में अनुभवजन्य एंटी-फंगल थेरेपी का प्रारंभिक विघटन- एक यादृच्छिक व्यवहार्यता परीक्षण।
5. कीमोथेरेपी के बाद उच्च जोखिम वाले फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बच्चों में देखभाल के मानक के लिए विकिरणित बफ़ी कोट व्युत्पन्न ग्रैनुलोसाइट ट्रांसफ़्यूज़न को जोड़ने का प्रभाव - एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. सुरक्षा गहन कीमोथेरेपी प्राप्त कर रहे कैंसर से पीड़ित बच्चों में मौखिक म्यूकोसाइटिस की रोकथाम में जिंक की प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
7. हॉजकिन लिंफोमा सर्वाइवर्स में पल्मोनरी डिसफंक्शन।
8. कैंसर कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले और कम जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बच्चों के बीच प्रोकैल्सीटोनिन निर्देशित एंटीबायोटिक थेरेपी की सुरक्षा - एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण (प्रोफेनेकअध्ययन)
9. हॉजकिन लिंफोमा के साथ नव निदान बच्चों में " एफडीजी-पीईटी/ सीटीउपचार की समाप्ति " का महत्व - एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
10. उच्च खुराक मेथोट्रेक्सेट प्राप्त करने वाले तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले नव निदान बाल रोगियों में एक्यूट गुर्दे की चोट की घटना और जोखिम कारक।
11. बाल चिकित्सा एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उत्तरजीवी में मनोरोग रुग्णता और नींद की समस्या के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन करना।

फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग

1. द्रव अपवर्तक बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में पहली पंक्ति एजेंट के रूप में नोरेपेनेफ्रिन प्लस डोबुटामाइन की एक संयोजन चिकित्सा।
2. बाल चिकित्सा आबादी में गैस्ट्रो-एसोफेगल रिफ्लक्स और ऑब्सट्रक्टिव एडेनोइड या एडेनो-टॉन्सिलर हाइपरट्रॉफी के कारण संबंध पर एक प्रायोगिक अध्ययन।
3. बच्चों में खराब नियंत्रित अस्थमा के लिए एज़िथ्रोमाइसिन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में आक्रामक फंगल संक्रमण का बोझ।
5. गंभीर सेप्सिस वाले गंभीर रूप से बीमार बच्चों में थ्रोम्बोलास्टोग्राफी (टीईजी) द्वारा मूल्यांकन के अनुसार कोऑगुलेशन रोग।

6. यांत्रिक रूप से हवादार गंभीर रूप से बीमार बच्चों में प्रोटोकॉल आधारित निरंतर और आंतरायिक ट्यूब फीडिंग की तुलना - एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
7. बच्चों में कोविड-19 - रुग्णता और मृत्यु दर के लिए जोखिम कारक।
8. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले किशोरों में उपयोग की जाने वाली अवसाद और मुकाबला करने की रणनीतियाँ: एक खोजपूर्ण सर्वेक्षण।
9. युएसजी का उपयोग करके इंटुबैटेड रोगियों में सम्मिलन की इष्टतम गहराई का निर्धारण करना।
10. गंभीर रूप से बीमार बच्चों के लिए वजन आकलन उपकरण का विकास और सत्यापन जिनका वजन नहीं किया जा सकता है।
11. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में पैरेंट्रल न्यूट्रिशन की प्रारंभिक शुरुआत बनाम विलंबित शुरुआत।
12. किशोर इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में अकेले मानक चिकित्सा बनाम मानक चिकित्सा के अलावा पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावशीलता: एक डबल ब्लाइंडयादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. संक्रमित बच्चों में एचआईवी-1 उपप्रकार सी एनवेलप का मूल्यांकन।
14. गंभीर सेप्सिस वाले बच्चों के कार्यात्मक परिणाम।
15. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम।
16. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों में सिस्टिक फाइब्रोसिस संबंधित मधुमेह की व्यापकता और जोखिम कारक- एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
17. पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन और 1 →3 बीटा डी ग्लूकेन परख द्वारा वयस्कों और ब्रोन्किइक्टेसिस वाले बच्चों के प्रेरित थूक और ब्रोन्को-एल्वियोलर लैवेज फ्लूइड में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की व्यापकता ।
18. हॉजकिन लिंफोमा सर्वाइवर्स में पल्मोनरी डिसफंक्शन।
19. न्यूमोसिस्टिसजिरोवेसेली निमोनिया (पीजेपी) / न्यूमोसिस्टिस निमोनिया (पीसीपी) और रोग के परिणाम इसके प्रभाव के क्लिनिकली नैदानिक रोगियों के कोहोर्ट में जीवाणु संक्रमण के अध्ययन।
20. नैदानिक सुविधाओं, प्रयोगशाला परीक्षणों और हथेलियों की जलीय झुर्रियों का उपयोग करके संसाधन सीमित सेटिंग में सिस्टिक फाइब्रोसिस के निदान के लिए एल्गोरिदम विकसित करना।
21. 18 महीने से कम उम्र के बच्चों में पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (टाइडल ब्रीदिंग फ्लो वॉल्यूम लूप और राइज़्ड वॉल्यूम रैपिड थोरैसिक कम्प्रेशन) का मूल्यांकन करनाऔर ब्रोन्कोस्कोपिक निष्कर्षों के साथ इसे सहसंबंधित करना।

रुमेटोलॉजी

1. किशोर अज्ञातहेतुक गठिया वाले बच्चों (6-18 वर्ष की आयु) में असामान्य फेफड़े के कार्य परीक्षणों की व्यापकता का अनुमान लगाना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
2. जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस से पीड़ित बच्चों में आर्टिकुलर और एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर डैमेज की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

पूर्ण

अंतःस्राविकी

1. जन्म के समय और प्रारंभिक शैशवावस्था में वायु विस्थापन प्लेथिस्मोग्राफी द्वारा शरीर की संरचना: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन।

जठरांत्ररोग विज्ञान

1. सीलिएक रोग के गैर-इनवेसिव निदान में आईएफएबीपी की भूमिका।

आनुवंशिकी

1. एनएफ1 जीन में सूक्ष्म विलोपन की व्यापकता और न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 1 वाले रोगियों के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन।
2. 22क्यू11 लोकस पर खुराक संबंधी विसंगतियों की व्यापकता का अध्ययन करना और फेसियो-ऑरिकुलो-ओक्यूलर स्पेक्ट्रम विकारों के फेनोटाइपिक स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन करना।

नवजात विज्ञान

1. पोषणयुक्त स्तन दुग्धपान की तुलना में पोषकरहित स्तन दूध पिलाये जाने वाले जन्म के समय बहुत कम वजन (<1500 ग्राम) के शिशुओं के समय पूर्व जन्मे (28-34 सप्ताह) में शारीरिक संरचना (वसा युक्त वजन और वसा मुक्त वजन): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. जोखिम वाले नवजात शिशुओं में हाइपोग्लाइसीमिया का पता लगाने में दो बिंदु-देखभाल ग्लूकोज मीटर के प्रदर्शन की तुलना।
3. 1800 ग्राम से 2499 ग्राम वजन वाले नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए माताओं और परिवारों के लिए परामर्श पैकेज विकसित करना।
4. भारतीय नवजात शिशुओं में पेरिफेरली इंसर्टेड सेंट्रल कैथेटर (पीआईसीसी) की इंसर्शन लंबाई के लिए एक फॉर्मूला तैयार करना - एक संभावित प्रेक्षण अध्ययन।
5. समय पूर्व की रेटिनोपैथी का पता लगाने में अनुमान करने वाला एल्गोरिदम की नैदानिक सटीकता।
6. समयपूर्व नवजात शिशुओं (= 32 सप्ताह? गर्भावधि) में पूर्ण आंत्र फ़ीड तक पहुंचने के लिए दृश्य निरीक्षण आधारित पेट की निगरानी बनाम नियमित प्रीफीड पेट की परिधि की निगरानी का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. नवजात शिशुओं में त्वचा की एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट की तैयारी की प्रभावकारिता: एक गैर हीनता यादृच्छिक परीक्षण।
8. दक्षिण भारत में विशेष नवजात देखभाल एकक में उपचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए 'सुविधा-टीम संचालित' दृष्टिकोण के कार्यान्वयन की व्यवहार्यता, प्रभावशीलता और स्थिरता।

वृक्कविज्ञान

1. हेमोडायलिसिस पर रोगियों में शारीरिक संरचना की निगरानी।
2. बार-बार होने वाले नेफ्रोटिक सिंड्रोम के लिए अंतःस्रावी रीटुक्सीमैब बनाम टैक्रोलिमस की प्रभावकारिता और सुरक्षा।

3. गंभीर एक्यूट गुर्दे की चोट वाले गंभीर रूप से बीमार बच्चों में निरंतर कम दक्षता वाले डायलिसिस की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता।
4. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी-एफएच एंटीबॉडी का कार्यात्मक लक्षण।

तंत्रिकाविज्ञान

1. बचपन और किशोर फोकल शुरुआत दुर्दम्य मिर्गी में लक्षित कम आवृत्ति आरटीएमएस थेरेपी का एक यादृच्छिक शैम नियंत्रित परीक्षण।
2. देखभाल करने वालों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों में बचपन और किशोरावस्था में नींद के प्रति जागरूकता: एक समुदाय और अस्पताल आधारित सर्वेक्षण।
3. 2 से 18 वर्ष की आयु के बीच ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों और आमतौर पर विकासशील बच्चों के बीच ऑक्सीडेटिव बायोमार्कर की तुलना।
4. अच्छी तरह से नियंत्रित गैर-संक्रामक मिरगी वाले बच्चों और किशोरों में अनुभूति और व्यवहार का डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी के संबंध हैं: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
5. संवेदी प्रोफ़ाइल देखभालकर्ता प्रश्नावली 2 का उपयोग करके सेरेब्रल पाल्सी वाले 3-15 वर्ष की आयु के बच्चों में संवेदी प्रसंस्करण असामान्यताओं के प्रसार का अनुमान: एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन।
6. 5-18 वर्ष की आयु के हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में अपर लिंब के कार्य में सुधार में संशोधित बाधा प्रेरित मूवमेंट चिकित्सा के सहायक के रूप में लगातार किये जाने वाले ट्रांसक्रानियल स्टिम्युलेशन मैग्नेटिक का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

अर्बुदविज्ञान

1. 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी का उपयोग करके बाल चिकित्सा हॉजकिन लिंफोमा में अस्थि मज्जा की भागीदारी की विशेषता और ब्लाइंड अस्थि मज्जा बायोप्सी के साथ इसकी तुलना।
2. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों में चिकित्सा पर एक ऐड के रूप में ओलानज़ापाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा। एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित अध्ययन।
3. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में न्यूट्रोपेनिक एंटरोकोलाइटिस के परिणाम की घटना और निर्धारक।
4. कैंसर वाले बच्चों में गंभीर ओरल म्यूकोसाइटिस दर्द के उपचार में केटामाइन माउथवॉश बनाम प्लेसबो; एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण।
5. बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान रोगियों में कीमोथेरेपी के बाद ज्वर न्यूट्रोपेनिया की घटनाओं को कम करने में न्यूट्रोपेनिक आहार बनाम मानक भारतीय आहार: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग

1. उत्तर भारत में तृतीयक अस्पताल में विशेष क्लिनिक में भाग लेने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम पर एक अध्ययन।

2. एंटीबायोटिक दवाओं की पहली खुराक कमी सेप्टिक शॉक पीडित बच्चों में बढ़ती मृत्यु दर के साथ जुड़ा हुआ है।
3. गंभीर रूप से बीमार बच्चों के लिए वजन आकलन उपकरण का विकास और सत्यापन जिनका वजन नहीं किया जा सकता है।
4. मैकेनिकली वेंटिलेटेड बच्चों में बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडिटोमोडाइन बनाम मिडाज़ोलम: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
5. 6-15 वर्ष की आयु के अस्थमा पीड़ित बच्चों में व्यायाम प्रेरित ब्रोन्कोकन्सट्रिक्शन का पता लगाने के लिए विभिन्न इंपल्स ऑसिलोमेट्री मापदंडों के लिए कट ऑफ वैल्यू की स्थापना।
6. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र आंत की चोट का मूल्यांकन।
7. सेप्टिक शॉक पीड़ित बच्चों में नॉरपेनेफ्रिन बनाम एपिनेफ्रीन ।
8. गंभीर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) और सदमे वाले बच्चों में मृत्यु दर के जोखिम के कारक।
9. सेप्सिस प्रेरित मायोकार्डियल डिसफंक्शन के लिए जोखिम कारक।
10. बच्चों में अस्थमा नियंत्रण के मूल्यांकन में अत्यधिक संवेदनशील सी प्रतिक्रियाशील प्रोटीन की भूमिका का अध्ययन करना।
11. वायुमार्ग की विसंगतियों वाले बच्चों में शिशु फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण (आईपीएफटी) का अध्ययन करना और ब्रोंकोस्कोपी खोज के साथ इनका संबंध स्थापित करना।

रुमेटोलॉजी

किशोर इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में अकेले मानक चिकित्सा बनाम मानक चिकित्सा के अलावा पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावशीलता: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

अंतःस्राविकी

1. ग्रामीण हरियाणा में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी वाले एनीमिया प्रोफिलैक्सिस के लिए ओरल आयरन और फोलिक एसिड के साथ कई सूक्ष्म पोषक तत्वों के पूरक (लौह सहित) के प्रभावों की तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीसीएम।
2. भारत में टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस (टी1डीएम) रोगियों के बीच मधुमेह देखभाल और नैदानिक परिणामों के पालन में सुधार के लिए वयस्क प्रबंधन संक्रमण हस्तक्षेप के लिए एक संरचित बाल चिकित्सा की प्रभावशीलता ”- पाथवे परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी।
3. ग्रामीण एलएमआईसी सेटिंग्स में गर्भावस्था में एनीमिया के सुधार में उन्नत, व्यक्तिगत बनाम नियमित प्रसवपूर्व देखभाल- व्यापक एनीमिया कार्यक्रम और व्यक्तिगत उपचार (सीएपीपीटी) परियोजना, स्त्री रोग और प्रसूति।
4. आईसीएमआर यंग डायबिटीज रजिस्ट्री, अंत:स्राविकी।

आनुवंशिकी

1. "लेबर के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसिबो की तुलना में इबेडोन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन- एक प्रायोगिक अध्ययन", रा.प्र. केंद्र, एम्स नई दिल्ली।
2. भारत में सिस्टिक फाइब्रोसिस: व्यापकता, उत्परिवर्तन प्रोफाइल और रजिस्ट्री का विकास, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एसकेआईएमएस, एम्स जोधपुर।
3. ऑर्थोलॉगस सीआरआईएसपीईआर/सीएएस9 सिस्टम (एफएनसीएएस9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और रोग मॉडलिंग और इसके सुधार के लिए 3डी ऑर्गेनोइड्स की पीढ़ी में इसका अनुप्रयोग", आईजीआईबी, नई दिल्ली

नवजात विज्ञान

1. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के लिए आनुवंशिक मार्करों के एक सूचनात्मक, लागत प्रभावी और कुशल पैनल को विकसित करने, परीक्षण करने और इसे मान्य करने के लिए एक जीनोमिक सुविधा की स्थापना, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम इंडिया (एनएनएफआई) - इंडियन नियोनेटल कोलैबोरेटिव (आईएनसी)- कोविड-19 कोविड-19 रजिस्ट्री, नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम इंडिया।
3. गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण पर राष्ट्रीय रजिस्ट्री- तीन वर्षीय आईसीएमआर अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली; मानव प्रजनन केंद्रों (एचआरआरसी) के आईसीएमआर नेटवर्क में बहुकेंद्रीय अध्ययन।
4. भारत में नवजात शिशुओं में सेप्सिस से संबंधित मृत्यु दर: संदर्भ-विशिष्ट समाधानों के लिए एक बहु-विषयक, बहु-संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद; आईसीजीईबी, दिल्ली; एनआईआई; जेएनयू; आईजीआईबी; सीडीएसए; यूसीएमएस और जीटीबी; एसजेएच, दिल्ली; एलएचएमसी, दिल्ली।
5. कोविड-19 और गर्भावस्था के नैदानिक विशेषताओं और परिणामों पर साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण (स्कोप (एससीओपीई-गर्भावस्था में कोविड का-मानकीकरण), प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली डबल्यूएचओ भारत, (डब्ल्यूएचओ सीसी- एम्स नई दिल्ली, पीजीआई चंडीगढ़, एमजीआईएमएस सेवाग्राम, केएलई बेलगावी कर्नाटक और उनके संबंधित उपग्रह केंद्र)।

वृक्कविज्ञान

1. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम वाले बच्चों में संक्रामक और आनुवंशिक ट्रिगर, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड हेपेटोबिलियरी साइंसेज, दिल्ली।
2. पीडियाट्रिक रीनल बायोलॉजी प्रोग्राम: नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर रिसर्च, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली; ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, भारत सरकार, फरीदाबाद; अनुसंधान और रेफरल अस्पताल, नई दिल्ली; सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु; क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर।

3. वेसिकोरेटेरल रिफ्लक्स के साथ भारतीय बच्चों में आनुवंशिक विविधताओं का प्रायोगिक अध्ययन, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली।
4. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में गुर्दे के ट्यूबलर विकार वाले बच्चों में रजिस्ट्री और लक्षित एक्सोम अनुक्रमण की स्थापना।
5. हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम के गैर - दस्त और गैर-ऑटोइम्यून वाले रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण, जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

तंत्रिकाविज्ञान

1. "एपिलेप्सी केयर ऐप" के विकास पर एक अध्ययन और एम्स, नई दिल्ली में मिरगी की रिपोर्ट करने वाले बच्चों के माता-पिता के बीच इसकी उपयोगिता और संतुष्टि का मूल्यांकन", नर्सिंग कॉलेज।
2. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के निदान में डीएसएम IV टीआर और डीएसएम 5 की संवेदनशीलता और विशिष्टता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केन्द्रित, ओपन लेबल परीक्षण, भारत में 5 साइटें।
3. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों की देखभाल करने वालों और एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा न्यूरो ओपीडी में आम तौर पर विकासशील बच्चों के साथ चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने के लिए एक अध्ययन, एमएससी नर्सिंग।
4. क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण और इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज का रोगजनन, पैथोलॉजी।
5. डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्रविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
6. शुक्राणु एपिजेनोम पर उन्नत पितृ आयु और खराब जीवन शैली का प्रभाव: ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में संभावित एटियलजि, शरीररचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
7. जन्मजात हृदय दोषों के लिए शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे शिशुओं में न्यूरो विकासात्मक परिणाम-एक संभावित बहु-केंद्र कोहोर्ट अध्ययन। आईसीएमआर अध्ययन 2020 के बाद से, बाल चिकित्सा हृद् विज्ञान।
8. बच्चों में गंभीर मस्तिष्क आघात में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और रक्त मस्तिष्क बाधा का अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
9. 18 वर्ष तक के भारतीय बच्चों और किशोरों के समग्र मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए एक वेब आधारित मंच 'माई होल चाइल्ड'; बाल स्वास्थ्य और विकास इंटरएक्टिव सिस्टम', का उपयोग; एक तृतीयक केंद्र प्रायोगिक अध्ययन, चाडिस, यूएसए।

अर्बुदविज्ञान

1. एम्स, नई दिल्ली, में कीमोथेरेपी कराने वाले बच्चों में दर्द की धारणा, थकान और जीवन की गुणवत्ता पर योग हस्तक्षेप के प्रभाव की जांच करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन कॉलेज ऑफ नर्सिंग ।

2. भारतीय बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी समूह (इनपेओजी) के रिलैप्स्ड / रिफ्रैक्टरी हॉजकिन लिंफोमा के लिए सहयोगात्मक अध्ययन।
3. फ्लोराइड और अन्य भारी धातुओं के डेटाबेस का विकास; और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध बेबी फ़ूड सप्लीमेंट्स के लिए शुगर लेवल, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सीडीईआर)।
4. बाल चिकित्सा हेमटोलोजिक विकृतियों में फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया में इनवेसिव कवक रोग (आईएफडी) के निदान में एंटिफंगल स्किन्टिग्राफी की नैदानिक सटीकता, 2020-2021, विकिरण विज्ञान।
5. भारतीय बाल चिकित्सा पीएच-लाइक एएलएल, लैब ऑन्कोलॉजी में नॉवेल ड्राइविंग टाइरोसिन किनेसेस की पहचान।
6. न्यूरोब्लास्टोमा, न्यूक्लियर मेडिसिन में 18एफ-डीओपीए पीईटी/सीटी और 131आई-एमआईबीजी स्किन्टिग्राफी की भूमिका की तुलना करने के लिए संभावित अध्ययन।
7. बाल चिकित्सा लैंगरहैंस सेल हिस्टियोसाइटोसिस, परमाणु चिकित्सा में प्रारंभिक कीमोथैरेपी प्रतिक्रिया के आकलन में एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका।

फुप्फुसीय चिकित्सा और गहन उपचार

1. एचआईवी-1 संक्रमित बच्चों में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं पर एआरटी की प्रारंभिक शुरुआत के प्रभाव का एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, जैव रसायन विभाग।
2. पांच साल से कम उम्र के बच्चों में आरएसवी रोग की रोकथाम के लिए बायोमेडिकल इंटरवेंशन को आगे बढ़ाना: इंडिया केस स्टडी, सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
3. भारत में एचआईवी-1 संक्रमित बच्चों में एंटीरेट्रोवायरल दवा प्रतिरोध का मूल्यांकन करने के लिए नॉवेल फेनोटाइपिक परख का विकास, जैव रसायन विभाग।
4. जन्म के समय एचआईवी-1 संक्रमण वाले बच्चों से स्यूडोवायरस का निर्माण और लक्षण का वर्णन, जैव रसायन विभाग।

पूर्ण

अंतःस्राविकी

1. बाल यौन शोषण: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और एक मनोवैज्ञानिक आघात हस्तक्षेप, मनोचिकित्सा।
2. हाइपरिन्सुलिनमिक हाइपोग्लाइसीमिया के साथ बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में एफ-डोपा पीईटी-सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा।

आनुवंशिकी

1. बहु-केन्द्रित इंडी-क्लफ्ट टास्क फोर्स परियोजना, सीडीईआर, एम्स।

नवजात विज्ञान

1. अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में रोग जीव विज्ञान और जीवाणु सेप्सिस के निदान को समझना: एक बहु-केंद्र अध्ययन, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद और एनसीबीएस, बेंगलुरु।

वृक्कविज्ञान

1. बच्चों में एंटी-पूरक कारक एच (एफएच) से जुड़े हेमोलिटिक यूरीमिक सिंड्रोम (एचयूएस): प्रतिरक्षाविज्ञानी और आनुवंशिक आधार, और स्वप्रतिपिंडों के कार्यात्मक लक्षण वर्णन, जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

तंत्रिकाविज्ञान

1. पारंपरिक रेडियोथेरेपी अलोन बनाम डिफ्यूज आंतरिक पोंटीन ग्लियोमा रोगियों में समवर्ती और एडजुवेंट टेम्पज़ोलोमाइड के साथ हाइपोफ्रैक्टेड रेडियोथेरेपी का तुलना करते हुए एक चरण 2 डबल आर्म यादृच्छिक परीक्षण, रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार में कॉर्टिकल स्रोत और कनेक्टिविटी: एक क्यूईईजी अध्ययन, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
3. किशोरों और वयस्कों में ड्रग रेजिस्टेंस मिर्गी के साथ संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) वाले बच्चों में भावना पहचानने की क्षमता और सामाजिक अनुकूली व्यवहार: व्यवहार और फेनोटाइपिक लिंकेज का एक अध्ययन, पीएचडी आईआईटी कानपुर।
5. ओपन हार्ट सर्जरी, बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी के बाद सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में तंत्रिका विकास का परिणाम।

अर्बुदविज्ञान

1. एफ18 एफडीजी पीईटी/सीटी, न्यूक्लियर मेडिसिन पर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके उच्च ग्रेड लिंफोमा का अंतरिम मूल्यांकन प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।
2. अपरिपक्व टी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के आणविक जीव विज्ञान, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान।

फुप्फुसीय चिकित्सा

1. भविष्य के इम्युनोजेन डिजाइन के लिए तटस्थ निर्धारकों की पहचान की दिशा में एचआईवी-1 सी काइमेरिक एन्वेलॉप का निर्माण और लक्षण का वर्णन, जैव रसायन विभाग।

रुमेटोलॉजी

1. किशोर इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में कार्यात्मक अक्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और उनके जीवन की गुणवत्ता और देखभाल करने वालों के बोझ के साथ संबंध, पीएमआर विभाग।
2. किशोर इडियोपैथिक गठिया, रेडियो-निदान में प्रतिक्रिया मूल्यांकन में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड (सीईयूएस) और पूरे शरीर में एमआरआई की उपयोगिता।

प्रकाशन

पत्रिका: 188 सार: 34 पुस्तकों में अध्याय: 3 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

रोगी उपचार

सेवाओं के नाम	*नए मामले*	*पुराने मामले*	*टेलीपरामर्श*	*कुल उपस्थिति*
बालचिकित्सा सामान्य ओपीडी	7670	16565	19540	43775
बालचिकित्सा तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक (पीएनसी)	57	124	33	214
बालचिकित्सा न्यूरोमस्कुलर रोग	32	42	3	77
बालचिकित्सा जठरांत्ररोग हेपेटोलॉजी और पोषण (पीजीसी)	26	58	7	91
पीडियाट्रिक स्वस्थ शिशु क्लिनिक	13	2	2	17
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नियोनेटोलॉजी क्लिनिक (एचआरसी)	53	76	10	139
बाल चिकित्सा रेनल नेफ्रोलॉजी क्लिनिक (आरएमसी)	10	79	13	102
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लिनिक (पीसीसी)	32	198	3	233
बाल चिकित्सा क्षय रोग (ट्यूबरक्लोसिस) क्लिनिक	28	48	2	78
बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी क्लिनिक (पीआरसी)	48	108	15	171
बाल चिकित्सा आनुवंशिकी और जन्म दोष क्लिनिक	1 1	3		14
बाल चिकित्सा आनुवंशिक प्रसवपूर्व मामले	10	10	2	22
बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	42	60	1	103
पीडियाट्रिक कैंसर सर्वाइवर्स क्लिनिक (पीसीएससी)	32	78	3	113
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी और चयापचय क्लिनिक (पीईसी)	3	32	2	37
बाल विकास क्लिनिक (सीडीसी)		2	4	6
न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस क्लिनिक (एनसीसी)			6	6
ऑटिज्म क्लिनिक			5	5
बाल चिकित्सा मनोविज्ञान क्लिनिक	22	14		36
कुल योग	**8089**	**17499**	**19651**	**45239**

इसके अलावा, पीडियाट्रिक चेस्ट क्लिनिक में सिस्टिक फाइब्रोसिस और पीडियाट्रिक एचआईवी सेवाएं प्रदान की गईं।

कंगारू मदर केयर इकाइयाँ सामान्य और जोखिम वाले नवजात शिशुओं की फॉलोअप सेवाओं के साथ चलती थीं।

विभिन्न क्लीनिकों (न्यूरोलॉजी, मायोपैथी, जेनेटिक्स, हाई रिस्क, एंडोरिनोलॉजी, डेवलपमेंट, चेस्ट, रुमेटोलॉजी) और सामान्य ओपीडी सेवाओं की तलाश में रोगियों को **फिजियोथेरेपी सेवाएं** प्रदान की गईं। 2020-2021 के दौरान प्रदान किए गए कुल फिजियोथेरेपी सत्र: 2300

कुल आहार संबंधी परामर्श: बाह्य रोगियों में 1014 और वार्डों में 1686

आंतरिक सेवाएं

- आंतरिक सेवाओं में सामान्य वार्डों में भर्ती की सुविधाएं, दिवस उपचार सुविधा, नवजात इकाइयां (एनआईसीयू ए और बी), कंगारू मदर केयर यूनिट और बाल चिकित्सा गहन देखभाल सुविधा शामिल हैं।
- बच्चों के वार्ड में जीवन-रक्षक और अन्य विशेष जरूरतों को पूरा करने वाले रोगियों लिए विभाग के पास 8 बिस्तरों वाली **उच्च निर्भरता एकक (हाई डिपेंडेंसी यूनिट)** है।
- छोटी प्रक्रियाओं या हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले बच्चों को सी5 वार्ड में स्थित दिवस उपचार एकक में एक दिन के लिए भर्ती किया जाता है।

कुल अंत: दाखिले

बाल चिकित्सा वार्डों में लंबा समय के लिए भर्ती : 2219

डे केयर सुविधा के लिए भर्ती: 10

एनआईसीयू ए + बी में भर्ती : 612

विशिष्ट परीक्षण

अंतःस्राविकी

1. पीईएपीओडी द्वारा शारीरिक संरचना विश्लेषण: 487
2. ईसीएलआईए परीक्षण: 977
   क) मानव विकास हार्मोन: 277
   ख) इंसुलिन: 100
   ग) प्रोकैल्सीटोनिन: 600

जठरांत्ररोग विज्ञान

एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं: 500

आनुवंशिकी

प्रयोगशाला परीक्षण

साइटोजेनेटिक्स लैब

1. परिधीय रक्त और गर्भनाल ब्लड कल्चर 303

2.	एमनियोटिक द्रव कल्चर	116
3.	कोरियोनिक विली कल्चर	23
4.	क्यूएफ-पीसीआर	255

आणविक प्रयोगशाला

नियमित परीक्षण किए गए

1. बीटा थैलेसीमिया (βथाल) उत्परिवर्तन विश्लेषण -34 मामले।
   β थाल हेतु प्रसव पूर्व निदान-33 परिवार।
2. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) उत्परिवर्तन विश्लेषण - 47 मामलें।
   एसएमए के लिए प्रसव पूर्व निदान -11 परिवारों को।
3. डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) उत्परिवर्तन विश्लेषण - 110 परिवार।
4. डीएमडी के लिए प्रसव पूर्व निदान -10 परिवारों को।
5. फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग-59 परिवार।
6. सिस्टिक फाइब्रोसिस आणविक विश्लेषण -50 मामले।
   सिस्टिक फाइब्रोसिस के लिए प्रसव पूर्व निदान -03 परिवारों को ।
7. अचोंड्रोप्लासिया उत्परिवर्तन विश्लेषण-06 मामले।
8. गैर-सिंड्रोमिक श्रवण हानि (कनेक्सिन 26) स्क्रीनिंग-11 मामले
9. 08 मामलों में सेक्स क्रोमैटिन संबंधी असामान्यताएं
10. आरईटीटी सिंड्रोम विश्लेषण-06 मामलों में किया गया
    आरईटीटी सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान-03 परिवार
11. एपीईआरटी सिंड्रोम आणविक विश्लेषण-05 मामलों में किया गया
12. एलएसडी (गौचर सिंड्रोम) के लिए आणविक विश्लेषण-08 मामलों में किया गया
    गौचर सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान की पेशकश-01 परिवार
13. वॉन हिप्पेल-लिंडौ सिंड्रोम के लिए आणविक विश्लेषण-06 मामलों में किया गया
14. मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिस टाइप 2 के लिए आणविक विश्लेषण-02 मामलों में किया गया

अनुसंधान के आधार पर किए गए परीक्षण

1. बीएलयू सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01 परिवार
2. माइटोकॉन्ड्रियल उत्परिवर्तन विश्लेषण के लिए प्रसवपूर्व निदान- 01 केस
3. एमपीएस (एमपीएस-I) के लिए प्रसव पूर्व निदान - 02 परिवार
4. क्रैब्स रोग के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01 परिवार
5. गौचर रोग के लिए प्रसव पूर्व निदान- 01 परिवार
6. एमपीएस IV -01 परिवार के लिए प्रसवपूर्व निदान
7. एमएलडी-01 परिवार के लिए प्रसव पूर्व निदान
8. एसआरडी5ए2 जीन के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01

बायोकेमिकल जेनेटिक्स लैब

प्रसवपूर्व जांच: 411

1) ट्रिपल मार्कर - 40
2) डुअल मार्कर - 371

चयापचय की जन्मजात त्रुटि के लिए एंजाइम परख: 310 (चिटोट्रियोसिडेज़ सहित)

1) गौचर रोग- 29
2) नीमन पिक डिजीज-29
3) हर्लर (एमपीएस-I)-08
4) हंटर (एमपीएस-II)-07
5) सैनफिलिपो (एमपीएस III बी, सी, डी) -09
6) मोर्क्विओ ए (एमपीएस-आईवीए) - 07
7) मॉर्कियो बी (एमपीएस-IV बी)-05
8) जीएम1 गैंग्लियोसिडोसिस- 19
9) मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी -11
10 एमपीएस-VI-02
11) मैरोटॉक्स- लैमी सिंड्रोम (एमपीएस VII) - 02
12) ताई-सैक्स-12
13) सैंडऑफ रोग-04
14) क्रैब्स -12
15) सेरॉइड लिपोफ्यूसिनोसिस- 15
16) पोम्पे- 14
17) बायोटिनिडेस की कमी- 30
18) गैलेक्टोसिमिया-42
19) फेब्री-03

एलएसडी के लिए बायोमार्कर

1) चिटोट्रियोसिडेज़- 45
2) मूत्र संबंधी जीएजी- 37

लाइसोसोमल भंडारण विकारों का प्रसवपूर्व निदान

1) गैर-प्रतिरक्षा हाइड्रोप्स - 04
2) एमएलडी-02
3) अन्य -6 (जीएम1, एमपीएस1, जीएयुसीएचईआर, एमपीएसआईवीए, एमपीएसII, एमपीएस IIIबी)

चयापचय के छोटे अणु जन्मजात त्रुटियां

1) रक्त अमोनिया- 265
2) टीएलसी- 41
3) एचपीएलसी - 92

मूत्र रासायनिक परीक्षण

1) छोटे अणु - 29
2) बड़े अणु (एमपीएस, ओलिगोसेकेराइड) - 8

नवजात विज्ञान

आक्रामक रक्तचाप की निगरानी: 110

लक्षित नवजात इकोकार्डियोग्राफी : 145

लक्षित नवजात अल्ट्रासोनोग्राफी:140

उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन: 34

इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड: 14

कुल पैरेंट्रल पोषण: 94

एएबीआर: 180

चिकित्सीय हाइपोथर्मिया:7

धमनी रक्त गैस विश्लेषण: 350

ग्लूकोज अनुमान का देखभाल बिंदु: 800

हेमेटोक्रिट: 400

कुल सीरम बिलीरुबिन: 300

ग्राम स्टैनिंग: 300

आरओपी जांच : 390

लेजर थेरेपी: 5

ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबिन: 600

इंट्राविट्रियल बेवाकिज़ुमैब: 3

वृक्कविज्ञान

बच्चों में गुर्दे के प्रत्यारोपण	2
हीमोडायलिसिस	1066
एक्यूट या पुरानी पेरिटोनियल डायलिसिस (स्वचालित सहित)	91
प्लास्मफेरेसिस सत्र	252
निरंतर गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी; सतत सह-दक्षता डायलिसिस	1; 6
अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक गले, फेमोरल)	32
गुर्दे की बायोप्सी	114
एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग	52
मॉनिटर किए गए इन्फ्यूजन (एल्ब्यूमिन, साइक्लोफॉस्फेमाइड, रीटक्सिमैब)	500
कारक एच के पूरक के लिए एंटीबॉडी के लिए एलिसा; बी	336; 409
सतह सीडी 46 एक्सप्रेशन	22

तंत्रिकाविज्ञान

1) ईईजी -105, वीडियो ईईजी -112, एम्बुलेटरी ईईजी 132 - (कुल ईईजी -349)
2) एनसीएस और ईएमजी -21
3) डायग्नोस्टिक टीएमएस- 27, चिकित्सीय टीएमएस- 1
4) आरएनएटी - 04
5) पीएसजी - 06
6) दिवस उपचार प्रक्रियाएं: लम्बर पंचर - 30, स्किन बायोप्सी -02, नर्व बायोप्सी -2, मसल बायोप्सी - 15
7) एसआईपीएचएपी (स्पिनरजा इंडिबिजुअल पेशेंट ह्यूमैनिटरियन एक्सेस प्रोग्राम) के तहत स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी रोगियों के लिए स्पिनरजा उपचार
   एसएमए रोगियों को दी जाने वाली लोडिंग खुराक (पाक्षिक रूप से 4 खुराक): 12 रोगी

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक परीक्षण	
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू के लिए, कॉक्लियर इम्प्लांट)	180 (64)
विकासात्मक प्रोफ़ाइल 3	95
बचपन व्यवहार चेकलिस्ट	160
भारतीय बच्चों के लिए मालिन का बुद्धिमत्ता पैमाना	245
बच्चों के लिए वेक्स्लर इंटेलिजेंस स्केल	07
हाउस ट्री पर्सन टेस्ट	75
भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक पैमाना (डीएएसआईआई)	214
संवेदी प्रोफ़ाइल 2	00
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए डीएसएम-5	155
बचपन ऑटिज़्म रेटिंग स्केल	06
एएसडी के लिए आईएनसीएलईएन टूल	85
एएसडी के लिए आईएसएए उपकरण	85
ध्यान आभाव अतिसक्रियता विकार के लिए डीएसएम-5	25
एडीएचडी के लिए कॉनर का रेटिंग पैमाना	21
ग्रेड स्तर आकलन उपकरण	44
लर्निंग डिसऑर्डर के लिए निमहंस बैटरी	52
इंटरवेंशन और परामर्श	
कुल मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन	
प्रारंभिक उत्तेजना चिकित्सा	260
व्यवहार हस्तक्षेप	240
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग कर मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन	85
निशाचर एन्यूरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	18

टिक विकार के लिए परामर्श	04
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	130
वार्ड में अभिभावकों की काउंसलिंग	62
इमरजेंसी में माता-पिता की काउंसलिंग	12
प्रमाणीकरण	
विकलांगता प्रमाणीकरण	
प्रमाणीकरण के लिए मरीजों का मूल्यांकन किया गया	**116**

अर्बुदविज्ञान

क्रमांक	***परीक्षण***	***नंबर***
1	प्रो बीएनपी	175
3	यूरिक अम्ल	144
4	एसजीओटी	84
5	एसजीपीटी	84
6	फॉस्फेट	24
7	मैग्नीशियम	144
8	बिलीरुबिन (प्रत्यक्ष)	60
9	बिलीरुबिन (कुल)	60
10	ट्रोपोनिन-आई	175
11	कुल प्रोटीन	24
12	एल्बुमिन	24
13	क्रिएटिनिन	24
14	यूरिया	24
15	पोटैशियम	24
16	एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए फ्लोसाइटोमेट्री और एमआरडी आकलन	100
17	हेमोग्राम आई क्रिटिकल केयर लैब	4000
18.	अस्थि मज्जा	700
19.	सीएसएफ/आईटीएम	1100
20.	बायोप्सी	600
21.	पीआरपी/पीआरबीसी आधान	1200

फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग

1.	हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपी:	10
2.	नाक ब्रश से ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी:	15
3.	पीसीडी के लिए उत्परिवर्तन	10
4.	पसीना क्लोराइड आकलन:	120
5.	बाल चिकित्सा लचीली ब्रोंकोस्कोपी	102
6.	ईबीयुएस (एंडोब्रांकियल अल्ट्रासाउंड)	10
7.	स्पिरोमेट्री	340
8.	शिशु पीएफटी	120
9.	प्लेथिस्मोग्राफी	2
10.	इंपल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस)	200
11.	नाइट्रिक ऑक्साइड (फेरस नाइट्रिक ऑक्साइड) का भिन्नात्मक उत्सर्जन	65
12.	नाक नाइट्रिक ऑक्साइड (नाइट्रिक ऑक्साइड)	43
13.	कुल और विशिष्ट आईजीई	43
14.	एस्परगिलस के खिलाफ विशिष्ट आईजीई	30
15.	एस्पिगिलस के खिलाफ विशिष्ट आईजीजी	30
16.	मसूर के खिलाफ विशिष्ट आईजीजी	6
17.	एवियन एंटीजन के खिलाफ विशिष्ट आईजीजी	6
18.	व्यायाम परीक्षण	5
19.	24 घंटे एसोफैगल पीएच अध्ययन	2
20.	क्रायो फेफड़े की बायोप्सी	1

रुमेटोलॉजी

रुमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से संक्रमणकालीन देखभाल सेवाएं (वयस्क देखभाल में स्थानांतरित): 01

इंट्रा-आर्टिकुलर स्टेरॉयड (आईएसीएस) प्रशासन और युएसजी निर्देशित आईएसीएस: 120

- जोड़ों में दिए गये इंजेक्शन: 279
- यूएसजी निर्देशित आईएसीएस इंजेक्शन: 14
- डायग्नोस्टिक आर्थ्रोसेंटेसिस: 06
- नैदानिक त्वचा बायोप्सी: 03

विभिन्न आमवाती विकार के लिए जैविक एजेंटों का प्रशासन : 55

श्री डी. यादव (एमएसएसओ)

रोगी कल्याण और लाभ के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्राप्त धनराशि

मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ)	6,00,000
अस्पताल गरीब निधि (एचपीएफ)	58 750
आरएएन अम्ब्रेला स्कीम	1,69,07,202
प्रधान मंत्री राहत कोष (पीएमआरएफ)	900000
ईएसआई	10,00,000
अन्य स्रोत	60,000
कुल राशि	1,95,25,952 रू.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

अंतःस्राविकी

डॉ अस्मा शाहीन ताक ने स्वस्थ नवजात शिशुओं की शारीरिक संरचना पर एमडी थीसिस के लिए दिल्ली आईएपी वार्षिक दिवस में डॉ सरला वैष्णव पुरस्कार जीता (मुख्य गाइड: प्रोफेसर वंदना जैन)

आनुवंशिकी

प्रोफेसर मधुलिका काबरा को रेयर डिजीज इंटरनेशनल कोलैबोरेटिव ग्लोबल नेटवर्क (आरडीआई/ डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों के पैनल के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; जीन थेरेपी सलाहकार और मूल्यांकन समिति (जीटीएईसी) आईसीएमआर के सदस्य रूप में मनोनीत; जीटीएईसी के तहत एक्सॉन स्किपिंग के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; साक्ष्य आधारित दिशा-निर्देशों के लिए वैज्ञानिक साहित्य से विभिन्न परिस्थितियों में स्टेम सेल के उपयोग के नैदानिक अनुसंधान डेटा की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य रूप में नामित; स्वास्थ्य जीनोमिक्स पर राष्ट्रीय मिशन के सदस्य के रूप में मनोनीत- डीबीटी; राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) के सदस्य के रूप में मनोनीत; इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी, फैकल्टी ऑफ इंटर-डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दक्षिण कैंपस के सदस्य के रूप में मनोनीत।

डॉ नीरजा गुप्ता को 8वें डॉ. आईसी वर्मा एक्सीलेंस इन रिसर्च अवार्ड फॉर यंग पीडियाट्रिशियन 2020 से सम्मानित किया गया था; रेयर डिजीज इंटरनेशनल डब्ल्यूएचओ सहयोगात्मक ग्लोबल नेटवर्क (आरडीआई / डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों के पैनल के सदस्य के रूप में नामित थे।

नवजात विज्ञान

डॉ एम जीवा शंकर को एकल कैलेंडर वर्ष, 2019 में उद्धरणों के लिए डेटा का उपयोग करते हुए उसके समग्र संकेतक की रैंकिंग के आधार पर सभी वैज्ञानिक क्षेत्रों में 150,000 सबसे अधिक उद्धृत लेखकों के हाल ही में संकलित वैश्विक डेटाबेस में चित्रित किया गया था; देश के स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम, "बायोमेडिकल रिसर्च में मौलिक पाठ्यक्रम" के

समन्वयक; भारतीय चिकित्सा परिषद के अधिक्रमण में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम और एनआईई, आईसीएमआर द्वारा संचालित; मातृ एवं बाल स्वास्थ्य-विकास और रोग जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) के सदस्य; अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बीआईआरएसी-डीबीटी-बीएमजीएफ ग्रैंड चैलेंज इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) के विशेषज्ञ और सदस्य; 'क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू)', एम्स, नई दिल्ली की कार्य समिति के सदस्य, जो संस्थान में नैदानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन और सेवाएं प्रदान करेगा; बाल स्वास्थ्य पर अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत 'प्रथम स्तरीय स्क्रीनिंग समिति' के सदस्य; मातृ और प्रसवकालीन स्वास्थ्य में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) के सदस्य; बीआईआरएसी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित ज्ञान एकीकरण और रूपांतरण (केएनआईटी) प्लेटफॉर्म के मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए केंद्रीय कोर समिति (सी3) के सदस्य; वाशिंगटन विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य मेट्रिक्स और मूल्यांकन (आईएचएमई) के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोगी 'रोगों, चोटों और जोखिम कारकों के वैश्विक बोझ (जीबीडी)' के लिए - दुनिया भर में महामारी विज्ञान के स्तर और बीमारी के बोझ के रुझानों को मापने का सबसे बड़ा प्रयास; एम्स, नई दिल्ली में 'नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फैलोशिप' पाठ्यक्रम के संचालन की देखरेख करने वाले तकनीकी समूह के सदस्य; 'एसटीजी विकास नियमावली' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास की सुविधा प्रदान करते हैं; 'एनएनएफ - क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइंस' के संपादकीय समूह के सदस्य; दिशा-निर्देशों को विकसित करने में मदद करने के लिए देश भर के हैण्ड-होल्डिंग नियोनेटोलॉजिस्ट में शामिल; "डब्ल्यूएचओ एक्शन (प्रीटर्म नवजात शिशुओं में परिणामों में सुधार के लिए प्रसवपूर्व कॉर्टिकोस स्टेरॉयड) -III का परीक्षण प्रोटोकॉल (अक्टूबर 2020) की समीक्षा करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; "महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए प्रसवोत्तर देखभाल पर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के विकास के लिए दिशानिर्देश विकास समूह की बैठक, 2020-2021" (जनवरी 2021) में भाग लिया; डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ द्वारा आयोजित और लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन द्वारा समर्थित "प्रीटरम और कम जन्म वजन अनुमानों के लिए सलाहकार समूह" की बैठक में एक विशेषज्ञ (फरवरी 2021) के रूप में भाग लिया।

डॉ अंकित वर्मा गर्मी और मानव स्वास्थ्य पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) के सदस्य थे - राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), नई दिल्ली जो गर्मी से संबंधित बीमारी के लिए दिशानिर्देश विकास की सुविधा प्रदान करता है।

वृक्कविज्ञान

12-13 दिसंबर 2020 को वस्तुतः आयोजित 32वें भारतीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सोसायटी वार्षिक सम्मेलन में डॉ जॉर्जी मैथ्यू को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया ।

प्रोफेसर अरविंद बग्गा एशियाई बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के महासचिव थे; अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के सहायक सचिव थे; सम्पादक: एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; कोक्रेन किडनी और प्रत्यारोपण समूह; फ्रंटियर्स बाल रोग; संपादकीय बोर्ड : बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी; बाल रोग के भारतीय जर्नल; बाल रोग और बाल स्वास्थ्य; विश्व जे बाल रोग; कोविड -19 पर समिति (सीडीएससीओ) विशेष के विशेषज्ञ

प्रोफेसर पंकज हरि अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के परिषद सदस्य थे; उपाध्यक्ष, सर्वोत्तम अभ्यास और मानक समिति, अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन; सदस्य, यूरोपीय दुर्लभ गुर्दा रोग संदर्भ नेटवर्क (ईआरकेनेट) ईआरएन दिशानिर्देशों पर विशेषज्ञ पैनल; सदस्य, संपादकीय बोर्ड: एशियन जे पीडियाट्र नेफ्रोल, इंडियन जे ट्रॉमा इमर्ज पीडियाट्रिक्स, जे प्रोग्रपीडियाट्रयूरोल, इंटर्नैट जे नेफ्रोल यूरोल; समीक्षक: अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के क्लिनिकल जर्नल, ब्रिटिश मेडिकल जे, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, नेफ्रॉन, किडनी और ब्लड प्रेशर रिसर्च, एक्टा बाल रोग, गुर्दे की विफलता, भारतीय बाल रोग; अध्यक्ष अकादमिक समिति, इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; अध्यक्ष, मूत्र पथ के संक्रमण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश।

डॉ अदिति सिन्हा संयुक्त सचिव, इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड: बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, फ्रंटियर्स इन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी; सेक्शन एडिटर (नेफ्रोलॉजी): इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; समीक्षक: बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, भारतीय बाल रोग, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी; कोर कमेटी सदस्य इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी-सॉन्ग; कोर कमेटी, आईपीएनए जूनियर मास्टर क्लास; सह-संपादक, एशियन जे पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी।

तंत्रिकाविज्ञान

डॉ जूही गुप्ता को उनकी थीसिस के लिए डॉ पी.एन. तनेजा पुरस्कार मिला, जिसका शीर्षक था- '5 - 18 साल की उम्र के हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में ऊपरी अंग के कार्य में सुधार के लिए संशोधित बाधा प्रेरित मूवमेंट चिकित्सा के सहायक के रूप में दोहराव वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।' (मुख्य मार्गदर्शक: प्रोफेसर शेफाली गुलाटी)।

डॉ सचेंद्र बादल को उनकी थीसिस के लिए आईसीएनए यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड मिला, जिसका शीर्षक था, 'डिस्लेक्सिया के साथ विशिष्ट शिक्षण विकार (एसएलडी) वाले कक्षा VI तक के भारतीय स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए संरचित उपचारात्मक हस्तक्षेप: कार्यात्मक एमआरआई और रेस्टिंग स्टेट एमआरआई और नैदानिक गंभीरता स्कोर जिसमें 12 सप्ताह के हस्तक्षेप के बाद मानक उपकरणों का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण प्रोफ़ाइल के परिवर्तन का मूल्यांकन करने वाला एक अनुदैर्ध्य अध्ययन। (मुख्य मार्गदर्शन : प्रोफेसर शेफाली गुलाटी)।

प्रोफेसर शेफाली गुलाटी को 28 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से "नवीन और पारंपरिक तरीकों के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार" मिला; चेयरपर्सन, एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक

न्यूरोलॉजी, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, 2021; आईएनएसएआर (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ऑटिज्म रिसर्च) ग्लोबल सीनियर लीडर फॉर इंडिया 2021-2023 और आईएनएसएआर 2021 और कल्चरल डायवर्सिटी रिसर्च अवार्ड के सार के लिए समीक्षक भी थे; प्रेसिडेंट इलेक्ट, एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, भारत 2023-2025; कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी, 2021-2023; सह-संयोजक, बाल चिकित्सा मिर्गी उपखंड, भारतीय मिर्गी सोसायटी 2020 -2022; एएसडी के लिए विकास पर क्लीनिकल रिसर्च और डीएसएम5 आधारित नैदानिक उपकरण के सत्यापन के लिए एम्स, नई दिल्ली द्वारा एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2019 दिया गया, (सितंबर 2020 में सम्मानित किया गया); इंडो-कैनेडियन ऑटिज़्म नेटवर्क (आईसीएएन) के हिस्से के रूप में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के क्षेत्र में नैदानिक और अनुसंधान के लिए साइट के अग्रणी के रूप में और आई-सीएएन अग्रणी बैठक में भाग लिए डायग्नोस्टिक मूल्यांकन और अनुसंधान उप समितियों में सक्रिय रूप से शामिल; आईसीएनए (इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी एसोसिएशन) के आईसीएनटीएन (इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी टीचिंग नेटवर्क) के सलाहकार बोर्ड के सदस्य और बचपन के मॉड्यूल में न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर के लिए फैकल्टी लीड; ड्रग-रेसिस्टेंट मिर्गी वाले बच्चों में केटोजेनिक डाइट, मॉडिफाइड एटकिंस डाइट, और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी डाइट की प्रभावशीलता ' असाध्य मिर्गी में आहार उपचार पर जेएएमए पीडियाट्रिक्स अगस्त 2020 के लेख में मेडपेज टुडे, न्यूरोलॉजी लाइव और सोशल मीडिया और विश्व स्तर पर प्रिंट मीडिया में कई अन्य उद्धरणों को उद्धृत किया गया था और आईसीएनएपीडिया मार्च 2021 में पॉडकास्ट के रूप में भी प्रदर्शित किया गया। इसे एम्स संस्थान दिवस 2020 समारोह के लिए एम्स जन जागरूकता समिति द्वारा आम जन जागरूकता के लिए भी चुना गया था; हमारा पेपर " उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र से कार्यात्मक न्यूरोलॉजिकल शिकायतों के साथ पेश होने वाले बच्चों की नैदानिक प्रोफाइल" जो कि इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी कांग्रेस, अक्टूबर 2020 में एक मंच / वीडियो पोस्टर था, को न्यूरोलॉजी टुडे, एएएन प्रकाशन में चित्रित किया गया है; डीएमडी के लिए कैटाबैसिस चरण III एडसालोनेक्सेंट शीर्षक वाले लेख के लिए विषय विशेषज्ञ; मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके के लिए परियोजनाओं के समीक्षक; कोविड 19 महामारी और उसके बाद के दौरान स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले बच्चों के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश विकसित करने के लिए टास्क फोर्स के सदस्य और लाइफ साइंस मेडिसिन तक यूनिवर्सल एक्सेस पर गोलमेज चर्चा के सदस्य- चुनौतियां और समाधान (क्योर एसएमए); आईएपी व्याख्यान और मॉड्यूल के हिस्से के रूप में शिक्षण के लिए रिकॉर्ड किए गए क्रोनिक न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर में न्यूरोलॉजी और हालिया प्रगति के विशेषज्ञ, बच्चों में जब्ती और मिर्गी की केस-आधारित चर्चा और सीएनसी वास्कुलिटिस शिक्षण स्लाइड के लिए भी; इस विषय के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स पेरेंटल गाइडलाइन प्रोजेक्ट के संयोजक: सीखने की अक्षमता पर संदेह कब करें और इससे कैसे निपटें ? यूजी / पीजी पाठ्यक्रम में "प्रारंभिक बचपन के विकास के लिए पोषण संबंधी देखभाल" (एनसी-ईसीडी) को शामिल करने के लिए आईएपी-डब्ल्यूएचओ टास्क फोर्स के सदस्य; प्रारंभिक बचपन विकास (एनसी-ईसीडी) के लिए हितधारकों के राष्ट्रीय सलाहकार विशेषज्ञ; "एएसडी के मूल्यांकन और प्रबंधन पर आईएपी की सहमति वक्तव्य" के लिए विशेषज्ञ, आईएपी, न्यूरोडेवलपमेंटल बाल रोग अध्याय; सह-अध्यक्ष, न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर में आईएपी फेलोशिप के लिए अकादमिक समिति; सदस्य, जर्नल कमेटी, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोडेवलपमेंटल

पीडियाट्रिक्स, आईएपी, न्यूरोडेवलपमेंटल पीडियाट्रिक्स चैप्टर; सेरेब्रल पाल्सी और एसएमए में स्टेम सेल के उपयोग की साक्ष्य आधारित स्थिति के लिए तैयार मसौदा और आईसीएमआर 2021 के लिए एएसडी पर मसौदे के लिए इनपुट प्रदान किया; सामग्री सत्यापन के लिए राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र के लिए विशेषज्ञ: दिल्ली के चयनित निजी स्कूलों में प्री-स्कूल शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण के संदर्भ में ऑटिज्म और इसकी प्रारंभिक पहचान पर नियोजित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन; निमहंस, बैंगलोर में पीएचडी थीसिस के हिस्से के रूप में "विकासात्मक और मनोदैहिक दृष्टिकोणों के माध्यम से शिशु मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए पहचान और हस्तक्षेप "उपकरण की सामग्री सत्यापन के लिए विशेषज्ञ; बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान में राष्ट्रीय बोर्ड के डॉक्टरेट के विकास की शुरुआत करने के लिए विशेषज्ञ, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान के अनुशासन में बोर्ड के विशेषज्ञ; राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के लिए एमडी बाल रोग पाठ्यक्रम की मान्यता के लिए निर्धारक; अंडर ग्रेजुएट एसेसर के ओरिएंटेशन प्रोग्राम और "नेशनल मेडिकल कमीशन के पोस्ट ग्रेजुएट एसेसर के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया; एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी के सदस्य - इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी के विशेषज्ञ समूह: वेस्ट सिंड्रोम और फेब्राइल सीज़र्स; मनोचिकित्सा में फ्रंटियर्स के बाल और किशोर मनश्चिकित्सा अनुभाग में एसोसिएट संपादक, बाल चिकित्सा में एसोसिएट एडिटर और बाल चिकित्सा में फ्रंटियर्स और फ्रंटियर्स इन पीडियाट्रिक्स और अटेंडेड फ्रंटियर्स एडिटर्स समिट; एनल्स ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, जेआरटीडीडी (जर्नल फॉर रीअटैच थेरेपी एंड डेवलपमेंटल डायवर्सिटीज) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिलेप्सी: जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोसाइंस, बिहेवियरल न्यूरोलॉजी और 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक (बीएमजे ओपन, जर्नल ऑफ इनहेरिटेड मेटाबोलिक रोग, अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, जब्ती, मिर्गी अनुसंधान, मिरगी विकार सहित); एमडी, डीसीएच डीएम और पीएचडी के विभिन्न थीसिस के परीक्षक और समीक्षक; कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यावसायिक निकायों के सदस्य (25); विभिन्न समितियों के विशेषज्ञ

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम; दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना; प्रारंभिक बचपन विकास पर परामर्श: पहले 1000 दिनों की यात्रा, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आपातकालीन देखभाल के लिए मैनुअल में मिरगी के लिए विशेषज्ञ (एनएचएसआरसी)।
- राष्ट्रीय ट्रस्ट: ऑटिज्म; ऑटिज्म टूल्स में मास्टर ट्रेनर्स के राष्ट्रीय समन्वयक; आरंभिक हस्तक्षेप।
- प्रजनन जीवविज्ञान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समूह के सदस्य।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के डीबीटी तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) के सदस्य- विकासात्मक और रोग जीवविज्ञान।
- जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी): परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ।
- आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) : "न्यूरोलॉजी / मनोचिकित्सा विशेषज्ञ समूह" के सदस्य।

- इंडियन फार्माकोपिया मिशन: नेशनल फॉर्म्युलारी ऑफ इंडिया (एनएफआई) के छठे संस्करण के लिए विषय समीक्षा समिति के विशेषज्ञ।
- सिग्नल रिव्यू पैनल, भारत के फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के सदस्य।
- फेलोशिप, यात्रा संबंधी अनुदान के चयन के लिए यूजीसी विशेषज्ञ।
- एसटीडब्ल्यू के लिए सलाहकार और संपादकीय बोर्ड की सिफारिशों और एनएचए के सहयोग से एबी-पीएमजेएवाई योजना के तहत स्वास्थ्य लाभ पैकेज पर चर्चा करने के लिए न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ समूह के सदस्य।
- महिला और बाल विकास मंत्रालय: गुणवत्तापूर्ण आहार अभ्यासों को बढ़ावा देने में दिव्यांगजन व्यक्तियों की जरूरतों के लिए समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेषज्ञ: पोषण अभियान में "जन आंदोलन" को आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) रणनीतियाँ।
- यूनिसेफ: दिव्यांग बच्चों पर वैश्विक साझेदारी- ईसीडी टास्क फोर्स ।
- बाल स्वास्थ्य टास्क फोर्स, शिशु स्वास्थ्य टास्क फोर्स उपचार नेटवर्क की गुणवत्ता के सदस्य।
- एनसीईआरटी: विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य।
- डब्ल्यूएचओ: बचपन के विकास के लिए पोषण संबंधी देखभाल।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के वर्गीकरण पर अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति की बैठक; सीएआरए (कारा) (केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण) की एनओसी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष; सीएआरए (कारा) द्वारा अपनाए जाने वाले बच्चों की चिकित्सा परीक्षा रिपोर्ट को नवीनीकृत करने के लिए विशेषज्ञ, एनओसी समिति के निर्बाध कामकाज के लिए प्रोटोकॉल।
- बाल मार्गदर्शन और परामर्श पाठ्यक्रम में उन्नत डिप्लोमा के लिए व्याख्यान देना, राष्ट्रीय लोक सहयोग और बाल विकास संस्थान, जेएनयू।
- सदस्य आईसीएमआर टास्क फोर्स: आईईएम, एएफपी, कठिन परिस्थितियों में बच्चे, मानक उपचार कार्यप्रवाह-न्यूरोलॉजी समूह, स्टेम सेल अनुसंधान और चिकित्सा, दुर्लभ रोग रजिस्ट्री (न्यूरोमस्कुलर विकार) ।
- श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम के विभिन्न न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के लिए व्यापक देखभाल केंद्र के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।
- केरल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, त्रिशूर के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।
- एएसडी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, त्रिशूर में बहुकेंद्रित अनुसंधान अवसरों के लिए राष्ट्रीय स्तर के सलाहकार विशेषज्ञ समूह के सदस्य।
- प्रारंभिक बचपन विकास पर उत्कृष्टता केंद्र, उत्कल विश्वविद्यालय भुवनेश्वर, ओडिशा की संचालन -सह-सलाहकार समिति के सदस्य।
- नैदानिक परीक्षणों में हुई मौत की गंभीर प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट की जांच करने के लिए विशेषज्ञ, (डीसीजीआई)।
- विभिन्न अस्पतालों और विश्वविद्यालयों के लिए संकाय सदस्य की भर्ती के लिए विशेषज्ञ।

- इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, डीबीटी, डीएसटी, नेशनल ट्रस्ट, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ हेल्थ साइंसेज (डीजीएचएस) के लिए न्यूरोलॉजी परियोजनाओं के विशेषज्ञ।
- दवाओं के उपयोग पर चर्चा करने हेतु ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ हेल्थ साइंसेज (डीजीएचएस) विशेषज्ञ।
- एएफपी निगरानी के लिए नोडल कार्यालय; एक्सेसिबिलिटी इंडिया अभियान (सुगम्य भारत अभियान) पर एम्स समितियों के सदस्य, पोलियो वायरस रोकथाम समिति, एम्स में आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, फूड कोर्ट पर छात्रावास उपसमिति, रैगिंग विरोधी दस्ते के सदस्य, सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति बंदोबस्ती निधि, अनुकंपा दवाओं का उपयोग; मल्टीपल स्केलेरोसिस और इम्यूनोलॉजी में फैलोशिप के प्रस्ताव की समीक्षा के लिए समिति के सदस्य, समान अवसर सेल के सदस्य।
- दिव्यांगता मूल्यांकन और प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष। बाल चिकित्सा विभाग एम्स।

डॉ बिश्वरूप चक्रवर्ती उस विशेषज्ञ टीम का हिस्सा थे जिसने स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में "सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए एसओपी और मुजफ्फरपुर केंद्रित एईएस महामारी की प्राथमिक देखभाल और प्रबंधन" विकसित किया था; सह-संपादक के रूप में "बीएमसी न्यूरोलॉजी के संपादकीय बोर्ड" में शामिल; बीएमसी पीडियाट्रिक्स एंड न्यूरोलॉजी इंडिया के लिए समीक्षक के रूप में शामिल, इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स, इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च, एनल्स ऑफ़ इंडियन एकेडमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी के लिए समीक्षक के रूप में जारी रखा; एओसीएन के तत्वावधान में "भारत में वेस्ट सिंड्रोम और पीडियाट्रिक स्ट्रोक के लिए सहमति-आधारित दिशानिर्देश" विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह का हिस्सा, आईएपी रेस्पिरेटरी चैप्टर के तत्वावधान में "बाल चिकित्सा स्लीप मॉड्यूल" के विकास के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों में से एक के रूप में काम किया; जनवरी 2021 में आयोजित अंतिम एमबीबीएस परीक्षा के लिए स्नातक आंतरिक परीक्षक में से एक।

डॉ प्रशांत जौहरी ने एओसीएन, भारत के तत्वावधान में "बच्चों में न्यूरोसिस्टीसरकोसिस के लिए सहमति आधारित दिशानिर्देश" विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समूह का हिस्सा के रूप में भाग लिया; समीक्षक के रूप में शामिल अमेरिकन जर्नल ऑफ़ मेडिकल जेनेटिक्स भाग, पीएलओएस वन, फ्रंटियर्स ग्रुप ऑफ़ जर्नल्स, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एपिलेप्सी तथा तंत्रिका विज्ञान भारत। विभागीय एंटीबायोटिक प्रबंधन कार्यक्रम के सदस्य हैं उन्होंने ने विभागीय एंटीबायोटिक नीति और एंटीबायोटिक निगरानी के संशोधन में भाग लिया।

अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर रचना सेठ को 19 से 21 मार्च 2021 तक वर्चुअल माध्यम से आयोजित तेरहवीं एसआईओपी एशिया कांग्रेस में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए सम्मानित किया गया; सीएआरए (कारा) की एनओसी विशेषज्ञ समिति के मनोनीत सदस्य; नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल प्रभावों की निगरानी के लिए मनोनीत सदस्य उपसमिति; मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एसडब्ल्यूएवाईएएम (स्वयं), एआईसीटीई पर कैंसर फंडामेंटल पर ई-लर्निंग पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञ, भारतीय कैंसर सोसायटी द्वारा सुविधा; टीएमएच, मुंबई और आरसीसी त्रिवेंद्रम (डीएम और पीएचडी) के लिए बाहरी थीसिस परीक्षक।

डॉ आदित्य गुप्ता को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ ब्लड एंड मैरो ट्रांसप्लांटेशन द्वारा अगले 5 वर्षों के लिए प्रत्यायन प्राप्त है।

फुप्फुसीय चिकित्सा

प्रोफेसर सुशील के काबरा ने समन्वयन किया: डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित बच्चों में कोविड पर वेबिनार श्रृंखला, वेबकास्ट 15,22,29 अक्टूबर 2020, 5 नवंबर 2020 को किया गया; अक्टूबर / नवंबर 2020 में कोविड-19 संक्रमण के फार्माकोथेरेपी पर सिफारिश के लिए डब्ल्यूएचओ ग्रुप फॉर डेवलपिंग गाइडलाइंस (जीडीजी) के सदस्य; नवंबर / दिसंबर 2020 में डब्ल्यूएचओ ग्रुप फॉर डेवलपिंग गाइडलाइंस (जीडीजी) क्लिनिकल मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य; इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा कोर वैज्ञानिक समिति आरएनटीसीपी कार्यक्रम के रूप में नियुक्त; पल्मोनोलॉजी फेलोशिप, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

प्रोफेसर राकेश लोढ़ा को एकल कैलेंडर वर्ष, 2019 में उद्धरणों के लिए डेटा का उपयोग करते हुए उसके समग्र संकेतक की रैंकिंग के आधार पर सभी वैज्ञानिक क्षेत्रों में 150,000 सबसे अधिक उद्धृत लेखकों के हाल ही में संकलित वैश्विक डेटाबेस में चित्रित किया गया था; बाल चिकित्सा एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी पर तकनीकी संसाधन समूह के नियुक्त सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; अस्थायी रूप से कोविड (एमआईसी-सी), डब्ल्यूएचओ, जिनेवा से संबंधित मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम पर कार्यकारी समूह के सदस्य; बाल चिकित्सा गहन देखभाल डीएनबी और एफएनबी कार्यक्रमों के लिए विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के संपादक नियुक्त; रोग समूह के वैश्विक बोझ के सदस्य।

डॉ काना राम जाट सह-संपादक**:** बीएमसी बाल रोग; निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: कोक्रेन सहयोग, छाती, बाल रोग, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, भारतीय बाल रोग, एलर्जी, अस्थमा और नैदानिक इम्यूनोलॉजी, बाल चिकित्सा एलर्जी, इम्यूनोलॉजी, और पल्मोनोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, रेस्पिरेटरी केयर, इंडियन जे ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईजेसीसीएम), पीएलओएस वन, बीएमसी संक्रामक रोग, बीएमजे ओपन, इंडियन जे ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर), जे ऑफ ट्रॉपिकल पीडियाट्रिक्स, सिस्टमैटिक रिव्यू; वैज्ञानिक सोसाइटी के मेम्बरशिप: पीआरईएसआईडीई (बाल चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया), यूरोपीय रेस्पिरेटरी सोसाइटी (ईआरएस), अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी (एटीएस), इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), रुमेटोलॉजी का रेस्पिरेटरी चैप्टर, आईएपी, इंडियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन (आईआरए), इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस); बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन (पीएएलएस) और बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) के लिए प्रशिक्षक; अस्थमा ट्रेनिंग मॉड्यूल (एटीएम), रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन-ग्रुप एजुकेशन मॉड्यूल (आरटीआई-जीईएम) और पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस मॉड्यूल के ट्रेनर।

डॉ झूमा शंकर ने वर्ष 2019-2020 के लिए अनुसंधान पुरस्कार में एम्स उत्कृष्टता प्राप्त की; सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की 50वीं वार्षिक कांग्रेस में एससीसीएम एसटीएआर अनुसंधान अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया; युएसएईडी के कोविड क्रिटिकल केयर कैपेसिटी बिल्डिंग का समर्थन करने के लिए युएसएईडी के तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य।

रुमेटोलॉजी

डॉ नरेंद्र बागड़ी को 3-4 अक्टूबर 2020 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी पर 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए सम्मानित किया गया।

डॉ नरेंद्र बागड़ी के पास बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी, यूरोपीय सोसायटी की सदस्यता थी पीआरईएसएम/331; एवाईआर सदस्य एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएशन्स फॉर रुमेटोलॉजी (2020-इन-0028); 2019 से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) की एनओसी समिति के अध्यक्ष और चिकित्सा सदस्य; बाल चिकित्सा संधि विकारों के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक पैरेंटिंग दिशानिर्देशों के संयोजक; पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया के 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त किया ।

सुश्री अनुजा अग्रवाला को नेशनल कोडेक्स कॉन्टैक्ट पॉइंट (एनसीसीपी), एफएसएसएआई (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा विशेषज्ञ सदस्य के रूप में चुना गया था; बाहरी परीक्षक, एमएस विश्वविद्यालय, वडोदरा; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के लिए समीक्षक, जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल पीडियाट्रिक्स, यूरोपियन जर्नल ऑफ एपिलेप्सी।

अतिथि वैज्ञानिक

अंतःस्राविकी

डॉ वंदना जैन ने 26 फरवरी, 2021 को 'ऊर्जा संतुलन विनियमन के तंत्रिका जीव विज्ञान' पर डॉ डेविड पी ओल्सन, एमडी पीएचडी, बाल रोग और आणविक और एकीकृत फिजियोलॉजी के सह-आचार्य और अनुसंधान, बाल रोग, मिशिगन मेडिकल स्कूल के सह-अध्यक्ष के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

अर्बुदविज्ञान

डॉ रचना सेठ ने 6 अगस्त 2020 को (वर्चुअल माध्यम) पर मेडुलोब्लास्टोमा पर डॉ. अमर गज्जर द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

9.28. बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

मीनू बाजपेयी

आचार्य

संदीप अग्रवाला

एम श्रीनिवास (प्रतिनियुक्ति पर)

अपर आचार्य

शिल्पा शर्मा (जेपीएनएटीसी)

सह-आचार्य

विशेष जैन

अंजन दुहा

प्रभु गोयल

देवेंद्र कुमार यादव

सहायक आचार्य

अजय वर्मा

अपराजिता मित्रा (संविदा पर)

विपन कुमार (संविदा पर)

विशिष्टताएं

विभाग ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (आईएसपीयू) और एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (एएसपीयू) की संयुक्त द्विवार्षिक बैठक के रूप में 12-14 फरवरी, 2021 को एक आभासी मंच (वर्चुअल प्लेटफार्म) पर आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ हाइपोस्पेडिया का आयोजन किया।

सम्मेलन में 1000 से अधिक पंजीकृत प्रतिनिधियों ने भाग लिया और एक आभासी मंच पर आयोजित हाइपोस्पेडिया के विषय पर अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन था। सम्मेलन ने उत्साहपूर्वक दुनिया के विभिन्न भागों के विषय विशेषज्ञों और प्रशिक्षुओं को एक ही मंच पर इकट्ठा किया और अकादमिक विचार-विमर्श और सर्जिकल तकनीकों, विचारधाराओं और सिद्धांतों के आदान-प्रदान के लिए एक सहज समृद्ध वातावरण तैयार किया। हाइपोस्पेडिया पर विवादास्पद मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई।

विभाग गंभीर विकृतियों, उन्नत कैंसर, आघात और अन्य बीमारियों वाले बच्चों की देखभाल और सभी उप-विशिष्टताओं को विकसित करते हुए एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में संकाय, स्थान और कर्मचारियों के साथ इसके विस्तार के लिए तैयार है।

शिक्षा

विभाग एम.सीएच. बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं, स्नातकोत्तर, पूर्वस्नातक, नर्सिंग छात्रों, बीएससी और एमएससी नर्सिंग छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है।

हमारे विभाग में शिक्षण और शिक्षाविदों को विकसित करने और सुधारने के लिए एक नया और अभिनव विचार "सर्जरी-पीडिया" नामक एक गूगल समूह का निर्माण है। नैदानिक अभ्यास में और संगोष्ठी के दौरान दिन-प्रतिदिन विभिन्न संदेह और प्रश्न उत्पन्न होते हैं। संदेह और प्रश्न उन रजीडेंटों

को आवंटित किए जाते हैं जो प्रश्न के बारे में पढ़ते हैं और सभी के लाभ के लिए गूगल समूह में उत्तर पोस्ट करते हैं। आसान और तेज़ खोज और पुनर्प्राप्ति के लिए संचार प्रणाली को सूचीबद्ध करके प्लेटफ़ॉर्म को और बढ़ाया गया है।

चल रही महामारी के कारण भौतिक रोगियों की अनुपस्थिति में सूचकांक मामलों की आभासी केस प्रस्तुतियों के लिए केस-आधारित टेम्प्लेट बनाए गए हैं। साथ ही ओपीडी में सीमित लोगों की संख्या के कारण, इंडेक्स मामलों के नैदानिक (क्लिनिकल) जांच वीडियो बनाए गए हैं और क्लाउड फ़ोल्डर में अपलोड किए गए हैं, तब इसका मूल्यांकन सभी रेजीडेंटों और संकाय सदस्यों द्वारा किया जा सकता है। इस पद्धति का उपयोग करके सभी रेजिडेंट ओपीडी में देखे गए मामले के लिए लाभ उठा सकते हैं। यह सारा डेटा क्लाउड में आसान तरीके से सूचीबद्ध किया गया है ताकि उन लोगों तक भी आसानी से पहुंचा जा सके जो तकनीक के जानकार नहीं हैं।

सभी ऑनलाइन कक्षाएं (केस प्रेजेंटेशन, जर्नल क्लब और सेमिनार) और रेडियोडायग्नोसिस और नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ बैठक को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया है।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ हाइपोस्पेडिया (ई-सम्मेलन) 12 - 14 फरवरी 2021

दिए गए व्याख्यान:

एम बाजपेयी: 1	**संदीप अग्रवाला: 6**	**शिल्पा शर्मा: 7**
विशेष जैन: 2	**दुहा: 3**	**देवेंद्र यादव: 4**
अजय वर्मा: 2		

प्रस्तुत किये गये मौखिक पेपर्स/पोस्टरों की सूची: 78

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैव रासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और प्रतिरक्षा-मॉड्यूलेटर की अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध, डॉ. अजय वर्मा, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 9,98,800 रुपये।
2. बाल चिकित्सा हाइपोस्पेडिया मरम्मत के लिए बायोकंपैटिबल ड्रेसिंग, शिल्पा शर्मा, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 साल 2019- 2021, 10 लाख रुपये।
3. जन्मजात यूरोपैथियों और सीकेडी में उन्नत अनुसंधान केंद्र, डॉ. मीनू बाजपेयी, आईसीएमआर, 5 साल, 2018-2023, 1.9 करोड़ रुपये।
4. 0-14 वर्ष के आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन के लिए एक सामान्य संदर्भ रेंज (नोमोग्राम) स्थापित करने के लिए क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, प्रभु गोयल, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 60 लाख रुपये।

5. बच्चों में मिनिमली इनवेसिव सर्जरी के दौरान कैमरा होल्डिंग असिस्टेंट की इमेज कंपकंपी और थकान को कम करने के लिए एक पोर्टेबल फास्ट एडजस्टेबल कैमरा होल्डिंग डिवाइस का विकास, विशेष जैन, एम्स - आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2020-2021, 10 लाख रुपये।
6. बाल चिकित्सा यूरोलॉजी में रोगी देखभाल और स्वास्थ्य अनुसंधान की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी आधारित डॉक्टर-रोगी इंटरफेस का विकास, प्रभु गोयल, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2023, 1.25 करोड़ रुपये।
7. बाल चिकित्सा न्यूरोजेनिक मूत्राशय में इंट्रावेसिकल बोटुलिनम टॉक्सिन ए को इलेक्ट्रोमोटिव रूप से प्रदान करना, शिल्पा शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019- 2021, 5 लाख रूपये।
8. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों [बीटी/पीआर9572/एमईडी/ 97/210/2013] के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करना, शिल्पा शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 4.5 वर्ष, 2014-2020, 48,36,678 रुपये।
9. बचपन के ठोस दुर्दम ट्यूमर से बचे लोगों में मनोसामाजिक और दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता, विशेष जैन, आईसीएमई, 2.5 वर्ष, 2021-2023, 25 लाख रुपये।
10. एनोरेक्टल विकृति के सर्जिकल प्लानिंग के लिए एबरेंट एनाटॉमी के रोगी विशिष्ट त्रि-आयामी मुद्रित मॉडल, अंजन के दुहा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2, 2020, 2022, 3 लाख रुपये।
11. तीन साल से कम उम्र के बच्चों में सीरम अल्फा फेटो प्रोटीन की संदर्भ सीमा, देवेंद्र कुमार यादव, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 साल, दिसंबर 2015, जुलाई 2021 तक विस्तारित, 2.3 लाख रुपये।
12. भारतीय बच्चों में विल्म्स ट्यूमर के जोखिम स्तरीकरण के बच्चों के ऑन्कोलॉजी समूह (सीओजी) को अपनाने की आनुवंशिक परिवर्तन और व्यवहार्यता के नैदानिक महत्व का अध्ययन, देवेंद्र कुमार यादव, आईसीएमआर (एक्स्ट्रामुरल), 3 साल, दिसंबर 2021-2023, 48 लाख रुपये।
13. भारतीय संदर्भ में हाइपोस्पेडिया मरम्मत (यूरोलॉजिकल कंडीशन) के लिए साक्ष्य-आधारित हाइपोस्पेडिया मरम्मत दिशानिर्देश विकसित करना, प्रभु गोयल, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 85 लाख रुपये।

पूर्ण

1. टेस्टोस्टेरोन बायोसिंथेटिक दोष, एंजाइम उत्परिवर्तन और एसआरवाई जीन अध्ययन के संबंध में हाइपोस्पेडिया के आणविक आधार का एक अध्ययन, मीनू बाजपेयी, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, 3 वर्ष, 2017-2020, 18 लाख रुपये।
2. चूहों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित लिवर फाइब्रोसिस में करक्यूमिन और पाइपरिन के साथ इसके संयोजन का प्रभाव: एक तुलनात्मक विश्लेषण, शिल्पा शर्मा, एम्स इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2 साल 2016-2018, 5 लाख रुपये।
3. ऑब्सट्रक्टिव रेनोपैथी में रीनल प्रिजर्वेशन में बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर सेल्स और रीनल स्टेम सेल की भूमिका - चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, एम्स इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2013-2015, 5 लाख रुपये।

4. सेक्स डेवलपमेंट (डीएसडी) के विकारों के नैदानिक प्रोफाइल और एटिओपैथोजेनेसिस का अध्ययन - एक प्रायोगिक अध्ययन, मीनू बाजपेयी, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, 3 साल, 2017-2020, 18 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, हाइड्रोसील और अवरोही वृषण के प्रोसेसस वेजिनेलिस में स्मूथ मांसपेशियों की विशेषताओं और मायोफिब्रोब्लास्ट का तुलनात्मक अध्ययन।
2. प्रारंभिक निदान और आनुवंशिक परामर्श के लिए जन्मजात यूरोपैथियों वाले बच्चों में रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरएएस) और नेफ्रोजेनिक मार्ग-आनुवंशिक उत्परिवर्तन का पता लगाने पर एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
3. तत्काल और प्रारंभिक जटिलताओं के संदर्भ में डिस्टल पेनाइल हाइपोस्पेडिया के संचालित मामलों के अल्पकालिक परिणामों का एक संभावित अध्ययन।
4. मूत्र में आणविक मार्करों पर एक संभावित अध्ययन जो प्रगतिशील गुर्दे की क्षति के शुरुआती मार्कर के रूप में उपयोगी हो सकता है और जन्मजात यूरोपैथी की आबादी में आनुवंशिक बहुरूपता को दर्शाता है।
5. जन्मजात यूरोपैथियों के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति के संबंध में मूत्र में आणविक मार्करों की विभेदक अभिव्यक्ति पर एक अध्ययन।
6. एम्स, नई दिल्ली में बच्चों में प्रतिरोधी यूरोपैथियों में गुर्दे की हानि के शीघ्र निदान के लिए रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन अक्ष में बहुरूपता वाले रोगियों में मूत्र एनएफकेबी एमआरएनए का पता लगाने पर एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
7. कोविड-19 के पशु मॉडल: व्यवस्थित समीक्षा।
8. इंट्रा-हेपेटिक पोर्टल एनाटॉमी (बाएं और दाएं पोर्टल शिरा) का मूल्यांकन और अतिरिक्त-यकृत पोर्टल शिरा अवरोध के साथ बाल रोगियों में कंप्यूटेड टोमोग्राफी पोर्टोग्राफी पर रेक्स शंट सर्जरी की शारीरिक व्यवहार्यता।
9. एकतरफा गैर-सिंड्रोमिक विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे के कार्य का मूल्यांकन: एक महत्वाकांक्षी नियंत्रण अध्ययन।
10. एकतरफा पीयूजेओ में सहायक डायग्नोस्टिक मोडैलिटी के रूप में यूरेटेरिक जेट्स का मूल्यांकन और फॉलो-अप की इसकी उपयोगिता।
11. सिस्टिक डक्ट का कोलेडोकल सिस्ट और विषम अग्नाशय-पित्त जंक्शन: व्यवस्थित समीक्षा।
12. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, हाइड्रोसील, और अनसेंडेड टेस्टिस के प्रोसेसस वेजिनेलिस में चिकनी पेशी कोशिका विशेषताओं और मायोफिब्रोब्लास्ट का तुलनात्मक अध्ययन।
13. पित्त के एट्रेसिया में आंशिक लीवर रिसेक्शन के साथ और इसके बिना कसाई के बाद हेपेटिक फाइब्रोसिस के मार्कर के रूप में पोस्ट-ऑपरेटिव एपीआरआई की तुलना करना।

14. 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में परक्यूटेनियस नेफ्रोस्टॉमी के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ एक नई समाक्षीय तकनीक की तुलना: एक व्यवहार्यता अध्ययन।
15. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल, सार्वजनिक वित्त पोषित शिक्षण अस्पताल के बाल शल्य चिकित्सा आउट-पेशेंट के लिए आवंटित वैकल्पिक शल्य चिकित्सा की अनंतिम तिथि का अनुपालन।
16. भारतीय आबादी में पूर्व-यौवन लड़कों में हाथ के अंकों की लंबाई के अनुपात और हाइपोस्पेडिया की गंभीरता के बीच संबंध।
17. वेसिको-यूरेटेरिक रिफ्लक्स वाले रोगियों के लिए रोग उपचार की सुविधा और अस्पताल के दौरे की आवृत्ति को कम करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ निर्मित इंटरएक्टिव (रोगी-सर्जन) प्लेटफॉर्म के रूप में एक द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) एंड्रॉइड स्मार्टफोन एप्लिकेशन का विकास।
18. हाइपोस्पेडिया जोखिम मूल्यांकन के लिए एक आनुवंशिक पैनल का विकास।
19. पृथक हाइपोस्पेडिया और क्रिप्टोर्चिडिज्म के पूर्वानुमान के लिए एक हार्मोनल पैनल का विकास: हाइपोगोनाडिज्म और भविष्य की प्रजनन क्षमता के लिए इसके प्रभाव।
20. बाल चिकित्सा यूरोलॉजी में रोगी देखभाल और स्वास्थ्य अनुसंधान की सुविधा के लिए प्रौद्योगिकी आधारित डॉक्टर-रोगी इंटरफेस का विकास।
21. डिस्टल हाइपोस्पेडिया में आंतरिक और बाहरी प्रीपुटियल त्वचा के बीच माइक्रोवेसल घनत्व और वृद्धि कारक में अंतर।
22. 0 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो टेस्टोस्टेरोन के लिए एक सामान्य संदर्भ श्रेणी (नोमोग्राम) की स्थापना।
23. ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में एड्रियामाइसिन देने से संबंधित कार्डियोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन।
24. फोगार्टी कैथेटर: एयरवे के निष्कर्षण के लिए एंडोस्कोपिस्ट की सरलता को पूरक करने के लिए एक अनिवार्य उपकरण 'फॉरेन बॉडी विद ए होल'।
25. एसोफेगल प्रतिस्थापन के लिए रेट्रोस्टर्नल रूट द्वारा गैस्ट्रिक पुल-अप: सीमित-संसाधन परिदृश्य में व्यवहार्यता।
26. एच19 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए (इंकआरएनए) और विल्म्स ट्यूमर के भारतीय बाल रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ इसका संबंध।
27. हाइपोस्पेडिया परिणाम के दीर्घकालिक डेटाबेस (एचओएलडी): एक संभावित कोहोर्ट स्टडी।
28. हैंगिंग बाउल तकनीक द्वारा एब्डोमिनो-पेरिनियल पुल-थ्रू के दीर्घकालिक परिणाम।
29. एनोरेक्टल विकृति में पीएसएआरपी का दीर्घकालिक परिणाम।
30. रूलर विधि द्वारा तनी हुई शिश्न की लंबाई का मापन: अंतर-पर्यवेक्षक और अंतर-पर्यवेक्षक विविधताओं का अनुमान और तकनीक का मानकीकरण।
31. उत्तर भारतीय जनसंख्या के लिए नियोनेटल एनोजेनिटल डिस्टेंस नॉमोग्राम और एंथ्रोपोमेट्री के साथ इसका संबंध।

32. भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में गुर्दे की लंबाई, पैरेन्काइमल मोटाई और गुर्दे की इलास्टोग्राफी के मानक मूल्य।
33. रिलैप्स्ड / आवर्तक ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में आईसीई (इफोसफैमाइड, कार्बोप्लाटिन और ईटोपोसाइड) सालवेज पद्धति के साथ उपचार के परिणाम।
34. अचलेसिया कार्डिया पर बाल शल्य चिकित्सा का दृष्टिकोण - एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।
35. मोनोथैरेपी और पीएलएडीओ पद्धति के साथ उपचार पर हेपेटोब्लास्टोमा वाले बच्चों के उपचार का संभावित अध्ययन।
36. आईआरएस-5 पद्धति के साथ उपचार पर रबडोमायोसार्कोमा वाले बच्चों के उपचार का संभावित अध्ययन।
37. संशोधित एनडब्ल्यूटीएस-5 पद्धति के साथ विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों के उपचार पर संभावित अध्ययन।
38. किडनी के क्लियर सेल सरकोमा के उपचार के लिए पांच दवाओं पर संभावित अध्ययन।
39. सर्जिकल नियोनेट्स और शिशुओं में सीरम प्रोकैल्सीटोनिन के स्तर की प्रवृत्ति का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन और पोस्ट-ऑपरेटिव अवधि के दौरान घटनाओं के साथ इसका संबंध।
40. बाल रोगियों में कॉडल ब्लॉक के वासोडिलेटरी प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन।
41. बच्चों में पेल्वी-यूरेटेरिक जंक्शन रुकावट वाले रोगियों में क्वाड्रैटस लम्बोरम ब्लॉक।
42. सीआरएचपीएस, बल्लभगढ़ में बाल शल्य चिकित्सा के तहत ऑपरेट किए गए डे-केयर रोगियों को पोस्ट-ऑपरेटिव डिस्चार्ज निर्देशों की गुणवत्ता में सुधार के लिए गुणवत्ता सुधार (क्यूआई) पहल।
43. बाल चिकित्सा और बाल शल्य चिकित्सा वार्ड में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान और आत्म-प्रभावकारिता पर पारंपरिक प्रशिक्षण पर सिमुलेशन-आधारित-लर्निंग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण।
44. 3 साल से कम उम्र के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा भ्रूणप्रोटीन की संदर्भ सीमा।
45. हाइपोस्पेडिया के ऑपरेट किए गए मामलों के दीर्घकालिक परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी अध्ययन।
46. हाइपरिन्सुलिनमिक हाइपोग्लाइसीमिया वाले बाल चिकित्सा और वयस्क रोगियों में एफ-डोपा पेट-सीटी की भूमिका।
47. बाइलेरी एट्रेसिया के लिए नैदानिक मार्कर के रूप में एमएमपी-7 जीन अभिव्यक्ति की भूमिका।
48. बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर में फुफ्फुसीय मेटास्टेटेक्टोमी की भूमिका।
49. एक्स्ट्रा-हेपेटिक बाइलेरी एट्रेसिया वाले शिशुओं के निदान और पूर्वानुमान में 7 स्तर के सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज की भूमिका।
50. विभिन्न कशेरुक स्तरों पर बाल रोगियों में एपिड्यूरल स्पेस की गहराई और अभिविन्यास का सोनोग्राफिक मूल्यांकन: एक अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

51. जन्मजात यूरोपैथियों में नेफ्रोजेनिक जीन में बहुरूपता की व्यापकता पर अध्ययन और गुर्दे के कार्यात्मक परिणामों में उनका प्रभाव।

52. गुर्दे की चोट के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति के साथ और बिना जन्मजात यूरोपैथियों वाले बच्चों में गुर्दे की चोट के शुरुआती मार्करों के बीच अस्थायी संबंध।

53. एम्स-सर्गी-स्कोप्स गाइडलाइन: अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सर्जिकल सेफ्टी चेकलिस्ट ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी गाइडलाइन: एक विकासशील देश से चिकित्सा अनुसंधान के पारंपरिक सर्वसम्मति के तरीकों के साथ कस्टम स्मार्टफोन एप्लिकेशन के उपयोग का एक अनूठा समामेलन।

54. भारतीय संदर्भ में हाइपोस्पेडिया मरम्मत (मूत्र संबंधी स्थिति) के लिए साक्ष्य-आधारित हाइपोस्पेडिया मरम्मत दिशानिर्देश विकसित करना।

55. जन्मजात यूरोपैथियों में वृक्क विकासात्मक जीन बहुरूपताओं की व्यापकता और परिणाम में उनकी भूमिका का अध्ययन करना।

56. सीएकेयूटी वाले बच्चों में मूत्र संबंधी बायोमार्कर।

57. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में अस्पताल से प्राप्त दबाव की चोट के लिए शहद बनाम मानक देखभाल का उपयोग- एक बहुकेंद्र यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

58. बाल चिकित्सा आयु-समूहों में तनी हुई शिश्न की लंबाई के मापन के लिए स्लाइडिंग स्केल पेनोमीटर का सत्यापन।

59. हाइपोस्पेडिया के रोगियों की संपूर्ण एक्सोम सीक्वेंसिंग- आनुवंशिक मार्करों की पहचान और सत्यापन के लिए परिवार की तिकड़ी और हाइपोस्पेडिया जोखिम मूल्यांकन के लिए एक आनुवंशिक पैनल का विकास।

पूर्ण

1. कोविड सर्ज सहयोग: वैश्विक सहयोग।
2. पश्च मूत्रमार्ग वाल्व के इलाज वाले मरीजों में मूत्राशय कार्य के दीर्घकालिक परिणाम।
3. एकतरफा श्रोणि-यूरेटेरिक जंक्शन बाधा के गैर-ऑपरेटिव उपचार के परिणाम।
4. ईएचपीवीओ के रोगियों में सीरम हेपेटोट्रॉफ़िक कारकों, सीरम अमोनिया के स्तर और जीवन की गुणवत्ता की रूपरेखा।
5. एशियाई भारतीय बच्चों में जन्मजात यूरोपैथियों में नेफ्रोजेनिक जीन में बहुरूपताओं के व्यापकता पर अध्ययन - गुर्दे की चोट के लिए एक "दो-हिट" प्रवृत्ति।
6. गुर्दे की चोट के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति के साथ और बिना जन्मजात यूरोपैथी वाले बच्चों में गुर्दे की चोट के शुरुआती मार्करों के बीच अस्थायी संबंध का अध्ययन करना।
7. बटन बैटरी के अंतर्ग्रहण वाले बच्चों में प्रवृत्तियों और परिणामों का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, हाइड्रोसील और अवरोही वृषण के प्रोसेसस वेजिनेलिस में स्मूथ पेशी कोशिका विशेषताओं और मायोफिब्रोब्लास्ट का तुलनात्मक अध्ययन, एनाटॉमी, पैथोलॉजी।
2. ऊतक पुनर्जनन, स्टेम सेल सुविधा के लिए कार्यात्मक सामग्री का उपयोग कर त्वचा ग्राफ्ट विकल्प का जैव निर्माण, सीटीवीएस विभाग।
3. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सीडीईआर, साइकियाट्री, ऑर्थोपेडिक्स, गायनोकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स, ऑप्थल्मोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर।
4. डिस्टल हाइपोस्पेडिया में आंतरिक और बाहरी प्रीपुटियल त्वचा के बीच माइक्रोवेसल घनत्व और विकास कारकों में अंतर, पैथोलॉजी।
5. लीवर इंजरी मॉडल, स्टेम सेल फैसिलिटी में हमम मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोसोम की हेपेटिक पुनर्योजी क्षमता, सीटीवीएस विभाग।
6. प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल, स्टेम सेल सुविधा का उपयोग करके दुर्लभ रोग का मॉडलिंग, सीटीवीएस विभाग।
7. उन्नत गैर-उत्तरदायी और आवर्तक न्यूरोब्लास्टोमा के लिए एमआईबीजी चिकित्सा की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा।
8. थोरैसिक पीएनईटी में रोग-संबंधी कारकों का अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियोथेरेपी, रेडियोडायग्नोसिस।
9. बाल चिकित्सा ठोस ट्यूमर से बचे लोगों में रोग और उसके उपचार के दीर्घकालिक प्रभावों का अध्ययन करना, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, प्रजनन जीव विज्ञान, प्रसूति और स्त्री रोग, कार्डियोलॉजी।
10. बाल चिकित्सा ब्लंट अब्डोमिनल ट्रॉमा में सीटी निर्णय उपकरण के रूप में एफएएसटी स्कोर को मान्य करना, आपातकालीन चिकित्सा।
11. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग से निपटने में वयस्क स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका को समझना, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग।

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया की मरम्मत में इलियोइंगिनल और इलियोहाइपोगैस्ट्रिक तंत्रिका ब्लॉक की अवधि को लम्बा करने में रोपिवेकैन के साथ हेटास्टार्च की प्रभावकारिता: एक प्रायोगिक अध्ययन, संवेदनाहरण।
2. एकतरफा श्रोणि-मूत्रवाहिनी जंक्शन अवरोध के गैर-ऑपरेटिव उपचार का परिणाम, नाभिकीय चिकित्सा, रेडियोडायग्नोसिस।
3. ईएचपीवीओ, बाल रोग के रोगियों में सीरम हेपेटोट्रॉफ़िक कारकों, सीरम अमोनिया के स्तर और जीवन की गुणवत्ता का प्रोफाइल, जैव रसायन, नैदानिक मनोविज्ञान, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस।

प्रकाशन

जर्नल: 50　　**सार: 38**　　**किताबों में अध्याय: 8**

रोगी की देखभाल

बाह्य रोगी विभाग।

बाल शल्य चिकित्सा बाह्य रोगी विभाग प्रतिदिन कार्य करता है। इसके अलावा, कुछ स्थितियों पर अधिक ध्यान देने के लिए विशेष क्लीनिक भी चलाए जाते हैं।

विभाग और संकाय द्वारा संचालित विभिन्न स्पेशलिटी क्लिनिक :

सोमवार :	हाइड्रोसिफ़लस क्लिनिक (दोपहर)
मंगलवार :	प्रसवपूर्व निदान और फॉलो अप (पूर्वाह्न)
बुधवार :	बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (दोपहर) क्रानियोसिनेस्टोसिस क्लिनिक (दोपहर)
गुरुवार :	जीआई हेपेटोबिलरी (पूर्वाह्न) बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान, फॉलो अप क्लिनिक (दोपहर) आईआरसीएच: पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर क्लिनिक (दोपहर) बाल चिकित्सा सॉलिड ट्यूमर क्लिनिक (मुख्य ओपीडी)
शुक्रवार :	बाल चिकित्सा थोरैसिक सर्जरी क्लिनिक (पूर्वाह्न) बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (दोपहर)
शनिवार :	बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान, इंटरसेक्स और हाइपोस्पेडिया (पूर्वाह्न)

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य रोगियों के लिए गहन देखभाल इकाई।
- बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र।
- कंप्यूटर आधारित यूरोडायनामिक और यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन।
- कंप्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री।
- कंप्यूटर आधारित एसोफैगल मैनोमेट्री।
- गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स के लिए 24 घंटे पीएच मॉनिटरिंग।
- गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स के लिए इम्पीडेंस मैनोमेट्री।

सामुदायिक सेवा

- सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और ऑपरेटिव सत्र (कोविड के कारण पिछले वर्ष के दौरान निलंबित)।

ओपीडी और विशिष्टता क्लिनिक में उपस्थिति

	नए मामले	पुराने मामले	कुल
सामान्य ओपीडी	1951	5568	7577
हाइड्रोसेफलस क्लिनिक	शून्य	शून्य	शून्य
बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (डब्ल्यू/टी/एफ)			22
इंटरसेक्स और यूरोलॉजी क्लिनिक (डीएसडी + पीआईएसयु)	शून्य	शून्य	शून्य
ट्यूमर क्लिनिक (आईआरसीएच)	84	632	716
ट्यूमर क्लिनिक (मुख्य अस्पताल)			5
क्रानियोसिनेस्टोसिस क्लिनिक	शून्य	शून्य	शून्य
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़	शून्य		

दाखिले

एबी5 वार्ड: 1095 (890 दीर्घकालीन दाखिला; 205 अल्पकालीन दाखिला) एबी5/आईसीयू: 68

शल्य प्रक्रियाएं

मुख्य ओटी :

नियमित: प्रमुख प्रक्रियाएं: 401 छोटी प्रक्रियाएं: 108

आपातकालीन: प्रमुख प्रक्रियाएं: 88 छोटी प्रक्रियाएं: 5

ओपीडी प्रक्रियाएं (कुल): 1011

ओपीडी में बायोप्सी: 45

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़: ऑपरेटेड मामले: शून्य

छोटी प्रक्रियाएं: शून्य

विशेष जांच

यूरोडायनामिक अध्ययन: 32

यूरोफ्लोमेट्री: 7

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य संदीप अग्रवाला एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुभाग संपादक; एसआईओपीईएल के संसाधन चुनौती राष्ट्र अध्ययन समूह के उपाध्यक्ष; 63वां एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष; एम्स 2020 के लिए सह-अध्यक्ष पल्स समन्वय समिति; सचिव एम्सोनियन्स-एम्स का पूर्व छात्र संघ; एम्स के मेस, दुकानों और स्थापना समिति के अध्यक्ष; एम्स छात्रावासों के लिए छात्रावास अधीक्षक; नैदानिक अनुसंधान के लिए श्री मोहन लाल विग पदक के चयन के लिए समिति के सदस्य; यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के वार्षिक कांग्रेस से पहले इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आईपीएसओ) और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ

पीडियाट्रिक सर्जरी द्वारा आयोजित सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कोर्स के लिए कोर्स इंस्ट्रक्टर; कई विश्वविद्यालयों के लिए एमसीएच बाल शल्य चिकित्सा के लिए परीक्षक; कई विश्वविद्यालयों/मेडिकल कॉलेजों के लिए संकाय सदस्य चयन विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे।

डॉ शिल्पा शर्मा को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी 2020 की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; एसटीईएमएम 2021-2025 में महिलाओं के लिए इंटर-अकादमी पैनल के लिए विज्ञान अकादमी सदस्य के रूप में नामांकित; डेस्टिनेशन ग्रुप द्वारा कोविड-19 महामारी 2020 के दौरान समाज में योगदान के लिए नारी गौरव पुरस्कार 2020 से सम्मानित; ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ल्ड आर्गेनाइजेशन ऑफ फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स, 2020-2022 के विश्व परिषद सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ हाइपोस्पेडिया और डीएसडी, 2020-22 के कार्यकारी परिषद सदस्य; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन 2019-21 की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए; दिल्ली बाल चिकित्सा सर्जन संघ (डीएपीएस) 2020-22 के निर्वाचित प्रेसिडेंट; आईएपीएस 2019-2021 के अनुसंधान अनुभाग के मानद सचिव; संपादकीय बोर्ड के सदस्य - बाल शल्य चिकित्सा इंटरनेशनल, एनल्स ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंडिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक रुमेटोलॉजी (*स्टेम सेल और ऊतक पुनर्जनन*) और जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट सर्जरी, पाकिस्तान; बाल चिकित्सा सर्जरी 2019/20 के लिए स्टेम सेल उपचार दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह आईसीएमआर के सदस्य; 2020 के लिए एम्स, पटना के संकाय सदस्यों की भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य; सदस्य, संस्थान आचार समिति, सुपर स्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा; सदस्य, संस्थान अनुसंधान समिति, सुपर स्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा; योजना के निर्बाध कार्यान्वयन के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा गठित चिकित्सा विशेषज्ञ सेल के सदस्य ताकि स्वास्थ्य लाभ पैकेज, मानक उपचार दिशानिर्देश, चिकित्सा लेखा परीक्षा और देखभाल की गुणवत्ता आदि के विशेषज्ञता पर अपने क्षेत्रों में मूल्यवान जानकारी प्रदान किया जा सके।

डॉ विशेष जैन को समाज विकास संस्थान, मेरठ द्वारा 'सुश्रुत चिकित्सा विज्ञान पुरस्कार (2020-21)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया; कोविड महामारी के लिए विभाग के नोडल अधिकारी; 12 फरवरी 2021 को आभासी मंच पर आयोजित हाइपोस्पेडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के मॉडरेटर; 13 फरवरी 2021 को आभासी मंच पर आयोजित हाइपोस्पेडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के मॉडरेटर; 18 अक्टूबर 2020 को आभासी मंच पर आयोजित ई-आईएपीएससीओएन 2020 में पोस्टर प्रस्तुति सत्र के लिए जज; 19-21 मार्च 2021 को आभासी मंच पर आयोजित पीईएसआई, पेसिकॉन-2021 के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के मॉडरेटर।

डॉ अंजन दुहा एबीवीआईएमएस, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में बाल शल्य चिकित्सा विभाग के लिए सामान की खरीद के लिए तकनीकी विशिष्टता समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में सदस्य थे; एम्स, दिल्ली में "अग्नि सुरक्षा अभ्यास" और "कोविड-19 के लिए संपर्क अनुरेखण" के लिए विभागीय

नोडल अधिकारी; संस्थान के "दीक्षांत समारोह समिति" और "वार्षिक रिपोर्ट प्रारूप समिति" के सदस्य; 12 फरवरी 2021 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर आयोजित हाइपोस्पेडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 3 सत्रों का मॉडरेटर; इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन (आईएपीएस), ई-आईएपीएससीओएन-2020 के राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के मॉडरेटर; 18 अक्टूबर 2020 को आभासी मंच पर आयोजित ई-आईएपीएससीओएन-2020 में पोस्टर प्रस्तुति सत्र के लिए जज; 19-21 मार्च 2021 को आभासी मंच पर आयोजित पीईएसआई, पेसिकॉन-2021 के राष्ट्रीय सम्मेलन में दो सत्रों का मॉडरेटर; आईएपीएस के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सेक्शन के कार्यकारी सदस्य (उत्तरी क्षेत्र) के रूप में चुने गए।

डॉ प्रभु गोयल को समाज विकास संस्थान, मेरठ द्वारा 'सुश्रुत चिकित्सा विज्ञान पुरस्कार (2020-21)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया; अध्ययन के लिए यूसी चक्रवर्ती पुरस्कार (2020)**:** सीरम एमएमपी-7 एक्स्ट्रा-हेपेटिक बिलीरी एट्रेसिया के लिए डायग्नोस्टिक और प्रोग्नॉस्टिक बायोमार्कर के रूप में; अध्ययन के लिए के.के. शर्मा पुरस्कार (2020): हेपेटिक परफ्यूज़न इंडेक्स - अतिरिक्त यकृत पोर्टल शिरापरक रुकावट के मामलों में डीन वॉरेन शंट की सफलता का मूल्यांकन करने का एक नोवल गैर-आक्रामक तरीका; अध्ययन के लिए स्वप्ना दत्ता पुरस्कार (2020) से सम्मानित: गुर्दे और मूत्र पथ की जन्मजात विसंगतियों में गुर्दे के कार्य की बढ़ती हुई खराबी की भविष्यवाणी के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर टेस्ट के रूप में यूरिनरी बायोमार्कर: उभरते बायोमार्कर के रूप में ट्रेफिल पारिवारिक कारक; 12 फरवरी 2021 को आभासी मंच पर आयोजित हाइपोस्पेडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र के मॉडरेटर; 13 फरवरी 2021 को आभासी मंच पर आयोजित हाइपोस्पेडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 3 सत्रों के मॉडरेटर; 1 एमसीएच (बाल चिकित्सा सर्जरी), 1 एमडी (नाभिकीय चिकित्सा) और 1 एमएससी (नर्सिंग) छात्रों के लिए थीसिस पूरी की और जमा की गई।

डॉ अजय वर्मा को 2021-2023 के लिए पीईएसआई-आईएपीएस के कार्यकारी सदस्य उत्तर क्षेत्र में निर्विरोध चुना गया।

9.29. विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चित्रा सरकार	मनोज के. सिंह
(सितंबर 2020 तक)	(सितंबर 2020 से मार्च 2021 तक)

आचार्य

चित्रा सरकार	रूमा रे	वेंकटेश्वरन के. अय्यर
एम.सी. शर्मा	संदीप आर. माथुर	वैशाली सूरी

अपर आचार्य

दीपाली जैन	प्रसन्नजीत दास	सुधीर अरावा
गीतिका सिंह		असित रंजन मिर्धा

सह-आचार्य

रजनी यादव	सीमा कौशल	शिप्रा अग्रवाल
सौम्या रंजन मलिक		आदर्श बारवाड

सहायक आचार्य

आंचल कक्कड़	प्रशांत रामटेके	कवनीत कौर
अरुणा नांबिरंजन	मधु राजेश्वरी	रुचि राठौर

समूह 'क' अधिकारी

हिमेंद्र सिंह तोमर	राजेश्वर खड़िया

मुख्य विशेषताएं

वर्ष 2020-2021 में, कोविड-19 महामारी के बाद भी, पैथोलॉजी विभाग उच्च स्तरीय शिक्षाविदों और अच्छे चिकित्सीय सेवाओं को बनाए रखने में सक्षम रहा है। यह विभाग हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी प्रकरणों की नियमित नैदानिक रिपोर्टिंग और स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण में लगा हुआ है। इस विभाग ने लगभग 21,747 सर्जिकल पैथोलॉजी और 11,007 साइटोपैथोलॉजी नमूनों को संसाधित करके बड़ी संख्या में रोगियों को सेवाएं प्रदान की है। इस विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, स्नातकोत्तर गोष्ठियों, जर्नल क्लबों और विभिन्न अंतर्विभागीय क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सम्मेलनों के ऑनलाइन शिक्षण के लिए आभासी मंचों को प्रमुखता दी। साप्ताहिक स्लाइड संगोष्ठियों के साथ-साथ, अंतर्विभागीय सम्मेलनों में स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए डिजीटल स्लाइड का उपयोग किया गया था। इस अवधि के दौरान, एक मासिक वेबिनार श्रृंखला: माई स्कोप के अंतर्गत, एम्स पैथोलॉजी वेबिनार श्रृंखला राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अतिथि वक्ताओं के साथ आरम्भ किया गया था जिसे यू ट्यूब (पैथोलॉजी यूट्यूब चैनल विभाग) पर स्ट्रीम किया गया।

डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 32,298 स्लाइडों को अभिरंजित (स्टेन) किया गया है और इनका अध्ययन किया गया है। यह विभाग नियमित रूप से स्तन कैंसरों में हर-2/न्यू के प्रवर्धन, ईजीएफआर जीन के उत्परिवर्तन, फेफड़ों के कैंसर में एएलके और आरओएस की पुनर्व्यवस्था और आणविक पद्धतियों का उपयोग करके लिम्फोमा में टीसीआर के क्लोनलिटी के परख के लिए नियमित रूप से रिपोर्ट प्रदान कर रहा है और बाल न्यूरोब्लास्टोमा में एमवाईसीएन का प्रवर्धन करना आरंभ कर दिया है। विभाग के संकाय ने नियोप्लास्टिक और गैर-नियोप्लास्टिक रोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम के पैथोलॉजी और आणविक विशेषताओं से संबंधित 37 बाह्य परियोजनाओं और 18 अंतर-संस्थानिक परियोजनाओं के लिए धन प्राप्त किया है। विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं और व्यक्तिगत रूप से या अपने रेजिडेंटों के लिए पुरस्कार प्राप्त किए हैं। सहकर्मी समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 207 पत्र प्रकाशित किए गए हैं। हमारे पास संकाय के कई सदस्य हैं जो इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी), लियोन, फ्रांस द्वारा संपादित विभिन्न प्रणालियों के ट्यूमर के वर्गीकरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की नीली किताबों में योगदान कर रहे हैं।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

एमडी छात्र: 33 **वरिष्ठ रेजीडेन्ट: 21** **पीएचडी छात्र: 13**

अल्पकालिक प्रशिक्षण / दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ. शीतल अरोड़ा ने 16 मार्च 2020 से 19 सितंबर 2020 तक शॉर्ट टर्म ऑब्जर्वरशिप (अल्पकालिक प्रेक्षकता) पूरी कर ली है।
2. डॉ. नताशा ने 28 दिसंबर 2018 से 27 दिसंबर 2020 तक लॉन्ग टर्म ऑब्जर्वरशिप (दीर्घकालिक प्रेक्षकता) पूरी कर ली है।
3. डॉ. वरुण बजाज वर्तमान में 17 अगस्त 2020 से 16 अगस्त 2022 तक लॉन्ग टर्म ऑब्जर्वेशन (दीर्घकालीन प्रेक्षकता) के दौर से गुजर रहे हैं।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अगस्त 2020 से एम्स विकृति विज्ञान वेबिनार सीरीज़ जिसका शीर्षक "अंडर माई स्कोप" मासिक शुरू हो रहा है, जहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है और इसे यू ट्यूब (विकृति विभाग (यू ट्यूब चैनल) पर स्ट्रीम किया जाता है।

प्रदत्त व्याख्यान

मनोज के. सिंह: 1	**चित्रा सरकार: 5**	**तूलिका सेठ: 20**
मेहर सी. शर्मा: 7	**वैशाली सूरी: 2**	**संदीप माथुर: 2**
प्रसन्नजीत दास: 3	**दीपाली जैन: 7**	**सुधीर अरावा: 2**

गीतिका सिंह: 4 **रजनी यादव : 5** **सौम्या रंजन मलिक: 6**

शिप्रा अग्रवाल: 1 **आंचल कक्कड़: 2** **प्रशांत रामटेक: 1**

कवनीत कौर: 1 **अरुणा नांबिरंजन: 2** **रुचि राठौर: 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर: 18

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल फैक्टर-1 अल्फा पाथवे एक्टिवेशन का आकलन और मायक्सोपैपिलरीएपेंडिमोमास में ट्यूमर के प्रतिरक्षा सूक्ष्मवातावरण और इसकी आक्रामकता के मार्करों के साथ इसका सहसंबंध, अरुणा नांबिरंजन एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2021 और 2022, 10 लाख रुपये।
2. स्पोराडिक इन्क्लूशन बॉडी मायोसाइटिस के बेहतर निरूपण के उद्देश्य से वयस्कों में आरंभ होने वाले इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, प्रोफेसर एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 50 लाख रुपये।
3. कुशिंग रोग के चिकित्सा प्रबंधन के लिए औषधीय लक्ष्यों की पहचान करने के लिए चिकित्सकीय रूप से कार्य करने वाले और मूक कॉर्टिकोट्रॉफ़ पिट्यूटरी एडेनोमा में ईजीएफआर/एमएपीके/एसएचएच/एनएफकेबी के मार्गों की सक्रियता और यूएसपी8/ यूएसपी48/बीआरएफ जीन की उत्परिवर्तन स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण, अरुणा नंबिराजन, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2023, 27 लाख रुपये।
4. ग्लूटन-मुक्त आहार के प्रति अनुत्तरदायी सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों के एक समूह में दुराग्रही सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर-तरीकों की तुलना, डॉ. पी. दास, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2019-22, 38,29,570 लाख रुपये।
5. नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में इम्यूनोलॉजिक मिलियू और पीडी-एल1 का सहसंबंध, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, 8 लाख रुपये।
6. सार्स-कोव-2 न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन का पता लगाना और कोविड-19 के रोगजनन में अंतर्दृष्टि के लिए ऊतक के नमूनों में ऊतकीय परिवर्तनों का मूल्यांकन करना, आंचल कक्कड़, एम्स कोविड इंट्रामूरल प्रोजेक्ट, 1 साल, 2020-2021, 10 लाख रुपये।
7. मेटास्टेसिस मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान के लिए लैबरिन्थ आधारित यांत्रिक और तीव्र पृथकीकरण तकनीक का विकास, असित रंजन मृधा, डीएचआर, 3 साल, 2019-2022, 30 लाख रुपये।
8. मेटास्टेसिस मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान के लिए भंवरजाल आधारित यांत्रिक और तेजी से अलगाव होने वाली तकनीक का विकास, डॉ. असिर आर. मिर्धा, डीएचआर, 3 साल, 2019-2022, 30 लाख रुपये।

9. एचटीएइनपोट अनुसंधान परियोजना के तहत डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स), प्रोफेसर चित्रा सरकार, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 1.7 करोड़ रुपये।
10. मृतक रोगियों के फेफड़े के ऊतकों के आरएनए-अनुक्रमण द्वारा कोविड-19 के आणविक रोगजनक तंत्र का विच्छेदन करना, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग एम्स, 1 साल, 2020-2021,10 लाख रुपये।
11. ग्लिओमा में ट्यूमर की प्रगति और इसकी पुनरावृत्ति के प्रारंभिक निदान, खोज के लिए नैदानिक बायोमार्करों का सुदृढ़ और मितव्ययी रक्त आधारित पैनल स्थापित करना, प्रोफेसर वी सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 1 करोड़ रुपये।
12. कोलोरेक्टल कैंसर की स्वचालित पहचान और ग्रेडिंग के लिए एक नैदानिक उपकरण के रूप में आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का मूल्यांकन, डॉ. रजनी यादव, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2018-2021, 20 लाख रुपये।
13. सिनोनेसियल स्क्वैमस नियोप्लाज्म के रोगजनन में ईजीएफआर म्यूटेशन, एचपीवी की स्थिति और पीडी-एल 1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, आंचल कक्कड़, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
14. ऊतक के नमूनों में असाध्यता की पहचान के लिए गहन शिक्षण सहित मशीन लर्निंग तकनीकों का मूल्यांकन।
15. जोखिम के स्तरीकरण और चिकित्सीय हस्तक्षेप में इसकी भूमिका के लिए मेनिंजियोमास में सर्कआरएनए के संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन। प्रोफेसर वी सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 78 लाख रुपये।
16. डुओडिनल बायोप्सीज के स्वचालित मूल्यांकन और श्रेणीकरण के लिए व्याख्या योग्य गहन शिक्षण, डॉ. पी दास और डॉ. मौसम, एम्स - आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना (कुलैबरेटिव रिसर्च प्रोजेक्ट) वर्ष 2019 - 2020, 2019-20 और 2020-2021 के लिए, 2 साल, 2019 - 2020, 2019-20, 10 लाख रुपये।
17. अल्क पॉजिटिव एनाप्लास्टिक लार्ज सेल की जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल।
18. इम्यूनोथेरेपी के संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में प्रोस्टेट कैंसर के नवीन आणविक उपप्रकारों की पहचान, डॉ. सीमा कौशल, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 45 लाख रुपये।
19. कैंसर के लिए इमेजिंग बायोबैंक, डॉ. मनोज कुमार सिंह, डीबीटी और टाटा कैंसर अस्पताल, 3 साल, 29 फरवरी 2020 से 28 फरवरी 2023, 39,92,640 लाख रुपये।
20. स्मॉल सेल लंग कैंसर में इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स: कैंसर इम्यूनोथेरेपी के कार्यान्वयन के लिए आधार, दीपाली जैन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 साल, 2019-2022, 40 लाख रुपये
21. वायरल मायोकार्डिटिस के नैदानिक रूप से संदिग्ध मामलों में चार आम वायरस का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण का विवरण, सुधीर अरवा, एम्स, 2 साल, 2018-2019, 10 लाख रुपये।

22. प्रतिरक्षा प्रणाली के ट्यूमर में घुसपैठ करने वाली कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिक प्रोफाइल और ट्रिपल नेगेटिव/हर-2 न्यु पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में पीडीएल1 की अभिव्यक्ति और नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ उनका सहसंबंध, डॉ. संदीप आर. माथुर, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020
23. इंसिडेंटल गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा: एक संभावित बहुकेंद्रीय अध्ययन, पी दास (आईसीएमआर नियुक्त) एक्सटर्नल क्वालिटी कोऑर्डिनेटर), एनसीडीआईआर, आईसीएमआर, बेंगलुरु 2019-2022, 3 साल, 2019-2022, 6 लाख रुपये।
24. रोगनिरोधी संकेत और चिकित्सा की पहचान करने के लिए मेनिंगियोमा के विभिन्न हिस्टोलॉजिकल और आणलिक उपसमाहों (मॉलिक्यूलर सबग्रुप्स) का एकीकृत प्रतिलेखात्मक विश्लेषण, प्रोफेसर वी सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 62 लाख रुपये।
25. जेसी बोस रिसर्च फेलोशिप, प्रोफेसर चित्रा सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 5 साल, 2016-2020, 19 लाख रुपये, प्रति वर्ष।
26. सीलिएक रोग के साथ रोगियों की एचएलए-डीक्यू2/डीक्यू8 मैच्ड प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों में रोग संशोधक के रूप में एमआईआरएनए, 'डॉ. पी दास, डीएसटी, भारत, 3 साल, 2018-2021, 45 लाख रुपये।
27. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका सह-संबंध, डॉ. संदीप आर माथुर, एम्स, 2 साल, 2018-2021, 10 लाख रुपये।
28. प्रायोगिक और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए आल्फैक्टरी न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक विवरण, आंचल कक्कड़, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 साल, 2020-2023, 47 लाख रुपये (लगभग)।
29. लार ग्रंथि कार्सिनोमा का आणविक लक्षण वर्णन: एम्स और भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। आंचल कक्कड़ और एवरिसलिन मारबानियांग, डीबीटी, द्वितीय वर्ष, 2021-2023, 86 लाख रुपये (लगभग)।
30. आईएचसी मार्करों के आधार पर मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर का आणविक उपप्रकार, डॉ. सीमा कौशल, एमएस, 2 वर्ष, 2019-2021, रु 4.9 लाख प्रति वर्ष।
31. चिकित्सीय परिस्थितियों में जैविक विविधता को प्रकट करने के लिए फेफड़े की छोटी कोशिकाओं के कार्सिनोमा (एससीएलसी) का नाभिकीय सब-टाइपिंग: एक अवलोकनात्मक अध्ययन, दीपाली जैन, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 26 लाख रुपये।
32. कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए एमयूसी1 पल्स्ड डीसी-व्युत्पन्न एक्सोसोम। आदर्श बरवाद, डीबीटी वित्त पोषित, 3 साल, 2019-2021, 62,27,000 रुपये।
33. सामान्य बेहतर और खराब पैराथाइरॉइड ग्रंथियां: आणविक रूप से समान या भिन्न? डॉ. शिप्रा अग्रवाल, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।

34. यांत्रिक निर्देश प्रदान करने वाली सामग्रियों का उपयोग करके और 3डी प्रिंटिंग द्वारा तैयार किया गया पुनर्संरचनात्मक सर्जरी के लिए नोवल न्यूनतम इनवेसिव प्रत्यारोपण। डॉ. एके डिंडा, डीबीटी, (इंडो-डच), 18.06.2018 - 17.06.2021, 50,88,400.00 रुपये।

35. युटेरिन सरकोमा के नोवल मॉलिक्यूलर सबटाइप, डॉ. रुचि राठौर, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 साल, दिसंबर 2020, 10 लाख रुपये।

36. पी53 म्यूटेशन और उन्नत सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा वाले रोगियों में उपचार के लिए इसकी प्रासंगिकता: एक पायलट अध्ययन। असित रंजन मृधा, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये।

37. औषधीय प्रयोगात्मक मधुमेह चूहों (सहयोगी शोध) में एसीई2/एंजियोटेंसिन (1-7)/मास रिसेप्टर अक्ष के माध्यम से डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी के भेषजगुणविज्ञानी प्रभाव, असित रंजन मृधा/डॉ. हरलोकेश नारायण यादव, एम.एस., नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 20 लाख रुपये।

38. "मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और सहायक उपचारिका धात्री (एएनएम) के लिए स्व-वक्ष परीक्षण (एसबीई) और नैदानिक वक्ष परीक्षण (सीबीई) पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने और इन्हें विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने" के लिए प्रस्ताव। डॉ. मनोज कुमार सिंह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, निर्माण भवन, नई दिल्ली, 2 साल, 23 सितंबर 2019 से 22 सितंबर 2021, 5 लाख रुपये।

39. स्वास्थ्य-सेवा के विविध क्षेत्रों में आभासी प्रशिक्षण मॉड्यूल्स (एमओओसी'एस) की रचना और परीक्षण के लिए प्रस्ताव, डॉ. मनोज कुमार सिंह, स्वयं और स्वयं प्रभा (मानव संसाधन विकास मंत्रालय), 3 साल, 9 अक्टूबर 2018 से 8 अक्टूबर 2021, 3.15 लाख रुपये।

40. 2016 के उपरांत वयस्कों के केन्द्रीय तंत्रिका प्रणाली में होने वाले निम्न श्रेणी के ग्लियोनयूरोनल ट्यूमरों पर पुनर्विचार, डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण, कवनीत कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये।

41. भारत में न्यूरोमस्कुलर विकारों के उद्देश्य से अनुरेखण लक्ष्य जीन (सीक्वेंसिंग टारगेट जीन) (स्टैंड-इंडिया), प्रोफेसर एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 50 लाख रुपये।

42. साइनो-नासल एपिथेलियल ट्यूमर में एचपीवी एसोसिएशन का अध्ययन, दीपाली जैन

43. आनुवंशिक मिसमैच रिपेयर डेफिशियेंसी का अध्ययन और इसका बाल एवं वयस्क ग्लिओमस में ट्यूमर उत्परिवर्तन के बोझ और प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण के साथ सह-संबंध (2020-5232), कवनीत कौर, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 37 लाख रुपये।

44. चाइल्डहुड इडीओपैथक नेफ्रोटिक सिंड्रोम में पोडोसाइटिक चोट के लिए एक भविष्यसूचक बायोमार्कर के रूप में यूरीन एक्सोसोम का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 76,17,160 रुपये।

45. अकस्मात ह्रदयघात से मृत्यु; पाठ्यक्रम की पहचान के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन सुधीर अरवा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2021, 69 लाख रुपये।

46. नियमित आणविक उप-समूहीकरण के लिए एक अनोखी पद्धति विकसित करने हेतु लक्षित जीनोमिक-एपिजीनोमिक विश्लेषण और मेनिन्जियोमा की पहचान, प्रोफेसर वी सूरी, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 40 लाख रुपये (लगभग)।

47. एनईआर मेडिकल कॉलेजों के लिए चिकित्सा विज्ञान की शिक्षा में पाठ्यक्रमों की प्रौद्योगिकी मध्यस्थता का प्रतिपादन, डॉ. मनोज कुमार सिंह, एनईएफ मेडिकल कॉलेज, 3 साल, 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2023, 44.19 लाख रुपये।

48. भारत में एलपोर्ट सिंड्रोम का अनुवांशिक परिदृश्य (जेनेटिक लैंडस्केप) के साथ फेनोटाइपिक सहसंबंध, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 साल, 2020 - 2023, 50,50,000 रुपये।

49. बच्चों में ग्लियोमास के आणविक प्रोफाइल का विश्लेषण करना और आणविक उप-समूहीकरण और खतरे के स्तर का पता लगाने के लिए सुदृढ़ और मितव्ययी तरीके स्थापित करना, प्रोफेसर वी. सूरी, डीबीटी, 3 साल, 2021-2024, 1 करोड़ रुपये।

50. परिधीय टी. सेल लिम्फोमास के आणविक उपप्रकारों का मूल्यांकन करना, डॉ. सौम्यरंजन मलिक, एम्स, 2 साल, 2019-2020, 10 लाख रुपये।

51. प्रोस्टेट कैंसर में पीआई3के/एकेटी/एमटीओआर और एआर सिग्नलिंग मार्ग के एक नवीन नियामक के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना, डॉ. सीमा कौशल, डीएचआर, 3 साल, 2020-2023, 46 लाख रुपये।

52. ट्यूमररिम्यून लैंडस्केप: पीडीएल1 अभिव्यक्ति और सुपरटेंटोरियल एपेंडिमोमा में प्रतिरक्षा सेल इंफिल्ट्रेशन की जांच करके ट्यूमर प्रतिरक्षा के पारस्परिक प्रभाव का मूल्यांकन और उत्तरजीवित परिणामों के साथ इसके सहसंबंध, प्रोफेसर एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 35 लाख रुपये।

53. फेफड़े की गैर-लघु कोशिका के प्रगतिशील कार्सिनोमा में ट्यूमर उत्परिवर्तन का बोझ: उपचार रणनीतियों की योजना बनाने की जटिलताएँ, दीपाली जैन, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2021-2024, 30 लाख रुपये।

54. बाल चिकित्सा एपेंडिमोमा के रोगजनन में घोंघा पैरालॉग्स की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, प्रोफेसर एमसी शर्मा, डीएसटी, 3 साल, 2018-2020, 45 लाख रुपये।

55. अन्य फॉलिक्यूलर-स्वरुप वाले थायरॉयड के बिनाइन और मैलिगनैंट लीजंस से पैपिलरी जैसे परमाणु विशेषताओं वाले गैर-आक्रामक फॉलिक्यूलर थायराइड नियोप्लाज्म को पृथक करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमता) की उपयोगिता, डॉ. शिप्रा अग्रवाल, डीबीटी, 3 साल, 2020-2023, 17,54,844 रुपये।

पूर्ण

1. गैर-लघु कोशिकाओं वाले फेफड़े के कार्सिनोमा में रैपामाइसिन (एमटीओआर) और माइटोजेन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) काईनेज सिग्नलिंग मार्ग के स्तनधारी लक्ष्य का व्यापक विश्लेषण, दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, यंग रिसर्चर अवार्ड, 5 साल, 2015-2020, 29 लाख रुपये।

2. ग्लियोब्लास्टोमा व्यक्तिगत चिकित्सा हेतु व्यापक मोलेक्युलर आनुवंशिक पैनल विकसित करने के लिए एक बहु-केंद्रित अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 5 साल, 2016-2021, 50 लाख रुपये (लगभग)।
3. पैपिलरी थायरॉयड कैंसर के निदान हेतु भावी नॉन-इंवेसिव उपकरण के रूप में बीआरएफ (टी1799ए) म्यूटेशन के लिए परिसंचारी डीएनए का विश्लेषण। डॉ. शिप्रा अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2020, रु 8,12,645
4. मेनिंजिओमास के स्तरीकरण हेतु नवाचारी बायोमार्कर के रूप में गैर-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान, और इसके रोगसूचक चिकित्सीय महत्वपूर्ण का मूल्यांकन, प्रो. वी. सूरी, आईआईटी दिल्ली के साथ बहु-संस्थागत संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजना। 3 साल, 2018-2020, 10 लाख रुपये।
5. डब्ल्यूएचओ 2016, ग्लियोमा के वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोट्यूमरीजेनिक इन्फ्लामेशन का आणविक हस्ताक्षर, प्रोफेसर वी. सूरी, एम्स अंतर-विभागीय सहयोगात्मक परियोजना, 3 साल, 2018-2020, 20 लाख रुपये।
6. दृढ़ कोलेस्टेसिस वाले बाल रोगियों के नैदानिक, प्रयोगशाला और रोग संबंधी प्रोफाइल का अध्ययन, डॉ. रजनी यादव, एम्स, दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, 9,90,000 रुपये।
7. व्यापक आणविक उपप्रकारों और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता के अनुसार कोलोरेक्टल कार्सिनोमा को वर्गीकृत करने के लिए आणविक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों को सरोगेट करना, डॉ. पी दास, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख।
8. आभासी कौशल प्रयोगशाला, डॉ. मनोज के सिंह, डीटी (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, 2 साल, 10 अक्टूबर 2014 से 9 अक्टूबर 2016 तक और 8 अक्टूबर 2018 तक बढ़ाए गए, 262.5 लाख रुपये।
9. ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए (miRNA) क्लस्टर्स (C14MC और C19MC) की भूमिका को उजागर करना: क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके अध्ययन, प्रोफेसर चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, प्रति वर्ष 10 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद व्यक्तियों में बीके वायरस के लिए नैनो-एलएएमपी आधारित पहचान को विकसित करने के लिए एक अध्ययन।
2. पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन।
3. मेनिंगियोमास के आणविक प्रोफाइल का आकलन।
4. दाएँ और बाएं कोलोनिक एब्स्ट्रैक्ट क्रिप्ट फॉसी और कार्सिनोमा में आणविक रोगजनन के अंतर का आकलन।
5. एनाप्लास्टिक लार्ज सेल लिंफोमा का क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफाइल।

6. पोस्ट-ट्रांसप्लांट एंडोमयोकार्डियल बायोप्सी का क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन।
7. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई-1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट पहचान प्रणाली का विकास।
8. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा मूल्यांकन किए गए आणविक मानदंड और *परमाणु* विशेषताओं का उपयोग करके एनआईएफटीपी का निदान: प्रारंभिक अध्ययन।
9. प्लासेंटल ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण और विभेदन पर पर्यावरणीय पार्टिकुलेट पदार्थ (शहरी प्रदूषक) और गैसीय (एसओ2) प्रदूषकों का प्रभाव: गर्भनाल की अपर्याप्तता और माँ एवं बच्चे के स्वास्थ्य में प्रदुषण की भूमिका पर एक अंतर्दृष्टि।
10. क्रोमेटिन रीमॉडेलिंग का मूल्यांकन, अग्नाशय (पैन्क्रीऐटिक) के न्यूरोएंडोक्राइन नियोप्लाज्म में एमटीओआर पाथवे और एसएसटीआर की अभिव्यक्ति।
11. ईजीएफआर म्यूटेशन और एकेटी / एमटीओआर पाथवे इन साइनोनसाल स्क्वैमस नियोप्लाज्म का मूल्यांकन।
12. ऊपरी पथ के यूरोटेलियल कार्सिनोमा में एमएसआई और पीडीएल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन।
13. पारंपरिक ऑस्टियोसारकोमा और उच्च-श्रेणी के अस्थियों के अविभाजित सार्कोमा में पीडी-एल1 एवं ट्यूमर में घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइटों में पीडी1 की अभिव्यक्ति और रोग की प्रगति के साथ इसका सहसंबंध।
14. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत कोमल ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका।
15. सीलिएक रोग के रोगियों से ली गई बायोप्सी टुकड़ों में हिस्टोलॉजिकल निष्कर्षों की विषमता।
16. शल्य चिकित्सा द्वारा आमवाती (रूमेटिक) हृदय वाल्वों का हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन।
17. सेंगर अनुक्रमण और डीडीपीसीआर द्वारा आईडीएच उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) मूल्यांकन।
18. एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा का इम्यून माइक्रोएन्वायरमेंट।
19. डिस्फेरलिन और कैलपेन के लिए इम्युनोब्लॉट।
20. डिस्फेरलिनोपैथी के लिए इम्यूनोफ्लोरेसेंस।
21. आईडीएच2 उत्परिवर्ती (म्यूटेंट) और एसएमएआईसीए4 (बीआरजी1) की कमी वाले कार्सिनोमा में साइनोनसाल अविभाजित कार्सिनोमा का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल वर्णन।
22. मायोसिटिस विशिष्ट और मायोसिटिस से जुड़े ऑटोएंटीबॉडी डिटेक्शन के लिए लाइन इम्यूनो परख।
23. आईडीएच वाइल्डटाइप और म्यूटेंट ग्लियोमास की आणविक प्रोफ़ाइल।
24. पीडी-1 और पीडी-एल1 नरम ऊतक के अविभाजित फुफ्फुसीय सार्कोमा में परस्पर क्रिया।
25. प्रोग्राम्ड डेथ लिगैंड-1 एक्सप्रेशन इन मॉलिक्यूलर सबटाइप्स ऑफ मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर।
26. सॉफ्ट टिश्यू सरकोमा की ग्रेडिंग में एमपीएमआरआई की भूमिका।
27. झिल्लीदार नेफ्रोपैथी में एक्सोस्टोसिन, एनईएल1 और सेमाफोरिन 3बी का अध्ययन।
28. डीएलबीसीएल, एनओएस में इजेडएच2 और एमवाईडी88 जीन उत्परिवर्तन का अध्ययन।

29. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रॉल ट्यूमर में हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं, सी-केआईटी, पीडीजीएफआरए म्यूटेशन और एसडीएचबी अभिव्यक्ति का अध्ययन।
30. शल्य चिकित्सा द्वारा विच्छेदित पित्ताशय की थैली एडेनोकार्सिनोमा में इंट्रा-ट्यूमर विषमता का अध्ययन।
31. उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों में p53 इम्युनोएक्प्रेशन और Ki67 LI का अध्ययन
32. पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का अध्ययन और थायराइड कार्सिनोमा में उत्परिवर्तनीय प्रोफाइलिंग के साथ सहसंबंध।
33. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा में डब्ल्यूएनटी और सोनिक हेजहोग सिग्नलिंग पाथवे का अध्ययन
34. मेम्ब्रानोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस में पूरक के लेक्टिन पाथवे की सक्रियता पर अध्ययन।
35. विस्टार रैट मॉडल में टिश्यू इंजीनियर ट्रेकिआ बनाने की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए अध्ययन।
36. युवा में अचानक हृदय संबंधी मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए एक हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन।
37. वसा ऊतक एबीसीए1 और चयापचय (मेटाबोलिक) स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन।
38. ग्लोमास के विभिन्न ग्रेडों के प्रतिरक्षा सूक्ष्म पर्यावरण का विश्लेषण।
39. सेलुलर स्तर पर नैनोपार्टिकल इंटरेक्शन, आंतरिककरण और ट्रैफिकिंग का अल्ट्रास्ट्रक्चर स्तर तंत्र।

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजेनेज़ और डिस्पेज़) का उपयोग करके तैयार किए गए हेयर फोलिकल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन की विभिन्न कोशिका आबादी की प्रभावकारिता और संरचना का एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. सेलुलर रिजेक्शन (अस्वीकृति) में ग्लोमेर्युलर कैपिलरी एंडोथेलियल चोट का एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन।
3. एनएससीएलसी में ईजीएफआर डाउनस्ट्रीम पाथवे का विश्लेषण और टीकेआई प्रतिरोध के लिए तंत्र को समझना।
4. शिशु ग्लिओमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
5. कृत्रिम बुद्धिमता द्वारा मूल्यांकन किए गए आणविक मानदंडों और परमाणु विशेषताओं का उपयोग करके एनआईएफटीपी का निदान: एक प्रारंभिक अध्ययन।
6. विल्म्स ट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा के निदान और पुर्वानूमान में एपोप्टोसिस संबंधित miRNA की विभेदक अभिव्यक्ति।
7. मेडुलोब्लास्टोमास के आणविक उपसमूह के लिए डीएनए मेथाइलेशन एरे

8. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-2 की अभिव्यक्ति, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस-9, टिश्यू इनहैबिटर्स मेटालोप्रोटीनेज-1, टिश्यू इनहैबिटर्स मेटालोप्रोटीनेज-2 की अभिव्यक्ति, थोरैसिक एओरिक एन्यूरिज्म में कोलेजन I और IV में अभिव्यक्ति।
9. फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और गैर मार्फनॉइड एकल के टीएएए में टीजीएफ बीटा
10. प्रगतिशील फेमिलियल इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस का ऊतकीय विश्लेषण और उपवर्गीकरण।
11. एनाप्लास्टिक थायराइड कार्सिनोमा का इम्यून माइक्रोएन्वायरमेंट।
12. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथीः नैदानिक सहसंबंध के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर प्रोफाइल का एक अध्ययन।
13. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका संबंध।
14. पी53 म्यूटेशन और एडवांस्ड सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा वाले रोगियों में उपचार के लिए इसकी प्रासंगिकता - एक पायलट अध्ययन।
15. रास होमोलोग जीन परिवार (आरएचओए) और आइसोसाइट्रेट डिहाइड्रोजनेज 2 (आईडीएच 2) एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी सेल लिम्फोमा (एआईटीएल) में म्यूटेशन।
16. ग्लोमेरुलर रोगों में गैलेक्टोज की कमी वाले IgA1 का अध्ययन।
17. पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का अध्ययन और थायरॉयड कार्सिनोमा में उत्परिवर्तनीय रूपरेखा के साथ सहसंबंध।
18. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों के आधार पर प्राथमिक मांसपेशी इनवेसिव ब्लैडर कार्सिनोमा को बेसल और ल्यूमिनल प्रकारों में उप-प्रकार करना।
19. आईडीएच नकारात्मक ग्लिओमास का लक्षित अनुक्रमण।
20. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा को वर्गीकृत करने के लिए सर्वसम्मति मोलीक्युलर उप-प्रकार और नैदानिक सहसंबंध के अनुसार सरोगेट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मोलीक्युलर मार्करों के एक पैनल की उपयोगिता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सारकॉयडल ऊतक की प्रतिक्रिया के रूप में ऊतक विज्ञान के रूप में निदान किए गए मामलों की एक क्लिनिको-हिस्टोपैथोलॉजिकल समीक्षाः एक पूर्वव्यापी वर्णनात्मक अध्ययन। त्वचा विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. प्रोस्टेट कैंसर के निदान में 12-कोर वाले व्यवस्थित ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड बायोप्सी के साथ एमआरआई-इनबोर लक्षित बायोप्सी की संभावित तुलना, रेडियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
3. प्रीऑपरेटिव बीमारी के बोझ और संवेदनशीलता का निर्धारण करने हेतु कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन का तुलनात्मक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।

4. कुल या पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी प्रक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के आरंभिक पूर्वानुमान के घटकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन। ईएनटी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
5. प्रारंभिक स्तन कैंसर के रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी (एफनैक) का उपयोग करते हुए, एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।
6. पुराने अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा मार्गों का एक अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
7. गुर्दा प्रत्यारोपण के उपरांत व्यक्तियों में बीके वायरस के लिए नैनो-लैंप आधारित खोज विकसित करने के लिए एक अध्ययन।
8. ईएमटी संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए 200 ए,बी,सी द्वारा एपिथेलियल ओवेरियन (डिम्बग्रंथि) कैंसर से पीड़ित रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन।
9. ऑटोएंटीबॉडी से जुड़े वैकल्पिक पूरक मार्ग नेफ्रोटिक सिंड्रोम में माध्यमिक मेम्ब्रेनप्रोलिफ़ेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्रैटिस के लिए विकार, बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी विभाग, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
10. चेहरे के वॉल्यूम की क्षति के उपचार में ऑटोलॉगस नॉन कल्चर्ड त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचाविज्ञान, एम्स।
11. ऑटोलॉगस नॉन कल्चरल डर्मल सेल सस्पेंशन ट्रांसप्लांटेशन, फेशियल वॉल्यूम लॉस के उपचार में: एक महामारी विज्ञान मूल्यांकन।
12. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैव रासायनिक और पाचकरस सम्बन्धी (एंजाइमैटिक) विश्लेषण और रोग-विकृति विज्ञान सम्बन्धी विशेषताओं एवं इम्यून मॉड्यूलरों की अभिव्यक्ति के साथ उनका सह-सम्बन्ध, बाल शल्यचिकित्सा।
13. इन्फ्रारेड इमेजिंग द्वारा बायोमार्कर आधारित प्रारंभिक निदान और स्तन कैंसर मेटास्टेसिस को समझना।
14. ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में एक रोगसूचक मार्कर के रूप में बीआरसीसी3 अभिव्यक्ति, और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसके प्रभाव, कान, नाक, गला सर्जरी, एम्स।
15. कोलन कार्सिनोमा, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, नई दिल्ली में कैंसर स्टेम सेल
16. एसोफैगलकैंसर में डायपेप्टिडाइलपेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी फ़ंक्शंस, बायोकैमिस्ट्री।
17. पल्मोनरी सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन, पल्मोनरी चिकित्सा, एम्स।
18. मीडियास्टिनल सारकॉइडोसिस और तपेदिक में एमआईआरएनए का तुलनात्मक मूल्यांकन।
19. एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी और पारंपरिक ओपन थायरॉयड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना, सर्जिकल विषय विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

20. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में मानक 12 कोर व्यवस्थित टीआरयूएस निर्देशित बायोप्सी और एमआरआईl-फ्यूजन बायोप्सी की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन। यूरोलोजी, एम्स, नई दिल्ली।

21. प्रारंभिक गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल इंडेक्स की संचालन क्षमता, लिम्फनोड स्थिति और बीमारी के स्थानीय विस्तार के साथ सहसंबंध, स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान।

22. हिस्टोपैथोलॉजी के अनुमान हेतु गुर्दे के समूह का सीटी टेक्सचर विश्लेषण, रेडियोलोजी, एम्स, नई दिल्ली।

23. प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए एक नए फॉर्मूलेशन और पैकेजिंग का विकास, और माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के इंजेक्शन दर्द और रिकैल्सीट्रेंट एनोजेनिटल और एक्स्ट्रा-जेनिटल (कॉमन) गांठों में इसका क्लिनिकल परीक्षण, त्वचा विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

24. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक किट का विकास: पुराने रास्ते पर एक नया चलन, जीवभौतिकी।

25. ईडबल्यूएस-एफ़एलआई-1 फ्यूजन प्रोटीन की त्वरित और विशिष्ट पहचान प्रणाली का विकास, एनाटॉमी, एम्स, नई दिल्ली।

26. डिस्टल हाइपोस्पेडिअस में आतंरिक एवं बाह्य प्रीपुटियल त्वचा के बीच सूक्ष्म धमनियों के घनत्व और विकास के घटकों में अंतर, बाल चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।

27. विल्म्सट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा के निदान और रोगनिदान में एपोप्टोसिस से संबंधित एमआईआरएनए (miRNA) की विभेदक अभिव्यक्ति, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

28. जुवेनाइल नैसो-फैरिंजिअल एंजियोफाइब्रोमा (जेएनए) में एंजियोजेनेसिस के आकलन में गतिशील कंट्रास्ट एनहांस्ड एमआर का फैलाव, रेडियोलॉजी, एम्स।

29. प्लासेंटल ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण और विभेदन पर पर्यावरणीय पार्टिकुलेट पदार्थ (शहरी प्रदूषक) और गैसीय (एसओ2) प्रदूषकों का प्रभाव: गर्भनाल की अपर्याप्तता और माँ एवं बच्चे के स्वास्थ्य में प्रदूषण की भूमिका पर एक अंतर्दृष्टि, जैव-रसायन। जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।

30. दवा प्रतिरोधी जीवाणुजनित और कवकजनित रोगाणुओं के विरुद्ध इसकी सूक्ष्मजीवरोधी गतिविधियों के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

31. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया में इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म और आनुवंशिक अध्ययन, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।

32. ग्लिओमा में ट्यूमर की प्रगति और इसकी पुनरावृत्ति के प्रारंभिक निदान, खोज के लिए नैदानिक बायोमार्करों का सुदृढ़ और मितव्ययी रक्त आधारित पैनल स्थापित करना, आईजीआईबी, दिल्ली।

33. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) थायराइड कैंसर हेतु एक संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में, और थायराइड कैंसर में आयोडीन से निपटने वाले जीन के साथ इसका संबंध। चिकित्सा ऑन्कोलॉजी लैब विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

34. एक्टोपिक एसीटीएच सिंड्रोम वाले रोगियों का एटियोलॉजिकल एवं चिकित्सीय प्रोफाइलः एक महत्त्वाकांक्षी अध्ययन, एंडोक्राइनोलॉजी (अन्तःस्राविका) विभाग, चयापचय एवं मधुमेह, एम्स, नई दिल्ली।
35. सार्स कोविड19 के रोगियों के आँसू और नेत्रश्लेष्मला स्राव में कोरोनोवायरस का मूल्यांकन
36. गंध संबंधी न्यूरोब्लास्टोमा, कान, नाक, गला सर्जरी की आनुवंशिक प्रोफाइल का मूल्यांकन, एम्स।
37. ओस्टियोसारकोमा के ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में प्रतिरक्षा जांचबिन्दु का मूल्यांकन, हड्डी रोग विभाग और विकृति विज्ञान विभाग के साथ एम्स इंट्राम्यूरल।
38. आरसीसी, बायोकेमिस्ट्री, एम्स नई दिल्ली में इम्यून एस्केप मैकेनिज्म का मूल्यांकन।
39. जोखिम के स्तरीकरण और चिकित्सीय हस्तक्षेप में इसकी भूमिका के लिए मेनिंजियोमास में सर्कआरएनए के संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन, आईआईटी, नई दिल्ली।
40. सी11-मेथियोनीन पीईटी/सीटी और 18एफ़ फ्लुरोडिओक्सीग्लूकोस पीईटी/सीटी परमाणु चिकित्सा के साथ वृक्क कोशिका कार्सिनोमा का तुलनात्मक मूल्यांकन, एम्स, नई दिल्ली।
41. ग्रीवा लिम्फ नोड्स के लिए अज्ञात सिर और गर्दन का मेटास्टेटिक प्रारम्भिक मूल्यांकन, कान, नाक, गला सर्जरी, एम्स।
42. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ $\gamma\delta$ टी सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज। फार्माकोलॉजी, एम्स।
43. सीरम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के निर्धारण में वसामय ऊतक एबीसीए1 की भूमिका की खोज बायोकेमिस्ट्री, एम्स, नई दिल्ली।
44. ग्लिओमास में फैट जीन, जैव रसायन विभाग।
45. एक नवीन उबिक्वीटिन लिगसे के रूप में एफबीएक्सओ4 जो कि स्तन कैंसर के रोगजनन में साइक्लिन D1 को लक्षित करता है। जीव रसायन।
46. क्रोनिक हार्ट फेलियर के रोगियों में सूजन के साथ टोल जैसे रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, कार्डियोलॉजी सफदरजंग अस्पताल।
47. केवल सिंड्रोम पर सर्टोलिकेल ओनली आनुवंशिक अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
48. एनएल प्रतिक्रियाओं के रोगियों में हिस्टोमोर्फोलॉजिकल और नैदानिक अध्ययन, त्वचाविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
49. पोस्ट-ट्रांसप्लांट एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी का हिस्टोमोर्फोलॉजिकल अध्ययन, विकृति विज्ञान, एम्स।
50. रीनल सेल कार्सिनोमा के रोगियों के लिए एक बायोमार्कर फोर ट्यूमर बिहेवियर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान। यूरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
51. ट्यूमर के व्यवहार की पूर्व-सूचना देने के लिए रीनल सेल कार्सिनोमा में संभावित आणविक मार्करों (पीआरएल3 फॉस्फटेस, सीएवी2, एलएएमए4) की पहचान, यूरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
52. कैंसर के लिए इमेजिंग बायोबैंक (डीबीटी 2020-2023), टाटा मेमोरियल अस्पताल और 4 अन्य केंद्र।
53. दुबले और मोटे व्यक्ति में चयापचय से जुड़ा यकृत रोग (एमएएफएलडी): रोग और प्रगति बायोमार्करों के लिए खोज, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी।

54. फैलोट के टेट्रालॉजी के मामलों में फुफ्फुसीय रक्त वाहिकाओं का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन।
55. एमयूसी! कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए स्पंदित डीसी-डिराइव्ड एक्सोसोम। एम्स और आईआईटी, दिल्ली।
56. मानव क्रोहन रोग और जोंस रोग में माइकोबैक्टीरियम पैराट्यूबरकुलोसिस: एक बहुकेंद्रीय भारतीय अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स।
57. तीव्र अथवा दीर्घस्थायी लीवर फेलियर में न्युट्रोफिल डिसफंक्शन ईएलएएनई, एमपीओ और सीडी177 के साथ जुड़ा हुआ है, जैव-रसायन, एम्स।
58. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल लक्षण वर्णन, सर्जरी।
59. औषधीय प्रयोगात्मक मधुमेह चूहों में एसीई2/एंजियोटेंसिन (1-7)/मास रिसेप्टर अक्ष के माध्यम से डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी को प्रभावित करता है, फार्माकोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
60. नव निदानित आईडीएचडब्ल्यूटी अनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (एनसीआई-आर-01-हायआरएए) में समवर्ती और संरक्षण टेमोजोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटेड एक्सेलरेटेड रेडियोथेरेपी के चरण-2 का अध्ययन, विकिरण कैंसर विज्ञान, एम्स।
61. रीनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 और ट्रेग कोशिकाओं के फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण वर्णन, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, नई दिल्ली।
62. पिछले 5 वर्षों में एंडोक्राइन वार्ड में भर्ती हुए प्राथमिक हाइपरपैराथाइरॉयडिज्म वाले प्रकरणों में मल्टीप्ल एंडोक्राइन नियोप्लासिया की व्यापकता और विशेषताएँ: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, मैटोबोलिज्म (चयापचय) और मधुमेह, एम्स, नई दिल्ली।
63. पेरीएम्पुलैरी कार्सिनोमा से ग्रसित रोगियों में संचरण करने वाले ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की व्यापकता और पुनरावृत्ति से मुक्त एवं सम्पूर्ण उत्तरजीविता के साथ इसका सह-संबंध, जीआई सर्जरी और लीवर ट्रांसप्लांट विभाग।
64. नैदानिक इमेजिंग पद्धतियों का प्रत्याशित मूल्यांकन और रीकरंट डिफरेंशिएटेड थाइरॉयड के कैंसर में नोडल रोग के प्रबंधन में शल्यचिकित्सा सम्बन्धी निर्णय लेने के अल्गोरिथ्म पर इसका प्रभाव और चिकित्सीय एवं शल्यचिकित्सा संबंधी स्पेक्ट्रम और परिणामों के मूल्यांकन के लिए थाइरॉयड कैंसर के डाटाबेस के लेखा-परीक्षण पर इसका प्रभाव।
65. आईआरसीएच, एम्स में टेस्टिकुलर जर्म सेल ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
66. नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर (गैर-मादक वसायुक्त यकृत) रोग, रेडियोलॉजी, एम्स में एडवांस्ड (उन्नत) एमआरआई तकनीकों की भूमिका, रेडियोलॉजी, एम्स।
67. यूरिनरी ब्लेडर (मूत्राशय) के कार्सिनोमा, जैव रसायन में बी कोशिकाओं की भूमिका, एम्स, नई दिल्ली।
68. मेटास्टैटिक आरसीसी के रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की भूमिका, यूरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
69. प्राथमिक हाइपरपैराथाइरॉइड वाले रोगियों में दोषी घावों के लोकलाइजेशन में एकीकृत एफ-फ्लुरोकोलिन पीईटी/4डीसीटी की भूमिका, परमाणु चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

70. अग्न्याशय के सिस्टिक नियोप्लाज्म के मामूली बनाम घातक किस्म की पहचान करने में माइक्रो आरएनए की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी।

71. स्तन कैंसर के रोगियों में नवसहायक कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर के बोझ के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।

72. प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति के दौरान बीटा ऑक्सीकरण के नियमन में पीएक्यूओसोम कॉम्प्लेक्स की भूमिका, जैव-रसायन, एम्स, नई दिल्ली।

73. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, मेड ऑन्कोलॉजी बीआरए-आईआरसीएच।

74. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी (विकृति विज्ञान) के आकलन में शीयरवेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।

75. एचएमजीबी-1 से जुडी हुई ऑटोफेगी का अध्ययन और मूत्राशय के यूरोटेलियल कार्सिनोमा में इसके संबंधित अणु। जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।

76. कार्डिएक मार्करों का अध्ययन, सकल निष्कर्ष और हृदय सम्बंधित संदिग्ध मृत्यु के प्रकरणों में हृदय में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन, फोरेंसिक दवा एम्स।

77. पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा के लिए ईटियोलॉजी के रूप में भारी धातुओं का अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।

78. रूमेटिक हृदय वाल्व नमूनों में हिस्टोमोर्फोलॉजिकल, प्रोटिओमिक्स और कोलेजन का अध्ययन, सीटीवीएस, नई दिल्ली।

79. सीलिएक रोग में आंतों के स्टेम सेल निची का अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स और आरसीबी, फरीदाबाद।

80. सर्टोली ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) में एमआईआरएनए प्रोफाइल का अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

81. डिम्बग्रंथि सीरस कार्सिनोमा में पीकेसी-सिग्नलिंग का अध्ययन। मेड ऑन्कोलॉजी बीआरए-आईआरसीएच।

82. चूहे, ब्लेमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसामोल का अध्ययन, एम्स।

83. एनएएफएलडी के चूहों के मॉडल पर अध्ययन, फार्माकोलॉजी, एम्स।

84. कोलेस्टीटोमा की आक्रामकता, कान, नाक, गला, सर्जरी का क्लिनिको-पैथोलॉजिकल मूल्यांकन, एम्स।

85. प्रोस्टेट कैंसर में सिंगल स्टेजिंग मोडालिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, नाभिकीय औषधि, एम्स, नई दिल्ली।

86. बच्चों में ग्लिओमा के आणविक प्रोफाइल का विश्लेषण करना और आणविक उप-समूहीकरण और खतरे के स्तरीकरण के लिए सुदृढ़ एवं मितव्ययी पद्धतियों को स्थापित करना, एनईआईजीआरएमएस, जीएनआरसी असम।

87. ट्यूमर और पेरीफेरल ब्लड सर्कुलेशन में एससीएलसी के प्रतिरक्षा परिदृश्य को चिह्नित करना विकृति विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

88. मल्टी-ओमिक्स पद्धति का उपयोग करके विशिष्ट चरण के अल्कोहल-रहित फैटी लीवर रोग के निदान के लिए अनोखे विभेदक हस्ताक्षरों की पहचान करना: एक पायलट अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी।

89. पैराथाइरॉयडेक्टोमी से गुजर रहे रोगियों के चिकित्सीय प्रोफाइल, जाँच-पड़ताल और परिणाम का अध्ययन करनाः एक पूर्वव्यापी और संभावित अनुभव। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

90. हालो नेवस के एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन, त्वचाविज्ञान, एम्स नई दिल्ली।

91. एनाप्लास्टिक थायरॉयड कार्सिनोमा में ट्यूमर डायनामिक्स और प्रतिरक्षा सेल इंटरेक्शन्स, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

92. कोशिका के स्तर पर नैनो-कणों की अंतःक्रिया, आतंरिककरण और ट्रैफिकिंग। एनाटॉमी, एम्स, नई दिल्ली।

93. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि ट्यूमर के प्रीऑपरेटिव निदान में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पोटे-ई का उपयोग: एक पायलट अध्ययन।

94. संक्रमण के कारण पैरेक्सिया ऑफ अननोन ओरिजिन (पीयूओ) के रोगियों में निर्णय समर्थन एल्गोरिथम की स्थापना में इमेजिंग एजेंटों के रूप में रेडियोलैबल्ड एंटीबायोटिक दवाओं की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव।

पूर्ण

1. एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए एस्से का तुलनात्मक मूल्यांकन और हाईग्रेड सरवाइकल इंट्रापीथेलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए उच्च जोखिम वाले एचपीवी डीएनए परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग का तुलनात्मक मूल्यांकन।

2. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों का एक अध्ययन - चिकित्सीय प्रोफाइल, उपचार और रिलैप्स के पैटर्न और आँत एवं मलाशय सम्बन्धी कैंसर में मिरना निष्कर्षण के लिए आणविक जीव विज्ञान के आधारभूत प्रयोगशाला तकनीक को सीखना, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स

3. फेफड़ों के कैंसर में ब्रेन मेटास्टेसिस, मेडिकल ऑन्कोलॉजी।

4. एसोफैगस कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता - एक पायलट अध्ययन, जिसमें पैक्लिटैक्सेल+कार्बोप्लाटिन के साथ सिस्प्लाटिन+5-एफयू की तुलना की गयी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स।

5. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग करके स्तन कैंसर का आणविक वर्गीकरण: एक पायलट अध्ययन, सर्जरी।

6. सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों में पैनजीई की भागीदारी: आईजीए एंटी-टीजी2 एंटीबॉडी के भंडार द्वारा मृत होने का प्रमाण, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स।

7. दुर्दम्य सीलिएक रोग की व्यापकता: अस्पताल आधारित जनसंख्या पर एक संभावित अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स।

8. पैथोलॉजी एंडोमेट्रियल के मूल्यांकन में शियर वेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।
9. यूटरिन पैथोलॉजी के मूल्यांकन में सोनो-इलास्टोग्राफी की भूमिका, रेडियोडायग्नोसिस।
10. प्रोस्टेटाइटिस के प्रायोगिक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन, फार्माकोलॉजी, एम्स, दिल्ली।
11. थाइमिकट्यूमर और वैट्स, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी।
12. एकान्त थायरॉयड नोड्यूल के अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ टीआईआरएडीएस और साइटोलॉजिकल ग्रेडिंग के सहसंबंध का अध्ययन करना।
13. आम सहमति वाले आणविक उपप्रकारों और चिकित्सीय सहसंबंध के अनुसार, मानव आँत एवं मलाशय के कार्सिनोमा को वर्गीकृत करने के लिए सरोगेट इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक मार्करों के एक पैनल की उपयोगिता, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 160 सार: 12 पुस्तकें: 26 पुस्तकें / मोनोग्राफ: 1

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

सर्जिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला

संसाधित नमूने	21,747
विशेष नमूने (दाग)	20,200

साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला

कुल नमूने	11,007
एफएनएसी (आउट पेशेंट)	3,210
एक्सफोलिएशन रूटीन	4,800
सरवाइकल स्मीयर (पीएपी स्मीयर)	2,997
पोस्टमार्टम किया गया	9
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	310

इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला

डायग्नोस्टिक (नैदानिक)	32,087
अनुसंधान	211

न्यूरोपैथोलॉजी लैब

कुल नमूने	540
फ्रोजन सेक्शन	32

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री

रूटीन आईएचसी	3,851
रिसर्च आईएचसी	2,310
मांसपेशी आईएचसी	460
कुल मांसपेशी प्राप्त	56
स्नायू एंजाइम-हिस्टोकेमिस्ट्री	151

स्वस्थानी संकरण में प्रतिदीप्ति

(डायग्नोस्टिक) नैदानिक	244
अनुसंधान	228

ईएम सुविधा

कुल मांसपेशी नमूने	56
कुल तंत्रिका नमूने	15
इम्यूनोब्लॉट नमूने	17
इम्यूनोफ्लोरेसेंस	5

टिश्यू कल्चर लैब

एचएंडई स्टेनिंग	7618
विशेष स्टेन (दाग)	600 + H-Pylori 5,840
इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	3,840
फ्रोजेन सेक्शन	1,789
बेदाग	2,998
कोटेड स्लाइड	23,976
रिसर्च ब्लॉक कटिंग	1,689

रीनल पैथोलॉजी सेवाएं

मूत्र तलछट विश्लेषण	911
किडनी बायोप्सी की इम्यूनोफ्लोरेसेंस	354
किडनी बायोप्सी की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	350

कार्डिएक पैथोलॉजी

नमूनें

सामान्य	-	165
अनुसंधान	-	196

अन्य कार्य

इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री-	296 स्लाइड्स
एच एंड ई स्टेन-	383 स्लाइड्स
विशेष स्टेन-143 स्लाइड्स	
पोस्ट-ट्रांसप्लांट बायोप्सी की मैनुअल प्रोसेसिंग-	34 केसेस
ब्लॉकों की कटाई (बिना दाग वाले खंड)-	753 स्लाइड
स्किन बायोप्सी कटिंग (त्वचा की बायोप्सी कटिंग)	130 केसेस
रीनल बायोप्सी कटिंग	200 केसेस
फ्रोजन कटिंग	80 केसेस
कोटेड स्लाइड्स	3000 स्लाइड्स

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

रेजिडेंट्स पुरस्कार

ईमान दंडपथ को एम्स, नई दिल्ली में डीएनएसीओएन 2021 में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ज्योत्सना सिंह को एम्स, नई दिल्ली में डीएनएसीओएन 2021 में मौखिक प्रस्तुति के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर चित्रा सरकार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स, गुवाहाटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति की कोर समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; सीआईएमपीएसीटी - एनओडब्ल्यू की कार्यसमिति की सदस्य: डब्ल्यूएचओ [सीएनएस ट्यूमर वर्गीकरण के लिए आणविक और व्यावहारिक दृष्टिकोण को सूचित करने के लिए संघ]; केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के ट्यूमर के वर्गीकरण पर 2021 में डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक में दो अध्यायों के लिए सह-लेखक को आमंत्रित किया गया, जिसे 2021 में कैंसर पर अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा प्रकाशित किया जाएगा, ल्यों [5वां संस्करण] शीर्षक: ग्लियोब्लास्टोमा; पैरागैंग्लिओमास; इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, लियोन [5वें संस्करण] द्वारा 2021 में बाल चिकित्सा ट्यूमर के वर्गीकरण पर 2021 में प्रकाशित होने वाली डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक में एक अध्याय के सह-लेखक को आमंत्रित किया गया है: मेडुलोएपिथेलियोमा; डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक के 2021 संस्करण में एक अध्याय के सह-लेखक के लिए आमंत्रित किया गया जिसका शीर्षक है: एंडोक्राइन और न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर का डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण; विकृति विज्ञान सोसायटी ऑफ इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; क्षेत्रीय राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, त्रिवेंद्रम की समीक्षा के लिए समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में डीबीटी द्वारा नियुक्त; एमेरिटस वैज्ञानिकों की आईसीएमआर चयन समिति के सदस्य; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा एमएफसीएस प्रमोशन (स्तर-2) के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; पैथोलॉजी में संकाय पदोन्नति के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की चयन समिति के सदस्य; केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा मुद्दों पर समिति के सदस्य के

रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियुक्त; कैंसर जीनोमिक्स पर वैभव शिखर सम्मेलन भारत पैनल चर्चा के सदस्य; मुख्यालय समन्वित परियोजनाओं के लिए सीएसआईआर समिति के अध्यक्ष; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा "सुप्रा" परियोजनाओं की चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा नियुक्त "पावर" परियोजनाओं की चयन समिति के सदस्य; चिकित्सा पेशेवरों के लिए नवाचार और उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज के लिए आईसीएमआर समिति के सदस्य; राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र की कार्यकारी समिति के सदस्य. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अध्यक्ष, एम्स, कल्याणी के रूप में जारी रहना; भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के संबंध में सिफारिशों का सुझाव देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और डीएचआर द्वारा गठित समिति के सदस्य; सदस्य, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शासी निकाय; सदस्य, टीएचएसटीआई सोसायटी समिति; रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए चयन समिति सदस्य; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, नई दिल्ली।

प्रोफेसर संदीप आर माथुर के कार्यकाल को इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट के दिल्ली चैप्टर के सचिव के रूप में विस्तारित किया गया।

डॉ दीपाली जैन, वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन आईएसी-आईएआरसी साइटोपैथोलॉजी रिपोर्टिंग सिस्टम्स, प्रथम संस्करण- इंटरनेशनल सिस्टम फॉर रिपोर्टिंग लंग साइटोपैथोलॉजी के संपादन मंडल के सदस्य; लेखक, इंनवीटेशन वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइजेशन क्लासीफिकेशन ऑफ इंडोक्राइन एंड न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर्स, हैड एण्ड नैक ट्यूमर्स के लेखक, इंटरनेशनल कोलोब्रेशन ऑन कैंसर रिपोर्टिंग (आईसीसीआर) थाइमिक एपिथिलियल ट्यूमर्स डाटासेट लेखन समिति के सदस्य; डीएसटी-एसईआरबी पॉवर फैलोशिप मार्च 2021 थे।

डॉ प्रसन्नजीत दास को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, हेपेटिक और पैनक्रिएटोबिलरी पैथोलॉजी, 2020-21 पर इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट के विशेष संस्करण के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में आमंत्रित किया गया था; वर्ष 2021 के लिए इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त; रिफत मन्नान, सहायक क्लीनिकल प्रोफेसर, सिटी ऑफ़ होप नेशनल मेडिकल सेंटर, कैलिफ़ोर्निया द्वारा एपेंडिसियल ट्यूमर पर संचालित ऑनलाइन वेबिनार; पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वेबिनार श्रृंखला; डॉ. विक्रम देशपांडे द्वारा पैन्क्रिएटोबिलरी रोगों पर संचालित पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा ऑनलाइन वेबिनार, वेबिनार श्रृंखला।

डॉ गीतिका सिंह को वर्ष 2021 के लिए रेनल पैथोलॉजी सोसायटी, केस ऑफ द मंथ वर्किंग ग्रुप का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था; रीनल पैथोलॉजी वर्किंग ग्रुप, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; अंतरराष्ट्रीय पत्रिका - ग्लोमेरुलर डिजीज के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित; रॉबिंस टेक्स्टबुक ऑफ पैथोलॉजी के दक्षिण एशियाई संस्करण में लेखक का योगदान - किडनी।

डॉ सीमा कौशल को जीयू ट्यूमर (5वें संस्करण) 2021 के वर्गीकरण पर आगामी डब्ल्यूएचओ ब्लू बुक में विभिन्न अध्यायों के लिए लेखकत्व से सम्मानित किया गया है।

डॉ आदर्श बारवाड को यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग पीए, यूएसए में आईसीएमआर/डीएचआर 2019-2020 योजना के तहत युवा वैज्ञानिक के लिए दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ आंचल कक्कड़ को सिर और गर्दन के ट्यूमर 2021 के डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के आगामी 5वें संस्करण में तीन अध्यायों में योगदान करने के लिए आमंत्रित किया गया था (1. नाक गुहा, परानासल साइनस और खोपड़ी का आधारः मेनिंगियोमा 2. नरम ऊतक ट्यूमर: एकान्त रेशेदार ट्यूमर 3. मेलानोसाइटिक ट्यूमरः म्यूकोसल मेलानोमा), साथ ही एंडोक्राइन ट्यूमर 2021 के डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के 5वें संस्करण में एक अध्याय (हेमेटोलिम्फोइड ट्यूमर: एमएएलटी लिम्फोमा), जो इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, लियोन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

डॉ असित आर. मिर्धा ने एक नई मशीन पर पेटेंट दायर किया है: आईआईटी, दिल्ली और (पेटेंट आवेदन संख्या: 201911031205, प्रकाशन तिथि (यू/एस 11ए) 05/02/2021) के सहयोग से हमारी नई तकनीक का उपयोग करते हुए "एक स्वचालित त्रि-अक्षीय रोटरी अल्ट्रासोनिक बोन ड्रिलिंग मशीन"।

डॉ प्रशांत पी. रामटेके ने रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजी (एफआरसीपाथ) हिस्टोपैथोलॉजी परीक्षा की फेलोशिप पास की।

डॉ कवनीत कौर को इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, ल्यों द्वारा प्रकाशित सेंट्रल नर्वस सिस्टम 2021 के डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के आगामी 5वें संस्करण में एक अध्याय के सह-लेखक के लिए आमंत्रित किया गया था; इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, ल्यों द्वारा प्रकाशित बाल चिकित्सा ट्यूमर 2021 के आगामी डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण में एक अध्याय के सह-लेखक के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ अरुणा नंबिराजन ने नंबिराजन ए, मालगुलवार पीबी, शर्मा ए, बूर्गुला एमटी, डोड्डमनी आर, सिंह एम, सूरी वी, सरकार सी, शर्मा एमसी के लिए एम्स ऑन्कोलॉजी अवार्ड (बेसिक रिसर्च कैटेगरी) फर्स्टम प्लेस प्राप्त किया। पीडी-एल1 एक्सप्रेशन और साइटोटोक्सिक टी-लिम्फोसाइट का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन एपेंडिमोमास के इंट्राकैनायल आणविक उपसमूहों में घुसपैठ करता है: क्या ये ट्यूमर प्रतिरक्षा जांच-बिंदु नाकाबंदी के लिए संभावित उम्मीदवार हैं? ब्रेन ट्यूमर पैथोल 2019; 36, 152-161 - 65वां एम्स स्थापना दिवस समारोह, एम्स, नई दिल्ली, 25 सितंबर 2020।

9.30. भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी.एल. कुमार

आचार्य

एन. आर. बिस्वास | एस.के. मौलिक | डी.एस. आर्य
जतिंदर कात्याल | सुरेंद्र सिंह | के.एच. रीटा
जागृति भाटिया

सह-आचार्य

पूजा गुप्ता | हरलोकेश नारायण यादव | सुधीर चंद्र सारंगी

सहायक आचार्य

एन. एस. राज

वैज्ञानिक

थॉमस कालीकल | अमिता श्रीवास्तव | माधुरी गुप्ता
सुंदर सिंह सैमुअल | स्वाति शर्मा

शिक्षा

विभाग बी.एस-सी नर्सिंग (ऑनर्स), बी.एस-सी ओटी तकनीशियन, एम.बी.बी.एस., एम.एस-सी (चिकित्सा भेषजगुण विज्ञान), एम.डी, पी.एच.डी तथा डी.एम (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है।

प्रदत्त व्याख्यान

हरलोकेश नारायण यादव: 2 **सुधीर सारंगी: 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर

1. शर्मा एच., रीटा के.एच., पेरैम्पनेल विस्टार चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्किमिया रीपरफ्यूजन चोट के उपरांत स्ट्रोक के बाद की क्षति को कम करता है।, भेषजगुण विज्ञान 2020; ब्रिटिश फार्माकोलॉजिकल सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, 14-18 दिसंबर 2020, वर्चुअल, यूके
2. वनिदासन आई, मलिक पी., गुप्ता पी., शर्मा जे., कुमार एस., गुणसेकर एस., जैन डी., वीएस, मोहन ए., रामावथ डी., फेफड़ों के कैंसर के साथ ट्रेस तत्वों एवं भारी धातुओं के संबंध को निर्धारित करने तथा धूम्रपान के साथ उनके सहसंबंध हेतु एक अध्ययन, आईएएसएलसी 2020, फेफड़ों के कैंसर पर विश्व सम्मेलन, 28-31 जनवरी 2021, वर्चुअल, सिंगापुर
3. वासन एच., सिंह डी., जोशी बी., शर्मा यू., जगन्नाथन एन.आर, रीटा के.एच, सफीनामाइड ऑक्सीडेटिव तनाव एवं सूजन को कम करके चूहों में सेरेब्रल इस्किमिया रीपरफ्यूजन से होने वाली

चोट में सुधार, संयुक्त यूरोपीय स्ट्रोक संगठन एवं विश्व स्ट्रोक संगठन सम्मेलन (ईएसओ-डब्ल्यूएसओ 2020)), 7-9 नवंबर 2020, वर्चुअल, विएना, ऑस्ट्रिया

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. विस्टार चूहों में स्ट्रेप्टोजोटोकिन प्रेरित डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विनपोसेटिन की सुधारात्मक क्षमता (I-1135), आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, एच.एन. यादव, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 16.80 लाख
2. सामान्य विष के प्रति जागरूकता, धारणा एवं के.ए.पी. (ज्ञान, दृष्टिकोण एवं व्यवहार) का आकलन तथा जीवन शैली के उतार-चढ़ाव हेतु वैज्ञानिक संचार मापदंड का विकास एवं विषाक्तता की रोकथाम के प्रति जन जागरूकता के लिए साल भर की रणनीति, स्वाति शर्मा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग , 1.5 वर्ष, 2021-2022, रुपए 42,57,771
3. एंटीपीलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी वाली मिर्गी से ग्रसित रोगियों में सामाजिक अनुभूति एवं व्यवहार संबंधी दुर्बलता का संबंध : न्यूरोइमेजिंग खोजों से सहसंबंध एवं तत्व स्थिति ज्ञात करना, सुधीर चंद्र सारंगी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपए 37,89,000
4. मिर्गी के रोगियों में अवसाद (पीडब्ल्यूई): सीरम बायोमार्कर एवं सीवाईपी2सी19 पॉलीमॉर्फिज्म के साथ सहसंबंध, एक मार्गदर्शी अध्ययन, जतिंदर कत्याल, एम्स, नई दिल्ली, 2.9 वर्ष, 2018-2021, रुपए 7,87,000
5. उन्नत ताप सुचालक, जैव अनुकूल एवं रेडियो-अस्पष्टता से प्रबलित नैनो डिस्पेंस्ड डेंचर बेस रेजिन का विकास, माधुरी गुप्ता, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपए 36,15,570
6. रुधिरविज्ञान संबंधी विकृतियों वाले रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी हेतु प्रारंभिक बायोमार्कर, शालिनी रावल (मार्गदर्शक: पूजा गुप्ता), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2019 - 2022, रु 30,24,561
7. अवसाद से ग्रसित रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन एवं न्यूरोप्लास्टी पर एंटीडिप्रेसेंट का प्रभाव, सुधीर चंद्र सारंगी, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 3 साल, 2019-2022, 29,03,000 रुपये
8. चूहों (ए-711) में फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के प्रयोग मॉडल में सिल्डेनाफिल मोनोथेरेपी बनाम विटामिन डी एवं सिल्डेनाफिल संयोजन का प्रभाव, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, एच.एन. यादव, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, रु 10,00,000
9. कोलाइटिस वाले चूहे के मॉडल में एज़ैथियोप्रिन के फार्माकोडायनामिक्स एवं फार्माकोकाइनेटिक्स पर एशियाटिकोसाइड एवं मेडिकासोसाइड के प्रभाव का मूल्यांकन, थॉमस कालीकल, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2019 -2021, रुपये 9,96,000
10. चूहों में आघात एवं आघात उपरांत दौरा संबंधी व्यवहार के प्रायोगिक मॉडल में सेफिनामाइड का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, रु 27,61,440

11. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) से निदान प्राप्त "प्रकृति" स्तरीकृत रोगियों का जीनोमिक एवं जैव रासायनिक सहसंबंध: व्यक्तिगत सीएडी उपचार हेतु एक एकीकृत दृष्टिकोण, पामिला दुआ (मार्गदर्शक: के.एच. रीटा), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 31,21,000
12. औषधि के उचित इस्तेमाल हेतु आईसीएमआर टास्क फोर्स केंद्र, पूजा गुप्ता, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019 - 2022, रु 30,25,679
13. आईसीएमआर-उत्पाद विकास केंद्र, डी.एस. आर्य, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 5 वर्ष, 2019-2024, 14,82,130 रुपये
14. एएमपीए रिसेप्टर का मॉड्युलन: चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्किमिया रीपरफ्यूजन चोट के बाद आघात-उपरांत क्षति पर प्रभाव, के.एच. रीटा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, 54,07,560 रुपये
15. चूहों में मधुमेह के प्रायोगिक मॉडल में ग्लिबेंक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक निरूपण (बीजीआर-34) की फार्माकोडायनामिक एवं फार्माकोकाइनेटिक अंतःक्रिया। सुधीर चंद्र सारंगी, एआईएमआईएल फार्मास्यूटिकल्स, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपए 27,00,000
16. ब्लोमाइसिन प्रेरित पुल्मोनरी फाइब्रोसिस के प्रायोगिक मॉडल में अधातोडावासिका के प्रभाव की जांच हेतु औषधीय एवं आणविक दृष्टिकोण। जागृति भाटिया, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 55,42,932
17. औषधीय; तथा स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित मधुमेह से ग्रसित चूहों में इस्किमिया-रीपरफ्यूजन चोट के मॉडल में चयनित दवा की जांच हेतु आणविक दृष्टिकोण, डी.एस. आर्य, ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब, यूएसए, 3 वर्ष, 2018-2021 रुपये, 47,51,640
18. चूहों में इस्केमिक आघात के स्थायी तथा क्षणिक मॉडल में ऑटोफैग्य एवं एपोप्टोसिस को संशोधित करने में जीएसके3β की भूमिका, देवेंद्र सिंह (मार्गदर्शक: के.एच रीटा) भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2019-2022, रुपये 21,58,000
19. विटामिन डी के अनुपूरण उपरांत दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले रोगियों में दौरा नियंत्रण के साथ विटामिन डी रिसेप्टर अभिव्यक्ति एवं उनके सहसंबंध का अध्ययन। सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपये 4,97,000
20. सतह व्यवस्थित सिल्वर (एजी) नैनोकणों एवं एंजियोजेनेसिस आधारित पशु घाव उपचार हेतु पेप्टाइड संयुग्म, एच.एन यादव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2018-2021, रुपये 87,36,000
21. कैंसर चिकित्सा हेतु सहक्रियात्मक प्रभाव जानने के लिए पी53 न्यूनाधिक एवं कैंसर रोधी दवाओं का लक्षित सह-वितरण, एच.एन. यादव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2016-2021, रुपये 35,00,000
22. सुनीटिनिब कीमोथेरेपी के करवा रहे कैंसर रोगियों में हाथ-पैर की त्वचा की प्रतिक्रिया का माध्यमिक प्रोफिलैक्सिस में सामयिक यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करना, पूजा गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019 - 2021, रु 8,00,000

23. मायलोमा रोगियों में बोर्टेज़ोमिब रक्त एकाग्रता एवं नैदानिक प्रतिक्रिया पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन करना, पूजा गुप्ता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2017 - 2020, रु 25,31,073

पूर्ण

1. लिराग्लूटाइड की मौखिक डिलीवरी हेतु ठोस लिपिड नैनोकणों का विकास, एक मधुमेह-रोधी दवा, एच.एन. यादव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2 वर्ष, 2018-2020, रु 14,75,000
2. मिर्गी से पीड़ित रोगियों पर चयापचय की स्थिति में लेवेतिरसेटम एवं वैल्प्रोएट सहित एंटीपीलेप्टिक औषध मोनोथेरेपी का प्रभाव, सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
3. एसटीएक्स-प्रेरित मधुमेह वाले चूहों में मायोकार्डियल रोधगलन के प्रायोगिक मॉडल में एकल सीबकथॉर्न ऑयल एवं रेमिप्रिल के संयोजन की प्रभावकारिता पर आणविक एवं औषधीय जांच, डी.एस. आर्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 4 वर्ष, 2017-2021, रु. 47,82,608
4. प्रायोगिक मधुमेह वाले चूहों में ऐस-2/एंजियोटेंसिन (1-7) / मास रिसेप्टर अक्ष द्वारा मधुमेहीय कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी के औषधीय प्रभाव, एच.एन. यादव, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, रु 20 लाख

विभागीय परियोजनाएं (शोधपत्र/शोध प्रबंधों सहित)

जारी

1. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में केमोकाइन के स्तर पर अप्ररूपी एंटीसाइकोटिक्स के प्रभाव पर एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
2. चूहों में प्रायोगिक मधुमेह कार्डियोमायोपैथी में विटामिन डी की उन्नत क्षमता।
3. लेविटेरेसिट्म बनाम सोडियम वैल्प्रोएट मोनोथेरेपी पर मिर्गी (पीडब्ल्यूई) वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक हानि का मूल्यांकन
4. 5-फ्लूरोरासिल प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी से सुरक्षा के लिए बर्बेरिन नैनोपार्टिकल्स - *इन विट्रो* एवं *इन विवो* अध्ययन
5. लेविटेरेसिट्म पर मिर्गी वाले व्यक्तियों में सीवाईपी2सी19 बहुरूपता
6. मिर्गी वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूई) में अवसाद: सीरम बीडीएनएफ एवं जिंक के स्तर का सहसंबंध
7. चूहों में दौरा प्रेरित अवसाद में लेवेतिरसेटम के साथ जिंक जोड़ने का प्रभाव
8. उपचार प्रतिरोधी सिज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों में अल्फा लिपोइक एसिड जोड़ने का प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण
9. चूहों में मेथोट्रेक्सेट प्रेरित जिगर एवं गुर्दे की विषाक्तता पर एटोरवास्टेटिन का प्रभाव
10. चूहों में मोनोक्रोटलाइन प्रेरित फुप्फुसीय उच्च रक्तचाप में विटामिन डी का प्रभाव।

11. चूहों में गैर-मिर्गी मॉडल में दौरा नियंत्रण एवं न्यूरोनल चोट पर नई एंटीपीलेप्टिक दवा के साथ विटामिन-डी3 की पूरकता का प्रभाव
12. युवा एवं मध्यम आयु वर्ग के टाइप 2 मधुमेह रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य पर मौखिक हाइपोग्लाइकेमिक एजेंटों के प्रभाव का मूल्यांकन
13. सक्रिय मिर्गी वाले रोगियों में सहायक चिकित्सा के रूप में फेनोफिब्रेट: एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन
14. स्ट्रेप्टोजोटोकिन प्रेरित मधुमेह वाले चूहों में इस्किमिया-रीपरफ्यूजन चोट के मॉडल में चयनित दवा की जांच हेतु औषधीय एवं आणविक दृष्टिकोण।
15. चूहे के हृदय में मायोकार्डियल रोधगलन एवं मधुमेह आई/आर-चोट के प्रायोगिक मॉडल में टेरिफ्लुनोमाइड के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का औषधीय एवं आणविक लक्षण वर्णन
16. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) के प्रयोगात्मक मॉडल में नीलोटिनिब के प्रभाव को दर्शाने हेतु औषधीय अध्ययन
17. सेप्सिस के प्रायोगिक मॉडल में आर्टेसुनेट के प्रभाव पर अध्ययन
18. प्रोस्टेटाइटिस के एक प्रायोगिक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
19. सेप्सिस के प्रायोगिक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन
20. डॉक्सोरूबिसिन प्रेरित कार्डियोमायोपैथी के प्रायोगिक मॉडल में सिनामोमम ज़ेलेनिकम अर्क के संभावित हृदय संबंधी सुरक्षा प्रभाव को दर्शाने एवं चित्रित करने हेतु अध्ययन
21. चूहों में ब्लोमाइसिन प्रेरित फुप्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल के प्रभाव का अध्ययन करना

पूर्ण

1. फुप्फुसीय एवं अतिरिक्त- फुप्फुसीय तपेदिक में एंटी-ट्यूबरकुलर औषध थेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ सीरम अमाइलॉइड ए 1, इंटरल्यूकिन 1 बीटा का सहसंबंध: एक मार्गदर्शी अध्ययन।
2. चूहों में उच्च वसा आहार प्रेरित मोटापे में लिराग्लूटाइड के नैनोकणों पर आधारित मौखिक सूत्रीकरण का विकास एवं इसके प्रभाव का मूल्यांकन
3. डॉक्सोरूबिसिन युक्त रेजिमेंस लेने वाले रुधिर दुर्दमता के रोगियों में कीमोथेरेपी-प्रेरित हृदय रोग विषाक्तता के मार्कर
4. आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय उच्च रक्तचाप में एर्डोस्टीन की औषधीय जांच।
5. आईआरसीएच, एम्स में जीवन गुणवत्ता एवं लागत विश्लेषण सहित उन्नत दीर्घ कोशिकीय फेफड़ों के कैंसर (एनएससीएलसी) में निर्धारित पैटर्न
6. अतिरिक्त फुप्फुसीय तपेदिक के रोगियों में निदान एवं चिकित्सीय निगरानी हेतु बायोमार्कर के रूप में वीईजीएफ़-ए: एक मार्गदर्शी अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. वायरलेस कैप्सूल एंडोस्कोपी हेतु कैप्सूल प्रोटोटाइप के रूप में अनुरूप एंटीना के साथ नैनोस्केल एकीकृत प्रणाली की संरचना एवं विकास, जेएनयू, नई दिल्ली
2. कैरीज़ सक्रियता वाले बच्चों में सूक्ष्मजीव गणना करने पर सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंस की तुलना में क्रैनबेरी एक्स्ट्रेक्ट माउथ रिंस की प्रभावशीलता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पेडोडोंटिक्स एवं निवारक दंत चिकित्सा सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली
3. ऑरोफरीन्जियल विकृतियों वाले रोगियों में एन-एसिटाइल सिस्टीन का इंट्राडक्टल देते हुए रेडियोथेरेपी प्रेरित ज़ेरोस्टोमिया की रोकथाम: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, ईएनटी, एम्स, नई दिल्ली
4. स्टेज- I प्राथमिक उच्च रक्तचाप के उपचार में आयुर्वेदिक हस्तक्षेप (सरपगंधा मिश्रण) बनाम एम्लोडिपाइन पर संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, सीसीआरएएस, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिका: 35 **सार: 3**

रोगी उपचार

अस्पताल सेवाएं

संकाय, रेजीडेंटों तथा कर्मचारियों ने उन्हें सौंपे गए अस्पताल संबंधी कोविड कर्तव्यों के निर्वहन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी)

औषध विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) द्वारा विषाक्तता उपचार के विषय में सूचना प्रदान करने में 26 वर्षों की सेवा पूरी की जा चुकी है। विभाग के संकाय-सदस्यों, वैज्ञानिकों, वरिष्ठ रेजीडेंटों तथा कनिष्ठ रेजीडेंटों द्वारा चौबीसों घंटे सेवा प्रदान की जाती है। एनपीआईसी देश के सभी भागों से निमंत्रण प्राप्त करता है तथा विषाक्तता के उपचार पर प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी की सेवाओं का लाभ चिकित्सकों, सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों तथा जन साधारण का इलाज करके लिया जाता है। कोविड -19 महामारी के बावजूद, केंद्र 24x7 कार्य कर रहा था तथा 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक 7153 कॉल प्राप्त हुईं, जो कि पहले की तुलना में काफी अधिक है। 98% कॉल विषाक्तता संबंधी कॉल थीं तथा 2% सूचना संबंधी कॉल थीं (इसमें रोगी शामिल नहीं हैं)। 59.6% विषाक्तता के मामलों में पुरुष रोगी शामिल थे, 39.6% महिलाएं थीं तथा 0.7% मामलों में लिंग संबंधी जानकारी उपलब्ध नहीं थी। प्राप्त की गईं विषाक्तता की कॉल घरेलू उत्पादों (44.3%), औद्योगिक रसायनों (6.9%), कृषि कीटनाशकों (16.8%), ड्रग्स (25%), काटने और डंक मारने (1.6%), पौधों (2%), विविध (2.4%) एवं अज्ञात उत्पाद (1.1%) से संबंधित थीं। एनपीआईसी द्वारा प्राप्त कॉलों का माहवार वितरण नीचे दिया गया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर डीएस आर्य सदस्य, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), (नई औषधि प्रभाग), डीजीएचएस, भारत सरकार में विषय समिति बैठकें; चिकित्सा सदस्य, डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, कोविड-19 पर नैदानिक अनुसंधान परियोजना, डेटा एवं सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी), आरआरए पोदार केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, मुंबई; सदस्य तथा भेषजगुण विज्ञान में विशेषज्ञ, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), भारत सरकार; सदस्य, केंद्रीय आचार समिति, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम), भारत सरकार थे।

डॉ. पूजा गुप्ता सदस्य सचिव: एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी हेतु संस्थान नैतिकता उपसमिति; समन्वयक: भारत फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत एम्स में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया (एडीआर) निगरानी केंद्र; भारत मैटरियोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत एम्स में चिकित्सा उपकरण निगरानी केंद्र, सदस्य: एम्स, नई दिल्ली में कार्य समिति, नैदानिक अनुसंधान इकाई; राष्ट्रीय एईएफआई (प्रतिरक्षण के बाद प्रतिकूल घटनाएँ) समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कारण मूल्यांकन उपसमिति तथा मीडिया एवं सलाहकार उपसमिति; आचार समिति, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर; पल्स समन्वय समिति; सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु एम्स संस्थान दिवस उपसमिति; राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कांग्रेस (एनएसटीसी), 6वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2020) में 23 दिसंबर 2020 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान, प्रौद्योगिकी में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विज्ञान शिक्षा में मूल्यांकन" पर पैनल चर्चा में अध्यक्ष एवं विकास अध्ययन, नई दिल्ली; राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षक कांग्रेस (एनएसटीसी) में "महामारी के दौरान अभिनव विज्ञान शिक्षण" पर वीडियो प्रतियोगिता के लिए ज्यूरी सदस्य, छठवां भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2020) 25 दिसंबर 2020 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली थीं।

9.31. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष (1 जनवरी 2021 की पूर्वाहन से)

संजय वाधवा

31 दिसंबर 2020 (अपराह्न) तक आचार्य एवं अध्यक्ष

यू. सिंह

आचार्य

एस.एल. यादव गीता हांडा

सह-आचार्य

श्रीकुमार वी.

सहायक आचार्य

असेम रंगिता चानू

अधीक्षण भौतिक चिकित्सक

स्मिता दास ओ.पी. यादव

अधीक्षण ओक्यूपेशनल थेरेपिस्ट

रमन कुमार सिंह लिली फरहत प्रवीन

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अजय बब्बर

विशिष्टताएँ

विभाग के विभिन्न संकाय-सदस्यों तथा रेजीडेंटों ने 6 और 7 फरवरी 2021 को *"रिहेब्लीटेशन इन कोविड-19 एंड बियोंड"* विषय पर वर्चुअल रूप में आयोजित इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन "दिल्ली पीएमआर कॉन.2021" के 15वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रख्यात संकाय-सदस्यों ने भाग लिया जिन्होंने अपने अनुभवों को साझा करने के लिए बातचीत की और अपने ज्ञान को समृद्ध किया। विभाग ने पटना में आयोजित आईएपीएमआर मिड-टर्म सीएमई (31 अक्टूबर -1 नवंबर 2020) (वर्चुअल), चेन्नई में आयोजित "*इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड कंसेप्ट्स इन रिहेब्लीटेशन मेडिसिन*" विषय पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (21-24 जनवरी 2021) के 49वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल); तथा विभिन्न वेबिनार एवं सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कई रेजीडेंटों तथा संकाय-सदस्यों ने कोविड-19 मैनेजमेंट पूल में भी योगदान दिया।

शिक्षा

विभाग द्वारा 8वें सेमेस्टर तथा 6ठे सेमेस्टर के लिए स्नातकपूर्व शिक्षण समय-सारणी के अनुसार संचालित किया गया था। बारह स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। विभाग में प्रशामक चिकित्सा एवं अर्बुद-संवेदनाहरण विज्ञान, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी तथा पेन फैलोज़ के लिए स्नातकोत्तर और फेलोशिप प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान

संजय वाधवा: 10 **यू. सिंह: 1** **श्रीकुमार वी.: 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

पैर के पुराने दर्द के उपचार हेतु लंबे समय तक खड़े रहने वाले पेशेवरों के लिए स्मार्ट डायनेमिक फैब्रिक एक्ट्यूएटर, डॉ. श्रीकुमार वेंकटरमण, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष 2018-2021, रु 10 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पीठ के निचले हिस्से में पुराने दर्द एवं स्पाइनो-पेल्विस मापदंडों के बीच सहसंबंध का आकलन करने हेतु एक केस नियंत्रण अध्ययन
2. लोअर लिंब विच्छेदन में पोस्टुरल नियंत्रण में ड्यूल टास्क इंटरफेरेंस का आकलन करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
3. रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में नैदानिक, व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय बाधाओं का आकलन करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
4. किशोर अज्ञातहेतुक गठिया वाले बच्चों में कार्यात्मक स्थिति का आकलन करने एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन तथा उनके जीवन की गुणवत्ता एवं देखभाल करने वालों पर पड़ने वाले बोझ के साथ इसका संबंध
5. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चे टेली-रिहैबिलिटेशन के साथ और बिना केयरगिवर डायरेक्टेड होम बेस्ड एचएबीआईटी की प्रभावशीलता की तुलना करने हेतु एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल
6. लंबे समय तक खड़े रहने संबंधी दीर्घकालिक मस्कुलोस्केलेटल पैर के दर्द में व्यायाम के साथ स्मार्ट डायनेमिक फैब्रिक एक्ट्यूएटर की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
7. लोअर लिम्ब प्रोस्थेसिस में डैम्पर कंट्रोल (डीसी सदस्य)।

8. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में दर्द मॉडुलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
9. सेरेब्रल पाल्सी जीएमएफसीएस I-III वाले संवेदी प्रसंस्करण असामान्यताओं से ग्रसित बच्चों में ग्रोस मोटर स्किल्स में सुधार हेतु मानक चिकित्सा बनाम मानक चिकित्सा के सहायक के रूप में संवेदी एकीकरण चिकित्सा की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक एकल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।
10. हिरायामा रोग: क्लिनिक रेडियोलॉजिकल विशेषताएं एवं लॉन्ग नेक की परिकल्पना
11. अस्पताल से छुट्टी के बाद के लक्षणों एवं पुनर्वास संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए गंभीर अथवा दीर्घकालिक बीमारी वाले कोविड-19 से ठीक हो चुके लोगों की टेलीफोन पर जांच: एक अग्रदर्शी अध्ययन

पूर्ण

1. एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस के रोगियों में संतुलन खोने तथा गिरने के जोखिम का आकलन करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
2. ऊपरी अंग विच्छिन्नों की कृत्रिम उपयोग तथा क्रियात्मक स्थिति का निरीक्षण करने हेतु एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. न्यूनतम एक्सेस सर्जनों में कार्यभार एवं मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का आकलन - एक संभावित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. एर्गोनॉमिक रूप से उन्नत सर्जिकल उपकरणों का डिजाइन, विकास एवं सत्यापन, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. मोटर न्यूरॉन डिसीज (पीएलडब्ल्यूएमएनडी) से ग्रसित रोगियों में वास्तविक समय की निगरानी हेतु एम्बेडेड सेंसर वाली एक 3 डी प्रिंटेड बीस्पोक नेक कॉलर डिजाइन करना, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन, आईआईटी दिल्ली
4. रूमेटोइड गठिया में कॉर्टिकल उत्तेजना एवं दर्द की स्थिति पर एफएमआरआई-आधारित न्यूरोफीडबैक निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. पीठ के पुराने दर्द में दर्द और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना पर योग का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. गति एवं संतुलन के दौरान संज्ञानात्मक भार का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विश्लेषण तथा स्पर्श प्रतिक्रिया का इस्तेमाल करते हुए शरीर के निचले अंगों में संतुलन एवं संतुलन में सुधार की जांच करना, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग, एम्स / आईआईटी दिल्ली

7. संसाधन-सीमित देशों हेतु फोर्स मायोग्राफी (एफएमजी) संचालित सस्ती सक्रिय लोअर लिंब कृत्रिम अंग, आईआईटी दिल्ली, ओरेगन विश्वविद्यालय

8. घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के वजनी रोगियों में शरीर की संरचना एवं वजन पर ऊपरी शरीर के व्यायाम का प्रभाव, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. स्वास्थ्यलाभ अध्ययन: अस्पताल से छुट्टी के बाद कोविड-19 से ठीक हुए लोगों में पुनर्वास आवश्यकता की पहचान करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन, गंभीर एवं सघन चिकित्सा विभाग तथा संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. सोनोन्यूरो: बायोमैकेट्रोनिक नियंत्रण हेतु एक मल्टीमॉडल सोनोमायोग्राफ इलेक्ट्रोमोग्राफी आधारित प्रणाली, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी केंद्र तथा विद्युत इंजीनियरी विभाग, आईआईटी दिल्ली

पूर्ण

1. पीठ के निचले हिस्से में पुराने दर्द के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना का एक अध्ययन: ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 4 **सार: 4**

रोगी उपचार

नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक द्वारा परामर्श)	3054
ओपीडी सीआरएचएस, बल्लभगढ़	138
ओपीडी विजिट (पी एवं ओ क्लिनिक)	392
कुल नए मामले	**3584**

पुराने रोगी

ओपीडी (चिकित्सक द्वारा परामर्श)	4652 (23/03/2020 से 31/07/2020 के बीच +1394 टेलीफोनिक परामर्श)
ओपीडी सीआरएचएस, बल्लभगढ़	41
ओपीडी विजिट (पी एवं ओ क्लिनिक)	898
विकलांगता मूल्यांकन क्लिनिक	20
रेलवे रियायत प्रमाणपत्र	28
ओपीडी विजिट (पीटी अनुभाग)	1639

ओपीडी विजिट (ओटी अनुभाग)	830
ओपीडी विजिट (एमएसडब्ल्यू)	1198
माइनर ओटी प्रक्रियाएँ	63
कुल पुराने रोगी	**10,763**

वर्ष का कुल योग: 14,347

विभाग के विशेष क्लिनिक: कोविड-19 महामारी संबंधी प्रतिबंधों एवं व्यवधानों के कारण कई गतिविधियां/क्लिनिक बंद रहे।

चल रहे क्लिनिक

1. मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड निर्देशित इंटरवेंशन
2. फुट क्लिनिक में कस्टम मोल्डेड इनसोल
3. डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों के अनुसार अनुकूलित व्हीलचेयर वितरण के लिए व्हीलचेयर प्रिस्क्रिप्शन एवं चेकआउट क्लिनिक
4. मस्कुलोस्केलेटल प्रयोगशाला: कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन एवं व्यायाम उपकरण
5. फुट प्रयोगशाला/क्लिनिक
6. विकलांगता मूल्यांकन एवं प्रमाणन क्लिनिक
7. पुनर्वसन अप्लायंसेज चेक-आउट क्लिनिक: रोगियों को सौंपने से पहले पीएमआर कार्यशाला में बने ओर्थोटिक एवं प्रोस्थेटिक उपकरणों की जांच।
8. केस कॉन्फ्रेंस: लक्ष्य निर्धारण एवं उपचार मूल्यांकन हेतु दीर्घकालिक पुनर्वास रोगियों पर चर्चा।

सामुदायिक सेवा

रोगी उपचार: मास मीडिया: जन जागरूकता व्याख्यान एवं टेलीविज़न स्वास्थ्य कार्यक्रम

डॉ संजय वाधवा: डीडी न्यूज, डीडी इंडिया, डीडी स्पोर्ट्स आदि पर टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रमों (जैसे, टोटल हेल्थ, डॉक्टर्स स्पीक, किड्स एंड एडोलसेंट्स आदि) के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ संजय वाधवा: कोविड-19 एचआईसीसी टीम के एक हिस्से के रूप में जवाहरलाल सभागार में विभिन्न बैचों में एम्स की नर्सों, अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों के प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर संजय वाधवा 31 मार्च 2021 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (आईएपीएमआर) के अध्यक्ष; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एनएएमएस); संयोजक, अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन (आईएसओ) तकनीकी समिति 173, कार्य समूह 12; 22 दिसंबर 2020 को पीएमआर के बिहार एसोसिएशन द्वारा उद्घाटन डॉ. के.के. सिंह मेमोरियल अवार्ड से

सम्मानित; अध्यक्ष, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अंतर्गत अनुभागीय समिति एमएचडी-09; अकादमिक समिति, राष्ट्रीय लोकोमोटर विकलांगता संस्थान (एनआईएलडी), कोलकाता; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एनल्स ऑफ एनएएमएस (भारत); सदस्य, डब्ल्यूएचओ 'पोस्ट-कोविड-19 केस रिपोर्ट फॉर्म' के विकास हेतु तकनीकी कार्य समूह; सदस्य, संभावित प्राथमिक टीकाकरण हेतु कोविड-19 रोग में मृत्यु दर के जोखिम को बढ़ाने वाले सह-रुग्णता वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु समिति के सदस्य थे।

प्रोफेसर यू. सिंह सदस्य, अकादमिक समिति, राष्ट्रीय अस्थि विकलांगता संस्थान, कोलकाता; एमवाईएएस-जीएनडीयू, खेल विज्ञान एवं चिकित्सा विभाग में खेल विज्ञान और चिकित्सा के विषय में अनुसंधान डिग्री समिति के विशेषज्ञ; एमेरिटस संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन; समपादकीय बोर्ड के सदस्य, स्पाइनल कॉर्ड सीरीज़ एंड केस, जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (आईएससीओएस), यूके; परामर्श संपादक एवं समीक्षक, जर्नल ऑफ रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया लोकोमोटर एंड एसोसिएटेड डिसेबिलिटीज; पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: एनल्स ऑफ़ इंडियन एकेडमी ऑफ़ न्यूरोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरो-सर्जरी; जर्नल ऑफ स्पाइनल कॉर्ड मेडिसिन; जर्नल ऑफ अमेरिकन एकेडमी ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन; कुष्ठ समीक्षा; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोथेरेपी एंड ओक्यूपेशनल थेरेपी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी) के संपादकीय बोर्ड के मानद सदस्य; वरिष्ठ संपादक: दिसंबर 2013 से राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा एस्ट्रोसाइट, मल्टीस्पेशलिटी जर्नल, नई दिल्ली थे।

डॉ श्रीकुमार वी. एसएन कॉम्प्रिहेंसिव क्लिनिकल मेडिसिन; साइंटिफिक रेपोर्ट्स के समीक्षक; इन्हें इन्द्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के 15 वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पीजीटी प्लेटफॉर्म पेपर (सह-लेखक) प्रस्तुति के लिए आईपीएआरएम स्वर्ण पदक द्वारा सम्मानित किया गया, 6-7 फरवरी 2021, दिल्ली, वर्चुअल; द्वितीय पुरस्कार, टीम - डायनेमिक डिफाइब्रिलेटर्स, एम्स-फैकल्टी क्रिकेट लीग, 5-7 मार्च 2021, दिल्ली; सदस्य, विकास समूह, ट्रौमटिक ब्रेन इंजरी - पैकेज ऑफ रिहेब्लीटेशन, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), जिनेवा; समन्वयक, आंत्र चिकित्सा एवं प्रबंधन मॉड्यूल, www.eleranSCI.org (द्वितीय संस्करण), इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी की एक पहल; सदस्य, तकनीकी समिति, उपयोग योग्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं प्रौद्योगिकी (लिमिटेड -33), भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, भारत सरकार; निर्णायक, स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी गोल्ड मेडल अवार्ड फॉर बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटर-रिहैबिलिटेशन, इंटरनेशनल स्पाइन एंड स्पाइनल इंजरी कॉन्फ्रेंस 2020: वर्चुअल, 11-13 दिसंबर 2020, दिल्ली, वर्चुअल; अध्यक्ष, पीजीटी अवार्ड पेपर सेशन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन का 49 वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 21-24 जनवरी 2021, चेन्नई, वर्चुअल; सदस्य, तकनीकी सहायता एवं समन्वय समिति, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन का 15 वां वार्षिक सम्मेलन, 06- 07 फरवरी 2021, दिल्ली, वर्चुअल; सदस्य सचिव, एम्स, नई दिल्ली में विकलांगों के कल्याण हेतु आंतरिक समिति; अध्यक्ष, सिविल सेवा परीक्षा - 2019 बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों हेतु एम्स समीक्षा मेडिकल बोर्ड (लोकोमोटर विकलांगता), कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार; गैर-परीक्षक

समन्वयक, व्यावहारिक परीक्षा, राष्ट्रीय बोर्ड के राजनयिक (भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास), 25-26 सितंबर 2020, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, ईएचएस स्क्रीनिंग कोविड 19 उपचार दल (नवंबर 2020); सदस्य, योजना के अंतर्गत मशीनरी एवं उपकरणों की मांग तथा जीईएम, पीएमआर विभाग; राष्ट्रीय प्रतिनिधि, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फिजिकल एंड रिहैबिलिटेशन मेडिसिन (2019-21); कोषाध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (2019-21); चयनित सचिव (2021-23), इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन, 7 फरवरी 2021 को आयोजित वार्षिक आम सभा की बैठक (वर्चुअल) में घोषित; संयुक्त सचिव, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन (2019-21) थे।

डॉ असेम रंगिता चानू समीक्षक, जर्नल ऑफ मेडिकल सोसाइटी; "विकलांग अधिकार समूह और एएनआर बनाम यूओआई एवं ओआरएस" शीर्षक वाली डब्ल्यूपी(सी) संख्या 292/06 में पारित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु समान अवसर प्रकोष्ठ में समन्वयक, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली में सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पीएमआर हेतु केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी; 6-7 फरवरी 2021 को वर्चुअल मोड में आयोजित इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन "दिल्ली पीएमआर कॉन.2021" के 15वें वार्षिक सम्मेलन में संयुक्त आयोजन सचिव; इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के 15वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्लेटफॉर्म पेपर (सह-लेखक) प्रस्तुति हेतु आईपीएआरएम स्वर्ण पदक पुरस्कार, 6-7 फरवरी 2021, दिल्ली, वर्चुअल; पीएमआर की परिसंपत्तियों एवं भंडार के भौतिक सत्यापन हेतु नोडल अधिकारी थीं।

रेजिडेंट चिकित्सक

इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन के 15वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ रेजिडेंट प्लेटफॉर्म पेपर प्रस्तुति हेतु आईपीएआरएम स्वर्ण पदक पुरस्कार सीनियर रेजिडेंट डॉ. कृष्णा बी. ने जीता, 7 फरवरी 2021, दिल्ली (वर्चुअल)।

डॉ. रक्तिम स्वर्णकार, जूनियर रेजिडेंट, पीएमआर - इनके द्वारा प्रस्तुत क्लिनिकल इमेज का चयन (25 अगस्त 2020), संगोष्ठी - क्लिनिकल इमेज प्रतियोगिता 2019 के अंतर्गत इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) में प्रकाशन के लिए किया गया था। https://www.ijmr.org.in/aheadofprint.asp; विज्ञान एवं इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार से विज्ञान कार्यक्रम में तेजी लाने हेतु कौशल विकास (अभ्यास) के अंतर्गत ट्रेनिंग एंड स्किल इंटर्नशिप (वृतिका) के लिए उनके आवेदन को मंजूरी दी गई थी। इन्होंने रुमेटिक रोगों (2018-2020) पर 13 वां ईयूएलएआर 2-वर्षीय ऑनलाइन पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया।

अन्य कर्मचारी:

श्री अजय बब्बर, एसटीओ एवं श्री अनिल कुमार, टी.ओ. ने प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक में अपना दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रथम श्रेणी में पूर्ण किया, जिसके लिए एम्स नई दिल्ली द्वारा उन्हें अध्ययन अवकाश प्रदान किया गया था; वे बीआईएस अनुभागीय समिति, एमएचडी-09 के सदस्य भी बने रहे।

9.32. शरीर क्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

किशोर कुमार दीपक

आचार्य

देवब्रत घोष		कंवल प्रीत कोचर
रत्ना शर्मा	नलिन मेहता	सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल	राज कुमार यादव	अंजना तलवार

अपर आचार्य

अस्मिता पाटिल	रेणु भाटिया

सह आचार्य

सिमरन कौर	प्रशांत तुलसीदास तायडे
दीनू संता चंद्रन	नसरीन अख्तर

सहायक आचार्य

रितेश कुमार नेताम	आकांक्षा सिंह
गीतांजलि गोकर्ण बाडे	सूर्या प्रकाश मुथुकृष्णन

विशिष्टताएँ

शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, डॉक्टरेट कार्यक्रम के अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण में शामिल रहा है। संकाय ने एम्स और अन्य संस्थानों में कार्यशालाओं और संगोष्ठियों को आयोजित करके संस्थान में ही स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान तकनीकों में कार्मिकों को प्रशिक्षित करने का भी कार्य किया। संकाय द्वारा न्यूरोफिजियोलॉजी (स्वायत्त तंत्रिका तंत्र सहित), सेलुलर और आणविक शरीरक्रिया विज्ञान, पोषण, संवहनी शरीरक्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन, नींद, अनुभूति, ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना और योग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनेक आंतरिक एवं बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ आरंभ की गई थीं। अनुसंधान के परिणाम विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर प्रस्तुत किए गए और सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। अपने मूल अनुसंधान के आधार पर, विभाग ने स्वायत्त और संवहनी प्रकार्य आकलन, दर्द उपचार, सुधारात्मक सर्जरी के दौरान इंट्रा-ऑपरेटिव निगरानी और योगिक हस्तक्षेप में अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में संकाय सदस्यों के अभिनव योगदान की सराहना के तौर पर विभाग के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए गए हैं। विभाग ने 1 से 3 दिसंबर 2020 तक सार्क देशों की कार्यशाला के लिए "टेक्नीक्स इन फिजियोलॉजिकल साइंसेज- 2020: एप्लीकेशन टू ट्रांसलेशन" का आयोजन किया और विदेशों से आए वैज्ञानिकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की।

शिक्षा

1. **स्नातकपूर्व शिक्षणः** व्याख्यान 200 घंटे और व्यावहारिक कक्षाएँ 240 घंटे, स्नातकपूर्व विद्यार्थीः विद्यार्थियों की कुल संख्याः 132

2. **स्नातकोत्तर शिक्षणः** स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की कुल संख्याः
   एमएससी के विद्यार्थीः 10
   एमडी के विद्यार्थीः 19
   पीएचडी शोधार्थीः 27

3. **नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रमः** विद्यार्थियों की कुल संख्याः 196

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आभासी कार्यशाला - "शारीरिक विज्ञान में तकनीक - 2020: अनुवाद के लिए आवेदन", सार्क राष्ट्रों के लिए कार्यशाला, 1-3 दिसंबर 2020।
2. वेबिनार: एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में प्रायोगिक शरीर-क्रिया विज्ञान में अनुसंधान, 22 मई 2020।

प्रदत्त व्याख्यान

किशोर कुमार दीपक: 17	**कंवलप्रीत कोचर: 1**	**रत्ना शर्मा: 1**
नलिन मेहता: 4	**सुमन जैन: 5**	**कुमार यादव: 5**
अंजना तलवार: 1	**अस्मिता पाटिल: 4**	**रेणु भाटिया: 2**
सिमरन कौर: 1	**दीनू एस चंद्रन: 3**	**नसरीन अख्तर: 2**
गीतांजलि गोकर्ण बाड़े: 1	**सूर्यप्रकाश मुथुकृष्णन: 3**	

मौखिक / पोस्टर: 13

अनुसंधान परियोजनाएँ

जारी

1. इन-विवो स्पाइनल कॉर्ड घायल चूहे के मॉडल में न्यूरो-रिजेनरेशन के लिए एक नवीन संयोजी कार्यनीतिः एक बायोकंपेटिबल हाइड्रोजेल सिस्टम में लगाए गए आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स लेपित न्यूरोट्रॉफिक कारक, सुमन जैन, डीएसटी, 3.2 वर्ष, -2017-2021, 32.24 लाख रूपये।
2. भारतीय मोटे लोगों में तनाव, सूजन और आयुवृद्धि की जीन अभिव्यक्ति को संशोधित करने में योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राज कुमार यादव, आईसीएमआर एसआरएफ, 3 वर्ष, 2019-2022, 14 लाख रुपये।
3. अवसाद के साथ सिजोफ्रेनिया में स्थिति और लक्षण मार्करों के रूप में ईईजी माइक्रोस्टेट और स्रोत कनेक्टिविटी का अध्ययन, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर आरए, 3 वर्ष, 2019-2022, 21.58 लाख रूपये।

4. प्रशिक्षित योग चिकित्सक में भोल स्वस्थ लोगों एवं सिर ऊपर उठाने के झुकाव, सिर नीचे करने के झुकाव और शरीर के निचले हिस्से के नकारात्मक दबाव के दौरान कार्डियोवैस्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से सांस लेने का तीव्र प्रभाव, के.के. दीपक, आयुष, 3 वर्ष, 2016-2021, 66.76 लाख रूपये।

5. प्रीऑप्टिक क्षेत्र के थर्मोसेंसिटिव न्यूरॉन्स का लक्षण-वर्णन, नसरीन अख्तर, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2021, 9.97 लाख रूपये।

6. रीढ़ की पूरी हड्डी की चोट से पीड़ित रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के आरोपण के साथ-साथ दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, सुमन जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 88.35 लाख रूपये।

7. व्यसनी विकारों में बायोमार्कर के रूप में ईईजी माइक्रोस्टेट्स, सिमरन कौर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2022, 8.06 लाख रूपये।

8. स्वस्थ लोगों और अस्थमा से ग्रसित रोगियों में फुफ्फुसीय चर और प्रदाहक मार्करों पर परिवेशी वायु प्रदूषकों में तीव्र परिवर्तन का प्रभाव, गीतांजलि गोकर्ण बाड़े, एम्स, यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये।

9. विश्राम करने और नियुक्त करने योग्य एंडोथेलियल के कार्य पर तीव्र तनाव का प्रभाव; दीनू एस चंद्रन, एम्स, यूजी अनुसंधान परामर्श योजना, 2 साल, 2019-2021, 2 लाख रुपये।

10. चूहों में स्ट्रेप्टोजोटोकिन प्रेरित सिनैप्टिक डिसफंक्शन और अमाइलॉइड अग्रदूत प्रोटीन प्रसंस्करण पर कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के दीर्घकालिक एक्सपोजर का प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर एसआरएफ, 3 वर्ष, 2019-2022, 13.2 लाख रूपये।

11. चूहों में नींद की सतर्कता के दौरान सेप्टम के केन्द्रक पर एंडोकैनाबिनोइड का प्रभाव, केके दीपक, आईसीएमआर, एसआरएफ, 3 वर्ष, 2018-21, 16.22 लाख रुपये।

12. रूमेटॉइड संधिशोथ में कोर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी और दर्द की स्थिति पर कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग न्यूरोफीडबैक-निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव, रेणु भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 26 लाख रूपये।

13. अस्थिर पार्किंसंस रोग के रोगियों में अनुभूति और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक पूरकता का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, केपी कोचर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 57 लाख रूपये।

14. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर की उत्तेजना पर योग का प्रभाव, रेणु भाटिया, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रूपये।

15. चूहों के धनुषाकार नाभिक में ग्लूकोज के प्रति संवेदनशील तंत्रिकाओं पर नींद की कमी का प्रभाव, रितेश कुमार नेताम, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 8.78 लाख रुपये।

16. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क और शरीर के तापमान पर नींद की कमी का प्रभाव, केके दीपक, आईसीएमआर आरए, 3 साल, 2018-21, 17.68 लाख रुपये।

17. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर की उत्तेजना पर योग का प्रभाव, रेणु भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2021, 22.63 लाख रुपये।

18. फाइब्रोमाइल्जिया के रोगियों में दर्द की स्थिति पर यौगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, रेणु भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 59 लाख रुपये।
19. मोटापे और अधिक अवसादग्रस्तता वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राज कुमार यादव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 79 लाख रुपये।
20. दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना के बाद चुंबकीय क्षेत्रों की डॉसिमेट्री स्थापित करने के लिए फैंटम ब्रेन का गठन, सुमन जैन, एम्स, यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 2 वर्ष, 2019-2021, 5 लाख रुपये।
21. स्पाइनल कॉर्ड ट्रांजेक्टिड चूहों में एंटीग्रेविटी मांसपेशियों का कार्यात्मक और रूपात्मक अध्ययनः इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर और आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल इम्प्लांटेशन का संयोजी प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर एसआरएफ, 3 वर्ष, 2019-2020, 13.20 लाख रूपये।
22. सर्कैडियन रिदम और नींद के बीच चरण संबंध में लिंग-आधारित अंतरः स्पिंडल आर्किटेक्चर और वर्णक्रमीय विश्लेषण अध्ययन, नसरीन अख्तर, एम्स, यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 1 वर्ष, 2019-2021, 1.99 लाख रूपये।
23. परिधीय और इन-विट्रो प्रेरित टी विनियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः सीओपीडी के रोगजनन में अनुमानित भूमिका, अंजना तलवार, एम्स, 4 वर्ष, 2018-2022, 20 लाख रूपये।
24. दृष्टिपरक वस्तु की पहचान के मानव मस्तिष्क के प्रभावशाली संयोजन का मानचित्रण, सूर्यप्रकाश एम, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.78 लाख रुपये।
25. ध्यान और तनाव के माइक्रोस्टेट हस्ताक्षर और सुप्त ईईजी का स्रोत, रत्ना शर्मा, डीएसटी, सत्यम, 3 साल, 2020-2023, 52.86 लाख रुपये।
26. नॉन-मेटास्टेटिक ऑस्टियोसारकोमा में कीमोथेरेपी से प्रेरित संज्ञानात्मक कमी का तंत्रिका सम्बंधित सहसंबंध, सिमरन कौर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सपोर्टिव केयर इन कैंसर, 2 साल, 2021-2023, 3 लाख रुपये।
27. रक्तदान के मॉडल का उपयोग करके हल्के रक्तस्राव के प्रति न्यूरोहार्मोनल प्रतिक्रिया, आकांक्षा सिंह, एम्स, 3 वर्ष, 2018-2021, 9 लाख रूपये।
28. नवजात शिशु रक्तवाहिनी मस्तिष्क पक्षाघात रोगियों में कम आवृत्ति पर दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनेटिक चुंबकीय उत्तेजना द्वारा कॉर्टिकल उत्तेजनीयता और प्लास्टिसिटी का न्यूरोमॉड्यूलेशन, सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 51.35 लाख रूपये।
29. गैर-एसटी उत्थान तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में बड़ी प्रतिकूल कार्डियोवैस्कुलर घटनाओं के प्रति एंडोथेलियल डिसफंक्शन और धमनी कठोरता का गुणात्मक मान, दीनू एस चंद्रन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 9.93 लाख रूपये।

30. डिफॉल्ट मोड नेटवर्क एक्टिविटी के क्यूईईजी सहसंबंध और पार्किंसन किस्म की मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी तथा सेरेबेलर अटैक्सिया किस्म की मल्टीपल सिस्टम एट्रोफी में संज्ञानात्मक डेफिसिट के साथ इसका सहसंबंध, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर आरए, 3 वर्ष, 2019-2022, 20.7 लाख रूपये।
31. पोस्ट ट्यूबरकुलोसिस सीकेले रोगियों में सिस्टेमेटिक प्रदाहक बायोमार्करों का मात्राकरण और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग, गीतांजली गोकर्ण बाडे, एम्स, 3 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख रूपये।
32. दृष्टिपरक-स्थानिक रूप से जटिल हिंदी भाषा में ईईजी माइक्रोस्टेट्स और कॉर्टिकल स्रोतों का अध्ययन, प्रशांत तायदे, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.92 लाख रुपये।
33. नवीन नैदानिक उपकरण ग्लूसेस्ट द्वारा जैव रासायनिक और कार्यात्मक परिवर्तनों की जाँच करना और स्ट्रेप्टोजोटोकिन (एसटीजेड) प्रेरित चूहा मॉडल में गैर-इनवेसिव चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना चिकित्सा द्वारा अल्जाइमर रोग की प्रगति को रोकना, सुमन जैन, आईसीएमआर आरए, 3 वर्ष, 2019-2022, 21.58 लाख रूपये।
34. पुरुष विस्टर चूहों में वृषण आकरिकी और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और बायोडीजल मिश्रण ईंधन-इंजन उत्सर्जन के प्रभाव का अध्ययन करना, अस्मिता पाटिल, एम्स-आईआईटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रूपये।
35. मायोकार्डियल रोधगलन से पीड़ित रोगियों में परिधीय, केंद्रीय और कोरोनरी धमनियों में ठहरी हुई प्रतिगामी कतरनी और एथेरोजेनिक प्रोफाइल के बीच संबंध का अध्ययन करना, दीनू एस चंद्रन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 10.68 लाख रूपये।
36. चूहों में नींद में अल्ट्रास्ट्रक्चरल, सिनैप्टिक और न्यूरोमस्क्यूलर परिवर्तन और नींद की कमी, केके दीपक, आईसीएमआर एसआरएफ, 3 साल, 2019-22, 16.22 लाख रुपये।

पूर्ण

1. आराम के दौरान कॉर्टिकल स्रोतों और मस्तिष्क आयरन का सहसंबंध तथा अटेन्शन डेफिसिट हाइपर एक्टिव डिसऑर्डर में विजुओस्पाटियल कार्यशील स्मृति, सिमरन कौर, डीएचआर, 2.5 वर्ष, 2017-2020, 17.74 लाख रूपये।
2. चूहे के मॉडल में गंभीर रूप से घायल रीढ़ की हड्डी में न्यूरो-रिजेनरेशन पर अत्यंत कम आवृत्ति चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर, एसआरएफ, 3 वर्ष, 2017-2020, 12.5 लाख रूपये।
3. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का आणविक आधार, देबब्रत घोष, एसईआरबी, 5 वर्ष, 2016-2021, 49.72 लाख रूपये।
4. एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध तथा माइक्रोस्टेट्सः एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, सिमरन कौर, सीएसआरआई, डीएसटी, 1.5 वर्ष, 2017-2020, 11.97 लाख रूपये।
5. ओम के जाप में ईईजी माइक्रोस्टेट का अध्ययन, प्रशांत तायडे, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 4.63 लाख रूपये।
6. अभिव्यक्ति सारणियों के जीनोम-वार विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेट्रियोसिस के लिए ट्रांसक्रिपटोमिक लैंडस्केपिंग, देबब्रत घोष, डीएसटी, 5 वर्ष, 2015-2020, 47.37 लाख रूपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. आराम के दौरान कॉर्टिकल स्रोतों और मस्तिष्क आयरन का सहसंबंध तथा अटेन्शन डेफिसिट हाइपर एक्टिव डिसऑर्डर में विजुओस्पाटियल कार्यशील स्मृति, सिमरन कौर, डीएचआर, 2.5 वर्ष, 2017-2020, 17.74 लाख रूपये।
2. चूहे के मॉडल में गंभीर रूप से घायल रीढ़ की हड्डी में न्यूरो-रीजेनरेशन पर अत्यंत कम आवृत्ति चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, सुमन जैन, आईसीएमआर, एसआरएफ, 3 वर्ष, 2017-2020, 12.5 लाख रूपये।
3. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनिज्म का आणविक आधार, देवब्रत घोष, एसईआरबी, 5 वर्ष, 2016-2021, 49.72 लाख रूपये।
4. एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध तथा माइक्रोस्टेट्सः एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, सिमरन कौर, सीएसआरआई, डीएसटी, 1.5 वर्ष, 2017-2020, 11.97 लाख रूपये।
5. ओम के जाप में ईईजी माइक्रोस्टेट का अध्ययन, प्रशांत तायड़े, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 4.63 लाख रूपये।
6. अभिव्यक्ति सारणियों के जीनोम-वार विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेट्रियोसिस के लिए ट्रांसक्रिपटोमिक लैंडस्केपिंग, देबब्रत घोष, डीएसटी, 5 वर्ष, 2015-2020, 47.37 लाख रूपये।

पूर्ण

1. क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी का अध्ययनः ट्रांसक्रैनिअल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव।
2. फुफ्फुसीय तपेदिक सीकेले से गुजर चुके रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों और प्रदाहक बायोमार्कर का अध्ययन।
3. लंबे समय तक शीर्षासन करने वाले योग चिकित्सकों में सिर को नीचे करने के समय के झुकाव के प्रति तीव्र कार्डियो-ऑटोनोमिक प्रतिक्रियाएँ।
4. सिर ऊपर उठाने के झुकाव, सिर नीचे करने के झुकाव के दौरान कार्डियोवैस्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से सांस लेने के तीव्र प्रभाव और भोले स्वस्थ लोगों एवं प्रशिक्षित योग चिकित्सकों में शरीर के निचले हिस्से के नकारात्मक दबाव।
5. स्पाइरोमेट्रिक मापन, एंथ्रोपोमेट्री, शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता के साथ कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम के परीक्षण के दौरान कार्डियोरेस्पिरेटरी मापदंडों का संबंध।
6. ॐ मंत्रोच्चारण के दौरान ईईजी माइक्रोस्टेट की स्थलाकृति और स्रोत।
7. इंट्रा-ऑपरेटिव ट्रांसक्रैनियल मोटर द्वारा जागृत सामर्थ्य का उपयोग करके मोटर संवहन पर आयु का प्रभाव।
8. गुरुत्वाकर्षण प्रतिरोधी मांसपेशी गतिविधि और स्वायत्त प्रकार्य पर प्रतिपक्षी गुरुत्वाकर्षण लोडिंग बॉडी गियर का प्रभाव।

9. चूहों में नींद और जागृति पर वीएलपीओ के इलेक्ट्रोलाइटिक और न्यूरोटॉक्सिक घाव का प्रभाव
10. हाइपोथायरायडिज्म पर अल्पकालिक योग-आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. उच्च रिजॉल्यूशन मैनोमेट्री द्वारा निदान किए गए भिन्न-भिन्न प्रकार के एकेलेसिया रोगियों में स्वायत्त प्रकार्य का मूल्यांकन।
12. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस में माइक्रोकिमेरिक वाई-क्रोमोसोम की प्रोटीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन।
13. निचले शरीर के नकारात्मक दबाव (एलबीएनपी) द्वारा श्लेष धमनी में प्रतिगामी कतरनी वृद्धि के हेमोडायनामिक सहसंबंध।
14. रीढ़ की हड्डी की चोट से ग्रसित चूहों में चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क के साथ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल के आरोपण के बाद न्यूरो-रिजेनरेशन।
15. बुजुर्गों में ऑपरेशन के बाद संवेदना में कमी के मामले में इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडेटोमिडाइन और लिग्नोकेन उपचार के प्रभावों की तुलना करते हुए संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
16. शरीरक्रिया विज्ञान में स्नातकोत्तर शैक्षणिक सत्रों का वेब आधारित बनाम सजीव संचालन की प्रभावशीलता पर छात्र की प्रतिक्रिया।
17. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस में दर्द और न्यूरोट्रोफिन के बीच संबंध पर अध्ययन।
18. चूहों में बैरोरीफ्लेक्स संवेदनशीलता और कैरोटिड धमनी संरचना पर सिम्युलेटेड माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव का अध्ययन करना।
19. रक्तदान के दौरान परिवर्तित स्वस्फूर्त बैरोरीफ्लेक्स संवेदनशीलता के तंत्र का अध्ययन करना
20. पोस्ट मायोकार्डियल रोगियों में संवहनी प्रकार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना।
21. बांह पर धीमे कफ दबाव की प्रतिक्रिया में ब्रेकियल धमनी प्रतिगामी कतरनी की वृद्धि में योगदान करने वाले संवहनी तंत्र का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. क्रोनिक प्रुरिटस की गंभीरता का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन और 12 मदों वाले प्रुरिटस गंभीरता स्केल तथा 5-डी इच स्केल का उपयोग करके जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करना, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान।
2. सतह ईएमजी का उपयोग कर स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लेप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद इनसीजनल हर्निया से पीड़ित रोगियों में पेट की दीवार गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन, शल्य चिकित्सा।
3. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग और मोटापे वाले उत्तर भारतीय व्यक्तियों में शरीर की संरचना, कई मेटाबोलिक उपाय, पर 6 माह के यौगिक व्यायाम बनाम नियमित शारीरिक गतिविधि का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

4. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द उपचार के लिए सहयोगी वृद्धिशील प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसिबो का एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान एवं मानव पोषण।
5. फोकल ऑनसेट अपवर्तक मिर्गी में बचपन और किशोरावस्था में लक्षित कम आवृत्ति दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना चिकित्सा का एक याद्दच्छिक कृत्रिम-नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग चिकित्सा।
6. एलोपेसिया एरेटा में लीजनल टी-हेल्पर एवं टी-रेगुलेटरी कोशिका अभिव्यक्ति मार्कस एवं बालों के विकास पर ऑटोलोगस प्लेटलेट-संवृद्ध प्लाज्मा का अध्ययन करने के लिए एक याद्दच्छिक, दोहरा प्लेसिबो-नियंत्रित, स्पिलिट-हेड परीक्षण, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान।
7. अल्जाइमर रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सीजेन्स को लक्षित करने वाले एमाइलॉयड बीटा (एबी) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैवभौतिकी, एम्स दिल्ली।
8. प्रथम वर्ष के मेडिकल स्नातकपूर्व विद्यार्थियों के बीच प्रथम वर्ष के अंत में स्लीप पैटर्न, कथित तनाव और संभलने की रणनीति में परिवर्तन: एक अग्रदर्शी अध्ययन, कायचिकित्सा।
9. एंडोमेट्रियोसिस के मार्कर के रूप में सर्कुलेटरी एग्जोसमल माइक्रो आरएनए एमआईआरएनए) एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
10. बुजुर्गों में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक शिथिलता की घटना पर लिग्नोकाइन बनाम डेक्समेडेटोमिडिन देने के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गहन उपचार ।
11. ट्रांसक्रेनीअल चुंबकीय उत्तेजना का उपयोग कर मिर्गी-रहित स्वस्थ बच्चों की तुलना में नींद में वैद्युत स्थिति एपिलेप्टिकस वाले बच्चों में कॉर्टिकल उत्तेजनीयता, बाल चिकित्सा
12. दिल्ली ग्लूकोमा महामारी विज्ञान अध्ययन, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र।
13. ग्लूकोमा रोगियों में अंतराक्षी दबाव और स्वायत्त कार्यों पर '365 श्वसन तकनीक' का प्रभाव: एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र।
14. स्वस्थ लोगों और अस्थमा-पीड़ित रोगियों में फुफ्फुसीय चर और प्रदाहक मार्करों पर परिवेशी वायु प्रदूषकों में तीव्र परिवर्तन का प्रभाव, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एवं स्लीप मेडिसिन।
15. पारंपरिक उपचार के दौर से गुजर रहे कोविड 19 पॉजीटिव के रोगियों में तनाव, नींद की गुणवत्ता, लक्षण, गंभीरता, जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणाम पर एक एकीकृत योग कार्यक्रम का प्रभाव: एक बहुकेंद्रीय परीक्षण, संवेदना एवं प्रशामक उपचार, आईआरसीएच, केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा परिषद (सीसीआरवाईएन)।
16. शारीरिक परिवर्तनों पर सूर्यनमस्कार अभ्यास का प्रभावः एक प्रायोगिक अध्ययन, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र।
17. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित फुफ्फुसीय धमनी हाइपरटेंशन पर विटामिन डी का प्रभाव, भेषजगुणविज्ञान।
18. गर्भावस्था, पर मातृ और प्रसवकालीन परिणाम पर योग का प्रभाव प्रसूति और स्त्री रोग।

19. अवसाद के रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्करों पर योग आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान

20. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन में कमी के लिए परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल रोग चिकित्सा।

21. एंडोमेट्रियोसिस-संबंधी दर्द में एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रोफिक कारक और तंत्रिका फाइबर, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान।

22. पोस्टीरियर क्रॉस-बाइट के लिए त्वरित मैक्सिलरी विस्तार से उपचारित बढ़ती उम्र के रोगियों में जबड़े की मांसपेशियों को इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर तत्काल एवं ऑक्लूजल पद्धतिगत परिवर्तनों और उनके प्रभाव का मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन, ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल डिफॉर्मिटीज, सीडीईआर।

23. एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस में फुफ्फुसीय प्रकार्यों का मूल्यांकन, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास।

24. 5 से 18 वर्ष की आयु के हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में ऊपरी अंग प्रकार्य को बेहतर बनाने के लिए संशोधित बाधा प्रेरित संचलन चिकित्सा के सहायक के रूप में दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग विज्ञान।

25. मानव मेसेंकाइमल स्टीम कोशिकाओं के बढ़े हुए न्यूरोनल डिफरेंशिएशन के लिए ग्राफीन संचालित 3डी स्केफोल्ड की खोज और चूहा पार्किंसंस रोग मॉडल पर उसका प्रयोग, स्टीम सेल फैसिलिटी, आईआरसीएच

26. रोडेंट आयोवा गैंबलिंग टास्क (आरआईजीटी) का उपयोग करके निर्णय लेने में रासायनिक संयोजन के कोडिंग की खोज करना, आईआईटी दिल्ली।

27. ओवेरियन एंडोमेट्रियोसिस के दौरान एंडोमेट्रियम और अस्थानिक घाव में एआरबीबी रिसेप्टर के परिवार एवं एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ईआर) की अभिव्यक्ति, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान।

28. मानव शरीर का ताप और तापीय विनियमन, आईआईटी मद्रास।

29. परिधीय और इन-विट्रो प्रेरित टी विनियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः सीओपीडी के रोगजनन में अनुमानित भूमिका, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन।

30. मोटापे से पीड़ित वयस्क भारतीय रोगियों में वजन घटाने, शरीर में वसा वितरण और इंसुलिन प्रतिरोध पर निगरानी-युक्त आहार एवं जीवन शैली संशोधनों का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग।

31. एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 के रोगियों की देखभाल में सम्मिलित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के तनाव और प्रतिरक्षा पर अतीन्द्रिय चिंतन का प्रभाव, शल्यक विभाग, डीएसटी ।

32. संधिशोथ में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान।

33. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के कलंक के लिए उपचार, तंत्रिका विज्ञान।

34. क्या केंद्रीय संवेदीकरण, क्रॉनिक नॉनस्पेसिफिक नेक आर्म पेन की खास विशेषता है? - फाइब्रोमायल्जिया से ग्रसित और स्वस्थ व्यक्तियों की तुलना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।

35. टेम्पोरोमैंडिबुलर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट कराने वाले मरीजों की मासेटर और टेम्पोरल मांसपेशियों की ईएमजी गतिविधि में लोंगीट्यूडिनल परिवर्तन, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, सीडीईआर।

36. स्वस्थ जनसंख्या में एमआर एवं अन्य तकनीक आधारित फेनोटाइपिंग और प्रकृति के प्रकार के साथ सहसंबंध, एनएमआर।

37. प्रारंभिक जीवन तनाव प्रेरित आक्रामक व्यवहार का न्यूरोबायोलॉजिकल आधार, जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, दिल्ली।

38. युवा पुरुष रोगियों में निम्न मूत्र प्रणाली के लक्षणों को कम करने के एटियोलॉजी का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन, यूरोलॉजी।

39. रोगियों में तपेदिक के बाद प्रतिरक्षा कोशिकाओं की दैहिक प्रदाहक बायोमार्कर एवं इम्यूनोफेनोटाइपिंग, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन।

40. सामान्य सर्जनों में मस्कुलोस्केलेटल विकार का प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण और सरफेस इलेक्ट्रोमायोग्राफी का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान विशेषज्ञ और नौसिखिए सर्जनों के बीच मांसपेशियों की गतिविधि और शिथिलता की तुलना, सर्जरी।

41. कार्य विशिष्ट फोकल हैंड डिस्टोनिया में अवर पार्श्विका लोब्यूल के लिए दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना: एक यादृच्छिक क्रास ओवर ब्लाइंडिड परिणाम मूल्यांकन अध्ययन, न्यूरोलॉजी।

42. मॉर्फिन उपचारित चूहों की रीढ़ की हड्डी में चयनात्मक न्यूरोपैप्टाइड्स की भूमिका, एनाटॉमी।

43. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए योग आधारित हस्तक्षेप की भूमिका, रा.प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र।

44. अधिक वजन/मोटापे वाले स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार और बॉडी मास इंडेक्स को कम करने के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन आधारित उपचार: एक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, बाल रोग।

45. स्थानिक-अस्थायी फोटोप्लेथिस्मोग्राफी (पीपीजी), आईआईटी मद्रास।

46. पुरुष विस्टार चूहों में वृषण आकृति विज्ञान और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और मिश्रित ईंधन इंजन निकास के प्रभावों का अध्ययन, आईआईटी दिल्ली।

47. धीमी गति से सांस लेने की तुलना में प्राणायाम का न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल प्रभाव, सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च।

48. क्रोनिक पोस्ट सर्जिकल दर्द, के चूहे मॉडल में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी का अध्ययन, एनाटॉमी।

49. अल्जाइमर रोग के चूहे मॉडल पर सिर्टुइन के छोटे अणु आधारित नोवल उत्प्रेरक का चिकित्सीय हस्तक्षेप, एम्स दिल्ली।

50. वीएटीएस से गुजरने वाले रोगियों में डायफ्रैगमैटिक मोटाई के अंश की तुलना इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम स्थानीय अन्तःसरण के साथ करना, एनेस्थिसियोलॉजी।

51. पार्किंसंस रोग के रोगियों के दैनिक जीवन, व्यवहार और संज्ञानात्मक क्षमता (ए-बी-सी) की गतिविधियों पर दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन, न्यूरोसाइकोलॉजी।

52. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के अनूठे पहलू, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म एम्स दिल्ली।

53. रोडेंट आयोवा गैंबलिंग टास्क में रासायनिक संयोजन का प्रसंस्करण और निर्णय लेने में कमी: अल्जाइमर डिमेंशिया में पीएफसी-ऐट्रोफी की प्रकृति और संज्ञानात्मक कमी, आईआईटी दिल्ली।

पूर्ण

1. स्वायत्त तंत्रिका तंत्र असंतुलन और दैहिक स्केलेरोसिस, के रोगियों में त्वचीय अभिव्यक्तियों के साथ इसके सहसंबंध का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययनत्वचाविज्ञान।
2. एडीएचडी के साथ और बिना विशिष्ट शिक्षण विकार (डिस्लेक्सिया) वाले किशोरों में स्वायत्त कार्यों का एक अध्ययन मनोचिकित्सा।
3. काउंटरमेजर ग्रेविटी लोडिंग बॉडीसूट का विकास और कार्डियोवस्कुलर और मस्कुलर सिस्टम के साथ इसका संभावित संबंध, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर।
4. गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग वाले युवा रोगियों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन, कायचिकित्सा।
5. ग्लूकोमा के रोगियों में ओसीटी-एंजियोग्राफी का उपयोग करके ऑप्टिक डिस्क परफ्यूजन पर माइंडफुलनेस आधारित तनाव में कमी के प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र।
6. एनएमआर . का उपयोग कर पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान एनएमआर।
7. इंटर्नली ऑपरेटिव बनाम एक्सटर्नल ऑपरेटिव अटेंशन रेगुलेटरी मैकेनिज्म के दौरान हार्ट-ब्रेन इंटरैक्शन की जांच, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर।
8. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल का अलगाव और आणविक लक्षण वर्णन बायोकैमिस्ट्री।
9. उन्माद जैसे व्यवहार के चूहे के मॉडल में घड़ी के जीन का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।
10. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी से घायल चूहों में कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ पर कोलेजन-आधारित स्कैफफोल्डस के प्रभाव का अध्ययन एनआईपीईआर, अहमदाबाद।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 51 सार: 11 पुस्तकों में अध्याय: 8

रोगी देखभाल

ऑटोनोमिक फंक्शन लैब और वैस्कुलर फंक्शन लैब में, भेजे गए रोगियों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की जाती है। ये प्रयोगशालाएँ, स्वायत्त टोन के मात्राकरण के साथ स्वायत्त प्रतिक्रियाशीलता का रुटीन परीक्षण प्रदान करती हैं। इस वर्ष स्वायत्त प्रकार्य परीक्षण के लिए भेजे गए कुल 109 लोगों का परीक्षण किया गया है, जिसमें 81 रोगी और 28 स्वस्थ व्यक्ति शामिल हैं।

गैस्ट्रोइंटेस्टीनल फिजियोलॉजी: सर्जरी विभाग से 10 रोगियों के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन वाले अपर जीआई मैनोमेट्री और 7 रोगियों के लिए 24 घंटे पीएच की निगरानी के साथ नैदानिक सुविधा प्रदान की गयी।

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजीः इंट्राऑपरेटिव न्यूरो-मॉनिटरिंग सहायता, न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, ट्रॉमा सेंटर, सीटीवीएस, और पेडिएट्रिक सर्जरी विभागों से रोगी को प्रदान की गई।

इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक (आईएचसी) मुख्य रूप से स्वास्थ्य प्रचार गतिविधियों के लिए मस्तिष्क, मेडिसिन और ध्यान के एकीकरण का केन्द्र है। आईएचसी एक आउट पेशेंट केन्द्र है जिसका उपयोग, न केवल चिकित्सीय लाभ के लिए बल्कि एक विकासशील स्वास्थ्य चेतना के हिस्से के रूप में किया जाता है। तनाव-मोचन केन्द्र के रूप में, आईएचसी क्लिनिक संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, रेजिडेंटों और कर्मचारियों सहित एम्स के सभी कर्मचारियों को तनाव-मुक्त करने के लिए एक सहायक केन्द्र के रूप में काम करता है। वर्ष 2020-2021 के दौरान कुल 1188 रोगियों (दैनिक आधार पर/ दिन-वार) को प्रशिक्षित और लाभान्वित किया गया, जिसमें उनके स्वास्थ्य और कल्याण में वृद्धि के लिए ऑनलाइन एवं शारीरिक प्रशिक्षण और योग का अभ्यास सम्मिलित है।इसमें कोविड-19 के रोगियों और साथ ही पुराने रोगों (जैसे मोटापा, फाइब्रोमयालजिया) एवं रा.प्र. नेत्र केंद्र से भेजे गए रोगियों आदि की देखभाल से जुड़े हमारे एम्स के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता सम्मिलित हैं।

रेस्पिरेटरी फिजियोलॉजी लैब ने फेफड़े के उच्छेदन के लिए रोगियों के पूर्व-ऑपरेटिव मूल्यांकन के लिए कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण (सीपीईटी) प्रदान किया।

दर्द अनुसंधान और टीएमएस प्रयोगशाला में 30 आरटीएमएस (दोहराई जाने वाली ट्रांसक्रैनीअल चुंबकीय उत्तेजना) सत्र मोटर कॉर्टेक्स/डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर दिए गए, 4 रोगियों में लचीलेपन मूल्यांकन के साथ 10 योग सत्रों और पुराने दर्द के रोगियों को 4 मोटर इमेजरी सत्र दिए गए। 22 पुराने दर्द के रोगियों और स्वस्थ स्वयंसेवकों का दर्द और सोमाटोसेंसरी मूल्यांकन किया गया था। 35 रोगियों के लिए पेरिक्रेनियल, अधिजठर (एपिगैस्ट्रिक), पेट और ग्रीवा मांसपेशियों की ईएमजी रिकॉर्डिंग की गई। 11 पुराने दर्द के रोगियों और 10 स्वस्थ स्वयंसेवकों की कोर्टेकोमोटर एक्साइटेबिलिटी माप और मूल्यांकन भी आयोजित किया गया। 36 रोगियों के लिए मात्रात्मक संवेदी परीक्षण किया गया। पुराने दर्द वाले रोगियों में निचली पीठ के पुराने दर्द, फाइब्रोमायल्जिया, रुमेटाइड आर्थराइटिस, गर्दन और कंधे के पुराने दर्द, क्रोनिक प्रुरिटस, हाइपो-थायरायडिज्म और ऑर्थोडॉन्टिक थेरेपी से गुजरने वाले छोटे बच्चे शामिल रहे। मरीजों को एम्स के विभिन्न नैदानिक विभागों जैसे कि रुमैटोलॉजी, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, ऑर्थोपेडिक्स, न्यूरोसर्जरी, ओरल और मैक्सिलोफैशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स, डर्मेटोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, एनेस्थिसियोलॉजी और न्यूरोलॉजी से भेजा गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर केके दीपक डीन (परीक्षा), एम्स, नई दिल्ली हैं; सदस्य, अमेरिकन एकेडमी ऑफ योगा एंड मेडिसिन (एएवाईएम), यूएसए; कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया; सदस्य, पल्स समन्वय समिति, एम्स, एनडी; विशेषज्ञ, एनआरडीसी विशेषज्ञ स्क्रीनिंग समिति, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास परिषद (एनआरडीसी), एनडी; अध्यक्ष, मुख्य वार्ता समिति-I, एम्स, एनडी; अध्यक्ष, स्टोर खरीद समिति, एम्स, एनडी; सदस्य, फिजियोलॉजी के लिए चयन सह स्क्रीनिंग समिति-डॉ. बीआर अम्बेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान, आईएमएस, बीएचयू, वीपीसीआई दिल्ली

विश्वविद्यालय, और एम्स रायपुर; नामों के साथ प्रशासन में विभिन्न परिवर्तनों का सुझाव देने के लिए सदस्य समिति, एम्स, एनडी; प्रभारी आचार्य (संकाय विकास एवं मूल विज्ञान हेतु), सीमेट, नई दिल्ली; सह-अध्यक्ष, आचार समिति ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद 2020; शारीरिक गतिविधि और गतिहीन व्यवहार पर डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों पर चर्चा करने और जीएपीपीए के कार्यान्वयन के लिए एक दिशानिर्देश तैयार करने हेतु पहली तकनीकी चर्चा में भाग लेने के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ, 17 दिसंबर, 2020, 21 दिसंबर, 2020; ऑल इंडिया ऑनलाइन फिजियोलॉजी फेस्टिवल के निर्णायक, एलएचएमसी, नई दिल्ली, 10 दिसंबर, 2020; पीएचडी शोध-निबंध के परीक्षक, मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, नीदरलैंड और कलकत्ता विश्वविद्यालय; आयोजक, उन्नत कार्यशाला (श्रृंखला में छठा) फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक-2020, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, एनडी; कोविड की सभी गतिविधियों के लिए विभाग समन्वयक और प्रातःकालीन संयुक्त बैठकों में भाग लिया; "स्ट्रोक के पुनर्वास के लिए आभासी वास्तविकता के एप्लीकेशन्स" शीर्षक के लिए आईआईटी दिल्ली के पीएचडी छात्रों के लिए अनुसंधान समिति के विशेषज्ञ; एनआरडीसी राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार, राष्ट्रीय सामाजिक नवाचार पुरस्कार और राष्ट्रीय नवोदित नवप्रवर्तन पुरस्कारों के सदस्य; सदस्य, जैव चिकित्सा उपकरण और प्रौद्योगिकी विकास (बीडीटीडी) विशेषज्ञ सलाहकार समूह (ईएजी), डीएसटी; सदस्य, राष्ट्रीय पुरस्कार-2020 आवेदनों के लिए प्रारंभिक स्क्रीनिंग समिति (आईएससी) की बैठक, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग; सदस्य, योग और ध्यान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सत्यम), डीएसटी; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) में सलाहकार पैनल के सदस्य; अध्यक्ष, शिक्षण अनुसूची समिति (चरण-I) 2020-2021; नीचे सूचीबद्ध 3 पेटेंटों को दायर किया गया: (1) "एक आइसोमेट्रिक व्यायाम उपकरण", आवेदन संख्या 202011038613 के साथ भारतीय पेटेंट कार्यालय, दिनांक 07 सितंबर 2020, पेटेंट महानियंत्रक, मुंबई कार्यालय।डिजाइन और व्यापार चिह्न, बौद्धिक संपदा भारत, भारत सरकार, 2020।प्रमुख आविष्कारक (दीपक केके, शर्मा बरुन एच), एम्स, नई दिल्ली द्वारा दायर; (2) "व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए एयर कूल्ड और श्वसन योग्य एक पीस का बॉडीसूट", भारतीय पेटेंट कार्यालय आवेदन संख्या 202011034189 के साथ: (अगस्त 2020 में दायर करने के बाद परीक्षण के अंतर्गत), सह-आविष्कारक, डॉ बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर द्वारा दायर; (3) "नियंत्रित कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण पैदा करने वाला बिस्तर", आवेदन संख्या 202111001877 के साथ भारतीय पेटेंट कार्यालय:, जनवरी 2021, सह-आविष्कारक, डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर द्वारा दायर। डीडी उर्दू चैनल, *"यह है इंडिया"*, योग, फिटनेस और स्वास्थ्य पर चर्चा की गई; पैनलिस्ट: प्रोफेसर सी.एस. पांडव, प्रोफेसर के.के. दीपक और प्रोफेसर राज कुमार यादव, 21 जून 2020 से 22 जून 2020 तक, रात 9 से 9.30 बजे, दोपहर 1 से 1.30 बजे तक।

प्रोफेसर केपी कोचर ने एक तंत्रिका कार्यक्रम, ई-कॉन्फ्रेंस न्यूरोयूनोइया 2020 में “सुडोकु प्रीफ्रंटल कोर्टेक्स को पृथक रूप से सक्रिय करता है: एक एफएनआईआरएस अध्ययन” शीर्षक से प्रस्तुत एक शोधपत्र के लिए पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया है; ‘फाइब्रोमायलजिया में केन्द्रीय संवेदीकरण एवं स्वायत्त परिवर्तनों पर एक 'ए क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन' शीर्षक से शोधपत्र की प्रस्तुति के लिए आईएपीएमआर द्वारा प्रो. नवेंद्र माथुर मेमोरियल अवार्ड 2020 प्राप्त किया।

प्रोफेसर नलिन मेहता चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी), राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), नई दिल्ली के एक यूजी विशेषज्ञ हैं; संयोजक, फिजियोलॉजी में विशेषता बोर्ड, राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली; संकाय (फिजियोलॉजी), यूसीएमएस, दिल्ली की भर्ती के लिए चयन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; फैकल्टी (फिजियोलॉजी), यूसीएमएस, दिल्ली के लिए डीएसीपी योजना के तहत पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग कमेटी में बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली में संकाय (फिजियोलॉजी) के लिए डीएसीपी योजना के तहत पदोन्नति के लिए स्क्रीनिंग-सह-चयन समिति में बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; बाहरी विशेषज्ञ सदस्य (फिजियोलॉजी), एम्स, जोधपुर में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति; बाहरी विशेषज्ञ सदस्य (फिजियोलॉजी), एम्स, गोरखपुर में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति; बाहरी सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति, एम्स, गोरखपुर; सदस्य, स्वतंत्र आचार समिति, अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक महामारी विज्ञान नेटवर्क (आईएनसीएलईएन), नई दिल्ली।

प्रोफेसर सुमन जैन नेत्र तंत्रिका पुनर्जनन और तंत्रिका प्रत्यारोपण पर स्थापित परियोजनाओं को देखने के लिए गठित समीक्षा समिति, आईसीएमआर की सदस्य हैं; एनआईपीईआर, अहमदाबाद द्वारा साहित्यिक चोरी के मुद्दे को देखने के लिए तथ्य-अन्वेषण समिति की सदस्य हैं; एम्स, नई दिल्ली में नर्स अधिकारी के अस्थायी पद की नियुक्ति के लिए गठित समिति की सदस्य; गैर-शैक्षणिक कनिष्ठ रेजिडेंटों की काउंसलिंग के सदस्य, एम्स दिल्ली; कोविड की रोकथाम और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए कोविड महामारी के दौरान हिंदी और अंग्रेजी में प्रशिक्षित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर, 2020; कोविड महामारी, 2020 के दौरान ई-स्टूडेंट वेलफेयर क्लब, एम्स दिल्ली के फैकल्टी मेंटर ने छात्रों और डॉक्टरों को प्रोत्साहित किया और उनका समर्थन किया; संकाय स्वयंसेवकों ने एम्स, दिल्ली 2020 में अस्पताल के कर्मचारियों के विशिष्ट संवर्गों को पीपीई किट की तैयारी और वितरण में सक्रिय रूप से भाग लिया; हैदराबाद, तेलंगाना में लगभग 4-7 अक्टूबर तक आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज की 38वीं वार्षिक बैठक के दौरान "न्यूरोडीजेनेरेशन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की; हैदराबाद, तेलंगाना में लगभग 4-7 अक्टूबर के बीच आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज की 38वीं वार्षिक बैठक के दौरान "तुलसाबाई सोमानी एजुकेशनल ट्रस्ट अवार्ड और डी.एम. कर प्राइज" पुरस्कारों के लिए मौखिक प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने हेतु निर्णायक; नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, भारत के पीएचडी थीसिस परीक्षक; सदस्य, संपादकीय बोर्ड: तंत्रिका विज्ञान का वार्षिक वृतांत; सचिव, दिल्ली-एनसीआर चैप्टर ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज; उपाध्यक्ष, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी; सदस्य प्रतिक्रिया समिति, उत्तर अमेरिकी स्पाइन सोसायटी; सदस्य आईयूपीएस-आईयूपीएचएआर समिति, आईएनएसए।

प्रोफेसर राज कुमार यादव इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी के संपादक हैं; सदस्य, संपादकीय बोर्ड: योग एंड शारीरिक चिकित्सा का वार्षिक वृतांत थेरेपी; परीक्षक, एमडी थीसिस (5 की संख्या में), किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, यूपी, मार्च 2021; परीक्षक, पीएचडी थीसिस, जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (जिपमर), पुदुचेरी, सितंबर 2020; मूल्यांकन प्रोत्साहन योजना (एपीएस) के अंतर्गत संकाय की सहकर्मी समीक्षा/मूल्यांकन के बाह्य विशेषज्ञ सदस्य: उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय, मार्च 2021; बाहरी विशेषज्ञ सदस्य, अध्ययन बोर्ड, एमडी फिजियोलॉजी पाठ्यक्रम, एम्स, ऋषिकेश;नोडल

अधिकारी, छात्रावास, एम्स दिल्ली कोविड-19 महामारी के दौरान छात्रावासियों/रेजीडेंटों के बीच संक्रमण नियंत्रण के लिए; सदस्य: तकनीकी सह विशेषज्ञ समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली; समीक्षक / डोमेन विशेषज्ञ: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) / सत्यम, भारत सरकार, अनुसंधान प्रस्ताव / परियोजनाएं; उप छात्रावास अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली; वित्त सचिव, टिप्स एडवांस्ड 2020, सार्क देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक, एम्स, नई दिल्ली, 1-3 दिसंबर, 2020; सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर; सचिव, फैकल्टी क्लब, एम्स, नई दिल्ली; यूजी छात्रों के लिए एम्स छात्र हितकारी कोष समिति के सदस्य; सदस्य, निरीक्षण समिति, एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली; आयोजक, 12 फरवरी 2021 को सुबह 10 बजे प्रोफेसर रमेश बिजलानी के साथ निदेशक प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया द्वारा 'इंटीग्रल हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक' का उद्घाटन। डीडी न्यूज चैनल पर लाइव शो 'टोटल हेल्थ' में 14 जून 2020 को प्रातः 8.30 से 9.30 तक "योग और स्वास्थ्य" पर चर्चा की; डीडी *उर्दू चैनल*, "यह है इंडिया" में 21 जून 2020 एवं 22 जून 2020, को रात 9 से 9.30 बजे, दोपहर 1 से 1.30 बजे तक योग, फिटनेस और स्वास्थ्य पर चर्चा की गयी; पैनलिस्ट: प्रोफेसर सी.एस. पांडव, प्रोफेसर के.के. दीपक और प्रोफेसर राज कुमार यादव

डॉ रेणु भाटिया सदस्य हैं, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ़ पेन (आईएएसपी); सदस्य एम्स यूजी करिकुलम ओर्गनइजिंग ग्रुप, एम्स नई दिल्ली; सदस्य, वीमेन इन ब्रेन स्टिमुलेशन।

डॉ सिमरन कौर 27 सितंबर, 2020 को किशोरों और युवा वयस्कों के कैंसरों में संज्ञानात्मक विकारों पर आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ सपोर्टिव केयर इन कैंसर की दूसरी वार्षिक बैठक की पैनलिस्ट थीं; अध्यक्ष, कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य: जड़ी-बूटियों से सहायता, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस 2020, 4-7 अक्टूबर 2020, हैदराबाद।.

डॉ दीनू एस चंद्रन एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड - 2019 (2020 में प्रदान किया गया) के प्राप्तकर्ता हैं, कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ सिस्टमिक वैस्कुलर रिएक्टिविटी टू वेरिएबिलिटी इन पल्स वॉल्यूम ऐम्प्लिट्यूड रेस्पोंस ड्यूरिंग रिएक्टिव हाइपरमिया शीर्षक से प्रकाशन के लिए बेसिक साइंस श्रेणी में दूसरा पुरस्कार; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की आधिकारिक पत्रिका; संपादकीय सदस्य, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली के ई-न्यूज़लेटर और ई-अनुदान अद्यतन समिति; समन्वयक - जीईएम पोर्टल से खरीद, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, भंडार खरीद समिति, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ नसरीन अख्तर फिजियोलॉजी रेजिडेंटों के लिए कोविड-19 के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने वाली फैकल्टी हैं; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के वरिष्ठ संपादक; जर्नलों की समीक्षक (इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, स्लीप एंड विजिलेंस); एसईआरबी की परियोजना समीक्षक।

डॉ सूर्य प्रकाश एम एमबीबीएस पाठ्यचर्या सुधार समिति, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य हैं; वार्षिक रिपोर्ट, एम्स, नई दिल्ली के नोडल अधिकारी।

सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम

मीडिया कवरेज

शिक्षण अनुसंधान और रोगियों के देखभाल की गतिविधियों के अंतर्गत, प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि सम्मिलित नहीं है

1. एम्स कोविड पोर्टल के लिए कोविड - 19 साहित्य का मूल्यांकन - सेटिंग्स https://covid.aiims.edu/literature-appraisal/ गैर स्वास्थ्य देखभाल ना किए जाने की परिस्थितियों में महामारी इन्फ्लूएंजा के लिए गैर-औषधीय उपाय - व्यक्तिगत सुरक्षात्मक एवं पर्यावरणीय उपाय, दीनू चंद्रन, केके दीपक, सरिता महापात्रा, सिद्धार्थ सतपथी।
2. अशांत गैस के बादल और श्वसन सम्बन्धी रोगाणुओं का उत्सर्जन: कोविड-19 के संचरण को कम करना, दीनू चंद्रन, सिद्धार्थ सतपथी।
3. छोड़े गए श्वास में श्वसन सम्बन्धी वायरस का संचार होना और सर्जिकल फेस मास्क की प्रभावकारिता, दीनू चंद्रन, केके दीपक, सिद्धार्थ सतपथी।
4. कोविड-19 संकट के दौरान जनता के लिए फेस मास्क, दीनू चंद्रन, सरिता महापात्रा, केके दीपक, सिद्धार्थ सतपथी।
5. सार्स-कोव-2 के संचरण में बात करने से निकली छोटी बूंदों का वायुजनित जीवनकाल और उनका संभावित महत्त्व, दीनू चंद्रन, केके दीपक, अस्मिता पाटिल, सिद्धार्थ सतपथी।
6. सार्स-कोव-2 और कोविड-19 के व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण को रोकने के लिए शारीरिक दूरी, फेस मास्क और आंखों की सुरक्षा: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण, दीनू चंद्रन, अस्मिता पाटिल, सिद्धार्थ सतपथी।

9.33. प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा

आचार्य और प्रमुख
मनीष सिंघल

सहायक आचार्य

राजा तिवारी	शशांक चौहान
राजकुमार मानस	राकेश डावर

विशिष्टताएं

एम्स, नई दिल्ली में प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा विभाग जुलाई 2015 में स्थापित किया गया था। अब 5 संकाय सदस्य, 12 एमसीएच वरिष्ठ रेजिडेंट, 8 पोस्ट-एमसीएच वरिष्ठ रेजिडेंट हैं, विभाग में कार्यरत 4 गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजिडेंट एवं 5 गैर शैक्षणिक कनिष्ठ रेजिडेंट हैं। पिछले वर्ष के दौरान, हमारे बाह्य रोगी विभाग में, साथ ही भर्ती में, रोगियों की मासिक संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। हमारे पास हाथ और क्लेफ्ट सर्जरी के लिए समर्पित क्लीनिक हैं। अर्बुदविज्ञान शल्यचिकित्सा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, हृद वक्ष शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा, सामान्य शल्य चिकित्सा, नेत्र शल्य चिकित्सा दल और अन्य विभाग विभिन्न चुनौतीपूर्ण और जटिल ऊतक संबधी दोषों के पुनर्निर्माण के लिए हमारे साथ सहयोग करते हैं। जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र के कोविड उपचार केंद्र में रूपांतरण के बाद, हमने संकाय सदस्य और रेजिडेंटों के साथ कोविड टास्क फोर्स में योगदान दिया है। विभाग ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किए हैं। विभाग ने अब तक एम.सीएच. के 11 उम्मीदवारों के परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। 18 जनवरी 2021 को, हमने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दग्ध एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा खंड के उद्घाटन में भाग लिया। इस खंड में एक समर्पित दग्ध और प्लास्टिक शल्य चिकित्सा वार्ड के साथ-साथ एक गहन देखभाल एकक (आईसीयू) है, जिसमें प्रति वर्ष 50000 जलने की आपात स्थितियों और 5000 भर्ती रोगियों का इलाज करने की क्षमता है। एक्यूट आपात स्थिति के लिए 20 बेड का वार्ड भी बनाया गया है। हमारे पास दुनिया के सबसे बड़े 6 ऑपरेशन थिएटर भी हैं, जिनमें से प्रत्येक में डंब वेटर सिस्टम है। स्वास्थ्य उपचार प्रणाली में सुधार के लिए, नए ब्लॉक में त्वचा बैंकिंग सेवा, एक पूरी तरह से सुसज्जित फिजियोथेरेपी एकक और कस्टम-मेड प्रेशर गारमेंट्स भंडार के लिए भावी व्यवस्था भी है। कोरोना महामारी के दौरान, हमने नए और अनुवर्ती रोगियों के लिए टेलीकम्यूनिकेशन भी शुरू किया।

आधारभूत संरचना का विकास

दग्ध एवं प्लास्टिक ब्लॉक की स्थापना की गई और इसे चालू किया गया। विभाग के दीर्घकालिक लक्ष्यों में दग्ध उपचार एवं पुनर्संरचना शल्य चिकित्सा के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र, एक विशेष त्वचा बैंक और हाथ और चेहरे के प्रत्यारोपण के लिए एक समग्र ऊतक आवंटन कार्यक्रम की स्थापना शामिल है।

प्रदत्त व्याख्यान

मनीष सिंघल : 4 राजा तिवारी : 4 राज कुमार मानस : 1

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टर: 5

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं:

चालू

1. पोर्टेबल नेगेटिव प्रेशर थेरेपी डिवाइस बनाम पारंपरिक ड्रेसिंग के साथ पोस्ट-ट्रॉमेटिक घावों पर स्किन के ग्राफ्ट का तुलनात्मक विश्लेषण। एक खुला लेबल, पैरेलल आर्म-कोहार्ट, शशांक चौहान, ट्राइएज मेडिटेक प्रा. लिमिटेड, 6 महीने, मई 2020 से जारी, 7,26,264 रु।
2. ब्रैकियल प्लेक्सस पुनर्संरचना के लिए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता पर प्रायोगिक अध्ययन, राजा तिवारी, आईसीएमआर, 2 साल, 2020 से जारी, 29.5 लाख रुपये।
3. ब्रैकियल प्लेक्सस पुनर्निर्माण के लिए रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता पर प्रायोगिक अध्ययन, राजा तिवारी, इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 साल (समय विस्तार के लिए आवेदन किया गया), 2020 से जारी, 29.5 लाख रु।
4. सिलिकॉन डाई इंजेक्शन का उपयोग करते हूए एक्स्ट्रा- क्रानिअल सिर और गर्दन के वाहिकाओं के संवहनी लेबलिंग पर प्रायोगिक अध्ययन: हस्तक्षेप के दौरान खतरनाक क्षेत्रों से बचना , राजा तिवारी, एम्स- वर्ष 2020-2021 के लिए शीघ्र करियर इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, 2021 से जारी, 5 लाख रु।

पूर्ण

1. सतही बाहरी घावों पर सी1 हर्बल तेल के सामयिक अनुप्रयोग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (द्वितीय चरण), मनीष सिंघल, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2018-2020, 16,72,800 रुपये।
2. भारत में दग्ध घटनाओं का स्थितिजन्य विश्लेषण, मनीष सिंघल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 4 साल, 2015-2020, 38,50,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

पूर्ण

1. फिंगर-टिप विच्छेदन के पुनर्निर्माण के लिए फ्लैप तकनीक पर ग्राफ्ट रिपोजिशन का संभावित अध्ययन।
2. डिजिटल प्रतिकृति के अस्तित्व को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण
3. इंडेक्स फिंगर बनाम रिंग फिंगर का उपयोग करके अंगूठे के बाहर के कोमल ऊतक संबंधी दोषों के लिए क्रॉस फिंगर फ्लैप: एक तुलनात्मक अध्ययन।
4. भारत में लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र में विच्छेदन के मामलों का एपिडेमियोलॉजिकल विश्लेषण।
5. स्पेगेटी कलाई की चोट के लिए इलाज किए गए रोगियों में परिणाम से जुड़े रोगनिरोधी कारक
6. कंप्रोमाइज्ड फ्लैप के बचाव में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की भूमिका।
7. घाव के निशान की परिपक्वता में ट्रायमिसिनोलोन एसीटेट की भूमिका।
8. खुले हुए स्पाइनल प्रतिरोपण के लिए कोमल ऊतक पुन:संरचना: एक प्रायोगिक अध्ययन।

जारी

1. स्मार्टफोन थर्मोग्राफी की तुलना और फ्री माइक्रोवैस्कुलर टिश्यू ट्रांसफर में टिश्यू परफ्यूजन की पोस्टऑपरेटिव मॉनिटरिंग के नैदानिक तरीके- एक संभावित कोहार्ट स्टडी।
2. क्षतिग्रस्त पैर और टखने के आघात के बाद के प्रारंभिक परिणाम: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य से पैर के बचाव बनाम घुटने के नीचे के विच्छेदन की तुलना।
3. एकल केंद्र (जेपीएनएटीसी-एम्स में हाथ की चोटों की एपिडेमियोलॉजी)- एक संभावित और पूर्वव्यापी अध्ययन।
4. उंगलियों की चोट के बाद परिणामों का मूल्यांकन करना।

सहयोगात्मक अनुसंधान

जारी

1. रोगसूचक घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए ऑटोलॉगस वसा व्युत्पन्न स्ट्रोमल संवहनी अंश या हयालूरोनिक एसिड का इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थि रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पूर्ण

1. भारत में कटे होंठ और तालु विसंगति: क्लिनिकल प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की स्थिति: एक अस्पताल-आधारित अध्ययन, दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली, भारत।

प्रकाशन

पत्रिका : 13 पुस्तक में अध्याय: 3

रोगी उपचार (विशेष क्लिनिक, स्वास्थ्य शिविर, सामुदायिक सेवा शिविर)

- दग्ध एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा ब्लॉक का उद्घाटन - 18 जनवरी 2021
- फॉलो- अप क्लिनिक।
- हम इनडोर, आउटडोर और आपातकालीन विभाग के मरीजों के उपचार में शामिल रहे हैं। जारी कोविड-19 महामारी के दौरान कोविड ड्यूटी में सक्रिय रूप से भाग लिया। लॉकडाउन के दौरान ओपीडी बंद रहने के दौरान टेली-कंसल्टेंसी ओपीडी में शामिल रहे।
- कोरोनावायरस से प्रभावित सभी रोगियों को उपचार सुविधा प्रदान करने के लिए जेपीएनएटीसी कोविड ड्यूटी किया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर मनीष सिंघल इंडियन जर्नल ऑफ प्लास्टिक सर्जरी के सह संपादक थे, जर्नल ऑफ वून्ड केयर के समीक्षक, द सर्जरी जर्नल, बीएमजे केस रिपोर्ट; प्राथमिक देखभाल स्तर पर सामान्य आपात स्थितियों, जलने और आघात के उपचार पर संचालन संबंधी दिशानिर्देशों के लिए आमंत्रित मास्टर प्रशिक्षक।

डॉ राजा तिवारी इंटरनेशनल माइक्रोसर्जरी क्लब - बेस्ट इनोवेशन 2020 अवार्ड थे।

डॉ शशांक चौहान इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के समीक्षक थे।

डॉ राज कुमार मानस को प्लास्टिक सर्जरी (राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के सदस्य) में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा एमएनएएमएस अवार्ड से सम्मानित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ प्लास्टिक सर्जरी, द सर्जरी जर्नल, जर्नल ऑफ क्लेफ्ट लिप, पैलेट एंड क्रानियोफेशियल एनोमलीज के समीक्षक; दिनांक 26 अक्टूबर 2020 को फ्लेक्सर टेंडन साइंस एंड रिहैबिलिटेशन विषय पर आईएसएसएच वेबिनार श्रृंखला 2020 में संकाय सदस्य और मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया।

9.34. मनोचिकित्सा

आचार्य और प्रमुख

राकेश कुमार चड्ढा,

आचार्य

प्रताप शरण राजेश सागर नंद कुमार ममता सूद

अपर आचार्य

रमन दीप सुजाता शतपथी, (नैदानिक मनोचिकित्सा)

सह-आचार्य

कौशिक सिन्हा देब रोहित वर्मा बिचित्र नंदा पत्र

सहायक-आचार्य

गगन हंस वैभव पाटिल बर्रे विजय प्रसाद

बाल मनोचिकित्सक

रेणु शर्मा

नैदानिक मनोचिकित्सा

वंदना चौधरी

विशिष्टताएं

मनोचिकित्सा विभाग एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (मनोविज्ञान) और एमबीबीएस के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभाग बीएससी/एमएससी नर्सिंग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है। काय-चिकित्सा विभाग, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, उपशामक चिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान विभागों के रेजिडेंट विभिन्न अवधि के लिए मनोचिकित्सा विभाग में तैनात हैं। मनोचिकित्सा विभाग वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर यूके), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत (डीएसटी) आदि के सहयोग से कई प्रमुख वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं चला रहा है। विभाग ने दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (दिसंबर 2020) पर 5$^{वां}$ राष्ट्रीय सीएमई और सर्टिफिकेट कोर्स, ऑनलाइन माध्यम (जनवरी 2021) में, 27वां ई- इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री का राष्ट्रीय सम्मेलन (विषय: कोविड 19 महामारी और सामाजिक मनोचिकित्सा), और स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं के लिए कल्याण कार्यक्रम (मार्च 2021) सहित वर्ष में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभाग बच्चों और किशोरों के मानसिक विकारों, मनोदैहिक विकारों, सामान्य मानसिक विकारों, गंभीर मानसिक विकारों, दोहरे निदान संबंधी विकारों और मस्तिष्क स्टिमुलेशन क्लिनिक के लिए साप्ताहिक विशेष क्लीनिकों के अलावा दैनिक वॉक-इन और फॉलो-अप क्लीनिक चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी,

बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक आउटरीच सेवाएं भी प्रदान करता है । वर्ष के दौरान, कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में नियमित ओपीडी कुछ महीनों के लिए बंद कर दी गई थी। ओपीडी बंद होने पर टेली-परामर्श के रूप में बाह्य रोगीसेवाएं जारी रहीं। नियमित ओपीडी सेवाएं फिर से शुरू होने पर टेली-परामर्श सेवाएं जारी रहीं। विभाग ने 2020-21 में कुल 5237 नए मामलों और 13874 फॉलो अप मामलों में 35 रोगियों के लिए इन-पेशेंट उपचार के साथ बाह्य रोगी परामर्श सेवाएं प्रदान कीं। विभाग ने अस्पताल की आपात स्थिति में 900 मरीजों को आपातकालीन सेवाएं मुहैया कराईं। विभाग कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के अलावा कोविड संबंधी कर्तव्यों के लिए पर्याप्त जनशक्ति प्रदान करने में सबसे आगे रहा है।

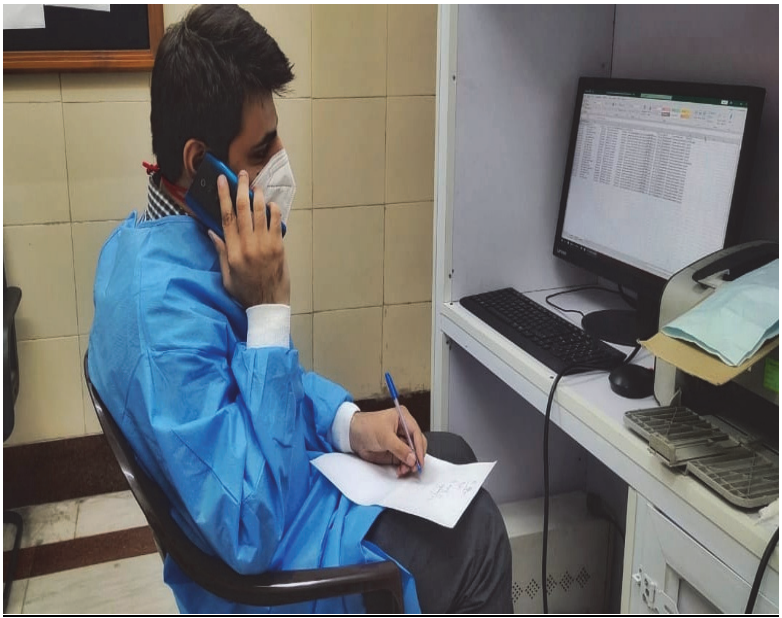

एक साइकेट्री रेजिडेंट टेली-परामर्श सेवा में परामर्श के लिए भाग लेते हुए

ओपीडी में पास के कमरे में बैठे मरीज का विस्तृत मूल्यांकन करते हुए एक कनिष्ठ रेजिडेंट

शिक्षा

स्नातक (ऑनलाइन)

सैद्धांतिक व्याख्यान छठा सेमेस्टर - 20 घंटे

नैदानिक शिक्षण/तैनाती

तीसरा सेमेस्टर - 7 घंटे 4-5वां सेमेस्टर- 25 दिन 6-8 वां सेमेस्टर- 40 दिन

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में समुदाय में शिक्षण

7 वां सेमेस्टर - 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग (ऑनलाइन)

सैद्धांतिक व्याख्यान

प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान) 15 घंटे के लिए तृतीय वर्ष (मनोचिकित्सा) 8 घंटे के लिए

नैदानिक तैनाती

तृतीय वर्ष मनोचिकित्सा वार्ड में 2 माह के लिए

एमएससी नर्सिंग (ऑनलाइन)

सैद्धांतिक व्याख्यान

प्रथम वर्ष 8 घंटे के लिए

नैदानिक तैनाती

प्रथम वर्ष - मनोचिकित्सा वार्ड में 8 माह एवं मनोचिकित्सा ओपीडी में एक माह

द्वितीय वर्ष - मनोचिकित्सा वार्ड में 3-4 माह

थीसिस संबंधी कार्य

मनोचिकित्सा ओपीडी और वार्ड में अपनी थीसिस संबंधी कार्य किया गया।

अन्य विभागों से तैनात कनिष्ठ रेजीडेंटों का प्रशिक्षण

काय-चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा और उपशामक चिकित्सा विभाग के कनिष्ठ रेजिडेंट और तंत्रिका विज्ञान में डीएम प्रशिक्षुओं को मनोचिकित्सा विभाग में 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए तैनात किया जाता है।

एमडी (मनोचिकित्सा) और पीएचडी शिक्षण (ऑफ़लाइन और ऑनलाइन)

- सप्ताह में एक बार संगोष्ठी।
- सप्ताह में एक बार केस कांफ्रेंस।
- सप्ताह में एक बार पत्रिका संबंधी चर्चा।
- थीसिस प्रोटोकॉल और मध्यावधि प्रस्तुति सप्ताह में एक बार।
- सप्ताह में एक बार ट्यूटोरियल।

- स्नातकोत्तर मनोचिकित्सा और डॉक्टरेट स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान के छात्रों के लिए मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण।
- मनोचिकित्सा में कनिष्ठ रेजीडेंटों के लिए परामर्श-संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

- दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन पर 5वां राष्ट्रीय सीएमई और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (दिसंबर 2020) (ऑनलाइन) ।
- 27वां ई- इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री का राष्ट्रीय सम्मेलन, ऑनलाइन माध्यम में कोविड 19 महामारी और सामाजिक मनोचिकित्सा (जनवरी 2021) (ऑनलाइन) ।
  - छात्र कल्याण केन्द्र, एम्स और साइंटिफिक सोसाइटी ऑफ एम्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा 'व्हाइट कोट एंड अदर स्टोरीज' : नई दिल्ली/ऑनलाइन (समन्वयक: प्रताप शरण) ।
  - एस1ई1: सफेद कोट और अन्य कहानियां: पियूष सहनी, टोनी जैकब (3 मई 2020) ।
  - एस1ई2 : हिंडसाइट 20/20: प्रियांक जैन, अदिति सिन्हा (10 मई 2020) ।
  - एस1ई3: द लास्ट लेक्चर : आत्म-विकास: एसके आचार्य (17 मई 2020) ।
  - एस1ई4: लाइफ आफ्टर एमबीबीएस: दीप्ता घाटे, शिखा गुप्ता, रचना गर्ग (24 मई 2020)।
  - एस1ई5: डिकोडिंग एंड डेलिवरिंग पब्लिक हेल्थ: के श्रीनाथ रेड्डी (31 मई 2020) ।
  - एस1ई6: मेकिंग ए डिफरेंस: नमन शाह (14 जून 2020) ।
  - एस1ई7: टेटे-ए-टेट विद गुलेरिया: जेएस गुलेरिया, रणदीप गुलेरिया, संदीप गुलेरिया) (28 जून)।
  - एस1ई8: आवर जर्नी ऑफ फोर डिकेड्स: राकेश अग्रवाल, अमिता अग्रवाल (2/8/2020) ।
  - एस1ई9: पाथ ऑफ सक्सेस: विनय कुमार (23 अगस्त 2020)।
  - एस1ई10: ए ब्यूटीफुल माइंड एंड द बटरफ्लाई इफेक्ट: वामिक गजधर, आदित्य गुप्ता (27 सितंबर 2020)।
  - एस1ई11: काबरा का डाबरा: सुशील काबरा, मधुलिका काबरा (4 अक्टूबर 2020) ।
  - एस1ई12: आर्ट-साइड स्टोरीज : सप्तर्षि मंडल, दीपक कुमार (11 अक्टूबर 2020) ।
  - एस2ई1: टंडन इन टैंडेम: पीएन टंडन, निखिल टंडन, राधिका टंडन (28 फरवरी, 2021)।
  - एस2ई2: कल्चरल शौक: एम्स कला संगम [पियूष रंजन, पी कुमार अय्यर, शिल्पा शर्मा, अर्चना सिंह, मोहित जोशी, कल्पना लूथरा, बिस्वरूप चक्रवर्ती, अस्मिता पाटिल, आशीष बिंद्रा, सविता यादव)] (21 मार्च 2021)।
- तनाव प्रबंधन पर ईएसडब्ल्यूसी कार्यशाला। छात्र कल्याण केन्द्र, एम्स। नई दिल्ली/ऑनलाइन (4 सत्र), 14 जुलाई 2020; 21 जुलाई 2020; 17 नवंबर 2020; 24 नवंबर 2020 (अध्यक्ष: प्रताप शरण)।
- कार्यशाला: ओमेगा: डीलिंग विद डेथ। छात्र कल्याण केन्द्र, एम्स। नई दिल्ली/ ऑनलाइन; 15 सितंबर 2020 (समन्वयक: प्रताप शरण)।
- "मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन" पर परिसंवाद, छात्र कल्याण केन्द्र और शैक्षणिक अनुभाग, एम्स। जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली; 27 अगस्त 2020 (समन्वयक: अंजू धवन, प्रताप शरण) ।

- रेजिडेंट कल्याण कार्यक्रम। फाउंडेशन कोर्स। छात्र कल्याण केन्द्र और शैक्षणिक अनुभाग, एम्स, जेएलएन सभागार, एम्स, नई दिल्ली (6 सत्र), 17 सितंबर 2020, 1 अक्टूबर 2020; 22 अक्टूबर 2020; 26 नवंबर 2020; 15 मार्च 2021, 22 मार्च 2021 (समन्वयक: प्रताप शरण)।
- अंडरग्रेजुएट पीयर मेंटर्स के प्रशिक्षण पर कार्यशाला। छात्र कल्याण केन्द्र, एम्स और एम्स छात्र संघ; एम्स, नई दिल्ली/ऑनलाइन; 21 नवंबर 2020 (समन्वयक)
- एमबीबीएस छात्रों के लिए स्व-समृद्धि कार्यशाला (बैच 2020)। छात्र कल्याण केन्द्र और शैक्षणिक अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली/ऑनलाइन; 2-5 दिसंबर 2020 (समन्वयक: प्रताप शरण)।
- एम्स एमबीबीएस छात्रों के माता-पिता के लिए ओरिएंटेशन सह प्रश्न और उत्तर सत्र (बैच-2020)। छात्र कल्याण केन्द्र और शैक्षणिक अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली/ऑनलाइन; 31 मार्च 2021 (समन्वयक: प्रताप शरण)

प्रदत्त व्याख्यान

राकेश कुमार चड्ढा: 10	**प्रताप शरण: 6**	**राजेश सागर : 63**	
नंद कुमार: 7	**रमन दीप: 2**	**सुजाता शतपथी: 5**	**रोहित वर्मा: 5**
गगन हंस: 2	**बर्रे विजय प्रसाद: 4**	**रेणु शर्मा: 1**	**वंदना चौधरी: 2**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर: 21

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अवसाद और सिज़ोफ्रेनिया के उपचार में ब्रेन स्टिमुलेशन के एक्यूट और अनुदैर्ध्य प्रभावों का एक अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 साल, 2018-21, 10 लाख रुपये।
2. पहले एपिसोड साइकोसिस (एम्स सेंटर) के रोगियों में शारीरिक स्वास्थ्य निगरानी की व्यवहार्यता और प्रभाव का मूल्यांकन, आरके चड्डा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, यूके, 1 वर्ष, 2021-22, 63604 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड।
3. मातृवंशीय द्विध्रुवी विकार में क्लिनिकल प्रोफाइल, माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए 10398, परिधीय ग्लूकोज उपयोग (एचओएमए_आईआर) और सूजन (टीएनएफ-α) का मूल्यांकन, रमन दीप, एम्स इंट्राम्यूरल 2019-21, 2 वर्ष, 2019-2021, 3.90 लाख रु।
4. फटे होंठ और तालू वाले बच्चों और किशोरों में भावनात्मक और व्यवहारिक समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, राजेश सागर, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2 साल, 2020-2021, 39,89,890 रुपये।
5. द्विध्रुवी विकार में लिथियम प्रतिक्रिया के बायोमार्कर: लंबे समय तक लिथियम प्रोफिलैक्सिस पर द्विध्रुवी विकार वाले व्यक्तियों में क्लिनिकल मार्करों, परिधीय रक्त आधारित मार्कर और ग्रे मैटर वॉल्यूम का मूल्यांकन, रमन दीप, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2018-2021, लगभग 24 लाख रु।

6. न्यूरोमॉड्यूलेशन और मानसिक स्वास्थ्य पर उपचार, नंद कुमार, आईसीएमआर, 5 साल, 2019 - 2024, 4.28 करोड़ रुपये।

7. 6-11 वर्ष की आयु के एडीएचडी वाले बच्चों पर एम्स संज्ञानात्मक प्रशिक्षण टूलकिट (सीटीटी) और कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण (पीएसएस कॉगरीहैब) के संज्ञानात्मक और साइको-फिजियोलॉजिकल प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन, सुजाता सतपथी, डीएसटी / सीएसआरआई, 3 साल, 2019- 2022, 55.71 लाख रु।

8. किशोरों में जानबूझकर आत्म-नुकसान: एक स्कूल-आधारित अध्ययन , बिचित्र नंदा पात्रा, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, 27 लाख रु।

9. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन उपचार चाहने वालों के बीच नए मादक पदार्थों का पता लगाना - बहु केंद्रित अध्ययन, आरके चड्ढा, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2017-2022,.6.51 करोड़ रु।

10. पैनिक और एंग्जायटी इंडियन प्रश्नावली (पीएएनआईक्यू) का विकास, प्रताप शरण , भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 साल, 2018-2021, 1.8 करोड़ रुपये।

11. डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी आधारित कॉर्टिकल एनालिसिस फॉर इवैल्यूएशन सिमैंटिक एंड प्रोसोडिक कंटेंट, लैंग्वेज एक्विजिशन एंड फेशियल आइडेंटिफिकेशन एज़ डिटरमिनेंट्स ऑफ इमोशन रिकग्निशन इन सिज़ोफ्रेनिया , रोहित वर्मा, डीएसटी सीएसआरआई रिसर्च ग्रांट, 3 साल, 2018-21, 51,98,660 रुपये।

12. एच 1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन में पूर्वकाल सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस, और एमिग्डाला में एकध्रुवीय और द्विध्रुवी अवसाद वाले सरल स्वभाव वाले रोगियों और परिधीय ग्लूटामिनेज के साथ इसके संबंध, गगन हंस, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2020, 3.6 लाख रुपये।

13. शिशु वृद्धि और विकास पर प्रसवोत्तर अवसाद और चिंता का प्रभाव: एक सामुदायिक समूह अध्ययन, राजेश सागर, स्व (पिछली परियोजना का विस्तार), 3 साल, 2016-2019, 8,57,940 रुपये।

14. मेट, नंद कुमार, सीएसआर फंड एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, 2 साल, 2019 - 2021, 98.00 लाख रुपये।

15. मनोविकृति परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप: प्रोटोकॉल आधारित मूल्यांकन और फर्स्ट एपिसोड साइकोसिस का प्रबंधन (एम्स सेंटर), ममता सूद, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 साल और 8 महीने, 2017-2021, 115590 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड।

16. मनोविकृति परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप: द वारविक-इंडिया-कनाडा (डब्ल्यूआईसी) नेटवर्क, आरके चड्डा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 4 साल, 2017-2021, 269,146 ग्रेट ब्रिटेन पाउंड्स।

17. नई दिल्ली जन्म कोहार्ट में मनोरोग रुग्णता और इसके प्रारंभिक पूर्ववृत्त, राजेश सागर, क्यूईडी और डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 3 वर्ष, 2018-2020, 8,67,850 रु।

18. गर्भावस्था के नुकसान की मनोसामाजिक गतिशीलता: एक समूह मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल के एक बहुआयामी पैमाने और विकास और प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण) का विकास, सुजाता सतपथी, आईसीएमआर, 3 साल, सितंबर 2019- सितंबर 2022, 59 लाख रुपये।
19. चिल्ड्रेन ड्रॉ-ए-पर्सन-टेस्ट (डीएपीटी) में पेनेट्रेटिव सीएसए के संकेतकों / मार्करों का सत्यापन और मानकीकरण, सुजाता सतपथी, एनसीपीसीआर, 6 महीने, मार्च-2021, 3.99 लाख रुपये।

पूर्ण

1. जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत गुणवत्ता और सर्वोत्तम व्यवहारों का मूल्यांकन, राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ-देश और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 6 माह, 2019 - 2020, 9,94,553 रु।
2. उत्तरी भारत के व्यक्तियों के लिए क्लिनिकल अध्ययन, परिवर्तन, क्रॉसकल्चरल अनुकूलन और संज्ञानात्मक मूल्यांकन प्रणाली (कॉग्निस्टैट) के मानदंडों का विकास, राजेश सागर, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य पुनर्वास प्रणाली एलएलपी, 2 साल, 2018-2020, 7,92,198 रुपये।
3. मानसिक स्वास्थ्य जांच, मरीजों की संतुष्टि, और कोविड-19 के दौरान भर्ती और संगरोध / पृथक रोगियों के लिए संक्षिप्त सहायक टेली परामर्श, सुजाता सतपथी, एम्स, 8 माह, अगस्त 2020-मार्च 2021, रु 2.5 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अवसाद और मनोविकृति में सैकेड और अनुसरण नेत्रों की गतिविधियों का क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन।
2. कोविड-19 (2020) के कारण भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच चिंता का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल प्रश्नावली-आधारित अध्ययन।
3. कोविड -19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सहसंबंध और अनिश्चितता पर एक बहुसमूह सहसंबंध अध्ययन।
4. कार्यकारी कामकाज पर कार्य निर्भर प्रभाव की जांच के लिए एनोडल ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में न्यूरोसाइकोलॉजिकल और क्लिनिकल परिणामों में सुधार के लिए केटामाइन बनाम संशोधित इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी का एक यादृच्छिक नियंत्रित सिंगल ब्लाइंड ट्रायल।
6. मनोविकार रोधी दवा की एक खुराक के बाद मनोविकृति के रोगियों में सैकेड और सहज परसूट मूवमेंट का अध्ययन।
7. मनोवैज्ञानिक विकार वाले बच्चों और किशोरों के माता-पिता के बीच साहचर्य कलंक और तनाव और बोझ के साथ इसके संबंधों पर एक अध्ययन।

8. आत्महत्या की रोकथाम के लिए संक्षिप्त संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा का अनुकूलन।
9. देश भर में एकसमान संयम रिपोर्टिंग के लिए एक रूपरेखा के विकास के माध्यम से भारत में इन-पेशेंट संयम और एकांत प्रथाओं के परिमाण का मूल्यांकन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन।
10. 6-11 वर्ष की आयु के एडीएचडी वाले बच्चों पर एम्स संज्ञानात्मक प्रशिक्षण टूलकिट (सीटीटी) और कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण (पीएसएस कॉगरीहैब) के संज्ञानात्मक और मनो-शारीरिक प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन।
11. किशोरों में जानबूझकर आत्म-नुकसान: एक स्कूल-आधारित अध्ययन।
12. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में मैग्नेटिक अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके गैर-आक्रामक बायोमार्कर की संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और पहचान को स्पष्ट करना।
13. साइबररोटिका के समस्याग्रस्त उपयोग पर खोजपूर्ण अध्ययन।
14. स्टेजेज ऑफ चेंज रेडीनेस एंड ईगर्नस स्केल (एसओसीआरएटीईएस) के चरणों का हिंदी अनुवाद और साइकोमेट्रिक सत्यापन।
15. भारत के तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड -19 महामारी का प्रभाव।
16. अवसादग्रस्तता विकारों में मेटाकोग्निटिव थेरेपी-पीएचडी।
17. 18एफ-एफडीजी पीईटी स्कैन का उपयोग कर उपचार प्रतिरोधी अवसाद (टीआरडी) रोगियों में आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टिमुलेशन (ईटीबीएस) की प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक: एन ओपन लेबल स्टडी।
18. एक निष्क्रिय इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी वातावरण में उपयोगकर्ता अनुभव को मापने के लिए सेल्फ-रेटेड प्रश्नावली का प्रस्ताव और सत्यापन।
19. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों के मनो-व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्य: समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास और व्यवहार्यता।
20. बच्चों और किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात लचीलापन: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और साइकोमेट्रिक गुण ।
21. अपवर्तक सर्जरी में साइकोमेट्रिक विश्लेषण और दृश्य तीक्ष्णता, दृश्य गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता के साथ संबंध।
22. गर्भावस्था के नुकसान की मनोसामाजिक गतिशीलता: एक समूह मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल के एक बहुआयामी पैमाने और विकास और प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण) का विकास।
23. हीमोफिलिया के साथ किशोरों में मनोरोग रुग्णता, मनो-सामाजिक और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली पर अध्ययन।
24. स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के मूल्यांकन और कोविड 19 महामारी के दौरान इन मुद्दों से निपटने के लिए सर्वेक्षण।

25. बच्चों के ड्रॉ-ए-पर्सन-टेस्ट (डीएपीटी) में पेनेट्रेटिव सीएसए के संकेतकों/मार्करों का सत्यापन और मानकीकरण।

पूर्ण

1. कोमोरबिड एडीएचडी-एमडी के साथ और इसके बिना विशिष्ट शिक्षण संबंधी डिसऑर्डर (डिस्लेक्सिया) वाले किशोरों में आटोमेटिक कार्यों का एक अध्ययन।
2. मल्टीसोमैटोफॉर्म डिसऑर्डर के रोगियों में शारीरिक, संज्ञानात्मक और भावनात्मक तनाव का प्रभाव: एक एफएमआरआई-आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन।
3. अब्सेसिव- कम्पल्सिव डिसऑर्डर और इसके वाशिंग सबटाइप के तंत्रिका सहसंबंध: एक क्रॉस-अनुभागीय एफएमआरआई अध्ययन।
4. उपचार प्रतिरोधी अवसाद में आंतरायिक थीटा-विस्फोट मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आईटीबीएस) की चिकित्सीय प्रभावकारिता का प्रारंभिक मूल्यांकन: एक डबल-ब्लाइंड शम-नियंत्रित अध्ययन।
5. एडीएचडी-एमडी में प्रतिरक्षाविज्ञानी, ऑक्सीडेटिव मार्करों और संज्ञानात्मक कार्य का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय सेटिंग्स में कम जोखिम बनाम उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में चिंता और अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन , प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग।
2. सतही ऊर्जा ईएमजी, का उपयोग करके हेल्दी कंट्रोल की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद आकस्मिक हर्निया वाले रोगियों में पेट की दीवार की गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विभाग।
3. गर्भावस्था और प्रसवोत्तर अवधि में वजन बढ़ने, मनोवैज्ञानिक तनाव, जीवन की गुणवत्ता, गर्भावस्था में फुफ्फुसीय कार्यों और गर्भावस्था के परिणाम के साथ इसके संबंध पर प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर योग के प्रभाव पर एक संभावित अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग।
4. पोस्टसर्जिकल परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में ट्रॉमा के बाद निचले अंगों में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग-जेपीएनएटीसी।
5. एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण साइकोजेनिक नॉनपीलेप्टिक दौरे वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी बनाम योग निद्रा की प्रभावकारिता की तुलना का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
6. भारत में प्रमुख डिप्रेसिव डिसऑर्डर (एमडीडी) प्रबंधन के लिए योग-आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का एक ट्रांसलेशनल रैंडमाइज्ड परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर का विश्लेषण- आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, शरीर रचना विभाग।
7. भारतीय मलिन बस्तियों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए किशोरों की लचीलापन और उपचार की आवश्यकताएँ (एआरटीईएमआईएस), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली।

8. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के बाद परिधीय रक्त और मस्तिष्क में परिवर्तित माइक्रोआरएनए अभिव्यक्ति , प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।
9. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, में 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी असिस्टेड सर्जरी बनाम चेहरे के फ्रैक्चर के लिए पारंपरिक सर्जरी के साथ इलाज किए गए मरीजों में सर्जिकल परिणाम और वित्तीय बोझ का मूल्यांकन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी।
10. कटे होंठ और तालू वाले बच्चों के बीच भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, दंत चिकित्सा।
11. एंटीपीलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी पर मिर्गी वाले व्यक्तियों में सामाजिक अनुभूति और व्यवहार संबंधी हानि का संयोजन: न्यूरोइमेजिंग निष्कर्षों और ट्रेस तत्वों की स्थिति के साथ सहसंबंध, फार्माकोलॉजी विभाग।
12. अवसाद के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों में एफएमआरआई और एफएनआई आरएस का उपयोग करके कॉर्टिकल एक्टिवेशन का तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
13. पीसीओएस और गैर-पीसीओएस बांझ महिलाओं के बीच मनोवैज्ञानिक रुग्णता (कथित तनाव, अवसाद और चिंता) और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) के मार्कर के रूप में इंसुलिन रेसिस्टेंस की तुलना- एक केस नियंत्रण अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग।
14. आईसीडी-11, ओटावा विश्वविद्यालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड के लिए बौद्धिक और अनुकूली व्यवहार कार्य करने के प्रस्तावित व्यवहार संकेतकों की संमिलित मान्यता।
15. जेरियाट्रिक हिप फ्रैक्चर में प्रीऑपरेटिव सीएसएफ मेलाटोनिन के स्तर और पोस्ट-ऑपरेटिव डिलिरियम के बीच सहसंबंध, हड्डी रोग विभाग।
16. भारत में प्राथमिक देखभाल में बहू-रुग्णता से निपटने के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य-सक्षम हस्तक्षेप विकसित करना, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई)।
17. व्यापक मनोवैज्ञानिक शव परीक्षा का विकास और सत्यापन, न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
18. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में ईईजी कॉर्टिकल सोर्स और वर्किंग मेमोरी और लैंग्वेज प्रोसेसिंग की कनेक्टिविटी, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग।
19. वृषण और अधिवृक्क कार्यों पर अवसादरोधी दवा (एस्सिटालोप्राम) का प्रभाव , प्रजनन जीव विज्ञान विभाग।
20. अवसाद के रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन और न्यूरोप्लास्टिकिटी पर एंटीडिपेंटेंट्स का प्रभाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग।
21. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन स्तर की गुणवत्ता और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थेसिया का प्रभाव, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग।

22. सामुदायिक चिकित्सा विभाग, कोविड महामारी के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर्स पर होने वाले तनाव पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव।
23. लेप्रोस्कोपिक इंसीजनल हर्निया को ठीक करने में क्यूओएल पर योग चिकित्सा का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग।
24. लैप्रोस्कोपिक इंसीजनल हर्निया और वेंट्रल हर्निया को ठीक करने के दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग चिकित्सा का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, शल्य चिकित्सा विभाग।
25. क्लिनिकल अवसाद वाले वयस्कों पर योग चिकित्सा के लिए ऐड-ऑन एकीकृत दृष्टिकोण के प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीआईएमआर विभाग।
26. अनुभूति पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर का प्रभाव- 2018-2020, एनएमआर विभाग।
27. मल्टी-मॉडल एमआरआई, एनएमआर विभाग का उपयोग करते हूए अर्ली-ऑनसेट सिज़ोफ्रेनिया (ईओएस) में संज्ञानात्मक डेफिसिट से जुड़े मस्तिष्क व्यवहार संबंध का मूल्यांकन।
28. कॉर्नियल अपवर्तक सर्जरी , आरपीसी, एम्स, नई दिल्ली में अवशिष्ट अपवर्तक त्रुटि के कारण जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
29. प्राथमिक ग्लूकोमा में एफएनआईआरएस का उपयोग करते हुए दृश्य प्रांतस्था गतिविधि का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान विभाग, डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र।
30. पांच अंग्रेजी बोलने वाले डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों (यूएसए, कनाडा, यूके, भारत, दक्षिण अफ्रीका) में एससीआईआई -11 का फील्ड परीक्षण, केप टाउन विश्वविद्यालय, दक्षिण अफ्रीका।
31. मानसिक बीमारी पर खर्च का वित्तपोषण-एनसीआर का एक केस स्टडी, इग्नू, दिल्ली।
32. भारतीय आबादी में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन्स का जेनेटिक एसोसिएशन, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान ,विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
33. मोनोएमिनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहूरूपताओं की आनुवंशिक अभिव्यक्ति और अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में अवसादरोधी प्रतिक्रिया के साथ उनका जुड़ाव, भेषजगुण विज्ञान विभाग।
34. कोविड-19 संबंधित नीतियों का कार्यान्वयन: पांच देशों में घरेलू असमानताओं के लिए निहितार्थ, मानव विज्ञान विभाग, जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय, यूएसए।
35. बचपन के ठोस घातक ट्यूमर के उत्तरजीवी में मनो-सामाजिक और दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता, बाल चिकित्सा-अर्बुदविज्ञान, आईसीएमआर।
36. अग्नाशयशोथ की पुनरावृत्ति, द्रव संग्रह और लैप्रोस्कोपिक या एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक जल निकासी के बाद कार्यात्मक परिणामों के मामले में अग्न्याशय के नेक्रोसिस / स्यूडोसिस्ट वाले रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम, शल्य चिकित्सा विभाग।
37. हल्के संज्ञानात्मक इम्पैयरमेंट के साथ पार्किंसंस रोगी के मस्तिष्क में कार्यात्मक और जैव रासायनिक सहसंबंधों का मानचित्रण, एनएमआर विभाग।

38. फरवरी 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली सांप्रदायिक दंगों से बचे लोगों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताएं, बाल उमंग दृश्य संस्था (बीयूडीएस)।
39. और झारखंड, भारत के नेटाल मूल निवासी आदिवासी समुदायों का मानसिक स्वास्थ्य, आरपी केंद्र एम्स नई दिल्ली झारखंड सरकार।
40. शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले वृद्ध किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य जोखिम कारक: लचीलापन में सुधार के लिए एक हस्तक्षेप (अनुमति), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली।
41. पीसीओएस आईसीएमआर पीसीओएस टास्क फोर्स अध्ययन-चरण 2 के साथ किशोर और प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच जोखिम कारकों, सहरुग्णता और विभिन्न हस्तक्षेपों के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला बहुकेंद्रीय भावी कोहार्ट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग।
42. अब्सेसिव- कम्पल्सिव डिसऑर्डर और इसके वाशिंग सबटाइप के तंत्रिका सहसंबंध: एक क्रॉस-अनुभागीय एफएमआरआई अध्ययन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद विभाग।
43. स्किज़ोफ्रेनिया , न्यूरोसाइकोलॉजी, सीएन सेंटर वाले रोगियों के लिए न्यूरोकॉग्निटिव रिहैबिलिटेशन मॉड्यूल।
44. निर्णय लेने का न्यूरोसाइकोलॉजिकल आधार: मेडियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में संज्ञानात्मक कार्य के पार्श्वकरण का परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग, तंत्रिका विज्ञान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।
45. रोगियों में प्रीऑपरेटिव चिंता, अवसाद और संकट को प्रभावित करने वाले प्रसार और कारक: एक संभावित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा विभाग, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली।
46. पहले एपिसोड के अवसाद वाले रोगियों में मिश्रित विशेषताओं की व्यापकता , बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान विभाग।
47. कोविड-19 के प्रकोप के दौरान भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट: एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण, सीआईएमआर, विभाग।
48. भारत में असामान्य जननांग के साथ पैदा हुए बच्चों के माता-पिता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव- एमडी, बाल रोग विज्ञान विभाग।
49. चरम हड्डी सरकोमा उत्तरजीवी में मनोसामाजिक, कार्यात्मक, यौन, शैक्षिक और व्यावसायिक परिणाम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली।
50. एडीएचडी में क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स: एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग।
51. आरटीएमएस नैनोपार्टिकल और रीढ़ की हड्डी की चोट, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग।
52. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग।

53. वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी एलायंस फेलोशिप के लिए व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली।

54. शराब पर निर्भर विषयों में अभिलाषा पर लेफ्ट डोर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर सहायक ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करेंट स्टिमुलेशन का प्रभाव, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश।

55. एक साल से अधिक समय पहले सायनोटिक जन्मजात हृदय रोग (सीसीएचडी) के लिए उपचार किये गए किशोरों और वयस्क रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता और साइकोफिजियोलॉजिकल मापदंडों पर योग की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, हृद विज्ञान विभाग।

56. भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में एडवांस्ड नॉन-स्माल सेल लंग्स कैंसर में एकीकृत व्यवस्थित प्रशामक देखभाल (आईएसपीसी) बनाम मानक ऑन्कोलॉजी देखभाल: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा विभाग, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली।

57. बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी रोगियों (ओएचटीपीओपी) के लिए एक ओरल स्वास्थ्य टूलकिट विकसित करना और बेहतर ओरल स्वास्थ्य स्थिति और देखभाल के मानक बनाम कम मौखिक जटिलताओं के लिए इसकी प्रभावशीलता की तुलना करना, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली।

58. रिलेशनशिप ऑफ बर्निंग फ्यूल वर्ड एंड बायोमास कुकिंग ऑन ह्यूमन आईज का मूल्यांकन करना, हृदय संबंधी पुरानी बीमारी।

59. मिर्गी के रोगियों में हल्के और मध्यम अवसाद में अवसादरोधी दवाओं के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग।

60. बचपन के अवसाद पर योग आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करना – रिसर्च एसोसिएट फेलोशिप के रूप में, शरीररचना विज्ञान विभाग।

61. बाल चिकित्सा तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचे लोगों में मनोरोग रुग्णता और नींद की समस्याओं के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन करना, बाल रोग विज्ञान विभाग।

62. तृतीयक देखभाल केंद्र में स्त्री रोग विभाग में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड-19 के मनोवैज्ञानिक प्रभाव का अध्ययन करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग।

63. सामान्यीकृत चिंता विकार (जीएडी) के रोगियों में पार्श्व संज्ञानात्मक और भावात्मक प्रसंस्करण पर ब्रेथ-फोकस के प्रभावों का परीक्षण करना, फिजियोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।

64. हल्के और मध्यम अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित तंत्रिका मनोवैज्ञानिक क्षति की बेहतर पहचान के लिए नये नैदानिक रूप से सुलभ जैविक भविष्यवाणियों का अनुवादात्मक अनुप्रयोग, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनएटीसी।

65. क्रोनिक अनिद्रा विकार वाले विषयों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक ऑयल-ड्रॉपिंग ट्रीटमेंट) की प्रभावकारिता की जांच के लिए टू आर्म पैरेलल ओपन-लेबल रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ऐड ऑन ट्रायल, सीआईएमआर विभाग।

66. भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान महिलाओं के खिलाफ महिलाओं का स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग।

67. भारत में कोविड -19 महामारी के दौरान महिलाओं के खिलाफ महिलाओं का स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग।

68. तंबाकू बंद करने की चिकित्सा के रूप में योग: एक जांच परीक्षण, सीआईएमआर विभाग

पूर्ण

1. एम्स, नई दिल्ली में मरीजों के हृदय प्रत्यारोपण के बाद के अनुभवों पर एक हेर्मेनेयुटिक फेनोमेनोलॉजिकल स्टडी, कॉलेज ऑफ नर्सिंग।

2. एम्स, नई दिल्ली में कोविड पॉजिटिव रोगियों के लिव-इन अनुभवों और मुकाबला रणनीतियों का आकलन करने के लिए एक हेर्मेनेयुटिक फेनोमेनोलॉजिकल स्टडी, कॉलेज ऑफ नर्सिंग।

3. एक पायलट मल्टीसेंटर ओपन लेबल पैरेलल आर्म आरसीटी यह मूल्यांकन करता है कि क्या योग निकट मैक्सिमम ओरल ड्रग पर सब-ओप्टियम ग्लिसरीन और / या जिन्हें निकट भविष्य में इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है, के साथ 2 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में इंसुलिन थेरेपी की शुरुआत में देरी कर सकता है, अंत:स्राविकी विभाग।

4. एम्स, नई दिल्ली में चयनित परिणामों पर हार्ट फेल्यर के रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच संरचित परामर्श की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अर्ध-प्रयोगात्मक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग।

5. कम से कम 3 महीने के लिए 2 या अधिक ओरल एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक दवाओं की आधी अधिकतम खुराक पर टाइप 2 डीएम वाले व्यक्तियों में एचबीए 1 सी पर जीवनशैली हस्तक्षेप के विभिन्न तौर-तरीकों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन-लेबल 3 आर्म आरसीटी, सीआईएमआर विभाग।

6. टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोएनाटोपिकल और न्यूरोफंक्शनल असामान्यताओं का मूल्यांकन, अंत:स्राविकी विभाग।

7. फरीदाबाद जिले में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्यांकन: एक मिश्रित विधि अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

8. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मेंटल डिसऑर्डर का संघ - उत्तर भारत में एक समुदाय आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

9. ग्रामीण बल्लभगढ़, उत्तर भारत में वयस्कों (> 30 वर्ष) के बीच पुरानी बहुरुग्णता के बोझ और संबद्ध कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

10. भारत में कटे होंठ और तालु संबंधी विसंगति; क्लिनिकल प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: अस्पताल-आधारित अध्ययन-मुख्य चरण, दंत चिकित्सा और शैक्षिक अनुसंधान केंद्र।

11. अवसाद के रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन पर एंटीडिपेंटेंट्स के प्रभाव की तुलना, भेषजगुण विज्ञान विभाग।
12. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद बच्चों में जन्मजात आंतरिक कान की विकृति के साथ और बिना परिणामों की तुलना, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग।
13. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर में आराम के दौरान कॉर्टिकल स्रोतों और ब्रेन आयरन का सहसंबंध और नेत्र संबंधी कार्यशील स्मृति, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग।
14. बल्लभगढ़, हरियाणा, भारत में किशोरों के बीच अवसादग्रस्तता विकार: एक समुदाय-आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
15. डीटीआई, एफएमआरआई और क्यूईईजी बच्चों और किशोरों में अच्छी तरह से नियंत्रित गैर-संक्रामक मिर्गी के साथ अनुभूति और व्यवहार के सहसंबंध: एक अवलोकन अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान।
16. ग्लूकोमा के रोगियों में ऑक्टा एंजियोग्राफी का उपयोग करके ऑप्टिक डिस्क परफ्यूज़न पर माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन (एमबीएसआर) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नेत्र विज्ञान विभाग, डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र।
17. दिल्ली के किसी तृतीयक देखभाल अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव और पेशेवर जीवन की गुणवत्ता पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव - एक छोटे पैमाने पर चरण- II परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
18. टी2डीएम वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: दो भुजाओं वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सीआईएमआर विभाग और अंत:स्राविकी विभाग।
19. आईसीयू नर्सों में तनाव और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव: एक आरसीटी, सीआईएमआर विभाग।
20. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन घटाने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावशीलता, बाल रोग, आयुष।
21. मधुमेह मेलिटस टाइप 2 के साथ वयस्क रोगियों में खाने संबंधी विकारों और चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर उनके प्रभाव का मूल्यांकन, अंत:स्राविकी विभाग।
22. कॉर्नियल अपवर्तक सर्जरी में अवशिष्ट अपवर्तक त्रुटि के कारण जोखिम कारकों का मूल्यांकन, डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र।
23. सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी में फ्लुएंस फोटोडायनामिक थेरेपी को कम करने के लिए एक सहायक के रूप में ओरल इप्लेरोन की भूमिका का मूल्यांकन: ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नेत्र विज्ञान विभाग।
24. एम्स, नई दिल्ली के नए मेडिकल अंडर-ग्रेजुएट छात्रों पर तनाव और कथित वेल बीइंग पर योग और इसके प्रभाव को शुरू करने की व्यवहार्यता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
25. एम्स, नई दिल्ली के स्नातक नर्सिंग छात्रों के तहत प्रथम और द्वितीय वर्ष पर तनाव और साइकोलॉजिकल वेल बीइंग पर योग और इसके प्रभाव के बारे में बताने की व्यवहार्यता, सीआईएमआर विभाग।

26. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में स्टिग्मा के लिए हस्तक्षेप, संस्थान द्वारा वित्त पोषित, सीआईएमआर विभाग।
27. रूपात्मक, कार्यात्मक, जैव रासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन पोस्ट - ईएमएफ विकिरण, एनएमआर विभाग।
28. कम संसाधन वाली सेटिंग में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में आहार और इंसुलिन व्यवस्था का अनुकूलन, बाल रोग विज्ञान विभाग।
29. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा रोगियों में सामाजिक समर्थन और अवसाद की व्यापकता की धारणा, ईएनटी विभाग।
30. एनआईसीयू में भर्ती प्री-टर्म शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रियाओं) की व्यापकता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग।
31. बुजुर्गों में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटनाओं पर इंट्राऑपरेटिव डेमेडेटोमिडाइन और लिग्नोकाइन प्रशासन के प्रभावों की तुलना करने वाला संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग।
32. एचआईवी / टीबी सह-संक्रमण में मनोरोग रुग्णता, चिकित्सा और सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग।
33. एडीएचडी एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर में क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एकाग्रता और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग।
34. गुणात्मक अध्ययन रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (11वां संशोधन) पर संभावना की तलाश कर रहा है; भारत में मानसिक हेल्थ डायग्नोसिस में सुधार के लिए सजीव अनुभव का उपयोग करना, पूर्वी एंग्लिया विश्वविद्यालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
35. ऑपरेशनल ब्रेस्ट कैंसर में सेंटिनल नोड बायोप्सी के साथ बीसीएस और मास्टेक्टॉमी के बाद जीवन की गुणवत्ता , सर्जरी विभाग।
36. ज़ायगोमैटिको-ऑर्बिटो मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रैक्चर में सीएडी मॉडल द्वारा निर्देशित 3 डी प्रिंटेड हाइड्रोक्सीपाटाइट स्कैफोल्ड पर सीडेड एडिपोज टिश्यू व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम सेल का उपयोग करके पोस्ट-ट्रॉमेटिक फेशियल डिफेक्ट्स का रिकंस्ट्रक्शन, ट्रॉमा सर्जरी।
37. प्रारंभिक बचपन की गंभीरता और पैटर्न प्री-स्कूल के बच्चों में माता-पिता के तनाव और विभिन्न व्यवहार संबंधी कारकों के साथ इसका संबंध का वाहक होता है - अस्पताल आधारित अध्ययन, दंत चिकित्सा।
38. कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के कम से कम 3 साल बाद प्रीलिंगुअल प्रोफाउंड डीप सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास कार्यात्मक पर देखी गई श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न कॉक्लियर इम्प्लांटेशन परिणाम स्कोर की तुलना करना, नाक,कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग।
39. प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स अन्तःक्रियात्मक रूप से मष्तिष्क रक्त प्रवाह में कमी और सेवोफ्लुरेन के साथ प्रेरित और बनाए रखने वाले बच्चों (2-5 वर्ष) में पोस्टऑपरेटिव उद्भव प्रलाप की घटना के बीच

संबंध का निर्धारण करना: एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकन अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग।

40. पोस्ट ट्रॉमैटिक फेशियल डिफिगरमेंट के मरीजों में स्ट्रक्चरल फैट ग्राफ्टिंग के साथ सॉफ्ट टिश्यू रिकंस्ट्रक्शन और ऑग्मेंटेशन के परिणामों का मूल्यांकन करना, ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी।

41. स्तर- I ट्रॉमा सेंटरजेपीएनएटीसी में छाती के आघात के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी विभाग।

प्रकाशन

पत्रिका: 72 सार: 7 पुस्तक में अध्याय: 21 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 2

रोगी उपचार

विशेष क्लीनिक

साइकोसोमेटिक क्लिनिक: सप्ताह में एक बार।

कॉमन मेंटल डिसऑर्डर क्लिनिक: सप्ताह में एक बार।

बाल और किशोर मनोरोग विशेषता सेवाएं।

गंभीर मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार।

ब्रेन स्टिमुलेशन/टीएमएस क्लिनिक गुरुवार को सप्ताह में एक बार।

हृद तंत्रिका केन्द्र में तंत्रिका मनोचिकित्सा ओपीडी। मंगलवार को सप्ताह में एक बार।

सीआरएचपी, बल्लभगढ़ में मनोरोग सेवाएं।

डुअल डायग्नोसिस क्लिनिक: सप्ताह में एक बार।

कोविड -19 सेवाएं:

चल रहे कोविड 19 महामारी के मद्देनजर, मनोरोग विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ निष्पादित की गई हैं:

- एम्स मनोरोग फॉलो अप के तहत मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए पहले से ही टेलीकंसल्टेशन सुविधा 28 मार्च 2020 को स्थापित की गई थी क्योंकि आउट पेशेंट सेवाएं 24 मार्च 2020 को बंद कर दी गई थीं। हमने टेली परामर्श के लिए 3 फोन लाईनें विशेष रूप से प्रारंभ की गई हैं। जिन रोगियों द्वारा अपॉइंटमेंट लिया गया है, उन्हें मनोचिकित्सक द्वारा उनकी वर्तमान मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति और नए प्रिस्क्रिप्शन की आवश्यकता के बारे में पुष्टि करने के लिए बुलाया जाता है। किसी भी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता वाले रोगियों में, रोगी को पुराने प्रिस्क्रिप्शन को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने के लिए कहा जाता है और एक नया प्रिस्क्रिप्शन जारी किया जाता है और इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजा जाता है। 31 मई 2020 तक लगभग 2500 व्यक्तियों को टेलीकंसल्टेशन टीम द्वारा चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया।

- अस्पताल के कोविड क्षेत्रों में मनश्चिकित्सीय देखभाल अस्पताल के कोविड क्षेत्रों में 50 प्रतिशत रेजिडेंट और 15% संकाय को सामान्य चिकित्सा ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। उन्होंने इन क्षेत्रों में परामर्श की आवश्यकता वाले व्यक्तियों को मनोवैज्ञानिक परामर्श भी प्रदान किया। जेपीएन ट्रॉमा सेंटर- एक कोविड सुविधा में कुल 311 रोगियों को मनोरोग संबंधी परामर्श प्रदान किया गया।
- महामारी से संबंधित मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर सार्वजनिक स्वास्थ्य शैक्षिक सामग्री का विकास को विकसित किया गया। डब्ल्यूएचओ से उचित अनुमति लेने के बाद आम जनता के लिए, डब्ल्यूएचओ द्वारा "2019-एनकोव के प्रकोप के दौरान तनाव से मुकाबला करना" और "2019-एनकोव के प्रकोप के दौरान बच्चों को तनाव से निपटने में मदद करना" पर पोस्टरों का विभिन्न भारतीय भाषाओं (हिंदी, पंजाबी, गुजराती, मराठी, बंगाली, कन्नड़, तेलुगू, तमिल, मलयालम, उड़िया और मणिपुरी) में अनुवाद किया गया था।
- हमारे अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए मार्गदर्शन नोट्स का विकास, जिसमें उन्हें तनाव की पहचान करने और इससे निपटने के बारे में सामान्य निर्देश दिए गए हैं। तनाव प्रबंधन की मूल बातों पर ध्यान दिया गया। हमने इस विषय पर लघु वीडियो क्लिप भी तैयार की और इन्हें सोशल मीडिया और संस्थान की वेबसाइट पर डाल दिया गया। इन-हाउस कर्मचारियों के लिए एक टेली हेल्पलाइन भी बनाई गई थी।
- प्रासंगिक साहित्य से संसाधन सामग्री का उपयोग करके क्वारंटाइन या अलग स्थान में रखे गए व्यक्तियों के लिए अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में मार्गदर्शन नोट्स का विकास, इसे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया गया।
- चिकित्सकों और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मार्गदर्शन नोट्स का विकास।
- **विभाग में सुविधाएं (विशेष प्रयोगशालाएं)**
- ब्रेन मैपिंग लैब फैसिलिटी का उन्नयन - ब्रेन मैपिंग के लिए अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए मौजूदा स्थिर एफएनआईआरएस और क्यूईईजी सिस्टम में आई ट्रैकिंग सिस्टम जोड़ा गया।
- एमईसीटी सुविधा का उन्नयन - ईसीटी के कामकाज में बेहतर डेटा संग्रह/डिजिटलीकरण; कम्प्यूटरीकृत संज्ञानात्मक परीक्षण जोड़ा गया; ईसीटी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए केटामाइन और केटोफोल उपयोग की उपयोगिता को जोड़ा गया।
- केटामाइन क्लिनिक की शुरुआत - जोखिम में आत्महत्या करने वाले रोगियों और उपचार प्रतिरोधी अवसादग्रस्त व्यक्तियों में उपयोग के लिए एक अवसाद-रोधी एजेंट के रूप में केटामाइन की उपयोगिता की शुरुआत की ।
- हाई-डेफिनिशन ट्रांसक्रैनियल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन शुरू किया गया- एक न्यूरोमॉड्यूलेशन सुविधा के रूप में एचडी-टीडीसीएस, टीएसीएस और टीआरएनएस सुविधा की शुरुआत की।
- इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी का उन्नत सिग्नल विश्लेषण- कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली और आईआईआईटी, दिल्ली के सहयोग से।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश कुमार चड्ढा विश्व सामाजिक मनोचिकित्सा संघ के महासचिव थे; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बीजे साइक इंटरनेशनल; सदस्य, दिल्ली उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति; सदस्य चयन समिति, केजीएमयू, बीएचयू, एम्स, कल्याणी; संयोजक, मनोचिकित्सा में विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; सदस्य, विशेषज्ञ समूह स्नातकोत्तर शिक्षकों और इसके कार्यान्वयन के लिए संकाय विकास कार्यक्रम पर चर्चा और अंतिम रूप देना; मनोनीत सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मनोनीत सदस्य, शासी निकाय, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, वित्त समिति, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत); अध्यक्ष, मनोचिकित्सा उप समिति, भारतीय मनश्चिकित्सीय सोसायटी; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री; सदस्य, डीन समिति, एम्स।

प्रोफेसर प्रताप शरण एम्स में स्टूडेंट्स वेलनेस के प्रभारी प्रोफेसर हैं; अध्यक्ष, स्टूडेंट्स वेलनेस एक्टिविटीज कमिटी, एम्स; और मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम पर कार्यबल, एम्स। वे आईसीडी-11 मानसिक, व्यवहारिक और तंत्रिका विकास संबंधी विकारों (2018 से आगे) के लिए प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह; और आईसीडी -11 (एससीआईआई) के लिए संरचित नैदानिक साक्षात्कार विकसित करने वाले समूह और आईसीडी -11 (एफएलआईआई-11) के फ़्लायर साक्षात्कार संस्करण के सदस्य हैं । वे मानसिक स्वास्थ्य और कार्य के लिए डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) और मानसिक स्वास्थ्य गैप (एमएच जीएपी) दिशानिर्देश अद्यतन 2021 के लिए डब्ल्यूएचओ विषय विशेषज्ञ समूह (टीईजी) के सदस्य हैं; वे इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (2021) के प्रेसिडेंट, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (2018-2021) वाईस प्रेसिडेंट और कोविड 19 (2020) के लिए मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक समर्थन (एमएचपीएसएस) के लिए ईएएसपी टास्क फोर्स थे। वे भारतीय मनश्चिकित्सीय समाज (2017-2021) के लिए पीजी मनोरोग शिक्षा उपसमिति के सह-अध्यक्ष हैं; और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री के लिए लोकपाल हैं; वह जर्नल फॉर ईटिंग डिसऑर्डर के वरिष्ठ संपादक के रूप में कार्य करते है; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के एसोसिएट एडिटर; इंडियन जर्नल फॉर सोशल साइकियाट्री (व्यावसायिक स्वास्थ्य और छात्र कल्याण पर विशेष अंक) के गेस्ट संपादक; और विभिन्न पत्रिकाओं (इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड अडोलेसेंट मेंटल हेल्थ, और जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर) के संपादकीय बोर्ड में हैं; वे मानक उपचार कार्यप्रवाह के विकास के लिए आईसीएमआर - डीएचआर की सलाहकार समिति के सह-अध्यक्ष थे; और एम्स में एमबीबीएस पाठ्यचर्या सुधार समिति के मुख्य समन्वयक और एम्स परियोजना समीक्षा समिति (क्लिनिकल साइंस) और एम्स आचार समिति के सदस्य हैं। उन्होंने जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, इंडिया की रिसर्च एडवाइजरी कमेटी के सदस्य और लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के रेजिलिएंट फ्यूचर्स इंडिया इनिशिएटिव के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया; और '2020-2030 के लिए दक्षिण एशिया में प्रवासन और स्वास्थ्य के लिए अनुसंधान प्राथमिकताएं और एजेंडा सेटिंग के लिए इसकी राष्ट्रीय संचालन समिति (भारत); पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया का मानसिक स्वास्थ्य क्षमता निर्माण कार्यक्रम; इंडियन एसोसिएशन फॉर

चाइल्ड एंड अडोलेसेंट मेंटल हेल्थ (आईएसीएएम) अकादमी और आईएसीएएम सर्टिफिकेट कोर्स इन चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्री; और एम्स में "जीवन देखभाल नीति का अंत" समिति; वे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में चयन / पदोन्नति समिति; जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पुडुचेरी; और विभिन्न एम्स के सदस्य हैं; और उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय केंद्रों के लिए पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप (परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा) और एमडी (मनोचिकित्सा) परीक्षाओं और पीएचडी और एमडी (मनोचिकित्सा) थीसिस के लिए एक परीक्षक के रूप में कार्य किया; वे नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च, यूके, मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके, वेलकम ट्रस्ट, यूके, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल कमीशन फॉर विमेन (एनसीडब्ल्यू), भारत सरकार और एम्स रिसर्च सेक्शन की अनुसंधान परियोजनाओं के लिए एक समीक्षक हैं; और प्लोस वन, बीएमजे ओपन, एनल्स ऑफ द एकेडमी ऑफ मेडिसिन (सिंगापुर), आर्काइव्स ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, साइकोलॉजिकल मेडिसिन, साइकियाट्री रिसर्च, बीएमसी साइकियाट्री और बीएमसी साइकोलॉजी सहित विभिन्न पत्रिकाओं के लिए एक समकक्ष समीक्षक हैं।

प्रोफेसर राजेश सागर यूनिवर्सिटी ऑफ लीसेस्टर, यूके के मानद विजिटिंग प्रोफेसर, यूके आरआई इंटरनेशनल डेवलपमेंट पीयर रिव्यू कॉलेज, यूके, नॉर्थ-ईस्ट इंग्लैंड साउथ एशिया मेंटल हेल्थ एलायंस (नीसामा) - न्यूकैसल यूनिवर्सिटी, ब्रिटिश काउंसिल और एनटीडब्ल्यू एनएचएस ट्रस्ट, यूके द्वारा समर्थित के सदस्य थे। विशेषज्ञ सदस्य- एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा कोविड-19 प्रतिक्रिया के लिए मनोसामाजिक कार्य योजना को अंतिम रूप देने, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स का गठन, इस पर गठित समितियाँ 1. “कोविड महामारी के दौरान अपंगता / कार्यात्मक क्षति वाले व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य प्रणाली प्रतिक्रिया के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज का विकास" 2."रोगियों और फ्रंट-लाइन हेल्थ वर्कर्स के मनोसामाजिक परामर्श के लिए दिशानिर्देशों का विकास" 3. "कोविड 19 के कारण मृत्यु से प्रभावित परिवार के सदस्यों को भावनात्मक और मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए दिशानिर्देश" 4. "आईसीएमआर-2020 द्वारा कोविड -19 पर नेशनल टास्क फोर्स के तहत ऑटोप्सी / फोरेंसिक पैथोलॉजी प्रैक्टिस कोविड -19 मौतों के लिए मानक दिशा-निर्देश डब्ल्यूसीडी मंत्रालय द्वारा महिला आयोग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनुसंधान पैनल पर एम्स ऋषिकेश में अलग विषय के रूप में एमबीबीएस साइकाइट्री पाठ्यक्रम के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज, एमओएचएफडब्ल्यू के एनएचएसआरसी के लिए एमएनएस पर एमओ, एसएन, सीएचओ, एएनएम और आशा के लिए प्रशिक्षण दिशानिर्देश का विकास, शिक्षा में अनुसंधान और विकास के लिए सोसायटी के सलाहकार बोर्ड, एसआरडीई के उच्च शिक्षा जर्नल (एसएचईजे) जर्नल, भारत सरकार के आरकेएसके-इनजेंडर हेल्थ द्वारा लागू करने के लिए किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों की जांच के लिए उपकरण विकसित करना, आईसीएमआर द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य और उम्र बढ़ने पर अनुसंधान केंद्र, कोलकाता" के लिए समिति, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भारत में पबजी गेमिंग ऐप के नए संस्करण के लॉन्च पर चर्चा के लिए (एनसीपीसीआर) और सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), माननीय एचएफएम ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) एलजीबीआरआईएमएच, तेजपुर द्वारा नामित, बच्चों, मिशन वात्सल्य और पोषण 2.0 से संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय परामर्श के लिए माननीय केंद्रीय एमओएचएफडब्ल्यू की अध्यक्षता, भारत के राष्ट्रीय समन्वय केंद्र-फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के

सिग्नल रिव्यू पैनल के माननीय डब्ल्यूसीडी मंत्री की अध्यक्षता में। भारतीय फार्माकोपिया आयोग, पीएचएफआई की संस्थागत आचार समिति, डिमेंशिया विज्ञान कार्यक्रम के पीएमएजी के रूप में-2 डीबीटी, एनबीआरसी, आईएनसीएलईएन, पीआरसी द्वारा समर्थित महिला स्वास्थ्य और आईसीएमआर, सीसीआरएच, डीबीटी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए पीएमसी और गवर्निंग काउंसिल, एनआईएमएचआर, सीहोर, इंटरनेशनल के लिए (बहु-राष्ट्रीय) कोविड-19 कंसोर्टियम (सीएनएस-सार्स-कोव-2) क्रॉनिक न्यूरोसाइकियाट्रिक सेक्वेल ग्रुप के साथ-साथ एपिडेमियोलॉजी, न्यूरोकॉग्निशन, यूके रिसर्च एंड इनोवेशन (यूकेआरआई) के लिए अंतर्राष्ट्रीय समीक्षक (ऑनलाइन), ग्लोबल चैलेंजेस रिसर्च फंड (जीसीआरएफ) / न्यूटन फंड एजाइल रिस्पांस के लिए, डब्ल्यूएचओ का मानसिक स्वास्थ्य एटलस-2020; आईसीएमआर, पीएचएफआई, आईएचएमई (यूएसए), मानद प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा जीबीडी इंडिया के मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष, एफआरसीपी (एडिन) के रूप में जारी रखा, सदस्य, सीएमएचए (मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के तहत विनियामक निकाय), एमओएचएफडब्ल्यू के मानसिक स्वास्थ्य के मानद सलाहकार; एम्स, दिल्ली में डब्ल्यूएचओ के स्कैन सलाहकार समूह पर अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी और समन्वय, सीएआरए, भारत सरकार, द्वारा दत्तक ग्रहण संबंधी मुद्दों पर मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के प्रशिक्षण के लिए उप-समिति के अध्यक्ष आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष और जराचिकित्सा का क्षेत्र में फोर्ट स्वीडन का सहयोग, एमओएचएफडब्ल्यू के लिए एनएचएमपी के तहत देश के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए डीएमएचपी के लिए राज्य विशिष्ट निष्कर्ष और सिफारिशें प्रस्तुत कीं, एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा कोविड-19 के संदर्भ में मनोसामाजिक मुद्दों पर आईईसी सामग्री का विकास, विशेषज्ञता और दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों को शिक्षा सामग्री प्रदान करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा अभिनंदन।

प्रोफेसर नंद कुमार टीवाईएसए 2020 में जूरी के सदस्य थे। टीवाईएसए **मनोचिकित्सा** के अंतिम वर्ष के पीजी के लिए अकादमिक उत्सव है । पिछले 13 वर्षों से, टीवाईएसए (टोरेंट यंग स्कॉलर अवार्ड) को भारतीय चिकित्सा बिरादरी द्वारा ' **मनोचिकित्सा'** में सर्वश्रेष्ठ ब्रेन खोजने के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसित किया गया है ; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, जून 2017-2020 में विकलांग और बुजुर्गों के लिए कार्यक्रम प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप (टीआईडीई) के लिए कार्यक्रम सलाहकार और निगरानी समिति (पीए&एमसी) के सदस्य के रूप में नामांकित; इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी की शारीरिक उपचार उपसमिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत।

प्रोफेसर ममता सूद महासचिव, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री थीं ; आयोजन सचिव, 27वां ई-इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री का राष्ट्रीय सम्मेलन; अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय दत्तक ग्रहण के लिए एनओसी समिति , केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण; सदस्य, संस्थान नीति शास्त्र समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

डॉ रमन दीप ने मनोचिकित्सा विभाग में कोविड-19 संबंधित निवारक और संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों के समन्वय के लिए विभागीय नोडल अधिकारी के रूप में सेवा दी थी और एचआईसीसी (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम), एम्स, नई दिल्ली के साथ संपर्क कार्य किया; अवैतनिक महासचिव,

मानसिक और व्यवहार संबंधी विकारों में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनोरोग विभाग और एनडीडीटीसी द्वारा गठित एसपीआरईएमएच (मानसिक स्वास्थ्य और पदार्थ के उपयोग में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी) ।

डॉ रोहित वर्मा जर्नल - एशियन जर्नल ऑफ कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी के सहायक संपादक थे; न्यूरोमॉड्यूलेशन सोसाइटी (भारत) के महासचिव और संस्थापक सदस्य; इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री (आईएएसपी) की कार्यकारी समिति के सदस्य; यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी (आईईसी), एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा की एथिकल कमेटी सदस्य थे।

डॉ गगन हंस एम्स, नई दिल्ली में छात्र कल्याण गतिविधि समिति के सदस्य सचिव थे ; जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर, क्लिनिकल केस रिपोर्ट्स, इंडियन जर्नल ऑफ़ सोशल साइकियाट्री एंड फ्रंटियर्स ऑफ़ पब्लिक हेल्थ के लिए समकक्ष समीक्षक के रूप में कार्य किये।

डॉ वैभव पाटिल को मनोविकृति परिणामों पर वार्षिक एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था: वारविक-इंडिया-कनाडा नेटवर्क परियोजना बैठक जिसे 2-3 अप्रैल 2020 को आयोजित करने की योजना थी।

डॉ रेणु शर्मा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के मेडिकल बोर्ड की सदस्य थीं; सीसीआई में नाबालिग यौन शोषण पीड़िता की मौत की घटना में एनसीपीसीआर टीम के साथ विशेषज्ञ के तौर पर भोपाल का दौरा किया।

डॉ वंदना चौधरी को रोगियों और फ्रंट-लाइन हेल्थ वर्कर्स के मनोसामाजिक परामर्श के लिए दिशानिर्देशों के विकास पर आईसीएमआर की पहल के लिए विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था, मई 2020। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड अडोलेसेंट साइकियाट्री एंड एलाइड प्रोफेशन (आईएससीएपीएपी) में "अर्ली करियर ग्रुप" के लिए संस्थापक सदस्य के रूप में नामित किया गया, मार्च 2021।

9.35. पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनंत मोहन

सह आचार्य

करण मदान | विजय हड्डा

सहायक आचार्य

पवन तिवारी | सौरभ मित्तल

वैज्ञानिक-I

ए. सुरेंद्रनाथ

वैज्ञानिक-II

स्नेह अरोड़ा

विशिष्टताएँ

- विभाग ने पल्मोक्रिट 2021 एवं अपडेट कार्यशाला का आयोजन किया है जो भारत में सबसे अधिक लोकप्रिय सम्मेलनों में से एक है और जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने 13-14 मार्च 2021 के दौरान भाग लिया।

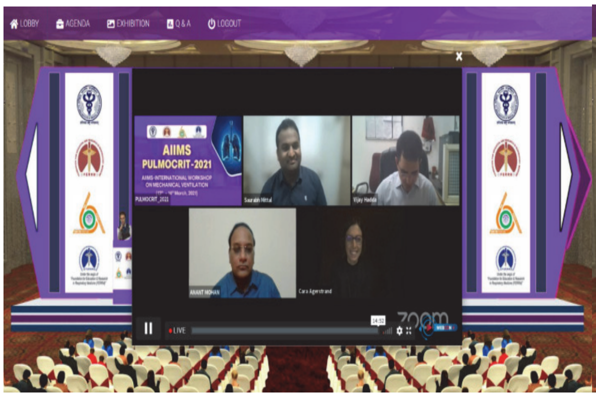

सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 20 मार्च से 21 मार्च 2021 तक **"एम्स पुल्मोक्रिट 2021: पुल्मोनरी, सघन चिकित्सा में अपडेट तथा मैकेनिकल वेंटिलेशन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला "** के आयोजन सचिव

प्रदत्त व्याख्यानः

अनंत मोहनः 28 विजय हड्डाः 19 सौरभ मित्तलः 8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. कोविड-19 संक्रमण से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण, प्रो. अनंत मोहन, सीएसआईआर, 19 जून 2020, 18 जून 2021, 30 लाख रुपए
2. मेटफॉर्मिन को जब नव निदान प्राप्त स्पुटम पॉजिटिव पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस वाले वयस्कों में रिफैम्पिसिन, आइसोनियाज़िड, पाइराज़िनामाइड और एथामबुटोल के साथ दिया जाता है तो इसकी एंटी-बैक्टीरियल गतिविधि, फार्माकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा एवं सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए आईआईबी चरण वाला एक मुक्त स्तर का यादृच्छिक परीक्षण: 8 सप्ताहों का एक अध्ययन, अनंत मोहन, आईसीएमआर, जून 2018 - 2020
3. नव निदान प्राप्त स्पुटम पॉजिटिव पुल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकने में वीपीएम1002 और इम्यूवैक टीके की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III वाला यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लासीबो-नियंत्रित परीक्षण, प्रो. अनंत मोहन, आईसीएमआर, मार्च 2018 - 2022
4. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 वाले रोगियों में एक खुराक वाले आइवार्मेक्टिन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रो अनंत मोहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, जून 2020 - मई 2021, 24.5 लाख रुपए
5. अस्पताल में भर्ती वयस्क कोविड 19 के पॉजिटिव किन्तु गंभीर रूप से बीमार न होने वाले रोगियों में मानक चिकित्सा के साथ दिए गए *माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू (एमडब्ल्यू)* की प्रभावकारिता और सुरक्षा के परोक्ष मानक चिकित्सा के साथ दिए गए प्लासीबो की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, टू आर्म, नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, प्रो. अनंत मोहन, सीएसआईआर, 19 जून 2020-18 जून 2021, 17 लाख रुपये
6. सेप्सिस के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ल्यूकोसाइट्स का लक्षण वर्णन और सेप्सिस वाले रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी और सेप्सिस के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में अस्पताल में अर्जित संक्रमण का खतरा, डॉ. विजय हड्डा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017 जारी, 37 लाख रुपये
7. मध्यम स्तर के गंभीर दीर्घस्थायी ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी रोग वाले रोगियों में अस्पताल आधारित स्ट्रक्चर्ड पुल्मोनरी रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम के बाद नैदानिक परिणामों का व्यापक मूल्यांकन और

फील्ड स्तर के कार्यान्वयन के लिए रणनीतियाँ, अनंत मोहन, आईसीएमआर, जनवरी 2018 - दिसंबर 2021, 38 लाख रु.

8. बायोडिग्रेडेबल एयरवे स्टेंट का डिजाइन और विकास, करण मदान, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 2019, 5 लाख रुपये

9. एक्स्ट्रा पुल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस (लिम्फ नोड्स और प्लूरल एफ्यूजन) के रोगियों में तपेदिक-रोधी औषधियों के प्लाज्मा में औषधि के स्तर का निर्धारण और उपचार के परिणामों के साथ इसका संबंध, अनंत मोहन, आरएनटीसीपी (दिल्ली), दिसंबर 2019 - दिसंबर 2021, 2.72 लाख रुपये

10. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वाली उत्तर भारतीय महिलाओं में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का प्रभाव, डॉ. आर. गुलेरिया/डॉ. विजय हड्डा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019 जारी, 75 लाख रु.

11. भारतीय आबादी में कोविड-19 संक्रमण के निदान के लिए एक पॉइंट-ऑफ-केयर रैपिड एंटीबॉडी परीक्षण का मूल्यांकन, अनंत मोहन, एम्स, अप्रैल 2020-22, 3 लाख रुपए

12. कोविड के बाद उत्पन्न श्वसन सम्बन्धी रोग की अगली श्रृंखला का होम्योपैथिक उपचार: खुले स्तर का एक संभावित उपचारात्मक मार्गदर्शी अध्ययन, अनंत मोहन, आयुष, आयुष मंत्रालय, 68.6 लाख रुपए

13. एचआईवी के सह-संक्रमण के साथ सक्रिय और गुप्त टीबी में अनोखे बायोमार्करों की पहचान, अनंत मोहन, डीबीटी, 2 नवंबर 2017 - 1 नवंबर 2020, 18 करोड़ रुपए

14. एचआईवी संक्रमण के साथ सक्रिय और गुप्त टीबी में नए बायोमार्करों की पहचान, अनंत मोहन, डीबीटी, नवंबर 2017 - अक्टूबर 2020, 1.80 करोड़ रुपए

15. औषध रिसाव पंपों की अभिव्यक्ति और कार्य पर मेजबान टी कोशिका की प्रतिक्रिया का प्रभाव: औषध प्रतिरोधी टीबी के लिए प्रासंगिकता, प्रो. अनंत मोहन, आईसीएमआर, नई दिल्ली, प्रतीक्षित स्वीकृत धनराशि

16. ट्यूबरक्लोसिस के टीके के विकास के लिए सिलिको परीक्षण (एसट्रिट्यूवैडी): टीबी के विरुद्ध 2 चिकित्सीय टीकों की सुरक्षा, प्रतिरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए चरण II का एक नैदानिक परीक्षण, प्रो. अनंत मोहन, डीबीटी, 397.57 लाख रु.

17. शहरी बच्चों में फेफड़ों के विकास पर वायु प्रदूषण के संसर्ग में आने का देशांतरीय प्रभाव और फेफड़ों के कार्य की कमी के बायोमार्कर का विकास, अनंत मोहन, डीबीटी, 5 वर्ष, 1.37 करोड़ रुपए

18. फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक निदान के लिए बायोमार्कर के रूप में एक्सहेल्ड ब्रीद कंडेनसेट और ब्रोन्कियल ब्रशिंग में माइक्रोआरएनए, अनंत मोहन, डीबीटी, जारी (जुलाई 2019 - जुलाई 2022, 1.8 करोड़ रुपये)

19. राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल: 20 सिटी मल्टी-साइट स्टडी, विजय हड्डा, एमईएफसीसी, 3 वर्ष, 2018 जारी, 57 लाख रुपए

20. एनकेटी कोशिका के उप-समूहः *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस* के विशिष्ट इफ़ेक्टर टी कोशिका की प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव, अनंत मोहन, आईसीएमआर, 2017 - 2020, 65.71 लाख रुपए

21. एनकेटी कोशिका के उप-समूहः *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस* के विशिष्ट इफ़ेक्टर टी कोशिका की प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव, अनंत मोहन, आईसीएमआर, 2018 - 2020, 65.58 लाख रुपए
22. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पुल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) में प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं (पीएसीई) को रोकना, अनंत मोहन, एनएचएमआरसी, 5 वर्ष
23. गैर-आईपीएफ डिफ्यूज पैरेन्काइमल फेफड़ों के रोगों की एटियोलॉजी, गंभीरता और प्रगति में भारी धातुओं और विषाक्त तत्वों की भूमिका, विजय हड्डा, एम्स, 2 वर्ष, 2020 जारी, 10 लाख रुपये
24. भारत में कोविड-19 हॉटस्पॉटों में बुजुर्ग व्यक्तियों की रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने में बीसीजी वैक्सीन की प्रभावशालिता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, प्रोफेसर अनंत मोहन, आईसीएमआर, 5 अगस्त 2020-4 सितंबर 2021, 1.8 करोड़ रुपए
25. उन्नत चरण वाले फेफड़े के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों के उपचार की प्रतिक्रिया में ईजीएफआर, एएलके और आरओएसआई जीन का चिकित्सीय महत्त्व और एएलडीएच2 जीन की उपयोगिता, प्रोफेसर अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 58 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. कोविड 19 संक्रमण से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार रोगियों में माइकोबैक्टीरियम डब्ल्यू की सुरक्षा और प्रभावशालिता का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक परीक्षण
2. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में कोविशील्ड (कोविड-19 वैक्सीन) की सुरक्षा और प्रतिरक्षणजनकता का निर्धारण करने के लिए एक फेज 2/3, आब्जर्वर-ब्लाइंड, यादृच्छिक, नियंत्रित अध्ययन
3. सेप्सिस के रोगियों में कंकाल की मांसपेशी के सोनोग्राफिक आकलन का एक संभावित अध्ययन।
4. रिसेक्टेबल नॉन-स्मॉल कोशिका फेंफड़े के कैंसर के मीडियास्टिनल स्टेजिंग में इंटीग्रेटेड पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी-कंप्यूटेड टोमोग्राफी और एंडोब्रोन्कियल अल्ट्रासाउंड एवं निर्देशित ट्रांसब्रोन्कियल नीडल एस्पिरेशन की भूमिका को मान्य करने के लिए एक संभावित अध्ययन (एमसीएच, शल्यचिकित्सा अर्बुद विज्ञान)
5. सीओपीडी के पैथोफिजियोलॉजिकल आधार को स्पष्ट करने के लिए एक ट्रांसक्रिपटोमिक अध्ययन। पीएचडी (शरीर क्रिया विज्ञान)
6. सेप्सिस प्रतिरक्षा कोशिका के रोगों से पीड़ित रोगियों में ल्यूकोसाइट्स की विशेषता एवं इसके परिणाम की भविष्यवाणी और सेप्सिस के गंभीर रूप से बीमार रोगियों में अस्पताल से अर्जित संक्रमण का खतरा
7. फेफड़ों की छोटी कोशिकाओं के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी और 68जीए डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी के बीच तुलना। (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)
8. एक्स्ट्रा-पुल्मोनरी तपेदिक में उपचार के परिणामों के भविष्यवक्ता के रूप में एंटी-ट्यूबरकुलर औषधियों के सीरम स्तरों का निर्धारण

9. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वाली उत्तर भारतीय महिलाओं में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का प्रभाव।
10. फेफड़े के प्रत्यारोपण के लिए तृतीयक स्तर के स्वास्थ्य केंद्र में विषयों का मूल्यांकन
11. एक मेडिकल आईसीयू में रोगियों द्वारा अस्पताल से अर्जित रोग और अस्पताल के संसाधनों की खपत
12. इथाम्बुटोल से प्रेरित नेत्र तंत्रिका की विषाक्तता में दृष्टि सम्बंधित कार्यों और ओसीटी के मापदंडों का मूल्यांकन करने के लिए अनुदैर्ध्य अध्ययन (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा केंद्र)
13. एमडीआर-टीबी के रोगियों के घरेलू संपर्कों की माइक्रोबायोलॉजिकल फॉलो-अप और जीनोटाइपिक जांच। (पीएचडी सूक्ष्म जैव विज्ञान)
14. नेशनल एनवायर्नमेंटल हेल्थ प्रोफाइलः 20 सिटी मल्टी-साइट अध्ययन
15. सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में परिधीय ल्यूकोसाइट्स मार्कर्स और कॉर्टिकोस्टिरॉयड्स की प्रतिक्रिया (सीओआरईएस-शॉक अध्ययन)
16. हृदय रोगियों में संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन के साथ हार्ट फेलियर (हृदयगति बंद हो जाना) की व्यापकता
17. नॉन-आईपीएफ डिफ्यूज़ पैरेंकाइमल फेफड़ों के रोगों की एटियोलॉजी, गंभीरता और प्रगति में भारी धातुओं और विषाक्त तत्वों की भूमिका
18. सीओपीडी रोगियों एवं सिगरेट पीने वालों और बायोमास एक्सट्रेक्ट मॉडल में एनआरएफ2 सिग्नलिंग मार्ग के माध्यम से फेफड़ों के रोगों और मध्यस्थ करने वाले कोशिकीय तनाव एवं एपॉप्टोसिस में पॉलीऐमिंस की भूमिका (पीएचडी-पुल्मोनरी)
19. ब्रोंकिएक्टेसिस के एटियोलॉजी के रूप में न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी का अध्ययन और रोग की प्रगति पर इसका प्रभाव, चिकित्सा और सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग।
20. फेफड़ों के कैंसर के लिए विभिन्न ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं की नैदानिक उपलब्धि का अध्ययन
21. ब्रोन्किएक्टेसिस के रोगियों में न्यूमोसिस्टिक जिरोवेसी के प्रसार का अध्ययन (डीएम संक्रामक रोग, सूक्ष्म जैव विज्ञान)।
22. भारत के एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में अर्बुद-संवेदनाहरण, प्रशामक चिकित्सा और पुल्मोनरी औषधि एवं निद्रा विकार विभागों में उपस्थिति दर्ज करने वाले कैंसर रोगियों में डिस्प्निया के लिए निर्धारित ओरल मॉर्फिन के प्रभाव का अध्ययन करनाः एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन (एमडी, प्रशामक चिकित्सा)
23. ऑनलाइन पीएच.डी. वाईवा-वोसी (सूक्ष्म जीवविज्ञान) के लिए अद्यतन एवं सहज चेतावनी

पूर्ण

1. त्वचा, चिकित्सा प्रयोगशाला से क्षय रोग का पता लगाने के लिए एडहेसिव सेंसर्स
2. भारत में व्यावसायीकरण के लिए सक्रिय तपेदिक (टीबी) के सभी रूपों का रक्त परीक्षण, चिकित्सा प्रयोगशाला

3. सामान्य, पुल्मोनरी (फुफ्फुसीय), ऑस्टियोमाइलाइटिस और ऑस्टियोआर्टिकुलर ट्यूबरक्लोसिस से पीड़ित व्यक्तियों में, साइटोकिन्स, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज और बोन मार्करों की तुलना, अस्थिरोग विज्ञान
4. इन विट्रो डायग्नोस्टिक्स में उच्च एफिनिटी वाले एंटीबॉडीज के लिए प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकियों का विकास, चिकित्सा प्रयोगशाला
5. सक्रिय तपेदिक के लिपिड-आधारित इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स, चिकित्सा प्रयोगशाला
6. ऑप्टीमल मल्टी-पेशेंट उपयोग के लिए सिंगिल वेंटिलेटर डिजाइन मॉडिफिकेशन: एक सीएफडी अध्ययन, आईआईटी दिल्ली
7. रक्त आधारित जीन सिग्नेचर, ऑर्थोपेडिक्स का उपयोग करके एक्सट्रापुल्मोनरी साइटों पर क्षय रोग का विशेषता-सूचक निदान (डिफरेंशियल डायग्नोसिस)
8. *माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्यूलोसिस* संक्रमण पर मेजबानों में सहनशीलता के तंत्र को समझने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, प्रयोगशाला चिकित्सा

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 79 **सारः 5**

रोगी उपचार

- अंतः रोगियों की चिकित्सा/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में जानकारियाँ सम्मिलित हैं: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएँ (विशेष क्लीनिक और/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ (ख) सामुदायिक सेवाएँ/शिविर इत्यादि।

- पुल्मोनरी चिकित्सा ओपीडी (सोमवार / गुरु - 8.30 - 11 पूर्वाहन)

नए मामले	2685
पुराने मामले	4151

- **लंग कैंसर क्लीनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

नए मामले	111
पुराने मामले	115

- **कंबाइन पुल्मोनरी सर्जरी क्लिनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

नए मामले	12
पुराने मामले	31

- **स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक (शुक्रवार, दोपहर** 2.00 **बजे)**

नए मामले	14
पुराने मामले	08

- **आईएलडी/पीएएच क्लीनिक (शुक्रवार**, **दोपहर** 2.00 **बजे)**

नए मामले	36
पुराने मामले	84

प्रयोगशालाएँ

(क) श्वसन प्रयोगशाला

स्पाइरोमेट्री प्रक्रियाएँ	1516
डिफ्यूजन क्षमता अनुमान	505
बॉडी बॉक्स (प्लेथिस्मोग्राफी) मापन	20

(ख) ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला

फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी प्रोसीजर	357
रेडियल ईबीयूएस	17
एंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस)	143
थोरेसोस्कोपी	10
क्रायोथेरेपी	04
स्टेंटिंग	09
रिजिड थोरेकोस्कोपी	18
इलेक्ट्रोक्यूटरी	25

(ग) निद्रा प्रयोगशाला

पॉलीसोमनोग्राफी अध्ययन	150
सीपीएपी टाइट्रेशन	01
वॉच पीएटी	34

(घ) एलर्जी परीक्षण प्रयोगशाला

सकल आईजीई स्तर	1250
विशिष्ट एस्परगिलियस आईजीई स्तर	938
विशिष्ट एस्परगिलियस आईजीजी स्तर	490
स्किन प्रिक परीक्षण	07
एडीए स्तर	92

(ङ) पुनर्वास प्रयोगशाला

छह मिनट वॉक परीक्षण	894
रोगी नामांकन	38
सांस लेने का व्यायाम	146
दिए गए सत्रों की संख्या	135
इनहेलर तकनीक	84

(च) डॉट्स केंद्र

कुल रेफरल रोगी	879
कुल डीएमसी	139

(छ)	**इंडोर आउटडोर रोगी**	
	आईसीयू / वार्ड	665
	डे केयर	1684
(ज)	**कीमोथेरेपी प्रक्रिया**	
	कुल प्रक्रिया	996

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

डॉ विजय हड्डा को पुल्मोनरी चिकित्सा के लिए ओएससीई की स्थापना हेतु नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन संकाय-सदस्य के रूप में शामिल किया गया; इंडियन चेस्ट सोसाइटी/नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन के लिए केंद्रीय अनुसंधान समिति के सदस्य हैं; फेफड़े के प्रत्यारोपण से अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए एमजीएम, अस्पताल चेन्नई, तमिलनाडु, भारत का दौरा किया।

9.36. विकिरण निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव
राजू शर्मा
संजय थुलकर (सं.रो.कैं.अ.)
संजय शर्मा (डॉ.रा.प्र.कें.)
आशु सेठ भल्ला
स्मृति हरि
शिवानंद गामनगट्टी (ट्रॉमा केन्द्र)
अतिन कुमार (ट्रॉमा केन्द्र)

अपर आचार्य

चन्दन जे. दास
मधुसूदन के.एस.
सुरभि व्यास
मनीषा जाना
देवासेनापति कण्डासामी
चन्द्रशेखर एसएच (सं.रो.कैं.अ.)

सह-आचार्य

स्मिता मनचंदा
अंकुर गोयल
प्रियंका नरंजे
मुकेश यादव (सं.रो.कैं.अ.)
एकता धमीजा (सं.रो.कैं.अ.)

सहायक आचार्य

कृतिका रंगराजन (सं.रो.कैं.अ.)
रिचा यादव (संविदा- ट्रॉमा केन्द्र)

वैज्ञानिक-IV

शशि बी. पॉल

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)

श्री ब्रह्म सिंह
श्रीमति रेनू सूरमा (इस अवधि के दौरान सेवानिवृत्त)

मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री अनिल कुमार शर्मा
श्री अश्विनी कुमार
श्री भूषण शरण
श्री पवन कुमार पोपली
श्री अरुण केरकेट्टे
सुश्री पूनम मुखी
श्री भानु पी सिंह

विशिष्टताएँ

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक की अवधि पूरी तरह से कोविड-19 महामारी से प्रभावित थी। विभाग कोविड के विरुद्ध संघर्ष करने में अग्रणी था और इसने अपने संसाधनों के एक बड़े हिस्से को विशेष रूप से कोविड रोगियों की इमेजिंग के लिए पुनः आवंटित किया। कोविड रोगियों की सुरक्षित रूप से इमेजिंग करने के लिए नए एल्गोरिदम को तैयार करना पड़ा। इसमें मुख्य रूप से ना केवल छाती, बल्कि सिर और पेट की रेडियोग्राफ एवं प्राथमिक सीटी भी सम्मिलित थे। आवश्यकता पड़ने पर, गैर-कोविड रोगियों

की इमेजिंग के लिए भी विशेष प्रोटोकॉल तैयार करना पड़ा था। गैर-कोविड रोगियों हेतु अन्य वैकल्पिक प्रक्रियाओं की संख्या में गिरावट आई, क्योंकि कोविड महामारी के परिपेक्ष्य में प्रशासन द्वारा ओपीडी एवं अंतः सेवाओं को बंद कर दिया गया था।

विभागीय गतिविधियों में सामाजिक दूरी और कोविड के उचित व्यवहार की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, सभी नैदानिक-विकिरण चिकित्सा सम्बन्धी बैठकें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आयोजित की गईं, जिससे विकिरण चिकित्सा विशेषज्ञों और उपचार करने वाले काय-चिकित्सकों एवं शल्य चिकित्सकों के बीच उपयोगी बातचीत संभव हुई। विभागीय संकाय अस्पताल और राष्ट्रीय स्तर पर कोविड रोगियों की इमेजिंग के लिए प्रोटोकॉल बनाने में सक्रिय रूप से सम्मिलित थे। सभी जांचों की रिपोर्टिंग वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक है और कार्य-स्थलों पर की जाती है। इस अवधि के दौरान विभाग के नैदानिक आयुधशाला में चार डिजिटल फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी प्रणाली, तीन डिजिटल फ्लुरोस्कोपी प्रणाली, नौ अल्ट्रासाउंड मशीन, चार डिजिटल फ्लैट पैनल पोर्टेबल एक्स-रे मशीन और एक फिल्म स्कैनर जोड़े गए। बहुत कठिन परिस्थितियों के बाद भी, विभागीय संकाय-सदस्य सक्रिय रूप से रोगी चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान में व्यस्त थे। संकाय के सदस्यों ने विभिन्न क्रमिक चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 130 से अधिक व्याख्यान प्रस्तुत किये। संकाय के सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में सम्मिलित थे और विभिन्न सूचीबद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 189 पत्र प्रकाशित किए और रेडियोलॉजी पर पुस्तकों के संपादन के अतिरिक्त, रेडियोलॉजी की पाठ्य-पुस्तकों में 26 अध्यायों का योगदान दिया। भारत और विदेशों में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 36 पोस्टर और मौखिक पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 6 को विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के संकाय के सदस्य 5 वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रमुख जांचकर्ता थे। इसके अतिरिक्त, वे 17 चालू विभागीय परियोजनाओं और अन्य नैदानिक विभागों के साथ-साथ 108 से अधिक सहयोगी परियोजनाओं में सम्मिलित थे। विभाग ने इस अवधि के दौरान बाल विकिरण चिकित्सा विज्ञान पर एक ऑनलाइन विकिरण विज्ञान पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसे बहुत अच्छी तरह से स्वीकार किया गया और इसमें देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

स्नातक छात्रों को पढ़ाने में विभाग के संकाय-सदस्यों सक्रिय रूप से सम्मिलित थे। इस अवधि में संकाय-सदस्यों द्वारा उनके लिए कुल 40 व्याख्यान तैयार किए गए थे।

स्नातकोत्तर

इस अवधि के दौरान, विभाग में पदार्पण करने वाले 6 नए रेजिडेंटों सहित, कुल 30 कनिष्ठ रेसिडेंट सम्मिलित थे। इस अवधि के दौरान, विभाग में छह अध्येता फेलौशिप कर रहे थे। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों को नियमित रूप से ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था और इसमें प्रथम वर्ष के नए स्नातकोत्तर छात्रों के लिए लगभग 23 प्रारंभिक कक्षाएं, 27 गोष्ठियाँ, 40 केस चर्चाएँ, 50 मनोरंजक फिल्म सत्र और 69 उपदेशात्मक व्याख्यान सम्मिलित थे। ऑनलाइन मंच का अधिकतम उपयोग किया गया, ताकि महामारी के दौरान शिक्षण को कोई क्षति नहीं हो।

रेडियोग्राफी (एमटीआर) में बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी

यह पाठ्यक्रम तीन वर्ष का है और कुल 33 छात्र इस पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

आयोजित की गई सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ/राष्ट्रीय सम्मेलनः

विभाग ने 31 अक्टूबर 2020 को बाल विकिरण चिकित्सा विज्ञान पर एम्स एमएएमसी पीजीआई इमेजिंग पाठ्यक्रम (चौथी श्रृंखला) का आयोजन किया। यह ऑनलाइन आयोजित किया गया था और इसमें देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

प्रदत्त व्याख्यानः

राजू शर्मा: 16	**आशु सेठ भल्ला: 21**	**शिवानंद गामनगट्टी: 10**
अतिन कुमार: 11	**चंदन ज्योति दास: 2**	**मधुसूदन केएस: 7**
सुरभि व्यास: 10	**मनीषा जाना: 9**	**देवसेनाथिपति कण्डासामी: 6**
स्मिता मनचंदा: 13	**अंकुर गोयल: 15**	**प्रियंका नारंजे: 10**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 36

सर्वश्रेष्ठ मौखिक पत्र पुरस्कार।

मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार जीता

1. नड्डा एन, पॉल एसबी, अन्य। हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा और इन विट्रो एमआईआरएनए टार्गेटिन में एमटीओआर मार्गों को संशोधित करने वाले माइक्रोआरएनए; इंडियन नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ लीवर (आईएनएएसएल 2020) की 27वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में प्रस्तुत किया गया, 2-4 दिसंबर, 2020, ऑनलाइन आयोजित किया गया।

अध्यक्षीय पोस्टर

1. नड्डा एन, पॉल एसबी, अन्य*। हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर की प्रतिक्रिया के लिए और एमटीओआर पथों को संशोधित करने वाले माइक्रोआरएनए को लक्ष्य बनाने के लिए ऑन्कोएमआईआर में स्थानीय चिकित्सा के पश्चात परिवर्तन; इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के 61वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया - आईएसजीसीओएन 2020, 19-20 दिसंबर, 2020, ऑनलाइन आयोजित किया गया।

ई-पोस्टर को तीसरा पुरस्कार मिला

1. स्वामी एसके, नीति एन, पॉल एसबी। कोशिका मुक्त डीएनए इंटीग्रिटी इंडेक्स दीर्घस्थायी यकृत रोग के रोगियों से हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा को पृथक करता है; इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के 61वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया - आईएसजीसीओएन 2020, 19-20 दिसंबर, ऑनलाइन आयोजित किया गया

तीसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता

1. नेताजी ए, दास सीजे एवं अन्य। व्यवस्थित 12-कोर टीआरयूएस बायोप्सी के साथ एमआरआई-निर्देशित इनबोर बायोप्सी और एमआरआई- टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी की संभावित तुलना; 20वीं ककराला सुब्बाराव स्वर्ण पदक प्रतियोगिता, हैदराबाद, 26 दिसंबर 2020, ऑनलाइन आयोजित किया गया।

मौखिक पेपर प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार जीता

1. सिंह आर, नारंजे पी, भल्ला एएस, पांडे एस. मीडियास्टिनल ट्यूबरकुलस लिम्फैडेनोपैथी के प्रतिक्रिया आकलन में एमआरआई: आकार से परे जाना; सोसाइटी ऑफ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन (एससीआईआईसीओएन 2020) के दूसरे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, 26-27 सितंबर 2020, ऑनलाइन।

ई-पोस्टर लिए प्रथम पुरस्कार जीता

1. सिंह एस, भल्ला एएस, नारंजे पी. सेकेंडरी स्पॉन्टेनियस न्यूमोथोरैक्स में कंप्यूटेड टोमोग्राफी: द फाइन प्रिंट पढ़ना; सोसाइटी ऑफ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन (एससीआईआईसीओएन 2020) के दूसरे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया, 26-27 सितंबर 2020, ऑनलाइन।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अपक्षयी एवं रीढ़ के दर्दनाक रोगों हेतु मेरुदंड एमआरआई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग, राजू शर्मा, शिवानंद गमनगट्टी, देवसेनाथीपति के, अंकुर गोयल, मैसर्स सिनैप्सीका टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 10,85,000/-
2. पीडियाट्रिक रीनल एंड पैरारेनल मास में सीटी आधारित बनावट विश्लेषण: रेडियोलॉजी/पैथोलॉजी सहसंबंध, मनीषा जाना, एसपीआर रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन, 1.5 वर्ष, 2020-2022, यूएसडी 10,000
3. किशोर नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा (जेएनए) में एंजियोजेनेसिस के आकलन में गतिशील कंट्रास्ट एन्हांस्ड एमआर छिड़काव, डॉ. स्मिता मनचंदा, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, रुपए 7,65,000
4. कोविड-19 निमोनिया की संभावना के पूर्वानुमान में छाती रेडियोग्राफी और सीटी में मानकीकृत रिपोर्टिंग प्रणाली, मनीषा जाना अनुसंधान अनुभाग, एम्स, 6 माह, 2020-2021, रुपए 1,08,000

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध के साथ रेनल सेल कार्सिनोमा की विशेषता।
2. रोगसूचक स्तन रोगियों की क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइलः भारत में एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में एक संभावित अध्ययन

3. हिस्टोपैथोलॉजी का अनुमान लगाने के लिए वृक्क द्रव्यमान का सीटी बनावट विश्लेषण
4. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए प्रारंभिक प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट वर्धित अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता
5. संयोजी ऊतक रोग से संबंधित अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी में एचआरसीटी के संबंध में एमआरआई की नैदानिक सटीकता
6. पल्मोनरी नोड्यूल्स और मास में दोहरी ऊर्जा सीटी की नैदानिक उपयोगिता
7. पैर और टखने में नरम ऊतक दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता।
8. स्वचालित पहचान, स्थानीयकरण एवं सीटी स्कैन पर दर्दनाक रिब फ्रैक्चर के लक्षण वर्णन के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) ढांचे का मूल्यांकन और विकास
9. ब्रोन्किइक्टेसिस में एमआरआई बनाम एमडीसीटीः एक गैर-हीनता परीक्षण
10. बड्ड चियारी सिंड्रोम में ट्रांसजुगुलर इंट्राहेपेटिक पोर्टोसिस्टमिक शंट का परिणामः एक महत्वाकांक्षी अध्ययन"
11. एमआरआई पर रीढ़ की तपेदिक में एंटी-ट्यूबरकुलर थेरेपी हेतु प्रतिक्रिया मूल्यांकन
12. पुरानी अग्नाशयशोथ के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा गणना टोमोग्राफी और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका।
13. एब्डॉमिनल ट्रामा के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका
14. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एमपीएमआरआई और पीईटी सीटी की भूमिकाः एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
15. बच्चों में वक्ष क्षय रोग के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका
16. ट्रांस-धमनी कीमोइम्बोलाइज़ेशन के लिए हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका
17. सोनोग्राफिक रूप से अनिश्चित जनता के आकलन में शीयर वेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका
18. पित्त विकृतियों के मूल्यांकन में स्प्लिट बोलस स्पेक्ट्रल सीटी प्रोटोकॉल की भूमिका।
19. जबड़े के ट्यूमर और अल्सरः सीमित एमआरआई सहसंबंध के साथ दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी द्वारा मूल्यांकन।

पूर्ण

1. यूरिनरी ब्लैडर कैंसर में हिस्टोलॉजिक ग्रेड एवं मसल इनवेज़न के पूर्वानुमान में फर्स्ट-ऑर्डर एमआरआई-टेक्सचर विश्लेषण पैमानों की उपयोगिता
2. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद प्रहरी लिम्फ नोड बायोप्सी की नैदानिक सटीकता को बढ़ाने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित वायर लोकलाइजेशन और क्लिप्ड प्री-ट्रीटमेंट पॉजिटिव एक्सिलरी लिम्फ नोड्स को शल्य चिकित्सा द्वारा निकालने की भूमिका।
3. कार्सिनोमा लैरिंक्स स्टेजिंग में स्प्लिट-बोलस ड्यूल एनर्जी सीटी का मूल्यांकन
4. पीडियाट्रिक बड चियारी सिंड्रोम में इमेजिंग एवं हस्तक्षेप

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ट्यूमर लक्षण-विवरण का आकलन करने में अल्ट्रासोनोग्राफी और एमआरआई की तुलना तथा कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा, प्रसूति एवं स्त्री रोग
2. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ का एक रूपात्मक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
3. मेटफॉर्मिन को जब नव निदानित स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस से पीड़ित वयस्कों में रिफैम्पिसिन, आइसोनियाज़िड, पाइराज़िनामाइड और इथामबुटोल के साथ दिया जाता है तो इसकी जीवाणुरोधी गतिविधि, फार्माको-काइनेटिक्स, सुरक्षा एवं सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए आईआईबी चरण के एक मुक्त स्तर का यादृच्छिक परीक्षणः 8 सप्ताह का एक अध्ययन, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार
4. नव निदानित स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकने में वीपीएम1002 और इम्यूवैक टीके की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III वाला यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, फुफ्फुसीय चिकित्सा एवं निद्रा विकार
5. कुल अथवा पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी करा रहे रोगियों में हाइपोकैल्सेमिया के पूर्व भविष्यसूचक घटकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी-सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
6. मुख गुहा के गिंगिवो-बक्कल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमा (जीबीसीसी) (टी1-टी4) में गुप्त और खुले लिम्फ नोडल मेटास्टेस पर ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस (ओएसएमएफ) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
7. एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, जिसमें बिना कमी के टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त डिस्क के विस्थापन के प्रबंधन में मैंडिबुलर के हेरफेर के साथ आर्थ्रोसेंटेसिस और अग्रगामी रिपोजिशनिंग स्प्लिंट बनाम आर्थ्रोसेंटेसिस और मैंडिबुलर हेरफेर की प्रभावकारिता की तुलना की गयी है, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
8. ऑपरेटिव और नॉन-ऑपरेटिव पद्धति का उपयोग करके उपचारित मैंडिबल सबकॉन्डिलर फ्रैक्चर के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी
9. हार्मोन सेंसिटिव मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) से पीड़ित पुरुषों में एंड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी (एडीटी) बनाम प्लेसीबो प्लस एडीटी के अतिरिक्त, डारोलुटामाइड का एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित, चरण 3 का अध्ययन, विकिरण अर्बुद विज्ञान विभाग
10. ब्लंट लीवर ट्रॉमा के रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमानकर्ताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, अपघात शल्यचिकित्सा विभाग
11. ग्रोइन हर्निया का ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी (ओएमएच), लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) रिपेयर के पश्चात, यौन क्रियाओं और प्रजनन सूचकांकों की तुलना करने के लिए एक थ्री आर्म यादृच्छिक अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग

12. स्कोलियोसिस की महिला रोगियों में मासिक धर्म की अनियमितताओं और संबंधित विकारों की व्यापकता का निर्धारण करने वाला एक महत्वाकांक्षी अध्ययन और उनके प्रसूति एवं प्रजनन स्वास्थ्य, अस्थिरोग विज्ञान

13. विभिन्न इंट्रा-एब्डॉमिनल पैथोलॉजी में लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की प्रयोज्यता, एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, शल्यचिकित्सा

14. क्षणिक इलास्टोग्राफी, शीयर वेव इलास्टोग्राफी और सीरम जैव रासायनिक मार्कर का उपयोग करके जीर्ण यकृत रोग वाले रोगियों में यकृत फाइब्रोसिस का आकलन, जठरान्त्र रोग विज्ञान

15. शियर वेव इलास्टोग्राफी का उपयोग करके हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के रोगियों में स्थानीय चिकित्सा के लिए ट्यूमर प्रतिक्रिया का आकलन, जठरान्त्र रोग विज्ञान

16. ब्रोन्किइक्टेसिस में न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी संक्रमण का संघ और नैदानिक विशेषताओं और रोग प्रगति पर इसका प्रभाव, सूक्ष्म जीव विज्ञान

17. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक तंत्रिका की बेसलाइन और पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई पूर्वानुमान की भविष्यवाणी कर सकता है? डॉ. रा.प्र. केंद्र

18. एसीटीएच पर निर्भर कुशिंग सिंड्रोम में बीआईपीएसएस, अंतःस्राविकी एवं चयापचय विभाग

19. रेटिनोब्लास्टोमा में सीरम उत्तरजीवी स्तरों की नैदानिक उपयोगिता, बाल रोग विभाग

20. अनचार्टाइज्ड स्केलेटल डिसप्लेसिया के नैदानिक, विकिरण विज्ञान एवं मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग, बाल रोग विज्ञान विभाग

21. किशोर नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा के कोबलेशन असिस्टेड एंडोस्कोपिक एक्सिशन: एक संभावित पायलट अध्ययन, ईएनटी और सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

22. गैर-सर्जिकल उपचार के बाद आर्टिकुलर डिस्क स्थिति की तुलना और मेम्बिबल के कंडीलर फ्रैक्चर में खुली कमी - एमआरआई अध्ययन, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

23. सफल श्रम प्रेरण की भविष्यवाणी के लिए सरवाइकल शीयर वेव इलास्टोग्राफी, बिशप स्कोर, और ट्रांसवेजिनल सरवाइकल लंबाई माप की तुलना: एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग

24. सतही लिपोमा के प्रबंधन में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर-ऑपरेटिव) की तुलना, शल्यचिकित्सा विभाग

25. जन्मजात आंतरिक कान की विकृति के साथ और बिना कर्णावत आरोपण के बाद के बच्चों में परिणामों की तुलना, ईएनटी और सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

26. इंटरमीडिएट हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के प्रबंधन में ट्रांसएर्टेरियल रेडियोएम्बोलाइज़ेशन बनाम ट्रांसएटेरियल कीमोइम्बोलाइज़ेशन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरान्त्र रोग विज्ञान, नाभिकीय चिकित्सा

27. भारतीय आबादी में आंतरिक अंगों के आयामों और वजन का कंप्यूटेड टोमोग्राफिक और मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण, न्याय चिकित्सा विभाग

28. एशियाई भारतीय महिलाओं में गर्भकालीन मधुमेह के विकास के साथ पहली तिमाही के चयापचय मापदंडों और मातृ शरीर में वसा सूचकांकों का सहसंबंध-एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
29. प्रसवकालीन परिणाम के साथ आईयूजीआर गर्भधारण में प्लेसेंटल वैस्कुलराइजेशन इंडेक्स और प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी का सहसंबंधः एक केस नियंत्रण अध्ययन। प्रसूति एवं स्त्री रोग
30. भारतीय आबादी में मल्टीडिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग कर महाधमनी और इलियोफेमोरल आयामों के लिए नॉमोग्राम की व्युत्पत्ति, हृद विकिरण विज्ञान
31. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) में एक्स्ट्रा-नोडल एक्सटेंशन (ईएनई) का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
32. प्राथमिक ऑरोफरीनक्स, नासोफरीनक्स, और अज्ञात प्राथमिक से माध्यमिक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
33. ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों में निओ एडजुवेंट कीमोथेरेपी की शुरुआती प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, शल्यचिकित्सा एवं कायचिकित्सा अर्बुद विज्ञान
34. ट्रांसक्रानियल अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता पोस्ट क्रैनिएक्टोमी में नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति का पता लगाने के लिए रोगी, आपातकालीन चिकित्सा विभाग
35. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में स्यूडोसिस्ट / वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस के लिए सिस्टोगैस्ट्रोस्टोमी के बाद डिस्कनेक्टेड अग्नाशयी डक्ट सिंड्रोम असामान्य और स्पर्शोन्मुख है, जठरान्त्र रोग विज्ञान विभाग
36. डोर्सल रिस्ट गैंगलिअन (नाड़ीग्रन्थि) के ओपन बनाम आर्थोस्कोपिक एक्सीजन परिणाम का आकलन करने हेतु डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थिरोग
37. उच्च जोखिम वाले ज्वर न्यूट्रोपेनिया वाले बच्चों में अनुभवजन्य एंटिफंगल चिकित्सा का प्रारंभिक विघटनः एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण, बाल रोग विज्ञान विभाग
38. बुजुर्गों में निमोनिया का आर्थिक बोझ, रोकथाम और नियंत्रण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
39. यांत्रिक रूप से हवादार स्थान में रखे गए रोगियों पर डायाफ्राम की ताकत और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका की उत्तेजना का प्रभाव "एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", फिजियोथेरेपी
40. प्रोन पर्क्यूटेनियस लिथोटॉमी के संदर्भ में गुर्दे की स्थिति पर बोल्स्टर और इसके अभिविन्यास के उपयोग के प्रभाव, मूत्र रोग विज्ञान (यूरोलॉजी)
41. छोटी आंत के क्रोन्स रोग की संरचना करने और भगंदर के बनने में हाइपरबारिक ऑक्सीजन चिकित्सा की प्रभावकारिता और सहनशीलता, जठरान्त्र रोग विज्ञान विभाग
42. युवा रोगियों में माइक्रोसेफैली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन, बाल रोग विभाग
43. युवा रोगियों में माइक्रोसेफैली का एटियोलॉजिकल मूल्यांकन, आनुवंशिकी
44. पेट के जुड़ाव सहित, तपेदिक के निदान और निगरानी में 99एम टेक्नेटियम लेबलयुक्त एंटीबायोटिक स्किन्टिग्राफी का मूल्यांकन, सामान्य चिकित्सा

45. स्तन कैंसर में बायोप्सी के लिए दोहरी रंजक (डाई) तकनीक का मूल्यांकन: दो भुजा, मुक्त स्तर, समानांतर डिजाइन, गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्यचिकित्सा

46. मासिक धर्म की शिथिलता वाले किशोर एवं युवा भारतीय लड़कियों में हार्मोनल और मेटाबोलिक मापदंडों का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग

47. पेरीऑक्यूलर और एडनेक्सल वैस्कुलर घावों में इंट्रालीजनल ब्लिओमाइसिन का मूल्यांकन, रा.प्र. केंद्र

48. तालू के द्रुत विस्तार में मध्य तालु के टाँकों के खुलने का आकलन करने में अल्ट्रासोनोग्राफी के उपयोग की खोज करनाः मार्गदर्शी अध्ययन, ऑर्थोडोंटिक्स

49. सामान्य थोरैसिक सर्जरी में सर्जरी के प्रोटोकॉल के बाद संवर्धित स्वास्थ्यलाभ की व्यावहारिकताः संभावित कोहोर्ट अध्ययन, शल्यचिकित्सा

50. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में जीए पीईटी सीटी, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग

51. आईसीयू रोगियों में आईजेवी थ्रोम्बोसिस, काय चिकित्सा विभाग

52. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और चरण II के नैदानिक परीक्षणों पर मोक्लोबेमाइड का इन विट्रो मूल्यांकन, भेषजगुण विज्ञान विभाग

53. भ्रूण विकृतियों और मृत जन्म लेने वाले बच्चों के मूल्यांकन में मिनिमली इनवेसिव ऑटोप्सी (एमआईए) - मृत जन्म लेने वाले बच्चों के मूल्यांकन के लिए एक मानक प्रोटोकॉल विकसित करने हेतु एक व्यावहारिकता अध्ययन

54. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर के लिए छोटी अवधि के विकिरण चिकित्सा के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपीः एक मार्गदर्शी अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग

55. भारतीय बच्चों में, गुर्दे की लंबाई एवं पैरेन्काइमल मोटाई और गुर्दे की इलास्टोग्राफी के सामान्य मूल्य, बाल शल्यचिकित्सा

56. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के पश्चात स्तन संरक्षण शल्यक्रिया के अर्बुद विज्ञानी परिणाम, शल्यचिकित्सा

57. एकतरफा पीयूजेओ के गैर-ऑपरेटिव प्रबंधन के परिणाम, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

58. एक ही चरण में पिन्ना पुनर्निर्माण और कैनालप्लास्टी से गुजर रहे कैनाल एट्रेसिया के साथ माइक्रोटिया के रोगियों के परिणाम, ईएनटी और सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

59. लेटरल नेक एक्स-रे का उपयोग करते हुए कठिन लैरींगोस्कोपी और ऑरोट्रैकियल इंट्यूबेशन की भविष्यवाणीः एक संभावित अवलोकनात्मक डबल ब्लाइंड अध्ययन, निश्चेतना, दर्द चिकित्सा एवं सघन चिकित्सा

60. प्राथमिक पैरोटिड कार्सिनोमा के रोगियों में इंट्राग्लैंडुलर, पेरिपैरोटिड, ऑकल्ट और ओवर्ट सर्वाइकल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं को निर्धारित करने के लिए संभावित अध्ययन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी - सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

61. ओरल टंग कार्सिनोमा के उच्छेदन के बाद पुनर्निर्माण में इन्फ्रा-हायोइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी-सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

62. वेंट्रल हर्निया की लैप्रोस्कोपिक रिपेयर के दौरान यांत्रिक उपकरण बनाम गोंद सुदृढ़ की गयी प्रोस्थेटिक सामग्री (मेश): एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्यचिकित्सा

63. भारतीय लोगों में टिबियल प्लैटो फ्रैक्चर्स और प्रोक्सिमल टिबिअल फ्रैक्चर्स के सीटी निर्देशित मैपिंग के प्रबंधन में एक अक्षीय बनाम बहुअक्षीय प्लेटिंग के बाद रेडियोलॉजिकल, नैदानिक और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थिरोग

64. हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस से प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्करों की भूमिका, जठरान्त्र रोग विज्ञान

65. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर

66. माहवारी के रक्तस्राव के पश्चात रोगियों में एंडोमेट्रियम सम्बंधित मूल्यांकन के लिए ट्रांसवैजाइनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग

67. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में विटामिन के2 की भूमिकाः इन विट्रो जाँच और तत्पश्चात नैदानिक परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान विभाग

68. क्रोन्स रोग में पेरीएनल फिस्चुला में स्टेम सेल थेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता, जठरान्त्र रोग विज्ञान विभाग

69. ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन के बाद बच्चों में ठोस अंग की चोट का निर्धारण करने में ट्रॉमा (फास्ट) के सोनोग्राफी के साथ केन्द्रित आकलन की संवेदनशीलता और विशिष्टता, बाल शल्यचिकित्सा

70. पेट में चोट लगने के बाद पीडियाट्रिक सॉलिड ऑर्गन इंजरी का निर्धारण करने में फोकस्ड एसेसमेंट के साथ सोनोग्राफी फॉर ट्रॉमा (फास्ट) की संवेदनशीलता एवं विशिष्टता, बाल शल्य चिकित्सा

71. हॉजकिन लिंफोमा के नए निदान वाले बच्चों में "एफडीजी-पीईटी/सीटी उपचार की समाप्ति" का महत्त्व - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, बाल रोग विज्ञान विभाग

72. उत्तर भारत के एक तृतीयक देखभाल केंद्र (एम्स-आईएलडी रजिस्ट्री) में प्रस्तुत होने वाले अंतरालीय फेफड़ों के रोगों से पीड़ित रोगियों का स्पेक्ट्रम और प्रोफाइल, फुप्फुसीय, गहन चिकित्सा एवं निद्रा विकार

73. ईओएस में स्पिनोपेल्विक विकृति, अस्थि रोग विभाग

74. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम कारकः एक केस नियंत्रित अध्ययन, शल्यचिकित्सा

75. गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में शल्यक्रिया का प्रणालीगत प्रभाव - उत्तेजक मार्करों के साथ एक मूल्यांकन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी - सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

76. नियंत्रण समूह की तुलना में इंट्राक्रेनियल दवाब वाले बाल रोगी में ऑप्टिक नर्व शीथ के व्यास को निर्धारित करना, आपातकालीन चिकित्सा

77. स्वरयंत्र और हाइपोफैरेंजियल कार्सिनोमा में पैराट्रैकियल लिम्फ नोड मेटास्टासेस की घटनाओं को निर्धारित करना, ईएनटी और सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

78. आंशिक/सम्पूर्ण लैरिन्जेक्टोमी के लिए नियोजित स्वरयंत्र और हाइपोफैरिंक्स के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में पैराट्रैकियल लिम्फ नोड मेटास्टासिस की घटनाओं का निर्धारण करना, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी - सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा

79. नैदानिक रूप से नकारात्मक ऐक्सिला वाले प्रारंभिक परिचालन योग्य स्तन कैंसर से पीड़ित रोगियों में ऐक्सिला के प्रबंधन के लिए एक एल्गोरिदम स्थापित करना, शल्यचिकित्सा
80. एकपक्षीय टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद नॉन-ऑपरेटेड टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट पर ओशियस परिवर्तन का मूल्यांकन करना, ओरल एंड मैक्सिलोफेसियल सर्जरी
81. एंडोएनल अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके उत्तर भारत में प्रसवोत्तर महिलाओं में ऑब्सटेट्रिक एनल स्फिन्क्टर इन्जरीज (ओएएसआईएस) की घटनाओं का अध्ययन करना, प्रसूति और स्त्री रोग
82. प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म से पीड़ित रोगियों में प्रबंधन के परिणामों का अध्ययन करना, अन्तःस्राविका एवं चयापचय विभाग
83. पित्ताशय के दीवार की मोटाई या पित्त की पथरी के रोग से जुड़े पॉलीप से पीड़ित रोगियों में मौलिक शल्यक्रिया से बचने के लिए शल्यक्रिया से पूर्व यूएसजी निर्देशित एफएनएसी की उपयोगिता का अध्ययन करना, शल्यचिकित्सा
84. भारतीय और पश्चिमी लोगों में ऑस्टियोअर्थराइटिस के स्वरूपों में अंतर को समझना: लक्षणों पर प्रभाव, उपचार के विकल्प और उनके परिणाम, अस्थि रोग (यूकेआईईआरआई-डीएसटी)
85. पीयूजेओ में यूरेटेरिक जेट, बाल रोग विज्ञान विभाग
86. छोटे कद वाले भारतीय बच्चों में अनुमानित वयस्क ऊंचाई आकलन विधियों की वैधता, बाल रोग विज्ञान विभाग

पूर्ण

1. लोकोरीजनल थेरेपी करा रहे हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा रोगियों के संचार माइक्रोआरएनए में परिवर्तनों का चिकित्सीय निहितार्थ, जठरान्त्र रोग विज्ञान
2. एक तृतीयक चिकित्सा अस्पताल में तपेदिक के बाद दीर्घस्थायी फेफड़े के विकारों से पीड़ित रोगियों की चिकित्सीय प्रोफाइल, फुफ्फुसीय क्रिया और जीवन की गुणवत्ता, पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग
3. सर्वाइकल शियर वेव इलास्टोग्राफी की तुलना, बिशप स्कोर, और सफल लेबर इंडक्शन के पूर्वानुमान हेतु ट्रांसवेजाइनल सर्वाइकल लंबाई मापः एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
4. एशियाई भारतीय महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही के मेटाबॉलिक मापदंडों और मातृ शरीर में वसा सूचकांक का सहसंबंध- एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
5. पेरिनेटल परिणाम वाली आईयूजीआर प्रेग्नेंसीज में प्लेसेंटल वैसकुलराइजेशन इंडिसेस एवं प्लेसेंटल इलास्टोग्राफी का सहसंबंधः एक केस नियंत्रित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
6. पेट की तपेदिक की जांच एवं निदान में 99एम टेक्नेटियम लेबल वाले एंटीबायोटिक स्किन्टिग्राफी का मूल्यांकन, काय चिकित्सा विभाग
7. आईसीयू में मांसपेशियों की तबाही का आकलन करने के लिए एंटीरियर टेम्पोरलिस मांसपेशी के अल्ट्रासाउंड की व्यवहार्यता, निश्चेतना, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन चिकित्सा विभाग

8. बाल कैंसर के रोगियों में न्यूट्रोपीनिक एंटरोकोलाइटिस की घटना और परिणाम, बाल रोग विज्ञान विभाग
9. स्थानीय रूप से एडवांस्ड स्तन कैंसर पोस्ट निओ-एड्जुवेंट कीमोथेरेपी के रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के अर्बुद विज्ञान संबंधी परिणाम, शल्यचिकित्सा विभाग
10. लैटरल नेक एक्स-रे का इस्तेमाल करते हुए डिफिकल्ट लारिंजोलोजी तथा ओरोट्रेकियल इंटूबेशन का पूर्वानुमानः एक भावी अवलोकनात्मक डबल ब्लाइंड अध्ययन, संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन चिकित्सा
11. बचपन में हॉजकिन लिम्फोमा से बचे लोगों में फेफड़ों का विकार, बाल रोग विज्ञान विभाग
12. स्तन कैंसर के रोगियों में ट्यूमर में घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइटों के महत्व का अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग
13. ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिआ गंभीरता में सर्जरी का यथाक्रम प्रभाव - इनफ्लमेटरी मार्कर्स के साथ एक मूल्यांकन, ऑटोरिनोलारिंगोलोजी - सिर एवं ग्रीवा शल्यचिकित्सा
14. एक तृतीयक चिकित्सा केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) से पीड़ित रोगियों के निदान एवं उपचार में सम्पूर्ण शरीर की लो डोज कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) और पारंपरिक कंकाल सर्वेक्षण (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना करना, रुधिर विज्ञान
15. संक्रामक बनाम गैर-संक्रामक घावों के विभेदन में 99एम-टीसी लेबल वाले यूबीक्विसिडिन की उपयोगिता, नाभिकीय चिकित्साविभाग

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 178 **पुस्तकों में अध्यायः 26**

जाँच का विवरण

क्र.सं.	जाँच / विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांच की कुल सं.
1	**रूटीन एक्स-रे**	
	ओपीडी	16,644
	इंडोर	13,419
	आपातकालीन	37,294
	पोर्टेबल	42,612
2	**विशेष जांच**	
	बेरियम अध्ययन	782
	अंतःशिरा पाइलोग्राफी	193
	मिच्युरेटिंग सिस्टोयूरेथ्रोग्राफी	625
	हिस्टेरोसलपिंगोग्राफी	3
	ऑपरेशन कक्ष अध्ययन	54
	अन्य कंट्रास्ट अध्ययन	392

क्र.सं.	जाँच / विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांच की कुल सं.
3	**मैमोग्राफी**	1,066
4	**डेक्सा स्कैन**	181
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	नियमित	13,126
	आपातकालीन	34,842
	डोपलर (नियमित + आपातकालीन)	2,381
6	**सीटी**	
	शरीर	9,064
	सिर	4,914
7	**एमआरआई (मुख्य + एनएमआर)**	3,728
8	**इंटरवेंशनल प्रक्रियाएँ**	
	इंटरवेंशनल वाहिका अध्ययन	1,019
	इंटरवेंशनल गैर-वाहिका अध्ययन	
	सीटी निर्देशित	232
	अल्ट्रासाउंड निर्देशित	1,798
	फ्लोरोस्कोपी निर्देशित	1,149
	मैमोग्राफी निर्देशित	4
	कुल योग	**1,85,522**

- कोविड-19 महामारी के दृष्टिकोण से ओपीडी और इंडोर सेवाओं में कटौती किये जाने के कारण कई वैकल्पिक प्रक्रियाओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में कम है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राजू शर्मा पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में संकाय-सदस्य चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ थे; जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी में संकाय चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; एम्स, ऋषिकेश के अध्ययन बोर्ड के विशेषज्ञ।

प्रोफेसर संजय शर्मा ने 25 सितंबर 2020 को वार्षिक संस्थान दिवस समारोह में अनुसंधान में (वर्ष 2018-2019 के लिए) एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रोफेसर आशु सेठ भल्ला सोसाइटी ऑफ इमेजिंग एंड इंटरवेंशन एससीआईआई के अध्यक्ष थे; विषय विशेषज्ञ चयन समिति, एम्स बीबीनगर थे।

प्रोफेसर अतिन कुमार इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन 2020-21 के दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष चुने गए; अमेरिकन सोसाइटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी रिसर्च कमेटी के मनोनीत सदस्य।

डॉ मधुसूदन केएस को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एब्डोमिनल रेडियोलॉजी (एफईएसजीएआर) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ शशि बी पॉल को सितंबर 2020 में "ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में एम्स रिसर्च अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

डॉ अंकुर गोयल आईआरआईए 2020-2021 के दिल्ली स्टेट चैप्टर के संयुक्त सचिव थे; सदस्य, राष्ट्रीय आईआरआईए 2020 एवं 2021 की निर्माण प्रबंधन समिति; 5 सितम्बर 2020 को 6.00 से 8.00 पीएम तक वैस्कुलर विसंगतियों के आईआर प्रबंधन पर आयोजित आईएसवीआईआर (इंडियन सोसाइटी ऑफ़ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी) के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा त्रैमासिक सीएमई (वेबिनार) में समन्वयक; 2 सितम्बर, 2020 को इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के विषय पर आयोजित आईआरआईए-आईसीआरआई वेबिनार श्रृंखला, वेबिनार में समन्वयक थे।

डॉ मनीषा जाना को सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (एसपीआर) 2020 द्वारा हेइडी पैट्रिक्विन फैलोशिप से पुरस्कृत किया गया; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी 2020 द्वारा डॉ. सत्य गुप्ता पुरस्कार से सम्मानित किया गया; एनएएमएस अमृतसर अवार्ड 2020 से सम्मानित; सदस्य, नियोनटल इमेजिंग कमिटी, सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (एसपीआर); सदस्य, पोस्ट-मोर्टेम इमेजिंग कमिटी, सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी (एसपीआर) थीं।

9.37. प्रजनन जैवविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आशुतोष हल्दर

आचार्य एवं प्रभारी अधिकारी सीआरआईए सुविधा

प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

सह आचार्य

सुरभि गुप्ता | मोना शर्मा

वैज्ञानिक II

दीपक पाण्डे | नीरज कुमार

वैज्ञानिक I

मनीष जैन

समूह क अधिकारी

मरियम्म मैथ्यू, मुख्य तकनीकी अधिकारी (एमएलटी)

विशेषताएँ

विभाग नैदानिक सेवाओं (प्रजनन हार्मोंस और कैंसर बायोमार्कर्स; वीर्य विश्लेषण; विभिन्न आनुवंशिक विकारों के लिए एफआईएसएच और क्यूएफ पीसीआर) तथा प्रजनन आनुवंशिक परामर्श के अतिरिक्त मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यों में संलग्न है। पिछले एक वर्ष के प्रजनन संबंधी अधिकतर आनुवंशिक परामर्श स्व-सम्प्रेषण और प्रजनन संबंधी विकार, विकृति, कैंसर, बांझपन, आदि के मामले आभासी थे। सीआरआईए की सुविधा में कैंसर मार्कर, थायरॉयड प्रोफाइल, प्रजनन हार्मोन, चयापचय मार्कर आदि सहित, 50 से अधिक मापदण्डों के लिए परीक्षण प्रदान किए जाते हैं। सीआरआईए परीक्षणों की रिपोर्ट ऑनलाइन प्राप्त की जा सकती है। इस वर्ष सीआरआईए सुविधा में 95,138 परीक्षण किए हैं। एम्स के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और कर्मचारियों में कोविड-19 के सीरो-पॉजिटिविटी की जांच के लिए सार्स कोव-2 आईजीजी के लिए एक नया परीक्षण आरंभ किया गया। एंड्रोलॉजी प्रयोगशाला विस्तृत वीर्य विश्लेषण प्रदान करता है जबकि विभाग की आणविक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला, एफआईएसएच और क्यूएफ-पीसीआर प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले रोगियों के लिए विभिन्न आनुवंशिक परीक्षण प्रदान करती है।

हमारे अपने पीएचडी छात्रों, एमएससी छात्रों और विभाग के विभिन्न प्रशिक्षुओं के अलावा एम्स के अन्य विभागों को प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान किया गया। कई राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानो द्वारा विभाग के संकाय सदस्यों को उनकी शैक्षणिक विशेषज्ञता के लिए आमंत्रित किया गया था (एनआईआई स्टीम सेल समिति, एनएबीएल कोर मान्यता समिति, आईसीएमआर एपीएस एंड एसआरएफ परियोजना

समीक्षा/चयन समिति, डीएम हेतु एमसीआई मूल्यांकन (मेडिकल जेनेटिक्स) पाठ्यक्रम, एमसीआई डीएम मेडिकल जेनेटिक्स दिशानिर्देश, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पीएसी एवं आईआरबी समिति के सदस्य, डीबीटी, आयुष, आदि की कार्यबल समिति)। इस वर्ष हल्दर ने इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) के प्रोफेसर एन.आर. मुद्गल मेमोरियल ओरेशन पुरस्कार और पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया (वेबिनार) के वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

शिक्षा

- पीएचडी छात्र (इस अवधि के दौरान): 11
- एमएससी छात्र (प्रजनन जीवविज्ञान और नैदानिक भ्रूणविज्ञान): 11
- जेआरएफ/एसआरएफ/आरए/आरओः 5
- साप्ताहिक सेमिनार और साप्ताहिक जर्नल क्लब
- द्विसाप्ताहिक प्रयोगशाला डेटा प्रस्तुति
- दिन-प्रतिदिन मामले के अनुसार/प्रयोगशाला कार्य चर्चा
- स्नातकोत्तरः एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)
- एमडी बायोकेमिस्ट्री के छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

प्रदत्त व्याख्यान

आशुतोष हल्दरः 4

मौखिक पत्र की सूची/प्रस्तुत पोस्टरः 4

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. इडियोपैथिक फैमिलियल ओवरियन विफलता में आनुवंशिक कारकों का पता लगाने के लिए जाँच, आशुतोष हल्दर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44 लाख रुपये
2. मानव स्वास्थ्य (रेफरल केंद्र) पर गैर-आयनकारी विद्युत चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, 15 लाख रु.
3. इंसुलिन संकेतन के प्रतिलिपि कारकों के अनुप्रवाह के जीनोम-व्यापी संयोजन के प्रभाव से स्वास्थ्य-अवधि नियामक मॉड्यूल को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपये
4. प्रतिरोपण तथा अनुवर्ती क्रिया हेतु एम्ब्रीओ-यूटरिन क्रॉस टॉकः एक्सोसोमल माइक्रो आरएनए के लिए भूमिका, सुरभि गुप्ता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 44.2 लाख रुपये
5. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित महिलाओं के सतही रक्त में एंडोमेट्रियल कोशिकाओं को संचारित करने की गैर-इनवेसिव बायोमार्कर क्षमता का मूल्यांकन। नीरज कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपए

6. इडियोपैथिक सर्टोली सेल ओनली सिन्ड्रोम (एससीओएस): एपिजिनोमिक एटियोलॉजी का पता लगाने के लिए एक जाँच, मनीष जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 45 लाख रुपये
7. पुरुष प्रजनन प्रणाली पर इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक क्षेत्र के प्रभावों का इन विट्रो मूल्यांकन, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 58 लाख रु.
8. संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों और बायोमार्कर खोज की पहचान करने हेतु डिम्बग्रंथि के कैंसर ट्रांसस्क्रिप्टोम का एकीकृत विश्लेषण, आशुतोष हल्दर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 54 लाख रुपये
9. एक इंट्रावेसल इंजेक्टेबल पुरुष गर्भनिरोधक; आरआईएसयूजी के साथ चरण II का नैदानिक परीक्षण, आईसीएमआर, वार्षिक, 2018-2021, 3 लाख रुपए
10. पॉली सिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम (पीसीओएस): हाइपरएंड्रोजेनिज्म (नैदानिक) और हाइपरएंड्रोजेनेमिया (जैवरसायन) और अंतर्निहित ईटियोलॉजिक (पश्च आनुवंशिक और आनुवंशिक) कारकों के बीच विसंगति के कारणों का पता लगाने की जाँच, आशुतोष हाल्देर, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 51 लाख रुपये
11. एचसीजी किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, पीके चतुर्वेदी, एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड / स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वार्षिक, 9 लाख रुपये
12. समय पूर्व डिम्बग्रंथि विफलता में माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल सिस्टम की भूमिका। मोना शर्मा, डीएचआर/आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 42 लाख रुपये
13. गोनाड्स में टीजीएफ-बीटा और इंसुलिन सिग्नलिंग से प्रेरित प्रजनन दीर्घायु लक्ष्यों की कार्यात्मक गतिविधि की व्याख्या, नीरज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2023, 50 लाख रुपये
14. प्रोस्टेट की कोशिकाओं में हार्मोन की मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथेलियल सहक्रिया पर चयनात्मक एस्ट्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर (एसईआरएम) के प्रभाव का वर्णन। दीपक पांडे, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.9 लाख रुपये
15. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड की मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथैलियल परस्पर क्रिया पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन के प्रभाव को स्पष्ट करनाः सामान्य प्रोस्टेट फिजियोलॉजी के रखरखाव में भूमिका, दीपक पांडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 41.56 लाख रुपये
16. माइक्रोआरएनए की मध्यस्थता वाली लेडिग कोशिकाओं में स्टेरॉयडोजेनेसिस और एपोप्टोसिस पर अंतःस्रावी विघटनकारी पदार्थ बिस्फेनोलए के प्रभाव का अध्ययन। पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 76 लाख रुपये

पूर्ण

1. मैमलियन स्पर्म-एग फ्यूजन का अध्ययन करने के लिए सीआरआईएसपीआर/कैस-9 आधारित नॉक-आउट/नॉक-इन तकनीक का उपयोग करके जीनोम-एडिटिड चूहों का प्रजनन, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 75.5 लाख रुपये
2. ऊसाईट इंट्रासेल्यूलर कैल्शियम में बढ़ोतरी की पुष्टि हेतु संभावित शुक्राणु कारकों और संबंधित संकेतक पथ का अध्ययन, मोना शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये

3. कैनोरहैब्डाइटिस एलिगेंस में स्वस्थ वृद्धों की एचडीएसी इनहिबिटर्स मीडिएटिड जीनोम-व्यापी गतिशीलता, नीरज कुमार, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017-2020, 50 लाख रुपये
4. इडियोपैथिक सेर्टोली सैल ऑनली सिंड्रोम (एससीओएस) के मामलों में जीनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एसएनपी माइक्रोअरी का उपयोग कर हाई रिजोल्यूशन जीनोमिक स्क्रीनिंग, मनीष जैन, एम्स, 4 वर्ष, 2017-2021, 14 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका लाइंस पर औषधीय अर्क की कैंसर-रोधी क्रिया का मूल्यांकन
2. स्तनधारी के निषेचन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अंडकोष द्वारा समृद्ध किए गए प्रोटीनों की विशेषता
3. टीईएक्स29 प्रोटीन की विशेषता और गर्भाधान में इसकी संभावित भूमिका।
4. कैनोर्हैबडाइटिस एलिगेंस की रिप्रोडक्टिव एजिंग में इंसुलिन / इंसुलिन जैसे ग्रोथ फैक्टर सिग्नलिंग (आईआईएस) की भूमिका का वर्णन करना
5. अंडकोष और अधिवृक्क के कार्यों पर अवसादरोधी औषधि (एसिटालोप्राम) का प्रभाव
6. शारीरिक और रोगात्मक परिस्थितों के अंतर्गत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल से मेसेनकीमल ट्रांजिशन के दौरान पश्च-आनुवंशिक परिवर्तन
7. पीओएफ का आनुवंशिकी
8. पीसीओ की जीनोमिक्स और एपिजिनोमिक्स
9. आदर्श प्रणाली के रूप में कैनोर्हैबडाइटिस एलिगेंस का उपयोग करके प्रजनन और दीर्घायु में एचडीएसी अवरोधक (एस) की मध्यस्थता वाला जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क
10. बार-बार होने वाली गर्भावस्था क्षति के रोगियों में प्लेसेंटा से निकाली गई एक्जोसोम की मात्रा के निर्धारण की भूमिका।
11. सार्स कोव-2 के सकारात्मक मामलों, गैर-परीक्षण वाले स्वास्थ्य कर्मियों और गैर-स्वास्थ्य-सेवा कर्मियों में गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम वाले कोरोनावायरस 2 (सार्स कोव-2) का सीरो प्रसार और/या दृढ़ता

पूर्ण

1. पीएलसी सी जीटा अभिव्यक्ति पर शुक्राणु विट्रीफिकेशन का प्रभाव
2. प्रोस्टेट कोशिकाओं में स्ट्रोमल-एपिथैलियल परस्पर क्रिया पर चयनात्मक एस्ट्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर (एसईआरएम) का प्रभाव
3. पॉलिसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम संबंधी हेतुविज्ञान और बायोमार्कर
4. सी एलेगेंस में मानव ओवेरियन ऑर्थोलॉग्स रेगुलेटिंग इन्सुलिन के संकेतन पर निर्भर प्रजनन दीर्घावधि की कार्यात्मक विशेषताएँ
5. यादृच्छिक जनसंख्या में वाईक्यू के सूक्ष्म विलोपन की व्यापकता

6. ट्रोफोब्लास्ट बायोलॉजी में इंडोलिमाइन 2, 3-डीओक्सिहाइडेज़ की भूमिका
7. ऊसाईट एक्टिवेशन में एल-कार्नाइटाइन की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. शल्यक्रिया से पूर्व चिंता को कम करने में मेलाटोनिन, गैबापेंटिन और अल्प्राजोलम का तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान
2. एक बहुकेंद्रीय नॉवेल कोरोना वायरस की आबादी आधारित आयु स्तरीय सीरो महामारी विज्ञान सम्बन्धी अध्ययन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
3. सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद एडिनॉयडेक्टोमी रोगियों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्त्वाकांक्षी कोहोर्ट नियंत्रण अध्ययन, कान, नाक, गला विज्ञान
4. कोविड-19 से ठीक हुए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में एंटीबॉडी प्रतिक्रिया, चिकित्सा विभाग, एम्स
5. एचआईवी आबादी में एड्रेनो-कॉर्टिकल क्रिया का आकलन और इसके नैदानिक-चयापचय के निहितार्थ, चिकित्सा विभाग, एम्स
6. नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग से पीड़ित रोगियों में छोटी आंत के जीवाणुओं की अतिवृद्धि और जठरांत्र (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल) संबंधी लक्षणों का जुड़ाव, चिकित्सा विभाग, एम्स
7. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेजिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास हेतु क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर, मूत्ररोगविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
8. गर्भावस्था के आईएचसीपी में भ्रूण-मातृ सम्बन्धी परिणाम के साथ जैव-प्रदाहजनक मार्करों का सहसंबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स
9. सीआरआईएसपीआर आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निदान और प्रायोगिक चिकित्सा विज्ञान का विकास, जैव रसायन विभाग, एम्स; दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली
10. 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन हेतु एक सामान्य संदर्भ श्रृंखला (नोमोग्राम) की स्थापना, बालरोग चिकित्सा सर्जरी, एम्स
11. हृदयाघात से पीड़ित रोगियों में हृदय-संवहनी के प्रतिकूल घटनाओं की भविष्यवाणी करने में कार्डिएक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) पर फेफड़ों के द्रव के आकलन की व्यावहारिकता और प्रभावकारिता, हृद विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स
12. गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में फेटल कार्डियक प्रोफाइल और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका जुड़ाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स
13. तपेदिक प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा की संपीड़ित स्थिति पर चेकपॉइंट अवरोधकों का प्रभाव, इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स, एम्स
14. पीसीओएस से ग्रसित भारतीय महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह वाले माता-पिता के इतिहास का प्रभाव, अंत:स्राविकी विभाग, एम्स

15. मुंह संबंधी संभावित रूप से घातक और घातक घाव में बायोमार्कर्स के रूप में सूक्ष्मआरएनए और एचटीईआरसी जीन प्रोफाइल, सीडीईआर, एम्स
16. अस्पष्टीकृत मृत-प्रसव का आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन, आनुवंशिकी एकक, बाल चिकित्सा, एम्स
17. 3 साल से कम आयु के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फेटो प्रोटीन की संदर्भ सीमा, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स
18. एकाधिक माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोएनवायरनमेंट की भूमिका, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स
19. पैनक्रिएटिक कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मीडिएटिड मॉड्यूलेशन की भूमिका, जठरांत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स
20. भारतीय वयस्कों में सारकोपीनिया की व्यापकता, खतरे के घटक और चयापचय प्रोफाइल का अध्ययन, चिकित्सा विभाग, एम्स
21. लघु मॉलीक्यूल्स का अवशोषण करने वाले ईआर चैपरोन्स का थैराप्यूटिक लक्ष्य निर्धारणः प्रीक्लेम्पसिया में ईआर तनाव को कम करने के लिए एक वर्चुअल स्क्रीनिंग दृष्टिकोण, जैव सूचना विज्ञान विभाग, भारतियर विश्वविद्यालय, कोयंबतूर, तमिलनाडु
22. बाल रोग संबंधी ठोस ट्यूमर के उत्तरजीवियों में रोग के दीर्घ अवधि प्रभाव एवं इसके उपचार का अध्ययन करने के लिए, बाल रोग सर्जरी विभाग, एम्स
23. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रोसिस की पैथोफिजियोलॉजी को समझना, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स
24. इडियोपैथिक हाइपोपेराथायरायडिज्म के अद्वितीय पहलू, अंतः स्राविकी विज्ञान, एम्स

पूर्ण

1. प्रजननअक्षम और प्रजननसक्षम भारतीय महिलाओं में एंटी मुलरियन हार्मोन और एंटरल फॉलिकल काउंट्स का आयु विशिष्ट मानदंड, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स
2. दीर्घ कालिक माइलोइस ल्यूकीमिया से पीड़ित पुरुषों में शुक्राणु के पैरामीटर्स और पीटयूट्री गोनेडल एक्सिस पर टाइरोसीन काइनेस इनहिबिटर्स का प्रभाव, रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 13 सार: 1 पुस्तकों में अध्याय: 2 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

रोगी देखभाल

बाह्य रोगी सेवा विभाग में रोगी की देखभालः मानक बाह्य रोगी सेवा का हिस्सा नहीं

हल्दर को मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों में अथवा परामर्श/प्रबंध योजना/सलाह के लिए स्वयं रेफरल और विशेष रूप से पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनैडिज्म, बार-बार गर्भपात, बार-बार आईवीएफ विफलता, आनुवंशिक विकार और विकृति सिंड्रोम में प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित 100 से अधिक मामलों को सौंपा जा चुका है।

मॉलिक्यूलर साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला (प्रजनन जीव विज्ञान विभाग में विशेष प्रयोगशाला की सुविधाएँ)
रोगी उपचार हेतु रक्त (इंटरफेज़/मेटाफेज़ कोशिका), बक्कल कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस कोशिका इत्यादि पर माइक्रोडेलिशन एफआईएसएच तथा रोगी के देखभाल के लिए एसटीआर / माइक्रोसैटेलाइट मार्करों का उपयोग करते हुए मानकीकृत अतिरिक्त आणविक साइटोजेनेटिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम के संदिग्ध कुल 300 मरीजों को भर्ती किया गया है। हमने अपनी मॉलीक्यूलर साइटोजेनेटिक्स लैब में सभी मामलों का एफआईएसएच तथा क्यूएफ-पीसीआर किया है और सभी मरीजों की रिपोर्ट दी है। हमने पीडब्ल्यूएस मामलों के लिए मिथाइल विशिष्ट पीसीआर को मानकीकृत किया है, और हमारी प्रयोगशाला में मिथाइल विशिष्ट पीसीआर की सुविधा शुरू की है। हम शीघ्र से शीघ्र हमारे विभाग में सभी माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम्स के माइक्रो-ऐरे की सुविधा शुरू करने जा रहे हैं (निविदा पूर्व में ही अपलोड कर दी गई है)।

किए जा रहे परीक्षणों की सूचीः

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोमः

- डीजॉर्ज सिंड्रोम (22q11.2)
- विलियम सिंड्रोम (7q11.23)
- प्रेडर विली सिंड्रोम (15q11.13)
- रेटिनोब्लास्टोमा (13q)
- मिलर डैकर सिंड्रोम (17p13.3)
- लेंगर गीडियन्स सिंड्रोम (8q24.11)
- आईपी 36.13
- वूल्फ हिर्सकॉर्न (4p16.3)

प्रसवपूर्व एफआईएसएच (एम्नीओटिक द्रव कोशिकाएँ/कोरियोनिक ऊतक)

- ट्राईसोमी 21 (डाउन सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 18 (एडवर्ड सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 13 (पटाऊ सिंड्रोम)
- कोई भी ऑटोसोमल एन्यूप्लॉइडीस (अनुरोध पर)

कैरियोटाइपिंग (केवल शोध उपयोग के लिए)
सेक्स क्रोमोसोम एफआईएसएच (एक्स, वाई, एसआरवाईः केवल शोध और बांझपन)
वाईक्यू माइक्रोडिलिशन पीसीआर (लगभग 20 प्राइमर पूरे हुए)
पीआरआईएनएस (गुणसूत्र 13, 18, 21, एक्स, वाई)
क्यूएफ-पीसीआर (डीजी, डब्ल्यूएस, पीडब्ल्यूएस, आरबी, एमडी, लैंगर-गिडियंस, ट्राइसोमी 13, 18, 21, आदि)
मिथाईल विशिष्ट पीसीआर (पीडब्ल्यूएस)
माइक्रोडिलिशन सिंड्रोम/प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता के लिए डीएनए माइक्रोएरे

सीआरआईए सुविधा

इस सुविधा में भर्ती किये गए और ओपीडी रोगियों के रक्त के नमूनों में 50 से अधिक मापदंडों की नियमित जाँच की गई। कोविड-19 महामारी में, एम्स के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और एम्स के कर्मचारियों के लिए सार्स कोव-2 आईजीजी (IgG) परीक्षण आरंभ किया गया।

क्र.सं.	जाँच का नाम	किए गए परीक्षणों की कुल संख्या
1.	17-ओएच प्रोजेस्टेरोन	126
2.	एसीटीएच	20
3.	एक्टिव बी12	6691
4.	एएफपी	1383
5.	एएमएच	1420
6.	एंटी-सीसीपी	915
7.	एंटी-टीजी	110
8.	एंटी-टीपीओ	698
9.	बीएचसीजी	920
10.	बीएनपी	884
11.	सीए-125	1311
12.	सीए15.3	4
13.	सीए19.9	1217
14.	सीईए	1248
15.	सीकेएमबी	75
16.	सीएमवी-आईजीजी (IgG)	2
17.	सीएमवी-आईजीएम (IgM)	3
18.	कॉर्टिसोल	720
19.	सी-पेप्टाइड	27
20.	साइक्लोस्पोरिन	1
21.	डीएचईएएस	246
22.	डीएचटी	52
23.	एस्ट्रेडियोल	418
24.	फेरिटीन	4013
25.	फोलेट	4496
26.	फ्री पीएसए	53
27.	फ्री टी3	476
28.	फ्री टी4	584
29.	एफएसएच	2142

30.	ग्रोथ हार्मोन (जीएच)	136
31.	एचबीए1सी	1069
32.	होमोसिस्टीन	92
33.	इनहिबिन बी	41
34.	इंसुलिन	386
35.	इंटेक्ट पीटीएच	4550
36.	एलएच	1942
37.	मेथोट्रेक्सेट	432
38.	पीसीटी	8249
39.	प्रोजेस्टेरॉन	136
40.	प्रोलेक्टीन	1810
41.	पीएसए	1048
42.	रूबेला-आईजीजी (IgG)	5
43.	रूबेला-आईजीएम (IgM)	2
44.	सार्स-सीओवी-2 आईजीजी	1598
45.	एसएचबीजी	52
46.	टेस्टोस्टेरोन	732
47.	टोटल टी3	7670
48.	टोटल टी4	8145
49.	टोक्सो-आईजीज (IgG)	3
50.	टोक्सो-आईजीएम (IgM)	3
51.	ट्रोपोनिन-I	426
52.	टीएसएच	15545
53.	विटामिन डी, 25-हाइड्रोक्सी	10811
	कुल	**95138**

जेएसएसके रोगियों के लिए जाँच की संख्या	**बीपीएल रोगियों के लिए जाँच की संख्या**	**एबी-पीएमजेएवाई रोगियों के लिए जाँच की संख्या**
3686	2278	320

इसके अतिरिक्त, अनुसंधान परियोजना के अध्ययनों के लिए विभिन्न मार्करों के लिए **4000** से अधिक परीक्षण किए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

21-22 नवंबर 2020 को बेंगलुरू में आयोजित पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया 2020 के 5वें अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक आभासी सम्मेलन (वेबिनार) में सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर पुरस्कार विजेता: कुमार एच, शर्मा एम, कलसी एके, जैन एम, हल्दर ए. डीएचटीः पीसीओएस में हाइपरएंड्रोजेनेमिया का एक महत्त्वपूर्ण बायोमार्कर।

प्रोफेसर आशुतोष हल्दर ने आईएसएसआरएफ के वार्षिक सम्मेलन के दौरान इंडियन सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ रिप्रोडक्शन एंड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ) 2021 के प्रोफेसर एन.आर. मुद्‌गल मेमोरियल ओरेशन अवार्ड प्राप्त किया; मानव विकास और रोग जीव विज्ञान टास्क फोर्स सदस्य - मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम डीबीटी; एमसीआई के मेडिकल जेनेटिक्स के टास्क फोर्स सदस्य; एनएएमएस के सलाहकार पैनल - विशेषज्ञ सदस्य (जेनेटिक्स); राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य; एनआईआई की संस्थागत समिति-स्टीम सेल रिसर्च (आईसी-एससीआर) के सदस्य; एमपी पीसीओएस सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य; पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया के संरक्षक सदस्य; आनुवंशिकी और साइटोजेनेटिक्स पर एनएबीएल की प्रत्यायन समिति के सदस्य; सीसीआरएएस की विशेषज्ञ समिति सदस्य (आयुष मंत्रालय के तहत); विभिन्न विश्वविद्‌यालयों में डीएम (मेडिकल जेनेटिक्स; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ) और पीएचडी (थीसिस और वाइवा) के लिए बाहरी परीक्षक; आईसीएमआर वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड के विशेषज्ञ; पीएसी समिति के सदस्य, आईसीएमआर (एसआरएफ / आरए परियोजनाएँ): संकाय, आईजीआईएमएस, पटना के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; एंड्रोलॉजी सहित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक, आणविक आनुवंशिकी और जीनोमिक चिकित्सा, प्रजनन जीव विज्ञान, एक्टा ऑब्स्टेट्रिसिया एट गाइनकोलोजिका स्कैंडिनेविका, आणविक साइटोजेनेटिक्स, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ जेनेटिक्स, केस रिपोर्ट इन जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन एंड जेनेटिक्स, पीयर जे, इंडियन पीडियाट्रिक्स, आईजेएमआर, संपादकीय / सलाहकार मंडल / कार्यकारी सदस्यः अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स - जर्नल क्लिनिकल केस रिपोर्ट एंड रिव्यूज; जेबीआर जर्नल ऑफ क्लिनिकल डायग्नोसिस एंड रिसर्च; ऑस्टिन जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एंड इनफर्टिलिटी; ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थेरेपी। राष्ट्रीय जर्नल - जर्नल ऑफ रिप्रोडक्टिव हेल्थकेयर एंड मेडिसिन, जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन)।

प्रोफेसर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी, सीआरआईए सुविधा के कार्यालय प्रभारी; एमएससी प्रजनन जीवविज्ञान और नैदानिक भ्रूणविज्ञान के लिए पाठ्‌यक्रम समन्वयक; कोविड-19 महामारी के विशेष संदर्भ में प्रजनन सम्बन्धी और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की चुनौतियों और रणनीतियों पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रजनन एवं जनन क्षमता के अध्ययन के लिए 19-21 फरवरी 2021 के बीच ऑनलाइन आयोजित किए गए 31वें वार्षिक भारतीय समाज सभा में एक सत्र की अध्यक्षता की; पीजी, एम्स की एथिक्स समिति के सदस्य, पीएचडी और एमएससी के लिए आईएमटेक चंडीगढ़, गुवाहाटी विश्वविद्‌यालय, कलकत्ता विश्वविद्‌यालय, एनडीआरआई करनाल के लिए परीक्षक; जैव प्रौद्‌योगिकी विभाग (डीबीटी) की

परियोजनाओं के समीक्षक; सदस्य, चयन समिति, आईसीएमआर; सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च पर समीक्षा परियोजनाओं और एड-हॉक परियोजनाओं के लिए भी सदस्य, विशेषज्ञ समिति, आईसीएमआर; एंड्रोलोजिया के समीक्षक जर्नल।

डॉ सुरभि गुप्ता भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) को प्रस्तुत किए गए अनुदान की समीक्षक थीं।

डॉ मोना शर्मा ने एक सत्र/पैनल चर्चा की अध्यक्षता की और इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (आईएफएस) 2021 के आभासी सम्मेलन में एक पोस्टर सत्र की निर्णायक थीं। आईएफएस के विशेष रुचि समूह (एप्लाइड जेनेटिक्स) की सदस्य थीं और वेबिनारों, पैनल चर्चाओं और न्यूज़लेटर संपादन में सम्मिलित थीं; जर्नल ऑफ इनफर्टिलिटी एंड रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी और आईएफएस न्यूज़लेटर के संपादकीय बोर्ड की सदस्य थीं; डीबीटी के अनुदानों और जर्नल के लेखों (जेआरएचएम) की समीक्षक थीं।

9.38. रूमेटोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष

उमा कुमार

सहायक आचार्य

रंजन गुप्ता	दानवीर भादू
रूद्र प्रसाद गोस्वामी	बृजनंदन गुप्ता (इम्यूनोपैथोलॉजी)

विशिष्टताएं

रूमेटोलॉजी विभाग की स्थापना अगस्त 2015 में की गई और अधिसूचित किया गया था। यह विभाग अत्याधुनिक रोगी उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है और संसाधनों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कि गंभीर रोगियों की विशाल संख्या से तथा पुराने रूमेटिक रोगों से ग्रस्त रोगियों निपटने हेतु आवश्यक है। विभाग, रूमेटोलाजिकल विकार वाले रोगियों हेतु बाहरी रोगी सेवाएं, नैदानिक प्रतिरक्षा-विज्ञान प्रयोगशाला एवं व्यावसायिक चिकित्सा सुविधा का संचालन करता है। इसकी 6 बिस्तरों वाली रूमेटोलॉजी डे केयर सेवा मस्क्यूलोस्केलेटल अल्ट्रासाउण्ड से लैस है, जो भारत में पहली बार 2012 में शुरू की गई थी, ये विभाग विभिन्न हस्तक्षेपों, उपचारों और प्रक्रियाओं हेतु कम समय के लिए भर्ती की आवश्यकता वाले रोगियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, इस प्रकार से रोगियों का आर्थिक बोझ कम होगा और संसाधनों का सर्वोत्कृष्ट उपयोग किया जाएगा जनता और पेशेवर चिकित्सा के बीच गठिया एवं संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जाती हैं। विभाग द्वारा वैश्विक महामारी के दौरान कोविड संबंधित विषय पर कई शैक्षिक कार्याकलाप संचालित किए गए। अनुसंधान में भी विभाग अग्रणी रहा है; इसके लिए 30,987,894.00 का अनुसंधान अनुदान प्राप्त है कई सहयोगी परियोजनाएं भी विभाग द्वारा चलाई जा रही हैं। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में विभाग के संकाय सदस्यों के कई लेख प्रकाशित किए गए। प्रशिक्षित रूमैटोलॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न सरकारी संगठनों के चिकित्सा विशेषज्ञों को नियमित आधार पर अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विभाग शिक्षण कार्यक्रम चला रहा है और रूमेटोलॉजी में 'डीएम' सुपर-स्पेश्लिटी पाठ्यक्रम के आरंभ हेतु प्रयासरत है एवं विभाग को आन्तरिक बिस्तरों की सुविधा प्रदान की गई है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

1. तृतीय सत्र के लिए; जोड़ों में दर्द और मृदु उत्तकों वाले रोगियों से सम्पर्क, 28 अक्टूबर 2020
2. आठवें सत्र के लिए, नैदानिक मामलों हेतु सम्मेलन, 23 नवम्बर 2020
3. तृतीय सत्र के लिए समेटाइड आर्थराइटिस का उपचार, 24 नवम्बर 2020

स्नातकोत्तर: सेमिनार, बेडसाइड शिक्षण, मृत्युदर की समीक्षा, जर्नल स्कैन एवं जर्नल क्लब एवं प्रत्येक सप्ताह रोगी परिचर्चा

नर्सिंग व्याख्यान: नर्सिंग स्टाफ के विभिन्न संवर्गों हेतु रूमेटोलॉजिकल विकारों पर व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन।

विशेष कोविड-19 संबंधित कार्यक्रम: रूमेटोलॉजी विभाग के सभी संकाय एव स्टाफ सदस्य, 13 जून-10 जुलाई 2020

अल्पकालीन/दीर्घकालीन प्रशिक्षुओं की संख्या: शून्य (वैश्विक महामारी के प्रसार के कारण प्रतिबंधित)

प्रदत्त भाषण

उमा कुमार: 15 रंजन गुप्ता: 1 दानवीर भादू: 2 रूद्र प्रसाद गोस्वामी: 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर की सूची

1. दानवीर भादू, सुरभी व्यास, उमा कुमार। क्रोनिक टाफेशस गाऊट में लोकल स्टेरॉइड के साथ टोफी का गलनांक, एक अवलोकनात्मक अध्ययन ईयूएलएआर कांग्रेस 2020, 3-6 जून 2020, वर्चुअल।
2. गौतम एस, चौरसिया पी, राणा डी, कुमार यू, दाद आर। योग द्वारा शुक्राणु आक्सीकर डीएनए क्षति कम होना और डिज़िज-मोडिफाइंग एन्टीरूमेटिक ड्रग पर रूमेटॉइड आर्थराइटिस के साथ इन्फर्टाइल पुरुषों में प्रजनन क्षमता में सुधार। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एन्ड्रोलॉजी की 45वीं वार्षिक बैठक (एएसए) 2020, 25-28 अप्रैल 2020, वर्चुअल।
3. गौतम एस, कुमार एम, कुमार यू, दादा आर। रूमेटॉइड आर्थराइटिस में योग द्वारा प्रतिरक्षात्मक सहनशीलता क्षमता का प्रभावित होना एवं सेल्यूलर लेवल की कमी: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्राकृतिक उत्पाद एवं मानव स्वास्थ्य पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (उत्कृष्ट लेख पुरस्कार), 27-29 फरवरी 2020, नई दि ल्ली।
4. गौतम एस, कुमार आर, कुमार यू, दादा आर, योग आधारित जीवनशैली के हस्तक्षेप से माइटोकॉन्ड्रिया इन्टीर्गिटी एवं रूमेटॉइड आर्थराइटिस वाले पुरुषों में प्रजनन क्षमता में सुधार, यूरोपियन सोसाइटी ऑफ ह्यूमन रीप्रोडक्शन एण्ड एम्ब्रायोलॉजी (ईएसएचआरई) 2020, 5-8 जुलाई 2020, वर्चुअल।
5. गौतम एस, कुमार यू, दादा आर। योग: आटोइम्यून आर्थराइटिस वाले बांझ पुरुषों के लिए एक समग्र प्रयास, इण्डियन सोसाइटी फॉर दा स्टडी ऑफ रीप्रोडक्शन एण्ड फर्टिलिटी (आईएसएसआरएफ), 19-21 फरवरी 2021, वर्चुअल।
6. गौतम एस, कुमार यू, कुमार एम, मिश्रा आर, दादा आर। योग आधारित जीवनशैली के हस्तक्षेप से माइटोकॉन्ड्रिया इन्टीर्गिटी एवं रूमेटॉइड आर्थराइटिस वाले रोगियों में माइटोकॉन्ड्रिया की बढ़ी हुई संख्या: एक रेन्डोमाइज़ड कन्ट्रोल्ड परीक्षण-इन्टरनेशनल एसोसिएशन ऑफ योगा थेरेपिस्टस (आईएवाईटी) योग अनुसंधान पर संगोष्ठि (एसवाईआर)। (बेस्ट रिसर्च ऐब्सट्रैक्ट अवॉर्ड), 19-20 अक्टूबर 2020, वर्चुअल।

7. रंजन गुप्ता, विष्णु प्रिया वी, अंजु मोहन, वानामेइल पेरूमल, रोगियों की जांच', धारणा, जानकारी एवं रूमेटॉइड आर्थराइटिस के बारे में बोध एवं सूचना कार्यक्रम का प्रभाव, एशियन पेस्फिक लेगूय ऑफ एसोशिएशन फॉर रूमेटोलॉजिस्टिस वर्चुअल कांग्रेस, 24-29 अक्टूबर, वर्चुअल ।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय सोरियाटिक आर्थराइटिस वाले रोगियों में ग्लेनमार्क एप्रेज़ो® (एप्रेमिलास्ट) टेबलेट द्वारा सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक चरण-IV का नैदानिक परीक्षण, उमा कुमार, ग्लेमार्क फार्मास्युटिक्लस, 2 वर्ष, 2019-2021, 2.87 लाख।
2. बहुकेन्द्रीय, नोन-कम्पैरटिव, एन्किलॉजिंग, स्पोनडीयलिटिस या सोरियाटिक आर्थराइटिस के सक्रिय स्पॉन्डिलोआर्थरोपेथी वाले भारतीय रोगियों के उपचार में गोलीमुमाब (एक पूर्ण ह्यूमन एन्टी-टीएनएफए मोनोक्लोनल एन्टीबॉडी, एड्मिनिस्टर सब्क्यूटेनीअस्ली द्वारा सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का मुक्त-स्तर अध्ययन मूल्यांकन करने हेतु एक चरण-IV, उमा कुमार, जैनसेन फामास्यूटिक्लस, 2 वर्ष, 2021-2022, 7.59 लाख रु.।
3. स्थानीय रूप से स्वीकृत सूचना के अनुसार, रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) वाले भारतीय रोगियों में सिम्पोनी® (गोलीमुबाब इंजेक्शन 50 मिग्रा) के उपयोग से जुड़ी सुरक्षा की निगरानी हेतु एक संभावित, बहुकेन्द्रीय, पोस्ट-मार्केटिंग, दूरदर्शिता, 2 वर्ष, 2019-2021, 2.89 लाख रु.
4. एक यादृच्छिक, डब्ल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर समूह, प्लेसबो सहित 16 सप्ताह के अध्ययन की सक्रिय सोरियाटिक आर्थराइटिस वाले रोगियों में सुरक्षा तथा सहनशीलता का 52 सप्ताह तक मूल्यांकन करने हेतु इन्ट्रवेनसन सिक्योकिनुम्ब के बहुकेन्द्रीय अध्ययन से तुलना, उमा कुमार, नोवारटिस फार्मास्युटिक्लस, 2 वर्ष, 2020-2022, 1.30 लाख रु.
5. एक यादृच्छिक, डब्ल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर समूह, प्लेसबो सहित 16 सप्ताह के अध्ययन की सक्रिय सोरियाटिक आर्थराइटिस वाले रोगियों में सुरक्षा तथा सहनशीलता का 52 सप्ताह तक मूल्यांकन करने हेतु इन्ट्रवेनसन सिक्योकिनुम्ब के बहुकेन्द्रीय अध्ययन से तुलना, उमा कुमार, नोवारटिस फार्मास्युटिक्लस, 2 सप्ताह, 2020-2022, 5.20 लाख रु.।
6. नैदानिक एवं जीनोमिक्स दृष्टिकोण द्वारा पोलीएन्जिटिस सहित ग्रेनुलोमेटिक्स अध्ययन हेतु एक भारतीय पहल, उमा कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 18.68 लाख रु.।
7. सेन्टर फॉर एक्सीलेंस ऑन जीनोम सांइस एवं प्रेडिक्टिव मेडिसन (जीईएसपीईआरएम) चरण-II, उमा कुमार, डीबीटी, 5 वर्ष 6 माह, 2015-2021, 53.35 लाख रु.।
8. माइक्रोफेज माइग्रेशन इनहिबिट्री फेक्टर (एमआईएफ) एवं रूमेटॉइड आर्थराइटिस में उपचार के प्रभाव हेतु बायोमार्कर के रूप में एक सीडी 74/सीडी 44 सिस्टम, रंजन गुप्ता, इन्टीट्यूश्नल इन्ट्रामूरल ग्रंट, 2 वर्ष 2020-2022, 10 लाख रु.।
9. प्रदाहक मायोसिटिस में पेशी जीर्णता हेतु मार्कस, दानवीर भादू, इण्डियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन, 3 वर्ष, 2020-2023, 2 लाख रु.

10. सिस्टमेटिक लूपस एरिथीम्अटोस्स संबंधी मल्टी-इन्सटीटीयूशनल नेटवर्क प्रोग्राम: एसएलई की भिन्नता को समझने हेतु, रंजन गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 99.85 लाख रु.

11. चरण-IV, ओपन-लेवल, गैर-तुलनात्मक, विशाल कोशिका आर्थराइटिस (जीसीए) वाले रोगियों में सुरक्षा एवं सब्कुटेनियस टोसीलीजूमेब की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु बहुकेन्द्रीय अध्ययन, दानवीर भादू, सीबीसीसी सिपला लिमिटेड द्वारा संविदागत, 1 वर्ष, 2021-2022 55,000/रोगी रु.

12. अध्ययनस्त अथवा स्कूल, कॉलेज एवं आईटी सेक्टर में कार्य करने वाली कई महिलाओं में एलिविएटिंग आक्यूपेशनल हेल्थ हेजर्डस हेतु पापुल्राइजिंग सांइस एवं टेक्नोलॉजी, कॉलेज एण्ड आईटी सेक्टर, उमा कुमार, डीएसटी, 2 वर्ष 2020-2022, 33.23 लाख रु.।

13. रूमेटोलोजिक्ल एवं स्वप्रतिरक्षा क्षमता में विकारों वाले कई रोगियों में कोविड-19 संक्रमण का प्रसार तथा प्रभाव, रूद्र प्रसाद गोस्वामी, इंस्टीट्यूश्नल इन्ट्रामूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.5 लाख रु.।

14. गंभीर गाउटी आर्थराइटिस में टीएलआर 4 की भूमिका, दानवीर भादू, इंस्टीट्यूश्नल इन्ट्रामूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2020-2021, 2.30 लाख रु.।

15. वायु प्रदुषण, स्वप्रतिरक्षा क्षमता एवं शोथ की अन्योन्य क्रिया का अध्ययन, डॉ. उमा कुमार, डीएसटी, 4 वर्ष, 2017-2021, 60.59 लाख रु.।

16. ट्रायल न.1199.225 एसईएनएससीआईएसटीएम-ऑन (विस्तार): 'सिस्टमेटिक स्क्लेरोसिस एसोसिएटिड इन्टरस्टिीशियल लंग डिजीज' (एसएससी-आईएलडी), वाले रोगियों में निटेडानिब की दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक ओपन-लेवल एक्सटेंशन परीक्षण, उमा कुमार, बोहिरिंजर इनजेलिमिक, 3 वर्ष, 2018-2021, 4.95 लाख रु.

पूर्ण

1. एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रण सक्रिय सोरियोटिक आर्थराइटिस वाले रोगियों में सबकुटेनिसली एडमिनिस्ट्र्ड एडलीमूमेब मोनोथेरेपी के साथ सबकुटेनिसली एडमिनिस्टर्ड सेक्युकिनुमाब मोनोथेरेपी की 52 सप्ताह में प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु बहुकेन्द्रीय अध्ययन, 2 वर्ष 6 माह, 2018-2020, 9.39 लाख रु.।

विभागीय परियोजना (सम्मिलित शोध प्रबंध/शोध-निबंध)

जारी

1. रूमेटॉइड आर्थराइटिस में कोविड-19: इन्टरवेंशन हेतु एक क्रास सलेक्शनल रेन्डम टेलीफोनिक सर्वेक्षण। रूमेटॉइड आर्थराइटिस में फंगशनल क्रोटीकोमोटर तीक्ष्णता पर मेगनेटिक रिसोनेनस इमेजिंग न्यूरोफिडबेक गाइडिड मोटर इमेजनरी प्रशिक्षण का प्रभाव तथा दर्द की स्थिति।

2. नूनन सिन्ड्रोम वाले रोगियों में साधारण स्वप्रतिरक्षा क्षमता विकारों एवं पीटीपीएन 11 के प्रकारों के साथ उनके सह-संबंध हेतु ओटोएन्टीबॉडी का प्रसार।

3. दैनिक रहन-सहन के क्रियाकलापों में सेल्फ-रिलाइन्स के मापन हेतु प्रश्नोत्तरी।

सहयोगी परियोजनाएं:

जारी

1. रूमेटॉइड आर्थराइटिस के मूल्यांकन हेतु एक कम्बाइंड मेटाबोलम एवं एक प्रीडीक्टीव बायोमार्कर सेट का विकास करने हेतु प्रोटीओम प्रोफाइलिंग, आईजीआईबी, दिल्ली
2. प्राइमरी सेजोग्रेन के सिन्ड्रोम में रेनल ट्युबलर एसीडोसिस वाले रोगी को दिखाने हेतु नैदानिक एवं आनुवंशिक लक्षणों का वर्णन, रूमेटोलॉजी विभाग, सेंट स्टीफन अस्पताल, दिल्ली।
3. फ़ाइब्रोमायालेजिया के रोगियों में दर्द की स्थिति पर योगिक इन्टरवेन्शन का प्रभाव, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. एंटीफॉस्फोलिपिड सिन्ड्रोम एवं रूमेटाइड आर्थराइसिस में प्रदाह संबंधी समस्याओं और नेटोसिस की विविध विशिष्टताओं का एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबाडीज़ प्रभाव।
5. संपूर्ण भारत में रूमेटिक रोगों हेतु इपिडिमियोलाजिक्ल अध्ययन तथा रिजिस्ट्री डेवल्पमेन्ट, चानरेरि , रूमेटॉलोजी एण्ड इम्योनोलॉजी सेन्टर एण्ड रिसर्च, बैंगलूर।
6. प्रोटिओमिक संपर्क द्वारा रूमेटॉइड आर्थराइटिस में नये तथा विशिष्ट प्रोटीन वाले बायोमार्कर की पहचान, आईजीआईबी, दिल्ली।
7. लुपस में सहज तथा अनुकूल प्रतिरक्षा के मध्य अन्योन्य क्रिया: न्यूटरोफिल्स तथा मोनोसाइटस पर एपोपिटोटिक सेल-रिसक्टिव एन्टीबॉडीस का इन्फ्लेमेटरी प्रभाव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, दिल्ली।
8. रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) वाले रोगियों में फस्ट लाइन थेरेपी को समझना तथा उसकी प्रीडिक्टिव प्रतिक्रिया एवं आयुर्वेदिक प्रभाव, डेनमार्क टेक्निकल यूनिवर्सिटी, डेनमार्क।

पूर्ण

1. रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) में सेलिवेरी स्केवेन्ज्र तथा एग्गलूटीनिंन (एसएएलएसए) और लेक्टिन पाथवे घटकों की भूमिका का मूल्यांकन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 22 **पुस्तकें तथा विनिबंध: 1** **पुस्तकों में अध्याय: 2**

रोगी उपचार: वैश्विक महामारी के कारण 6768-कोविड रोगियों को उपचार प्रदान किया गया हाईब्रिड मोड (प्रत्यक्ष परामर्श तथा टेली-कन्सलटेशन)

नये रोगी: 2061

देखे गए रोगी: 4707

(टेली-कन्सल्टेशन: 2660)

रूमेटोलॉजी क्लिनिक: 1189 रोगी

डे केयर सुविधा: बायोलॉजिक इन्फ्यूजन सहित रोगियों में कुल इंटरवेंशन 3424 था।

बायोलॉजिक्स/इम्यूनोसप्रेसिव ड्रग इन्फ्यूजन: 925

इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन:230

एससी/आईएम इंजेक्शन (बायोलॉजिक, स्टेरॉइड आदि): 272

बायोप्सी: 16

अल्ट्रासाउंड: 172

केस डिस्कशन: 1779

अन्य: 30

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला

वैश्विक महामारी सॉर्स कोविड 2 के बावजूद, कुल की गई जांचों की संख्या 18889 थी तथा कुल रोगियों की जांच 6868 रहीं

कुल की गई जांचें:

आरएफ: 2627

एएनए: 5104

एन्ट-डिएसडीएनए एन्टीबॉडी: 1896

ईएनए प्रोफाइल: 738

एएनसीए: 2584

एन्टी एलकेएमआई एन्टीबॉडी: 1120

एएसएमए: 1119

आईजीए तथा आईजीसी: 322

सी3: 834

सी4: 114

एन्टीकार्डीओलिपिन एन्टीबॉडी: 2210

कार्योग्लोबुलिन/क्रायोफिब्रिनोजिन: 66

पोलराइज़्ड माइक्रोस्कोपी: 151

सामुदायिक सेवा/कैम्पस आदि:

कोविड हेतु कई जागरूकता कार्यक्रम वर्चुअल रूप से आयोजित किए गए तथा बहुत लोगों में धूम्रपान एवं धूम्ररहित तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयास भी किए।

“फेक्ट वेरिफिकेशन’ हेतु वेबिनार: भारत में चिकित्सा संबंधी गलतसूचना का संघर्ष, गलतसूचना को पहचानना तथा उसके सच को जानना” वैश्विक महामारी के दौरान सोशल मीडिया पर झूठी सूचना के फैलाव को देखते हुए छात्र तथा स्टाफ संगठित था।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर उमा कुमार ने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की फेलोशिप प्राप्त की थी। पी. एचडी छात्र स्वामी कुवलयानंदा ने यंग इन्वेसटिगेटर पुरस्कार प्राप्त किया-मेरिट एनटाईटल पर भारत आधारित उत्कुष्ट सारांश हेतु पुरस्कार प्राप्त किया “योग आधारित जीवनशैली इन्टरवेंशन द्वारा रूमेनटॉइड आर्थराइटिस वाले रोगियों में मिटोकोनड्राइल इन्टीग्रिटी तथा मिटोकोनड्राइल की बढ़ती संख्या में सुधार: एक रेन्डोमाइज़ड नियंत्रण परीक्षण” 19-20 अक्टूबर के दौरान इन्टनेशनल एसीशिएशन ऑफ योग थैरेपी (आईएवाईटी) द्वारा योग अनुसंधान (एसवाईआर-2020) पर एक वर्चुअल संगोष्ठी; हमारे सामूहिक वर्क अब्सट्रेक्ट एन्टार्रटल हेतु बेस्ट ओरल प्रेजेन्टेशन अवॉर्ड (फस्ट प्राइज़) “रूमेटॉइड आर्थराइटिस में योग अनुमानित इम्यूनोलाजिकल सहनशीलता तथा सेल्यूलर लेबल पर कमी: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण” जीवविज्ञान विभाग में 27-29 फरवरी 2020 के दौरान इन्टनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन नेचुरल प्रोडक्ट एण्ड ह्यूमन हेल्थ (आईसीएनपीएचएच-2020) पर, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा वह स्पेशलिस्ट बोर्ड ऑफ रूमेटोलाजी के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया। वह डीएसटी द्वारा डब्ल्यूओएस-बी के तहत प्राप्त परियोजना के प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए गठित सब्जेक्ज एक्सपर्ट कमेटी की अध्यक्ष चुनी गई थीं, तथा ट्रांसलेशन हेल्थ सांइस तथा टेकनोलॉजी इन्स्टीट्यूड, डीबीटी, जीओआई, के नेशनल बायोफर्मा मिशन फंडिड क्लिनिकल ट्रायल नेटवर्क प्रोजेक्ट हेतु प्रोजेक्ट मोनिटरिंग कमेटी की नामित सदस्य थीं। डॉ. उमा को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जीओआई में विदेश मंत्री द्वारा बधाई दी गई। उन्हें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान उत्सव 2020 (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जीओआई का फ्लेगशिप मेगा सांइस इवेंट) में स्वास्थ्य अनुसंधान निर्वाचिका सभा हेतु राष्ट्रीय समन्वयक नामित किया गया था। इन्हें जीओआई, भारत सरकार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन योजना 2020 (एसटीआईपी 2020) हेतु भी नामित किया गया। डीएम शोध-कार्य का मूल्यांकन, पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़। डॉ. उमा डीएम क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी तथा रूमेटोलॉजी एग्जिट-एग्ज़ाम, पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़ हेतु डीएनबी रूमेटोलॉजी एग्जिट एग्जाम तथा एक्सटर्नल एग्ज़ामिनर थी।

डॉ दानवीर भादू ने ईयूएलएआर-2020 ई-कांग्रेस, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी का ई-बर्सरी पुरस्कार जीता।

डॉ रंजन गुप्ता को एपीएलएआर के युवा रूमेनटोलॉजिस्ट के रूप में सदस्यता प्राप्त हुई।

9.39. शल्य चिकित्सा विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनील चुम्बर

आचार्य

राजिंदर प्रसाद	संदीप अग्रवाल	वी. सीनू
वीरेंदर कुमार बंसल		अनिता धर

अपर आचार्य

हेमांग के. भट्टाचार्जी

सह-आचार्य

असुरी कृष्ण	पीयूष रंजन	मंजूनाथ मारुति पॉल
मोहित जोशी	यशवंत राठौर	कमल कटारिया
	सुहानी	

सहायक आचार्य

ओम प्रकाश

विशिष्टताएँ

शल्यक्रिया चिकित्सा विभाग मिनिमल इनवेसिव, थोरैसिक, वैस्कुलर, रीनल ट्रांसप्लांट, ब्रेस्ट, एंडोक्राइन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, बेरिएट्रिक और सामान्य शल्यक्रिया में शामिल है। विभाग ने कोविड-19 महामारी के दौरान कोविड नामित क्षेत्रों के साथ-साथ गैर-कोविड क्षेत्रों में सेवाएं (शल्यक्रिया संचालन सहित) प्रदान करके अपनी सेवाओं में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। इसने टेलीहेल्थ, टेलीमेडिसिन और टेलीएजुकेशन को शामिल करके बदलते समय के अनुकूल बनाया है। विभाग ने कोविड-19 पॉजिटिव रोगी में तत्काल/अर्ध-जरूरी सर्जरी पर कोविड-19 पर राष्ट्रीय ग्रांड राउंड में भाग लिया, और इस क्षेत्र में शल्यक्रिया हेतु दिशा-निर्देश दिए। विभाग विशेष स्तन कैंसर, बेरिएट्रिक, गुर्दा प्रत्यारोपण और फॉलोअप क्लीनिक संचालित करता है। विभाग ने मुक्त और लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं पर अनुरूपण-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वेट लैब में कई पाठ्यक्रम संचालित किए क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रतिबंधित था। विभाग ने सर्जिकल औजारों के कैंद्रित क्षेत्रों जैसे स्तन, मिनिमल इनवेसिव, बेरिएट्रिक, थोरैसिक सर्जरी में ज्ञान प्रदान करने पर जोर देने के साथ भारत के सर्जनों के संघ के दिल्ली राज्य शाखा का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। हमारे विभाग के संकाय सदस्य विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रमों में सुधार के लिए अनुरूपण-आधारित शिक्षण और कौशल मॉड्यूल के विकास सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। हमारे रेजिडेंट्स और संकाय-सदस्य नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शोध कार्य प्रस्तुत करते रहे हैं, और इसके लिए उन्हें पुरस्कार और प्रशंसा भी मिली है। नवंबर 2020 में

आयोजित सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली राज्य शाखा की सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक आयोजित करने के लिए विभाग को रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। विभाग ने स्तन कैंसर, मोटापा और अब कोविड-19 जैसी बीमारियों के लिए जन जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

शिक्षा

1. स्नातकोत्तर संगोष्ठीः सप्ताह में एक बार
2. एमसीएच मिनिमल एक्सेस एंड जनरल सर्जरी सेमिनारः सप्ताह में एक बार
3. एमसीएच ब्रेस्ट एंडोक्राइन एंड जनरल सर्जरी सेमिनारः सप्ताह में एक बार
4. मृत्यु दर और मृत्यु दर पर चर्चा: प्रत्येक यूनिट में सप्ताह में एक बार।
5. एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी/वार्ड में व्याख्यान, शिक्षण कार्यक्रम।
6. स्नातकोत्तर और एमसीएच रेजिडेंटों, एमबीबीएस छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन।
7. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान
8. बीएससी. ओटी तकनीशियन के लिए व्याख्यान
9. पीजी और एमसीएच छात्रों के लिए एसईटी सुविधा में कौशल आधारित प्रशिक्षण सत्र
10. विभाग द्वारा प्रस्तुत **सीसीआरः**
    कोविड-19 पर नेशनल ग्रैंड राउंडः कोविड-19 पॉजिटिव मरीज में अत्यावश्यक/अर्ध-आवश्यक सर्जरी और सर्जरी के लिए दिशा-निर्देश
    यूनिट I: एन अनयुजुअल टार्गेट इन एन एडल्ट!
    यूनिट II: वन्स इन ए ब्लू मून
    यूनिट III: वेल डॉक्टर, देयर इज नो प्रोब्लम!
    यूनिट IV: कोविडः द गट फीलिंग
11. विभाग द्वारा **सीजीआरः**
    यूनिट I: केयर ऑफ ब्रेस्ट हेल्थः ए जर्नी ओवर 3 डिकेड्स
    यूनिट II: आईटीपी में बहुत कम प्लेटलेट्स में स्प्लेनेक्टोमी, सर्जरी असंभव: 2010 से अब तक का एक दशक का अनुभव।
    (*कोविड-19 महामारी के दौरान, विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों को वर्चुअल/हाइब्रिड मीटिंग के रूप में आयोजित किया जाता है)

सीएमई / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. बुनियादी सर्जिकल प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला; 17 अक्टूबर 2020; एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
2. सर्जिकल स्टेपलर और इलेक्ट्रोसर्जरी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला; 24 अक्टूबर 2020; एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
3. बेसिक लेप्रोस्कोपी कौशल पाठ्यक्रम; 21 नवंबर 2020; एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

4. एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली स्टेट चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन: सर्जिकॉन 2020, 06-08 नवंबर 2020, दिल्ली (वर्चुअल)।
5. बेसिक लेप्रोस्कोपी कौशल पाठ्यक्रम; 05 दिसंबर 2020; एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
6. बेसिक लेप्रोस्कोपी कौशल पाठ्यक्रम; 26 दिसंबर 2020; एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
7. मासिक बैठक, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की दिल्ली स्टेट चैप्टर, 20 फरवरी 2020; वर्चुअल

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

सुनील चुंबर

1. परीक्षक/पैनलिस्ट ब्रैस्ट कैंसर, राइट इलियाक फोसा लम्प, एलएचएमसी सर्जरी क्लिनिकल अपडेट तीसरा संस्करण, 28 जनवरी 2021, वर्चुअल
2. हाइपरथायरायडिज्म का उपचार, सर्जरी अपडेटः मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, 4 फरवरी 2021, दिल्ली

राजिंदर प्रसाद

1. थाइमिक मैलिग्नेंसी का मिनिमली इनवेसिव उपचार - एसआरआई रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा आयोजित थाइमिक मैलिग्नेंसीज में वैट्स और आरएटीएस एप्रोच, थाइमिक मैलिग्नेंसीज में एमआईएस, चेन्नई, 30 अगस्त 2020, वर्चुअल।
2. थाइमेक्टोमी में मिनिमल एक्सेस थाइमस सर्जरी एमआईएस की भूमिका, इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन (आईएईएस), 10 सितंबर 2020, वर्चुअल
3. वेबिनार "डॉक्टर एंड कोविड" के लिए मॉडरेटर, "डॉक्टर एंड कोविड", 18 सितंबर 2020, वर्चुअल
4. वैट्स थाइमेक्टोमी पर वीडियो बेस टॉक, एसईएलएसआई और आईएचएस द्वारा आयोजित संयुक्त राष्ट्रीय सम्मेलन सह लाइव ऑपरेटिव, 30-31 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
5. लैप्रोस्कोपिक हेलर मायोटॉमी पर वीडियो आधारित वार्ता, इंडो-यूके सर्जन 2020, 15-16 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
6. लेप्रोस्कोपिक फंडोप्लीकेशन के सिद्धांत और तकनीक, सर्जिकॉन 2020, 6-8 नवंबर 2020, वर्चुअल
7. हेलर मायोटॉमी में 3डी बनाम 4के, ईएईएस वर्चुअल वीक मीटिंग का पहला संस्करण, 23-26 जून 2020, वर्चुअल
8. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में 3डी बनाम 4के, ईएईएस वर्चुअल वीक मीटिंग का पहला संस्करण, 23-26 जून 2020, वर्चुअल
9. "मायस्थेनिया में थाइमेक्टोमीः विवाद और तकनीकी चुनौतियां", कार्डियोवास्कुलर-थोरेसिक सर्जन (आईएसीटीएस) के भारतीय संघ का 67वां वार्षिक सम्मेलन, 26-28 फरवरी 2021, वर्चुअल
10. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा एंड फ्लेल चेस्टः व्हेन टू इंटरवेन? आईएसटीएसटी कोन-2021 (इंडियन सोसाइटी ऑफ थोरैसिक सर्जन), 13 मार्च 2021, वर्चुअल

वी. सीनू

1. पैपिल्लरी लेशन्स ऑफ ब्रैस्ट, फोकस्ड स्टडीज इन ब्रैस्ट कैंसर, 18 जुलाई 2020, वर्चुअल
2. एक्सिलरी सेंटीनेल नोड बायोप्सी, स्तन कैंसर में केंद्रित अध्ययन, 12 सितंबर 2020, वर्चुअल
3. इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस गाइडेड बनाम पैराथाइरॉइड फंक्शन के पारंपरिक मूल्यांकन के बाद पोस्टऑपरेटिव हाइपोकैल्सीमिया की घटना, टोटल थायरॉइडेक्टॉमी के बाद - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जरी की वार्षिक बैठक, 10 सितंबर 2020, वर्चुअल।
4. ब्रैस्ट ओंकोप्लास्टीः इवोल्युशन और सेमांटिक्स, एएसओएमएसीओएन 2020 (एशियन सोसाइटी ऑफ ऑन्कोलॉजी), 5 दिसंबर 2020, वर्चुअल

संदीप अग्रवाल

1. इज बैरियाट्रिक सर्जरी ए सॉल्युशन टू एनएएफएलडी? ओबेसिटी एंड एनएएफएलडी वेबिनार, 15 अप्रैल 2020, वर्चुअल
2. लॉकडाउन के बाद बैरिएट्रिक पेशेंट की पेरी ऑपरेटिव केयर, कोविड-19 के दौरान बेरिएट्रिक सर्जरी पर वेबिनार, 25 अप्रैल 2020, वर्चुअल
3. मेडिकल राइटिंग का परिचय- एक लेख में एक शोध विचार विकसित करना, इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडो-सर्जन - जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी (आईएजीईएस-जेएमएएस) बेसिक मेडिकल राइटिंग पर कोर्स, 19-20 अगस्त 2020, वर्चुअल।
4. व्हाई डू एडिटर्स रिजेक्ट आर्टिकल्स, बेसिक मेडिकल राइटिंग पर आईएजीईएस- जेएमएएस कोर्स, 19-20 अगस्त 2020, वर्चुअल
5. बैरिएट्रिक सर्जन और बेरिएट्रिक मरीजों के बीच कोविड-19 संक्रमण के जोखिम को कैसे कम करें, इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर सर्जरी ऑफ ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर (आईएफ़एसओ) ने "सामान्य युग के दौरान बेरिएट्रिक सर्जरी को फिर से शुरू करने" पर वेबिनार का संयोजन किया, 28 मई 2020, वर्चुअल।
6. वेट रीगेन मैनेजमेंट - कौन, कैसे और कब?, अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक वेबिनार: इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडो-सर्जन (आईएजीईएस), 25 जून 2020, वर्चुअल।
7. लैप्रोस्कोपिक सरप्राइज-कोर्स करेक्शन, आईएजीईएस वेबिनार, 19 जुलाई 2020, वर्चुअल।
8. आप सभी को बैरिएट्रिक सर्जरी, सर्जिकल एकेडेमिया के बारे में जानने की जरूरत है, 29 सितंबर 2020, वर्चुअल
9. रिफ्लक्स आफ्टर स्लीव - ए एविडेंस बेस्ड एनालिसिस, इंडो-यूके सर्जन 2020, 15-16 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
10. बैरिएट्रिक सर्जरी-स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के वीडियो प्रदर्शन पर पैनल चर्चा, फाल्स अपर जीआई फेलोशिप कोर्स, जनवरी 2021, वर्चुअल
11. रॉक्स-एन-गैस्ट्रिक बाईपास - तकनीक, सर्जिकॉन 2020, 6 नवंबर 2020, 2020, वर्चुअल

12. मेडिकल राइटिंग का परिचय - एक लेख में एक शोध विचार विकसित करना, जेएएसआईकॉन 2020 एएसआई की झारखंड शाखा द्वारा आयोजित, 7-8 नवंबर 2020, वर्चुअल
13. एनएएफएलडी और ओएसएएसएमएएसआईसीओएन 2020 पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव, 22 नवंबर 2020, वर्चुअल
14. स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी और डीजेबी, वर्चुअल बैरिएट्रिक सर्जरी यूनिवर्सिटी वेबिनार, 23 नवंबर 2020, वर्चुअल
15. पैनल चर्चा - सीमांत अल्सर का पता लगाने के लिए एक एनास्टोमोसिस गैस्ट्रिक बाईपास के बाद निगरानी एंडोस्कोपी नियमित होनी चाहिए? 30वां इंटरनेशनल बेरिएट्रिक क्लब (आईबीसी) यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड सर्जरी में हॉट टॉपिक्स, वेबिनार 16 फरवरी 2021, वर्चुअल
16. स्लीव तकनीक और पेरिऑपरेटिव जटिलताओं का उपचार, वर्चुअल बेरिएट्रिक यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर सर्जरी ऑफ ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर (आईएफ़एसओ) वेबिनार, 01 मार्च, 2021, वर्चुअल
17. सर्जरी में लेजन्ड (प्रसिद्ध) - प्रोफेसर एम.सी. मिश्रा के साथ वार्ता, आईएजीईएस - वार्ता में ख्याति प्राप्त व्यक्ति, 22 नवंबर 2020, वर्चुअल
18. पैनल चर्चा में मॉडरेटर - "बेरिएट्रिक सर्जरी फॉर बिगनर्स एसईएलएसआई वेबिनार, 2 जुलाई 2020, वर्चुअल
19. वेट रीगेन को छोड़कर रिवीजनल बेरिएट्रिक सर्जरी, बेरिएट्रिक सर्जरी पर आईएजीईएस कोर्स, 25 फरवरी 2021, वर्चुअल

वीरेंद्र कुमार बंसल

1. इंसीजनल और वेंट्रल वॉल हर्निया के लिए eTEP रिपेयर- आईपीओएम और आईपीओएम +- से परे, जॉइंट आईएचएस और एसआएलएसआई वेबिनार, 14 जून 2020, वर्चुअल
2. मिनिमल एक्सेस एड्रेनल सर्जरी एम्स दो दशकों का अनुभव, एंडोक्राइन सर्जरी पर प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप, 10 सितंबर 2021, वर्चुअल
3. क्या मिनिमली इनवेसिव सर्जरी ओपन सर्जरी से भी खराब है- सर्जरी विभाग, जीएमसीएच, पटियाला, 5 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
4. सामान्य सर्जरी पाठ्यक्रम में मिनिमल एक्सेस सर्जरी में एकीकृत प्रशिक्षण, 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर, वर्चुअल
5. लैप्रोस्कोपिक इंसीजनल हर्निया के लिए eTEP सह आईपीओएम - एवम यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण के आईईएचएस वार्षिक बैठक, 12 दिसंबर 2020, वर्चुअल
6. लैप सीबीडी एक्सप्लोरेशन - पिछले दो दशकों में हमारा अनुभव, प्रो. एस.सी. मिश्रा ओरेशन, केजीएमयू, 13 फरवरी 2021, वर्चुअल
7. बाल चिकित्सा ईएसआरडी में गुर्दे के प्रत्यारोपण की स्थिति, एमएएमसी बाल चिकित्सा सर्जरी अद्यतन, 11 मार्च, 2021, वर्चुअल।
8. स्यूडोसिस्ट के लिए लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, एएमयू सर्जिकल वीक, 6 अप्रैल, 2021, वर्चुअल

हेमंगा के. भट्टाचार्जी

1. कोविड-19 पर एम्स-नेशनल ग्रैंड राउंड, कोविड-19 के दौरान सर्जरी के लिए दिशानिर्देश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 23 सितंबर, 2020, नई दिल्ली।
2. राइट इलियाक फोसा मास, द रीजनल रिफ्रेशर कोर्स, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, 23 सितंबर 2020, वर्चुअल।
3. रेक्टल प्रोलैप्स के लिए उपचार विकल्प, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली स्टेट चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन: सर्जिकॉन-2020, 6-8 नवंबर 2020, वर्चुअल।
4. राइट हेमीकोलेक्टॉमी, स्कोप 2021, सर्जरी क्लिनिकल ओरिएंटेड पोस्ट-ग्रेजुएट परीक्षा, 6-9 जनवरी 2021, वर्चुअल।
5. आपात स्थिति में लैप्रोस्कोपी, सर्जरी अपडेट 2021, सर्जरी में वार्षिक स्नातकोत्तर सीएमई, 2-5 फरवरी 2021, नई दिल्ली।

पीयूष रंजन

1. स्तन कैंसर, सर्जरी में पीजी कक्षाएं, 7 फरवरी 2021, वर्चुअल।
2. क्या जीनोमिक प्रोफाइलिंग पोस्टमेनोपॉज़ल, ईआर-पॉजिटिव, टी 1-2 स्तन में प्रहरी लिम्फनोड बायोप्सी की आवश्यकता को समाप्त कर सकती है, कैंसर, एसएबीसीएस के सर्वश्रेष्ठ, 19 फरवरी 2021, वर्चुअल।
3. क्या हमें ओपन हर्निया सर्जरी के लिए मृत्युलेख लिखना चाहिए- डिबेट, एसीएससीएएन, 23 मार्च 2021, वर्चुअल।
4. डैमेज कंट्रोल सर्जरी, एसीएससीएएन, 23 मार्च 2021, वर्चुअल।

मंजूनाथ मारुति पॉल

1. जज फॉर अवार्ड इंटरएक्टिव पोस्टर सेशन I, दसवां वार्षिक सम्मेलन "ट्रॉमा 2020 वर्चुअल", 3-5 दिसंबर 2020, वर्चुअल।
2. जज फॉर ई-पोस्टर सेशन, सर्जिकॉन 2020 (वर्चुअल प्लेटफॉर्म), 6-8 नवंबर 2020, वर्चुअल।

मोहित जोशी

1. कोविड युग में ऑनलाइन पीजी शिक्षण: माध्यम, सीएमसीएल-एफआरआई पूर्व छात्र क्लब द्वारा कोविड-19, 18 अप्रैल 2020 के दौरान शिक्षण का समर्थन करने के लिए वेबिनार, वर्चुअल
2. ऑनलाइन कक्षाओं में शिक्षार्थियों को शामिल करना, स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा विभाग बीपीकेआईएचएस, धरन, नेपाल, 14 जून, 2020, वर्चुअल।
3. अग्नाशय की चोटें, आईएसटीएसी और एआईटीसीसी द्वारा आयोजित पेट संबंधी उपचार पर वेबिनार, 8 अगस्त 2020, वर्चुअल।
4. वक्ष ट्यूब उपचार में अवधारणा और प्रगति, सर्जिकॉन 2020, 8 नवंबर 2020, वर्चुअल।
5. ऑनलाइन पीजी क्विज, ट्रॉमा 2020 वर्चुअल, 5 दिसंबर 2020, वर्चुअल।
6. नैदानिक मामले की प्रस्तुति के लिए परीक्षक, स्कोप 2021, 7 जनवरी 2021, वर्चुअल।

कमल कटारिया

1. ट्रांसोरल थाईरॉडइक्टोमी, सर्जिकॉन 2020 (दिल्ली स्टेट चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन), 6-8 नवंबर 2020, वर्चुअल।

सुहानी

1. प्रश्नोत्तरी मॉडरेटर, सर्जिकॉन 2020, 12 अप्रैल 2020, वर्चुअल
2. स्नायु (मसल) स्पेरिंग एलडी फ्लैप: मैं यह कैसे करूँ? एसोमैकॉन 2020, 5 दिसंबर 2020, वर्चुअल
3. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर हेतु परीक्षक/पैनलिस्ट, स्कोप 2021, 7 जनवरी 2021, वर्चुअल
4. परीक्षक/पैनलिस्ट स्तन कैंसर, राइट इलियाक फोसा लम्प (गांठ), एलएचएमसी सर्जरी क्लिनिकल अपडेट तीसरा संस्करण, 28 जनवरी 2021, वर्चुअल
5. पहले हस्तक्षेप के रूप में सर्जरी के दौर से गुजर रहे प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर के रोगियों में स्तन-संरक्षण चिकित्सा और मास्टेक्टॉमी के बीच जीवित रहने के अंतर की तुलना करना: यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, बेस्ट ऑफ एसएबीसीएस, 19 फ़रवरी 2021, वर्चुअल
6. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी: मैं यह कैसे करूँ? पाटलिपुत्र एसीएससीओएन (अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स का वार्षिक सम्मेलन: भारतीय चेपटर), 23 मार्च 2021, वर्चुअल।
7. मैं यह कैसे करूँ: मसल स्पैरिंग एलडी फ्लैप: ब्रेस्ट ऑन्कोप्लास्टी में वॉल्यूम रिप्लेसमेंट तकनीक, पाटलिपुत्र एसीएससीओएन (अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स का वार्षिक सम्मेलन: भारतीय अध्याय), 25 मार्च 2021, पटना / ऑनलाइन।

यशवंत सिंह राठौर

1. वंक्षण घावों का उपचार, घाव उपचार पर वर्चुअल सम्मेलन; एम्स ऋषिकेश, 24 अक्टूबर 2020, वर्चुअल।

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची

1. अब्राहम जे., प्रसाद आर., एन. इंट्रेस्टिंग केस ऑफ इंट्रालोबार पल्मोनरी सीक्वेस्ट्रेशन, आईएसटीएसटीसी 2021 (इंडियन सोसाइटी ऑफ थोरैसिक सर्जन), मार्च 2021, वर्चुअल
2. अग्रवाल एच., भट्टाचार्जी एचके., सुहानी, प्रसाद आर, कृपलानी ए, टू-डायमेंशनल (2डी), एंडोविजन सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के), एंडोविजन सिस्टम और थ्री-डायमेंशनल (3डी) पर लर्निंग कर्व की तुलना, मानकीकृत फेंटम कार्यों के लिए एचडी एंडोविज़न सिस्टम: एक एक्स-विवो अध्ययन, सर्जिकॉन 2020 (दिल्ली राज्य शाखा का वार्षिक सम्मेलन - एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया), 07 नवंबर 2020, वर्चुअल
3. अपराजिता, राठौर वाई, चुंबर एस, कैंसिलेशन ऑफ इलेक्टिव सर्जरी: इवैल्यूएशन ऑफ फैक्टर्स रिस्पोंसिबल एंड सॉल्यूशन इम्प्लीमेंटेड, एएसआई वर्चुअल एएसआईसीओएन-2020, 17-19 दिसंबर 2020, वर्चुअल

4. बक्सी ए., जैन एस, अग्रवाल एस., रॉक्स एन वाई गैस्ट्रिक बाईपास के दौरान नासोगैस्ट्रिक ट्यूब का स्टेपलिंग और सेक्शन, आईएफएसओ-ईसी 2020, 11 दिसंबर 2020, वर्चुअल

5. बंसल वीके., बक्सी ए., जैन एम., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., भट्टाचार्जी एचके., मिश्रा एमसी., लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी - एक तृतीयक देखभाल केंद्र से 3000 से अधिक मामलों का दो दशक का अनुभव, आईएचबीपीए, 2020, 27-29 नवंबर, वर्चुअल

6. बंसल वीके., कृष्णा ए., जैन एम., सतही इलेक्ट्रोमोग्राफी (ईएमजी) और प्रशिक्षण के प्रभाव का उपयोग करते हुए लैप्रोस्कोपी के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण, एसएजीईएस 2020, 11-13 अगस्त 2020, वर्चुअल

7. बंसल वीके., कृष्णा ए., जैन एम., प्रजापति ओ., जटिल लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के लिए बेल आउट रणनीतियाँ - तृतीयक देखभाल केंद्र से 3726 मामलों का अनुभव, एसएजीईएस 2020, 11-13 अगस्त 2020, वर्चुअल

8. बंसल वीके., कृष्णा एस., ओम प्रकाश, जैन एम., कुमार एस., मिश्रा एमसी, टीएपीपी बनाम टीईपी: तृतीयक देखभाल केंद्र में लैप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया सर्जरी के 1500 से अधिक मामलों का अनुभव, एसीएस, क्लिनिकल कांग्रेस, 2020, 3-7 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

9. बंसल वीके., कृष्णा एस., ओम प्रकाश, राय एसके., ढल जे, मिश्रा एमसी., टीएपीपी बनाम टीईपी: तृतीयक देखभाल केंद्र में लैप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया सर्जरी के 1500 से अधिक मामलों का अनुभव, 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएसकॉन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

10. बंसल वीके., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., अग्रवाल के., जैन एम., कुमार एस., मिश्रा एमसी., ट्रांसपेरिटोनियल लैप्रोस्कोपिक एड्रेनालेक्टोमी: तृतीयक देखभाल अस्पताल, 13वें सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएससीओएन में 100 से अधिक मामलों का अनुभव, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

11. बंसल वीके., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., जैन एम., मिश्रा एमसी., लार्ज स्क्रोटल हर्नियास: टीईपी या टीएपीपी? 13वां सेल्सीकॉन और 12वां आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

12. चालियादन एस., भट्टाचार्जी एचके., मिश्रा एके., अग्रवाल एच., सुहानी एस., जोशी एम.; प्रसाद आर., अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (4के), थ्री-डाइमेन्शनल (3डी) एचडी और टूडाइमेन्शनल (2डी) एचडी एंडोविज़न सिस्टम की तुलना: एक एक्स-विवो यादृच्छिक अध्ययन, ईएईएस (यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन का वार्षिक सम्मेलन), 24 जून 2020, वर्चुअल

13. दिव्या, बक्सी ए., अग्रवाल एस., "रूक्स-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास में परिवर्तित स्लीव-गैस्ट्रेक्टोमी के बाद, ट्विस्टेड और हर्नियेटेड फंडस का एक दिलचस्प मामला, गंभीर डिस्पैगिया, अत्यधिक वजन घटाने और गंभीर गैस्ट्रोओसोफेगल-रिफ्लक्स के लिए प्रेरित", आईएफएसओ-ईसी-2020, 11 दिसंबर 2020, वर्चुअल

14. गुप्ता ई., सुहानी, प्रसाद आर., जाना एम., माथुर एस., ब्रेस्ट पेन, पैल्पेबल नोडुलरिटी एंड ए पेर्प्लेक्सिंग डायग्नोसिस, एएसआईसीओएन 2020 (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 14 दिसंबर 2020, वर्चुअल

15. गुप्ता ई., सुहानी, प्रसाद आर., जाना एम., माथुर एस., डक्ट एक्टेसिया: आम इकाई की एक असामान्य प्रस्तुति, सर्जिकॉन 2020 (दिल्ली राज्य अध्याय का वार्षिक सम्मेलन- एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया), 7 नवंबर 2020, वर्चुअल

16. गुप्ता के., कटारिया के., श्रीवास्तव ए., धर ए., रंजन पी., अग्रवाल एस., एनआईएफटीपी और एफवीपीटीसी की तुलना, सर्जिकॉन 2020, नवंबर 2020, वर्चुअल

17. गुप्ता के., कटारिया के., श्रीवास्तव ए., धर ए., रंजन पी., अरुलसेल्वी एस., गर्भपात के बाद कोविड-19 से संबंधित पेट में गैंगरीन का मामला। (ई-पोस्टर हेतु प्रथम पुरस्कार), सर्जिकॉन 2020, नवंबर 2020, वर्चुअल

18. गुप्ता के., कटारिया के., श्रीवास्तव ए., धर ए., रंजन पी., शर्मा एमसी., हिपेटोपुलमोनरी हाइडैटिड सिस्ट रोग में ट्रान्सथोरेसिक आईओयूएस: क्षितिज से परे दृष्टि। (ई-पोस्टर हेतु तीसरा पुरस्कार), सर्जिकॉन 2020, नवंबर 2020, वर्चुअल

19. गुप्ता एस., ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टीईपी और टीएपीपी ग्रोइन हर्निया की मरम्मत उपरांत यौन क्रियाओं की तुलना करने हेतु एक थ्री आर्म आरसीटी, एसएजीईएस 2020, 11-13 अगस्त 2020, वर्चुअल

20. जैन एम., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., बंसल वीके., प्रारंभिक परिणामों और लागत प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और आकस्मिक हर्निया के उपचार के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएसकॉन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

21. जैन एम., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., बंसल वीके., व्हिपल प्रक्रिया के बाद गैस्ट्रिक रिक्तता में देरी को रोकना - पैनक्रिटिको के साथ पृथक रॉक्स लूप पुनर्निर्माण - गैस्ट्रोस्टोमी, आईएचबीपाए, 2020, 27-29 नवंबर, वर्चुअल

22. जराह ए. ए., वुथालुरु एस., सादी एच. ए. और अन्य, क्या एक्सिला एएसबीआरएस के सामान्य प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड वाले स्तन कैंसर के रोगियों में सेंटीनेल लिम्फनोड बायोप्सी से बचा जा सकता है 21वीं वार्षिक बैठक। (अमेरिकन सोसायटी ऑफ ब्रेस्ट सर्जन), 29 अप्रैल-3 मई 2020, लास वेगास, यूएसए

23. कौल ए., कुमार ए., बक्सी ए., सिंगला वी., अग्रवाल एस., गुलाटी जी., नारंग आर., कश्यप एल., कैरोटिड इंटिमा पर बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव - औसत दर्जे का मोटाई और हृदय संबंधी जोखिम: एक संभावित अध्ययन के परिणाम, इंडो यूके सर्जिकॉन, 15-16 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

24. खान डब्ल्यूएफ., कृष्णा ए., ओम प्रकाश, जरयाल एके., किशोर डी., भट्टाचार्जी एचके., श्रीनिवास वीबी., बंसल वीके., सतही ईएमजी और प्रशिक्षण के प्रभाव का उपयोग करते हुए लैप्रोस्कोपी के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण, 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

25. कृष्णा ए., बक्सी ए., जैन एम., ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., बंसल वीके., गर्ग पी., मिश्रा एमसी., लैप्रोस्कोपिक सीबीडी अन्वेषण के बाद प्राथमिक समापन - तृतीयक देखभाल केंद्र में 12 वर्षों में 400 से अधिक मामलों का अनुभव, आईएचबीपाए, 2020, 27-29 नवंबर, वर्चुअल
26. कृष्णा ए., बंसल वीके., तृतीयक देखभाल संस्थान से लैप असिस्टेड व्हिपल प्रक्रिया का प्रारंभिक अनुभव, आईएचपीबीए 2020 वर्चुअल, अक्टूबर 2020, वर्चुअल
27. कृष्णा ए., बंसल वीके., प्रजापति ओपी., अग्रवाल ए., जैन एम., कोट्टू एचएस, ट्रांसपेरिटोनियल लैप्रोसोपिक और एब्डॉमिनल पैरागैंग्लिओमास का खुला उच्छेदन - तृतीयक देखभाल अस्पताल में 5 वर्ष का अनुभव, 13वां सेल्सीकॉन और 12वां आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
28. कृष्णा ए., जैन एम., माहेश्वरी पी., ओम प्रकाश, कुमार एस., गर्ग पी., सागर आर., बंसल वीके., सिंगल स्टेज लैप्रोस्कोपिक कॉमन बाइल डक्ट एक्सप्लोरेशन बनाम टू स्टेज इंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंगियोपैंक्रियोग्राफी के बाद जीवन परिणामों की गुणवत्ता, इसके बाद कोलेडोकोलिथियसिस के साथ कोलेलिथियसिस के उपचार में लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी, 13वां सेल्सीकॉन और 12वां आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
29. कृष्णा ए., ओम प्रकाश, बंसल वीके., ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक पूरी तरह से अतिरिक्त पेरिटोनियल (टीईपी) और ग्रोइन हर्निया की ट्रांस एब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टैप) मरम्मत के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए एक थ्री आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, एसएजीईएस 2020, 8 अप्रैल 2020, वर्चुअल
30. कृष्णा ए., ओम प्रकाश, बंसल वीके., जटिल लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के लिए बेल आउट रणनीतियाँ - तृतीयक देखभाल केंद्र से 3095 मामलों का अनुभव, एसएजीईएस 2020, 8 अप्रैल 2020, वर्चुअल
31. कृष्णा ए., ओम प्रकाश, बंसल वीके., सतह ईएमजी और प्रशिक्षण के प्रभाव का उपयोग करते हुए लैप्रोस्कोपी के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण, एसएजीईएस 2020, 8 अप्रैल 2020, वर्चुअल
32. कृष्णा ए., जैन एम., ओम प्रकाश, कुमार एस., बंसल वीके., भट्टाचार्जी एचके., मिश्रा एमसी., जयराज पी., तृतीयक देखभाल केंद्र में हाइडैटिड रोग के लैप्रोस्कोपिक उपचार का 13 वर्ष का अनुभव, आईएचबीपाए, 2020, 27-29 नवंबर, वर्चुअल
33. कुमार ए., बक्सी ए., यादवल्ली एसडी., अग्रवाल एस., बेरिएट्रिक सर्जरी के दौरान योजना के अंतःक्रियात्मक परिवर्तन की आवश्यकता वाले आकस्मिक जेजुनल घाव: एक वीडियो केस रिपोर्ट: एक वीडियो केस रिपोर्ट, एएसआईसीओएन, 2020, 17-19 दिसंबर, 2020, वर्चुअल
34. कुमार ए., प्रसाद आर., थाइमोमा के रोगियों में न्यूनतम एक्सेस थाइमेक्टोमी के बाद के परिणाम। आईएसटीएसटी कॉन-2021 (इंडियन सोसाइटी ऑफ थोरैसिक सर्जन), मार्च 2021, वर्चुअल
35. कुमार ए., प्रसाद आर., डायाफ्रामिक इवेंट्रेशन हेतु रोबोटिक प्लीकेशन, आईएसटीएसटीकॉन 2021 (इंडियन सोसाइटी ऑफ थोरैसिक सर्जन), मार्च 2021, वर्चुअल

36. मोइन, राठौर वाई., चुंबर एस., असंभव में शल्यक्रिया: बहुत गंभीर थ्रोम्बोसाइटोपेनिया वेले आईटीपी में स्प्लेनेक्टोमी (ओपन और लैप्रोस्कोपी) (प्लेटलेट संख्या <10000/सीयूएमएम से कम), एएसआई वर्चुअल एएसआईसीओएन, 17-19 दिसंबर 2020, वर्चुअल

37. ओम प्रकाश, जैन एम., बंसल वीके., कृष्णा ए., कुमार एस., मिश्रा एमसी., जटिल ग्रोइन हर्निया रोगी की टीएपीपी मरम्मत के साथ तुलना - एक दशक से अधिक का हमारा अनुभव, 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएसकॉन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

38. ओम प्रकाश, कृष्णा ए., बंसल वीके., लैप्रोस्कोपिक सीबीडी अन्वेषण के बाद प्राथमिक समापन - तृतीयक देखभाल केंद्र में 12 वर्षों में 400 से अधिक मामलों का अनुभव, आईएचपीबीए 2020 वर्चुअल, अक्टूबर 2020, वर्चुअल

39. ओम प्रकाश, कृष्णा ए., कुमार एस., बंसल वीके., जैन एम., बख्शी ए., गर्ग पी., खान डब्ल्यूएफ, गर्ग पी., तृतीयक देखभाल संस्थान से लैप असिस्टेड व्हिपल की प्रक्रिया का प्रारंभिक अनुभव, आईएचबीपीए, 2020, 27-29 नवंबर, वर्चुअल

40. ओम प्रकाश, प्रशांत जे., कृष्णा ए., बंसल वीके., गर्ग पी., जगन्नाथ एस., पित्त अग्नाशयशोथ बनाम जटिल पित्त पथरी रोग के लिए लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी प्रक्रियाधीन रोगियों में परिणामों की तुलना, 13वां सेल्सीकॉन और 12वां आईएचएससीओएन, 30 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

41. प्रसन्ना आर.ए., अग्रवाल एस., कुमार आर., सिंह पी., मोटे व्यक्तियों में मूत्र असंयम पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का अध्ययन करना, एएसआईकॉन, 2020, 17-19 दिसंबर 2020, वर्चुअल

42. प्रसन्ना आर.ए., अग्रवाल एस., कुमार आर., सिंह पी., मोटे व्यक्तियों में मूत्र असंयम पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का अध्ययन करना, इंडो यूके सर्जिकॉन, 15-16 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

43. राठौर वाई., चुंबर एस., प्रताप बी., आकस्मिक कार्सिनोमा पित्ताशय: जोखिम कारक और अस्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक - एक तृतीयक देखभाल संस्थान का अनुभव, ईएईएस वर्चुअल सम्मेलन में ई-पोस्टर, 23-26 जून 2020, वर्चुअल

44. राठौर वाई., जोशी जी., बहुत कम प्लेटलेट्स में स्प्लेनेक्टोमी, ई-वीडियो, वर्चुअल सम्मेलन में ईएईएस, 23-26 जून 2020, वर्चुअल

45. रविथी, धर ए., शर्मा एस., गुलाथी जी., श्रीवास्तव ए., ट्रॉमा 2020 में आघात के बाद दुर्लभ स्यूडोएन्यूरिज्म की गाथा, 05 दिसंबर 2020, वर्चुअल

46. ऋत्विक, राठौर वाई., चुंबर एस., आईटीपी में स्प्लेनेक्टोमी: एक दशक का अनुभव, एएसआई वर्चुअल एएसआईकॉन, 17-19 दिसंबर 2020, वर्चुअल

47. सिंह डी., अग्रवाल एस., भांबरी ए., गैस्ट्रिक बाईपास में बाउल वॉक का महत्व, आईएफएसओ-ईसी 2020, 11 दिसंबर 2020, वर्चुअल

48. सिंह डी., अग्रवाल एस., कश्यप एल., शिंदे डी., आहूजा वी., शालीमार, राकेश, अस्वस्थ मोटापे हेतु लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के दौरान एंट्रल रिसेक्शन बनाम एंट्रल संरक्षण की तुलना करने के लिए एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रण अध्ययन, सर्जिकॉन 2020, 6 नवंबर 2020, वर्चुअल

49. सिंह डी., अग्रवाल एस., व्यास एस., कुमार आर., एक संभावित रैंडमाइज्ड कंट्रोल स्टडी टू कम्पेयर एंट्रल रिसेक्शन वर्सेज एंट्रल प्रिजर्वेशन ड्यूरिंग लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी फॉर मॉर्बिडली ओबेस, इंडो यूके, सर्जिकॉन, 15-16 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

50. सिंह डी., किरीट ए., अग्रवाल ए., मल्होत्रा एन., गनी ए., पीसीओएस पर बेरिएट्रिक सर्जरी का महत्व, वर्ल्ड कॉग्रेस ऑफ यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एंडोस्कोपिक सर्जरी ईएईएस, 24 जून 2020, वर्चुअल

51. सुहानी, भार्गव पी., प्रसाद आर., भट्टाचार्जी एचके., मनचंदा एस., माथुर एस., स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल परिणाम: एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन, वर्चुअल एएसआईकॉन 2020 (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 18 दिसंबर 2020, वर्चुअल

52. सुहानी, शफ़नीद सीएच., सिंह एम., नितिन, कोर नीडल बायोप्सी सिखाने हेतु एक अभिनव लो फिडेलिटी मैनिकिन: वर्चुअल एएसआईकॉन 2020 (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 16 दिसंबर 2020, वर्चुअल

53. तोशिब ए., सुहानी, प्रसाद आर., भट्टाचार्जी एचके., ए. गोयल, आर. शर्मा, ए. सराय, एमए. खान, कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, एएसआईकॉन 2020 (एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 16 दिसंबर 2020, वर्चुअल

54. तोशिब ए., सुहानी, प्रसाद आर., भट्टाचार्जी एचके., गोयल ए., शर्मा आर., सरया ए., खान एमए., लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी का प्रभाव गैस्ट्रो-आंत्र विशिष्ट जीवन की गुणवत्ता - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन, सर्जिकॉन 2020 (दिल्ली राज्य शाखा - एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 07 नवंबर 2020, वर्चुअल

55. वेणुगोपाल आर., धर ए., श्रीवास्तव ए., कूसिक पी., कटारिया के., रंजन पी., क्रोनिक डायबिटिक फुट अल्सर वाले पीएडी में घाव भरने पर पीआरपी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जिकॉन 2020, 07 नवंबर 2020, वर्चुअल

56. वुथालुरु एस., चौधरी डीपी., साहा एस., श्रीवास्तव ए., पारंपरिक स्तन संरक्षण सर्जरी और ऑन्कोप्लास्टिक स्तन सर्जरी के बाद स्थानीय पुनरावृत्ति और सौंदर्य प्रसाधन संबंधी घटनाओं का मूल्यांकन: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एब्स्ट्रैक्ट आईडी: 787170, एएसबीआरएस 21वीं वार्षिक बैठक, (अमेरिकन सोसायटी ऑफ ब्रेस्ट सर्जन), 29 अप्रैल-3 मई 2020, लास वेगास, यूएसए।

57. वुथालुरु एस., श्रीवास्तव ए., सीनू वी., स्तन कैंसर में सेंटिनल नोड के मूल्यांकन में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन, एब्स्ट्रैक्ट आईडी: 787778, एएसबीआरएस 21वीं वार्षिक बैठक (अमेरिकन सोसायटी ऑफ ब्रेस्ट सर्जन), 29 अप्रैल-3 मई 2020, लास वेगास, यूएसए।

58. यादव एस., चुंबर एस., राठौर वाई., एसटीएन में अंतिम हिस्टोपैथोलॉजी के साथ थायरॉइड इमेजिंग और डेटा सिस्टम (टीआईआरएडीएस) और बेथेडा सिस्टम की सहमति का अध्ययन करना, एएसआई वर्चुअल एएसआईकॉन, 17-19 दिसंबर 2020, वर्चुअल

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ब्यूर्जर रोग के कारण गंभीर अंग इस्किमिया वाले मरीजों में स्टैम्प्यूसेल® एक लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टीसेंट्रिक चरण III अध्ययन, स्वीकृत उत्पाद की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करना, अनीता धर, स्टीम्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 4 साल, दिसंबर 2018-दिसंबर 2022, 33,075 रूपये।
2. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत (मौखिक, मल और पित्त) माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, असुरी कृष्णा, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
3. महाधमनी के एंडोवस्कुलर उभार के लिए एओरोप्लास्टी बैलून कैथेटर की व्यवहार्यता की जाँच करना, मोहित जोशी, एम्स (अन्तर्संस्थानिक शोध अनुदान), 1 वर्ष, 2020-2021 (जारी), 75,000 रूपये।
4. नॉनपैल्पेबल ब्रेस्ट कैंसर के उपचार में वायर-गाइडेड लम्पेक्टोमी बनाम सोनोग्राफिक हेमेटोमा गाइडेड लम्पेक्टोमी की तुलना(अन्तर्संस्थानिक परियोजना), कमल कटारिया, रिसर्च सेक्शन, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
5. रिकैल्सिट्रन्ट मेस्तेल्जिया में पूर्ण एस्ट्रोजेन संरोध, एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, सुहानी, अन्तर्संस्थानिक शोध अनुदान, 2 साल, 2019-2021, 5 लाख रुपये।
6. स्तन तपेदिक (स्तन टीबी) के निदान के लिए एप्टामर आधारित जांच का विकास, (एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजना)।, कमल कटारिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स और टीएचएसटीआई फरीदाबाद, 2 वर्ष, 2019 (नवंबर), 20 लाख रूपये।
7. बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने के कारकों की पहचान-परिणामों में सुधार और वजन बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, संदीप अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 साल, 30 मार्च 2021-29 मार्च 2024, लगभग 70 लाख।
8. लेप्रोस्कोपिक या एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक जल निकासी के बाद तीव्र अग्नाशयशोथ, द्रव संग्रह और कार्यात्मक परिणामों की पुनरावृत्ति के संदर्भ में अग्न्याशय के वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस/स्यूडोसिस्ट के साथ रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम, ओम प्रकाश, संस्थान अनुसंधान अनुदान।, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
9. होमिंग पेप्टाइड्स और प्लास्मोनिक फोटोथर्मल तकनीक का उपयोग करके ठोस ट्यूमर लक्ष्यीकरण", पीयूष रंजन, डीबीटी, 3 साल (विस्तारित), 2018-2021, 2.72 करोड़ रुपये।

10. नियो एडजंक्ट कीमोथेरेपी के साथ सहायक चिकित्सा के रूप में स्तन कैंसर पर महर्षि अमृत कलश की प्रभावशीलता का अध्ययन: एक खुला यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, अनीता धर, महर्षि आयुर्वेद निगम लिमिटेड, 3 वर्ष, 2018-2021, छूट प्राप्त।
11. गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा के रोगियों में गट माइक्रोबायोम का अध्ययन-एम्स अनुसंधान अनुदान के तहत अन्तर्संस्थानिक परियोजना, असुरी कृष्णा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2, 2019-2021, 10 लाख।
12. लैप्रोस्कोपिक, ओपन सर्जरी और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाधीन सार्सकोव-2 पॉजिटिव/संदिग्ध रोगियों में शरीर के विभिन्न तरल पदार्थों में सार्स-कोव-2 की उपस्थिति का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, असुरी कृष्णा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, 1 लाख।
13. गुर्दे के एलोग्राफ्ट रोगियों में एफ़ओएक्सपी3, ओएक्स 40, पीडी1, और टीआईएम-3 के पैटर्न और गुर्दे की चोट के जोखिम के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना, मंजूनाथ मारुति पोल, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख।
14. ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन (टीएम) कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव को कम करने और स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों की प्रतिरक्षा बढ़ाने हेतु: एक यादृच्छिक परीक्षण (हल्दी परीक्षण), हेमंगा के भट्टाचार्जी, सत्यम, डीएसटी, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2021-2022, 14,74,184 रुपये।

पूर्ण

1. एथेरोस्क्लोरोटिक पेरिफेरल धमनी रोग के कारण गंभीर अंग इस्किमिया वाले मरीजों में स्वीकृत उत्पाद स्टेम्प्युसेल® की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टीसेंट्रिक चरण III अध्ययन, अनीता धर, स्टेम्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2019-2020, 22050 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तीव्र अग्नाशयशोथ के बाद वॉल्ड ऑफ नेक्रोसिस के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम एंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना करने वाला एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
2. सरफेस ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद आकस्मिक हर्निया वाले रोगियों में पेट की दीवार की गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
3. पारंपरिक प्रणालीगत कीमोथेरेपी बनाम मौखिक मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी के उपयोग का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, और आगामी कीमोथेरेपी के बाद स्तन संरक्षण सर्जरी हेतु उत्तरदायी रोगियों पर एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
4. वेंट्रल हर्निया की लैप्रोस्कोपिक मरम्मत के दौरान पेनेट्रेटिंग फिक्सेशन डिवाइस वर्सेस फाइब्रिन सीलेंट के साथ मेश फिक्सेशन की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
5. पूर्ण सर्दी-जुकाम चिकित्सा बनाम पूर्ण सर्दी-जुकाम चिकित्सा और हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब प्लेसमेंट की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और स्तन

कैंसर में एएलएनडी के बाद ऊपरी अंग लिम्फेडेमा में आईसीजी द्वारा उनकी दीर्घकालिक स्पष्टता का पता लगाना।

6. हल्के थायरॉयड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो ब्रेस्ट दृष्टिकोण की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
7. फ्लोरेसिन स्पेक्ट्रोमेट्री, इंडोसायनिन ग्रीन इमेजिंग, रमन स्पेक्ट्रोमेट्री और डॉपलर फ्लोमेट्री विश्लेषण का एक अध्ययन जो स्तन के घातक और हल्के घावों की तुलना करता है।
8. कुंद यकृत आघात वाले रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमानकर्ताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
9. स्तन कैंसर में संभावित बायोमार्कर के रूप में गामा सिन्यूक्लिन की भूमिका का पता लगाने के लिए एक अध्ययन।
10. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोगसूचक और भविष्य कहनेवाला कारकों के साथ इसके संबंध को मापने हेतु एक अध्ययन।
11. फाइलोड्स ट्यूमर के निदान में पैडिंगटन स्कोर के एम्स संशोधन की सटीकता को मान्य करने हेतु एक अध्ययन, इसके बाद फीलोड्स ट्यूमर में 1सीएम बनाम 2सीएम रिसेक्शन मार्जिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
12. वजन घटाने की सर्जरी वाले रोगियों में मैटोबोलिक (चयापचय) लचीलेपन से संबंधित जीन का विश्लेषण।
13. दिल्ली के महानगर में साक्षर महिलाओं के बीच स्तन कैंसर जागरूकता और स्तन आत्म-परीक्षा के मौजूदा ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं पर एक वर्चुअल मंच पर प्रशासित एक वीडियो-आधारित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन:एक अर्ध-प्रयोगात्मक समुदाय आधारित परस्पर अंतःक्रिया अध्ययन।
14. विभिन्न इलेक्ट्रोसर्जिकल उपकरणों के उपयोग से जुड़े पार्श्व थर्मल फैलाव और ऊतक क्षति का आकलन।
15. 3डी एचडी और 4के एचडी एंडोविज़न सिस्टम पर 2डी एचडी एंडोविज़न सिस्टम में अर्जित कौशल का हस्तांतरणीयता संबंधी आकलन: एक एक्सविवो अध्ययन।
16. मिनिमल एक्सेस सर्जनों के बीच कार्यभार और मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का आकलन।
17. स्तन कैंसर के रोगी में टी लिम्फोसाइटों के विभिन्न उपसमुच्चय की समतुल्य संबंध के साथ उपचार के विभिन्न तौर-तरीकों का मेल और उनके नैदानिक परिणाम।
18. मोटे लोगों में वजन घटाने के लिए बैंडेड और नॉन-बैंडेड लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बीच तुलना। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
19. पेट की दीवार के चीरों को बंद करने के लिए निरंतर-निकट दूर-दूर बाधित दोहरे 'एक्स' सिवनी के शुरुआती परिणामों की तुलना: डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
20. प्रारंभिक परिणामों और लागत प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और आकस्मिक हर्निया के प्रबंधन के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. गंभीर मोटापे से ग्रस्त लोगों में एंट्रल प्रिजर्विंग और एंट्रल रिसेक्टिंग लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद गैस्ट्रोओसोफेगल रिफ्लक्स की तुलना: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
22. ऑपरेशनल स्तन कैंसर वाली महिलाओं में सेंटीनल लिम्फनोड डिटेक्शन के लिए इंडोसाइन ग्रीन बनाम फ्लोरोसीन की पहचान दर और लागत प्रभावशीलता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
23. सामान्य सर्जन के बीच इंट्राऑपरेटिव सतह इलेक्ट्रोमोग्राफी और मस्कुलोस्केलेटल डिसफंक्शन के सर्वेक्षण का उपयोग करते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान विशेषज्ञ और नवदीक्षित (अनुभव रहित) सर्जन द्वारा मांसपेशियों की गतिविधि और थकान की तुलना।
24. 2.5 बनाम 5 सेमी लंबाई के साथ स्तन वाहिनी छांटने वाले रक्त से संबंधित निप्पल निर्वहन के रोगियों में प्रतिवेदित परिणामों की तुलना। एक यादृच्छिक नियंत्रित खोजी अध्ययन।
25. जीवन की गुणवत्ता और ऑटोलॉगस फैट ग्राफ्टिंग के साथ स्किन स्पैरिंग मास्टेक्टॉमी के ऑन्कोलॉजिकल परिणामों की तुलना सिलिकॉन इम्प्लांट के साथ स्किन स्पैरिंग मास्टेक्टॉमी बनाम प्रारंभिक स्तन कैंसर वाली महिलाओं में ब्रेस्ट कंजर्वेटिव थेरेपी: एक यादृच्छिक तुलना।
26. एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी और पारंपरिक ओपन थायरॉयड सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता की तुलना।
27. प्रारंभिक स्तन कैंसर के रोगियों में सिलिकॉन इम्प्लांट पुनर्निर्माण बनाम स्तन संबंधी कंजर्वेटिव थेरेपी के साथ ऑटोलॉगस वसा ग्राफ्टिंग बनाम स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी का उपयोग करके कुल स्तन पुनर्निर्माण वाली जीवन की गुणवत्ता, सौंदर्यवर्धन और ऑन्कोलॉजिकल परिणामों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
28. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में गर्भनाल (नाभि सम्बन्धी) स्वच्छता की भूमिका को परिभाषित करें।
29. स्तन तपेदिक (स्तन टीबी) के निदान के लिए अपटैमर-आधारित ऐसे का विकास।
30. पेट और इंडिनोस्क्रोटल क्षेत्र के चिह्न और लक्षणों वाले रोगियों में नैदानिक अध्ययन मूल्यांकन।
31. मध्यम और गंभीर तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ में प्रारंभिक बनाम विलंबित लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएलसीएपी परीक्षण)।
32. लैप्रोस्कोपिक इंसीजनल और वेंट्रल हर्निया की मरम्मत के दौर से गुजर रहे मरीजों में जीवन की गुणवत्ता पर योग थेरेपी का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
33. गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस गड़बड़ी-एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
34. स्तन कैंसर में सेंटीनल लिम्फनोड बायोप्सी के लिए दोहरी डाई तकनीक का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेवल समानांतर डिजाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
35. रैसिस्ट से परसिस्ट तक: विकासशील विचार स्तन कैंसर में पालतू प्रतिक्रिया मानदंड के लिए।
36. सौम्य पुलमोनरी और प्लेउरल रोगों हेतु वक्ष शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन।

37. हेमोडायलिसिस के लिए आर्टेरीओवेनस फिस्टुला के निर्माण के दौरान उपयोग किए जाने वाले 2 मिमी या उससे कम कैलिबर की नसों हेतु हाइड्रोस्टैटिक डिलेटेशन प्लस बैलून एंजियोप्लास्टी बनाम हाइड्रोस्टैटिक डिलेटेशन प्लस मेलीएबल वैस्क्यूलर डिलेटर। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

38. इलनेस वेलनेस स्केल: वैश्विक महामारी के दौरान गैर-कोविड सर्जिकल रोगियों के प्रदर्शन की स्थिति का आकलन करने के लिए एक नई ग्रेडिंग प्रणाली।

39. मोटापे के लिए लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी प्रक्रिया वाले मरीजों में गर्ड क्यू स्कोर पर सहवर्ती हिटाल हर्निया मरम्मत का प्रभाव: एक संभावित ओब्सेर्वेशनल अध्ययन।

40. प्रशिक्षण में सर्जनों के बीच तीव्र और चिरकालिक तनाव पर ट्रांसडेंटल मेडिटेशन™ का प्रभाव: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

41. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद दर्द प्रबंधन में सुधार: एक यादृच्छिक गुणवत्ता सुधार अध्ययन।

42. लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद स्थूल रोगियों में बैरेट एसोफैगस की घटना।

43. इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस गाइडेड वी/एस पैराथाइरॉइड फंक्शन के पारंपरिक आकलन के बाद टोटल थायराइडेक्टोमी के बाद पोस्टऑपरेटिव और लॉन्ग टर्म हाइपोकैल्सीमिया की घटना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

44. समग्र रोग-मुक्त अस्तित्व और स्थानीय पुनरावृत्ति (स्तन कैंसर रोगियों के सर्जिकल ऑडिट के 2 दशक) के संदर्भ में स्तन कैंसर के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम।

45. मल्टी-मॉडल ऑटोफ्लोरेसेंस, फ्लोरोसेंस, पोलराइजेशन, माइक्रोएंडोस्कोपी और स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित स्तन के सामान्य कैंसर का पता लगाना।

46. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी: एक पायलट अध्ययन।

47. गैर-थाइमोमेटस मायस्थेनिया ग्रेविस में न्यूनतम इनवेसिव थाइमेक्टोमी के बाद न्यूरोलॉजिकल परिणाम।

48. ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास (मिनी गैस्ट्रिक बाईपास) बनाम रॉक्स-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास मोटापे से ग्रस्त लोगों में टाइप-2 मधुमेह मेलेटस का समाधान: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

49. आपातकालीन मिडलाइन लैपरोटॉमी में पॉली 4 हाइड्रॉक्सी ब्यूटायरेट सिवनी का उपयोग करके पेट की दीवार के बंद होने का परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

50. आपातकालीन मिडलाइन लैपरोटॉमी में मोनोमैक्स (पॉली 4 हाइड्रॉक्सी ब्यूटायरेट) सिवनी का उपयोग करके पेट की दीवार को बंद करने उपरांत परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

51. जीईआरडी के लक्षणों के समाधान के संदर्भ में हाइटल हर्निया की मरम्मत के साथ या बिना लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के परिणाम।

52. रोगी ने लैप्रोस्कोपिक हेलर के मायोटॉमी और उसके ऐक्सेन्चूएशन के कोण के बाद अचलसिया कार्डिया के परिणाम के उपायों और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन की सूचना दी।

53. क्लास-I के मोटापे में वजन घटाने के लिए बाएं गैस्ट्रिक आर्टेरी एम्बोलिज़ेशन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए संभावित ओपन लेवल नैदानिक परीक्षण।
54. जीवन की गुणवत्ता और आईपीओएम और आईपीओएम प्लस में छोटे और मध्यम आकार के उदर हर्निया में सर्जिकल परिणाम: आरसीटी।
55. सामान्य सर्जनों के बीच मस्कुलोस्केलेटल डिसफंक्शन का प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण और सरफेस इलेक्ट्रोमोग्राफी का उपयोग करते हुए लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान विशेषज्ञ और नौसिखिए सर्जनों के बीच मांसपेशियों की गतिविधि और थकान की तुलना।
56. हेलर कार्डियोमायोटॉमी से गुजरने वाले अकेलेसिया कार्डिया के रोगियों में एक एंटी रिफ्लक्स प्रक्रिया के रूप में उनके उच्चारण बनाम टौपेट फंडोप्लिकेशन के कोण की तुलना यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
57. स्तन कैंसर के रोगियों के भीतर नवजात रसायन चिकित्सा के बाद स्तन कैंसर के स्थानीयकरण के लिए सिलिकॉन ट्यूब टिप के साथ स्टेनलेस स्टील क्लिप की तुलना यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। एक नॉन इन्फिरीऑरिटी अध्ययन।
58. लैप्रोस्कोपिक और ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम: एक महत्वाकांक्षी तुलनात्मक अध्ययन।
59. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में पोर्ट साइट की जटिलताओं को कम करने हेतु मानकीकृत गर्भनाल स्वच्छता - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
60. प्रशिक्षित रेसिडेंट्स द्वारा की जाने वाली गैस्ट्रो आंत की सर्जरी में स्टेपल बनाम समवर्ती स्टेपल और हैंड्सवेन एनास्टोमोसिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
61. पित्ताशय के कैंसर और कोलेलिथियसिस के रोगियों में भारी धातुओं और ट्रेस तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, और निकल, सेलेनियम, जस्ता, तांबा, सीसा, पारा, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन।
62. गर्दन के ट्रॉमा (आघात) में थायराइड की महामारी विज्ञान का अध्ययन।
63. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की कठिनाई को ग्रेड करने हेतु एक उद्देश्य अंकन प्रणाली विकसित करने के लिए अध्ययन।
64. हाई ग्रेड ब्लंट लीवर ट्रॉमा में परिणाम के पूर्वानुमानकर्ताओं के मूल्यांकन का अध्ययन।
65. पिछले एक दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के गुर्दे प्रत्यारोपण डेटा का सर्जिकल ऑडिट।
66. वैकल्पिक और आपातकालीन सर्जरी में इलियोस्टॉमी और कोलोस्टॉमी उपरांत सर्जिकल परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
67. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी उपरांत स्पर्शोन्मुख पित्त पथरी के रोगियों में रोगसूचक परिणाम।
68. दूरसंचार: कोविड-19 महामारी के दौरान प्रारंभिक परिचालन अनुवर्ती कार्रवाई हेतु एक प्रभावी उपकरण।
69. वेध पेरिटोनिटिस सर्जरी के बाद तीव्र गुर्दे की चोट का शीघ्र पता लगाने हेतु डॉपलर अल्ट्रासाउंड रीनल रेसिस्टिव इंडेक्स और सेमीक्वांटिटेटिव पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड।
70. उदर हर्निया में लैप्रोस्कोपिक मानकीकृत लैप्रोस्कोपिक मेश मरम्मत की लागत प्रभावशीलता का आकलन करना।

71. छोटे और मध्यम वेंट्रल मिडलाइन हर्निया में मानकीकृत लैप्रोस्कोपिक मेश मरम्मत के दौर से गुजर रहे रोगियों में कार्यात्मक परिणामों का आकलन करना।

72. सबसे अच्छा गैर-आक्रामक मार्कर या उनके संयोजन का निर्धारण करने हेतु, यकृत बायोप्सी के साथ सबसे अधिक सहसंबंधित करना और बैरियाट्रिक सर्जरी से गुजर रहे गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग वाले बीमारग्रस्त मोटे रोगियों में फाइब्रोसिस की सीमा।

73. गैर-आक्रामक जांच का निर्धारण करने हेतु जो बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले बीमारग्रस्त मोटे रोगियों में फाइब्रोसिस की सीमा तक यकृत बायोप्सी से संबंधित है।

74. नैदानिक रूप से नकारात्मक एक्सिला वाले प्रारंभिक प्रचालनीय स्तन कैंसर के रोगियों में एक्सिला के उपचार के लिए एक एल्गोरिथम स्थापित करना।

75. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में ग्रेड-III और IV दर्दनाक अग्नाशय की चोटों के गैर-संचालन प्रबंधन के बाद रोगियों के परिणाम और अग्न्याशय की संरचनात्मक स्थिति का मूल्यांकन करना।

76. सौम्य स्तन रोग से पीड़ित रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम रिकॉर्ड करना: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

77. कोविड-19 महामारी काल में आपातकालीन पेट की सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों की मृत्यु दर और रुग्णता की समीक्षा करना।

78. लैप्रोस्कोपिक इंग्विनल (वंक्षण) सुधार की जटिलताओं का अध्ययन।

79. लेप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया रिपेयर वाले मरीजों में विजुअल एनालॉग स्कोर का उपयोग करते हुए पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द मापन वाले मात्रात्मक संवेदी परीक्षण का उपयोग करके मापे गए प्री-ऑपरेटिव पेन थ्रेसहोल्ड के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना - एक केस नियंत्रण अध्ययन।

80. लैप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया रिपेयर वाले मरीजों में विजुअल एनालॉग स्कोर का उपयोग करके पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द मापन वाले मात्रात्मक संवेदी परीक्षण का उपयोग करके मापे गए प्री-ऑपरेटिव पेन थ्रेसहोल्ड के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना - एक केस नियंत्रण अध्ययन।

81. आर्टेरिओवेनस फिस्टुला सर्जरी के परिणाम पर हैंडग्रिप व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करना। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

82. पित्ताशय की थैली की दीवार की मोटाई या पित्त पथरी रोग से जुड़े पॉलीप वाले रोगियों में कट्टरपंथी सर्जरी से बचने के लिए प्री-ऑपरेटिव यूएसजी निर्देशित एफएनएसी की उपयोगिता का अध्ययन करना।

83. वैरिकाज़ नसों वाले रोगियों के प्रबंधन में शिरापरक डॉपलर अध्ययन के साथ सावधानीपूर्वक नैदानिक परीक्षा का सत्यापन।

पूर्ण

1. रोगग्रस्त मोटापे के लिए लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के दौरान एंट्रल रिसेक्शन बनाम एंट्रल प्रिजर्वेशन की तुलना करने हेतु एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

2. हल्के थायराइड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो ब्रेस्ट अप्रोच की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

3. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत माइक्रोबायोम का एक अध्ययन।
4. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में चोट के खतरनाक तंत्र वाले रोगियों में सीईसीटी टोर्सो के नियमित उपयोग को मान्य करने हेतु एक अध्ययन।
5. ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया की मरम्मत उपरांत यौन क्रियाओं की तुलना करने हेतु एक थ्री आर्म यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
6. कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद के लक्षणों का आकलन और जीवन मूल्यांकन की गुणवत्ता: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।
7. 3डी एचडी और 4के एंडोविजन सिस्टम पर हासिल किए गए कौशल का 2डी एंडोविजन सिस्टम में हस्तांतरणीयता का आकलन: एक एक्स-विवो अध्ययन।
8. लाइव रिलेटेड रीनल ट्रांसप्लांटेशन के दौरान समय पूर्व ग्राफ्ट फंक्शन पर इंट्राऑपरेटिव फ्लुइड थेरेपी के विभिन्न दरों की तुलना।
9. मानकीकृत फेंटम कार्यों के लिए टू-डाइमेन्श्नल (2डी) एंडोविज़न सिस्टम, अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोविज़न सिस्टम और थ्री-डाइमेन्श्नल (3डी) एचडी एंडोविज़न सिस्टम पर सीखने की अवस्था की तुलना: एक एक्स-विवो अध्ययन।
10. सुपरफिशियल लिपोमा के उपचार में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी (गैर-ऑपरेटिव) की तुलना।
11. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में सूजन मार्करों और पेरीओपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, तुलनात्मक अध्ययन।
12. एक स्तर-I ट्रॉमा सेंटर में महामारी विज्ञान और ट्रॉमा रोगियों में मृत्यु दर के भविष्यवाणियों का विश्लेषण।
13. लैप्रोस्कोपी और प्रशिक्षण के प्रभाव के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि का एर्गोनोमिक विश्लेषण।
14. सामान्य थोरैसिक सर्जरी में सर्जरी प्रोटोकॉल के बाद बढ़े हुए सुधार की व्यवहार्यता: संभावित कोहोर्ट अध्ययन"
15. प्राथमिक हाइपर पैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में नैदानिक और जैव रासायनिक परिणामों के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव निष्कर्षों के सहसंबंध का मूल्यांकन करने हेतु अनुवर्ती अध्ययन।
16. थायरॉइड सर्जरी के दौरान पैराथाइरॉइड ग्रंथि के छिड़काव की पहचान करने और उसका आकलन करने हेतु आईसीजी फ्लूरोसीन इमैजिन।
17. कार्सिनोमा स्तन वाले रोगियों में Il10 और माइक्रो आरएनए 106ए, जीवित रहने के साथ सहसंबंध।
18. हेपेटोबिलरी रोगों (सौम्य और घातक) के लेप्रोस्कोपिक प्रबंधन पर लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड का प्रभाव: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
19. इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस के बाद पोस्ट ऑपरेटिव हाइपोकैल्सीमिया की घटना बनाम कुल थायरॉयडेक्टॉमी के बाद पैराथाइरॉइड फ़ंक्शन का पारंपरिक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

20. थायरॉइड सर्जरी के दौरान पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के छिड़काव की पहचान और आकलन हेतु इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस इमेजिंग - एक पायलट अध्ययन।
21. महिलाओं में निप्पल डिस्चार्ज; मूल्यांकन और यादृच्छिक परीक्षण, गैर-खूनी निप्पल निर्वहन के साथ उपस्थित महिलाओं में 3 सेमी डक्टल कोण उच्छेदन के साथ सीमित लंबाई के डक्टल कोण उच्छेदन (1.5 सेमी) की तुलना करना।
22. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में स्तन संरक्षण सर्जरी के ऑन्कोलॉजिकल परिणाम, पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी।
23. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में पेट के आघात वाले रोगियों में समय पूर्व मेश लैपरोस्टॉमी का परिणाम।
24. थाइमोमा के रोगियों में मिनीमल (न्यूनतम) एक्सेस थाइमेक्टोमी के बाद के परिणाम।
25. पैराथाइरॉइड विच्छेदन पर पायलट अध्ययन और थायरॉयडेक्टॉमी नमूने से संरक्षण और पोस्टऑपरेटिव कैल्शियम और पैराथॉर्मोन स्तरों के साथ सहसंबंध।
26. सीबीडी पत्थरों के साथ सहवर्ती पित्त पथरी के उपचार के लिए एकल चरण एलसीबीडीई+एलसी बनाम दो चरण ईआरसीपी-और-जीटीएलसी उपरांत जीवन की गुणवत्ता की तुलना।
27. स्तर-1 ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती बाल चिकित्सा आघात के रोगियों की चोटों और उपचार का वर्णक्रम।
28. लाइव रिलेटेड रीनल ट्रांसप्लांट में यूरेटेरोनोसिस्टोस्टॉमी में स्टेंट बनाम नो स्टेंट: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
29. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के जोखिम कारकों का अध्ययन: एक केस नियंत्रण अध्ययन।
30. स्तन कैंसर के रोगियों में ट्यूमर इनफ़िल्ट्रेटिंग लिम्फोसाइट्स के महत्व का अध्ययन।
31. लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी में पोर्ट प्लेसमेंट और एर्गोनॉमिक्स का अध्ययन।
32. पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इंसर्शन ओमेंटेक्टॉमी वाले या बिना ओमेंटेक्टॉमी बनाम पारंपरिक ओपन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इंसर्शन क्रॉनिक किडनी डिजीज स्टेज-5 मरीजों में कैथेटर की खराबी और पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलताएँ।
33. ऐसे रोगियों में सर्जिकल परिणाम को परिभाषित करने के लिए, जिन्हें न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी से ओपन प्रक्रिया में परिवर्तित किया गया है।
34. ओवरनाइट पॉलीसोम्नोग्राफी का उपयोग करते हुए, नींद संबंधी विकार वाले श्वास मापदंडों पर बेरिएट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
35. सामान्य और रीजनल एनेस्थीसिया के तहत सर्जरी कराने वाले रोगियों में, 3-दिवसीय पोस्ट ऑपरेटिव परिणाम का आकलन करने में आयु समायोजित चार्लसन कोमोपबिडिटी इंडेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना।
36. चयनात्मक ऑपरेशन के लिए निर्धारित रोगियों में रद्द करने के कारणों का अध्ययन करना।
37. मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में मूत्र असंयम पर बेरिएट्रिक सर्जरी प्रेरित वजन घटाने के प्रभाव का अध्ययन करना।
38. वृद्धावस्था में शल्य चिकित्सा के परिणाम का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा का एक आणविक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन, उन्हें आम सहमति आणविक उपप्रकारों के अनुसार वर्गीकृत करने और इसकी रोगसूचक और चिकित्सीय प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. प्रारंभिक स्तन कैंसर में त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के लिए इंटरस्टीशियल मल्टी-कैथेटर ब्रैकीथेरेपी (आईएमबी) बनाम वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलेटेड आर्क थेरेपी (वीएमएटी) की तुलना करने के लिए एक पायलट अध्ययन: एक अनुकूलन, विषाक्तता, और कोस्मेसीस तुलना, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
3. HER2 पॉजिटिव मेटास्टेटिक स्तन कैंसर (TRUMAB अध्ययन) के रोगियों में मानक कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में ट्रैस्टुज़ुमैब (टेस्ट, हेटेरो), और संदर्भ औषधीय उत्पाद (संदर्भ, रोश) के इंटरवेनस इंफ्यूशन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और फार्माकोकाइनेटिक विशेषताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, बहु-खुराक, बहुकेंद्र, तुलनात्मक, समानांतर अध्ययन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. मानव गंभीर अग्नाशयशोथ के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन", जीव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
5. एक संस्थागत चरण I/II अध्ययन, उन्नत असम्मानजनक या मेटास्टेटिक स्तन कैंसर के कवकनाशी में, उच्च खुराक साप्ताहिक हाइपोफ्रैक्टेड उपशामक स्तन रेडियोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
6. प्रोपोफोल के साथ डेसफ्लुरेन बनाम टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया: लैप्रोस्कोपिक बेरिएट्रिक सर्जरी में इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर और रेस्पिरेटरी मैकेनिक्स पर प्रभाव, एनेस्थिसियोलॉजी (ज्ञानेन्द्रिय-विज्ञान), एम्स, नई दिल्ली।
7. मेटास्टेटिक मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान हेतु लैबृंटिंथ आधारित यांत्रिक और तेजी से अलगाव तकनीक का विकास, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
8. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन स्कोर की गुणवत्ता, और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थीसिया का प्रभाव, एनेस्थिसियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
9. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतक की शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स रीमॉडलिंग, जीव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
10. डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एनाटॉमी) की डिग्री के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और रेस्पिरेटरी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में साइटोकैटिन-19 और सीकेआईटी का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मात्रात्मक विश्लेषण, हमारे मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के तहत, शरीर रचना विभाग में आयोजित सपना सिंह का वास्तविक कार्य है, नई दिल्ली, भारत, एनाटॉमी, एम्स, नई दिल्ली।

11. प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) इनडिपोज टिश्यू मध्यस्थता इंसुलिन प्रतिरोध की भागीदारी की जांच, जीव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
12. मोटापे में टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रेग्स) की भूमिका और टाइप 2 मधुमेह और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) में मोटापे से जुड़ी सूजन में उनका नैदानिक सहसंबंध, नेफ्रोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
13. वयस्क रोगियों में सुप्राहायॉइड वायुमार्ग मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांकन, वैकल्पिक अभियोग प्लेसमेंट के लिए योजना बनाई - एक पायलट, अवलोकन संबंधी अध्ययन, ऐनस्थीसिया (संज्ञाहरण), एम्स, नई दिल्ली।
14. स्तन कैंसर में एण्ड्रोजन रिसेप्टर्स की मध्यस्थता की घटनाओं और आणविक विषमता का अध्ययन, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
15. वैस्क्यूलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर ए (वीईजीएफए), और मोटापे में इसके आइसोफॉर्म की अभिव्यक्ति का अध्ययन, और इंसुलिन संवेदनशीलता के साथ उनका जुड़ाव, जीव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
16. वसा ऊतक एबीसीए 1 और चयापचय स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
17. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगी में प्रतिरक्षा दमन में नियामक टी-कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
18. अन्य कूपिक-पैटर्न वाले थायरॉयड सौम्य और घातक घावों से परमाणु सुविधाओं की तरह पैपिलरी के साथ गैर-इनवेसिव फॉलिक्युलर थायराइड नियोप्लाज्म को अलग करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता। (एक्सट्रामुराल परियोजना, डीबीटी), डीबीटी वित्त पोषित परियोजना।

पूर्ण

1. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में सूजन मार्करों और पेरीओपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव-एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, तुलनात्मक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी प्रक्रिया वाले मरीजों में सूजन मार्करों और पेरीओपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, तुलनात्मक अध्ययन, संज्ञाहरण, एम्स, नई दिल्ली।
3. अधिक वजन और मोटापे वाले सहभागी-व्यक्तियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा, अंतःस्त्राविका, एम्स, नई दिल्ली।
4. गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड आधार की गड़बड़ी - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, नेफ्रोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
5. उच्च संकल्प मैनोमेट्री द्वारा निदान, अचलसिया के अंतर प्रकारों में स्वायत्त कार्य का मूल्यांकन, फिजिओलोजी, एम्स, नई दिल्ली।
6. स्थानीय इन्फ़िल्ट्रेशन वाले इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम वैट से गुजरने वाले रोगियों में डायाफ्रामिक मोटाई अंश की तुलना करना, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 97 **सार: 10** **पुस्तकों के अध्याय: 5**

रोगी देखभाल

विभाग कई क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें स्तन कैंसर के रोगियों के लिए बहुविध उपचार, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, गुर्दे का प्रत्यारोपण, हेपेटोबिलरी और अग्नाशय की सर्जरी, थोरैसिक और थोरेकोस्कोपिक सर्जरी, अंतःस्रावी सर्जरी, चयापचय और बेरिएट्रिक सर्जरी, संवहनी सर्जरी सहित संवहनी सर्जरी अंतिम चरण के गुर्दे की बीमारी के रोगियों, और कैंसर सर्जरी शामिल है। हमारा विभाग अन्तः रोगी और बाह्य रोगी उपचार में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग नियमित सामान्य शल्य चिकित्सा ओपीडी के अलावा निम्नलिखित विशेष क्लिनिक का संचालन करता है:

- बेरिएट्रिक क्लिनिक,
- स्तन कैंसर क्लिनिक,
- संयुक्त फुफ्फुसीय शल्य चिकित्सा क्लिनिक
- फॉलो अप क्लीनिक
- गुर्दा प्रत्यारोपण क्लिनिक

कोविड-19 महामारी के दौरान, विभाग संस्थागत एसओपी के अनुसार विभिन्न बाहरी रोगियों और आकस्मिक रोगी देखभाल के लिए टेलीफोन पर परामर्श प्रदान करता रहा है। विभाग के संकाय और निवासियों ने कोविड समर्पित क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करके, साथ ही साथ कोविड पॉजिटिव रोगियों पर आपातकालीन सर्जरी करके, कोविड रोगियों की देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बैरिएट्रिक सर्जरी के रोगियों हेतु नियमित रूप से ऑनलाइन रोगी सहायता समूह की बैठकें क्रमशः जुलाई 2020, नवंबर 2020 और फरवरी 2021 में आयोजित की गईं। जिन रोगियों की बैरिएट्रिक सर्जरी हुई है, उनके लिए एक निर्देश पत्र तैयार किया गया था और उन सभी रोगियों को भेजा गया था, जिनकी एम्स में बेरिएट्रिक सर्जरी हुई है। इस पत्र में रोगियों द्वारा बरती जाने वाली विभिन्न सावधानियों पर प्रकाश डाला गया था। किसी भी नैदानिक समस्या के होने के मामले में सर्जिकल टीम से संपर्क करने के लिए, रोगियों के साथ 24x7 हेल्पलाइन नंबर साझा किए गए थे।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

विभाग को नवंबर 2020 में आयोजित वर्चुअल वार्षिक सम्मेलन सर्जिकॉन 2020 के दौरान एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली स्टेट चैप्टर की सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक आयोजित करने के लिए रोलिंग ट्रॉफी मिली।

डॉ तोशिब जीए और डॉ. प्रसन्ना रमना को वर्चुअल एएसआईसीओएन 2020 के दौरान डॉ. सी. पलानीवेलु सर्वश्रेष्ठ पीजी थीसिस पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वर्ष 2020 के लिए डॉ. प्रसन्ना रमना और डॉ. देवेंद्र कुंतल को इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपिक सर्जन (आईएजीईएस) के सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

आचार्य सुनील चुंबर ने सह अध्यक्ष सर्जिकॉन 2020 का आयोजन किया।

आचार्य राजिंदर प्रसाद सचिव सर्जिकॉन 2020 के आयोजन सचिव थे; सीएमई के चेयरपर्सन आयोजन के सचिव सर्जिकॉन 2020 थे; लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पुनरीक्षण-बैक टू बेसिक।

आचार्य वी. सीनू सर्जिकॉन 2020 के आयोजन के सचिव थे।

आचार्य संदीप अग्रवाल को वर्ष 2020 में इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपिक सर्जन (आईएजीईएस) के "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार" के लिए नामित किया गया; 'ओबिसिटी सर्जरी' पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंडोस्कोपिक सर्जन (आईएजीईएस) की अनुसंधान समिति के संयोजक;

ओबिसिटी (मोटापा) और मेटाबोलिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओएसएसआई), आईएजीईएस के कार्यकारी परिषद सदस्य; ओबिसिटी और मेटाबोलिक सोसायटी ऑफ इंडिया (ओएसएसआई) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; 'जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी' (जेएमएएस) के संपादक; समीक्षा 2020 में भेद के लिए मोटापा सर्जरी संपादकों मान्यता पुरस्कार प्राप्त किया। डिस्टिंक्शन इन रिव्यूइंग 2020 के लिए ओबेसिटी सर्जरी एडिटर्स रिकॉग्निशन अवार्ड (पुरस्कार) प्राप्त किया।

आचार्य वीरिंदर कुमार बंसल जिपमेर, पुडुचेरी (मई 2019- मई 2024) और एम्स, ऋषिकेश (मई 2020 - मई 2025) के संस्थान निकाय के सदस्य थे; सदस्य, ऑपरेशन थिएटर कमेटी, एम्स नई दिल्ली; सदस्य: अकादमिक समिति और अस्पताल मामलों की समिति जिपमर, पुडुचेरी; सदस्य अकादमिक समिति, स्थायी वित्त समिति और अध्यक्ष, स्थायी चयन समिति एम्स ऋषिकेश; विषय विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति पीजीआईएमईआर (जिपमेर), चंडीगढ़, जिपमेर, पुडुचेरी, एम्स बीबीनगर, कल्याणी, भोपाल; सह-अध्यक्ष, आईसीएमआर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लो के लिए सर्जरी विशेषज्ञ समूह, आयुष्मान भारत, नई दिल्ली 2019; सदस्य, नाटो (NOTTO) के तहत गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए ऐपेक्स तकनीकी समिति, जनवरी 2020; मानद उपाध्यक्ष भारतीय हर्निया सोसायटी, 2020; अध्यक्ष, सोसाइटी ऑफ इंडोस्कोपिक एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन ऑफ इंडिया, 2020-2021; मानद सचिव, इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जन, 2020; सदस्य, लैप्रोस्कोपिक पैनक्रिएटिकोडुओडेनेक्टॉमी पर अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सहमति।

आचार्य अनीता धर ने दिनांक 23 सितंबर 2020 को निदेशक, एम्स, नई दिल्ली की अध्यक्षता में कोविड-19 पॉजिटिव मरीज में पेट का गैंग्रीन? कारण पर नेशनल सर्जरी ग्रैंड राउंड प्रस्तुत किया।

डॉ पीयूष रंजन, स्कूलों को फिर से खोलने के बाद स्कूलों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति (सीबीएसई) के सदस्य थे; आईजीओटी प्लेटफॉर्म (एमओएचएफडब्ल्यू) के लिए संसाधन व्यक्ति; ड्राअनिंग में विशेषज्ञ समूह की बैठक (डीजीएचएस); सीबीएसई, एनसीईआरटी स्कूल के शिक्षकों के लिए कोविड जागरूकता; दुर्घटना के बाद उपचार में नोएडा यातायात पुलिस का प्रशिक्षण; सर्जिकॉन 2020, एसईएलआईसीओएन (सेल्सिकॉन) 2020 में अध्यक्षता सत्र।.

डॉ मोहित जोशी को विषय विशेषज्ञ के रूप में, ओएससीई लेखन कार्यशाला में आमंत्रित किया गया। 7-8 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित। सीओपीई (प्रकाशन नैतिकता समिति) की सदस्यता प्राप्त की; राष्ट्रीय क्षय रोग और श्वसन रोग संस्थान (एनआईटीआरडी), नई दिल्ली की आचार समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित; संयुक्त आयोजन सचिव सर्जिकॉन 2020; सीएमई में अध्यक्ष: लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का पुनरीक्षण: मूल बातें और एम्स पल्मोक्रिट बेक टू बेसिक।

डॉ सुहानी इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर के एसोसिएट एडिटर / वर्किंग ग्रुप सदस्य थे; संयुक्त आयोजन सचिव सर्जिकॉन 2020।

डॉ यशवंत वर्चुअल सर्जन 2020, 13वें सेल्सिकॉन, 12वें आईएचएससीओएन के अध्यक्ष थे।

9.40. आधान चिकित्सा

चिकित्सा अधीक्षक एवं अध्यक्ष

डी.के. शर्मा

सहायक आचार्य

हेम चंद्र पांडेय
(मुख्य अस्पताल)

गोपाल पाटीदार
(हृ.तं. केन्द्र)

राहुल चौरसिया
(ज.प्र.न.ए.ट्रॉ. केन्द्र)

दीप्तिरंजन राउत
(एन.सी.आई., झज्जर)

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

पूनम कौशिक
मुख्य रक्त कोष

अंजली हज़ारिका
हृ.तं. केन्द्र, रक्त कोष

वेदानंद आर्य
ज.प्र.न.ए.ट्रॉ. केन्द्र, रक्त कोष

सुलेखा कारजी
ज.प्र.न.ए.ट्रॉ. केन्द्र, रक्त कोष

विशिष्टताएं

विभाग, रोगियों को गुणवत्ता युक्त रक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और "सही समय पर सही रोगी को सही रक्त" प्रदान करने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु अथक कार्य करता है। रक्त कोष सेवाएं पूरे वर्ष में 24x7 प्रदान की जाती हैं। वैश्विक महामारी फैलने के बावजूद विभाग ने सुनिश्चित किया है कि हमारी सेवाएं निरंतर जारी रहेंगी तथा रक्त उत्पादों की एक उचित सूची बनाई गई हैं। विभाग ने कोविड-19 से ग्रस्त रोगियों के उपचार हेतु सहायता करने के लिए एफ्रेसिस का उपयोग करके कोविड-19 स्वास्थ्य लाभकारी प्लाज्मा एकत्रित करना आरम्भ किया। विभाग रक्तदान शिविर का आयोजन करने हेतु अथक कार्य करता है तथा साल में लगभग 38,000 रक्त यूनिट्स एकत्रित की है। वैश्विक महामारी के कारण आई चुनौतियों के बावजूद स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ाने का प्रयास किया गया और हमनें 3 फरवरी 2021 को महा रक्तदान शिविर आयोजित किया जहां एक दिन में 2250 रक्त यूनिट एकत्रित की गई। विभाग ने वैश्विक महामारी के दौरान एक प्लाज़्मा दान शिविर भी आयोजित किया और लोगों को इस महान कार्य के लिए प्लाज़्मा दान करने हेतु प्रोत्साहित किया।

रक्त सुरक्षा करना एक सतत प्रयास है और तीन मौजूदा रक्त कोषों में एकत्रित सभी रक्त यूनिट्स के 100% का एनएटी के साथ परीक्षण किया जाता है, जिसमें सिरोलॉजिकल परीक्षण के अलावा सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत प्रदान की जाती है। मुख्य रक्त कोष की एनएटी प्रयोगशाला, सीएनसी ब्लड बैंक और जेपीएनएटीसी ब्लड बैंक के लिए संक्रामक मार्करों की केंद्रीय परीक्षण सुविधा है।

ब्लड बैंक रोगियों हेतु प्रफोर्मिंग प्लाज़्मफेरिसिस प्रक्रिया तथा एन्टीबॉडी टिटर परीक्षण करके एबीओ इन्कम्पैटबल किडनी ट्रांसप्लांट हेतु सहयोग कर रहा है। यूनिट्स का फीनटाइप विस्तार भी नियमित आधार पर आरम्भ किया गया है तथा फीनटाइप ब्लड विस्तार की आवश्यकता वाले रोगियों को सुविधा प्रदान की जा रही हैं। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर परिसर में "रक्त केन्द्र" की स्थापना का कार्य चल रहा है।

डिजिटल तथा फिजिकल दोनों संगोष्ठियों के नियमित आयोजन के साथ शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा गया है तथा जर्नल क्लब और वर्तमान में आठ छात्र एमडी कोर्स कर रहे हैं।

शिक्षा:

1. ब्लड बैंकिंग पर एमबीबीएस स्नातक-पूर्व कक्षाएं
2. सुरक्षित रक्त आधान प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न प्रयोगशाला तकनीकों में ओटी तकनीशियनों (बी.एस.सी.ओटीटी) हेतु नियमित प्रशिक्षण।
3. एम्स नर्सिंग छात्रों हेतु नियमित अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
4. एमडी आधान चिकित्सा: वर्तमान में नौ छात्र इस कार्यक्रम को कर रहे हैं।
5. विकृति विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा तथा रूधिर विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों का शिक्षण उनकी तैनाती के दौरान किया जा रहा है।
6. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर परिसर में तैनात नर्सिंग अधिकारियों को "सुरक्षित बेड-साइड ट्रांसफ़्यूज़न प्रक्रियाओं" के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं।

प्रदत्त व्याख्यान

हेम चन्द्र पांडेय: 3 **गोपाल कुमार पाटीदार: 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर: 8

अनुसंधान

जारी

1. गंभीर रूप से घायल रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेटेड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन हेतु यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, राहुल चौरसिया, एम्स (इन्ट्रम्युरल), 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख।
2. कोर्ड रक्त में सीरोलोजिकल जांच का उपयोग करके डी स्थिति के निर्धारण की तुलना में जन्मपूर्व अवधि के दौरान भ्रूण के आरएचडी की स्थिति के निर्धारण हेतु मां के प्लाज्मा से ऊतक मुक्त भ्रूण के पृथक किए गए डीएनए का उपयोग करने हेतु नैदानिक यथार्थता, हेम चन्द्र पांडेय, एम्स (इन्ट्रम्युरल) 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख।
3. स्वस्थ रक्तदाताओं तथा आधान सुरक्षा में इसके संबंध में सार्स-कोविड-2 हेतु जानपदिक रोगविज्ञान, राहुल चौरसिया, एम्स (इन्ट्रम्यूरल), 1 वर्ष, 2020, 10 लाख।

पूर्ण

1. मेनिनजियोमा वाले रोगियों में आधान सम्बंधी इम्यूनोमोड्यूलेशन संबंधी आधान हेतु मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स (इन्ट्रम्यूरल), 2 वर्ष, 2019-2020, 10 लाख।

विभागीय परियोजना (शोध-प्रबन्ध / शोध-निबंध सहित)

जारी

1. गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में संक्रमण जोखिम संबंधी ल्यूकोरिड्यूज्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. 28 दिन की आयु के नवजात रोगियों में वर्तमान आधान अभ्यास का विश्लेषण।
3. परिवेश के तापमान पर रातभर संग्रह किए रक्त से प्लेटलेट की सांद्रता बनाने हेतु उत्कृष्ट मानदण्डों का विश्लेषण।
4. हेपेटाइटिस-बी तथा हेपेटाइटिस-सी के लिए रक्तदाता की जांच करने के दौरान कैमिल्यूमिनीसेन्स (सीएलआईए) तथा न्यूक्लियम एसिड जांच (एनएटी) द्वारा जांच के अंसगत परिणाम की आरम्भिक प्रतिक्रया के लक्षणों का वर्णन।
5. गंभीर रूप से रक्तस्राव वाले घायल रोगियों में रक्त अवयव पर क्रायोप्रीसिपीरेट के प्रारम्भिक उपयोग के प्रभाव हेतु मूल्यांकन।
6. महामारी की शुरूआती स्थिति के दौरान उत्पाद की गुणवत्ता तथा आधान सुरक्षा के पहलु पर सार्स-कोविड-2 का प्रभाव।
7. प्रतिकूल आधान अभिक्रिया तथा इन अभिक्रियाओं सहित सहयोगी कारकों का विश्लेषण: भारत के तृतीयक उपचार अस्पताल से चार वर्षों का अनुभव।
8. भारत की परिस्थिति में सम्पूर्ण रक्तदान के बाद रक्तदाताओं में देरी से होने वाली हानिकारक समस्याओं का होना।
9. शहरी स्तरीय-1 ट्रामा केन्द्र में मैसिव हेमरिज प्रोटोकॉल सहित एक वर्ष का अनुभव।
10. प्लेटलेट रिफ्रेक्टोरीनेस के प्रसार तथा भारतीय परिस्थिति में मल्टीपल प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन ग्राही रोगियों में इसके कारणों को जानने हेतु अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
11. स्कोलीओसिस सर्जरी करवा रहे रोगियों में पेरी-आपरेटिट रक्त प्रबंधन हेतु एक्यूट नॉरमोवोलेमिक हीमोडाइल्यूशन (एएनएच) की प्रभावशीलता को निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
12. तृतीयक उपचार केन्द्र में सभी विभिन्न लिंग, आयु समूह तथा विशिष्टताओं में लाल रक्त कोशिकाओं के उपयोग में विशिष्टताओं का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
13. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में ट्रांसफ़्यूज़न प्रक्रियाओं की पूर्वव्यापी समीक्षा।
14. सभी रक्तदाताओं में वैसोवेगल प्रतिक्रिया की निवारक नीतियां: एक चतुर्भुजाई यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

पूर्ण

1. स्वस्थ रक्तदाताओं में एबीओ एन्टीबॉडी टाइट्रे का विश्लेषण।
2. ए और बी रक्तदाता प्लाज्मा के सामान्य सेलाइन को साथ में मिश्रित तथा पतला करने के बाद एबीओ एन्टीबाडी टाइट्रे एवं कोएगुलेशन कारक स्तर का आकलन।
3. वैश्विक महामारी सार्स-कोविड-2 के समय में रक्त उपलब्ध करवाने का प्रबंधन-चुनौतियाँ, अंगीकृत योजनाएं तथा अस्पताल आधरित रक्त केन्द्र के अनुभव द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करना।
4. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया के नैदानिक तथा सीरोलॉजिक लक्षण।
5. कोविड-19 के सम्पर्क में आने वाले उच्च जोखिम वाले दो समूह के एसिम्टोमेटिक डोनर के बीच सेरोप्रवलेंस की तुलना: क्या यह डोनेट करने के लिए सुरक्षित है?
6. स्वस्थ रक्तदाताओं में एचआईवी, एचबीवी तथा एचसीवी घटना की संख्या तथा आईडी-एनएटी जांच के बाद उनमें संक्रमण के शेष जोखिम का आकलन।
7. लाल रक्त कोशिका का पता लगाने का उपकरण तथा सूची बनाने की व्यवस्था हेतु बयोलॉजी-आईडी समाधान (एक आरएफआईडी आधारित प्रणाली) का आकलन-मुख्य ब्लड बैंक, एम्स, नई दिल्ली का क्रियान्वयन।
8. रक्तस्राव आघात वाले ट्रामा रोगियों में अत्यधिक ट्रांसफ़्यूज़न की अवधारणा का पुन: मूल्यांकन।
9. हृदय संबंधी शल्यचिकित्सा करवा रहे रोगियों में ल्यूकोरेटेड तथा नोन-ल्यूकोरेटेड रक्त घटक ट्रांसफ़्यूज़न का परिणाम।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. स्वस्थ पेरीफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में एंडोसोमल टीएलआर-प्रेरित संकेतन सक्रियता पर नोबल पायराज़ोल-आधारित सूक्ष्म आणविक अवरोधक के प्रभाव का विश्लेषण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
2. स्वस्थ पेरीफेरल रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में कोशिकाओं की सतह के टीएलआर-प्रेरित संकेतन सक्रियता पर नोबल-पायराज़ोल-आधारित सूक्ष्म आणविक अवरोधक के प्रभावों का विश्लेषण, जैव प्रौद्योगिकी विभाग।
3. कॉम्प्लीमेन्ट फैक्टर एच (सीएफएच)-संबंधित प्रोटीन 1 तथा (सीएफएचआर 1) "प्रतिरक्षात्मक सहनशीलता को बनाए रखने में इसकी भूमिका"।, जैवप्रौद्योगिकी का क्षेत्रीय केन्द्र, फरीदाबाद
4. भारतीय जनसंख्या में नव रक्त कोशिका तथा रेटिकुलोसाइट मानदण्डों हेतु स्वस्थ व्यक्ति के लिए रेफरन्स रेन्ज़ को पहचानना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।
5. ल्यूपस पेरीफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल-लाइक प्राप्तकर्ता संकेतन अवरोधक हेतु इम्यूनोमॉडयूलेटरी गतिविधियों का आकलन।
6. पितृत्व आरएचडी जाइगोसिटी तथा एलोइम्यूनाइज्ड गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व निगरानी में माता के प्लाज्मा से कोशिका-मुक्त भ्रूण के डीएनए के सर्कुलेशन का उपयोग करके नोन-इन्वेसिव भ्रूण आरएचडी जीनोटाइपिंग के निर्धारण के संभावित प्रभाव का मूल्यांकन: लागत-लाभ विश्लेषण पर एक प्रारंभिक अध्ययन, प्रसूति तथा स्त्रीरोगविज्ञान विभाग।

7. एन्टीरिअर सिंगुलेटा कॉर्टेक्स, हिपोकैम्पस तथा यूनिपोलर वाले नये रेगियों में ऐमिग्डाल एवं बायोपोलर डिप्रेशन में चयापचयी विषमताओं और इसके पेरीफेरल ग्लूटामिनेज़ के साथ संबंध का स्पैक्ट्रोस्कोपी आधरित मूल्यांकन करना।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. गोपाल पाटीदार: आईएसबीटी हेमोविजिलेंस वर्किंग पार्टी के सचिव निर्वाचित हुए; समीक्षा सदस्य तथा भारत में नेशनल ब्लड डोनर हेमोविजिलेंस प्रोग्राम के तहत डोनर-विजल सॉफ्टवेयर में रक्तदाता की प्रतिक्रिया प्रस्तुति रिर्पोर्ट का विश्लेषण।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 6 सार: 8 पुस्तक में अध्याय: 1

रोगी उपचार

(क) विभाग में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं (विशेष क्लिनिक्स तथा/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं):

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- ऑटोलॉगस प्लेटलेट दान
- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की सुविधा।
- एफेरेसिस प्रक्रियाएं (एसडीपी, टीपीआई, पीबीएससी)।
- स्वचालित रक्त समूहन तथा सीरोलॉजी।
- स्वचालित संक्रामक मार्करों का परीक्षण।
- 100% रक्त घटक तैयार करना।
- अनियमित एंटीबॉडी की पहचान।
- एंटीबॉडी स्क्रीनिंग।
- एंटीबॉडी टिटर्स।
- लुकोडेप्लेटेड रक्त / घटक।
- इरेडिएशन सुविधा।

(ख) एफ्रेसिस: एसडीएपी संग्रहण, टीपीई, पीबीएससी, एलडीएल, एफ्रेसिस तथा ग्रेनुलोसाइट हार्वेस्टिंग।

रूधिर-अर्बुद विज्ञान के रोगियों की सहायता करने हेतु स्वैच्छिक एसडीपी रक्तदाताओं की रजिस्ट्री बनाई गई।

(ग) सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि:

- मुख्य ब्लड बैंक ने दिल्ली एनसीआर में कुल 59 स्वैच्छिक रक्त दान शिविर आयोजित किए तथा 8000 से अधिक यूनिट्स एकत्रित कीं।
- मुख्य ब्लड बैंक ने कैंसर रोगियों के उपयोग हेतु रक्त घटक उपलब्ध कराने हेतु रक्त प्रदान करना जारी रखा।

(घ) मुख्य ब्लड बैंक ने कान्वलेसन्ट प्लाज्मा एकत्रित शिविर आयोजित किया तथा एक दिन में 25 यूनिट्स से अधिक प्लाज्मा एकत्रित किए गए।

9.41. प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

डीके मित्रा

सहायक आचार्य

उमा कांगा

राकेश कुमार दीपक

वैज्ञानिक II

सुनील कुमार

लता कुमारी

वैज्ञानिक I

संजीव गोस्वामी

सोनिया वर्मा

विशिष्टताएं

वर्ष 2020-2021 के दौरान, हमारे विभाग ने भारत और विदेशों के विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों के 12 विद्यार्थियों/डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों ने प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान, इम्यूनोजेनेटिक्स-एचएलए परीक्षण, पोस्ट-ट्रांसप्लांट निगरानी और प्रतिरक्षा की कमी के संबंध में अन्य प्रतिरक्षाविज्ञानी जांच में प्रयोगशाला तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। अल्पकालिक प्रशिक्षण-एम्स (1-2 सप्ताह): विभाग ने एम्स से जूनियर रेजिडेंट्स, पैथोलॉजी (5), प्रयोगशाला चिकित्सा (3) और सीनियर रेजिडेंट (डीएम विद्यार्थी) नेफ्रोलॉजी (1), हेमेटोलॉजी (6) बायोकेमिस्ट्री (3), मेडिकल ऑन्कोलॉजी (3), ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (3), पीडियाट्रिक्स (2) को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया। लंबी अवधि का प्रशिक्षण-राष्ट्रीय (6 महीने): एक उम्मीदवार ने लंबी अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष के दौरान विभाग के शिक्षकों और वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कई व्याख्यान दिए। हमारा विभाग नियमित रूप से विभिन्न सेल कल्चर परखों पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें विद्यार्थियों और आने वाले प्रशिक्षुओं को फ्लोसाइटोमेट्री आधारित परख शामिल हैं। हमारा विभाग भारत में अन्य एचएलए प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए एचएलए जीन के डीएनए आधारित टाइपिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता नियंत्रण अभियान का समन्वय करता है। संकाय सदस्यों ने इन विभागों के शैक्षिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में एम्स के जैव प्रौद्योगिकी और पैथोलॉजी विभागों में विशेष व्याख्यान भी दिए। संकाय सदस्यों/ वैज्ञानिकों ने बाल रोग, रुधिर विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, नेफ्रोलॉजी, जैव रसायन, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और प्रयोगशाला चिकित्सा के एमडी/डीएम रेजिडेंट्स को व्याख्यान दिया। हमारे संस्थान के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी पर कई व्याख्यान भी दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

उमा कांगा: 4

अनुसंधान

वित्त पोषित

जारी

1. गैर-संचारी रोगों पर देख-भाल की रोग-निदान निरंतरता और मशीन लर्निंग आधारित भविष्यदर्शी मॉडलिंग की स्क्रीनिंग निगरानी के लिए एकीकृत चिकित्सा उपकरणों पर आधारित एक मॉडल हेल्थकेयर नेटवर्क का विकास, डीके मित्रा, इमप्रिंट (एचआरडी + आईसीएमआर), 2 साल, 2021-2023, 25 लाख रुपये।
2. "तपेदिक रोगियों में एक सहायक इम्यूनोथेरेपी के रूप में α पीडी-1 की प्रभावकारिता", डीके मित्रा, एज़्योर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2021-2024, 140.20448 लाख रुपये।
3. पोस्ट हार्ट ट्रांसप्लांट रिजेक्शन स्टेटस के परिणाम में पैनल रिएक्टिव एंटीबॉडीज (पीआरए), मेजर हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी) और डोनर स्पेसिफिक एंटीबॉडीज का मूल्यांकन: क्लिनिको-पैथोलॉजिकल स्टडी, राकेश के दीपक (पीआई), लता कुमारी, (सह पीआई), एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
4. मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) ट्यूबरकुलोसिस की एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग", डीके मित्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 70 लाख रुपये।
5. डीआर एमटीबी में जीनोम वाइड ट्रांसक्रिप्शन विश्लेषण: नवीन लक्ष्यों की पहचान और इम्यूनोमॉड्यूलेशन, डीके मित्रा, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 148 लाख रुपये।
6. रीनल अलोग्राफ़्ट रिजेक्शन के पूर्वानुमान के लिए नवीन बायोमार्कर की पहचान, उमा कांगा, एम्स-टीएचएसटीआई, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये।
7. सिलिको ट्रायल फॉर ट्यूबरकुलोसिस वैक्सीन डेवलपमेंट (STriTuVaD) यूरोपियन कमीशन होरीजन 2020, डीके मित्रा, डीबीटी, 4 साल, 2020-2024, 398.36224 लाख रुपये।
8. एनके टी सेल सबसेट: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विशिष्ट प्रभावक टी सेल प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव", डीके मित्रा, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 70 लाख रुपये।
9. पीडी-एल1/पीडी-1 पाथवे की इम्यूनोरेगुलेटरी भूमिका को चित्रित करने के लिए अध्ययन और विसरल लीशमैनियासिस के खिलाफ टीकाकरण नीतियों के लिए एक संभावित उपकरण के रूप में इसकी संभावना तलाशना", डीके मित्रा, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 70 लाख रुपये।
10. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, लता कुमारी (पीआई), राकेश के दीपक (सह-पीआई), एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।

पूर्ण

1. "रिमोट हेल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम का विकास: एनसीडी (कार्डियो-फुफ्फुसीय) के लिए प्रारंभिक निदान, चिकित्सा, फॉलो-अप और निवारक देखभाल", डीके मित्रा, इंप्रिंट (एचआरडी + आईसीएमआर), 3 साल, 2017-2020, 64.85 लाख रुपये।

2. "क्लाउड आधारित एकीकृत चिकित्सा उपकरण (आईएमडी) का कार्यकरण और सत्यापन: दूरस्थ अल्प - सेवित आबादी के लिए विशिष्ट नैदानिक, चिकित्सीय और फॉलो-अप उपचार की डिलीवरी।" डीके मित्रा, एज़्योर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2017-2020, 16.44 लाख रुपये।
3. उत्तर पूर्व भारत की आबादी में एचएलए और गैर-एचएलए जीन और टाइप 1 मधुमेह मेलिटस के ह्यूमोरल प्रोफाइल का जीनोमिक विश्लेषण, उमा कांगा, डीबीटी (बीसीआईएल), 3 साल, 2017-2020, 127.8 लाख रुपये (कुल एनई और एम्स)
4. डेंगू संक्रमण के इम्यूनोजेनेटिक सह-संबंध: उत्तर भारतीय जनसंख्या में एचएलए और केआईआर जीन का विश्लेषण, उमा कंग, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये।
5. "एनकेटी सेल सबसेट: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विशिष्ट प्रभावक टी सेल प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव", डीके मित्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, 70.26 लाख रुपये।

सहयोगी परियोजनाएं:

जारी

1. नव निदानित स्पटम पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) को रोकने में दो टीकों VPM1002 और इम्मुवैक (Mw) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन एक चरण III, रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण करने के लिए, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. साइनुसाइटिस, इनवेसिव फंगल साइनुसाइटिस और गैर-इनवेसिव फंगल साइनुसाइटिस के मामलों में एचएलए, फेगोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन, ईएनटी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
3. कोविड-19 रोगियों में प्रतिरक्षाविज्ञानी विशेषताओं और नैदानिक परिणामों के बीच संबंध, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. कुपोषित नव निदानित स्पटम पॉजिटिव पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार के लिए मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में एनर्जी डेंस न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट (ईडीएनएस) की प्रभावशीलता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली विभाग।
5. नवीन फोरेंसिक प्रदर्शों का मूल्यांकन और काइमेरस्म स्थिति में वाई-एसटीआर मार्करों की सूचनात्मकता, फोरेंसिक मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
6. दार्जिलिंग हिमालय के भारतीय गोरखाओं के बीच आनुवंशिक विविधता: एचएलए मिनिजेनोम, के चरण बहुरूपता विश्लेषण पर आधारित अगली पीढ़ी का अनुक्रमण (एनजीएस), सिक्किम विश्वविद्यालय।
7. उत्तर पूर्व भारत, नागालैंड के नागाओं में नेसो-फिरिन्गियल कार्सिनोमा के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति, नागा अस्पताल और प्राधिकरण।
8. अलक्षित एलसी/एमएस आधारित मेटाबोलिक कार्यनीति का उपयोग करते हुए आलिंद फिब्रिलेशन के साथ रूमेटिक हृदय रोग (आरएचडी) में मेटाबोलिक मार्करों की पहचान, पैथोलॉजी विभाग, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।

9. कोविड-19 में एचएलए एलील, टी-सेल एपिटोप पहचान और वायरस विविधताओं का अध्ययन: जैव सूचना विज्ञान और इम्यूनो-इन्फॉर्मेटिक कार्यनीति, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे और राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर), पुणे।
10. भारत में कोविड-19 हॉटस्पॉट में बुजुर्गों में रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने में बीसीजी वैक्सीन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन विभाग (पीएमएसडी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
11. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीएएन में एचएलए एंटीजन की भूमिका: एक केस कंट्रोल स्टडी, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
12. कोविड-19 से जुड़े पीडियाट्रिक मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम की व्यापकता और नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
13. अपवर्तक सीलिएक रोग की व्यापकता और प्रकारों का अध्ययन करने के साथ-साथ सीलिएक रोग से ग्रस्त गैर-प्रतिक्रियाशील रोगियों के समूह में सर्वोत्तम संभव लागत प्रभावी नैदानिक पैनल तैयार करना, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. उत्तर भारत में किसी तृतीयक उपचार केंद्र के आमवाती हृदय रोग से पीड़ित बच्चों और किशोरों में एचएलए क्लास II डीआर/डीक्यू अलीलों की संगति
2. क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण और इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का रोगजनन
3. एचएलए डायग्नोस्टिक सेवाओं के लिए लागत प्रभावी इन-हाउस विश्लेषण का विकास
4. गॉल ब्लैडर कैंसर के लिए सर्जरी कराने वाले रोगियों में एंटी-ट्यूमर इम्युनिटी और इसके मार्करों पर एनेस्थेटिक तकनीक का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
5. आनुवंशिक मार्करों में विविधता की स्थापना: प्रत्यारोपण निगरानी में संभावित उपयोग
6. "गुर्दे प्रत्यारोपण रोगियों में एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा रूपरेखा: तीव्र ग्राफ्ट डिस्फंक्शन में प्रासंगिकता"
7. गुर्दा प्रत्यारोपण में अस्वीकृति के पूर्वानुमान के लिए लक्षणों की पहचान
8. "हैपलो-आइडेंटिकल हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद प्रतिरक्षा पुनर्गठन"
9. तपेदिक में प्रतिरक्षा की दबी हुई स्थिति पर चेकपॉइंट अवरोधकों का प्रभाव
10. क्षय रोग में चेक प्वाइंट अणुओं को रोकना: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में इफ्लक्स पंप पर प्रभाव"
11. तपेदिक में पीडी-1 को रोकना: दवा प्रतिरोधी और दवा संवेदनशील रोगियों में प्रतिरक्षाविज्ञानी और नैदानिक परिणाम पर प्रभाव
12. उत्तर पूर्व भारतीय जनजातीय आबादी में एचएलए जीन का चरणबद्ध बहुरूपता विश्लेषण
13. क्षय रोग में एनकेटी कोशिकाएं: सुरक्षात्मक टी सेल प्रतिक्रिया पर प्रभाव।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 19 सार: 1

रोगी उपचार

गुर्दा प्रत्यारोपण

वृक्क विज्ञान, एम्स और अन्य रेफरल

गुर्दा प्रत्यारोपण सेवा	प्राप्तकर्ता	दानकर्ता	कुल
लाइव रिलेटिड ट्रांसप्लांट	107	116	223
केडेवर ट्रांसप्लांटेशन (किडनी)	11	0	11
क्रॉस मैच परीक्षण - सीडीसी (सीरोलॉजी)	141		
क्रॉस मैच परीक्षण - (फ्लोसाइटोमिट्री)	112		
लुमिनेक्स पीआरए	147		
लुमिनेक्स एसएबी (डीएसए मॉनीटरिंग)	128		

बोन मेरो/हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन

हेमेटोलॉजी, एम्स और अन्य रिफरल

रोग निदान	प्राप्तकर्ता	दानकर्ता	कुल
एप्लास्टिक एनीमिया	49	135	184
एक्यूट ल्यूकेमिया (एएमएल+एएलएल)	48	143	191
थेलेसेमिया	8	24	32
क्रोनिक ल्यूकेमिया (सीएमएल+जेएमएमएल)	7	21	28
अन्य	18	53	71
कुल	**130**	**376**	**506**

क्र.सं.	रोग निदान	परीक्षणों की संख्या 2020-21
क	**निम्न विभेदक एचएलए टाइपिंग (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एसएसओ लुमिनेक्स आधारित)**	
1.	एचएलए-ए लोकस	506
2.	एचएलए-बी लोकस	506
3.	एचएलए-सी लोकस	300
3.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	126
4.	एचएलए-डीआरबी3/4/5 लोकी	5

ख	**उच्च विभेदक एचएलए टाइपिंग** **(**सीक्वेंस आधारित टाइपिंग **(**एसबीटी**)** **/** अगली पीढ़ी की सीक्वेंसिंग (एनजीएस/एसएसओ लुमिनेक्स)	
5.	एचएलए**-**ए लोकस	15
6.	एचएलए**-**बी लोकस	18
7.	एचएलए**-**सी लोकस	15
8.	एचएलए-डीआरबी1	15
9.	एचएलए-डीक्यूबी1	15
10.	एचएलए-डीक्यूए1	15
ग	**डोनर विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) मॉनीटरिंग - लुमिनेक्स**	
11.	मिश्रित स्क्रीन (एचएलए श्रेणी I और II)	29+29
12.	एचएलए श्रेणी I (एसएबी)	8
13.	एचएलए श्रेणी II (एसएबी)	8
घ	**बीएमटी में काइमेरिज्म अध्ययन**	
14.	एचएससीटी के बाद के प्राप्तकर्ता	12
15.	एचएससीटी से पूर्व के प्राप्तकर्ता	10
16.	एचएससीटी दानकर्ता	10
	कुल परीक्षण	**1528**
ड.	**बीएमटी के लिए असंबंधित दानकर्ता खोजें** * वर्ष के दौरान, एचएलए मैच्ड दानकर्ताओं के लिए एशियन इंडियन डोनर मेरो रजिस्ट्री द्वारा अनुरोध प्राप्त किए गए।	5*

II. **रोग संबंधी एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण**

	रोग	**एचएलए परीक्षण**	**परीक्षणों की संख्या**
1.	एंकलोसिंग स्पांडीलाइटिस तथा अन्य स्पोंडीलो - अर्थरोपैथी	एचएलए - बी-27	208
2.	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूए1	2
3.	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूबी1	2
4.	नार्कोलेप्सी/केटाप्लेक्सी	एचएलए-डीक्यूबी1	1
5.	बेसेट्स रोग	एचएलए-बी*51	31
6.	औषध हाइपरसेंसिटिविटी स्क्रीनिंग	एचएलए-बी*57:01, बी*15:02	3
	कुल		**247**

	समस्त रोगी उपचार सेवाएं	परीक्षणों की संख्या
	एचएससीटी संबंधित और गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम	1528
	रोग संबंधी स्क्रीनिंग	247
	कुल	**1775**

बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन, आईआरसीएच, एम्स रेफरल्स

रोग निदान	प्राप्तकर्ता	दानकर्ता	कुल
एक्यूट ल्यूकेमिया-एएलएल	28	87	115
एक्यूट ल्यूकेमिया-एएमएल	57	136	193
क्रोनिक ल्यूकेमिया - (सीएमएल+जेएमएमएल)	09	32	41
अन्य	07	24	31
कुल	**101**	**279**	**380**

क्र.सं.	रोग निदान	परीक्षणों की संख्या 2020-21
क	**निम्न विभेदक एचएलए टाइपिंग (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एएसओ लुमिनेक्स आधारित)**	
1.	एचएलए-ए लोकस	426
2.	एचएलए-बी लोकस	424
3.	एचएलए-सी लोकस	25
4.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	72
ख	**उच्च विभेदक एचएलए टाइपिंग (सीक्वेंस आधारित टाइपिंग (एसबीटी) / एसएसओ लुमिनेक्स)**	
5.	एचएलए-ए लोकस	08
6.	एचएलए-बी लोकस	08
7.	एचएलए-सी लोकस	08
8.	एचएलए-डीआरबी1	08
9.	एचएलए-डीक्यूबी1	08
10.	एचएलए-डीक्यूए1	08
ग	**डोनर विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) मॉनीटरिंग - लुमिनेक्स आधारित परख**	
11.	एचएलए श्रेणी I (एसएबी)	04
12.	एचएलए श्रेणी II (एसएबी)	04

घ	**बीएमटी में काइमेरिज्म अध्ययन**	
13.	एचएससीटी के बाद के प्राप्तकर्ता	01
14.	एचएससीटी से पूर्व के प्राप्तकर्ता	01
15.	एचएससीटी दानकर्ता	01
	कुल परीक्षण	**1006**

रोग संबंधी एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण

क्र.सं.	**रोग निदान**	**एचएलए परीक्षण**	**परीक्षणों की संख्या**
16.	एंकलोसिंग स्पांडीलाइटिस तथा अन्य स्पोंडीलो-अर्थरोपैथी	एचएलए - बी-27	85
17.	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूए1	02
	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूबी1	02
18.	बेसेट्स रोग	एचएलए-बी*51	15
	कुल		**104**

प्राथमिक इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स

डायग्नोस्टिक्स (2020-21)	
इम्यून डेफिसेएंसी विकार	**6237**

प्राथमिक और द्वितीयक इम्यूनो-डेफिशिएंसी रोगों के लिए प्रदत्त निशुल्क सेवा

परीक्षणों की कुल संख्या (2020-21)			
क.सं.	**रोग निदान**	**मार्कर्स/एस्से**	**परीक्षणों की संख्या**
1.	टी सेल फ्रीक्वेंसी	सीडी**3**$^{+}$/सीडी**4**$^{+}$/सीडी**8**$^{+}$	1052
2.	बी सेल फ्रीक्वेंसी	सीडी**19**$^{+}$/सीडी**20**$^{+}$	1321
3.	एनके सेल फ्रीक्वेंसी	सीडी**3**$^{-}$/सीडी**16**$^{+}$/सीडी**56**$^{+}$	631
4.	एनके सेल एक्टिविटी	सीडी**3**$^{-}$/सीडी**56**^{dim}/परफोरीन$^{+}$	329
5.	एनके सेल एक्टिविटी	एसआईएल2आर	18
6.	एएलपीएस	सीडी**3**$^{+}$/सीडी**4/8**$^{-}$/**TCR**$\alpha\beta^{+}$	52
7.	ल्यूकोसाइटस एडेशन डेफिशिएंसी	सीडी**18**$^{+}$/सीडी**11a**$^{+}$/सीडी**11b**$^{+}$	251
8.	क्रोनिक ग्रेनुलोमेटस रोग	डीएचआर	1123
9.	हाइपर आईजीएम	सीडी**3**$^{+}$/सीडी**8**$^{-}$/सीडी**69**$^{+}$/सीडी**154**$^{+}$	15
10.	टी सेल प्रकार्य (आईएफएन-गामा)	सीडी**3**$^{+}$/सीडी**4**$^{+}$/आईएफएन-γ^{+}/आईएल-**2**$^{+}$	125
11.	क्लास स्विच मेमोरी	सीडी**19**$^{+}$/सीडी**27**$^{+}$/आईजीडी$^{-}$	59

12.	डीग्रेनुलेशन एसे	सीडी**3**$^-$/सीडी**56**^{dim}/सीडी**107a**$^+$	9
13.	आईएल**-12** एसे	सीडी**14**$^+$/आईएल**-12**$^+$	13
14.	मेमोरी टी सेल	सीडी**3**$^+$/सीडी**45**आरए$^+$/सीडी**45**आरओ$^+$	16
15.	सीरम आईजीए		325
16.	सीरम आईजीएम		362
17.	सीरम आईजीजी		351
18.	सीरम आईजीई		156
19.	सीरम आईजीजी उप-श्रेणियां		29
कुल			**6237**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ उमा कांगा को एशिया पैसिफिक हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचआईए) (2020-2022) के "एशिया पैसिफिक रीजन - काउंसलर" के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया; भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी (आईआईएस) के कोषाध्यक्ष के रूप में उनका कार्य जारी - (2018-2021); एशिया पैसिफिक हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचआईए) (2020-2022) की उपाध्यक्ष चुना गया; उन्हें, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एएसएचआई) की "अंतर्राष्ट्रीय समिति" का सह-अध्यक्ष नामित किया गया।

9.42. मूत्रविज्ञान

आचार्य और प्रमुख

अमलेश सेठ

आचार्य

राजीव कुमार

अपर आचार्य

प्रभजोत सिंह

सह-आचार्य

ऋषि नय्यर   वृषभानु नायक

सहायक आचार्य

सिद्धार्थ जैन   मनोज कुमार   संजय कुमार

विशिष्टताएं

क) विभाग ने 21 जून 2020 को "प्रभावी संचार और प्रस्तुतिकरण" पर एक यूएसआई-आईजेयू अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

ख) विभाग ने 2 जुलाई,2020 को "अनकॉमन एडवांस्ड मूत्रविज्ञान रिकंस्ट्रक्शन" पर एक यूएसआई-आईएसयू अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

ग) विभाग ने 19,सितम्बर,2020 को "यूरो ऑन्कोलॉजी अपडेट :ब्लैडर कैंसर" एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. बद्रीनाथ कोनेटी (यूएसए) और डॉ. आशीष कामत (यूएसए) ने अंतर्राष्ट्रीय संकाय-सदस्य के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया।

घ) 28 जनवरी, 2021 को एम्स, नई दिल्ली में "द पीपल हू पेव्ड द वे फॉर मी इन मूत्रविज्ञान" विषय पर डॉ. गोपाल बदलानी, आचार्य और उपाध्यक्ष, नैदानिक मामले, मूत्रविज्ञान, वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी हेल्थ साइंसेज, विंस्टन, नॉर्थ कैरोलिना, यूएसए द्वारा मूत्रविज्ञान में 5वां सरिंदर मान सिंह मेमोरियल व्याख्यान दिया गया।

ड.) डॉ. अमलेश सेठ ने सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में एनजेड-यूएसआईसीओएन 2020 की अध्यक्षता की।

च) ओपीडी विभाग को बढ़ाया गया और नए ओपीडी ब्लॉक में सप्ताह में 4 दिन ओपीडी की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

छ) विभाग ने एनसीआई झज्जर में नियमित मूत्रविज्ञान शल्य चिकित्सा सेवाएं शुरू की हैं।

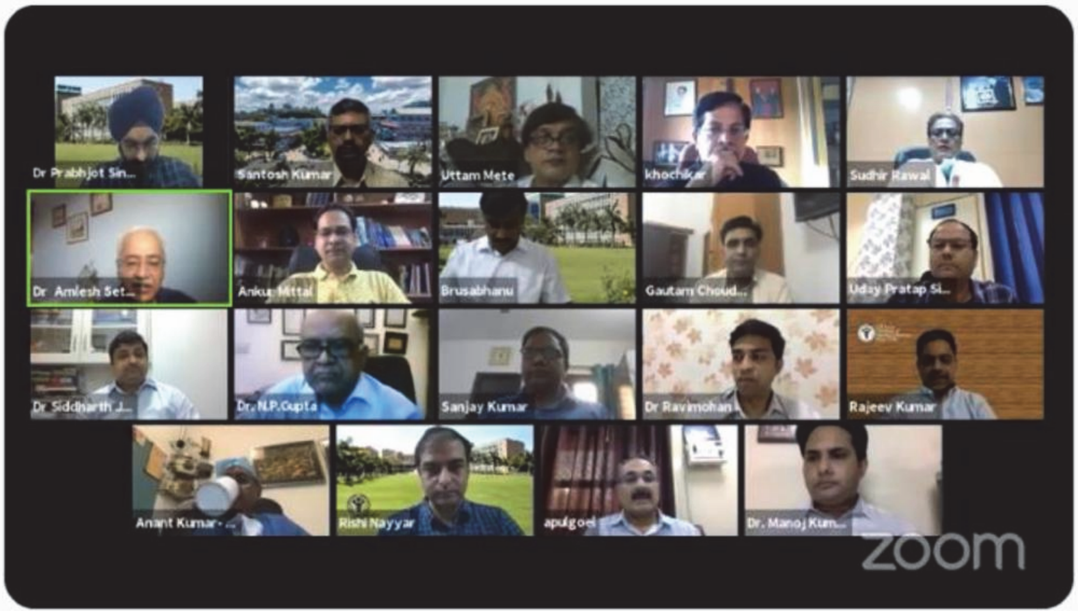

चित्र: 19 सितंबर 2020 को जारी अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "यूरो-ऑन्कोलॉजी अपडेट: ब्लैडर कैंसर"।

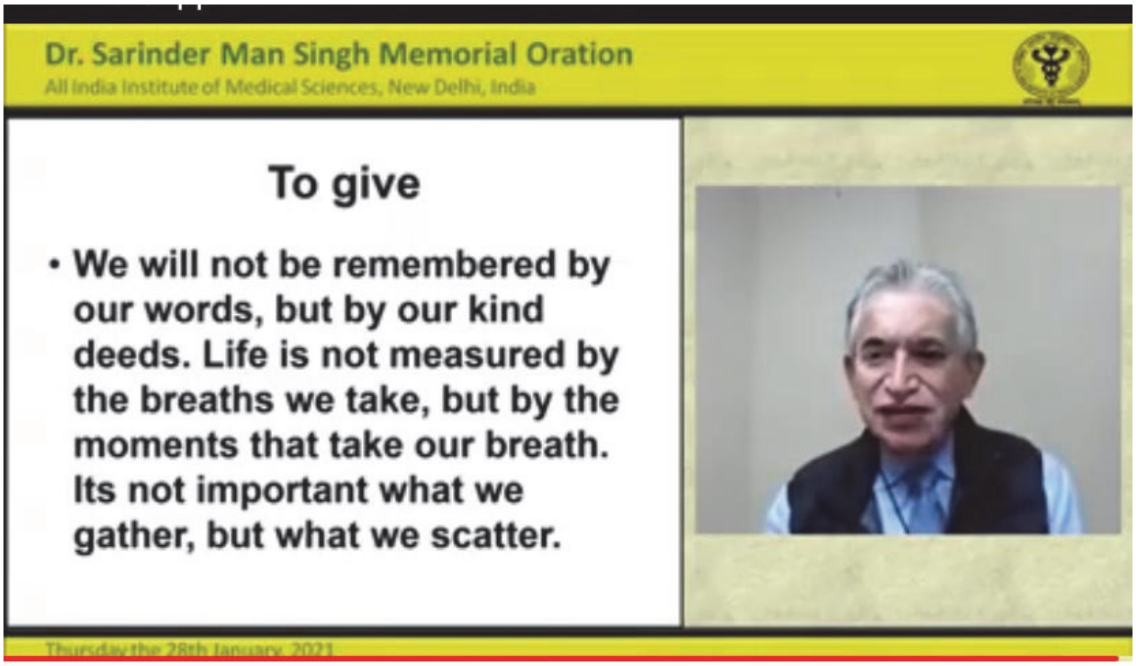

चित्र: 28 जनवरी 2021 को डॉ. गोपाल बदलानी, यूएसए द्वारा मूत्रविज्ञान में 5वां सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन के अवसर पर व्याख्यान दिया जा रहा है।

शिक्षा

विभाग के संकाय-सदस्यों ने वर्ष के दौरान निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में ऑनलाइन भाग लिया और व्याख्यान दिए। विभिन्न विश्वविद्यालयों में एनबीई और एम.सीएच मूत्रवि्ज्ञान के लिए वरिष्ठ संकाय सदस्य परीक्षक के रूप में हैं। अन्य आगामी संस्थानों के मूत्रवि्ज्ञान में एमसीएच और डीएनबी प्रशिक्षण के लिए विभाग के संकायों ने पाठ्यक्रम के पुनर्गठन और पुनर्रचना में सक्रिय रूप से भाग लिया। विभाग के संकाय भारतीय यूरोलॉजिकल सोसाइटी के तत्वावधान में विभिन्न भारतीय दिशानिर्देशों के विकास में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। विभाग ने स्नातक और नर्सिंग छात्रों

(बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान व्यवस्था की। स्नातक के लिए पाठ्यक्रम संशोधन में संकाय सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग तीन साल की अवधि में मूत्रविज्ञान में एमसीएच की डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित करता है। पोस्ट एमसीएच फैलोशिप प्रशिक्षण न्यूनतम इनवेसिव मूत्रविज्ञान, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रिकंस्ट्रक्टिव मूत्रविज्ञान और यूरोगाइनेकोलॉजी सहित उप-विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है। प्रत्येक उम्मीदवार ने 1 दिसंबर, 2020 में 'मिनिमली इनवेसिव मूत्रविज्ञान' और 'रिकंस्ट्रक्टिव मूत्रविज्ञान' के क्षेत्र में अपनी संबंधित फेलोशिप सफलतापूर्वक पूरी की।1 उम्मीदवार (यूरोगाइनेकोलॉजी) को प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग से तीन महीने के लिए रोटेट किया गया। विभाग ने वर्ष के लिए 3 गैर-शैक्षणिक रेसिडेंट्स की भी भर्ती की। एमएस (सामान्य शल्य चिकित्सा) रेसिडेंट्स को भी उनके पाठ्यक्रम के अनुसार मूत्र संबंधी प्रशिक्षण के लिए रोटेट किया गया। विभाग के संकायों ने छात्रों के लिए कौशल सेट के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो ई-लर्निंग की दिशा में लिया गया कदम है। संकायों ने अपने संकाय-सदस्य विकास सम्बंधित कार्यकर्म के लिए एसईटी सुविधा के लिए व्यख्यान भी लिए। यूरेथ्रल कैथीटेराइजेशन के लिए इंटर्न और एमबीबीएस छात्रों का प्रशिक्षण: पुरुष और महिला पुतला पेल्विस पर एसईटी सुविधा में किया गया था और इसे उनके नियमित पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। स्किल सिमुलेटर पर प्रशिक्षण (यूआरओ/पीईआरसी मेंटर) रेसिडेंट्स के प्रशिक्षण के नियमित पाठ्यक्रम का एक हिस्सा है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव के कारण अधिकांश शिक्षा ऑनलाइन माध्यम में हुई। सीमित ओटी समय और भर्तियों पर प्रतिबंध, सीमित-इन-पेशेंट बेड और उपलब्ध ओटी समय के कारण शल्य चिकित्सा संबंधी कौशल प्रशिक्षण और वार्ड प्रशिक्षण भी काफी प्रभावित हुआ।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने निम्नलिखित वेबिनार/सम्मेलनों का आयोजन किया।

- 21 जून 2020 को "प्रभावी संचार और प्रस्तुतिकरण" पर यूएसआई-आईजेयू अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
- 2 जुलाई 2020 को "अनकॉमन एडवांस्ड यूरोलॉजिकल रिकंस्ट्रक्शन" पर यूएसआई-आईएसयू अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।
- 19 सितंबर 2020 को "यूरो-ऑन्कोलॉजी अपडेट: ब्लैडर कैंसर" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

दिए गए व्याख्यान:

अमलेश सेठ: 33	**राजीव कुमार: 22**	**प्रभजोत सिंह: 16**
ऋषि नय्यर: 24	**वृषभानु नायक: 17**	**सिद्धार्थ जैन: 2**
मनोज कुमार: 1	**संजय कुमार: 1**	

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 11

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

चालू परियोजनाएं

1. मूत्राशय ब्लैडर कैंसर में एंटी-बी7एच4 थेरेपी का एक समुचित चिकित्सीय दृष्टिकोण, प्रभजोत सिंह, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।

2. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर, प्रभजोत सिंह, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 1 करोड़ रुपये।
3. भारी धातुओं, विषाक्त तत्वों का पर्यावरणीय जोखिम और मूत्राशय के कैंसर की शुरूआत और वृद्धि पर इसका प्रभाव, वृषभानु नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपये।
4. भारी धातुओं, विषाक्त तत्वों का पर्यावरणीय जोखिम और गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा प्रेरण और वृद्धि पर इसका प्रभाव, वृषभानु नायक, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 43,05,000 रुपये।
5. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) में संभावित मॉलिक्यूलर मार्कर (पीआरएल 3 फॉस्फेट', सीएवी2, एलएएमए4 और जीआरपी78) की पहचान: ट्यूमर व्यवहार का अनुमान लगाना, मनोज कुमार, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 5 लाख रुपये।
6. प्रोस्टेट कैंसर में स्टेजिंग मोडलिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 48,85,740 रुपये।
7. गुर्दे की पथरी की बीमारी में ट्रेस तत्वों की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2022, 97,61,605 रुपये।
8. संदिग्ध प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में सेमिनल एमआईआरएनए और सूजन संबंधी मार्करों की भूमिका का मूल्यांकन करने और एमपीएमआरआई और जीवित ऊतकों की जांच निष्कर्षों के साथ सहसंबंधित करना, सिद्धार्थ जैन, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 5 लाख रुपये।

पूर्ण

1. आंशिक नेफरेक्टोमी से पहले गुर्दे की रोगी-विशिष्ट त्रि-आयामी मुद्रण का नैदानिक मूल्य: मात्रात्मक और गुणात्मक मुल्यांकन, ऋषि नय्यर, एम्स, 1+1 (विस्तार) वर्ष, 2018-20, 5,00,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मेटास्टैटिक रीनल सेल कैंसर में 68 गैलियम पीएसएमए पीईटी/सीटी।
2. इंटरमीडिएट जोखिम एनएमआईबीसी के लिए रीसर्कुलैन्थीपरथर्मिकइंट्रावेसिकल कीमोथेरेपी बनाम इंट्रावेसिकल बीसीजी बनाम कन्वेंशनल इंट्रावेसिकलमिटोमाइसिन सी थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक 3-आर्म यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
3. पेशी संबंधी आक्रामक मूत्राशय कैंसर (एमआईबीसी) के उपप्रकारों में पीडीएल1 अभिव्यक्ति और ट्यूमर उत्परिवर्तनीय बर्डन (टीएमबी) का मूल्यांकन।
4. बांझ पुरुषों में अशुक्राणुता के कारण के रूप में रुकावट के निदान के लिए सेमिनल बायोमार्कर का मूल्यांकन।
5. एडवांस प्रोस्टेट कैंसर द्वारा प्रेरित कैथेटर पर आश्रित मूत्राशय आउटलेट बाधा वाले मरीजों में प्रोस्टेट धमनी एम्बोलिज़ेशन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता।
6. आरएआरपी के दीर्घकालिक परिणाम।

7. अधिक आक्रामक घातक आरसीसी से सौम्य ठोस वृक्क द्रव्यमान को अलग करने के लिए टीसी99एम सेस्टाएमआईबीआई स्कैन का संभावित मूल्यांकन।
8. युवा पुरुष रोगियों में निचले पथ के लक्षणों को कम करने के एटियलॉजी का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन।
9. गैर-पेशी आक्रामक ब्लैडर कैंसर के पूर्ण शोधन के बाद इंट्रावेसिकल जेमिसिटाबाइन बनाम माइटोमाइसिन-सी की एकल खुराक पेरीऑपरेटिव इन्स्टलेशन पर यादृच्छिक परीक्षण: प्रभावकारिता और सहनशीलता का मूल्यांकन
10. मूत्रवाहिनी पथरी के रोगियों में रेडो / विस्तारित चिकित्सा थेरेपी की भूमिका।
11. नियमित यूरोलॉजिकल सर्जरी में कैथीटेराइजेशन से पहले यूरेथ्रल पोविडोन-आयोडीन विन्दुपातन की भूमिका।
12. सीरम पीएसए प्रवृत्तियों और पूर्व नकारात्मक बायोप्सी वाले पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने की दर-एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
13. एकपक्षीय बनाम द्विपक्षीय वैसोएपिडीडिमल एनास्टोमोसिस: संभावित यादृच्छिक परीक्षण।

पूर्ण

1. वीवीएफ सुधार कराने वाले रोगियों में लंबे समय तक यौन और असंयम के परिणाम।
2. रोबोट-सहायता प्राप्त रेडिकल प्रोस्टेटैक्टोमी के परिणाम: किसी एक केंद्र से 10 साल का अनुभव।
3. पीसीएनएल के लिए विभिन्न बोल्स्टर पदों का रेडियोलॉजिकल एंथ्रोपोमेट्रिक मूल्यांकन।
4. कार्सिनोमा यूरिनरी ब्लैडर में रोग के चरण और ग्रेड का अनुमान लगाने में विआईआरएडी (संस्करण1) का उपयोग करते हुए एमपी एमआरआई की भूमिका।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध के साथ रिनल सेल कार्सिनोमा की विशेषता, वि□किरण वि□ज्ञान/एम्स।
2. कम खुराक वाले डिल्टियाज़ेम इनफ्यूज़न के साथ और बिना फीयोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लिओनोमा सर्जरी कराने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव अवधि में हेमो डायनामिक प्रोफाइल, संवेदनाहरण विज्ञान/एम्स।
3. प्रसवोत्तर रोगियों में विभिन्न मूत्रजननांगी संबंधी समस्याओं की घटना और प्रसव की वि□धि, से इसका संबंध, प्रसूति और स्त्री रोग/एम्स।
4. फीयोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंग्लिओमा वाले रोगियों की मॉलिक्यूलर प्रोफाइल और फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंध: प्रबंधन और पूर्वानुमान में निहितार्थों को समझना, वि□कृति जनन/एम्स।

5. सर्जिकल ट्यूमर हटाने वाले फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लिओमा के रोगियों में इन्फीरियर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापा गया प्रीऑपरेटिव इंट्रावास्कुलर वॉल्यूम स्टेटस: एक संभावित अवलोकनात्मक कोहोर्ट स्टडी, संवेदनाहरण/एम्स।
6. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों, में अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन के पूरकता के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण भेषजगुण वि□ज्ञान/एम्स।
7. बांझ पुरुषों में मेथिलनेटेट्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (एमटीएचएफआर) पॉलीमॉर्फिज्म के संबंध का अध्ययन, शरीर रचना/एम्स।
8. इडियोपैथिक पुरुष बांझपन में टेलोमेयर की स्थिति और डीएनए सुधार तंत्र, शरीर रचना/एम्स।
9. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के डायग्नोसिस और फॉलो अप में गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग, नाभिकीय चिकित्सा/एम्स।

पूर्ण

1. अतिसक्रिय मूत्राशय के उपचार के लिए डेरीफेनासीन बनाम मिराबेग्रोन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग, एम्स।
2. क्लिनिको-माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफाइल और यूरोसेप्सिस के रोगियों के परिणाम, सूक्ष्मजैवविज्ञान, एम्स।
3. बेरिएट्रिक सर्जरी कराने वाले मरीजों में असंयम का मूल्यांकन, सर्जरी/एम्स।
4. प्रोस्टेट कैंसर में इन-विट्रो यूरिनरी और सीरम एनएमआर आधारित मेटाबोलोमिक्स, एनएमआर/एम्स।
5. जीयूटीबी रोगियों में जीन एक्सपर्ट यूरिन की भूमिका, काय-चिकित्सा/एम्स।
6. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में इन-बोर एमआर गाइडेड बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर/एम्स।
7. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी के दौर से गुजर रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड इरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक - एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, संवेदनाहरण वि□ज्ञान/एम्स।

प्रकाशन

पत्रिका: 32 सार: 5 पुस्तकों में अध्याय: 7 किताबें और मोनोग्राफ: 1

रोगी उपचार

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लिनिक और/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए मामले:	3715
पुराने मामले:	6640
फॉलो अप टेली-परामर्श	1526

(ओपीडी को 16 मार्च, 2020 से पुराने आरएके से नये आरएके भवन में स्थानांतरित कर दिया गया)

बीआरएआईआरसीएच यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक

नए मामले: 270

पुराने मामले: 2519

एंड्रोलॉजी एंड इनफर्टिलिटी क्लिनिक

नए मामले: 59

पुराने मामले: 48

भर्ती

दीर्घकालिक भर्ती : 834

अल्पकालिक भर्ती : 365

डिस्चार्ज : 1199

मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं: 636

ओपन सर्जरी : **139**

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	19	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफरेक्टोमी	14+2
नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टोमी	1	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल	4
सालवेज सिस्टेक्टॉमी	0	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	6
आंशिक सिस्टेक्टोमी	1	सिंपल नेफरेक्टोमी	4
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	2	आंशिक नेफरेक्टोमी	9
एंटीरियर ले ओपन	0	हेमिनेफ्रेक्टोमी	0
ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	0	आरपीएलएनडी	6
ऑग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	0	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	0
एड्रेनालेक्टोमी	1	दूसरे चरण का समापन	1
आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ एड्रेनालेक्टोमी	0	पाइलोप्लास्टी	3
पैरागैंग्लिओमा एक्स्सिजन	0	कॉन्टिनेंटल कैथीटेराइजेबल पाउच	0
यूरेटेरिक रीइम्प्लांट	2	बोअरी फ्लैप	0
वीवीएफ रिपेयर	0	यूरेटेरोयूरेटेरोस्टोमी	0
वेसिकौटेरिन फिस्टुला रिपेयर	0	टोटल पेनेक्टॉमी	0
ऑर्किडोपेक्सी/ऑर्किएक्टोमी (अवांछित वृषण)	29	प्रोस्टेटक्टोमी	0
एयूएस इम्प्लांटेशन / पेनाइल प्रोस्थेसिस	1	आंशिक पेनेक्टॉमी	0
पेरिनियल यूरेथ्रोस्टोमी	1	हाइपोस्पेडिया की मरम्मत	1
यूरेरोलिथोटॉमी / सिस्टोलिथोटॉमी	1+2	टीवीटी/टीओटी	0
इलियोइंगिनल लिम्फ नोड डिस्सेकशन	1	यूरेटेरोकैलीकोस्टॉमी	0
उच्च वंक्षण ओर्चीएक्टोमी	3	सर्कमसीजन	20
		अन्य	5

***एंडोयूरोलॉजी* : 435**

ऊपरी प्रणाली : 111		**निचली प्रणाली : 323**					
पीसीएनएल	34	टीयूआरपी /टीयूआईपी /टीयूईबी	18	सीएलटी	9	डीजेएस	112
यूआरएस	43	टीयूआरबीटी	11 3	पीसीसीएलटी	0	डीजेआर	14
आरआईआरएस	33	टीयूआर फुलगुरेशन	4	एचओएलईपी	0	ओआईयू/बीएसएनआई /एंडोडाईलेटेशन	6
पीसीएनयूएल	1	टीयूआरईडी	0	एचओएलसीटी	0	डिफ्लक्स इंजेक्शन	0
एंडोपाइलोटॉमी	0	थक्का निकासी	1	पीवीपी	0	लेसर वेल्डिंग	0
		एंडोइवैल्यूएशन/आरजीपी	28	यूरेटरोसेल चीरा	3	अन्य	16

***लेप्रोस्कोपिक* : 26**

रेडिकल या साइटोरेक्टेक्टिवनेफरेक्टोमी	8	आंशिक नेफरेक्टोमी	0
सिंपल नेफरेक्टोमी	3	एड्रेनलक्टोमी	7
सिंपल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	1	रेडिकल नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	2
रेट्रोपेरिटोनोस्कोपिक नेफरेक्टोमी / नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	1	यूरेटेरोलिथोटॉमी	2
पाइलोप्लास्टी	0	लैप रेडिकल प्रोस्टेटैक्टोमी	0
पाइलोलिथोटॉमी	0	पैरागैंग्लिओमा एक्सीजन	0
यूरेटेरिक रीइम्प्लांट	0	डायग्नोस्टिक लैप	0
लैप रेडिकल सिस्टेक्टॉमी ± नेफ्रोयूरेटेरेक्टॉमी	1	अन्य	1

***रोबोटिक* : 33**

रेडिकल प्रोस्टेटक्टोमी	7	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	2	पाइलोप्लास्टी	4
यूरेटेरोलिथोटॉमी	0	सरल प्रोस्टेटैक्टोमी	0	यूररिक रीइम्प्लांट	2
आंशिक नेफरेक्टोमी	14	रेडिकल नेफरेक्टोमी	3	अन्य	1

***माइक्रोसर्जरी* : 3**

वीईए	3	वीवीए	0	एमवीएल	0
स्क्रोटल एक्सप्लोरेशन	0	टीईएसई	0		

माइनर ओटी: 3928

इंडोस्कोपिक	973
ओपन	5
माइनर मामले	1418
यूरोफ्लोमेट्री	1429
यूरोडायनामिक अध्यनन	103

ईएसडब्ल्यूएल: 151

नए मामले	61	पुराने मामले	90

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं: 55

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	27	एस.पी.सी.	1
एमआरआई – टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी	13	पीसीएन	3
बोर बायोप्सी में	1	यूएसजी	10

(ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

1. दूरदर्शन पर कई स्वास्थ्य वार्ता कार्यक्रम (अमलेश सेठ)
2. पुरुषों के स्वास्थ्य के लिए 'मुवेंबर' अभियान के लिए 30 नवंबर 2020 को फेसबुक लाइव पर "प्रोस्टेट हेल्थ एंड केयर" पर सीधी वार्ता (ऋषि नय्यर)

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य अमलेश सेठ वर्ल्ड यूरो-ऑन्कोलॉजी फोरम के कार्यकारी परिषद के सदस्य थे; मूत्रविज्ञान में मानक उपचार कार्यप्रवाह के लिए आईसीएमआर की समिति के अध्यक्ष; पीएम जेएवाई के तहत एनएचए के साथ स्वास्थ्य लाभ पैकेज पर परामर्श के लिए मूत्रविज्ञान विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष; डीसीजीआई के तहत मूत्रविज्ञान और प्रजनन पर विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे।

आचार्य राजीव कुमार, शासी निकाय, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के सदस्य; परियोजना समीक्षा और संचालन समूह के सदस्य; इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; योजक विनिर्माण पर उत्कृष्टता केंद्र पर विशेषज्ञ समिति, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), एम्स, नई दिल्ली; वैज्ञानिक समिति के सह-अध्यक्ष और निदेशक मंडल, सोसाइटी इंटरनेशनल मूत्रविज्ञान के सदस्य; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति और सह-ऑप्ट कार्यकारी सदस्य, यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया; मुख्य संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान ; सह-संपादक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया ; अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार संपादक, जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ़ एंडोयूरोलॉजी; कार्यकारी सदस्य, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान इंटरनेशनल; सह-संपादक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इन्वेस्टिगेटिव और क्लिनिकल मूत्रविज्ञान; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एशियन जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान; मानद सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स।

डॉ प्रभजोत सिंह यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया यूआरओएमईटी कार्यक्रम के शिक्षा बोर्ड के लिए प्रमुख संकाय थे; एसईटी (स्किल ई-लर्निंग-टेलीमेडिसिन) सुविधा हेतु संकाय।

डॉ ऋषि नैय्यर, संयोजक समूह, यूएसआई, 2020-2022 के पुनर्निर्माण मूत्रविज्ञान उपखंड के सदस्य थे; एम्स, नई दिल्ली में इंट्राकोर्पोरियलियल कन्डिट के साथ पहला रोबोटिक रेडिकल

सिस्टेक्टॉमी; इंट्राकोर्पोरियल नियोब्लैडरेट एम्स, नई दिल्ली के साथ पहला रोबोटिक रेडिकल सिस्टेक्टॉमी; दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसाइटी की ओर से अचीवर्स अवार्ड 2020, जनवरी 2021; आईएसयू-यूएसआई फरवरी 2021 के लिए 'यूरो एजुकेशन एंड यूरोमेट' में मेंटर होने के लिए स्क्रॉल ऑफ ऑनर से सम्मानित; विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) के सदस्य (अनुसंधानात्मक नई दवाएं सहित (आईएनडी), डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के तहत नैदानिक परीक्षण और नए चिकित्सा उपकरण आदि शामिल); एनबीई, नई दिल्ली के लिए डीएनबी (जेनिटो-यूरिनरी सर्जरी) का शोध मूल्यांकन; यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया यूरोमेट कार्यक्रम के शिक्षा बोर्ड के लिए प्रमुख संकाय; एस.ई.टी. (स्किल-ई लर्निंग-टेलीमेडिसिन) सुविधा के लिए संकाय; डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के तहत विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) के सदस्य; डीजीएचएस, डीसीजीआई (भारत) के कार्यालय के तहत डीटीएबी के लिए सह-ऑप्टेड सदस्य और विषय विशेषज्ञ (मूत्रविज्ञान); संपादकीय समिति के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ मूत्रविज्ञान।

डॉ वृषभानु नायक को आईएमएसए (अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; "रेडिकल सिस्टेक्टॉमी कराने वाले रोगियों में सर्जरी प्रोटोकॉल के बाद उन्नत रिकवरी के साथ और बिना परिणामों की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" शीर्षक वाले शोध पत्र के लिए आईजेयू 2020 सर्वश्रेष्ठ मूल लेख से सम्मानित किया गया। इंडियन जे यूरोल 2020; 36:95 100; "मेटास्टैटिक क्लियर-सेल रीनल सेल कार्सिनोमा" के लिए टाइरोसिन किनेज इनहिबिटर्स प्राप्त करने वाले मरीजों में इंट्रा-ट्यूमर सीएक्ससीआर1 एक्सप्रेशन की प्रोग्नॉस्टिक और प्रेडिक्टिव रोल शोध पत्र के लिए 54वें यूएसआईसीएन वार्षिक सम्मेलन में सीकेपी मेनन सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार; "मेटास्टैटिक क्लियर-सेल रीनल सेल कार्सिनोमा वाले मरीजों में ट्यूमर कोशिकाओं को प्रसारित करने की भूमिका" शीर्षक शोध पत्र के लिए 30 एनजेड-यूएसआईसीओएन 2021 में मरुधर जोधपुर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

10.1. हृद् वक्ष विज्ञान केंद्र

हृद् विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनिता सक्सेना

आचार्य

एसएस कोठारी	बलराम भार्गव	केसी गोस्वामी
आर नारंग	एस सेठ	एस मिश्रा
राकेश यादव	एन नायक	जी कार्तिकेयन
गौतम शर्मा	एस सिंह	अंबुज रॉय
	एस. रामाकृष्णनन	

अपर आचार्य

सौरभ के गुप्ता

सह-आचार्य

दीप्ति सिद्धार्थन	सत्यवीर यादव	राघव बंसल
जय रेलान		अरविंद बी

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एसके चौधरी

आचार्य

यूके चौधरी	एके बिसोई	वी देवागुरू
मिलिंद पी होते		सचिन तलवार

अपर आचार्य

मनोज कुमार साहू	पी राजशेखर

सह-आचार्य

सर्वेश पाल सिंह	रमेश पी मेनन

सहायक आचार्य

प्रदीप रामकृष्णनन	उम्मेद सिंह धत्तरवाल	सुखजीत सिंह (संविदा पर)

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संदीप चौहान

आचार्य

नीति मखीजा | पूनम मल्होत्रा | मिनाती चौधरी
शंभुनाथ दास | परागघरडे | विश्वास मलिक

सह-आचार्य

सुरुचि हसीजा | अरिंदम चौधरी

हृद् जैव रसायन

आचार्य

लक्ष्मी रामाकृष्णनन

वैज्ञानिक ।

मनोज कुमार तेम्ब्रे

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य

चेतन डी पटेल

हृद् विकृति विज्ञान

आचार्य

रूमा रे

अपर आचार्य

सुधीर कुमार अरावा

हृद् वाहिका विकिरण विज्ञान एवं अंत:वाहिका इंटरवेंशन्स

आचार्य और प्रमुख

संजीव शर्मा

आचार्य

प्रिया जागिया

सह-आचार्य

संजीव कुमार

सहायक आचार्य (संविदा पर)

अमरिंदर सिंह मल्ही | नीरज एन पांडे | मनीष शॉ

मूल कोशिका सुविधा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुजाता मोहंती

रक्ताधान सेवाएं

मुख्य चिकित्सा अधिकारी - वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

अंजलि हजारिका

सहायक आचार्य

गोपाल पाटीदार

अधीक्षण चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

वीना बेलानी

मुख्य तकनीकी अधिकारी

बिजय माझी	गुलशन मेहता
गजेंद्र सिंह चौहान	पीएस राजपूत

विशिष्टताएं

हृद् विज्ञान

वर्ष 2020-2021 में, कार्डियोलॉजी विभाग ने महामारी के मध्य भी लगभग 35,000 से अधिक बाहर से आए रोगियों का इलाज किया एवं पर्याप्त संख्या में फोन पर भी सलाहें दीं। कोविड-19 महामारी के मध्य भी 1000 से अधिक रोगियों का उपचार एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर, डिवाइस इम्प्लांटेशन और बैलून वाल्वोप्लास्टी सहित इंटरवेंशनल प्रोसीजर के माध्यम से हुआ। विभाग ने इस कठिन समय के मध्य कोविड और गैर-कोविड क्षेत्रों में कार्डियोलॉजी सेवाएं प्रदान कीं। इस अवधि के मध्य, विभाग ने कई शोध परियोजनाओं में भाग लिया, जिसमें हृदय रोगों के विविध क्षेत्र में पीड़ित रोगियों का उपचार किया गया, जिसमें हृदय का दौरा, हृदय की विफलता और जन्मजात हृदय रोग में कोविड संक्रमण सम्मिलित है। एसटीईएमआई, उच्च रक्तचाप, हृदय का रुक जाना, रूमेटिक हृदय रोग और जन्मजात हृदय रोग से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशन विज्ञान की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। विभाग ने कुछ ऑनलाइन कार्डियोलॉजी बैठकें आयोजित कीं। विभाग के फैकल्टी प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा हैं जिनमें इंडियन हार्ट जर्नल, एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीवीएस सम्मिलित हैं। विभिन्न फैकल्टी सदस्य महत्वपूर्ण समितियों का भाग बने थे। रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा, विभाग देश में कार्डियोलॉजी में अकादमिक नए कदमों को आगे बढ़ाने के लिए सम्मिलित था। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्डियोलॉजी निकायों में कार्यकारी पदों के लिए विभाग के फैकल्टी सदस्यों को चुना गया है और अकादमिक एजेंडे पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद की है।

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा

कोविड-19, और एम्स और विभाग के कामकाज पर जो नए प्रतिबन्ध लगे और नई तरह की रोकें लगीं, उसके बावजूद भी सीटीवीएस विभाग ने हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा की सब स्पेशिलिटी में रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के लक्ष्यों का अनुसरण नीतिगत निर्णयों को ध्यान में रखते हुए किया

गया एवं साथ ही स्थिति की आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी ढंग से प्रयोग के साथ विभाग के सर्जरी के कार्य को जारी रखा गया। चूंकि हृदय रोगियों को आकस्मिक देखभाल की आवश्यकता होती है, और आकस्मिक सर्जरी ही एकमात्र विकल्प है, उन रोगियों का चयन करने में इसी कारक को ही ध्यान में रखा गया था जो गंभीर थे और जो कमजोर थे। इन प्रतिबंधों के बावजूद, कुल 1297 रोगियों को एक जीवन बचाने वाली प्रक्रिया के रूप में तत्काल हृदय सर्जरी प्रक्रियाओं को करवाना पड़ा था। इनमें से 624 वयस्क रोगी थे और 673 ऐसे रोगी थे, जिनमें जन्मजात ही हृदय रोग था, और जिनमें गंभीर बीमार नवजात से लेकर शैशवावस्था तक के रोगी और ऐसे वयस्क रोगी थे, जिन्होनें अपनी बीमारी पर ध्यान नहीं दिया था। कहने की आवश्यकता नहीं है कि इनमें हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा के सभी आयाम सम्मिलित थे। यहां तक कि एक हजार मील दूर से हृदय प्राप्त करके सफल प्रत्यारोपण भी किया गया। विभाग ने अपना वीएडी कार्यक्रम भी फिर से शुरू किया। विभाग की सघन देखभाल टीम संक्रमण नियंत्रण में भी बहुत सक्रिय भूमिका निभा रही थी और विभाग में प्रकोप को रोकने के लिए सर्जरी से पहले कोविड-19 के रोगियों की आक्रामक रूप से जांच की गई।

कार्डियोलॉजी विभाग के संयोजन में, 2949 से अधिक रोगियों को भर्ती रोगियों के अनुसार उपचार किया गया और लगभग 206,362 रोगियों को आउट पेशेंट सेवाओं में सम्मिलित किया गया। इसके अतिरिक्त, साप्ताहिक ओपीडी के दिनों में तीन दिन फोन से परामर्श के आधार पर असंख्य रोगियों को उपचार उपलब्ध कराया गया और इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से निर्दिष्ट टेलीफोन नंबरों पर आपातकालीन टेलीफोन परामर्श उपलब्ध थे। एम्स के विभिन्न वार्डों में भर्ती गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों की देखभाल के लिए भी हमारे विभाग ने सक्रिय रूप से योगदान दिया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों के साथ अनुसंधान, प्रकाशन और सहयोग पर हमारे विभाग ने मुख्य रूप से ध्यान केन्द्रित किया था। वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान और पेपर प्रस्तुतियाँ विशेष रूप से ऑनलाइन थीं। विभागीय फैकल्टी ने 57 आमंत्रित दिए गए व्याख्यान और विभिन्न सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुत किए और 75 से अधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन किया गया। विभाग की शैक्षिक गतिविधियों में वयस्क, बाल चिकित्सा, एओर्टिक सर्जरी और गंभीर और सघन देखभाल सहित वेबिनार में भागीदारी सम्मिलित थी।

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

- कार्डिएक एनेस्थीसिया विभाग के फैकल्टी और रेजिडेंट डॉक्टरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्मानित किया गया।
- पूरे भारत में विभिन्न डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, एमडी एनेस्थीसिया और डीएनबी एनेस्थीसिया पाठ्यक्रम और परीक्षा पत्रों को बनाने के लिए सभी प्रोफेसर और एडिशनल प्रोफ़ेसर परीक्षक थे।
- विभाग पीडियाट्रिक कार्डिएक एनेस्थीसिया में फेलोशिप शुरू करने में अग्रणी रहा है और जल्द ही वैस्कुलर एनेस्थीसिया में फेलोशिप शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी है।
- विभाग के सभी फैकल्टी विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्डिएक एनेस्थीसिया, एनेस्थीसिया और इकोकार्डियोग्राफी पत्रिकाओं के समीक्षा सदस्य संपादक, संपादकीय बोर्ड में हैं।
- डॉ. नीति मखीजा आईसीसीए के सदस्य के रूप में कार्य कर रही हैं।

- डॉ. पूनम मल्होत्रा एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा (गैर-निर्वाचित) के अध्यक्ष के रूप कार्य कर रही हैं एवं एसडब्ल्यूएसीईएलएसओ (गैर-निर्वाचित) की शिक्षा / सिमुलेशन और संचार की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में नामांकित हैं।
- वह जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर (जेसोसोसो) की प्रधान संपादक हैं। 2020-21 में इस पत्रिका के 4 अंक आए हैं।
- जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर के संपादकीय/सलाहकार बोर्ड में अधिकांश फैकल्टी सदस्य हैं।
- कार्डिएक एनेस्थीसिया विभाग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 57 प्रकाशन प्रकाशित किए गए हैं।
- विभाग के फैकल्टी ने कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और पत्र प्रस्तुत किए / व्याख्यान प्रदान किए हैं।

हृद् जैव रसायन

हमारा विभाग कई अनुसंधान में सक्रिय है और जैसा कि इसे प्रदत्त कई प्रकार के अनुदान पता चलता है और साथ ही कई अन्य विभाग भी ऐसी परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में तीन छात्र पीएचडी कर रहे हैं और कार्डियक बायोकैमिस्ट्री के फैकल्टी को-गाइड के रूप में 6 अन्य पीएचडी थीसिस में सम्मिलित हैं। यूनिसेफ और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे पोषण सर्वेक्षण के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में विभाग के फैकल्टी सदस्य अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं। क्रोनिक किडनी रोग पर एक परियोजना के लिए आँध्रप्रदेश सरकार के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी विभाग के फैकल्टी हैं। यह उपलब्धियां असंक्रामक रोगों और एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य होने के अतिरिक्त अन्य गतिविधियाँ है।

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

हृद् वक्ष विज्ञान केंद्र (सीटीसी) में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाएं करता है और डुअल हेड स्पेक्ट-सीटी गामा कैमरा से लैस है। इस वर्ष कोविड महामारी के मध्य लॉकडाउन के कारण वैकल्पिक क्लीनिकल प्रक्रियाओं की संख्या कम थी, हालांकि विभाग पूरी अवधि के मध्य कार्य करता रहा था एवं कार्डियोलॉजी विभाग में रोगियों तथा कीमोथेरेपी की प्रतीक्षा कर रहे आईआरसीच के कैंसर रोगियों को अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा था। हमारी यह इकाई शिक्षण और शोध कार्य में भी सक्रिय रूप से सम्मिलित थी। न्यूक्लियर मेडिसिन में एमएससी और न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल करने वाले स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं में रोटेशनल आधार पर प्रशिक्षित किया गया था। मैं 9 डीएम, एमडी और पीएचडी छात्रों की थीसिस या शोध पत्र कार्य में सम्मिलित था जहां परमाणु कार्डियोलॉजी उनके शोध कार्य का हिस्सा है। टीसी99एम-लेबल वाले ट्रेसर के साथ मायोकार्डियल परफ्यूज़न स्पेक्ट और F-18 एफडीजी के साथ पीएटी अध्ययन किए गए। हमने कार्डियक सार्कोइडोसिस और इंफ्लेमेटरी पैथोलॉजी के लिए गैलियम-68 डॉटानोक जैसे गैर-एफडीजी ट्रेसर के प्रयोग का सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया और उसके परिणाम हमारी पियर पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। कार्डिएक सार्कोइडोसिस में कार्डियक एमआर

और गैलियम-68 डॉटानॉक की तुलना करने वाला एक अध्ययन भी प्रकाशित किया गया है। हमने F-18 एफडीओपीए की सम्भावना का मूल्यांकन भी कार्डिएक सिम्पैथेटिक इनर्वेशन्स के मूल्यांकन के लिए किया है जिसे जर्नल ऑफ न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया था। हाल ही में, हमने टीसी99एम पाइरोफॉस्फेट (पीवाईपी) के प्रयोग से कार्डियक अमाइलॉइडोसिस के लिए इमेजिंग शुरू की है और इसके साथ ही हम ब्रिघम और महिला अस्पताल/हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए द्वारा संचालित "भारत, कुवैत और दक्षिण अफ्रीका में उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय अमाइलॉइडोसिस केंद्रों की स्थापना" नामक एक परियोजना में प्रतिभागिता कर रहे हैं। हम अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित "कार्डियो-ऑन्कोलॉजी अध्ययन (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन" नामक अंतरराष्ट्रीय बहु-केंद्र अनुसंधान परियोजना में मुख्य अन्वेषक हैं।

हृद् विकृति विज्ञान

- हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नियमित डायगनोस्टिक रिपोर्टिंग
- स्नातक विद्यार्थियों को शिक्षा (व्याख्यान, व्यावहारिक, संगोष्ठी, समूह चर्चा, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल केस चर्चा, सकल और माइक्रोस्कोपी प्रदर्शन)
- स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षा
- सुपरस्पेशलिटी विद्यार्थियों को शिक्षा (डीएम, एमसीएच)
- स्नातकोत्तर संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों का समन्वय
- कार्डियोपल्मोनरी पैथोलॉजी अंतर्विभागीय सम्मेलनों का आयोजन
- अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियाँ, विशेष रूप से हृदय से संबंधित और
- पल्मोनरी और डर्माटोपैथोलॉजी पैथोलॉजी
- विभागीय अनुरक्षण एवं विभागीय पुस्तकालय समिति के प्रभारी
- एम्स परीक्षा अनुभाग में एमसीक्यू आधारित प्रश्नों का नियमित योगदान
- विभाग और संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने पर अन्य कर्तव्य

हृद् वक्ष वाहिका विकिरण विज्ञान

शिक्षा

विभाग के शिक्षकों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में **व्याख्यान प्रदान किए हैं**। विभाग ने कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग और एंडोवास्कुलर कार्यों के विभिन्न पहलुओं पर शिक्षा और शिक्षण के लिए विभिन्न ऑनलाइन सीएमई कार्यक्रम आयोजित किए। हमारी फैकल्टी कई वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों और समीक्षकों की सदस्य हैं।

अनुसंधान

विभागीय फैकल्टी अनुसंधान परियोजनाएं और थीसिस चला रहा है। उन्होंने विभिन्न सहकर्मी समीक्षा अंतरराष्ट्रीय जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किए। एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में पत्र प्रस्तुत किए गए। इसके अतिरिक्त, कई चैप्टर भी कई पुस्तकों में प्रकाशित किए गए थे।

नैदानिक देखभाल

विभाग ने अस्पताल में विभिन्न विशिष्ट विभागों से रेफर किए गए रोगियों को कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर इंटरवेंशनल उपचार सेवाएं प्रदान करना जारी रखा है।

स्टेम सेल सुविधा

पिछले वित्तीय वर्ष, 2020-2021 के मध्य स्टेम सेल सुविधा/परिसर (एससीएफ) स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा में मूलभूत, प्रीक्लिनिकल और क्लीनिकल अनुसंधान के लिए समर्पित एक एकीकृत भाग के साथ उत्कृष्ट रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस सुविधा को स्टेम सेल अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में जैव तकनीकी विभाग (डीबीटी), सरकार, भारत सरकार ने, जुलाई 2017-दिसंबर 2021 से दूसरे चरण में अपनी वित्तीय सहायता में वृद्धि कर दी है। कुल प्राप्त हुआकर यह फैसिलिटी वर्तमान में एम्स के अन्य विभागों के सहयोग से 11 चल रही परियोजनाओं में कार्य कर रही है एवं डीबीटी, आईसीएमआर, डीएसटी, आईयूएसएसटीएफ, एम्स आदि द्वारा वित्त पोषित है। फैकल्टी प्रभारी, प्रोफेसर सुजाता मोहंती स्टेम सेल, पुनर्योजी चिकित्सा और स्टेम सेल और नैतिकता के क्षेत्र में भारत में विभिन्न संस्थानों के स्नातकोत्तर और पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण (सिद्धांत और व्यावहारिक अनुभव दोनों) से सम्बंधित विभिन्न शैक्षिक आयोजनों में अपनी ओर से कई कदम उठाती हैं। एड-होक मैन पावर के सम्बन्ध में इस परिसर में वित्त पोषित परियोजनाओं में 11 पीएचडी, शोधकर्ताओं और 2 एमडी, डीएम छात्रों की एक समर्पित टीम के साथ-साथ वर्तमान में सरकार में भर्ती 05 वैज्ञानिकों की एक टीम डिग्री के लिए पंजीकृत है। भारत के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों, जैसे आईआईएसईआर मोहाली, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी-खड़गपुर, दिल्ली विश्वविद्यालय-दक्षिण परिसर, आईजीआईबी, एनआईआई, टीएचएसटीआई, एनबीआरसो, आईसीपीओ के शोध विद्वानों को भी उनके पीएचडी कार्य में सहायता प्रदान की गयी है। चालू वर्ष में, इस परिसर ने ऐसी कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 22 शोध सफलतापूर्वक प्रकाशित करवाए हैं, जो विज्ञान के क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। डॉ. मोहंती, कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों जैसे वैज्ञानिक रिपोर्ट (नेचर प्रकाशन समूह), ट्रांसलेशनल सर्जरी, स्टेम सेल में वर्तमान रुझान और पुनर्योजी चिकित्सा, स्टेम सेल में अंतर्दृष्टि, आदि में संपादकीय बोर्ड समिति के सदस्य के रूप में में सम्मिलित हैं। इसके साथ ही वह इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेल्युलर थेरेपी (आईएससोटी), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससोआर) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स, इंडियन साइंस कांग्रेस (आईएससो), इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय निकायों की सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने देश भर के कई शोध संस्थानों/विश्वविद्यालयों में कई व्याख्यान (आमंत्रित वक्ता के रूप में) दिए हैं। इसके अतिरिक्त, वह डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, बायो-केयर, बीआईआरएसी, आदि जैसी फंडिंग एजेंसियों के अनुसंधान और विकास अनुभाग के अंतर्गत विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए निरंतर समर्थन और योगदान प्रदान कर रही है। इस वित्तीय वर्ष के मध्य इस परिसर ने पांच अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों (मिशिगन विश्वविद्यालय, ब्रिजपोर्ट विश्वविद्यालय, इंडियाना विश्वविद्यालय और पर्ड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, ईरान) के साथ वैज्ञानिक सहयोग के लिए पहल आरम्भ की है।

रक्ताधान सेवाएं

हृद् तंत्रिका की रक्ताधान सेवाएं एम्स के सीएन केंद्र में भर्ती रोगियों की चौबीसों घंटे रक्त और रक्त घटकों को एकत्रित, संसाधित और प्रदान कर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकताओं को पूर्ण करती हैं। इन गतिविधियों में अस्पताल के भीतर और बाहर से ही रक्त संग्रह, रक्त दाता प्रेरणा और दान से पहले और दान के बाद परामर्श, रक्त घटक तैयार करना, विभिन्न सीरोलॉजिकल परीक्षण और एफेरेसिस और चिकित्सीय फेलोबॉमी जैसी विशेष प्रक्रियाएं सम्मिलित हैं। पैक्ड रेड सेल्स, प्लाज़्मा, फ्रेश फ्रोजन प्लाज़्मा, प्लेटलेट रिच प्लाज़्मा, प्लेटलेट कॉन्संट्रेट, क्रायोप्रेसिपिटेट, ल्यूकोडेप्लेटेड रेड सेल्स और प्लेटलेट्स जैसे घटक हर समय पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। हर समय एफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉगस दान की सुविधा उपलब्ध है। प्लाज्मा उत्पाद फ्रैक्शन के लिए अतिरिक्त प्लाज्मा भेजा जा रहा है। हृदय प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए रक्त घटकों का विकिरण किया जाता है। बीटीएस में जो सीरोलॉजिकल परीक्षण किए जाते हैं उनमें ब्लड का क्या ग्रुप है, उसका परीक्षण, अनियमित एंटीबॉडी के लिए स्क्रीनिंग, कॉलम एग्लूटिनेशन और एसपीआरसीए परख जैसी नवीनतम तकनीक के प्रयोग संगत परीक्षण सम्मिलित हैं। एकत्र किए गए रक्त की प्रत्येक इकाई का परीक्षण हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी-1 और 2, सिफलिस, मलेरिया जैसे ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल संक्रमणों के लिए किया जाता है। बेहतर उत्पादन और गुणवत्ता के लिए विभाग में अधिकांश प्रयोगशालाओं में ऑटोमेशन का प्रयोग किया जाता है। एचआईवी / एचसीवी / एचबीवी का पता लगाने और इस प्रकार रक्त सुरक्षा में सुधार करने के लिए एक अतिरिक्त स्क्रीनिंग परीक्षण के रूप में दाता रक्त के नमूनों की एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट) स्क्रीनिंग की जाती है। रक्त और रक्त घटकों, उपकरणों, प्रक्रियाओं और सेवाओं के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का भी प्रयोग किया जाता है। बीटीएस अपने विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए एसडीएमएच जयपुर और आईआरसीएस मुंबई द्वारा बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना में भाग लेता है। नियमित आधार पर हेमोविजिलेंस, विभाग भारत के हैमोविजिलेंस (एचवीपीआई) कार्यक्रम में प्राप्तकर्ता और दाता दोनों के लिए नियमित आधार पर भाग लेता है। रोगियों के रक्त नमूनों और फॉर्म को ले जाने के लिए न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम उपलब्ध है। वास्तविक समय डेटा निर्माण और एचआईएस के साथ एकीकरण के लिए एनआईसी द्वारा ई-ब्लड बैंक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के माध्यम से ब्लड बैंक प्रक्रियाओं का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है।

शिक्षा

हृद् विज्ञान

हृद् विज्ञान विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर की शिक्षा और प्रशिक्षण में सम्मिलित है। दैनिक ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियों में फैकल्टी द्वारा जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक, कैथ सम्मेलन, लघु और लंबी सेमिनार, वाद-विवाद, क्लीनिकल मामले पर चर्चा और स्पॉटर सम्मिलित हैं।

प्रदत्त व्याख्यान:

अनीता सक्सेना: 2 **अंबुज रॉय: 6** **एसएस कोठारी: 2**

गौतम शर्मा: 4 **एस रामकृष्णन: 18** **सौरभ के गुप्ता: 11**

सत्यवीर यादव: 2

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

हृद् वक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा

विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर, एमसीएच छात्रों, बीएससी और एमएससी नर्सिंग छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलित था। वर्तमान में 27 छात्र सीटीवीएस में एमसीएच कर रहे हैं, 5 कार्डियक सर्जिकल सघन देखभाल में डीएम कर रहे हैं, 3 एओरटीक सर्जरी में फेलोशिप कर रहे हैं, 10 छात्रों ने सीटीवीएस में एमसीएच पास कर लिया है। छह योग्य पोस्ट-एमसीएच वरिष्ठ निवासियों ने विभाग क्लीनिकल और शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। विभाग ने एम्स दिल्ली के भीतर से 13 स्नातकोत्तर और 5 पोस्टडॉक्टरल छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. "प्रोक्सिमल एओरटा: मूल्यांकन और निर्णय लेना" पर कार्यशाला (वेबिनार), 31 अक्टूबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
2. "प्रोक्सिमल एओरटा: बेंटल की प्रक्रिया" पर कार्यशाला (वेबिनार), 7 नवंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन

प्रदत्त व्याख्यान:

शिव कुमार चौधरी: 32	**वी देवागुरू: 9**	**मिलिंद होते: 3**
सचिन तलवार: 5	**मनोज कुमार साहू: 2**	**सर्वेश पाल सिंह: 6**

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 6

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान में मुख्य एनेस्थीसिया विभाग के 1 स्पोंसर्ड और 9 अन्य एमडी-जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों सहित छह डीएम उम्मीदवारों ने सुपर स्पेशियलिटी प्रशिक्षण लिया है। लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के 6 एमडी और कोलकाता के दो उम्मीदवारों को कार्डिएक-एनेस्थीसिया विशेषता में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। श्री चित्रा तिरुनल संस्थान, त्रिवेंद्रम से 4 डीएम उम्मीदवारों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया। 0 फैकल्टी सहित 0 उम्मीदवार विभाग में पीएचडी कर रहे हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. ईसीएमओ में निगरानी पर पहला स्नातकोत्तर वेबिनार 2020, 17 मई 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
2. ईसीएमओ और मिथकों पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 6 जून 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
3. ईसीएमओ कैनुलेशन पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 13 जून 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
4. हेपरिन और थक्कारोधी पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 20 जून 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
5. एओर्टिक वाल्व के लिए इको पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 11 जुलाई 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
6. माइट्रल वाल्व पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 25 जुलाई 2020, दिल्ली/ऑनलाइन

7. टिश्यू डॉपलर और स्ट्रेन एंड स्पेकल ट्रैकिंग पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 1 अगस्त 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
8. एलवी और आरवी सिस्टोलिक डिसफंक्शन के लिए इको पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 15 अगस्त 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
9. ईसीएमओ में ईसीएचओ पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 5 सितंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
10. कोविड-19 में फ्लूइड थेरेपी पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 12 सितंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
11. ईसीएमओ में वेंटिलेशन पर टीएसएस ऑनलाइन सीएमई, 13 सितंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
12. बक्सटर इंडिया के सहयोग से एससीए दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा टीआईवीए पर वेबिनार श्रृंखला - भाग 1, 26 सितंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
13. बक्सटर इंडिया के सहयोग से एससीए दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा टीआईवीए पर वेबिनार श्रृंखला II, 10 अक्टूबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
14. बक्सटर इंडिया के सहयोग से एससीए दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा टीआईवीए पर वेबिनार श्रृंखला III, 17 अक्टूबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
15. सिमुलेशन सोसाइटी और वेरफेन इंडिया के अंतर्गत रोगी रक्त प्रबंधन में एक ऑनलाइन वेबिनार श्रृंखला का आयोजन - भाग I, 31 अक्टूबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
16. कार्डियो मधुमेह के ओरल और इंसुलिन प्रबंधन पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 7 नवंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
17. आईसीयू में रक्तस्रावी रोगियों में देखभाल परीक्षण के बिंदु पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 14 नवंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
18. ईसीएमओ में जटिलताओं पर टीएसएस ऑनलाइन वेबिनार, 15 नवंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
19. द सिमुलेशन सोसाइटी और वेरफेन इंडिया के अंतर्गत रोगी रक्त प्रबंधन में एक ऑनलाइन वेबिनार श्रृंखला का आयोजन-भाग II, 21 नवंबर, 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
20. द सिमुलेशन सोसाइटी और वेरफेन इंडिया के अंतर्गत रोगी रक्त प्रबंधन में एक ऑनलाइन वेबिनार श्रृंखला का आयोजन - भाग III, 28 नवंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
21. द सिमुलेशन सोसाइटी और वेरफेन इंडिया के अंतर्गत रोगी रक्त प्रबंधन में एक ऑनलाइन वेबिनार श्रृंखला का आयोजन - भाग IV, 5 दिसंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
22. एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा आयोजित ऑनलाइन डॉ वीए पुन्नूज यंग साइंटिस्ट अवार्ड, 19 दिसंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
23. न्यूट्रीवेल हेल्थ के सहयोग से कार्डिएक न्यूट्रिशन पर ऑनलाइन सीएमई सीरीज़ का आयोजन - भाग I (कार्डियक न्यूट्रिशन का परिचय), 26 दिसंबर 2020, दिल्ली / ऑनलाइन
24. न्यूट्रीवेल हेल्थ - के सहयोग से कार्डिएक न्यूट्रिशन पर ऑनलाइन सीएमई सीरीज़ का आयोजन पार्ट II (2021 में कार्डियक न्यूट्रिशन की उपयोगिता), 28 जनवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
25. न्यूट्रीवेल हेल्थ के सहयोग से कार्डिएक न्यूट्रिशन पर ऑनलाइन सीएमई सीरीज का आयोजन-भाग III (कार्डियो डायबिटीज में आदर्श पोषण), 6 फरवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन

26. एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा ऑनलाइन सीएमई ईसीएमओ पर, 17 फरवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
27. ट्राइकसपिड वाल्व की इकोकार्डियोग्राफी पर पीजी के लिए टीएसएस ऑनलाइन सीएमई श्रृंखला, 7 मार्च 2021, दिल्ली / ऑनलाइन
28. कार्डियो मधुमेह में उच्च रक्तचाप के प्रबंधन पर पीजी के लिए टीएसएस ऑनलाइन सीएमई श्रृंखला, 20 मार्च 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
29. ट्रांसप्लांट के लिए ब्रिज के रूप में ईसीएमओ पर पीजी के लिए टीएसएस ऑनलाइन सीएमई सीरीज, 21 मार्च 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
30. कोविड-19 रोगियों में ईसीएमओ प्रक्रिया की भूमिका पर पीजी के लिए टीएसएस ऑनलाइन सीएमई सीरीज, 27 मार्च 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
31. कोविड समय में वेंटिलेशन पर पीजी के लिए टीएसएस ऑनलाइन सीएमई श्रृंखला, 28 मार्च 2021, दिल्ली/ऑनलाइन

प्रदत्त व्याख्यान:

नीति मखीजा: 2	**पूनम मल्होत्रा कपूर: 58**	**मिनाती चौधरी: 9**
विश्वास मलिक: 3	**सुरुचि हसीजा: 1**	**अरिंदम चौधरी: 2**

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 5

हृद्-जैव रसायन

1. पीएचडी छात्र-मुख्य मार्गदर्शक-3
2. पीएचडी छात्र-गाइड सहित-6
3. स्नातक शिक्षण में सम्मिलित

प्रदत्त व्याख्यान:

मनोज के तेम्ब्रे: 6

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टर: 2

हृद्-नाभिकीय चिकित्सा

- स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या: 48 (न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में रोटेशन के आधार पर 30 एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन छात्र और 18 एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी के छात्र)
- पूर्ण की गई थीसिस/शोध पत्रों की संख्या: 5
- जर्नल क्लब/सेमिनार/इंट्रा-डिपार्टमेंट व्याख्यान में मॉडरेटर: 10
- शुरू हुई नई थीसिस की संख्या: 6
- क्लीनिकल अध्ययन की रिपोर्ट करते समय एमडी छात्रों का 'ऑन साइट' शिक्षण

प्रदत्त व्याख्यान :

चेतन डी पटेल: 3

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टर: 9

हृद्-विकृति विज्ञान

- हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी मामलों की नियमित क्लीनिकल रिपोर्टिंग
- स्नातक विद्यार्थियों को शिक्षा (व्याख्यान, व्यावहारिक, संगोष्ठी, समूह चर्चा, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल केस चर्चा, सकल और माइक्रोस्कोपी प्रदर्शन)
- स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षा
- सुपरस्पेशलिटी विद्यार्थियों को शिक्षा (डीएम, एमसीएच)
- स्नातकोत्तर संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों का समन्वय
- कार्डियोपल्मोनरी पैथोलॉजी अंतर्विभागीय सम्मेलनों का आयोजन
- अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियाँ, विशेष रूप से हृदय से संबंधित और
- पल्मोनरी और डर्माटोपैथोलॉजी पैथोलॉजी
- विभागीय अनुरक्षण एवं विभागीय पुस्तकालय समिति के प्रभारी
- एम्स परीक्षा अनुभाग में एमसीक्यू आधारित प्रश्नों का नियमित योगदान
- विभाग और संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने पर अन्य कार्य

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. वेबिनार: कार्डियोवैस्कुलर पैथोलॉजी (सीवीपी), हर महीने के दूसरे शनिवार, दिल्ली/ऑनलाइन
2. वेबिनार: मेरे दायरे में एम्स के पैथोलॉजी विभाग, हर महीने, दिल्ली/ऑनलाइन

प्रदत्त व्याख्यान:

सुधीर कुमार ए: 2

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन

अंडर ग्रेजुएट/स्नातक: कार्डियोवैस्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर इंटरवेंशन पर व्याख्यान। स्नातकोत्तर: मेडिसिन, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी के माध्यम से कार्डिएक रेडियोलॉजी प्रश्नोत्तरी, संबद्ध विशिष्टताओं के विभागों में संगोष्ठियों का संचालन करना। कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस विभाग के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजी बैठके, इसके साथ जुडी हुई विशिष्टताओं के साथ क्लिनिकल संयुक्त राउंड और क्लिनिकल ग्रैंड राउंड में भागीदारी। रोज केस प्रस्तुतियां, साप्ताहिक जर्नल क्लब और सेमिनार। कनिष्ठ और वरिष्ठ रेडियोलॉजी निवासियों, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस और कार्डिएक एनेस्थीसिया में वरिष्ठ निवासियों और कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और वैसकुलर हस्तक्षेप की तकनीकों में बाहरी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. "इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की मूल बातों" पर सीएमई (वेबिनार), 5 दिसंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन
2. "पेरिफ्रेल आर्टरी रोग के एंडोवास्कुलर प्रबंधन" पर सीएमई (वेबिनार), 9 जनवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन
3. "मेसेन्टेरिक इस्किमिया के एंडोवास्कुलर प्रबंधन" पर सीएमई (वेबिनार), 20 फरवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन

प्रदत्त व्याख्यान:

संजीव शर्मा: 2 प्रिया जगिया: 11 संजीव कुमार: 7 नीरज एन पांडे: 1

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टर: 4

स्टेम सेल सुविधा

विभाग ने **पीएचडी, डीएम और एमडी** कार्यक्रमों में भाग लिया

1. एमएससी, लागू नहीं
2. पीएचडी, 11
3. डीएम और एमडी, 2
4. **प्रशिक्षण:** (ए) शॉर्ट टर्म-1, (बी) लॉन्ग टर्म-0

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईयूएसएसटीएफ कार्यशाला एम्स-इंडियाना विश्वविद्यालय पुनर्योजी और नैनो चिकित्सा पर संयुक्त आभासी कार्यशाला, 10 दिसंबर 2020, दिल्ली/ऑनलाइन

प्रदत्त व्याख्यान:

सुजाता मोहंती: 4

रक्ताधान सेवाएं

दिए गए व्याख्यान:

अंजलि हजारिका: 1 गोपाल कुमार पाटीदार: 3

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

अनुसंधान

हृद् विज्ञान विभाग

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. जनसांख्यिकी, सामाजिक आर्थिक और क्लीनिकल कारकों, एटियलजि, पैथोफिजियोलॉजी, प्रबंधन, हृदय गति रुकने वाले रोगियों के परिणामों में बाधाओं का अध्ययन करने के लिए एक वैश्विक रजिस्ट्री (जी-सीएचएफ), डॉ. अंबुज रॉय, जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा, 7 वर्ष, 2016-2023, 65.00 लाख रुपये

2. सिस्टमेटिक बाएं वेंट्रिकल सिस्टोलिक डिसफंक्शन के कारण हृदय की विफलता वाले बाल रोगियों में ओपन लेबल सैक्यूबिट्रिल / वाल्सर्टन की दीर्घकालिक सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, जिन्होंने अध्ययन पूरा किया है CLCZ696B2319, एस. रामकृष्णन, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 2 साल, 2020-2022, 14.38 लाख रुपये
3. प्रतिकूल वैसकुलर घटनाओं (आईवीवीई) को रोकने के लिए इन्फ्लूएंजा टीका का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अंबुज रॉय, एमआरसी (यूके)/मैकमास्टर विश्वविद्यालय, कनाडा, 4 साल, 2016-2021, 2.16 लाख रुपये
4. सीसीएचडी रोगियों के ऑपरेशन के एक वर्ष के उपरान्त, किशोरों और वयस्कों के बीच जीवन की गुणवत्ता और साइकोफिजियोलॉजिकल मापदंडों पर योग की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अनीता सक्सेना, डीएसटी, 3 साल, 2020-2022, 46.19 लाख रुपये
5. योग और आयुर्वेद के लिए उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 5 साल, 2017-2022, 08.09 करोड़ रुपये
6. नई दिल्ली और वेल्लोर बर्थ कोहोर्ट्स, भारत में 45 साल की उम्र में मायोकार्डियल स्ट्रक्चर एंड फंक्शन के बचपन और युवा वयस्क संकेतक, डॉ. अंबुज रॉय, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, 4 साल, 2016-2020, 20 लाख रुपये
7. सीएबीजी कराने के उपरांत रोगियों में मानक उपचार देखभाल के लिए अर्जुनक्षीरपाका [शब्द अर्जुन (रोक्सब पूर्व डीसी।) वाइट एंड अर्न के तने की छाल का एक पारंपरिक आयुर्वेदिक सूत्रीकरण] की क्लीनिकल प्रभावोत्पादकता। डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड प्लेसीबो नियंत्रित पायलट अध्ययन, डॉ. गौतम शर्मा, डाबर इंडिया लिमिटेड, 3 साल, 2019-2023, 17.18 लाख रुपये
8. कार्डियोलॉजी रेसिडेंट्स द्वारा इंटुबैषेण के लिए प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोप के साथ वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक मैनीक्वीन अध्ययन, सत्यवीर यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2021, 1.50 लाख रुपये
9. भारत में हृदय रोग की रोकथाम के लिए एक सहयोगात्मक गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण (सी-क्यूआईपी अध्ययन), अंबुज रॉय, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2019-2024, 10.05 लाख रुपये
10. हृदय असफलता में प्रोटिओमिक्स और अन्य बायोमार्कर की रोगनिरोधी भूमिका का डीएचआर वित्त पोषित अध्ययन, संदीप सेठ, डीएचआर, 4 साल, 2017-2021, 79.48 लाख रुपये
11. वेंट्रिकुलर प्रीमैच्योर कॉम्प्लेक्स (वीपीसी) के रोगियों में वीपीसी बोझ, जीवन की गुणवत्ता और एलवी कार्यों पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. गौतम शर्मा, डीएसटी-सत्यम, 3 साल, 2021-2024, 31.10 लाख रुपये
12. कोरोनरी आर्टरी डिजीज (योगिकाड) के साथ भारतीय रोगी में योग की प्रभावोत्पादकता, डॉ. गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, सरकार। भारत का, 5 साल, 2017-2022, 1.55 करोड़ रुपये

13. हृदय की विफलता में योग जीवन शैली में बदलाव का वित्त पोषित अध्ययन, संदीप सेठ, डीएसटी, 4 साल, 2017-2021, 46.47 लाख रुपये
14. I8F-MC-GPGN (b): टाइप 2 डायबिटीज (SURPASS-CVOT) के रोगियों में मेजर एडवर्स कार्डियोवस्कुलर इवेंट्स पर तिरज़ेपेटाइड बनाम डुलाग्लूटाइड का प्रभाव, डॉ. अंबुज रॉय, एली लिली, 5 साल, 2020-2024, 24 लाख रुपये
15. मल्टीसेंटर, ओपन-लेबल, एलसीजेड 696 की सुरक्षा, सहनशीलता, फार्माकोकाइनेटिक्स और फार्माकोडायनामिक्स का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, इसके बाद 52-सप्ताह का यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, सक्रिय-नियंत्रित अध्ययन एलसीजेड 696 की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एनालाप्रिल की तुलना में। प्रणालीगत बाएं वेंट्रिकल सिस्टोलिक डिसफंक्शन के कारण हृदय की विफलता के साथ 1 महीने से <18 वर्ष की आयु के बाल रोगी, डॉ. एस. रामकृष्णन, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्रा। लिमिटेड, 3 साल, 2019-2022, 11.38 लाख रुपये
16. नेशनल हार्ट फेल्योर रजिस्ट्री (एनएचएफ), अंबुज रॉय, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 3 साल, 2018-2021, 24.00 लाख रुपये
17. जन्मजात हृदय दोषों के लिए सर्जरी करवा रहे शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक संभावित बहुकेंद्रीय कोहोर्ट अध्ययन, सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, 4 साल, 2020-2024, 22.85 लाख रुपये
18. रूमेटिक हार्ट डिजीज के प्रोफिलैक्सिस के लिए पेनिसिलिन ड्रग डिलीवरी सिस्टम का प्री-क्लिनिकल डेवलपमेंट, डॉ. एस. रामकृष्णन, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020 64.49 लाख रुपये
19. मशीन लर्निंग का प्रयोग कर हार्ट फेल्योर की प्रतिकूल घटनाओं की भविष्यवाणी, संदीप सेठ, डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 55.00 लाख रुपये
20. डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकल (डीओआरवी), सौरभ के गुप्ता, एम्स, दिल्ली, 2 साल, 2020-2022, 5 लाख रुपये के आकारिकी को स्पष्ट करने में आभासी डिससेक्शन की भूमिका
21. अधिक वजन या मोटापे वाले लोगों में हृदय संबंधी परिणामों पर सेमाग्लूटाइड प्रभाव। (सेलेक्ट), अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 साल, 2019-2024, 2.00 लाख रुपये

पूर्ण

1. वासोवागल सिंकोप के रोगियों में क्लीनिकल परिणामों और जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, सरकार। भारत का, 3 साल, 2018-2021, 30.94 लाख रुपये
2. एंडोथेलियल फंक्शन एंड मार्कर्स ऑफ वॉल्व डैमेज इन एक्यूट रूमेटिक हार्ट फीवर, डॉ. एस. रामकृष्णन, डीएचआर, 3 साल + 1 साल विस्तार, 2014 - 2019, 43.10 लाख रुपये
3. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी वाली जनसंख्या का प्रसार और हृदय रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, अंबुज रॉय, स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग, 3 साल, 2016-2019, 28.00 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पर्क्यूटेनियस के बाद कोरोनरी इंटरवेंशन के रोगियों में योग-आधारित कार्डिएक रीहेबिलिएशन की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
2. तीव्र रेह्युमेटिक बुखार में कार्डिएक एमआरआई
3. एबस्टीन की विसंगति में क्लीनिकल विशेषताओं के साथ इमेजिंग और अन्य विशेषताओं का सहसंबंध
4. रेह्युमेटिक माइट्रल वाल्व रोग की इकोकार्डियोग्राफिक विशेषताएं
5. सीसीटीजीए की इमेजिंग विशेषता
6. मधुमेह का प्रभाव और हृदय की विफलता में परिणाम
7. बाहरी रोगियों में HFpEF का व्याप्त होना
8. सीएचडी और संक्रमण के साथ भर्ती बच्चों में अस्पताल के परिणामों का अध्ययन
9. पीएचवीटी का आकलन करने में सीटी की उपयोगिता
10. कोरोनरी धमनी रोग और नींद की गुणवत्ता में योग। योग-कैडेट

पूर्ण

1. वेंट्रिकुलर प्रीमैच्योर कॉम्प्लेक्स (वीपीसी) के रोगियों में वीपीसी भार, जीवन की गुणवत्ता और एलवी कार्यों पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. वासोवागल सिंकोप के रोगियों में क्लीनिकल परिणामों और जीवन की गुणवत्ता पर योगिक अभ्यासों का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. एचडीएल, विभाग की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज-आधारित इफ्लक्स जांच के लिए एक लिपोसोम-आधारित कोलेस्ट्रॉल इफ्लक्स परख का मूल्यांकन। बायो केमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. एनसीआर में गंभीर हृदय देखभाल में देरी और बाधाओं की पहचान करना, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. मिशन दिल्ली, आपातकालीन चिकित्सा विभाग और आईसीएमआर, स्टेमी अधिनियम, आपातकालीन चिकित्सा विभाग औरआईसीएमआर
4. रूमेटिक हार्ट डिजीज, एनआईपीईआर, पंजाब के प्रोफिलैक्सिस के लिए पेनिसिलिन ड्रग डिलीवरी सिस्टम का प्री-क्लिनिकल विकास
5. एकीकृत ट्रैकिंग, रेफरल, और इलेक्ट्रॉनिक निर्णय समर्थन, और देखभाल समन्वय (आई-टीआरईसी) प्लेटफार्म, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एमोरी विश्वविद्यालय, अटलांटा, यूएसए
6. पल्मोनरी हाइपरटेंशन 1 (i) के साथ और (ii) एट्रियल सेप्टल दोष के बिना और 2 संयोजी ऊतक रोग से पीड़ित रोगियों में प्राथमिक कारक के रूप में रिसेप्टर्स की भूमिका की जांच करने के लिए, एक्सटर्नल ब्रीथलेसनेस अध्ययनज लेबोरेटरी (डीएसटी) / वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टिट्यूट

हृद् वक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी:

1. डैफोडिल-1: प्राकृतिक या कृत्रिम एओरटा या माइट्रल वाल्व, की प्रतिस्थापन की आवश्यकता वाले रोगियों में डैफोडिल पेरीकार्डियल बायो प्रोस्थेसिस की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहुकेंद्र, सिंगल हैण्ड क्लीनिकल अध्ययन सर्वेक्षण संख्या 135/139, एसके चौधरी, मेरिल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, बिलाखिया हाउस, मुक्तानंद मार्ग, चला, वापी-396191, 5 साल, 2019-2024, 20.00 लाख रुपये
2. स्कूली बच्चों में एर्गोनॉमिक्स के संबंध में वैज्ञानिक जागरूकता और स्वास्थ्य प्रथाओं पर केएपी अध्ययन और अनुसंधान परियोजना "मस्कुलोस्केलेटल एंड रेस्पिरेटरी सिस्टम" के एक भाग के रूप में मस्कुलोस्केलेटल और श्वसन प्रणाली पर इसका प्रभाव, डॉ. विश्व गुप्ता, विज्ञान और तकनीकी विभाग, विज्ञान और तकनीकी मंत्रालय, सरकार भारत के, 3 साल, 2019-2022, 49.50 लाख रुपये
3. आयुष कार्ड चाय राज योग ध्यान बनाम क्लिनिकल रिकवरी पर पारंपरिक उपचार और माइट्रल वाल्व ओपन हार्ट सर्जरी के बाद के ऑपरेशन के बाद के परिणाम की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डॉ. एस.के. चौधरी, आयुष मंत्रालय, आयुष भवन, इनादिल्ली-23, 2 वर्ष, 2019-2022, रु. 45.00 लाख रुपये

पूर्ण

1. फंक्शनल माइट्रल वाल्व रेगुर्गिटेशन (FMR) के उपचार में BACE (बाहरी रूप से कार्डिया की बेसल एनुलोप्लास्टी) की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन, डॉ. एस.के. चौधरी, फीनिक्स कार्डिएक डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, 8-2-546, शीश महल, रोड नंबर 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500034, 2 वर्ष, 2019-2021, 30.00 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी:

1. प्रेजेंटेशन सर्जिकल प्रबंधन का एक अध्ययन और बाल चिकित्सा मित्राल वाल्व रोगों के परिणाम।
2. इंटीग्रेटेड ईसीएमओ सपोर्ट के बिना सर्जरी कराने वाले बच्चों की तुलना में इंटेक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ ग्रेट आर्टरीज के ट्रांसपोजिशन वाले बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणामों का आंकलन, जिन्होंने इन्फेंसी इंटीग्रेटेड ईसीएमओ सपोर्ट में प्राइमरी आर्टरी स्विच ऑपरेशन किया।
3. पल्मोनरी रूट ट्रांसफर सर्जरी के तत्काल और अल्पकालिक परिणामों का विश्लेषण-एक पूर्व अध्ययन
4. 2-डी स्पेकल्ड ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी द्वारा क्रोनिक कंस्ट्रक्टिव पेरीकार्डिटिस के लिए पेरीकार्डियक्टोमी करवा रहे रोगियों में मायोकार्डियल मैकेनिक्स का आकलन
5. बाईडायरेक्टनल सुपीरियर कैवो पल्मोनरी एनास्टोमोसिस: 6 महीने की आयु के रोगियों की तुलना में 6 महीने से 1 साल तक की उम्र तक के रोगियों की तुलना में

6. ऑफ-पंप सीएबीजी करवा रहे रोगियों में एट्रियल फाइब्रिलेशन के संकेतक के रूप में बीएनपी-एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
7. आर्ट्रियल इनफ्लो के लिए सामान्य कैरोटिड धमनी के प्रयोग के बाद सेरेब्रल परिवर्तन।
8. क्लिनिक पैथोलॉजिकल अध्ययन और राइट एट्रियल मास के दीर्घकालिक सर्जिकल परिणाम-20 साल का संस्थागत अनुभव
9. अस्थिर एनजाइना बनाम स्थिर एनजाइना वाले हृदय (सीएबीजी) के ऑपरेशन करवा रहे रोगियों में बायोमार्कर के स्तर और वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन की वसूली की तुलना करना।
10. सीएबीजी ऑन-पंप बनाम ऑफ-पंप करवा रहे एलवी डिसफंक्शन वाले रोगियों में पल्मोनरी फंक्शन की रिकवरी की तुलना।
11. पिछले 10 वर्षों में किए गए मैकेनिकल वाल्व थ्रोम्बिसिस के सर्जिकल प्रबंधन से टीएपीवीसी रिपेयर के शुरुआती और देर से परिणाम: 10 साल का अनुभव
12. एक भारतीय पेरिकार्डियल वाल्व के प्रारंभिक और देर से परिणाम।
13. कोरोनरी अंतःस्राव के बाद सीएबीजी के रोगियों में सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी द्वारा प्रारंभिक और मध्य-अवधि ग्राफ्ट और नेटिव वेसेल पेटेंसी
14. ग्लूटाराल्डिहाइड फिक्स्ड ऑटोलॉगस पेरीकार्डियम - ओजाकी प्रक्रिया का प्रयोग करके पृथक एओरटा वाल्व पुनर्निर्माण के प्रारंभिक परिणाम।
15. फ्रोजेन एलीफेंट ट्रंक के आरंभिक परिणाम
16. 2 महीने की उम्र से अधिक या उसके बराबर उम्र में ऑपरेट की गयी इनटैक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ ग्रेट अर्टियरी के ट्रांसपोर्टेशन के लिए आर्ट्रियल स्विच ऑपरेशन के बाद दीर्घकालिक परिणाम
17. गंभीर बाईं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन के साथ एओरटा वाल्व प्रतिस्थापन / बेंटल ऑपरेशन के परिणाम
18. डायगनोसिस और रेह्युमेटिक वाल्वुलर हृदय रोग के डायगनोसिस में मेटाबोलिक प्रोफाइलिंग का अनुमानित मूल्य
19. कार्डियक सर्जरी में फेबुक्सोस्टैट का ऑपरेशन से पहले प्रयोग-एक डबल ब्लाइंड प्रॉस्पेक्टिव रैंडमाइज्ड फेज II ट्रायल।
20. पल्मोनरी रूट ट्रांसफर: प्रारंभिक परिणाम।
21. बायो प्रोस्थेटिक वाल्व के परिणाम-20 वर्ष। अध्ययन
22. रोगी की आयु की भूमिका, इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम की मोटाई, इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम की सीधी गति, एलवी मास इंडेक्स, एएसओ के बाद टीएजी के साथ पीटी की शुरुआती रिकवरी पर एलवी स्ट्रेन पैटर्न।
23. सीएबीजी करवा रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी3 स्तर और स्टर्नल हीलिंग के साथ इसका संबंध

पूर्ण

1. गंभीर प्रकार ए डिससेक्शन स्ट्रोक द्वारा जटिल: आदर्श रणनीति?
2. पिछले 10 वर्षों में फोंटान प्रक्रिया के परिणामों का विश्लेषण और उन्हें प्रभावित करने वाले कारक।
3. भारतीय आबादी में विलिस सर्कल का आकलन

4. टाइप ए डिससेक्शन की क्लीनिकल और रेडियोलॉजिकल विशेषताएं: एक पूर्वव्यापी अवलोकन संबंधी अध्ययन
5. कोविड संक्रमण वाले हृदय प्रत्यारोपण रोगियों के क्लीनिकल पाठ्यक्रम और परिणाम।
6. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन और दाएं अलिंद द्रव्यमान के दीर्घकालिक सर्जिकल परिणाम
7. बाइसेपिड एओर्टिक वॉल्व वाले रोगियों के आरोही एओरटा में अपक्षयी परिवर्तनों की सीमा का हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
8. एएसओ बाद वाले रोगियों में नियो-एरोटा का लम्बे समय तक भाग्य
9. भारतीय रोगियों में वलसाल्वा एन्यूरिज्म के साइनस की मोर्फोलोजी
10. माइकोबैक्टीरियल ऑरोपैथी: इसकी प्रस्तुति और प्रबंधन की एक संस्थागत समीक्षा।
11. एओरटा को-अर्टिकेशन वाले वयस्क रोगियों के सर्जिकल प्रबंधन का परिणाम।
12. एम्स में पिछले 10 वर्षों में किए गए टीएपीवीसी की मरम्मत का परिणाम
13. कार्डियक सर्जरी के बाद बच्चों में वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया का परिणाम - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
14. बीएवी से पीड़ित रोगियों के फर्स्ट डिग्री रिलेटिव्स (एफडीआर) में बाइसीपिड एओर्टिक वाल्व (बीएवी) और आरोही एओर्टिक डिलेटेशन की व्यापकता
15. 2 साल से कम उम्र के बच्चों में टीएपीवीसी रिपेयर की सर्जिकल प्रबंधन रणनीतियां
16. बाल चिकित्सा कार्डियक सर्जिकल रोगियों में ट्रेकियोस्टोमी के परिणाम।
17. बाल चिकित्सा सर्जरी के रोगियों में ट्रेकियोस्टोमी
18. एओरटा रूट/वाल्व प्रक्रिया करवा रहे रोगियों में कार्यात्मक एमआर के लिए ट्रांस-एओर्टिक माइट्रल वाल्व की मरम्मत।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. गैर-विशिष्ट एओरटा-धमनी रोगियों के वैसकुलर मूल्यांकन में समय-समाधान चुंबकीय अनुनाद एंजियोग्राफी और क्लीनिकल डिजिटल घटाव एंजियोग्राफी के बीच तुलना के लिए एक संभावित अध्ययन, कार्डिएक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स
2. रूमेटिक हृदय रोग, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी के रोगियों में एट्रियल फाइब्रिलेशन के प्रारंभिक पता लगाने, निगरानी और पूर्वानुमान के लिए उपन्यास प्लाज्मा बायोमार्कर खोजने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक विश्लेषण
3. इंटरलीव्ड स्टोकेस्टिक ट्रैजेक्टरीज (TWIST) मैग्नेटिक रेजोनेंस एंजियोग्राफी और डायग्नोस्टिक डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए) के साथ गैर-विशिष्ट एओरटा-धमनी रोगियों के वैसकुलर मूल्यांकन में समय-समाधान एंजियोग्राफी के बीच तुलना: एक संभावित अध्ययन", कार्डिएक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स

4. पोस्ट-ऑपरेटिव पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जिकल रोगियों में पूरक माँ के दूध के साथ अर्ली एंटरल फीडिंग: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय
5. मध्यम-गंभीर बाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन के साथ कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी के बाद योग आधारित हृदय रीहेबिलिएशन का प्रभाव, सीआईएमआर, एम्स, दिल्ली
6. मायोकार्डियल इन्फार्क्ट मॉडल में स्टेम सेल की डिलीवरी के लिए बायोकंपैटिबल स्कैफोल्ड का निर्माण - एक आदर्श कार्डियक पैच की तलाश में, स्टेम सेल सुविधा/परिसर विभाग, एम्स, दिल्ली
7. विट्रो में एंडोथेलियल डिसफंक्शन के विभिन्न चरणों की पहचान करना और कार्डियोवैस्कुलर जोखिम कारकों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों में उन्हें स्थापित करना, बायो केमिस्ट्री विभाग, एम्स
8. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सुविधा, एम्स द्वारा कार्डियोपल्मोनरी बाईपास करवा रहे रोगियों में आरबीसी में रूपात्मक परिवर्तन
9. अवसादग्रस्तता और चिंता के लक्षण, और कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी, सीआईएमआर, एम्स, दिल्ली करवा रहे दक्षिण एशियाई रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और शारीरिक गतिविधि के साथ उनका जुड़ाव
10. पैथोफिजियोलॉजी को समझने और क्लीनिकल और चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए उम्मीदवार बायोमार्कर की पहचान करने के लिए एट्रियल फाइब्रिलेशन के साथ रेह्युमेटिक हृदय रोग के रोगियों के हृदय ऊतक का प्रोटीन विश्लेषण, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, दिल्ली
11. गैर-विशिष्ट एओरटा-धमनीशोथ के रोगियों में हृदय संबंधी भागीदारी के आकलन में एलजीई, टी1 और टी2 मैपिंग सहित कार्डियक एमआरआई की भूमिका: एक संभावित अध्ययन, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स
12. थोरैसिक एओर्टा के लिए एंडोवस्कुलर रिपेयर के बाद स्टेंट-ग्राफ्ट माइग्रेशन: ए रेट्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट अध्ययन, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स
13. सीएडी रोगियों में पट्टिका जीव विज्ञान का अध्ययन, कार्डियोलॉजी और जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, दिल्ली
14. माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट करवा रहे रोगियों में रयूमेटिक माइट्रल वॉल्व टिश्यू में प्रोटिओमिक्स का अध्ययन, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स
15. अध्ययन शीर्षक: प्रेडिक्ट: एक बनाम दो या अधिक अर्ट्रियल ग्राफ्ट के प्रयोग से कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग के बाद ग्राफ्ट पेटेंसी और परिणामों के लिए मधुमेह रोगियों का संभावित यादृच्छिक मूल्यांकन, बहु संस्थागत अध्ययन (भारत में 8 अस्पताल / संस्थान)

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी:

1. हृदय रोग में सुपर की प्रभावोत्पादकता, पूनम मल्होत्रा कपूर, जसेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 04.00 लाख रुपये

2. ऑन-पंप सीएबीजी में प्लेटलेट एग्रीगोमेट्री, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2020-2022, 10.00 लाख रुपये

पूर्ण

1. जन्मजात हृदय रोग की सर्जिकल रिपेयर के रोगियों में कार्डियक रिहैबिलिटेशन के बायोकेमिकल और कॉग्निटिव को-रिलेटेड पर राजयोग मेडिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए सिंगल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन, मुख्य अन्वेषक प्रोफेसर उषा किरण, (डीएसटी परियोजना द्वारा वित्त पोषित, 2 वर्ष, 2017-2019। 23.00 लाख रुपये
2. कार्डियक सर्जरी सर्जरी करवा रहे नवजात शिशुओं और शिशुओं में बिवलिरुडिन एंटीकोआग्यूलेशन। सुरुचि हसीजा, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, एम्स, दिल्ली, 1 साल, 2019-2020, 5 लाख रुपये
3. सियानोटिक बनाम सायनोटिक पीडियाट्रिक रोगियों में प्लेटलेट एग्रीगोमेट्री।, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2019-2021, 15 लाख रुपये
4. "एम्स एल्गोरिथम का प्रयोग कर सियानोटिक जन्मजात हृदय सर्जरीरोगियों में प्वाइंट-ऑफ-केयर आधारित हेमोस्टैटिक प्रबंधन की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन", पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2018-2020, 12 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सुप्रा वेंट्रिकुलर टैचीअरिथमिया के लिए रेडियो-फ्रीक्वेंसी एब्लेशन करवा रहे रोगियों में कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मापदंडों पर विभिन्न एनेस्थेटिक कारकों के प्रभावों की तुलना
2. इम्पीडेंस कार्डियोमेट्री द्वारा ऑफ पंप और पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी में वक्ष द्रव सामग्री की तुलना
3. मीडियास्टिनल मास पेरीओपरेटिव मैनेजमेंट
4. कम प्रवाह ईसीएमओ में परिणाम
5. एलवी फ़ंक्शन के मापन के लिए इकोकार्डियोग्राफी बनाम इम्पेंडेंस कार्डियोमेट्री बनाम द्वारा एसटीआर
6. मिडलाइन स्टर्नोटॉमी के माध्यम से कार्डियक सर्जरी करवा रहे रोगियों के ऑपरेशन के बाद दर्द प्रबंधन में इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक के साथ एक नावेल थोरैसिक इंटर-फेशियल प्लेन ब्लॉक (सबपेक्टोइंटरफेशियल ब्लॉक) की प्रभावोत्पादकता की तुलना करना।
7. मासिक धर्म के मध्य कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पर कार्डियक सर्जरी कराने वाली महिलाओं में रक्त की कमी का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. रोगी की चल रही वाल्व सर्जरी मे आर्टरियल फिब्रिलेशन की रोकथाम में डेक्समेडिटोमिडाइन
2. स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी द्वारा जन्मजात हृदय रोग के बच्चों के वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन पर एनेस्थेटिक एजेंटों का प्रेरण प्रभाव
3. फैलोट्स के टेट्रोलॉजी में ओस्टियोपेनिन, आरवी फ़ंक्शन और क्लीनिकल परिणाम

हृद् जैव रसायन

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. अलार्मिन प्रेरित नेक्रोप्टोसिस के मेकेनिज्म को समझना और एथेरोस्क्लेरोसिस में प्रतिरक्षा होमियोस्टेसिस और इन्फ्लेमेशन में इसकी भूमिका, मनोज के तेम्ब्रे, डीएसटी-एसईआरबी (प्रारंभिक करियर अनुसंधान अनुदान पुरस्कार-एक्स्ट्रामुरल), 3 साल, 2018-2021, 50 लाख रुपये
2. न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप (एनईटी) आरम्भ करने में अलार्म की भूमिका को स्पष्ट करते हुए: सोरायसिस में प्रतिरक्षा रेगुलेशन और त्वचा होमियोस्टेसिस में प्रभाव, मनोज के. तेम्ब्रे, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 साल, 2021-2023, 10.00 लाख रुपये
3. सोरायसिस में इन्फ्लेमेशन और त्वचा के होमियोस्टेसिस को सही करने में टीएनआईपी1, 1एल2बी और एनएफकेबीआईए और उनके लक्ष्य माइक्रो आरएनए की भूमिका को स्पष्ट करना। (आईसीएमआर 1125), डॉ. मनोज के. तेम्ब्रे, आईसीएमआर, नई दिल्ली (अतिरिक्त अनुदान), 3 साल, 2019-2022, 45 लाख रुपये
4. नई दिल्ली में गर्भकालीन आयु के लिए उपयुक्त जन्म लेने वालों की तुलना में गर्भकालीन आयु के लिए छोटे पैदा हुए वयस्कों में एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाएं (ईसीएफसी) कार्यक्षमता: वयस्क पुरानी बीमारियों के साथ भ्रूण के विकास प्रतिबंध को जोड़ने वाला मेकेनिज्म, डॉ. आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 40 लाख रुपये
5. वृद्धावस्था में कार्डियोवैस्कुलर जोखिम मूल्यांकन के लिए डीबीएस में बायोमार्कर का अनुमान, डॉ. आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 साल, 2018-2020, 28.00 लाख रुपये
6. कार्डियो-वास्कुलर डिजीज (सीवीडी), के लिए सेल-फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल (एमएससी) के साथ एंडोथेलियल कॉलोनी फ्रेमिंग सेल्स (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्सोसोम की क्षमता की खोज आरलक्ष्मी, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 49 लाख रुपये
7. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण के लिए क्यूसी प्रयोगशाला के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव, आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2016-2020, 2 करोड़ रुपये

पूर्ण

1. प्रतिरक्षा रेगुलेशन और इन्फ्लेमेशन में न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप्स (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, मनोज के तेम्ब्रे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल ग्रांट), 2 साल, 2017-2019, 10 लाख रुपये
2. प्रोटीन अवशोषण, शरीर संरचना, मांसपेशियों की ताकत और प्रतिरोध प्रशिक्षित वयस्क पुरुषों में प्रतिरक्षा पर प्रोबायोटिक संपूरक, डबल ब्लाइंड रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, बेसिलस कोगुलन्स यूनिक आईएस 2 और बैसिलस क्लॉसी के प्रभावों का अध्ययन करना आर लक्ष्मी, यूनिक बायोटेक, 3 साल, 2016-2019, 37 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. "अस्थिर एनजाइना बनाम स्थिर एनजाइना वाले सीएबीजी करवा रहे रोगियों में बायोमार्कर के स्तर और वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन की रिकवरी की तुलना करना,"
2. कार्डियोमायोपैथी में इन्फ्लेमेशन, प्रतिरक्षा रेगुलेशन और कार्डियक होमियोस्टेसिस ड्राइविंग में अलार्मिन-ऑटोफैगी-नेक्रोप्टोसिस के जटिल नेटवर्क को स्पष्ट करना
3. एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसीएस) से प्राप्त एक्सोसोम की क्षमता की खोज करना, जिन्हें हृदय रोगों के लिए एक सेल मुक्त चिकित्सा के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) के साथ प्राइम किया गया है ।

पूर्ण

1. सक्रिय सामान्यीकृत विटिलिगो और त्वचा वर्णक रेगुलेशन के रोगजनन में माइक्रोआरएनए की भूमिका को परिभाषित करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. जन्मजात हृदय रोग, कार्डिएक एनेस्थीसिया के लिए सर्जरी के रोगियों में हृदय रीहेबिलिएशन के जैव रासायनिक और कोजिनिटिव सहसंबंधों पर राजयोग ध्यान के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए सिंगल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
2. एनएएफएलडी, मेडिसिन के रोगियों में मस्तिष्क की मात्रा और कोजिनिटिव कार्य का आकलन
3. सर्जिकल ट्यूमर हटाने की सर्जरी करवा रहे फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लिओमा वाले रोगियों में अवर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स द्वारा मापा गया प्रीऑपरेटिव इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम स्टेटस - एक संभावित ऑब्जर्वेशनल कोहोर्ट अध्ययन, एनेस्थीसिया
4. वसा ऊतक एबीसीएआई और चयापचय स्थिति, बायो केमिस्ट्री द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन

पूर्ण

1. मधुमेह मेलिटस के साथ सामान्य मानसिक विकारों का एसोसिएशन - उत्तर भारत में एक समुदाय आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन, इंट्राम्यूरल, सीसीएम, एम्स
2. अलग-अलग उम्र में सामान्य श्रेष्ठ और निम्न पैराथायरायड ग्रंथियों की कोशिकीय और आणविक विषमता। इंट्राम्यूरल, पैथोलॉजी, एम्स
3. ओपन हार्ट सर्जरी करवा रहे बच्चों में परिणाम पर विटामिन डी सप्लीमेंट का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंट्राम्यूरल, सीटीवीएस, एम्स
4. आपातकालीन लैपरोटॉमी करवा रहे पेरिटोनिटिस रोगियों में अंतःक्रियात्मक फेफड़े का सुरक्षात्मक वेंटिलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंट्राम्यूरल, एनेस्थिसियोलॉजी, एम्स

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी अध्ययन (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, चेतन डी पटेल, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 साल, 2019-2024, 16 लाख रुपये
2. भारत, कुवैत और दक्षिण अफ्रीका में इंटरनेशनल एमाइलॉयडोसिस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना, चेतन डी पटेल, ब्रिघम और महिला अस्पताल/हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यूएसए, 2 साल, 2021-2022, 14 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी:

1. क्लीनिकल प्रोफ़ाइल और संदिग्ध या पुष्टि किए गए ग्रैनुलोमेटस मायोकार्डिटिस वाले रोगियों के परिणाम
2. योगिकैड अध्ययन की संकल्पना एवं पद्धति- पीसीआई उपरान्त रोगियों में योग आधारित हृदय रीहेबिलिएशन की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
3. सारकॉइडोसिस में हृदय की भागीदारी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन।
4. नॉन इनवेसिव ऊतक डायगनोसिस - कार्डिएक सारकॉइडोसिस में चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया का निर्धारण करने में कार्डियक पीईटी स्कैन के साथ एमआरआई पर पैरामीट्रिक मानचित्रण की सटीकता की तुलना
5. उच्च जोखिम वाली आबादी में ट्रान्सथायरेटिन कार्डिएक अमाइलॉइडोसिस (एटीटीआर-कार्डियक अमाइलॉइडोसिस) का पता लगाने में 99एमटीसी-पायरोफॉस्फेट इमेजिंग की भूमिका
6. कोविड-19 जीवित बचे लोगों में कोविड-19 कार्यात्मक अनुक्रम की मैपिंग में एफ-18 एफडीजी की भूमिका
7. बाल चिकित्सा लैंगरहान के सेल हिस्टोसाइटोसिस में प्रारंभिक कीमोथेरेपी प्रतिक्रिया के आकलन में एफ-18 एफडीजी पीईटी-सीटी की भूमिका।
8. प्राथमिक बाह्यकोशिकीय रेटिनोब्लास्टोमा में नव सहायक रसायन चिकित्सा के उपचार की प्रतिक्रिया के आकलन में पीईटी-सीटी की भूमिका
9. स्माल/छोटी सेल फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक चरण में पीईटी-सीटी की भूमिका

पूर्ण

1. एक मानक शाकाहारी भोजन का प्रयोग करके गैस्ट्रिक एम्प्टीइंग स्किन्टिग्राफी: नियंत्रण मूल्यों की स्थापना।
2. कंस्ट्रेनड लीस्ट वर्ग फ़िल्टरिंग का प्रयोग करके स्किंटिग्राफिक छवि रेस्टोरेशन
3. रिचर्डसन लुसी एल्गोरिथम का प्रयोग करके स्किन्टिग्राफिक छवि रेस्टोरेशन

4. फ्लोरीन-18 फ्लोरो एल-डायहाइड्रॉक्सीफेनिलएलनिन (एफ-18 एफडीओपीए) पीईटी-सीटी की संभावना का मूल्यांकन करने के लिए हार्ट फेल्योर में कार्डियक सिम्पैथेटिक इंफेक्शन के मूल्यांकन के लिए।
5. माइक्रोवास्कुलर एनजाइना में वैसकुलर समारोह और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करने के लिए।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. कोविड के बाद एओरटा और फेफड़ों में इन्फ्लेमेशन: हृदय संबंधी घटना का एक संकेत: एक इंडो-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त परियोजना-विज्ञान और तकनीकी विभाग, कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
2. योग की प्रभावोत्पादकता आधारित पोस्ट-पीसीआई रोगियों में हृदय रीहेबिलिएशन: एक भावी यादृच्छिक, ब्लाइंड एंड पॉइंट ट्रायल-आयुष मंत्रालय, सीआईएमआर कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
3. एक मानक शाकाहारी भोजन का प्रयोग करके गैस्ट्रिक एम्प्टीइंग स्किंटिग्राफी: मिडटर्म फॉलो-अप पर पोस्ट-स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी रोगियों में संदर्भ मूल्यों की स्थापना-विभाग इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, सर्जरी
4. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के डायगनोसिस और अनुवर्ती कार्रवाई में गैलियम-68 लेबल वाले पीएसएमए के साथ पीईटी-सीटी का प्रयोग-अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, यूरोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
5. प्राथमिक पीसीआई के बाद एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कलप्रिट वेसेल की इस्किमिया-गाइडेड पीसीआई के लिए गेटेड-स्पेक्ट एमपीआई का मूल्य: अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित

हृद् विकृति विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी:

1. वायरल मायोकार्डिटिस, के क्लीनिकल रूप से संदिग्ध मामलों में चार सामान्य वायरस का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विशेषताएँ, डॉ. सुधीर अरवा, एम्स अनुसंधान सेक्शन इंट्रामुरल, 2 साल, 2019-2021, 10.00 लाख रुपये
2. अकस्मात हृदयघात से मृत्यु; पाठ्यक्रम की पहचान के लिए हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन, डॉ. सुधीर अरवा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2022, 69.00 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ट्रांसप्लांट के उपरान्त एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी का क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन
2. सर्जिकली रहेयुमेटिक हार्ट वाल्व करवाने वाले हिस्टोपैथोलोजिकल मूल्यांकन
3. युवा में अचानक हृदय की मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए एक हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक अध्ययन

पूर्ण:

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजेनेज और डिस्पेज़) का प्रयोग करके तैयार किए गए एक्सट्रेक्टेड हेयर फॉलिकल बाहरी रूट शीथ सेल सस्पेंशन की विभिन्न सेल आबादी की प्रभावोत्पादकता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
2. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-2, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-9, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीनेज-1, ऊतक अवरोधक मेटालोप्रोटीनेज-2, कोलेजन I और IV अभिव्यक्ति थोरैसिक एओरटा एनेयुस्म्स की अभिव्यक्ति
3. गैर मार्फनॉइड व्यक्तियों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और टीजीएफ बीटा

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. ऑटोलॉगस नॉन कल्चरल डर्मल सेल सस्पेंशन ट्रांसप्लांटेशन इन ट्रीटमेंट ऑफ फेशियल वॉल्यूम लॉस, डर्मेटोलॉजी
2. पल्मोनरी सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल ट्यूबरकुलोसिस, पल्मोनरी मेडिसिन के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन।
3. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन दर्द को कम करने के लिए एक नए फॉर्मूलेशन और पैकेजिंग का विकास और रिकैल्सीट्रेंट एनोजेनिटल और एक्स्ट्रा-जेनिटल (कॉमन) वार्ट्स, डर्मेटोलॉजी में इसका क्लिनिकल परीक्षण
4. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, एम्स में इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म और आनुवंशिक अध्ययन
5. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ टी सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, फार्माकोलोजी
6. क्रोनिक हार्ट फेल्योर, कार्डियोलॉजी के रोगियों में इन्फ्लेमेशन के साथ टोल लाइक रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना। सफदरजंग अस्पताल
7. ईएनएल प्रतिक्रियाओं, त्वचाविज्ञान के रोगियों में हिस्टोमोर्फोलॉजिकल और क्लीनिकल अध्ययन
8. ट्रांसप्लांट के उपरांत एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी, पैथोलॉजी का हिस्टोमोर्फोलॉजिकल अध्ययन
9. फैलोट, सीवीटीएस के टेट्रालॉजी के मामलों में पल्मोनरी रक्त वाहिकाओं का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन,
10. संदिग्ध कार्डिएक मृत्यु, फोरेंसिक मेडिसिन के मामलों में कार्डिएक मार्करों का अध्ययन, सकल निष्कर्ष और हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन,
11. रुमेटिक हृदय वाल्व नमूनों, सीटीवीएस में हिस्टोमोर्फोलॉजिकल, प्रोटिओमिक्स और कोलेजन का अध्ययन
12. चूहे में ब्लेमाइसिन प्रेरित पल्मोनरी विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, फार्माकोलोजी
13. हेलो नेवस, डर्माटोलोजी के एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन करना

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी:

1. पेरीफेरल आर्टरी रोग, के कारण गैर-रीवैस्कुरिसबल क्रिटिकल लिम्ब इस्किमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा द्वारा प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन संजीवकुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.90 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लेफ्ट वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी और हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी को अलग करने में पीसीआर-एटीपी अनुपात के पी-31 एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण की भूमिका निर्धारित करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
2. वैरिकाज़ नस के रोगियों में अक्षम पेर्फोरेटर के लिए अल्ट्रासाउंड आधारित फोम स्क्लेरोथेरेपी (पोलिडोकैनोल) के साथ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावोत्पादकता की तुलना करने के लिए एक एकल केंद्र यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. डीसीएम के साथ एलवीएनसी के रोगियों में सीएमआर पर मायोकार्डियल विरूपण पैटर्न की तुलना।
4. उच्च सामान्य रक्तचाप वाले रोगियों में देशी T1 और T2 मैपिंग पैरामीटर्स बनाम नॉर्मोटेन्सिव रोगियों में लेफ्ट वेंट्रिकुलर स्ट्रेन की तुलना
5. ग्रेट सेफेनस नस के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा उपचार की जा रही वैरिकोज़ नसों में वाले रोगियों में एनाल्जेसिया के लिए फेमोरल नर्व ब्लॉक की संभावना, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करते हुए डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रण ट्रायल
6. हृदय की विफलता वाले रोगियों में कार्बन डाइऑक्साइड एंजियोग्राफी का एंडोवास्कुलर उपचार (COAcH): एक संभावित एकल केंद्र रजिस्ट्री।
7. ऑब्सट्रक्टिव और नॉन-ऑब्सट्रक्टिव हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी में कार्डियक मैग्नेटिक रेजोनेंस फीचर ट्रैकिंग का प्रयोग करके क्वांटिटेटिव स्ट्रेन पैरामीटर्स के आकलन द्वारा राइट वेंट्रिकुलर और लेफ्ट एट्रियल ग्लोबल मैकेनिक्स का मूल्यांकन
8. हेमोडायलिसिस की परिपक्वता दर में सुधार क्रोनिक किडनी रोग में धमनी-शिरापरक फिस्टुला तक पहुंच V ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम सेल का प्रयोग करने वाले रोगी: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
9. फैलोट के टेट्रालॉजी में प्रमुख एओरटा-पल्मोनरी कोलेटरल के एम्बोलिज़ेशन के साथ पेरी ऑपरेटिव परिणाम
10. कैथेटर एब्लेशन के बाद एट्रियल फाइब्रिलेशन के होने पर लेफ्ट आट्रीयुम, बाएं आट्रीयुम अप्पेंडेज, पल्मोनरी नसों और एपिकार्डियल वसा की रूपात्मक विशेषताओं का मात्रात्मक बहुभिन्नरूपी विश्लेषण: एक पूर्वव्यापी और संभावित अध्ययन '
11. फॉन्टन सर्कुलेशन के साथ जन्मजात हृदय रोग के रोगियों में लसीका आकारिकी और प्रवाह पैटर्न का अध्ययन करना

पूर्ण

1. 'नॉन-इनवेसिव टिश्यू डायग्नोसिस"-कार्डिएक सारकॉइडोसिस में थेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया का निर्धारण करने के लिए कार्डियक पीईटी स्कैन के साथ एमआरआई पर पैरामीट्रिक मैपिंग की सटीकता की तुलना
2. कम एक्सट्रीमिटी वेनस रेफ्लिक्स वाले रोगियों में कॉनकमीटेंट ट्रंकल लेजर एब्लेशन और ट्रिब्युट्री फोम स्क्लेरोथेरेपी बनाम ट्रंकल लेजर एब्लेशन के परिणामों की तुलना-एक सिंगल सेंटर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में डबल स्रोत कंप्यूटेड टोमोग्राफी और एमआरआई के साथ कार्डियक एलोग्राफ़्ट वैस्कुलोपैथी का पता लगाना: पारंपरिक कोरोनरी एंजियोग्राफी और बायोप्सी के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन
4. मध्यम घुटने के दर्द वाले रोगियों में जीनिकुलर धमनी एम्बोलिज़ेशन की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता
5. थोरैसिक एओर्टिक स्यूडोएन्यूरिज्म और टाइप बी डिसेक्शन के लिए थोरैसिक एंडोवास्कुलर रिपेयर के बाद स्टेंट ग्राफ्ट माइग्रेशन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्टैनफोर्ड टाइप बी एओरटा डिससेक्शन के विकास के संकेतक के लिए सीटी इमेजिंग सुविधाओं पर एप्लाइड नॉवेल स्टैटिस्टिकल लर्निंग और मॉडलिंग तकनीक और ऐसी स्वास्थ्य देखभाल तकनीक का मूल्यांकन, एम्स-आईआईटी परियोजना
2. एफडीजी-पीईटी से संभावना के आकलन के लिए डीई-सीएमआर की तुलना और सीएडी और एलवी डिसफंक्शन के रोगियों में कार्यात्मक सुधार का संकेतक, कार्डियोलॉजी
3. मॉर्बिड मोटापे में हृदय जोखिम को कम करने में बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव, सर्जरी

पूर्ण

1. कार्डियक सारकॉइडोसिस में 68 जीए-डोटनोक पीएटी/सीटी की भूमिका; कार्डियक एमआर, न्यूक्लियर मेडिसिन के साथ तुलना

स्टेम सेल सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी:

1. रीजेनेरेटिव एप्लीकेशन के लिए 3डी प्रिंटेड ट्रेकिअल ग्राफ्ट्स, डॉ. सुजाता मोहंती, एम्स, 2 साल, 2018-2021, 5 लाख रुपये
2. फंक्शनल समग्री का प्रयोग कर त्वचा के टिश्यु के विकल्प का जैव निर्माण, डॉ सुजाता मोहंती, डीएसटी, 2 साल, 2018-2022, 15 लाख रुपये

3. डीबीटी-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्टेम सेल रिसर्च: बेसिक एंड ट्रांसलेशनल (फेज-II), डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2017-2021, 298 लाख रुपये
4. विट्रो में वाउंड बेड मॉडल पर मेलानोसाइट्स और केराटिनोसाइट्स के स्थानांतरण का समर्थन करने में सक्षम कैरियर ड्रेसिंग का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2017-2021, 59.37 लाख रुपये
5. घाव भरने के लिए एक्सोसोम आधारित ऑफ द शेल्फ उत्पाद का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 2 साल, 2021-2023, 49.79 लाख रुपये
6. मायोकार्डियल में स्टेम सेल की डिलीवरी के लिए बायोकंपैटिबल स्कैफोल्ड्स का निर्माण
7. एक विट्रो में ड्रग स्क्रीनिंग स्टुय मॉडल के रूप में 3डी ब्रेस्ट ट्यूमर की उत्पत्ति, डॉ. सुजाता मोहंती, एम्स, 2 साल, 2020-2022, 5 लाख रुपये
8. ह्यूमन मेसेनकाइमल स्टेम सेल की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी संपत्ति: जीवीएचडी मॉडल में उनकी चिकित्सीय क्षमता का आकलन, डॉ. सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 42 लाख रुपये
9. इंडो-यूएस संयुक्त केंद्र: "पुनर्योजी चिकित्सा में सेलुलर रिप्रोग्रामिंग", डॉ. सुजाता मोहंती, आईयूएसएसटीएफ, 2 साल, 2019-2021, 35 लाख रुपये
10. इन्फर्क्ट मॉडल: एक आदर्श कार्डियक पैच की तलाश में, डॉ. सुजाता मोहंती, एनईआर-डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 28 लाख रुपये
11. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स का प्रयोग करके रेटिना को स्टेम सेल डिलीवरी बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 82 लाख रुपये
12. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी से निपटने में वयस्क स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका को समझते हुए, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, 22 लाख रुपये

पूर्ण

1. "रोगी-विशिष्ट संयुक्त ऊतक निर्माण और विट्रो में मॉडल सिस्टम के लिए 3डी बायोप्रिंटिंग, डॉ. सुजाता मोहंती, डीएसटी, 3 साल, 2017-2020, 30 लाख रुपये
2. नॉर्मोक्सिया और हाइपोक्सिया के अंतर्गत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमपीसी की वैसकुलराइजेशन क्षमता की तुलना, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 साल, 2018-2020, 46.26 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्टेम सेल और रीजनरेटिव मेडिसिन के लिए ह्यूमन एमनियोटिक मेम्ब्रेन और सिल्क आधारित 3डी प्रिंटेड स्कैफोल्ड्स की एप्लीकेशन।
2. त्वचा के चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एक्सोसोम की पुनर्योजी क्षमताओं को स्पष्ट करना।
3. ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट-रोग में मेसेनकाइमल स्टेम सेल के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण।

4. लीवर फाइब्रोसिस को कम करने में एमएसजी-एक्सोसोम कार्गो के मेकेनिज्म की जाँच करना
5. क्रोमिक लीवर डिजीज पेशेंट्स में हेपाटो-कार्सिनोजेनेसिस के जल्दी बनने के लिए लिक्विड बायोप्सी।
6. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल लक्षण वर्णन।
7. मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल और उनके इम्यूनोसप्रेसिव गुणों पर विभिन्न पर्यावरणीय और जैव रासायनिक स्थितियों के प्रभावों को समझना।

पूर्ण

1. मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों का मूल्यांकन
2. लीवर फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल से व्युत्पन्न एक्सोसोम हेपेटिक रीजेनेरेटिव क्षमता क्षमता
3. एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) स्तरों का अध्ययन और ईपीसी संख्या के साथ इसका जुड़ाव और कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) के रोगियों में कार्य।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी:

1. एपिडर्मिस के प्रत्यारोपण का एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, त्वचाविज्ञान विभाग
2. न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर एतेक्सा टेलंगीनेक्तिशया के रोगियों में एक बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभाव का मूल्यांकन करना, बाल रोग विभाग
3. कंजंक्टिवल स्टेम सेल की प्रभावात्पोदकता का तुलनात्मक मूल्यांकन - सर्फेस रोग (आईई स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम और केमिकल बर्न्स), आरपीसी
4. एक ऑर्थोलॉगस सीआरआईएसपीआर/सीएएस9 सिस्टम (FnCas9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और रोग मॉडलिंग और सुधार के लिए 3D ऑर्गेनोइड्स के निर्माण में इसका अनुप्रयोग, आनुवंशिकी विभाग
5. कार्डियो-वस्कुलर रोगों (सीवीडी) के लिए सेल-फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) के साथ प्राइमेड एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्सोसोम की क्षमता की खोज करना। कार्डिएक बायोकेमिस्ट्री
6. रोग बताने वाले घुटने ओए के उपचार के लिए ऑटोलॉगस ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल वैसकुलर अंश या हयालूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, हड्डी रोग विभाग
7. आईयूएसएसटीएफकैंसर की रोकथाम के माध्यम से कैंसर मृत्यु दर को कम करना। गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग
8. गैर-रीवैस्कुलर पेरीफेरल आर्टरी रोग के कारण गंभीर अंग इस्किमिया वाले रोगियों में ऑटोलॉगस प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के इंट्रामस्क्युलर डिलीवरी द्वारा प्रेरित एंजियोजेनेसिस की संभावना, सुरक्षा और चिकित्सीय प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करना, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग

पूर्ण

1. ट्रॉमा सेंटर, ट्रॉमा विभाग के स्तर 1 पर बड़े ट्रौमेटिक रॉ क्षेत्र वाले रोगियों में वैकल्पिक घाव ड्रेसिंग के रूप में एमनियोटिक झिल्ली की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए एक याद्दच्छिक पायलट अध्ययन
2. प्री मैच्योर ओवररें एजिंग के लिए ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल प्रत्यारोपण का मूल्यांकन करना स्त्री रोग विभाग

रक्ताधान सेवाएं

वित्तपोषित परियोजना:

पूर्ण

1. मेनिंगियोमा के रोगियों में ट्रांसफ्यूजन संबंधी इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण। गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 साल, 2019-2020, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. 28 दिनों की आयु के नवजात रोगियों में वर्तमान ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं का विश्लेषण
2. विभिन्न घटक तैयारी तकनीकों का प्रयोग करके तैयार किए गए प्लेटालेट कंसन्ट्रेटस के लिए गुणवत्ता मानकों का विश्लेषण
3. रक्तस्रावी सदमे से पीड़ित रोगियों में रक्त घटकों के प्रयोग पर क्रायोप्रिसिपिटेट के प्रारंभिक प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
4. भारतीय परिवेश में संपूर्ण रक्तदान के बाद रक्तदाताओं में होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की घटना
5. एक से अधिक प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन प्राप्त करने वाले रोगियों में प्लेटलेट अपवर्तकता और इसके कारणों की व्यापकता का आकलन करने के लिए संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
6. स्कोलियोसिस सर्जरी करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन के बाद रक्त प्रबंधन के लिए एक्यूट नॉर्मोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (एएनएच) की तुलनात्मक प्रभावात्पोदकता का निर्धारण करने के लिए याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
7. पूरे रक्त दाताओं में वासोवागल प्रतिक्रिया रोकथाम रणनीतियाँ: एक चतुर्भुज-सशस्त्र याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण

पूर्ण

1. स्वस्थ रक्त दाताओं में एबीओ एंटीबॉडी टाइट्रे का विश्लेषण
2. ए और बी रक्त समूह दाता प्लाज्मा के सामान्य लवण के साथ मिश्रण और कमजोर पड़ने के बाद एबीओ एंटीबॉडी टाइट्रे और जमावट कारक स्तर का आकलन
3. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया का क्लीनिकल और सीरोलॉजिकल लक्षण वर्णन
4. कार्डियक सर्जरी करवा रहे रोगियों में ल्यूकोरेड्यूस्ड और नॉन-ल्यूकोर्डेड रक्त तत्वों के ट्रांसफ्यूजन के परिणाम

सहयोगी परियोजनाएं:

जारी

1. मानव क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन, बायो केमिस्ट्री विभाग
2. नॉरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के अंतर्गत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की वैसकुलर क्षमता की तुलना, स्टेम सेल परिसर
3. पूरक कारक एच (सीएफएच)-संबंधित प्रोटीन 1 (सीएफएचआर1) और प्रतिरक्षाविज्ञानी सहिष्णुता के रखरखाव में इसकी भूमिका", क्षेत्रीय जैव तकनीकी केंद्र
4. सीआरआईएसपीआर-आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रयोग कर डायगनोसिस और प्रायोगिक चिकित्सा विज्ञान का विकास, बायो केमिस्ट्री विभाग
5. पल्मोनरी टीबी के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज फ़ंक्शन पर हाइपरग्लाइकेमिया का प्रभाव, बायो केमिस्ट्री विभाग
6. लीवर और हृदय रोग के एनीमल मॉडल में न्यूट्रोफिल-प्रेरित ऊतक क्षति पर मेसेनकाइमल स्टेम सेल से उत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, स्टेम सेल सुविधा/परिसर
7. कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी), कार्डियक-बायोकेमिस्ट्री विभाग के लिए सेल फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (एमएससी) के साथ प्राइमेड एंडोथेलियल कॉलोनी फॉर्मिंग सेल (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की क्षमता की खोज
8. ऑटोफैगी, बायो केमिस्ट्री विभाग के माध्यम से एचआईवी जलाशयों का रेगुलेशन
9. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल, स्टेम सेल सुविधा/परिसर द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थ इम्यूनोमॉड्यूलेशन की संभावित भूमिका का अध्ययन करना
10. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की अमरता के लिए टेलोमेरेज़ रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, स्टेम सेल परिसर
11. टी-कोशिकाओं पर ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना बायो केमिस्ट्री विभाग

प्रकाशन

हृद् विज्ञान

पत्रिकाएं: 149 **सार: 3** **पुस्तकों में अध्याय: 2**

हृद्वक्ष वाहिका एवं शल्य चिकित्सा

पत्रिकाएं: 58

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

पत्रिकाएं: 42 **पुस्तकों में अध्याय: 4**

हृद् जैव रसायन

पत्रिकाएं: 20

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

पत्रिकाएं: 14 सार: 3

हृद् विकृति विज्ञान

पत्रिकाएं: 9

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन

पत्रिकाएं: 49 पुस्तकों में अध्याय: 2

स्टेम सेल सुविधा

पत्रिकाएं: 22 पुस्तकों में अध्याय: 1

रक्ताधान सेवाएं

पत्रिकाएं: 8

रोगी उपचार

हृद् विज्ञान

कुल संख्या

नए ओपीडी मामले	**5,071**
पुराने कार्डियोलॉजी मामले	**27,944**

रोगी सेवाएं

- टीएमटी 106
- होल्टर 940
- इकोकार्डियोग्राफी 11,430
- ईसीजी 3,807
- एबीपी 17
- टी 32
- हट 20

कैथ प्रयोगशाला सेवाएं

- कार्ट 359
- कैथो 95
- गुब्बारा फैलाव 11

- पीटीएमसी 20
- पीडीए 12
- एएसडी डिवाइस 10
- वीएसडी डिवाइस 1
- पीटीसीए 277
- पेसमेकर 231
- आईसीडी 21
- सीआरटी 25
- आरएफए 32
- कार्टो 7
- डीएसए 33
- कुंडल एम्बोलिज़ेशन 10
- बास 51
- ईएम बायोप्सी 14

हृद्वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

कार्यभार

सीटीवीएस विभाग में, देश में जन्मजात हृदय दोषों वाले बहुत बड़ी संख्या में वयस्क, एओटिक और महामारी कार्डिएक सर्जरी के रोगी आए थे और इनकी सर्जरी की गयी। अप्रैल 2020 मार्च 31 2021, के बीच सभी प्रकार के 1297 सर्जरी विभाग में प्रदर्शन किया गया। कार्डियोलॉजी विभाग (152395) और सीटीवीएस (53967) के साथ, ओपीडी में कुल 206362 नए और फॉलो मरीज देखे गए। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या 2949 (सीटीवीएस में 682 और कार्डियोलॉजी में 2267) थी।

सुविधाएं और बुनियादी ढांचा

ऑपरेटिंग रूम (ओआर) : सीटीवीएस विभाग में 8 पूरी तरह कार्यात्मक ऑपरेटिंग रूम हैं। यह सभी हर प्रकार की वयस्क, एओरटा और बाल चिकित्सा कार्डियक सर्जरी करने के लिए आवश्यक सभी आवश्यक उपकरणों से लैस है। इनमें अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और एनेस्थीसिया स्टेशन, एनआईआरएस, बीआईएस, ईईजी, 3डी इकोकार्डियोग्राफी, सेल सेवर, सीपीबी मशीन, वैक्यूम असिस्टेड वेनस ड्रेनेज, सेंट्रीफ्यूगल पंप, ब्रोंकोस्कोप और इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटोरिंग सम्मिलित हैं।

आईसीयू बेड: विभाग में 4 आईसीयू (54 बेड) हैं जो ऑपरेशन के बाद कार्डियोवैस्कुलर सर्जिकल देखभाल के लिए सभी उन्नत सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित हैं।

आईसीयू-ए: 16 बेड

आईसीयू-बी: 18 बेड

नवजात आईसीयू: 8 बेड

सीटी-5 आईसीयू: 12 बेड

सभी बेड पूरी तरह से सुसज्जित हैं और हृदय संबंधी सघन देखभाल के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सामान्य बेड: वार्डों में बेड की संख्या इस प्रकार है:

सीटी-4 वार्ड: 42 बेड + 2 अलग से बेड

सीटी-5 वार्ड: 24 बेड (इसके अतिरिक्त, सीटीएस आईसीयू में 12 बेड) + 2 अलग से बेड

सीटी-6 वार्ड: 12 बेड

सीएन टॉवर (प्राइवेट वार्ड): निजी/पेइंग वार्ड में बत्तीस (32) बेड, कार्डियोलॉजी विभाग के साथ साझा किया गया

होमोग्राफ्ट वाल्व बैंक: विभाग देश का सबसे सफल वाल्व बैंक संचालित करता है। यह जटिल बाल चिकित्सा कार्डियक सर्जिकल समस्याओं के प्रबंधन के लिए होमोग्राफ्ट की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

सहायक सेवाएं: उन्नत सीटी स्कैन, एमआरआई, परमाणु चिकित्सा, अल्ट्रा-साउंड, और इकोकार्डियोग्राफी प्रयोगशाला, अत्याधुनिक ब्लड बैंक और प्रयोगशाला सेवाओं सहित पांच कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला।

हृद्-संवेदनाहरण विज्ञान

1. नियमित, आपातकालीन और उच्च जोखिम वाले कार्डियक सर्जिकल रोगियों के प्रबंधन के लिए उन्नत सुपरवाइज़री सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ निगरानी) जो सभी क्षेत्रों से संबंधित हैं
2. सामुदायिक सेवा-धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा
3. सामुदायिक सेवा-धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा
4. फैकल्टी द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम।
5. कार्डियक सर्जिकल रोगियों में कोविड-19 के प्रभाव पर ऑनलाइन शिक्षा
6. ऑपरेशन से पहले और ऑपरेशन के बाद के रोगियों के लिए नियमित तनाव प्रबंधन कार्यक्रम
7. जटिल जन्मजात हृदय सर्जरी के लिए कोजिनिटिव के साथ विशेष भागीदारी
8. जटिल जन्मजात हृदय सर्जरी और ओपीसीएबी के लिए संज्ञाहरण के साथ विशेष भागीदारी
9. हृदय विफलता, हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी रोगियों के लिए विशेष कोजिनिटिव रीहेबिलिएशन कार्यक्रम
10. हृदय की विफलता के उपचार की टीम के सदस्य जैसे हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी
11. ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी

हृद् जैव रसायन

रोगी देखभाल सेवाओं और परीक्षण सुविधाओं में अत्याधुनिक क्लीनिकल परीक्षण सुविधाएँ प्रदान करने वाली कार्डियक बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला सीएन केंद्र के साथ-साथ संस्थानों के अन्य विभागों के रोगियों के लिए कार्य कर रही है एवं साथ ही वह बाहरी रोगियों के लिए रेफरल प्रयोगशाला के रूप में भी कार्य करती है। सीएन सेंटर के लिए यह प्रयोगशाला संयुक्त केंद्रीकृत प्रयोगशाला के रूप में कार्य करती है और केन्द्रीयकृत प्रयोगशाला के रूप में रक्त बायो केमिस्ट्री (रक्त शर्करा (उपवास, पीपी, रैंडम), एलएफटी, केएफटी), हेमेटोलॉजी (हीमोग्राम, पीटी/आईएनआर, ईएसआर), लिपिड प्रोफाइल, हार्मोन (टी3,

टी4,) टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एफएसएच, एलएच, प्रोलैक्टिन, रेनिन, एल्डोस्टेरोन) और विटामिन प्रोफाइल (विटामिन डी, बी12, फोलेट), दवा परीक्षण (साइक्लोस्पोरिन, टैक्रोलिमस, मिर्गी-रोधी दवा परीक्षण (वैलप्रोइक एसिड, कार्बामाज़ेपिन, फ़िनाइटोइन, फेनोबार्बिटल, डिगॉक्सिन) तथा केंद्रीकृत प्रयोगशाला में विभिन्न अन्य विशिष्ट परीक्षण (HbA1C, आयरन प्रोफाइल (सीरम आयरन, यूआईबीसी, टीआईबीसी, फेरिटिन, कैटेकोलामाइन) (अब नई शुरू की गई स्मार्ट प्रयोगशाला के साथ समन्वय में काम कर रहे हैं) प्रदान करती है।

हृद् नाभिकीय चिकित्सा

इस वर्ष कोविड महामारी के मध्य लॉकडाउन के कारण वैकल्पिक क्लीनिकल प्रक्रियाओं की संख्या कम थी। इस विभाग ने पूरी अवधि के मध्य कार्य किया तथा कार्डियोलॉजी विभाग में रोगियों और कीमोथेरेपी की प्रतीक्षा कर रहे आईआरसीएच के कैंसर रोगियों को सेवाएं प्रदान कर रहा था। जब महामारी की स्थिति कम हुई और ओपीडी फिर से खुल गई, तो ओपीडी से रेफर किए गए रोगियों को सेवाएं प्रदान की गईं। विभाग ने मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी इमेजिंग का प्रदर्शन किया जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के डायगनोसिस और प्रबंधन के लिए यह अभिन्न जांच हैं। मायोकार्डियल वायबिलिटी के आकलन के लिए हमने एफ-18 एफडीजी के साथ कार्डियक पीईटी इमेजिंग और इंफ्लेमेटरी कार्डियोमायोपैथी के लिए गैलियम-68 डॉटानोक भी प्रदर्शित किया। हमारे विभाग ने कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में हृदय मूल्यांकन के लिए केंद्र और आईआरसीएच से संदर्भित रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के मूल्यांकन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी का प्रदर्शन किया।

1/4/20 से 31/3/2021 तक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में जांच किए गए रोगियों की कुल संख्या

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन:	377
आरएनवी अध्ययन:	215
कार्डिएक पीईटी	69
विविध (वी / क्यू स्कैन, पहला पास):	25
किए गए अध्ययनों की कुल संख्या -	686

हृद्-विकृति विज्ञान

नमूनें

रूटीन-	165 मामलों की संख्या
अनुसंधान-	196 मामलों की संख्या
अन्य कार्य-	इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री-296 स्लाइड्स
एच एंड ई स्टेन-	383 स्लाइड
विशेष दाग-	143 स्लाइड
पोस्ट-ट्रांसप्लांट बायोप्सी की मैनुअल प्रोसेसिंग-	34 मामले
ब्लॉकों की कटाई (बिना दाग वाले खंड)-	753 स्लाइड

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन

परिसर	प्रक्रियाओं की संख्या
एमआरआई	322
सीटी	1482
डीएसए/ वेनोग्राम/ईवीएलए	150
डॉपलर और अल्ट्रासाउंड	1590
एक्सरे	2671

स्टेम सेल सुविधा

क्र.सं.	प्रदान की गई सेवा	संसाधित नमूनों की संख्या
1.	अस्थि मज्जा से स्टेम सेल अलग करना	03
2.	वसा ऊतक से स्टेम सेल अलग करना	05
3.	व्हार्टन की जेली से स्टेम सेल अलग करना	34
4.	डेंटल पल्प से स्टेम सेल अलग करना	04
5.	अस्थि मज्जा से एमएनसी अलग करना	02
6.	अम्बिलिकल कॉर्ड ब्लड से एमएनसी अलग करना और क्रायोप्रेज़र्वेशन	09
7.	एफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रेजर्वेशन	09
8.	संवर्धित ओरल श्लेष्मा एपिथेलियल ट्रांसप्लांट	11
9.	कल्चर लिम्बल एपिथेलियल ट्रांसप्लांट	09
10.	हेयर फॉलिकल व्युत्पन्न स्टेम सेल	20
11.	त्वचा एपिडर्मिस व्युत्पन्न स्टेम सेल	20
12.	स्टेम सेल की संभावना (प्रत्यारोपण से पहले और बाद में)	15
13.	ग्राफ्टिंग के लिए एमनियोटिक झिल्ली की तैयारी	19 बैच (468 शीशियाँ)
14.	स्टेम सेल एन्यूमरेशन (CD34+ काउंट)	06

रक्त आधान सेवाएं

एकत्रित रक्त इकाइयाँ	**2020-21**
प्रतिस्थापन दाता	3939
विभाग में स्वैच्छिक दाता	175
रक्त मोबाइल के माध्यम से स्वैच्छिक	458
परिवार स्वैच्छिक दाता	3598
आईआरसीएस से प्राप्त रक्त	139
अस्पताल के ब्लड बैंक से प्राप्त रक्त	224
जेपीएनएटीसी, एम्स से प्राप्त हुआ रक्त	74

दूसरे अस्पताल से प्राप्त हुआ रक्त	188
एकत्रित रक्त इकाइयों की कुल संख्या	**8795**
ब्लड यूनिट जारी	
सीटीवीएस/एनएस को जारी की गई रक्त इकाइयाँ	9199
हस्पताल को ब्लड दिया गया। ब्लड बैंक, एम्स	153
जेपीएनएटीसी को जारी किया गया रक्त	98
अन्य अस्पतालों को जारी किया गया रक्त	743
एचआईवी/एचबीएसएजी/एचसीवी वाली त्यागी हुई यूनिट्स	243
जारी की गई रक्त इकाइयों की कुल संख्या	**10193**
प्रयोगशाला प्रक्रियाएं	
कुल रक्त समूह एबीओ)	26836
कुल रक्त समूह (आरएच)	26836
कुल संख्या के क्रॉस प्राप्त हुआन किया	51325
संक्रामक मार्कर	
एचआईवी परीक्षण	11233
एचबीवी परीक्षण	11254
एचसीवी परीक्षण	11319
वीडीआरएल परीक्षण	10232
एमपी परीक्षण	10258
कुल	**54296**
जारी किए गए रक्त घटकों की संख्या	
ताजा जमे हुए प्लाज्मा (एफएफपी)	7513
प्लेटलेट ध्यान लगाओ	5655
क्रायोप्रेसिपिटेट	566
पैक्ड रेड सेल्स	10193
सिंगल डोनर प्लेटलेटफेरेसिस	17
कुल	**23944**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

हृद् विज्ञान विभाग

आचार्य अनीता सक्सेना डीन, एम्स, नई दिल्ली हैं; नेशनल रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम की अध्यक्ष।

आचार्य एसएस कोठारी परीक्षा (डीएनबी कार्डियोलोजी) के राष्ट्रीय बोर्ड के लिए साप्ताहिक कार्डियोलोजी वेबिनार के लिए राष्ट्रीय समन्वयक-2021; भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) की नैतिकता उप-समिति - 2020-2021; सदस्य (विशेषज्ञ)-ड्रग कंट्रोलर सरकार, भारत के (डीसीजीआई)-2020-2021

आचार्य बलराम भार्गव डीजी, आईसीएमआर; सचिव, डीएचआर।

आचार्य केसी गोस्वामी सीएसआई के पूर्व अध्यक्ष थे।

आचार्य एस सेठ चीफ, जेपीसी में संपादक।

आचार्य एस मिश्रा सदस्य, आंतरिक मामलों की समिति, एससीएआई, अंतर्राष्ट्रीय संपादक, श्रीलंका जर्नल ऑफ़ कार्डियोलॉजी; यूरोपीय मेडिकल जर्नल के संपादकीय बोर्ड।

आचार्य राकेश यादव इंडियन हार्ट जर्नल के संपादक; कोषाध्यक्ष, सीएसआई दिल्ली ब्रांच।

आचार्य एस सिंह स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के कार्यकारी निदेशक थे।

आचार्य जी कार्तिकेयन हार्ट के कार्यकारी संपादक रहे।

आचार्य गौतम शर्मा स्वामी विवेकानंद योग के योग और जीवन विज्ञान विभाग में प्रतिष्ठित प्रोफेसर (मानद) थे।

आचार्य अंबुज रॉय को कोविड-19 प्रबंधन पर मार्गदर्शन के लिए पंजाब राज्य पुरस्कार (2021) प्राप्त हुआ; सम्मानित फैलोशिप, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिबर्ग (यूके); सदस्य, संस्थान बॉडी, जिपमर, पुडुचेरी; सदस्य, कैंसर, मधुमेह, सीवीडी और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति; सदस्य, भारत में कार्डियोवास्कुलर रिसर्च के लिए आईसीएमआर की टास्क फोर्स कमेटी; अध्यक्ष, परियोजना समीक्षा समिति (हृदय रोग) आईसीएमआर, नई दिल्ली; सदस्य, कोविड-19 पर टास्क फोर्स, पंजाब सरकारम, भारत; सरकार के लिए ईएचआर शब्दावली की जांच करने के लिए अध्यक्ष, चिकित्सक/विशेषज्ञ उप-समिति। भारत की; सुविधा समन्वयक प्रभारी, कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन (सेट) सुविधा, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, डीन की समिति, एम्स, नई दिल्ली, भारत; सदस्य, डीन की अनुसंधान समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में संस्थान आचार समिति (स्नातकोत्तर); सदस्य, एम्स संस्थान आचार समिति-क्लीनिकल परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं के लिए उपसमिति; सदस्य, प्रबंध समिति, सीएमईटी, एम्स; सहयोगीग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज; जीबीडी इंडिया कार्डियोवास्कुलर डिजीज एक्सपर्ट ग्रुप के सदस्य।

आचार्य एस. रामाकृष्णनन एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के मुख्य संपादक; नेशनल रेह्युमेटिक हर्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष; जेपीसीएस के एसोसिएट एडिटर; सह-पीआई और टास्क फोर्स सदस्य, भारत उच्च रक्तचाप प्रबंधन पहल (आईएचएमआई); राष्ट्रीय समन्वयक, एसटीईएमआई-एसीटी, एक आईसीएमआर पहल; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कार समिति, आईसीएमआर।

डॉ सौरभ के. गुप्ता स्वास्थ्य देखभाल के लिए एआई के लिए नैतिक दिशानिर्देशों के लिए लेखन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी प्रस्तावों के लिए डीबीटी तकनीकी विशेषज्ञ समीक्षा के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 2015 के बाद से पीडियाट्रिक कार्डिएक सोसाइटी ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष।

डॉ. अरविंद बी. को कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ मूल शोध के लिए सुजॉय बी. रॉय पुरस्कार प्राप्त हुआ; डीपी बसु स्मारक पुरस्कार; इंडियन हार्ट जर्नल थीसिस अवार्ड।

हृद्वक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा

आचार्य एस.के. चौधरी सेक्शन एडिटर: एओरटा फॉर इंडियन जर्नल ऑफ कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी; इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जन के डेटाबेस प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय समन्वयक; सीटीवीएस, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग), दिल्ली में मानक उपचार कार्यप्रवाह (एसटीडब्ल्यू) के विकास के लिए विशेषज्ञ समूहों के अध्यक्ष; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी की विशेषता में सदस्य विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; समीक्षक, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ थोरेसिस सर्जन्स की 101वीं वार्षिक बैठक और एओरटा संगोष्ठी, 1-4 मई 2021 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में 31 अक्टूबर 2020 को "प्रोक्सिमल एओरटा: मूल्यांकन और निर्णय" पर "कार्यशाला (वेबिनार / ऑनलाइन) का आयोजन किया गया; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में 7 नवंबर 2020 को "प्रोक्सिमल एओरटा: बेंटल की प्रक्रिया" पर "कार्यशाला (वेबिनार / ऑनलाइन) का आयोजन किया गया; उन्हें राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण में क्लीनिकल विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया था ; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की विशेषता में विशेषज्ञ बोर्ड में मनोनीत; सुपर स्पेशियलिटी चिल्ड्रन हॉस्पिटल एंड पीजी टीचिंग इंस्टीट्यूट, नोएडा में प्रोफेसर के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित 4 जून 2020; एम.सी. की प्रायोगिक परीक्षा/ओरल परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में मनोनीत। (सीटीवीएस) 14 अगस्त 2020 को पीजीआईएमईआर, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली में; 22 सितंबर 2020 को आईजीआईएमएस, पटना में एसोसिएट प्रोफ़ेसरके चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत; 7 नवंबर 2020 को एम्स, जोधपुर में फैकल्टी चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; 19-20 अक्टूबर 2020 को जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली में फैकल्टी चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत; एएटीएस 101वीं वार्षिक बैठक और एओरटा संगोष्ठी के लिए समीक्षक के रूप में नामांकित, 1-4 मई 2021; 5 दिसंबर 2020 को एम्स, भोपाल में फैकल्टी चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; 23 दिसंबर 2020 को आईजीआईएमएस, पटना में परफ्यूज़निस्ट के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; सुपर स्पेशियलिटी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल एंड पीजी टीचिंग इंस्टीट्यूट, नोएडा में प्रोफेसर के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत 25 जनवरी 2021; पंडित बीडी शर्मा, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक अगस्त, 2020

में आयोजित कार्डियक थोरैसिक सर्जरी के विषय में एमसीएच (अंतिम) वर्ष की परीक्षा के लिए मनोनीत; एम.सी. की प्रायोगिक परीक्षा / ओरल परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में मनोनीत। (सीटीवीएस) 8-9 अगस्त 2020 को जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, दिल्ली में; वर्चुअल रिसोर्स सेंटर फॉर टोबैको कंट्रोल (आरसीटीसी) पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की प्रभावी स्थापना के लिए सहयोगी भागीदार के रूप में मनोनीत; 21 दिसंबर 2020 को राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान, रांची, झारखंड में फैकल्टी चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली की वैज्ञानिक अनुसंधान समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत

आचार्य मिलिंद पी होते एमसीएच थीसिस मूल्यांकन - गुजरात विश्वविद्यालय; साक्षात्कार चयन के लिए विशेषज्ञ व्याख्याता सीटीवीएस - जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग कार्डियक सर्जन सोसायटी (भारतीय सेटअप में डेटाबेस एप्लिकेशन) की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत; इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (नॉटो कोऑर्डिनेशन) की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण में प्रत्यारोपण सेल के विशेषज्ञ पैनल के सदस्य (पीएमजेएवाई योजना के अंतर्गत हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण के लिए पैकेज तय करने के लिए); हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण के लिए एनओटीटीटीओ की शीर्ष तकनीकी समिति के सदस्य।

प्रोफ़ेसर सचिन तलवार चिकित्सा विज्ञान और तकनीकी, श्री सिट्रा तिरुनल संस्थान के लिए दिसंबर 4-5, 2020 तक बाहरी परीक्षक थे, थ्योरी एक्जामिनर श्री सिट्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी अक्टूबर 2020; 4 और 5 मार्च 2021 के लिए श्री सत्य साई संस्थान की उच्चतर ऑफ मेडिकल साइंसेज, व्हाइटफील्ड, बंगलौर कर्नाटक में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए डीएनबी परीक्षा के लिए व्यावहारिक परीक्षक,; जून -2020 सत्र के लिए ई-मूल्यांकन की उत्तर पुस्तिका की डीएनबी अंतिम थ्योरी परीक्षा; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी की विशेषता में ओएससीई प्रश्न बैंक, 11 अगस्त 2020; 27 अगस्त से 05 सितंबर 2020 के बीच राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड कार्डियो थोरैसिक सर्जरी की विशेषता में थ्योरी प्रश्न पत्रों की स्थापना; 20 दिसंबर 2020 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च, चंडीगढ़ में एसोसिएट प्रोफ़ेसरके चयन और प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति की अपेक्षा,; 25 दिसंबर 2020एसोसिएट प्रोफ़ेसरकिंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के चयन की अपेक्षा,; फोर्टिस हॉस्पिटल सेक्टर-62, फेज-VIII, मोहालीपंजाब, 18 दिसंबर 2020 में डीएनबी कोर्स के लिए सुविधाओं के आकलन के लिए विशेषज्ञ; वार्षिक सोसायटी ऑफ थोरैसिक सर्जन बैठक, 2021 में ओरल प्रस्तुतियाँ चुनने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; वार्षिक अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ थोरैसिक सर्जन बैठक, 2021 में ओरल प्रस्तुतियाँ चुनने के लिए अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित।

डॉ सर्वेश पाल सिंह "इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (आईएनएसएचएलटी)" के महासचिव थे; "ब्रेनस्टेम डेथ डिक्लेरेशन-एनेस्थीसिया / इंटेंसिव केयर" के लिए एनओटीटीओ की शीर्ष समिति के सदस्य।

हृद् संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य नीती मखीजा 12 सितंबर 2020 को एनेस्थीसिया और सघन देखभाल विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी इमेजिंग अवार्ड में प्रतिस्पर्धी सत्र में जज थीं; उन्होंने 2 दिसंबर 2020 को, मेदांता-द मेडिसिटी, गुड़गांव, हरियाणा द्वारा आयोजित 9वें व्यापक पेरीओपरेटिव इको वेबिनार में "पेरीऑपरेटिव इकोकार्डियोग्राफी- वेंट्रिकुलर फंक्शन" पर सत्र की अध्यक्षता की जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान सम्मिलित थे i) पेरिऑपरेटिव अवधि के मध्य एलवी फ़ंक्शन का मूल्यांकन ii) सरल चरणों में आरवी फ़ंक्शन का मूल्यांकन iii) डायस्टोलिक फ़ंक्शन - क्या महत्वपूर्ण है?; 13 मार्च 2021 को आयोजित एनेस्थीसिया और सघन देखभाल विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 15वीं वार्षिक पेरीओपरेटिव और क्रिटिकल केयर इकोकार्डियोग्राफी ऑनलाइन कार्यशाला में एक फैकल्टी थीं। इस कार्यशाला में प्रतिस्पर्धी सत्र का निर्णय लिया और साथ ही एक सत्र की अध्यक्षता की जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित थे व्याख्यान i) कैथ प्रयोगशाला हस्तक्षेप में टीईई, ii) ओटी में 3डी टीईई; एनेस्थीसिया और सघन देखभाल विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 20 फरवरी, 2021 को गंभीर जन्मजात हृदय रोग पेरीऑपरेटिव मैनेजमेंट वेबिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की। सत्र में निम्नलिखित व्याख्यान सम्मिलित थे i) ऑपरेशन के बाद ब्लीडिंग - मूल्यांकन और प्रबंधन ii) पीए समस्या- कैसे बचाव करें, पता लगाएं और प्रबंधित करें iii) ऑपरेशन के बाद एलसीओएस / कार्डियोजेनिक शॉक- प्रबंधन iv) पोस्टऑपरेटिव आरवी डिसफंक्शन; एक सत्र की अध्यक्षता की जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान सम्मिलित थेI) कार्डिएक एनेस्थीसिया में अपडेट ii) एडल्ट कार्डियक सर्जरी के बाद फास्ट ट्रैकिंग और अर्ली एक्सट्यूबेशन- एक अपडेट iii) सरप्राइज़ डिस्पाईट श्योरिटी: 27 से 28 फरवरी 2021 तक ऑनलाइन आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवास्कुलर एंड थोरैसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के 24वें वार्षिक सम्मेलन में कार्डिएक एनेस्थीसिया में एम-एसएआरसी-; ICCA (2020-2022) की सदस्य; थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक, साथ ही एनबीई के लिए दो बार प्रश्न पत्रों का मॉडरेशन; प्रोफेसर के पद पर फैकल्टी सदस्यों की पदोन्नति के लिए और विभिन्न संस्थानों में एसोसिएट प्रोफ़ेसरकी भर्ती के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे।

आचार्य पूनम मल्होत्रा कपूर एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के अध्यक्ष के रूप में (गैर निर्वाचित) कार्य कर रही हैं; "द सिमुलेशन सोसाइटी" के संस्थापक सचिव और अध्यक्ष शिक्षाविद के रूप में कार्य कर रही हैं; मुख्या संपाद,। कार्डिएक क्रिटिकल केयर जर्नल, जेसीसीसी 2019 के 3 और 4 अंक; जेपी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित डॉ एचके चोपड़ा द्वारा संपादित "हाइपरटेंशन: न्यू फ्रंटियर्स - कार्डियोलॉजी की पाठ्यपुस्तक" नामक पुस्तक की प्रधान संपादक। एसडब्ल्यूसीईएलएसओ की शिक्षा / सिमुलेशन और संचार की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; परीक्षक: डीएनबी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, मेदांता - द मेडिसिटी, हरियाणा (शारीरिक परीक्षक) (i) डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, पीजीआईएमईआर, कोलकाता (ऑनलाइन), (ii) डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, यूएन मेहता, अहमदाबाद (ऑनलाइन)' (iii) डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, एम्स, दिल्ली (ऑनलाइन)' (iv) डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, श्री जयदेव इंस्टीट्यूट, बैंगलोर (ऑनलाइन), (v) डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, केईएम, मुंबई (ऑनलाइन), (vi) बैंगलोर में आईएसीटीए द्वारा आयोजित एफटीईई परीक्षा (ऑनलाइन), शोध प्रबंध और थीसिस की जाँच (i) एमडी, कार्डिएक

एनेस्थीसिया, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ (ऑनलाइन), (ii) एमडी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, दिल्ली विश्वविद्यालय (ऑनलाइन) एमडी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, पीजीआईएमईआर, कोलकाता (ऑनलाइन), (iii) एमडी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, यूएन मेहता, अहमदाबाद (ऑनलाइन), (iv) वीए पुन्नोज यंग साइंटिस्ट अवार्ड के लिए 'जज', ऑनलाइन डॉ. वीए पुन्नोज यंग साइंटिस्ट एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा आयोजित पुरस्कार, 19 दिसंबर 2020, दिल्ली; पुरस्कार सत्र के लिए जज डब्ल्यूसीसी 2021 वार्षिक सम्मेलन, 5 मार्च 2021, हैदराबाद; कार्डिएक क्रिटिकल केयर (एफआईसीसीसी) में ऑनलाइन फैलोशिप के लिए सामग्री प्रदाता, द सिमुलेशन सोसाइटी (टीएसएस) और जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) द्वारा आयोजित उन्नत इकोकार्डियोग्राफी (एफईएई) में फैलोशिप और बेसिक इकोकार्डियोग्राफी (एफआईबीई) ऑनलाइन परीक्षा में फैलोशिप।

आचार्य विश्वास मलिक को अगस्त 2020 में अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज कोच्चि में डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया परीक्षा के लिए परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था; 2020 के अंत में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया के लिए थीसिस परीक्षक के रूप में आमंत्रित; 2020 में पश्चिम बंगाल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया के लिए पेपर सेटर के रूप में आमंत्रित; 2020 की शरद ऋतु में गुजरात विश्वविद्यालय के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंसेज में उत्तर पत्र परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ सुरुचि हसीजा नवंबर 2020 के बाद से पत्रिका 'कार्डियोथोरेसिक और वैसकुलर संज्ञाहरण के जर्नल' के लिए समीक्षक।

हृद् जैव रसायन

आचार्य आरलक्ष्मी सीएनएन एनसीडी नीति डब्ल्यूएचओ द्वारा गठित समूह की सदस्य; एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति की विशेषज्ञ सदस्य; गैर संचारी रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह की सदस्य; भारत के विभिन्न राज्यों में मधुमेह और पूर्व-मधुमेह के प्रसार का अनुमान लगाने के लिए "आईसीएमआर-इंडिया मधुमेह [इंडियाबी] अध्ययन पर टास्क फोर्स परियोजना की विशेषज्ञ सदस्य ; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, एपी सरकार द्वारा गठित सीकेडी परियोजना निगरानी तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य; एनसीडीआईआर, बैंगलोर में मधुमेह पर अनुसंधान क्षेत्र पैनल की सदस्य; सीएफटीआरआई, मैसूर से पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक; एनएफएचएस 4 और 5 में डीबीएस अध्ययन के लिए अनुसंधान समूह समिति की सदस्य; राष्ट्रीय संपादक, प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज; एंडोक्रिनोलॉग और मेटाबोलिज्म में चिकित्सीय प्रगति, विकासशील देशों में मधुमेह के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईजेएमआर, एनएमजेआई, विज्ञान प्रगति, बाल चिकित्सा जांच, मातृ और बाल पोषण के लिए समीक्षित लेख।

मनोज कुमार तेम्ब्रे को इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (आईजेडीवीएल) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया था; नेशनल (आईजेडीवीएल, इम्पैक्ट फैक्टर=3) के समीक्षक और इंटरनेशनल जर्नल (ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, इम्पैक्ट फैक्टर=7); सदस्य:

भारतीय; इम्यूनोलॉजी सोसायटी (आईआईएस); इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट (IADVL); अमेरिकन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (एएसएन)।

हृद्-नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य चेतन डी. पटेल इंडियन जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (ऑफिशियल जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, इंडिया) के संपादक रहे; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के समीक्षक; उपाध्यक्ष, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया; एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन, श्री वेंकटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति के लिए 26 जून 2020 को बाहरी परीक्षक; 31 अक्टूबर 2020 को एम्स, जोधपुर में फैकल्टी साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ; 24 मार्च 2021 को एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमआईआर), पुडुचेरी के लिए बाहरी परीक्षक; एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, तिरुपति के छात्रों की थीसिस की समीक्षा की गई,; **एमडी कोर्स शुरू करने के लिए परमाणु चिकित्सा विभाग, एम्स, भुवनेश्वर के मूल्यांकन/मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ;** सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की स्टोर खरीद समिति के सदस्य; अध्यक्ष, सीआईएमआर में अनुसंधान परियोजनाओं में नियुक्ति के लिए चयन समिति; सीओई योजना, आयुष के अंतर्गत सीआईएमआर में कोर स्टाफ की भर्ती के लिए चयन समिति के अध्यक्ष, डीएम कार्डियोलॉजी के छात्रो: शकील अहमद खान और उत्पल कुमार को प्रशिक्षण, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग-न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी, एम्स में एक महीने का अनुभव; एम्स, रायपुर (11-13 दिसंबर 2020) में आयोजित होमीभाभा सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन - इंडिया (एसएनएमआईसीओओएन 2020) के 52वें वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन

आचार्य संजीव शर्मा कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के समीक्षक रहे; आपातकालीन रेडियोलॉजी सोसायटी के अध्यक्ष।

आचार्य प्रिया जगिया ने आईसीआरआई, आईआरआईए के लिए एडल्ट कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग सबस्पेशलिटी के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व किया; रेडियोलॉजी की आगामी 7-वॉल्यूम आईआरआईए पाठ्यपुस्तक के एडल्ट सीवी इमेजिंग वॉल्यूम के लिए संपादक थी; "उच्च रक्तचाप: न्यू फ्रंटियर्स" कार्डियोलॉजी की पाठ्यपुस्तक के लिए माननीय राष्ट्रीय संपादक; सचिव, सोसाइटी ऑफ इमेज गाइडेड थेरेपी; कार्यकारी सदस्य, कार्डियक इमेजिंग सचिव का भारतीय संघ; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक।

डॉ संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के समीक्षक थे; दिल्ली आईएसवीआईआर के सचिव, संयुक्त सचिव एसईआर; सीएसआई थीसिस पुरस्कार के लिए जज भी थे।

रेजिडेंट

डॉ श्रीनिवास राजू को आईएसवीआईआर सीएमई सम्मेलन, 2020 में ओरल पेपर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

रक्ताधान सेवाएं

डॉ अंजलि हजारिका: सीएमओ (एसएजी) आई/सी बीटीएस सीएनसी: 12 सितंबर 2020 को दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित कोविड महामारी और जन जागरूकता पर साक्षात्कार; पत्रिका फर्स्ट वर्ड, ब्रिजिंग द गैप, (2020) सितंबर-7(3), एड-75, 20-25 में प्रकाशित कोविड महामारी और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के संबंध में साक्षात्कार; डोनर हेमोविजिलेंस के लिए नोडल अधिकारी-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल, नोएडा- फरवरी 2021 के अंतर्गत आयोजित "प्रतिकूल दाता प्रतिक्रिया सत्यापन सर्वेक्षण की ताकत"; आईएलबीएस, दिल्ली- फरवरी 2021 के उपकरण विनिर्देश अनुमोदन समिति के लिए बाहरी तकनीकी विशेषज्ञ ; एनएबीएच प्रत्यायन के लिए ब्लड बैंक के निरीक्षण के मध्य प्रेक्षक-25 मार्च 2021

सुश्री वीना बेलानी: मुख्य एमएसएसओ को यौन उत्पीड़न समिति, एम्स (आईसीसीएसएचएचडब्ल्यू) को सितंबर 2019 में सह-सदस्य सचिव के रूप में मनोनीत किया गया था।

अतिथि वैज्ञानिक

हृद्वक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा

क्रमांक	नाम	संस्थान	शहर	देश
1	डॉ. के बालकृष्णन	एमजीएम हेल्थकेयर	चैन्नई	भारत
2	डॉ. साई सतीश	अपोलो ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स	चैन्नई	भारत
3	डॉ. कुणाल सरकार	मेदांता सुपरस्पेशलिटी	कोलकाता	भारत

10.2. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

रितु दुग्गल
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति)

आचार्य एवं अध्यक्ष

अजय लोगानी
(कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स)

वीना जैन
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

विजय प्रकाश माथुर
(पेडोडॉन्टिक्स)

अजय रॉय चौधरी
(ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

वीना जैन
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

आचार्य

ओंगकिला भूटिया

अपर आचार्य

दालिम कुमार बैद्य
(संवेदनाहरण)

देवलीना गोस्वामी
(संवेदनाहरण)

सह-आचार्य

शालिनी गुप्ता
(ओरल मेडिसिन)

राहुल यादव
(ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

धीरज कुमार कोली
(प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

अमृता चावला
(एंडोडोन्टिक्स एवं कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री)

विजय कुमार
(कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोन्टिक्स)

प्रभात कुमार चौधरी
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

विलास समृत
कुणाल ढींगरा
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति)

दीपिका मिश्रा
(ओरल पैथोलॉजी एवं शूक्ष्म जैव विज्ञान)

हर्ष प्रिया
(सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा)

कल्पना बंसल
नितेश तिवारी
(बाल एवं निवारक दंत चिकित्सा)

सहायक आचार्य	
कृष्णा भट्ट (ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)	अदिति नंदा (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
सिद्धार्थ शर्मा (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स)	अनिका डावर (पीरियोडॉन्टिक्स)
विकेंदर सिंह (बाल एवं निवारक दंत चिकित्सा)	राहुल मोरंकर जी. (पीरियोडॉन्टिक्स)
भारती एम. पुरोहित (संवेदनाहरण)	

विशिष्टताएँ

ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

ओरल एवं मैक्सिलोफेसिअल सर्जरी प्रभाग ट्रॉमा, फेसिअल एस्थेटिक्स, टेम्पोरोमैंडीब्यूलर जोड़, क्रेनियोसिनोस्टोसिस ऑर्थोग्राफ़िक सर्जरी, जटिल एक्सोडोंटिया एवं ओरल सर्जरी में उच्च गुणवत्तायुक्त शल्यचिकित्सीय उपचार प्रदान करता है। विभाग को मैक्सिलोफेसिअल ट्रॉमा के उपचार में सबसे आगे होने का गौरव प्राप्त है। यह पूरे देश का एकमात्र विभाग है जिसके पास अपना सम्पूर्ण टेम्पोरोमैंडीब्यूलर जोड़ प्रतिस्थापन प्रोटोकॉल है।

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं डॉन्टिक्स प्रभाग एंडोडोंटिक आपात स्थितियों, दर्दनाक दंत चोट, पुनार्स्थाप्नात्मक एवं उन्नत गैर-शल्यक्रियात्मक/शल्यक्रियात्मक एंडोडोंटिक कुशलता के उपचार संबंधी कार्य करता है। नियमित अवधि में रोगियों को प्रदान किए गए उपचार के अतिरिक्त, इस प्रभाग ने कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान, व्यवहार-कुशलता, सक्षमता एवं सुरक्षित रूप से दाँतों का उपचार करना जारी रखा। इसमें चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक छः विषयों पर शैक्षिक वीडियो का प्रारूप तैयार एवं प्रस्तुत किया गया।

ऑर्थोडॉन्टिक्स

ऑर्थोडोंटिक्स प्रभाग ने कुरूपता, दंत-मुख सम्बंधित विकृतियों तथा कटे होंठ एवं तालु वाले रोगियों को गुणवत्तापूर्ण ऑर्थोडोंटिक सेवाएँ प्रदान की है। विभाग ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सरकारी/अनुसंधान संगठनों, जैसे आईसीएमआर तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य संस्थानों के लिए भी पेशेवर और शैक्षणिक विशेषज्ञता का विस्तार किया गया।

पीरियोडॉन्टिक्स

पेरियोडॉन्टिक्स प्रभाग, पेरियोडोंटल रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार का निष्पादन करता है। यह विभाग पेरियोडोंटल उपचार कराने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले रोगियों के साथ-साथ अन्य

विभागों से भेजे जाने वाले रोगियों को सर्वोत्तम सेवाएँ प्रदान करता है। विभाग में विभिन्न प्रकार की उपचार प्रक्रियाएँ, जैसे कि पारंपरिक गैर-शल्यक्रियात्मक एवं शल्यक्रियात्मक पेरियोडोन्टल उपचार, पेरियोडोन्टल प्लास्टिक सर्जरी, सॉफ्ट और हार्ड टिश्यू रीजनरेटिव प्रक्रियाएँ, डायोड लेजर असिस्टेड सॉफ्ट टिश्यू एक्सिजन और एडजंक्टिव पॉकेट डीब्राइडमेंट प्रक्रियाएँ संपन्न की जा रही हैं।

ओरल पैथोलॉजी एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान

ओरल हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला ओरल और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र के विभिन्न कठोर और कोमल ऊतक विकृतियों पर हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी रिपोर्टिंग को संसाधित करने और प्रदान करने के लिए सुसज्जित किया गया है।

पेडोडोंटिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

इस वर्ष यह प्रभाग विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान और नियामक निकायों के विशेषज्ञों के रूप में पेशेवर रूप से सक्रिय रहा है। यह विभाग 'महामारी के दौरान डेंटल ट्रॉमा को कैसे संभालें' पर संगोष्ठी, अक्टूबर 2020 को वर्चुअल डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी नेशनल कॉन्फ्रेंस, नवंबर 2021 को इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के लिए पीयर रिव्यूर्स प्रशिक्षण का मेजबान था और इसके अतिरिक्त, इस प्रभाग ने जनवरी 2021 को रिस्क ऑफ़ बायस इन फिनिट एलिमेंट एनालिसिस स्टडीज इन डेंटिस्ट्री एंड मेडिसिन पर एक वर्चुअल व्यावहारिक एवं क्रियाशील पाठ्यक्रम का आयोजन किया। विभाग ने विभिन्न पेशेवर संघों के लिए कई वर्चुअल कार्यक्रमों के आयोजन में नेतृत्व किया और वैश्विक महामारी के दौरान दिशानिर्देशों के अनुसार रोगियों को उपचार प्रदान करना जारी रखा।

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र को राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र के रूप में नामित किया है। कार्यक्रम के प्रमुख एवं निदेशक के मार्गदर्शन में यह प्रभाग एनओएचपी के क्रियान्वयन का कार्य करता है। यह प्रभाग बल्लभगढ़ में तंबाकू निषेध और निवारक क्लीनिकों और आउटरीच सेवाओं का संचालन करता है।

शिक्षा

वर्तमान में सीडीईआर निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है:

1. **स्नातकपूर्व**

   डेंटल हाइजीन और डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस में बी.एससी. पाठ्यक्रम

   एमबीबीएस और नर्सिंग छात्रों के लिए दंत चिकित्सा पाठ्यक्रम

2. **स्नातकोत्तर**

   ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, प्रोस्थोडॉन्टिक्स, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं डॉन्टिक्स, ऑर्थोडॉन्टिक्स और पेडोडॉन्टिक्स और निवारक दंत चिकित्सा में एमडीएस पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम।

3. **फैलोशिप**
   फटे होंठ और तालू

सीडीईआर के संकाय-सदस्यों द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 18 मार्च 2021 को डॉ. रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स में मिनामाता सम्मेलन।
2. कोविड-19 महामारी के दौरान, 14 अप्रैल 2020 को डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी में दर्दनाक दंत चोटों का उपचार
3. सीडीईआर, एम्स में 20-24 अप्रैल 2020 को ऑर्थोडोंटिक्स में बेसिक रिसर्च मेथडोलॉजी पर वेबिनार।
4. वर्चुअल डेंटल ट्रॉमा नेशनल कांफ्रेंस 2020 - डेंटल ट्रॉमैटोलॉजी में 16-17 अक्टूबर 2020 को इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी का वर्चुअल सम्मलेन।
5. 23-25 नवंबर 2020 को पेशेवर पत्रिकाओं में सहकर्मी समीक्षा में समीक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला, "प्रभावी सहकर्मी समीक्षा"।
6. 2 दिसंबर, 2020 को 48वें इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी (आईपीएस) के राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मलेन 2020, नागपुर में सम्मलेन से पूर्व पाठ्यक्रम: "प्रोस्थोडॉन्टिक रिहैबिलिटेशन ऑफ मैक्सिलरी डिफेक्ट्स - डिफरेंट मेथड्स एंड टेक्निक्स"।
7. 5 जनवरी 2021 को परिमित तत्व विश्लेषण में पूर्वाग्रह के जोखिम पर "रिस्क ऑफ बायज इन फिनिट एलिमेंट एनालाइजिस स्टडीज इन डेंटिस्ट्री एंड मेडिसिन" पर एक वर्चुअल व्यावहारिक एवं क्रियाशील कार्यशाला।
8. दिनांक 5-6 एवं 12-14 फरवरी 2021 को इंडियन प्रोस्थोडॉन्टिक सोसाइटी, पुणे (इंडिया) द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैक्सिलोफेशियल रिहैबिलिटेशन के 13वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मेलन से पूर्व पाठ्यक्रम: "रीकैपिचुलेटिंग बायोफॉर्म लर्निंग लेसंस फॉर ऑरिकुलर प्रोस्थेसिस फेब्रिकेशन!"।

प्रदत्त व्याख्यान

रितु दुग्गलः 7	**अजय रॉय चौधरी: 3**	**वीणा जैन: 5**
अजय लोगानीः 14	**विजय प्रकाश माथुरः 9**	**देवलीना गोस्वामी: 2**
दालिम कुमार बैद्यः 9	**दीपिका मिश्रा: 6**	**कल्पना बंसल: 2**
नितेश तिवारीः 17	**विजय कुमारः 2**	**धीरज कुमार कोली: 4**
शालिनी गुप्ताः 3	**हर्ष प्रियाः 10**	**कुणाल ढींगराः 2**
प्रभात कुमार चौधरीः 3	**सिद्धार्थ शर्माः 2**	**राहुल मोरंकर: 2**
कृष्णा भट्टः 2	**भारती एम. पुरोहितः 1**	**अदिति नंदाः 3**

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र/ पोस्टर: 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. क्लिनिकल, हिस्टोमोर्फोमेट्रिक और 3-डायमेंशनल कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफिक एनालाइजिस - रिज संरक्षण के लिए इनजेक्टेबल प्लेटलेट रिच फाइब्रिन के साथ मिश्रित ऑटोजेनस टूथ बोन ग्राफ्ट, डॉ. विकेंदर सिंह, बाह्य परियोजना, 2 वर्ष, 2019-2021, 8.89 लाख रुपए
2. द्वितीय श्रेणी पोस्टीरियर रेस्टोरेशन के लिए सिल्वर अमलगम के विकल्प के रूप में टूथ कलर्ड मेटल फ्री सेल्फ-क्योरिंग रेजिन-आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी प्रायोगिक अध्ययन, डॉ. अमृता चावला, एम्स अर्ली कैरियर इंट्राम्यूरल रिसर्च, 2 वर्ष, 2019-2021, 3.71 लाख रुपए
3. धूम्रपान करने वालों में एकाधिक प्रकार से मसूड़ों के खिसकने के लिए एनामेल मैट्रिक्स व्युत्पन्न से युक्त अथवा इनसे रहित अवोपत्वचा संयोजी ऊतक निरोप और इंजेक्टेबल प्लेटलेट-समृद्ध फाइब्रिन का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कुणाल ढींगरा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये।
4. प्लैक और मसूड़े की सूजन में हर्बल माउथवॉश की प्रभावकारिता को सत्यापित करने हेतु अध्ययनः *इन विट्रो* मूल्यांकन और एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ. विकेंदर सिंह, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2019-2021, 30.47 लाख रुपए
5. कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके ऑर्थोडोन्टिक अदृश्य उपकरण मामलों के लिए स्वचालित निदान और निगरानी, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, भारत-ताइवान सहयोग कार्यक्रम [विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार], 3 वर्ष, 2020-2023, 19.87 लाख रुपये
6. खेल के अवसर पर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के 10-18 वर्ष के कबड्डी खिलाड़ियों में दांतों की दर्दनाक चोटों की रोकथाम के लिए स्पोर्ट्स डेंटल इंजरी प्रिवेंशन (एमएसआईपी) मॉड्यूल और कस्टम-फैब्रिकेशन माउथ-गार्ड के साथ एमएसआईपी संयोजन का तुलनात्मक मूल्यांकन, क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 42 लाख रुपए
7. अपने आप चिपकने वाले स्टेनलेस-स्टील डेंटल स्प्लिन्ट प्रोटोटाइप का विकास और प्रयोगशाला परीक्षण, डॉ. अजय लोगानी, एम्स - आईआईटी दिल्ली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपए
8. प्री-क्लिनिकल अंतस्थदंत प्रशिक्षण के लिए शारीरिक जटिलता वाले 3डी प्रिंटेड टूथ प्रोटोटाइप का विकास और परीक्षण, डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.48 लाख रुपये।
9. स्कूल शिक्षकों के लिए डेंटल ट्रॉमा जागरूकता उपकरण का विकास और सत्यापन, डॉ. नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 15 लाख रुपए

10. बच्चों में सह-अन्वेषक के रूप में दंत रोगों की रोकथाम के लिए मोबाइल ऐप का विकास (अंतभित्तिक परियोजना एम्स), डॉ कल्पना बंसल, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 साल, 2020-2021, 5 लाख रुपये।
11. 3-आयामी मुद्रित विकलदंत मॉडल की सटीकता पर स्कैनिंग तकनीकों और प्रिंट लेयर की ऊंचाई का प्रभाव, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2 साल, 2019-2021, 14.90 लाख रुपये।
12. कैरिज एक्टिव बच्चों में माइक्रोबियल गणना पर क्रैनबेरी अर्क माउथ-रिंज बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंज की प्रभावकारिता - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कल्पना बंसल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 16.99 लाख रुपए
13. तत्काल लगाए गए और देरी से लगाए गए दंत प्रत्यारोपणों में प्रदाहक मार्कर मेटालोप्रोटीनस-8 (एमएमपी-8) और कैथेप्सिन-के (सीटीएसके) स्तर का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और पायलट अध्ययन, डॉ. धीरज कुमार कोली, इंट्रा म्यूरल प्रोजेक्ट एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2020, 7.50 लाख रुपये
14. संपूर्ण कृत्रिमदंत के निर्माण के लिए कृत्रिमदंत की गुणवत्ता, रोगी की संतुष्टि और पोषण की स्थिति पर नए सरलीकृत प्रोटोकॉल के प्रभाव का मूल्यांकन, डॉ अदिति नंदा, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 02, 2019-2021, रु. 4.89 लाख।
15. एलाइनवाईज स्पष्ट एलाइनर सिस्टम के साथ दंत संचार की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, विलास समृत, एलाइनवाइज स्माइल टेक्नोलॉजीज, 2 साल, 2019- 2021, मटीरियल और लॉजिस्टिक सपोर्ट।
16. मुंह के कैंसर और डिस्प्लेसिया का पता लगाने के लिए फ्लोरेसेंस आधारित माइक्रोएन्डोस्कोपी और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी के नवीन उपयोग का अन्वेषण करना, दीपिका मिश्रा, एम्स - आईआईटी दिल्ली सहयोग अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2019- जारी, 5 लाख रुपए
17. पीरियडोंटाइटिस के उपचार के लिए पॉलीमर नैनोकंपोजिट पर आधारित नवीन स्थानीय औषधि डिलीवरी प्रणाली का निर्माण और इन-विवो (चूहा मॉडल) का मूल्यांकन, डॉ. कुणाल ढींगरा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-2022, 42 लाख रुपए
18. वास्तविक असममित ऊर्ध्वहनु विस्तार के लिए लघु पेंच वाला रोप समर्थित वाई-हेलिक्स उपकरण (मिस्बा) का परिमित तत्व विश्लेषण और विकास, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, एम्स, नई दिल्ली और आईआईटी-दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, 20 लाख रुपये।
19. व्यावसायिक रूप से उपलब्ध बेबी फ़ूड सप्लीमेंट्स के लिए फ्लोराइड और शुगर के स्तर उपयुक्त है, हर्ष प्रिया, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
20. उत्तर भारतीयों में मौखिक अवश्लेष्म तंतुमयता की अभिव्यक्ति की एचएलए संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति, भारती एम. पुरोहित, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
21. "साइटोटॉक्सिसिटी ऑफ इंटरकैनाल मेडिकामेंट्स यूज्ड फॉर रूट कैनाल डिसइनफेक्शन एंड देयर एफेक्ट ऑन प्रोलिफरेशन एंड डिफरेशिएशन पोटेन्शियल्स ऑफ स्टेम सेल्स फ्रॉम एपिकल पापिला-एन इन-विट्रो स्टडी" शीर्षक वाला अंतर्भित्तिक परियोजना, राहुल मोरंकर, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये।

22. ल्युजेशन डेंटल इंजरी के बाद पीरियडोंटल हीलिंग बढ़ाने के लिए चिकित्सीय सहायक के रूप में कम तीव्रता वाला स्पंदित अल्ट्रासाउंड (एलआईपीयूएस), विजय कुमार, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च, 2 वर्ष, 2019-2021, 3.86 लाख रुपये
23. ओरल और मैक्सिलोफैशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले फाइब्रो-ऑस्सियस घावों का आणविक और प्रतिरक्षात्मक लक्षण वर्णन, डॉ. दीपिका मिश्रा, इंट्राम्यूरल परियोजना, 1 वर्ष, 2018-जारी, 5 लाख रुपए
24. कार्यात्मक अंतर्रोधन की वियना अवधारणा पर आधारित टेम्पोरोमेंडिबुलर जाइंट विकारों का उपचार, रितु दुग्गल, ऑस्ट्रिया-वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2020-2022, यूरो 15,000 (ऑस्ट्रिया)।

पूर्ण

1. एंडोडोंटीकॉरिजिन के पेरियापिकल लिजन्स के गैर-सर्जिकल उपचार हेतु एडजाक्ट्स के रूप में दो नई तकनीकों का सीबीसीटी मूल्यांकन- एन भावी यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण", अजय लोगानी, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, 30 लाख रुपये।
2. भारत में अनुसंधान क्षमता निर्माण: मुख स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु बैरियर्स एवं एनेबलर्स की पहचान, द्वारा डॉ. कुणाल ढींगरा, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर), यूएसए, 3 साल, 2017-2020, रु। 26 लाख।
3. भारत में कटे होंठ एवं तालु विकार : नैदानिक उपचार की वर्तमान स्थिति : एक अस्पताल आधारित अध्ययन, डॉ. विलास समृत, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3.5 वर्ष, जून 2017- नवंबर 2020, 316 लाख रुपये।
4. 2 से 14 वर्ष के बाल कैंसर रोगियों के मुख स्वास्थ्य में सुधार में मानक उपचार की तुलना में बाल कैंसर रोगियों में ओरल हेल्थ टूलकिट की प्रभावशीलता, हर्ष प्रिया, इंट्राम्यूरल एम्स, 2 वर्ष, 2018-2020, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. पारंपरिक पूर्ण डेन्चर और इम्प्लांट समर्थित ओवर डेंचर का एक तुलनात्मक कम्प्यूटरीकृत अंतर्दंत विश्लेषण।
2. सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करके तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास के क्रेस्टल बोन स्तर का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन- एक पायलट अध्ययन।
3. ऑपरेशन के एक दिन बाद और जिह्वा विभक्त (चिजेल मैलेट) तकनीक और बर तकनीक के उपयोग से इंपेक्टेड अंतर्घट्टित और अधोहनु तृतीय मोलर सर्जरी के सात दिन बाद ऑपरेशन उपरांत दर्द और अनुस्तंभ का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छित नियंत्रित नॉन इनफिरियरिटी ट्रायल।
4. इंट्रा ऑपरेटिव और पोस्ट ऑपरेटिव मानदंडों के संबंध में चिजेल और पाइजोटॉम के साथ मेलेट की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित ट्रायल।

5. ऑपरेटिव और नॉन-ऑपरेटिव विधि का उपयोग करके अधोहनु उपचारित के उप-स्थूलक अस्थिभंग के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

6. लाक्षणिक अनुत्क्रमणीय दंतमज्जा और रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पिटिस और पेरीएपिकल रेयरफैक्शन के साथ परिपक्व स्थायी दांतों में किए गए पूर्ण पल्पोटॉमी की तुलना में नॉनसर्जिकल एंडोडोंटिक थेरेपी और महत्वपूर्ण पल्प चिकित्सा के संयोजन के परिणाम का आकलन करने के लिए एक अध्ययन-एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

7. प्राथमिक मोलर में पीएमएमए-एंडोक्राउन के दो डिजाइनों के फ्रैक्चर प्रतिरोध और फेलियर-मोड का इन-विट्रो मूल्यांकन।

8. पोस्ट एक्सट्यूबेशन रेस्पिरेटरी फेलियर में हाई फ्लो नैजल ऑक्सीजनेशन हेतु प्रतिक्रिया पूर्वानुमाक के रूप में रोक्स इंडेक्स एवं रॉक्स-एचआर इंडेक्स का प्रयोग - एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।

9. बच्चों में कैरियोजेनिक बनाम गैर-कारियोजेनिक खाद्य परोसने के अवधानक पूर्वानुमान का मूल्यांकन : एक विजुअल ट्रेकिंग अध्ययन।

10. असेसमेंट ऑफ फ्लुराइड एंड सिल्वर आयन कन्सैंट्रेशन्स इन सलाइवा एंड यूरिन फोलोइंग सिल्वर डायमाइन फ्लुराइड एप्लिकेशन ऑन केरियस टीथ इन दी चिल्ड्रेन-आन एक्सप्लोरेटरी स्टडी।

11. अवर वेना कावा के पतनशीलता सूचकांक (आईवीसीसीआई) का आकलन और रीढ़ की हड्डी के हाइपोटेंशन के पूर्वसूचक के रूप में कैरोटिड धमनी शिखर वेग (सीएपीवी) की भिन्नता

12. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्न का आकलन

13. जनरल एनेस्थेसिया लेकर स्पाइनल सर्जरी करवा रहे बुजुर्ग रोगियों में प्री-ऑपरेटिव फ्रेल्टी एवं पोस्ट-ऑपरेटिव डिलिरियम एवं कॉग्निटिव डिसफंक्शन का संबंध: एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।

14. आपातकालीन लैपरोटॉमी में पोस्टऑपरेटिव परिणामों के साथ इंट्राऑपरेटिव परिणामों रक्त शर्करा की परिवर्तनशीलता का संबंध।

15. उत्तर भारत की आबादी का सेफालोमेट्रिक कॅरेक्टरिस्टिक्स -एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

16. भारत में मैकेनिकली वेंटिलेटेड कोविड-19 रोगियों में रेस्पिरेटरी मैकेनिक्स की विशेषता।

17. ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज अभिविन्यास में मुद्रित रैपिड-प्रोटोटाइप ऑर्थोडोंटिक मॉडल 3 डी की सटीकता और लागत प्रभावशीलता का तुलनात्मक मूल्यांकन।

18. प्राकृतिक दांतों का विरोध करने वाले पॉलिश किए गए मोनोलिथिक ज़िरकोनिया और अपारदर्शी मोनोलिथिक ज़िरकोनिया के पहनने का तुलनात्मक मूल्यांकन- एक इन-विवो अध्ययन में।

19. गैर-सर्जिकल उपचार के बाद आर्टिकुलर डिस्क की स्थिति की तुलना और मैंडिबुलर कंडीलर फ्रैक्चर में खुली कमी और आंतरिक निर्धारण- एमआरआई अध्ययन।

20. टोपिकल लोकल एनेस्थीसिया और डेक्समेडेटोमिडाइन इन्फ्यूजन के तहत प्रत्याशित कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में फ्लेक्सिबल फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीमैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप का उपयोग करके जागृत नासोट्रैचियल इंटुबैषेण की तुलना।
21. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी से गुजर रहे रोगियों में जब्ती गतिविधि की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल, पुनर्प्राप्ति समय और कॉर्टिकल गतिविधि (एफएनआईआरएस का उपयोग करके) पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन।।
22. वयस्क रोगियों में एयरक्यू और एलएमए ब्लॉकबस्टर के माध्यम से ब्लाइंड इंटुबैशन सफलता दरों की तुलना
23. क्षेत्रीय संज्ञाहरण के तहत सहज श्वास वाले रोगियों में प्रोपोफोल और डेक्समेडेटोमिडाइन बेहोश करने की क्रिया के बीच डायाफ्रामिक गतिविधि की तुलना: संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
24. एंगल फ्रैक्चर से जुड़े पूर्वकाल मैंडिबुलर फ्रैक्चर में 2 मिमी पुनर्निर्माण प्लेट का उपयोग करके ऑस्टियोसिंथेसिस की प्रभावशीलता की तुलना।
25. टॉपिकल एनेस्थीसिया और डेक्समेडेटोमिडाइन सेडेशन के तहत मुश्किल वायुमार्ग वाले रोगियों में एफओबी गाइडेड बनाम सीमैक डी ब्लेड निर्देशित वेक नासोट्रैचियल इंटुबेशन की तुलना
26. पारंपरिक एक्सट्यूबेशन से गुजर रहे मरीजों में पोस्ट एक्सट्यूबेशन फेफड़ों के वातन की तुलना सकारात्मक दबाव एक्सट्यूबेशन से गुजरने वालों के साथ: एक यादृच्छिक परीक्षण
27. फिनिशिंग, पॉलिशिंग और ग्लेज़िंग के बाद लिथियम डिसिलिकेट ग्लास सिरेमिक और दो प्रकार के ज़िरकोनिया सिरेमिक की पारदर्शिता और खुरदरापन की तुलना- इन विट्रो अध्ययन।
28. दीर्घकालिक निश्चित उपकरण चिकित्सा में मूत्र और लार धातु के स्तर की तुलना: एक संभावित अध्ययन।।
29. स्केलेटल वर्ग III रोगियों में ऑर्थोगैथिक सर्जिकल उपचार में ऊपरी एयरवे का कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी विश्लेषण।
30. डॉपलर व्युत्पन्न कैरोटीड संशोधित प्रवाह समय, दबाव ट्रांसड्यूसर व्युत्पन्न रेडियल धमनी प्रवाह समय और नाड़ी दबाव भिन्नता के बीच सहसंबंधः एक अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
31. कोरिलेशन ऑफ पेरियोडोंटल कैरेक्टरिस्टिक्स विद सिफालोमेट्रिक एंड सीबीसीटी पॅरमीटर्स इन एंनटीरियर डेंटिशन ऑफ इंडिविजुयल्स विद डिफरेंट ग्रोथ पैटर्नस।
32. कोरिलेशन ऑफ द डेप्थ ऑफ अक्करेन्स ऑफ सेकेंड मेसियोबुक्कल कैनाल विद इट्स पोज़िशन एंड रूट केनाल कॉनिफगरेशन इन मॅग्ज़िलरी फर्स्ट मोलेर टीथ- ए रिट्रोस्पेक्टिव कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्रफी स्टडी (एक पूर्वव्यापी शंकु बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी अध्ययन)।
33. डिज़ाइनिंग, डेवेलपमेंट एंड इन-विट्रो/एक्स-वीवो टेस्टिंग ऑफ ए प्रोटोटाइप फ्लेक्सिबल प्री-लोडेड सेल्फ़-आदेसिव स्टेनलेस-स्टील स्प्लिंट फॉर स्टेबिलाइज़ेशन ऑफ ट्रामाइज्ड एंनटीरियर टीथ: ए पाइलट इंटरवेन्शनल स्टडी।

34. डेवेलपमेंट एंड वॅलिडेशन ऑफ एन एसेसमेंट टूल फॉर ट्रामैटिक मैक्सिलोफेसियल एंड डेंटल रे- इंजुरी एसोसिएटेड फियर एंड एंग्जाईटी इन 10-16 इयर्स ओल्ड बॉक्सर्स इन डेल्ही एनसीआर रीजन।

35. एफेक्ट ऑफ एप्लिकेशन ऑफ एसडीएफ एंड पोटेशियम आयोडिन ऑन दी माइक्रोटेंसिल बॉन्ड स्ट्रेंज्थ ऑफ कंपोज़िट रेज़िन टू केरियस डेंटिन - एन एक्सपेरिमेंटल इन-विट्रो स्टडी।

36. एफेक्ट ऑफ क्रायोथेरापी ऑन दी ट्रीटमेंट आउटकम ऑफ फुल पल्पोटोमी परफॉर्म्ड ऑन मैच्यूर पर्मानेंट मॅनडिब्युलर मोलर टीथ विद सिंप्टोमॅटिक इरर्रिवर्सिबल पुलपिटिस- ए रैंडमाइज़्ड क्लिनिकल ट्राइल।

37. वैकल्पिक पेट की मुख्य सर्जरी वाले वयस्क रोगियों में ऑपरेशन पश्चात फेफड़ों के एटलेटिसिस पर वृद्धिशील पीईईपी के अनुमापन का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

38. दंत प्रत्यारोपण प्लेसमेंट करा रहे स्वस्थ, आंशिक रूप से दांत रोग के रोगियों में नैदानिक एवं रोगी-सूचित परिणामों पर सिस्टेमेटिक और स्थानीय एंटीबायोटिक्स उपचारों का प्रभाव - एक प्रारंभिक अध्ययन

39. सिर और गर्दन के कैंसर के वयस्क रोगियों में विकिरण क्षय की रोकथाम में सामयिक फ्लोराइड की प्रभावशीलता- एक व्यवस्थित समीक्षा (प्रोस्पेरो आईडी: सीआरडी42021237778)

40. तीव्र अग्नाशयशोथ में नैदानिक परिणामों और अंग विफलता पर पैरेंटेरल ओमेगा -3 फैटी एसिड पूरकता के प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

41. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में पर्क्यूटेनियस डिलेटेशनल ट्रेकोस्टॉमी के बाद जटिलता को कम करने के लिए उपचार के एक नए बंडल की प्रभावकारिता।

42. मध्यम एवं उच्च क्षय जोखिम वाले वयस्क रोगियों में ओसीसीप्लस पिट और फिशर सीलेंट की प्रभावकारिता: एक ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।।

43. आईसीयू में वीनिंग विफलता के पूर्वानुमान में कार्डियोमेट्री द्वारा थोरैसिक द्रव सामग्री की प्रभावकारिता: एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।

44. महामारी विज्ञान, नैदानिक विशेषताएं और कोविड-19 और गैर-कोविड गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (सारी) वाले रोगियों के परिणाम: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

45. कैड कैम मोनोलिथिक पीक और जिरकोनिया क्राउन के सीमांत अनुकूलन का मूल्यांकन और तुलना- इन विट्रो पायलट अध्ययन

46. टीएमजे के कुल संयुक्त प्रतिस्थापन के लिए रोगी विशिष्ट कृत्रिम अंग की सटीकता का मूल्यांकन- एक संभावित अध्ययन।

47. इन विट्रो तुलनात्मक अध्ययन में कैड कैम गढ़े हुए मोनोलिथिक जिरकोनिया और पीक क्राउन की फ्रैक्चर ताकत का मूल्यांकन।

48. पोस्टीरियर क्रॉस-बाइट के लिए त्वरित मैक्सिलरी विस्तार का उपचार ले चुके चढ़ती उम्र वाले रोगियों में जबड़े की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर तात्कालिक स्केलिटल एवं ऑक्लूजल पैटर्न में बदलाव और उनके प्रभाव - एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन।

49. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस वाले परिपक्व स्थायी दांतों में मिनरल ट्रायोक्साइड एग्रिगेट पल्पोटॉमी के परिणाम पर एक बनाम दो चरण तकनीक का मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी नैदानिक अध्ययन

50. इवैल्यूएशन ऑफ फोटो बायोमोडयूलेशन (पीबीएम) फॉर पीरियोडोंटल हीलिंग एंड प्रिज़र्वेशन ऑफ टूथ वाइटेलिटी इन लुक्सेशन इंजुरीस ऑफ इमेच्यूर पर्मानेंट इंसिर्सस: ए प्रिलिमिनरी स्टडी।

51. हाइराक्स उपकरण के साथ मध्य तालु सीवन खोलने का आकलन करने में अल्ट्रासोनोग्राफी के उपयोग का पता लगानाः एक पायलट अध्ययन

52. रोगियों के बीच तंबाकू के उपयोग और समाप्ति पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव - एक टेलीफोनिक सर्वेक्षण।

53. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में घटना, जोखिम कारक और तीव्र गुर्दे की चोट के परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

54. एंडोडोंटिक इर्रिगेशन गतिकी पर जड़ विकास के चरण और इर्रिगेशन वितरण की विधि का प्रभाव- एक कम्प्यूटेशनल तरल गतिकी अध्ययन।।

55. कोविड -19 निमोनिया में मृत्यु दर के पूर्वानुमान हेतु विभिन्न गंभीरता सूचकांक और प्रयोगशाला मापदंडों का प्रदर्शन: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

56. 6 माह से 5 वर्ष की उम्र के निकू (एनआईसीयू) स्नातकों में प्राथमिक दंत चिकित्सा की दंत असामान्यताओं की व्यापकता : एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन ।

57. सीलिएक रोग वाले बच्चों में इनेमल के विकास संबंधी दोषों की व्यापकता। एक अस्पताल आधारित अवलोकनात्मक अध्ययन।

58. शिशुओं में शुरुआती समस्याओं की व्यापकता: एक पायलट खोजपूर्ण अध्ययन।

59. मेजर मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में दो अलग-अलग एनेस्थीसिया तकनीकों के बाद रोगियों की रिकवरी विशेषताएँ: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

60. आईसीयू में तीव्र संचार विफलता वाले रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट का पूर्वानुमान करने के लिए रीनल डॉपलर अल्ट्रासाउंडः एक अग्रदर्शी पर्यवेक्षणीय अध्ययन

61. व्यवहार इंटरवेंशन, एमसेसेशन और टेलीफोन परामर्श का उपयोग कर धुंआ रहित तंबाकू निषेध - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

62. उत्तर भारतीय वयस्कों के लिए नरम ऊतक मानदंड - एक सेफलोमेट्रिक अध्ययन।

63. वैध पेरिटोनिटिस सर्जरी के बाद तीव्र गुर्दे की चोट का शीघ्र पता लगाने के लिए डॉपलर रीनल रेसिस्टिव इंडेक्स और सेमीक्वांटिटेटिव पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड।

64. तीन अलग-अलग पीएच स्थितियों में ऑर्थोडोंटिक ब्रैकेट की मौलिक संरचना और सतह आकृति विज्ञान पर सोडियम फ्लोराइड कुल्ले का प्रभाव। स्थितियाँ- एक इन विट्रो अध्ययन।

65. ऑर्थोडोंटिक रोगियों में ब्लैक ट्राईएंगल की घटना की घटनाओं का निर्धारण करने के लिए।

66. एस्थेटिक क्राउन वाले पुनर्रसंरचित प्राथमिक दांतों में आघात प्रेरित तनाव वितरण : एक परिमित तत्व विश्लेषण।

पूर्ण

1. सॉकेट शील्ड तकनीक और पारंपरिक तकनीक का उपयोग करते हुए तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास नरम ऊतक और वॉल्यूमेट्रिक परिवर्तनों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक पायलट अध्ययन
2. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पाइटिस और पेरियापिकल रेयरफैक्शन वाले परिपक्व स्थायी दाढ़ दांत के उपचार के लिए गैर-सर्जिकल डॉन्टिक्स और वाइटल पल्प चिकित्सा के संयोजन के परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन
3. ग्रसनी वायुमार्ग की मात्रा में सुधार का मूल्यांकन करने और एंकिलोसिस एवं मैंडिबुलर डिस्ट्रेक्शन के एक साथ मोचन में मैंडिबल के दीर्घीकरण का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षाकर्मियों में स्क्रीनिंग के माध्यम से मुंह के कैंसर के जोखिम कारकों और प्रसार की पहचान करने के लिए एक अध्ययन
5. ए सर्वे ऑफ सेल्फ़-पर्सीव्ड फिज़िकल डिसकंफर्ट्स एंड हेल्थ बिहेवियर्स रिलेटेड टू पर्सनल प्रोटेक्टिव एक्विपमेंट ऑफ इंडियन डेंटल प्रोफेशनल्स ड्यूरिंग कोविड 19 पैंडेमिक।
6. बचपन के कैंसर से ठीक हो चुके रोगियों में दांतों के विकास पर एंटी-कैंसर थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन परा-वर्गीय विश्लेषणात्मक अध्ययन
7. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी करवाने वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइडेड एरेक्टर स्पिनाई ब्लॉक बनाम इंट्राथिकल मॉर्फिन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिताः एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक पायलट अध्ययन।
8. पेरिटोनिटिस ग्रस्त रोगियों में पेरिऑपरेटिव एसिड-बेस असामान्यताएँ और गुर्दे की शिथिलता के बीच संबंधः एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन
9. अवेयरनेस, पर्सेप्शन्स एंड डेंटल सर्विसेज यूटिलाइज़ेशन बाइ पेशेंट्स विज़िटिंग ए टेरिटरी केयर सेंटर ड्यूरिंग कोविड-19 पैंडेमिक।
10. कैलोरी, चीनी और वसा लेबल के साथ भोजन की खपत की पद्धति में बदलावः एक व्यवस्थित समीक्षा
11. भारतीय बच्चों द्वारा लिए खाए जाने वाले सामान्य खाद्य-पदार्थों के कारण पुनर्स्थापना सामग्री में रंग परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन
12. 60 मिनट से अधिक के अतिरिक्त शुष्क समय की स्थिति में दांतों में विभिन्न रूट सतह बायोमॉडिफिकेशन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन
13. कंपेरेटिव एवॅल्यूयेशन ऑफ पुटी इंडेक्स एंड कस्टम टेंपलेट फॉर डायरेक्ट कंपॉज़िट रेस्टोरेशन ऑफ अनकॉम्प्लिकेटेड क्राउन फ्रेक्चर्स इन पर्मानेंट एंटिरियर टीथ।
14. प्राथमिक दाढ़ों की पल्पोटॉमी में सिमवास्टेटिन जेल और डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकन
15. अंश पुनर्संयोजन में दो पुनर्जलीकरण प्रोटोकॉल का तुलनात्मक मूल्यांकन

16. सीज़ेरियन सेक्शन में सहायक के रूप में फैंटानिल के साथ इंट्राथेकल 0.75% आइसोबेरिक रोपआइवाकेन बनाम क्लोनिडिन की नैदानिक प्रभावकारिता की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

17. कोविड -19 के कारण तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में जाग्रत प्रवण बनाम जाग्रत पुनर्स्थापन की तुलना।

18. कोविड-19 के कारण तीव्र हाइपोक्सिमिक श्वसन विफलता में एचएफएनओ बनाम एनआईवी की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

19. सेप्सिस के रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वसूचक के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना

20. प्राथमिक दाढ़ों में फर्केशन क्षेत्र की पारगम्यता पर 940एनएम डायोड लेजर विकिरण और डेंटिन बॉन्डिंग एजेंट का प्रभाव

21. भारत में स्कूल शिक्षकों के बीच मुख स्वास्थ्य ज्ञान, दृष्टिकोण, प्रवृत्ति और कार्य परिवर्तन का आकलन करने में प्रशिक्षण पैकेज की प्रभावशीलताः एक हस्तक्षेपी अध्ययन।

22. भारत में नर्सिंग पेशेवरों के लिए एक मुख स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलताः एक हस्तक्षेपी अध्ययन

23. आपातकालीन लैप्रोटॉमी करा रहे वयस्क रोगियों में ऑपरेशन पश्चात ऑक्सीकरण स्थिति पर डिक्रीमेंटल पीईईपी परीक्षण की प्रभावकारिताः एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. तृतीयक चिकित्सा दंत चिकित्सा अस्पताल में जाने लेने वाले व्यक्तियों के बीच तंबाकू समाप्ति की धारणा का मूल्यांकन - एक मिश्रित प्रकृति अक डिजाइन।

25. एक पीस वाईट्रियम की सफलता दर का मूल्यांकन ज़िरकोनिया रूट एनालॉग डेंटल इम्प्लांट को स्थिर करता है - एक पायलट अध्ययन।

26. आईसीयू में मांसपेशी क्षय का आकलन करने के लिए एक विधि के रूप में पूर्वकाल टेम्पोरलिस मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की व्यवहार्यता

27. अस्पताल-आधारित परिस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय कैरीज वर्गीकरण और प्रबंधन प्रणाली (आईसीसीएमएस) प्रोटोकॉल की व्यवहार्यता

28. प्रत्यक्ष लोडिंग के दौरान ऑर्थोडोंटिक मिनी प्रत्यारोपण के आसपास इंटरल्यूकिन 1बी का स्तर- ए सिंगल-सेंटर, स्प्लिट पैरलेड ग्रुप, संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

29. ऑर्थोडोंटिक व्हाइट स्पॉट घाव सूचकांकः ऑर्थोडॉन्टिक रोगियों में प्रेरित सफेद स्पॉट घाव के मूल्यांकन के लिए एक नवीन साधन

30. यांत्रिक लुगदी प्रभावन वाले परिपक्व स्थायी दांतों में कैल्शियम सिलिकेट आधारित सीमेंट के साथ या बिना पूर्ण पल्पोटॉमी के परिणाम - एक विभाजित मुख अध्ययन

31. पार्श्व गर्दन एक्स-रे का उपयोग करते हुए कठिन लेरिंजोस्कोपी और ओरोक्टेक्ल इनट्यूबेशन का अनुमानः अग्रदर्शी अवलोकन डबल-ब्लाइंड अध्ययन

32. विकट फेब्राइल रुग्णता में गहन चिकित्सा इकाई भर्ती और मृत्यु दर के पूर्वसूचकः एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
33. प्रीवलेन्स ऑफ अर्ली चाइल्डहुड कैरिज इन प्री-स्कूल चिल्ड्रेन ऑफ लेह डिस्ट्रिक्ट -लद्दाख।
34. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के कारण रेड ब्लड सेल ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर का रोगात्मक महत्वः अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
35. तंबाकू परामर्श सत्र में भाग लेने वाले व्यक्तियों के बीच तंबाकू दंत चिकित्सा के उपयोग से जुड़े विचारों और विश्वासों का गुणात्मक विश्लेषण।
36. कोविड -19 रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन में शामिल स्वास्थ्य चिकित्सा प्रदाताओं के बीच सार्स-कोव 2 संक्रमण का जोखिम।
37. प्रीस्कूल बच्चों में ईसीसी की गंभीरता और पैटर्न तथा व्यवहार के विभिन्न पहलुओं के साथ इसका संबंध - अस्पताल आधारित अध्ययन
38. स्केलिटल श्रेणी ii बढ़ती उम्र के रोगियों में जुड़वा ब्लॉक चिकित्सा से पहले और बाद में स्टर्नोक्लेडोमैस्टॉइड और ट्रेपेजियस मांसपेशी गतिविधि
39. अविकसित स्थायी दांत की गतिशीलता पर तार-संयुक्त स्पिलंट की असमान-ग्रीवा स्थिति का प्रभावः एक कैडेवरिक मॉडल अध्ययन
40. प्रवाहकीय श्रवण हानि से ग्रसित क्लीफ्ट पैलेट वाले रोगियों की श्रवणशक्ति पर तीव्र मेक्सिलरी विस्तार का प्रभाव - एक पायलट अध्ययन।
41. मैक्सिलरी कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान दांतों के हिलने की दर पर अनुक्रमिक स्थानीय रूप से इंजेक्टिड प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का प्रभाव
42. रोगसूचक अपरिवर्तनीय पल्पिटिस की स्थिति में परिपक्व स्थायी दांतों में पल्पाटॉमी के परिणाम के लिए रोगसूचक बायोमार्कर के रूप में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनस-9 (एमएमपी-9) का स्तर - एक नैदानिक अग्रदर्शी अध्ययन
43. थोरॅसिक रेडियलॉजिकल कॅरेक्टरिस्टिक्स इन कोविड-19 पेशेंट्स एट दी टाइम ऑफ प्रीज़ेंटेशन - प्रोस्पेक्टिव अब्ज़र्वेशनल स्टडी।
44. तात्कालिक और विलंबित भारित दंत प्रत्यारोपण में भिन्न-भिन्न समय अंतरालों में क्रेस्टल अस्थि हानि की स्थिति में पेरी-इम्प्लांट क्रेविकुलर तरल पदार्थ में ओस्टियोकेल्सिन के स्तर को सह-संबोधित करना। एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।
45. एलोप्लास्टिक सकल जोड़ प्रतिस्थापन, गैप आर्थोप्लास्टी द्वारा उपचारित टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में बाइट फोर्स और चबाने की दक्षता का मूल्यांकन करना और सामान्य व्यक्तियों के साथ तुलना करना।
46. बढ़ते ब्लॉक II में उच्च कोण के रोगियों में मैंडिबुलर पोस्चरल परिवर्तनों के बाद गर्दन की मांसपेशियों की गतिविधि का मूल्यांकन करने के लिए ट्विन ब्लॉक थेरेपी- एक ईएमजी अध्ययन

47. पेरीएपिकल एपिकल इंडेक्स (पीएआई) स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर रेडियोग्राफिक पेरीऐपिकल घावों को श्रेणीबद्ध करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की प्रयोज्यता का मूल्यांकन करना- एक विधि तुलन अध्ययन
48. गहन समीपस्थ नाड़ी घाव में अप्रत्यक्ष पल्प थेरेपी या पूर्ण पल्पोटॉमी के साथ किए गए समग्र पुनर्स्थापना उपचार के परिणाम- एक नैदानिक अध्ययन
49. परफोरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लैपरोटॉमी कराने वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में ब्राचियल धमनी की प्रतिक्रिया का अल्ट्रासोनोग्राफी मूल्यांकनः अग्रदर्शी अवलोकन अध्ययन
50. सामान्य रूप से सांस ले रहे रोगियों में मात्रा प्रतिक्रियाशीलता के पूर्वानुमान हेतु एस्सेंडिंग एओर्टा में मापा गया समय एवं स्ट्रोक मात्रा।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियलसैलिवरी ग्लैंड के बिना आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने हेतु एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। विकिरण अर्बुदविज्ञान, एम्स के सहयोग से, विकिरण अर्बुदविज्ञान, एम्स ।।
2. आघात तथा ज्ञानात्मक क्षरण (काग्निटिव डिकलाइन) के कारणों को उजागर करने के लिए आबादी आधारित दूरदर्शी समूह अध्ययनः क्रॉस कल्चरल पर्सपेक्टिव, तंत्रिका विज्ञान - क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
3. पोस्टमेनोपॉजल ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एंजेनिन बायोसाइंसेज लिमिटेड के बायोसिमिलर डेनोसुमाब बनाम अन्वेषक डेनोसुमाब की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक संभावित, सक्रिय-नियंत्रित, यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, बहुकेंद्री, चरण III अध्ययन, सह-पीआई के रूप में, अस्थि रोग, अंतःस्राविकी, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
4. भारतीय सुपारी उपयोगकर्ताओं में निर्भरता, नुकसान की धारणा और छोड़ने की प्रेरणा की जांच करने के लिए एक अध्ययन और पायलट परीक्षण एक हस्तक्षेप मॉड्यूल, मनोरोग विभाग और एनडीडीटीसी एम्स।
5. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम (सीसीएसपी) कार्यक्रम में सह-अन्वेषक (आईआरसीएच विभाग के साथ अंतःविषय सहयोगी परियोजना) के रूप में कैंसर से संबंधित कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और डेंटोफेशियल और मौखिक संरचनाओं के अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के प्रभाव शामिल थे, आईआरसीएच एम्स नई दिल्ली ।
6. शिशुओं के गम पैड की सफाई के लिए इंजीनियर नॉन-वुवेन बनावट वाली सतहों का विकास, जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), नई दिल्ली ।

7. ई दंत सेवा, मौखिक स्वास्थ्य के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
8. कैरिस सक्रिय बच्चों में सूक्ष्मजीवों व्यापकता पर एक क्रैनबेरी अर्क आधारित माउथ-रिन्ज बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ-रिंज की प्रभावशीलता - एक द्विस्तरीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
9. कोविड 19 वायरल लोड का एफटीआईआर आधारित अल्ट्रा फास्ट एवं गणनात्मक मूल्यांकन, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, आईआईटी खड़गपुर। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, आईआईटी खड़गपुर। कायचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।।
10. ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में एचएलए वर्ग II एंटीजन सिस्टम का इम्यूनोएक्प्रेशन- उत्तर भारतीयों में आनुवंशिक प्रवृत्ति का अध्ययन, जैव रसायन, एम्स।
11. भारत में राष्ट्रीय स्तर पर ओरल और डेंटल डिजीज बर्डन सर्वेक्षण- अवधारणा और कार्यप्रणाली, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
12. राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
13. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के बाद रिकवरी की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानक उपचार के अतिरिक्त पेरीऑपरेटिव म्यूजिक थेरेपीः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, संवेदनाहरण विभाग, एम्स
14. मुंह के कैंसर में मानव विषम नाभिकीय राइबोन्यूक्लियोप्रीटन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका, जैवरसायन, एम्स
15. ओरल डिसप्लेसिया के घातक बदलावों में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका, जैवरसायन, एम्स
16. कार्यात्मक समावेशन की वियना अवधारणा पर आधारित टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त विकारों का उपचार, ऑस्ट्रियाई संघीय शिक्षा, विज्ञान एवं अनुसंधान मंत्रालय (बीएमबीडब्ल्यूएफ), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

पूर्ण

1. मानव टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ का एक रूपात्मक अध्ययन, शरीररचना विज्ञान, एम्स
2. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में ऑफसेट एनाल्जेसिया का एक अध्ययन, शरीरक्रिया विज्ञान एम्स
3. निकोटीन मेटाबोलाइट अनुपात (एनएमआर) और धुआं रहित तम्बाकू उपयोग मापदंडों के बीच के संबंध का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, मनोचिकित्सा एवं एनडीडीटीसी एम्स
4. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सी की आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच संबंध - एक पायलट अध्ययन, जैव रसायन, एम्स
5. भारत में क्लीफ्ट लिप और पैलेट विसंगतिः नैदानिक प्रोफाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल-आधारित अध्यय"-मुख्य चरण, आनुवंशिकी एवं सीएसआईआर-आईजीआईबी

6. एसईएआरओ में अन्य असंक्रामक रोगों के बीच मुख स्वास्थ्य पर फ्लिप चार्ट का विकास, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
7. ओरल हेल्थ और ओरल कैंसर पर एमओओसी का विकास, विश्व स्वास्थ्य संगठन
8. प्राथमिक मौखिक स्वास्थ्यचर्या के बारे में, एमपीडब्ल्यू, सीएचओ और 'आशाओं' के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, भारत सरकार
9. मायोफेशियल पेन डिसफंक्शन सिंड्रोम में दर्द की स्थिति, थर्मल संवेदनशीलता और मोटर गतिविधि पर दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी एम्स
10. मानव पीरियोडॉन्टल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं की व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता एवं विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव- इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेम कोशिका सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
11. कैंसरपूर्व घावों - ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लिचेन प्लेनस से पीड़ित रोगियों जिन्हें आईसीएमआर तंबाकू टास्क फोर्स परियोजना में शामिल किया गया, के लंबे समय तक अनुवर्ती जांच के दौरान मुंह के कैंसर रूपांतरण जोखिम का अनुमान, एनआईसीपीआर, नोएडा
12. मुंह के श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतर्रोगीय रूपांतरण, त्वचारोग विज्ञान
13. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेप्सीन बी की अग्रदर्शी क्षमता का आकलन करना, जैव रसायन, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 148 सार: 9 पुस्तकों में अध्याय: 10 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियों के बारे में जानकारी शामिल है:

ओरल मेडिसिन एवं विकिरण विज्ञान विभाग

बाह्य रोगी उपचार: 10628

विशेष क्लिनिकः ओरल अल्सर क्लिनिक
ओरल मेडिसिन एवं विकिरण विज्ञान में कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा सीडीईआर
सीडीईआर में ओरल संभावित प्रीमैलिग्नेंट घावों हेतु रजिस्ट्री का निर्माण

ओरल एवं मैक्सिलोफेसियल सर्जरी
बाह्य रोगी उपचार: 12422
अंतः रोगी: > 1500 प्रमुख मामले विभाग में संचालित।
(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)।

मौखिक और मैक्सिलोफेशिय सर्जरी ओपीडी और अंतः रोगी सेवाओं में शामिल है:

1. दांत निकालने की विधि, सरल और जटिल

2. टेम्पोरोमैंडिबुलर (शंख अधोहनु) जॉइंट सर्जरी
3. कपाल-फेशियल (चेहरे पर) अभिघात
4. चेहरे की ऑर्थोगैथिक और सौंदर्य सर्जरी
5. ओरल और मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी
6. मैक्सिलोफेशियल संक्रमण
7. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के लिए सर्जरी
8. ट्राइजेमिन ट्रेजमिनल क्लिनिक
9. ऑस्टियो-ओडोंटोकेरोटोप्लास्टी

प्रोस्थोडोंटिक्स विभाग

बाह्य रोगी उपचार: 5500

हम पूर्ण और आंशिक रूप से एडेंटुलस रोगियों, निद्रा विकारों वाले रोगियों और सर्जिकल उच्छिन्न के लिए गौण, मुखांतर और चेहरे की विकृतियों, अभिघात या जन्मजात दोषों वाले रागियों के लिए दंत पुनर्रस्थापना के लिए बाह्य रोगी उपचार प्रदान कर रहे हैं। हम ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स और प्रत्यारोपण दंत चिकित्सा के लिए विशेष क्लिनिक चला रहे हैं। हम रोगियों के लिए विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंग बना रहे हैं जो इस प्रकार हैं : पूर्ण डेन्चर, निकाला जा सकनेवाला आंशिक डेन्चर, क्राउन और ब्रिज का कार्य, लैमिनेट्स, ऑक्लुसल (अंतरादंत) स्प्लिंट्स, इम्प्लांट सपोर्टेड प्रोस्थेसिस (रिमूवेबल और फिक्स्ड), मैंडिबुलर एडवांस डिवाइस और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस अर्थात् फेशियल (नेत्र, कर्ण, नासिका आदि) और इंट्रा ओरल (ऑब्ट्यूरेटर, ब्रेकीथेरेपी उपकरण आदि)।

विभाग में हम अलग-अलग प्रकार के रिमूवेबल और फिक्स्ड प्रोस्थोडॉन्टिक्स उपकरण बनाने के लिए दो प्रयोगशालाएं चला रहे हैं।

ऑर्थोडोंटिक्स और डेंटोफेशियल विकृतियों का विभाग

बाह्य रोगी उपचार: 9099

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, हमने कटे होंठ और तालु के रोगियों के इंटरडिसिप्लनरी उपचार और चेहरे की विकृति से पीड़ित रोगियों की संयुक्त ऑर्थोजेनेटिक सर्जरी पर अधिक जोर दिया है।

पीरियोडोंटिक्स विभाग

बाह्य रोगी उपचार: 4706

पीरियोडोंटिक्स प्रभाग में निम्नलिखित विभिन्न उपचार प्रक्रियाएं की जाती हैं:

- पारंपरिक गैर-सर्जिकल और सर्जिकल पीरियडोंटल थैरेपी
- पीरियोडॉन्टल प्लास्टिक सर्जरी
- नरम और कठोर ऊतक पुनर्योजी प्रक्रियाएं
- डायोड लेजर एसिस्टेड सॉफ्ट टिश्यू एक्सिशन और एडजंक्टिव पॉकेट डेब्रिडमेंट प्रक्रियाएं

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

बाह्य रोगी उपचार: 8622

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री विभाग में 14 वर्ष तक के बच्चों और विशेष स्वास्थ्य चिकित्सा की आवश्यकता वाले बच्चों के मुख और दंत रोगों का निदान और उपचार किया जाता है। विशेषज्ञता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम वर्ष 2017 में शुरू किया गया था। कोविड महामारी के दौरान, विभाग ने उपचार की आवश्यकता वाले सभी बच्चों को आपातकालीन और तत्काल उपचार प्रदान करना जारी रखा। अनलॉक होने के बाद, रिपोर्ट करने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई और तदनुसार, क्लिनिक केयर की समयावधि में वृद्धि की गई।

सामुदायिक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं:

बैठक

- स्कूली शिक्षकों के लिए शर्करा और मौखिक स्वास्थ्य की भूमिका पर मॉड्यूल के सामग्री विकास के लिए एक्सप्लोरेटरी बैठकें।
- शुगर हब: कार्य योजना और समय-सीमा के लिए संकाय-सदस्यों सीडीईआर के साथ विचार-विमर्श बैठकों की श्रंखला; कई समूह, विभिन्न शीर्षकों के तहत अनुसंधान और आईईसी विकास पर काम कर रहे हैं; प्रोस्पेरो के तहत तीन प्रणालीगत समीक्षाओं का पंजीकरण।

आईईसी, उपकरणों का विकास

- स्कूली शिक्षकों के मुख स्वास्थ्य संवर्धन पर सशक्तिकरण के लिए शर्करा और मुख स्वास्थ्य पर तीन मॉड्यूल का विकास
- विभिन्न डोमेन (एनआईएचएफडब्ल्यू) के विशेषज्ञों से विकसित मॉड्यूल की जांच
- स्कूली शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए केवीएस से 'मुख स्वास्थ्य पर शर्करा की भूमिका' पर प्राप्त अनुमतियां
- स्कूल शिक्षकों और खेल कर्मियों में अभिघात निवारण के प्रशिक्षण की आवश्यकता का आकलन।
- 'ई-अभिघात दंत चोट मूल्यांकन प्रश्नावली- स्कूल शिक्षकों के बीच' का विकास, सत्यापन और पूर्व परीक्षण
- कोविड और मौखिक और सामान्य स्वास्थ्य पर आईईसी सामग्री
- तंबाकू समापन आईईसी विकसित
- पिट और फिशर सीलेंट आईईसी का विकास
- दंत चिकित्सा में मर्करी हार्म रिडक्शन पर आईईसी वीडियो, 18 मार्च 2021 को विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के रूप में जारी।
- स्कूली शिक्षकों के मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर सशक्तिकरण के लिए शर्करा और मौखिक स्वास्थ्य पर मॉड्यूल का विकास और पुनरीक्षण।
- मिश्रित उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करने के लिए आईईसी वीडियो का विकास

- मुख स्वास्थ्य सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में 'मिनामाता कन्वेंशन के कार्यान्वयन के लिए विचार-विमर्श बैठक' आयोजित की गई थी
- मंत्रालय द्वारा विकसित मैनुअल में योगदान
- नर्सिंग पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल
- बीएससी नर्सिंग पेशेवरों के लिए उन्नत मॉड्यूल की सामग्री की तैयारी और विकास
    - संक्रमण नियंत्रण प्रक्रियाएं
    - कैंसर चिकित्सा रोगियों में नर्सिंग पेशेवरों की भूमिका
    - आईसीयू में नर्सिंग पेशेवरों की भूमिका

सहयोग

- राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम
  सामुदायिक ऑप्थेल्मोलॉजी के सहयोग से अंधता कार्यक्रम में मुख स्वास्थ्य को शामिल करने के लिए प्रारंभिक बैठकें।
- एनसीडी सहयोगः
  सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के सहयोग से मौखिक स्वास्थ्य को आउटरीच सेंटर (बल्लभघर-हरियाणा) में शामिल करने के लिए प्रारंभिक बैठकें।
- आवश्यकता मूल्यांकन और फ्लोरोसिस नियंत्रण के लिए सहयोग
- डेंटोफेशियल क्षेत्र में खेल की चोट के बारे में जागरूकता के लिए राष्ट्रीय कबड्डी और मुक्केबाजी संघों के साथ सहयोग
- दूरदर्शन और आकाशवाणी पर मुख स्वास्थ्य जागरूकता पर रेडियो और टीवी वार्ता।
- निम्नलिखित के लिए तकनीकी सहायता
    - राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति मसौदा
    - राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक
    - 2021-25 के लिए एनओएचपी के लिए परिचालन दिशानिर्देश
    - मौखिक और संबंधित रोगों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री
    - एनओएचपी के तहत जिला अस्पतालों में दंत प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए परिचालन दिशानिर्देश

ई-दंत सेवा

- ई-दंत सेवा सुविधाओं को राज्य नोडल अधिकारियों के साथ अद्यतन करने के लिए तेरह वर्चुअल बैठकें।
- वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन पर राज्य स्तरीय आईईसी और अन्य गतिविधियों को अद्यतन करने के लिए राज्य नोडल अधिकारियों के लिए एक अलग फोरम बैक एंड का निर्माण।
- एसएनओ की बैठकों के बाद से सुविधाओं की कुल संख्या 1698 से बढ़कर 4661 हो गई है।
- विभिन्न राज्यों में राज्य नोडल सुविधाओं, अवसंरचना और श्रमशक्ति के मूल्यांकन और विश्लेषण के लिए एसएनओ ग्राफ अनुभाग का समावेशन।

- सामग्री प्रबंधन प्रणाली में उपयोगकर्ता प्रशिक्षण संपन्न हुआ।
- वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन, दोनों पर महामारी के दौरान मौखिक और सामान्य स्वास्थ्य पर पृष्ठभूमि सूचना और निवारक उपायों के साथ कोविड पेज और आईईसी सामग्री का निर्माण।
- लक्षित दर्शकों की पहचान करने और ई-दंत सेवा वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन पर जाने के उद्देश्य के लिए आगंतुक विवरण मंच का सृजन।
  सितंबर 2020 से आगंतुकों की कुल संख्या 890 है।
- फीडबैक फॉर्म को परिष्कृत करना और कॉलम अद्यतन करना।
- डेंटल कॉलेजों और सुविधा अनुभागों को प्राप्त फीडबैक के आधार पर "राज्य की दंत सुविधाओं" के रूप में मिलाना।
- वेबसाइट और एप्लिकेशन की दृश्यता बढ़ाने के लिए ई दंतसेवा पर माईगोव मौखिक स्वास्थ्य प्रचार कार्यक्रमों के लिंक शामिल करना।
- वेबसाइट पर शुगर नॉलेज हब टैब को समाविष्ट करना।
- देश के विभिन्न राज्यों द्वारा किए गए कार्यक्रमों को अद्यतन करने के लिए ई-दंत सेवा और अतिरिक्त टैब पर पिछली घटनाओं को अद्यतन करना।
- शुगर नॉलेज हब का अवधारणा नोट।
- शुगर नॉलेज हब पर काम करने के लिए सीडीईआर संकाय के बीच रुचि की अभिव्यक्ति।

डब्ल्यूएचओ सीसी के तहत गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और निवारण संस्थान, नोएडा के सहयोग से मुख कैंसर की रोकथाम और जांच पर दंत चिकित्सकों, चिकित्सा अधिकारियों, आशा और एमपीडब्ल्यू के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम;
- सीसीएम एम्स, नई दिल्ली और एनएचएसआरसी, नई दिल्ली।
  (डॉ. शालिनी गुप्ता, डॉ. हर्ष प्रिया और डॉ. दीपिका मिश्रा)
- दंत चिकित्सकों के बीच हेपेटाइटिस संक्रमण-यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान के सहयोग से जागरूकता और नियंत्रण।
  (डॉ. अजय लोगानी और डॉ. शालिनी गुप्ता)
- मुख स्वास्थ्य पर कैनकिड्स के अभिभावक सहायता समूह और उपचार सहायता समूह का प्रशिक्षण।
- नूह, मेवात, हरियाणा के आकांक्षी जिले में आशा कार्यकर्ताओं और सामुदायिक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण।
- सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के साथ सहयोग
  एनसीडी पर डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ पीईएन ऑनलाइन पाठ्यक्रम
- एनसीडी सेवा वितरण के लिए स्वास्थ्य कार्यबल के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए वर्चुअल एप्रोच पर कार्यशाला - 19 जून 2019 2019
- मिनामाता कन्वेंशन के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ सहयोग
- मूक (एमओओसी) मॉड्यूल का उपयोग कर प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मियों का क्षमता निर्माण।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर ऋतु दुग्गल को आईटीएस डेंटल कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, नोएडा में दीक्षांत समारोह के लिए मुख्य अतिथि नियुक्त किया गया था। उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में संकाय पद के लिए चयन समिति की बैठक के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था और एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव, एमएआईडीएस, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री, इंदौर, एमएआईडीएस में एफडीएसटी 2020 में एक बाह्य परीक्षक भी नियुक्त किया गया था और उन्हें हरियाणा लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ दंत सर्जन के लिए साक्षात्कार आयोजित करने के लिए भी नियुक्त किया गया। डॉ. दुग्गल को इंद्रप्रस्थ दंत कॉलेज एंड हॉस्पिटल में निरीक्षण के लिए विषय विशेषज्ञ, एम्स भुवनेश्वर में सीनियर रेजिडेंट के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ (ऑनलाइन मोड) और यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में संकाय पद के चयन के लिए विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भी नियुक्त किया गया है। डॉ. दुग्गल को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज का सदस्य भी मनोनीत किया गया है। डॉ. दुग्गल को एमडीएस पाठ्यक्रम शुरु करने के लिए चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा विषय विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। उन्होंने मुख स्वास्थ्य और स्नातकोत्तर अनुसंधान अनुदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। डॉ. दुग्गल ने डब्ल्यूएचओ, राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति के संबंध में भारत सरकार के सलाहकार के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रोफेसर अजय रॉय चौधरी सैन एंटोनियो में 102वीं एएओएमएस वार्षिक बैठक 2020 में टीएमजे पर ब्रेक आउट सत्र के लिए आमंत्रित संकाय-सदस्य थे। वह अग्रलिखित केसह-संपादक ट्रॉमा अनुभाग हैं : जर्नल ऑफ ओरल बायोलॉजी और क्रानियोफेशियल रिसर्च रिव्यूर इंडेक्सेड जर्नल के लिए। ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया। भारत में स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न डेंटल कॉलेज के शिक्षण, बुनियादी ढांचे की सुविधा को सत्यापित करने के लिए दंत परिषद निरीक्षक रहे हैं। वह भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता देने से संबंधित भारतीय दंत परिषद के फैसलों की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति में रहे हैं। उन्होंने पीजीआई एमईआर चंडीगढ़, एम्स भटिंडा, एम्स, बिलासपुर में चयन समिति में एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रोफेसर वीना जैन को नागपुर में 48वें आईपीएस वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस 2020 में मुख्य व्याख्यान के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया, डॉ. वीना जैन ने 10 से 11 सितंबर, 2020 को सुभारती डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल मेरठ में एमडीएस प्रोस्थोडॉन्टिक्स की नैदानिक/व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा संचालित की; डॉ. वीना जैन ने 23-24 जुलाई 2020 को मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज दिल्ली नैदानिक/व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा संचालित की; और डॉ. वीना जैन ने आईटीएस इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, गाजियाबाद में 24-25 सितंबर 2020 को नैदानिक/व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा संचालित की।

प्रोफेसर ओंगकिला भूटिया एचआईसीसी (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) सीडीईआर की अध्यक्ष रही हैं। उन्हें नोडल अधिकारी, कोविड 19, सीडीईआर, एम्स के रूप में भी नामित किया गया था। मार्च 2020। वह 16-18 फरवरी, 2020 को दूसरे एम्स कुल टीएमजे रिप्लेसमेंट लाइव सर्जिकल वर्कशॉप की अध्यक्ष और पाठ्यक्रम संकाय-सदस्य थीं। एमडीएस पीजीआई चंडीगढ़ मई 2020 को बाह्य परीक्षक के रूप में परीक्षा संचालित की। डॉ ओंगकिला भूटिया ने सीडीईआर के एक नोडल अधिकारी कोविड के रूप में संस्थान द्वारा आयोजित कोविड-19 से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। एचआईसीसी के अध्यक्ष के रूप में, सीडीईआर ने विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया और एचसीडब्ल्यू को संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम पर प्रशिक्षित किया।

प्रोफेसर विजय प्रकाश माथुर को अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री (2021-23 के लिए) की सतत शिक्षा पर काउंसिल के लिए नामित किया गया था। उन्हें 3 वर्षों (2021-24) के लिए वैश्विक मौखिक स्वास्थ्य असमानता अनुसंधान नेटवर्क (जीओएचआईआरएन) के लिए काउंसलर के रूप में चुना गया था। उन्हें जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च (2021-22 के लिए) के लिए आईएडीआर प्रतिनिधि के रूप आईएडीआर/एएडीआर प्रकाशन समिति और आईएडीआर अवार्ड्स रिव्यू कमेटी (2021-22 के लिए) में भी नामित किया गया था। उन्हें उपाध्यक्ष- इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर- इंडिया डिवीजन) (2020-2022) के पद पर पुन: चुना गया। उन्हें इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रौमैटोलॉजी के उपाध्यक्ष के पद पर एक और वर्ष के लिए बने रहने की अनुमति दी गई थी। वह एक और कार्यकाल के लिए साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री के एडिटर इन चीफ-जर्नल के रूप में भी कार्य करेंगे।

प्रोफेसर अजय लोगानी ने केजीएमयू, लखनऊ 2021 में अखिल भारतीय इंटर डेंटल कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रोफेसर अजय लोगानी ने 2021 में अखिल भारतीय इंटर डेंटल कॉलेज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता केजीएमयू, लखनऊ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डॉ दालिम कुमार बैद्य अगस्त 2020 में आईएलबीएस, नई दिल्ली में पीडीसीसी क्रिटिकल केयर के बाहरी परीक्षक रहे हैं। 13 नवंबर, 2020 को ईरा विश्वविद्यालय लखनऊ में पीडीसीसी क्रिटिकल केयर के बाह्य परीक्षक, जनवरी, 2021 में रायपुर में एम्स रायपुर में एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के बाह्य परीक्षक रहे। वाशिंगटन मैनुअल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन- दक्षिण एशियाई संस्करण 2021 के संपादक। बरश टेक्सटबुक ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी: दक्षिण एशियाई संस्करण में योगदानकर्ता। तीन अध्यायों - रिसर्च मैथ्डोलॉजी एंड स्टेटिक्स, क्रिटिकल केयर, पोस्ट एनेस्थेसिया केयर की समीक्षा की और संपादित किया।

डॉ दीपिका मिश्रा को इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट के XXVIIIवें सम्मेलन, केरल में 2020 सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ; 18वें नेशनल ट्रिपल ओ सिंपोजियम और चौथे अंतर्राष्ट्रीय ओरल प्रीकैंसर और कैंसर कांग्रेस, दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार, मार्च 2020; 18वें नेशनल ट्रिपल ओ सिंपोजियम और चौथे अंतर्राष्ट्रीय ओरल प्रीकैंसर और कैंसर कांग्रेस, दिल्ली में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार किया, मार्च 2020।

डॉ अमृता चावला को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की सदस्य, इंडियन एंडोडॉन्टिक सोसाइटी की कार्यकारी सदस्य, जर्नल ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड डॉन्टिक्स की सेक्शन संपादक चुना गया।

डॉ विजय कुमार को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी का सदस्य चुना गया।

डॉ प्रभात कुमार चौधरी को इंग्लैंड के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के सदस्य और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑफ इंडिया (एनएएसआई) के सदस्य के रूप में प्रवेश दिया गया था। बीएमसी ओरल हेल्थ के एसोसिएट एडिटर।

डॉ नितेश तिवारी को मार्च 2021 में ग्लासगो यूके के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन ऑफ डेंटल सर्जरी फैकल्टी की फेलोशिप के लिए चुना गया था; इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च 2020 के यूनिलीवर हैटन अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। लेज़र थेरेपी में ऑनलाइन/ मुद्रित पेपर को संपादकीय बोर्ड के सदस्यों द्वारा मिंग-चिएन काओ अवार्ड 2019 के लिए चुना गया था; दिसंबर 2020 में आईएडीटी, यूएसए का निदेशक चुना गया; जनवरी 2021 में आईएडीटी, यूएसए की सदस्यता और भर्ती समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया; मार्च 2021 में जर्नल ऑफ़ ओरल बायोलॉजी एंड क्रानियोफेशियल रिसर्च के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ कल्पना बंसल को राष्ट्रीय आईएसपीपीडी सम्मेलन के दौरान आईएसपीपीडी फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन को सदस्यता से सम्मानित किया गया- दंत विज्ञान संकाय, ग्लासगो, आईएसडीटी वर्चुअल डेंटल ट्रॉमा कॉन, 2020 में वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की; पीडो-विरकॉन, 2021.

डॉ धीरज कोली को 48वें आईपीएस राष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन 2020, नागपुर में वैज्ञानिक सत्र व्याख्यान के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह अक्टूबर, 2020 में मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में बीडीएस प्री क्लिनिकल प्रोस्थोडॉन्टिक्स वार्षिक परीक्षा के दूसरे वर्ष के परीक्षक भी थे।

डॉ शालिनी गुप्ता मुख कैंसर जांच पर एनआईसीपीआर ईसीएचओ सत्र की विशेषज्ञ हैं। चिकित्सा अधिकारियों और दंत चिकित्सकों के लिए ओरल कैंसर स्क्रीनिंग 2019-2020 पर प्रशिक्षण के लिए नौ डाइडेक्टिक ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के लिए डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ पीईएन ओरल हेल्थ मॉड्यूल के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ, मौखिक स्वास्थ्य चिकित्सा और आपात स्थितियों में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मास्टर प्रशिक्षण, एनएचएसआरसी द्वारा आयोजित ओरल कैंसर स्क्रीनिंग में, एनएचएसआरसी द्वारा आयोजित चिकित्सा अधिकारियों के लिए ओरल हेल्थ मॉड्यूल के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मास्टर प्रशिक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ रुमेटोलॉजी के लिए नियुक्त समीक्षक, जर्नल ऑफ ओरल बायोलॉजी एंड क्रानियोफेशियल रिसर्च, बीएमसी ओरल हेल्थ, चयन के नियुक्त सदस्य डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ में अनुसंधान सहयोगी के लिए समिति, मौलाना आज़ाद दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान नई दिल्ली विश्वविद्यालय 2021 में वरिष्ठ रेजीडेंटों के लिए ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी में एमसीक्यू पेपर सेटर नियुक्त किया गया, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड- ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी 2020 में एमसीक्यू पेपर सेटर, प्राप्त प्रमाण पत्र जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी 2021 के समीक्षक के रूप

में योगदान, नए विज्ञान आविष्कार 2020 पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार के लिए नामित किया गया।

डॉ कुणाल ढींगरा को एम्स कोविड -19 कोक्रेन रिव्यू समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था, एम्स, नई दिल्ली में कोक्रेन एफिलिएट सेंटर के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था, इंग्लैंड, यूके के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के सदस्य (एमएफडीएस आरसीएस) के रूप में विधिवत भर्ती किया गया, इंग्लैंड, यूके के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के विशेषज्ञ सलाहकार नेटवर्क का सदस्य नियुक्त किया गया, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन ऑफ ग्लासगो, यूके के पॉलिसी नेटवर्क का सदस्य नियुक्त किया गया, बीएमसी ओरल हेल्थ का सह-संपादक नियुक्त किया गया।

डॉ विकेंद्र सिंह को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति को चिकित्सा परामर्श देने के लिए सलाहकारों के पैनल में शामिल किया गया था, जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी, फ्रंटियर्स इन डेंटिस्ट्री के समीक्षक, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय में बाहरी परीक्षक रहे।

डॉ अदिति नंदा को नागपुर 2020 में 48वें आईपीएस वर्चुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस में वैज्ञानिक सत्र व्याख्यान के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

डॉ हर्ष प्रिया राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, भारत सरकार में प्राथमिक मौखिक स्वास्थ्य उपचार पर एमपीडब्ल्यू, सीएचओ और आशा के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल के विकास के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ थीं। उन्हें वर्ष 2020-2022 के लिए आईएडीआर ई-ओरल हेल्थ नेटवर्क समूह का काउंसलर भी चुना गया था। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली और संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लोक स्वास्थ्य प्रशासन प्रभाग और मौखिक स्वास्थ्य वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन ई-दंत सेवा के तकनीकी योगदानकर्ता के सहयोग से स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में मुख स्वास्थ्य उपचार के लिए परिचालन दिशानिर्देशों के विकास में योगदान दिया। उन्होंने मार्च 2021 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से मिनामाता कन्वेंशन पर मंथन बैठक का आयोजन किया। उन्होंने एनओएचपी के तहत जिला अस्पतालों में दंत प्रयोगशाला की स्थापना के लिए परिचालन दिशानिर्देश विकसित करने में भी सहायता की।

डॉ भारती एम. पुरोहित ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली एवं संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन प्रभाग के सहयोग से स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों में मुख स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए परिचालन दिशानिर्देश विकसित करने में योगदान दिया और वह मुख स्वास्थ्य वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन ई-दंत सेवा के लिए एक तकनीकी योगदानकर्ता थीं; वह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से देश में मुख स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट, ई-दंत सेवा वेबसाइट के तहत शुगर नॉलेज हब के निर्माण के लिए प्रारंभिक कार्य में योगदानकर्ता थीं। उन्होंने एनओएचपी के तहत जिला अस्पतालों में दंत प्रयोगशाला की स्थापना के लिए संचालन दिशा-निर्देश के विकास में मदद की।

कनिष्ठ/वरिष्ठ रेजिडेंट

डॉ एम. इमैकुलेट जोना ने इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, वर्चुअल सम्मेलन, अक्तूबर, 2020 में "ग्लोबल स्टेटस ऑफ नॉलेज फोर दी प्रीवेंशन एंड एमरजेंसी मैनेजमेंट ऑफ ट्रामेटिक डेंटल इंजरीज अमंग नॉन-डेंटल हैल्थकेयर प्रोफेशनल्स: ए सिस्टमेटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालिसिस" विषय पर व्यवस्थित समीक्षा में पहला स्थान हासिल किया। **डॉ मोहम्मद आतिफ** ने इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस, अक्टूबर 2020 में "वेरियस यूज ऑफ फाईनाईट एलीमेंटल एनालिसिस इन टीडीआई- ए सिस्टमेटिक रिव्यू" विषय पर व्यवस्थित समीक्षा में दूसरा स्थान (संकाय श्रेणी) प्राप्त किया। **डॉ रिया मैरी जॉनसन** ने इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस, अक्टूबर 2020 में "ग्लोबल स्टेटस ऑफ नॉलेज फोर दी प्रीवेंशन एंड एमरजेंसी मैनेजमेंट ऑफ ट्रामेटिक डेंटल इंजरीस इन स्पोर्ट पर्सन्स एण्ड कोचेस: ए सिस्टमेटिक रिव्यू" विषय पर व्यवस्थित समीक्षा में दूसरा स्थान हासिल किया। डॉ **रिग्ज़ेन टैमचोस** ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री वर्चुअल कॉन्फ्रेंस (पेडोविरकॉन), जनवरी 2021 में "कंपेरेटिव इवेल्यूएशन ऑफ फ्रेक्चर रेसिस्टेंस यूजिंग थ्री प्रोटोकॉल फोर मैनेजमेंट ऑफ टीथ विद फेल्ड फ्रेग्मेंट रिअटेचमेंट" विषय पर मूल शोध श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

10.3. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

सं.रो.कैं.अ. प्रमुख एवं एनसीआई अध्यक्ष

जी.के. रथ

(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

<u>अस्पताल प्रशासन</u>

आचार्य एवं चिकित्सा अधीक्षक

सिद्धार्थ सतपति

सह-आचार्य एवं पीओ (एनसीआई)

एंजेल राजन सिंह

सहायक आचार्य

अब्दुल हाकिम चौधरी | लक्ष्मी तेज वुंदावल्ली | शीतल सिंह

<u>चिकित्सा अर्बुदविज्ञान</u>

आचार्य एवं अध्यक्ष

ललित कुमार

आचार्य

अतुल शर्मा | समीर बख्शी

सह-आचार्य

अजय गोगिया | रणजीत कुमार साहू | प्रभात सिंह मलिक | समीर रस्तोगी

सहायक आचार्य

राजा प्रमाणिक | अतुल बत्रा | सचिन खुराना | दीपम पुष्पम

चंद्र प्रकाश | थौदाम देबराज सिंह | मयंक सिंह | आकाश झा

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

चेतन विनोद शर्मा | बबीता कटारिया

<u>विकिरण अर्बुदविज्ञान</u>

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी.एन. शर्मा

आचार्य

सुमन भास्कर | सुष्मिता पथी

अपर आचार्य

सुभाष गुप्ता | हरेश के.पी.

सह-आचार्य

रंभा पांडे　　अहितान्गी बिस्वास

सहायक आचार्य

सुरेंद्र कुमार सैनी　　अमन शर्मा　　सुप्रिया मल्लिक　　प्रीति चौधरी

शल्यक अर्बुदविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस.वी.एस. देव

अपर आचार्य

सुनील कुमार　　एम.डी. रे

सहायक आचार्य

आशुतोष मिश्रा　　संदीप कुमार भोरीवाल　　ज्योति शर्मा

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

नवीन कुमार　　ज्योतिषमन साकिया　　बाबुल बंसल　　रघुराम आर.

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुषमा भटनागर

आचार्य

सीमा मिश्रा

अपर आचार्य

राकेश गर्ग　　निष्कर्ष गुप्ता　　विनोद कुमार　　सच्चिदानंदजी भारती

सहायक आचार्य

ब्रजेश कुमार रात्रे　　अनुजा पंडित　　सौरभ विग

श्वेता भोपाले　　बलबीर कुमार

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

राम कुमार　　स्वाति भान　　प्रशांत सिरोहिया

विकिरण निदान

आचार्य

संजय थुलकर

अपर आचार्य

एस. एच. चंद्रशेखर

सह-आचार्य

मुकेश कुमार यादव   एकता धमीजा

सहायक आचार्य

कृतिका रंगराजन

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

संचिता साहा   अबंति दास   चंदन कुमार पाल   संजय कुमार मीणा

<u>प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान</u>

आचार्य

ऋतु गुप्ता

अपर आचार्य

संजीव कुमार गुप्ता   अनीता चोपड़ा   प्रणय तंवर   अमर रंजन सिंह

सहायक आचार्य

स्मिता जी.

सहायक आचार्य (संविदात्मक)

तनिमा द्विवेदी   नुपुर दास

<u>चिकित्सा भौतिकी</u>

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रतीक कुमार

<u>निवारक अर्बुदविज्ञान</u>

सहायक आचार्य

पल्लवी शुक्ला   हरि कृष्ण राजू सगीराजू   जितेंद्र कुमार मीणा

प्रशासनिक अधिकारी

विपिन प्रकाश

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

पदम सिंह

सहायक भंडार अधिकारी

हेमंत कुमार

डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. में संकाय-सदस्यों तथा पदाधिकारियों की कुल संख्या

संकाय सदस्य	55
रेजिडेंट डॉ.क्टर	101
समूह 'क' अधिकारी	36
समूह 'ख' अधिकारी	396
समूह 'ग' अधिकारी	111
अंशकालिक सोशल गाइड	06
आउटसोर्स हाउसकीपिंग स्टाफ	174
आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	84
आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटर	36
आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	81
आउटसोर्स फायर कर्मचारी	09

विशिष्टताएँ

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

अर्बुद संवेदनाहरण और प्रशामक चिकित्सा विभाग में डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ. (डॉ. सुषमा भटनागर, डॉ. सीमा मिश्रा, डॉ. राकेश गर्ग, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. सच्चिदानंदजी भारती, डॉ. ब्रजेश कुमार रात्रे) में सात पूर्ण रूप से प्रशिक्षित संकाय-सदस्य हैं। एनसीआई में सात संकाय सदस्य (डॉ. अनुजा पंडित, डॉ. सौरभ विग, डॉ. बलबीर कुमार, डॉ. श्वेता भोपाले, डॉ. स्वाति भान, डॉ. राम कुमार और डॉ. प्रशांत सिरोहिया) हैं। वे अर्बुद संवेदनाहरण, गहन उपचार, दर्द एवं प्रशामक उपचार हेतु सेवाएं प्रदान करते हैं। ये सभी पेशेवर रूप से योग्य एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और (गंभीर उपचार) क्रिटिकल केयर चिकित्सक हैं तथा इन्होंने दर्द एवं अन्य लक्षण संबंधी उपचार के लिए संदर्भित उन्नत कैंसर रोगियों में प्रशामक चिकित्सा कर्मियों के रूप में अनुभव प्राप्त किया है।

हमारे विभाग का लक्ष्य कैंसर के रोगियों के लिए रोग निवारक (क्यूरेटिव) तथा प्रशामक (पैलिएटिव)- दोनों प्रकार का अत्याधुनिक एवं व्यापक उपचार प्रदान करना है। इसमें विभिन्न नैदानिक इंटरवेंशन, शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, दर्द और प्रशामक प्रक्रियाओं के लिए सेवाएं शामिल हैं। विभाग तीव्र एवं जीर्ण दर्द के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए छह बिस्तरों वाला गंभीर उपचार एकक है और इसके साथ ही अर्बुदविज्ञान रोगियों के प्रशामक उपचार के लिए छह बिस्तरों वाला प्रशामक उपचार वार्ड भी है। विभाग में नियमित शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं तथा रोगियों के लिए प्रस्तावित लाभों हेतु कैंसर दर्द, प्रशामक उपचार और पेरिऑपरेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों का संचालन भी किया गया है। विभाग ने प्रोटोकॉल विकसित किया है और बेहतर रोगी उपचार हेतु एसओपी की संरचना की है। विभाग, नियमित आधार पर सी.एम.ई., सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री (डीसीआर)

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक आबादी आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 172 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 नर्सिंग होम तथा एम.सी.डी. और एन.डी.एम.सी. के महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रभाग से कैंसर रोगियों के आंकड़े एकत्र करती है तथा दिल्ली के शहरी निवासियों के बीच कैंसर की विभिन्न घटनाओं की रिपोर्ट करती है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार यह रजिस्ट्री दिल्ली की जनसंख्या का 97.5% हिस्सा कवर करती है। 1988 में जब रजिस्ट्री की स्थापना की गई थी, तब इसने कैंसर के 5,854 नए मामले दर्ज किए थे। पिछले कुछ वर्षों में कैंसर के नए मामले बढ़ रहे हैं और 2014 में पंजीकृत घटनाओं की संख्या 20,446 मामले (10,589 पुरुष और 9,857 महिलाएं) थी। दिल्ली के पुरुषों में कैंसर आमतौर पर फेफड़े, मुंह, प्रोस्टेट, जीभ और स्वरयंत्र में होता है और महिलाओं में कैंसर के सामान्य अंग स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय, पित्ताशय की थैली और कॉर्पस गर्भाशय हैं। दोनों लिंगों के लिए कैंसर के निदान की औसत आयु लगभग 55 वर्ष है। कैंसर के शीर्ष 10 अंगों के अंतर्गत क्रमशः पुरुषों और महिलाओं में कुल कैंसर के मामलों का 55.7% और 69.5% हिस्सा शामिल है। रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का चिकित्सा छात्रों, शोधकर्ताओं, सरकारी संगठनों आदि द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, रक्त एवं अस्थि मज्जा मोर्फोलॉजी तथा प्रवाह साइटोमेट्रिक इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके ल्यूकिमिया निदान प्रदान करने की एक उन्नत कैंसर प्रयोगशाला है। नियमित नैदानिक अनुप्रयोगों के अतिरिक्त, न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) का पता लगाने, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के लिए चिकित्सीय निगरानी, सीएसएफ, शरीर द्रव और फाइन नीडिल एस्पिरेट इम्यूनोफेनोटाइपिंग जैसी विशेष सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अलावा, प्रयोगशाला ने एनसीआई, झज्जर में रोबोटिक कोर लैब में चौबीसों घंटे सेवाएँ प्रदान कर तथा रखरखाव करने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारी प्रयोगशाला ने एम्स, नई दिल्ली में काम करने वाले सभी स्वास्थ्यकर्मियों के लिए कोविड-19 एंटीबॉडी के स्वैच्छिक परीक्षण की व्यवस्था की एवं प्रदान की। प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक कई इंट्राम्यूरल, एक्स्ट्राम्यूरल, अंतर-संस्थागत और अंत:-संस्थागत अनुसंधान परियोजनाओं एवं अनुसंधान सहयोग में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 250 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। विभिन्न अंतर-संस्थागत सहयोगों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी, दिल्ली), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई), जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली; इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी), नई दिल्ली, एनआईपीसीआर-नोएडा, और एनआईओपी- सफदरजंग शामिल हैं।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग अपने उच्च-स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम, व्यस्त नैदानिक सेवा (अंतः रोगियों एवं बाह्य रोगियों दोनों प्रकार के रोगियों में) और अनुसंधान गतिविधि के लिए जाना जाता है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रम पीएचडी, डीएम और बीएमटी फैलोशिप बहुत प्रतिस्पर्धात्मक हैं और ये अत्यंत

लोकप्रिय हैं। विभाग ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी आकर्षित करता है। पिछले एक वर्ष में, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे तथा रोगियों के उपचार के साथ-साथ अनुसंधान से सीधे तौर पर संबंधित नई प्रयोगशाला सेवाओं की स्थापना करने के रूप में महत्वपूर्ण विकास कार्य हुआ है। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन, अनुसंधान अनुदान और संकाय-सदस्यों तथा वैज्ञानिकों एवं विभिन्न एजेंसियों द्वारा मान्यता उनके गुणवत्तापूर्ण योगदान के साक्षी हैं। कोविड महामारी के बावजूद, हमारे विभाग ने कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। यह सब विभाग के सभी सदस्यों के कड़े परिश्रम तथा ईमानदार प्रयासों से संभव हुआ है। नैदानिक अनुसंधान कर्मचारियों और प्रयोगशाला के लिए स्थान की कमी लगातार एक बाधा बनी हुई है।

इस कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारा चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग पूरे वर्ष लगातार सभी आवश्यक कैंसर रोगी उपचार सेवाएं और ओपीडी प्रदान करता रहा है। हमारे संकाय-सदस्य, झज्जर में नव स्थापित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान को भी अपनी सेवाएं और परामर्श प्रदान कर रहे हैं।

वर्ष 2020-2021 के दौरान चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग में उपचारित रोगियों की संख्या

क्रम संख्या		2020-21
1.	अंतरंग रोगियों के रूप में उपचारित रोगी	6002
2.	डे-केयर केन्द्र में उपचारित रोगी	22223
3.	चिकित्सा प्रक्रियाएँ	4265
4.	बाह्य रोगी कीमोथेरेपी	7477
5.	बाह्य रोगी आईवी एंटीबॉडीज़	14302
6.	हेमेटोपोइटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण	92

चिकित्सा अर्बुदबिज्ञान (प्रयोगशाला) में रोगी उपचार सेवाएं

क्रम		2020-21
1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	237
2.	चिमेरिज्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	02
3.	सीएमएल में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन (गुणात्मक) का पता	100
4.	सीएमएल में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन (मात्रात्मक) का पता	428
5.	फ्लो साइटोमीट्री द्वारा सीडी 34 गणना	243
6.	फ्लो साइटोमीट्री द्वारा सीडी 3 गणना	26
7.	एमएनसी गणना	13
8.	स्टेम सेल का क्रायोप्रिजर्वेशन -80° सेल्सियस	91
9.	-4° सेल्सियस पर स्टेम सेल का भंडारण	56
10.	स्टेम सेल इनफ्यूज़न	135
11.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	136

12.	एसपरजिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	952
13.	मैग्नीशियम	49
14.	एलडीएच	461
15.	ईबीवी का पता लगाने के लिए ईबीवी डीएनए का पता लगाना	10

अफेरिसेस प्रयोगशाला (2020-21)

क्रम संख्या		2020-21
1.	पीबीएससी हार्वेस्ट्स	134
2.	एसडीपी अफेरिसेस	1609
3.	ग्रेनुलोसाइट अफेरिसेस	82
4.	हीमोग्राम	12958

चिकित्सा भौतिकी विज्ञान

चिकित्सा भौतिकी विज्ञान एकक (एमपीयू) एम्स और एनसीआई, झज्जर के लगभग 15 विभागों में कार्य करता है जो विभिन्न रोगों के निदान और उपचार के लिए एक्स-रे आधारित चिकित्सा इमेजिंग का उपयोग करते हैं। इनमें से कुछ विभाग, विभिन्न प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए रेडियोधर्मिता का उपयोग करते हैं। एमपीयू ने परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड, मुंबई द्वारा सभी एक्स-रे उत्सर्जक चिकित्सा इमेजिंग उपकरणों को उचित रूप से लाइसेंस प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें पर्याप्त परिरक्षण के साथ एक्स-रे प्रतिष्ठानों के उचित लेआउट की आवश्यकता, उनकी प्रारंभिक स्वीकृति परीक्षण और बाद में आवधिक गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण, उनके जीवन चक्र के दौरान विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण और अंत में डी-कमीशनिंग शामिल हैं। हम इन विभागों को विकिरण सुरक्षा, लेड एप्रन और थायरॉइड कॉलर जैसे विकिरण सुरक्षा उपकरणों के परीक्षण, जो इन विभागों में उपयोग किए जाते हैं और व्यावसायिक कर्मियों, रोगियों और गर्भावस्था में अनजाने विकिरण जोखिम के विषय में परामर्श देते हैं। वर्ष 2020-2021 के दौरान, हमने 3083 मेजरमेंट्स, जांच, प्रयोग और रक्ताधान हेतु रक्त की थैलियों के रेडिएशन स्टर्लाइजेशन किए।

निवारक अर्बुदविज्ञान

निवारक अर्बुदविज्ञान ने आईआरसीएच में आने वाले रोगियों और परिचरों के लिए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आरंभ किया। हमने स्वास्थ्य प्रोत्साहन अभियान के तहत कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। महिला पुलिसकर्मियों के लिए कैंसर जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। अंतरविभागीय और बहुकेंद्रित सहयोग के माध्यम से पित्ताशय, गर्भाशय ग्रीवा, स्तन, प्रोस्टेट और डिम्बग्रंथि जैसे कैंसर के महामारी विज्ञान और आनुवंशिकी को समझने के लिए विभिन्न शोध परियोजनाएं शुरू की गईं। इसके अलावा विभाग ने सार्स कोव-2 में अनुसंधान शुरू किया।

विकिरण निदान

कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय में, हमारे विभाग ने नैदानिक कार्य के साथ-साथ कोविड-19 उपचार से जुड़े अनुसंधान में रुचि ली और कैंसर रोगियों को निर्बाध नियमित रोगी उपचार सेवाएं भी

प्रदान कीं। डॉ. बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच. में काम के अलावा, एनसीआई-एम्स, झज्जर में देखे गए कोविड-19 रोगियों को रेडियोलॉजी, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन सेवाएं प्रदान करने के लिए विभागीय संकाय-सदस्यों ने भी रोटेशन में कार्य किया। उन्होंने कोविड-19 उपचार में आईआईटी-दिल्ली के सहयोग से रेडियोग्राफ के विश्लेषण, और रेडियोग्राफ के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और टेली-रोबोट अल्ट्रासाउंड स्कैनिंग उपकरण के विकास से जुड़े अनुसंधान में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमारी कैंसर उपचार सेवाएं कोविड-19 के दौरान भी नैदानिक कार्यभार के लगभग सामान्य स्तर पर निर्बाध रूप से जारी रहीं।

विभाग ने एनसीआई-एम्स, झज्जर में नए रेडियोलॉजी उपकरणों की स्थापना और कामकाज और प्रोटोकॉल तैयार करने में गहन रूचि ली एवं परामर्श प्रदान किया। विभाग ने विशेष रूप से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकृतियों, फेफड़ों के कैंसर और सरकोमा के संबंध में साप्ताहिक बहु-विषयक चर्चा/ट्यूमर बोर्ड आयोजित किए। साथ ही, इस वर्ष के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के साथ-साथ अन्य विभागों के साथ कार्यशालाओं के आयोजन में भी सक्रिय भागीदारी रही।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

वर्ष 2020-21 में सारा विश्व भीषण कोविड-19 संक्रमण तथा मानव जीवन पर इसके शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रभाव से परेशान रहा। भारत अपने विशाल भूगोल और बड़ी आबादी के कारण काफी हद तक प्रभावित हुआ था। इस प्रकार के संकट में एक शीर्ष संस्था से जनता की अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं। विभाग ने समय से कोविड-19 उपचार में अपनी कार्यक्षमता का योगदान दिया और साथ ही मध्यम से गंभीर कोविड -19 रोगियों में विकिरण की भूमिका की खोज की। साथ ही इसने कोविड-19 उपयुक्त प्रोटोकॉल के साथ कैंसर रोगियों के लिए विकिरण उपचार जारी रखा। विभाग कोविड-19 उपचार से संबंधित शैक्षिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है।

शल्यक अर्बुद विज्ञान

कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2020-21 बेहद चुनौतीपूर्ण था। इस महामारी ने विभाग की रोगी उपचार सेवाओं, शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावित किया है। शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग ने बुनियादी ढांचे, मशीन एवं उपकरण तथा मानव संसाधन के लिए योगदान देकर एम्स और एनसीआई में कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभाग ने कोविड महामारी के दौरान कैंसर उपचार के लिए दिशानिर्देश विकसित किए हैं और स्टाफ सदस्यों के लिए संशोधित संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकॉल और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं। विभाग ने महामारी के दौरान कैंसर की उपचार करना जारी रखा और आपातकालीन एवं वैकल्पिक कैंसर सर्जरी का कार्य किया तथा 1000 से अधिक प्रमुख कैंसर सर्जरी को सफलतापूर्वक संपन्न किया। हमने स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम को जारी रखने के लिए वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर नवीन शिक्षण विधियों की शुरुआत की। विभाग ने कई सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की हैं और वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। विभाग 12 वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं, 17 विभागीय परियोजनाओं और 19 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल रहा। वैज्ञानिक पत्रिकाओं में संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स द्वारा कुल 53 मूल शोध-आलेख प्रकाशित किए गए। 3344 नैदानिक और

चिकित्सीय एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं और मामूली कैंसर सर्जरी के साथ-साथ कोविड-19 प्रभावित वर्ष के दौरान कुल 977 जटिल बड़ी कैंसर सर्जरी संपन्न की गई।

शिक्षा

अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

विभाग सफलतापूर्वक दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम: डीएम एवं एमडी संचालित कर रहा है। पहले बैच को जनवरी 2016 में दाखिला दिया गया था। विभाग, वर्ष में दो बार - जून और नवंबर के महीनों में प्रशामक उपचार में सर्टिफिकेट कोर्स और मार्च के महीने में वर्ष में एक बार प्रशामक उपचार पर फाउंडेशन पाठ्यक्रम का भी आयोजन करता है।

विभागीय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार सुबह 8-9 बजे (वर्चुअल तौर पर)
आईआरसीएच सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार सुबह 8.30-9.30 बजे (वर्चुअल तौर पर)
ट्यूटोरियल:	प्रत्येक मंगलवार 3-5 अपराह्न (वर्चुअल तौर पर)
रेडियो सम्मेलन	हर शनिवार सुबह 9-10 बजे (वर्चुअल तौर पर)
जर्नल क्लब/ऑडिट/केस डिस्कशन	प्रत्येक शनिवार को दोपहर 10-12 बजे। (वर्चुअल तौर पर)

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल है और वर्तमान में अन्य विभागों के डिग्री कार्यक्रमों की सहायता करता है तथा एम्स में विभिन्न पाठ्यक्रमों के रेजिडेंट डॉ.क्टरों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है जैसे पैथोलॉजी, प्रयोगशाला चिकित्सा और बाल चिकित्सा में एमडी; चिकित्सा अर्बुदविज्ञान और हेमेटो-पैथोलॉजी में डीएम; प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान और चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में पीएचडी विद्यार्थी; अल्पकालीन प्रशिक्षु और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण फैलो।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

कुल 2 पीएचडी विद्यार्थियों (शिवली जे. और मीनाक्षी एम.) को डॉ.क्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक चला रहा है:

1. डीएम कार्यक्रम
2. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में पीएचडी
3. बीएमटी फैलोशिप
4. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रशिक्षण

नियमित कक्षाएं और सेमिनार

विभागीय संकाय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार सुबह 8.30-9.30 बजे
जर्नल क्लब/केस चर्चा	प्रत्येक बुधवार सुबह 8.30-9.30 बजे
आईआरसीएच संगोष्ठी	प्रत्येक गुरुवार सुबह 8.30-9.30 बजे
आणविक अर्बुदविज्ञान कक्षा	प्रत्येक मंगलवार दोपहर 2.00-3.00 बजे

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी एकक ने एमडी रेडियोलॉजी, एमबीबीएस और रेडियोग्राफी एवं नर्सिंग के बीएससी (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को मेडिकल इमेजिंग की रेडिएशन फिजिक्स, उनके ऑपरेशन के दौरान रेडिएशन प्रोटेक्शन, रेडिएशन डोज मेज़रमेंट और मेडिकल इमेजिंग में गुणवत्ता निश्चित करने के विषय में शिक्षण असाइनमेंट संचालित किए। वर्तमान में 3 पीएचडी विद्यार्थी विभाग में अपना शोध कार्य कर रहे हैं।

निवारक अर्बुदविज्ञान

शिक्षण

1. अंतर-विभागीय सेमिनार : 19
2. आईआरसीएच के डीएम विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान: अर्बुदविज्ञान में तंबाकू निषेध
3. सामान्य कैंसर पर आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री का विकास
4. एम्स की वेबसाइट पर प्रकाशित कोविड संबंधी अध्ययनों की सामग्री समीक्षा
5. सामुदायिक नेत्र विज्ञान के अनुसंधान कर्मचारियों के लिए "महामारी विज्ञान और सांख्यिकी" पर व्याख्यान श्रृंखला

विकिरण निदान

संकाय-सदस्यों ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपरस्पेशलिटी शिक्षण, रेडियो-सम्मेलन, ट्यूमर बोर्ड बैठक, क्लिनिकल संयुक्त राउंड, क्लिनिकल ग्रैंड राउंड में भाग लिया। संकाय-सदस्यों ने आईआरसीएच और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सीएमई में भी भाग लिया। इन गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कोविड महामारी के वर्तमान परिदृश्य के अनुसार ऑनलाइन मोड में संपन्न किया गया था।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

विभाग ने निम्नलिखित शैक्षिक सत्र आयोजित किए हैं:

क) स्नातकपूर्व शिक्षण: संकाय-सदस्यों ने शिक्षाप्रद व्याख्यान देकर और अर्बुदविज्ञान संबंधी विषयों पर संगोष्ठी में भाग लेकर/ संगोष्ठियों को संचालित करके स्नातकपूर्व शिक्षण में योगदान किया।

ख) स्नातकोत्तर शिक्षण: संकाय-सदस्य, एमसीएच शल्यक अर्बुदविज्ञान के 16 विद्यार्थियों और शल्यक अर्बुदविज्ञान के 11 वरिष्ठ रेजिडेंट्स, डीएम मेडिकल अर्बुदविज्ञान रेजिडेंट्स और एमडी रेडियोथेरेपी जूनियर रेजिडेंट्स के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल रहे। इसके लिए उन्होंने वार्ड राउंड के दौरान और आईआरसीएच के विशेष कैंसर क्लीनिकों में डिडक्टिक व्याख्यान, संगोष्ठी, जर्नल क्लब आदि का संचालन और नैदानिक शिक्षण किया। संकाय-सदस्यों ने एमसीएच शल्यक अर्बुदविज्ञान, डीएम मेडिकल अर्बुदविज्ञान, एमडी विकिरण निदान, एमडी रेडिएशन अर्बुदविज्ञान थीसिस परियोजनाओं और पीएचडी परियोजनाओं के लिए डॉ. बीआरए

आईआरसीएच और एम्स के विभिन्न विभागों के लिए गाइड और सह-गाइड के रूप में काम किया। संकाय-सदस्य रोटेशन पर, दंत शल्य चिकित्सा रेजिडेंट्स और एमसीएच स्त्री रोग अर्बुदविज्ञान प्रशिक्षुओं के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी शामिल रहे।

ग) पैराक्लिनिकल शिक्षण/प्रशिक्षण: संकाय-सदस्य, एमएससी नर्सिंग अर्बुदविज्ञान के विद्यार्थियों के शिक्षण में शामिल रहे।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

1. प्रशामक उपचार में आईएपीसी सर्टिफिकेट कोर्स, जुलाई और दिसंबर 2020, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, वर्चुअल रूप से
2. आईएपीसी काउंसलर, फिजियोथेरेपिस्ट कोर्स, अक्टूबर 2020, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, वर्चुअल रूप से
3. विश्व हॉस्पाइस दिवस, 8 अक्टूबर, 2020, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, वर्चुअल रूप से
4. विश्व कैंसर दिवस 2021, 01 फरवरी 2021, वर्चुअल रूप से

शल्यक अर्बुदविज्ञान

1. युवा सर्जनों के लिए रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण कार्यशाला "आरओपीई" विभाग द्वारा "इंट्यूटिव सर्जिकल्स - डेविन्सी रोबोटिक सिस्टम" के सहयोग से वर्चुअल कार्यक्रम के रूप में 29 और 30 सितंबर और 17-19 नवंबर 2020 को आयोजित की गई। पूरे देश से पंजीकृत कुल 100 प्रतिनिधियों और 5 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकाय-सदस्यों ने शिक्षण संकाय के रूप में भाग लिया।
2. स्तन कैंसर सर्जरी में आईसीजी की भूमिका पर स्तन विशेषज्ञ पैनल वेबिनार 20 मार्च 2021 को विभाग द्वारा स्ट्राइकर इंटरनेशनल के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक राष्ट्रीय प्रतिनिधि और 10 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षक शामिल हुए।

निवारक अर्बुदविज्ञान

कार्यशाला/ आयोजित कार्यक्रम:

- दिनांक 8 मार्च 2021 को पुलिस स्टेशन, द्वारका में महिला पुलिसकर्मियों के लिए स्तन कैंसर जागरूकता पर एक सत्र आयोजित करके अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

प्रदात व्याख्यान:

ऑंको-अनेस्थीसिया और उपशामक चिकित्सा

सुषमा भटनागर: 16	**सीमा मिश्रा:** 5	**राकेश गर्ग:** 16
निष्कर्ष गुप्ता: 12	**विनोद कुमार:** 3	**सच्चिदानंदजी भारती:** 3
अनुजा पंडित: 1	**बृजेश कुमार रात्रे:** 2	**सौरभ विज:** 2
बलबीर कुमार: 1	**राम कुमार:** 1	**प्रशांत सिरोहिया:** 1

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

ऋतु गुप्ता: 2 **संजीव कुमार गुप्ता:** 2 **अनीता चोपड़ा:** 1
प्रणय तंवर: 2 **अमर रंजन सिंह:** 4 **दीपशी ठकराल:** 1

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

ललित कुमार: 7 **अतुल शर्मा:** 10 **समीर बख्शी:** 16
रंजीत कुमार साहू: 8 **समीर रस्तोगी:** 4 **प्रभात सिंह मलिक:** 2
राजा प्रमाणिक: 10

चिकित्सा भौतिकी: 1

निवारक अर्बुदविज्ञान

पल्लवी शुक्ला: 2 **असरार आलम:** 2 **कुमार संदीप:** 2

विकिरण निदान

चंद्रशेखर एसएच: 3 **मुकेश कुमार:** 1 **एकता धमीजा:** 4
कृतिका रंगराजन: 1

विकिरण अर्बुद विज्ञान

जीके रथ, प्रमुख, डॉ. बीआरए आईआरसीएच: 6 **डीएन शर्मा:** 15 **सुभाष गुप्ता:** 5
हरेश केपी: 5 **रंभा पांडे:** 6 **अहितग्नि विश्वास:** 4
सुप्रिया मलिक: 1 **सुब्रमणि वी:** 3 **गोपीशंकर एन:** 2

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

एसवीएस देव: 18 **सुनील कुमार:** 1 **एमडीआर:** 2
आशुतोष मिश्रा : 3 **ज्योतिषमान साकिया :** 1

प्रस्तुत मौखिक शोध-पत्रों/पोस्टरों की सूची: 67

अनुसंधान

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

वित्तपोषित

जारी

1. ईएमएलए क्रीम के विकल्प के रूप में लिडोकेन की आयनटोफोरेटिक डिलीवरी का नैदानिक सत्यापन, डॉ. सुषमा भटनागर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, मार्च 2019- मार्च 2021; 1000000 रुपए
2. मेडिकल विद्यार्थियों द्वारा पुतले में इंटुबेशन के लिए प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोप के साथ वीडियोलेरिंजोस्कोप चैनल्ड और नॉन-चैनल्ड ब्लेड की तुलना: एक यादृच्छिक पुतला अध्ययन।

वित्तपोषित एम्स अंडरग्रेजुएट रिसर्च प्रोजेक्ट (जारी) डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, अक्टूबर 2019-अक्टूबर 2021, 2 लाख रुपए

3. कोविड-19 से होम्योपैथिक नोसोड का विकास, मनुष्यों में कोविड -19 संक्रमण के विरुद्ध इसका मूल्यांकन और प्रभावकारिता, डॉ. सुषमा भटनागर, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 4 दिसंबर 2020 से 3 जून 2021, रुपए 3657992
4. स्तन कैंसर सर्जरी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, पुनरावृत्ति और मेटास्टेसिस पर क्षेत्रीय संवेदनाहरण का प्रभाव: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। (बाहरी वित्तपोषण के लिए आईसीएमआर द्वारा सैद्धांतिक रूप से अनुमोदित लेकिन अंतिम स्वीकृति पत्र की प्रतीक्षा है), डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, आईसीएमआर
5. कोरोना वायरस संक्रमण के उपचार में मानक उपचार प्रोटोकॉल के सहायक के रूप में होम्योपैथी- एक यादृच्छिक, प्लेसबो नियंत्रित, ओपन लेबल अध्ययन, डॉ. सुषमा भटनागर, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 12 अक्टूबर 2020 से 11 जनवरी 2021, रुपए 2997923
6. मुंह कम खुलने वाले रोगियों में एंडोट्रैचियल इंटुबेशन के लिए नवीन वीडियो लैरींगोस्कोप एम्स-आईआईटी प्रोजेक्ट फंडिंग (जारी) के लिए अनुमोदित, डॉ. निष्कर्ष गुप्ता, एम्स-आईआईटी, अक्टूबर 2019-अक्टूबर 2021, 5 लाख रुपए/ वर्ष
7. चरण 2, यादृच्छिक, नियंत्रित, ओपन लेबल बहु-केंद्र अध्ययन, कोविड-19 निमोनिया और बाधित श्वसन प्रक्रिया के साथ सार्स-कोव-2 संक्रमित रोगियों के उपचार के लिए डीएफवी890 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करना, डॉ. सुषमा भटनागर, नोवार्टिस प्राइवेट लिमिटेड, 25 अगस्त 2020 से 25 अगस्त 2022 तक, 500000 रुपये।
8. भारतीय प्रशामक उपचार रोगियों द्वारा अनुभव की जाने वाली आध्यात्मिक समस्याएं और चिंताएं, डॉ. सुषमा भटनागर, आईसीएमआर, 1 अप्रैल 2017 से 30 सितंबर 2020, 450,000 रुपये
9. कैंसरग्रस्त और घायल मरीजों के लिए दर्द मापन उपकरण डिजाइन करने के लिए दर्द के कारणों का अध्ययन, डॉ. सुषमा भटनागर, डीआरडीओ, 3 साल 10 महीने, नवंबर 2017- अक्टूबर 2020; रुपए 4800000

पूर्ण

1. कैंसरग्रस्त एवं घायल रोगियों के लिए दर्द मापन उपकरण डिजाइन करने हेतु दर्द विशेषताओं का अध्ययन, डॉ. सुषमा भटनागर, डीआरडीओ, 3 साल 10 महीने, नवंबर 2017- अक्टूबर 2020

विभागीय परियोजनाएं

1. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की दो तकनीकों की तुलना: साइटोरिडक्टिव सर्जरी (सीआरएस) और हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) करा रहे मरीजों में लिग्नोकेन-फेंटेनल इंट्रावेनस इंफ्यूजन और रोपिवाकाइन-फेंटानियल एपिडुरल इंफ्यूजन - भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

2. किसी तृतीयक उपचार केंद्र के प्रशामक उपचार क्लिनिक में आने वाले गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल विकृतियों के रोगियों में उपशामक उपचार परिणामों का आकलन: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
3. भारत में किसी तृतीयक उपचार केंद्र में बाल कैंसर रोगियों में लक्षण प्रभाव और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक भविष्यदर्शी अध्ययन
4. भारतीय आबादी में एडवांस स्तन कैंसर के रोगियों में लक्षण प्रभाव और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
5. किसी तृतीयक उपचार केंद्र के उपशामक उपचार क्लिनिक में भाग लेने वाले फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में लक्षण प्रभाव और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
6. भारत में किसी तृतीयक उपचार केंद्र में घातक आंत्र रुकावट के रोगियों में लक्षण प्रभावों का आकलन।
7. अनुभवी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा पुतले में नासोट्रैचियल इंटुबेशन के लिए विभिन्न वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना कठिन वायुमार्ग की स्थिति में: एक याद्दच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण।
8. संशोधित रेडिकल मास्टक्टोमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम पूर्ण एंथोरेसिक ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. 3 महीने में दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के मामले में ऊपरी पेट की खराबी वाले रोगियों में अकेले एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक के साथ हस्तक्षेप की तुलना: एक भविष्यदर्शी याद्दच्छिक अध्ययन
10. विद्युत प्रतिबाधा टोमोग्राफी निर्देशित पीईईपी बनाम पारंपरिक पीईईपी के साथ वेंटिलेशन के बाद खुले पेट की ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में फेफड़े की वातन हानि की तुलना - एक पायलट याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
11. पेक्टोरेलिस मेजर मायोक्यूटेनियस (पीएमएमसी) फ्लैप पुनर्निर्माण के साथ ओरल कैंसर रिसेक्शन सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं के विकास के लिए टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया और इनहेलेशनल एनेस्थेसिया की तुलना: एक भविष्यदर्शी, याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. पेट की सर्जरी में इंट्रा-ऑपरेटिव मैकेनिकल वेंटिलेशन के लिए ऑक्सीजनेशन, वेंटिलेटरी पैरामीटर और ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर (ओएनएसडी) का सहसंबंध, पारंपरिक वेंटिलेशन के साथ रिक्रूटमेंट मनूवर की तुलना। एक पायलट याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. पित्ताशय की थैली के कैंसर के लिए शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे रोगियों में एंटी-ट्यूमर प्रतिरक्षा और इसके मार्करों पर संवेदनाहारी तकनीक का प्रभाव: एक भविष्यदर्शी याद्दच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

14. भारत में किसी तृतीयक कैंसर केंद्र में जीवन के अंतिम समय में उपचार: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
15. तृतीयक कैंसर उपचार केंद्र में प्रीएनेस्थेसिया क्लिनिक में टेलीमेडिसिन लागू करना: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
16. प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर के रोगियों के उपचार में उपशामक उपचार के प्रारंभिक एकीकरण का परिणाम मूल्यांकन - एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
17. भारत के किसी तृतीयक उपचार केंद्र में उपशामक उपचार इकाई में रीढ़ की हड्डी के घातक संपीड़न के साथ आने वाले मरीजों का पैटर्न-एक अवलोकनात्मक अध्ययन"
18. ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी के बाद तीव्र न्यूरोपैथिक दर्द की व्यापकता और जोखिम कारक: तृतीयक कैंसर केंद्र में एक भविष्यदर्शी अध्ययन
19. किसी तृतीयक उपचार केंद्र के उपशामक उपचार क्लिनिक में भाग लेने वाले उन्नत कैंसर रोगियों में सामाजिक सहयोग, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता का भविष्यदर्शी मूल्यांकन
20. हेमेटोपोइएटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण प्राप्त करने वाले हेमेटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लक्षण प्रभाव- एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
21. उपशामक उपचार के रोगियों में थकान और जीवन की गुणवत्ता पर अंतःशिरा लौह चिकित्सा की भूमिका: एक भविष्यदर्शी हस्तक्षेपी अध्ययन
22. ओपन थोरैकोटॉमी सर्जरी करा रहे रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव ओपिओइड खपत पर ओपिओइड आधारित एनेस्थीसिया के साथ ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
23. स्तन कैंसर सर्जरी करा रहे रोगियों में पोस्ट ऑपरेटिव मॉर्फिन खपत पर ओपिओइड आधारित सामान्य संज्ञाहरण के साथ ओपिओइड मुक्त सामान्य संज्ञाहरण की प्रभावकारिता की तुलना करना: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
24. घातक केंद्रीय एयरवे अवरोध के लिए इंटरवेंशनल कठोर ब्रोंकोस्कोपी के बाद विद्युत प्रतिबाधा टोमोग्राफी का उपयोग करते हुए चरम श्वसन दबाव और गतिशील अनुपालन पर दो वेंटिलेटरी रणनीतियों (पारंपरिक बैग मास्क वेंटिलेशन और मैनुअल जेट वेंटिलेशन) के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
25. कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) और विटामिन बी 12, विटामिन डी 3, कैल्शियम तथा ओमेगा 3 फैटी एसिड की कमी के बीच नैदानिक सहसंबंध का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. बड़ी एब्डोमिनल ऑन्कोसर्जरी करवाने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया तकनीक के रूप में लिग्नोकेन-फेंटेनल इंट्रावेनस इन्फ्यूजन और रोपाइवाकेन-फेंटेनल एपिड्यूरल इन्फ्यूजन के बीच तुलना
2. ऑन्कोसर्जिकल रोगियों में थोरैकोटॉमी के लिए एक फेफड़े के वेंटिलेशन के दौरान धमनी ऑक्सीजन पर डेसफ्लुरेन बनाम सेवोफ्लुरेन के प्रभाव की तुलना: - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

3. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की दो तकनीकों की तुलना: साइटोरिडक्टिव सर्जरी (सीआरएस) और हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) से गुजर रहे मरीजों में लिग्नोकेन-फेंटेनल इंट्रावेनस इन्फ्यूजन और रोपिवाकाइन-फेंटानियल एपिडुरल इन्फ्यूजन - भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

4. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी करा रहे मरीजों में हेमोडायनामिक, इंफ्लेमेटरी और कोएगुलेशन पैरामीटर्स में बदलाव के लिए डेसफ्लुरेन एनेस्थेसिया बनाम टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया की तुलना - एक पायलट यादृच्छिक क्लिनिकल ट्रायल।

5. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में लक्ष्य निर्देशित बनाम स्टैंडर्ड फ्लूइड थेरेपी का एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. सामान्य संज्ञाहरण के तहत संशोधित रेडिकल मास्टक्टोमी के लिए एसएपी ब्लॉक (एसएपी) की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करना- एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।

7. रेडियोथेरेपी प्रक्रियाओं से गुजरने वाले स्कूल-पूर्व बच्चों में बेहोश करने की क्रिया की प्रभावकारिता के लिए इंट्रानैसल डेक्समेडिटोमिडाइन बनाम इंट्रानैसल केटामाइन की एक भविष्यदर्शी, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड तुलना

8. नोवल कोविड 19 महामारी के दौरान अर्बुदविज्ञान सेटअप में काम कर रहे दर्द और उपशामक उपचार चिकित्सकों द्वारा अपनाई गई चुनौतियों और रणनीतियों पर एक प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण - एक वर्णनात्मक पूर्ण-वर्गीय अध्ययन

9. सिर, गर्दन और थोरैसिक मूल के कैंसर के कारण होन वाले दर्द के उपचार में स्क्रैम्बलर थेरेपी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

10. कैंसर रोगियों में दर्द की सामाजिक कारकों की पहचान करने के लिए एक अन्वेषणात्मक पूर्ण-वर्गीय अध्ययन

11. किसी तृतीयक उपचार केंद्र के प्रशामक उपचार क्लिनिक में भाग लेने वाले मल्टीपल मायलोमा के रोगियों में प्रशामक उपचार के परिणाम का आकलन: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन

12. तृतीयक उपचार केंद्र के उपशामक उपचार क्लिनिक में भाग लेने वाले गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल विकृतियों के रोगियों में उपशामक उपचार परिणामों का आकलन: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन

13. पेट की बड़ी ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी के बाद परिणामों के पूर्व-अनुमान के रूप में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

14. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद एसोफैगल कैंसर सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पोस्टऑपरेटिव परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण - एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

15. नव-सहायक रसायन चिकित्सा प्राप्त करने वाले कार्सिनोमा स्तन रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित हृदय रोग के प्रारंभिक पूर्वानुमान के रूप में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण और अग्रिम सर्जरी

के लिए तय किए गए कार्सिनोमा स्तन रोगियों के साथ उनकी प्रारंभिक पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी की तुलना करना: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

16. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित सेराटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक बनाम इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक का तुलनात्मक मूल्यांकन-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
17. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. 3 महीने में दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के मामले में ऊपरी पेट की खराबी वाले रोगियों में अकेले एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक के साथ हस्तक्षेप की तुलना: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक अध्ययन
19. कैंसर रोगियों में सकल दर्द का आकलन करने के लिए उपकरण का विकास।
20. क्रोनिक पोस्ट मास्टेक्टॉमी दर्द सिंड्रोम की घटनाओं पर पेरिऑपरेटिव प्रीगैबलिन का प्रभाव - एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित पायलट अध्ययन।
21. भारतीय कैंसर रोगियों में मॉर्फिन के उपयोग के संबंध में जानकारी, दृष्टिकोण और धारणा
22. सामान्य संज्ञाहरण के तहत ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में नासोट्रैचियल इंटुबेशन: फ़ाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोप और सी-मैक डी ब्लेड वीडियो लैरींगोस्कोप के बीच एक तुलनात्मक मूल्यांकन।
23. नैदानिक और रेडियोलॉजिकल मापदंडों द्वारा मुख कैंसर के रोगियों में कठिन लैरींगोस्कोपी का पूर्वानुमान करना- एक भविष्यदर्शी, अवलोकनात्मक अध्ययन
24. भारत में किसी तृतीयक कैंसर केंद्र में उपशामक उपचार इकाई में पेश होने वाले उन्नत कैंसर रोगियों में डिस्पेनिया को प्रभावित करने वाले कारक और उनकी व्यापकता
25. भारत में किसी तृतीयक उपचार केंद्र की उपशामक उपचार इकाई में लाए गए कैंसर रोगियों में अनिद्रा की व्यापकता और पूर्वानुमान
26. प्रादेशिक कैंसर केंद्र, भारत में कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर कैंसर के दर्द और इसके प्रभाव की व्यापकता: एक पूर्ण-वर्गीय अध्ययन।
27. उपशामक उपचार इकाई में भाग लेने वाले रोगियों में लक्षणों के आकलन के लिए स्मार्टफोन आधारित टेलीमेडिसिन सेवा: तृतीयक उपचार कैंसर अस्पताल में एक पूर्ण-वर्गीय अध्ययन,
28. कोविड-19 महामारी: कैंसर रोगियों और उपचार करने वालों के लिए एक नया युग और नई चुनौतियाँ- एक वर्णनात्मक पूर्ण-वर्गीय अध्ययन
29. प्रोसील लारेंजियल मास्क एयरवे के सही प्लेसमेंट के क्लिनिकल बनाम अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन की तुलना करना: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।
30. भारत के क्षेत्रीय कैंसर केंद्र में उपशामक उपचार वार्ड में उपस्थित रोगियों के लक्षणों के पैटर्न का अध्ययन और विश्लेषण करना।

31. टेलीमेडिसिन के माध्यम से कोविड-19 महामारी के दौरान सर्जरी की प्रतीक्षा कर रहे नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में घर आधारित पुनर्वास की प्रभावशीलता का अध्ययन करना
32. कठोर ब्रोंकोस्कोपी के माध्यम से क्रायो-ट्रांस ब्रोन्कियल फेफड़े की बायोप्सी के दौरान सामान्य संज्ञाहरण के लिए एक सहायक के रूप में ट्रांस-क्रिकॉइड ब्लॉक: एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

डीसीआर

वित्त पोषित

जारी

1. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री की स्थापना और स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर तथा सिर और गर्दन के कैंसर पर उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. एस.वी.एस. देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, आठ वर्ष, 2014, रुपए 40,00,000/- प्रति वर्ष (लगभग)
2. बचपन, लिम्फोइड और हेमेटोपोइएटिक दुर्दमताओं पर उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. एसवीएस देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, छह साल, 2017, रुपए 1,50,000/- प्रति वर्ष (लगभग)
3. स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा और सिर और गर्दन के कैंसर पर जनसंख्या आधारित जीवन रक्षा अध्ययन, डॉ. एसवीएस देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, छह साल, 2017, रुपए 6,80,000/- प्रति वर्ष (लगभग)

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित

जारी

1. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा में आनुवंशिकी, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, डॉ. प्रणय तंवर, कैंसर फाउंडेशन, 4 साल, 2017-2021, रुपए 40,00,000 (चालीस लाख)
2. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया के नए मामलों में रोग प्रगति के भावी सूचक आणविक मार्कर के रूप में डब्ल्यूटी1 जीन प्रकटन का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, डॉ. प्रणय तंवर, डीएसटी, 4 साल, 2017 - 2021, रुपए 52,00,000 (दो लाख रुपये)
3. डिम्बग्रंथि के कैंसर में बायोमार्कर के प्रकटन का विश्लेषण, डॉ. अमर रंजन, एम्स, उत्तर दिल्ली, 2 साल, 2019-21, 10 लाख

4. सेलुलर फ़ंक्शंस और एनआरएफ 2 सिग्नलिंग टी-ऑल का नैदानिक महत्व, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3, 2021-2023, रुपए 52 लाख
5. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में रोग का निदान और उपचार (केयर-एलएससीपीटी) के लिए ल्यूकेमिक स्टेम सेल (एलएससी) में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. ऋतु गुप्ता, आईसीएमआर, 5 साल, 2019 - 2024, रुपए 5,63,97,360/-
6. एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया की प्रारंभिक पुनरावृत्ति निगरानी में ल्यूकेमिया-विशिष्ट आनुवंशिक परिवर्तनों की पहचान के लिए परिसंचारी सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड की विशेषता। डॉ. दीपशी ठकराल, एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2, 2018-2021, रुपए 10,00,000
7. डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंटरमीडिएट करियर फेलोशिप, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीबीटी वेलकम इंडिया एलायंस, 5, 2018-2023, रुपए 3.86 करोड़
8. विस्तृत आनुवंशिक विश्लेषण के लिए बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बाल चिकित्सा बी-एएलएल रोगियों का चयन करने के लिए जोखिम-स्तरीकरण एल्गोरिद्म का विकास- अगली पीढ़ी के अनुक्रमण प्लेटफॉर्म के इष्टतम उपयोग की दिशा में एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, रुपए 49,50,000
9. टी-एएलएल में टीओएक्स की भूमिका का स्पष्टीकरण, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3, 2020-2023, 30 लाख
10. उपचार के निदान और निगरानी के लिए एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में एचई4 स्तर का मूल्यांकन, डॉ. अमर रंजन, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 4 साल, 2017 - 2021, रुपए 50 लाख
11. इन विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग स्टडी मॉडल, डॉ. प्रणय तंवर, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020- 2022, रुपए 8,91,106 (अस्सी लाख निन्यानवे हजार)
12. ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी): भारतीय जनसंख्या में ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा की एटियलजी में प्रासंगिकता, डॉ. प्रणय तंवर, डीएचआर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 साल, 2017-2021, रुपए 45,00,000 (पैंतालीस लाख)
13. 'भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान कारकों का तुलनात्मक अध्ययन" आईसीएमआर टास्क फोर्स के रूप में, डॉ. प्रणय तंवर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017 - 2021, रुपए 1,91,00,000 (एक करोड़ इक्यानवे लाख)
14. आईसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स ऑफ गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा इन इंडियन पेशेंट्स, डॉ. प्रणय तंवर, आईसीएमआर, 5 साल, 2017-2022, रुपए 1,99,00,000 (एक करोड़ निन्यानबे लाख)
15. एएमएल में रिलैप्स का शीघ्र पता लगाने और निगरानी के लिए प्लाज्मा-व्युत्पन्न सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड आधारित मार्करों की पहचान और लक्षण वर्णन, डॉ. दीपशी ठकराल, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत सरकार, 3, 2021-2024, रुपए 62,50,600
16. कोविड-19 के लिए इम्यूनोप्रोफाइलिंग (आईपी) कंसोर्शियम: कोविड-19 रोग के निदान में सुधार के लिए रोग प्रक्षेपवक्र/प्रगति, उपचार योजना और प्रोफिलैक्सिस के प्रारंभिक भावी सूचक के लिए

विस्तारित प्रतिरक्षा निगरानी और नैदानिक मापदंडों का एकीकरण, डॉ. ऋतु गुप्ता, आईसीएमआर, 2 साल, 2020 - 2022, रुपए 72,06,370/-

17. बीसीआर-एबीएल1 नेगेटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) में प्रेडिक्टिव एंड प्रोग्नॉस्टिक मॉलिक्यूलर जेनेटिक एबेरेशन्स की व्यापकता और प्रोफाइल का अध्ययन: पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की ओर एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, डीएचआर, 3 साल, 2021-2024, रुपए 30,00,000
18. मल्टीपल मायलोमा संबंधी कैंसर अनुसंधान में उत्कृष्टता इकाई, डॉ. ऋतु गुप्ता, डीबीटी, 5 साल, 2016-2021, रुपए 3,14,000/-

पूर्ण

1. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल): प्रारंभिक थाइमिक प्रीकर्जर टी-एएलएल इम्यूनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टीसीआर चेन (एबीडी) के बाईएलेलिल विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के अनुसार उपचार प्रतिक्रिया के भावी सूचकों के रूप में एमईएफ2सी की अभिव्यक्ति, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएसटी, 3, 2015-19, रुपए 20.16 लाख
2. आईकेजेडएफ1 (इकारोस) म्यूटेशन इन बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2013-2015, रुपए 9,00,000
3. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य एएमएल का आणविक जीव विज्ञान, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीबीटी, 3, 2014-2018, रुपए 55 लाख
4. बाल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, डॉ. अनीता चोपड़ा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2, 2016-19, रुपए 8 लाख
5. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईटीएस से संबंधित जीन विलोपन की व्यापकता और महत्व, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-2020, रुपए 10,00,000
6. बी-एएलएल में क्रोमोसोम 21 (आईएएमपी 21) के इंट्राक्रोमोसोमल एम्प्लीफिकेशन की व्यापकता, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2016-2018, रुपये 10,00,000

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. "न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) की निगरानी के लिए मानक और अत्याधुनिक आणविक प्रक्रियाओं की स्थापना और क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) में एबीएल किनेस डोमेन म्यूटेशन की पहचान"।
2. उत्तर भारतीय आबादी में स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर के मामलों के बीच एफटीओ जीन बहुरूपता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
3. भारतीय स्तन कैंसर में पीआईके3सीए और एकेटी1 जीन उत्परिवर्तन और उनके सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन।

4. प्लाज्मा सेल प्रोलिफेरेटिव डिसऑर्डर (पीसीपीडी) में प्लाज्मा सेल और बी-सेल कम्पार्टमेंट का एक अध्ययन।
5. जैव सूचना विज्ञान आधारित म्यूटेशनल प्रोफाइलिंग और पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा में संरचनात्मक विविधताओं का विश्लेषण
6. एएमएल में दवा प्रतिरोध को दूर करने के लिए ऑटोफैगी से संबंधित मार्गों का मूल्यांकन
7. भारतीय मरीजों में गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा के डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग पाथवे में शामिल विभेदक रूप से धारित बायोमार्कर की पहचान
8. भारतीय बाल पीएच-जैसे तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में टाइरोसिन कीनेसेस की पहचान
9. अपरिपक्व टी-एएलएल की आणविक जीव विज्ञान
10. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के विकास में शामिल पथों का एनजीएस आधारित लक्षण वर्णन
11. मल्टीपल मायलोमा में जीनोमिक विपथन का नॉन-इनवेसिव मूल्यांकन
12. एएमएल में डब्ल्यूटी जीन अभिव्यक्ति की प्रासंगिकता।
13. बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में कोशिका आसंजन अणुओं के साथ आईकेजेडएफ1 परिवर्तनों की संक्रिया का अध्ययन करना

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

वित्त पोषित

जारी

1. कैंसर रोधी दवाओं के लिए मूल्य विनियमन और मूल्य-आधारित कीमत निर्धारण: रोगियों, उद्योग, बीमाकर्ताओं और नियामकों पर इसके प्रभाव, ललित कुमार, डीएचआर, आईसीएमआर, 2 जून 2020, जून 2022, रुपए 3,67,500
2. एक भविष्यदर्शी सिंगल आर्म, मल्टीसेंट्रिक, व्यावहारिक चरण IV परीक्षण, रिलैप्स और रिफ्रैक्टरी मल्टीपल मायलोमा से पीड़ित भारतीय रोगियों में दार्ज़लेक्स (दारातुमुमाब) की सुरक्षा और प्रभावशीलता की जांच करना, जिनकी पूर्व चिकित्सा में एक प्रोटीसोम अवरोधक और एक इम्यूनोमॉड्यूलेटरी एजेंट शामिल थे। ललित कुमार, जॉनसन एंड जॉनसन, 3, मार्च 2019, मार्च 2022, रुपए 11,64,800
3. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकारक विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र प्रभाव: मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं में कैंसर का खतरा: आईसीएमआर टास्क फोर्स के तहत एक भविष्यदर्शी अध्ययन, ललित कुमार, आईसीएमआर, 10, मार्च 2012, मार्च 2022, रुपए 1,42,19,000
4. मेट्रोपेजोपेनिब आधारित संयोजन मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी प्लेटिनम प्रतिरोधी, प्लेटिनम दुर्दम्य और उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर में, एक यादृच्छिक चरण II अध्ययन, ललित कुमार, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 जून, 2018, 2021, रुपए 49,51,004
5. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया क्रॉनिक फेज के नव निदानित रोगियों में रक्त में निलोटिनिब दवा पर वसायुक्त भोजन के प्रभाव का अध्ययन करना और बीसीआर/एबीएल, एसटीएटी 1 और

एसटीएटी 5 तथा सीआरकेएल के रूप में मार्कर के साथ इसकी इन-विवो गतिविधि का सहसंबंध स्थापित करना, ललित कुमार, आईसीएमआर, 3, मार्च, 2021, मार्च 2023, 17495000.00 रुपए

6. ड्यूक्स सी और हाई रिस्क ड्यूक्स बी कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एस्पिरिन - एक अंतरराष्ट्रीय, बहु-केंद्र, डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित चरण III परीक्षण", डॉ. अतुल शर्मा, सिंगापुर नैदानिक अनुसंधान संस्थान, सिंगापुर, 10, 2013-2018, प्रति रोगी 500 अमरीकी डालर

7. पहले से उपचारित उग्र किस्म के आरएएस (केआरएएस और एनआरएएस), मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर से ग्रसित भारतीय रोगियों में इसकी सुरक्षा, सहनशीलता और गतिविधि को दर्शाने के लिए पैनिटुमुमाब का एक ओपन लेबल, बहुकेंद्र, गैर-तुलनात्मक, चरण IV अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. रेड्डीज लैब और पीपीडी, 2, 2019-2022, रुपए 4,00,000/-

8. मेटास्टेटिक गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा रोगियों में डोसेक्वालिप (इंजेक्शन के लिए इंटास फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, भारत का डोसेटेक्सेल लिपिड सस्पेंशन) का सिंगल आर्म, बहुकेंद्रीय, ओपन लेबल, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, लैम्ब्डा थेरेप्यूटिक्स रिसर्च लिमिटेड, 2, 2018-2020, रुपए 4.79 लाख + रुपए 1.72 लाख प्रति रोगी

9. कैंसर से पीड़ित बाल रोगियों में पोषण संबंधी परामर्श कार्यक्रम की स्थापना और पोषण संबंधी डेटाबेस विकसित करना, डॉ. समीर बख्शी, कडल फाउंडेशन, 6, 2016, 2022, रुपए 37.37 लाख

10. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (एएमएल) की प्रगति और पूर्वानुमान में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, डॉ. समीर बख्शी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 4, 2017, 2021, रुपए 50.7 लाख

11. नव निदानित तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के लिए बचपन सहयोगी ल्यूकेमिया भारतीय समूह बहुकेंद्री राष्ट्रीय मानकीकरण अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, 5, 2016, 2021, रुपए 35 लाख

12. एसएडीएएल: फेज 2बी ओपन लेबल स्टडी ऑफ सेलिनेक्सर (केपीटी-330) इन पेशेंट्स विद रिलैप्स्ड/रेफ्रेक्ट्री डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिंफोमा (डीएलबीसीएल), डॉ. समीर बख्शी, एक्सेल लाइफ साइंसेज, 5, 2018, 2023, रुपए 11 लाख

13. चुनिंदा रिलैप्स्ड एडवांस्ड ट्यूमर (एएसआईएडी) रोगियों में सीए-170 दिन में एक बार मौखिक द्वारा दो खुराकों की प्रभावकारिता और सुरक्षा का चरण 2, ओपन-लेबल परीक्षण मूल्यांकन, डॉ. समीर बख्शी, वीडा क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 5, 2018, 2023, रुपए 3.8 लाख प्रति रोगी

14. चरण IV मल्टी-सेंट्रिक पोस्ट-मार्केटिंग सूडी, जो हेटेरो रीटुक्सिमैब के मार्केटेड फॉर्मूलेशन की सुरक्षा, इम्यूनोजेनेसिटी और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए - डॉ. समीर बख्शी, हेट्रो फार्मा लिमिटेड, 6, 2018, 2024, रुपए 12 लाख

15. अत्यधिक-एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बाल रोगियों में सिंगल-डे इंट्रावेनस फोसाप्रेपिटेंट बनाम 3-दिवसीय मौखिक एपरेपिटेंट एंटी-इमेटिक रेजिमेन: एक जांचकर्ता द्वारा आरंभित, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, नॉन-इनफीरिएरिटी परीक्षण, डॉ. समीर बख्शी, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, 3, 2020, 2023, रुपए 5.52 लाख

16. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम, डॉ. समीर बख्शी, कैनकिड्स किडस्कैन, 5, 2020, 2025, 12 लाख
17. ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण में लिम्फोसाइट पुनर्गठन, डॉ. रंजीत कुमार साहू, डीएसटी, 3 साल, 2018-21, रुपए 47,45,022
18. उन्नत एनएससीएलसी (नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर) के रोगियों में मेटफॉर्मिन के एंटीकैंसर प्रभाव के भावी सूचन के लिए एसटीके 11 म्यूटेशन का मूल्यांकन, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एम्स, 02 वर्ष, 2019- 2021, रुपए 10 लाख
19. तरल बायोप्सी: फेफड़ों के कैंसर के लिए एक्सोसोम-आधारित निदान पर एक खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 02 वर्ष, 2019- 2021, रुपए 10 लाख
20. चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, मल्टीसेंटर, स्थानीय रूप से उन्नत, अनसेक्टेबल ईजीएफआर म्यूटेशन-पॉजिटिव नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (स्टेज III) के रोगियों में रखरखाव चिकित्सा के रूप में ओसिमर्टिनिब का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, जिनकी बीमारी निश्चित प्लेटिनम-आधारित कीमोरेडिएशन थेरेपी (एलएयूआरए) के कारण बढ़ नहीं रही है, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 05 वर्ष, 2021-2025, लगभग रुपए 50 लाख
21. भारत में चुनिंदा उन्नत विकृतियों के लिए निवोलुमैब का सुरक्षा अध्ययन, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, बीएमएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 02, 2018-2020, लगभग रुपए 20 लाख
22. एनएससीएलसी (कॉनकोर्डेंस) में ट्यूमर मुक्त डीएनए बनाम ऊतक बायोप्सी परिसंचारी द्वारा ईजीएफआर म्यूटेशन का पता लगाने की सुसंगतता का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकनात्मक, बहुकेंद्र, भविष्यदर्शी अध्ययन, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1.4, 2018-2020, रुपए 5 लाख
23. एक बहु-देशीय, बहु-केंद्र, अवलोकनात्मक, पूर्वव्यापी अध्ययन, चरण III नॉन-स्मॉल-सेल लंग कैंसर रोगियों की रोगी विशेषताओं, रोग प्रभाव, उपचार पैटर्न और रोगी प्रगति को प्रकट करने के लिए (किंडल अध्ययन), डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1.5, 2018-2020, रुपए 7 लाख
24. मेटास्टैटिक एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) टी790एम म्यूटेशन-पॉजिटिव नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) से पीड़ित भारतीय वयस्क रोगियों में टैग्रिसोटम (ओसिमर्टिनिब) की सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक भविष्यदर्शी, बहुकेंद्र, चरण- IV नैदानिक परीक्षण", डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 02, 2018-2020, रुपए 5 लाख
25. एम्स, नई दिल्ली में वंशानुगत कैंसर प्रवृति जीन और एक जर्मलाइन डीएनए रिपॉजिटरी में उत्परिवर्तन के साथ स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए एक रजिस्ट्री की स्थापना, डॉ. राजा प्रमाणिक, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) -आईसीएमआर, भारत सरकार, 5 साल, अभी तक शुरू नहीं हुआ (कोविड 19 महामारी), अभी शुरू नहीं हुआ।

26. स्थानीय रूप से उन्नत हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में प्राथमिक कीमो-विकिरण चिकित्सा के साथ प्रबंधित पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी-कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18F-एफडीजी पीईटी-सीटी) स्कैन की प्रभावकारिता का निर्धारण करना और सीईसीटी, परमाणु चिकित्सा, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, रेडियोलॉजी के साथ इसकी तुलना करना, एक भविष्यदर्शी अध्ययन
27. कार्बोप्लाटिन (एयूसी-4) युक्त कीमोथेरेपी रेजिमेन प्राप्त करने वाले रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित मतली और उल्टी की रोकथाम के लिए ओलानज़ापाइन बनाम फोसाप्रेपिटेंट, एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण
28. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) रोग निदान और थेरेप्यूटिक्स के लिए β-कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का कैसे फायदा उठाया जा सकता है, इसकी खोज करना, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, आईसीएमआर एक्स्ट्राम्यूरल ग्रांट, 3, 2019-2022, रुपए 21.65 लाख
29. फॉस्फोफ्रक्टोकिनेस -1 (पीएफके -1) प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर (टीएनबीसी) रोगानुमान और चिकित्सा के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है, इसकी खोज करना, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3, 2018-2021, रुपए 46.65 लाख
30. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) में एचयूआर मध्यस्थता वाले चयापचय परिवर्तनों का अध्ययन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3, 2020-2024, रुपए 46.65 लाख
31. कैंसर की प्रगति में एक्स्ट्रासेल्युलर लैक्टेट के महत्व का मूल्यांकन करना, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2, 2020-2022, रुपए 10 लाख
32. थायराइड कैंसर के लिए एक भविष्यदर्शी बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआर) और थायराइड में आयोडीन हैंडलिंग जीन के साथ इसका सहसंबंध, डॉ. थौदाम देबराज सिंह, डीएसटी-एसईआरबी कोर, 3, (2020-2023), 50 लाख
33. ओवेरियन कैंसर थेरेपी के लिए आईएल-4 रिसेप्टर टारगेटिंग पेप्टाइड (एपी1-ईएलपी) युक्त पॉलीपेप्टाइड जैसे इलास्टिन का उपयोग करके पैक्लिटैक्सेल की बहुसंयोजक लक्ष्य-आधारित डिलीवरी, डॉ. थौदाम देबराज सिंह, आईसीएमआर, 3, (2019-2022), 36 लाख
34. कार्बन नैनोडॉ.ट्स एम्बेडेड 3डी सेल कल्चर प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिम्बग्रंथि के कैंसर के ऑन्कोजेनेसिस में यूएसपी37 की भूमिका का अध्ययन करना, डॉ. मयंक सिंह, एम्स आईआईटीडी, 2, 2019-2021, रुपए 10,00,000
35. सर्वाइकल कैंसर के पूर्वानुमान के लिए लिक्विड बायोप्सी, सीएफ (सेल फ्री) डीएनए आधारित परख का विकास, डॉ. मयंक सिंह, एम्स, 2, 2021-2024, 10,00,000 रुपए
36. फेफड़ों के कैंसर में माइक्रोआरएनए द्वारा अभिव्यक्त प्रोग्राम्ड डेथ-लिगैंड 1 (पीडी-एल 1) के नियमन का मूल्यांकन, सचिन कुमार, आईसीएमआर, 3, 2019, 2022, रुपए 47.64 लाख

37. स्माल सेल लंग कैंसर में सर्कुलर आरएनए की ग्लोबल प्रोफाइलिंग: एक पायलट स्टडी, सचिन कुमार, एम्स, 2, 2020, 2022, रुपए 10 लाख
38. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में परिवर्तित मैक्रोफेज प्लास्टिसिटी के साथ ल्यूकेमिक और एंजियोजेनेसिस क्षमता का उन्मूलन, स्वयं, एम्स, 2, 2019-2021, रुपये 10 लाख
39. एपीपी-डीआईपी: इम्युनो कॉम्प्रोमाइज्ड मरीजों में संक्रमण का जल्द पता लगाने के लिए एआई आधारित प्रोग्नॉस्टिक प्लेटफॉर्म का विकास, स्वयं (एम्स से पीआई), डीबीटी (इंडो-स्वीडन प्रोजेक्ट), 3, 2021-2024, रुपए 90 लाख
40. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया के कीमो रेजिस्टेंस में एचओटीएआईआरएम1 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए की भूमिका, डॉ. सुरेंद्र के सहरावत, डीएसटी-एसईआरबी, 3, 2019, 2022, रुपए 48.49 लाख
41. पीडियाट्रिक एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में यूसीए1 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए का महत्व, डॉ. सुरेंद्र के सहरावत, एम्स, 2, 2020, 2022, रुपए 10 लाख

पूर्ण

1. फेफड़ों के कैंसर में पीडी-एल1 अभिव्यक्ति के नियमन के तंत्र को स्पष्ट करना - एपिजेनेटिक्स की भूमिका और प्रतिलिपि संख्या परिवर्तन, सचिन कुमार, एम्स, 2, 2017, 2019, रुपए 10 लाख
2. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में डिसरेगुलेटेड सर्कुलेटिंग एमआई आरएनए सिग्नेचर की पहचान, सचिन कुमार, एसईआरबी, 3, 2014, 2017, रुपए 23 लाख
3. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य बाल तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया में आणविक मार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की प्रभावकारिता की जांच, सचिन कुमार, डीबीटी, 3, 2015, 2018, रुपए 65.51 लाख
4. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा में एमजीएमटी मिथाइलेशन, डॉ. रंजीत कुमार साहू, एम्स, 3 साल, 2015-2017, रुपए 3,15,000
5. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेस-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2, 2017-2019, रुपए 10 लाख।
6. जेमिसिटाबाइन-प्लैटिनम डबलट के साथ उपचारित गॉल ब्लैडर के एडवांस कार्सिनोमा में आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 एक्सप्रेशन की भूमिका, डॉ. रंजीत कुमार साहू, नाग फाउंडेशन, पुणे, 3 साल, 2016-2018, रुपए 5 लाख
7. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में एंडोथेलियल कोशिकाओं और एंजियोजेनिक गुणों की चिकित्सीय क्षमता का अध्ययन, सेल्फ, डीएसटी, 3, 2016-2019, रुपये 30 लाख
8. ओस्टियोसारकोमा में डायग्नोस्टिक प्रोग्नॉस्टिक मार्कर के रूप में यूएसपी37 का सत्यापन, डॉ. मयंक सिंह, एम्स, 2, 2017-2019, रुपए 10 लाख

जारी

1. स्त्रीरोग संबंधी कैंसर में डीयूबिकिटिनेटिंग एंजाइम (डीयूबी) की ऑन्कोजेनिक क्षमता को समझना, (रवि चौहान)

2. मानव डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में पैक्लिटैक्सेल के बहुसंयोजी लक्ष्य-आधारित वितरण के लिए एपी 1-कार्यात्मक इलास्टिन जैसे पॉलीपेप्टाइड नैनोकैरियर्स की क्षमता का मूल्यांकन, (रिधिमा गोयल)
3. फेफड़ों के कैंसर में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका की खोज करना। (अभिरूप मुखोपाध्याय)
4. जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइल एंड इट्स को-रिलेशन विद माइटोकॉन्ड्रियल एनर्जी मेटाबॉलिज्म इन पीडियाट्रिक एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया। (शिल्पी चौधरी)
5. मल्टीपल मायलोमा में चिकित्सीय बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता एंटीजन) विशिष्ट एंटीबॉडी का निर्माण और लक्षण वर्णन। (आशना गुप्ता)
6. ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट-रोग में मेसेनकाइमल स्टेम सेल के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण। (मोहिनी मेंदीरत्ता)
7. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में मानव एंटीजन आर (एचयूआर) की रोगनिरोधी और चिकित्सीय प्रासंगिकता। (अरुंधति देव जे. आर.)
8. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) के रोगानुमान और चिकित्सा में बीटा-कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों की भूमिका। (उमर शेख)
9. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में लॉन्ग नॉन कोडिंग आरएनए एचओटीएआईआरएम1 की भूमिका। (क्रिस्टीन विल्सन)
10. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और डीएनए मिथाइलेशन पर पीएआरपी1 और ***γ***-ग्लूटामाइल सिस्टीन सिंथेटेस (जीसीएस) अवरोधकों की भूमिका। (लक्ष्मी देवी)
11. थायराइड कैंसर में एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ERR***γ***) अभिव्यक्ति के महत्व की जांच करना और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का अध्ययन करना। (दीपक गुलवानी)

स्नातकोत्तर छात्रों (फेलो) द्वारा जारी अनुसंधान

1. मेटास्टैटिक रिलैप्स्ड सिनोवियल सरकोमा (डॉ. ग़ज़ल तानसीर) में जेमिसिटाबाइन डोकेटेक्सेल कॉम्बिनेशन का एक चरण II अध्ययन
2. नॉन-स्क्वैमस नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों में मेटफोर्मिन प्लस पेमेट्रेक्स्ड/कार्बोप्लाटिन का द्वितीय चरण का अध्ययन। (डॉ. सौरव वर्मा)
3. प्रारंभिक चरण के उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर का पूर्वव्यापी अध्ययन। (डॉ. अविनाश)
4. प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी आवर्तक मेटास्टेटिक हेड एंड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (डॉ. एनी) में ईएमएफ रिजीम का सिंगल आर्म व्यवहार्यता चरण II अध्ययन
5. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में पारिवारिक एकत्रीकरण का अध्ययन। (डॉ. सिंधुरा दुर्गा)
6. शोधित गैस्ट्रिक कैंसर में एडजुवेंट कीमोरेडिएशन और कीमोथेरेपी। (डॉ. शलभ)
7. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक एंबी-स्पेक्टिव समूह अध्ययन (डॉ. प्रियांशु चौधरी)
8. एचईआर2 पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में उत्तरजीविता परिणामों का एक एंबी-स्पेक्टिव अध्ययन। (डॉ. अंशुल गुप्ता)

9. तृतीयक कैंसर केंद्र में उपचारित उच्च जोखिम वाले एंडोमेट्रियल कैंसर में क्लिनिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं और उपचार के परिणाम का ऑडिट: पूर्वव्यापी विश्लेषण। (डॉ. कौशल कालरा)
10. उपचार के एक वर्ष के बाद सोराफेनीब बंद हो जाने के बाद चरम फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल परिणामों का विश्लेषण। (डॉ. भरत बी जी)
11. कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य और अंतरंगता का आकलन: रोगी और स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं के परिप्रेक्ष्य में। (डॉ. अमन चौधरी)
12. रिलैप्स्ड और/या रिफ्रैक्टरी मल्टीपल मायलोमा में बेंडामुस्टाइन, पोमालिडोमाइड और डेक्सामेथासोन। (डॉ. सुधीर)
13. हॉजकिन लिंफोमा वाले रोगियों की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम (डॉ. कपिल)
14. आनुवंशिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन मानदंड के योग्य और अयोग्य स्तन कैंसर रोगियों में "मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण" प्रोफाइल की तुलना: उत्तर भारतीय आबादी में एक भविष्यदर्शी अध्ययन। (डॉ. अभिनील मित्तल)
15. प्रारंभिक एंटीबायोटिक चिकित्सा को रोकने की तुलना में उच्च जोखिम वाले फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया वाले बाल कैंसर रोगियों में नैदानिक रिकवरी पर प्रारंभिक एंटीबायोटिक चिकित्सा को जल्दी रोक देने की लागत प्रभावशीलता (डॉ. रूपक)
16. भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में उन्नत वयस्क सार्कोमा रोगी के लिए शीघ्र एकीकृत उपशामक उपचार बनाम नियमित ऑन्कोलॉजिकल उपचार: एक यादृच्छिक चरण II परीक्षण। (डॉ. विकास गर्ग)
17. भारत में चाइल्डहुड मेलिग्नेंसी के लिए अर्बुदविज्ञान हेल्थकेयर सेवाओं के उपयोग में लैंगिक असमानता (डॉ. कनु प्रिया भाटिया)
18. एएमएल अथवा ऑटोलॉगस एचएससीटी के लिए उच्च तीव्रता कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में बहु-दवा प्रतिरोधी जीव द्वारा आंत उपनिवेशण की घटना और प्रभाव (डॉ. शुवादीप)
19. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों के प्रथम पंक्ति के रिश्तेदारों में इनवेसिव कोलन कैंसर और कोलन पॉलीप्स की घटनाएं (डॉ. श्रवण कुमार)
20. कार्बोप्लाटिन (एयूसी $\geq$4) युक्त कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में केमोथेरेपी से प्रेरित रोगियों में मतली और उल्टी की रोकथाम के लिए ओलानज़ापाइन बनाम फोसाप्रेपिटेंट: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण (डॉ. स्नेह बी)
21. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर का परिणाम विश्लेषण। (डॉ. राकेश)
22. तीव्र हड्डी सरकोमा से बचे लोगों में मनोसामाजिक, कार्यात्मक, यौन, शैक्षिक, व्यावसायिक, परिणाम (डॉ. राघवेंद्र राव)
23. स्तन और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में कैपेसिटाबाइन प्राप्त करने वाले मरीजों में सामयिक डाइक्लोफेनाक का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन। (डॉ. अखिल पी. संतोष)
24. रिलैप्स्ड मल्टीपल मायलोमा में पैटर्न और परिणामों का पूर्वव्यापी विश्लेषण। (डॉ. रोहित रेड्डी)

25. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बाल रोगियों में एकल दिवसीय अंतःशिरा फोसाप्रेपिटेंट बनाम 3-दिवसीय मौखिक एपरेपिटेंट एंटी इमेटिक रेजिमेन: अन्वेषक द्वारा आरंभित, यादृच्छिक, ओपन लेबल, नॉन-इनफीरियरिटी परीक्षण। (डॉ. अज़गर)
26. उच्च जोखिम वाले बाल फेब्राइल न्यूट्रोपेनिया में अनुभवजन्य एंटीबायोटिक चिकित्सा को रोकना: एक यादृच्छिक ओपन लेबल चरण III नैदानिक परीक्षण। (डॉ. संतोष कुमार सी)
27. खाद्य पदार्थों के साथ निलोटिनिब दवाओं के स्तर का अध्ययन और क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया के रोगियों में उनके नैदानिक परिणाम (डॉ. अंकुर)
28. स्तन कैंसर के रोगियों में उत्तरजीविता परिणामों पर जर्मलाइन म्यूटेशन का प्रभाव-एक केस नियंत्रित अध्ययन (डॉ. नितिन एसजी)
29. खराब प्रदर्शन की स्थिति वाले उन्नत स्टेज एनएससीएलसी रोगियों के प्रदर्शन की स्थिति में सुधार करने में साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: सिंगल आर्म चरण II परीक्षण। (डॉ. नेहा पाठक)

चिकित्सा भौतिकी

वित्त पोषित

जारी

1. बेहतर डोजीमेट्री के लिए आयन इम्प्लांटेशन तकनीक और रासायनिक विधियों द्वारा नई और नवीन विकिरण डोजिमेट्रिक ओएसएल सामग्री का विकास, डॉ. प्रतीक कुमार, डीआरडीओ, 3 साल, 2019-2022, रुपए 23,65828
2. चिकित्सा विकिरण की कम और उच्च खुराक में विकिरण डोजिमेट्रिक अनुप्रयोगों के लिए ऊतक समकक्ष ऑप्टिकली उत्तेजित ल्यूमिनेसेंट सामग्री का विकास, डॉ. प्रतीक कुमार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 साल, 2017-2020, रुपए 15,53,254
3. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डोजीमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, डॉ. प्रतीक कुमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, रु. 16,69,920

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ऑप्टिकली उत्तेजित ल्यूमिनेसेंस डोसीमीटर का उपयोग और कैलिब्रेशन
2. डोसिमेट्री उद्देश्य के लिए नई ल्यूमिनेसेंस सामग्री का विकास
3. रेडियोक्रोमिक फिल्म डोसीमीटर का विकास

पूर्ण

1. लेड एप्रन और थायरॉइड कॉलर के गुणवत्ता आश्वासन हेतु प्रोटोकॉल का विकास

निवारक अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित

जारी

1. स्तन कैंसर से ग्रस्त महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के प्रभाव और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोग-संबंधी और भावी सूचक कारकों के साथ इसके संबंध को मापने के लिए एक अध्ययन, डॉ. पल्लवी शुक्ला, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, रुपए 3.25 लाख
2. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में एचपीवी सर्कुलेटिंग ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, डॉ. सुजाता पाठक, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 9.5 लाख रुपये
3. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रेनी के साथ ट्यूमर एंटीजन टीआरपी-2 को एकीकृत करके एक नवल कैंसर इम्यूनोथेरेप्यूटिक एजेंट का विकास और माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा-तंत्र का विश्लेषण, डॉ. पवन कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, रुपए 10.0 लाख
4. मजबूत ह्यूमोरल प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम सार्स-कोव-2 स्पाइक प्रोटीन से इम्युनोजेनिक क्षेत्रों की पहचान, डॉ. असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2020-2021, रुपए 10.0 लाख
5. बहुऔषध प्रतिरोधी स्मॉल सेल लंग कैंसर कोशिकाओं पर संवेदनाहरण प्रभाव के लिए क्लोरोक्वीन और आर्टीमिसिनिन का इन विट्रो मूल्यांकन, डॉ. असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, रुपए 10.0 लाख
6. सार्स-कोव-2 की स्पाइक प्रोटीन सबयूनिट 1 (एस1) को माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रेनी में शामिल करके सार्स-कोव-2 के खिलाफ एक रोगनिरोधी टीका विकसित करना और माउस मॉडल का उपयोग करके वायरस विशिष्ट एंटीबॉडी और टीएच1 प्रकार की प्रतिरक्षा को प्रेरित करने के लिए इसका मूल्यांकन करना, डॉ. पवन कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 1 साल, 2020-2021, 10 लाख रुपये।

विकिरण निदान

वित्तपोषित

जारी

1. भारतीय परिदृश्य में मैमोग्राफी पर कैंसर का पता लगाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, कृतिका रंगराजन, डीबीटी, तीन साल, मार्च 2020-मार्च 2023, रुपए 80,00,000
2. कोविड-19 को डिकोड करने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, किसका, कैसे और कब उपचार करना है, कृतिका रंगराजन, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 साल, अप्रैल 2020-2021, रुपए 2,00,000
3. स्तन कैंसर के रोगियों में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए प्रारंभिक प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, एकता धमीजा, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, दो साल, मार्च 2019- फरवरी 2021, रुपए 8,00,000

पूर्ण

1. ऑरोफैरींक्स अथवा एसोफेगस के नियोप्लाज्म के कारण मध्यम और गंभीर डिस्फेगिया वाले रोगियों में आंतों के सहयोग हेतु नासोएंटेरिक फीडिंग और परक्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मुकेश कुमार, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 साल, मार्च 2018- फरवरी 2020, रुपए 5,00,000

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आईआईटी दिल्ली के सहयोग से दूरस्थ रूप से अल्ट्रासाउंड करने के लिए रोबोटिक आर्म का विकास और उपयोग करना
2. वयस्क पेरिफेरल सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा के ग्रेड के भावी सूचक में मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका
3. फेफड़ों के कैंसर के मूल्यांकन में पूरे शरीर के एमआरआई की भूमिका

पूर्ण

1. गॉल ब्लैडर कैंसर रोगियों में परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त के पानी की निकासी में दर्द से राहत के लिए ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की प्रभावशीलता का आकलन- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रारंभिक चरण में सर्वाइकल मैलिग्नेंसी वाली महिलाओं में ट्यूमर की विशेषताओं का आकलन करने में ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीआरयूएस) और मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) की प्रभावकारिता की तुलना, स्त्रीरोग-अर्बुदविज्ञान
2. रिलेप्स्ड मेटास्टेटिक सिनोवियल सार्कोमा वाले मरीजों में जेमिसिटाबाइन/डोसेटेक्सेल का चरण II अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
3. सामान्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कोशिका मुक्त डीएनए (सीएफ-डीएनए) का आकलन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग
4. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप कार्यक्रम, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग
5. चिकित्सा विकिरण की कम खुराक की माप के लिए ऊतक समकक्ष ऑप्टिकली उत्तेजित ल्यूमिनसेंट सामग्री का विकास, चिकित्सा भौतिकी एकक, बीआरए आईआरसीएच, और स्वास्थ्य भौतिकी विभाग, अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, नई दिल्ली
6. कंप्यूटेड टोमोग्राफी आधारित रिपोर्टिंग सिस्टम का उपयोग करके एपिथेलियल ओवेरियन, फैलोपियन ट्यूब और प्राइमरी पेरिटोनियल कार्सिनोमा की सर्जिकल रिसेक्टेबिलिटी का मूल्यांकन, स्त्रीरोग-अर्बुदविज्ञान

7. बाल सारकोमा के रोगियों में ग्रेन्युलोमा से मेटास्टेसिस को अलग करने में एआई की भूमिका की खोज, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली
8. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत कोमल ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका, विकृति विज्ञान
9. एलओआई-कैंसर इम्यूनोथेरेपी और एपिजेनेटिक्स रिसर्च नेटवर्क (सीआईईआरईएन): आईईआर-टीएमई (इम्यूनोथेरेपी आधारित एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग ऑफ ट्यूमर इम्यून माइक्रो एनवायरनमेंट) के लिए केंद्रीकृत ई-प्लेटफॉर्म, शल्यक अर्बुदविज्ञान विभाग
10. इविंग ट्यूमर परिवार के लिए 18एफ-एफडीजी पीईटी सीटी और पारंपरिक तौर-तरीकों के बीच भविष्यदर्शी तुलना, नाभिकीय चिकित्सा
11. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग और लिक्विड बायोप्सी की भूमिका: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, विकिरण-निदान विभाग
12. आवर्तक सिर और गर्दन कार्सिनोमा के उपचार में स्टीरियोटैक्टिक शरीर विकिरण चिकित्सा: उपचार के परिणाम और विषाक्तता का आकलन, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग
13. वस्कुलर रोग से पीड़ित रोगियों के उपचार में डॉ.प्लर अध्ययन के साथ नैदानिक परीक्षण का सत्यापन: एक भविष्यदर्शी अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग

पूर्ण

1. डिस्मॉइड टाइप फाइब्रोमैटोसिस के रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
2. स्थानीय रूप से उन्नत हैड रैंप; प्राथमिक कीमो-विकिरण चिकित्सा के साथ प्रबंधित नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा
3. ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के तहत पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त ड्रेनेज से गुजरने वाले पित्ताशय कैंसर के रोगियों में दर्द के स्कोर की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण विज्ञान
4. उन्नत एनएससीएलसी में मस्तिष्क मेटास्टेसिस का आकलन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग
5. स्टेजिंग की सटीकता, रोग प्रभाव और पीसीआई की रिसेक्टेबिलिटी और निर्धारण के लिए अंडाशय में सीटी बनाम पीईटी सीटी की तुलना, एक भविष्यदर्शी अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान
6. आनुवंशिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 मानदंड की अर्हता प्राप्त करने योग्य और अयोग्य स्तन कैंसर रोगियों में मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण प्रोफाइल की तुलना: एक भविष्यदर्शी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
7. कार्सिनोमा ब्रेस्ट के एक्सिलरी उपचार के अनुकूलन में इंडोसायनिन ग्रीन डाई-आधारित नेविगेशन सर्जरी का मूल्यांकन, शल्यक अर्बुदविज्ञान

8. भारतीय तृतीयक उपचार केंद्र से उन्नत अनरिसेक्टेबिल सिनोवियल सेल सरकोमा का परिणाम: पूर्वव्यापी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
9. सर्जिकल रिसेक्शन से करा रहे ऊपरी गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल और फेफड़ों की दुर्दमता वाले रोगियों में सरकोपेनिया की व्यापकता और ऑपरेशन के तत्काल पश्चात के परिणामों पर इसका प्रभाव: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, शल्यक अर्बुदविज्ञान
10. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका- डीसी सदस्य, एनएमआर
11. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद प्रहरी लिम्फ नोड बायोप्सी की नैदानिक सटीकता बढ़ाने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित वायर लोकलाइजेशन की भूमिका और क्लिप्ड प्रीट्रीटमेंट पॉजिटिव एक्सिलरी लिम्फ नोड्स को शल्य-क्रिया से हटाना, विकिरण विज्ञान

विकिरण अर्बुद विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सॉलिड ट्यूमर वाले मरीजों में निर्धारित सूचना के अनुसार दी गई क्राबेवा®/अबेमी® की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक मल्टीसेंटर ओपन-लेबल, सिंगल-आर्म, फेज IV क्लिनिकल परीक्षण, डॉ. सुभाष गुप्ता, सिनजीन, 3 साल, 2020 - 2023, रुपए 12,00,000
2. उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) के रोगियों में पोर्टल शिरा घनास्त्रता के लिए स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की प्रभावशीलता और विषाक्तता का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यदर्शी पायलट अध्ययन, (डीएचआर ग्रांट), डॉ. हरेश केपी, डीएचआर, 3 साल, 2019-2022, रुपये 31,00,000
3. भारतीय रोगियों में गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा में आनुवंशिक, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, डॉ. जी के रथ (सह-अन्वेषक), कैंसर फाउंडेशन, 4 साल, 2017-2021, रुपए 40,00,000
4. सर्वाइकल कैंसर ट्यूमर माइक्रो-एनवायरनमेंट इम्यून-प्रोफाइलिंग और भारतीय रोगियों में मानक कीमोरेडियोथेरेपी के लिए प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव, डॉ. प्रीति पाटिल, एम्स, 2 साल, 2020, 2022, रुपए 5,00,000
5. स्तन कैंसर में वर्धमान पिप्पली रसायन की क्रिया के तंत्र को उजागर करने के बाद पारंपरिक उपचार के साथ इसके सहक्रियात्मक प्रभाव का नैदानिक सत्यापन: प्रायोगिक मॉडल से नैदानिक परीक्षण तक, डॉ. सुभाष गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, 2021, 2024, 25,00,000 रुपये
6. 'आईसीएमआर टास्क फोर्स भारतीय आबादी में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान के कारकों का तुलनात्मक अध्ययन", डॉ. जी के रथ (सह-पीआई), आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, रुपए 1,91,00,000
7. आईसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स ऑफ गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा इन इंडियन पेशेंट्स, डॉ. जी.के रथ (पी.आई.), आईसीएमआर, 5 साल, 2018-2023, 1,99,00,000 रुपये

8. एनईआर की आबादी में वंशानुगत स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर (एचबीओसी) सिंड्रोम परिवारों की पहचान और उनके बीआरसीए 1 और बीआरसीए 2 जीन उत्परिवर्तन की प्रोफाइलिंग, डॉ. जी के रथ (मुख्य परियोजना समन्वयक और सह-पीआई), एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, रुपए 25,38,000
9. कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और एनओटीसीएच सिग्नलिंग के बीच परस्पर क्रिया और डिम्बग्रंथि के कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका जुड़ाव, डॉ. जी के रथ (सह अन्वेषक), आईसीएमआर- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 42,50,000 रुपये
10. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में दर्द कम करने के लिए इष्टतम विकिरण खुराक - एक चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ओपीआरएएच), डॉ. सुप्रिया मलिक, आईसीएमआर, 3 साल, 2021, 2024, रुपए 16,00,000
11. नव निदानित आईडीएचडब्ल्यूटी एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (एनसीआई-आर-01-एचवाईआरएए) में समवर्ती और रखरखाव टेम्पोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटिड त्वरित रेडियोथेरेपी का चरण II अध्ययन, डॉ. सुप्रिया मलिक, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 5,00,000 रुपये
12. भारत में एचपीवी संक्रमण की भूमिका और स्तन कैंसर के साथ इसके संबंध की जांच करना: एक रोगी-आधारित अन्वेषण अध्ययन, प्रोजेक्ट कोड: I- 1159, डॉ. जी के रथ (पी आई), आईसीएमआर, 2 साल, 2020-2022, 10,00,000 रुपये

पूर्ण

1. फेफड़ों के कैंसर में माइसिडैक सी, डॉ. सुभाष गुप्ता, कैडिला, 3, 2017, 2019
2. ए5481037: हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव, एचईआर 2 नए नकारात्मक उन्नत स्तन कैंसर, जिसके लिए लेट्रोज़ोल थेरेपी उपयुक्त मानी जाती है, से पीड़ित पोस्टमेनोपॉज़ल महिलाओं के उपचार के रूप में लेट्रोज़ोल के संयोजन में पाल्बोसिक्लिब का अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, फाइजर इंडिया, 3 साल, 2017-2019, रुपए 10,00,000

शल्यक अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित

जारी

1. "भविष्यदर्शी मेटास्टैटिक बायोमार्कर की पहचान के लिए स्तन कैंसर कोशिका और ऊतक प्रकारों की तुलनात्मक स्फिंगोलिपिड प्रोफाइलिंग", एसवीएस देव, डीएसटी, 5 वर्ष, 2016-जारी, रुपए 47,15,480
2. स्तन और डिम्बग्रंथि कैंसर जागरूकता, एमडी रे, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित, 2 वर्ष, 2019-2021, 28 लाख रुपए
3. पल्मोनरी मेटास्टेटेक्टोमी करा रहे मरीजों में इंट्राऑपरेटिव प्लुरल लैवेज फ्लूइड और प्लाज्मा में सेल-फ्री डीएनए का क्लिनिकल महत्व: एक पायलट स्टडी, डॉ. सुनील कुमार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रुपए 10 लाख

4. पीईटी-सीटी के साथ पता लगे फुफ्फुसीय मेटास्टेसिस बनाम एनसीसीटी वक्ष के साथ सर्जिकल पैथोलॉजी की तुलना, डॉ. सुनील कुमार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, वास्तविक लागत आधार पर
5. निर्धारित करें कि क्या टीसीजीए से प्राप्त एक भावी सूचक माइक्रोआरएनए हस्ताक्षर भारतीय कोलोरेक्टल कैंसर (सीआरसी) रोगियों में बायोमार्कर के रूप में कार्य करता है, डॉ. सागर सेनगुप्ता, डीबीटी, 4 वर्ष, 40 लाख रुपये
6. ब्रेस्ट, हेड एवं नेक सर्वाइकल कैंसर में एचबीसीआर और पैटर्न ऑफ केयर एंड सर्वाइवल स्टडीज, एसवीएस देव, आईसीएमआर, 8 साल, 2014 से जारी, रुपए 35,00,000
7. बचपन के कैंसर, लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक दुर्दमता संबंधी उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, एसवीएस देव, आईसीएमआर, 5 साल, 2017-जारी, रुपए 5,00,000
8. आईसीएमआर- नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (एनसीआरपी) के तहत गॉल ब्लैडर कैंसर पर उपचार और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. सुनील कुमार, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2023, रुपए 13 लाख
9. अन्नप्रणाली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक्सोम और ट्रांसक्रिपटॉम के विश्लेषण द्वारा नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान करना, डॉ. सुनील कुमार, 4 बेसकेयर जीनोमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2020-2021, वास्तविक लागत आधार पर
10. पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा के लिए एटियलजि के रूप में भारी धातुओं की भूमिका, डॉ. संदीप भोरीवाल, एम्स, 2 साल, 2021-2023, 10 लाख रुपये
11. सुरखा - स्तन कैंसर आनुवंशिक जागरूकता और जोखिम मूल्यांकन, एसवीएस देव, डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट, 1 वर्ष, 2020, रुपए 20,00,000

पूर्ण

1. "एसोसिएशन ऑफ एचआईपीईसी ट्रीटमेंट विद एक्सप्रेशन ऑफ टी रेगुलेटरी सेल्स (एफओएक्सपी 3) इन एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर एंड इट्स क्लिनिकल सिग्निफिकेंस", एमडी रे, इंट्राम्यूरल, एम्स, 3 साल, 2018-2020, रुपए 10 लाख
2. भारत में सार्वजनिक पृष्ठभूमि के लिए पेरिटोनियल सतह विकृतियों में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का विकास, एम डी रे, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित, 3 साल, 2018-2021, रुपये 48 लाख।
3. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में टी-रेगुलेटरी कोशिका (टी रेग्स) की भूमिका और उनका नैदानिक सह-संबंध।", एम डी रे, पीएचडी थीसिस, एम्स, 2017-2021

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्लेटिनम की विफलता के बाद अनरिसेक्टेबल अथवा आवर्तक/मेटास्टेटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक प्रभावी उपचार के रूप में "ईएमएफ (एर्लोटिनिब/मेथोट्रेक्सेट/5-एफयू) खुराक: अन्वेषक द्वारा आरंभित, सिंगल आर्म, चरण II परीक्षण"
2. स्तन और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के लिए कैपेसिटाबाइन प्राप्त करने वाले मरीजों में हाथ पैर सिंड्रोम की रोकथाम में 1% सामयिक डाइक्लोफेनाक
3. डिम्बग्रंथि के कैंसर के सतत रोगियों के जर्मलाइन म्यूटेशन प्रोफाइल पर एक भविष्यदर्शी अध्ययन।
4. नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर में पारिवारिक जुड़ाव का अध्ययन
5. फेफड़ों के कैंसर में पारिवारिक जुड़ाव पर एक अध्ययन
6. पित्ताशय की थैली के कैंसर में एडजुवेंट कीमोथेरेपी या कीमो-विकिरण: एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (एक्सेल रेट परीक्षण)
7. रिलेप्स्ड मल्टीपल मायलोमा के पैटर्न का विश्लेषण और परिणाम: एक एंबीस्पेक्टिव अध्ययन
8. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य और अंतरंगता संबंधी समस्याओं का आकलन।
9. रिलैप्स्ड और/या रिफ्रैक्टरी मल्टीपल मायलोमा में बेंडामुस्टाइन, पोमालिडोमाइड और डेक्सामेथासोन: द्वितीय चरण अध्ययन
10. समवर्ती कीमोथेरेपी और बाहरी विकिरण चिकित्सा: स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में साप्ताहिक बनाम तीन साप्ताहिक सिस्प्लैटिन और रेडिकल रेडियोथेरेपी का एक ओपन लेबल नॉन-इनफीरियरिटी चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. जारी ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण के भीतर निहित उच्च जोखिम वाले फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया पीड़ित बाल कैंसर रोगियों में नैदानिक सुधार पर अनुभवजन्य एंटीबायोटिक चिकित्सा को जल्दी रोक देने पर उसका लागत-प्रभावशीलता अध्ययन
12. प्रोस्टेट कैंसर वाले भारतीय पुरुषों में वंशानुगत कैंसर की प्रवृत्ति का निदान: एक पायलट अध्ययन
13. उच्च जोखिम वाले फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया पीड़ित बाल कैंसर रोगियों में नैदानिक सुधार पर अनुभवजन्य एंटीबायोटिक चिकित्सा को जल्दी से बंद कर देना, एक यादृच्छिक ओपन लेबल नैदानिक परीक्षण
14. बाल एएमएल में जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल और माइटोकॉन्ड्रियल ऊर्जा चयापचय के साथ इसका संबंध
15. जीवीएचडी में मेसेनकाइमल स्टेम सेल के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण

16. एएमएल के लिए स्टैंडर्ड इंडक्शन कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले मरीजों में मल्टी-ड्रग रेसिस्टेंट बैक्टीरिया द्वारा आंत के उपनिवेशण की घटना और प्रभाव या ऑटोलॉगस एचएससीटी के लिए कंडीशनिंग
17. मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग
18. मल्टीपल मायलोमा: क्लिनिको-प्रयोगशाला विशेषताएँ और परिणाम: एम्स में प्राप्त अनुभव
19. सिनोवियल एडवांस्ड सिनोवियल सार्कोमा में जेमिसिटाबाइन/ डोसेटेक्सेल का भविष्यदर्शी चरण 2 अध्ययन।
20. मल्टीपल मायलोमा में नेचुरल किलर टी सेल्स का प्रत्यारोपण से पहले और बाद का मूल्यांकन
21. चरम अस्थि सरकोमा से बचे लोगों में मनोसामाजिक, कार्यात्मक, यौन, शैक्षिक, व्यावसायिक, परिणाम
22. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता पर पीएआरपी 1 और गामा ग्लूटामाइल सिस्टीन सिंथेटेस (जीसीएस) अवरोधकों की भूमिका और डीएनए मिथाइलेशन।
23. अत्यधिक-एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बाल रोगियों में सिंगल-डे इंट्रावेनस फोसाप्रेपिटेंट बनाम 3-दिवसीय मौखिक एपरेपिटेंट एंटी-इमेटिक रेजिमेन: अन्वेषक आरंभित, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, नॉन-इनफीरियरिटी परीक्षण
24. खराब प्रदर्शन वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों के प्रदर्शन की स्थिति में सुधार के लिए साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: सिंगल आर्म चरण दो परीक्षण।
25. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया क्रॉनिक फेज के नव निदानित रोगियों के रक्त में नाइलोटिनिब दवा के स्तर पर वसायुक्त भोजन के प्रभाव का अध्ययन करना।
26. मल्टीपल मायलोमा में ट्रांसप्लांट बनाम नो ट्रांसप्लांट
27. नव निदानित मल्टीपल मायलोमा में वीआरडी (बोर्टेज़ोमिब, लेनलिडोमाइड और डेक्सामेथासोन) बनाम वीसीडी (बोर्टेज़ोमिब, साइक्लोफॉस्फ़ामाइड, और डेक्सामेथासोन): एक यादृच्छिक अध्ययन

पूर्ण

1. उन्नत/मेटास्टेटिक गैर-स्क्वैमस नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर वाले रोगियों में मेटफॉर्मिन प्लस पेमेट्रेक्सड/कार्बोप्लाटिन का एक चरण II अध्ययन
2. अनरिसेक्टेबल गॉल ब्लैडर कैंसर में संशोधित फोलफरिनॉक्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
3. प्रारंभिक चरण उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
4. पहली पंक्ति की कीमोथैरेपी पर बढ़ रहे उन्नत अनरिसेक्टेबल या मेटास्टेटिक गॉल ब्लैडर कैंसर में एक डबलेट सेकंड लाइन कीमोथेरेपी बनाम मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए डबल आर्म, यादृच्छिक ओपन लेबल भविष्यदर्शी समानांतर डिजाइन श्रेष्ठता चरण II बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण

5. क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताओं और उच्च जोखिम वाले एंडोमेट्रियल कैंसर में चिकित्सा के परिणाम
6. ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा पुनर्गठन
7. मल्टीपल मायलोमा: स्टेम सेल मोबिलाइजेशन - एक जोखिम अनुकूलित एल्गोरिदम आधारित कार्यनीति
8. डिस्मॉइड प्रकार के फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों में रोगी-सूचित परिणाम।
9. पीओईएमएस सिंड्रोम: ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के साथ समेकन
10. गर्भावधि ट्रोफोब्लास्टिक नियोप्लासिया में कीमोथेरेपी प्रतिरोध और रिलेप्स का पूर्वानुमान
11. आईआरसीएच में वृषण रोगाणु कोशिका ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
12. जेमसिटाबाइन-प्लेटिनम डबलेट से उपचारित गॉल ब्लैडर के उन्नत कार्सिनोमा में आरआरएम1, आरआरएम2, एचईएनटी1 और ईआरसीसी1 एक्सप्रेशन की भूमिका।

चिकित्सा भौतिकी

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चरण I-II नोडल डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिंफोमा के नव निदानित रोगियों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी के बाद समेकन के लिए शामिल साइट रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक चरण II अध्ययन।
2. सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी और इसके बाद सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्फेगिया अनुकूलित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए और स्थानीय रूप से उन्नत नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीन बार वायरस डीएनए टिटर के साथ नैदानिक परिणामों का सहसंबंध - चरण II अध्ययन
3. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि को छोड़कर आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने के लिए चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
4. पारंपरिक रेडियोथेरेपी की तुलना में स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी का उपयोग करके नव निदानित ग्लियोब्लास्टोमा वाले रोगियों में व्यवहार्यता, विषाक्तता प्रोफ़ाइल और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन।
5. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा वाले रोगियों में पोर्टल शिरा घनास्त्रता में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यदर्शी पायलट अध्ययन।
6. विकिरण डोसिमेट्री के लिए योज्य निर्माण के साथ जैल बोलस और रोगी-विशिष्ट फैंटम का विकास।

7. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में मध्यम हाइपोफ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी बनाम स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की तुलना करने के लिए पायलट अध्ययन, विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता की तुलना।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण के साथ हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और अर्ली पोस्टऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआईसी) के बीच पेरीऑपरेटिव परिणामों की तुलना करने वाला एक पायलट यादृच्छिक अध्ययन।
2. स्थानीय रूप से उन्नत/आवर्तक चरम नरम ऊतक सार्कोमा और नरम ऊतक सरकोमा डेटाबेस के ऑडिट में प्रीऑपरेटिव कीमोरेडियोथेरेपी की भूमिका का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन।
3. कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों के लिए एमआईएस का मूल्यांकन करने वाला एक अध्ययन और कोलन और रेक्टल कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों को सीखना
4. स्तन कैंसर के रोगियों के बीच नैदानिक प्रोफ़ाइल और जोखिम कारकों के समय रुझान का मूल्यांकन करने और स्तन कैंसर लिपिडोमिक्स की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों को सीखने के लिए एक अध्ययन
5. नैदानिक स्पेक्ट्रम, उपचार के पैटर्न और बहु-विषयक टीम प्रबंधन द्वारा उपचारित भारतीय कैंसर रोगियों के परिणाम
6. ओरल केविटी कैंसर में प्रहरी नोड का पता लगाने के लिए दोहरी तकनीक- ब्लू डाई और फ्लोरोसेंस इमेजिंग का व्यवहार्यता अध्ययन - एक भविष्यदर्शी सत्यापन अध्ययन
7. घातक थोरैसिक रोगों के रोगियों में थोरैसिक सर्जरी के बाद कार्यात्मक रिकवरी और काम पर वापसी: एक भविष्यदर्शी अध्ययन
8. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई)-एम्स में अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री
9. मौखिक गुहा में घातक और संभावित रूप से घातक विकारों के आकलन के लिए टोलुडीन ब्लू डाई और नैरो बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन और ओरल कैंसर डेटाबेस का अद्यतनीकरण तथा विश्लेषण
10. नैदानिक इमेजिंग विधियों का भविष्यदर्शी मूल्यांकन और आवर्तक विभेदित थायरॉयड कैंसर में नोडल रोग के प्रबंधन में सर्जिकल निर्णय लेने वाले एल्गोरिदम पर इसका प्रभाव और नैदानिक तथा सर्जिकल स्पेक्ट्रम और परिणामों के मूल्यांकन के लिए थायरॉयड कैंसर डेटाबेस का ऑडिट
11. व्यक्तिगत तौर बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवंशिक परामर्श का भविष्यदर्शी अध्ययन और जोखिम कम करने वाली सर्जरी करा रहे रोगियों का एंबीस्पेक्टिव मूल्यांकन

12. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी करा रहे उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के रोगियों में कैंसर-वृषण प्रतिजन (सीटी45) की अभिव्यक्ति पर भविष्यदर्शी अध्ययन और प्लैटिनम आधारित कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ इसका संबंध
13. पित्ताशय की थैली के कार्सिनोमा के लिए ईटियोलॉजी के रूप में भारी धातुओं की भूमिका
14. गॉल ब्लैडर कैंसर रोगियों की स्टेजिंग का आकलन करने में पीईटी-सीटी और डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिका: सिंगल आर्म भविष्यदर्शी अध्ययन
15. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों की स्टेजिंग में पीईटी-सीटी और डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिका का सत्यापन एक भविष्यदर्शी अध्ययन और हेपेटोबिलरी एवं अग्नाशयी कैंसर डेटाबेस का अद्यतनीकरण और विश्लेषण

पूर्ण

1. उच्च गुणवत्ता वाले तृतीयक उपचार केंद्र में प्रमुख ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के गुणवत्ता संकेतकों का भविष्यदर्शी मूल्यांकन
2. एचआईपीईसी और ईपीआईसी के बीच एक भविष्यदर्शी तुलनात्मक अध्ययन और एचआईपीईसी रोगियों का एक पूर्वव्यापी विश्लेषणात्मक सर्वेक्षण
3. कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों का एक अध्ययन - क्लिनिकल प्रोफाइल, उपचार और रिलैप्स पैटर्न तथा कोलन और रेक्टल कैंसर रोगियों में माइक्रो आरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीवविज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीक सीखना
4. कार्सिनोमा एसोफैगस में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता- सिस्प्लैटिन + 5-एफयू की तुलना पैक्लिटैक्सेल + कैबोप्लाटिन के साथ करने वाला एक पायलट अध्ययन
5. कार्सिनोमा ब्रेस्ट के एक्सिलरी प्रबंधन के अनुकूलन में इंडोसायनिन ग्रीन डाई आधारित नेविगेशन सर्जरी का मूल्यांकन।
6. शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे ऊपरी जठरांत्र और फेफड़े की दुर्दमता वाले रोगियों में सरकोपेनिया की व्यापकता और तत्काल पश्चात के परिणामों पर इसका प्रभाव: एक भविष्यदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
7. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में टी-रेगुलेटरी सेल्स (टी रैग्स) की भूमिका और उनका नैदानिक सहसंबंध
8. गॉल ब्लैडर कैंसर रोगियों में पीईटी-सीटी और डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की भूमिका का सत्यापन- एक भविष्यदर्शी अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में क्षेत्र-विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल के साथ इमेजिंग लक्षणों का सहसंबंध। (डीबीटी) द्वारा वित्तपोषित, तंत्रिका-विकिरण विज्ञान विभाग

2. कैंसर का पता लगाने के लिए प्लेटलेट आधारित तरल बायोप्सी परख विकसित करना- एक पायलट अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली

3. 3डी आकारिकी आधारित वर्गीकरण के लिए एक्यूट ल्यूकेमिक सेल की डिजिटल होलोग्राफिक माइक्रोस्कोपी। (एम्स और आईआईटी-दिल्ली) द्वारा वित्तपोषित

4. एकीकृत जैव सूचना विज्ञान और प्रायोगिक दृष्टिकोण का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में रोगजनन, रोग प्रगति और परिणाम में सेल मुक्त माइक्रो आरएनए परिसंचारी का स्पष्टीकरण। (एम्स), जैव भौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित

5. डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में ड्रग टारगेटिंग के लिए नेटवर्क पाथवे की पहचान। (डीएसटी), आईआईटी-दिल्ली द्वारा वित्तपोषित

6. मल्टीपल मायलोमा में इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करते हुए न्यूनतम अवशिष्ट रोग का अनुमान: मायलोमाइमेजर का डिजाइन और विकास - एक स्वचालित कंप्यूटर असिस्टेड टूल। (डीएसटी), आईआईटी-दिल्ली द्वारा वित्तपोषित

7. सामान्य विकास और पैथोलॉजिकल मायलोप्रोलिफरेशन के तहत एरिथ्रोइड और मेगाकारियोसाइटिक वंशावली का अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जारी

1. एचईआर 2-पॉजिटिव अर्ली ब्रेज़ कैंसर (ईबीसी) और मेटास्टेटिक स्तन कैंसर (एमबीसी) वाले रोगियों में हेरसेप्टिन-ईयू की तुलना में बीपी 02 (ट्रैस्टुजुमाबड) की फार्मेको-काइनेटिक्स, प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने हेतु एक मल्टीसेंटर, डबल-ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड समानांतर-समूह, सक्रिय नियंत्रित, दो भाग चरण III, वैश्विक अध्ययन - डॉ. अजय गोगिया, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिकल अर्बुदविज्ञान बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

2. एक चरण III डबल-ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन, जिसमें पीटीईएन की कमी (कैपिटेलो-0281) वाले, डी मेटास्टेटिक हार्मोन-सैंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) के रोगियों के उपचार के रूप में कैपिवसेर्टिब + एबीराटेरोन बनाम प्लेसबो + एबीराटेरोन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन किया जाना है, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर, मेडिकल अर्बुदविज्ञान बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

3. स्थानीय रूप से उन्नत ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी के जवाब में सीरम ट्यूमर मार्करों का आकलन, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर, मेडिकल अर्बुदविज्ञान बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

4. भारत में एक अभिनव मोबाइल आधारित रोगी रिपोर्ट परिणाम प्रणाली के माध्यम से कैंसर रोगियों में लक्षणों के प्रभाव का आकलन, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर बी आर ए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

5. टी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक्स ल्यूकेमिया में एनआरएफ2 सिग्नलिंग के सेल्युलर फंक्शन्स और क्लिनिकल महत्व, डॉ. नेहल ठकराल, महिला वैज्ञानिक फेलो, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान आईआरसीएच

6. कार्सिनोमा लिंग वाले रोगियों में नैदानिक प्रोफाइल और परिणाम तथा जीवित बचे लोगों में स्वास्थ्य से संबंधित जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

7. कैंसर रोधी दवाओं की लागत पहली: भारत भर में मूल्य भिन्नताओं पर एक अध्ययन, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, एसोसिएट प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

8. कैंसर के चयनात्मक निदान और चिकित्सा में सहायता के लिए p53 के खिलाफ उत्परिवर्तन विशिष्ट मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास, डॉ. ऋतु गुप्ता, प्रोफेसर और कार्यालय प्रभारी प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, डॉ. बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

9. कोलोरेक्टल कैंसर परिणाम परीक्षण में एनेस्थीसिया के प्रभाव (एनकोर) - एडजुवेंट कीमोथेरेपी की शुरुआत के समय पर एनेस्थेटिक तकनीकों के प्रभाव, और कोलोरेक्टल कैंसर (स्टेज I-II) के लिए सर्जरी के बाद शुरुआती और विलंबित परिणाम, डॉ. अखिल कांत सिंह, सहायक प्रोफेसर संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन चिकित्सा

10. ट्रिपल और चौगुने नकारात्मक स्तन कैंसर को केन्द्र में रखते हुए स्तन कैंसर की उच्च घटनाओं के लिए निर्धारकों का मूल्यांकन, डॉ. अजय गोगिया, एसोसिएट प्रोफेसर, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

11. मीडियास्टिनल जर्मा सेल ट्यूमर: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

12. माइकोटिक थोरैसिक स्यूडोएन्यूरिज्म-सीटी एंजियोग्राफी एज़ ए मॉडेलिटी फॉर वैस्कुलर मैपिंग टु गाइड मैनेजमेंट, डॉ. प्रियंका नारंजे, असिस्टेंट प्रोफेसर, रेडियो डायग्नोसिस

13. नेसोफिरिन्जियल कैंसर में ईबीवी डीएनए की मात्रा, नॉन-एंडेमिक क्षेत्र से पूर्वव्यापी खोजपूर्ण विश्लेषण, डॉ शंपा घोष, वैज्ञानिक II, बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

14. कैपेसिटाबाइन प्राप्त करने वाले रोगियों में हाथ-पैर सिंड्रोम की रोकथाम में सामयिक डाइक्लोफेनाक का यादृच्छिक चरण II ओपन-लेबल अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

15. तृतीयक उपचार केंद्र में एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा के क्लिनिको-पैथोलॉजिकल पहलुओं और भारतीय रोगियों में उनके परिणाम का अध्ययन करने के लिए पूर्वव्यापी विश्लेषण, डॉ. अतुल बत्रा, सहायक प्रोफेसर, मेडिकल अर्बुदविज्ञान बीआरए आईआरसीएच एम्स, दिल्ली

16. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में प्रतिक्रिया आकलन में उन्नत एमआरआई और पीईटी-सीटी की भूमिका: एक एंबीस्पेक्टिव अध्ययन, डॉ अभिषेक सोनी, कनिष्ठ रेजिडेंट, रेडियोडायग्नोसिस विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. स्तन कैंसर के लिए सहायक विकिरण और प्रणालीगत चिकित्सा के मानकीकरण अनुक्रम (स्टार्स): एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सुप्रिया मलिक, सहायक प्रोफेसर विकिरण अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच

18. एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया में आरएचओबीटीबी 2 की भूमिका को समझना, डॉ. अनीता चोपड़ा, अपर प्रोफेसर, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

19. पी 53 उत्परिवर्तन और उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों में उपचार के लिए इसकी प्रासंगिकता - एक पायलट अध्ययन, विकृति विज्ञान विभाग

20. एक चरण ii अध्ययन - सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्फैगिया अनुकूलित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी के बाद सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना और स्थानीय रूप से उन्नत नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीनबार वायरस डीएनए टिटर के साथ नैदानिक परिणामों का सहसंयोजन, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, ईएनटी

21. एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन - स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि को छोड़कर आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने के लिए, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, ईएनटी

22. भारत में इन-पर्सन बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवंशिक शिक्षा और परामर्श का एक भविष्यदर्शी अध्ययन। जोखिम कम करने वाली सर्जरी करा रहे स्तन कैंसर के रोगियों का एंबीस्पेक्टिव मूल्यांकन, शल्यक अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान

23. एसोफैगल कैंसर में डीपीपी3 की सेलुलर और प्रतिरक्षाविज्ञानी भूमिका, जैव रसायन, विकृति विज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान

24. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर में लंबे समय तक समवर्ती रसायन चिकित्सा के साथ नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अल्पकालिक रेडियोथेरेपी की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, शल्यक अर्बुदविज्ञान, जीआई सर्जरी, विकिरण विज्ञान

25. नैदानिक उपचार के लिए अनुपयुक्त स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में समवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ "क्वाडशॉट रेजिमेन" का उपयोग करते हुए हाइपो-फ्रैक्शनेटेड प्रशामक रेडियोथेरेपी, विकिरण अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान

26. कार्सिनोमा एसोफैगस में नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता- एक पायलट अध्ययन जिसमें सिस्प्लैटिन + 5-एफयू की तुलना पैक्लिटैक्सेल + कार्बोप्लाटिन से की जानी है, शल्यक अर्बुदविज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, रेडिएशन अर्बुदविज्ञान, न्यूक्लियर मेडिसिन

27. दुर्लभ बाल ट्यूमर भविष्यदर्शी अध्ययन, बहु-संस्थागत सहयोग

28. स्तन कैंसर में एक या तीन सप्ताह में दिए जाने वाला एड्जुवेंट रेडिएशन: एक चरण II यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एनसीआई-आर-02-ओटीएसएआर), विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, विकृति विज्ञान

29. सर्वाइकल कैंसर ट्यूमर माइक्रो-एनवायरनमेंट इम्यून-प्रोफाइलिंग एंड इफेक्ट ऑन अर्ली रिस्पांस टू स्टैण्डर्ड कीमोरेडियोथेरेपी इन इंडियन पेशेंट्स, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकृति विज्ञान, विकिरण विज्ञान

30. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में दर्द कम करने के लिए इष्टतम विकिरण खुराक: एक चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, विकृति विज्ञान

31. नव निदानित आईडीएचडब्ल्यूटी एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (एनसीआई-आर-01-एचवाईआरएए) में समवर्ती और सतत टेम्पोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रेक्शनेटिड त्वरित रेडियोथेरेपी का चरण II अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, विकृति विज्ञान

32. नव निदानित जीबीएम (एचवाईएआरटी-जीबीएम) में समवर्ती और सतत टेम्पोजोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटेड त्वरित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी का चरण III परीक्षण, विकिरण अर्बुदविज्ञान, विकिरण विज्ञान, विकृति विज्ञान

33. स्तन कैंसर में एपिथेलियल-मेसेनकाइमल संक्रमण के नियमन में 1 पी 53: माइक्रो-आरएनए की भूमिका, भारत-रूस संयुक्त परियोजना-डीएसटी (2018-2021) - सह-मुख्य अन्वेषक, मुख्य अन्वेषक के रूप में: डॉ. ऋतु कुलश्रेष्ठ, आईआईटी दिल्ली, भारत, पीआई: डॉ. निकोलाई बारलेव, साइटोलॉजी संस्थान, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस

34. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में लक्ष्य निर्देशित बनाम स्टैंडर्ड फ्लूइड थेरेपी का एक भविष्यदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

35. प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी आर/एम एचएनएससीसी में ईएमएफ (एर्लोटिनिब/एमटीएक्स/5-एफयू) का सिंगल आर्म फिजिबिलिटी फेज II अध्ययन

36. स्त्रीरोग संबंधी कैंसरों में ड्यूबिकिटिनेटिंग एंजाइम (डीयूबी) की ऑन्कोजेनिक क्षमता को समझना

37. प्लेटिनम प्रतिरोधी, प्लेटिनम दुर्दम्य और उन्नत डिम्बग्रंथि के कैंसर में पाज़ोपानिब आधारित संयोजन मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी: एक यादृच्छिक चरण 2 अध्ययन

38. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और डीएनए मिथाइलेशन पर पीएआरपी1 और γ-ग्लूटामाइल सिस्टीन सिंथेटेस (जीसीएस) अवरोधकों की भूमिका

39. ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स प्रोटीन लाइसिल ऑक्सीडेज (एलओएक्स) के मॉड्यूलेशन के माध्यम से हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा को कम करने के लिए ट्रांसलेशनल अप्रोच, सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में स्वयं, डीएसटी, 3 साल, 2019-2022, 87 लाख

40. कार्सिनोजेनेसिस की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उत्तरजीविता संकेतों को बदलकर हेपेटोमा सेल स्टेमनेस को रोकने के लिए ट्रांसलेशनल एप्रोच, सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में स्वयं, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 73 लाख

41. परियोजना का शीर्षक "फेफड़े के ट्यूमरजेनिसिस में बायोमार्कर के रूप में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए-गिनिर की भूमिका का स्पष्टीकरण"। फंडिंग एजेंसी: डीबीटी; अवधि: 03 वर्ष; फंड: 89 लाख (एनसीसीएस, पुणे के सहयोग से) (भूमिका: सह-अन्वेषक)

42. परियोजना शीर्षक "फेफड़ों के कैंसर में माइक्रोआरएनए द्वारा क्रमादेशित मृत्यु-लिगैंड 1 (पीडी-एल1) अभिव्यक्ति के विनियमन का मूल्यांकन"। फंडिंग एजेंसी: आईसीएमआर; अवधि: 8/2019-8/2022; फंड: 47.64 लाख (भूमिका: सह-अन्वेषक)

43. परियोजना शीर्षक "भारतीय बच्चों में विल्म्स ट्यूमर के जोखिम-आधारित स्तरीकरण के आनुवंशिक परिवर्तन और गोद लिए हुए बच्चों के अर्बुदविज्ञान समूह (सीओजी) की व्यवहार्यता के नैदानिक महत्व का अध्ययन" फंडिंग एजेंसी: आईसीएमआर; अवधि: 8/2020-8/2023 (भूमिका: सह-मुख्य अन्वेषक)

निवारक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत (मुख, मल एवं पित्त) माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, शल्यक चिकित्सा विभाग, जठरान्त्ररोग विज्ञान विभाग, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद
2. अर्बुदविज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बिग डाटा और उन्नत कंप्यूटिंग का संचयन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. हरियाणा के चयनित जिलों में चिकित्सा अधिकारियों/विशेषज्ञों के लिए कैंसर जागरूकता और रेफरल एंगेजमेंट (केयर) कार्यक्रम, निवारक अर्बुदविज्ञान, एनसीआई
4. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
5. भारतीय आबादी में स्तन कैंसर के आनुवंशिकी, नैदानिक और महामारी विज्ञान संबंधी कारकों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, दिल्ली; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा
6. भारतीय रोगियों में गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा का जीनोमिक्स, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा; आईजीआईबी, नई दिल्ली
7. ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित युवा भारतीय महिलाओं (<40 वर्ष) में बीआरसीए 1/2 जर्मलाइन म्यूटेशन की व्यापकता, शल्यक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. कैंसर-वृषण जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग के बीच परस्पर क्रिया तथा डिम्बग्रंथि के कैंसर में वैश्विक डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा में आनुवंशिकी, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, कैंसर फाउंडेशन

2. अर्बुदविज्ञान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बिग डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना। वित्त पोषण एजेंसी: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव रसायन विभाग
3. प्लैटिनम विफलता के बाद अनरिसेक्टेबल अथवा आवर्तक/मेटास्टेटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक प्रभावशाली चिकित्सा के रूप में ईएमएफ (एर्लोटिनिब / मेथोट्रेक्सेट / 5-एफयू) रेजिमिन: अन्वेषक आरंभित सिंगल आर्म फेज II परीक्षण, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. एच19 लॉन्ग नॉन-कोडिंग आरएनए (आईएनसी आरएनए) और विल्म्स ट्यूमर के भारतीय बाल रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ इसका जुड़ाव, बालरोग विज्ञान विभाग, विकृति विज्ञान, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, एम्स नई दिल्ली
5. आईसीएमआर टास्क फोर्स द्वारा “भारतीय आबादी में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान के कारकों का तुलनात्मक अध्ययन", आईसीएमआर
6. भारतीय रोगियों में गॉल ब्लैडर कार्सिनोमा का आईसीएमआर टास्क फोर्स जीनोमिक्स
7. "एनईआर आबादी में स्तन कैंसर से पीड़ित वंशानुगत स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर (एचबीओसी) सिंड्रोम परिवारों की पहचान और उनके बीआरसीए 1 और बीआरसीए 2 जीन उत्परिवर्तन की प्रोफाइलिंग", एनसीडीआईआर-आईसीएमआर
8. कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीईई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग के बीच परस्पर क्रिया और ओवेरियन कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका जुड़ाव, आईसीएमआर-स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
9. गॉलब्लैडर कैंसर के रोगजनन में न्यूक्लियर रिसेप्टर नेटवर्क सिग्नलिंग की भूमिका, जैव रसायन विभाग।

शल्यक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में रैपामाइसिन (एमटीओआर) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) किनेज सिग्नलिंग मार्ग के स्तनधारी लक्ष्य का व्यापक विश्लेषण, विकृति विज्ञान विभाग
2. भारतीय आबादी में पित्ताशय थैली कार्सिनोमा के आणविक आनुवंशिक जोखिम कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यदर्शी अध्ययन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग
3. भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर की वैकल्पिक उपचार विधियों का आर्थिक विश्लेषण, स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, एम्स और टीएमसी, कोलकाता
4. कार्सिनोमा लिंग वाले रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम तथा जीवित बचे लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए माइक्रोआरएनए-आधारित बायोमार्कर का विकास, प्रजनन जीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. फेफड़ों के कैंसर में 18-एफडीजी-पीईटी/सीटी पर से प्रदाहक एवं मेटास्टेटिक मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी को अलग करना: स्टेरॉयड दमन की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा विभाग
7. एम्स, स्टेमसेल सुविधा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में रोगी विशिष्ट 3डी ऑर्गेनॉइड बायोबैंकिंग की स्थापना
8. "डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) स्तर का मूल्यांकन", प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स
9. डिम्बग्रंथि के कैंसर में नवीन निदान और रोगसूचक बायोमार्कर ढूँढना, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
10. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टो-पैथोलॉजिकल ग्रेड से कैंसर स्टेम सेल का अलगाव, पहचान और लक्षण वर्णन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. एलओआई- कैंसर इम्यूनोथेरेपी और एपिजेनेटिक्स रिसर्च नेटवर्क (सीआईईआरईएन): आईईआर-टीएमई (इम्यूनोथेरेपी आधारित एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग ऑफ ट्यूमर इम्यून माइक्रो एनवायरनमेंट) अनुसंधान के लिए केंद्रीकृत ई-प्लेटफॉर्म, जैव रसायन विभाग, एम्स
12. पीओटीई, फैमिली कैंसर के खिलाफ इम्यूनोथेरेपी के लक्ष्य के रूप में मजबूत क्षमता के साथ एक नवीन कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजन, जैव-रसायन विज्ञान विभाग, एम्स
13. एड्रेनोकोर्टिकल कार्सिनोमा के क्लिनिको-पैथोलॉजिकल पहलुओं और तृतीयक कैंसर केंद्र के रूप में भारतीय रोगियों में उनके परिणाम का अध्ययन करने के लिए पूर्वव्यापी विश्लेषण, डॉ. अतुल बत्रा, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
14. कार्सिनोमा पित्ताशय के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर्स की भूमिका, जैव रसायन विभाग
15. कंसेंशस आणविक उपप्रकार के अनुसार कोलोरेक्टल कार्सिनोमा को वर्गीकृत करने के लिए इम्यूनो-हिस्टोकेमिकल और आणविक मार्करों के एक सरोगेट पैनल का अध्ययन और नैदानिक सहसंबंध, विकृति विज्ञान विभाग एम्स, नई दिल्ली
16. सीएक्ससीएल 12-सीएक्ससीआरए/सीएक्ससीआर7 एक्सिस इन ब्रेस्ट कैंसर स्टेम सेल विद ए नॉवेल करक्यूमिन डेरिवेटिव एंड इट्स सिनर्जिस्टिक इफेक्ट विद स्क्रीनेड डाइटरी फाइटोकेमिकल, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा

पूर्ण

1. "कैंसर रोगियों में दर्द के सामाजिक संदर्भ की पहचान करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन", अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग बीआरए-आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली
2. "मुख कैंसर रोगियों में लिम्फ नोड भागीदारी के मूल्यांकन के लिए जैव-सांख्यिकीय मॉडल", जैव सांख्यिकी विभाग एम्स, नई दिल्ली
3. "भारतीय संदर्भ में कैंसर रोगियों में कुल दर्द का मूल्यांकन करने के लिए एक उपकरण का विकास", अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग बीआरए-आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली

4. आनुवंशिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 मानदंड के योग्य और अयोग्य स्तन कैंसर रोगियों में मल्टीजीन वंशानुगत पैनल परीक्षण प्रोफाइल की तुलना: एक भविष्यदर्शी अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग बीआरए-आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली
5. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में पेरीओपरेटिव एनेस्थेटिक उपचार: एकल तृतीयक उपचार कैंसर केंद्र में एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, अर्बुद-संवेदनाहरण विभाग बीआरए-आईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली

प्रकाशन

अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा

पत्रिकाएँ: 89

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

पत्रिकाएँ: 5

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

पत्रिकाएँ: 65 सार: 14 पुस्तक में अध्याय: 1

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

पत्रिकाएँ : 161 सार : 2 अध्याय पुस्तक में : 1 पुस्तकें और मोनोग्राफ : 1

चिकित्सा भौतिकी

पत्रिकाएँ : 6

निवारक अर्बुदविज्ञान

पत्रिकाएँ : 2

विकिरण निदान

पत्रिकाएँ : 39 सार : 1 पुस्तक में अध्याय : 2

विकिरण अर्बुदविज्ञान

पत्रिकाएँ : 54 सार : 16 पुस्तक में अध्याय : 1

शल्यक अर्बुदविज्ञान

पत्रिकाएँ: 43 सार: 4 पुस्तक में अध्याय: 5 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

संवेदनाहरण विज्ञान

पुस्तक में अध्याय: 9

रोगी उपचार

1. **कुल बिस्तर क्षमता = 182**
   - क. चिकित्सा अर्बुदविज्ञान = 78
   - ख. विकिरण अर्बुदविज्ञान = 37
   - ग. शल्यक अर्बुदविज्ञान = 61
   - घ. प्रशामक उपचार एकक = 06

2. **कुल ओपीडी उपस्थिति -** (**2017-18**) (**कुल=171778**)
   - क. नए रोगी पंजीकृत =**7093**
   - ख. पुन: आए रोगी =**75299**

3. **डॉ. भी.रा.अ. सं.रो.कैं.अ. में विभिन्न ओपीडी/क्लीनिकों का विवरण (वर्ष 2020-2021)**

क्रम संख्या	ओपीडी/क्लीनिक का नाम	पंजीकृत नए रोगी			पुन: आए रोगी		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लीनिक	733	684	1417	8571	15812	24383
2.	वयस्क लिम्फोमा ल्यूकेमिया क्लीनिक	-	-	-	-	-	-
3.	एएमएल/एचएल क्लीनिक	64	36	100	1536	849	2385
4.	एएलएल/सीएमएल क्लीनिक	91	45	136	2406	1852	4258
5.	स्तन कैंसर क्लीनिक	40	349	389	649	2884	3533
6.	बोन एंड सॉफ्ट टिश्यू क्लीनिक	44	45	89	300	245	545
7.	कैंसर निवारण और स्क्रीनिंग क्लीनिक	-	-	-	-	-	-
8.	फेमिलियल कैंसर क्लीनिक	-	-	-	-	-	-
9.	जठरान्त्ररोग संबंधी क्लीनिक	117	78	195	322	270	592
10.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लीनिक - `ए`	-	02	02	-	43	43
11.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लीनिक - `बी`	-	11	11	-	95	95
12.	स्त्रीरोग विज्ञान क्लीनिक - `सी`	-	80	80	-	429	429
13.	जेनिटोरिनरी एवं स्त्रीरोग क्लीनिक	66	130	196	355	653	1008
14.	सिर और गर्दन (सर्जरी) - ए	134	29	163	326	302	628
15.	सिर और गर्दन (ईएनटी) - बी	33	07	40	88	24	112
16.	हेपेटोबाइलियरी एंड पेनक्रिएटिक क्लीनिक	43	40	83	202	228	430

17.	लंग कैंसर क्लीनिक	240	86	326	2217	1461	3678
18.	एनएचएल/एमएम/सीएलएल क्लीनिक	46	29	75	674	814	1488
19.	तंत्रिका अर्बुदविज्ञान क्लीनिक	121	44	165	545	262	807
21.	ऑप्थेल्मिक क्लीनिक	10	08	18	-	-	-
22.	बाल मेडिकल अर्बुदविज्ञान क्लीनिक	172	60	232	3040	2319	5359
23.	बाल लिंफोमा ल्यूकेमिया क्लीनिक	122	50	172	1737	1148	2885
24.	बाल चिकित्सा (सर्जरी)	31	27	58	272	153	425
25.	दर्द राहत क्लीनिक	401	322	723	2738	2937	5675
26.	दर्द एवं प्रशामक उपचार क्लीनिक (आरटी-II)	-	-	-	-	-	-
27.	बाल प्रशामक उपचार क्लीनिक	-	-	-	-	-	-
28.	रेडियोथेरेपी क्लीनिक	836	710	1546	3236	4651	7887
29.	शल्यक अर्बुदविज्ञान (क्लीनिक)	181	144	325	1056	1562	2618
30.	थोरेसिक अर्बुदविज्ञान क्लीनिक	87	65	152	623	543	1166
31.	प्रत्यारोपण क्लीनिक	19	09	28	675	441	1116
32.	यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी क्लीनिक	229	41	270	1749	770	2519
33.	एंडो मैलिग्नेंसी क्लीनिक	62	40	102	742	493	1235
	कुल =	**3922**	**3171**	**7093**	**34059**	**41240**	**75299**

सकल जोड़ = 7093 + 75299 = 82392

दाखिले (2020-21)	
नियमित दाखिले	**6002**
शॉर्ट/डे-केयर दाखिले	**22223**
कुल दाखिले	**28225**

डिस्चार्ज (2020-21)	
नियमित डिस्चार्ज	**5718**
शॉर्ट/डे-केयर डिस्चार्ज	**21908**
कुल डिस्चार्ज	**27626**

कुल मौतें- (2020-21)	**189**

ऑपरेशन कक्ष सेवाएं - (2020-21)	
बड़े ऑपरेशन	654
छोटे ऑपरेशन	2996
कुल ऑपरेशन	3650

इलैक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) - (2020-21)	3073

ओपीडी प्रक्रिया (उपचार कक्ष संख्या 15)	4265

ओपीडी उपस्थिती नए पंजीकृत रोगी (महिला एवं पुरुष) - (2020-21)

नए पंजीकृत रोगी	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल - 2020	20	14	34
मई - 2020	33	21	54
जून - 2020	64	44	108
जुलाई - 2020	279	217	496
अगस्त - 2020	352	246	598
सितंबर - 2020	438	376	814
अक्टूबर - 2020	415	386	801
नवंबर - 2020	359	286	645
दिसंबर - 2020	396	339	735
जनवरी - 2021	452	334	786
फरवरी - 2021	510	404	914
मार्च - 2021	604	504	1108
कुल	**3922**	**3171**	**7093**

कुल (पुरुष और महिला) =3922 + 3171 =7093

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कक्ष संख्या 15)	
पुरुष सीटी	2382
महिला सीटी	1218
बालक सीटी (बाल रोग)	2747
बालिका सीटी (बाल रोग)	1130
कुल रोगी	7477

ओपीडी उपस्थिति - पुन: आए रोगी (पुरुष और महिला) - (2020-21)

पुन: आए रोगी	पुरुष	महिला	कुल
अप्रैल = 2020	1154	1009	2163

मई - 2020	1922	1637	3559
जून - 2020	1492	1803	3295
जुलाई - 2020	1774	2287	4061
अगस्त - 2020	2075	2798	4873
सितंबर - 2020	2730	3586	6316
अक्टूबर - 2020	3155	3667	6822
नवंबर - 2020	3089	3472	6561
दिसंबर - 2020	4011	4587	8598
जनवरी - 2021	3420	4630	8050
फरवरी - 2021	4099	5001	9100
मार्च - 2021	5138	6763	11901
कुल	**34059**	**41240**	**75299**

कुल (पुरुष और महिला) = 34059 + 41240 = 75299

रोगियों के निवास स्थान के अनुसार उनका भौगोलिक वितरण

क्रम संख्या	राज्य	कुल
1.	आंध्र प्रदेश	02
2.	अंडमान निकोबार	01
3.	असम	12
4.	अरुणाचल प्रदेश	01
5.	बिहार	741
6.	चंडीगढ़	03
7.	छत्तीसगढ़	05
8	दादरा और नगर हवेली	-
9.	दमन और दीव	-
10.	दिल्ली	2605
11.	गोवा	02
12.	गुजरात	07
13.	हरियाणा	677
14.	हिमाचल प्रदेश	27
15.	जम्मू और कश्मीर	44
16.	झारखंड	67
17.	केरल	09
18.	कर्नाटक	07
19.	लक्षद्वीप/लद्दाख	16

20.	मध्य प्रदेश	115
21.	महाराष्ट्र	06
22.	मेघालय	01
23.	मणिपुर	09
24.	मिजोरम	03
25.	नागालैंड	05
26.	ओडिशा	35
27.	पांडिचेरी	-
28.	पंजाब	33
29.	राजस्थान	107
30.	सिक्किम	08
31.	तमिलनाडु	04
32.	तेलंगाना	-
33.	त्रिपुरा	04
34.	उत्तर प्रदेश	2257
35.	उत्तराखंड	205
36.	पश्चिम बंगाल	51
	कुल	**7069**

बाहरी देश

1.	अफगानिस्तान	01
2.	बांग्लादेश	04
3.	बहरीन	-
4.	केमरून	-
5.	फीजी	-
6.	ईराक	-
7.	कजाख्स्तान	-
8.	नेपाल	19
9.	उजबेकिस्तान	**-**
	कुल	**24**

सकल योग = 7069 + 24 = 7093

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएं - (2020-21)

1.	हीमोग्राफ (एचएमजी) - (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	42877
2.	पेरिफेरल ब्लड स्मियर (पीबीएस)	3603
3.	बोन मेरो एसपिरेशन (बीएम)	3021
4.	साइटो-केमिस्ट्री	602
5.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस (एसपीई)	2739
6.	इम्यूनोफिक्शेसन (आईएफएक्स)	1753
7.	यूरिन इलेक्ट्रोफोरेसिस (यूई)	696
8.	ट्यूमर मार्कर	-
9.	फ्लोसाइटोमीट्री	43055
10.	सीएसएफ	1873
11.	ईएसआर	-
12.	आणिवक बायलॉजी	6824
13.	सीरम फ्री लाइट चेन	4447
14.	साइटोपेथोलॉजी	-
15.	बीटा 2 - माइक्रोग्लोबुलिन	686
16.	साइटोलॉजी	240
17.	एचपीबी डीएनए	927
18.	इम्यूनोग्लोबुलिन	873
	कुल	**114216**

सकल योग = 114216

एफेरिसिस - (2020-21)

1.	सिंगल डोनर प्लेटलेट (एसडीपी)	1609
2.	पेरिफेरल ब्लड स्टेम सेल - हार्वेस्ट (पीबीएससी)	134
3.	हीमोग्राम	12958
4.	प्लाज्मा	-
5.	ग्रेनुलोसाइटिस की संख्या	82
6.	प्लाज्मा विनिमय	-
7.	स्टेम सेल हार्वेस्ट	14
	कुल	**14797**

सकल योग=14797

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं - (2020-21)

1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	237
2.	चिमरिज्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	02
3.	सीएमएल में पी210 और पी190 का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर (गुणात्मक)	100
4.	सीएमएल में पी210 और पी190 का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर (मात्रात्मक)	428
5.	फ्लो साइटोमीट्री द्वारा सीडी 34 गणना	243
6.	फ्लो साइटोमीट्री द्वारा सीडी 3 गणना	26
7.	ल्यूकेमिया के लिए इम्यूनो फेनाटाइपिंग	-
8.	एमएनसी गणना	139
9.	स्टेम सेल-80 का क्रायो प्रिजर्वेशन	91
10.	स्टेम सेल एसएटी 4 का भंडारण	56
11.	बोन मेरो ट्रांसप्लांट	-
12.	स्टेम सेल आधान	135
13.	स्टेम सेल की साध्यता	136
14.	एसपरजिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	952
15.	एलडीएच	461
16.	मैग्नीशियम	49
17.	ईबीवी संक्रमण के लिए ईबीवी का पता लगाना	10
	कुल =	**3065**

सकल योग = 3065

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं -(2020-21)

1.	विकिरणहीन किए गए ब्लडबैग की संख्या	1199
2.	एक्स-रे मशीनों पर किए गए गुणता आश्वासन परीक्षण	1572
3.	डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
4.	रेडियोलॉजी (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
5.	एक्स-रे यूनिटों में विकिरण परिणाम मापन	276
6.	एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	-
7.	विकिरण संरक्षा सर्वेक्षण मापन	33
8.	गर्भावस्था में अनजाने में विकिरण के प्रभाव में आ जाने पर परामर्श	01
9.	एम्स में किए गए फ्लूरोस्कोपी क्यू सी परीक्षण	-

10.	लैड एप्रन पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	02
	कुल =	**3083**

सकल योग =3083

रेडियोथेरेपी सेवाएं - (2020-21)

1.	रेडियोथेरेपी संबंधी रोगी	33069
2.	रेडियोथेरेपी संबंधी कुल फील्ड	-
3.	ब्रेकीथेरेपी संबंधी रोगी	316
4.	उपचार आयोजना एवं सिमुलेशन	2169
5.	दो और तीन आयामी डोज वितरण	608
6.	कंपेंसेटर्स	280
7.	शील्डिंग ब्लॉक्स इम्मोबिलाइजेशन डिवाइसिज एंड ओरीफिट्स	1376
8.	विकिरण समीक्षा क्लीनिक	1440
9.	सीटी प्लानिंग	976
	कुल	**40236**

सकल योग = 40236

विकिरण निदान सेवाएं - (2020-21)

1.	सी टी स्केन	4435
2.	अल्ट्रा-साउंड	3739
3.	मेमोग्राफी	676
4.	एक्स-रे (नेमी)	11352
5.	डॉप्लर	233
6.	इंटरवेंशन	967
7.	विशेष अन्वेषण (बीए,आई)	362
8.	इंटरवेंशन एमए	-
	कुल =	**21764**

सकल योग = 21764

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर से जुड़े रोगियों के उपचार संबंधी वर्ष 2020-2021 के आंकड़े नीचे दिए गए हैं:-

कुल बिस्तर क्षमता : 710

कुल कार्याधीन बिस्तर : 694

(दिनांक 01.04.2020 से 31.03.2021 तक 179+ 515 बिस्तर कोविड की अवधि के दौरान बढ़ाए गए)

ओपीडी उपस्थिति : 48676

नए पंजीकृत रोगी : 6277

पुन:आए/पुराने रोगी : 42399

ओपीडी उपस्थिति का विवरण :

क्रम संख्या	विभाग	नए रोगी			पुन:आए/पुराने रोगी			सकल योग
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	
1	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	408	325	733	5940	6675	12615	13348
2	शल्यक अर्बुदविज्ञान	280	352	632	1291	1970	3261	3893
3	विकिरण अर्बुदविज्ञान	364	277	641	2508	2220	4728	5369
4	अर्बुद-संवेदनाहरण	211	127	338	932	668	1600	1938
5	ईएनटी अर्बुदविज्ञान	368	79	447	1759	347	2106	2553
6	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	0	68	68	00	244	244	312
7	मूत्ररोग अर्बुदविज्ञान	38	04	42	03	03	06	48
अन्य सेवाएं								
1	सी.टी.	516	404	920	0	0	0	920
2	लाइनेक-I और II	0	01	1	7737	5608	13345	13346
3	ब्रेकीथेरेपी	0	87	87	0	155	155	242
4	फिजियोथेरेपी	788	656	1444	1669	871	2540	3984
5	आपातकाल/ केजुअल्टी	600	324	924	992	807	1799	2723
कुल		**3573**	**2704**	**6277**	**22831**	**19568**	**42399**	**48676**

विभाग-वार भर्ती और डिस्चार्ज

विषय	भर्ती			डिस्चार्ज (एलएएमए, लापता और मृत्यु सहित)			कुल कितने दिन उपचार किया गया			नियमित भर्ती पर ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	शॉर्ट/डे-केयर	कुल	नियमित	शॉर्ट/डे-केयर	कुल	नियमित	शॉर्ट/डे-केयर	कुल	
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	525	6968	7493	477	6662	7139	2179	6968	9147	4.6
शल्यक अर्बुदविज्ञान	479	-	479	442	0	442	2839	-	2839	6.4
विकिरण अर्बुदविज्ञान	291	-	291	253	0	253	1051	-	1051	4.1

अर्बुद संवेदनाहरण	215	-	215	196	0	196	733	-	733	3.7
ईएनटी अर्बुदविज्ञान	236	-	236	226	0	226	1837	-	1837	8.1
स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	53	-	53	53	0	53	373	-	373	7
मूत्ररोग विज्ञान	42	-	42	37	0	37	176	-	176	4.8
पल्मो-मेडिसिन (कोविड-19)	6239	-	6239	6323	0	6323	68410	-	68410	10.8
कुल	**8080**	**6968**	**15048**	**8007**	**6662**	**14669**	**77598**	**6968**	**84566**	**9.7**

विभाग-वार मृत्यु की सूची

विभाग	कुल डिस्चार्ज	कुल मृत्यु	48 घंटे से कम में मृत्यु	48 घंटे के बाद मृत्यु	सकल मृत्यु दर **%**	सकाल मृत्यु दर **%**
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	7139	18	5	13	0.25	0.18
शल्यक अर्बुदविज्ञान	442	02	0	2	0.45	0.45
विकिरण अर्बुदविज्ञान	253	02	0	2	0.79	0.79
अर्बुद-संवेदनाहरण	196	28	11	17	14.29	9.19
ईएनटी	226	01	0	1	0.44	0.44
स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	53	-	0	0	0	0
मूत्ररोग विज्ञान	37	-	0	0	0	0
पल्मोनरी मेडिसिन (कोविड-19)	6323	153	27	126	2.42	2.0
कुल	**14669**	**204**	**43**	**161**	**1.39**	**1.10**

बिस्तर उपभोग दर : 55.33 % (कार्याधीन बिस्तरों और कोविड-19 बिस्तरों की संख्या के आधार पर)

सर्जिकल प्रक्रिया (बड़े और छोटे)

बड़े	**आईपीडी में छोटे**	**ओपीडी में छोटे**	**कुल**
675	**352**	**4640**	**5667**

रोबोटिक केयर प्रयोगशाला के माह-वार आंकड़े

माह	की गई जाँचों की संख्या
अप्रैल, 2020	91868
मई, 2020	150144
जून, 2020	216096
जुलाई, 2020	204611
अगस्त, 2020	215944
सितंबर, 2020	246873
अक्टूबर, 2020	237984
नवंबर, 2020	285315
दिसंबर, 2020	231658
जनवरी, 2021	201712
फरवरी, 2021	226078
मार्च, 2021	277170
कुल	**2585453**

विकिरण निदान विभाग के माह-वार आंकड़े

माह	एक्स-रे	सी.टी.	अल्ट्रा-साउंड	यूएसजी डॉ.प्लर	मेमोग्राफी	एमआरआई	बायोप्सी	डीआरएफ	जोड़
अप्रैल, 2020	206	0	20	0	0	1	0	**फरवरी 2021 से आरंभ**	227
मई, 2020	637	69	39	9	0	0	0		754
जून, 2020	832	88	52	3	0	0	0		975
जुलाई, 2020	849	102	81	18	0	0	1		1051
अगस्त, 2020	712	120	143	23	2	0	12		1012
सितंबर, 2020	964	134	151	10	8	0	23		1290
अक्टूबर, 2020	1040	101	136	10	9	0	20		1316
नवंबर, 2020	1384	120	90	9	8	0	16		1627
दिसंबर, 2020	921	136	169	11	22	3	28		1290
जनवरी, 2021	549	110	137	11	23	18	30		878
फरवरी, 2021	781	212	232	10	29	11	53	1	1329
मार्च, 2021	855	309	243	17	49	19	57	7	1556
कुल	**9730**	**1501**	**1493**	**131**	**150**	**52**	**240**	**08**	**13305**

चिकित्सा समाज सेवा, एनसीआई झज्जर की उपलब्धियां (2020-2021)

क्रम संख्या	कार्य की प्रकृति	लाभार्थियों की संख्या
1.	कुल छूट	943
2.	परामर्श	132
3.	रेलवे रियायत	286
4.	परामर्श/मांग	09
5.	आयुष्मान भारत	26
6.	वित्तीय सहायता (आरएएन)	01
7.	वित्तीय सहायता (एचएमसीपीएफ)	01
8.	वित्तीय सहायता (सीएमएफ)	01
9.	वित्तीय सहायता (पीएमआरएफ)	03
	कुल	**1402**

संवेदनाहरण विज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

विभागाध्यक्ष महोदय एनसीआई, झज्जर, एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 टास्क फोर्स की नैदानिक सेवाओं के चेयरपर्सन थे। विभाग ने प्रोफेसर सुषमा भटनागर के नेतृत्व में एम्स, नई दिल्ली में दो महत्वपूर्ण नीतियां- 'पेन पॉलिसी' और 'एंड ऑफ लाइफ केयर पॉलिसी' आरंभ की हैं। एम्स में विभाग के दो पाठ्यक्रम हैं; अर्बुद संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा विभाग में एमडी, प्रशामक चिकित्सा और डीएम, अर्बुद संवेदनाहरण।

विभाग में दी जाने वाली अन्य सेवाएं निम्नलिखित हैं:

1. पूरे अस्पताल के लिए व्यवस्थित पीड़ा और प्रशामक उपचार कार्यक्रम
2. आईआरसीएच और एनसीआई, एम्स में सप्ताह में सभी छह दिन पीड़ा और प्रशामक उपचार क्लीनिक चलाना
3. पीएनएफएस (पेरिफेरल नर्व फील्ड स्टिमुलेटर) और प्रोग्रामेबल इंट्राथेकल इंप्लांट जैसी एडवांस इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट तकनीक
4. गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल और गायनोकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के लिए सुपाइन पोजीशन में यूएसजी गाइडेड नर्व ब्लॉक्स
5. अल्ट्रासाउंड गाइडेड लाइन सेंट्रल वेनस लाइन प्लेसमेंट
6. कैंसर के दर्द के रोगियों के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन
7. कैंसर के दर्द के रोगियों में स्क्रैम्बलर थेरेपी

8. संवेदनाहरण विज्ञान के प्रशामक उपचार एकक में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स। डॉ. बीआरए, आईआरसीएच साल में दो बार पेलिएटिव केयर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करने के लिए नोडल केंद्र है।
9. कैंसर रोगियों में दर्द के मनो-सामाजिक और आध्यात्मिक पहलू पर शोध। दर्द और उपशामक उपचार के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक शोध शुरू किया गया है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, बाल रोग और आपातकालीन चिकित्सा के बहिरंग रोगी विभागों में पंजीकृत रोगियों को रुधिर विज्ञान संबंधी विकृतियों के लिए प्रयोगशाला और आणविक निदान कार्य के लिए प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक, डॉ. बीआरए आईआरसीएच में भेजा जाता है। यह प्रयोगशाला, निदान के समय और रोगी उपचार के दौरान क्रमिक रूप से रूपात्मक मूल्यांकन और प्रवाह साइटोमेट्रिक इम्यूनो-फेनोटाइपिंग प्रदान करती है, विशेष रूप से बी-एएलएल, टी-एएलएल, एएमएल, सीएलएल और मल्टीपल मायलोमा के मामलों में न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) मूल्यांकन करने के लिए। आणविक एकक में, हम टी (8; 21); *आरयूएनएक्स1- आरयूएनएक्स1टी1*, आईएनवी(16) अथवा टी(16;16); *सीबीएफबी-एमवाईएच11* और टी(15;17); एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (एएमएल) में *पीएमएल-आरएआरए* फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट के साथ-साथ लिम्फोइड ल्यूकेमिया *(बीसीआर-एबीएल,टीईएल-एएमएल, एमएलएल-एएफ4, ई2ए-पीबीएक्स और एसआईएल-टीएएल1)* में फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट का पता लगाने सहित नियमित रूप से आरटी-पीसीआर आधारित सामान्य क्रोमोसोमल ट्रांसलोकेशन और म्यूटेशन का पता लगाते हैं। सीएमएल में क्यूपीसीआर द्वारा *बीसीआर-एबीएल* के लिए कीमोथेरेपी के बाद रोगियों की निगरानी और एपीएमएल में नेस्टेड पीसीआर द्वारा *पीएमएल-आरएआरए* फ्यूजन ट्रांसक्रिप्ट के अलावा, हमने *आरयूएनएक्स1- आरयूएनएक्स1टी1*, आईएनवी **(**16) या टी (16; 16); क्यूपीसीआर द्वारा सीबीएफबी-एमवाईएच11 की गुणात्मक निगरानी शुरू की है; *एनपीएम1-A* और *एफएलटी3* जीन में सामान्य उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए फ्रेग्मेंट विश्लेषण (उत्परिवर्ती से वाइल्ड किस्म का युग्मक अनुपात) किया जाता है।

हम एलील-विशिष्ट पीसीआर द्वारा नियमित रूप से *एफएलटी3-टीकेडी* (डी835वाई), *जेएके2* (वी617एफ) और माईडी88 (एल265पी) म्यूटेशन का पता लगाते हैं। हमने *एनपीएम1-ए* (859_860आईएनएसटीसीटीजी, *केआईटी* (डी816वी), एनआरएएस (क्यू61के), एनआरएएस (जी12/13), केआरएएस (जी12/13), केआरएएस(क्यू61), बीआरएएफ (वी600), आईडीएच2 (आर140क्यू) और अनुवर्ती नमूनों में ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा आईडीएच2 (आर172के) म्यूटेशन का पता लगाने का मानकीकरण किया है। इसके अलावा, इमैटिनिब रेसिस्टेंस म्यूटेशन एनालिसिस (आईआरएमए) के लिए सेंजर सीक्वेंसिंग आधारित गुणात्मक परख, म्यूटेशन डिटेक्शन के लिए *केआईटी, सीईबीपीए, बीआरएएफ, सीएएलआर, एमपीएल* और *जेएके2* जीन की सीक्वेंसिंग नियमित रूप से की जाती है। हमने नियमित नैदानिक सेवा में लक्षित अनुक्रमण के लिए माइलॉयड नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) पैनल को शामिल किया है जो तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल), मायलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम (एमडीएस), और मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म (एमपीएन) और मल्टीपल मायलोमा सहित

मायलोइड विकृतियों के लिए बेहतर निदान, रोग का निदान और जोखिम स्तरीकरण के लिए कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करता है। हमने नैनोस्ट्रिंग द्वारा शुरू किए गए एनकाउंटर तत्व डिजिटल आणविक बारकोड रसायन विज्ञान द्वारा सामान्य संलयन ट्रांसक्रिप्ट (एन = 15 लक्ष्य) और जीन अभिव्यक्ति (एन = 17 लक्ष्य) का पता लगाने को अनुकूलित किया है। यह मल्टी-जीन पैनल एक साथ फ्यूजन जीन सहित 85 जीन लक्ष्यों का पता लगा सकता है जिसमें फ्यूजन पार्टनर अज्ञात होता है जैसे केएमटी2ए, एमईसीओएम्, जेएके2, पीडीजीएफआरए और एमएलएलटी1।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

रोगी उपचार

प्रोफेसर ललित कुमार (आचार्य) मल्टीपल मायलोमा, ट्रांसप्लांट और नॉन ट्रांसप्लांट, स्त्री रोग संबंधी विकृतियों वाले रोगियों और क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया, हॉजकिंस लिंफोमा आदि जैसे हेमटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों (बहरिंग और अंतरंग दोनों प्रकार के रोगियों) को उपचार प्रदान करने में शामिल रहे हैं। इन्होंने नव निदानित मल्टीपल मायलोमा के लिए दो इंडक्शन रेजिमेंस की तुलना करते हुए चरण III का यादृच्छिक परीक्षण किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान दिसंबर 2020 तक रोगियों उपचार में टेली-परामर्श और 1000 से अधिक रोगियों के ई-मेल का जवाब देना भी शामिल है।

डॉ रंजीत कुमार साहू (सह-आचार्य) बहु-विषयक यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक, एंडोक्राइन मैलिग्नेंसी क्लिनिक, एडल्ट मेडिकल अर्बुदविज्ञान क्लिनिक और ल्यूकेमिया लिम्फोमा क्लिनिक में शामिल हैं। इसके अलावा वे चिकित्सा अर्बुदविज्ञान वार्ड और स्टेम सेल प्रत्यारोपण सुविधा में भर्ती रोगियों को उपचार प्रदान करने में भी शामिल रहे हैं।

चंद्र प्रकाश प्रसाद (सहायक आचार्य)

अप्रैल 2018 से विभाग में कैंसर रोगियों के लिए दो जैव रासायनिक परीक्षण शुरू किए गए:

I. **सीरम एलडीएच एसे**
II. **सीरम एमजीआई2+ एसे**

मयंक सिंह (सहायक आचार्य)

(क) पिछले 3 वर्षों से सीएमएल रोगियों के लिए बीसीआरएबीएल प्रतिलेख के परिमाणीकरण के लिए कैंसर रोगियों के लिए पीसीआर आधारित सेवाएं (रियल टाइम और नेस्टेड पीसीआर), (कोविड महामारी के प्रकोप के दौरान सीमित कर्मचारियों और रीएजेंट की कमी के बीच इस सेवा को चलाना जारी रखा) प्रदान कर रहे हैं।

(ख) परियोजना मोड में रोगियों के लिए एलिसा आधारित वीईजीएफ़ आकलन सेवाएं (निःशुल्क)

सचिन कुमार (वैज्ञानिक II)

ल्यूकेमिया में बीसीआर-एबीएल फ्यूजन ट्रांसक्रिप्शंस का पता लगाने के लिए क्वालिटेटिव नेस्टेड आरटी-पीसीआर सेवाओं के लिए प्रयोगशाला प्रभारी।

शंपा घोष (वैज्ञानिक II)

सीरम और ब्रोन्कोएलेवोलर लैवेज (बीएएल) द्रव में गैलेक्टोमैनन एंटीजन का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला में एलिसा तकनीक पर्यावेक्षक

अप्रैल 2020-मार्च 2021 के दौरान एस्परगिलस संक्रमण के लिए रोगियों के कुल 952 नमूनों का परीक्षण किया गया है।

सुरेंद्र के. सहरावत (वैज्ञानिक II)

536 ल्यूकेमिया रोगियों के लिए पारंपरिक और आणविक कैंसर साइटोजेनेटिक।

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी सेवाएं

विकिरणित रक्त बैगों की संख्या	1199
एक्स-रे मशीन पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	1572
एक्स-रे इकाइयों में विकिरण उत्पादन माप	276
गर्भावस्था में अनजाने में जोखिम की स्थिति में सलाह	01
विकिरण संरक्षण सर्वेक्षण माप	33
एम्स में लैड एप्रन पर किया गया क्यूए परीक्षण	02
कुल	**3083**

निवारक अर्बुदविज्ञान

सामुदायिक सेवा

एम्स के बाहर स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

8 मार्च को द्वारका पुलिस स्टेशन में महिला पुलिसकर्मियों के लिए स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम।

द्वारका पुलिस स्टेशन में महिला पुलिसकर्मियों के लिए स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम

कैंसर, कारण और रोकथाम पर आमंत्रित वार्ता

विकिरण निदान

विभाग ने निम्नलिखित सेवाएं प्रदान कीं:

एक्स रे	11352
अल्ट्रासाउंड	3739
डॉप्लर	233
सी टी स्केन	4435
मेमोग्राफी	676
फ्लूरोस्कोपी प्रोसीज़र और इंटरवेंशन	362
इंटरवेंशन (यूएसजी, सीटी, गाइडिड)	967
कुल	**21764**

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग में गुणवत्तापूर्ण रोगी उपचार प्रदान करने के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं-

1. रैखिक त्वरक (आईआरसीएच में तीन और एनसीआई में 2)
2. टेलीकोबाल्ट (आईआरसीएच में दो)
3. ब्रैकीथेरेपी (आईआरसीएच में दो और एनसीआई में 1)
4. सीटी सिम्युलेटर (आईआरसीएच में एक और एनसीआई में 1)
5. एक एक्स रे सिम्युलेटर

विभाग, विभिन्न संबंधित विभागों के साथ हेड एंड नेक कैंसर क्लिनिक, न्यूरो-अर्बुदविज्ञान क्लिनिक, ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिक, जीआई मैलिग्नेंसी क्लिनिक, जीयू मैलिग्नेंसी क्लिनिक, गायनोकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी क्लिनिक, लंग कैंसर क्लिनिक चलाता है।

क. विभागीय आंकड़े (आईआरसीएच)

1.	बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल रोगी:	33069
2.	ब्रेकीथेरेपी के कुल रोगी:	316
3.	उपचार योजना और सिमुलेशन:	2169
4.	2डी और 3डी वितरण:	608
5.	कम्पेंसेंटर्स:	280
6.	परिरक्षण ब्लॉक, स्थिरीकरण उपकरण, मोल्ड:	1376
7.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक:	1440
8.	सीटी प्लानिंग:	976
9.	कीमोथेरेपी कराने वाले रोगियों की संख्या:	

ख. विभागीय आंकड़े (एनसीआई-एम्स, झज्जर)

1.	बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल रोगी:	12299
2.	ब्रेकीथेरेपी के कुल रोगी:	251
3.	सीटी प्लानिंग :	1276
4.	नियोजित नए रोगियों की कुल संख्या:	792
5.	आरटी के साथ कुल पंजीकरण:	
6.	कुल संचालित ऑपरेशन थिएटर:	

शल्यक अर्बुदविज्ञान

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियां शीर्षक के अंतर्गत : कृपया इसके बारे में जानकारी शामिल करें: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं (ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि। जहां भी उपयुक्त हो, कृपया आंकड़े भी प्रदान करें।

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1) माइनर ऑपरेशन थियेटर:

लिम्फ नोड बायोप्सी, पंच/ट्रुकट बायोप्सी, स्किन/ओरल ट्यूमर, सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर एक्सीजन, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, लॉन्ग टर्म कीमोथेरेपी के लिए हिकमैन कैथेटर/कीमो पोर्ट्स लगाने सहित डायग्नोस्टिक और माइनर चिकित्सीय प्रक्रियाएं माइनर ओटी में उपलब्ध हैं।

2) एंडोस्कोपी सेवाएं (नैदानिक और चिकित्सीय):

डायग्नोस्टिक एंडोस्कोपी: वीडियो और फाइबर ऑप्टिक अपर जीआई एंडोस्कोपी, साइड व्यूइंग डुओडेनोस्कोपी, कॉलोनोस्कोपी, सिग्मोइडोस्कोपी, ब्रोंकोस्कोपी, सिस्टोस्कोपी, नासोफेरीन्गो लैरींगोस्कोपी और लैप्रोस्कोपी।

चिकित्सीय एंडोस्कोपी: स्ट्रिक्चर फैलाव, इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी, स्टेंटिंग और परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी।

3) प्रमुख ऑपरेशन थियेटर:

सिर और गर्दन, जीआई पथ, स्तन, हड्डी और नरम ऊतक, स्त्री रोग संबंधी विकृतियों, हेपाटो-पित्त-अग्नाशयी विकृतियों और थोरैसिक ट्यूमर से जुड़े ट्यूमर के रेडिकल रिसेक्शन और पुनर्निर्माण सहित सभी प्रमुख कैंसर सर्जरी के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। उच्छेदन के बाद दोषों के पुनर्निर्माण के लिए उन्नत पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं की जाती हैं।

इसके अलावा जीआई कैंसर, थोरैसिक कैंसर और स्त्रीरोग कैंसर के लिए मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी के लिए एचआईपीईसी, सारकोमा के लिए जटिल लिम्ब साल्वेज प्रक्रियाएं और वंशानुगत कैंसर के लिए जोखिम कम करने वाली सर्जरी सहित उन्नत अत्याधुनिक सर्जिकल अर्बुदविज्ञान सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

किए गए छोटे ऑपरेशनों और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं की कुल संख्या:	3344
किए गए प्रमुख कैंसर ऑपरेशनों की कुल संख्या:	977

सामुदायिक सेवा

1. स्तन कैंसर की रोकथाम और उसका जल्दी पता लगाना। इंडियन कैंसर सोसायटी कैंसर सहयोग वेबिनार - "गुलाबी चर्चा के रूप में, 16 सितंबर 2020 नई दिल्ली।
2. एक गैर-सरकारी संगठन - चंद्रकांति देवी कैंसर फाउंडेशन के माध्यम से बिहार और झारखंड में कैंसर के लिए मुफ्त कैंसर उपचार सेवाएं प्रदान करना तथा विद्यार्थी जागरूकता फैलाना।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

संवेदनाहरण विज्ञान

प्रोफेसर सुषमा भटनागर एनसीआई, झज्जर, एम्स, नई दिल्ली में कोविड टास्क फोर्स की नैदानिक सेवाओं की अध्यक्ष थीं; एम्स, नई दिल्ली में दो महत्वपूर्ण नीतियों 'पेन पॉलिसी' और 'एंड ऑफ लाइफ केयर पॉलिसी' की निर्माता हैं। वह 2023 तक छह साल की अवधि के लिए 'काउंसिल मेंबर' इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) काउंसिल हैं; एशिया प्रशांत हॉस्पाइस नेटवर्क की परिषद सदस्य; अगस्त, 2020 में एम्सटर्डम में आयोजित होने वाली 'पीड़ा पर विश्व कांग्रेस' की वैज्ञानिक समिति की सदस्य हैं। वह - इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर की अध्यक्ष हैं। वह इम्प्लीमेंटेशन ग्रुप - लैंसेट कमीशन ग्लोबल एक्सेस टु पेन कंट्रोल एंड पैलिएटिव केयर की सदस्य हैं। वह अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल अर्बुदविज्ञान द्वारा कॉनकर कैंसर फाउंडेशन से 2018 के लिए इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट (प्रोजेक्ट आईडी 12554) की प्राप्तकर्ता हैं। उन्हें भारत में प्रशामक उपचार कार्यक्रम के 'मास्टर मेंटर' के रूप में नियुक्त किया गया है। वह राष्ट्रीय उपशामक उपचार कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की विशेषज्ञ हैं। वह एम्स में दो महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों की संस्थापक हैं - डीएम, ओन्को-एनेस्थीसिया और एमडी, प्रशामक चिकित्सा। वह विशेषज्ञ सदस्य हैं और उन्होंने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोटिक सबस्टेंस एक्ट 1985 में संसद द्वारा 2014 में एनडीपीएस अधिनियम में संशोधन लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने विकासशील देशों में 'कैंसर दर्द उपचार' पुस्तक का संपादन किया। वह इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलियेटिव केयर का सर्टिफिकेट कोर्स चला रही हैं। उन्होंने कैंसर दर्द उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश के

विभिन्न राज्यीय मेडिकल कॉलेजों में छह कार्यशालाओं का आयोजन किया। वह लैंसेट ओंकोलॉजी और ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के लेखों की समीक्षक हैं।

डॉ राकेश गर्ग को इंडियन कॉलेज ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन की *दि एजुकेशन डिवीजन ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन* द्वारा इंडियन कॉलेज ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, (एफआईसीसीएम) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया। उन्हें एशियन काउंसिल फॉर साइंस एडीटर्स के लिए परिषद सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। वह विश्व बैंक परियोजना - वर्तमान परिदृश्य और कोविड के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं संबंधी पर संस्तुति देने वाली विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित परियोजना के लिए तकनीकी समिति के सदस्य थे। वे सह-संपादक हैं - इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और इंडियन जर्नल ऑफ पेलिएटिव केयर।

डॉ सच्चिदानंदजी भारती को मेडिकल डिस्पोजेबिल्स एंड कंज्यूमेबिल्स ऑफ स्टैंडिंग कमिटी ऑन मेडिसिन्स (एसएनसीएम) नामक उप-समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। यह उप समिति, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के संशोधन के लिए बनाई गई थी। वह इंडियन जर्नल ऑफ कैंसर और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया एंड फार्माकोलॉजी के समीक्षक हैं।

डीसीआर

डॉ राजीव कुमार मल्होत्रा ने इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडियल स्टैटिस्टिक्स से प्राप्त प्रोफेसर बीजी प्रसाद पुरस्कार (2019) प्राप्त किया। यह पुरस्कार उन्हें 38वें आईएसएमएस वर्चुअल सम्मेलन 2020 में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र जिसका शीर्षक "दिल्ली, भारत में फेफड़ों के कैंसर की घटनाओं का रुझान 1988-2012: आयु-अवधि-कोहोर्ट और जॉइनपॉइंट विश्लेषण” था, पर प्राप्त हुआ और यह शोधपत्र, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन 2018 में प्रकाशित; 1647-1654 पर अनुक्रमित वैज्ञानिक पत्रिका में प्रकाशित किया गया।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर ऋतु गुप्ता को भारतीय हेमटोलॉजी और रक्त आधान सोसायटी के 61वें वार्षिक सम्मेलन में मौखिक शोधपत्र पुरस्कार ‘एम्स ओंकोलॉजी रिसर्च अवार्ड 2020’ मिला।

डॉ संजीव कुमार गुप्ता ने "मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म में आनुवंशिक परीक्षण की मूल बातें" पर मेडजीनोम प्राइमा वेबिनार प्रश्नोत्तरी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ प्रणय तंवर ने एबीपीएमटी और आईसीबीएमटी-2020 से मौखिक शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें एओजीआईएन इंडिया एकेडमिक्स में "प्राथमिक स्क्रीनिंग में एचपीवी परीक्षण का उपयोग" वार्ता में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ अमर रंजन सिंह ने केएटीआरडी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2020, सियोल, कोरिया में "मेंटल सेल लिंफोमा में पल्मोनरी नोड्यूल का मूल्यांकन" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त किया; "मेंटल सेल लिंफोमा में फेफड़े में संक्रामक घाव" शीर्षक के पोस्टर के लिए केएटीआरडी अंतरराष्ट्रीय

सम्मेलन 2020, सियोल, कोरिया में उन्हें उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ; अंडाशय के प्राथमिक गैर हॉजकिन लिंफोमा के लिए आईसीबीएमटी 2020, बुसान, कोरिया में एक दुर्लभ मामले की रिपोर्ट पर पोस्टर प्रदर्शनी पुरस्कार; 33वें वार्षिक लोर्ने कैंसर सम्मेलन 2021 में प्रदर्शक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ स्मिता गजेंद्र को "फ्लोसाइटोमेट्री एंड इट्स एप्लीकेशन्स इन बायोलॉजिकल रिसर्च एंड क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स" पर आयोजित वर्चुअल 22वीं इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री वर्कशॉप में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार मिला।

डॉ गुरविंदर कौर अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एएसएचआई) इंटरनेशनल उप-समिति की सदस्य बनीं।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर ललित कुमार, निम्नलिखित में विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे (i) डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस्ड अर्बुदविज्ञान डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स) परियोजना के लिए उपाध्यक्ष: (ii) सदस्य- स्टेम सेल रिसर्च एंड थेरेपी (आईसीएमआर) - नई दिल्ली के लिए राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति (iii) सदस्य-सीएआरटी सेल थेरेपी (18.08.2021) पर प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए विशेष तकनीकी विशेषज्ञ समिति (डीबीटी) (iv) विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार- 2020 के लिए सदस्य सलाहकार समिति (14.09.2020) (v) सदस्य नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली की फेलोशिप के लिए सलाहकार पैनल में शामिल रहे (vii) सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति: बीआईआरएसी (बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल): नेटवर्क ऑफ क्लिनिकल ओंकोलॉजी ट्रायल इन इंडिया। वे इन के भी सदस्य रहे- चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में संकाय-सदस्य चयन समिति के लिए संकाय-चयन समिति निम्नलिखित के लिए - (i) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (14.08.2021) (ii) के.जी. मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ (04.01.2021)। (iii) ईएसआई-पीजीआईएमएसआर, बसई दारापुर, नई दिल्ली (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान में विशिष्ट विशेषज्ञ)। वह (i) पीएचडी (मद्रास विश्वविद्यालय, जेएनसीएएसआर (जवाहर लाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च) बैंगलोर में परीक्षक थे; (ii) डीएम चिकित्सा अर्बुदविज्ञान- डॉ. बी बोरूच कैंसर इंस्टीट्यूट (एसएस यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज-गुवाहाटी) 25.05.201 (iii) मेडिकल अर्बुदविज्ञान में डीएनबी के लिए परीक्षक (पेपर सेटर, थीसिस मूल्यांकन) 2020-2021। (iV) एमडी और डीएम थीसिस (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़)। वह सदस्य, वैज्ञानिक समिति, गैर संचारी रोग, आईसीएमआर; सदस्य, शासी परिषद, सन फार्मा साइंस फाउंडेशन; सदस्य, विज्ञान समिति, कैंसर संस्थान, अड्यार, चेन्नई; सदस्य (विषय विशेषज्ञ), नैतिकता समिति, धर्मशिला कैंसर अस्पताल, नई दिल्ली भी रहे। वह कैंसर में वर्तमान समस्याओं के लिए एसोसिएट संपादक (एशिया) (एल्सेवियर) हैं; सदस्य, संपादकीय बोर्ड - इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) (आईसीएमआर, मेडनो) (iii) कैंसर मेडिसिन (विले ऑनलाइन लाइब्रेरी) और ओन्कोलॉजी (कारगर)। वह एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया के प्रबंधन के लिए कंसेंशस दस्तावेज समिति के अध्यक्ष हैं। विवरण https://main.icmr.nic.in/sites/defau lt/files/guidelines/Acute_Myeloid_Leucemia पर दिया गया है और इसे आईसीएमआर: नॉन कम्युनिकेबल डिवीजन द्वारा आरंभ किया गया है।

प्रोफेसर अतुल शर्मा को क्लिनिकल अनुसंधान में वर्ष 2019 में "अर्बुदविज्ञान रिसर्च अवार्ड" के रूप में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया, उनके शोध का शीर्षक है - 'संशोधित जेमिसिटाबाइन और ऑक्सिप्लिप्टिन या जेमिसिटाबाइन और सिस्प्लैटिन इन अनरिसेक्टेबल गॉलब्लैडर कैंसर: एक चरण III के परिणाम यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण' और इसे एम्स, नई दिल्ली द्वारा संचालित किया गया।

डॉ रंजीत कुमार साहू को मुंबई हेमटोलॉजी ग्रुप द्वारा आयोजित एक सेमिनार में सर्वश्रेष्ठ डिबेटर का पुरस्कार मिला।

डॉ राजा प्रमाणिक, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान की रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी (आरईएसएमओ), चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, इंडो-यूके जेनेटिक एजुकेशन फोरम, नई दिल्ली के तत्वावधान में भारतीय कैंसर जेनेटिक्स और जीनोमिक्स सम्मेलन के आयोजन सचिव थे।

डॉ दीपम पुष्पम ने आईएसएमओएस 2021 दिल्ली में 'मेटास्टैटिक सॉफ्ट टिश्यू सार्कोमा में ओरल मेट्रोनोमिक थेरेपी और पाज़ोपानिब की तुलना करते हुए एक पूर्वव्यापी विश्लेषण' शीर्षक वाले ई-पोस्टर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद ने भेषजगुण विज्ञान विभाग, जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, मैसूरु; डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जामिया हमदर्द; बायोलॉजिकल साइंसेज के नए विभाग, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलियरी साइंसेज, नई दिल्ली में पीएचडी थीसिस के लिए मूल्यांकनकर्ता/ बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया। पीएच.डी. शीर्षक "यकृत पुनर्जनन में अस्थि मज्जा और ऊतक व्युत्पन्न मैक्रोफेज की भूमिका का अध्ययन करना" था। उन्होंने ईएसीआर प्रायोजित 'मीट द एक्सपर्ट' वेबिनार में 'जोन सियोन' के साथ भाग लिया जिसका शीर्षक था- 'लिक्विड बायोप्सी और ब्रेन ट्यूमर एवं मेटास्टेसिस में नवीन चिकित्सीय लक्ष्य'; हेरीक्योर वेलिन यूनिवर्सिटी सम्मेलन 'कोविड-19 के उपचार के लिए प्राकृतिक बायोएक्टिव यौगिकों का प्रभाव: नैदानिक चुनौतियाँ और भविष्यवादी दृष्टिकोण' में हिस्सा लिया; एबकेम द्वारा आयोजित 'कैंसर और चयापचय' पर डिजिटल चर्चा; ईएसीआर सदस्यों के लिए ईएसीआर 2020 वर्चुअल कांग्रेस और आईएलएस, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्हें एफ.एस.एल.साइंस सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज, एमपी, भारत में फैलो के रूप में शामिल किया गया। वह एम्स, नई दिल्ली में 21 और 22 नवंबर 2020 को आयोजित भारतीय कैंसर आनुवंशिकी और जीनोमिक्स सम्मेलन 2020 में 'अत्याधुनिक जीनोमिक प्रौद्योगिकी' सत्र के अध्यक्ष थे।

डॉ मयंक सिंह एम्स नई दिल्ली में "भारतीय कैंसर आनुवंशिकी और जीनोमिक्स सम्मेलन 2020" के सत्र में पैनलिस्ट थे। उन्हें आईएसीआर (इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च) समाचार पत्र के लिए सह-संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ सचिन कुमार (वैज्ञानिक II) को 'नाल्कोन 2020' में 'फेफड़ों के कैंसर में पीडी-एल1 और पीडी-एल1 नियामक माइक्रोआरएनए की अभिव्यक्ति का विश्लेषण' शीर्षक से मौखिक शोधपत्र प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया: मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर, दिल्ली द्वारा वर्चुअल प्लेटफॉर्म

पर आयोजित इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑन लंग कैंसर (आईएसएसएलसी) के 10वें वार्षिक सम्मेलन में भी उन्होंने हिस्सा लिया।

डॉ सुरेंद्र के. सहरावत (वैज्ञानिक I) ने स्नातकोत्तर डीएम विद्यार्थी, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली के लिए 7वीं और 8वीं पारंपरिक कैंसर साइटोजेनेटिक कार्यशाला का आयोजन किया।

चिकित्सा भौतिकी

डॉ प्रतीक कुमार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (आईईसी) तकनीकी समिति टीसी62 और इसकी विभिन्न उप-समितियों और चिकित्सा विकिरण उपकरण, विकिरण डोसीमीटर तथा विकिरण सुरक्षा से संबंधित कार्य समूहों के लिए नामित किया गया था; वे एसबीआईआरआई (लघु व्यवसाय नवाचार अनुसंधान पहल), पीएसीई (उद्यम में शैक्षणिक अनुसंधान रूपांतरण को बढ़ावा देना) और बीआईपीपी (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग भागीदारी कार्यक्रम) के तहत बीआईआरएसी को प्रस्तुत परियोजनाओं के लिए कार्यक्रम निगरानी समिति के सदस्य बनाए गए; साथ ही वे, वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न आयनीकरण आधारित प्रौद्योगिकियों को देखने के लिए डीएसटी विशेषज्ञ पैनल द्वारा गठित उप-समिति के सदस्य रहे; रेडियोलॉजिकल भौतिकी में संकाय सदस्यों के चयन के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग में बाहरी विशेषज्ञ; बीएससी चिकित्सा प्रौद्योगिकी (रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग), एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ अध्ययन बोर्ड की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ; सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान और अस्पताल, लखनऊ के लिए प्रश्नपत्र निर्धारक; मेडिकल फिजिक्स के अंतरराष्ट्रीय दिवस और एक्स-रे की खोज की 125वीं वर्षगांठ पर एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर द्वारा आयोजित वर्चुअल संगोष्ठी में "रेडियोथेरेपी, रेडियोलॉजी इमेजिंग और मेडिकल भौतिकी पर एक्स-रे खोज का प्रभाव" नामक पैनल चर्चा के लिए मॉडरेटर रहे; सॉलिड स्टेट न्यूक्लियर ट्रैक डिटेक्टरों और उनके अनुप्रयोगों पर 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में; राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्थापित एनआरडीसी राष्ट्रीय मेधावी नवाचार पुरस्कार 2020 के लिए विशेषज्ञ रहे; सदस्य सचिव, विकिरण सुरक्षा समिति, एम्स; मेडिकल फिजिक्स जर्नल के लिए रेफरी, जर्नल ऑफ ल्यूमिनेसेंस (एल्सेवियर), इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजिकल इमेजिंग, यूरोपियन जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स (एल्सेवियर); एमएससी रेडियोग्राफी, यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल के लिए परीक्षक; संपादक, मेडिकल फिजिक्स गजट, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया (एएमपीआई) का न्यूज़लेटर; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, मेडिकल फिजिक्स जर्नल; सदस्य इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरण अनुभागीय समिति, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) नई दिल्ली भी रहे।

विकिरण निदान

डॉ एस.एच. चंद्रशेखर को इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग द्वारा 2020 में इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी (एफआईसीआर) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ मुकेश कुमार को 2021-22 के लिए 'भारतीय आपातकाल विकिरण विज्ञान' के लिए सोसाइटी के कोषाध्यक्ष के रूप में पुनः नियुक्त किया गया।

डॉ एकता धमीजा, ऑन्कोलॉजिकल इमेजिंग प्रोटोकॉल तैयार करने और कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय, एंडोमेट्रियम और सार्कोमा में रिपोर्टिंग चेकलिस्ट तैयार करने के लिए ओन्को-इमेजिंग सबस्पेशलिटी टास्क फोर्स की टीम सदस्य हैं और उन्हें दो वर्ष (2019-2021) की अवधि के लिए ब्रेस्ट इमेजिंग सोसाइटी ऑफ इंडिया के गवर्निंग काउंसिल सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

डॉ जी के रथ परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), भारत सरकार के सदस्य हैं; एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, बेंगलुरु में कैंसर पर अनुसंधान क्षेत्र पैनल (आरएपी) के अध्यक्ष; द्वितीय परिसर, सीएनसीआई, कोलकाता के लिए उच्च शक्तिप्राप्त समिति के अध्यक्ष; राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, बैंगलोर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फरीदाबाद में व्यापक विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग की स्थापना में सहायता के लिए विशेषज्ञ; निदेशक आईसीएमआर-राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों पर कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के पद के लिए आईसीएमआर खोज सह चयन समिति के सदस्य; रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स, रायपुर के लिए ऑनलाइन एपीएस साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ। वह एआईपीएच विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान और अस्पताल, लखनऊ के शासी निकाय के सदस्य हैं; 4 क्षेत्रीय कैंसर केंद्रों (आरसीसी) के सदस्य, शासी निकाय: आचार्य तुलसी आरसीसी, बीकानेर, आचार्य हरिहर आरसीसी, कटक, आरसीसी, अगरतला, और आरसीसी, इलाहाबाद हैं; इंडो यूएस एडवांस्ड रेडियोथेरेपी कंसोर्शियम (आईयूएस-एआरसी) वर्किंग ग्रुप के सदस्य और सीएनसीआई, कोलकाता की अकादमिक और अनुसंधान परिषद (एसएआरसी) के स्थायी सदस्य हैं।

डॉ सुभाष गुप्ता, डॉ. एस.एन. मेडिकल कॉलेज, जोधपुर में विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग में बाहरी परीक्षक रहे; इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में बीई व्यावहारिक परीक्षा की विशेषज्ञता में एनबीई व्यावहारिक परीक्षा; थीसिस फॉरेसिसफोरपिटल, नई दिल्ली और चंडीगढ़ के लिए शोधपत्र का मूल्यांकन किया; इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में बीई व्यावहारिक परीक्षा की विशेषता में एनबीई व्यावहारिक परीक्षा; एम्स जोधपुर और उदयपुर आरएनटी मेडिकल कॉलेज के दो शोधपत्रों का मूल्यांकन। वह राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी में ओएससीई मॉडल प्रश्नों की तैयारी के विशेषज्ञ थे। 26 मार्च 22021 को उदयपुर आरएनटी मेडिकल कॉलेज में शोधपत्र मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक।

डॉ हरेश केपी राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी में प्रश्नों की तैयारी के लिए ओएससीई कार्यशाला के समन्वयक और विशेषज्ञ थे; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी में डीएनबी व्यावहारिक परीक्षा; वर्ष 2020 के लिए रेडियोथेरेपी में डीएनबी थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक बनाए गए। वह भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली के अर्बुदविज्ञान में परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य थे; आईसीएमआर, नई दिल्ली में अनुसंधान पद्धति प्रकोष्ठ की परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य। वह प्रोस्टेट कैंसर में एआरएएनओटीई अध्ययन-दारोलुटामाइड के लिए संचालन समिति के सदस्य थे। वह प्रोस्टेट कैंसर में डारोलुटामाइड के अंतरराष्ट्रीय एआरएएनओटीई अध्ययन के लिए भारत के प्रमुख प्रधान अन्वेषक हैं।

डॉ सुप्रिया मल्लिक को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

प्रोफेसर एसवीएस देव को भारत सरकार द्वारा "भारत में कम लागत वाला कैंसर उपचार" पर अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक विशेषज्ञों के सहयोग से आयोजित वैभव कार्यक्रम के लिए अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है; उन्हें आईसीएमआर द्वारा "भारत में कैंसर उपचार के लिए टेलीमेडिसिन दिशानिर्देश" विकसित करने के लिए बहु-विषयक टीम के संयोजक के रूप में नामित किया गया। उन्हें यूरोपियन सोसाइटी ऑफ सर्जिकल अर्बुदविज्ञान द्वारा "एलएमआईसी में कैंसर सर्जरी पर कोविड के प्रभाव" पर मुख्य व्याख्यान देने के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें प्रतिष्ठित "वेलकम-डीबीटी अनुसंधान अनुदान" द्वारा मुख्य अन्वेषक के रूप में "सुरखा ब्रेस्ट कैंसर जेनेटिक्स" परियोजना के लिए सीड फंडिंग से सम्मानित किया गया। उन्हें आईजीआईपीजीएमआर, पटना में विश्व कैंसर दिवस समारोह के दौरान "सर्जिकल अर्बुदविज्ञान के अतीत, वर्तमान और भविष्य" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें कोषाध्यक्ष "ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल", स्विट्जरलैंड के रूप में चुना गया था; अध्यक्ष "इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसीज"; उन्हें "भारत के स्तन सर्जन संघ" के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष "एनसीआर अर्बुदविज्ञान फोरम" के रूप में चुना गया; डॉ. एसवीएस देव को यूपीएससी, एम्स जोधपुर, आईजीआईपीजीएमएस पटना द्वारा संकाय-सदस्य चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

शल्यक अर्बुदविज्ञान

क. प्रोफेसर डेविड विंट्रीट, शल्यक अर्बुदविज्ञान के आचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोसिन, यूएसए, वर्चुअल विजिट।

ख. प्रोफेसर रॉबर्ट सेरफोलियो, वक्ष अर्बुदविज्ञान के आचार्य, एनवाईयू, न्यूयॉर्क, यूएसए, वर्चुअल विजिट।

ग. प्रोफेसर संजय वारियर, शल्यचिकित्सा के आचार्य, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, वर्चुअल विजिट।

10.4. डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

प्रमुख एवं आचार्य, नेत्र विज्ञान

अतुल कुमार

आचार्य

प्रदीप शर्मा (जनवरी 2021)	रमनजीत सिहोटा	जे एस टिटियाल
राधिका टंडन	एस.के. खोखर	शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)
दिलीप आर शेंडे (नेत्र संवेदनाहरण)	मंदीप सिंह बजाज	राजपाल वोहरा
सीमा सेन (नेत्र विकृति विज्ञान)	संजय शर्मा (विकिरण-निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति विज्ञान)
नम्रता शर्मा	तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)
नीलम पुष्कर	टी. वेलपांडियन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ठ
जसबीर कौर (ओकुलर बायोकैमिस्ट्री)	रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता (नेत्र संवेदनाहरण)
रेणु सिन्हा	तुषार अग्रवाल	एम वनाथी
राजेश सिन्हा	भावना चावला	पारिजात चंद्र

अपर आचार्य

सेंजम सूरज सिंह (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	आलोक कुमार रवि (नेत्र जैवरसायन)	नबनिता हलदर (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)

सह-आचार्य

नूपुर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	स्वाति फुलजले	विवेक गुप्ता (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)
	निशात हुसैन अहमद (नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान)	

सहायक आचार्य

शिखा गुप्ता	नेईवेटे लोमी	देवांग अंगमो
प्रफुल्ल महाराणा	शौर्य वर्धन आज़ाद (नेत्र संवेदनाहरण)	कनील रंजीत कुमार
रेबिका	अरशद अयूब (नेत्र संवेदनाहरण)	अमर पुजारी
	मनप्रीत कौर	

विशिष्टताएं

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, देश में नेत्र उपचार के लिए शीर्ष केंद्र, रोगियों की देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के लिए अत्याधुनिक उपकरणों और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एक प्रमुख सुपर-स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। डॉ. रा.प्र. केंद्र की कुछ प्रमुख विशेषताओं में निम्न शामिल हैं:

- रेटिना यूनिट बाल चिकित्सा मोतियाबिंद, अपवर्तक सर्जरी, विट्रो-रेटिना, यूवीए और प्रीमैच्योरिटी (आरओपी) की रेटिनोपैथी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करती है। यह एकक बाल चिकित्सा मोतियाबिंद सर्जरी और सर्जरी पश्चात दृश्य प्राप्ति में विशिष्ट है। यहां डायबिटिक रेटिनोपैथी, वैस्कुलर ऑक्लूजन, उम्र से संबंधित धब्बेदार अध: पतन, रेटिनल डिटैचमेंट और यूवाइटिस जैसे विभिन्न दृष्टि-कमजोर करने वाले विट्रो-रेटिनल विकारों का भी उपचार किया जाता है। यह एकक नवीनतम सुपरलेस 27जीविट्रो-रेटिनल सर्जरी करती है। यहां अत्याधुनिक इमेजिंग और जांच उपकरण और लेजर डिलीवरी सिस्टम उपलब्ध है।
- **एकक IV** ग्लूकोमा, स्ट्रैबिस्मस और न्यूरो-नेत्र विज्ञान की विशिष्टताओं के लिए जिम्मेदार है।
- **एकक V** समर्पित स्ट्रैबिस्मस, पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी, न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी, ऑकुलोप्लास्टी और ऑक्यूलर ऑन्कोलॉजी सेवाएं उत्कृष्ट रोगी उपचार सेवा प्रदान करना जारी रखती हैं।
- **एकक VI** ने नेत्र संबंधी विकृतियों के उपचार के लिए प्लाक ब्रैकीथेरेपी शुरू की। अतिरिक्त पुनर्वास सेवाओं के साथ उन्नत निम्न दृष्टि सेवाएं। एम्स के दिशानिर्देशों के तहत आरपीसी ने भारत में लॉकडाउन के दौरान टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से 3296 रोगियों (कुल- 5136) को सफलतापूर्वक उपचार किया। मरीजों ने अपने-अपने एकक के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लिया।
- **राष्ट्रीय नेत्र कोष (एनईबी)** : शिक्षण, अनुसंधान और रोगी उपचार में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। कॉर्नियल नेत्रहीनता को खत्म करने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे एनईबी में एक दिन में उत्तर भारत में 10500 प्रतिज्ञाएं, एक दिन में 22 कॉर्नियल प्रत्यारोपण और एक ही दिन में 21 आधुनिक कॉर्नियल सर्जरी (डीएसएईके) शामिल हैं। पिछले 10 वर्षों में एनईबी उपयोग दर लगातार 70% से अधिक है। पिछले 4 वर्षों से, सालाना 1000 से अधिक कॉर्नियल प्रत्यारोपण किए गए हैं। एनईबी गतिविधियों में ऊतक पुनर्प्राप्ति, सीरोलॉजिकल जांच (एचआईवी -1, एचआईवी -2, एचसीवी, एचबीवी और सिफलिस), ऊतक प्रसंस्करण, ऊतक भंडारण, ऊतक मूल्यांकन, स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी, स्लिट-लैंप माइक्रोस्कोपी, प्रशिक्षण और कार्यशाला, नेत्रदान प्रोत्साहन, शिक्षण, अनुसंधान और शिक्षा शामिल हैं।
- **नेत्र विकृतिविज्ञान:** मैलिग्नेंट लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर के मॉलिक्यूलर कैरेक्टराइजेशन, ऑटोइम्यून रेटिनाइटिस में एंटीरेटिनल एंटीबॉडी, ऑर्बिटल ट्यूमर में मॉलिक्यूलर लक्ष्य की पहचान और विशेषज्ञता के क्षेत्र में शोध किया जा रहा है : इनोवेटिव चिकित्सीय रणनीतियों का आधार, कोलेजन की वैरिएबल जीन एक्सप्रेशन और संबंधित डिग्रेडेटिव एंजाइम मायोपिया के रोगियों में मानव कांच में मौजूद, यूवील मेलेनोमा में पिग्मेंटेशन मार्कर, रेटिनोब्लास्टोमा में जलीय हास्य से ट्यूमर डीएनए नमूनाकरण और ओकुलर मैलिग्नेंसी में रिसेप्टर टाइरोसिन किनेज।

- **नेत्र भेषजगुण विज्ञान और फार्मेसी(ओकुलर फार्माकोलॉजी एंड फ़ार्मेसी)** : "स्टेराइल फ़ार्मास्युटिकल तैयारी के लिए ट्रांसरेकॉन® तकनीक का विकास और सत्यापन" नामक परियोजना के लिए बड़ा अनुदान (बीआईआरएसी) प्राप्त किया, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन बीएमजीएफ और डीबीटी द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित रोगाणुरोधी प्रतिरोध को संबोधित करने के लिए परियोजना के लिए प्रतिष्ठित ग्रैंड चैलेंज अवार्ड प्राप्त किया। दिल्ली और एनसीआर में सतह और भूजल में एंटीबायोटिक सहित बायोएक्टिव यौगिकों का वैज्ञानिक विश्लेषण चल रहा है जो स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन की पहल का एक हिस्सा है। सरकारी नेत्र बैंकों के लिए लंबे समय तक भंडारण मीडिया आरपीसी एक्सोस्टरोल की शुरुआत की।
- **नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान:** वर्ष के अधिकांश समय के लिए देशव्यापी लॉकडाउन (तालाबंदी) के बावजूद, अनुभाग ने पिछले वर्ष के दौरान लगभग 13,000 नमूनों को बैक्टीरियल कल्चर और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण जैसी विभिन्न जांचों के लिए संसाधित किया; कवक कल्चर; *एकैंथअमीबा* आंख और सीएनएस संक्रमण के लिए कल्चर और पीसीआर; क्लैमाइडिया एंटीजन डिटेक्शन, सीरोलॉजी, आंखों के संक्रमण से पीसीआर परख और पुरुष और महिला जननांग पथ के संक्रमण; हरपीज सिंप्लेक्स वायरस एंटीजन का पता लगाना; पीसीआर घर के अंदर और बाहर के मरीजों के बैक्टीरिया, फंगस, वायरस, *क्लैमाइडिया* और *एकैंथअमीबा* आदि की जांच करता है। क्लैमाइडियल संक्रमण, वायरल संक्रमण और *एकैन्थअमीबा* संक्रमण की जांच भी प्रदान की गई। कोविड -19 के नोडल अधिकारी और केंद्र की कोविड -19 समिति के सदस्य सचिव के रूप में डॉ निशात हुसैन अहमद ने 600 से अधिक एचसीडब्ल्यू को प्रशिक्षित किया है और निगरानी के लिए शिक्षाप्रद वीडियो बनाया है। उन्होंने एसओपी, पोस्टर और डिस्प्ले और कोविड-19 नमूना संग्रह सुविधा बनाने के लिए काम किया है। नेत्र संक्रमण के निदान के साथ-साथ रोगी देखभाल सामग्री और क्षेत्रों की सुरक्षा बनाए रखना, संपर्क अनुरेखण (कांटेक्ट ट्रेसिंग), पीपीई का मूल्यांकन, और पीपीई उपयोग की निगरानी और संक्रमण नियंत्रण संबंधी कार्य किए जा रहे हैं।
- **सामुदायिक नेत्र विज्ञान:** सामुदायिक नेत्र विज्ञान, वंचित क्षेत्रों में 18 दृष्टि केंद्रों के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों के अलावा व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं, समुदाय में आउटरीच नेत्र शिविर के साथ-साथ नेत्रहीनों के लिए स्कूलों, स्कूल दृष्टि जांच, कम दृष्टि पुनर्वास और महामारी विज्ञान अनुसंधान और सर्वेक्षण, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, सामुदायिक जागरूकता और संघटन जैसी गतिविधियों में शामिल है। सामुदायिक नेत्र विज्ञान वर्तमान में एनपीसीबी और वीआई, डीएचआर, आईसीएमआर, डीएसटी जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी में नेत्र उपचार अनुसंधान और सेवाओं पर 11 परियोजनाएं चला रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके, ओआरबीआईएस, साइटसेवर्स, विजनस्प्रिंग, ऑपरेशन आईसाइट यूनिवर्सल, सीबीएम आदि जैसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ सहयोग विकसित किया गया है। इस पहल के तहत, दृष्टि बाधित लोगों को सामुदायिक नेत्र विज्ञान के पुनर्वास की एक टीम द्वारा दृष्टि पुन: प्राप्ति सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। ओरिएंटेशन और गतिशीलता, पढ़ना और लिखना पुनर्वास सेवाएं, कम दृष्टि का मूल्यांकन,

व्यावसायिक प्रशिक्षण पर परामर्श, दैनिक जीवन की गतिविधियां (एडीएल), इंस्ट्रुमेंटल एडीएल, विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करना, पर्यावरण और प्रकाश संशोधन के लिए सलाह सेवाओं के विभिन्न घटक है जिसे जरूरतमंद मरीज और परिवार के सदस्यों आदि को प्रदान किये जाते हैं।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान ने नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी और वीआई), भारत सरकार, विजन 2020 और ऑर्बिस इंटरनेशनल के सहयोग से भारत भर में बाल चिकित्सा नेत्र उपचार सेवाओं 2020 के लिए मानव संसाधन और अवसंरचना पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण पूरा किया। सर्वेक्षण में अवसंरचना और सेवाओं के संबंध में देश भर के लगभग 7900 नेत्र उपचार संस्थानों से ऑनलाइन डेटा संग्रह शामिल था। सर्वेक्षण के परिणामों को भारत विजन एटलस बनाने के लिए जोड़ा गया है जिसमें सर्वेक्षण के निष्कर्षों को पिछले राष्ट्रीय दृष्टिहीनता और दृष्टिबाधित सर्वेक्षण 2015-19 के साथ प्रदर्शित किया गया है।

शिक्षा

केंद्र सक्रिय रूप से स्नातक पूर्व एमबीबीएस, बीएससी (ऑप्टोमेट्री) और नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल है।

रा.प्र. केन्द्र में नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं अन्य प्रशिक्षु 2020-21	संख्या
वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर	54
नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर छात्र	115
उत्तीर्ण एमडी की संख्या	39
उत्तीर्ण बीएससी ऑप्टोमेट्रिस्ट छात्र	12
उत्तीर्ण पीएचडी छात्रों की संख्या	1
रा.प्र. केंद्र में अल्पावधि/दीर्घावधि प्रशिक्षुओं का विवरण	5

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. फेकमूल्सीफिकेशन और अपवर्तक सर्जरी कार्यशाला (ऑनलाइन) का आयोजन किया गया। 10 जनवरी 2021, डॉ. रा.प्र. केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रेक्टिव सर्जन (आईएससीकेआरएस), के वार्षिक जीबीएम के साथ लाइव आईएससीकेआरएस वेब कांफ्रेंस 2020 का आयोजन किया गया, नवंबर 2020I
3. रा.प्र. केन्द्र, एम्स नई दिल्ली में 35वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े समारोह (ऑनलाइन) के आयोजन अध्यक्ष। अगस्त 2020।
4. स्ट्रैबिस्मस कार्यशाला, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स, 19 जुलाई 2020, नई दिल्ली
5. ग्लूकोमा कार्यशाला, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स, 23 अगस्त 2020, नई दिल्ली
6. कॉर्निया कार्यशाला, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली, 18 अक्टूबर 2020
7. इंडियन ऑप्थल्मोलॉजी नेटवर्क (आईओएन) अपवर्तन पर ऑनलाइन श्रृंखला - 3 मॉड्यूल: अपवर्तन श्रृंखला: मॉड्यूल 1: मायोप और हाइपेरोप में अपवर्तन और प्रिस्क्रिप्शन दिशानिर्देश, अपवर्तन श्रृंखला: मॉड्यूल 2: दृष्टिवैषम्य और अपवर्तन श्रृंखला: मॉड्यूल 3: विशेष परिस्थितियों में अपवर्तन और प्रिस्क्रिप्शन।

8. 5 सितंबर 2020 को दिल्ली फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी के तत्वावधान में "कोविड-19 चुनौतियां निदान और फार्माकोथेरेपी" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान:

एस के खोखर: 14	**राजपाल वोहरा: 4**	**विनोद कुमार: 10**
शौर्य वर्धन आजाद: 2	**पारिजात चंद्र: 6**	**रोहन चावला: 9**
जेएस टिटियाल: 21	**नम्रता शर्मा: 21**	**तुषार अग्रवाल: 5**
मनप्रीत कौर: 14	**रमनजीत सिहोटा: 5**	**तनुज दादा: 14**
रोहित सक्सेना: 17	**विनी गुप्ता: 1**	**शिखा गुप्ता: 9**
देवांग एंगमो: 8	**रेबिका: 3**	**प्रदीप शर्मा: 19**
एमएस बजाज: 4	**नीलम पुष्कर: 5**	**स्वाति फुलजले आलोक: 10**
रचना मील: 5	**अमर पुजारी: 3**	**राधिका टंडन: 21**
एम वनाथी: 12	**नूपुर गुप्ता: 5**	**नेईवेटे लोमी: 5**
निशात हुसैन अहमद: 1	**सीमा कश्यप: 1**	**सीमा सेन: 1**
रेणु सिन्हा: 3	**टी वेलपांडियन: 8**	**प्रवीण वशिष्ठ: 22**
सेंजम सूरज सिंह: 13	**विवेक गुप्ता: 4**	**संजय शर्मा: 3**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 56

अनुसंधान

वित्त पोषित

जारी

1. लेबर के वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसीबो की तुलना में इडेबेनोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक प्रायोगिक अध्ययन। स्वाति फुलजले आलोक, इंट्राम्यूरल अनुदान। 2 साल (2018-जारी), 4,32,000 रुपये प्रति वर्ष।
2. एक महत्वपूर्ण चरण II / III, क्यूपीआई-1007 का यादृच्छिक, डबल-मास्कड, शम-नियंत्रित परीक्षण तीव्र (एक्यूट) गैर-धमनी पूर्वकाल इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (NAION) वाले विषयों के लिए एकल या बहु-खुराक इंट्राविट्रियल इंजेक्शन द्वारा वितरित किया गया। रोहित सक्सेना, क्वार्क फार्मास्युटिकल्स इंक 4 साल (2017-2021), 32 लाख रुपये।
3. दिल्ली की बस्तियों और पुनर्वास कॉलोनियों में वंचित आबादी के लिए व्यापक आउटरीच नेत्र उपचार सेवा के लिए एक सतत मॉडल। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय। 5 साल (2018-2022), 1,25,10,800 रुपये।
4. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र उपचार सेवा के लिए एक सतत मॉडल। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय। 5 साल (2017-2022), 77,12,242 रुपये।
5. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र देखभाल सेवा के लिए एक सतत मॉडल। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकॉर्प। 3 साल (2018-2021), 37,04,530 रुपये।

6. एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना "बायो इंजीनियर कॉर्निया (केराटाइटिस रोगियों में संभावित नैदानिक अनुप्रयोग के लिए) का व्यवहार्य डाटा - एक इन-विट्रो अध्ययन" (मानव नैदानिक परीक्षण के लिए) तैयार करना। डॉ. राधिका टंडन, एम्स। 2 साल (2019-2021), 5 लाख रुपये।

7. भारत में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के विकास पर एक क्रियात्मक अनुसंधान (आपरेशनल रिसर्च)। डॉ. सूरज सिंह सेंजम/प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, क्रिस्टोफेल ब्लाइंड मिशन (सीबीएम)। 3 साल (2015-2021), 37,61,475.97 रुपये।

8. दिल्ली और एनसीआर में फाथेलेट्स और मेटाबोलाइट्स सहित उच्च मात्रा वाले रसायनों की जलीय भेद्यता। डॉ टी वेलपांडियन, डीएसटी, भारत सरकार। 3 साल (2020-2023), 57.13 लाख रुपये।

9. पीके सिमुलेशन आधारित फार्माकोकाइनेटिक अनुमानों का उपयोग करके क्लोरोक्वीन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के सुरक्षित प्लाज्मा स्तरों का मूल्यांकन। डॉ टी वेलपांडियन, एम्स। 1 साल (2020-2021), 4.99 लाख रुपये।

10. सीबीएम- आरपीसी विकलांगता (दिव्यांगता) नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम और एलवी और पुनर्वास सेवाओं का सुदृढ़ीकरण। रोहित सक्सेना, सीबीएम। 5 साल (2015-2020), चालू वर्ष के लिए 12,42,000 रुपये।

11. भारतीय आबादी में निकट दृष्टि (मायोपिया) के लिए अर्ली जेनरेशन गैस पारगम्य कॉर्नियल अपवर्तक चिकित्सा संपर्क लेंस के अध्ययन के लिए नैदानिक मूल्यांकन और प्रभावकारिता। प्रो. जे.एस. टिटियाल, वीस्क्वेयर मेडी इंटरप्राइजेज, भारत। 3 साल (2018-2021), 16,00,000 रुपये।

12. द्विपक्षीय सिकाट्राइजिंग ऑक्यूलर सरफेस डिजीज, यानी स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम और केमिकल बर्न (प्रोजेक्ट कोड नंबर बीटी-1829) के रोगियों में संवर्धित मौखिक म्यूकोसल एपिथेलियल प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन। डॉ. राधिका टंडन, डीबीटी। 3 साल (2017-2020), 21,05,368 रुपये।

13. बैक्टीरियल केराटाइटिस के प्रबंधन के लिए मानक संयोजन चिकित्सा के साथ उच्च शक्ति सामयिक लेवोफ़्लॉक्सासिन (1.5%) मोनोथेरेपी की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। प्रो. नम्रता शर्मा, सैंटन फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड 1 साल (2020-2021), 4.25 लाख रुपये।

14. नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में यूवी विकिरण जोखिम और मायोपिक अपवर्तक त्रुटि द्वारा मापी गई बाहरी गतिविधि के बीच संबंध। रोहित सक्सेना, ओर्बिस। 1.5 साल (2019-2020), 10,00,000 रुपये।

15. स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत भारतीय नेत्र बैंकों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट संरक्षण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण मानकों का विकास और एमके मीडिया का वितरण। डॉ. टी वेलपांडियन, एमएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार। 14 साल (2009-2023), 129 लाख रुपये।

16. स्टेराइल फार्मास्युटिकल तैयार करने के लिए ट्रांस रीकॉन तकनीक का विकास और सत्यापन। डॉ. टी वेलपांडियन, बीआईआरएसी (बिग ग्रांट), वेंचर सेंटर। 18 महीने (2019-2021), 28.3 लाख रुपये।

17. यूवेल मेलानोमा में ट्यूमर-एसोसिएटेड मैक्रोफेज के साथ पिग्मेंटेशन मार्करों की विभेदक भूमिका। सीमा कश्यप, आईसीएमआर। 3 साल (2019-2022), 35 लाख रुपये।
18. कम दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में दिव्यांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम। डॉ. राधिका टंडन, क्रिस्टोफेल ब्लाइंड मिशन (सीबीएम)। 5 साल (2015-2020), 6,12,000 रुपये।
19. ग्लूकोमा के रोगियों में अंतःकोशिकीय दबाव, जीवन की गुणवत्ता, भड़काऊ मार्करों और जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव। तनुज दादा, आईसीएमआर। 3 साल (2019-2022), 25 लाख रुपये।
20. ग्लूकोमा में यूनानी सूत्रीकरण की चिकित्सीय क्षमता को स्पष्ट करना। डॉ. जसबीर कौर, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय। 3 साल (2020-2023), 49,81,494 रुपये।
21. भारत में परिहार्य अंधेपन का महामारी विज्ञान अध्ययन। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय। 5 साल (2015-2021), 5,28,08,000 रुपये।
22. मोतियाबिंद कराने वाले रोगियों में प्री-ऑपरेटिव मायड्रायसिस के लिए ट्रोपिकैमाइड-फेनीलेफ्राइन-लिडोकेन (फेनीओकेन प्लस) के इंट्राकैमरल इंजेक्शन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें। प्रो. नम्रता शर्मा, एंटोड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड 6 महीने (2021), 2,64,70 रुपये।
23. दृश्य क्षेत्र दोषों को चिह्नित करने के लिए एक उपकरण के रूप में नेत्र की गति का मूल्यांकन। रोहित सक्सेना, एम्स-आईआईटी परियोजना। 2 साल (2019-2020), 10 लाख रुपये।
24. सार्स कोविड 19 के रोगियों के आंसुओं और कंजंक्टिवल स्राव में कोरोनावायरस का मूल्यांकन। देवांग एंगमो, एम्स, इंट्राम्यूरल। 2 साल (2020-2022), 10,00,000 रुपये।
25. उत्तर भारत में मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद एंडोफ्थेलमिटिस की रोकथाम में इंट्राकैमरल मोक्सीफ्लोक्सासिन 0.5% के रोगनिरोधी उपयोग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। प्रो. नम्रता शर्मा, सिप्ला प्रा. लिमिटेड 4 साल (2018-2022), 24,50,000 रुपये।
26. सीएचईडी रोगियों में समयुग्मजी और मिश्रित विषमयुग्मजी एसएलसी4ए11 उत्परिवर्तन के प्रभाव के लक्षण वर्णन द्वारा जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी (सीएचईडी) के आनुवंशिक आधार का मूल्यांकन और उत्परिवर्तन सकारात्मक और नकारात्मक मामलों के नैदानिक फेनोटाइपिंग। डॉ. राधिका टंडन, एम्स। 2 साल (2018-2020), 5 लाख रुपये।
27. जुवेनाइल ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा से जुड़े नोवल और कारण उत्परिवर्तन (ओं) का एक्सोम सीक्वेंसिंग आधारित पहचान। प्रो. विनय गुप्ता, डीआरडीओ। 3 साल (2017-2020), 68 लाख रुपये।
28. यूवील मेलेनोमा में मेटास्टेटिक क्षमता की ग्रेडिंग के लिए जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग। नीवेटे लोमी, एम्स इंट्राम्यूरल। 2 साल (2020-2022), 5 लाख रुपये।
29. पर्यावरण एंटीबायोटिक फैलाव और एएमआर पर उनके प्रभाव की निगरानी के लिए उच्च थ्रूपुट प्रौद्योगिकी। डॉ. टी वेलपांडियन, डीबीटी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन। 18 महीने (2020-2022), 41.3 लाख रुपये।
30. ऑर्बिटल ट्यूमर में आणविक लक्ष्यों की पहचान और विशेषता: नवीन चिकित्सीय रणनीतियों का आधार। सीमा सेन, यूजीसी 5 साल (2017-2022), 33 लाख रुपये।

31. डायबिटिक रेटिनोपैथी में माइक्रोआरएनए सिग्नेचर की पहचान: नैदानिक महत्व। डॉ. जसबीर कौर, आईसीएमआर। 3 साल (2021-2024), 36,91,354 रुपये।

32. फुच्स एंडोथेलियम कॉर्नियल डिस्ट्रोफी (एफईसीडी) में नावेल टेप (ट्रांसक्रिप्ट्स) और गैर-कोडिंग आरएनए की पहचान। प्रो. जे.एस. टिटियाल, एसईआरबी, डीएसटी, भारत सरकार। 3 साल (2017-2020), 72,00,000 रुपये।

33. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस के रोगियों में अंडरलिंग डिफरेंशियल एक्सप्रेशन और रोग विशिष्ट इंटरवेंशन प्रोफ़ाइल की पहचान। प्रो. नम्रता शर्मा, आईसीएमआर। 3 साल (2019-2022), 48,00,000 रुपये।

34. भारत में बाल चिकित्सा नेत्र उपचार सेवाओं के लिए मानव संसाधन और अवसंरचना की मैपिंग। डॉ. प्रवीण वशिष्ठ, ओआरबीआईएस। 1 साल 6 महीने (2020-2021), 25,13,747 रुपये।

35. कॉर्नियल ग्राफ्ट अस्वीकृति की भविष्यवाणी के लिए एक नया बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए। प्रो. नम्रता शर्मा, सीएसआईआर। 3 साल (2019-2022), 25,00,000 रुपये।

36. किशोर के रोगजनन में माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम वेरिएंट और मातृ वंशानुक्रम ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा। डॉ. जसबीर कौर, एसईआरबी, डीएसटी। 3 साल (2020-2023), 57,72,665 रुपये।

37. भारत में नेत्र के स्वास्थ्य पर पराबैंगनी विकिरण (यूवीआर) और एयरोसोल एक्सपोजर के प्रभाव के प्रभाव का बहु केंद्रित अध्ययन चरण - II । डॉ. राधिका टंडन, आईसीएमआर। 5 साल (2018-2023), 90 लाख रुपये।

38. ओकुलर ड्रग डिलीवरी के लिए नोवेल केमोपोर्ट। डॉ रोहन चावला, एम्स-आईआईटी (इंट्रामुरल)। 2 साल (2019-2021), 10 लाख रुपये।

39. मोतियाबिंद और सामान्य नेत्र संबंधी रुग्णता के लिए उपचार के पैटर्न और मार्ग और पश्चिमी दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी के बीच के रास्ते पर स्थानीय स्वयंसेवकों का प्रभाव। डॉ विवेक गुप्ता, स्वामी शिवानंद स्मारक। 2 साल (2017-2020), 20,00,000 रुपये।

40. भारतीय जनसंख्या के साथ क्लेरियोन ® ऑटोनोम™ का पोस्ट-मार्केट क्लिनिकल अध्ययन। प्रो. जेएस टिटियाल, मेसर्स एलकॉन इंडिया लिमिटेड 3 साल (2019-2022), 10,00,000 रुपये।

41. मेसर्स होया सर्जिकल लिमिटेड (पंजीकरण संख्या 107/आरपीसीपरियोजना /2018) द्वारा वित्त पोषित आईओएल विविनेक्स आईसर्ट एक्सवाई1 के साथ पोस्टीरियर कैप्सूल और इंट्राओकुलर लेंस डायनेमिक्स का संभावित दीर्घकालिक मूल्यांकन। प्रो. जे.एस. टिटियाल, होया सर्जिकल। 3 साल (2018-2021), 17 रुपये, 10,698 रुपये।

42. उनके ओकुलर कैनेटीक्स के आधार पर पिपेरसिलिन और टैज़ोबैक्टम संयोजन के अस्थायी रूप से तैयार सामयिक समाधान के उपयोग को युक्तिसंगत बनाना। डॉ. नबनिता हलदर, एम्स। 2 साल (2019-2021), 9 लाख रुपये।

43. ओकुलर मैलिग्नेंसीज में रिसेप्टर टाइरोसिन किनेज: नॉवेल प्रोग्नॉस्टिक मार्कर्स एंड थेरेप्यूटिक टार्गेट्स। सीमा सेन, सीएसआईआर। 3 साल (2020-2023), 27 लाख रुपये।

44. सहायक प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए एक व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से स्वास्थ्य उपचार वितरण प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर कम दृष्टि और दृष्टि पुनर्वास सेवाओं को एकीकृत करने के लिए क्षेत्रीय प्रायोगिक मॉडल। डॉ. प्रवीण वशिष्ठ, डब्ल्यूएचओ। 1 साल (2020-2021), 6,83,014 रुपये।

45. बाल चिकित्सा ओकुलर मैलिग्नेंसी में हाइपोक्सिया मध्यस्थता सेल चयापचय की भूमिका। सीमा कश्यप, आईसीएमआर। 3 साल (2020-2023), 37 लाख रुपये।

46. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के क्रोनिक ओकुलर मामलों में कम खुराक हेपरिन आई ड्रॉप्स की भूमिका और प्रतिरक्षा मार्ग जीन अभिव्यक्ति के साथ इसका संबंध: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। प्रो. नम्रता शर्मा, आईसीएमआर। 3 साल (2019-2022), 47,00,000 रुपये।

47. मॉडरेट मायोपिया और हाइपरोपिया के साथ प्रेसबायोपिया के सुधार के लिए प्रेसबायोपिया आईपीसीएल की सुरक्षा और प्रभावकारिता। प्रो. जे.एस. टिटियाल, केयर ग्रुप। 3 साल (2018-2021), 41,95,180 रुपये।

48. जुवेनाइल ऑनसेट ओपन एंगल ग्लूकोमा से जुड़ी ज्ञात और नई आनुवंशिक विविधताओं की स्क्रीनिंग। प्रो. विनय गुप्ता, आईसीएमआर। 3 साल (2018-2021), 33 लाख रुपये।

49. प्रजातियों की पहचान, एंटिफंगल संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और रोडोटोरुला प्रजातियों का बायोफिल्म गठन ओकुलर संक्रमण से अलग करता है। डॉ. निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान। 12 महीने (2019-2020), 5 लाख रुपये।

50. स्कूली बच्चों में निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) की घटनाओं और प्रगति पर बाहरी गतिविधियों में वृद्धि के प्रभाव का मूल्यांकन करना। रोहित सक्सेना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग। 5 साल (2019-44317), 31,10,462 रुपये।

51. बचपन के मायोपिया के लिए एट्रोपिन आई ड्रॉप की कम खुराक के प्रभाव का मूल्यांकन करना। रोहित सक्सेना, एंटोड फार्मास्यूटिकल्स। 3 साल (2019-2022), 16,01,000 रुपये।

52. झारखंड भारत के मूल आदिवासी समुदायों के मानव आंखहृदय संबंधी पुरानी बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य पर जलती हुई लकड़ी और बायोमास खाना पकाने के संबंध का मूल्यांकन करना। प्रो. जे एस टिटियाल, झारखंड सरकार। 3 साल (2019-2022), 2,18,00,000 रुपये।

53. भारतीय विषयों के बीच केराटोकोनस के आणविक तंत्र की जांच करना। प्रो. जे.एस. टिटियाल, आईसीएमआर, भारत सरकार। 3 साल (2019-2022), 70,00,000 रुपये।

54. मानव स्वास्थ्य और पोषण के लिए कचनार (बौहिनिया वेरिगाटा) के पारंपरिक उपयोग: झारखंड के जनजातीय जिलों में एक महामारी विज्ञान अध्ययन। प्रो. जे एस टिटियाल, झारखंड सरकार। के. 3 साल (2019-2022), 4,12,00,000 रुपये।

55. इसके नेत्र संबंधी उपयोग के लिए डिपाइरिडामोल के औषध विज्ञान को समझना। डॉ. टी वेलपांडियन, ओडी ओकुलर डिस्कवरी लिमिटेड, इज़राइल। 2 साल (2020-2022), 13.31 लाख रुपये।

56. दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के लिए विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, विजन स्प्रिंग। 1 साल (2017-2019), 6,40,000 रुपये।

पूर्ण

1. मॉडरेट से गंभीर केराटो कोनजक्टिवाइटिस सिक्का वाले विषयों में रेस्टासिस® के खिलाफ साइक्लोस्पोरिन (0.05%) नेत्र संबंधी पायस की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक चरण IV नियंत्रित नैदानिक अध्ययन। प्रो. नम्रता शर्मा, न्यू इंडिया बायोफार्मा। 1 साल (2019-2020), 4,83,000 रुपये।
2. जेओएजी रोगियों के परिवार के सदस्यों की कैस्केड स्क्रीनिंग। विनय गुप्ता, आईसीएमआर। 3 साल (2015-2018), 47 लाख रुपये।
3. यूवेल मेलेनोमा में मेलेनोजेनेसिस का क्लिनिक पैथोलॉजिकल का महत्व। नेईवेटे लोमी, एम्स इंट्राम्यूरल। 2 साल (2018-2020), 10 लाख रुपये।
4. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) ओकुलर सीक्वेल के मामलों में 0.1% सोडियम हयालूरोनेट ड्रॉप्स बनाम 0.5% कार्बोक्सी मिथाइल सेलुलोज (सीएमसी) का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित प्रायोगिक अध्ययन। प्रो. नम्रता शर्मा, सीएसआईआर। 3 साल (2019-2022), 25,00,000 रुपये।
5. दिल्ली/डीजेजेएस के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं। प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान। 4 साल (2016-2020), 34,74,240 रुपये।
6. नई दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में यूवी विकिरण जोखिम और मायोपिक अपवर्तक त्रुटि द्वारा मापी गई बाहरी गतिविधि के बीच संबंध। डॉ. रोहित सक्सेना/डॉ. प्रवीण वशिष्ठ, ओआरबीआईएस। 1 साल (2019-2020), 10,00,000 रुपये।
7. मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी: एनपीसीबी और VI के तहत दिल्ली में इसके जोखिम कारकों और जैविक मार्करों का एक महामारी विज्ञान अध्ययन। प्रो. अतुल कुमार /प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, एमओएच&एफडब्ल्यू. 3 साल (2017-2020), 1,09,25,359 रुपये।
8. एपिडेमियोलॉजी पैथोजेनोमसिस एंड सिस्टम बायोलॉजी ऑफ ए.फ्लैवस इंफेक्शन्स इन इंडिया - एन इंटीग्रेटिव अप्रोच। प्रो. गीता सत्पथी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग,भारत सरकार। 2 साल (2013-2015), 9.6 लाख रुपये।
9. हर्पीज सिम्प्लेक्स वायरस टाइप 1 और टाइप 2, साइटोमेगालोवायरस, वैरीसेला-जोस्टर वायरस और ओकुलर वायरल संक्रमणों में एडेनोवायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना। डॉ. निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान। 24 महीने (2016-2018), 7.7 लाख रुपये।
10. प्राथमिक वयस्क ग्लूकोमा में एंडोकैनाबिनोइड्स की भूमिका की खोज। देवांग अंगमो, एम्स, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट। 2 साल (2017-2019), 9 लाख रुपये।
11. फेनोटाइप के संभावित ऑडिट, ट्राइकियासिस के कारण और सहसंबंध: एक डब्ल्यूएचओ ट्रैकोमा सहयोगात्मक अध्ययन। नूपुर गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा। एक साल (2019-2020), 5,92,956 रुपये।

12. मधुमेह नव संवहनी स्थितियों के लिए नए इंट्राविट्रियल एजेंटों / योगों के विकास को युक्तिसंगत बनाना। डॉ. टी वेलपांडियन, सैक्सिन लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड 2 साल (2018-2020), 18 लाख रुपये।

13. कम दृष्टि और पुनर्वास सेवाओं का सुदृढ़ीकरण। सूरज सिंह सेंजम / प्रवीण वशिष्ठ, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडनेस मिशन (सीबीएम)। 1 वर्ष (2018-2021), 15,45,704 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. केराटोमाइकोसिस में रात की खुराक के लिए एप्लीकेटर के साथ 3डी प्रिंटेड प्री-कॉर्नियल ड्रग एल्यूटिंग पॉलीमेरिक इंसर्ट।
2. एथमब्यूटोल प्रेरित ऑप्टिक तंत्रिका विषाक्तता में दृश्य कार्यों और अक्टूबर पैरामीटर का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन।
3. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा एमवाईएल-1701पी-3001, मायलन इंक वाले विषयों में एमवाईएल-1701पी और एयला की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रित यादृच्छिक, डबल-मास्कड सक्रिय नियंत्रित, तुलनात्मक नैदानिक अध्ययन।
4. शुष्क नेत्र रोग में मौखिक करक्यूमिन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. बोटुलिनम टॉक्सिन की नैदानिक प्रतिक्रिया के साथ यूबीएम पर लेवेटर-मुलर की जटिल मोटाई के सहसंबंध पर एक संभावित इंटरवेंशनल अध्ययन, थायरॉयड से संबंधित ऊपरी पलक के पीछे हटने वाले रोगियों में एक इंजेक्शन।
6. हल्के से मध्यम मायोपिया में एसएमआईएलई(फ्लैपलेस कॉर्नियल सर्जरी) बनाम पीआरके के एक यादृच्छिक, संभावित तुलना, एपिथेलियल रीमॉडेलिंग, बायोमैकेनिक्स की के दृश्य परिणाम।
7. मध्यम से गंभीर कवक केराटाइटिस में सहायक चिकित्सा के रूप में त्वरित कॉर्नियल कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग का मूल्यांकन।
8. पोस्ट एलएएसआई के रोगियों में आईओपी माप के लिए विभिन्न टोनोमीटर का मूल्यांकन।
9. ऑप्टिक न्यूरिटिस में रेटिना संवेदनशीलता और संरचनात्मक अखंडता का मूल्यांकन।
10. दिल्ली/एनसीआर के पानी में संभावित अंतःस्रावी व्यवधान (बिस्फेनॉल्स) के पर्यावरणीय जोखिम की सीमा का मूल्यांकन।
11. यूवेल मेलानोमा के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में पिगमेंटेशन के साथ हिप्पो पाथवे का संघ और इसकी नैदानिक प्रासंगिकता।
12. छोटी न दिखने वाली आंखों वाले सॉकेट में कक्षीय आयतन की वृद्धि के लिए औलॉगस वसा कास्थानांतरण।
13. सिकाट्रिकियल एक्ट्रोपियन के सुधार के लिए ऑटोलॉगस फैट ग्राफ्टिंग।
14. आरओपी की स्वचालित पहचान और प्लस रोग की मात्रा का ठहराव। एम्स-आईआईटी परियोजना (इंट्रामुरल)।

15. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इन्फेक्शन का बैक्टीरियोलॉजिकल प्रोफाइल, बायोफिल्म निर्माण और प्रतिरोध पैटर्न के विशिष्ट संदर्भ के साथ, और प्रतिक्रिया और परिणाम के साथ उनका सहसंबंध।
16. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक नर्व की बेसलाइन और पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई पूर्वानुमान की भविष्यवाणी कर सकता है?
17. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में कैप्सुलर प्लेक और हिस्टोपैथोलॉजिकल और अल्ट्रा स्ट्रक्चरल सुविधाओं सहित उनके ओकुलर और सिस्टमिक सहसंबंध।
18. ट्रैबेक्यूलेक्टोमी के बाद कॉर्नियल स्थलाकृति, बायोमैकेनिक्स, एबेरोमेट्री और ओकुलर सतह में परिवर्तन।
19. एक्सनफेल्ड रीगर्स सिंड्रोम के वंशानुगत पैटर्न की विशेषता।
20. दोहरी ऊर्जा सीटी और मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई के साथ गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा की विशेषता और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध।
21. सामयिक कैसोफुंगिन की नैदानिक प्रभावकारिता और फंगल केराटाइटिस में सामयिक नैटामाइसिन मोनोथेरेपी के साथ इसका तुलनात्मक मूल्यांकन।
22. कोविड महामारी के दौरान पेरीओकुलर और ओकुलर मैलिग्नेंसी (नेत्र दुर्दमता) रोगियों में नैदानिक गंभीरता और संकट।
23. कोविड युग बनाम कोविडपूर्वयुग में पलक की दुर्दमताओं की क्लिनिक पैथोलॉजिकल प्रस्तुतियाँ।
24. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं को मजबूत करने में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एएसएचए/**आशा**) की भागीदारी पर समुदाय आधारित संक्रियात्मकअनुसंधान अध्ययन।
25. डब्ल्यूएचओ इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ़ फंक्शनिंग का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क आबादी के बीच दिव्यांगता का समुदाय-आधारित मूल्यांकन।
26. पतली कॉर्निया (कॉर्नियल मोटाई<400 माइक्रोन) बनाम > 400 माइक्रोन की मोटाई वाली कॉर्निया के बीच केराटोकोनस (शंकुक-स्वच्छपटल)के रोगियों के बीच कॉर्नियल कोलेजन क्रॉस लिंकिंग के बाद कॉर्नियल बायोमेकेनिकल परिवर्तन और कॉर्नियल विचलन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
27. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा और एक्सनफेल्ड-रीगर सिंड्रोम की आंखों में कॉर्नियल विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन।
28. कवक केराटाइटिस के मामलों में मोनोथेरेपी बनाम संयोजन चिकित्सा का तुलनात्मक मूल्यांकन।
29. जल्दी बनाम देर से शुरुआतप्राथमिक कोण बंद मोतियाबिंदकी तुलनात्मक रूपरेखा।
30. ओपॉइड के उपयोग के बिना बेरिएट्रिक सर्जरी में केटामाइन और डेक्समेडेटोमिडाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करना; एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
31. सामान्य संज्ञाहरण वाले बच्चों में नियंत्रित वेंटिलेशन के लिए अंबु ऑरा गेन और ब्लॉक बस्टर लारेंजियल मास्क की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
32. मध्यम शुष्क आंखों में जलीय आधारित और तेल आधारित 0.05% साइक्लोस्पोरिन की तुलना।

33. हिप फ्रैक्चर सर्जरी वाले मरीजों में निरंतर पेरीकैप्सुलर तंत्रिका समूह (सीपीईएनजी) ब्लॉक बनाम निरंतर प्रावरणी इलियाका ब्लॉक (सीएफआईबी) की तुलना- एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंडअध्ययन।
34. गंभीर मोटापे वाले लोगों में स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी वाले लोगों में एंट्रल प्रिजर्विंग और एंट्रल रिसेक्टिंग लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद गैस्ट्रो-आंत्र प्रतिवर्त की तुलना।
35. बाल रोगियों में इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ फार्माकोकाइनेटिक्स और सब्लिशिंगुअल डेक्समेडेटोमिडाइन के शामक प्रभाव की तुलना: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।
36. डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस के रोगियों में सीरम और कांच के बायोमार्कर की तुलना।
37. कॉर्निया में होने वाले छेद के प्रबंधन में टेनॉन के पैच ग्राफ्ट और एसएमआईएलई-व्युत्पन्न लेंटिक्यूल प्रत्यारोपण की तुलना।
38. एडल्ट मरीजों में सिम्युलेटेड सरवाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन में फ्लेक्सिबल टिप बौगी कैथेटर बनाम स्टैंडर्ड बोगी के साथ एंडोट्रैचियल इंट्यूबेशन के लिए समय की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
39. सामयिक स्नेहक के उपयोग से फेमटोसेकंड लेजर मोतियाबिंद सर्जरी के बाद सूखी आंख को नियंत्रित करना: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
40. पूर्वकाल खंड ओसीटी सुविधाओं के साथ चयनात्मक लेजर ट्रैबेकुलोप्लास्टी परिणाम का सह-संबंधित करना।
41. अकांथाअमीबा केराटाइटिस के तत्काल निदान के लिए एक जांच किट का विकास।
42. ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्राओकुलर दबाव और स्वायत्त कार्यों पर 365 श्वास तकनीक का प्रभाव।
43. ओकुलर हाइपरटेंशन के रोगियों में आईओपी पर माइंडफुलनेस मेडिटेशन का प्रभाव।
44. हड्डी के विशाल सेल ट्यूमर के लिए सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सूजन संबंधी बायोमार्कर के स्तर पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव और यह पेरी-ऑपरेटिव रक्तस्राव और परिणाम के साथ सह-संबंध है।
45. प्राथमिक कोण बंद मोतियाबिंद में माइक्रोपल्स की प्रभावकारिता।
46. प्राथमिक खुले कोण मोतियाबिंद और प्राथमिक कोण बंद मोतियाबिंद और मनोवैज्ञानिक तनाव के साथ सहसंबंध वाले रोगियों में अंतर्जात कोर्टिसोल प्रोफ़ाइल।
47. दुर्दम्य ग्लूकोमा में अहमद ग्लूकोमा वाल्व (एजीवी) के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन।
48. अस्पताल कॉर्निया पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम के तहत बहु अंग दाताओं और शव दाताओं से दाता विशेषताओं और कॉर्नियल प्रत्यारोपण के गंभीर परिणामों का मूल्यांकन।
49. पेरीओकुलर और एडनेक्सल वैस्कुलर घावों में इंट्रालेसनल ब्लोमाइसिन का मूल्यांकन।
50. एक्वस ह्यूमर और विट्रियस ह्यूमर में सामयिक एट्रोपिन के स्तर का मूल्यांकन-एक प्रायोगिक अध्ययन।
51. अपवर्तक मोतियाबिंद में अहमद ग्लूकोमा वाल्व (एजीवी) के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन।
52. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में मौखिक सिल्डेनाफिल के परिणाम का मूल्यांकन।

53. पेपिल्डेमा के विभिन्न चरणों में पेरीपिलरी और मैकुलर ओसीटीए विशेषताओं का मूल्यांकन।
54. विभिन्न प्रकार के ऑप्टिक न्यूरोपैथी में पीपीएमबी का मूल्यांकन।
55. गंभीर सूखी आंख में रेटिनोल पामिटेट ओप्थाल्मिक सस्पेंशन का मूल्यांकन और क्रॉनिक स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम से जुड़े ओकुलर सरफेस केराटिनाइजेशन।
56. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी के बाद की उल्टी पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावों का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंडपरीक्षण (एमडी थीसिस)।
57. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में इंट्रालेसनल ब्लोमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन।
58. प्राथमिक ग्लूकोमा में एफएनआईआरएस का उपयोग करके दृश्य कॉर्टेक्स गतिविधि का मूल्यांकन।
59. समूह सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में लगातार/आंशिक रूप से वापस आने वाले कांच के बीजों के लिए अंतःशिरा कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलफैलन का उपयोग करके विट्रियस सीड प्रतिगमन का मूल्यांकन।
60. शिशु जन्मजात कॉर्नियल अस्पष्टता के निदान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग की खोज करना।
61. शिशु कॉर्नियल अपारदर्शिता के साथ प्रस्तुत एंटीरियर सेगमेंट डिस्जेनेसिस के विकासात्मक रूपों में अंतर करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग की खोज।
62. एकतरफा प्राथमिक जन्मजात मोतियाबिंद की सहयोगी आंखें: अनुवर्ती कार्रवाई के दौरान मोतियाबिंद के विकास के लिए घटना और जोखिम कारक।
63. एकतरफा प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा की सहयोगी आंखें: अनुवर्ती कार्रवाई पर आईओपी में वृद्धि के लिए घटना और जोखिम कारक।
64. माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स आई एनडी5जीन में आनुवंशिक शिथिलता और जुवेनाइल ओपन एंगल ग्लुकोमा का विकास।
65. जुवेनाइल ओपन एंगल गलूकोमा में जीनोमिक परिवर्तन।
66. रेटिनोब्लास्टोमा में एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिका मार्करों की पहचान।
67. डिफरेंशियल एयर इन्फ्यूजन प्रेशर पर विट्रोक्टोमी के बाद इमेजिंग और कार्यात्मक परिणाम।
68. जुवेनाइल ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा (जेओएजी) के रोगियों में।
69. जन्मजात मोतियाबिंद की घटना - एक बहुकेंद्रीय परीक्षण।
70. यूवाइटिस के लिए इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट।
71. पीवीआर के साथ रेटिना टुकड़ी में इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट।
72. बाल चिकित्सा अभिघातजन्य मोतियाबिंद में ऑप्टिक कैप्चर का दीर्घकालिक परिणाम।
73. बाल चिकित्सा ग्लूकोमा के बीच हम्फेरी एनालाइज़र के साथ टैबलेट आधारित परिधि की अनुदैर्ध्य तुलना।
74. इडियोपैथिक इंट्राकैनायल उच्च रक्तचाप के कारण पेपिल्डेमा में मैकुलर और पेरीपिलरी ऑक्ट में परिवर्तन।
75. ग्लूकोमा संदिग्धों और प्रारंभिक ग्लूकोमा में मैकुलर इमेजिंग।

76. ट्राइकियासिस के रोगियों में मेइबोग्राफी: एटियलजि का निर्धारण करने में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज।
77. ग्लूकोमा थेरेपी का मेटाबॉलिक और फार्माकोजेनोमिक मूल्यांकन।
78. ग्लूकोमा में आणविक परिवर्तन।
79. घातक लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर की आणविक विशेषता।
80. यूवील मेलेनोमा में मेलेनोजेनेसिस मार्ग का आणविक तंत्र।
81. पथालेट्स के पर्यावरणीय जोखिम के कारण इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में शामिल आणविक तंत्र।
82. वसामय ग्रंथि कार्सिनोमा में नवजागुंत रसायन चिकित्सा।
83. लैक्रिमल ग्रंथि के ट्यूमर में नॉच सिग्नलिंग डीरेग्यूलेशन।
84. लक्षित चिकित्सा और चेकपॉइंट अवरोधकों के नेत्र संबंधी प्रतिकूल प्रभाव।
85. जैव-चिकित्सीय का ओकुलर डिस्पोजिशन और रक्त ओकुलर बाधाओं में पेप्टाइड ट्रांसपोर्टरों की भूमिका।
86. वर्नल केराटोकोनजक्टिवाइटिस में नेत्र सतह का मूल्यांकन।
87. ज़ोन 2 टाइप 1 आरओपी के उपचार के लिए प्राथमिक रैनिबिज़ुमैब बनाम लेजर के परिणाम चरण 5 आरओपी में प्रोफ़ाइल, देखभाल में अंतराल और परिणामों का एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
88. हाइड्रोक्सी-आइसोल्यूसीन के फार्माको काइनेटिक्स।
89. प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी वाले मरीजों में प्राथमिक एंटी-वीईजीएफ थेरेपी बनाम पैन-रेटिनल फोटोकैग्यूलेशन की तुलना का प्रायोगिक अध्ययन।
90. प्रीमैच्योरिटी स्क्रीनिंग के रेटिनोपैथी से गुजरने वाले प्रीटरम नियोनेट्स में पोस्ट प्रोसीजर दर्द: एक वर्णनात्मक अध्ययन।
91. प्री-डेसिमेट की एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी बनाम डेसिमेट की झिल्ली एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी एक प्रायोगिक संभावित तुलनात्मक अध्ययन।
92. मधुमेह रेटिनोपैथी रोगियों में ग्लूकोमा की व्यापकता।
93. सीडी के साथ या आईएलएम छीलने के बिना आरडी में वीआर सर्जरी के संरचनात्मक परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
94. ग्लूकोमा में प्रोटीन परिवर्तन।
95. कक्षीय निर्वासन के दौर से गुजर रहे रोगियों में मनोसामाजिक कारक।
96. फुफ्फुसीय धमनी वेग समय अभिन्न और तीव्र संचार विफलता में द्रव प्रतिक्रिया का अनुमान में लगाने सांसों का प्रभाव।
97. उन्नत इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में संयुक्त पेरीओकुलर टोपोटेकन और सिस्टमिक कीमोथेरेपी की भूमिका।
98. पुरानी अग्नाशयशोथ के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा गणना टोमोग्राफी और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका।
99. बाल चिकित्सा केराटोप्लास्टी में माइक्रोस्कोप इंटीग्रेटेड इंट्राऑपरेटिव ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (एमआईओसीटी) की भूमिका।

100. पित्त विकृतियों के मूल्यांकन में स्प्लिट बोलस स्पेक्ट्रल सीटी प्रोटोकॉल की भूमिका।

101. डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग में सेल्फी फंडस इमेजिंग। (सह-मार्गदर्शक)।

102. आंतरायिक अपसारी भेंगापन में शल्य चिकित्सा के संवेदी और मोटर परिणाम।

103. सजातीय जन्मों के बीच जन्मजात ग्लूकोमा की गंभीरता।

104. ओकुलर हाइपरटेंशन बनाम आयु मिलान नियंत्रण में मैक्युला ओवरटाइम के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन।

105. एसएलसी4ए11जीन उत्परिवर्तन के साथ और बिना जन्मजात वंशानुगत एंडोथेलियल डिस्ट्रोफी रोगियों का अध्ययन।

106. एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) स्तरों का अध्ययन और ईपीसी संख्या के साथ इसका संबंध और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) रोगियों (पीएचडी थीसिस) में कार्य। प्रधान अन्वेषक-हृद जैवरसायन ।

107. चरण 4 आरओपी में विट्रोक्टोमी के साथ एंटी-वीईजीएफ के सर्जिकल परिणाम।

108. कोरॉइडल मेलेनोमा में संयुक्त पट्टिका ब्रैकीथेरेपी और ट्रांसप्यूपिलरी थर्मोथेरेपी के परिणामों का मूल्यांकन करना।

109. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा और एक्सनफेल्ड-रीगर सिंड्रोम की आंखों में कॉर्नियल विशेषताओं का तुलनात्मक मूल्यांकन करना।

110. प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी में लेजर बनाम संयुक्त लेजर और रानीबिजुमैब के परिणामों की तुलना करना (सह-गाइड)।

111. ज्ञात नैदानिक और रोग संबंधी कारकों के साथ 18-फ्लोरोडॉक्सी-ग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18-एफडीजी पीईटी / सीटी) स्कैन पर प्राथमिक यूवेल मेलेनोमा की चयापचय गतिविधि को सहसंबंधित करना।

112. मौखिक प्रोप्रानोलोल की तुलना में पेरिऑर्बिटल और पलक केशिका रक्तवाहिकार्बुद के उपचार के लिए सामयिक टिमोलोल की भूमिका का मूल्यांकन करना।

113. मायोपिया वर्थ वाले रोगी में मानव विटेरस में मौजूद कोलेजन और संबंधित डिग्रेडेटिव एंजाइम की परिवर्तनशील जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना एक सामान्य जनसंख्या है (इंट्राम्यूरल)।

114. गंभीर शुष्क नेत्र रोग में सामयिक मानव इम्युनोग्लोबुलिन चिकित्सा।

115. फंगल केराटाइटिस में सामयिक पॉसकोनाज़ोल।

116. एडेनोवायरल केराटोकोनजिक्टिवाइटिस का सामाधान करने के लिए कॉर्नियल ओपेसिटीज सेकेंडरी इलाज करने के लिए टोपोग्राफी गाइडेड एक्साइमर लेजर एब्लेशन थेरेपी।

117. गंभीर रूप से बीमार सेप्टिक रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट (एकेआई) का पता लगाने के लिए शिरापरक अतिरिक्त अल्ट्रासाउंड स्कोर (वेक्ससस्कोर): एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।

118. ऐक्रेलिक अपवर्तक इम्प्लांटेबल लेंस बनाम इम्प्लांटेबल कोलामर लेंस का दृश्य परिणाम: एक तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. मेइबोमियन ग्रंथि की शिथिलता वाले विषयों में एवोल्वटीएम प्योर आईलिड को पोंछने के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक डबल-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
2. नेक्सगोन® (नेक्सागोन) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण 2, यादृच्छिक, संभावित, डबल-मास्कड, वाहन नियंत्रित अध्ययन, गंभीर ओकुलर रासायनिक और / या थर्मल चोटों के परिणामस्वरूप कॉर्नियल लगातार उपकला दोष (पीईडी) के विषय में शीर्ष पर लागू होता है।
3. समयपूर्वता के चरण 5 रेटिनोपैथी में प्रोफ़ाइल, देखभाल में अंतराल और परिणामों का एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
4. रीग्मैटोजेनस रेटिनल डिटेचमेंट के लिए विट्रेक्टॉमी में पूर्व-मौजूदा ब्रेक के माध्यम से पोस्टीरियर रेटिनोटॉमी बनाम पीएफसीएल असिस्टेड ड्रेनेज के माध्यम से जल निकासी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणाम।
5. कवक केराटाइटिस में एंटिफंगल संवेदनशीलता परीक्षण।
6. युवा मायोप्स में बाहरी पराबैंगनी प्रकाश एक्सपोजर और सीरम मेलाटोनिन स्तर का मूल्यांकन।
7. एक तृतीयक केंद्र में पॉलीपॉइडल कोरॉइडल वास्कुलोपैथी (पीसीवी) की नैदानिक और महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल।
8. बाल चिकित्सा आयु वर्ग में रेट्रोपुपिलरी आईरिस पंजा आईओएल निर्धारण के नैदानिक परिणाम।
9. मायोपिक रेटिनल डिटेचमेंट और नॉन मायोपिक रेटिनल डिटेचमेंट के मामलों में कांच और आँसू में डोपामाइन के स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन- एक प्रायोगिक अध्ययन।
10. प्राइमरी एंगल-क्लोजर ग्लूकोमा में गोनियोसिनेचियालिसिस के साथ फेकमूल्सीफिकेशन बनाम फेकोमूल्सीफिकेशन एकल का तुलनात्मक मूल्यांकन।
11. फंगल केराटाइटिस के उपचार के लिए लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी के विभिन्न योगों का तुलनात्मक मूल्यांकन।
12. वयस्क रोगियों में वीडियो असिस्टेड थोरैकोस्कोपिक सर्जरी में एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की सुरक्षा की तुलना बनाम लोकल इनफील्ट्रेशन।
13. बाल चिकित्सा ग्लूकोमा में आईकेयरआईसी200 और पर्किन टोनोमेट्री की तुलना।
14. इंटरमीटेंट एक्सोट्रोपिया में प्रतिपक्षी मंदी के साथ संयुक्त मेडियल रेक्टस प्लिकेशन बनाम मेडियल रेक्टस रिसेक्शन की तुलना।
15. बाल रोगियों में सीएमएसी मिलर ब्लेड आकार 1 और सीएमएसी मैकिन्टोश ब्लेड आकार 2 के साथ इंटुबेट और वेशन स्थितियों के लिए समय की तुलना- एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
16. अस्पताल में भर्ती मरीजों में ओकुलर बैक्टीरियल आइसोलेट्स और एंटीबायोटिक उपयोग के एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न का सहसंबंध- रोगाणुरोधी प्रबंधन की दिशा में एक कदम
17. प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी में अर्ली मैकुलर रिकंस्ट्रक्शन।

18. लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में सूजन मार्करों और पेरीओपरेटिव एनाल्जेसिया पर कम खुराक केटामाइन का प्रभाव - एक संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।
19. पोस्ट पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी रोगियों में कॉर्नियल एंडोथेलियम पर सामयिक ब्रिनज़ोलैमाइड का प्रभाव।
20. एम्बीलोपिया के प्रबंधन में पैचिंग के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में साइटिकोलिन की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
21. दिल्ली में बचपन के दृश्य हानि पर महामारी विज्ञान अध्ययन।
22. स्कूल जाने वाले बच्चों के जीवन की गुणवत्ता पर अपवर्तक त्रुटि सुधार के प्रभाव का मूल्यांकन।
23. अस्पताल कॉर्नियल रिट्रीवल प्रोग्राम के तहत मल्टी-ऑर्गन डू और कैडवेरिक डोनर से कॉर्नियल ट्रांसप्लांट के डोनर विशेषताओं और ग्राफ्ट परिणामों का मूल्यांकन।
24. निस्टैग्मस के मामलों में एचआरक्यूओएल का मूल्यांकन।
25. डीवीडी में आईआर प्लीकेशन का मूल्यांकन।
26. गंभीर जन्मजात पीटोसिस में फ्रंटलिस स्लिंग सर्जरी की तुलना में लेवेटर प्लिकेशन का मूल्यांकन।
27. म्यूकोस मेम्ब्रेन ग्राफ्टिंग के साथ एनोफ्थेल्मिक अनुबंधित सॉकेट पुनर्निर्माण में मिटोमाइसिन-सी का मूल्यांकन।
28. ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी-एंजियोग्राफी (ऑक्ट-ए) का मूल्यांकन गैर धमनी पूर्वकाल इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) में परिवर्तन।
29. आइसोमैट्रोपिक एंबीलिया में रेटिनल फंक्शन और मॉर्फोलॉजी का मूल्यांकन।
30. कॉर्नियल अपवर्तक सर्जरी में अवशिष्ट अपवर्तक त्रुटि पैदा करने वाले जोखिम कारकों का मूल्यांकन।
31. कॉर्नियल स्थलाकृति, एबेरोमेट्री, बायोमैकेनिक्स और ओकुलर सतह पर ट्रैबेक्यूलेक्टोमी के प्रभावों का मूल्यांकन।
32. सेल कल्चर प्रयोगों का उपयोग करके इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में पैथालेट्स की भागीदारी का मूल्यांकन।
33. क्रोनिक वर्नल केराटोकोनजिक्टिवाइटिस में 0.1% त्वचीय टैक्रोलिमस की भूमिका का मूल्यांकन।
34. कक्षीय लिम्फैंगियोमा में इंट्रालेसनल ब्लोमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन।
35. स्पेक्ट्रल डोमेन ऑक्ट का उपयोग करके सच्चे पैपिल्डेमा के एक निश्चित मार्कर के रूप में आरपीई/बीएम कोण की भूमिका का मूल्यांकन।
36. बड चियारी सिंड्रोम में इमेजिंग और हस्तक्षेप।
37. नियर इंफ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) का उपयोग करके सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति की इंट्रा-ऑपरेटिव मॉनिटरिंग और प्रीटरम में और विट्रो रेटिनल सर्जरी के दौरान प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी के साथ अत्यधिक प्रीटरम शिशुओं कम सेरेब्रल ऑक्सीजन संतृप्ति के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन: एक अवलोकन संबंधी संभावित अध्ययन।
38. स्टैटिन के उपयोग के साथ लेंटिकुलर परिवर्तन - एक अस्पताल आधारित संभावित कोहोर्ट अध्ययन।
39. ओपन ग्लोब इंजरी के कारण बाल चिकित्सा अभिघातजन्य मोतियाबिंद में ऑप्टिक कैप्चर के दीर्घकालिक परिणाम।

40. 35 मेगाहर्ट्ज अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी का उपयोग करके 15 वर्ष से कम उम्र के बाल चिकित्सा मोतियाबिंद आबादी में ओकुलर बायोमेट्री।
41. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा और प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी।
42. प्रीमैच्योरिटी के जोन 2 टाइप 1 रेटिनोपैथी के उपचार के लिए प्राथमिक रेनिबिज़ुमैब बनाम लेजर के परिणाम।
43. अल्ट्रा वाइड फील्ड इमेजिंग का उपयोग करके प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी गुणवत्ता और पर्याप्तता अध्ययन में पैन रेटिनल फोटोकैग्यूलेशन।
44. पर्यावरण के नमूनों में बिस्फेनॉल के स्तर पर प्रायोगिक अध्ययन।
45. केंद्रीय सीरस कोरियोरेटिनोपैथी के मामलों में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोपल्स लेजर (577nm) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन।
46. डीएमई को शामिल न करने वाले केंद्र के मामलों में सबथ्रेशोल्ड माइक्रोपल्स लेजर (577nm) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए प्रायोगिक अध्ययन।
47. इन विट्रोमैकुलर ट्रैक्शन सिंड्रोम में न्यूमेटिक विटेरोलिसिस बनाम पार्स प्लाना विट्रेक्टोमी।
48. मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी वाले मरीजों में ग्लूकोमा की व्यापकता।
49. ऑप्टीवेव अपवर्तक विश्लेषण (ओआरए) प्रणाली का उपयोग करके आईओएल पावर को मान्य करने के लिए संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन और पारंपरिक आईओएल पावर गणना विधियों के साथ इसकी तुलना करना।
50. यूवाइटिस में सबटेनन ट्रायमिसिनोलोन और इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट की तुलना करने वाला संभावित प्रायोगिक अध्ययन।
51. स्ट्रैबिस्मस री-सर्जरी का पूर्वव्यापी डेटा मूल्यांकन।
52. प्रोलिफेरेटिव विटेरियोरेटिनोपैथी के साथ प्राथमिक और आवर्तक रेगमैटोजेनस रेटिनल डिटैचमेंट में 3डी हेड-अप डिजिटली असिस्टेड विटेरोरेटिनल सर्जरी (डीएवीएस) की भूमिका - एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
53. एंटीरियर सेगमेंट और एक्सट्राऑक्यूलर रोगों में एंटीरियर सेगमेंट ओसीटी की भूमिका।
54. चरण 4 आरओपी में एंटी-वीईजीएफ पोस्ट विट्रोक्टोमी की भूमिका।
55. ओकुलर सरफेस स्क्वैमस नियोप्लासिया में कंजंक्टिवल ऑटोफ्लोरेसेंस की भूमिका।
56. ओकुलर संक्रमणों में कोगुलेज़ नेगेटिव स्टैफिलोकोसी के विषाणु कारकों की प्रजाति की पहचान और निर्धारण।
57. लगातार मधुमेह मैक्यूलर में स्टेरॉयड।
58. सीएसआर के लिए एसटीएल।
59. मधुमेह एडिमा के लिए एसटीएल।

60. केराटोकोनस के रोगियों में गुलाब के लेंस के दीर्घकालिक उपयोग के बाद टीचर फिल्म और ओकुलर सतह परिवर्तन का अध्ययन।
61. जन्मजात रंग दृष्टि की कमी वाले रोगियों में रंग भेदभाव पर लाल रंग के फिल्टर के प्रभाव का अध्ययन।
62. एनक्लिएशन की मायोकोनजंक्टिवल तकनीक का अनुसरण करते हुए सिलिकॉन इम्प्लांट बनाम पीएमएमए (खच्चर) इम्प्लांट की एक्सट्रूज़न दर की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
63. प्रीमैच्योरिटी के एग्रेसिव पोस्टीरियर रेटिनोपैथी में 0.1 मिलीग्राम बनाम 0.25 मिलीग्राम इंट्राविट्रियल रैनिबिज़ुमैब के परिणामों की तुलना करने के लिए।
64. प्रीमैच्योरिटी की थ्रेसहोल्ड रेटिनोपैथी में लेजर बनाम संयुक्त लेजर और रानीबिज़ुमैब के परिणामों की तुलना करना।
65. सेवोफ्लुरेन एनेस्थेसिया के दौरान ललाट प्रांतस्था में परिवर्तित मस्तिष्क रक्त प्रवाह और बच्चों में पोस्टऑपरेटिव उद्भव प्रलाप की घटनाओं के बीच संबंध का निर्धारण करना : एक एफएनआईआरएस आधारित अवलोकन अध्ययन।
66. उन्नत आरओपी में तत्काल अनुक्रमिक द्विपक्षीय विट्रो रेटिना सर्जरी (आईएसबीवीएस) के परिणामों का अध्ययन करना।
67. भड़काऊ स्थितियों में चयनित ट्रांसपोर्टरों का उपयोग करके रक्त ओकुलर बाधा कार्यों को समझना और निर्धारित करना।
68. क्रोनिक ऑक्यूलर ग्राफ्ट बनाम मेजबान रोग में गंभीर शुष्क नेत्र रोग के लिए सामयिक ऑटोलॉगस प्लेटलेट लाइसेट ड्रॉप्स।
69. प्रोलिफेरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी में रेटिनल नियोवास्कुलराइजेशन का स्थलाकृतिक वितरण।
70. पोस्ट केराटोप्लास्टी दृष्टिवैषम्य के प्रबंधन में टोपोगाइडेड कस्टम एब्लेशन उपचार।
71. सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी में अल्ट्रा-वाइड फील्ड इंडोसायनिन ग्रीन एंजियोग्राफी।
72. नकारात्मक संक्रमण कल्चर के सूक्ष्म जीव विज्ञान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कैंसर रोगियों सुनीतिनिब थेरेपी में हाथ पैर की त्वचा की प्रतिक्रिया को रोकने के लिए पूर्व उपचार के रूप में सामयिक यूरिया के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्रायोगिक अध्ययन। भेषजगुण विज्ञान/एम्स।
2. यूबीएम पर लेवेटर-मुलर की जटिल मोटाई के सहसंबंध पर एक संभावित इंटरवेंशनल अध्ययन, बोटुलिनम टॉक्सिन के लिए नैदानिक प्रतिक्रिया के साथ ऊपरी पलक के थायरॉयड से संबंधित पीछे हटने वाले रोगियों में इंजेक्शन। अंतःस्त्राविकी।
3. एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना शीर्षक "बायो इंजीनियर कॉर्निया (केराटाइटिस रोगियों में संभावित नैदानिक अनुप्रयोग के लिए) - एक इन-विट्रो स्टडी" (प्रोजेक्ट

कोड नंबर एआई -23) का व्यवहार्यता डेटा (मानव नैदानिक परीक्षण के लिए) उत्पन्न करना। एम्स/आईआईटी दिल्ली।

4. सिकाट्रिकियल एक्ट्रोपियन के सुधार के लिए ऑटोलॉगस फैट ग्राफ्टिंग। त्वचा विज्ञान।
5. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक नर्व की बेसलाइन और पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई से प्रॉग्नोसिस का पता लगाया जा सकता है? आईआरसीएच।
6. एनएमआर और एलसीएमएस/एमएस द्वारा बैक्टरेरिया एएमआर और एचएआई के लिए बायोमार्कर। सूक्ष्म जैवविज्ञान/एम्स।
7. मल्टीपल मायलोमा के साथ प्लाज्मा में बोर्टेज़ोमिब। भेषजगुण विज्ञान/एम्स।
8. कोविड महामारी के दौरान पेरीओकुलर और ओकुलर मैलिग्नेंसी रोगियों में नैदानिक गंभीरता और संकट। मनश्चिकित्सा।
9. आरबी में सीरम जीवित स्तरों की नैदानिक उपयोगिता। डीएम बाल चिकित्सा।
10. वयस्क गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सेप्सिस की गंभीरता और मृत्यु दर की भविष्यवाणी में न्यूक्लियोसोम और मेटालोप्रोटीनस 1 के ऊतक अवरोधक की तुलना: एक प्रायोगिक अध्ययन। संवेदनाहरण (डीएम संवेदनाहरण)।
11. अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक परिणामों वाले रोगियों में एंटीट्यूबरक्यूअर दवाओं के प्लाज्मा दवा के स्तर का निर्धारण। काय-चिकित्सा/एम्स।
12. एक पोर्टेबल और गैर-संपर्क प्रकार इंट्राओकुलर (आईओपी) दबाव माप उपकरण का विकास। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी खड़गपुर।
13. नमूना पंजीकरण प्रणाली, भारत के महापंजीयक - मिनरवा - एन 1715 में मौखिक शव परीक्षा आधारित मौत के कारण के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) की स्थापना। सीसीएम, एम्स और भारत के महापंजीयक ।
14. पीसीओएस रोगियों के मूत्र में बिस्फेनॉल्स का मूल्यांकन । स्त्री रोग/एम्स।
15. दृश्य क्षेत्र दोषों को चिह्नित करने के लिए एक उपकरण के रूप में ओकुलर गति का मूल्यांकन। एम्स-आईआईटी दिल्ली।
16. सार्स कोविड 19 के रोगियों के आंसुओं और कंजंक्टिवल स्राव में कोरोनावायरस का मूल्यांकन। सूक्ष्म जैवविज्ञान, विकृति विज्ञान, काय-चिकित्सा।
17. ल्यूकोसाइट सिस्टीन का मूल्यांकन करके सिस्टिनोसिस का मूल्यांकन। बाल चिकित्सा/एम्स।
18. इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल हाइपरटेंशन (आईआईएच) वाले मरीजों में ऑप्टिक नर्व शीथ फेनेस्ट्रेशन सर्जरी (ओएनएसएफ) के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन। तंत्रिका विज्ञान विभाग।
19. शरीर के निचले हिस्से में नकारात्मक दबाव (डॉ. आकांक्षा) के दौरान हार्मोनल प्रतिक्रिया। फिजियोलॉजी/एम्स।
20. इस्फ्लुरेन या डिफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य संज्ञाहरण के तहत खुली सर्जरी के दौर से गुजर रहे बुजुर्गों में पश्चात संज्ञानात्मक गिरावट की घटना: एक संभावित अवलोकन संबंधी प्रायोगिक अध्ययन। संवेदनाहरण।

21. उवेल मेलानोमा में आणविक और पारस्परिक अध्ययन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स के साथ उनका संबंध। नेत्र विज्ञान।
22. पलक के वसामय ग्रंथि कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी। आईआरसीएच।
23. दर्द रहित अंतःस्रावी दवा वितरण के लिए नव न्यूनतम इनवेसिव केमोपोर्ट। नेत्रविज्ञान/एम्स।
24. आरएचडी रोगियों के प्लाज्मा में पेनिसिलिन का पता लगाना डॉ. कमलदीप। हृदविज्ञान, आरएमएल अस्पताल।
25. इंटरैक्शन एक्सपर चूहों में ग्लिबेंक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (बीजीआर-34) के फार्माकोडायनैमिक और फार्माकोकाइनेटिक भेषजगुण विज्ञान / एम्स।
26. जिंक ग्लूकोनेट मौखिक निलंबन की तैयारी और मूल्यांकन। बाल रोग/एम्स।
27. क्विनिडाइन सल्फेट टैबलेट/कैप्सूल/सैशे तैयार करना। हृद विज्ञान/एम्स।
28. प्री-ऑपरेटिव ड्रिंक के लिए पाउच तैयार करना। संवेदनाहरण विज्ञान/एम्स।
29. कोविड 19 संक्रमण के रोगियों में एकल खुराक मौखिक आइवरमेक्टिन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। फुप्फुसीय चिकित्सा/एम्स।
30. सहायक प्रौद्योगिकी से जुड़े व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर कम दृष्टि और दृष्टि पुनर्वास सेवाओं को एकीकृत करने के लिए क्षेत्रीय प्रायोगिक मॉडल। डब्ल्यूएचओ -एसईएआरओ।
31. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के एक्यूट और क्रॉनिक ऑक्यूलर मामलों में लो डोज़ हेपरिन आई ड्रॉप्स की भूमिका और इम्यून पाथवे जीन एक्सप्रेशन के साथ इसका सहसंबंध: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। आईसीएमआर, दिसंबर 2019 के बाद से।
32. भारतीय बच्चों और किशोरावस्था में रुमेटिक हृदय रोग के साथ सीरम बेंजाथिन पेनिसिलिन जी का स्तर। बाल चिकित्सा हृदविज्ञान / आरएमएल
33. एसएनओएमईडी-सीटी: एनआरसीईएस- नेशनल ड्रग रिपोजिटरी डेटाबेस का विकास। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और सी-डैक पुणे।
34. कॉर्नियल एपिथेलियल कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए बायोप्रिंटिंग तकनीक का मानकीकरण और सत्यापन। नेत्रविज्ञान/एम्स।
35. मेटागेनॉमिक्स का उपयोग कर कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों में ओकुलर माइक्रोबियल फ्लोरा का अध्ययन। नेत्र विज्ञान।
36. शिशु आहार-उत्पादों में शर्करा विश्लेषण। दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र/एम्स।
37. टीएपीसी इनवेसिव एस्परगिलोसिस के संभावित मार्कर के रूप में। प्रयोगशाला चिकित्सा/एम्स।
38. बैक्टीरियल केराटाइटिस रोगियों में मौखिक एंटीबायोटिक्स की आंसू फिल्म एकाग्रता। नेत्र विज्ञान।
39. वर्तमान और पिछले बीटल नट के उपयोगकर्ताओं में बीटल नट एल्कलॉइड और कैटेचिन की एकाग्रता का निर्धारण करने के लिए और प्रो-ऑन्कोजेनिक साइटोकिन्स और मौखिक संभावित घातक विकारों के साथ उनका जुड़ाव। दंत फुप्फुसी विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र/एम्स।
40. प्लाज्मा में 8-ऑक्सो-डीजी और 8-ऑक्सो-गुओ का अनुमान लगाना। पल्मोनरी/एम्स।

41. ऑटिस्टिक बच्चों में एन-कार्बोक्सिमिथाइल लाइसिन, आर्जिनिन और डि-टायरोसिन के स्तर का अनुमान लगाना। बाल रोग/एम्स।
42. फैटी एसिड भोजन के साथ नीलोटिनिब ड्रग इंटरेक्शन का अध्ययन करना। आईआरसीएच/एम्स।
43. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करना। काय-चिकित्सा/एम्स।
44. मायोपिया बनाम सामान्य जनसंख्या वाले रोगियों में मानव कांच में मौजूद कोलेजन और संबंधित अपक्षयी एंजाइमों की परिवर्तनशील जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना। नेत्र विज्ञान।
45. निदान के लिए उपकरण - नेत्र- ग्लूकोमा की पहचान के लिए छवि विश्लेषण उपकरण का विकास और मूल्यांकन। आईआईटी दिल्ली
46. निदान के लिए उपकरण - नेत्र- रेटिनल विकारों की पहचान के लिए छवि विश्लेषण उपकरणों का विकास और मूल्यांकन- डायबिटिक रेटिनोपैथी। आईआईटी दिल्ली
47. शुष्क नेत्र रोग में सहायक चिकित्सा के रूप में सामयिक मानव इम्युनोग्लोबिन। नेत्रविज्ञान/ एम्स।
48. भारत और दक्षिण अफ्रीका में पारंपरिक चिकित्सा: एक तुलनात्मक अध्ययन। दिल्ली विश्वविद्यालय और दक्षिण अफ्रीका।
49. पार्किंसंस रोग के आधिकारिक प्रबंधन के लिए त्रि-कम्पार्टमेंटल सूक्ष्म वाहक। एप्लाइड मैकेनिक्स, आईआईटी, दिल्ली।
50. अस्थिजनन में गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका को समझना। आईसीएमआर परियोजना- आईजीआईबी के सहयोग से सह-अन्वेषक।

पूर्ण

1. बचपन के मायोपिया (डॉ. आर सक्सेना) के लिए कम खुराक एट्रोपिन आई ड्रॉप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। नेत्रविज्ञान/एम्स।
2. केराटोकोनस रोगी आबादी के आंसुओं में साइटोकिन्स के स्तर का विश्लेषण। (डॉ. जे एस टिटियाल)। नेत्र विज्ञान/एम्स।
3. छोटी न दिखने वाली आंखों वाले सॉकेट में कक्षीय आयतन वृद्धि के लिए ऑटोलॉगस वसा स्थानांतरण। त्वचा विज्ञान।
4. आईसीयू के मरीज (डॉ. मनीष) में कॉलिस्टिन का अनुमान। काय-चिकित्सा/एम्स।
5. फंगल केराटाइटिस के उपचार के लिए विभिन्न फॉर्मूलेशन जैसे सोनिकेटेड जेल फॉर्म, अनसोनिक ड्रॉप और लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन बी के सोनिकेटेड ड्रॉप का तुलनात्मक मूल्यांकन। नेत्र विज्ञान।
6. मायोपिक रेटिनल डिटेचमेंट और नॉन मायोपिक रेटिनल डिटेचमेंट के मामलों में कांच के हास्य और आँसू में डोपामाइन के स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन- एक प्रायोगिक अध्ययन। (डॉ. रोहित सक्सेना)। नेत्र विज्ञान/एम्स।
7. एलसी-एमएस/एमएस का उपयोग कर स्पाइरुलिना से सी-फाईकोसायमिन। (डॉ. असीम भटनागर) डीआरडीओ।
8. नॉरपेनेफ्रिन के प्लाज्मा स्तरों पर एसीई अवरोधक का प्रभाव। (डॉ. केके दीपक)। शरीर क्रिया विज्ञान/एम्स।

9. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के चूहों के मॉडल में लहसुन के अर्क का प्रभाव। (डॉ. टीएस रॉय)। एनाटॉमी/एम्स।
10. तेजी से प्रगतिशील विटिलिगो में मौखिक बीटामेथासोन पल्स थेरेपी के मानक आहार बनाम कम खुराक की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। त्वचाविज्ञान। एम्स
11. एनआईसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं में तीन अलग-अलग एंटीसेप्टिक समाधानों की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण (डॉ आकाश)। बाल चिकित्सा/एम्स
12. दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट की प्रभावकारिता नवजात शिशुओं में त्वचा के लिए एंटीसेप्सिस की तैयारी। (डॉ. आकाश शर्मा)। बाल चिकित्सा/एम्स
13. ऑटोसोमल रिसेसिव कंजेनिटल इचिथोसिस (डॉ. सेथुरमन) में सेरामाइड्स का मूल्यांकन। त्वचाविज्ञान/एम्स।
14. विपणन योगों में कैंसर रोधी दवाओं/एंटीबायोटिक दवाओं की मात्रा का मूल्यांकन (डॉ. अतुल शर्मा)। आईआरसीएच/एम्स।
15. मिर्गी के मस्तिष्क के ऊतकों से न्यूरोट्रांसमीटर, मेटाबोलाइट्स और फॉस्फोलिपिड्स का मूल्यांकन। तंत्रिका शल्य चिकित्सा/एम्स।
16. प्राथमिक ग्लूकोमा में एंडोकैनाबिनोइड्स की भूमिका की खोज। (डॉ. देवांग)। नेत्र विज्ञान /एम्स।
17. भोजन के साथ अबीरटेरोन के स्तर के फार्माकोकाइनेटिक्स (डॉ. डी एस आर्य)। भेषजगुण विज्ञान/एम्स।
18. बच्चों में दूसरी पंक्ति के तपेदिक रोधी दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स (डॉ. राकेश लोढ़ा)। बाल चिकित्सा/एम्स।
19. फॉस्फोलिपिड्स अनुमान ने मस्तिष्क के ऊतकों के नमूनों का शोधन किया। (डॉ. कृष्ण कुमार)। जैव भौतिकी/एम्स।
20. आइसोनियाज़िड, एथमब्युटोल, रिफैम्पिसिन और पायराज़िनामाइड के प्लाज्मा ड्रग स्तर। (डॉ. उर्वशी बी सिंह)। सूक्ष्म जैवविज्ञान/एम्स।
21. कक्षीय निर्वासन के दौर से गुजर रहे रोगियों में मनोसामाजिक कारक। दंत चिकित्सा, मनोचिकित्सा।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 317 सार: 3 पुस्तकों में अध्याय: 62 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 16

रोगी की उपचार

चिकित्सा अभिलेख अनुभाग: 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक

		नए मामले	पुराने मामले	कुल
1.	सामान्य ओपीडी	27496	63623	91119
2.	आपातकाल	9672	16629	26301
	कुल मामले	**37168**	**80252**	**117420**

विशेष क्लीनिक				
1.	कॉर्निया क्लिनिक	424	149	573
2.	लेंस क्लिनिक	-	26	26
3.	यूवीए क्लिनिक	-	12	12
4.	कॉन्टैक्ट लेंस क्लिनिक	273	240	513
5.	ग्लूकोमा क्लिनिक	01	17	18
6.	ऑप्थल्मोप्लास्टी क्लिनिक	-	02	2
7.	बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान क्लिनिक	-	-	-
8.	रेटिना क्लिनिक	01	10	1 1
9.	तंत्रिका-नेत्र विज्ञान क्लिनिक	-	10	10
10.	विट्रो रेटिनल क्लिनिक	-	16	16
11	आरओपी	05	221	226
12.	ओकुलर ऑन्कोलॉजी क्लिनिक	-	1 1	1 1
13.	कम दृश्य सहायता	701	1492	2193
14.	क) अस्थि रोग क्लिनिक	-	1444	1444
	ख) स्क्विंट क्लिनिक	-	1423	1423
15.	अपवर्तन	-	5081	5081
	कुल मामले	1405	10154	11559
	मामलों का कुल योग	**38573**	**90406**	**128979**

दाखिले		
1.	सामान्य दाखिला	4862
2.	कैजुअल्टी दाखिला	1822
3.	निजी दाखिला	375
4.	अल्पकालीन दाखिला	3775
5.	दिवस उपचार दाखिला	2952
	कुल	**13786**
ऑपरेशन		
1.	प्रमुख	7714
2.	दिवस उपचार	3504
3.	कुल	11218
4.	गौण	7681
	कुल योग	**18899***
	मौतें	शून्य

अन्य आंकड़े		
1.	औसत बैड अधिभोग अनुपात	82%
2.	ठहरने का औसत समय	04 प्रति दिन
3.	प्रति कार्य दिवस औसत ओपीडी उपस्थिति	1967 प्रति दिन
4.	प्रति दिन इनडोर एडमिशनकी औसत संख्या	38 प्रति दिन
5.	प्रति दिन सर्जरी की औसत संख्या	52 प्रति दिन

***इसमें मामूली प्रक्रिया भी शामिल है**

कैजुअल्टी सेवाएं

1.	कैजुअल्टी में देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या	9672
2.	इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों की संख्या	2065
3.	कैजुअल्टी ऑपरेटिंग रूम में की गई मामूली प्रक्रियाएं	290
4.	इंट्राविट्रियल इंजेक्शन	3886
5.	ब्रैकीथेरेपी प्रक्रियाएं	16

जांच प्रयोगशालाएँ:

क्र. सं.	जांच	कुल संख्या
1.	टोनोमेट्री (एनसीटी+एटी+टोनोपेन+पर्किन्स+आईकेयर)	34982
2.	आईओएल वर्कअप	12087
3.	अपवर्तन	20400
4.	एआर (ऑटो अपवर्तन)	27945
5.	एचडी- ओसीटी + पीएस ओसीटी	15450
6.	यूएसजी ए स्कैन	4064
7.	यूएसजी बी स्कैन	11364
8.	पीडीटी	48
9.	जीडीएक्स ईसीसी / वीसीसी	74
10.	यूबीएम	321
11.	अनुकूली प्रकाशिकी	205
12.	फ्लेयरमीटर	419
13.	पेरीमेटरी (जीवीएफ+एचएफए+एमपी)	5180
14.	इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल परीक्षण (वीईआर + ईआरजी +	1990
15.	मेडिकल बोर्ड	2544
16.	फंडस ऑटो-फ्लोरेंस	1301
17.	ड्राई आई वर्क-अप	326

18.	कॉन्टैक्ट लेंस	767
19.	एंटीरियर सेगमेंट सीपी	3146
20.	पोस्टीरियर सेगमेंट सीपी	1250
21.	आरओपी	8090
22.	टोपोग्राफी(वीकेजी+कैसिनी+सीरियस+आई-ट्रेस)	4207
23.	पोस्ट सेगमेंट लेजर	1077
24.	कंट्रास्ट संवेदनशीलता	1104
25.	ओसीटी एंजियोग्राफी	4095
26.	एचआरटी 3	2390
27.	ईसीजी	563
28.	कम दृष्टि सहायता सेवाएं	2424
29.	कलर विज़न	3055
30.	लेजर इंटरफेरोमेट्री	2720
31.	एफएफए + आईसीजी	4387
32.	स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी	7184
33.	एएसओसीटी	8139
34.	पेंटाकैम+ कोर्विस	4761
35.	ऑटोलेंसोमेट्री (पीओजी)	1610
36.	सीसीटी / एनसीसीटी (पचीमेट्री)	30039
37.	नेत्र सतह विश्लेषक	193
38.	इंप्रेशन साइटोलॉजी	181
39.	ऑर्थोप्टिक्स	1444
40.	एलआईपीआई(देखें+स्कैन+प्रवाह)	240
	कुल	**231766**

सामुदायिक नेत्र विज्ञान:

प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएं (अप्रैल 2020 से मार्च 2021)	
प्राथमिक नेत्र उपचार क्लीनिक	18
स्लम क्लस्टर में पीईसी काउंटरों पर उपस्थित लोग	20416
मलिन वस्तियों में पीईसी केंद्रों में किया गया अपवर्तन	10513
मलिन वस्तियों में निर्धारित चश्मा	10376
रा.प्र. केंद्र रेफर किए मरीज	2230

सामुदायिक नेत्रविज्ञान के तहत रा.प्र. केंद्र में इलाज के लिए मरीज की रिपोर्ट	
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत रिपोर्ट किए गए कुल रोगी:	380
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद सर्जरी के लिए कुल रोगी का ऑपरेशन किया गया	356
सामुदायिक नेत्र विज्ञान में पुनर्वास सेवाएं	
पुनर्वास सेवाओं/टेली हेल्थ और टेली परामर्श के लिए पंजीकृत कुल रोगी	1816
वोकेशनल ट्रेनिंग के लिए किया गया एडमिशन.	04
एडीएल प्रशिक्षण के लिए लाभान्वित कुल रोगी	939
गतिशीलता प्रशिक्षण के लिए लाभान्वित कुल रोगी	224
विशेष स्कूल में सफलतापूर्वक प्रवेश दिए गए लाभार्थी ।	05
दृष्टि विकलांगता प्रमाण पत्र से लाभान्वित कुल रोगी	98

नेत्र विकिरणविज्ञान

तालिका 0 - 1 एक्स-रे की संख्या	2197
सीटी की संख्या	378
एमआरआई की संख्या	मुख्य विभाग के साथ साझा किया गया।

नेत्र जैवरसायन:

क्र. सं.	जांच का नाम	आईपीडी	ओपीडी	कुल
1.	चीनी (आर, एफ, पीपी, जीटीटी)	1089	1693	2782
2.	एचबीए 1 सी	455	685	1140
3.	टीबीआईएल	1734	1556	3290
4.	डीबीआईएल	1734	1556	3290
5.	एएलटी या एसजीपीटी	1734	1556	3290
6.	एएसटी या एसजीओटी	1734	1556	3290
7.	एएलपी	1734	1556	3290
8.	टी.पी.	654	1379	2033
9.	ए.एल.बी.	654	1379	2033
10.	क्रिएटिनिन (सीआरई)	1753	1600	3353
11	यूरिया (यूरिया)	1753	1600	3353
12.	यूरिक एसिड (यूए)	1753	1600	3353
13.	सोडियम (एनए+)	1753	1600	3353
14.	पोटाशियम (के+)	1753	1600	3353
15.	क्लोराइड (क्लोरीन-)	1753	1600	3353
16.	टीसीएचओएल	259	731	990

17.	एलडीएल-सी	259	731	990
18.	एचडीएल-सी	259	731	990
19.	ट्राइग्लिसराइड (टीआरआईजी)	259	731	990
20.	नि: शुल्क टी3	142	456	598
21.	मुफ्त टी4	142	456	598
22.	टीएसएच	147	471	618
23.	विटामिन बी 12	55	321	376
	कुल	**23562**	**27144**	**50706**

नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान

1.	जीवाणु कल्चर और संवेदनशीलता	8340
2.	कवक कल्चर	2890
3.	कोशिका विज्ञान के लिए संसाधित नमूने	1638
4.	डीएफए का उपयोग करके क्लैमाइडिया एजी का पता लगाने के लिए संसाधित किए गए नमूने	32
5.	डीएफए का उपयोग करके एचएसवी एजी का पता लगाने के लिए संसाधित नमूने	शून्य
6.	दाद सिंप्लेक्स वायरस, एडेनो और कॉक्सेसी वायरस (कॉनजंक्टिवाइटिस / कॉर्नियल अल्सर) के लिए वायरल पीसीआर	59
7.	माइक्रोस्पोरिडिया के लिए संसाधित नमूने	7
8.	माइकोबैक्टीरिया के लिए संसाधित नमूने	9
9.	एकैंथअमीबा के लिए कल्चर	18
10.	एंडोफथालमिटिस के लिए स्वचालित (बैक्टेक) कल्चर	2
11	एंडोफथालमिटिस के लिए व्यापक रेंज पीसीआर	2
	कुल योग	**12997**

नेत्र विकृतिविज्ञान:

जांच की कुल संख्या	42,423
खून	30,028
मूत्र	408
कोशिका विज्ञान + कोशिका विज्ञान अनुसंधान	403
हिस्टोपैथोलॉजी + हिस्टोपैथोलॉजी रिसर्च	11,584

नेत्र भेषजगुण विज्ञान:

दवाएं		शीशियों की संख्या
ओकुलर फार्मेसी में फॉर्टफाइड और मिश्रित दवाएं		
1.	एसिटाइल सिस्टीन (10, 20%, 2.5%, 5%)	57
2.	एम्फोटेरिसिन बी (0.25, 0.15%)	38
3.	बेटाक्सोलोल (0.25%)	94
4.	कैप्सोफुंगिन एसीटेट 0.5%	05
5.	सेफ़ाज़ोलिन (5%)	18
6.	संक्षिप्त टोब्रामाइसिन (1.3%)	2567
7.	मिटोमाइसिन (0.02%, 0.04%)	49
8.	पिलोकार्पिन (0.125% - 1%)	20
9.	पॉलीमिक्सिन बी (20k-50k आईयू)	22
10.	पोविडोनिओडाइन 5%	01
11.	वैनकोमाइसिन (5%)	2332
12.	टिमोलोल 0.25	19
13.	सेफ्टाज़िडीन	43
14.	वोरिकोनाज़ोल (1%)	420
15.	जेंटामाइसिन 1.3%	01
16.	प्रोपैराकैन (0.5%, परिरक्षक मुक्त)	03
17.	हेपरिन (1300 आईयू/एमएल)	03
18.	एमिकैसीन (1.3%, 2.5%)	22
19.	लेवोफ़्लॉक्सासिन 0.5%	4
	मरीजों को सीधे (निःशुल्क) और अस्पताल में उपयोग के लिए दवाएं दी जाती हैं	
1.	कृत्रिम आँसू	26,520
2.	सिप्रोफ्लोक्सासिन (0.3%)	5271
3.	साइक्लोस्पोरिन2%, 1%	52
4.	ईडीटीए (1.1%)	110
5.	होमोट्रोपिन (2%)	9817
6.	हाइपरटोनिक्सलाइन (5%)	3531
7.	मिथाइल सेलुलोज (2%) (30 मिली / शीशी)	522
8.	पिलोकार्पिन (2%)	10
9.	एसिटाज़ोलमाइड 30mg, 10, 25, 40, 50, 60, 80mg	369 पैकेट
10.	सोडियम एस्कॉर्बेट (10%)	180
11.	सोडियम साइट्रेट (10%)	150

12.	टिमरोसाल सलूशन (0.005%)	24000 मिली
13.	ट्रोपिकैमाइड (1%)	27270
14.	पाइपेरासिलिन	41
15.	ट्रोपैक+ फिनाइलफ्राइन (0.5%+2.5%)	6789
16.	गैनसाइक्लोवायर शीशियां 100 मिलीग्राम	59
17.	पिलोक्लोनिडाइन	278
18.	ओलोपाटादीन	1089
19.	ग्लिसरीन 20%	02
20.	पीएचएमबी	45
21.	मिथाइलसेलुलोज 2%	

किट और अन्य सामानों का वितरण (मांग पर)

ड्रग्स		मात्रा	
1.	इथायल अल्कोहल 20%	161 x 5 मिली	
2.	गोल्ड क्लोराइड	23	शीशियां
3.	हाइड्राज़िन हाइड्रेट	28	शीशियां
4.	लिपोसोमलफोटेरेसिन बी (0.15%)	02	शीशियां
5.	टीपीए (इंजेक्शन, 1 मिलीग्राम/एमएल)	13	ऐम्पूल (इंजेक्शन की शीशी)
6.	इन्फ्लिक्सिमाब इंजेक्शन 10 मिलीग्राम	10	शीशियां
7.	टिमोलोलमालेटोइंट। 0.5%	17	मलहम
8.	एसाइक्लोविर 120 मिलीग्राम	12	पाउच
9.	वैलगैनिक्लोविर टैबलेट	78	पाउच
10.	सिरोलिमस पाउडर	390	पाउच
11.	लिवोफ्लोक्सोसिन 0.5%	4	शीशियां
12.	वोरिकोनाज़ोल भागों में	13	पाउच
13.	भागों में प्रोपेनोलोल	28	पाउच
14.	वेलगैन्साइक्लोविर	9	पाउच
15.	हाइड्रोजन पेरोक्साइड 3%	2550 मिली	
16.	सोडियम हाइपोक्लोराइट 1%	26900 मिली	
17.	इमेपेनम 5%	-	शीशियां
18.	पोंकरेफ्लैट पाउच	54	पाउच
19.	हाइड्रोकार्टिसोन 5 मिलीग्राम	9	पाउच
20.	सेफ्ट्रिएक्सोन 5%	1	शीशी

21.	आइसोनियाज़िड	216	पाउच
22.	क्विनिडाइन सल्फेट	753	पाउच
23.	क्विनिडाइन 400 मिलीग्राम	865	कैप्सूल
24.	टेबलेट क्विनिडाइन 200 मिलीग्राम	235	पाउच
25.	कैप्सूल क्विनिडाइन 200 मिलीग्राम	1300	पाउच
26.	कैप्सूल इदेबेनोन	360	कैप्सूल
27.	क्लेरथ्रोमाइसिन 0.25%	1	शीशी
28.	ऑगमेंटिन 625 मिलीग्राम	4	पाउच
29.	हाइड्रोकार्टिसोन	45	पाउच
30.	प्रोप्रानोलोल	20	पाउच
31.	सोडियम बेंजोएट	40	पाउच
32.	हेलोपरिडोल	36	पाउच
33.	अल्फामिनो शक्ति	10	पाउच
34.	क्विनिडाइन सल्फेट 100 मिलीग्राम	400	कैप्सूल
स्टेराइल दवाएं बांटी गईं			
1.	बोटॉक्स	96	ऐम्पूल (इंजेक्शन की शीशी)
2.	बेवाकिज़ुमाब (अवास्टिन)	2648	ऐम्पूल (इंजेक्शन की शीशी)
3.	इंटरफेरॉन	89	शीशियों
बायोलॉजिकल डिस्पेंस्ड			
1.	ऑटोलॉगस सीरम	20	शीशियां
2.	ऑटोलॉगस पीआरपी	150	शीशियां
3.	प्लेटलेट रीच प्लाज्मा	2	शीशियां

राष्ट्रीय नेत्र कोष

राष्ट्रीय नेत्र कोष (एन.ई.बी.):-	
कॉर्निया का कुल संग्रह	378
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	311
अन्य नेत्र कोष (ओईबी):-	
कॉर्निया का कुल संग्रह	47
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	47
एन.ई.बी. में नेत्रदान के लिए प्रतिज्ञा किए गए लोगों की कुल संख्या:-	
नेत्रदान के लिए वचनबद्ध लोगों की कुल संख्या	108

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अतुल कुमार विट्रियो रेटिनल सर्जरी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार 2020 के अनुशासन में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के सदस्य हैं। दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ क्लिनिकल टॉक 200-2021 के लिए कृष्णा सोहन सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर पारिजात चंद्र पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ (जून 2020) के बाह्य परीक्षक थीसिस (एमएस नेत्र विज्ञान) हैं। आंतरिक परीक्षक एमडी नेत्र विज्ञान परीक्षा, आरपी केंद्र, एम्स (16-18 जून 2020)। बाह्य विशेषज्ञ - संकाय सदस्य भर्ती साक्षात्कार। एम्स कल्याणी (26 जुलाई 2020)। परीक्षक - बीएससी (ऑप्टोमेट्री) परीक्षा (अंतिम) चरण II द्वितीय वर्ष। नेत्र उपकरण और उपकरण (अगस्त 2020)। बाह्य परीक्षक थीसिस (एमएस नेत्र विज्ञान), पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ (मार्च 2021)। मॉडरेटर: आरओपी पर सत्र। डॉस शीतकालीन सम्मेलन (18-20 दिसंबर 2020)। संयोजक। संयोजक: बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान, डीओएस (डॉस) मध्यावधि सम्मेलन, दिल्ली (20-21 मार्च 2021)।

प्रोफेसर जे एस टिटियाल को शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर तेजस्वी अस्तित्व फाउंडेशन, सितंबर 2020, नई दिल्ली में सर्वपल्ली राधाकृष्णन मेमोरियल अवार्ड मिला। ओम प्रकाश इंटरनेशनल ओरेशन दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी अपने पहले वेब वार्षिक डीओएस (डॉस) सम्मेलन 2020 (दिसंबर 2020), नई दिल्ली में। ओसीटी गाइडेड फेमटोसेकंड लेजर असिस्टेड फेकमूल्सीफिकेशन- केरल स्टेट ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस "दृष्टि 2020" नवंबर 2020 का लाइव वेब सम्मेलन। स्वास्थ्य कार्यक्रम डीडी-भारती, "होली के बाद की आंखों की समस्याएं और समाधान" पर राष्ट्रीय कार्यक्रम में लाइव फोन, मार्च 2021, प्रसार भारती, मंडी हाउस। नई दिल्ली। बीबीसी-रेडियो, आंखों की सामान्य समस्याएं और कोविड-19, मार्च 2021, नई दिल्ली। ग्लूकोमा जागरूकता सप्ताह पर "स्वस्थ किसान" डीडी किशन लाइव स्वास्थ्य कार्यक्रम। मार्च. 2021, डीडी किसान, डीडी केंद्र, खेल गांव, नई दिल्ली। विश्व ग्लूकोमा सप्ताह चैनल न्यू एक्स में विशेष कार्यक्रम "मेडिकली स्पीकिंग" मार्च 2021, नई दिल्ली। रेजिनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, बीएचयू, वाराणसी, सितंबर 2020 के दूसरे स्थापना दिवस समारोह पर सम्मानित अतिथि। 35 वें राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़े समारोह, सितंबर 2020, नई दिल्ली में सक्षम लाइव वेबिनार के लिए विशिष्ट अतिथि। डीएन न्यूज में साक्षात्कार के लिए अतिथि "नेशनल आई बैंक की उपलब्धियां और एम्स में नेत्रदान", सितंबर 2020, नई दिल्ली। नेत्रदान पर एफएम इंद्रधनुष आकाशवाणी लाइव प्रश्न-उत्तर कार्यक्रम, सितंबर 2020। ऑल इंडिया रेडियो, नई दिल्ली। टोटल हेल्थ, डीडी -2 राष्ट्रीय कार्यक्रम "राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा और नेत्रदान और केराटोप्लास्टी में कोरोना महामारी का प्रभाव", अगस्त 2020, मंडी हाउस, नई दिल्ली। नेत्रदान पर एफएम इंद्रधनुष आकाशवाणी लाइव कार्यक्रम। अगस्त 2020, ऑल इंडिया रेडियो, नई दिल्ली। नेत्रदान और नेत्र बैंकिंग में कोविड के प्रभाव पर लाइव वेबिनार। दधेची देह दान समिति, जुलाई 2020। नई दिल्ली। आंखों की समस्या का कैसे करें ख्याल। जुलाई 2020, लोकसभा टीवी, दूरदर्शन, नई दिल्ली। कोरोना महामारी में अपनी आंखों की सुरक्षा कैसे करें। जून 2020, एनडीटीवी, नई दिल्ली। कोरोना महामारी में अपनी आंखों की सुरक्षा कैसे करें। मई 2020, दूर दर्शन, राष्ट्रीय, मंडी हाउस, नई दिल्ली। कोरोना महामारी और आंखों पर इसका प्रभाव। मई 2020, दूर-दर्शन राष्ट्रीय, मंडी हाउस, नई दिल्ली।

प्रोफेसर नम्रता शर्मा ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआईओएस) की मानद महासचिव थीं; क्षेत्रीय सचिव, एशिया-पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एपीएओ); मानद महासचिव, आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईबीएआई); मानद महासचिव, दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी (डीओएस); इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया और केराटोरेफ्रेक्टिव सर्जन (आईएससीकेआरएस) की वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष; महासचिव, नेत्र अनुसंधान संघ, आरपी केंद्र; सदस्य कार्यकारी - कॉर्निया सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई)।

प्रोफेसर तुषार अग्रवाल को 13 जुलाई 2020 को अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी द्वारा वरिष्ठ अचीवमेंट अवार्ड मिला।

डॉ विजय गुप्ता को "जुवेनाइल ओपन एंगल ग्लूकोमा" शीर्षक उनके कार्य के लिए 2021 ग्लोबल गोल्डन हेलिक्स एब्सट्रैक्ट प्रतियोगिता के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ रोहित सक्सेना ने 2020 के लिए दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी द्वारा हरि मोहन व्याख्यान प्राप्त किया।

डॉ रोहित सक्सेना ने स्ट्रैबिस्मस एंड पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसपीओएसआई) द्वारा वर्ष 2020 के लिए स्ट्रैबिस्मोलॉजी में उत्कृष्टता प्राप्त की।

डॉ रेबिका को साइंस फादर द्वारा "नए विज्ञान आविष्कारों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पुरस्कार" एनईएसआईएन 2021 पुरस्कारों के लिए "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार" के लिए नामांकित किया गया था; आईएनओएस न्यूजलेटर में अनुभाग संपादक।

डॉ देवांग अंगमो ने "प्राइमरी एंगल-क्लोजर ग्लूकोमा में गोनियोसिनेचियालिसिस के साथ फेकमूल्सीफिकेशन अकेले बनाम फेकोमूल्सीफिकेशन के तुलनात्मक मूल्यांकन" के लिए क्लिनिकल साइंस श्रेणी के तहत उत्कृष्ट प्रकाशन की मान्यता में एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2019 प्राप्त किया; डॉस 2020 इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस, 18-20 दिसंबर 2020 में ग्लूकोमा (फ्री पेपर) -1 में "विभिन्न कॉर्नियल विशेषताओं के साथ बाल रोग ग्लूकोमा में आईकेयर आईसी200 और पर्किन्स टोनोमीटर का तुलनात्मक मूल्यांकन" शीर्षक वाले नि: शुल्क पेपर सत्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; डॉस 2020 इंटरनेशनल हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस, 18-20 दिसंबर 2020 में "इंट्राविट्रियल बेवाकिज़ुमैब के बाद रक्तस्रावी कोरॉइडल डिटेचमेंट की एक दुर्लभ प्रस्तुति" के लिए दिलचस्प मामलों के खंड में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया; डॉस मिड टर्म कॉन्फ्रेंस, 20-21 मार्च 2021 में "पीएसीजी बनाम कंट्रोल्स में एंडोकैनाबिनोइड्स की भूमिका का मूल्यांकन" शीर्षक वाले फ्री पेपर के लिए फ्री पेपर सेशन में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया; डॉस वार्षिक सम्मेलन 2020 और डॉस मध्यावधि सम्मेलन 2021 आयोजित का आयोजन किया; मुख्य प्रशिक्षक, ग्लूकोमा में लेजर पर एआईओएस 2020 में सफल निर्देश पाठ्यक्रम की अध्यक्षता और व्याखान दिया; डॉस 2019-2021 में सबसे कम उम्र के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुने गए; आईजेओ के लिए ग्लूकोमा अनुभाग संपादक; आरपीसी न्यूज़लैटर के लिए ग्लूकोमा अनुभाग संपादक; डॉस टाइम्स में सहायक संपादक।

प्रोफेसर नीलम पुष्कर ने नवंबर 2020 में आयोजित 'वार्षिक आरपीसी ऑनलाइन ओकुलोप्लास्टी और ऑन्कोलॉजी कार्यशाला' में ओकुलोप्लास्टी और ऑन्कोलॉजी पर सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर स्वाति फुलजले ने सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रदान किया: एपोस्टर प्रेजेंटेशन शीर्षक "5वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी एंड स्ट्रैबिस्मस", 26 सितंबर 2020।

डॉ रचना मील अनुदेश पाठ्यक्रम की मुख्य प्रशिक्षक हैं, जिसका शीर्षक है: कॉमन ऑप्थेल्मिक ट्यूमर के लिए हाल के रुझानों का एक त्वरित मूल्यांकन; जिसे दिनांक 14 फरवरी 2020 को गुरुग्राम में एआईओसी 2020 में आयोजित किया गया। वह अनुदेश पाठ्यक्रम के लिए सह-प्रशिक्षक हैं, जिसका शीर्षक है: द ओकुलोप्लास्टी ट्यूटोरियल - स्टेप बाय स्टेप अप्रोच; जिसे दिनांक 14 फरवरी 2020 को गुरुग्राम में एआईओसी 2020 में आयोजित किया गया।

डॉ अमर पुजारी ने डॉस वार्षिक सम्मेलन 2020 में आरएन सभरवाल स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

प्रोफेसर राधिका टंडन आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तत्काल पूर्व अध्यक्ष हैं; तत्काल पूर्व उपाध्यक्ष है - एसोसिएशन ऑफ आई बैंक्स ऑफ एशिया की एनओटीटीओ द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के सदस्य; राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन, भारत सरकार की शीर्ष तकनीकी समिति के सदस्य; आई बैंक एसोसिएशन (जीएईबीए) के वैश्विक गठबंधन के लिए सलाहकार सदस्य; आईसीएमआर द्वारा प्रदत्त मानक उपचार कार्यप्रवाह समिति (एसटीडब्ल्यूएस) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त; आई बैंक एसोसिएशन और डब्ल्यूएचओ के वैश्विक गठबंधन के सहयोग से जारी दान किए गए ऊतक के उपयोग में नैतिक प्रथाओं के लिए बार्सिलोना सिद्धांतों के निर्माण में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; दृष्टिहीनता और दृष्टिबिधता के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीबी और VI), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त ; सदस्य संयुक्त कार्य समूह इंडो-यूएस डीबीटी-एनईआई विजन रिसर्च-डीबीटी; सदस्य राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह लिम्बल स्टेम सेल उपयोग के लिए - आईसीएमआर ; अध्यक्ष दृष्टि विकलांगता उप-समिति सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय; रंग दृष्टि और दृश्य विकलांगता विशेषज्ञ समूह के लिए सदस्य समिति - एमसीआई; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, भारत के मुख्य समूह के सदस्य; एम्स (जोधपुर), एम्स मोहाली (पंजाब), यूसीएमएस (दिल्ली विश्वविद्यालय), जे.आई.पी.एम.ई.आर. (पुदुचेरी), किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (यूपी, लखनऊ) के लिए विशेषज्ञ; पंजाब सरकार और एनपीसीबीवीआई के कॉर्नियल ब्लाइंडनेस बैकलॉग फ्री पंजाब इनिशिएटिव के विशेषज्ञ; वेलकम ट्रस्ट, आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर के लिए विशेषज्ञ समीक्षक; अमेरिकन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, आर्काइव्स ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, पीएलओएस वन, ऑप्थल्मोलॉजी, ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, आई, कॉर्निया, ग्रेफ्स आर्काइव्स ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल ऑप्थल्मोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया आदि के लिए समीक्षक; दिल्ली अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ के निरीक्षण दल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया; आईसीएमआर द्वारा प्रदत्त परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के लिए एक विशेषज्ञ के रूप

में नियुक्त; डीबीटी बायोइंजीनियरिंग टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में मनोनीत, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार; जुलाई 2018 से इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत; आरपी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में ओकुलर ब्रैकीथेरेपी समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में मनोनीत; आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के लिए एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है ताकि स्वास्थ्य लाभ पैकेज, मानक उपचार दिशानिर्देश, चिकित्सा लेखा परीक्षा और उपचार की गुणवत्ता आदि पर विशेषज्ञता के क्षेत्रों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयोजित योजना के निर्बाध कार्यान्वयन के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान की जा सके; आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईबीएआई) के लिए आई बैंक कॉर्निया लेजिस्लेशन डिलिंक एक्शन कमेटी के सलाहकार बोर्ड / एक्शन कमेटी के सदस्य नियुक्त; सुश्री विद्या प्रदीप (पीएच511) की पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्त; भारती आई हॉस्पिटल, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली और गुरु तेग बहादुर अस्पताल, ताहिरपुर रोड, जीटीबी एन्क्लेव, नई दिल्ली के निरीक्षण के लिए निरीक्षण समिति के सदस्य।

नूपुर गुप्ता को **क्लिनिकल साइंस** कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए **एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड से** सम्मानित किया गया, जिसका शीर्षक है, जनसंख्या-आधारित मूल्यांकन का दृश्य हानि और कॉर्नियल रोग का पैटर्न: कोर अध्ययन से परिणाम; इंटरनेशनल सेंटर फॉर आई हेल्थ, लंदन, यूके के माध्यम से प्रकाशित सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य जर्नल के **सलाहकार बोर्ड के** सदस्य के रूप में आमंत्रित; आईसीएमआर फेलोशिप और बाह्य परियोजनाओं की समीक्षा के लिए नेत्र विज्ञान के क्षेत्र के लिए परियोजना समीक्षा समिति की बैठक के लिए **नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ के** रूप में नामांकित; एबी पीएमजेएवाई के लिए नेत्र विज्ञान मार्गदर्शन दस्तावेजों पर इनपुट के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित: आयुष्मान भारत योजना, भारत सरकार के तहत कॉर्नियल सर्जरी; देश में मोतियाबिंद उपचार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश विकसित करने के लिए विजन 2020-राइट टू साइट-इंडिया द्वारा नामांकित; एनपीसीबीवीआई के तहत देश में आंखों के स्वास्थ्य पर मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे के मानचित्रण के लिए राष्ट्रीय समिति के टास्क फोर्स सदस्य; बुनियादी नेत्र परीक्षण और प्राथमिक नेत्र देखभाल पर सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य जर्नल के अंतर्राष्ट्रीय और दक्षिण एशिया संस्करण के लिए **परामर्श संपादक के** रूप में आमंत्रित ; दिल्ली में प्राथमिक नेत्र देखभाल पर एनपीसीबीवीआई प्रशिक्षण के लिए चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्ति।

नेईवेटे लोमी ने डॉस मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस 2021 में पहला स्थान हासिल किया दिलचस्प मामले रेटिना सत्र शीर्षक वाले पेपर के लिए: "मेटास्टैटिक बनाम सेकेंड मैलिग्नेंसी- द्विपक्षीय रेटिनोब्लास्टोमा के इलाज के मामले में एक नैदानिक दुविधा"; दिलचस्प मामले शीर्षक वाले पेपर के लिए रेटिना सत्र: डॉस मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस 2021 में " पोस्ट ट्रॉमेटिक क्लोज्ड ग्लोब इंजरी के मामले में यूवेल मेलानोमा"; संयोजक- डॉस ऑकुलोप्लास्टी इंटरनेशनल प्लेनरी सेशन, 18 दिसंबर, 2020 को तीसरा स्थान। डॉस वार्षिक सम्मेलन; निर्णायक-ओकुलर ऑन्कोलॉजी दिलचस्प मामले (फ्री पेपर), 19 दिसंबर 2020। डॉस वार्षिक सम्मेलन; पहली बार ऑक्यूलर ट्यूमर में बीएआरसी द्वारा विकसित प्लाक ब्रैकीथेरेपी का

सितंबर 2020 में आरपी सेंटर, एम्स में सफलतापूर्वक उपयोग किया गया था और इसे भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है; 28 मार्च 2021 को आरयु-106 पट्टिका सिम्युलेटर एप्लिकेशन के 1 संस्करण को सौंपने की सुविधा के लिए, भारत के कोर ओकुलर ऑन्कोलॉजिस्ट समूह के बीच बीएआरसी, मुंबई द्वारा आयोजित गूगल की बैठक में भाग लिया।

डॉ निशात हुसैन अहमद को वीनस इंटरनेशनल हेल्थकेयर अवार्ड्स 2020 में वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा 'माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोगों में उत्कृष्ट क्लिनिक' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है; युवा वर्ग में "जीएपीआईओ (ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन) एक्सीलेंस इन डायग्नोस्टिक्स अवार्ड" 2021 से सम्मानित किया गया है; फंगल इंफेक्शन स्टडी फोरम (एफआईएसएफ) के सम्मेलन, माइकोकॉन 2021 में 'रोडोटोरुला प्रजाति-ओकुलर इन्फेक्शन में एक उभरता हुआ रोगज़नक़' शीर्षक वाले ई-पोस्टर में प्रथम पुरस्कार जीता; कोविड-19 के नोडल अधिकारी एवं केंद्र की कोविड-19 समिति के सदस्य सचिव। केंद्र के 54वें स्थापना दिवस समारोह में उन्हें 'कोविड नियंत्रण के लिए विशेष सम्मान' से सम्मानित किया गया है।

नेत्र भेषजगुणविज्ञान

प्रोफेसर टी वेलपांडियन को 13 मार्च 2021 को 54वें स्थापना दिवस पर नेत्र अनुसंधान संघ, डॉ. आरपी केंद्र, एम्स द्वारा कोविड नियंत्रण के लिए सम्मान के लिए विशेष कोविड पुरस्कार मिला; 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) कॉल' अंडर एप्रोच टू एड्रेस एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) और डीबीटी) के तहत ग्रैंड चैलेंज अवार्ड के प्राप्तकर्ता है।

सामुदायिक नेत्रविज्ञान

प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ अंधेपन की रोकथाम पर एआईओएस की अध्यक्षीय समिति के सदस्य सचिव हैं; 2020-2023 की अवधि के लिए विजन 2020 राइट टू साइट इंडिया के उपाध्यक्ष; एनपीसीबी और वी.आई., एमओएच और एफडब्ल्यू, भारत सरकार के साथ साझेदारी में भारत में नेत्र देखभाल सेवाओं के लिए मानव संसाधन और अवसंरचना पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण के लिए उन्मुख राज्य कार्यक्रम अधिकारी और जिला कार्यक्रम प्रबंधक। भारत के 18 राज्यों (मिजोरम, असम, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार) में बैठकें आयोजित की गईं; नेत्रहीनता और दृश्य हानि के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीबी और वी.आई.) के तहत आईईसी/स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री के डिजिटलीकरण के लिए सदस्य; म्यांमार में ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए डोजियर समीक्षा समिति के सदस्य। समीक्षा की और डब्ल्यूएचओ को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत किया; मोतियाबिंद बैकलॉग उन्मूलन की योजना बनाने के लिए एनपीसीबी और वीआई समिति के सदस्य; आशा, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम, चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्स (पीएचसी/यूपीएचसी) के लिए स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के लिए आंखों की देखभाल पर निम्नलिखित मॉड्यूल के विकास पर एनएचएसआरसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; 19 दिसंबर 2020 को डॉस सम्मेलन में सामुदायिक नेत्र विज्ञान सत्र में सह-अध्यक्ष; एम्स और एमओएच एंड एफडब्ल्यू को वार्षिक रिपोर्ट हेतु आरपी केंद्र के लिए नोडल

अधिकारी; वैज्ञानिक-बी, डी एंड ई की भर्ती के लिए आईसीएमआर स्क्रीनिंग समिति की बैठक के सदस्य; दिल्ली एनपीसीबीवीआई कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सलाहकार, संकाय सदस्य और संसाधन व्यक्ति; वर्ष 2030 तक विजन 2020 राइट टू साइट के लिए भविष्य की योजना पर चर्चा करने के लिए डबल्यूएचओ एसईएआरओ और आईएपीबी क्षेत्रीय बैठक के लिए विशेषज्ञ परामर्श के सदस्य; नेत्र उपचार के सभी स्तरों को कवर करते हुए "नेत्र उपचार सेवाओं में एकीकरण के लिए क्षेत्रीय रणनीतिक दिशा" विकसित करने के लिए डबल्यूएचओ-एसईएआरओ के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; विटामिन ए पूरकता की संशोधित रणनीति तैयार करने एमओएच और एफडबल्यू के विशेषज्ञ समिति के सदस्य; चल रहे कोविड -19 में प्रदान की गई सेवा के लिए चरित्र निर्माण मंडल (भारत) द्वारा "कोरोना योद्धा" के रूप में सम्मानित किया गया; यूके में राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति आयोग की ओर से ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित नेतृत्व कार्यक्रम में प्रशिक्षित; 21 मार्च 2021 को नई दिल्ली में आयोजित डॉस के मध्यावधि सम्मेलन में एसीओआईएन सत्र में संयोजक।

डॉ सूरज सेंजम सिंह ने 17 अप्रैल 2020 को सामुदायिक नेत्र विज्ञान, 7वीं मंजिल, आरपी सेंटर, एम्स में टेलीहेल्थ और पुनर्वास सेवाएं शुरू कीं ; इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी ऑप्थल्मोलॉजी के प्रबंध संपादक ने अन्य संपादकीय बोर्ड के सदस्यों के साथ सभी पत्रों को अंतिम रूप दिया; सहायक प्रौद्योगिकी संचालित त्वरित मूल्यांकन के लिए फोकल और तकनीकी सदस्य के रूप में, भारत 2021; बीबीसी को एक साक्षात्कार दिया गया था, यूके ने अपने डिजिटल ग्रह अनुकरणीय पर नेत्रहीनों के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी पर साक्षात्कार किया; दक्षिण पूर्व एशिया में सहायक प्रौद्योगिकी की खरीद के लिए विशेषज्ञ समीक्षा समिति डबल्यूएचओ-एसईएआरओ के सदस्य।

डॉ विवेक गुप्ता 54वां आरपीसी स्थापना दिवस कांग्रेस 2021 के संयुक्त आयोजन सचिव; सहायक संकाय, कंप्यूटर सुविधा, एम्स, नई दिल्ली; दिनांक 30 दिसंबर 2020 के टी-21016/250/2020-ई हेल्थ के जरिये भारत के ईएचआर मानकों की समीक्षा करने के लिए एमओएच&एफडबल्यू समिति के सदस्य; भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर एमओएच&एफडबल्यू उप-समिति के सदस्य; प्रमुख, आरपीसी के मार्गदर्शन में प्रो तनुज दादा और डॉ रोहन चावला के साथ कोविड के दौरान आरपीसी एसओपी विकसित किया; http://meet.aiims.edu वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म विकसित किया ; 36 पाठ्यक्रमों में एम्स के 'सरल' लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग करते हुए एम्स के 2907 से अधिक रेजिडेंट और स्टाफ नर्सों के कोविड प्रशिक्षण में समन्वयन किया।

प्रोफेसर संजय शर्मा को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (वर्ष 2018-19 के लिए), 3 पुरस्कार मिला। 25 सितंबर 2020 को वार्षिक संस्थान दिवस समारोह में सम्मानित किया गया; आईएलबीएस, नई दिल्ली में पीडीसीसी एचपीबी इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के लिए बाह्य परीक्षक, 13 दिसंबर 2020; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में फेलोशिप (इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी) के लिए बाह्य परीक्षक, 9 जून 2020; सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल, लखनऊ में विकिरण निदान की विशेषज्ञता में संकाय सदस्यों के चयन के लिए साक्षात्कार में विभिन्न मशीनरी और उपकरण, स्टोर खरीद समिति, मुख्य तकनीकी विनिर्देश और मूल्यांकन समिति विषय विशेषज्ञ की मूल्य वार्ता समिति के सदस्य, 21 नवंबर

2020 (ऑनलाइन); दिल्ली के एमडी विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एनईजीआरआईएचएमएस शिलांग, एम्स जोधपुर के लिए थीसिस परीक्षक; जेसीआईआर के लिए समीक्षक, जे क्लिन इमेजिंग साइंसेज, एक्टा रेडियोलॉजिका, एएम जे रोएटजेनॉल, आईजेएमआर आंतरिक परीक्षक एमडी रेडियोडायग्नोसिस (एम्स) दिसंबर 2020; संपादकीय बोर्ड के सदस्य: आईआरआईए, जेसीआईआर, आईजेयू, जेसीओआर; 26 दिसंबर 2020 को निजाम (एनआईजेडएएम) में पीजी द्वारा करकरला 3 सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए अर्जुन नेताजी, कोरियाई पुरस्कार और सुबारो गोल्ड मेडल।

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

प्रमुख

राजेश मल्होत्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

निरुपम मदान (जून 2020 - अब तक), अमित लठवाल (जून 2020 तक)

आचार्य

संवेदनाहरण विज्ञान	**आपातकालीन चिकित्सा**	**फोरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए एफपी प्रभाग**
बबीता गुप्ता छवि साहनी	संजीव के. भोई	संजीव लालवानी आदर्श कुमार
प्रयोगशाला चिकित्सा	**तंत्रिका शल्य चिकित्सा**	**अस्थिरोग**
एस अरुलसेल्वि पूर्वा माथुर	दीपक अग्रवाल दीपक के गुप्ता जीडी सत्यार्थी	कामरान फारूक विजय शर्मा बुद्धदेव चौधरी विवेक त्रिखा
विकिरण-निदान	**ट्रॉमा शल्य चिकित्सा और गहन उपचार प्रभाग**	**दग्ध एवं प्लास्टिक शल्यचिकित्सा**
शिवानंद जी. अतिन कुमार	सुषमा सागर सुबोध कुमार अमित गुप्ता बिप्लब मिश्रा	मनीष सिंघल

अपर आचार्य

गहन उपचार	**वृक्कविज्ञान**	**तंत्रिका शल्यचिकित्सा**
कपिल देव सोनी ऋचा अग्रवाल	सौमिता एस. बागची	पंकज के सिंह
प्रसूति एवं स्त्रीरोग	**तंत्रिका संवेदनाहरण**	**बाल शल्यचिकित्सा**
गरिमा कछावा	केशव गोयल नवदीप सोखल आशीष बिंद्रा ज्ञानेंद्र पाल सिंह डॉ नीरज कुमार	शिल्पा शर्मा

सह-आचार्य

आपातकालीन चिकित्सा

तेज प्रकाश सिन्हा

सहायक आचार्य

ट्रॉमा शल्यचिकित्सा और गंभीर उपचार प्रभाग	**रक्त-आधान चिकित्सा**	**अस्थिरोग**
प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी अभिनव कुमार नरेंद्र चौधरी दिनेश कुमार बगारिया जुनैद आलम	राहुल चौरसिया	समर्थ मित्तल हेमंत बंसल (संविदा) निशंक मेहता (संविदा)
तंत्रिका शल्यचिकित्सा	**संवेदनाहरण विज्ञान**	**हृदविज्ञान**
कोक्कुला प्रणीत	युधवीर सिंह अभिषेक सिंह (संविदा)	निर्मल घाटी (संविदा)
अस्पताल प्रशासन	**विकिरण-निदान**	**फोरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए एफपी प्रभाग**
अनंत गुप्ता (संविदा)	ऋचा यादव (संविदा)	अनुपमा रैना (वैज्ञानिक)
मूत्ररोग विज्ञान		
सिद्धार्थ जैन		

विशिष्टताएं

जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र को मध्यम से गंभीर कोविड रोगियों के लिए एक विशेष कोविड उपचार केंद्र में बदल दिया गया था। पहले कोविड रोगी को 3 अप्रैल 2020 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। यह शीघ्र परिवर्तन अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी, जिसमें एक साथ काम करने वाली टीम के दृष्टिकोण को प्रकट किया था। हमारे केंद्र ने उच्च गुणवत्ता वाले पीपीई के साथ डोनिंग और डोफिंग के लिए बहुत ही तेजी से कार्य किया था। भूतल पर कोविड रोगियों के लिए एक 20-बेड वाला आईसीयू आरम्भ किया गया। यह केंद्र डायलिसिस सुविधा के साथ पूरी तरह सुसज्जित और पूरी तरह से कार्य करने वाला केंद्र है। कोविड सेंटर में तीन आईसीयू, एक एचडीयू और चार वार्ड हैं। स्वास्थ्य कर्मियों, रोगियों, लॉन्ड्री और जैविक कचड़ो ले जाने के लिए विशेष कॉरिडोर बनाए गए। हमारे द्वारा हर वर्ग के स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के लिए संक्रमण नियंत्रण, डोनिंग और डफिंग पर

गहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। महामारी के पहले पांच महीनों में 1000 से अधिक कर्मचारियों को बार बार होने वाले प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। एएचयू में यूवीजीआई स्थापित करने, उस क्षेत्र को उचित रूप से अकेला करके, और नए शौचालय बनाने आदि के लिए कई प्रकार के इंजीनियरिंग संबंधी निर्माण कार्य किए गए थे। ऑक्सीजन पॉइंट वाले निजी वार्ड नए चालू किए गए थे। रोगियों के परिचारकों के लिए विशेष टेली-संवाद क्षेत्रों के माध्यम से उनके रोगियों के विजिट की सुविधा प्रदान की गई। इतना ही नहीं हमारे द्वारा एक नया ऑक्सीजन आपूर्ति संयंत्र स्थापित किया गया था। कोविड रोगियों के लिए ओटी में पूरी क्षमता से चलाए गए और कई सीजेरियन सेक्शन और अन्य प्रक्रियाएं की गईं।

3 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक ट्रॉमा सेंटर कोविड सुविधा में कुल 5,902 लोग भर्ती हुए थे। तो वहीं, पूरे ट्रॉमा उपचार सुविधा को मुख्य अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य को एक सप्ताह में पूरा किया गया। नए क्षेत्रों में रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली ट्रॉमा उपचार सेवा प्रदान की जाती रही थी और यही कारण था कि ट्रॉमा ओटी पूरे कोविड अवधि के दौरान पूरी तरह कार्य करते रहे थे। ट्रॉमा ट्राइएज क्षेत्रों को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर की तर्ज पर ही कार्य करने योग्य बनाया गया था। सभी ट्रॉमा रोगियों को इस मध्य तत्काल और उच्चतम गुणवत्ता वाली रोगी उपचार सुविधा प्राप्त हुई।

सभी संकाय-सदस्यों ने विभिन्न हर प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया। ट्रॉमा सेंटर को संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आईसीएमआर द्वारा उन्नत अनुसंधान केंद्र से सम्मानित किया गया। ट्रॉमा केंद्र इसके साथ ही आयुष मंत्रालय के सहयोग से एक विशेष हर्बल गार्डन का रखरखाव कर रहा है ।

THE ULTRASOUND CLINIC

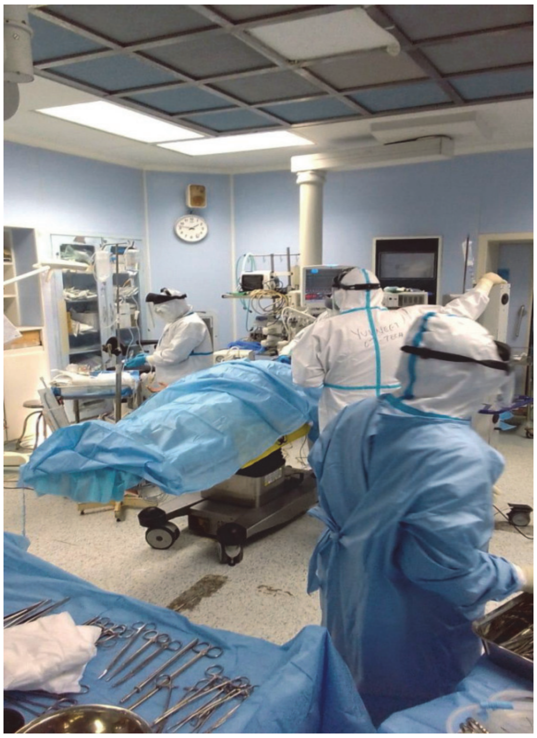

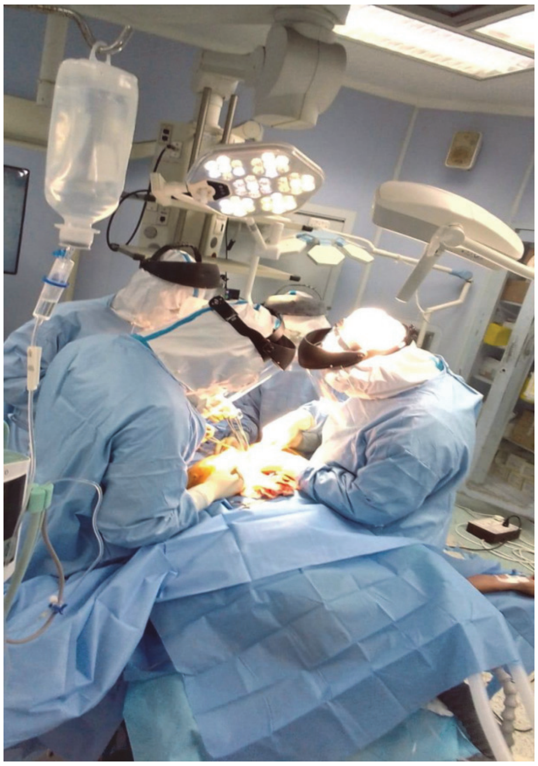

NO
EXIT IN
PPE

एम्स के निदेशक और जेपीएनए ट्रॉमा के प्रमुख के साथ माननीय स्वास्थ्य मंत्री का दौरा

शिक्षा

प्रशिक्षण

राजेश मल्होत्रा

1. 12 अप्रैल, 2020 को शाम 5-6 बजे इंडिया टीवी पर "कोविड-19- स्ट्रेटेजीज टू टैकल" पर लाइव टीवी शो ।
2. 15 अप्रैल 2020 को शाम 7-8 बजे डीडी नेशनल पर "कोविड-19- लॉकडाउन 2.0" पर विशेष कार्यक्रम में लाइव फोन।
3. 15 अप्रैल 2020 को रात 9-10 बजे एनडीटीवी पर "कोविड-19- स्ट्रेटेजीज टू टैकल" पर लाइव टीवी शो।
4. शनिवार 18 अप्रैल 2020 को शाम 5:30 बजे प्रसारित "जब आप घर पर हैं" एनडीटीवी 24x7, एनडीटीवी इंडिया और एनडीटीवी प्रॉफिट पर।
5. "जब आप घर पर हैं " रविवार 19 अप्रैल 2020 को क्रमशः एनडीटीवी 24x7, एनडीटीवी इंडिया और एनडीटीवी प्रॉफिट पर दोपहर 12:30 बजे, सुबह 10:30 बजे, सुबह 10:00 बजे और 9:30 बजे प्रसारित किया गया।
6. 2 मई 2020 को शाम 7-8 बजे डीडी नेशनल पर "#कोविड-19 के अपडेट" पर टीवी शो आरोग्य भारत में लाइव फोन।
7. एनडीटीवी इंडिया पर 4 मई 2020 को शाम 7:30 बजे प्रसारित कोविड-19 के खिलाफ "प्लाज्मा थेरेपी-नो मैजिक बुलेट "पर टीवी कार्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ।
8. एनडीटीवी 24x7 पर "कोविड-19" पर लाइव टीवी शो रात 9-10 बजे, 7 मई 2020 ।
9. एनडीटीवी 24x7 पर "कोविड-19" पर लाइव टीवी शो रात 9-10 बजे, 10 मई 2020 ।

10. 14 मई 2020 को एनडीटीवी पर 11:30 पूर्वाह्न टीवी शो में लाइव फोन "डॉक्टर्स ऑन कॉल - कोविड-19 पर विशेष कार्यक्रम" ।
11. 15 मई 2020 को शाम 5:00 से 6.00 बजे तक लोकसभा चैनल पर "कोविड-19" पर टीवी शो।
12. "25 मई 2020 को शाम 6 बजे और रात 10 बजे लोकसभा चैनल पर स्वस्थ भारत टीवी शो "कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य का प्रसारण।
13. 7 जून 2020 को एनडीटीवी टीवी शो में लाइव फोन "डॉक्टर्स ऑन कॉल - कोविड-19 पर विशेष कार्यक्रम" ।
14. 23 जून 2020 को रात 09:30 बजे एनडीटीवी पर "डॉक्टर्स ऑन कॉल-स्पेशल प्रोग्राम ऑन न्यू कंटेनमेंट जोन" पर टीवी शो में लाइव फोन।
15. 24 जून 2020 को एनडीटीवी पर शाम 07:00 बजे लाइव टीवी शो "दिल्ली में कोविड मामलों की बढ़ती संख्या" ।
16. 18 जुलाई 2020 को रात 9:30 बजे एनडीटीवी इंडिया पर "फाइटिंग विद कोरोना" पर लाइव टीवी शो।
17. 18 जुलाई 2020 को रात 10:00 बजे एनडीटीवी पर 24x7 बजे "फाइटिंग विद कोरोना" पर लाइव टीवी शो।
18. 2 अगस्त 2020 को रात 9:00 बजे एनडीटीवी 24x7 पर "लेफ्ट राइट एंड सेंटर" पर लाइव टीवी शो।
19. 7 अगस्त 2020 को दोपहर 1.30 बजे लोकसभा चैनल पर "कोरोना" पर लाइव टीवी शो।
20. 11 अगस्त 2020 को दोपहर 1:00 बजे एनडीटीवी पर "दिल्ली एनसीआर में स्कूल खोलना" विषय पर लाइव टीवी शो।
21. एनडीटीवी पर लाइव टीवी शो "भारत ने 3 मिलियन कोविड-19 मामलों को पार किया- क्या हम पर्याप्त कर रहे हैं?" 22 अगस्त 2020 को एनडीटीवी पर रात 9.30 बजे से रात 10 बजे तक एनडीटीवी पर 24x7 और रात 10 बजे से रात 10.30 बजे तक ।
22. 27 अगस्त 2020 को दोपहर 03.30 बजे डीडी टोटल हेल्थ पर "कोविड-19" पर लाइव टीवी शो।
23. 28 अगस्त 2020 को अपराह्न 03.30 बजे दूरदर्शन पर "कोविड-19 पर प्रश्न उत्तर" पर लाइव टीवी शो।
24. 9 सितंबर 2020 को दोपहर 1:00 बजे एनडीटीवी इंडिया पर "कोरोनावायरस- फैक्ट्स एंड मिथ्स (सच और अफवाह) पर आईसीएमआर प्लाज्मा थेरेपी ट्रायल" पर लाइव टीवी शो ।
25. 9 सितंबर 2020 को दोपहर 1:30 बजे एनडीटीवी 24x7 पर "कोरोनावायरस- ऑक्सफ़ोर्ड वैक्सीन परीक्षण के बंद होने पर तथ्य और मिथक" पर लाइव टीवी शो।
26. 16 सितंबर 2020 को अपराह्न 3:30 बजे डीडी टोटल पर "डॉक्टर स्पीक: ऑन टेस्टिंग एंड वैक्सीन फॉर कोरोना वायरस" पर लाइव टीवी शो।
27. 20 सितंबर 2020 दोपहर 2:00 बजे डीडी न्यूज पर "डॉक्टर स्पीक: पेशेंट एंड हेल्थकेयर वर्कर सेफ्टी" पर लाइव टीवी शो ।

28. 30 सितंबर 2020 को दोपहर 2:00 बजे एनडीटीवी 24X7 पर "साक्षात्कार और कोविड संबंधित प्रश्नों के उत्तर" पर लाइव टीवी शो।
29. 30 सितंबर 2020 को दोपहर 2:30 बजे एनडीटीवी इंडिया पर "कोविड: फैक्ट्स एंड मिथ्स अनलॉक 5.0" पर लाइव टीवी शो।
30. 5 अक्टूबर 2020 को दोपहर 3:30 बजे डीडी टोटल पर "डॉक्टर स्पीक: लाइव इंटरएक्टिव प्रोग्राम ऑन कोविड-19" पर लाइव टीवी शो।
31. 13 अक्टूबर 2020 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी इंडिया पर "कोविड: सच या अफवाह" पर लाइव टीवी शो।
32. 15 अक्टूबर 2020 को दोपहर 1:30 बजे एनडीटीवी 24x7 पर "कोरोनावायरस- तथ्य और मिथक" पर लाइव टीवी शो।
33. 20 अक्टूबर 2020 09: 30-10: 00 बजे डीडी न्यूज पर "विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस: हड्डियों की देखभाल" पर लाइव टीवी शो ।
34. 20 अक्टूबर 2020 को 03:30 अपराहन डीडी न्यूज पर लाइव टीवी शो "डॉक्टर स्पीक: डॉक्टरों का पैनल आपके प्रश्नों का उत्तर देता है और सभी मिथकों और शंकाओं को दूर करता है: ऑस्टियोपोरोसिस" ।
35. 25 अक्टूबर 2020 को सुबह 9:00 बजे एनडीटीवी 24x7 पर "फेस्टिव सीजन में दिल्ली में प्रदूषण और हालिया स्पाइक" पर लाइव टीवी शो।
36. 8 नवंबर 2020 को दोपहर 2:00 बजे डीडी न्यूज पर "डॉक्टर स्पीक: बोन हेल्थ एंड कोविड-19" पर लाइव टीवी शो।
37. 16 नवंबर 2020 को दोपहर 1:30 बजे एनडीटीवी 24x7 पर "दिल्ली में तीसरी लहर" पर लाइव टीवी शो।
38. 'आजतक' पर शुक्रवार 20 नवंबर 2020 को रात 8:00 बजे " कोरोना वायरस की बढ़ती संख्या" पर लाइव टीवी शो ।
39. 1 दिसंबर 2020 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी चैनल पर "दिल्ली में कोविड-तीसरी लहर" पर लाइव टीवी शो।
40. 3 दिसंबर 2020 को दोपहर 03: 00-03:30 बजे राज्यसभा चैनल पर लाइव कोविड स्पेशल शो "विकलांग व्यक्ति के लिए कोविड-19 चुनौतियां"-इंडिया फाइटस बैक।
41. 3 दिसंबर 2020 को अपराहन 03:30-04:00 बजे लोकसभा चैनल पर "कोविड वैक्सीन" पर लाइव टीवी कार्यक्रम।
42. 19 दिसंबर 2020 को शाम 7:30 बजे-08:00 बजे बीबीसी न्यूज़ हिंदी पर "कोरोना रोगी एक करोड़ पार: तैयारी कैसी है?" पर इंटरएक्टिव कार्यक्रम में लाइव फोन ।
43. 20 दिसंबर 2020 को ज़ी न्यूज़ पर "कोविड म्यूटेशन और वैक्सीन संबंधित मुद्दें" पर लाइव टीवी कार्यक्रम।
44. 22 दिसंबर 2020 को दोपहर 12:30-01:00 बजे एनडीटीवी पर "कोविड-19 की न्यू स्ट्रेन-अफवाह या वास्तविकता" पर लाइव टीवी शो।

45. 26 दिसंबर 2020 को सुबह 11:00 बजे राज्यसभा चैनल पर "हड्डियों और जोड़ों पर कोविड के प्रभाव" पर आयुष्मान भव: कार्यक्रम ।
46. 30 दिसंबर 2020 को दोपहर 1 बजे इंडिया टीवी पर "कोविड के न्यू म्यूटेंट स्ट्रेन" पर लाइव टीवी शो।
47. 31 दिसंबर 2020 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी पर "कोविड के न्यू म्यूटेंट स्ट्रेन" पर लाइव टीवी शो।
48. 31 दिसंबर 2020 को दोपहर 1:30 बजे एनडीटीवी इंडिया पर "म्यूटेंट स्ट्रेन ऑफ कोविड-अफवाह बनम वास्तविकता" पर लाइव टीवी शो।
49. 1 जनवरी 2021 को शाम 6:00-7:00 बजे लोकसभा टीवी पर "कोविड के खिलाफ अंतिम लड़ाई" पर लाइव टीवी शो लोक मंच।
50. 1 जनवरी 2021 को रात 8:00-8:30 बजे डीडी न्यूज पर "कोविड के खिलाफ अंतिम लड़ाई" पर लाइव टीवी शो।
51. 3 जनवरी 2021 को पूर्वाह्न 11:00 बजे एनडीटीवी 24x 7 पर "डीजीसीआई ने कोविड के लिए कोविशील्ड और कोवैक्सिन टीकों को मंजूरी दी" पर लाइव टीवी शो।
52. 15 जनवरी 2021 को दोपहर 2:00-3:00 बजे इंडिया न्यूज टुडे पर "कोविड टीकाकरण" पर लाइव टीवी शो।
53. 21 जनवरी 2021 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी पर "कोविड-19-अफवाह बनाम वास्तविकता" पर लाइव टीवी शो
54. 21 जनवरी 2021 को रात 08:00-08:30 बजे डीडी न्यूज पर "कोविड वैक्सीन सुरक्षा और प्रभावकारिता" पर लाइव टीवी शो।
55. 27 जनवरी 2021 को दोपहर 01:30 बजे एनडीटीवी पर "दिल्ली में SERO सर्वे" पर लाइव टीवी शो।
56. एनडीटीवी पर "सीरो सर्वे और स्पुतनिक वैक्सीन" पर लाइव टीवी शो दोपहर 01:30 बजे 3 फरवरी 2021।
57. 4 फरवरी 2021 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी पर "कोविड-19-अफवाह बनाम वास्तविकता" पर लाइव टीवी शो।
58. 23 फरवरी, 2021 को दोपहर 12:30 बजे एनडीटीवी पर "कोविड-19- वैक्सीन असिस्टेंसी" पर लाइव टीवी शो।
59. 08: 00-08: 30 अपराह्न 2 मार्च 2021 को डीडी न्यूज पर लाइव टीवी शो "बुजुर्गों और कोमॉर्बिडिटी वाले लोगों के लिए टीकाकरण का अगला चरण" ।
60. ‘आज तक तेज’ पर 4 मार्च 2021 को शाम 07:00 बजे लाइव टीवी कार्यक्रम देश की बात "महाराष्ट्र में रोगी संख्या में वृद्धि" ।
61. संसद टीवी पर 12 मार्च 2021 03:30 बजे लाइव टीवी शो आयुष्मान भव: "कोविड -19 और सर्जरी" पर ।

62. 23 मार्च 2021 को शाम 7:00-8:00 बजे इंडिया टीवी पर "कोविड टीकाकरण रणनीति और भारत में गति" पर लाइव टीवी शो।
63. 25 मार्च 2021 को दोपहर 12:30-1:00 बजे एनडीटीवी टीवी पर "कोविड-19-अफवाह बनाम वास्तविकता" पर लाइव टीवी शो, ।
64. 27 मार्च 2021 को शाम 07: 00-08: 00 बजे बीबीसी पर "श्री मनोहर लाल शर्मा के साथ कोरोना के बढ़ते मामले" और होली पर कार्यक्रम में लाइव फोन

ज्ञानिंदर पाल सिंह

1. पोस्टग्रेजुएट्स (डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी टीचिंग ऑफ एएचए बेसिक एंड एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट टू मेडिकल स्टूडेंट्स
2. नर्सिंग स्टाफ के लिए सीआरटीपी (कार्डियक रिससिटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम) का शिक्षण
3. एसईटी सुविधा में ई-लर्निंग कौशल मॉड्यूल के माध्यम से स्नातक और इंटर्न को नैदानिक कौशल का शिक्षण।
4. स्नातकोत्तर शिक्षण (एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के विद्यार्थी)
5. छात्रों की शिक्षा

कोक्कुला प्रणीत

1. साप्ताहिक आधार पर न्यूरोसर्जरी स्नातकोत्तर छात्रों की निगरानी की और सेमिनार संचालित की और केस अध्ययनों की प्रस्तुतीकरण की।

नवदीप सोखल

1. विभाग में अकादमिक और गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजीडेंटों का शिक्षण।
2. माइक्रोसॉफ्ट टीम के छात्रों के लिए सेमिनार, जर्नल क्लब और केस प्रस्तुति सहित संपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया।

नीरज कुमार

1. एम्स में मूलभूत आपातकालीन जीवन उपचार के बारे में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को पढ़ाना।
2. स्नातकोत्तर, डीएम और विभाग के वरिष्ठ रेजीडेंटों को पढ़ाने में सम्मिलित और सेमिनार, जर्नल क्लब और केस प्रस्तुतियों की तैयारी और संचालन में भी भाग लिया।
3. ओटी-तकनीशियनों के लिए भी सेमिनार किया।
4. पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में शिक्षा की ऑनलाइन अल्ट्रासाउंड श्रृंखला (कक्षा - आईएसएनएससी- सोसाइटी इनिशिएटिव) का आयोजन किया।

शिक्षण

शैक्षिक गतिविधियां/प्रदत्त व्याख्यान

राजेश मल्होत्रा: 37
अभिनव कुमार: 03
आदर्श कुमार: 08
अनुपमा रैना: 16
अमित गुप्ता: 21
आशीष बिंद्रा: 05
बबीता गुप्ता: 02
छवि साहनी: 02
दिनेश के बगारिया: 04
गरिमा कछावा: 03
ज्ञानिंदर पी. सिंह: 02
कामरान फारूक: 10
कपिल देव सोनी: 14
केशव गोयल: 09
नरेंद्र चौधरी: 03
नीरज कुमार: 06
निरुपम मदान: 07
प्रत्युषा प्रियदर्शिनी: 03
पूर्वा माथुर: 12
ऋचा अग्रवाल: 07
संजीव लालवानी: 17
शिल्पा शर्मा: 07
सुबोध कुमार: 12
तेज प्रकाश सिन्हा: 09
विजय शर्मा: 03
विवेक त्रिखा: 05
युधवीर सिंह: 01

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आदर्श कुमार

1. 22-24 जनवरी 2021 को एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक, ओडिशा में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के 42वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन- "फोरेंसिक मेडिकॉन-2021" के लिए विदेशी समन्वयक के रूप में आयोजन समिति के सदस्य।
2. 25 जुलाई 2020 को इंडोनेशियन एसोसिएशन ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन के सहयोग से इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकोलीगल विशेषज्ञों (आईएएमएलई) द्वारा आयोजित "कोविड -19 महामारी विज़-ए-विज़ करंट फोरेंसिक मेडिसिन प्रैक्टिस" पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय वेबलॉग के आयोजक / संचालक

अनुपमा रैना

1. रैना ए, प्रकाश ए. 25 नवंबर 2020 को सिंगापुर सिटी (ऑनलाइन) में आयोजित चिमेरिक स्टेट्स "फोरेंसिक रिसर्च एंड टॉक्सिकोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" के लिए वक्ता वाई-एसटीआर डीएनए मार्कर का उपयोग करके फोरेंसिक विश्लेषण के लिए सेक्स मिसमैच
2. सिंगापुर सिटी (ऑनलाइन) में 25-27 नवंबर 2020 के मध्य फॉरेंसिक रिसर्च एंड टॉक्सिकोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में एक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

3. प्रकाश ए, पंड्या पी, रैना ए (फरवरी 2021) नावेल फोरेंसिक स्थितियों में वाई-एसटीआर पर आधारित चिमरिज्म विश्लेषण, आईसीबीएसएन 2021, नेपाल की जैव प्रौद्योगिकी सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संगठन 12-14 फरवरी 2021 (ऑनलाइन)
4. प्रकाश ए, पंड्या पी, रैना ए (जनवरी 2021) फॉरेंसिक मेडिसिन 2021, फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग, एससीबी मेडिकल कॉलेज, कटक द्वारा आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के 42वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन 22-14 जनवरी 2021 चिमेरिज्म आधारित सेक्स मिसमैच एचएससीटी में वाई-एसटीआर पर (ऑनलाइन)

अमित गुप्ता

1. आईएसटीएसी वेबिनार एवं पैनल चर्चा: कोविड काल में ट्रॉमा उपचार: प्रतिक्रिया और आगे का रास्ता, 26 जून 2020, ऑनलाइन: इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर द्वारा आयोजित
2. "एब्डोमिनल ट्रामा के प्रबंधन पर लाइव ई-सीएमई - II, 1 अगस्त 2020, ऑनलाइन: इंडियन एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर
3. प्रबंधन (कार्यकारी) में पीजी डिप्लोमा का दूसरा संपर्क कार्यक्रम: अस्पताल प्रबंधन, 5-7 अगस्त 2020, ऑनलाइन: राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान
4. एब्डोमिनल ट्रामा के प्रबंधन पर लाइव ई-सीएमई - III, 8 अगस्त 2020, ऑनलाइन: इंडियन एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर तथा इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर
5. थोरैसिक ट्रॉमा के प्रबंधन पर वेबिनार - I, 14 अगस्त 2020, ऑनलाइन: इंडियन एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर तथा इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर
6. थोरैसिक ट्रॉमा के प्रबंधन पर वेबिनार - II, 20 अगस्त 2020, ऑनलाइन: इंडियन एसोसिएशन फॉर ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर तथा इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर
7. भारत में ट्रॉमा उपचार में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर वेबिनार: ट्रॉमा और एक्यूट केयर सर्जन- एक करियर मार्ग, 6 सितंबर 2020, ऑनलाइन: इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर
8. अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी) का 79वां वार्षिक सम्मेलन, 14 सितंबर 2020, ऑनलाइन: अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (यूएसए)
9. वैभव: वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक शिखर सम्मेलन, 3-20 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन: समन्वय संस्थान - एम्स, ऋषिकेश
10. नए एम्स के उप निदेशकों (प्रशासन) के लिए सामान्य और अस्पताल प्रशासन पर पहला फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 7 अक्टूबर 2020, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली
11. सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षक प्रमाणन पाठ्यक्रम, 24 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन: सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत
12. वर्चुअल ऑल लेवल ट्रॉमा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (एएलटीसी)-2020, 7-8 नवंबर 2020, ऑनलाइन: यूएई एकेडमी ऑफ साइंस एंड एमिरेट्स सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन, सऊदी अरब
13. "सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षा और अन्य सड़क सुरक्षा संबंधी आयामों" पर कौशल विकास कार्यक्रम, 10 नवंबर 2020, ऑनलाइन: सीएसआईआर - केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान

14. सीजी अस्पताल, परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय से ट्रॉमा नर्स समन्वयकों के लिए सीएमई और प्रशिक्षण, 13-21 जनवरी 2021, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली
15. "वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन" पर 96वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 10 फरवरी 2021, ऑनलाइन: राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान
16. 5वीं वर्ल्ड ट्रॉमा कांग्रेस (डब्ल्यूटीसी) - 2021, 14 फरवरी, ऑनलाइन: अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी) और वर्ल्ड कोएलिशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (डब्ल्यूसीटीसी), यूएसए
17. चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन उपचार सेवाओं में प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22-25 मार्च 2021, ऑनलाइन: एनएचएसआरसी, भारत सरकार
18. संयोजक: आईएसटीएसी वेबिनार एवं पैनल चर्चा “कोविड काल में ट्रॉमा उपचार: प्रतिक्रिया और आगे के रास्ते, 26 जून 2020, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म
19. सह-आयोजन सचिव: ट्रॉमा 2020-वर्चुअल सम्मेलन-ट्रामा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) के लिए भारतीय समाज का नौवां वार्षिक सम्मेलन, 3-5 दिसंबर, 2020, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म

दीपक अग्रवाल

1. माइक्रो न्यूरोसर्जरी वर्कशॉप- मार्च, 2021

जुनैद आलम

1. ट्रॉमा शल्य चिकित्सा और गहन उपचार प्रभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "भारत में ट्रॉमा केयर में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: ट्रॉमा और एक्यूट केयर सर्जन-ए कैरियर पाथवे" पर वेब पैनल चर्चा में भाग लिया।
2. फैकल्टी के रूप में भाग लिया और 13वीं सेल्सिकॉन और 12वीं आईएचएससीओएन, 30-31अक्टूबर 2020 में सत्र की अध्यक्षता की।
3. फैकल्टी के रूप में भाग लिया और एम्स, नई दिल्ली में सर्जिओन 2020, 6-8 नवंबर 2020 में सत्र की अध्यक्षता की।
4. फैकल्टी के रूप में भाग लिया और ट्रामा 2020 (वर्चुअल) 3-5 दिसंबर 2020 में सत्र की अध्यक्षता की।

कामरान फारूक

1. 30 अगस्त 2020 को डीओए 'बेसिक स्पाइन' ऑनलाइन वेबिनार के संयोजक

<u>एस अरुलसेल्वि</u>

1. **रक्त सुरक्षा,** राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी **,** द्वारका द्वारा 8 सितंबर को डॉक्टरों, प्रयोगशाला तकनीशियनों और प्रयोगशाला सहायकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया, वीडियो कॉन्फ्रेंस प्रशिक्षण

संजीव भोई

1. टैक्टिकल कॉम्बैट फॉर सीआरपीएफ 28 जनवरी-08 फरवरी 2021 सेमिनार रूम जेपीएनएटीसी, एम्स
2. टैक्टिकल कॉम्बैट फॉर सीआरपीएफ 10-20 मार्च 2021 सेमिनार रूम जेपीएनएटीसी, एम्स
3. टैक्टिकल कॉम्बैट फॉर सीआरपीएफ 13-23 अप्रैल 2021 सेमिनार रूम जेपीएनएटीसी, एम्स
4. 1-15 अप्रैल 2021 को (बीआरओ) के लिए व्यापक जीवन समर्थन पाठ्यक्रम, सेमिनार रूम, जेपीएनएटीसी, एम्स

सुबोध कुमार

1. 26 जून 2020 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर "कोविड काल में ट्रॉमा उपचार: प्रतिक्रिया एवं आगे का रास्ता" पर आईएसटीएसी वेबिनार एवं पैनल चर्चा
2. 3-5 दिसंबर 2020 को एक वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) के लिए भारतीय समाज का वार्षिक सम्मेलन " ट्रॉमा 2020 वर्चुअल कॉन्फ्रेंस"

विजय शर्मा

1. डीओए पीजी क्लास: - रेडियोलॉजी और फ्रैक्चर एसिटाबुलम का वर्गीकरण 6 जून 2020
2. 12 जुलाई 2020 और 19 जुलाई, 2020 को डीओए मिडकॉन 2020 के संयोजक
3. 1 सितंबर 2020 को ऑर्थो टीवी पर इंटर-ट्रोकैनेटरिक फ्रैक्चर ऑर्थो एक्सीलेंस सीरीज़ पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट वेबिनार
4. अंतर्राष्ट्रीय पेपर प्रतियोगिता, फ्री पेपर्स डीओएसीओएन 2020 28 नवंबर 2020 को
5. 31 अक्टूबर 2020 को आर्थ्रोप्लास्टी सीसीए 2020 की वर्तमान अवधारणाओं में पेरिप्रोस्थेटिक फ्रैक्चर के सत्र में सह-संचालक

प्रदत्त व्याख्यान:

राजेश मल्होत्रा: 37	**अभिनव कुमार: 3**	**आदर्श कुमार: 8**
अनुपमा रैना: 16	**अमित गुप्ता: 21**	**आशीष बिंद्रा: 5**
बबीता गुप्ता: 2	**बिप्लव मिश्रा: 3**	**छवि साहनी: 2**
दिनेश कुमार बगारिया: 4	**गरिमा कछावा: 3**	**ज्ञानिंदर पाल सिंह: 2**
कामरान फारूक: 10	**केशव गोयल: 9**	**कपिल देव सोनी: 14**
नरेंद्र चौधरी: 3	**नीरज कुमार: 6**	**निरुपम मदान: 7**
प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी: 3	**पूर्वा माथुर: 12**	**ऋचा अग्रवाल: 7**
समर्थ मित्तल: 8	**संजीव लालवानी: 17**	**शिल्पा शर्मा: 7**
सुबोध कुमार: 12	**सुषमा सागर: 11**	**तेज प्रकाश सिन्हा: 9**
विजय शर्मा: 3	**विवेक त्रिखा: 5**	**युधवीर सिंह: 1**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 84

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोटिक और उम्र से मेल खाने वाली स्वस्थ महिलाओं में जेनेटिक और बायोकेमिकल प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, प्रो राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, रु. 1,39,03,260।
2. कंप्यूटर सहायता प्राप्त नेविगेशन बनाम घुटने के प्रतिस्थापन की पारंपरिक शल्य चिकित्सा तकनीक में प्रणालीगत एम्बोली की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, रु. 50 लाख।
3. टोटल नी आर्थ्रोप्लास्टी में पर्सोना नी सिस्टम का संभावित, बहु-केंद्रीय परिणाम अध्ययन। अध्ययन' प्रोटोकॉल # सीएसए 2014-02के, प्रो राजेश मल्होत्रा, ज़िमर, 7 साल, 2015-2022, रु. 24 लाख।
4. भारतीय जनसंख्या के लिए घुटने के प्रत्यारोपण का बायोमेकेनिकल डिजाइन मूल्यांकन, प्रो राजेश मल्होत्रा, आईआईटी, 2 साल, 2020-2022, रु. 5 लाख।
5. ट्रॉमा सर्जरी यूनिट में भर्ती पोस्ट ट्रॉमेटिक रॉ एरिया वाले रोगियों में वैकल्पिक घाव ड्रेसिंग के रूप में एमनियोटिक झिल्ली की प्रभावोत्पादकता का अध्ययन करना, डॉ अभिनव कुमार, इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स एनडी, 2021।
6. पृथक ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा वाले रोगियों में मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग और सीरियल परिवर्तन-एक संभावित, कोहोर्ट, व्यवहार्य और खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ अभिनव कुमार, इंट्रा म्यूरल ग्रांट, एम्स एनडी, 2 साल, 2019-2021, रु. 5 लाख
7. भारत में मजबूत ट्रॉमा केयर सिस्टम विकसित करने का एक पारंपरिक अध्ययन, डॉ अमित गुप्ता, आईसीएमआर (53 लाख रु.), 3 साल, 2019-2022।
8. एक अभिनव इन्टुबेशन प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैकियल इन्टुबेशन की सफलता और सुरक्षा को बढ़ाना: एक प्रायोगिक अध्ययन, बबीता गुप्ता, आईसीएमआर, 2 साल, 2020-2022, रु. 55 लाख।
9. पैरॉक्सिस्मल सिम्पैथेटिक एक्टिविटी एंड इट्स रोल इन सीवियर टीबीआई, प्रो. दीपक अग्रवाल, एम्स, 2 साल, 2018-2021, रु. 10,0000
10. एडीएपीटी, डॉ. दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 5 वर्ष, 2019-2025, रु. 63,49,336
11. सेंटर-टीबीआई, डॉ. दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर ज़ीकेनहुइस एंटवर्पेन (यूजेडए), बेल्जियम, 2 साल, 2016-2021, रु. 3,75,000
12. बचाव एएसडीएच, डॉ दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 3 साल, 2017-2021, रु. 9,52,000
13. सिनेप्स-आईसीयू अध्ययन', डॉ दीपक गुप्ता, इटली, 2 साल, 2019-2021, गैर-वित्त पोषित।
14. "प्रीक्लेम्पसिया के अनुमान में जैव रासायनिक एंडोथेलियल मार्करों और आर्ट्रियल कठोरता के संयोजन का मूल्यांकन करना", डॉ गरिमा कछावा, आईसीएमआर (डीएचआर), 3 साल, 2018-2022, रु. 83,89,861

15. "मातृ और बाल स्वास्थ्य में एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स (ईडीसी) की भूमिका", डॉ गरिमा कछवा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, रु. 35,72,010
16. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में डिम्बग्रंथि कार्य और चयापचय कारकों पर डी-चिरो इनोसिटोल और मायो-इनोसिटल संयोजन की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, ओपन-लेबल, सिंगल-सेंटर, सिंगल आर्म, पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, डॉ गरिमा कछावा, एम्ब्रोसिया लाइफ साइंस प्रा लिमिटेड, 2 साल, 2019-2021, रु.12,96,900
17. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में गंभीर टीबीआई रोगियों में ऐंठन न होने की स्थिति मिर्गी: घटना और रोग का संबंध। (डीएचआर-जीआईए प्रस्ताव) आईईसी-928-4/09/2020, डॉ केशव गोयल, एम्स, 2 साल, 2020-2022 , 25 लाख
18. दिमाग की पीड़ादायक चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के विकास के अनुमान में जैव संकेतक की भूमिका, डॉ कोक्कुला प्रणीत, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, रु. 4,51,000/
19. खून बहने के आघात के रोगियों में पुनर्जीवन के एंडपॉइंट के रूप में पैराथाइरॉइड हार्मोन का मूल्यांकन, डॉ दिनेश बगारिया, एम्स, इंट्राम्यूरल रिसर्च फंड, 1 वर्ष, 2020-2021, रु. 5 लाख
20. स्तर-I ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक चोट के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और कार्य करने के मूल्यांकन पर योग इंटरवेंशन का प्रभाव-एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ दिनेश बगारिया, विज्ञान और तकनीक विभाग, 3 साल, 2021-2024, रु. 37.24 लाख
21. अल्ट्रासाउंड परीक्षा के मध्य आंतरिक जुगुलर नस के गिरने वाले दबाव को मापने के लिए नावेल दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, डॉ नीरज कुमार, एम्स + आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, रु. 20,00,000
22. चिकित्सा अभिलेखों के कीटाणुशोधन के विभिन्न तरीकों का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ निरुपम मदान, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, एनडी, 1 वर्ष 6 महीने, 2020-2021, रु. 4.82 लाख
23. कोरोना रोगियों के मनोविज्ञान पर रोगी निवास में अस्पताल में उपेक्षित एकांतवास के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ निरुपम मदान, 1 वर्ष, 2020-2021।
24. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, डॉ. पूर्वा माथुर, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र, 6 साल, 2015-2021, रु. 3,59,66,27,128
25. सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (सीएआर) अस्पताल में होने वाले संक्रमण: बचाव और नियंत्रण, डॉ. पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 5 साल, 15 अक्टूबर 2020-14 अक्टूबर 2025, रु. 7,53,35,152
26. स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के लिए कोविड-19 की तैयारी के लिए क्षमता निर्माण संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी)-अभिविन्यास प्रशिक्षण और आईपीसी, डॉ. पूर्वा माथुर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 2 साल, 2020-2022, रु. 2,56,37,106
27. द्वितीयक उपचार अस्पतालों में आईसीएमआर के रोगाणुरोधी कार्यवाहक (एएमएसपी) और संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम (आईसीपी) का विस्तार, डॉ. पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, रु. 31,36,390

28. ग्रामीण और शहरी समुदाय में रहने वाले व्यक्तियों के स्वस्थ गट वनस्पतियों में मल्टीड्रग प्रतिरोधी जीवों की व्यापकता, डॉ. पूर्वा माथुर, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, रु. 10 लाख।
29. गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेड्यूस ब्लड ट्रांसफ्यूजन के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, राहुल चौरसिया, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, रु. 10 लाख।
30. स्वस्थ रक्त दाताओं में सार्स कोविड-2 एंटीबॉडी की महामारी विज्ञान और ट्रांसफ्यूजन सुरक्षा में इसके निहितार्थ, राहुल चौरसिया, एम्स, 1 वर्ष, 2020, रु. 10 लाख।
31. ट्रॉमा आईसीयू में भर्ती वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के पॉलीट्रॉमा रोगियों में साइटोकिन्स आईएल 17 और आईएल 22 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स 2 साल, 2019-2021, रु. 9 लाख
32. हल्के और मध्यम ट्रामा से होने वाली मस्तिष्क चोट (टीबीआई) से होने वाली तंत्रिका मनोवैज्ञानिक हानि की बेहतर पहचान के लिए नॉवेल क्लीनिकल रूप से सुलभ जैविक अनुमानों/संकेतकों का ट्रांसलेशनल अनुप्रयोग, डॉ एस अरुलसेल्वी, आईसीएमआर, 2 साल, 2019-2021, रु. 42,23,108.4
33. आइसोलेटेड ट्रामा से होने वाली मस्तिष्क की चोट के रोगियों के पेरिफेरेल रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और परस्पर सह-सम्बन्ध, डॉ एस अरुलसेल्वी, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, रु. 50,64,318
34. जेरियाट्रिक कूल्हे के फ्रैक्चर में ऑपरेशन से पहले सीएसएफ मेलाटोनिन के स्तर और पोस्ट-पेरेटिव डिलिरियम के बीच परस्पर सहसंबंध, समर्थ मित्तल, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2018-2020, रु. 5 लाख
35. पेल्वि-एसिटाबुलर फ्रैक्चर में हेटरोट्रॉपिक ऑसिफिकेशन की घटनाएं - क्या इसका अनुमान लगाया जा सकता है और इसे रोका जा सकता है? एक संभावित, क्लीनिकल अनुसंधान, समर्थ मित्तल, एओ ट्रॉमा, 2 साल, 2018-2020, सीएचएफ8000 (लगभग 6.38 लाख रु.)
36. मृत व्यक्तियों में पुष्टि किए गए कोविड-19 मामलों पर सार्स-कोविड-2 वायरस की सकारात्मकता का अध्ययन करना, डॉ संजीव लालवानी, इंट्राम्यूरल अनुसंधान राशि, 2020-2022, रु. 10 लाख
37. संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में घुटने के नीचे के एम्प्युटेशन रोगी में प्रोस्थेसिस के तत्काल बनाम विलंबित अनुप्रयोग के प्रभाव का अध्ययन करना एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. जुनैद आलम, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, रु. 4,94,475/वर्ष।
38. सर्जिकल जन्मजात विसंगतियों के लिए भ्रूण परामर्श के लिए दिशानिर्देश स्थापित करना [बीटी/पीआर9572/एमईडी/97/210/2013], शिल्पा शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 4.5 वर्ष, 2014-2020, रु. 48,36,678।
39. पीडियाट्रिक न्यूरोजेनिक ब्लैडर में इंट्रावेसिकल बोटुलिनम टॉक्सिन ए का इलेक्ट्रोमोटिव एडमिनिस्ट्रेशन, शिल्पा शर्मा, एम्स इंस्टीट्यूट अनुसंधान राशि, 2 साल, 2019-2021, रु. 5 लाख
40. बाल चिकित्सा हाइपोस्पेडिया रिपेयर के लिए बायोकंपैटिबल ड्रेसिंग, शिल्पा शर्मा, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2019-2021, रु. 10 लाख।
41. संदिग्ध प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में सेमिनल एमआईआरएनए और इन्फ्लेमेटरी संकेतकों की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए और एमपीएमआरआईए और बायोप्सी निष्कर्षों के साथ परस्पर सहसंबंध, सिद्धार्थ जैन, इंट्रामुरल, 2 साल, 2019-2021, रु. 5 लाख

42. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ एचएलए एंटीजन का सम्बन्ध, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2019-2020, रु. 9,70,000
43. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूली निर्बाध याद्दच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, खुराक आधारित अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 साल, 2019-2021, रु. 1,98,000 प्रति रोगी
44. इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी, वाले विषयों के उपचार में रितुक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की जांच के लिए एक याद्दच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, डोज़-ब्लाइंड समानांतर समूह, थ्री आर्म, प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट क्लिनिकल परीक्षण। सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 3 साल, 2019-2022, रु. 2 लाख प्रति रोगी।
45. चेस्ट ट्रॉमा के रोगियों के परिणाम में न्यूट्रोफिल और नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, डॉ सुबोध कुमार, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, रु. 36 लाख।
46. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्प्लीमेंटेशन के आधार पर भारत की जनसँख्या में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर के अनुमान का पता लगाना। डीबीटी द्वारा वित्त पोषित, अनुदान संख्या बीटी/पीआर38731/एआई/133/28/2020, रु. 47,12,380
47. पोस्ट ट्रॉमेटिक लिम्ब फ्रैक्चर के उपचार में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला एक पायलट पैरेलल आर्म याद्दच्छिक, नियंत्रण ट्रायल,, जो कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम (सीआरपीएस।) विकसित करता है और उनके जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करता है। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, फाइल संख्या 5/4-5/3/4/ट्रॉमा/जीआईए/2020-एनसीडी-। दिनांक 12 मार्च 2021, रु. 64,71,108
48. बुजुर्गों में कूल्हे के फ्रैक्चर की माध्यमिक रोकथाम में योग की भूमिका, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित रु. 6 लाख
49. ट्रॉमा रोगियों में लॉन्ग टर्म असिस्टेड एंट्रल फीड के लिए लैप्रोस्कोपिक फीडिंग गैस्ट्रोस्टोमी बनाम परक्यूटेनियस इंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी की तुलना - एक याद्दच्छिक, मुख्य अध्ययन', नरेंद्र चौधरी, इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट (एम्स, नई दिल्ली), 2 साल, 2019-2021, रु. 4.75 लाख
50. स्तर-। ट्रॉमा सेंटर, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2021, रु. 54 लाख।

अनुसंधान

वित्तपोषित

पूर्ण

1. संभावित जैव संकेतक की पहचान के लिए ओरल कैंसर के रोगियों के लार के प्रोटीन, मेटाबॉलिकमिक्स और मेटागेनोमिक्स का प्रयोग करते हुए एक सिस्टम बायोलॉजी दृष्टिकोण, डॉ अभिनव कुमार, आईसीजीईबी कोर फंड, 3 साल, 2015-2018, रु. 25 लाख।
2. नावेल फोरेंसिक प्रदर्शनों का मूल्यांकन और चिमेरिज्म स्टेटस में वाई-एसटीआर मार्करों की सूचनात्मक रूप से एसटीआर (एम्स, नई दिल्ली द्वारा इंट्राम्यूरल-अनुमोदित वित्त पोषण के लिए)

3. "वीईजीएफ: स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि और गामा चाकू सर्जरी की प्रतिक्रिया के संभावित प्रणालीगत संकेतक के रूप में" आपके विचार के लिए, प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, रु. 5 लाख
4. एक्यूट स्पाइनल कॉर्ड चोट अध्ययन' में ट्रॉमेटिक हाई सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड चोट के लिए शीघ्र बनाम देरी डीकम्प्रेशन, प्रो. दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 साल, 2014-2018, रु. 24,52 800
5. "सामान्य कोगुलेशन कारक स्तर के साथ उन्नत पीटी / आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण और सिर की चोट के रोगियों में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन थेरेपी के साथ इसका संबंध, प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 साल, 2015-2017, रु. 25,00,000
6. "आपातकालीन और गहन उपचार केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी और चिकित्सा त्रुटियों से इसके संबंध", प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 साल, 2012-2016, रु. 59,86,400
7. "काइनेक्ट कैमरा के प्रयोग से स्वास्थ्य देखभाल स्थानों में हाथ की स्वच्छता की जटिलता का स्वचालित मूल्यांकन", प्रो दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 3 साल, 2013-2016, रु. 24,00,000
8. "भारत में 18-50 वर्ष की आयु के वयस्कों में मस्तिष्क की पीड़ादायक चोटों (टीबीआई) के प्रबंधन का आर्थिक और सामाजिक बोझ", प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, डीएचआर, 1 वर्ष, 2014-2015, रु. 8,00,000
9. "थ्रोम्बोएलास्टोमेट्री (टीईजी): स्थापित जैव संकेतक की तुलना में न्यूरोसर्जरी गहन उपचार एकक (आईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता और लागत-प्रभावशीलता", प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, संस्थान, 1 वर्ष, 2014, रु. 10 लाख
10. "स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन के बाद फ्यूजन के लिए जैव संकेतक के रूप में मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज (एमएमपीएस) (एमएमपीएस), प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, एओएसपीआईएन, 1 वर्ष, 2014, 5500सीएचएफ, लगभग 4.38 लाख
11. सिर की गंभीर चोट में एक्यूट थैलेमिक भागीदारी- हिस्टोपैथोलॉजिकल परस्पर सहसंबंध के साथ एक ऑटोप्सी अध्ययन", प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, संस्थान, रु. 1,00,000
12. हाइड्रोसिफ़लस के उपचार में विभिन्न शंट प्रणालियों के बीच कैथेटर से संबंधित संक्रमण दर की तुलना के लिए एक रजिस्ट्री, प्रो. दीपक अग्रवाल, कॉडमोन कॉर्पोरेशन, यूएसए, रु. 10 लाख
13. "मस्तिष्क की गंभीर पीड़ादायक चोट में ऑप्टिक तंत्रिका अल्ट्रासाउंड", प्रोफेसर दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 3 साल, 2015-2017, रु. 36,07,380
14. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं के उपचार के लिए सरोग्लिटाज़र 2 मिलीग्राम और 4 मिलीग्राम टैबलेट बनाम प्लेसबो की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, अनुकूली डिज़ाइन, नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण। डॉ गरिमा कछावा, कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड, 1.5 वर्ष, 2019-2021, रु. 1 लाख।
15. सिर की चोट के साथ और बिना कई आघात पीड़ितों में क्रमिक रूप से अनुमानित सीरम प्रोकैल्सीटोनिन का पूर्वानुमानात्मक मूल्य, डॉ केशव गोयल, पूर्ण, प्रकाशित
16. अवेक क्रैनियोटॉमी प्रोपोफोल बनाम डेक्समेडिटोमिडाइन, पूर्ण, पांडुलिपि तैयारी।

17. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में एनआईआरएस का प्रयोग कर सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का मूल्यांकन, डॉ केशव गोयल, एम्स, 2 साल, 2016-2018, रु. 5 लाख + 5 लाख।
18. अस्पताल में रहने और छुट्टी के बाद विकसित होने वाले सर्जिकल स्थान से संक्रमणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास और सत्यापन: एक बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, रु. 1,31,58,789
19. पोस्ट-ट्रॉमा लिम्फोसाइट की भूमिका - मोनोसाइट रिस्पांस और प्रोग्राम्ड डेथ- सेप्सिस के शुरुआती निदान में 1 स्तर और ट्रॉमा रोगियों में रोग का निदान, डॉ पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, रु. 45,10,800
20. कुचलकर लगी पीड़ादायक चोटों के बाद गुर्दे की गहरी चोट के प्रारंभिक अनुमान के लिए मूत्र जैव संकेतक टीआईएमपी-2 और आईजीएफबीपी7 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 2 साल, 2017-2019, 3.5 लाख रु. ।
21. ऑब्सट्रक्टिव रेनोपैथी में रीनल प्रिजर्वेशन में बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर सेल्स और रीनल स्टेम सेल की भूमिका - चूहों में एक प्रायोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, एम्स इंस्टीट्यूट अनुसंधान राशि, 2 साल, 2013-2015, रु. 5 लाख
22. चूहों में प्रायोगिक रूप से प्रेरित लिवर फाइब्रोसिस में करक्यूमिन का प्रभाव और पाइपरिन के साथ इसका संयोजन: एक तुलनात्मक विश्लेषण, शिल्पा शर्मा। एम्स इंस्टीट्यूट अनुसंधान राशि, 2 साल, 2016-2018, 5 लाख
23. भारतीय रोगियों में गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बीके वायरस प्रतिकृति की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2014-2016, रु. 6,20,000/-
24. आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीए1 की व्यापकता और महत्व: एक केस नियंत्रण अध्ययन', सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2017-2018, रु. 500000/-
25. स्तर-1 ट्रॉमा सेंटर में छाती के आघात के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करने करना डॉ सुबोध कुमार, डीएसटी, 3 साल, 2016-2019, रु. 40 लाख।

<u>विभागीय परियोजनाएं</u>

<u>जारी</u>

1. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं का संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन
2. कूल्हे के फ्रैक्चर के बाद सर्जरी में देरी: परिणाम पर कारण और प्रभाव
3. घुटने बदलने की बायोमैकेनिकल मॉडलिंग
4. स्पिनो-पेल्वि विकृति की मस्कुलोस्केलेटल मॉडलिंग
5. पेट पर चोट के रोगियों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी एब्डोमेन बनाम डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की तुलना करने वाला एक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

6. महामारी विज्ञान और एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमा रोगियों में मृत्यु दर के अनुमानों का विश्लेषण
7. आपातकालीन सर्जरी के बाद रीकवरी का प्रभाव- आघात के बाद लैपरोटॉमी करवा रहे रोगियों में मानक देखभाल बनाम उन्नत रिकवरी प्रोटोकॉल की तुलना करने वाला एक अध्ययन
8. गंभीर रिब फ्रैक्चर वाले मेकेनिक रूप से हवा देने वाले रोगियों के बीच मानक ऑपरेशन न करने वाले प्रबंधन के साथ रिब फ्रैक्चर के सर्जिकल स्थिरीकरण की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक मुख्य अध्ययन
9. डैमेज नियंत्रण सर्जरी करवा रहे पेल्विक फ्रैक्चर वाले रोगियों के परिणामों पर बाहरी पेल्विक फिक्सेशन के प्रभाव का अध्ययन करना
10. स्तर I ट्रॉमा सेंटर पर पीड़ादायक पैनेक्रेटिक चोटों के प्रबंधन के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन
11. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर पर छाती के ट्रामा वाले रोगियों में रोगनिरोधी एंटीबायोटिक दवाओं की भूमिका का अध्ययन करना: एक प्रायोगिक यादृच्छिक परीक्षण
12. एक स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर पर जेनिटो-यूरिनटी की चोटों के मामलों में मापदंडों, हस्तक्षेप और परिणाम का अध्ययन
13. प्रतिरक्षा प्रभाव कोशिकाओं (टीएच1, टीएच2, टीएच9, टीएच7, टीएच22) और न्यूट्रोफिल की गतिशीलता पर चोट की गंभीरता के प्रभाव और ब्लंट थोरैसिक ट्रॉमा वाले रोगियों में परिणाम के साथ उनका परस्पर सहसंबंध।
14. एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर पर ग्रेड III और IV पैंक्रियाटिक आघात के ऑपरेशन न होने वाले प्रबंधन के बाद रोगियों के परिणाम और अग्न्याशय की शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए
15. नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा बनाम पारंपरिक ड्रेसिंग में घाव के एक्सयूडेट का जैव रासायनिक विश्लेषण
16. प्रारंभिक वीएटीएस के परिणाम की तुलना करने के लिए ट्रामा से होने वाली हेमोथोरैक्स की निकासी के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण - स्तर I ट्रॉमा सेंटर में एक यादृच्छिक मुख्य अध्ययन
17. ट्रॉमा केयर आईसीयू में भर्ती हेमोरेजिक शॉक वाले रोगियों में ट्राफिक फ़ीड की संभावना और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
18. ट्रामा के रोगियों में आयोनाइज किए गए हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता और एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर में मृत्यु दर के अनुमान करने में इसकी भूमिका- एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
19. ब्लंट लीवर और/या स्प्लेनिक की चोट वाले रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉल का एक अध्ययन
20. परिणाम पर मृत्यु के ट्रामा ट्रायड के विभिन्न घटकों की क्षमता का निर्धारण
21. थोरैसिक ट्रामा के रोगियों में अकेले पानी की सील जल निकासी के साथ कम दबाव नकारात्मक फुफ्फुस चूषण के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
22. पोस्ट ट्रॉमैटिक मीडियम साइज वेसल रिपेयर करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन के बाद सिस्टमिक एंटीकोआग्यूलेशन के प्रभाव को देखने के लिए एक यादृच्छिक, नियंत्रण ट्रायल

23. 3डी प्रिंटिंग तकनीक का प्रयोग करते हुए चेहरे के मध्य दोष के लिए रोगी अनुकूल प्रत्यारोपण का दस्तावेजीकरण और सत्यापन: एक खोजपूर्ण अध्ययन
24. स्वास्थ्य देखभाल स्थानों के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों के लिए अस्पताल आधारित ट्रॉमा रजिस्ट्री की संभावना और क्रियान्वयन और ट्रॉमा देखभाल की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
25. कैंडिडा की पहचान के लिए पारंपरिक, विटेक और मालदी-टी की तुलना
26. ऑर्बिटल फ्लोर फ्रैक्चर के पुनर्निर्माण में पारंपरिक तकनीक बनाम 3डी-मॉडल असिस्टेड मेश एडेप्टेशन में ऑर्बिटल वॉल्यूम का तुलनात्मक विश्लेषण: यादृच्छिक, नियंत्रण परीक्षण
27. सीटी स्कैन की तुलना में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर की पहचान में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड की क्लीनिकल विशेषताओं का मूल्यांकन
28. तृतीय श्रेणी के रक्तस्रावी शॉक या अधिक के साथ पेश होने वाले ट्रामा रोगियों में रक्त घटक प्रयोग पर प्रारंभिक क्रायोप्रिसिपिट प्रशासन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए
29. डायग्राम शक्ति और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
30. गर्दन के ट्रामा के पैटर्न का विश्लेषण और स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर पर इसके परिणाम एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन
31. पिछले एक दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के गुर्दे प्रत्यारोपण डेटा का सर्जिकल ऑडिट
32. गैस्ट्रोडुओडोडेनल पर्फोरेशन वाले रोगियों के एटियलजि, क्लीनिकल प्रस्तुति और परिणाम का अध्ययन करना
33. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में बेहोश करने की क्रिया के लिए केटोफोल और प्रोपोफोल की तुलना: एक यादृच्छिक तुलनात्मक मुख्य अध्ययन
34. ऑपरेशन से पहले इंफ्लेमेटरी साइटोकाइंस परिवर्तन और क्लीनिकल जटिलताओं पर क्षेत्रीय एनेस्थिशिया के प्रभाव
35. ट्रॉमैटिक रीढ़ की सर्जरी के बाद दर्द से राहत के लिए द्विपक्षीय अल्ट्रासाउंड आधारित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
36. लारेंजियल मास्क एयरवे प्लेसमेंट के मूल्यांकन के लिए फोकस्ड एयरवे सोनोग्राफी: एक अवलोकन अध्ययन'
37. पेल्विकैसटैबुलर सर्जरी में रक्त की हानि पर ट्रैनेक्सैमिक एसिड के विभिन्न खुराक के नियमों का प्रभाव: एक यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण
38. विशाल इंट्राक्रैनील (>20cc) घावों के लिए गामा-नाइफ
39. क्रानियोफेरीन्जिओमास में गामा नाइफ की भूमिका
40. ट्यूमर नियंत्रण के लिए बेवाकिज़ुम्बिन एनएफ2 की भूमिका
41. पोस्टीरियर फोसा चोट से जुड़े पीड़ादायक क्रैनियो-वर्टेब्रल जंक्शन चोट का प्रबंधन
42. घटना प्रबंधन और पीड़ादायक पोस्टीरियर फोसा पैथोलॉजी के परिणाम

43. लेटरल और तीसरे वेंट्रिकल नियोप्लाज्म के इंट्राक्रैनियल इंट्रा-वेंट्रिकुलर ट्यूमर-घटना, परिणाम और रोगसूचक कारक
44. ट्रामा के बाद हाइड्रोफ्लेस: घटना, परिणाम और प्रबंधन
45. किशोरावस्था और युवा भारतीय लड़कियों में मासिक धर्म विसंगति के साथ हार्मोनल और मेटाबोलिक मापदंडों का मूल्यांकन।
46. गर्भावस्था के मध्य गुर्दे के कार्य मापदंडों का मूल्यांकन और माँ और भ्रूण के परिणाम के साथ इसका संबंध।
47. एक उच्च-फाईडलिटी वाले एयरवे मैनिक्वीन मॉडल का प्रयोग करते हुए विभिन्न कठिन एयरवे परिदृश्यों में एंडोट्रैकियल इंटुबेशन के लिए विभिन्न प्रकार के लैरींगोस्कोप की तुलना - एक अवलोकनात्मक अध्ययन
48. इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास अंतःक्रियात्मक सोमेटिक साइट सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी में परिवर्तन: एक संभावित अध्ययन
49. डी-ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरींगोस्कोप की तुलना, मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप, और सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इन्टुबेशन के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप: एक यादृच्छिक अध्ययन।
50. अस्थायी/पार्श्विका ग्लियोमाविया ट्रांसक्रानियल डॉपलर के साथ रोगियों के सेरेब्रल हेमोडायनामिक खुराक डेक्समेडिटोमिडाइन के प्रभावों का मूल्यांकन - एक संभावित सिंगल हैण्ड परीक्षण।
51. न्यूरोट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस के प्रारंभिक भविष्यवक्ता के रूप में अतिरिक्त फेफड़े के पानी के मूल्यांकन में फेफड़े के अल्ट्रासाउंड की भूमिका- एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
52. वयस्क रोगियों में एंडोट्रैकियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा खारे भरे कफ का पता लगाना: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
53. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में पंखे वाले चश्मे बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना: एक मुख्य अध्ययन
54. बाल चिकित्सा पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में संवर्धित गुर्दे की निकासी की सम्भावना
55. आर्टीरियर सर्कुलेशन आर्ट्रियलविस्फार वाले रोगियों में क्षेत्रीय मस्तिष्क ऑक्सीजन पर न्यूरोरेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप का प्रभाव: एक अवलोकन अध्ययन
56. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट के रोगसूचक संकेतक के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस डेफिसिट और ग्लूकोज का स्तर
57. पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर एक्सिशन के लिए पोस्ट किए गए बाल रोगियों में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर के साथ एनआईआरएस का परस्पर सहसंबंध
58. पीड़ादायक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद हृदय संबंधी जटिलताएं।
59. सिर की चोट के रोगियों में जोखिम कारकों और निकास विफलता के कारणों का अध्ययन करना ।

60. गंभीर ट्रामा से होने वाली मस्तिष्क चोट (टीबीआई) के रोगियों में जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री (एसजेवीओ 2) पर डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी का प्रभाव - एम्स द्वारा वित्त पोषित, रु. 5 लाख
61. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में पंखे वाली स्वदेशी चश्मे की बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना: एक मुख्य अध्ययन
62. आईसीयू में भर्ती रहने के दौरान सिर की चोट वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
63. गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआरआईएस) द्वारा सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का मूल्यांकन
64. इंट्राक्रैनील ट्यूमर सर्जरी करवा रहे रोगियों में कार्डियक आउटपुट के साथ अवर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स और कैरोटिड डॉपलर फ्लो टाइम के बीच संबंध स्थापित करना।
65. तृतीयक उपचार अस्पताल में कोई बीमारी और उसके साथ कोविड-19 के बीच संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन
66. ब्लंट स्प्लेनिक चोट के साथ रोगियों में स्प्लेनिक कार्य का मूल्यांकन: एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन
67. नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा बनाम ट्रामा से होने वाले घावों के लिए पारंपरिक ड्रेसिंग की आवश्यकता वाले रोगियों में घाव के एक्सयूडेट का जैव रासायनिक विश्लेषण
68. भारत में एक तृतीयक अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के फैलने की घटना-एक संभावित अध्ययन
69. सिर की चोट के मामलों में मस्तिष्क के ऊतकों में ओलिगोडेंड्रोग्लिअल लिनेज, माइलिनेशन और रीमाइलिनेशन का अध्ययन।
70. गंभीर रूप से घायल ट्रामा रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेड्यूस्ड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
71. गंभीर रूप से रक्तस्राव हो रहे ट्रामा के रोगियों में रक्त घटकों के प्रयोग पर क्रायोप्रिसिपिटेट के प्रारंभिक प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
72. शहरी स्तर -1 ट्रॉमा सेंटर में बड़े पैमाने पर रक्तस्राव प्रोटोकॉल के साथ एक वर्ष का अनुभव
73. स्वस्थ रक्त दाताओं में सार्स-कोविड-2 एंटीबॉडी की महामारी विज्ञान और ट्रांसफ्यूजन सुरक्षा में इसका प्रभाव।
74. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं की पूर्वव्यापी समीक्षा
75. स्कोलियोसिस सर्जरी करवा रहे रोगियों में पेरी-ऑपरेटिव रक्त प्रबंधन के लिए गंभीर नॉरमोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (एएनएच) की प्रभावशीलता को निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
76. परिवेश के तापमान पर रात भर संग्रहित पूर्ण रक्त से तैयार गुणवत्ता मानकों का विश्लेषण।
77. पोस्टट्रामैटिक सेप्सिस में इन्फ्लेमेशन अनुकूल और प्रतिकूल साइटोकाइन जीन का एपिजेनेटिक विनियमन और सेप्सिस -3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित सेप्टिक शॉक-: प्रमुख ट्रामा के रोगियों में एक खोजपूर्ण अध्ययन

78. कोविड के रोगियों में एसएफ और पीएफ अनुपात का परस्पर सहसंबंध
79. कोविड-19 की गंभीरता के लिए जैव संकेतक का मूल्यांकन
80. कोविड-19 रोगियों की क्लीनिकल विशेषताएं और परिणाम
81. ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और कोविड-19 के रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्राप्त करने वाले रोगियों के परिणाम
82. कोविड रोगियों में लंबे समय तक परिणाम
83. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट के बाद पेरिफेरेल रक्त और मस्तिष्क में परिवर्तित माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन
84. बुजुर्गों के कूल्हे के फ्रैक्चर रोगियों में परिणाम निर्धारित करने के लिए जैव रासायनिक मापदंडों की भूमिका का अध्ययन
85. कोरोना महामारी के दौरान परीक्षण के मूल्यों का विश्लेषण
86. भर्ती के दिन और 72 घंटों के बाद अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में सीरम संपूरक स्तरों (सी3 और सी4) का विश्लेषण और तुलना
87. इम्प्लांट सर्जरी करवा रहे निचले अंग के फ्रैक्चर के रोगियों में सीरम पूरक स्तरों (सी3 और सी4) का विश्लेषण और तुलना
88. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रैकियल इनट्युबेशन करवा रहे रोगियों की असामान्य स्थिति की पहचान करने में प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड।
89. इंट्रावैस्कुलर वॉल्यूम स्टैटस की तुलना में इंनफीरियर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी के निर्धारण में इंटरनल जुगुलर वेन एवं फिमोरल वेन कोलैप्सिबिलिटी का आकलन
90. तीव्र पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों की क्लिनिक-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना
91. क्या पीओसीयूएस (पीओसीयूएस) आधारित एक्यूट एब्डोमेन एल्गोरिथम आपातकालीन विभाग में आने वाले निचले पेट दर्द वाले वयस्क रोगियों में प्रारंभिक निदान और महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय में सुधार करता है
92. सीटी स्कैन की तुलना में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर की पहचान में प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की क्लीनिकल विशेषताओं का मूल्यांकन
93. प्यूपिलरी साइज और प्यूपिलरी रिफ्लेक्स के यूएसजी आधारित उद्देश्य के प्रारंभिक मूल्यांकन की संभावना बनाम बदली हुई मानसिक स्थिति के साथ रोगियों में नैदानिक परीक्षण
94. कैरोटिड पल्स चेकइन कार्डियक अरेस्ट रोगियों के लिए देखभाल अल्ट्रासाउंड के बिंदु का अध्ययन करना
95. क्रैनियोटॉमी के बाद के रोगियों में क्लीनिकल रूप से महत्वपूर्ण स्थितियों का पता लगाने के लिए ट्रान क्रेनियल अल्ट्रासाउंड की क्लीनिकल सटीकता।
96. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट में माइलिन हानि और ओलिगोडेंड्रोसाइट पैथोलॉजी का मूल्यांकन।

97. कसाई के बाद और पार्शियल लेवल रिसेकशन के बिना और उसके साथ हेपेटिक फाइब्रोसिस के संकेतक के रूप में ऑपरेशन के बाद एपीआरआई की तुलना
98. एकतरफा गैर-सिंड्रोमिक विल्म्स ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे की क्रिया का मूल्यांकन: एक महत्वाकांक्षी नियंत्रण अध्ययन।
99. हाइपोस्पेडिया परिणाम दीर्घकालिक डेटाबेस (होल्ड): एक संभावित समूह अध्ययन
100. एनोरेक्टल विकृति में पीएसएआरपी का दीर्घकालिक परिणाम
101. हाइपोस्पेडिया के ऑपरेट हुए मामलों के दीर्घकालिक परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी अध्ययन
102. तत्काल और प्रारंभिक जटिलताओं के संदर्भ में डिस्टल पेनाइल हाइपोस्पेडिया के ऑपरेट हुए मामलों के अल्पकालिक परिणामों का एक संभावित अध्ययन।
103. आईजीए नेफ्रोपैथी का सहायक प्रबंधन-एक संभावित अध्ययन
104. एम्स, नई दिल्ली के नेफ्रोलॉजी ओपीडी में भाग लेने वाले रोगियों में अज्ञात मूल के क्रोनिक किडनी रोग की विशेषता-एक परस्पर-अनुभागीय अध्ययन
105. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर पर छाती के ट्रामा वाले रोगियों में रोगनिरोधी एंटीबायोटिक दवाओं की भूमिका का अध्ययन करना: एक पायलट यादृच्छिक परीक्षण
106. प्रतिरक्षा प्रभाव कोशिकाओं (टीएच1, टीएच2, टीएच9, टीएच7, टीएच22) और न्यूट्रोफिल की गतिशीलता पर चोट की गंभीरता के प्रभाव और ब्लंट थोरैसिक ट्रॉमा वाले रोगियों में परिणाम के साथ उनका संबंध
107. थोरैसिक ट्रॉमा के रोगियों में अकेले पानी की सील ड्रेनेज के साथ कम दबाव नकारात्मक प्लेरुल सक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
108. ब्लंट यकृत ट्रामा वाले रोगियों में परिणाम के संकेतकों का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
109. आपातकालीन सर्जरी के बाद बढ़ी हुई रीकवरी का प्रभाव - ट्रामा के बाद लैपरोटॉमी करवा रहे रोगियों में मानक देखभाल बनाम उन्नत रिकवरी प्रोटोकॉल की तुलना करने वाला एक अध्ययन
110. गंभीर रिब फ्रैक्चर वाले यांत्रिक रूप से हवा ले रहे रोगियों के बीच मानक ऑपरेशन न होने वाले प्रबंधन के साथ रिब फ्रैक्चर के सर्जिकल स्थिरीकरण की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक मुख्य अध्ययन
111. डैमेज नियंत्रण सर्जरी करवा रहे पेल्विक फ्रैक्चर वाले रोगियों के परिणामों पर बाहरी पेल्विक फिक्सेशन के प्रभाव का अध्ययन करना
112. एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर पर पीड़ादायक पैंक्रिएटिक चोटों के प्रबंधन के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।
113. महामारी विज्ञान और स्तर I ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमा रोगियों में मृत्यु दर के संकेतकों का विश्लेषण
114. एक स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर पर जेनिटो-मूत्र की चोटों के मामलों में मापदंडों, उठाए गए क़दमों और परिणाम का अध्ययन

115. स्तर I के ट्रामा केंद्र पर ग्रेड III और IV पैंक्रिएटिक ट्रामा के ऑपरेशन न होने वाले उपचार के बाद रोगियों के परिणाम और अग्न्याशय की शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन करना।

116. नकारात्मक दबाव घाव चिकित्सा बनाम पारंपरिक ड्रेसिंग में घाव के एक्सयूडेट का जैव रासायनिक विश्लेषण।

117. प्रारंभिक वीएटीएस के परिणाम की तुलना करने के लिए ट्रामा से होने वाली हेमोथोरैक्स की निकासी के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण - स्तर I ट्रॉमा सेंटर में एक यादृच्छिक मुख्य अध्ययन।

118. ट्रॉमा केयर आईसीयू में भर्ती हेमोरेजिक शॉक वाले रोगियों में ट्रॉफिक फीड की संभावना और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए संभावित यादृच्छिक, नियंत्रण ट्रेल।

119. ट्रामा के रोगियों में आयोनाइज़ड हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता और एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर में मृत्यु दर के अनुमान करने में इसकी भूमिका- एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

120. ब्लंट लिवर और/या स्प्लेनिक की चोट वाले रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉल का एक अध्ययन।

121. परिणाम पर ट्रॉमा ट्रायड ऑफ़ डेथ के विभिन्न घटकों की क्षमता का निर्धारण।

122. पोस्ट ट्रॉमैटिक मीडियम साइज वेसल रिपेयर करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन के बाद सिस्टमिक एंटीकोआग्यूलेशन के प्रभाव को देखने के लिए एक यादृच्छिक, नियंत्रण परीक्षण।

123. पेट की दीवार के चीरों को बंद करने के लिए इंटरप्टेड डबल 'एक्स' सिवनी बनाम कंटीन्यूअस नियर फार फार नियर मेथड के शुरुआती परिणामों की तुलना: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, नियंत्रण परीक्षण।

124. सर्फेस ईएमजी का प्रयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस रिपेयर के बाद आकस्मिक हर्निया वाले रोगियों में पेट की दीवार की गतिशीलता वापस लाने का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

125. लैप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया रिपेयर वाले रोगियों में विज़ुअल एनालॉग स्कोर का प्रयोग करते हुए ऑपरेशन के बाद दर्द के साथ मात्रात्मक संवेदी परीक्षण का प्रयोग कर मापे गए दर्द के साथ ऑपरेशन से पहले दर्द थ्रेशोल्ड के बीच परस्पर सहसंबंध का अध्ययन करना - एक केस नियंत्रण अध्ययन'।

126. 3डी प्रिंटिंग तकनीक का प्रयोग करते हुए चेहरे में विकार के लिए रोगी अनुकूल प्रत्यारोपण का दस्तावेजीकरण और सत्यापन: एक खोजपूर्ण अध्ययन

127. स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों के लिए अस्पताल आधारित ट्रॉमा रजिस्ट्री की संभावना और क्रियान्वयन और ट्रॉमा उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।

128. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की कठिनाई का अनुमान लगाने के लिए एक उद्देश्य स्कोरिंग प्रणाली विकसित करने हेतु अध्ययन।

129. पिछले एक दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के रीनल ट्रांसप्लांटेशन डेटा का सर्जिकल ऑडिट।

130. गैस्ट्रोडुओडेनल पर्फोरेशन वाले रोगियों के एटियलजि, क्लीनिकल प्रस्तुति और परिणाम का अध्ययन करना।

131. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक रोगियों के अनुमान के जैव संकेतक की पहचान करने के लिए बहु-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण

132. सूजन और ट्रामा के रक्तस्रावी शॉक के रोगियों की रीकवरी पर एल्कोहल का प्रभाव

133. शीर्षक " एक तृतीयक उपचार अस्पताल में आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए टेलीमेडिसिन की उपयोगिता "

134. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रैकियल इन्टुबेशन को करवा रहे रोगियों की प्रांडियल स्थिति की पहचान करने के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड।

135. इनफीरियर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी की तुलना में इंट्रावास्कुलर वॉल्यूम की स्थिति के निर्धारण में आंतरिक जुगुलर नस और फेमोरल वेन संलिप्तता का मूल्यांकन

136. तेज पेट दर्द के साथ आपातकालीन विभाग में आने वाले रोगियों के क्लिनिको-महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना

137. पीओसीयूएस (पीओसीयूएस) आधारित एक्यूट एब्डोमेन एल्गोरिथम आपातकालीन विभाग में आने वाले निचले पेट दर्द वाले वयस्क रोगियों में प्रारंभिक निदान और महत्वपूर्ण प्रबंधन संबंधी निर्णय में सुधार।

138. सीटी स्कैन की तुलना में मैक्सिलोफेशियल फ्रैक्चर की पहचान में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की क्लीनिकल विशेषताओं का मूल्यांकन

139. परिवर्तित मानसिक स्थिति वाले रोगियों में प्यूपिलरी आकार और प्यूपिलरी रिफ्लेक्सिस बनाम क्लीनिकल परीक्षा के यूएसजी आधारित उद्देश्य प्रारंभिक मूल्यांकन की संभावना

140. कार्डियक अरेस्ट के रोगियों में कैरोटिड पल्स चेक के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड की भूमिका का अध्ययन करना

141. क्रैनियोटॉमी के बाद के रोगियों में चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण स्थितियों का पता लगाने के लिए ट्रान क्रेनियल अल्ट्रासाउंड की क्लीनिकल सटीकता।

142. एंटरियर मिनिमल इनवेसिव प्लेटिंग रिवर्स फिलोस बनाम पोस्टीरियर ओपन रिडक्शन और इंटरनल फिक्सेशन (ओआरआईएफ) का प्रयोग करते हुए डिस्टल थर्ड ह्यूमरल डायफिसियल / मेटाफिसियल फ्रैक्चर के उपचार में एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर लॉकिंग कंप्रेशन प्लेट (ईएएलसीपी) के साथ- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। उम्मीदवार का नाम

143. कूल्हे के फ्रैक्चर के बाद सर्जरी में देरी: कारण और परिणाम पर प्रभाव।

144. भारतीय जनसंख्या में प्रोक्सिमल टिबिअल फ्रैक्चर के टिबियल प्लैट्यू फ्रैक्चर और सीटी गाइडेड मैपिंग के उपचार में यूनीएक्सियल बनाम पॉलीएक्सियल प्लेटिंग के बाद रेडियोलॉजिकल, क्लिनिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

145. तृतीयक उपचार अस्पताल से कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट की घटना ।

146. ऑपरेशन से पहले हाइपरटेंशन, अस्पताल में रहने की अवधि और ऑपरेशन से पहले कार्डियोवैस्कुलर जटिलताओं के बीच संबंध: तृतीयक उपचार केंद्र से एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन

147. सर्जरी के लिए आने वाले भारतीय जेरियाट्रिक रोगियों में ठहरने की अवधि में वृद्धि और प्रतिकूल परिणाम का अनुमान: एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन।
148. सर्जरी करवा रहे जेरियाट्रिक ट्रॉमा के रोगियों में प्रतिकूल निर्वहन परिणामों के संकेतक के रूप में कमजोरी: एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन'
149. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन पर पोस्टुरल प्रभाव: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
150. जेरियाट्रिक कोविड-19 रोगियों में क्लीनिकल गंभीरता के संकेतक के रूप में कमजोरी: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन
151. रक्तस्रावी शॉक के साथ ट्रामा के रोगियों में रक्त घटकों के प्रयोग पर क्रायोप्रिसिपिटेट के प्रारंभिक प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
152. बाल चिकित्सा इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी में कुडल ब्लॉकों की अवधि को लम्बा करने में बुपीवैक्सीन के साथ हाइड्रोक्सीएथाइल-स्टार्च की प्रभावोत्पादकता
153. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकोनवल्सिव थेरेपी करवा रहे रोगियों में सीज़र गतिविधि की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी समय और कॉर्टिकल गतिविधि (एफएनआईआर का प्रयोग करके) पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन
154. इनविट्रो में फर्टिलाइज़ेशन प्रक्रियाओं के मध्य उकाइट दोबारा पाने के लिए प्रक्रियात्मक बेहोश करने की क्रिया और एनाल्जेसिया के रूप में केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना- एक याद‍ृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
155. इंटरट्रोकैनेटरिक फीमर फ्रैक्चर के उपचार में सिंगल लैग स्क्रू बनाम हेलिकल ब्लेड सेफेलोमेडुलरी नेलिंग के क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणामों का अध्ययन करने के लिए एक याद‍ृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जनवरी 2019 में आरम्भ)
156. भारतीय जनसंख्या में प्रोक्सिमल सीटी गाइडेड टिबिअल फ्रैक्चर मैपिंग और टिबियल प्लेटू फ्रैक्चर के उपचार में यूनीएक्सियल बनाम पॉलीएक्सियल प्लेटिंग के बाद रेडियोलॉजिकल, क्लिनिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला याद‍ृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

पूर्ण

1. डेजेनेरेटिव ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए कुल घुटने के आर्थ्रोप्लास्टी के बाद विकलांगता परिणाम
2. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में संपूरक स्तरों का अध्ययन और कोगुलोपैथी और उत्तरजीविता पर इसका संबंध
3. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमा रोगियों में नैतिकता के संकेतकों की महामारी विज्ञान और विश्लेषण
4. फिक्स्ड बेयरिंग और मोबाइल बियरिंग यूकेए के बीच क्लिनिकल, गैट एनालिसिस और रेडियोलॉजिकल परिणाम की तुलना करने के लिए एक संभावित याद‍ृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण में मुख्य गाइड।
5. पेनेट्रिंग एब्डोमेन के ट्रामा वाले रोगियों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी एब्डोमेन बनाम डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की तुलना करने वाला एक अध्ययन: एक याद‍ृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

6. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में चोट के खतरनाक मेकेनिज्म वाले रोगियों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन टोर्सो के नियमित प्रयोग की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
7. ट्रामा से होने वाली मध्यम आकार के पेरिफेरेल आर्ट्रियल की रिपेयर के साथ रोगी में ऑपरेशन के बाद प्रणालीगत थक्कारोधी की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए एक मुख्य अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
8. ब्लंट स्प्लेनिक चोट में स्प्लेनिक कार्य का मूल्यांकन: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
9. डायग्राम शक्ति और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. वर्चुअल रियलिटी थेरेपी (वीआरटी) का प्रभाव निचले अंगों के बीच संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए- एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
11. कैंडिडा की पहचान के लिए पारंपरिक, विटेक और मालदी-टॉफ की तुलना
12. प्रारंभिक परिणामों और लागत प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और आकस्मिक हर्निया के उपचार के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. तेज पैनेक्रेटिस के बाद नेक्रोसिस हटाने के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम एंडोस्कोपिक जल निकासी की तुलना करने वाला एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण
14. अल्ट्रासाउंड आधारित कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक के लिए 0.5% रोपाइवाकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा खोजने के लिए एक अध्ययन
15. पेल्वियासेटाबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की विभिन्न डोज़ के नियमों का प्रभाव: यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण
16. वैकल्पिक नेत्र प्रक्रियाओं को करवा रहे बच्चों (1-18 वर्ष) में एयर-क्यू बनाम प्रोसील की प्रभावोत्पादकता की तुलना करना - एक यादृच्छिक क्लीनिकल परीक्षण
17. सामान्य और रीजनल एनेस्थिशिया के अंतर्गत शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों में 30 दिन के पश्चात के परिणाम के अनुमान में आयु-के अनुसार समायोजित चार्लसन कोमर्बिडिटी सूचकांक की भूमिका का मूल्यांकन करना
18. एक कोम्प्रोमाइज्ड फ्लैप का सटीक और शीघ्र पता लगाने में माइक्रोडायलिसिस की भूमिका
19. "पूरी रीढ़ की हड्डी की चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग"।
20. पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट पर आधारित माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तन का अध्ययन
21. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी शिथिलता
22. जीबीएम के लिए कान्क्रेंट टेमोजोलोमाइड के साथ प्राथमिक गामा-नाइफ
23. प्राथमिक कैल्वेरियल घाव और उपचार
24. प्राथमिक एक्सट्रैडरल स्पाइनल घाव
25. पीड़ादायक रीढ़ की हड्डी की चोट के परिणाम को प्रभावित करने वाला रोगसूचक कारक
26. गर्भावस्था में एक्सहेल्ड एयर कार्बन मोनोऑक्साइड स्तर का मूल्यांकन करना और मातृ और भ्रूण के परिणाम के साथ परस्पर सहसंबंध: एक मुख्य अध्ययन।

27. पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में इंट्राक्रैनील दबाव माप की इनवेसिव और नॉन-इनवेसिव तकनीक के बीच परस्पर सहसंबंध: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
28. रीढ़ की सर्जरी करवा रहे रोगियों में कफ रिसाव की मात्रा पर लक्ष्य आधारित द्रव चिकित्सा बनाम मानक द्रव आहार के प्रभाव की तुलना करना
29. सामान्य एनेस्थिशिया के अंतर्गत ऑप्टिक तंत्रिका नर्व शीथ पर एंड टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना
30. मैकेनिकल वेंटिलेशन पर न्यूरो-इंटेंसिव केयर पेशेंट्स में इंटरनल जुगुलर वेन बनाम सबक्लेवियन वेन (सुप्राक्लेविकुलर अप्रोच) के अल्ट्रासाउंड गाइडेड कैनुलेशन की तुलना। एक यादृच्छिक अध्ययन।
31. थोराकोलंबर स्पाइन सर्जरी करवा रहे रोगियों में ट्रांसक्रानियल मोटर इवोक्ड पोटेंशिअल पर प्रोपोफोल और केटोफोल की तुलना।
32. इंट्राक्रानियल ट्यूमर सर्जरी करवा रहे रोगियों में डीप वेन थ्रोमबोसिस की घटना और जोखिम कारक - एक संभावित अध्ययन
33. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में पंखे वाली स्वदेशी चश्मे बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना: एक मुख्य अध्ययन
34. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित अवलोकनात्मक संबंधी अध्ययन।
35. सामान्य एनेस्थिशिया के अंतर्गत ऑप्टिक तंत्रिका नर्व शीथ पर एंड टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना
36. गंभीर पीड़ादायक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन जलसेक का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित मुख्य अध्ययन।
37. एम्स में विभागीय प्रमुखों के नेतृत्व प्रोफ़ाइल और कार्य प्रदर्शन और सहकर्मी डॉक्टरों के कल्याण पर इसके प्रभाव का एक अध्ययन।
38. प्रणालीगत सुधार के लिए एम्स/जेपीएनएटीसी में एमएलसी की प्रक्रिया प्रवाह
39. पोस्ट-ट्रॉमा इम्यूनोपैथोजेनेसिस और आउटकम में टी हेल्पर-17, टी हेल्पर-22 और टी-रेगुलेटरी लिम्फोसाइट्स की भूमिका का अध्ययन करना।
40. अंग की शिथिलता और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोसाइट्स की क्षमता का उत्पादन करते हुए पोस्ट-ट्रॉमा साइटोकाइन का मूल्यांकन
41. सेरोपोसिटिव गोट से लीशमैनिया या लीशमैनिया जैसे परजीवी (ओं) की विशेषता का अलगाव (मुद्रित लेकिन प्रस्तुत नहीं / जारी है)।
42. मई 2018 में प्रस्तुत एचआईवी सेरो नेगेटिव वयस्कों के मल के नमूनों में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता देखने के लिए डायरिया से पीड़ित बाल रोगी
43. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के नावेल एंटीजन के खिलाफ मोनो और पॉलीक्लोनल एंटीबॉडी को बढ़ाना और क्लीनिकल नमूनों में उनके क्लीनिकल मूल्य का पहला ड्राफ्ट प्रस्तुत किया गया।
44. विभिन्न मानव शरीर साइटों से पृथक माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बीजिंग और गैर-बीजिंग जीनोटाइप की व्यापकता प्रस्तुत की गई लेकिन इसका डिफेंस अभी लंबित है।

45. एक गंभीर ट्रामा से होने वाली सर्वाइकल रीढ़ की चोट वाले रोगियों में वेंटिलेटर से वीन के समय पर दो अलग-अलग ज्वार की मात्रा (6-8mL/kg बनाम 12-15mL/kg) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
46. रक्तस्रावी शॉक के साथ प्रस्तुत होने वाले ट्रामा के रोगियों में बड़े पैमाने पर ट्रांसफ्यूजन की अवधारणा का पुनर्मूल्यांकन।
47. क्यूआई परियोजना - आईसीयू में सीएलबीएसआई दर में सुधार करने के लिए
48. कोविड-19 में मृत रोगियों की क्लीनिकल विशेषताएं और मृत्यु दर
49. मोटे कोविड-19 रोगी की नैदानिक विशेषताएं और परिणाम
50. टीबी के साथ कोविड-19 रोगियों की क्लीनिकल विशेषताएं और परिणाम
51. कोविड रोगियों में कांवालेसेंट प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका
52. कोविड 19 रोगियों में एन/एल अनुपात
53. कोविड आईसीयू रोगियों में खराब परिणाम के जोखिम कारक
54. क्लिनिकल प्रयोगशाला में प्राप्त रक्त संग्रह ट्यूबों में फाइब्रिन क्लॉट गठन को कम करने के लिए एक गुणवत्ता सुधार पहल
55. जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में प्रयोगशाला सेवाओं के लिए चिकित्सक संतुष्टि का एक मूल्यांकन
56. ट्रामा से होने वाली मस्तिष्क चोट के एक संभावित जैव संकेतक के रूप में सेलुलर प्रिओन प्रोटीन और पीड़ादायक मस्तिष्क की गंभीर चोट के साथ सह-संबंध चोट
57. क्लीनिकल प्रयोगशाला में (क्लासिक) थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी व्याख्या में क्लीनिकल त्रुटियों के सामान्य स्रोत
58. इनफ्लेमेशन के डिसरेगुलेशन तथा ट्रामा रक्तस्त्रावी आघात रोगियों के रिकवरी पर अल्कोहल का प्रभाव
59. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक रोगियों अनुमान लगाने वाले जैव संकेतक की पहचान करने के लिए बहु-पैरामीट्रिक दृष्टिकोण
60. तृतीयक उपचार अस्पताल में कोविड-19 का सामना करने के लिए टेलीमेडिसिन का प्रयोग
61. जीन प्रक्सप्रेशन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, सेलुलर सिग्नलिंग मार्ग की सक्रियता और ट्रॉमाहेमोरेजिक शॉक टी / एचएस (एनसीडी / एडहॉक / 2/2018-19 डीटी 5/6/18) के क्लीनिकल परिणामों के साथ इसका संबंध।
62. हेमटोपोइएटिक प्रोगेनिट्रोल सेल्स और ग्रैनुलोसाइट कॉलोनी सिमुलेटिंग कारक के बीच ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक "(3/1/2/4/ ट्रॉमा/2018-एनसीडी- I) के पैटर्न का अध्ययन करना ।
63. आई[ईएससी (प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल) व्युत्पन्न हेमटोपोइएटिक पूर्वज कोशिकाओं (एचपीसी) के लिए ट्रामा रक्तस्रावी शॉक के बीच हेमटोपोइएटिक विफलता के लिए पशु मॉडल के प्रयोग का अध्ययन करना
64. ट्रामा-रक्तस्रावी ट्रामा के रोगियों में कोशिका मुक्त-डीएनए की भूमिका और क्लीनिकल परिणाम और चोट की गंभीरता के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना

65. मेसेनकाइमल स्ट्रोमल, हेमटोपोइएटिक स्टेम और प्रोगनेटिअर कोशिकाओं के पैटर्न का अध्ययन करने के लिए ट्रामा रक्तस्रावी शॉक रोगियों के पेरिफेरेल रक्त
66. आपातकालीन विभाग में आने वाले कोविड-19 रोगियों में फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड निष्कर्षों के पैटर्न का अध्ययन करना
67. कोविड प्रसार पर सहयोग: वैश्विक सहयोग
68. आईजीए नेफ्रोपैथी के रोगियों में क्लीनिकल और गंभीर हिस्टोलॉजिक के साथ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए / पूरक कारक 3 (आईजीए / सी 3) का परस्पर सहसंबंध
69. रीनल ट्रांसप्लांट करवाने के बाद रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट और एसिड बेस की गड़बड़ी: संभावित अध्ययन
70. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी वाले भारतीय रोगियों में रोग की गंभीरता और परिणाम पर विटामिन डी के स्तर की भूमिका का अध्ययन करना
71. गंभीर एब्डोमेन के ट्रामा वाले रोगियों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी एब्डोमेन बनाम डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी की तुलना करने वाला एक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
72. स्तर । ट्रॉमा सेंटर में चोट के खतरनाक मेकेनिज्म वाले रोगियों में कंट्रास्ट एन्हांस्ड कंप्यूटेड टोमोग्राफी स्कैन टोर्सो के नियमित प्रयोग की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
73. ट्रामा से होने वाली मध्यम आकार के पेरिफेरेल आर्ट्रियल की रिपेयर के साथ रोगी में ऑपरेशन के बाद प्रणालीगत थक्कारोधी की आवश्यकता का मूल्यांकन करने के लिए एक मुख्य अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
74. ब्लंट स्प्लेनिक चोट में स्प्लेनिक कार्य का मूल्यांकन: संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन। डायग्राम शक्ति और मोटाई पर फ्रेनिक तंत्रिका स्टिमुलेशन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
75. वर्चुअल रियलिटी थेरेपी (वीआरटी) का प्रभाव निचले अंगों के बीच संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए- एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
76. कैंडिडा की पहचान के लिए पारंपरिक, विटेक और मालदी-टॉफ की तुलना
77. प्रारंभिक परिणामों और लागत प्रभावशीलता के संदर्भ में प्राथमिक और आकस्मिक हर्निया के उपचार के लिए ईटीईपी बनाम आईपीओएम की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
78. एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस के बाद नेक्रोसिस हटाने के लिए लैप्रोस्कोपिक बनाम एंडोस्कोपिक जल निकासी की तुलना करने वाला एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण
79. इंटरट्रोकैनेटरिक फीमर फ्रैक्चर के उपचार में सिंगल लैग स्क्रू बनाम हेलिकल ब्लेड सेफेलोमेडुलरी नेलिंग के क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल परिणामों का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (फरवरी 2021 में पूर्ण)
80. वयस्क रोगियों में दाईं ब्राचियोसेफेलिक नस के अल्ट्रासाउंड आधारित कैथीटेराइजेशन की संभावना का अध्ययन

81. पेल्विकैटैबुलर फ्रैक्चर सर्जरी में रक्त की हानि पर ट्रैनेक्सैमिक एसिड की विभिन्न डोज़ लिए जाने का प्रभाव: एक याद्दच्छिक नैदानिक परीक्षण
82. कोविड-19 रोगियों में गंभीरता के अनुमान के लिए संकेतक के रूप में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट से लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
83. कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मास्क के प्रयोग के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) - एक प्रश्नावली-आधारित सर्वेक्षण
84. कोविड-19 उपचार में सम्मिलित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा कोविड का सामना करने की रणनीतियाँ : एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
85. पटेला के विस्थापित फ्रैक्चर के लिए प्लेटिंग के बाद कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम
86. बार बार होने वाली एंटीरियर कंधे अस्थिरता के लिए आर्थोस्कोपिक रिपेयर का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन - एक मुख्य अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय और पश्चिमी जनसँख्या में ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर: लक्षणों पर प्रभाव, उपचार के विकल्प और उनके परिणाम, यूकेआईईआरआई-डीएसटी को समझना ।
2. मंडी, हिमाचल प्रदेश के ब्राहमण और राजपूत जनसँख्या में कान और नाक का मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन- एक फोरेंसिक मानव विज्ञान जांच, मानव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
3. रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करने और उनके फिंगरप्रिंट विशेषताओं का प्रयोग करके जुड़वा बच्चों के बीच लिंग का निर्धारण करना, न्याय चिकित्सा एवं विषाणुविज्ञान विभाग, केएमसी, मणिपाल।
4. प्रीक्लेम्पसिया के अनुमान में जैव रासायनिक और बायोफिजिकल संकेतक के संयोजन का मूल्यांकन करना, स्त्री रोग विभाग और शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
5. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी करवा रहे रोगियों में हेमोडायनामिक्स और रिकवरी पर लिडोकेन इनफ्यूजन का प्रभाव: एक बहुकेंद्र, याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, विन्निपेग, कनाडा।
6. सेन्ट्रल लाइन से जुड़े रक्त प्रवाह संक्रमण (सीएलएबीएसआई), की घटनाओं को कम करने में क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट इंप्रेग्नेटेड पैच (बायोपैच आर) की प्रभावशीलता पर संभावित अध्ययन, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स ।
7. एक रेफरल भारतीय अस्पताल में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी एक रेफरल भारतीय अस्पताल में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स।
8. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में पंखे वाले चश्मे बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना: एक मुख्य अध्ययन

9. गंभीर टीबीआई, न्यूरोसर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स के रोगियों में गले के शिरापरक ऑक्सीमेट्री पर डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी का प्रभाव।
10. गंभीर टीबीआई, के रोगियों में नियर अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का मूल्यांकन, न्यूरोसर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स
11. अल्ट्रासाउंड परीक्षा के मध्य आंतरिक जुगुलर नस के गिरने वाले दबाव को मापने के लिए नावेल दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, एम्स+आईआईटी दिल्ली
12. डी-ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरींगोस्कोप की तुलना, मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरिंजोस्कोप, और सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इन्टुबेशन के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप: एक यादृच्छिक अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान और गंभीर उपचार
13. वयस्क रोगियों में एंडोट्रैचियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा खारे भरे कफ का पता लगाना: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन , तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान और गंभीर उपचार
14. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में पंखे वाले चश्मे बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना: एक मुख्य अध्ययन न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर।
15. भारत में कोविड के कारण मृत्यु दर के निर्धारक, सीसीएम
16. कोविड-19, के साथ गंभीर रूप से बीमार वृद्ध वयस्कों के क्लीनिकल लक्षण जेरियाट्रिक चिकित्सा ।
17. कोविड-19 के कारण मृत लाए हुए रोगियों के एटिऑलॉजिकल प्रोफाइल का अध्ययन और उसके कारण होने वाली मौतों की तुलना, आपातकालीन चिकित्सा ।
18. भारत में कोविड-19 में वास्तविक समय की अंतर्दृष्टि के लिए उच्च आवृत्ति पैनल, जराचिकित्सा ।
19. एक बाह्य रोगी केन्द्र में सेफिड विशेषज्ञ एक्सप्रेस सार्स कोविड-2 का प्रयोग करके रोगसूचक रोगियों में सार्स-कोविड-2 का पता लगाने के लिए एक वैकल्पिक नमूना स्रोत के रूप में लार, लैब मेडिसिन ।
20. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के साथ या बिना पल्मोनरी तपेदिक (पीटीबी) के रोगियों के बीच सीडी 4 टी-सेल कार्य का मूल्यांकन और एंटी-ट्यूबरकुलर थेरेपी (एटीटी) प्रतिक्रिया के साथ इसका संबंध: एक संभावित ब्लाइंड अध्ययन।
21. हेमटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों में इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के शुरुआती निदान के लिए संभावित जैव संकेतक के रूप में मूत्र / सीरम में ट्राईसेटाइलफ्यूसारिनिन सी (टीएएफसी)
22. गर्भावस्था में विभिन्न चरणों में कोविड-19 के संपर्क में आने के बाद मातृ और भ्रूण के परिणाम: सर्कोनवर्जन के लिए एक लोंगीट्युडनल मूल्यांकन और परिणामों के लिए इसका परस्पर सहसंबंध
23. स्कोप-गर्भावस्था में कोविड की निगरानी- कोविड-19 और गर्भावस्था के परिणामों पर क्लीनिकल विशेषताओं और साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण

24. एक आउट पेशेंट सेटिंग स्थान में सेफिड विशेषज्ञ एक्सप्रेस सार्स कोविड-2 का प्रयोग करके रोगसूचक रोगियों में सार्स-कोविड-2 का पता लगाने के लिए एक वैकल्पिक नमूना स्रोत के रूप में लार, प्रयोगशाला चिकित्सा
25. डेंगू की व्यापकता और कोविड-19 रोगियों में परिणाम
26. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रियान्वयन के आधार पर भारत की जनसँख्या में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर के अनुमान का पता लगाना
27. अस्पताल में भर्ती रोगियों में कोविड-19 के लिए अतिरिक्त उपचार का एक अंतरराष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण, जिन्हें स्थानीय स्तर पर उपचार सुविधा प्राप्त हो रही है
28. बचे हुए नमूनों में सार्स-कोविड-2 (कोविड-19) के डायगनोसिस और प्रोग्निसिस के लिए नई तकनीकों और बायोमार्करों का मूल्यांकन
29. गभीर रूप से घायल में रोगियों संक्रमण जोखिम पर ल्यूकोरेड्यूड ब्लड ट्रांसफ्यूजन के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गंभीर और गहन उपचार, जेपीएनएटीसी, संवेदनाहरण पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार, एम्स, जेपीएनएटीसी, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, आपातकालीन चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, सर्जरी, जेपीएनएटीसी।
30. गंभीर रूप से रक्तस्रावी ट्रामा रोगियों, सर्जरी, जेपीएनएटीसी में रक्त घटकों के प्रयोग पर क्रायोप्रेसिपिटेट के प्रारंभिक प्रयोग के प्रभाव का मूल्यांकन, लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, आपातकालीन चिकित्सा, जेपीएनएटीसी,
31. स्कोलियोसिस सर्जरी, करवा रहे रोगियों में ऑपरेशन से पहले ब्लड मैनेजमेंट के लिए एक्यूट नॉर्मोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (एएनएच) की प्रभावशीलता निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण एनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन एंड क्रिटिकल केयर, एम्स, लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, ऑर्थोपेडिक्स, एम्स
32. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं की पूर्वव्यापी समीक्षा
33. गंभीर और सघन देखभाल, जेपीएनटीसी, लैब मेडिसिन, जेपीएनटीसी शहरी स्तर -1 ट्रॉमा सेंटर में बड़े पैमाने पर रक्तस्राव प्रोटोकॉल के साथ एक वर्ष का अनुभव
34. सर्जरी, जेपीएनएटीसी, गंभीर और सघन देखभाल, जेपीएनएटीसी, आपातकालीन चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी कोविड-19 के लिए विभिन्न उपचारों का मूल्यांकन, काय-चिकित्सा
35. कोविड रोगियों में ट्रोपोनिन, काय-चिकित्सा
36. कोविड-19 में लिवर कार्य परीक्षण, प्रयोगशाला चिकित्सा
37. ब्लंट टोरसो ट्रॉमा वाले रोगियों में इन्फ्लैमेटरी साइटोकाइन प्रोफाइलिंग और सीरियल परिवर्तन -, एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन, सर्जरी, जेपीएनएटीसी
38. गंभीर ट्रामा के बाद ब्रेन चोट (टीबीआई), के बाद माइलिनेशन और ऑलिगोडेंड्रोसाइट पैथोलॉजी का परीक्षण, फॉरेंसिक और आणविक विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स
39. पीड़ादायक घावों, में एनपीडब्ल्यूटी बनाम पारंपरिक ड्रेसिंग की आवश्यकता वाले रोगियों में घाव के एक्सयूडेट का जैव रासायनिक विश्लेषण सर्जरी, जेपीएनएटीसी

40. ट्रामा से होने वाली मस्तिष्क की चोट, के बाद सेरेब्रल ओदेमा के विकास के अनुमान में जैव संकेतक की भूमिका, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, जेपीएनएटीसी
41. तत्काल और दीर्घकालिक परिणाम, संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, काय-चिकित्सा, एम्स के साथ परस्पर सहसंबंध के लिए सकारात्मक मामलों में बायोकेमिकल, हार्मोनल, इंफ्लेमेटरी और हेमटोलॉजिकल मापदंडों का सीरियल मूल्यांकन और फॉलोअप एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर, मेडिसिन, एम्स
42. भारत की जनसँख्या में एंजियोटेंसिन कनवर्टिंग एंजाइम (एसीई2) जीन पॉलीमॉर्फिज्म के कार्यात्मक निहितार्थ का नेक्स्ट जेन सीक्वेंसिंग-आधारित मूल्यांकन और भारतीय कोविड-19 रोगियों में सार्स-कोविड2 संक्रमण के परिणाम में उनकी भूमिका: एक मुख्य अध्ययन, संवेदनाहरण और गहन उपचार, काय-चिकित्सा, एम्स
43. रक्त समूह का कोविड-19 संबंधित रुग्णता और मृत्यु दर पर प्रभाव। एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, संवेदनाहरण और गहन उपचार, काय-चिकित्सा, एम्स
44. कोविड-19 संबद्ध जटिलताओं को सीमित करने के लिए कॉनवलसेंट प्लाज्मा: एक संभावित, सिंगल सेंटर, यादृच्छिक नियंत्रित संभावना अध्ययन, काय-चिकित्सा, एम्स।
45. डीआईसी पीड़ित कोविड-19 रोगियों में रोगनिरोधी संकेतक के रूप में डीआईसी प्रोफाइल, थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी और एंटी-कोगुलेंट प्रोटीन का मूल्यांकन; एक लोंगीटयुडनल अवलोकन अध्ययन, हेमेटोलोजी, एम्स; , एम्स संवेदनाहरण और गहन उपचार, काय-चिकित्सा, एम्स
46. न्यू कोरोनावायरस निमोनिया (कोविड-19), के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त जमावट और फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन हेमटोलॉजी, एम्स; संवेदनाहरण और गहन उपचार, काय-चिकित्सा, एम्स
47. कोविड-19 के रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजिक जांच, के साथ पोस्टमार्टम न्यूनतम इनवेसिव टिशू सैंपलिंग; काय-चिकित्सा, एम्स; पैथोलॉजी, एम्स
48. मृतक रोगियों, से फेफड़े के ऊतकों के आरएनए-अनुक्रमण द्वारा कोविड -19 के आणविक रोगजनक तंत्र को विदारक करना; मेडिसिन, एम्स पैथोलॉजी, एम्स
49. कोविड-19 से संक्रमित अस्पताल में भर्ती रोगियों में हृदय एक्सप्रेशन, मेडिसिन, एम्स;
50. कोविड-19 रोगियों, में पोस्टमॉर्टम मिनिमली इनवेसिव टिश्यू बायोप्सी के लिए दिशानिर्देश; मेडिसिन, एम्स। पैथोलॉजी, एम्स
51. चूहों में कार्बन टेट्राक्लोराइड-प्रेरित सिरोसिस के दो प्रोटोकॉल की तुलना - उपज और प्रजनन क्षमता में सुधार, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स
52. टीएचएस रोगियों के पेरिफेरेल रक्त में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल, हेमटोपोइएटिक कोशिकाओं का अध्ययन करना, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स
53. गैर-कार्डियोलॉजी चिकित्सकों के लिए स्ट्रक्चर्ड मॉड्यूल ऑफ ईकोकार्डियोग्राफी प्रशिक्षण का विकास, हृदविज्ञान विभाग।
54. यूएस गाइडेड इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक की दो तकनीकों के बीच फैले इंजेक्शन की तुलना: एक कैडवेरिक अध्ययन', अर्बुद-संवेदनाहरण

55. भारत की जनसँख्या, के लिए रोगी अनुकूल कुल कोहनी प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग की डिजाइनिंग अस्थि रोग
56. गंभीर टीबीआई, के बाद पेरिफेरेल रक्त और मस्तिष्क के ऊतकों में परिवर्तित माइक्रो-आरएनए एक्सप्रेशन, प्रयोगशाला चिकित्सा
57. मिरगी के क्षेत्र को परिभाषित करने में फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया के साथ रोगी से रिसेक्टेड ब्रेन टिश्यू के मास स्पेक्ट्रोमेट्रिक लिपिड प्रोफाइल की भूमिका की जांच, तंत्रिका विज्ञान/तंत्रिका शल्य चिकित्सा
58. ह्यूमेन टेम्पोरो मैंडिबुलर जोड़ का रूपात्मक अध्ययन, शरीररचना विज्ञान
59. प्रभाव और ब्लास्ट लोडिंग, के अंतर्गत मानव शरीर के अंगों की विशेषता, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग विभाग और आईआईटी दिल्ली
60. एब्डोमेन / थौरैक्स मॉडल निर्माण / सत्यापन, न्यूरोसर्जरी, अस्थि रोग विभाग और आईआईटी दिल्ली
61. कोविड सर्ज सहयोग, विश्व व्यापी सहयोग - यूके
62. वायरस प्रेरित न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग का प्रबंधन करने में वयस्क स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की चिकित्सीय भूमिका को समझना, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग।
63. लिवर चोट मॉडल, में हमम मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोसोम की हेपेटिक पुनर्योजी क्षमता, स्टेम सेल फैसिलिटी, सीटीवीएस विभाग ।
64. इन्ड्युसड प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल के प्रयोग से दुर्लभ रोग मॉडलिंग स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग ।
65. दोबारा ऊतक पाने के लिए कार्यात्मक सामग्री का प्रयोग कर त्वचा ग्राफ्ट विकल्प का जैव निर्माण, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग ।
66. बाल चिकित्सा ब्लंट एब्डोमेन के ट्रामा में सीटी निर्णय उपकरण के रूप में फास्ट स्कोर को मान्य करना, आपातकालीन चिकित्सा
67. एक स्तर I ट्रॉमा सेंटर, में ग्रेड III और IV पैनेक्रिएटिक ट्रामा के नॉन-ऑपरेटिव उपचार के बाद रोगियों के परिणाम और पैनक्रिएटिक की शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन करना, ट्रॉमा सर्जरी
68. स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा, के लिए मानव एमनियोटिक झिल्ली और रेशम आधारित 3 डी प्रिंटेड स्कैफोल्ड का अनुप्रयोग स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग।
69. त्वचा की चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोसोम की पुनर्योजी क्षमताओं को स्पष्ट करना, स्टेम सेल सुविधा, सीटीवीएस विभाग ।
70. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध (सीडीसी), का पता लगाने और रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और मजबूत करना, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी ।
71. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रामा रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रक्रियाओं का संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

72. एटीएलएस दिशानिर्देशों पर नर्सिंग छात्रों के बीच ज्ञान प्रतिधारण और कौशल विकास के संबंध में वर्चुअल सिमुलेशन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. डीजेनेरेटिव डिस्क रोग में लम्बर इंटर वर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान और क्लीनिकल और रेडियोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका संबंध, अस्थि रोग, एम्स
2. 1-18 वर्ष के बीच अनुमानित आयु में कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफिसियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन, न्याय चिकित्सा विभाग
3. पीड़ादायक चोट, के बाद तंत्रिका-संज्ञानात्मक हानि के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए एक संकेतक के रूप में नावेल लेपित प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, तंत्रिका-मनोविज्ञान, मनोचिकित्सा विभाग
4. ट्रामा से होने वाली फेफड़े की चोट वाले रोगियों में साइटोकिन्स और जैव संकेतक का पूर्वानुमानात्मक महत्व, प्रयोगशाला चिकित्सा
5. ट्रामा के बाद निचले अंग एम्प्युटेशन वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राइमरी क्लोजर, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रामा सर्जरी और गहन उपचार प्रभाग ।
6. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी: क्लिनिकल परस्पर सहसंबंध, के साथ प्रतिरक्षा फ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर प्रोफाइल का एक अध्ययन, विकृति विज्ञान ।
7. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में पंखे वाले चश्मे बनाम मानक चश्मे की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना:: एक मुख्य अध्ययन', प्रयोगशाला चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी।
8. आईसीयू में रहने के मध्य सिर की चोट वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स।
9. ओरल शव परीक्षण, के माध्यम से मृत्यु का कारण बताने के तरीकों की तुलना आईसीएमआर ।
10. कोविड-19 में क्लीनिकल प्रोफ़ाइल और द्वितीयक संक्रमण, प्रयोगशाला चिकित्सा
11. सीकेडी के रोगियों में क्लीनिकल प्रोफ़ाइल और परिणाम, वृक्क विज्ञान
12. न्यूरोलॉजी के रोगियों में कोविड, वृक्क विज्ञान
13. गैस्ट्रिक कैंसर, की प्रगति में टाइट जंक्शन और म्यूकोसल एपिथेलियल सेल पोलरिटी के विघटन का मोलेक्युलर एक्सप्रेशन, जीआई मेडिसिन, एम्स ।
14. सीरम में हेपेटाइटिस वायरस (एजी) का एक साथ पता लगाने के लिए मल्टीपल रियल टाइम पीसीआर (क्यूपीसीआर) परख का विकास, जीआई मेडिसिन, एम्स
15. ट्रॉमा सेंटर, स्तर । पर चेहरे के फ्रैक्चर के लिए पारंपरिक सर्जरी बनाम 3 डी प्रिंटिंग तकनीक सहायता प्राप्त सर्जरी के साथ उपचार किए गए रोगियों में सर्जिकल परिणाम और वित्तीय बोझ

का मूल्यांकन करने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली, सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी, एम्स ।

16. डायनामिक कम्प्रेशन के बाद नरम ऊतक (मानव हृदय और फेफड़े) के सूक्ष्म संरचनात्मक विश्लेषण के लिए प्रस्ताव, प्रभाव के अंतर्गत मानव हृदय और फेफड़े की विशेषता, फोरेंसिक और आणविक विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स; एनपीडब्ल्यूटी, आईआईटी दिल्ली बनाम ट्रामा से होने वाले घावों, में पारंपरिक ड्रेसिंग की आवश्यकता वाले रोगियों में घाव के एक्सयूडेट का जैव रासायनिक विश्लेषण, सर्जरी, जेपीएनएटीसी
17. एस्पिरिन प्रतिरोधी हृदय रोगियों में टीइजी, तंत्रिका विज्ञान, एम्स
18. ऑपरेशन से पहले सीएसएफ मेलाटोनिन सांद्रता और पुराने कूल्हे के फ्रैक्चर रोगियों में डेलिरियम की घटना: एक प्रारंभिक अध्ययन, अस्थि रोग, जेपीएनएटीसी
19. ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा सर्जरी, में ऑपरेशन से पहले इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स परिवर्तन और क्लीनिकल जटिलताओं पर क्षेत्रीय एनेस्थिशिया का प्रभाव संवेदनाहरण, जेपीएनएटीसी
20. लिगेचर और कम्प्रेसिंग सामग्री फाइबर का पता लगाना, संग्रह, पहचान और श्वासावरोध से होने वाली मौतों में तुलना, न्याय चिकित्सा
21. अस्पताल में रहने के मध्य और डिस्चार्ज के बाद विकसित होने वाले सर्जिकल साइट संक्रमणों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास और सत्यापन: एक बहु-केंद्रित अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 273 **सार: 12** **पुस्तकों में अध्याय: 14**

रोगी उपचार

I. क) सुविधा की कुल बेड क्षमता:

वार्ड बेड	: 145 (मुख्य एम्स से आबंटित)
ऑर्थो बेड (मुख्य अस्पताल)	: 38#
टीएससीसी बेड	: 36#
पीआरएस बेड	: 05#
एनएस बेड (एनएससी)	: 26*
निजी बेड	: 22#
ईएम विभाग (आरएके) (ट्राएज)	: 18
ख) कुल प्रवेश बेड	: 127
वार्ड बेड	: 105
निजी बेड	: 22

II. सांख्यिकी एक नजर में

ईडी उपस्थिति की कुल संख्या : 49041 रोगी।

औसत प्रति दिन	: 134 रोगी।
प्रवेश की कुल संख्या	: 8348 रोगी।
प्रति दिन औसत प्रवेश	: 23 रोगी
ठहरने की औसत अवधि (एएलएस)	: 09 दिन
फॉलोअप ओपीडी मामलों की कुल संख्या	: 000 रोगी। 23 मार्च 2020 से कोविड के कारण बंद किया गया
फॉलोअप ओपीडी में प्रतिदिन औसत संख्या	: 000 रोगी। 23 मार्च 2020 से कोविड के कारण बंद किया गया
III. ईडी में मामलों की कुल संख्या	: 49041
पुरुष	: 32695
महिलाएं	: 11553
लड़के	: 3168
लडकियां	: 1607
अन्य	: 18
एमएलसी	: 23200
एनएमएलसी	: 25841
ट्राइएज श्रेणी	
हरा	: 23436
पीला	: 13877
लाल	: 3446
काला	: 106
ओपीडी	: 8176
विकिरण विज्ञान	: 00
IV फॉलोअप ओपीडी मामलों की कुल संख्या	: 000 23/03/2020 से कोविड के कारण बंद।
नए	: 0000
पुराने (पुन: विजिट)	: 0000
पुरुष	: 0000
महिला	: 0000
लड़का	: 0000
लड़की	: 0000
विशेषता-के अनुसार ब्रेक-अप	
अस्थि रोग	: 0000
शल्य चिकित्सा	: 0000
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	: 0000
आपात चिकित्सा	: 0000

	मूत्ररोग विज्ञान	: 0000		
	पीआरएस	: 0000		
	बीपीआई	: 0000		
	ईएनटी	: 0000		
V.	भर्ती होने वालों की कुल संख्या	: 8348		
	नियमित	: 8343	कभी कभी	- 05
	एमएलसी	: 3670		- 01
	एनएमएलसी	: 4673		- 04
	पुरुष	: 5426		- 02
	महिला	: 2358		- 02
	लड़का	: 371		- 00
	लड़की	: 186		- 01
	टीजी/अन्य	: 2		- 00
	विशेषता-अनुसार ब्रेक-अप			
	अस्थि रोग	: 1604		- 03
	शल्य चिकित्सा	: 101		- 01
	तंत्रिक शल्य चिकित्सा	: 0581		- 00
	आपात चिकित्सा	: 0		- 00
	पीड़ा क्लिनिक	: 0		- 00
	पीआरएस	: 216		- 00
	ईएनटी	: 01		- 00
	बाल चिकित्सा	: 43		- 01
	संवेदनाहरण एवं गहन उपचार	: 1100		- 00
	पल्मोनरी चिकित्सा	: 3787		
VI	कुल कितने ऑपरेशन हुए:	: 3919		
	प्रमुख	: 3643		
	माइनर	: 276		
	पुरुष	: 2929		
	महिला	: 0741		
	लड़का	: 173		
	लड़की	: 075		
	टीजी/ओआरएस	: 001		
	विशेषता-वार ब्रेक-अप			
	अस्थि रोग	: 2335		
	शल्य चिकित्सा	: 1037		

तंत्रिका शल्य चिकित्सा : 0486
मूत्ररोग विज्ञान : 00
पीआरएस : 0003
ईएनटी : 0025
स्त्रीरोग : 0017
संवेदनाहरण : 0011
नेत्र विज्ञान : 0005

VII कुल डिस्चार्ज : 3312+ (4887 कोविड रोगियों को टीसी संख्या दी गयी)
एमएलसी : 2225
एनएमएलसी : 1087
पुरुष : 2539
महिला : 0547
लड़का : 138
लड़की : 088
अन्य : 000
विभागवार वितरण
अस्थि रोग : 1570
शल्य चिकित्सा : 0958
तंत्रिका शल्य चिकित्सा : 0531
पीआरएस : 214
ईएनटी : 00
बाल चिकित्सा : 034
पल्मोनरी चिकित्सा : 005

VIII उपचार दिवस : 31151
अस्थि रोग : 8491
शल्य चिकित्सा : 11281
तंत्रिका शल्य चिकित्सा : 8461
पीआरएस : 2509
ईएनटी : 0000
बाल चिकित्सा : 0259
पल्मोनरी चिकित्सा : 0150
कुल पंजीकृत मृत्यु : 704
मृत मामले लाए : 302

टीसी पर हुई कुल मौत (मृत्यु पंजीकृत - मृत लाया गया)	: 402 (704 - 302)
48 घंटे के अंदर मौतें	: 114
48 घंटे में मौत	: 288
सकल मृत्यु दर	: 12%
शुद्ध मृत्यु दर	: 09%
बेड अधिभोग दर	: 67%
भर्ती रहने का औसत समय	: 09 दिन
बेड में कितने रोगी रहे	: 02 रोगी./बेड

इसके अलावा, चिकित्सा अभिलेख अनुभाग-टीसी नीचे दी गई सेवाएं भी प्रदान करता है।

1.	न्यायालय से प्राप्त कुल समन	= 160
2.	डॉक्टर्स + स्टाफ़ ने भाग लिया	= 105
3.	एमआरएस स्टाफ ने भाग लिया	= 055
4.	दिल्ली के भीतर कोर्ट में समन उपस्थित हुए	= 123
5.	दिल्ली के बाहर कोर्ट में समन उपस्थित हुए	= 037
6.	कुल रोगियों का नाम सुधार	= 553
7.	एनडीएमसी को मौत की रिपोर्ट	= 1561
8.	एलआईसी / बीमा मामले निपटान	= 044
9.	आरटीआई जवाब	= 125
10.	एक्स-रे जारी	= 703
11.	पुलिस अनुरोधों का निपटान	= 788
12.	अनुसंधान उद्देश्य के लिए जारी किए गए मेडिकल रिकॉर्ड फाइल	= 801
13.	आवेदकों को उत्तर (हिन्दी में)	= 235

फोरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए प्रयोगशाला (जेपीएनएटीसी) प्रभाग

क. आपातकालीन सेवाएं:

जेपीएनएटीसी में फोरेंसिक पैथोलॉजी और मॉलिक्यूलर डीएनए प्रयोगशाला विभाग जेपीएनएटीसी की आपातकालीन सेवाओं को रिपोर्ट की गई चोट, यौन अपराध आदि के मामलों में। चौबीसों घंटे चिकित्सा-कानूनी सेवाएं प्रदान कर रहा है जैसे कि

ख. मुर्दाघर सेवाएं/ऑटोप्सी सेवाएं/टॉक्सिकोलॉजी- जेपीएनएटीसी को कोविड उपचार केंद्र के रूप में नामित किया गया है

जेपीएनएटीसी के मुर्दाघर के माध्यम से कुल 1540 कोविड मृत्यु का प्रबंधन किया गया और निपटान गया। जिसमें जेपीएनएटीसी/मुख्य अस्पताल और एनसीआई झज्जर के मामले सम्मिलित हैं।

ग. क्लिनिकल फोरेंसिक मेडिसिन (अप्रैल 2020 से मार्च 2021)

जेपीएनएटीसी में **328** मामलों में कैजुअल्टी आदि के संदर्भ सहित जटिल मामलों में सहयोग दिया गया ।

घ. सम्मन

विभाग के डॉक्टर दिल्ली और अन्य राज्यों के मामलों में अदालत में उपस्थित हुए।

ङ प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के सहयोग से फोरेंसिक पैथोलॉजी

इस अवधि के मध्य कुल **27** मामलों के नमूने संसाधित और रिपोर्ट किए गए।

च. सामुदायिक सेवा

प्रभाग द्वारा पूरे देश के सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और सरकारी अभियोजकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया जाता है।

छ. संपूर्ण शरीर दान

जेपीएनएटीसी के इस प्रभाग द्वारा 10 मामलों में शिक्षण और अनुसंधान के लिए पूरे शरीर का दान दिया गया।

ज. डीएनए प्रयोगशाला

हमारा विभाग आपदा पीड़ित पहचान के एक भाग के रूप में जेपीएनएटीसी में आणविक डीएनए प्रयोगशाला स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स में आयोजित परीक्षण

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 तक प्रयोगशाला चिकित्सा में किए गए कुल परीक्षण:- 7,88,839

I. जैव रसायन: -

क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1	शुगर	630
2	यूरिया	28710
3	क्रिएटिनिन	28710
4	कैल्शियम	28706
5	फॉस्फेट	28700
6	यूरिक अम्ल	28689
7	सोडियम	28700
8	पोटैशियम	28688
9	टी. बिलीरुबिन	28541
10	डी बिलीरुबिन	28535
11	टी.प्रोटीन	28500
12	एल्बुमिन	28500
13	एएसटी	28497

14	एएलटी	28497
15	एएलपी	28494
16	कोलेस्ट्रॉल	3105
17	एमिलेज	2947
18	एचडीएलडी	437
19	एलडीएलडी	440
20	टीजी	771
21	वीएलडीएल	716
22	सी.के.	8
23	एम-टीपी	21
24	सीआरपी	7604
25	यूरिनटी सोडियम	158
26	एमजी	2398
27	लाइपेज	6
28	सीके-एमबी	6
29	सीएसएफ शुगर	90
30	सीएसएफ एम-टीपी	220
31	पेरिटोनियल फ्लूइड	21
32	पेरिटोनियल फ्लूइड एमाइलेज	14
33	ड्रेन फ्लूइड	7
34	ड्रेन फ्लूइड यूरिया	0
35	ड्रेन फ्लूइड क्रिएटिनिन	0
36	प्ल्युरल फ्लूइड एमाइलेज	52
37	एसिटिक फ्लूइड प्रोटीन	86
38	एसिटिक फ्लूइड शुगर	18
39	एसिटिक फ्लूइड एमाइलेज	20
40	यूरिन एनए	10
41	यूरिनक्रिएट	15
42	यूरिन कैल्शियम	1 1
43	24 घंटे यूरिन शुगर	6
44	24 घंटे यूरिन प्रोटीन	0
45	एस. ओस्मोलेटी	12
46	यू. ओस्मोलेटी	8
47	क्लोराइड	0

48	लैक्टेट	568
49	एस फ़िनाइटोइन	51
50	एलडीएच	4112
कुल		**427018**

एबीजी:-

1	पीओ2	2000
2	पीसीओ2	2000
3	पीएच	2000
4	एच+	2000
5	के+	2000
6	एमए+	2000
7	सीए++	2000
8	सीएल	2000
कुल		**16000**

जैव रसायन अनुभाग में संचालित कुल परीक्षण = 443018

II. रुधिर विज्ञान:-

क्रम.सं.	**परीक्षण**	**कुल**
1	हीमोग्लोबिन	28208
2	एचसीटी	28208
3	आरबीसी	28208
4	पीएलटी	28208
5	टीएलसी	28208
6	एमसीवी	28208
7	एमसीएच	28208
8	एमसीएचसी	28208
9	आरडीडब्ल्यू	28208
10	रेटिक	00
11	पीएस/एमपी	3278
12	ईएसआर	1111

कोगुलेशन परीक्षण

1	पीटी	17226
2	एपीटीटी	17226
3	डी-डाइमर	3763
कुल		**38215**

1	यूरिन और नियमित माइक्रोस्कोपी	901
2	यूरिन मायोग्लोबिन	18
3	सीएसएफ/ फ्लूइड माइक्रोस्कोपी	369
कुल		**1288**
कुल योग		**325972**

रुधिर विज्ञान अनुभाग में संचालित कुल परीक्षण = 325972

III. प्रतिरक्षा विज्ञान:-

क्र.सं.	**परीक्षण**	**कुल**
1	**आईएल6**	**6999**
2	**फेरिटिन**	**6859**
3	**पीसीटी**	**3588**
4	**ट्रोपोनिन-I**	**165**
कुल		**17611**

प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग में संचालित कुल परीक्षण= 17611

IV हिस्टोपैथोलॉजी:-

नियमित और फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजिकल नमूना

क्र.सं.	**परीक्षण**	**कुल**
1	**नमूने**	**144**
2	**ब्लाक**	**347**
3	**स्लाइड की कुल संख्या (एच एंड ई, विशेष स्टेन)**	**391**
कुल		**882**

एमआईटीएस मामले

क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1	नमूने	100
2	ब्लाक	624
3	कुल स्लाइड (एच एंड ई, विशेष स्टेन)	782
कुल		782

साइटोपैथोलॉजिकल नमूने

क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1	एच एंड ई	42
2	पीएपी	35
3	ए एफ बी	05
4	पी ए एस	01
कुल		83

इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री

क्र.सं.	परीक्षण	कुल
1	एएलके-2	294
2	पीडीएल-1	136
3	पीडीजीएफआर-अल्फा	9
4	बीटा-एपीपी	52
कुल		491

हिस्टोपैथोलॉजी का कुल योग =2238

जैव रसायन अनुभाग में संचालित कुल परीक्षण = 443018

रुधिर विज्ञान अनुभाग में संचालित कुल परीक्षण = 325972

इम्यूनोलॉजी विभाग में संचालित कुल परीक्षण = 17611

हिस्टोपैथोलॉजी का कुल योग =2238

प्रयोगशाला चिकित्सा में किए गए शुद्ध परीक्षण = 7,88,839

सूक्ष्मजैवविज्ञान प्रयोगशाला, जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में संचालित परीक्षण

1. कल्चर : 6086
2. एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी : 1188
3. जीवाणु पहचान : 1188
4. सीरोलॉजी स्क्रीनिंग : 1554
5. सीरोलॉजी : 1036
6. प्रोकैल्सीटोनिन : 1387
7. अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्चर : 316
कुल : 12755

अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स का वार्षिक लेखा-परीक्षा (वित्तीय)

रक्तदान परिसर के आंकड़े

माह	कितने दाताओं की जांच की गई	दाता रक्त बहनेवाला	प्रतिस्थापन दाता			स्वैच्छिक दाता			इंडोर स्वैच्छिक दाता	आउटडोर स्वैच्छिक दाता शिविर
			पुरुष दाता	महिला दाता	कुल	पुरुष दाता	महिला दाता	कुल		
अप्रैल 2020	7	7	0	0	0	7	0	7	7	0
मई 2020	60	56	0	0	0	52	4	56	7	49
जून 2020	63	58	0	0	0	57	1	58	26	32
जुलाई 2020	255	233	109	0	109	111	13	124	21	103
अगस्त 2020	172	152	79	0	79	73	0	73	16	57
सितंबर 2020	256	228	46	0	46	173	9	182	19	163
अक्टूबर 2020	244	194	81	2	83	108	3	111	16	95
नवंबर 2020	146	115	97	0	97	18	0	18	18	0
दिसंबर 2020	273	203	139	0	139	60	4	64	24	40
जनवरी 21	269	207	112	1	113	90	4	94	24	70
फरवरी 21	264	218	55	0	55	161	2	163	1 1	152
मार्च 21	77	52	42	0	42	10	0	10	10	0
कुल	2086	1723	760	3	763	920	40	960	199	761

ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स

माह	पैक आरबीसी तैयार	ताजा जमे हुए प्लाज्मा तैयार	प्लेटलेट्स तैयार	क्रायोप्रेसिपिटेट तैयार	गुणवत्ता नियंत्रण रक्त और घटक
अप्रैल 2020	7	7	7	0	सभी इकाइयों का 1%
मई 2020	56	54	52	0	सभी इकाइयों का 1%

जून 2020	58	58	58	0	सभी इकाइयों का 1%
जुलाई 2020	233	230	202	0	सभी इकाइयों का 1%
अगस्त 2020	152	151	131	0	सभी इकाइयों का 1%
सितंबर 2020	228	226	157	0	सभी इकाइयों का 1%
अक्टूबर 2020	194	191	147	0	सभी इकाइयों का 1%
नवंबर 2020	115	113	113	0	सभी इकाइयों का 1%
दिसंबर 2020	203	181	180	6	सभी इकाइयों का 1%
जनवरी 21	207	153	142	27	सभी इकाइयों का 1%
फरवरी 21	218	187	85	98	सभी इकाइयों का 1%
मार्च 21	52	52	51	0	सभी इकाइयों का 1%
कुल	**1723**	**1603**	**1325**	**125**	

जांच किए गए रक्तदाताओं की कुल संख्या **2086**
स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों की संख्या **15**
रक्त बहने वाले रक्तदाताओं कुल संख्या **1723**
प्रतिस्थापन दाताओं की संख्या **763**
स्वैच्छिक रक्तदाताओं की संख्या **960**

घटक पृथक्करण प्रयोगशाला के आँकड़े
ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी

तैयार पैक्ड आरबीसी की कुल संख्या **1723**
तैयार ताजा जमे हुए प्लाज्मा की कुल संख्या **1603**
तैयार किए गए प्लेटलेट्स की कुल संख्या **1325**
तैयार किए गए क्रायो की कुल संख्या **125**

माह	**एचआईवी**		**एचबीएसएजी**		**एचसीवी**		**वीडीआरएल**		**एमपी**	
	हो गया	**रिएक्टिव**	**हो गया**	**रिएक्टिव**	**हो गया**	**रिएक्टिव**	**हो गया**	**रिएक्टिव**	**हो गया**	**रिएक्टिव**
अप्रैल 2020	7	0	7	0	7	0	7	0	7	0
मई 2020	30	0	30	0	30	0	30	0	30	0
जून 2020	77	0	77	0	77	0	77	0	77	0
जुलाई 2020	229	2	229	3	229	4	229	2	229	0
अगस्त 2020	161	1	161	3	161	2	160	3	160	0
सितंबर 2020	234	0	236	1	237	2	234	2	234	0

अक्टूबर 2020	201	1	201	4	202	1	201	1	198	0
नवंबर 2020	124	1	121	0	122	0	121	0	122	0
दिसंबर 2020	227	0	221	0	224	1	221	0	215	0
जनवरी 21	214	1	215	3	217	3	214	0	214	0
फरवरी 21	228	0	228	0	228	1	228	2	228	0
मार्च 21	57	0	57	0	61	2	57	0	54	0
कुल	**1789**	**6**	**1783**	**14**	**1795**	**16**	**1779**	**10**	**1768**	**0**

संक्रमण संकेतक प्रयोगशाला और दाता परामर्श के आंकड़े

ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स

समूहीकरण प्रयोगशाला के आंकड़े

ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स

दाता की संख्या और सम्पन्न रोगी समूहीकरण किया गया

माह	दाता ग्रुपिंग	रोगी समूहन	कुल
अप्रैल 2020	7	1 1	18
मई 2020	56	47	103
जून 2020	58	158	216
जुलाई 2020	233	214	447
अगस्त 2020	152	191	343
सितंबर 2020	228	191	419
अक्टूबर 2020	194	231	425
नवंबर 2020	115	217	332
दिसंबर 2020	203	238	441
जनवरी 21	207	208	415
फरवरी 21	218	90	308
मार्च 21	52	95	147
कुल	**1723**	**1891**	**3614**

कुल दाता समूहीकरण की संख्या 1723

किए गए रोगी समूहीकरण की कुल संख्या 1891

कुल समूहीकरण की संख्या 3614

ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स

रक्त/घटक जारी किया गया

माह	जारी किए गए पीआरबीसी की संख्या	एफएफपी जारी किया गया	पीआरसी जारी	क्रायो जारी किए गए
अप्रैल 2020	307	64	53	0
मई 2020	72	78	84	0
जून 2020	181	47	145	54
जुलाई 2020	175	67	134	0
अगस्त 2020	190	108	199	0
सितंबर 2020	216	684	106	0
अक्टूबर 2020	199	172	182	12
नवंबर 2020	174	102	97	77
दिसंबर 2020	208	168	187	2
जनवरी 21	201	144	205	16
फरवरी 21	135	410	123	0
मार्च 21	212	180	120	0
कुल	**2270**	**2224**	**1635**	**161**

आपातकालीन जारी काउंटर के आंकड़े
ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स
अन्य अस्पताल ब्लड बैंकों को जारी किए गए रक्त और घटक
(मुख्य एम्स, सीएनसी, जीबी पंत, एलएनएच, ईएसआई, डॉ हेडगेवार)

अन्य ब्लड बैंकों को जारी पैक्ड आरबीसी की कुल संख्या 139
जारी किए गए एफएफपी की कुल संख्या 70
जारी किए गए प्लेटलेट्स की कुल संख्या

माह	**रक्त**		**एफएफपी**		**पीआरसी**		**क्रायो**	
	जारी किए गए	**प्राप्त**	**जारी किए गए**	**प्राप्त**	**जारी किए गए**	**प्राप्त**	**जारी किए गए**	**प्राप्त**
अप्रैल 2020	0	17	0	0	0	36	0	0
मई 2020	0	77	0	0	0	95	0	0
जून 2020	4	94	0	0	0	77	0	0
जुलाई 2020	0	27	0	0	0	34	0	0
अगस्त 2020	0	61	0	0	0	74	0	0
सितंबर 2020	45	7	40	0	0	51	0	0
अक्टूबर 2020	0	33	0	0	0	64	0	0
नवंबर 2020	23	26	0	0	0	33	77	0
दिसंबर 2020	6	27	30	0	2	80	0	0
जनवरी 21	2	13	0	0	0	72	12	0
फरवरी 21	59	2	0	0	0	95	0	0
मार्च 21	0	14	0	16 सीसीपी	0	135	0	0
कुल	**139**	**398**	**70**	**16 सीसीपी**	**2**	**846**	**89**	**0**

1. **रोगी उपचार:** यह पूरा वर्ष कोविड-19 महामारी का वर्ष था और राष्ट्रीय लॉकडाउन यात्रा पर प्रतिबंध, ओपीडी सेवाओं को अस्थाई रूप से रोका हुआ था और कोविड-19 के अलावा अनुसंधान गतिविधियों में पूर्ण व्यवधान वाला वर्ष था।
2. हमारे विभाग ने कोविड टास्क फोर्स के नोडल अधिकारी के एक सक्रिय सदस्य के रूप में, कोविड-19 के संदिग्ध क्षेत्रों को पहचानने में बहुत बड़ी भूमिका का निर्वाह किया है। हमने पुराने गायनी ओपीडी की तीसरी मंजिल को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कोविड पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं के लिए पहला सिजेरियन विभाग शुरू किया गया।

3. ट्रॉमा सेंटर में नियमित रूप से कोविड ड्यूटी करना और कोविड-19 महामारी के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल के अनुकूलन पर विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेबिनार में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
4. फ्रंटलाइन कोविड योद्धा
5. हमने रोगियों की नियमित आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर देखभाल के अतिरिक्त समर्पित पेन मेडिसिन और प्री-एनेस्थीसिया क्लिनिक का भी संचालन किया है।
6. न्यूरोसाइंसेज सेंटर और जेपीएनएटीसी में आईसीयू में ऑपरेशन थिएटर और ऑपरेशन के बाद उपचार एवं प्रबंधन में न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी के रोगियों की देखभाल में सक्रिय रूप से सम्मिलित हुए।
7. सभी प्रकार के ट्रॉमा रोगियों का ऑपरेशन से पहले उपचार प्रबंधन।
8. न्यूरोसाइंस सेंटर और जेपीएनएटीसी में पीड़ा और पीएसी सेवाएं।
9. सभी प्रकार के कोविड-19 रोगियों का ऑपरेशन से पहले (आईसीयू + ओटी) उपचार
10. 18 विभागों के साथ नए ओपीडी परिसर की शुरूआत
11. पुनर्निर्मित सीएसएसडी की शुरूआत
12. एम्स, नई दिल्ली के सभी कोविड उपचार क्षेत्रों के लिए मशीनरी और उपकरणों की खरीद
13. कोविड उपचार अस्पतालों के लिए कर्मचारी दिशानिर्देशों का गठन करने के लिए समिति के सदस्य सचिव, जिसे बाद में कोविड देखभाल अस्पतालों के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के रूप में अपनाया गया।
14. एक ग्रेडेड स्क्रीनिंग सिस्टम, डोनिंग और डोफिंग क्षेत्रों तथा प्रोटोकॉल और रोगी के स्वागत और स्थानांतरण के लिए प्रोटोकॉल की संस्था द्वारा कोविड रोगियों को प्राप्त करने, ट्राइएज और पूरा करने के लिए आपातकालीन विभाग में सुधार।
15. महामारी के दौरान शारीरिक दूरी और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए नई ओपीडी और प्रोटोकॉल की संस्था के भौतिक मूलभूत ढांचे और उपचार प्रबंधन में सुधार।
16. पुरानी आरएके ओपीडी में ट्रॉमा ईडी का स्थानांतरण और उपचार।
17. टेलीपरामर्श की स्थापना और संचालन में कंप्यूटर सुविधा की सहायता।
18. जेपीएनएटीसी, एम्स के लिए 10 केएल क्षमता के एक नए तरल ऑक्सीजन भंडारण टैंक का प्रावधान।
19. जेपीएनटीसी कोविड अस्पताल का प्रबंधन इसके अपर चिकित्सा अधीक्षक के रूप में किया
20. 53 वार्ड बेड (जेपीएनएटीसी में 24 और बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी में 29) और 21 वार्ड बेड को आईसीयू बेड में अपग्रेड किया, कोविड प्रयोग के लिए 30 वार्ड बेड को ऑक्सीजन बेड में अपग्रेड किया
21. जेपीएनएटीसी में आईसीयू के रोगियों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था
22. नई ओपीडी में एक नया ईएचएस परामर्श क्षेत्र और फार्मेसी की योजना बनाई और स्थापित किया
23. नई ओपीडी में टीकाकरण क्षेत्र स्थापित करने में सहायता

24. एम्स ब्लड बैंक के साथ नई आरएके ओपीडी में 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
25. अप्रैल 2020 से जून 2020 तक कोविड-19 की पहली लहर के दौरान एम्स के तीन सदनों के लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की।

महामारी की शुरुआत के दौरान गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 रोगियों के लिए कोविड उपचार सुविधा और आईसीयू के निर्माण के लिए एक टीम सदस्य के रूप में सम्मिलित थे। कोरोना वायरस महामारी के दौरान इस वर्ष दो आईसीयू (32 बेड) में भर्ती कोविड-19 रोगियों को गंभीर उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। कोविड आईसीयू के लिए कोविड क्रिटिकल केयर ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल तैयार करने में सम्मिलित थे। कोविड रोगियों के लिए आईसीयू के भीतर डायलिसिस की सुविधा प्रदान की गयी। अस्पताल की इमरजेंसी/आपात में कोविड-19 रोगियों के प्रवेश के दौरान कोविड की गंभीरता के आधार पर रोगियों के जाँच में सम्मिलित थे। गंभीर रूप से बीमार कोविड रोगियों के लिए समन्वित आहार और फिजियोथेरेपी सेवाएं भी प्रदान कीं। आईसीयू में रहने के दौरान कोविड रोगियों के परिवार के सदस्यों के साथ वार्तालाप में सम्मिलित।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य राजेश मल्होत्रा को 26-28 अप्रैल 2019 को स्पाइन एंड ऑर्थोपेडिक बायोमैकेनिक्स पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के मध्य "कॉम्प्लेक्स स्पाइनल डिफॉर्मिटी वाले रोगियों के 3 डी गैट पैटर्न पर एटियलजि का प्रभाव और विकृति की शुरुआत" शीर्षक पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया, नई दिल्ली। इसके साथ ही उन्हें 1 जुलाई 2019 को आईएमए, नई दिल्ली में डॉक्टर दिवस कार्य के अवसर पर विशिष्ट सेवाओं के लिए आईएमए डॉक्टर्स डे अवार्ड 2019 से सम्मानित किया गया। 7 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में मीडिया पार्टनर सीएनएन न्यूज 18 के साथ सीएमई एक्सीलेंस समिट और अवार्ड्स के मौके पर सीएमई एजुकेटर अवार्ड (व्यक्तिगत) से सम्मानित किया गया। एम्स, नई दिल्ली में 64 वें स्थापना दिवस कार्य के मध्य प्रदर्शनी श्रेणी- यूनिवर्सल हेल्थकेयर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 25 सितंबर 2019। एम्स, नई दिल्ली में 2-14 सितंबर 2019 तक हिंदी सप्ताह उत्सव के दौरान हिंदी डिक्टेशन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अभिनव कुमार को इंटरनेशनल सेंटर ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीबीई), नई दिल्ली की एथिकल कमिटी के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया था। चिकित्सा उपकरणों और चिकित्सा डिस्पोजेबल और उपभोग्य सामग्रियों पर आईसीएमआर एसएनसीएम उप-समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पैरामेडिक्स और आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियनों के लिए प्री हॉस्पिटल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट कोर्स के पाठ्यक्रम विकास के लिए फैकल्टी सदस्य। सर्जिकल क्षेत्र के गुरुकुल के वार्षिक सम्मेलन के लिए रीसोर्स फैकल्टी के रूप में आमंत्रित: गुरूकुलकॉन -2020" 9-13 दिसंबर 2020 में "अमेरिकन कॉलेज

ऑफ सर्जन्स - इंडिया चैप्टर" के साथ सहयोग । एम्स पटना, बिहार में नियुक्ति की स्थायी चयन समिति, सह-चयनित सदस्य (ओबीसी प्रतिनिधि) के रूप में नामांकित। एक बहुराष्ट्रीय वैश्विक अध्ययन में सहयोगी के रूप में भाग लिया "कोविड सर्ज कोलेबरेट" जिसका उद्देश्य सार्स-कोविड-2 संक्रमित रोगी में वैकल्पिक और आपातकालीन सर्जरी में आदर्श समय था।

डॉ आदर्श कुमार को ढाका, बांग्लादेश में 2019-2021 के लिए इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल सदस्य के रूप में चुना गया था । 2018-2021 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ लीगल मेडिसिन के सहायक राजदूत नामांकित किए गए। जापान में दो साल के एक और कार्यकाल 2018-2020 के लिए एशिया पैसिफिक मेडिकोलीगल एसोसिएशन (एपीएमएलए) के सदस्य। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ; केंद्रीय जांच ब्यूरो के औषधीय विशेषज्ञ; राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) द्वारा मनोनीत मूल्यांकनकर्ता; राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा मनोनीत मूल्यांकनकर्ता; सदस्य, विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड।

डॉ अमित गुप्ता को ट्रॉमा पर एशियाई सहयोग के शिक्षा समिति अध्यक्ष के रूप में नामांकित किया गया था ; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ट्रॉमा केयर के विशेषज्ञ बोर्ड के संयोजक के रूप में मनोनीत। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन देखभाल प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में नामांकित। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी के प्रबंध संपादक के रूप में नामांकित, यह स्प्रिंगर द्वारा समीक्षा किया गया जर्नल है और एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की आधिकारिक पत्रिका है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, जीएचएस विभाग द्वारा जीवन रक्षक कौशल में जीवन समर्थन पाठ्यक्रम सम्मिलित करने के लिए अस्पतालों में तैनात मानव संसाधनों के संबंध में भर्ती नियमों के संशोधन के लिए सदस्य, समिति के रूप में नामांकित। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, जीएचएस विभाग द्वारा 3 केंद्र सरकार के अस्पतालों से पहचाने गए ट्रॉमा नर्स समन्वयकों के प्रशिक्षण के लिए तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए कार्यक्रम प्रभाग का समर्थन करने के लिए सदस्य नामांकित। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, जीएचएस विभाग द्वारा सभी केंद्रीय सरकारी अस्पतालों में मौजूदा आपातकालीन विभाग (दुर्घटना आपातकालीन विभाग / हताहत) की समीक्षा करने के लिए सदस्य, विशेषज्ञों की समिति के रूप में मनोनीत। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, जीएचएस विभाग द्वारा प्रशासनिक और वित्तीय निहितार्थ, पाठ्यक्रम और परिचालन दिशानिर्देशों सहित एमएससी ट्रॉमा नर्सिंग प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के लिए एमएससी ट्रॉमा नर्सिंग की रूपरेखा के लिए कोर समिति के रूप में मनोनीत । सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति: अमेरिकन एसोसिएशन फॉर सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी), अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन - ट्रॉमा पर समिति, यूएसए 2018 - वर्तमान तक। सदस्य: एनआईएचएफडब्ल्यू अर्थात वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी पर पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञ समूह, 2018 - वर्तमान तक । सदस्य:

जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू, 2018 - वर्तमान तक। सदस्य, अंटार्कटिक अभियान दल के लिए एम्स में मेडिकल/मनोवैज्ञानिक परीक्षा के लिए मेडिकल बोर्ड, 2016 से वर्तमान तक

डॉ आशीष बिंद्रा थीसिस पेपर "न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया 2020 के सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार। थीसिस पेपर" इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) 2021 के सम्मेलन में तीसरा पुरस्कार।

डॉ बिप्लव मिश्रा एमसीएच ट्रॉमा सर्जरी और क्रिटिकल केयर के आंतरिक परीक्षक हैं; एम्स, ऋषिकेश में एमसीएच ट्रॉमा सर्जरी और क्रिटिकल केयर के लिए पाठ्यक्रम के विकास के लिए कोर कमेटी के सदस्य; एम्स, ऋषिकेश में अतिथि प्रोफेसर।

डॉ दीपक अग्रवाल जर्नल ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (जेपीएनएस) के प्रधान संपादक हैं; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा (आईजेएनटी) के प्रधान संपादक।

डॉ दिनेश कुमार बगारिया 6 सितंबर 2020 को ट्रामा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर, एम्स, नई दिल्ली के विभाग द्वारा आयोजित "भारत में ट्रॉमा केयर में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण: ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर सर्जन - करियर पाथवे" पर वेब पैनल चर्चा के समन्वयक रहे। 25 सितम्बर 2020 को विज्ञान अकादमी के तत्वावधान में आयोजित वर्चुअल एएलटीसी कार्यशाला में "ट्रामा मूल्यांकन और प्रबंधन (टीएएम)" पाठ्यक्रम पूरा किया । 5-7 नवंबर 2020 को एम्स नई दिल्ली में (सर्जीकॉन) 2020 में फैकल्टी के रूप में भाग लिया। । सर्जरी विभाग, आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित वर्चुअल पीजी मास्टर की कक्षाओं में भाग लिया; 6 और 7 फरवरी 2021 को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय सत्र "वार्ड राउंड: ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन" में परीक्षक के रूप में - । सहकर्मी समीक्षा की गई अनुक्रमित पत्रिका "ट्रामा" के लिए लेखों की समीक्षा की। "इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी" के लिए लेखों की समीक्षा की, इसके साथ ही 19 मई 2020 को चक्रवात अम्फान प्रभावित तरीय ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए त्वरित प्रतिक्रिया चिकित्सा टीम एम्स का हिस्सा।

डॉ गरिमा कछावा ने इंट्राम्यूरल परियोजना पर आधारित प्रस्तुति के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका शीर्षक था, "गर्भावस्था के मध्य ऑक्सीडेटिव तनाव संकेतकों और एंडोथेलियल क्रियात्मक आंकलन का मूल्यांकन और गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप के विकास के साथ परस्पर सहसंबंध: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन"। सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके थीसिस पेपर को सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ सुनीता मित्तल के पदक से सम्मानित किया गया: जिसका विषय था “पीसीओएस के साथ युवा लड़कियों में मासिक धर्म चक्र विनियमन पर मायो-इनॉसिटोल और डी-चिरो-इनॉसिटोल संयोजन शीर्षक वाली सौम्य स्त्री रोग संबंधी स्थितियां - एक यादृच्छिक ओपन-लेबल अध्ययन, (कृतिका वी.एस.). उनका क्लीनिकल कार्य रेज़िडेंट्स द्वारा प्रस्तुत किया गया था और विषय

था “गर्भावस्था में ग्लेंज़मैन थ्रोम्बस्थेनिया: हर प्रसूति रोग विशेषज्ञ की समस्या”। सर्वश्रेष्ठ पेपर (जायसवाल पी) के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित। महामारी के दौर में लेबर रूम और वार्ड में भर्ती पर कोविड-19 स्क्रीनिंग प्रश्नावली के प्रभावों का मूल्यांकन करते हुए श्री एस भट्टाचार्य और गांगुली को विषय: विविध श्रेणी (डॉ.इप्सिता साहू) पर सर्वश्रेष्ठ पेपर मेडल सम्मानित किया गया।

डॉ ज्ञानिंदर पाल सिंह को एसएफ इंटरनेशनल द्वारा "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। 9 दिसंबर 2020 को नए विज्ञान आविष्कारों (एनईएमआईएन-2020) पर अनुसंधान पुरस्कार। वह निम्नलिखित के लिए परीक्षक थे: एमडी एनेस्थिसियोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय; डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी, एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम; डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी, एम्स ऋषिकेश। उन्होंने निम्नलिखित थीसिस का मूल्यांकन किया: एमडी एनेस्थिसियोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी, निमहंस, बैंगलोर। 24-26 जनवरी 2021, चेन्नई से इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी2021- वर्चुअल) के 22 वें वार्षिक सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की। दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (वर्चुअल) के 23 वें वार्षिक सम्मेलन 5-7 से फरवरी 2021, नई दिल्ली में अध्यक्षता की।

डॉ केशव गोयल को एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के लिए मध्य प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (एमपी) के बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रथम एनसीएसआई सम्मेलन (वर्चुअल) में नेशनल सोसाइटी (आईएसएनएसीसी) और एनसीएसआई 2020 से संबद्ध प्रथम एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक सह राष्ट्रीय समन्वयक। एसएनएसीसी, यूएसए की प्रशिक्षु सम्बद्धता के सदस्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड पल्मोनरी मेडिसिन के समीक्षक। आपातकालीन न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) - ‘प्रशिक्षक को प्रशिक्षित करें’ पाठ्यक्रम प्रशिक्षक प्रगाणन

डॉ कपिल देव सोनी को 2020-2021 के लिए क्रिटिकल केयर कम्युनिकेशंस (इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन का एक द्वि-मासिक न्यूज़लेटर) के संपादकीय बोर्ड (जर्नल स्कैन) के रूप में चुना गया था। उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की क्लीनिकल अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा, पूर्णकालिक फेलोशिप कार्यक्रम के लिए फैकल्टी के रूप में नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में नामांकित कोविड-19 अस्पताल (एम्स ट्रॉमा सेंटर) की क्लीनिकल प्रबंधन टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) कोविड प्रबंधन पर सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ नरेंद्र चौधरी को भारत सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) में दैनिक कोविड-19 रोगियों के विवरण और जनगणना की रिपोर्टिंग और अद्यतन करने के लिए जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किया गया था। आईटीसी, एम्स नई दिल्ली द्वारा आयोजित 22-24 फरवरी 2021 से एएचए के बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक

फैकल्टी के रूप में भाग लिया। सर्जिकल अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "सर्जिकॉन 2020" में 06 नवंबर 2020 को मौखिक पत्र सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ नवदीप सोखल ने निर्दिष्ट कोविड आईसीयू और कोविड कार्यस्थल में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए स्पष्ट और वाष्प मुक्त दृष्टि प्रदान करने के लिए और सुरक्षा से समझौता किए बिना, पंखे वाले स्वदेशी फॉगलेस चश्मे पेश किए।

डॉ नीरज कुमार फेलोशिप प्रोग्राम: (सीएमईटीआई - पार्ट टाइम क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन) एम्स, नई दिल्ली में जनवरी 2019 सत्र में अध्ययन कर रहे है। एटीएलएस, एएनसी, एसीसीसी, एम्स - ईएम-सोनो, ऑटो के इंस्ट्रक्टर (फैकल्टी) .पेरीऑपरेटिव (आईसीयू+ओटी) सभी प्रकार के कोविड-19 रोगियों का प्रबंधन। पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में शिक्षा की ऑनलाइन अल्ट्रासाउंड श्रृंखला (कक्षा-आईएसएनएसीसी समाज पहल) का आयोजन किया।

डॉ निरुपम मदान ने बिहार और नई दिल्ली राज्यों को कोविड परीक्षण के लिए सुविधाएं बनाने और पंजीकृत करने के लिए सलाह दी। भारत सरकार के लिए कोविड महामारी को ध्यान में रखते हुए प्रेशर स्विंग एब्सोर्पशन ऑक्सीजन एक्सट्रैक्टर्स के नियोजित प्रावधान के माध्यम से ग्रामीण भारत में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए प्रस्तावित रणनीति की सलाह दी, जिसे तब से अनुमोदित और कार्यान्वित किया गया है।

डॉ पूर्वा माथुर लेबर रूम में संक्रमण नियंत्रण दिशानिर्देश विकसित करने के लिए थी। टास्क फोर्स की सदस्य रही हैं। 1 जुलाई, 2019 को संस्थागत स्वच्छता रैंकिंग के शुभारंभ के लिए एम्स की प्रतिनिधि। 31 जुलाई 2019 को दोपहर 2.30 बजे एम्स में बोर्ड रूम, उप-समितियों की बैठक के संबंध में 25 सितंबर 2019 को आयोजित होने वाले 64वें संस्थान दिवस कार्य की तैयारी का कार्य किया। 15 जुलाई, 2019 को थाई रूम, डब्ल्यूएचओ इंडिया, आरके खन्ना स्टेडियम में भारतीय प्राथमिकता रोगज़नक़ सूची (आईपीपीएल) को अंतिम रूप देने के लिए अनौपचारिक परामर्श में तकनीकी विशेषज्ञ। एम्स वार्षिक रिपोर्ट संकलन की सदस्य। 29 जुलाई 2019 को संस्थान दिवस प्रदर्शनी समिति के सदस्य, स्वास्थ्य देखभाल संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध की निगरानी, मेदांता अस्पताल। एम्स के निदेशक ने 16 अक्टूबर 2019 को पूर्वाह्न 11:00 बजे संकायाध्यक्ष के समिति कक्ष में आंतरिक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ समीक्षा समिति का गठन किया। इस संबंध में वर्ष 2019-2020 के लिए 15 सहयोगात्मक अनुसंधान प्रस्ताव प्राप्त हुए, प्रत्येक प्रस्तावों के गुणों पर विस्तार से चर्चा की और वित्त पोषण के लिए 04 प्रस्तावों की सिफारिश की ।

ऋचा अग्रवाल को दीपंजन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रस्तुत महिला कोविड योद्धा पुरस्कार मिला।

डॉ समर्थ मित्तल को भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया जो कि भारत का राष्ट्रीय अस्थि रोग संघ है। उन्हें दक्षिण दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुना गया। एपीओए (एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन) वाईएसएफ इंडिया चैप्टर के कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए। जेसीओटी (जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा) के एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो दिल्ली ऑर्थोपेडिक सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका है और एक पबमेड इंडेक्सेड जर्नल है। 27 और 28 नवंबर 2020 को आयोजित डीओएसीओएन 2020 में अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता के लिए निर्णायक की भूमिका में रहे। एपीओए के युवा सर्जन फोरम इंडिया चैप्टर की दूसरी कांग्रेस का आयोजन 13 व 14 मार्च 2021 को किया गया। 2020 में डीओए के तत्वावधान में दिल्ली भर में पीजी के लिए साप्ताहिक ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया। 31 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रीय फैकल्टी, भारत के रूप में एओ ट्रॉमा मास्टर्स हाइब्रिड कोर्स के लिए दिल्ली में आयोजन समिति के सदस्य - इसका विषय था 'घुटने के आसपास फ्रैक्चर, और इसे पूरे एशिया प्रशांत में एक साथ 8 अलग-अलग स्थानों पर में आयोजित किया गया।

डॉ संजीव लालवानी सदस्य हैं- शासी निकाय, केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय 2020-21 (विस्तारित)। नोडल अधिकारी- खोज समिति- महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा वीसी, एमयूएचएस नासिक नियुक्ति। संयोजक- विशेषता सलाहकार बोर्ड, एनबीई। सदस्य विद्यार्थी शिकायत निवारण समिति, एनबीई के रूप में नियुक्ति हुई है। फोर्टिस अस्पताल, वसंत कुंज में प्राधिकरण समिति के लिए सचिव, स्वास्थ्य, दिल्ली सरकार के प्रतिनिधि और टोहोटा 2011 के अंतर्गत डॉ बीएल कपूर अस्पताल दिल्ली के लिए लिंक अधिकारी। मार्च 2021 में शरीर दान में योगदान के लिए दधीचि देहदान समिति द्वारा सम्मानित। सदस्य विशेषज्ञ- एम्स जोधपुर में चयन समिति। सदस्य विशेषज्ञ-एम्स रायपुर में चयन समिति। सदस्य विशेषज्ञ- एम्स कल्याणी में चयन समिति। सदस्य विशेषज्ञ-एम्स हैदराबाद में चयन समिति। सदस्य विशेषज्ञ-सफदरजंग अस्पताल और वीएमएमसी में चयन समिति। यूसीएमएस/ आईसीएमआर में सदस्य विशेषज्ञ चयन समिति - 29 नवंबर 2021, 10 दिसंबर 2021, 3 जनवरी 2021।

डॉ शिल्पा शर्मा को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी 2020 की फैलोशिप से सम्मानित किया गया । स्टेम 2021-2025 में महिलाओं के लिए इंटर-अकादमी पैनल के लिए विज्ञान अकादमी सदस्य के रूप में नामांकित । कोविड-19 महामारी 2020 के दौरान समाज में योगदान के लिए नारी गौरव पुरस्कार 2020 से सम्मानित। ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने वाले पीडियाट्रिक सर्जन संघों के विश्व संगठन के विश्व परिषद सदस्य के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए वर्ष 2020-2022 के लिए चुनी गयी । उनका चयन वर्ष 2020-2022 के लिए हायपोस्पेडेसिस और डीएसडी की अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी

के एग्जेक्युटिव परिषद सदस्य के रूप में हुआ, उन्हें बाल चिकित्सा सर्जन के इंडियन एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य 2019-21 के रूप में चुना गया. उन्हें बाल चिकित्सा सर्जन के दिल्ली एसोसिएशन (डीएपीएस) 2020-22 के अध्यक्ष के रूप में चुना गया. आईएपीएस 2019-2021 के अनुसंधान अनुभाग के सचिव सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य-पीड़ीएट्रिक सर्जरी इंटरनेशनल, एनाल्स ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्थोपेडिक (*कोशिकाओं और स्टेम ऊतक पुनर्जनन*) और बाल चिकित्सा के जर्नल और किशोरों में सर्जरी, पाकिस्तान। स्टेम सेल उपचार दिशानिर्देश तैयार करने के लिए सदस्य- विशेषज्ञ समूह आईसीएमआर बाल चिकित्सा सर्जरी 2019/20। एम्स, पटना की फैकल्टी भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य। संस्थान आचार समिति, सुपरस्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा की सदस्य! सदस्य, संस्थान अनुसंधान समिति, सुपरस्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल और स्नातकोत्तर शिक्षण संस्थान, सेक्टर 30, नोएडा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अंतर्गत आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएम-जेएवाई) के निर्बाध क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेज, मानक उपचार दिशानिर्देश, चिकित्सा लेखा परीक्षा और उपचार की गुणवत्ता आदि पर अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सलाह देना। परियोजना कोविड सर्ज - अंतर्राष्ट्रीय सहयोग 2020 के लिए अस्पतालों का नेतृत्व, नेशनल इंस्टीटयूट फॉर हेल्थ रीसर्च, एम्स की क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट के सदस्य। 2019 से अब तक।

डॉ सुबोध कुमार को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेषज्ञ बोर्ड ऑफ ट्रॉमा केयर के संयोजक के रूप में नामांकित किया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन देखभाल प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में नामांकित। इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी के प्रबंध संपादक के रूप में नामांकित, जो स्प्रिंगर द्वारा एक सहकर्मी समीक्षित पत्रिका है और यह एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की आधिकारिक पत्रिका है। 5 वीं वर्ल्ड ट्रॉमा कांग्रेस में एक अंतरराष्ट्रीय वक्ता के रूप में आमंत्रित, ट्रॉमा केयर के लिए वैश्विक सहयोग का एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डब्ल्यूसीटीसी) 14-18 फरवरी 2021 को आयोजित किया गया।

डॉ सुषमा सागर को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा एक आविष्कार के लिए पेटेंट प्रदान किया गया था: अ वुंड ड्रेसिंग फॉर कंबाइंड निगेटिव प्रेशर एंड फ्ल्यूड डिलीवरी सिस्टम। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द सर्जरी ऑफ ट्रॉमा (एएएसटी) की सदस्यता से सम्मानित। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन देखभाल प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में मनोनीत किए गए। दिल्ली अंग प्रत्यारोपण समिति के प्रमुख सचिव सदस्य के रूप में मनोनीत। अंतर्राष्ट्रीय सर्जिकल वुंड कॉम्प्लिकेशन एडवाइजरी पैनल (आईएसडब्ल्यूसीएपी) के सदस्य के रूप में मनोनीत। अनुसंधान परियोजना समिति के पबमेड एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट के सदस्य।

डॉ विवेक त्रिखा को दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2020-2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार (40 वर्ष से अधिक) प्राप्त हुआ। जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा (पब्ड इंडेक्सेड जर्नल) में पेल्विक सिम्पोजियम के अतिथि संपादक। इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स नेशनल जर्नल ऑफ इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (पबमेड इंडेक्सेड जर्नल) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य। जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के सह-संपादक (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल)। 2020 से एसआईसीओटी वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन के ट्रॉमा कमेटी के सदस्य।

10.6. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

आचार्य और प्रमुख

राकेश चड्डा

आचार्य

राका जैन राकेश लाल अंजू धवन

सोनाली झांजी अतुल अंबेकर

अपर आचार्य

यतनपाल सिंह बल्हारा रवींद्र राव अश्विनी के मिश्रा

रचना भार्गव गौरीशंकर कलोइया प्रभु दयाल

सह-आचार्य

बिस्वदीप चटर्जी आलोक अग्रवाल रिजवाना कुरैशी

सिद्धार्थ सरकार पियाली मंडल

सहायक आचार्य

रोशन भाद शालिनी सिंह

वैज्ञानिक

मोनिका मोंगिया

(लंबी छुट्टी पर)

चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

ब्रह्म प्रकाश दीपक यादव

रत्नेश कुमार दिनेश कुमार

प्रशासनिक अधिकारी

आर.के. शर्मा (जून 2020 से)

लेखा अधिकारी

प्रेम पाल (जून 2019 में कार्यभार ग्रहण किया)

सहायक नर्सिंग अधीक्षक

बीना रावत

सहायक भंडार अधिकारी

यतेंद्र कुमार मीणा

विशिष्टताएं

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा पूरे कोविड-19 महामारी के दौरान आउटडोर नैदानिक (क्लिनिकल) सेवाएं प्रदान करना जारी रखा गया और एम्स, नई दिल्ली के समर्पित कोविड-19 क्षेत्रों में कोविड-19 रोगियों को नैदानिक सेवाएं भी प्रदान की गई। कुल 1,72,258 मरीज देखे गए: 5492 नए मरीज और 1,66,766 पुराने मरीज जिनमें राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र सामान्य ओपीडी और इसके 5 विशेष क्लीनिक, 3 सामुदायिक क्लीनिक और मोबाइल मेथाडोन क्लिनिक शामिल हैं। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र प्रयोगशाला ने अपनी विष विज्ञान (टॉक्सिकोलॉजी), रुधिर विज्ञान, जैव रसायन और एचआईवी जांच प्रयोगशालाओं में वर्ष के दौरान 28,955 से अधिक परीक्षणों में भाग लिया।

नई साइकोएक्टिव दवाओं के साथ-साथ जैविक नमूनों में दुरुपयोग की अन्य दवाओं का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र प्रयोगशाला में एक अत्याधुनिक एलसी-क्यूटीओएफ-एमएस उपकरण स्थापित किया गया है।

मार्च 2021 से, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने मुख्य एम्स परिसर में चिकित्सकीय रूप से बीमार रोगियों में नशे की लत संबंधी विकारों के लिए सेवाओं में सुधार के लिए सप्ताह में तीन बार विशेष 'परामर्श संपर्क व्यसन मनोरोग' आउट पेशेंट सेवाएं शुरू की हैं।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने भारत में *कोविड-19 महामारी* के संदर्भ में मादक पदार्थों की लत के उपचार की प्रतिक्रिया को आकार देने में एक प्रमुख भूमिका निभाई गई। इसमें 'लॉकडाउन और अल्कोहल की निकासी' (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एमओएसजेई के लिए), एनएसीओ (नाको) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को ओएसटी केंद्रों के लिए मानक संचालन प्रोटोकॉल (एसओपी) के साथ-साथ निजी क्षेत्र में ओएसटी सेवाओं पर एसओपी के लिए इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी हेतु इनपुट पर परामर्शी निदेश के विकास में योगदान शामिल है। इसके अलावा, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 2012 से मादक द्रव्यों के सेवन पर डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र बना हुआ है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने एम्स के डॉक्टरों,

नर्सों और फैकल्टी सहित *फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के* लिए कई श्वास और ध्यान संबंधी कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र "एम्स के छात्रों के बीच पदार्थ के उपयोग के लिए परिसर में हस्तक्षेप - नीति और कार्रवाई" पर दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करने में भी शामिल था।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) के समर्थन से, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने 2020-2021 के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर 25 'व्यसन उपचार सुविधा (एटीएफ)' की शुरुआत की। केंद्र पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर डीडीएपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के समर्थन से 27 ड्रग ट्रीटमेंट क्लीनिक (डीटीसी) का समन्वय करता है।

इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा कुछ अंतरराष्ट्रीय योगदानों में म्यांमार की सरकार और सिविल सोसाइटी को ब्यूप्रेनोर्फिन आधारित ओपिओइड निर्भरता उपचार शुरू करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना शामिल है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया और सीएनडी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा था और 'अल्कोहल के हानिकारक उपयोग को कम करने के लिए वैश्विक रणनीति पर डब्ल्यूएचओ कार्य योजना' (मार्च 2021) के लिए इनपुट भी प्रदान किया।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने 'एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया (एपीएसआई)' शीर्षक सेभारत में व्यसन के क्षेत्र में काम करने वाले और रुचि रखने वाले पेशेवरों का एक समाज बनाने अग्रणी भूमिका निभाया।

पदार्थ के उपयोग संबंधी विकारों में प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में, वेब पोर्टल https://naat.co.in/ पर एक ट्रेनर के साथ व्यक्तिगत बातचीत को शामिल किए बिना, के उपयोग संबंधी विकारों में एक ऑनलाइन स्वचालित प्रशिक्षण विकसित और स्थापित किया गया है। वर्तमान में, कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां केंद्र में चल रही शोध परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही हैं। इस अवधि के दौरान 87 लेखों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में पीयर समीक्षा की गई और 4 पुस्तकें और विभिन्न पुस्तकों में 15 अध्याय प्रकाशित हुए हैं।

कई संकाय सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ हैं और प्रतिष्ठित समकक्ष समीक्षा पत्रिकाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवर निकायों और संपादकीय बोर्डों में महत्वपूर्ण पदों पर हैं।

इस अवधि के दौरान केंद्र ने निम्नलिखित ऑनलाइन प्रशिक्षण/सीएमई का आयोजन किया है:

- पदार्थ के उपयोग संबंधी विकारों के प्रबंधन पर संसाधन व्यक्तियों (मनोचिकित्सकों) का ऑनलाइन ओरिएंटेशन: अक्टूबर 2020 और मार्च 2021 में।
- एम्स के पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर के लिए पदार्थ के उपयोग संबंधी विकारों पर ओरिएंटेशन सत्र।
- जैव-सांख्यिकी पर ऑनलाइन सीएमई: मई और सितंबर,2020 के महीनों के बीच आयोजित किया गया जो 20 सत्रों था।
- 31 जनवरी 2021 को राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र द्वारा "आईसीडी -11 - मादक द्रव्यों के सेवन और व्यसनी व्यवहार के कारण विकार: एक आम सहमति विकसित करना" शीर्षक से एक राष्ट्रीय सीएमईका आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम को एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया (एपीएसआई) द्वारा समर्थित किया गया था।
- बांग्लादेश चिकित्सकों के लिए ओवरडोज कीरोकथाम और प्रबंधन पर यूएनओडीसी प्रशिक्षण, 2020।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

एमबीबीएस छात्रों को उनकी मनश्चिकित्सा पोस्टिंग के दौरान केंद्र में एक दिन के लिए तैनात किया जाता है।

स्नातकोत्तर

एमडी (मनश्चिकित्सा) कर रहे रेजिडेंट्स को 6 माह के लिए केंद्र में पदस्थापित किया जाता है।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र व्यसन मनश्चिकित्सा में पीएचडी भी प्रदान करता है। केंद्र व्यसन मनश्चिकित्सा में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) पाठ्यक्रम भी चला रहा है। वर्तमान में, 6 पीएचडी छात्र और 13 डीएम छात्र डिग्री के लिए नामांकित हैं। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र महामारी के दौरान अपनी सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड में जारी रखा है। केंद्र एमएससी मनोरोग नर्सिंग और बीएससी नर्सिंग छात्रों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

पीएचडी और स्नातकोत्तर शिक्षण

*जर्नल क्लब - मनोरोग के साथ साप्ताहिक संयुक्त गतिविधि

*एम्स में प्रत्येक सेमेस्टर में दो सीसीआर और सीजीआर होते हैं।

संगोष्ठी- साप्ताहिक

केस सम्मेलन- साप्ताहिक

सेमिनार/जर्नल क्लब

*मनश्चिकित्सा विभाग और केंद्र की संयुक्त गतिविधियाँ

दिए गए व्याख्यान:

आर चड्डा: 7	**राका जैन: 3**	**राकेश लाल: 2**
अंजू धवन: 6	**सोनाली झांजी : 9**	**अतुल आंबेकर: 19**
यतन पाल सिंह बल्हारा: 43	**गौरी शंकर कलोइया: 5**	
रवींद्र वी राव: 13	**अश्विनी कुमार मिश्रा: 32**	**रचना भार्गव: 8**
बिस्वदीप चटर्जी: 3	**सिद्धार्थ सरकार: 4**	**पियाली मंडल: 2**
रोशन भड़: 8	**शालिनी सिंह: 4**	

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 11

अनुसंधान

जारी

1. अल्कोहल निर्भरता वाले रोगियों में डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सिलस जीन और डिसुलफिरम उपचार प्रतिक्रिया का एक कार्यात्मक बहुरूपता: एक प्रायोगिक खोजपूर्ण अध्ययन, कुरैशी आर, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 साल, 2018-2020, 4.5 लाख रुपये।
2. भारतीय सुपारी उपयोगकर्ताओं के बीच निर्भरता, नुकसान की धारणा और छोड़ने की प्रेरणा की जांच करने के लिए एक अध्ययन और एक हस्तक्षेप मॉड्यूल का प्रायोगिक परीक्षण, झांजी एस, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 1 वर्ष, 2020-21, 11.82 लाख रुपये।

3. उत्तर भारतीय अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में म्यू-ओपिओइड रिसेप्टर जीन पॉलीमॉर्फिज्म (ए118जी) और दीर्घकालिक नाल्ट्रेक्सोन उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, कुरैशी आर, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 26 लाख रुपये।
4. भारत में युवाओं के बीच मनोरंजक भांग के उपयोग से संबंधित विभिन्न हितधारकों के बीच ज्ञान, कथित दृष्टिकोण और व्यसन क्षमता का एक खोजपूर्ण अध्ययन, भाद आर, एम्स (इंट्राम्यूरल), 3 साल, 2019 - 2022, 8 लाख रुपये।
5. भारत के उत्तरी भाग, बल्हारा वाईपीएस, एम्स-इंट्राम्यूरल, 3 साल, 2017- 2021, रुपये।
6. व्यसन उपचार की बाधाएं और सुविधाकर्ता: एक गुणात्मक अध्ययन, सरकार एस, आईसीएसएसआर, 2 वर्ष, 2019-2021, 4 लाख रुपये।
7. अस्थि खनिज घनत्व और पुरानी अल्कोहल और डिसल्फिरम डेडडिक्शन थेरेपी के बाद परिवर्तन, बलहारा वाईपीएस, डीबीटी, 3 साल, 2017-2021, 83 लाख रुपये।
8. अल्कोहल पर निर्भरता वाले मरीजों में उपचार के परिणाम को बढ़ाने के लिए संज्ञानात्मक अक्षमता और क्रेविंगमैनेजमेंटके लिए एक नयेतकनीक के रूप में ब्रेनस्टिमुलेशन: एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दयाल पी, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, 30.80 लाख रुपये।
9. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन उपचार चाहने वालों के बीच नए मनो-सक्रिय पदार्थों का पता लगाना - बहु केंद्रित अध्ययन, चड्डा आरके, जैन आर, राजस्व विभाग, भारत सरकार, 5.5 वर्ष, 2017-2022, 6.51 करोड़ रुपये।
10. पदार्थ उपयोग विकारों के उपचार पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास और परीक्षण, राव आर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2.5 वर्ष, जनवरी 2019 - अप्रैल 2021, 14.59 लाख रुपये।
11. दिल्ली में शहरी आश्रय सेवाएं प्राप्त करने वाली बेघर आबादी के बीच पदार्थ उपयोग विकारों के प्रबंधन के लिए सेवा वितरण मॉडल का विकास और मूल्यांकन, आंबेकर ए, महिला और बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, दिल्ली सरकार, 2 साल, 2020-2022, 30.03 लाख रुपये।
12. पदार्थ संबंधी समस्याओं का अल्कोहल करने के लिए एक भारतीय पैमाने का विकास, सरकार एस, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 42 लाख रुपये।
13. भारतीय चिंता और उन्माद संबंधीप्रश्नावली का विकास, मिश्रा एके, आईसीएमआर टास्क फोर्स, 3 साल, 2018-2021, 62.29 लाख रुपये।
14. छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षकों के लिए छात्रों में मादक द्रव्यों के सेवन और व्यसन की रोकथाम पर मॉड्यूल का विकास, बलहारा वाईपीएस, छत्तीसगढ़ शासन 1 वर्ष, 2020-2021,10 लाख रुपये।
15. ड्रग एब्यूज मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएएमएस), मिश्रा एके, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एनडीडीटीसी, एम्स की निरंतर गतिविधि, एनडीडीटीसी, एम्स की निरंतर गतिविधि, 3 लाख रुपये।
16. भारत में व्यसन उपचार सुविधाओं के लिए क्षमता निर्माण तंत्र की स्थापना और कार्यान्वयन, बलहारा वाईपीएस, विश्व स्वास्थ्य संगठन-एसईएआर, 1 वर्ष, 2020-2021, 10 लाख रुपये।

17. ओपियोड उपयोग विकार के लिए उम्मीदवार एंडोफेनोटाइप के रूप में न्यूरोकॉग्निटिव, व्यक्तित्व, भावनात्मक और मनोसामाजिक बायोमार्कर का अल्कोहल और ओपिओइड और डोपामाइन रिसेप्टर जीन में बहुरूपता के साथ उनका संबंध : रोकथाम और उपचार के लिए निहितार्थ, दयाल पी, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 36.62 लाख रुपये।
18. डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, बलहारा वाईपीएस, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ के लिए कोविड-19 के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और गेमिंग व्यवहार पर सूचना, शिक्षा, संचार (आईईसी) सामग्री, 0.4 वर्ष, 2020-21, 3.2 लाख रुपये।
19. अल्कोहल और ओपिओइड निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के बीच व्यसन गंभीरता सूचकांक-लाइट के हिंदी संस्करण की आंतरिक संगति और भिन्न वैधता, मिश्रा एके, एम्स, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-2022, 3.25 लाख रुपये।
20. स्वास्थ्य देखभाल वितरण के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना: गेमिंग विकार के प्रबंधन के लिए ई-स्वास्थ्य हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का अल्कोहल करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बलहारा वाईपीएस, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2 साल, 2019-2021, 7.37 लाख रुपये।
21. नाल्ट्रेक्सोन इम्प्लांट, लाल आर, रुसन फार्मास्युटिकल, ओपन एंडेड, 2018, 9.5 लाख रुपये।
22. भारत में पदार्थ के उपयोग के विस्तार और पैटर्न पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, अंबेकर ए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 5 साल, 2016-2021, 22.41 करोड़ रुपये।
23. मनोविकृति परिणामों पर एनआईएचआर ग्लोबल हेल्थ रिसर्च ग्रुप: वारविक-इंडिया-कनाडा {डब्ल्यूआईसी} नेटवर्क, चड्डा आरके, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 साल, 2017-2020, 2.52 करोड़ रुपये।
24. भारत में कैदियों के बीच साइकोएक्टिव पदार्थ के उपयोग की दरें और पैटर्न, राव आर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2 साल, जनवरी 2019 - मार्च 2021, 30 लाख रुपये।
25. ओपिओइड आश्रित के जोखिम और गंभीरता को निर्धारित करने में आनुवंशिक बहुरूपता की भूमिका: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, चटर्जी बी, एम्स इंट्राम्यूरल फंडिंग, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये।
26. ओपिओइड आश्रित व्यक्तियों के बीच नाल्ट्रेक्सोन पर प्रतिधारण और परिणाम में महत्वपूर्ण अन्य भागीदारी की भूमिका: एक ओपन लेबल तुलनात्मक अध्ययन , मंडल पी, एम्स, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 साल, 2020-22, 4.55 लाख रुपये।
27. ओपिओइड आश्रित वाले रोगियों में नाल्ट्रेक्सोन के साथ उपचार पालन और परिणाम के साथ विशिष्ट एकल-न्यूक्लियोटाइड जीन बहुरूपता (एसएनपी) की भूमिका: एक प्राकृतिक अनुवर्ती अध्ययन, चटर्जी बी, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-24, 50 लाख रुपये।
28. प्राथमिक विद्यालय जाने वाले बच्चों के बीच नशीली दवाओं / पदार्थों के उपयोग के लिए स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप , भार्गव आर, यूईई मिशन, शिक्षा विभाग दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-21, 23 लाख रुपये।
29. माध्यमिक विद्यालय जाने वाले बच्चों के बीच नशीली दवाओं / पदार्थों के उपयोग के लिए स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप, धवन ए, यूईई मिशन, शिक्षा विभाग दिल्ली, 1 वर्ष, 2020-21, 23 लाख रुपये।
30. दिल्ली में मादक द्रव्यों के सेवन के लिए प्राथमिक कक्षाओं के स्कूली छात्रों में स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप, भार्गव आर, शिक्षा एस, डीओई, 1 अक्टूबर 2019-मार्च 202124 लाख रुपये।

31. दक्षिण पूर्व एशिया के लिए मानसिक स्वास्थ्य और व्यसनी विकारों पर एक टेली-मेडिसिन और ऑनलाइन संसाधन केंद्र की स्थापना, बलहारा वाईपीएस, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ, 1 वर्ष, 2020-2021, 11.6 लाख रुपये।
32. ओडिशा राज्य में व्यसनी विकारों के प्रबंधन के लिए सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में ऑनलाइन वेब-आधारित अनुप्रयोगों का उपयोग, बलहारा वाईपीएस, स्वास्थ्य विभाग, ओडिशा सरकार, 1 वर्ष, 2019-2021, 12 लाख रुपये।

पूर्ण

1. "अल्कोहल ई-हेल्प" - अल्कोहल की खपत में कमी के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन इंटरनेट स्वयं सहायता हस्तक्षेप की प्रभावकारिता का पता लगाने के लिए एक अध्ययन, आंबेकर ए, डब्ल्यूएचओ, 5 वर्ष, 2016 - 2021, 5 लाख रुपये।
2. ओपिओइड डिपेंडेंस के इलाज के लिए आवश्यक नारकोटिक ड्रग्स (मेथाडोन) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र विकसित करना, अंबेकर ए, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 3 साल, 2017-2021, 76.22 लाख रुपये।
3. दिल्ली में किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिकों में मदद मांगने वाले किशोरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और नशे की लत व्यवहार की सीमा, धवन ए, किशोर स्वास्थ्य प्रभाग, परिवार कल्याण निदेशालय, एनसीटी दिल्ली सरकार, 1 वर्ष, 2019-2020, 18.85 लाख रुपये।
4. मादक द्रव्यों के सेवन और नशीले व्यवहार से संबंधित विकारों के लिए आईसीडी -11 वर्गीकरण का फील्ड परीक्षण, अंबेकर ए, विश्व स्वास्थ्य संगठन (जिनेवा), 3, 2017-2020, 3.25 लाख रुपये।
5. पेरिफेरल ब्लड इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स एंड मार्कर्स ऑफ न्यूरोइन्फ्लेमेशन इन अल्कोहल डिपेंडेंस एंड देयर एसोसिएशन विद बिहेवियरल मार्कर्स एंड अल्कोहल डिपेंडेंस ट्रीटमेंट आउटकम, दयाल पी, एम्स (इंट्राम्यूरल), 1 साल, 2019-2020, 4.63 लाख रुपये।
6. बॉलीवुड फिल्मों में साइकोएक्टिव पदार्थ के उपयोग का चित्रण: एक मिश्रित तरीके का अध्ययन, राव आर, एम्स का इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 1.5, जुलाई 2016 - मार्च 2019, 1.44 लाख रुपये।
7. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, मंडल पी, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट के महिला क्लिनिक के उपस्थित लोगों के बीच नशीली दवाओं के उपयोग के मनो-सामाजिक सहसंबंध, 3 साल, 2017-2020, 0.5 लाख रुपये।
8. निकोटीन डिपेंडेंस के एक चूहे के मॉडल में *डेल्फीनियम डेनुडाटम* (जादवार) की भूमिका , जैन आर, आयुष, 3.5 साल, 2017-2020 (सितंबर), 29.16 लाख रुपये।
9. आईसीडी -11 का सेवा-आधारित क्षेत्र परीक्षण: भारत में आईसीडी -10 के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य / नैदानिक उपयोगिता और तुलना, अम्बेकर ए, डब्ल्यूएचओ, 2 वर्ष, 2019-21, 5 लाख रुपये।
10. स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच पदार्थ के उपयोग पर सर्वेक्षण, धवन ए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 1 वर्ष, 2019-20, 14.85 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली, भारत में ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा (ओएसटी) प्राप्त करने वाले रोगियों के बीच कोविड-19 महामारी लॉकडाउन के विभिन्न चरणों के दौरान अल्कोहल के उपयोग की विशेषताओं और पैटर्न का एक समुदाय-आधारित अध्ययन।
2. दिल्ली विश्वविद्यालय चितकारा सेंटर, पंजाब विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालयी छात्रों के बीच वर्तमान में अबाधित तंबाकू का उपयोग करते हुए संयम बनाए रखने पर तंबाकू विरोधी मीडिया संदेशों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. कॉलेज के छात्रों के बीच गेमिंग विकार के मनो-सामाजिक संबंधों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
4. अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम (एडीएस) के इलाज के इच्छुक रोगियों में बीडीएनएफजीन बहुरूपता (वीएएल66एमईटी) की आवृत्ति को मापने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
5. अल्कोहल उपयोग विकार के उपचार की मांग करने वाले रोगियों में बीडीएनएफएमईटी66 एलील की आवृत्ति को मापने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल।
6. प्रारंभिक कैरियर व्यसन चिकित्सा पेशेवरों के बीच मानकीकृत प्रशिक्षण, अनुसंधान के अवसरों और व्यसन चिकित्सा में मेंटरशिप के लिए आवश्यकता और कार्यक्षेत्र के मूल्यांकन पर एक वैश्विक ऑनलाइन सर्वेक्षण।
7. दिल्ली के चुनिंदा स्कूलों में किशोरों के बीच तंबाकू के उपयोग की रोकथाम पर वकालत कौशल निर्माण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
8. नशीली दवाओं के इंजेक्शन लगाने वालों के बीच ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा की शुरुआत को प्रभावित करने वाले ग्राहक संबंधी कारकों का मूल्यांकन: एक समुदाय आधारित, क्रॉस सेक्शनल, तुलनात्मक अध्ययन।
9. डिटॉक्सिफाइड ओपिओइड आश्रित विषयों में प्रेरित तनाव के लिए नैदानिक और न्यूरोएंडोक्राइन प्रतिक्रिया का मूल्यांकन।
10. उपचार चाहने वाले किशोरों में कोविड-19 और मादक द्रव्यों के सेवन और संबंधित कारकों पर संबंधित उपायके प्रभाव का मूल्यांकन।
11. ब्यूप्रेनोर्फिन बनाम मेथाडोन के साथ एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर शुरू किए गए ओपिओइड आश्रित रोगियों के परिणाम का मूल्यांकन: पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा का उपयोग करके तुलनात्मक अध्ययन।
12. ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा पर रोगियों में ड्रॉप आउट से जुड़े कारणों, स्थिति और कारकों का मूल्यांकन: एक क्रॉस-अनुभागीय, तुलनात्मक, समुदाय-आधारित अध्ययन।
13. ओपिओइड आश्रित युवावों में स्ट्रेस बायोमार्कर का मूल्यांकन और तनाव के साथ इसका संबंध और इससेमुकाबला: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
14. पारिवारिक द्विध्रुवी विकार में उपचार प्रतिक्रिया, उतेजक साइटोकिन (टीएनएफ-अल्फा) और एमटीडीएनए10398ए/ जीबहुरूपता का मूल्यांकन।
15. अल्कोहल आश्रित मरीजों के इलाज में अल्कोहल निर्भरता की गंभीरता के साथ एसोसिएशन ऑफ फॉस्फोटिडाइथेनॉल (पीईटीएच) का स्तर: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
16. गैलानिन जीन पॉलीमॉर्फिज्म (आरएस948854) और ओपिओइड निर्भरता का संघ: एक केस कंट्रोल काअवलोकन संबंधी अध्ययन।

17. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज वाले मरीजों में मनोरोग सह-रुग्णता के साथ तंबाकू धूम्रपान का संघ।
18. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार रोगियों में परिधीय बीडीएनएफ स्तरों और नैदानिक चर के साथ मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक फैक्टरजीन पॉलीमॉर्फिज्म (वीएएल66एमईटी) ।
19. अल्कोहल के लिए डिसुलफिरम और संयम के अनुपालन का नैदानिक और जैव रासायनिक मूल्यांकन: अल्कोहल पर निर्भर विषयों में एक अनुदैर्ध्य अध्ययन।
20. ओपिओइड आश्रित रोगियों की नैदानिक प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल: एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा अध्ययन।
21. अल्कोहल और ओपियोइड आश्रित पुरुषों और उनकी पत्नियों में वैवाहिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन।
22. हेरोइन और परहेज के वर्तमान उपयोगकर्ताओं के बीच विलंब छूट दर (डिले डिस्काउंटिंग रेट) की तुलना: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।
23. दोहरे निदान वाले रोगियों में रिकवरी कैपिटल के सहसंबंध - एक खोजपूर्ण अध्ययन।
24. विषहरण के दौर से गुजर रहे अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में अवसादग्रस्तता के लक्षणों का कोर्स।
25. ध्यान से जुड़े क्यू प्रेरित आकांक्षा और एफएमआरआई परिवर्तन धूम्रपान करने वालों में आधारित हस्तक्षेप।
26. धुआं रहित तंबाकू में क्यू प्रेरित आकांक्षा: एक एफएमआरआई अध्ययन
27. कानून का उल्लंघन करने वाले किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।
28. सामाजिक विकार वाले किशोरों में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास।
29. पदार्थ के उपयोग विकार वाले रोगियों में उपचार प्रतिधारण पर फोन कॉल बनाम लघु संदेश (शार्ट मेसेज) सेवा का उपयोग करने वाले अनुस्मारक की प्रभावशीलता : एक ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण।
30. आईसीडी 11, आईसीडी 10 और डीएसएम 5 का समर्थन और सहमति अल्कोहल और ओपिओइड उपयोग विकारों के लिए नैदानिक दिशानिर्देश।
31. भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान टेक-होम मेथाडोन खुराक प्राप्त करने वाले मेथाडोन के रखरखाव उपचार पर मरीजों का अनुभव: एक मिश्रित-विधि अध्ययन
32. समस्याग्रस्त इंटरनेट पोर्नोग्राफ़ी उपयोग का खोजपूर्ण अध्ययन।
33. अल्कोहल पर निर्भर रोगियों में उपचार प्रतिधारण से जुड़े कारक।
34. ओपियोइड निर्भरता वाले पुरुषों की तलाश में उपचार में व्यक्त भावनाओं को संबोधित करने वाले पारिवारिक हस्तक्षेप।
35. अल्कोहल पर निर्भरता सिंड्रोम के उपचार चाहने वाले रोगियों में आकांक्षा और मनोदशा को मापने के लिए पारिस्थितिक क्षणिक अल्कोहल की व्यवहार्यता और समवर्ती वैधता
36. अल्कोहल पर निर्भरता सिंड्रोम के उपचार चाहने वाले रोगियों में अल्कोहल के उपयोग, आकांक्षा, मनोदशा और दैनिक अल्कोहल की खपत पर कथित नियंत्रण के बीच संबंधों को मापने के लिए पारिस्थितिक क्षणिक अल्कोहल की व्यवहार्यता
37. अल्कोहल निर्भरता वाले प्रतिभागियों के बीच परिवर्तन तत्परता और उपचार उत्सुकता स्केल के चरणों (एसओसीआरएटीईएस) का हिंदी अनुकूलन और साइकोमेट्रिक सत्यापन।
38. स्कूल जाने वाले किशोरों में मानसिक, व्यवहारिक और सामाजिक पहलुओं पर स्क्रीन टाइम का प्रभाव।
39. भारत में स्वदेशी रूप से उत्पादित साइकोएक्टिव पदार्थ: उपयोग के पैटर्न और उपयोगकर्ताओं की प्रोफाइल।

40. मूत्रालय पर आधारित मादक द्रव्यों के सेवन के रोगियों में कोडीन के दुरुपयोग का प्रयोगशाला मूल्यांकन।
41. 12 सप्ताह में ओपिओइड उपयोग विकार के लिए ट्रामाडोल के साथ उपचार के परिणाम: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
42. जनवरी 2015-मार्च 2020 के बीच लिथियम प्रयोगशाला में प्राप्त लगातार नमूनों में सीरम लिथियम स्तर का पैटर्न और रुझान।
43. कोविड-19 और उसके बाद भारत में लॉकडाउन के दौरान ड्रग का उपयोग करने वाले लोगों और ड्रग उपयोगकर्ता समुदाय से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का सामना करने में होने वाली समस्याएं - एक गुणात्मक अध्ययन।
44. मनोरोग सेवाओं से लगातार रेफरल के लिए यूरिनलिसिस के आधार पर पदार्थ के उपयोग की रूपरेखा: 2015- 2020 के बीच प्रयोगशाला रिकॉर्ड की पूर्वव्यापी समीक्षा।
45. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच मनोवैज्ञानिक सहसंबंध।
46. अल्कोहल और ओपियोइड निर्भरता वाले रोगियों में रिकवरी कैपिटल को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।
47. दिल्ली में आश्रय गृहों से सेवाएं प्राप्त करने वाले बेघर पुरुषों के बीच मादक द्रव्यों का सेवन।

पूर्ण

1. ब्यूप्रेनोर्फिन पर बनाए गए ओपिओइड आश्रित धूम्रपान करने वालों के बीच तंबाकू धूम्रपान करने की आकांक्षा पर ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के प्रभाव का पता लगाने के लिए एक नैदानिक परीक्षण।
2. अल्कोहल पर निर्भर विषयों में अन्य पारंपरिक बायोमार्कर के साथ एथिल ग्लुकुरोनाइड (ईटीजी) और फैटी एसिड एथिल एस्टर (एफएईई) का तुलनात्मक अध्ययन।
3. अल्कोहल पर निर्भरता, अवसाद और सह-रुग्ण अल्कोहल निर्भरता और अवसाद वाले रोगियों में सीरम मस्तिष्क-व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारकों के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन।
4. कॉलेज के छात्रों के बीच गेमिंग विकार के मनोवैज्ञानिक-सामाजिक संबंधों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
5. ओपियोइड उपयोग विकार वाले मरीजों के बीच उपचार प्रतिधारण दर और उपचार प्रतिधारण के भविष्यवाणियों का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन।
6. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में प्रतिधारण और परिणाम पर एक प्रायोगिक अनुवर्ती अध्ययन।
7. दिल्ली-एनसीआर, भारत में ओपियोइड उपयोग विकार के लिए मोबाइल मेथाडोन वितरण मॉडल हस्तक्षेप की व्यवहार्यता, स्वीकार्यता और प्रारंभिक प्रभावशीलता का एक अध्ययन।
8. नशीली दवाओं के इंजेक्शन लगाने वालों के बीच ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा की शुरुआत को प्रभावित करने वाले ग्राहक संबंधी कारकों का मूल्यांकन: एक समुदाय आधारित, क्रॉस-सेक्शनल, तुलनात्मक अध्ययन।
9. यूरिन के विशलेषण पर आधारित अल्कोहल और ओपिओइड डिपेंडेंट सब्जेक्ट्स के बीच कैनबिस के उपयोग का मूल्यांकन: एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा।
10. मौखिक नाल्ट्रेक्सोन पर ओपिओइड आश्रित विषयों के अल्पकालिक प्रतिधारण से जुड़े कारकों का मूल्यांकन।

11. ओपियोइड प्रतिस्थापन चिकित्सा पर रोगियों में ड्रॉप-आउट से जुड़े कारणों, स्थिति और कारकों का मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल, तुलनात्मक, समुदाय-आधारित अध्ययन।
12. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र में ओपिओइड निर्भरता के लिए उपचार चाहने वाले रोगियों के बीच यौन व्यवहार का मूल्यांकन।
13. ओपियोइड डिपेंडेंट यूथ में स्ट्रेस बायोमार्कर का मूल्यांकन और तनाव के साथ इसका संबंध और इससेमुकाबला: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
14. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के मरीजों के बीच मनोरोग सह-रुग्णता के साथ तंबाकू धूम्रपान का संबंध।
15. किशोर पदार्थ उपयोगकर्ताओं में परिवार के कामकाज के सहसंबंध।
16. सीरम ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर स्तर पर कैनबिस का प्रभाव और मनोविकृति के साथ इसका संबंध - एक क्रॉस-सेक्शनल खोजपूर्ण अध्ययन।
17. पदार्थ उपयोग विकार वाले रोगियों में उपचार प्रतिधारण पर फोन कॉल बनाम लघु संदेश सेवा का उपयोग करने वाले अनुस्मारक की प्रभावशीलता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण।
18. किशोर पदार्थ के उपयोग में परिवार के कामकाज और पालन-पोषण की शैलियाँ।
19. अल्कोहल के सेवन संबंधी विकारों के लिए उपचार की तलाश करने वाले रोगियों मेंजुआ संबंधी विकार और इसका सामाजिक-जनसांख्यिकीय सहसंबंध।
20. मनोविकृति के साथ और बिना भांग के उपयोग संबंधी विकार वाले रोगियों के बीच न्यूरोलॉजिकल सॉफ्टसाइन और उनके सहसंबंध: एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन।
21. अल्कोहल पर निर्भरता में मोनोअमीन पथ के जीन की बहुरूपता, मिथाइलेशन और अभिव्यक्ति की स्थिति के संबंध पर अध्ययन।
22. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर वाले बच्चों और किशोरों में मादक द्रव्यों का सेवन: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
23. ब्यूप्रेनोर्फिन पर बनाए गए ओपिओइड आश्रित रोगियों में नींद की गड़बड़ी के लिए ट्रैज़ोडोन: एक डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मनो-यौन स्वास्थ्य विकारों और स्त्री रोग कैंसर से बचे लोगों में उपचारात्मक न्यूरोकेमिकल सहसंबंध हेतु स्क्रीन के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, स्त्रीरोग और विकिरण विज्ञान विभाग।
2. एम्स नई दिल्ली, नर्सिंग में गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद जीवित दाताओं (डोनर)के अनुभवों पर एक व्याख्यात्मक घटना संबंधी अध्ययन।
3. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों की देखभाल करने वालों और एम्स, नई दिल्ली, नर्सिंग में बाल चिकित्सा न्यूरो ओपीडी में आम तौर पर विकासशील बच्चों के साथ चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने के लिए एक अध्ययन।
4. स्तन कैंसर, सर्जरी में संभावित बायोमार्कर के रूप में गामा सिन्यूक्लिन का पता लगाने के लिए एक अध्ययन।

5. कोविड -19 महामारी के बीच गर्भधारण की योजना बना रही बांझ महिलाओं और महिलाओं में चिंता और आशंका, स्त्री रोग और प्रसूति विभाग।
6. कोविड महामारी, नेत्र विज्ञान के दौरान पेरीओकुलर और ओकुलर मैलिग्नेंसी रोगियों में नैदानिक गंभीरता और संकट।
7. अस्पताल में रहने के संदर्भ में खुले कोहेन के यूरेटेरिक रीइम्प्लांटेशन में स्टेंट के रूप में डबल "जे" और शिशु आहार ट्यूबों की तुलना - एक यादृच्छिक अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
8. दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में 10-16 साल के मुक्केबाजों में दर्दनाक मैक्सिलोफेशियल और दंत पुन: चोट से जुड़े भय और चिंता के लिए मूल्यांकन उपकरण का विकास और सत्यापन, दंत चिकित्सा।
9. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के उपयोग की साक्षरता बढ़ाना- एक हस्तक्षेप अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
10. सौम्य पल्मोनरी और फुफ्फुस रोगों के लिए थोरैसिक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एक महत्वाकांक्षी कोहोर्ट अध्ययन, सर्जरी।
11. ओपिओइड निकासी के नैदानिक अल्कोहल के पूरक के लिए एचआरवी और स्वायत्त पैरामीटर, फिजियोलॉजी।
12. कक्षीय निर्वासन के दौर से गुजर रहे रोगियों के बीच मनोसामाजिक कारक, नेत्र विज्ञान।

पूर्ण

1. विभिन्न नैतिक दुविधा नैदानिक स्थिति पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर के परिप्रेक्ष्य का मूल्यांकन करने के लिए एक शब्दचित्र आधारित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी।
2. व्यसनी विकारों का डिफ़ॉल्ट मोड नेटवर्क: एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान।

प्रकाशन

जर्नल: 67 सार: 1 पुस्तकों में अध्याय: 14 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 3

रोगी उपचार

जैव रसायन प्रयोगशाला का वार्षिक रिकॉर्ड (अप्रैल 2020 से मार्च 2021)

1) कुल जैव रसायन परीक्षण: 81269
2) कुल सीरम इलेक्ट्रोलाइट्स परीक्षण: 5135
3) कुल रुधिर परीक्षण: 48995
4) कुल एचआईवी जांच: 735

ड्रग स्क्रीन लेबोरेटरी का वार्षिक रिकॉर्ड (अप्रैल 2019 से मार्च 2020)
पेशाब में जांची गई औषध व्यसन दवाओं की कुल संख्या = 4282

क्रम सं.	**औषध जांच टेस्ट**	**संख्या**
1.	मॉर्फीन	573
2.	कौडीन	333

3.	ब्यूप्रेनोर्फिन	508
4.	क्लोरफेनिरामाइन नरेट	379
5.	ट्रामाडोल	549
6.	पेंटाज़ोसाइन	379
7.	बेन्ज़ोदिअज़ेपिनेस	766
8.	कैनबिस	100
9.	कोटिनिन	46
10.	बार्बीट्युरेट	100
11.	एम्फ़ैटेमिन	100
12.	कोकीन	100
13.	नाल्ट्रेक्सोन	348
14.	इनहेलेंट्स	1
	मूत्र में परीक्षण की गई औषधों की कुल संख्या	4282

I. बाह्य रोगी सेवाएं

वित्तीय वर्ष 2020-2021 यानी (1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक) के लिए अस्पताल के आंकड़ों को दर्शाने वाला विवरण ।

सामान्य ओपीडी	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
एनडीडीटीसी	4613	37668	42281
त्रिलोकपुरी (सामुदायिक क्लिनिक)	217	24658	24875
सुंदर नगरी (सामुदायिक क्लिनिक)	480	96504	96984
कोटला मुबारकपुर (सामुदायिक क्लिनिक)	158	7495	7653
कुल मामले	5468	166325	171793

विशिष्टता क्लिनिक			
किशोर क्लिनिक	07	82	89
दोहरा निदान	05	227	232
तम्बाकू समापन	04	89	93
महिला क्लिनिक	08	39	47
परिवार अधिकारिता क्लिनिक	शून्य	04	04
कुल रोग	24	441	465
रोगियों का कुल योग	5492	166766	172258

II. अन्य रोगी उपचार के आंकड़े

भर्ती की कुल संख्या	65
ऑपरेशन थियेटर/रोगियों की कुल संख्या	एन/ए
डे केयर में आए रोगियों की कुल संख्या	एन/ए
मृत्यु की कुल संख्या	शून्य
प्रति कार्य दिवस औसत भर्ती की कुल संख्या	1.18
एनडीडीटीसी में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	22
एनडीडीटीसी में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	127
त्रिलोकपुरी क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	1.05
त्रिलोकपुरी क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	83
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	1.88
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	264
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.76
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस ओपीडी में उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	25
एक साल में बिस्तर अधिभोग	15%
ठहरने की औसत समय	8 दिन

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश चड्ढा, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के महासचिव;सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बीजे साइक इंटरनेशनल; सदस्य, दिल्ली उच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति; सदस्य चयन समिति, केजीएमयू, बीएचयू, एम्स, कल्याणी; सदस्य, विशेषज्ञ समूह स्नातकोत्तर शिक्षकों और इसके कार्यान्वयन के लिए संकाय विकास कार्यक्रम पर चर्चा करने और उसे अंतिम रूप देने के लिए; संयोजक, मनश्चिकित्सा में विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; मनोनीत सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मनोनीत सदस्य, शासी निकाय, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, वित्त समिति, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत); अध्यक्ष, मनश्चिकित्सा उप समिति, भारतीय मनश्चिकित्सीय सोसायटी; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री; सदस्य, डीन समिति, एम्स; 30 मई, 2020 को संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी, मनश्चिकित्सा उप समिति, भारतीय मनश्चिकित्सीय समाजपर वेबिनार आयोजित किया; चिंता और अवसाद में सीबीटी पर केस आधारित चर्चा पर वेबिनार का आयोजन। मनश्चिकित्सा उप समिति, भारतीय मनोरोग सोसायटी, 6 जून 2020; 29 सितंबर 2020 को "पुलिस कर्मियों में तनाव प्रबंधन", ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर राका जैन को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार, सेक्टर 16-सी द्वारका, दिल्ली में सत्र 2020-2021 के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन फार्मास्युटिकल साइंसेज (सीईपीएस) में पीएचडी प्रोग्रान में दाखिला के लिए प्रवेश समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया था; गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार, सेक्टर 16-सी द्वारका, दिल्ली में दिनांक 5.10.2020 को एक वर्ष हेतु "फार्मास्युटिकल साइंसेज में उत्कृष्टता केंद्र" के लिए केंद्र अनुसंधान और परामर्श समिति (सीआरसी) के सदस्य के रूप में मनोनीत; दिनांक 21.10.2020 को सीईपीएस, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सेक्टर 16-सी द्वारका दिल्ली में पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए एक बाह्यविशेषज्ञ ; गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली सरकार के संचालन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त, 22.10.2020 को आयोजित संचालन समिति की बैठक (ऑनलाइन) में भाग लिया; स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 6.10.2020 को राष्ट्रीय तंबाकू परीक्षण प्रयोगशालाओं (एनडीडीटीएल) के लिए विश्लेषण और अनुसंधान में हैण्ड होल्डिंग के लिए वैज्ञानिक सहायता समूह की एक आभासी बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और भागीदार बनें; दिनांक 7.6.2020 को केरल पुलिस अकादमी और भारतीय अपराध विज्ञान और फॉरेंसिक साइंस एसोसिएशन (आईसीएफएसए)के सहयोग से कालीकट विश्वविद्यालय, मलप्पुरम, केरल द्वारा 'एविडेंस मल्टीस्टैट' - नए साइकोएक्टिव पदार्थों और सड़क के किनारे दवा परीक्षण का पता लगाने के लिए एक पूरी तरह से स्वचालित विश्लेषक विषय पर आयोजित वेबिनार में एक विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए और भाग लिया; ड्रग निर्भरता (निर्भरता देयता मूल्यांकन) पर डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 20.4.2020 और 8.5.2020 को आयोजित ड्रग निर्भरता पर विशेषज्ञ समिति (ईसीडीडी) के वर्चुअल ऑनलाइन 8वें कार्य समूह में उपस्थित हुए और भाग लिया; ड्रग निर्भरता (निर्भरता देयता मूल्यांकन) पर डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में ड्रग निर्भरता पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की आभासी ऑनलाइन "43वां विशेषज्ञ समिति की बैठक (43वांईसीडीडी, 12-20 अक्टूबर 2020) में उपस्थित हुए और में भाग लिया। एक विशेषज्ञ के रूप में नई साइकोएक्टिव पदार्थ के दो साथियों की समीक्षाओं को प्रस्तुत किया गया और जैव चिकित्सा अनुसंधान, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लिए डॉ. बी.आर. अम्बेडकर केंद्र के पीएचडी की थीसिस का भी मूल्यांकन किया; आईएसएएम एशिया में मौखिक प्रस्तुति के लिए व्यसन चिकित्सा पर युवा जांचकर्ताओं के लिए प्राप्तकर्ता 9वें ईजेडएएमए (ईज़ामा) पुरस्कार (कांस्य पदक) के प्राप्तकर्ता; आईएसएएम एशिया में मौखिक प्रस्तुति के लिए व्यसन चिकित्सा पर युवा जांचकर्ताओं के लिए 9वें ईज़ामा पुरस्कार-मानद डिप्लोमा के प्राप्तकर्ता।

डॉ राकेश लाल दिनांक 19-29 मार्च, 2021 को ड्रग उपयोग विकारों के प्रबंधन और कोविड 19 के यूएनओडीसी डब्ल्यूएचओ अनौपचारिक वैज्ञानिक नेटवर्क मीटिंग वर्चुअल वेबिनार प्रतिभागी थे; जर्नल के लिए समीक्षक: *सीएनएस विकारों के लिए प्राथमिक देखभाल सहयोगी* एक अंतरराष्ट्रीय, समकक्ष-समीक्षा की गई, केवल-ऑनलाइन पत्रिका है, और इसके लेखों को मेडलाइन/पबमेड में नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन द्वारा अनुक्रमित किया गया है; शहर और राष्ट्रीय स्तर पर नर्सों के प्रशिक्षण का प्रस्ताव। नर्सिंग परिषद, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वीकार किया गया प्रस्ताव। प्रधान समन्वयक: राकेश लाल; नर्सिंग समन्वयक डॉ संध्या गुप्ता; ड्रग डिपेंडेंस मैनेजमेंट सेंटर डिजाइन करने के लिए आर्किटेक्चरल कॉलेजों के छात्रों के साथ समन्वय; एम्स से बीएससी नर्सिंग छात्रों के प्रशिक्षण के लिए 1 दिवसीय कार्यक्रम समन्वित किया गया।

प्रोफेसर अंजू धवन ने 29-31 मई, 2020, 5 - 7, जून 2020, 12-14 जून, 2020 और 23-25 जून, 2020 को कोविड - 19 ड्यूटी पर डॉक्टरों और नर्सों के लिए 3 बैचों में चार ऑनलाइन ध्यान और सांस संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया; 16-18 जून 2020 को एम्स संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन ध्यान और श्वास कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया; सदस्यता इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) प्रशिक्षण और शिक्षा समिति; पदार्थ उपयोगकर्ताओं के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप के रूप में योग और मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेपों को एकीकृत करने वाले पदार्थ उपयोग मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने के लिए कल्याण कार्यक्रम विभाग, आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्य विशेषज्ञ पैनल; एम्स के छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के उपयोग के लिए कैंपस इंटरवेंशन का मसौदा तैयार करने में शामिल - नीति और कार्रवाई।

प्रोफेसर सोनाली झांजी दिनांक 17-19 मार्च 2021 भूटान के लिए तंबाकू पर निर्भरता उपचार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन आभासी प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए एक विशेषज्ञ थीं; "रोल ऑफ सेरिबैलम इन क्यू इंड्यूस्ड क्रेविंग टू निकोटीन - ए फंक्शनल एमआरआई स्टडी" शीर्षक वाले पेपर में सह-लेखक थी, जिसे कॉलेज ऑन प्रॉब्लम्स ऑफ ड्रग डिपेंडेंस (सीपीडीडी), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ड्रग एब्यूज (सीपीडीडी-एनआईडीए) अंतर्राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला; 29-31 मई 2020, 5-7 जून 2020, 12-14 जून 2020, 23-25 जून 2020 को कोविड-19 ड्यूटी पर फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए चार ऑनलाइन ध्यान और श्वास कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रोफेसर अतुल अंबेकर को भारत सरकार द्वारा जुलाई 2020, अक्टूबर 2020 और दिसंबर 2020 में नारकोटिक ड्रग्स (सीएनडी), वियना पर आयोग की विषयगत बैठकों और विषयगत बैठकों में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; 'दोहरे उपयोग' रसायनों के विचलन को नियंत्रित करने के लिए रणनीतियों की जांच करने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत। हानिकारक अल्कोहल के उपयोग को कम करने के लिए डब्ल्यूएचओ वैश्विक रणनीति के लिए कार्य योजना पर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय परामर्श में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार (मार्च 2021); सम्मानित मानद फैलोशिप, सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी, हांगकांग विश्वविद्यालय; सदस्य के रूप में मनोनीत, शासी निकाय, राजकुमारी अमृत कौर नर्सिंग कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (2021-2023); सदस्य के रूप में मनोनीत, स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, पं. बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा; विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मनोनीत, बोर्ड ऑफ स्टडीज (डीएम एडिक्शन साइकियाट्री), एम्स, ऋषिकेश; नोडल अधिकारी के रूप में, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई), भारत सरकार की व्यसन उपचार सुविधा (एटीएफ) योजना के कार्यान्वयन की शुरुआत की, जिसके तहत देश भर के 21 अस्पतालों को एनडीडीटीसी एम्स के मेंटरशिप के तहत एटीएफ शुरू करने की मंजूरी दी गई थी; वर्ल्ड साइकियाट्रिक एसोसिएशन और अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा विषय वस्तु विशेषज्ञ के रूप में पदार्थ उपयोग विकारों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम में शामिल; सदस्य, प्रमाणन और पाठ्यक्रम समिति, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (2021-2022) के रूप में मनोनीत; श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में एमडी मनश्चिकित्सा के लिए थीसिस के लिए बाह्य समीक्षक; सदस्य वैज्ञानिक समिति के रूप में मनोनीत - आईएनईबीआरआईए (अल्कोहल और अन्य दवाओं के लिए संक्षिप्त हस्तक्षेप पर अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सितंबर 2021 (गोवा)।

डॉ यतन पाल सिंह बलहारा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), 2020-2021 द्वारा स्कूलों के लिए साइबर सुरक्षा दिशानिर्देश तैयार करने के लिए योजना समूह के सदस्य हैं; निर्वाचित सदस्य, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर (डब्ल्यूएडीडी), 2018-2021 की सलाहकार समिति; सदस्य, कोलंबो प्लान ड्रग एडवाइजरी प्रोग्राम (सीपीडीएपी), 2017 के बाद के पदार्थ उपयोग विकारों के लिए उन्नत स्तर के सार्वभौमिक उपचार पाठ्यक्रम (यूटीसी) को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ कार्य समूह; सदस्य, साइबर जागरूकता राजदूत कार्यक्रम पर सलाहकार पैनल, दक्षिण-पूर्व जिला, दिल्ली पुलिस, भारत, 2017 के बाद; सदस्य, सलाहकार बोर्ड, दक्षिण पूर्व एशिया - एचआईवी व्यसन प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (एसईए-एचएटीसी), 2018-2020; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ डुअल डिसऑर्डर (डब्ल्यूएडीडी), 2015 के बाद के क्षेत्रीय प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत; निर्वाचित सदस्य, विश्व मनश्चिकित्सीय संघ (डब्ल्यूपीए) की शिक्षा कोर समिति, 2014- के आगे; सदस्य, द्विध्रुवी विकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी (आईएसबीडी) की शिक्षा समिति, 2011 से आगे; ग्लोबल मेंटल हेल्थ स्कॉलर, डब्ल्यूएचओ और कोलंबिया यूनिवर्सिटी, यूएसए, 2014-2020 सहयोगी सदस्य, गुलबेंकियन ग्लोबल मेंटल हेल्थ प्लेटफॉर्म- कैलौस्ट गुलबेन्कियन फाउंडेशन, चिकित्सा विज्ञान संकाय के मानसिक स्वास्थ्य विभाग (लिस्बन के नोवा विश्वविद्यालय) द्वारा एक सहयोगी प्रयास और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), 2013-से)।

डॉ रवींद्र राव ओपिओइड निर्भरता वाले व्यक्तियों के लिए मेथाडोन रखरखाव उपचार (एमएमटी) शुरू करने के लिए राष्ट्रीय औषधि एजेंसी, मालदीव गणराज्य के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है; भारत में व्यसन मनोरोग पेशेवरों के लिए एक सोसायटी दीक्षा में सहायता की, जिसका नाम 'एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया' रखा गया और समाज के कोषाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; भारत में कोविड-19 महामारी के कारण लॉकडाउन लागू होने के बाद अल्कोहल के उपयोग विकारों और ओपिओइड उपयोग विकारों वाले व्यक्तियों के आपातकालीन प्रबंधन के लिए चिकित्सा पेशेवरों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए।

डॉ अश्विनी कुमार मिश्रा ने जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, यूएसए से व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर पाठ्यक्रम के सफल समापन के लिए 91.2% अंकों के साथ पूर्णता का प्रमाण पत्र प्राप्त किया; पब्लिक मेंटल हेल्थ स्पेशलिटी सेक्शन के लिए फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त; मानसिक स्वास्थ्य में सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए विश्लेषणात्मक तरीके विषय पर दस दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करने के लिए योजना के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से 1,50,000 रू. का अनुदान प्राप्त किया; एचएनबी मेडिकल एजुकेशन यूनिवर्सिटी, देहरादून, उत्तराखंड के लिए रिसर्च मेथडोलॉजी पर पीएचडी कोर्स वर्क के लिए कोर्स कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य किया; वैज्ञानिक समीक्षक - इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, हेल्थ, द अमेरिकन जर्नल ऑफ अल्कोहल एंड ड्रग एब्यूज, एक्टा एस्ट्रोनॉटिका, फ्रंटियर्स, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, हेल्थ; अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के निर्वाचित सदस्य के रूप में जारी रखा; सांख्यिकीय शिक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ के निर्वाचित सदस्य के रूप में जारी रखा; क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी के सदस्य - के रूप में जारी।

डॉ रचना भार्गव इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के जर्नल में एसोसिएट-कम-स्पेशलिटी एडिटर हैं; कार्यकारी सदस्य, आईएएसपी

डॉ प्रभुदयाल को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए प्रबंधन और क्षमता निर्माण सामग्री पर दिशानिर्देश ढांचे के विकास के लिए टीबी-सह-रुग्णता पर विशेष उप-समूह टीबी-तंबाकू और मादक द्रव्यों के सेवन, राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह के विशेषज्ञ सदस्य, के रूप में नामित किया गया था।

डॉ पियाली मंडल एनआईडीए (यूएसए) अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार, 2020 की प्राप्तकर्ता थी; 29 जनवरी, 2021 को आपातकालीन प्रबंधन पर रेजिडेंट और नर्सिंग अधिकारियों के उन्मुखीकरण और प्रशिक्षण पर आधे दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉ रोशन भड़ को 11, 18, 25 जुलाई 2020 को दूसरे ब्रिजिंग रिसर्च एंड एजुकेशन सेंटर, एशियन मेंटल स्वास्थ्य और मनश्चिकित्सा (आरईबीएएमपी) सम्मेलन, ताइवान, में प्रस्तुत किए गए पेपर जिसका शीर्षक था "भारत से किशोर इनहेलेंट उपयोगकर्ताओं में तनाव और इससे मुकाबला करने के लिए तनाव बायोमार्कर प्रतिक्रियाओं की प्रारंभिक जांच: एक केस कंट्रोल स्टडी" के लिए "यंग साइकेट्रिस्ट अवार्ड" से सम्मानित किया गया था; आईएसएएम एनईएक्सट (नई पेशेवर खोज प्रशिक्षण और शिक्षा समिति ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन- आईएसएएम) 30-सदस्यीय समिति जिसमें 20 देश के सदस्य शामिल हैं, के अध्यक्ष के रूप में चुने गए; दुनिया में व्यसन चिकित्सा पेशेवरों के सबसे बड़े संगठन, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) में एक पदेन निदेशक मंडल (बीओडी) के रूप में शामिल किए गए।

10.7. तंत्रिका विज्ञान केन्द्र

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव

आचार्य

मंजरी त्रिपाठी | रोहित भाटिया | ममता भूषण सिंह

अपर आचार्य

दीप्ति विभा

सहायक आचार्य

विष्णु वी. वाई. | रूपा राजन | अवध किशोर पंडित
राजेश कुमार सिंह | अनु गुप्ता | इलावरसी
अनिमेष दास | दिव्या एम.आर. | भार्गवी रामानुजम
आयुष अग्रवाल

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशांक शरद काले

प्रतिष्ठित आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन | अजीत के. बनर्जी

आचार्य

पी. शरत चंद्रा | आशीष सूरी | राजिंदर कुमार
मनमोहन सिंह | दीपक अग्रवाल (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कैं.) | दीपक गुप्ता (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कैं.)
गुरुदत्त सत्यार्थी (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कैं.)

अपर आचार्य

पंकज कुमार सिंह (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कैं.) | विवेक टंडन | सचिन बोरकर

सह-आचार्य

हितेश गुर्जर | अमनदीप कुमार | शाश्वत मिश्रा
राजीव शर्मा | श्वेता केडिया | रमेश डोड्डामणि
दत्ताराज सावरकर | कंवलजीत गर्ग | मनोज फलक

सहायक आचार्य

अमोल रहेजा | सतीश वर्मा | राजेश मीणा
सांतनु कुमार बोरा | कोलुल्ला प्रणीत

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस.बी. गायकवाड़

आचार्य

अजय गर्ग

अपर आचार्य

एस. लेव जोसेफ देवराजन

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरविंद चतुर्वेदी

आचार्य

मिहिर प्रकाश पांडिया | राजेन्द्र सिंह चौहान

गिरिजा प्रसाद रथ | हिमांशु प्रभाकर

अपर आचार्य

ज्ञानिंदर पाल सिंह (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.) | आशीष बिंद्रा (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

नीरज कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.) | केशव गोयल (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

नवदीप सोखल (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें.)

सह-आचार्य

चारू महाजन | इंदु कपूर | सूर्य कुमार दुबे

सहायक आचार्य

वनिता राजगोपालन | सुमन सोखल

नैदानिक तंत्रिका-मनोचिकित्सा

आचार्य

आशिमा नेहरा

तंत्रिका विकृति विज्ञान अनुभाग

आचार्य

चित्रा सरकार | मिहिर चंद शर्मा | वैशाली सूरी

अस्पताल प्रशासन

आई.बी. सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजली हजारिका

तंत्रिका विज्ञान

विशिष्टताएँ

वर्ष 2020-2021 में, कोविड-19 संकट जारी रहने के बावजूद तंत्रिका विज्ञान केन्द्र ने रोगी उपचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखा। प्रो. एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव को प्रतिष्ठित आईएनएसए फेलो के रूप में चुना गया था। विभाग ने पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़ के तंत्रिका विज्ञान विभाग के सहयोग से दो वर्चुअल शैक्षिक सम्मेलनों के अतिरिक्त तंत्रिका विज्ञान प्रशिक्षुओं के लिए 7 दिवसीय वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। मई, 2020 में ऑनलाइन एम.सीएच एक्जिट परीक्षा आयोजित करने वाला तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग प्रथम तथा तंत्रिका विज्ञान दूसरा विभाग था। मार्च 2021 में प्रतिष्ठित 23वीं वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला आयोजित की गई। 10 वर्ष पुराने 6-स्लाइस सीटी स्कैनर के स्थान पर एक अत्याधुनिक 128 स्लाइस डुअल एनर्जी सीटी स्कैनर को स्थापित किया गया है। मौजूदा 1.5T एमआर को 'साइलेंट एमआर' सिस्टम से अपग्रेड किया गया। नए स्टेशनों एवं वाई-फाई तक पहुंच बनाने के लिए पैक्स (पीएसीएस) नेटवर्क का उन्नयन किया गया। तंत्रिका अर्बुदविज्ञान में नित्यतकार्य को बढ़ाने में आणविक निदान और साइटोजेनेटिक को विकसित करने के लिए नई सुविधाएं शामिल की गईं, जिसमें *इन-सीटू* संकरण, केशिका, वास्तविक समय पीसीआर आदि सम्मिलित हैं। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल पैनल का विस्तार किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने टीबीआई पुनर्वास कार्यसमूह के सदस्य के लिए तंत्रिका मनोचिकित्सा प्रभाग को नामित किया था : तत्वावधान में : पुनर्वास 2030। सभी विभागों एवं प्रभागों ने विभिन्न वर्चुअल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार प्राप्त किए तथा कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों के साथ उत्तीम प्रदर्शन करना जारी रखा।

विशिष्टताएं

वर्ष 2020-21 में, कोविड-19 संकट के बावजूद, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने रोगी उपचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखा। प्रो. एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव को प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो के रूप में चुना गया, जो राष्ट्र कल्याण हेतु विज्ञान को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहन देने के प्रति समर्पित हैं। विभाग ने पी.जी.आई.एम.ई.आर. चंडीगढ़ के तंत्रिका विज्ञान विभाग के सहयोग से, तंत्रिका विज्ञान प्रशिक्षुओं के लिए एक अद्भुत विषय - 'रेजिडेंट को, रेजिडेंट के लिए और रेजिडेंट द्वारा, पर 7-दिवसीय वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस शैक्षणिक उपक्रम में, रेजिडेंट को लाइव केस आधार पर चर्चा और बहस के लिए एक मंच प्रदान किया गया था। विभाग ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंच पर ज्ञान के प्रसार और रेजिडेंट तथा चिकित्सकों के नैदानिक कौशल में सुधार पर केंद्रित दो अन्य वर्चुअल शैक्षणिक सम्मेलनों का आयोजन किया। अनुसंधान के क्षेत्र में विभाग ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई अन्य प्रकाशनों के साथ उत्तंम प्रदर्शन करना जारी रखा।

शिक्षा

कोविड महामारी को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2020-2021 में, तंत्रिका-विज्ञान विभाग ने केस प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी, जर्नल क्लब, शोधपत्र प्रगति एवं समर्पित विषयवार दृष्टिकोण के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर तथा नर्सिंग के विद्यार्थियों हेतु समय पर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए

वर्चुअल तरीकों को अपनाया। स्नातकोत्तरों के लिए परोक्ष कक्षाएं आरंभ की गईं, जहां उन्होंने संकाय-सदस्यों द्वारा संचालित केसों तथा रोग पर अपडेट को प्रस्तुत किया। डीएम में दाखिले तथा एग्जिट परीक्षाएं भी वस्तुतः सफलतापूर्वक संपन्न की गईं। इसके लिए एक मानकीकृत, वर्चुअल केस-रिपोजिट्री का निर्माण किया गया। ई-पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में एक तंत्रिका विज्ञान रेज़िडेंट प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने की दिशा में प्रारंभिक प्रयास किए गए थे। विभाग ने पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के तंत्रिका विज्ञान विभाग के सहयोग से, तंत्रिका विज्ञान प्रशिक्षुओं के लिए एक अद्भुत विषय - 'रेजिडेंट का, रेजिडेंट के लिए एवं रेजिडेंट द्वारा, पर 7-दिवसीय वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस शैक्षिक उपक्रम में, रेजिडेंटों को लाइव केस के आधार पर चर्चा, बहस और संवादात्मक प्रश्नोत्तरी के लिए एक मंच प्रदान किया गया था।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

1. 23-29 नवंबर 2020 तक तीसरा एम्स-पीजीआई तंत्रिका विज्ञान आधुनिकीकरण, वर्चुअल
2. डीएनएसीओएन 2021, 5-7 फरवरी 2021, वर्चुअल
3. प्रथम एम्स बोटुलिनम टॉक्सिन वर्कशॉप, 19-21 मार्च 2021, वर्चुअल

प्रदत्त व्याख्यान:

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव: 4	**अचल श्रीवास्तव: 7**	**रोहित भाटिया: 9**
ममता भूषण सिंह: 4	**दीप्ति विभा: 4**	**विष्णु वी. वाई.: 1**
रूपा राजन: 9	**अवध किशोर पंडित: 2**	**राजेश कुमार सिंह: 2**
अनु गुप्ता: 3	**इलावरसी: 3**	**अनिमेष दास: 2**
दिव्या एम.आर.: 4	**भार्गवी रामानुजम: 4**	**आयुष अग्रवाल: 1**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 27

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. आघात और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को स्पष्ट करने में आबादी आधारित संभावित कोहोर्ट अध्ययन: एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, अचल कुमार श्रीवास्तव, रॉटरडैम विश्वविद्यालय नीदरलैंड के साथ डीबीटी वित्तपोषित सहयोगी परियोजना। 7 वर्ष, 2014-2022, 32 करोड़ रु
2. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ पीएमजेड-1620 की क्षमता का आकलन करने के लिए एक संभावित, बहुकेंद्रित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर, चरण III नैदानिक अध्ययन। दीप्ति विभा, 2 वर्ष, 2019-2021। 7,48,000 रूपए
3. टीबी मेनिनजाइटिस के रोगियों में एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल।रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 साल। 2019-2022। 75 लाख रु

4. मिर्गी के रोगियों में गाड़ी चलाते समय सिर की चोट के बारे में जागरूकता: एक निवारक और सार्वजनिक शिक्षा अध्ययन, दिव्या एमआर। आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 26 लाख

5. प्रोटिओमिक्स दृष्टिकोण के उच्च माध्यमम-परिणाम का उपयोग करके स्ट्रोनक के परिणाम का पूर्वानुमान करने के लिए रक्त आधारित प्रोटीन बायोमार्कर, दीप्ति विभा, इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष। 2019-2022। 10 लाख रु

6. 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरुआत के साथ इमेजिंग योग्यट एक्यूलट इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग उपचार-एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन (इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित), अवध किशोर पंडित, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2020-2022, 8 लाख

7. क्या प्राथमिक देखभाल के स्तर पर क्षमता के निर्माण से छत्तीसगढ़ में मिर्गी के उपचार तक पहुंच में सुधार हो सकता है? एक कार्यान्वयन अनुसंधान।', डॉ. ममता भूषण सिंह, आईसीएमआर, 2 साल, 2021-2023, 89,10,600 रुपये

8. हंटिंगटन रोग और अन्य वंशानुगत लास्योंर के रोगियों का नैदानिक और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल, दिव्या एमआर। एम्स, 2 साल, 2021-2023, 8 लाख

9. गहन लक्षित अनुक्रमण का उपयोग करते हुए डायस्टोनिया का नैदानिक और आनुवंशिकी का लक्षण वर्णन। डॉ. अचल के श्रीवास्तव.आईसीएमआर। 3 साल,2019-2022, 6 लाख रु

10. एकाधिक स्केलेरोसिस के रोगियों में संज्ञानात्मक शिथिलता। एक प्रतिनिघ्यात्मक और अनुदैर्ध्य अध्ययन, रोहित भाटिया, डीएसटी, 3 साल, 2021-2024, 80 लाख रुपये

11. भारत के सबसे आम वंशानुगत गतिभंग में चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में नियामक क्षेत्र और विस्तारित ट्रिपलेट का सीआरआईएसपीआर- आधारित संपादन को दोहराता है, अचल के श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, रु 12535416

12. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस के निदान में सीएसएफ सूजन-संबंधी मार्कर। राजेश कुमार सिंह, एम्स, नई दिल्ली। 2 वर्ष, 2021-2022, रु. 4.95 लाख टाइप 2 मधुमेह वाले बुजुर्ग रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण और अन्य चयापचय जोखिम के कारकों के संबंध में संज्ञानात्मक अभाव की व्यापकता और घटनाओं का मूल्यांकन करना, जो उम्र और लिंग मिलान नियंत्रण समूह की तुलना में मनोभ्रंश के उच्च जोखिम में हैं: एक बहुकेंद्रीय कोहोर्ट अध्ययन, अनु गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022। 48,59,820 रूपए

13. ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस (टीबीएम) के लिए एंटी-ट्यूबरकुलर ट्रीटमेंट (एटीटी) की 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने की क्षमता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित, गैर-हीनता परीक्षण। डॉ. दीप्ति विभा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग। 3 वर्ष। 2019-2022। 40,52,121 रूपए।

14. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में दुर्दम्य प्रोलिफेरेटिव एराचोनोइडाइटिस के उपचार में साइक्लोफॉस्फेमाइड की प्रभाविता और सुरक्षा तपेदिक - एक यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, डॉ. इलावरसी ए, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-2022, रु 6.20

15. भारतीय आघात नैदानिक परीक्षण नेटवर्क (आईएनएसटीआरयूसीटी) की स्थापना, (एम्स-साइट के लिए सह-प्रमुख अन्वेषक), एमवी पद्म श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, रु 12,11,280/-
16. पार्किंसन रोग के रोगियों में ठंड लगने के साथ सप्लीमेंट्री मोटर एरिया में रिपीटिटिव ट्रांस क्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन के प्रभावों का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक शम नियंत्रित अध्ययन, दिव्या एमआर। आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024। 24 लाख रु.
17. भारत में पार्किंसंस रोग (जीएपी-इंडिया) की आनुवंशिक संरचना। डॉ. रूपा राजन, माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन। 3 साल, 2019-2022। 75 लाख रु.
18. भारतीय एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस का जीनोमिक और प्रोटिओमिक लक्षण वर्णन।डॉ. रोहित भाटिया। एम्स, आई.टी. 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रु
19. उत्तर भारतीयों में एंटीपीलेप्टिक दवाओं के लिए अतिसंवेदनशीलता के लिए एचएलए संबद्ध आनुवंशिक प्रवृत्ति - एक मामला नियंत्रण अध्यलयन, अनिमेष दास, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 साल, 2021-2023, 10 लाख
20. आईसीएमआर केयर - आघात से ठीक होने के लिए उन्नत न्यूरोएसिस्टिव तकनीक का केंद्र। प्रो. एमवी पद्मा श्रीवास्तव। आईसीएमआर, 5 साल, 2021-2025, 5 करोड़ रु.
21. जीनोम वाइड संबंधित अध्यीयन का उपयोग करके एम्स कोहोर्ट प्रतिभागियों के बीच मस्तिष्क की छोटी नस के रोग के लिए मस्तिष्क इमेजिंग मात्रात्मक लक्षणों की पहचान करना । अचल कुमार श्रीवास्तव, डीएचआर। 3 साल, 2018-2021, रु 27 लाख
22. इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस एंड एलाइड डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क, डॉ. रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 5 साल, 2021-2025, स्वीकृत। अंतिम मंजूरी जारी होने की प्रतीक्षा में मूल राशि अनुदत्त की गई।
23. क्या वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन आघात जोखिम कारक है? युवा भारतीयों में आघात और इस्केमिक आघात उपप्रकार के विशेष संदर्भ के साथ: एक बहु-केंद्र अध्ययन, प्रो. एम वी पदमा श्रीवास्तव, डीएसटी। 3 साल, 2018-2021। 59,11,164 रूपए
24. लॉन्ग रेंज, फ्रैटैक्सिन के नियामक तत्वों में सीआईएस-एक्टिंग कार्यात्मक विविधताएं: फ्रिड्रेइच के गतिभंग में नया चिकित्सीय लक्ष्य, अचल कुमार श्रीवास्तव। आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 89 लाख रु
25. राष्ट्रीय अस्पताल आधारित आघात रजिस्ट्री आईसीएमआर। रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 5 साल, 2020-2025, 5 लाख रुपये सालाना
26. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोबायोलॉजी: फेनोटाइपिक, बायोमार्कर और जेनेटिक सिग्नेचर, डॉ. रोहित भाटिया।आईसीएमआर। 3 साल, 2018-2021। 1.2 करोड़ रूपए
27. रीसेट-एमएस। मल्टीपल स्केलेरोसिस के रोगियों में योगा का यादृच्छीकृत परीक्षण डॉ. रोहित भाटिया, डीएसटी, 3 साल, 2020, 2023, 35 लाख

28. हाइपोक्सिक इस्केमिक मस्तिष्क3 की चोट में नॉर्मोबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी, फ्लुओक्सेटीन और ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (आरटीसीडीएस) की भूमिका - एचआईबीएल की पहल, प्रो. एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीबीटी, 5 साल, 2018-2023, रु 1,06,03,000

29. कार्य-साक्षा करके (स्टॉप-मिर्गी) मिर्गी का प्रबंधन करने के लिए प्राथमिक देखभाल कर्मचारियों की क्षमता को बढ़ाना, पीआई गगनदीप सिंह सह-पीआई ममता भूषण सिंह, डीबीटी / वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस, 5 साल, 2021-2026, 10,16 रुपये, 65,781

30. स्मार्टफोन आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व में तीक्ष्ण अघात प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर रैंडमाइज्ड ट्रायल, प्रो. एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 साल। 2021-2025, 1.5 करोड़ रुपये

31. फ्रीडरिच के गतिभंग में संभावित चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में एफएक्सएन जीन और एसोसिएटेड ट्रांसक्रिप्शन कारकों में दमनकारी साइटों को लक्षित करना, डॉ. अचल के श्रीवास्तव।आईसीएमआर, 3 साल। 2019-2022, रु 6227909.00

32. इंडियन मूवमेंट डिस्ऑमर्डर रजिस्ट्री और बायोबैंक: गति विकारों वाले भारतीय रोगियों में नैदानिक और आनुवंशिक मूल्यांकन। रूपराजन, डीबीटी, 3 साल, 2018-2021, कुल: रु 28772170 एम्स: रु : 7337000

33. सेंट्रल लंकाशायर विश्वविद्यालय में भारत में आघात के उपचार में सुधार पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान समूह संस्थान। इंप्रूविंगस्ट्रोक केयर इन इंडिया (इम्प्रोवाइज), एमवी पद्मा श्रीवास्तव, एनआईएचआर-यूसीएलएन-यूके, 2 साल, 2018-2020, 42 रुपये

34. कम लागत वाली नॉन-इन्वेसिव मस्तिष्क उत्तेजना तकनीकों का उपयोग करके आघात के बाद स्वास्थ्यलाभ में वृद्धि के लिए तंत्रिका प्लास्टिसिटी की समझ और सुविधा, एमवी पदमा श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 साल, 2017-2020, रुपये 48 लाख

35. भारतीय डायस्टोनिया के आनुवंशिक परिदृश्य को स्प2ष्ट, करना: एक क्रोमोसोमल माइक्रोएरे दृष्टिकोण। डॉ. रूपा राजन, एम्स, 2 साल, 2021-2022, रुपये 10 लाख

पूर्ण

1. वयस्क एपिसोडिक माइग्रेन रोगियों (एम्पॉवर) में प्लेसबो के विरुद्ध एक बार मासिक अधस्त्वचीय एएमजी 334 की प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करते हुए 12 सप्ताह का डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक बहु-केंद्रित अध्ययन, प्रो. एमवी पद्म श्रीवास्तव, नोवार्टिस, 1 वर्ष, 2018, 2020, रु 90,815 /-

2. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में अनुवर्ती रोगियों में कोविड-19 महामारी के कारण वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं के बंद होने और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरुआत के प्रभाव पर एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डॉ. इलावरसी ए। एम्स कोविड इंट्राम्यूरल फंडिंग, 2.5 महीने अप्रैल 2020-जून 2020। 20000 रुपए में से 3347 रूपए का उपयोग

3. इडियोपैथिक में उम्मीदवार सीएसएफ बायोमार्कर की पहचान करने के लिए एक प्रारम्भिक अध्ययन

4. कंपकंपी के लक्षण में अंतर करने के लिए एक उपकरण के रूप में स्वचालित हाथ से तैयार सर्पिल विश्लेषण मंच, डॉ रूपा राजन, डीएसटी-एसईआरबी, 3 साल, 2017-2020, 42 लाख रुपये
5. डायस्टोनिक हैंड प्रशिक्षक के उपचार के लिए बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन: एक यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित, समानांतर समूह परीक्षण, डॉ रूपा राजन, एम्स, 2 साल, 2018-2020, रु 4,82,000
6. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक में सिटिकोलिन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएआईएसआर), प्रो. एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव / वेणुगोपालन वाई विष्णु, आईसीएमआर एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2018-2020, 2.5 लाख रुपये
7. इस्केमिक आघात वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के लिए नैदानिक और आनुवंशिक कारक, रोहित भाटिया, डीबीटी, 3 साल, 2017-, 2020, 85 लाख रुपये
8. (एम्स-साइट के लिए को-प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) भारत (स्प्रिंट इंडिया) में संरचित अर्ध-संवादात्मक आघात के रोकथाम पैकेज द्वारा माध्यमिक रोकथाम पर अध्य यन, प्रो. एमवी पदमा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, रु 3,29,000/-
9. आघात वाले रोगियों में पोस्चुजरल स्टेबिलिटी और गैट पर फ्लुओक्सेटीन और ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीटीएस) के साथ संयोजन में डुअल-टास्का व्यायाम का प्रभाव।, प्रो. एमवी पदमा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2020, 50,60,406 रुपये
10. चुंबकीय अनुकम्पन और अन्य तकनीकों के आधार पर संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक बायोमार्कर का उपयोग करके आघात के बाद ठीक होने में शास्त्रीय आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथोबायोलॉजी को स्पष्ट करना, प्रो एमवी पदमा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 31,33.360/- रुपये
11. दृष्टि हानि के साथ या बिना इंट्राक्रैनील उच्च रक्तचाप। डॉ अवध किशोर पंडित, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2018-, 2020, 2.5 लाख रुपये
12. वैज्ञानिक जागरूकता और एएमपी में अंतराल का प्रतिचित्रण, शोध और संबोधित करना; एचपी में स्ट्रोक के संबंध में स्वास्थ्य-संबंधी कार्य: नोवेल, इंटरएक्टिव / प्रदर्शनकारी विज्ञान संचार को लागू करना, प्रो एमवी पदमा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 साल, 2016-2020, 40,45,020 रुपये
13. लौकिक लोब मिर्गी के रोगियों में उनके संज्ञानात्मक प्रदर्शन में सुधार के लिए, विशिष्ट नींद की असामान्यताओं को लक्षित करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ. अचल कुमार श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 साल, 2017-, 2020, 45 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आघात और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को स्पिष्ट2 करने में जनसंख्या आधारित संभावित कोहोर्ट अध्ययन: एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित)
2. आघात के बाद दौरे (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेतिरासेटम का एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन - डीएसटी द्वारा वित्त पोषित।
3. एम्स प्राइमरी सीएनएस वास्कुलिटिस रजिस्ट्री।

4. क्रोनिक इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग न्यूरोपैथी और इसके विभिन्नव प्रकारों का एक भविष्यदर्शी कोहोर्ट अध्ययन।

5. नैदानिक प्रोफ़ाइल और प्रबंधन में लौकिक प्रवृत्तियों को समझने के लिए इडीअपैथिक सूजन-संबंधी मायोपैथीज का एक एंबिस्पेलक्टिव कोहोर्ट अध्ययन।

6. एक्स्ट्राक्रानियल इंटरनल कैरोटिड आर्टरी एथेरोस्क्लेरोटिक डिजीज और प्री एंड पोस्ट कैरोटिड आर्टरी री-वास्कुलराइजेशन (कैरोटीड आर्टरी स्टेंटिंग और कैरोटिड एंड-आर्टरेक्टॉमी) के कारण इस्केमिक स्ट्रोक के मामलों में ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रारम्भिक अध्ययन - एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

7. एससीए-12 के नॉन-एटैक्सिक मैनिफेस्टेशन का विश्लेषण

8. नींद की दुष्क्रिया का आकलन और स्वायत्त कार्य के परीक्षण के साथ इसका सहसंबंध और स्पष्ट रूप से इडीओपैथिक स्पोरैडिक प्रोग्रेसिव अनुमस्तिष्कीय गतिभ्रंश में रोग की गंभीरता

9. 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरुआत के साथ इमेजिंग योग्यर एक्यूकट इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग उपचार-एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन (इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित)

10. स्पिनोसेरेबेलर ऐटैक्सिया टाइप 12 में प्रशिक्षक और गैट का लक्षण-वर्णन

11. तंत्रिका संबंधी विकारों से संबंधित "एंटी माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन (एमओजी) एंटीबॉडी का नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम - एक एंबिस्पेिक्टिव प्रेक्षणमूलक अध्ययन"।

12. तंत्रिका संबंधी विकारों से संबंधित एंटी-एमओजी एंटीबॉडी का नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम - एक एंबिस्पे्क्टिव प्रेक्षणमूलक अध्ययन।

13. टर्शीएरी केयर सेंटर में युवा रोगियों में आघात का नैदानिक प्रोफ़ाइल, उनके जीवन का परिणाम और गुणवत्ता - एक प्रेक्षणमूलक अध्ययन

14. कैरोटिड आर्टरी इंटरवेंशंस में इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) की नैदानिक उपयोगिता - एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण

15. पैरेन्काइमल और एक्स्ट्रा-पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस के रोगियों में नैदानिक, प्रयोगशाला और इमेजिंग विशेषताएं, उपचार की प्रवृत्ति और दीर्घकालिक परिणाम - एक रजिस्ट्री आधारित अध्ययन

16. अक्यूट मायलाइटिस से ग्रसित रोगी का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम - एक संभावित अध्ययन

17. चिंता: घातक एमसीए रोधगलन के लिए डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी करा रहे रोगियों में उपचार करने वाले का बोझ।

18. पीएसपी के विभिन्न फेनोटाइपिक वेरिएंट के साथ एफडीजी-पीईटी निष्कर्षों का सहसंबंध

19. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक अंतर्निहित साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों का लागत-प्रभावी विश्लेषण: त्रितयाक चिकित्सा अस्पताल, दिल्ली, भारत में रोगियों का एक पूर्वव्यापी अध्ययन (डीएचआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण के लिए स्वीकृत)

20. आघात के बाद रोगियों में नींद में बाधा का निर्धारक - एक पार अनुभागीय अध्ययन

21. एक्यूकट इस्केमिक स्ट्रोक और दीर्घकालिक कार्यात्मक परिणाम के बाद प्रारंभिक तंत्रिका संबंधी विकृति: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन

22. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में मिर्गी-रोधी दवाओं के सहायक के रूप में प्रेडनिसोलोन का प्रभाव और सुरक्षा: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसीबो नियंत्रण अध्ययन

23. तंत्रिका संबंधी विकारों से संबंधित संयोजी ऊतक रोग का महामारी विज्ञान, नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम - एक एंबिस्पैक्टिव प्रेक्षणमूलक अध्ययन।

24. विल्सन की बीमारी में मस्तिष्क के एमआरआई में मात्रात्मक संवेदनशीलता प्रतिचित्रण की उपयोगिता का पता लगाना

25. तीव्र आघात में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप प्रबंधन: एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आघात के उपचार में भारतीय गुणवत्ता सुधार का अध्य्यन)” (आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)

26. जीनोम वाइड स्क्रीनिंग द्वारा नोवेल अस्थिर अग्रानुक्रम न्यूक्लियोटाइड रिपीट लोकी और आनुवंशिक रूप से अनकैरेक्टकराइज़्ड प्रगतिशील अनुमस्तिष्क गतिभंग के रोगजनन में उनके निहितार्थ की पहचान करना।

27. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलिटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान करना (आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)

28. हाइपरट्रॉफिक पचिमेनिन्जाइटिस वाले मरीजो की संस्थागत रजिस्ट्री

29. टीबीएम के गहन चरण में चिकित्सा के साथ जोड़ने के रूप में लाइनज़ोलिड। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

30. संसाधन सीमित सेटिंग्स में आघात के शीघ्र निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल: पायलट अध्ययन: आईआईटी दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना (डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)

31. आघात के उपप्रकारों में माइक्रो-एम्बोलिक सिग्नल मॉनिटरिंग: 58 अध्ययनों की एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण

32. मिशन थ्रोम्बेक्टोमी 2020 (एमटी 2020 ऐप) अध्ययन।

33. एक्यूथट इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगी में एन-एसिटाइल सिस्टीन। यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

34. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग की गैर गतिभंग अभिव्यक्तियाँ

35. ट्रांसक्रानियल डॉ.पलर (टीसीडी) का उपयोग कर एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक (एआईएस) वाले रोगियों में रक्तस्रावी रूपांतरण की घटना - एक संभावित, प्रेक्षणमूलक अध्ययन

36. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोबायोलॉजी: बायोमार्कर और आनुवंशिक सिग्नेचर्स।

37. 50 वर्ष और उससे अधिक उम्र के समुदाय में रहने वाले लोगों के बीच सेरेब्रल माइक्रोब्लीड्स की व्यापकता और निर्धारक: जनसंख्या आधारित प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन।

38. 50 वर्ष और उससे अधिक की आयु वाले वयस्कों में मस्तिष्क एमआरआई पर आकस्मिक निष्कर्षों की व्यापकता: जनसंख्या-आधारित प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन।

39. इंट्राक्रैनियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवीटायरासेटम के साथ स्ट्रोक के बाद के दौरे की रोकथाम: एक याद्दच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण (डीएचआर द्वारा वित्त पोषण के लिए स्वीकृत)
40. स्नाणयु संबंधी दुर्विकास वाले रोगियों में ओरल प्रेडनिसोलोन का याद्दच्छिक परीक्षण
41. टास्क स्पेस्फिक फोकल हैंड डायस्टोनिया में अवर पार्श्विका लोब्यूल के लिए दोहरावदार ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना: एक याद्दच्छिक, क्रॉस ओवर, ब्लेंकडेड परिणाम वाला मूल्यांकन अध्ययन
42. न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर के पैथोफिज़ियोलॉजी में माइक्रोआरएनए की भूमिका: स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग टाइप 2 (एससीए 2)
43. पार्किंसंस रोग में सामाजिक उपलब्धि
44. ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी (ओसीटी-ए) के बीच सहसंबंध का निर्धारण करने के लिए 3 से 6 सप्ताह में परिवर्तन और एक्सट्राक्रानियल इंटरनल कैरोटिड आर्टरी एथेरोस्क्लोरोटिक रोग (ईसीएडी) के कारण एक्यूतट इस्केमिक स्ट्रोक की शुरुआत के 3 महीने में कार्यात्मक परिणाम (संशोधित रैंकिन स्केल- एमआरएस)
45. उच्च-प्रवाह क्षमता वाले प्रोटिओमिक्स द्दष्टिकोण का उपयोग करके आघात के अंतर के लिए रक्त आधारित प्रोटीन बायोमार्कर के नैदानिक प्रदर्शन विशेषताओं का निर्धारण करना
46. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग में ट्रिपल रिपीट फ्लैंक्ड हैप्लोटाइप रीजन और माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम में कार्यात्मक आनुवंशिक तत्वों की पहचान करना
47. माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से फ्राइड्रेइच के गतिभंग (एफआरडीए) फेनोटाइप के आणविक सहसंबंध का अध्ययन करना
48. एक्यू ट इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाली वैसेल वॉल का चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. कोविड-19 के हल्के लक्षण-संबंधी अथवा बिना लक्षण वाले मामलों में न्यूरोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल (मस्तिष्क की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग) विशेषताओं और सूजन-संबंधी/ प्रोथ्रोम्बोटिक बायोमार्कर प्रवृत्तियों का आकलन
2. सहज आईसीएच के अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम के पूर्वानुमान की परिशुद्धता और सटीकता बढ़ाने के लिए बायोमार्कर: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन (सह अन्वेषक, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित)
3. इस्केमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के लिए नैदानिक और आनुवंशिक कारक।
4. जटिलताओं को कम करने और अस्पताल में भर्ती आघात के मरीजो के परिणामों में सुधार करने में देखभाल करने वालों के लिए शिक्षा की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए नैदानिक परीक्षण।
5. हाइपरट्रॉफिक पचाइमेनिन्जाइटिस में क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल और उपचार के परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन

6. मिर्गी के लिए प्राथमिक उपचार प्रदान करने वाले प्रशिक्षु चिकित्सकों की क्षमता का आकलन करने के लिए एक उपकरण का विकास और उपयोग
7. मिर्गी में प्राथमिक उपचार प्रदान करने वाले प्रशिक्षु चिकित्सकों की क्षमता का आकलन करने के लिए एक उपकरण का विकास और उपयोग
8. आघात के बाद घबराहट में फ्लुओक्सेटीन की प्रभावकारिता का अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. सामान्यीकृत मिर्गी में अंतःस्रावी सामान्यीकृत स्पाइक और तरंग निर्वहन का पता लगाने में 8-चैनल ईईजी की उपयोगिता - एक नैदानिक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. "पार्किंसंस के रोग के 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन रैट मॉडल में संज्ञानात्मिक और मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक्स और दोहराव वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीर-रचना विज्ञान।
2. फार्माकोलॉजिकल की चिकित्सीय प्रभाव की निगरानी के लिए डिजिटल ईएलआईएसए डायग्नोस्टिक्स का विकास
3. पार्किंसंस के रोग में उतार-चढ़ाव वाले रोगियों में उपलब्धि और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरक का प्रभाव, शरीर-रचना विज्ञान।
4. एक्सोसोम आधारित नॉन-इनवेसिव (लार और मूत्र) तकनीक के विकास की पता लगाना, जैव-भौतिकी
5. भारतीय एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस का जीनोमिक और प्रोटिओमिक लक्षण वर्णन, आईआईटी दिल्ली
6. माइल्डल कॉग्निटिव इंपेयरमेंट (एमसीआई) मरीजो में ग्लूटाथियोन (जीएचएस) अनुपूरक का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एनबीआरसी
7. डोपामाइन में हस्तक्षेप पार्किंसंस के रोग और सिज़ोफ्रेनिया निर्धारित की गई अवस्थाएं, जैव-भौतिकी
8. दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच माइल्ड कॉग्निटिव इंपेयर्मेंट और संबंधित कारक, रवनीत कौर, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
9. थाइमेक्टोमी के बाद मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों के परिणाम, शल्य चिकित्सा। एम्स, दिल्ली

पूर्ण

1. इडीओपैथिक पार्किंसंस के रोग वाले रोगियों की मोटर और नॉन-मोटर विशेषताओं पर कोविड-19 महामारी के परिणामस्वरूप घरेलू कैद के प्रभाव और इससे जुड़े कारकों का आकलन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स ऋषिकेश
2. नोवेल टेंडेम न्यूक्लियोटाइड रिपीट्स एक्सभपैसन (टीएनआर) की पहचान और स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग रोगियों के जीनोम में टीएनआर अस्थिरता को नियंत्रित करने वाले कारक, सीएसआईआर-आईजीआईबी

3. मिर्गी और उनकी देखभाल करने लोगों में वर्चुअल अंतःक्रियात्मक मिर्गी की शिक्षा का प्रभाव: एक याहच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नर्सिंग विभाग
4. इंट्राक्रैनियल एथेरोस्क्लोरोटिक रोग इमेजिंग और परिणाम, तंत्रिका-विकिरण विज्ञान, एम्स, दिल्ली

प्रकाशन

तंत्रिका विज्ञान केंद्र

पत्रिकाएं: 137 सार: 14 पुस्तकों में अध्याय: 4

तंत्रिका शल्यचिकित्सा

पत्रिकाएं: 142 पुस्तकों में अध्याय: 28

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका-विकिरण विज्ञान

पत्रिकाएं: 26 पुस्तकों में अध्याय: 1 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

तंत्रिका संवेदनाहरण

पत्रिकाएं: 59 सार: 1 पुस्तकों में अध्याय: 9 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 7

नैदानिक तंत्रिका-मनोचिकित्सा विज्ञान

पत्रिकाएं: 1 पुस्तकों में अध्याय: 1

तंत्रिका विकृति विज्ञान

पत्रिकाएं: 30

रोगी उपचार

विशेष क्लिनिक

1. स्ट्रोक क्लिनिक
2. एमएस, डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर और न्यूरोइम्यूनोलॉजी क्लिनिक
3. मूवमेंट डिसऑर्डर और डीबीएस क्लिनिक
4. बोटुलिनम टॉक्सिन क्लिनिक
5. न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर क्लिनिक
6. इंट्रेक्टेबल मिर्गी क्लिनिक
7. न्यूरो-इंफेक्शिन क्लिनिक
8. हेडैक क्लिनिक
9. अटैक्सिया क्लिनिक
10. स्लीपन क्लिनिक
11. कोविड के रोगियों और घरेलू उपचार संबंधी सलाह के लिए टेलीफोन हेल्पलाइन।

विशेष प्रयोगशाला की सुविधा

तंत्रिका जैव विज्ञान प्रयोगशाला

ट्रेमर का विश्लेषण

तंत्रिका शल्य चिकित्सा के साथ न्यूरोवस्कुलर मामलों में डायग्नोस्टिक डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए)

सामुदायिक सेवाएं / शिविर

लाइफलाइन एक्सप्रेस पर निम्न स्थानों पर मिर्गी के क्लीनिक में रोगियों ने संपर्क किया:

बेलोनिया, त्रिपुरा 11-13 सितंबर 2020

बदरपुर, असम 8-10 जनवरी 2021

बाजपट्टी, सीतामढ़ी, बिहार 26-28 फरवरी 2021

बलांगीर, उड़ीसा 27 मार्च, बेलोनिया, त्रिपुरा 11-13 सितंबर 2020

विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के लिए डीडी न्यूज, आरएसटीवी और डीडी नेशनल पर जागरूकता कार्यक्रम

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

छात्रों/प्रशिक्षुओं द्वारा जीते गए पुरस्कार

- डीएनएकॉन 2021 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (गोमती सरन्या, सिरिपुरपु गोविंदा, दास अनिमेष, श्रीवास्तव अचल, राधाकृष्णन दिव्या*। इडियोपैथिक हाइपोपैरथायरायडिज्म नई शुरुआत दुर्दम्य स्थिति एपिलेप्टिकस के रूप में पेश करता है। डीएनएकॉन 2021)
- पीएच.डी. छात्र, आनंदपद्मनाभन आर-अमूर्त प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार- डीएनएकॉन 2021
- डीएनएकॉन 2021 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
- डीएनएकॉन 2021 में तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
- डीएनएकॉन 2021 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार में तीसरा पुरस्कार
- वर्चुअल एग्रीम तंत्रिका विज्ञान अपडेट (वीएएनयू) 2020 के मध्य प्रथम पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

प्रोफेसर एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के चुनी हुई फ़ेलो थी; पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के संस्थान निकाय के सदस्य: जनवरी 2020 से; एम्स, रायबरेली के संस्थान निकाय की सदस्य: जनवरी 2020 से; एम्स, रायबरेली के संस्थान निकाय की सदस्य: जनवरी 2020 से; एम्स, रायबरेली की शासी निकाय के सदस्य: जनवरी 2020 से; जनवरी 2020 से पंजाब सरकार के अधीन अम्बेडकर आयुर्विज्ञान संस्थान की शासी निकाय की सदस्य; एसईसी के सदस्यय, डीजीएचएस, भारत सरकार; डीएचआर के लिए बाहरी विशेषज्ञ, भारत सरकार; सदस्य, टास्क फोर्स, सत्यम, डीएसटी, भारत सरकार; आईसीएमआर के अंतर्गत' पूर्वोत्तर के लिए एमएसयू के लिए टास्क फोर्स की सदस्य; नवंबर 2020 में आयोजित ईएसओ-डब्ल्यूएसओ के लिए वैज्ञानिक समिति की सदस्य थी।

प्रोफेसर मंजरी त्रिपाठी ने इंटरनेशनल ईईजी वर्कशॉप, एपिलेप्सी सर्जरी वर्कशॉप और वीईईजी वर्कशॉप का आयोजन किया

प्रोफेसर अचल श्रीवास्तव ने लंदन के रॉयल कॉलेज (एफआरसीपी) की फेलोशिप प्राप्त की; एनल्स ऑफ इंडियन ऑफ न्यूरोलॉजी के सह-संपादक; एनल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर के सह-संपादक; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के कार्यकारी समिति के सदस्य; कार्यकारी समिति के सदस्य न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया; भारत के मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी के कार्यकारी समिति की सदस्य; कार्यकारी समिति के सदस्य दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन; संस्थापक सदस्य एवं हॉनी। तंत्रिका स्नायु सोसाइटी के कोषाध्यक्ष; संस्थापक सदस्य एवं माननीय कोषाध्यक्ष, भारतीय न्यूरोमॉड्यूलेशन सोसायटी; इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान के मूवमेंट डिसऑर्डर सबसेक्शमन के अध्यक्ष; विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा अनुसंधान इकाइयों की स्थापना के लिए स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग (डीएचआर) की तकनीकी मूल्यांकन समिति के सदस्य; सीटी में एसएई के लिए एम्स एथिक्स उपसमिति के सदस्य; पीएचडी छात्रों और शिक्षकों की शिकायतों को दूर करने के लिए समिति के सदस्य; एसजीपीजीआई, लखनऊ में तंत्रिका विज्ञान विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य; थीसिस मूल्यांकन एमडी मेडिसिन और डीएम तंत्रिका विज्ञान - गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय, दिल्ली; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; केजीएमयू, लखनऊ; एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु; महामारी के मध्य एम्स के ईएचएस के लिए कोविड केयर टीम के अध्यक्ष; 17 जनवरी 2021 को आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान - मूवमेंट डिसऑर्डर सबसेक्शन वेबिनार के आयोजन के अध्यक्ष; मांसपेशियों की कमजोरी का मध्यम संक्षिप्त इतिहास - एम्स पीजीआई तंत्रिका विज्ञान अपडेट (एपीएनयू) में केस आधारित समूह चर्चा एवं प्रथम भारतीय दुर्लभ गति विकार संगोष्ठी में संचालक थे।

प्रोफेसर रोहित भाटिया इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। मार्च 2020-मार्च 2021 तक संयोजक। ऑटोइम्यून सबसेक्शन, इंडियन एकेडमी तंत्रिका विज्ञान। अविरत; सह-संपादक। स्ट्रोक मेडिसिन के जर्नल; भारतीय स्ट्रोक एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य मार्च 2021 से अविरत; 17-19 मार्च 2021 तक वर्चुअल इंडियन नेशनल स्ट्रोक सम्मेलन में अध्यक्षीय भाषण, बैंगलोर भारत; आईएएन ट्रॉपिकल तंत्रिका विज्ञान सम्मेलन 2021- पैनल चर्चा। 28 मार्च 2021 को वर्चुअल बैठक, लुधियाना, भारत; अध्यक्ष: 23-29 नवंबर 2020 को एपीएनयू, नई दिल्ली में डिबेट; स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए नैतिकता उपसमिति के सदस्य। एम्स। नई दिल्ली; फरवरी 2021 को यूपीएससी चिकित्सा अधिकारियों के चयन के लिए आमंत्रित सलाहकार; अकादमिक परिषद के सदस्य। बाबा फरीद विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य विज्ञान। फरीदकोट, पंजाब; एमडी थीसिस मूल्यांकन: पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, डीएम थीसिस मूल्यांकन: पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, पीएचडी थीसिस मूल्यांकन: पीजीआईएमईआर चंडीगढ़।

प्रोफेसर ममता भूषण सिंह ने एशियन एंड ओशियन एपिलेप्सी कांग्रेस (एओईसी) में अपने काम के शीर्षक के लिए जैस्मीन परिहार द्वारा विशेष छात्रवृत्ति प्राप्त की थी: मिर्गी में नॉन-कंट्रास्ट सीटी स्कैन की संवेदनशीलता - एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन; अमेरिकन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान; अंतर्राष्ट्रीय उपसमिति (सदस्य) 24 अप्रैल 2021-28 अप्रैल 2023; गुणवत्ता समिति (सदस्य - केवल वर्चुअल) 24 अप्रैल 2021-28 अप्रैल 2023; अंतर्राष्ट्रीय उपसमिति (सदस्य)11 मई 2019-22 अप्रैल 2021; भारतीय दात्र कोशिका रोग में सेरेब्रोवास्कुलर हेमोडायनामिक्स की प्रोफाइल की थीसिस का

मूल्यांकन किया - डीएनबी तंत्रिका विज्ञान; तृतीयक चिकित्सा केंद्र में सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रॉम्बोसिस के उपचार के अभ्यास पैटर्न का अध्ययन - डीएनबी तंत्रिका विज्ञान।

डॉ. दीप्ति विभा अध्यक्ष: स्ट्रोक फेलोशिप कार्यक्रम (तंत्रिका विज्ञान के अंतर्गत') और अनुसंधान में मूल प्राध्यापक; कार्यप्रणाली और साक्ष्य-आधारित दवा (सीएमईटीआई के अंतर्गत'); डीएसटी और डीएचआर में फॉरेक्सयट्रैमुरल के लिए विशेषज्ञ समीक्षक; एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति की सदस्य; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए एमडी (मेडिसिन) थीसिस पर शोध निबंध के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट; सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ सदस्य; 9 अक्टूबर 2020 को वर्चुअल एग्रीम तंत्रिका विज्ञान अपडेट में न्यूरोइम्यूनोलॉजी पर सत्र का संचालन किया; तंत्रिका विज्ञान, भारत के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, न्यूरोलॉजी इंडिया, बीएमजे केस रिपोर्ट, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मेडिकल रिसर्च, न्यूरोक्रिटिकल केयर।

डॉ. विष्णु वी.वाई. ने स्प्लिट-साइट आईसीजीएनएमडी एमआरसी न्यूरोमस्कुलर जीनोमिक मेडिसिन इंटरनेशनल फैलोशिप शुरू किया गया था; विश्व स्ट्रोक संगठन द्वारा आयोजित "विश्व स्ट्रोक संगठन फ्यूचर लीडर्स प्रोग्राम" के लिए चुने गएं; यूसीएल में अब तक के पहले ऑनलाइन गोवर के लेक्चठर में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया गया; पत्रिकाओं के लिए सहकर्मी समीक्षक: बीएमजे, स्ट्रोक, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजिकल साइंसेज; तंत्रिका विज्ञान से टेली-मेडिसिन सेवाओं के लिए नोडल अधिकारी और न्यूरोसाइंसेज सेंटर में गुणवत्ता मूल्यांकन बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ. रूपा राजन इंटरनेशनल पार्किंसन एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी टास्क फोर्स की उपाध्यक्ष थीं: मैनेजमेंट ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर- इंटीग्रेटेड एंड इंटरडिसिप्लिनरी केयर; संचालन समिति की सदस्य, एमडीएस यंग मेंबर ग्रुप; एमडीएस नेटवर्किंग और एंगेजमेंट सीरीज़ में यंग मेंबर्स ग्रुप के लिए संकाय प्रशिक्षक।

डॉ. अवध किशोर पंडित ने आईची मेडिकल यूनिवर्सिटी, आइची, जापान में न्यूरोलॉजिकल विकारों में विशेष रूप से स्ट्रोक उपचार के लिए न्यूरो-एंडोवास्कुलर थेरेपी में फेलोशिप सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। इसफेलोशिप को आइची मेडिकल यूनिवर्सिटी, आइची, जापान (जनवरी 2020 से जून 2020) द्वारा वित्तपोषित था।

डॉ. राजेश कुमार सिंह गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं के लिए तंत्रिका विज्ञान, एम्स की टीम के सदस्य थे; एनएस केंद्र, सीएन केंद्र, एम्स में फायर ड्रिल और अन्य सुरक्षा उपायों के समन्वय के लिए नोडल अधिकारी; जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया में सहायक संपादक।

डॉ. अनु गुप्ता तंत्रिका विज्ञान से अस्पताल संक्रमण नियंत्रण के लिए नोडल अधिकारी थीं; अग्रलिखित पत्रिकाओं के लिए सहकर्मी समीक्षक: जर्नल ऑफ न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी, यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी इंडिया एंड एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी ।

डॉ. इलावरसी इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के सहायक संपादक थे; घटना की जांच करना: न्यूरो-यूनोइया- एक तंत्रिका विज्ञान संबंधी मामला; प्रश्नोत्तरी के लिए संचालक: दिल्ली न्यूरोलॉजिक एसोसिएशन;

संचालक: प्रश्नोत्तरी: शोध प्रश्न तैयार करना, मेटा-विश्लेषण को डिकोड करना; अनुसंधान और शिक्षा; सोसाइटी ऑफ मेडिकल ऑन्कोलॉजी, 12 दिसंबर 2020, नई दिल्ली, 7 फरवरी 2021, वर्चुअल;

अग्रलिखित पत्रिकाओं के लिए सहकर्मी समीक्षक: जर्नल ऑफ़ न्यूरो-एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, ब्रिटिश मेडिकल जर्नल; केस रिपोर्ट, सऊदी जर्नल ऑफ मेडिसिन, सऊदी जर्नल ऑफ किडनी डिजीज एंड ट्रांसप्लांटेशन, एनल्स ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, एसएन कॉम्प्रिहेंसिव क्लिनिकल मेडिसिन, तंत्रिका विज्ञान इंडिया, रेडियोलॉजी ऑफ इंफेक्शियस डिजीज।

डॉ. आयुष अग्रवाल जर्नल ऑफ़ न्यूरोइम्यूनोलॉजी, बीएमजे मामले की रिपोर्ट के समीक्षक थे, जर्नल ऑफ क्लिनिकल रुमेटोलॉजी, एनल्स ऑफ इंडियन एकडमी ऑफ न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोलॉजिकल साइंसेज; दिसंबर 2020 में डीएनबी (तंत्रिका विज्ञान) परीक्षा में सफल हुए।

विशिष्टताएं

तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग ने वर्ष 2020-2021 के दौरान रोगी की उपचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण में उत्तम प्रदर्शन करना जारी रखा है। इस वर्ष के दौरान कोविड ने कुछ अनूठी चुनौतियां पेश की हैं और हमारा विभाग इन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। हमने टेली-ओपीडी सेवा तब शुरू की जब पूरी तरह से लॉकडाउन था। हमने कोविड के कारण लॉकडाउन अवधि के दौरान ट्रॉमा और नॉन ट्रॉमा दोनों आपातकालीन मामलों में निरंतर सेवाएं प्रदान करने के लिए अपनी कार्य प्रगति को भी संशोधित किया है। कोविड के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग ने कोविड पॉजिटिव रोगियों की सर्जरी सहित कुल 1543 सर्जरी की। गामानाइफ सेवाएं कोविड के दौरान जारी रहीं और जीकेआरएस के 789 मामले किए गए। रोगियों और उपचार प्रदाताओं दोनों के लिए कोविड के जोखिम को कम करने के लिए ऑपरेशन थिएटर और उपकरणों में विभिन्न तकनीकी संशोधन किए गए थे। लॉकडाउन के दौरान, हमारे विभाग ने अपनी शैक्षणिक और शिक्षण गतिविधियों को जारी रखा है और एमसीएच छात्रों और साथियों को पढ़ाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को अपनाया। हमने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मंचों पर कई ऑनलाइन वेबिनार भी आयोजित किए। हमारा विभाग मई 2020 में ऑनलाइन एमसीएच एग्जिट परीक्षा आयोजित करने वाला पहला विभाग था। हमने इस अवधि के मध्य एमसीएच प्रवेश और फेलोशिप परीक्षा भी आयोजित की। हमने मार्च 2021 से कोविड के कारण उत्पन्न बाधाओं के बावजूद भौतिक स्वरूप में 23वीं वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की। इस वर्ष की माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला भी विशेष रूप से अच्छी भागीदारी के साथ एक बड़ी सफलता थी और इसकी वैज्ञानिक सामग्री के साथ-साथ इसकी सावधानीपूर्वक योजना और संगठन के लिए बहुत सराहना की गई थी। शोध में पीछे न रहते हुए, हमारे विभाग ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 186 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

शिक्षा

उन्नतिशील प्रशिक्षण कार्यक्रम -विभाग निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में सहायक रहा:

आशीष सूरी

संयोजक: तंत्रिका शल्यचिकित्सा अनुकरण आधारित अल्पावधि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम: तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा (एनएसटीएफ) और तंत्रिका शल्यचिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण स्कूल (एनईटीएस)

1. अनुकरण आधारित तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सत्र : 391
2. शव-आधारित स्कल बेस विच्छेदन: कोविड-19 महामारी के कारण कोई सत्र नहीं
3. अनुकरण-आधारित अल्पावधि तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण = 1
   क. 4 सप्ताह का अल्पावधि प्रशिक्षण = 0
   ख. 2 सप्ताह का अल्पावधि प्रशिक्षण = 1
4. एनईटीएस सप्ताहहांत कार्यशाला (रेजिडेंट्स की संख्या)= कार्यशाला की संख्या = 4; प्रशिक्षुओं की संख्या = 59
   क. माइक्रोसुचरिंग = संख्या = 2; प्रशिक्षु = 29)
   ख. बेसिक ड्रिलिंग = संख्या = 2; प्रशिक्षु = 30)
5. राष्ट्रीय कार्यशाला:
   22वीं माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला 2020, नई दिल्ली = कुल प्रतिनिधि 62
   23वीं माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला 2021, नई दिल्ली = कुल प्रतिनिधि 35
   तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण में ई-लर्निंग
   सर्जिकल का वीडियो = 1,47,462 बार देखा गया (1349 सदस्य)
   वेबसाइट देखी गई = 8706 देखी गई
   चर्चा मंच = 42 लाइक्स (कुल लाइक्स = 8754)

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

सभी वर्चुअल कॉन्फ्रेंस थीं।

1. तेईसवीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला: 18-20 मार्च 2021
2. स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर क्लासेस: 31 अक्टूबर 2020
3. स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर क्लासेस: 21 नवम्बबर 2020
4. स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर क्लासेस: 26 दिसम्बरर 2020
5. स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर क्लासेस: 16 जनवरी 2021
6. स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर क्लासेस: 6 फरवरी 2021
7. डीएनएकॉन 2021: 5-7 फरवरी 2021

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

एस.एस. काले

1. अपक्षयी रीढ़ की हड्डी के रोग का मामला, स्पाइन सर्जरी में मास्टरक्लास, 31 अक्टूबर 2020, वर्चुअल
2. थोरैसिक डिस्क प्रोलैप्स, स्पाइन सर्जरी में मास्टर क्लास, 21 नवंबर 2020, वर्चुअल

3. स्पाइन ट्यूमर, स्पाइन सर्जरी में मास्टर क्लास, 26 दिसंबर 2020, वर्चुअल
4. रीढ़ की हड्डी में दोहरी चोट का एक मामला (संचालक), स्पाइन सर्जरी में मास्टर क्लास, 16 जनवरी 2021, वर्चुअल
5. 'चिन ऑन चेस्ट डिफॉर्मिटी' का एक मामला, स्पाइन सर्जरी में मास्टर क्लास, 6 फरवरी 2021, वर्चुअल
6. सर्वाइकल स्पाइन के बायोमैकेनिक्स, 23वीं वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 18-20 मार्च 2021, वर्चुअल

पी. शरत चंद्र

1. व्यापक सर्जरी की ऑनलाइन पाठ्यक्रम श्रृंखला II, इंडियन एपिलेप्सीक सोसाइटी, एपलेप्सी सर्जरी वेबिनार, 21 जून 2020, वर्चुअल
2. टीएलई सिंड्रोम में एपिलेप्सीज सर्जरी, प्रीसर्जिकल मूल्यांकन, केस स्टडी, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी, एपिलेप्सी सर्जरी वेबिनार, 19 जुलाई 2020, वर्चुअल
3. बच्चों में एपिलेप्सी सर्जरी और सेमोलॉजी, केस स्टडी, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी, एपिलेप्सी सर्जरी वेबिनार, 17 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

आशीष सूरी

1. जटिल और विशाल इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म की सर्जरी, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, बांग्लादेश शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी, बीएसएमएमयू, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित वार्तालाप के लिए आमंत्रित किया गया, 18 सितंबर 2020, ढाका, बांग्लादेश / ऑनलाइन
2. इंट्राक्रैनियल एन्यूरिज्म में बाईपास, सेरेब्रोवास्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया पर वर्चुअल बैठक - वर्चुअल न्यूरोवास्कॉन-2020, 3-4 अक्टूबर 2020, बैंगलोर / ऑनलाइन
3. कोविड-19 काल में तंत्रिका शल्यचिकित्सा के लिए तैयारी और दिशानिर्देश: टर्शीएरी केयर रेफरल हॉस्पिटल से भारतीय परिप्रेक्ष्य, न्यूरोसर्जिकल फोकस द्वारा आयोजित वार्तालाप के लिए आमंत्रित किया गया: इंटरैक्टिव जेएनएसपीजी जर्नल क्लब, यूएसए, 4 जनवरी 2021, यूएसए / ऑनलाइन
4. पेट्रोक्लाइवल मेनिंगियोमा की सर्जरी, बांग्लादेश शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित वार्तालाप के लिए आमंत्रित किया गया, 20 जनवरी 2021, ढाका, बांग्लादेश/ऑनलाइन
5. स्कदल बेस के लिए एंडोनासल दृष्टिकोण के लिए एंडोस्कोपी बनाम माइक्रोस्कोपी। डब्यूलाद एफएनएस न्यूरोएंडोक्राइन सोसाइटी द्वारा आयोजित वर्चुअल डब्यूड एफएनएस न्यूरोएंडोक्राइन संगोष्ठी, 31 जनवरी 2021, मुंबई / ऑनलाइन
6. इंट्राक्रैनियल एन्यूरिज्म में बाईपास, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनएकॉन-2021) का 23 वां वार्षिक सम्मेलन, 7 फरवरी 2021, नई दिल्ली / ऑनलाइन
7. स्कल बेस के लिए विस्तारित एंडोनासल दृष्टिकोण, एनईएसआई वेबिनार श्रृंखला VII शेड्यूल, न्यूरोएंडोस्कोपिक सोसाइटी ऑफ इंडिया, 14 फरवरी, 2021, मुंबई / ऑनलाइन
8. नवाचार, इनक्यूबेशन और पेटिंट पर एनएसआई वेबिनार, न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनएसआई), 6 मार्च, 2021, लखनऊ / ऑनलाइन

विवेक टंडन

1. कोविड की चुनौतियां और समाधान, डीएनएकॉन 2021, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
2. तंत्रिका शल्यचिकित्सा में यूएसजी का उपयोग, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली
3. सी1-सी2 स्क्रू, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली
4. कई मामलों पर चर्चा, तर्क-वितर्क, दल की चर्चा, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा वर्कशॉप, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली
5. स्पाइन सर्जरी पर एनएसआई मास्टरक्लास- स्पाइन की दोहरी चोटों के मामले पर प्रस्तुत किया गया, स्पाइन सर्जरी में मास्टरक्लास- एनएसआई, 16 जनवरी 2021, ऑनलाइ
6. स्पाइन सर्जरी पर एनएसआई मास्टरक्लास- 'चिन ऑन चेस्ट डिफॉर्मिटी' के मामले पर प्रस्तुत किया गया, स्पाइन सर्जरी में मास्टरक्लास- एनएसआई, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
7. एलोक्वेंट कॉर्टेक्स से जुड़े लो ग्रेड ग्लियोमा में सर्जरी: डिबेट, दिल्ली- न्यूरो-ऑन्कोलॉजी फोरम वेबिनार, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
8. ईएमएफ-झूठी बातों और सच्चा ई पर बातचीत, दूरसंचार विभाग के सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम के लिए - 24, 25 और 30 मार्च को क्रमशः मुंबई, असम और गुजरात के लिए, 24, 25 और 30 मार्च 2021, ऑनलाइन

सचिन ए बोरकर

1. तर्क-वितर्क- चियारी विकृति (विशेषज्ञ) में विघटन बनाम स्थिरीकरण, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18-20 मार्च 2021, दिल्ली
2. वीडियो- पैरासैगिटल मेनिंगियोमा-क्रियाशील बारीकियों, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18-20 मार्च 2021, दिल्ली
3. बच्चों की रीढ़ की हड्डी में विकृति- सरवाइकल क्यफोसिस के साथ ओएस ओडोन्टोइडम, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस एएसएसआईसीओएन वर्चुअल-2021, 29-31 जनवरी 2021, ऑनलाइन
4. सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी: नए परिप्रेक्ष्य, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक-2021, 7 फरवरी 2021, ऑनलाइन
5. विकृति का मामला (संचालक), स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर-क्लास, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
6. दोहरी रीढ़ की हड्डी में चोट का मामला (संचालक), स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर-क्लास, 16 जनवरी 2021, ऑनलाइन
7. जटिलता मामला (संचालक), स्पाइन सर्जरी में एनएसआई मास्टर-क्लास, 26 दिसम्बर 2020, ऑनलाइन
8. वर्टेब्रल हेमांगीओमा केस (प्रस्तुतकर्ता), सुपर स्पेशलिटी कोर्स (एनएसआई-सीएनएस) न्यूरोवास्कुलर सर्जरी में विवाद, 9 दिसंबर 2020, ऑनलाइन

9. सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी तकनीक, एओ स्पाइन सर्जिकल वीडियो डिस्कशन एडवांस्ड वेबिनार-सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी और लेटरल मास एंड सी1-2, 6 दिसंबर 2020, ऑनलाइन
10. ट्यूमर का मामला (प्रस्तुतकर्ता), स्पाइनसर्जरी में एनएसआई मास्टर-क्लास, 21 नवंबर 2020, ऑनलाइन
11. अपक्षयी मामला (प्रस्तुतकर्ता), स्पाइनसर्जरी में एनएसआई मास्टर-क्लास, 31 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
12. इंटरएक्टिव केस डिस्कशन- एन्यूरिज्मल बोन सिस्ट ऑफ स्पाइन एंड पोस्ट-लैमिनेक्टॉमी सर्वाइकल किफोसिस, पुणे स्पाइन वीकेंड, 31 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
13. डायनेमिक एक्सटेंशन रिजर्व (डीईआर) और टी1 स्लोप (टी1एस) सर्वाइकल लैमिनोप्लास्टी के बाद सर्वाइकल लॉर्डोसिस के नुकसान का पूर्वानुमान करते हैं, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस एएसएसआईसीओएन वर्चुअल-2020, 18-20 सितंबर 2020, ऑनलाइन
14. प्रस्तुतकर्ता और संचालक, कोविड काल में एम्स सर्जिकल की कार्य प्रगति - सीखे गए सबक, 14 अगस्त 2020, ऑनलाइन
15. एएडी और कॉम्प्लेक्स सीवीजे विसंगतियाँ: प्रबंधन की सलाह और योजना, एओ स्पाइन हैंगआउट-मामले पर आधारित चर्चा के लिए वेबिनार, 28 मई 2020,ऑनलाइन

हितेश कुमार

1. रीढ़ के ट्यूमर के लिए 8 साल से कम उम्र के बच्चों में थोरैसिक पेडिकल स्क्रू, वर्चुअल डीएनएकॉन 2021, 5 फरवरी 2021, ऑनलाइन
2. सी1सी2 के स्थिरीकरण की तकनीक, माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18-20 मार्च 2021, नई दिल्ली

शाश्वत मिश्रा

वर्तमान काल में दोहरी प्रशिक्षित (सर्जरी और एंडोवास्कुलर) सेरेब्रोवास्कुलर न्यूरोसर्जन के महत्व पर पनैल चर्चा, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन 2021, 5 फरवरी 2021, दिल्ली/ऑनलाइन

डॉ. श्वेता केडिया

1. स्टीरियोटैक्टिक योजना और बायोप्सी, 23वीं एम्स माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा "लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप", 18 मार्च 2021, दिल्ली, भारत
2. बाल चिकित्सा टीबीआई के उपचार में अग्रिम, डीएनए का 23 वां वार्षिक सम्मेलन, 7 फरवरी 2021, दिल्ली, भारत
3. चिकित्सकों, नर्सों और स्वास्थ्य चिकित्सा प्रदान करने वाले विशेषज्ञों द्वारा पीपीई का उपयोग
4. और रोगज़नक़ से संबंधित जोखिम नियंत्रण का परिचयन करते हुए उचित रोगी की देखभाल और रोगी परीक्षण और निदान चरणों को सक्षम करने के लिए वांछित सुविधाएँ, राष्ट्रीय नीति कार्यशाला "प्लास्टिक की खपत, नवाचार, लौजिस्टिक्स और अपशिष्ट उत्पादन (पीपीई और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं से अपशिष्ट सहित) और संबंधित चुनौतियों पर कोविड-19 का प्रभाव", 20 मई 2020, दिल्ली

दत्ताराज सावरकर

1. एंटिरीअर ओडोन्टोइड स्क्रू का स्थिरीकरण निर्धारण, डीएनएकॉन 2020, 06/02/2021, ऑनलाइन, दिल्ली

मनोज फलक

1. सरवाइकल डिस्क का प्रतिस्थापन - मैं यह कैसे करूं, डीएनएकॉन 2021, 7 फरवरी 2021, दिल्ली, भारत
2. ट्रॉमा में सिर और रीढ़ की हड्डी में चोटों का प्रबंधन, डीएनएकॉन 2021- नर्सिंग संगोष्ठी, 7 फरवरी 2021, दिल्ली
3. स्पाइनल ड्यूरल एवीएफ- सर्जिकल की बारीकियां, एम्स माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा वर्कशॉप 2021, 19 मार्च 2021, दिल्ली

रमेश एस डोड्डामणि

1. टेम्पोरल लोब एपिलेप्सील के प्रबंधन में मिनिटेम्पोरल क्रैनियोटॉमी, डीएनएकॉन 2020, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन, दिल्ली
2. ड्रग रेफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी का जटिल मामला: मूल्यांकन और प्रबंधन, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी वेबिनार श्रृंखला 2020, जून 2020, ऑनलाइन

कंवलजीत गर्ग

1. एमआईएस टीएलआईएफ बनाम ओपन टीएलआईएफ, साहित्य क्या दर्शाता है, वार्षिक दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस, 20 फरवरी 2021, ऑनलाइन
2. क्या निम्न श्रेणी के ग्लियोमास में शुरुआती नाइफ की वास्तव में आवश्यकता होती है? - अर्ली सर्जरी विरुद्ध, दिल्ली- न्यूरो-ऑन्कोलॉजी फोरम वेबिनार, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
3. डिस्टोनिया के लिए पैलिडोटॉमी, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की मासिक बैठक, 6 मार्च 2021, ऑनलाइन

अमोल रहेजा

1. प्रो. विलियम टी. कोल्डवेल द्वारा संचालित वेबिनार व्याख्यान "विशाल ट्राइजेमिनल श्वानोमा की सर्जरी को सरल बनाना", ऑपरेटिव तंत्रिका शल्यचिकित्सा मास्टरक्लास, 18 जुलाई 2020, ऑनलाइन
2. रूचिकर न्यूरो-ऑन्कोलॉजी मामले पर चर्चा पर संचालित सत्र डीएनएकॉन 2021, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन
3. माइक्रोवैस्कुलर घाव में टाँका लगाना - तकनीकी पर्ल्सि और ऑपरेटिव की बारीकियां, हाइब्रिड माइक्रो तंत्रिका शल्यचिकित्सा सम्मेलन 2021, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली

राजेश मीणा

1. स्पाइनल ट्यूबरकुलोसिस के निदान में मल्टीप्लेक्स पीसीआर की भूमिका, सर्वाइकल स्पाइन रीजनल सोसाइटी - एशिया पैसिफिक, 7 मार्च 2021, ऑनलाइन, कोरिया

शांतनु कुमार बोरा

1. हाई स्पीड ड्रिलिंग: यह न्यूरोसर्जिकल प्रैक्टिस में आवश्य2क है, 23वीं एम्स माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा वर्कशॉप 18 मार्च 2021, नई दिल्ली
2. कोविड काल के मध्य तंत्रिका शल्यचिकित्सा: तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, दिल्लीर का परीक्षण और अनुभव, न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की मासिक बैठक, 5 मार्च 2021, नई दिल्ली

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:

1. मिश्रा एस, ट्रांसकैवर्नस तक पहुंच में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा : अर्कांसस न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट, लिटिल रॉक, एआर, यूएसए द्वारा आयोजित कैवर्नस साइनस सर्जरी पर ऑनलाइन वेबिनार, 1 अगस्त 2020, ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस / लिटिल रॉक, यूएसए
2. मिश्रा एस, काले एस एस, ट्यूबरकुलम सेले मेनिंगियोमा: दृष्टि सुरक्षित रखना, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन 2021 का वार्षिक सम्मेलन, 6 फरवरी 2021, ऑनलाइन सम्मेलन /
3. रहेजा ए, अग्रवाल एन, महापात्र एस, टंडन वी, बोरकर एसए, चंद्र पीएस, काले एसएस, सूरी ए, कोविड-19 काल में परीक्षण करने और गम्भीर रोगियों को पहले चिकित्सा देने की विधि के लिए न्यूरोसर्जिकल प्रोटोकॉल, डीएनएकॉन 2021, 5 फरवरी 2021, ऑनलाइन
4. रहेजा ए, श्रीनिवासन एस, सूरी ए, सिंह एम, मिश्रा एस, लक्षणात्मक मोयामोया रोग के लिए एसटीए एमसीए बायपास - 89 रिवैस्यु, एनलैराज़ेशंस से ज्ञान प्राप्ति किया, न्यूरोवास्कॉन 2020, 4 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
5. रहेजा ए, श्रीनिवासन एस, सूरी ए, सिंह एम, मिश्रा एस, लक्षणात्मक मोयामोया रोग के लिए एसटीए एमसीए बायपास - 89 रिवैस्युक्रीलैराज़ेशंस से ज्ञान प्राप्ता किया, 19वां ऑल रशियन साइंटिफिक प्रैक्टिकल तंत्रिका शल्यचिकित्सा कॉन्फ्रेंस पोलेनोव्स रीडिंग्स, 31 मार्च 2021, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस
6. शर्मा आर, एवीएम रिसेक्शन (पेपर), वर्चुअल डीएनएकॉन 2021, 7 फरवरी 2021, नई दिल्ली- ऑनलाइन
7. शर्मा आर, डोड्डामणि आर, सत्यार्थी जीडी, तंत्रिका शल्यचिकित्सा (पेपर) में अल्ट्रासोनिक सर्जिकल एस्पिरेटर, 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला, 18 मार्च 2021, नई दिल्ली
8. शर्मा आर. ओएससीई प्रश्न, एक्जामिनोलोन, ओएससीई का अनुकरण- एनएसआई और बीएएसएस द्वारा आयोजित तंत्रिका शल्यचिकित्सा - ऑनलाइन, 1 अगस्त 2020, ऑनलाइन

अनुसंधान

वित्तपोषित

जारी

1. बहुत बड़ी पिट्यूटरी एडेनोमास के उच्छेदन की सीमा को परिभाषित करने के लिए 3 डी वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण, डॉ. राजीव शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2021-2023, 10 लाख रुपये

2. एडीएपीटी, दीपक गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 5 साल, 2019-2025, रुपये 63,49,336

3. उन्नत मिर्गी का अनुसंधान: एक बहु-विषयक दृष्टिकोण, प्रो पी शरत चंद्र, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए), भारत सरकार, 3 साल, 2018-2021, 3,77,47,856 रुपये

4. एम्स + आईआईटी-डी अंतर्गर्भाशयी बहु-संस्थागत अनुदान मिनिमली इनवेसिव तंत्रिका शल्यचिकित्सा के लिए फ्रीडम रोबोटिक मैनिपुलेटर की कई डिग्री, प्रो. आशीष सूरी, एम्स + आईआईटी-डी, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये

5. एम्स-यूसीएल : मोयमोया रोग में सेरेब्रल ब्लड फ्लो के सहयोगात्मक अनुसंधान के अनुदान का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, आशीष सूरी, एम्स+ यूसीएल-लंदन, 1 वर्ष, 2020-2021, रु 5 लाख

6. सेंटर-टीबीआई, दीपक गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर ज़ीकेनहुइस एंटवर्पेन (यूजेडए), बेल्जियम, 2 साल, 2016-2021, 5000 अमरीकी डालर प्रति वर्ष 3.75 लाख रुपये

7. मिर्गी के लिए उत्कृष्टता केंद्र, चरण II, प्रो पी शरत चंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 3 साल, 2018-2021, रुपये 50,20,00,000.22

8. नवाचार और अनुवाद अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच, प्रो आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स+ आईआईटी-डी, 3 साल, 2018-2022, 657 लाख रुपये

9. क्रियात्मक माइक्रोस्कोप के अंतर्गत' सर्जरी के मध्य इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस को देखने और रिकॉर्ड करने के लिए इंट्रा-ऑपरेटिवली एक सस्ती, छोटी, कुशल और पोर्टेबल, टेबल माइक्रोस्कोप ऑब्जेक्टिव माउंटेड डिवाइस को डिजाइन करना और परीक्षण करना, शाश्वत मिश्रा, एम्स-आईआईटी-दिल्ली फैकल्टी इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च प्रोजेक्ट्स (2019-2020)), 2 साल, 2020-2022, रु10 लाख

10. एंडोस्कोपिक तंत्रिका शल्यचिकित्सा के क्षितिज का विस्तार: हमारे संस्थान की अति सूक्ष्म2 इनवेसिव तंत्रिका शल्यचिकित्सा के चिकित्सीय साधन के लिए पोस्टीरियर फोसा एंडोस्कोपिक दृष्टिकोण को पेश करने के लिए एक प्रारंभिक कदम के रूप में एक शव संबंधी अध्ययन। शांतनु कुमार बोरा, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली।, 1 वर्ष, 2020, रु 4.05 लाख

11. फेसेट ट्रोपिज्म और सर्वाइकल डिस्क हर्नियेशन - क्या कोई संबंध है? कंवलजीत गर्ग, एम्स (इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट), 2 साल, 2020-2021, 225000 रुपये

12. फोकल कॉर्टिकल डिसप्लेसिया में जीएबीए ए रिसेप्टर सबयूनिट्स ऑल्टरेशन की भूमिका की जांच करना, हितेश कुमार, एम्स, 2 साल, 2018-2020, 5 लाख

13. मस्तिष्क के ऊतकों की सामग्री विशेषता और पारस्परिक क्रिया आधार पर ऊतक-उपकरण को विकसित करना

14. आईएसी के क्रियात्मक प्रदर्शन की माइक्रोसर्जिकल तुलना हालांकि मध्य फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड श्रवण संरक्षण स्कपल बेस दृष्टिकोण - एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, एक्सटेंशन ग्रांटेड, 2018-2020, रु 5 लाख

15. न्यूरोसर्जिकल अनुकरण उपकरण, आशीष सूरी, स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + एप्लाइड मैकेनिक्स- आईआईटी-डी, 3, 2020-2023, रुपये 839 लाख
16. पैरॉक्सिस्मल की संवेदी गतिविधि और गंभीर टीबीआई में इसकी भूमिका, प्रो. दीपक अग्रवाल, एम्स, 2 साल, 2018-2021, रुपये 10
17. तंत्रिका शल्यचिकित्सा में फार लैटरल अप्रोचेज़ के वेरिएंट का मात्रात्मक विश्लेषण, राजेश मीणा, इंट्राम्यूरल, जारी है, 2016 से अभी तक जारी, रु. 4.75 लाख
18. रेस्यूसर एएसडीएच, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 3 साल, 2017-2021, उपभोग्य: 144 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी सीआरएफ पूरा करने की लागत: 213 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी रू 9.52
19. किन्यूरेनिक एसिड की भूमिका, एक ग्लूटामेट रिसेप्टर इंहिबिटर, मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी से जुड़े हाइपरएक्सिटेबिलिटी में, रमेश एस डोड्डमनी, डीबीटी भारत सरकार, जारी है, 2016-अभी तक जारी, 5 लाख
20. क्रेनीअल आर्टेरियो-वेनस विकृतियों के रोगियों में गामा नाइफ के बाद विकिरण प्रेरित परिवर्तनों के प्रबंधन में नैदानिक निर्णय लेने के लिए एक सहायक के रूप में सीरम वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर और एंडोस्टैटिन: ऑब्जर्वेशनल अध्य यन, श्वेता केडिया, एम्स, 2 साल, 2020-2022, रुपये 5 लाख
21. संचालन अनुसंधान तंत्रिका शल्यचिकित्सा कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों का समर्थन, प्रो आशीष सूरी, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स + आईआईटी-डी, 5 साल, 2016-2021, रुपये 99 लाख
22. टाटा इनोवेशन फेलोशिप अवार्ड 2015, आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 5 साल, 2016-2021, 45 लाख रुपये

पूर्ण

1. शवों में एंडोस्कोपिक मिनिमली इनवेसिव ओडोनटॉइड स्क्रू यौगिकीकरण का व्यवहार्यता अध्ययन, श्वेता केडिया, एओ स्पाइन, 2 साल, 2018-20, 6 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (डीबीटी-एसआरएफ) से जुड़ी हाइपरेन्क्विटिबिलिटी पर कियूरेनिक एसिड की भूमिका
2. दवा प्रतिरोधी मिर्गी के रोगियों में अंतःस्रावी एपिलेप्टिक डिस्चाएर्जेस का तुलनात्मक मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी स्रोत स्थानीयकरण और प्रसार की प्रभावकारिता
3. भारत के विभिन्न एम्स अस्पतालों में ट्रॉमैटिक सिर की चोट और रीढ़ की हड्डी की चोट का एक मरक-विज्ञान अध्ययन

4. क्रोनिक वेंटिलेटर पर निर्भर न्यूरोसर्जिकल रोगियों में होम मैकेनिकल वेंटिलेशन के लिए अस्पताल की सेटिंग में नकली घरेलू महौल की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
5. टीबीआई के लिए एक ऑटोमैटेड न्यूरोट्रामा रजिस्ट्री विकसित करने के लिए एक अध्ययन।
6. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में दौरे की शुरुआत के पूर्वानुमान के रूप में हृदय की गति में परिवर्तनशीलता: एक प्रेक्षणमूलक अध्ययन
7. पुरानी पीठ के निचले हिस्से में दर्द होने वाली महिलाओं में दर्द तंत्रिका विज्ञान शिक्षा और न्यूरोप्लास्टी स्पष्टीकरण आधारित थोरैसिक रीढ़ की हड्डी की गतिशीलता का प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
8. तंत्रिका शल्यचिकित्सा आईसीयू में व्यावसायिक स्लीप ट्रैकर्स का उपयोग करके बेहोश रोगियों में नींद की उपस्थिति का निर्धारण करने के लिए एक अध्ययन
9. सबकोर्टिकल लेसियन वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम में सर्जिकल तकनीक की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. भारतीय जनसंख्या में क्रानियोवर्टेब्रल जंक्शन का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन
11. विफल क्रानियोवर्टेब्रल जंक्शन निर्धारण तकनीकों का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण
12. क्रानियोवर्टेब्रल जंक्शनल इंसैटेबल्स में पोस्टीरियर ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रू की भूमिका
13. गामा नाइफोइडेमा के बाद की कमी में बिवासिज़ुमाब की भूमिका
14. विशाल इंट्राक्रैनील (>20सीसी) घावों के लिए गामा-चाकू
15. क्रानियोफेरीन्जिओमास में गामा चाकू की भूमिका
16. ट्यूमर के नियंत्रण के लिए बेवाकिज़ुम्बिन एनएफ2 की भूमिका
17. अपकर्षक रीढ़ की हड्डी की बीमारियों में ग्लोनबल सैगिटल बैलेंस
18. न्यूरोसर्जिकल मामलों में नैदानिक परीक्षा और एमआरआई निष्कर्षों के बीच संबंध: एक संभावित अध्ययन
19. पोस्टट्रूमैटिक सीएसएफ रिसाव वाले रोगियों में स्कल बेस फ्रैक्चर्स की एनैटमी और पैटर्न में भिन्नताओं का अध्ययन
20. सेलर और पैरासेलर घावों के लिए गामा नाइफ थेरैपी के बाद दृष्टि में परिवर्तन का आकलन करने के लिए एक प्रेक्षणमूलक अध्ययन (डॉ करमसी गोपीनाथ नाइक)
21. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा के प्रबंधन में एंडोस्कोपिक एंडोनासल दृष्टिकोण की भूमिका (डॉ. अजय कुमार झाझरिया)
22. मोयमोया रोग में कार्यात्मक और तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक परिणाम (डॉ सिद्धार्थ बी जोशी)
23. एन्यूयरिस्मैयल एसएएच वाले रोगियों में हाइड्रोसिफ़लस और शंट डिपेंडेंस के पूर्वानुमानक के रूप में तीसरा वेंट्रिकुलर वॉल्यूम
24. न्यूरोसाइंसेज सेंटर, एम्स दिल्ली में नॉन-ट्रॉमैटिक पैथोलॉजीस के लिए न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं पर कोविड-19 का प्रभाव

25. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया में गामा नाइफ रेडियोसर्जरी की भूमिका - कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल का उपयोग करके इसका दीर्घकालिक परिणाम और पूर्वानुमान
26. डीसीईआर और पोस्ट ऑपरेटिव मोटर परिणाम से गुजरने वाले सीवीजे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव एम एमईपी और डी वेव की निगरानी
27. ट्रॉमा रोगियों में स्थिरीकरण के बाद रीढ़ की हड्डी का संरेखण
28. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया वाले रोगियों मे ऊतक का आणविक विश्लेषण
29. थीसिस: जुवेनाइल नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा की सर्जरी में संयुक्त दृष्टिकोण और डोटानॉक स्कैन की भूमिका
30. थीसिस: विशाल इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म के लिए क्लिनिकोसर्जिकल परिणाम
31. रीढ़ की सर्जरी से पहले विभिन्न विश्राम उपचारों के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
32. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया में गाबा ए रिसेप्टर परिवर्तन के प्रभाव पर एक अध्ययन।
33. न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 2 के रोगियों में वेस्टिबुलर श्वानोमा के उपचार में बेवाकिज़ुमैब की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन
34. चियारी विकृति के प्रबंधन में स्थिरीकरण बनाम विसंपीडन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
35. पार्श्व और तीसरे वेंट्रिकल ट्यूमर: घटना, नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन- एक एम्बिस्पेलक्टिव अध्ययन
36. एम्स, दिल्ली में पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थिति वाले रोगियों की देखभाल करने वाले लोगों के लिए प्रेशर अल्सर की रोकथाम पर इंटरवेंशनल पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
37. सी1-सी2 ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रू के साथ एटलांटोएक्सियल फ्यूजन का पूर्वव्यापी विश्लेषण
38. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में ट्रॉमैटिक पोस्टीरियर फोसा चोटों के बाद के परिणाम
39. कार्यात्मक पिट्यूटरी एडेनोमा के लिए शल्य चिकित्सा उपचार के बाद ढीलापन एवं पुनरावृत्ति

पूर्ण

1. मिडलाइन ग्लियोमास के विभिन्न आणविक उपसमूहों में पीडीएल-1 अभिव्यक्ति और टी-सेल अंतःस्पदंन का विश्लेषण और नैदानिक परिणाम
2. सी7-डी1 ट्रैमैटिक फ्रैक्चर डिस्लोकेशन: परिणाम का विश्लेषण
3. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एसईआरबी, डीएसटी) में कैसिइन किनसे 2 की भूमिका को समझना
4. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (आईसीएमआर-एसआरएफ) में एपिलेप्टोजेनेसिस में ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फैक्टर सिग्नलिंग और मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज 9 की भूमिका को समझना
5. पिट्यूटरी एडेनोमा और इसके परिणामों के लिए एंडोस्कोपिक यूनीनोस्ट्रिल ट्रांससेप्टल सर्जरी का मूल्यांकन
6. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया में जीएबीए ए रिसेप्टर ऑल्टरेशन की भूमिका की जांच करना
7. मिडलाइन ग्लिओमास: नैदानिक परिणामों और संबंधित आणविक परिवर्तनों का एक अध्ययन

8. अच्छे ग्रेड एसएएच के साथ शल्य चिकित्सा द्वारा क्लिप किए गए पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार का परिणाम
9. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी की दुष्क्रिया
10. जीबीएम के लिए समवर्ती टेम्पोजोलोमाइड के साथ प्राथमिक गामा-नाइफ
11. केवल डीएसए और एमआरआई बनाम एमआरआई पर एवीएम प्लेमन्डब का रेडियोसर्जिकल परिणाम
12. ग्लियोमा सर्जरी में रीसेक्शमन की सीमा जानने के लिए इंट्राऑपरेटिव एमआरआई और इंट्राऑपरेटिव यूएसजी की उपयोगिता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण
13. मानक एमआरआई इमेजिंग दवा प्रतिरोधी मिर्गी में अपर्याप्त है" पूर्वव्यापी विश्लेषण।
14. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट से प्रेरित माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तन का अध्ययन
15. कीहोल सुप्राऑर्बिटल दृष्टिकोण के माध्यम से एन्यूरिज्म क्लिपिंग का सर्जिकल परिणाम
16. क्लिनोइडल मेनिंगियोमा का सर्जिकल परिणाम
17. "संपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग"।
18. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सीड के रोगियों में सिनैप्टिक ट्रांसमिशन के मॉड्यूलेशन पर कियूरेनिक एसिड के प्रभाव का अध्ययन करना
19. चयनात्मक पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव सीटी स्कैन की उपयोगिता।

जारी

1. नवाचार और अनुवाद अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच, एम्स: तंत्रिका शल्यचिकित्सा, शरीररचना, नाभिकीय चिकित्सा, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, तंत्रिका विकृति विज्ञान आईआईटी-डी: सीएसई
2. मोयामोया रोग में सेरेब्रल ब्लड फ्लो का सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान का कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, एम्स : तंत्रिका शल्यचिकित्सा, न्यूरोरेडियोलॉजी यूसीएल: गणित, हेल्थकेयर इंजीनियरिंग
3. प्री-फंटल क्षेत्र में न्यूरोसाइकोलॉजिकल कमी और सफेद पदार्थ बंडल के घावों का सहसंबंध, शरीर-रचना विज्ञान, न्यूरोसाइकोलॉजी
4. ट्यूमर से जुड़े दुर्दम्य मिर्गी के रोगियों के ट्यूमर के ऊतकों पर प्लाज्मा जेट का प्रभाव, प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
5. टेम्पोरल और टेम्पोरल प्लस एपिलेप्सीर वाले व्यक्तियों में मेडिटेशन से जुड़े एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन को स्पष्ट करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली (योग और ध्यान का विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डीएसटी)
6. "ट्यूमर की प्रगति का पता लगाने और ग्लियोमा में इसकी पुनरावृत्ति के जल्दी निदान के लिए नैदानिक बायोमार्कर के सुदृढ़ और किफायती रक्त-आधारित पैनल की स्थापना करना।", पैथोलॉजी (एम्स) और जैव प्रौद्योगिकी (आईआईटी दिल्ली)
7. सर्वाइकल ऑसिफ़ाइड पोस्टीरियर लॉन्गिट्यूडिनल लिगामेंट के रोगियों में शरीर के तरल पदार्थ और ऊतकों में फ्लोराइड का स्तर, शरीर-रचना विज्ञान विभाग

8. मिनिमली इनवेसिव तंत्रिका शल्यचिकित्सा के लिए फ्रीडम रोबोटिक मैनिपुलेटर की कई डिग्री को इंट्राम्युनरल बहु-संस्थागत अनुदान, एम्स: तंत्रिका शल्यचिकित्सा आईआईटी-डी: मैकेनिकल इंजीनियरिंग
9. मस्तिष्क के ऊतकों का सामग्री लक्षण वर्णन और ऊतक-उपकरण पारस्परिक क्रिया आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन टूल का विकास, एम्स: तंत्रिका शल्यचिकित्सा, शरीररचना, नाभिकीय चिकित्सा, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, तंत्रिका विकृति विज्ञान एनएमआर आईआईटी-डी: एप्लाइड मैकेनिक्स
10. प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर के रोगियों के उपचार में प्रशामक उपचार की देखभाल के प्रारंभिक एकीकरण के परिणाम का मूल्यांकन, अर्बुद-संवेदनाहरण एवं प्रशामक चिकित्सा, आईआरसीएच
11. जीबीएम के रेडियो-जीनोमिक्स, तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग
12. सुपरटेंटोरियल एपेंडिमोमास में आरईएलए फ्यूजन, तंत्रिका विकृति विज्ञान
13. कोविड-19 वायरस स्पाइक प्रोटीन एस और मुख्य प्रोटीज एनएसपी5 द्वारा न्यूरोनल सेल लाइनों में न्यूरोमॉड्यूलेशन के संभावित तंत्र का पता लगाना, जैव भौतिकी विभाग, एम्स

पूर्ण

1. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सीक के रोगियों में एटीएफ 3 और टीजीएफβ सिग्नलिंग की भूमिका को समझना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स
2. हिप्पोकैम्पस स्केलेरोसिस से जुड़े असामान्य सिनैप्टिक ट्रांसमिशन में निकोटिनिकसेप्टर्स के अल्फा 7 और अल्फा 4-बीटा 2 उप प्रकार की भूमिका, जैव भौतिकी विभाग, एम्स

रोगी उपचार

तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग में प्रत्येक एकक (35X2 बेड) में सामान्य न्यूरोसर्जिकल वार्ड के दो एकक हैं। 23 बेड के साथ-साथ दो आईसीयू हैं। ट्रॉमा केंद्र में अब 7 चयनात्मक ऑपरेशन थिएटर और दो एक्सक्लूसिव ऑपरेशन थिएटर हैं। हम सभी तंत्रिका शल्यचिकित्सा उप-विशिष्टताओं में विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिसमें वस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सीग सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रेनियल और स्पाइनल तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बाल चिकित्सा तंत्रिका शल्यचिकित्सा, कार्यात्मक तंत्रिका शल्यचिकित्सा, न्यूरो-ऑनकोसर्जरी, स्करल बेस और जटिल रीढ़ की हड्डी की सर्जरी शामिल है। हमारे पास उन्नत इमेजिंग के साधन (इंट्राऑपरेटिव एमआरआई और ओ-आर्म) और नेविगेशनल डिवाइस (जैसे स्टील्थ स्टेशन और आरओएसए) हैं। तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग ने एक आउट पेशेंट स्पाइन क्लिनिक भी शुरू किया है जो रीढ़ से संबंधित सभी बीमारियों के साथ संबंधित है जिसमें डिजेनरेटिव, डिफॉर्मिटी, ट्यूमर आदि शामिल हैं। यह शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किया जाता है। प्रो. दीपक अग्रवाल ने जय प्रकाश एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, भारत में स्टेम सेल ट्रांसलेशनल एंड न्यूरोसाइंसेज लेबोरेटरी (एसटीएन लैब) की 100 वर्ग फुट की प्रयोगशाला स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें एक न्यूरोट्रॉमा ट्रांसलेशनल लैब, मॉलिक्यूलर लैब, स्टेम सेल प्रोसेसिंग लैब और इम्यूनोलॉजी लैब शामिल हैं। मुख्य प्रयोगशाला क्षेत्र में पीएचडी स्कॉलर्स, स्नातक छात्रों और अनुसंधान सहयोगियों और नर्सों के लिए अलग-अलग डेस्क हैं।

वर्ष 2020-2021 के दौरान हमारे द्वारा निम्नलिखित रोगियों का उपचार किया गया।

क्र.सं.	उपचार सुविधा	संख्या
1.	बाहय रोगी विभाग	
	क) कुल नए रोगी	4274
	ख) कुल पुराने रोगी	10145
	ग) बाल चिकित्सा के नए रोगी	565
	घ) बाल चिकित्सा के पुराने रोगी	1237
	ज) टेली ओपीडी परामर्श	9386
	झ) कुल रोगी	14419
2.	गामा नाइफ किया गया	789
3.	सर्जरी की कुल संख्या सीएनसी	1513
5.	सर्जरी की संख्या (जेपीएनएटीसी)	30
6.	सर्जरी की कुल संख्या	1543

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर दीपक अग्रवाल जर्नल ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (जेपीएनएस) के प्रधान संपादक थे; इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा (आईजेएनटी) के प्रधान संपादक।

प्रोफेसर गुरुदत्त सत्यार्थी ने डब्ल्यूएचओ का हू इन द वर्ल्ड अवार्ड, 2020 मार्क्विस प्राप्त किया, हूज़ हू, अमेरिका।

डॉ विवेक टंडन ने प्रो. विलियम टी. कैनवेल "विशालकाय ट्राइजेमिनल श्वानोमा की सर्जरी को सरल बनाना" द्वारा वेबिनार व्याख्यान आयोजित और संचालित किया ।

डॉ सचिन बोरकर ने डॉ. डीके छाबड़ा के तीसरे भाषण में सत्र क्रानियोसिनेस्टोसिस और एसजीपीजीआई बाल चिकित्सा तंत्रिका शल्यचिकित्सा अपडेट के साथ डॉ. वीके जैन के भाषण का संचालित किया; संचालक: रीढ़ की हड्डी के तपेदिक के निदान, जांच और चिकित्सा प्रबंधन पर एओ स्पाइन वेबिनार संचालक: अपक्षयी सीएसएम और चियारी विकृति पर मेडट्रॉनिक शैक्षिक वेबिनार

डॉ दत्ताराज सावरकर ने 'एओ स्पाइन नेशनल फेलोशिप' प्राप्त की और इसे अमृता इंस्टीट्यूट, कोच्चि में पूरा किया।

डॉ सजेश मेनन पैकेज स्टोर कमेटी के सदस्य के रूप में पैकेज स्टोर की जिम्मेदारियों का प्रबंधन कर रहे थे।

डॉ राजीव शर्मा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार के लिए समन्वयक और संचालक थे - ऑपरेटिव न्यूरोसर्जरी मास्टर क्लास - 4 जुलाई 2020 को प्रोफेसर कत्सुमी ताकीजावा द्वारा मोया मोया रोग में रिवैस्कुलराज़ेशन पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन व्याख्यान; सह-चयनित सदस्य, कोविड टास्क फोर्स, एएसएसआई।

डॉ सतीश वर्मा 18-20 मार्च 2021 तक एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 23वीं एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य थे।

डॉ सचिन ए बोरकर को एक और कार्यकाल के लिए एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई) की वेबसाइट समिति के सदस्य के रूप में फिर से नामित किया गया; एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया (एएसएसआई) की प्रकाशन समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत हुए; इंटरनेशनल न्यूरोसर्जरी जर्नल्स के लिए समीक्षक-वर्ल्ड तंत्रिका शल्यचिकित्सा, न्यूरोस्पाइन, एशियन जे ऑफ न्यूरोसर्जरी; जेआईएमईआर, पांडिचेरी और एचएलएल के लिए तंत्रिका शल्यचिकित्सा उपकरण खरीदने के लिए तकनीकी सलाहकार समिति में सेवा प्रदान की; पीजीआई, चंडीगढ़ के लिए एमसीएच तंत्रिका शल्यचिकित्सा शोधपत्र का मूल्यांकन किया; सत्र 23वें एम्स वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा कार्यशाला का संचालन किया

डॉ अमोल रहेजा मार्च 2021 में आयोजित हमारे विभागीय वार्षिक माइक्रोतंत्रिका शल्यचिकित्सा सम्मेलन के दौरान आयोजित माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला के सह-आयोजक थे। मैं भी हमारे विभागीय सीसीआर में सक्रिय रूप से शामिल था जिसका शीर्षक था "बैलेंसिंग एक्ट: कोविड-19 महामारी के मध्य न्यूरोसर्जिकल वर्कफ़्लो - चुनौतियों का सामना करना पड़ा और सबक सीखे गए"। सक्शन ड्रेनेज, सर्जिकल स्क्रबिंग तकनीक और केंद्रीय वेनस कैथेचर केयर के लिए प्रोटोकॉल को मानकीकृत करने के लिए, मैं हमारे तंत्रिका विज्ञान केंद्र में संचालित "गुणवत्ता सुधार" परियोजनाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल रहा हूं।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान

विशिष्टताएं

10 वर्ष पुराने 6-स्लाइस सीटी स्कैनर की जगह एक अत्याधुनिक 128 स्लाइस डुअल एनर्जी सीटी स्कैनर स्थापित किया गया है। मॉडल किए गए पुनरावृत्त पुनर्निर्माण के साथ नए सीटी लो-डोज़ सीटी प्रोटोकॉल के साथ, 60% तक की खुराक में कमी की क्षमता और नैदानिक दिनचर्या में तेजी से अधिग्रहण अब सर्वोत्तम छवि गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ संभव है। इससे रोगी अनुपालन में वृद्धि हुई है, विशेष रूप से बच्चों में और उस स्थिति में जहां सांस रोककर रखने की आवश्यकता होती है।

सीटी फ्लोरोस्कोपी गाइडेड- बायोप्सी और सीटी परफ्यूज़न में मदद करने के लिए सेरेब्रल परफ्यूज़न का आकलन करने के लिए विशेष रूप से ऐक्यूरेट स्ट्रोक में नए सीटी स्कैनर की स्थापना करके शुरू किया गया है।

मौजूदा 1.5T एमआर को 'साइलेंट एमआर' सिस्टम में अपग्रेड किया गया था, जिसने साइलेंट एमआर प्रोटोकॉल को निष्पादित करने में मदद की है जो स्कैन के दौरान रोगी की घबराहट को कम करता है; स्कैन के समय को कम करता है और रिस्कैन की घटनाओं को कम करता है क्योंकि रोगियों को आराम मिलता है और लंबे परीक्षणों के दौरान रोगी के स्थिर रहने में सहयोग करता है। पिछली

प्रणाली, खासकर हाई-एंड अधिग्रहण तकनीकों के दौरान हाई ग्रेडिएंट कॉइल स्विचिंग नॉइस कई रोगियों के लिए एक गंभीर परेशानी थी। उन्नयन के साथ, इस तकलीफ़ देने वाले कारक को काफी हद तक हटा दिया गया है और चुंबक के चौड़े बोर ने रोगियों में क्लॉस्ट्रोफोबिया को काफी कम कर दिया है।

पीएसीएस सर्वर के उन्नयन के साथ एनएससी के वार्डों और ओपीडी कमरों में पैक्स नेटवर्क चालू है और वाई-फाई की पहुंच के साथ ओपीडी कमरों में वार्डों, आईसीयू और थिन क्लाऔइंट्स में व्यूइंग स्टेशनों की स्थापना की गई है। रिपोर्टिंग रूम के बेहतर संगठन के साथ ऑनलाइन किए गए सभी न्यूरो-इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग, ऑनलाइन सभी अध्ययनों की रिपोर्ट, संपादन, साइन आउट करना और नेटवर्क करना आसान बनाता है। सीटी, एमआरआई, यूएस और डीएसए आदि के लिए एनएससी वार्डों से ऑन-लाइन ऑटो-रिक्वायरिंग को सक्षम बनाया गया। न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों के लिए सक्षम पैक्स से केस अभिलेखों को स्वतः एकत्रित करना। रोगी यूएचआईडी के पंजीकरण पर निजी इमेजिंग फिल्मों को डिजिटलीकृत और पैक्स में एकीकृत किया गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत पेपर/व्याख्यान

एस.बी. गायकवाड़

1. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के लिए जी-सीएसएफ का उपयोग करके स्टेम सेल का मोबिलाइजेशन, ब्रेन मैपिंग और थेरेप्यूटिक्स के लिए सोसायटी, "स्टेम सेल और थेरेप्यूटिक्स पर सत्र", 21 नवंबर 2020, यूएसए, एलए
2. ऐक्यूट स्ट्रोक की न्यूरोइमेजिंग, "इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी की पाक्षिक वेबिनार श्रृंखल, 25 मार्च 2021, एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम (वर्चुअल)
3. इंट्राक्रैनील माइकोटिक एन्यूरिज्म का एंडोवास्कुलर प्रबंधन, "दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की मासिक बैठक, 6 मार्च 2021, कॉन्फ्रें स हॉल, 6 मंजिल, एनएससी, एम्स, नई दिल्ली

अजय गर्ग

1. पेडिएट्रिक ब्रेन ट्यूमर, बाल चिकित्सा रेडियोलॉजी पर आईसीआरआई-आईआरआईए ई-संगोष्ठी, 5 जुलाई 2020, ऑनलाइन
2. एपिलेप्सीक में न्यूरोइमेजिंग, वर्चुअल कृषि तंत्रिका विज्ञान अद्यतन 2020, 10 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
3. मस्तिष्क के परजीवी संक्रमण, भारतीय न्यूरोरेडियोलॉजी सोसाइटी का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 16 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
4. एआईएस में न्यूरोइमेजिंग, वर्ल्ड स्ट्रोक डे वेबिनार, 29 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
5. केस डिस्कशन एंड पर्ल्स ऑफ विजडम फ्रॉम द एग्जामिनर, फिल्म रीडिंग सेशंस ': न्यूरो-रेडियोलॉजी एंड हेड एंड नेक इमेजिंग, 13 फरवरी2021, ऑनलाइन

6. ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग में गलती से बचने के लिए सीखने की युक्तियाँ, ब्रेन ट्यूमर और न्यूरोमेटाबोलिक विकारों के केस आधारित समीक्षा पर इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (आईएसएनआर) पाक्षिक वेबिनार श्रृंखला, 11 मार्च 2021, ऑनलाइन
7. पैनल चर्चा: हैवी मल्टीरलेशनल एनसीसी, वर्चुअल ट्रॉपिकल तंत्रिका विज्ञान 2021 सम्मेलन, 28 मार्च 2021, ऑनलाइन

लेव जोसेफ देवराजन

1. फाइलर आर्टेरियोवेनस फिस्टुला का एक मामला जो विलक्षण सामान्य पोस्टीरियर इंटरकोस्टल धमनी ट्रंक से जुड़ा हुआ है, दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ आईएसवीआईआर द्वारा तिमाही सीएमई (वेबिनार), 27 जून 2020, वर्चुअल, (नई दिल्ली)
2. नवजात में गैलेन विकृतियों की शिरा, आईएसएनआर का 22वां वार्षिक सम्मेलन, 16-18 अक्टूबर 2020, वर्चुअल, (तिरुवनंतपुरम)
3. इंट्राक्रैनील ड्यूरल आर्टेरियो-वेनस फिस्टुला में इमेजिंग और इंटरवेंशंस, इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन' (आईआरआईए) और 'इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग' (आईसीआरआई) न्यूरो इमेजिंग पर ई-सिम्पोज़ीअम, 1 नवंबर 2020, वर्चुअल

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:

1. नायर पी, विभा डी, कुमार एस, बालसुंदरम पी, श्रीवास्तव एके, द्विवेदी एसएन, कुमार एन, गायकवाड़ एसबी, प्रसाद के, वैस्कुमलर जोखिम के कारक और मस्तिष्क एमआरआई के उपाय: एनसीआर की आबादी पर अधोमुखी उपलब्धि और उम्र बढ़ने के अनुसंधान से बेसलाइन क्रॉस-सेक्शनल डेटा (एलओसीएआरपीओएन) एम्स कोहोर्ट अध्येयन", ईएसओ-डब्यूलॉ एसओ सम्मेलन, 7-9 नवंबर 20 वर्चुअल
2. सेबस्टियन एलजेडी, बालासुंदरम पी, गुप्ता एम, गर्ग ए, क्लिनिकल प्रोफाइल, इमेजिंग और सीएनएस मोल्ड संक्रमणों का रोगनिदान - एक एकल संस्थागत अनुभव, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (एएसएनआर-2020 वर्चुअल) का 58वां वार्षिक सम्मेलन, 30 मई-4 जून 2020, वर्चुअल, (लास वेगास, यूएसए)
3. सेबस्टियन एलजेडी, नादराजाह जे, बालासुंदरम पी, गुप्ता एम, गर्ग ए, कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी और उनके क्लिनिको का उपयोग करके इंट्रा-क्रैनियल एथेरोस्क्लोरोटिक लेसियन की ज्यामिति की विशेषता - इमेजिंग सहसंबंध, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (एएसएनआर-2020 वर्चुअल) का 58 वां वार्षिक सम्मेलन। 30 मई-4 जून 2020, वर्चुअल, (लास वेगास, यूएसए)

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का उपयोग करके इंट्राक्रैनील एथेरोस्क्लोरोटिक रोग का पता लगाने और मूल्यांकन करने के लिए नोवेल कंप्यूटर एडेड डायग्नोस्टिक सिस्टम, डॉ.एस.लेव जोसेफ देवराजन डीबीटी, 2 साल, 2020-2022, रुपये 26,08,400

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ट्यूमर पुनरावृत्ति से विकिरण परिगलन के विभेदन में डीसीई, डीएससी और एएसएल एमआर पर्फ्यूजन तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन - विनय गोयल
2. कैरोटिड एंजियोप्लास्टी और लक्षणात्मक कैरोटिड आर्टरी स्टेनोसिस में स्टेंटिंग के परिणाम: एकल केंद्र अनुभव का पूर्वव्यापी विश्लेषण- मनोज नाइक
3. लार्ज वैसेल ओक्यूवज़न के साथ ऐक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक में यांत्रिक थ्रोम्बेक्टोमी के बाद एक अच्छे रिकैनालाइज़ेशन के पूर्वानुमानक-एक पूर्वव्यापी अध्ययन- भेरू चरन

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा आबादी में इंट्राक्रैनील और सर्वाइकल वेसेल्सन का एन्यूरिज्म: एंडोवास्कुलर उपचार और इसके परिणाम - डॉ. कल्याण सरमा
2. प्राथमिक सीएनएस एंजियाइटिस के निदान के लिए क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल मानदंड का प्रस्ताव- डॉ. सुशांत अग्रवाल
3. न्यूरो ट्यूबरकुलोमा से न्यूरो सिस्टीसरकोसिस को अलग करने के लिए एमआरआई में टी2-फ्लेयर और डिफ्यूजन-वेटेड इमेजिंग (डीडब्ल्यूआई) की भूमिका- डॉ. निशांत मिश्रा

सह-अन्वेषक-

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. दृष्टि हानि होने के साथ इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल उच्च रक्तचाप में सीएसएफ बायोमार्कर उम्मीदवार की पहचान करने के लिए एक प्रारम्भिक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
2. टीबी मेनिनजाइटिस के रोगियों में एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल। पीआई प्रोफेसर रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान
3. कोविड-19 के हल्के लक्षण-संबंधी या अलक्षणी मामलों में न्यूरोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल (मस्तिष्क की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग) विशेषताओं और सूजन-संबंधी/प्रोथ्रोम्बोटिक बायोमार्कर प्रवृत्तियों का आकलन, तंत्रिका विज्ञान
4. मिर्गी के इलाज में परेशानी के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) पीआई- प्रो मंजरी त्रिपाठी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, तंत्रिका विज्ञान
5. इस्केमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के लिए नैदानिक और आनुवंशिक कारक। डॉ. रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान
6. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक मेडिसिन के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीजीएनएमडी)- पीआई: प्रो. एमवी पदमा श्रीवास्तव। मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके द्वारा वित्त पोषित, तंत्रिका विज्ञान
7. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोबायोलॉजी: फेनोटाइपिक, बायोमार्कर और आनुवंशिक सिग्नेपचर्स। डॉ. रोहित भाटिया,तंत्रिका विज्ञान

8. स्ट्रोक और ट्रैन्शिएंट इस्केमिक अटैक्सव वाले रोगियों में लक्षणात्मबक और अलक्षणी कोरोनरी आर्टरी रोग की व्यापकता। मुख्य अन्वेषक प्रोफेसर रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान

पूर्ण

1. एसोसिएशन ऑफ वैस्कुलर रिस्क फैक्टर्स, 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के समुदाय में रहने वाले वयस्कों में मस्तिष्क एमआरआई साधन, उपलब्धि और गैट: एक आबादी आधारित प्रतिनिध्यात्मक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान, बायोस्टैटिस्टिक्स
2. रेटिनोब्लास्टोमा में इंट्रा-आर्टिरीअल कीमोथेरेपी, आरपीसी, बालरोग विज्ञान विभाग

रोगी उपचार

विभाग रोगी उपचार प्रदान करने के लिए 24x7, 365 दिन कार्य करता है और नियमित रूप से सबराचनोइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट एन्सेफेलोपैथी, मायलोपैथिस, ट्रॉमैटिक या आईट्रोजेनिक सेरेब्रो-वैस्कुलर चोट आदि जैसी आपात स्थितियों में उपस्थित रहता है। बाहरी रोगियों और भर्ती रोगियों के सीटी स्कैन के सभी अनुरोधों को उसी दिन और अधिकतर तुरंत किया जाता है, ताकि रोगी उपचार के लिए त्वरित निर्णय लिया जा सकें। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए कोई प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। डीएसए नियमित रूप से तंत्रिका विज्ञान केंद्र और ईएनटी और नेत्र विज्ञान जैसे अन्य विभागों में आने वाले रोगियों के लिए मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के संवहनी अध्ययन के लिए किया जाता है। इसी तरह, न्यूरोसाइंसेज सेंटर के रोगियों के साथ-साथ ईएनटी, नेत्र विज्ञान, बालरोग, हृदरोग, अस्थिरोग से संबंधित रोगियों के लिए न्यूरो इंटरवेंशनल चिकित्सीय उपचार नियमित रूप से किया जाता है। इसके अलावा, मोबाइल सीटी स्कैनर का उपयोग करके लाइफ सपोर्ट या वेंटिलेटर पर रोगियों के लिए आईसीयू में सीटी स्कैन किया जाता है। बेडराइड एक्स-रे नियमित रूप से डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे एकक या सीआर एकक का उपयोग करके किया जाता है और इमेजेस को पैक्स नेटवर्क पर अपलोड किया जाता है। जब भी न्यूरोसाइंसेज सेंटर के वार्डों और आईसीयू में बीमार और गतिहीन रोगियों के लिए आवश्यक हो, पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड किया जाता है। सभी सलाहकार और रेजिडेंट आईपी सक्षम प्रोटोकॉल के माध्यम से पैक्स इमेज का उपयोग करते हैं और इसलिए वे घर या कहीं से भी इंटरनेट का उपयोग करके या यहां तक कि अपने स्मार्ट फोन का उपयोग करके इमेज को देख सकते हैं। विभागीय सम्मेलन कक्ष को हाई रेज़ोलूशन डाइकॉम कंपैटिबल प्रोजेक्शन सिस्टम का उपयोग करते हुए मल्टीमॉडलिटी इमेज देखने के लिए अपग्रेड किया गया है, ताकि नैदानिक सलाहकार और रेज़िडेंट बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर कालानुक्रमिक क्रम में और तुलनात्मसक मोड में अपने रोगी की इमेज को आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी इमेज और स्कैन की गई प्राइवेट इमेज को तत्काल कुशलता से देखा जा सकें जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायता करता है।

वर्ष 2020-2021 के दौरान की गई न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं

सी टी स्कैन	11235	
डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी	चिकित्सा न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रियाएँ: (सेरेब्रा एन्यूरिज़्म, सेरेब्रल एवं स्पाइनल एवीएम इंबोलाईजेशन, केरोटिड रिवस्कुलराइजेशन आदि)	132
	डायग्नोस्टिक डीएसए	223
	कुल	**335**

अल्ट्रासाउंड जांच / डॉ पलर अध्ययन		**1106**
एमआरआई		2073
एक्स रे		**1154**
पोर्टेबल एक्स रे		**4754**
विडार		**5104**
आंकड़ों का विस्थापन		**1611**

वर्ष के लिए कुल = 27,272

रोगी उपचार में निर्णय लेने के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों में मामलों पर की गई चर्चा एवं समीक्षा

	मामलों की संख्या	**साप्ताहिक आवृति**	**कुल**
एपिलेप्सी केस सम्मेलन	10@	2	20/सप्ताह
तंत्रिका शल्यचिकित्सा सम्मेलन	40@	4	160/सप्ताह
तंत्रिका विज्ञान सम्मेलन	25@	6	150/सप्ताह
तंत्रिका शल्यचिकित्सा सम्मेलन	4@	सप्ताह में दो बार	8/सप्ताह
		कुल	338/सप्ताह

कुल =17,576 मामले प्रति वर्ष

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर शैलेश बी गायकवाड़ "नेशनल स्ट्रोक रजिस्ट्री" के सदस्य थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आईसीएमआर-एनसीडीआईआर बैंगलोर में 15 अक्टूबर 2020 को स्ट्रोक पर "रिसर्च एरिया पैनल" की बैठक में भाग लिया;एसजीपीजीआई, लखनऊ में रेडियोलॉजी विभाग में डीएम "न्यूरोरेडियोलॉजी" डिग्री पाठ्यक्रम स्थापित करने के लिए अध्ययन बोर्ड के सदस्य। चर्चा करने के लिए एसजीपीजीआई, लखनऊ के टेलीमेडिसिन विभाग में 4 नवंबर 2020 को दोपहर 12.00 बजे आयोजित अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया:1. एसजीपीजीआईएमएस (सांविधिक स्वायत्त) में डीएम न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने पर पुनर्विचार, 2. डीएम न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम अध्य यन सूची और पाठ्यक्रम की समीक्षा 3. डीएम न्यूरोरेडियोलॉजी के लिए विशेषज्ञों का पैनल, 4. रेडियोडाग्नोसिस विभाग में संकाय के चयन और पदोन्नति के लिए विशेषज्ञों का पैनल; फरवरी 2021 को, सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक, एईसीओएन प्रतिनिधि की उपस्थिति में एम्स के निदेशक की अध्यक्षता में बोर्ड रूम की बैठक में "एम्स मास्टर प्लान एंड कैंपस री-डेवलपमेंट"; के संरक्षण में आगामी नए सेटअप के लिए विभाग स्थान/मशीनरी/स्टाफ की आवश्यकता को प्रस्तुत किया;12 दिसंबर 13 2020 को रेडियो निदान विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़,"न्यूरोरेडियोलॉजी" में डीएम के लिए परीक्षक, मौखिक प्रैक्टिकल; एम्स जिमखाना के अध्यक्ष ने छात्रों, रेज़ीडेंट्स, रिसर्च स्कॉकलर्स, पैरामेडिकल और गैर-चिकित्सा कर्मचारियों और संकाय के सदस्यों के कल्याण के लिए विभिन्न खेलों के आयोजनों की जिम्मेदारी सौंपी।जिमखाना

के सुचारू कामकाज के लिए सुविधा विस्तार, संबंधित बुनियादी ढांचे के रखरखाव और सुप्रचालन आधार प्रदान करने में संलग्न क थे; नाभिकीय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में स्थापित की जाने वाली "3टी डिजिटलपीईटी/एमआरआई" सुविधा पर तकनीकी विशेषज्ञ; इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 22वेंवार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

विशिष्टताएं

कुल 1175 तंत्रिका शल्यचिकिता प्रक्रियाओं के लिए ऐनिस्थेटिक उपचार किया गया। 302 तंत्रिका विकिरण विज्ञान प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी प्रयोगशाला में 190 और एमआरआई सूट में 112) के लिए एनेस्थेटिक उपचार किया गया। 2513 आईसीयू के रोगियों का गहन उपचार प्रबंधन किया गया। एनएससी में प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में कुल 126 मरीज देखे गए। कुल 82 मरीज (20 नए व 62 पुराने) पेन क्लिनिक ओपीडी, एनएससी में देखे गए और 96 नर्व ब्लॉक पेन क्लीनिक में दिए गए।

पांच उम्मीदवारों को डी.एम. (तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन चिकित्सा) डिग्री से सम्मामनित किया गया और एक उम्मीदवार को न्यूरोक्रिटिकल केयर में फेलोशिप से सम्मानित किया गया। चार नए उम्मीदवार डी.एम. पाठ्यक्रम में शामिल हुए और दो उम्मीदवार न्यूरोक्रिटिकल केयर फेलोशिप पाठ्यक्रम में शामिल हुए। छब्बीस वरिष्ठ रेज़िडेंटों (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक दोनों) ने विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त किया। चार स्नातकोत्तर छात्रों ने न्यूरो-एनेस्थीसिया का प्रशिक्षण प्राप्त किया। संकाय-सदस्य दो वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। विभाग में अड़तीस अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं और 19 अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं। संकाय-सदस्य अन्य विभागों और संस्थानों के साथ 11 सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में भी शामिल हैं और वे 4 अन्य सहयोगी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं जो कि जारी हैं। संकाय-सदस्यों ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 34 व्याख्यान दिए। विभाग ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 65 पत्र और पुस्तकों में 12 अध्याय प्रकाशित किए। विभाग के संकाय-सदस्यों ने भी इस दौरान 7 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विभाग में संकाय-सदस्यों को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पुरस्कार और सम्मान मिला।

शिक्षा

हमारी सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 8-9 बजे के बीच नियमित कक्षाएं (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस प्रेजेंटेशन) हैं। महामारी की स्थिति के कारण ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की गईं। अनुसूचित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, संकाय-सदस्य ऑपरेशन थिएटर, इंटेंसिव केयर यूनिट्स, प्रीनेस्थैसिया क्लिनिक, न्यूरोरेडियोलॉजी यूनिटों और पेन क्लिनिक में मरीज़ों के उपचार के लिए नैदानिक शिक्षण में भी शामिल हैं।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किये गए व्याख्यान

हिमांशु प्रभाकर

1. न्यूरोक्रिटिकल केयर नर्सिंग के मूल सिद्धांत, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का 23वां वार्षिक सम्मेलन और 19वां न्यूरोनर्स फोरम, 5-7 फरवरी 2021, नई दिल्ली/वर्चुअल

ज्ञानिंदर पाल सिंह

1. सरवाइकल स्पाइन इंजरी का क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई-वर्चुअल) का पहला वार्षिक सम्मेलन, 2-4 अक्टूबर 2020, गुरुग्राम
2. टीबीआई में रिफाइनिंग न्यूरोइंटेंसिव केयर प्रोटोकॉलाइज्ड थेरेपी, सोसाइटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर (एसएनसीसी-वर्चुअल) का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, 27-29 नवंबर 2020, गुरुग्राम

आशीष बिंद्रा

1. स्टेटस एपिलेप्टिकस, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया पर एएनसी लेक्चनर, 3 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
2. इनहेलेशनल एनेस्थेटिक्स पर अपडेट, सेरेब्रल शरीर-रचना विज्ञान पर इनहेलेशनल एनेस्थेटिक्स का प्रभाव, इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (आईसीए) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एएसए) द्वारा 16 अक्टूबर 2020 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।
3. नॉन-एपिलेप्सीए सर्जरी के लिए मिर्गी के मरीज के लिए ऐनिस्थी शिया, पीजी रिफ्रेशर सीरीज़, 12 मार्च 2021, ग्रेटर नोएडा

नीरज कुमार

1. अल्ट्रासाउंड और नॉबोलॉजी का मूल सिद्धांत, क्लासरूम - आईएसएनएसीसी सोसाइटी इनिशिएटिव 15 मई 2020, ऑनलाइन
2. फेफड़े का अल्ट्रासाउंड, क्लासरूम - आईएसएनएसीसी सोसाइटी इनिशिएटिव, 28-05-2020, ऑनलाइन
3. बेसिक इको, आईवीसी और फास्ट, क्लासरूम - आईएसएनएसीसी सोसायटी इनिशिएटिव, 19 जुलाई 2020, ऑनलाइन
4. एयरवे यूएसजी, क्लासरूम - आईएसएनएसीसी सोसायटी इनिशिएटिव, 19 जुलाई2020, ऑनलाइन
5. ट्रॉमैटिक सर्वाइकल रीढ़ की हड्डी की चोट (टीएसआई), एएनसीयू 2020, 3 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
6. एक साहित्य का महत्वपूर्ण मूल्यांकन, आईएसएनएसी 2021, 25 जनवरी 2021, ऑनलाइन

केशव गोयल

1. नॉन-कोविड आपात स्थितियों तक पहुंच #ईआर# ओटी# आईसीयू#कैथ, आईएसएनएसीसी और एनसीएसआई वेबिनार, 3 अप्रैल 2020, नई दिल्ली
2. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट: तात्कालिक उपचार और निदान, आईएसएनएसीसी वेबिनार, 14 जून 2020, नई दिल्ली

3. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट: एक्यूट इमरजेंसी मैनेजमेंट *कोर्स नेशनल कोऑर्डिनेटर, एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) कोर्स, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) का पहला सम्मेलन, 2-4 अक्टूबर 2020, गुड़गांव
4. न्यूरो-आईसीयू में मल्टी-मोडैलिटी न्यूरोमोनिटोरिंग, बांग्लादेश सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा क्रिटिकल केयर और पेन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 17-18 अक्टूबर 2020, बांग्लादेश
5. मैं मल्टीमॉडल न्यूरोमोनिटोरिंग से इंट्राक्रैनील हाइपर्टेंशन का उपचार कैसे करूं? एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एंड इंटेंसिविस्ट कॉलेज श्रीलंका का 37 वां वार्षिक अकादमिक कांग्रेस 2021, 23-24 जनवरी 2021, वर्चुअल। श्रीलंका
6. न्यूरोक्रिटिकल केयर में न्यूरोमोनिटोरिंग के व्यावहारिक पहलू - पैनल चर्चा, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का 22वां वार्षिक सम्मेलन (आईएसएनएसीसी 2021), 24-26 जनवरी 2021, चेन्नई, भारत
7. न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों से निपटना - एक न्यूरो-एनेस्थेटिस्ट परिप्रेक्ष्य, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का 23 वां वार्षिक सम्मेलन" (वर्चुअल डीएनएकॉन), 5-7 फरवरी 2021, दिल्ली
8. मल्टीमॉडल न्यूरोमोनिटोरिंग, एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी (आरएसएसीपीसीओएन 2021) की रिसर्च सोसाइटी का पहला अंतर्राष्ट्रीय और 30 वां राष्ट्रीय सम्मेलन, 6-7 मार्च 2021, दिल्ली
9. बाल चिकित्सा पोस्टीरियर फोसा न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर के साथ नियर इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का सहसंबंध, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनए) मासिक बैठक, मार्च 2021, दिल्ली

चारू महाजन

1. एनेस्थेटिक्स न्यूरोप्रोटेक्टिव बनाम न्यूरोटॉक्सिक हैं: प्रो-कॉन सत्र, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) 2021 का 22वां वार्षिक सम्मेलन, 24-26 जनवरी 2021, वर्चुअल प्लेटफॉर्म
2. पोस्टीरियर फोसा एसओएल का प्रबंधन, 9वीं एसजीपीजीआई स्नातकोत्तर एनेस्थिसियोलॉजी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम-2021, 4-10 अप्रैल 2021, वर्चुअल
3. हाइड्रोसिफ़लस का प्रबंधन, 9वीं एसजीपीजीआई स्नातकोत्तर एनेस्थिसियोलॉजी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम-2021, 4-10 अप्रैल 2021, वर्चुअल

सूर्य कुमार दुबे

1. एयरवे और वेंटिलेशन: एक्यूट न्यूरो केयर, न्यूरोक्रिटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का पहला सम्मेलन और वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2020, 2-4 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
2. न्यूरोएनेस्थेसिया अभ्यास में संतुलित साल्ट2 सोलूशन बनाम सामान्य सेलाइन: परिणाम पर प्रभाव (प्रो-कॉन सत्र), आईएसएनएसीसी का 22 वां वार्षिक सम्मेलन। आईएसएनएसीसी 2021, 24-26 जनवरी 2021, ऑनलाइन

इंदु कपूर

1. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी, सोसाइटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर [एसएनसीसी-इंडिया] के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में कॉम्प्रिहेंसिव न्यूरो-क्रिटिकल केयर पाठ्यक्रम [सीएनसीसी] - वर्चुअल, 27 नवंबर 2020, नई दिल्ली/वर्चुअल

वनिता राजगोपालन

1. कोविड 19 में वेंटिलेशन की मूल बातें, टोरेंट - कोविजिलेंस वेबिनार, 11 अप्रैल 2020, नई दिल्ली/ ऑनलाइन
2. सर्जरी से पहले सावधानियां कोविड 19 परिदृश्य, स्पीड वेबिनार, 20 अप्रैल 2020, नई दिल्ली/ ऑनलाइन
3. अंगदान, एथिक्स एंड ब्रेन स्टेम टेस्टिंग, पीजी टीचिंग द एनेस्थेटिस्ट: आईसीयू मिनी सिम्पोजियम 1, 10 सितंबर 2020, यूके/ऑनलाइन
4. न्यूरोक्रिटिकल केयर की मूल बातें, सोसाइटी ऑफ न्यूरोक्रिटिकल केयर (एसएनसीसी) का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, वर्चुअल, 27 नवंबर 2020, गुरुग्राम / ऑनलाइन
5. न्यूरोमोनिटोरिंग के नैदानिक पहलू, आरएसएसीपी अकादमिक वेबिनार श्रृंखला 2021- न्यूरोएनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर- इंदौर शाखा, 13 जनवरी 2021, इंदौर / ऑनलाइन
6. एनेस्थीसिया से विलंबित रिकवरी / अवेकिंग /इमर्जेंस, क्राइसिस मैनेजमेंट सिम्पोजियम- ग्लोबल एनेस्थीसिया सोसाइटी एंड रॉयल कॉलेज ऑफ एनेस्थेटिस्ट्स, यूके, 6 मार्च 2021, लिवरपूल, यूके/ ऑनलाइन

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:

1. बर्मन एस, चौहान आरएस, कुमार एन, गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्यूजंन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, आईएसएनएसीसी 2021, 24-26 जनवरी 2021, वर्चुअल
2. दुबे एसके, राठ जीपी, बिठल पी, प्रसाद के, रॉय एच, जेना बीआर, स्ट्रोक के मरीज़ों में पोषण के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमीटर बनाम मानक वजन-आधारित आहार का तुलनात्मक अध्ययन, द इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी वर्चुअल 2021) का 22वां वार्षिक सम्मेलन), 25 जनवरी 2021, वर्चुअल
3. गुप्ता ए, चौहान आरएस, पंडित एसए, शर्मा पीबीके, एक बाल रोगी में पोविडोन आयोडीन सोलूशन के कारण इरिटेंट कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस: एक केस रिपोर्ट, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 24-26 जनवरी 2021, ऑनलाइन
4. गुप्ता डीएस, बिंद्रा ए, कपूर आई.एक एक्यूसट ट्रॉमैटिक सर्वाइकल स्पाइन इंजरी वाले मरीज़ों में वेंटिलेटर से अलग करने के समय पर दो अलग-अलग टाइडल वैल्यूकम (6-8एमएल/किग्रा बनाम 12-15एमएल/किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया, 26 सितंबर 2021, ऑनलाइन

5. गुप्ता डीएस, बिंद्रा ए, कपूर आई. एक एक्यूबट ट्रॉमैटिक सर्वाइकल स्पाइन इंजरी वाले मरीज़ों में वेंटिलेटर से अलग करने के समय पर दो अलग-अलग टाइडल वॉल्यूम (6-8एमएल/किग्रा बनाम 12-15एमएल/किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर, 26 जनवरी 2021, ऑनलाइन
6. गुप्ता डीएस, बिंद्रा ए, कपूर आई. एक एक्यूलट ट्रॉमैटिक सर्वाइकल स्पाइन इंजरी वाले मरीज़ों में वेंटिलेटर से अलग करने के समय पर दो अलग-अलग टाइडल वैल्यू.म (6-8एमएल/किग्रा बनाम 12-15एमएल/किग्रा) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डीएनएकॉन, 5 फरवरी 2020, ऑनलाइन
7. जयंत एस, मिश्रा एन, दुबे एसके, राठ जीपी, चतुर्वेदी ए, सेरेब्रल पस के साथ टीओएफ का एनेस्थेटिक उपचार: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण, द इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी वर्चुअल 2021) का 22वां वार्षिक सम्मेलन, 25 जनवरी 2021, वर्चुअल
8. महापात्रा आर, कुमार एन, सिंह जीपी, सामान्य एनेस्थिशिया में ऑप्टिक तंत्रिका आच्छद व्यास पर अंतिम टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना: एक संभावित अध्ययन, आईएसएनएसीसी 2021, 24-26 जनवरी 2021, वर्चुअल
9. प्रसाद सीके, चौहान आरएस, चतुर्वेदी ए, नारंग आर और सूरी ए, वासोस्पास्म के साथ एक्यूट एन्यूरिज्मल सब-आरेक्नॉइड हेमरेज वाले मरीजों में कार्डियक रिदम पर स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित प्रारंभिक अध्ययन, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 24-26 जनवरी 2021।, वर्चुअल
10. प्रसाद सीके, चौहान आरएस, चतुर्वेदी ए, नारंग आर और सूरी ए, वैसोस्पास्म के साथ एक्यूट एन्यूरिज्मल सब-एराचोनोइड हेमोरेज वाले मरीजों में कार्डियक रिदम पर स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित प्रारंभिक अध्ययन, आरएसएसीपी का पहला अंतर्राष्ट्रीय और 30 वां राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल)), 6-7 नवंबर 2021, वर्चुअल
11. राठ जीपी, रॉय एच, गोयल के, देवराजन एलजे, ऐन्टिरीअर सर्क्यूरलेशन ऐन्यरिज़्वम वाले मरीजों में रीज़नल सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर न्यूरोरेडियोलॉजिक इंटरवेंशन का प्रभाव, एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर में न्यूरोसाइंस के लिए सोसायटी की 48 वीं वार्षिक बैठक (एसएनएसीसी वर्चुअल 2020), 11 सितंबर 2020, वर्चुअल
12. शर्मा पी, सोखल एस, रॉय एच, चौहान एस आर, सोखल एन, एनेस्थिशिया कार्यशाला में आग: दो मामलों की एक रिपोर्ट, द इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का 22वां वार्षिक सम्मेलन, 26 जनवरी 2021, वर्चुअल
13. शर्मा पीबीके, सोखल एस, रॉय एच, चौहान आरएस और सोखल एनएस., एनेस्थिशिया कार्यशाला में आग: दो मामलों की एक रिपोर्ट, द इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का 22वां वार्षिक सम्मेलन, 24-26 जनवरी 2021, वर्चुअल
14. शुक्ला आर, महाजन सी, गोयल के, चतुर्वेदी ए, गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट में निदान मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस डेफिसिट और ग्लूकोज का स्तर, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) का पहला सम्मेलन, 2-4 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

15. त्यागी एम, दुबे एसके, चतुर्वेदी ए, एन्यूरिज्मल सब अरचनोइड हैमरेज के मरीज़ों में गोल डायरेक्टेंड बनाम पारंपरिक फ्लूइड थेरेपी की तुलना करने वाला एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, द इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी वर्चुअल 2021) का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 25 जनवरी 2021, वर्चुअल
16. वटीपल्ली एस, गोयल के, चतुर्वेदी ए, पीडियाट्रिक पोस्टीरियर फोसा न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूजन ट्रिगर के साथ नियर इंफ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का सहसंबंध, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) का पहला सम्मेलन, 2-4 अक्टूबर 2020, वर्चुअल

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अल्ट्रासाउंड परीक्षण के दौरान आंतरिक ग्रीवा शिरा के दब जाने के दबाव को मापने के लिए नोवले दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, डॉ. नीरज कुमार, एम्स + आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2019-जारी, रु 20 लाख
2. भारत में लेवल -1 ट्रॉमा सेंटर में गंभीर टीबीआई मरीज़ों में नॉन कंवल्सिव स्टेबटस एपिलेप्टीक्स: घटना और रोगनिदान का संबंध। (डीएचआर-जीआईए का प्रस्ताव) आईईसी-928-4/09/2020, डॉ. केशव गोयल, एम्स, 2 साल, 2020-जारी, 25 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सामान्य एनस्थिसिया में न्यूरोसर्जिकल मरीज़ों में कार्डियक आउटपुट के इंट्राऑपरेटिव आकलन के लिए दो नॉन-इंवैसिव तरीकों की तुलना।
2. गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) द्वारा सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का आकलन
3. सामान्य एनस्थिसिया में रीढ़ की सर्जरी से गुजरने वाले बुजुर्ग मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक दुष्क्रिया के तीसरे वेंट्रिकल की चौड़ाई में परिवर्तन का अनुमान लगा सकते हैं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक पायलट अध्ययन
4. सामान्य एनस्थिसिया में रीढ़ की सर्जरी से गुजरने वाले बुजुर्ग मरीज़ों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक दुष्क्रिया के तीसरे वेंट्रिकल की चौड़ाई में परिवर्तन का अनुमान लगा सकते हैं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक पायलट अध्ययन
5. ट्रॉमैटिक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद हृदय संबंधी जटिलताएं।
6. सोमैटिक एनआईआरएस में परिवर्तन क्रैनियोटॉमी और ट्यूमर के साथ प्रमुख रक्तस्राव के दौरान बदलता है: एक अवलोकन अध्ययन
7. एक हाई-फेडिलिटी वाले एयरवे डमी मॉडल का उपयोग करके सिम्युलेटेड कई कठिन एयरवे परिदृश्यों में एंडोट्रैचियल इंटुबेशन के लिए विभिन्न प्रकार के लैरींगोस्कोप की तुलना - एक प्रेक्षणमूलक अध्ययन

8. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में फैन वाले स्वापदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन
9. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में फैन वाले स्वा देशी चश्माश बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन
10. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में फैन वाले स्वाादेशी चश्माम बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन
11. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट के मरीज़ों में मिडलाइन शिफ्ट [एमएलएस] का आकलन करने के लिए ट्रांसक्रानियल सोनोग्राफी [टीसीएस] और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी [सीटी] स्कैन के बीच तुलना।
12. सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में चयापचय मापदंडों और मस्तिष्क की तनाव मुक्ति होने के संबंध में 0.9% सामान्य सेलाइन, स्टीरियोफंडिन और प्लास्मैलाइट की तुलना
13. हाइड्रोसिफ़लस वाले वयस्क रोगियों में वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट सर्जरी से पहले और बाद में पल्सेटिलिटी इंडेक्स में बदलाव की तुलना।
14. मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप और सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंटुबेशन के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप, डी-ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक अध्ययन।
15. सुपरटेंटोरियल एक्यूट इस्केमिक इन्फार्क्ट के लिए डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी से गुजरने वाले वयस्क मरीज़ों में प्रोपोफोल टोटल इंट्रावेनस एनेस्थेसिया या सेवोफ्लुरेन बैलेंस्ड एनेस्थेसिया के साथ कार्यात्मक न्यूरोलॉजिकल परिणाम की तुलना: एक यादृच्छिक, नियंत्रित पायलट अध्ययन।
16. ग्लासगो कोमा स्केल की तुलना, ग्लासगो कोमा स्केल - ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले मरीज़ों में परिणाम पूर्वानुमान करने के लिए प्यूसपिल्सा और गैर-अनुक्रियता स्कोर की पूर्ण रूपरेखा।
17. ग्लासगो कोमा स्केल की तुलना, ग्लासगो कोमा स्केल - ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले मरीज़ों में परिणाम पूर्वानुमान करने के लिए प्यूपिल्स और गैर-अनुक्रियता स्कोर की पूर्ण रूपरेखा।
18. वयस्क मरीज़ो में एंडोट्रैचियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि करने के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा सेलाइन भरे कफ का पता लगाना: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन
19. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में जुग्युफलर वेनस ऑक्सीमेट्री (एसजेवीओ2) पर डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी का प्रभाव
20. बचपन के मोयामोया रोग में सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर प्रोपोफोल बनाम सेवोफ्लुरेन का प्रभाव - नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी [एनआईआरएस] अध्ययन
21. मोया-मोया रोग में रीज़नल ब्रेन ऑक्सीजन संतृप्ति पर सर्जिकल रिवैस्कुनलैराजेशन का प्रभाव
22. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले मरीज़ों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन।
23. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले मरीज़ों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन।

24. ट्रांसक्रानियल डॉपलर के माध्यम से टेम्पोरल/पैराइटल ग्लियोमा वाले रोगियों के मस्तिष्क संबंधी हेमोडायनामिक पर डेक्समेडिटोमिडाइन लोडिंग डोज़ के प्रभावों का मूल्यांकन - एक संभावित सिंगल आर्म परीक्षण
25. एन्यूरिज्मल एसएएच रोगियों में गोल-डायरेक्टे ड इंट्राऑपरेटिव फ्लूइड थेरेपी: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
26. इंट्राऑपरेटिव सोमैटिक साइट नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी में परिवर्तन: एक संभावित अध्ययन
27. मस्तिष्क की गंभीर क्षति के बाद ब्रेन डेड के मूल्यांकन के पूर्वानुमानक के रूप में नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी
28. वरिष्ठ रोगियों में सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड स्पैरिंग एनेस्थीसिया तकनीक [ओपीआईएटीई]: एक यादृच्छिक ओपने लेबल का अध्ययन
29. सर्जिकल उपचार करा रहे विशाल इंट्राक्रैनील एन्यूरिज्म के परिणाम का पूर्वानुमानक: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
30. बैठने की स्थिति में पोस्टीरियर फोसा सर्जरी: वर्तमान अभ्यास में बैठने की स्थिति का उपयोग करके एकल केंद्र से पूर्वव्यापी विश्लेषण
31. बाल चिकित्सा वाले ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले मरीज़ों में संवर्धित गुर्दे क्लेकयरेंस की व्यापकता।
32. बाल चिकित्सा वाले ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले मरीज़ों में संवर्धित गुर्दे क्लेकयरेंस की व्यापकता।
33. एंयुरिज़्मल सबराचनोइड रक्तस्राव में निदान मार्कर के रूप में लाल रक्त कोशिका के वितरण की चौड़ाई
34. न्यूरोट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस के प्रारंभिक पूर्वानुमानक के रूप में एक्ट्रा वैस्कुकलर फेफड़े में पानी का आकलन करने में फेफड़े के अल्ट्रासाउंड की भूमिका - एक प्रेक्षणमूलक अध्ययन
35. बाल चिकित्सा न्यूकरोइंटेंसिव उपचार वाले मरीजों में सूक्ष्मजीवीरोधी दवाओं के लिए मल्टीकड्रग प्रतिरोध की दर का निर्धारण करना।
36. इंट्राक्रैनील ट्यूमर सर्जरी करारहे रोगियों में कार्डियक आउटपुट के साथ इन्फिरीअर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स और कैरोटिड डॉपलर फ्लो टाइम के बीच संबंध स्थापित करना।
37. टोटल इंट्रावेनस एनेस्थिसिया में ट्रांस-स्पेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी करा रहे मरीज़ों में सेरिब्रल ऑक्सीसजनेशन पर केटोफोल और प्रोटोकॉल के प्रभावों का मूल्यांकन करना
38. सिर की चोट वाले रोगियों में जोखिम कारकों और एक्सफब्यूोशन विफलता के कारणों का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. अवेक क्रैनियोटॉमी के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम प्रोपोफोल इंफ्युजन की प्रभावशीलता की तुलना
2. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट के बाद गट माइक्रोबायोम के लक्षण।
3. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में फैन वाले स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन

4. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में फैन वाले स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन
5. सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी कराने वाले रोगियों में चयापचय मापदंडों और मस्तिष्क की तनाव मुक्ति होने के संबंध में स्टीरियोफंडिन और प्लास्मैलाइट के साथ 0.9% सामान्य सेलाइन की तुलना, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में बेहोश करने की क्रिया के लिए केटोफोल और प्रोपोफोल की तुलना: एक यादृच्छिक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
7. थोराकोलंबर स्पाइन सर्जरी करा रहे मरीज़ों में ट्रांसक्रानियल मोटर इवोक्ड पोटेंशिअल पर प्रोपोफोल और केटोफोल की तुलना
8. पोस्टीरियर फोसा ट्यूमर एक्सेगशन के लिए पोस्ट किए गए बाल रोगियों में इंट्राऑपरेटिव ट्रांसफ्यूज़न ट्रिगर के साथ एनआईआरएस का सहसंबंध
9. ट्रांसक्रानियल सोनोग्राफी का उपयोग करके मूल्यांकन किए गए ब्रेन वैल्यूरम पर एनेस्थेटिक्स का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
10. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, नियंत्रित, पायलट अध्ययन।
11. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, नियंत्रित पायलट अध्ययन।
12. वैसोस्पास्म के साथ एक्यूट एंन्युरिज़्यम सब-अरचनोइड रक्तस्राव वाले रोगियों में कार्डियक रिदम पर स्टेवलिट गैंगग्लीअन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित प्रारंभिक अध्ययन।
13. मोया-मोया रोग वाले मरीज़ों में रीज़नल ब्रेन ऑक्सीजनेशन पर सर्जिकल रिवैस्कुयलैराजेशन का प्रभाव
14. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले मरीज़ों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन।
15. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले मरीज़ों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन।
16. पोस्टीरियर फोसा सर्जरी के बाद विलंबित एक्सरट्युबेशन के लिए घटना और जोखिम के कारक- एक संभावित अध्ययन
17. इंट्राक्रानियल ट्यूमर सर्जरी करा रहे रोगियों में गहरी नस थ्रोमबाउसिस की घटना और जोखिम के कारक - एक संभावित अध्ययन
18. सिर की चोट के साथ और उसके बिना कई आघात पीड़ितों में क्रमिक ढंग से अनुमानित सीरम प्रोकैल्सीटोनिन का पूर्वानुमानात्मक मान
19. सामान्य एनेस्थिसिया में ऑप्टिक तंत्रिका आच्छद व्यास पर अंतिम टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करना (गाइड)

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्यकर्मियों में फैन वाला स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार
2. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्यकर्मियों में फैन वाला स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार, प्रयोगशाला चिकित्सा, अस्पताल प्रशासन
3. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्यकर्मियों में फैन वाला स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन उपचार, प्रयोगशाला चिकित्सा, अस्पताल प्रशासन
4. मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप और सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंटुबेशन के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप, डी-ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लैरींगोस्कोप की तुलना: एक याद्दच्छिक अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार
5. सुपरटेंटोरियल एक्यूट इस्केमिक इन्फार्क्ट के लिए डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी से गुजरने वाले वयस्क मरीज़ों में प्रोपोफोल टोटल इंट्रावेनस एनेस्थेसिया या सेवोफ्लुरेन बैलेंस्ड एनेस्थेसिया के साथ कार्यात्मक न्यूरोलॉजिकल परिणाम की तुलना: एक याद्दच्छिक, नियंत्रित पायलट अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान / एम्स, नई दिल्ली।
6. वयस्क मरीज़ो में एंडोट्रैचियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि करने के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा सेलाइन भरे कफ का पता लगाना: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार
7. अल्ट्रासाउंड परीक्षण के दौरान आंतरिक ग्रीवा शिरा के दब जाने के दबाव को मापने के लिए नोवले दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, एम्स + आईआईटी दिल्ली
8. गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में जुग्युलर वेनस ऑक्सीमेट्री पर डीकंप्रेसिव क्रेनिएक्टोमी का प्रभाव, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स
9. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी करा रहे रोगियों में हेमोडायनामिक्स और रिकवरी पर लिडोकेन इंफ्युज़न का प्रभाव: एक बहुकेंद्रीय, याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, मैनिटोबा विश्वविद्यालय, विन्निपेग, कनाडा
10. सेंट्रल लाइन से जुड़े रक्त प्रवाह संक्रमण (सीएलएबीएसआई) के आयतन को कम करने में क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट इंप्रेग्नेटेड पैच (बायोपैच आर) की प्रभावशीलता पर संभावित अध्ययन, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स
11. एक रेफरल भारतीय अस्पताल में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स

पूर्ण

1. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्यकर्मियों में फैन वाले स्वदेशी चश्मा बनाम मानक चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन प्रयोगशाला चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी
2. गंभीर ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर न्यूरोप्रोटेक्टिव एजेंट के रूप में केटामाइन इंफ्यूजन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, नियंत्रित, पायलट अध्ययन, तंत्रिका शल्यचिकित्सा / हृदरोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
3. वैसोस्पास्म के साथ एक्यूकट एंन्युरिज़्यम सब-अरचनोइड रक्तस्राव वाले रोगियों में कार्डियक रिदम पर स्टेलिट गैंगग्लीअन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित प्रारंभिक अध्ययन, तंत्रिका शल्यचिकित्सा / हृदरोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
4. आईसीयू में रहने के दौरान सिर की चोट वाले मरीज़ों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स
5. ग्लोबलसर्ग-कोविडसर्ग सप्ताह: सार्स-सीओवी-2 संक्रमण के बाद सर्जरी के लिए इष्टतम समय का निर्धारण। सर्जिकल रोगियों के परिणामों पर नज़र रखने वाला एक सहयोगी वैश्विक अध्ययन, मल्टी◌ासेंट्रिक अध्ययन जिसमें 116 देश शामिल हैं। नोडल केंद्र बर्मिंघम यूके है।
6. क्रेनियल सर्जरी के बाद पोस्टऑपरेटिव न्यूरोलॉजिकल जटिलताएं: एक मल्टी्सेंटर संभावित प्रेक्षणमूलक अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली; एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर; पीजीआई, चंडीगढ़ (भारत) वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, वाशिंगटन, (यूएसए)

रोगी उपचार

1175 तंत्रिका शल्यचिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए ऐनिस्थेटिक प्रबंधन किया गया। 302 तंत्रिका विकिरण विज्ञान प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 190 और एमआरआई सूट में 112) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन किया गया। 2513 आईसीयू के रोगियों के गहन उपचार का प्रबंधन किया गया। एनएससी में प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में कुल 126 रोगी देखे गए। कुल 82 रोगी (20 नए व 62 पुराने) पेन क्लिनिक ओपीडी, एनएससी में देखे गए और 96 नर्व ब्लॉक पेन क्लीनिक में दिए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

अरविंद चतुर्वेदी

1. डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी पाठ्यक्रम के निरीक्षण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की निरीक्षण समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए। जीआईपीएमईआर दिल्ली में।
2. एम्स ऋषिकेश में डीएम न्यूरो एनेस्थीसिया परीक्षा के परीक्षक नियुक्त किए गए।
3. एनआईएमएचएएनएस बैंगलोर में थीसिस का मूल्यांकन करने के लिए डीएम न्यूरो एनेस्थीसिया परीक्षा के परीक्षक नियुक्त किए गए।
4. पीजीआई चंडीगढ़ में थीसिस मूल्यांकन के लिए एमडी एनेस्थीसिया परीक्षा के परीक्षक नियुक्त किए गए।

5. आईएसएनएससी राष्ट्रीय शाखा द्वारा आयोजित वार्षिक आईएसएनएससी 2021 वर्चुअल) 24-26 जनवरी, 2021 में प्रतिष्ठित डॉ. गोडे ओरेशन की अध्यक्षता की।
6. सुल्तान काबूस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल एसक्यूयूएमजे के समीक्षक। ओमान, जेओएसीपी, जेएनएसए
7. भारत में डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी पाठ्यक्रम के निरीक्षण के लिए एमसीआई निरीक्षक के रूप में चुनें गए

मिहिर प्रकाश पांडिया

1. पीजीआई चंडीगढ़ में डीएम न्यूरो एनेस्थीसिया परीक्षा के परीक्षक नियुक्त किए गए।
2. आईएमएस बीएचयू में डीएम न्यूरो एनेस्थीसिया परीक्षा के परीक्षक नियुक्त किए गए।
3. आईएसएनएससी (इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर) की शोध समिति के अध्यक्ष बने हुए हैं।

आरएस चौहान

1. 24-26 जनवरी 2021 को आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (वर्चुअल) के 22 वें वार्षिक सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की उपाध्यक्षता की। बातचीत चल रही थी - न्यूरोसर्जिकल रोगियों में वेनस थ्रोम्बेम्बोलिज्म, गैलेन एन्यूरिज्म मालफॉर्मेशन (वीजीएएम) की वेन वाले रोगी में एनेस्थेटिक की चिंताएं, सिटिंग तंत्रिका शल्यचिकित्सा।
2. हमारे शोध पत्र "वैसोस्पास्म के साथ एक्यूट एंन्युपरिज़्ाम सब-अरचनोइड रक्तस्राव वाले रोगियों में कार्डियक रिदम पर स्टेरलिट गैंगग्लीअन ब्लॉक का प्रभाव: एक होल्टर-आधारित प्रारंभिक अध्ययन" को 6-7 नवंबर, 2021 को वर्चुअली आयोजित आरएसएसीपी के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय और 30 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बासुदेव-कौशल्या पुरस्कार (न्यूरोएनेस्थेसिया श्रेणी) में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

गिरिजा प्रसाद रथ

एसएनएससी समाचार पत्र के प्रधान संपादक के रूप में मनोनीत किया गया, एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएससी, यूएसए) में सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस का आधिकारिक मुखपत्र। इसके अतिरिक्त, ग्लोबल-आउटरीच उपसमिति के अध्यक्ष और एसएनएससी की प्रतिष्ठित नामांकन समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। एसएनएससी निदेशक मंडल, के निदेशक के रूप में काम करना जारी रखा है, एसएनएससी की वैज्ञानिक और संचार समितियों के सदस्य। एसएनएससी की वार्षिक बैठक 2020 (वर्चुअल), यूएसए में 'न्यूरोएनेस्थेसिया और महामारी और सीखे गए पाठों के लिए न्यूरोक्रिटिकल केयर प्रतिक्रियाओं' पर एक अंतर्राष्ट्रीय पैनल चर्चा (एसएनएससी-जेएनए) में भाग लिया। इसके अलावा, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएससी वर्चुअल 2021) के 22 वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'भारत में न्यूरोएनेस्थीसिया शिक्षण और प्रशिक्षण पर कोविड-19 के प्रभाव' पर एक अखिल भारतीय पैनल चर्चा में भाग लिया। एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएससी) और इसके वेब संपादक के लिए ईएक्ससीओ

सदस्य (भारत) के रूप में योगदान देना जारी रखा। जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएससी) के कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए), न्यूरोलॉजी इंडिया, द इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम, और वेब एडिटर, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएससी) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के पद पर बने रहे। एनेस्थीसिया एसेज एंड रिसर्च (एईआर) और एनेस्थिसियोलॉजी एंड पेन मेडिसिन (एएपीएम) के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य और मिनर्वा एनेस्थेसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थिसियोलॉजी, न्यूरोक्रिटिकल केयर, और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के सहकर्मी-समीक्षक के रूप में कार्य जारी रखा।

डॉ. ज्ञानिंदर पाल सिंह

1. 9 दिसंबर 2020 को नए विज्ञान आविष्कारों (एनईएसआईएन-2020) पर एसएफ इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड द्वारा "सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।
2. निम्न के लिए परीक्षक
   एमडी एनेस्थिसियोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय।
   डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी, एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेंद्रम।
   डीएम न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी, एम्स ऋषिकेश।
3. थीसिस का मूल्यांकन:
   एमडी एनेस्थिसियोलॉजी, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
   डीएम न्यूरो एनेस्थिसियोलॉजी, निमहंस, बैंगलोर।
4. निम्नन के दौरान वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की
   इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएससी 2021-वर्चुअल) का 22 वां वार्षिक सम्मेलन 24 से 26 जनवरी 2021 तक, चेन्नई।
   दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (वर्चुअल) का 23वां वार्षिक सम्मेलन 5-7 फरवरी 2021, नई दिल्ली।

आशीष बिंद्रा

1. संचालक पैनल: न्यूरोएनेस्थेसिया प्रैक्टिस: रोड मैप फॉरवर्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर और एनसीएसआई द्वारा कोविड पर वार्तालाप, 26 अप्रैल 2020, ऑनलाइन
2. पैनल चर्चा के लिए संचालक: एंटीपीलेप्टिक्स के बारे में व्यावहारिक बिंदु, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया, 3 अक्टूबर 2020, ऑनलाइन
3. शोधपत्र "न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया 2020 के सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार"
4. शोधपत्र "इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएससी) 2021 के सम्मेलन में तीसरा पुरस्कार
5. आयोजन समिति आईएसएनएससी 2021

नीरज कुमार

1. फेलोशिप प्रोग्राम का अनुपालन करना: (सीएमईटीआई - पार्ट टाइम क्लिनिकल रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन) सत्र जनवरी 2019 के लिए एम्स, नई दिल्ली में। बेस्ड मेडिसिन।
2. एटीएलएस, एएनसी, एसीसीसी, एम्स - ईएम-सोनो, एयूटीएलएस के प्रशिक्षक के प्रशिक्षक (संकाय)।
3. सभी प्रकार के कोविड-19 मरीज़ों का पेरिऑपरेटिव (आईसीयू + ओटी) प्रबंधन।
4. पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में शिक्षा की ऑनलाइन अल्ट्रासाउंड श्रृंखला (क्ला सरूम - आईएसएनएसीसी सोसाइटी इनिशिएटिव) का आयोजन किया।

केशव गोयल

1. एमडी एनेस्थिसियोलॉजी के लिए मध्य प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (एमपी) के बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए
2. प्रथम एनसीएसआई सम्मेलन (वर्चुअल) में नेशनल सोसाइटी (आईएसएनएसीसी) और एनसीएसआई 2020 से संबद्ध प्रथम एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी) के पाठ्यक्रम निदेशक सह राष्ट्रीय समन्वयक।
3. एसएनएसीसी, यूएसए की ट्रेनी इंगेजमेंट कमेटी के सदस्य
4. रेस्पिरेटरी एंड पल्मोनरी मेडिसिन के इंटरनेशनल जर्नल के समीक्षक
5. इमरजेंसी न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (ईएनएलएस) - ट्रेनर कोर्स इंस्ट्रक्टर रीसर्टिफिकेशन को प्रशिक्षित किया।

आयोजन:

आयोजन समिति के कार्यकारी सदस्य

1. पहली एनसीएसआई में एक्यूट न्यूरो केयर (एएनसी); पाठ्यक्रम निदेशक और समन्वयक

नवदीप सोखल

हमने अपने स्वयं के स्वदेशी पंखे सहित धुंध रहित चश्मे प्रस्तुत किए हैं ताकि निर्दिष्ट कोविड आईसीयू और कोविड कार्यस्थल में और सुरक्षा से समझौता किए बिना काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को स्पष्ट और धुंध मुक्त दृष्टि प्रदान की जा सके।

सूर्य कुमार दूबे

1. इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के लिए समीक्षक, जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, क्लीनिक (साओ पाउलो)
2. प्रशिक्षक एटीएलएस, बीएलएस, एसीसीसी

इंदु कपूर

1. विशेष लेख में प्रकट किया: कोविड-19 महामारी के फ्रंटलाइन से 'इमेज़ेस। एनेस्थिसियोलॉजी 2020; 133:724-739

2. स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित 'शरीर-रचना विज्ञान इन क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज-ब्रेन एंड स्पाइनल कॉर्ड क्रॉसस्टॉक' नामक पुस्तक श्रृंखला के वैज्ञानिक संपादकीय बोर्ड में सदस्य के रूप में चुने गएं।

वनिता राजगोपालन

1. दाराडिया पेन हॉस्पिटल, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत दर्द उपचार (अल्ट्रासाउंड और सी-आर्म गाइडेड दोनों) में ऑनलाइन व्यापक पाठ्यक्रम पूरा किया।
2. मुंबई पेन स्कूल द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन बेसिक पेन कोर्स को पूरा किया।
3. तुराकोज़ हेल्थकेयर सॉल्यूशंस द्वारा प्रस्तुत फ्रीलांस मेडिकल राइटिंग पर सर्टिफिकेट कोर्स को पूरा किया।
4. आईएसएनएसीसी 2021 (ऑनलाइन कार्यक्रम) में संयुक्त रूप से पीजी क्विज़ का आयोजन किया।
5. निम्न के लिए समीक्षित लेख
   क. जर्नल ऑफ़ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर
   ख. जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी
   ग. इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया
   घ. न्यूरोलॉजी भारत
   ड. द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल प्रैक्टिस

सुमन सोखल

आयोजित क्विज़, द इंडियन सोसाइटी ऑफ़ न्यूरो एनेस्थिसियोली एंड क्रिटिकल केयर का 22 वां वार्षिक सम्मेलन, 24-26 जनवरी 2021, ऑनलाइन

नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान

विशिष्टताएं

तंत्रिका मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान केंद्र ने महामारी के दौरान भी सेवाएं प्रदान की हैं। सेवाएं भौतिक होने के साथ-साथ वर्चुअल भी हैं। तंत्रिका विज्ञान केंद्र में तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्यचिकित्सा और अन्य विशेषज्ञों के सहयोग से तंत्रिका मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाली टीम ने न्यूरोसाइकोलॉजिकल परिप्रेक्ष्य से उपचार के मानक प्रदान करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। छात्रों द्वारा किए गए कार्यों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की। यह सब कुछ एम्स के आदरणीय वरिष्ठों और सहयोगियों के सहयोग से, अध्यरक्ष के सहयोग से, विशेष रूप से हमारी संस्थाण के सम्मानित निदेशक/मार्ग दर्शक के सहयोग से संभव हुआ है, जिन्होंने हमें यह अवसर प्रदान किया है। छात्रों के जोश और तत्परता ने 'देखभाल के मानक' प्रदान करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। उनकी टीमों के समर्थन से इस तरह की सेवा के परिणाम ने क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी के छात्रों द्वारा कई पुरस्कार जीतने में मदद की (जिन्होंने क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोसाइंसेज सेंटर, एम्स, नई दिल्ली से अपने शोध कार्य पर 3 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते। विश्व स्वास्थ्य संगठन

(डब्ल्यूएचओ) ने टीबीआई पुनर्वास कार्य समूह का सदस्य मनोनीत किया : तत्वावधान के अंतर्गत: पुनर्वास 2030-कार्यान्वित किया गया [इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरेहैबिलिटेशन (आईएफएनआर) द्वारा नामांकित किया गया]; सदस्य के रूप में मनोनीत और नियुक्त किया गया: संस्थान की आचार समिति। गृह अर्थशास्त्र संस्थान, (दिल्ली विश्वविद्यालय), (2020-21) (6 सदस्यीय टीम का हिस्सा)। इसके अतिरिक्त, इस महामारी के बीच, न्यूरोसाइकोलॉजी, एनएस सेंटर ने कोविड-19 फ्रंटलाइनर्स की न्यूरो-साइको-सोशल जरूरतों पर ध्यान केंद्रित किया है और कोविड-19 योद्धाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर महामारी के प्रभाव के बारे में आंकड़े एकत्र करने का काम बड़े पैमाने पर किया है।

आशिमा नेहरा

1. स्ट्रोक में संज्ञानात्मक पुनर्वास, इंडियन फेडरेशन ऑफ न्यूरोरेहैबिलिटेशन का न्यूरोरेहैब वेबिनार, 12 अप्रैल 2020, ऑनलाइन
2. गणित में प्रतिभावान: न्यूरोसाइकोलॉजिकल मैनेजमेंट, इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी, एपिलेप्सी सर्जरी सबसेक्शन की बैठक, 16 अगस्त 2020, ऑनलाइन
3. गणित में प्रतिभावान: न्यूरोसाइकोलॉजिकल मैनेजमेंट, कंबाइंड क्लिनिकल राउंड्स, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान 29 सितंबर 2020, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
4. हेल्थकेयर और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज में मनोवैज्ञानिक विज्ञान की अनुभवजन्य भूमिका, आईसीपी 2020 का 78 वां वार्षिक सम्मेलन वर्चुअल, 11-13 दिसंबर 2020, कनाडा से वर्चुअल सम्मेलन

अनुसंधान

जारी

1. आपातकालीन राष्ट्रीय संकट के समय में उनके सर्वांगीण स्वास्थ्य को सुधारने के लिए निवारक और उपचारात्मक मॉडल बनाने के लिए भारत में फ्रंट-लाइन मेडिकल, पैरा-मेडिकल हेल्थकेयर पेशेवरों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति और आवश्यकताओं का अध्ययन करना: एक अनुप्रस्थ परिच्छेद अध्ययन, आशिमा नेहरा, एम्स, नई दिल्ली, 1 (एक और वर्ष के लिए विस्तार करने योग्य), 2020-21, 5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ड्रग रेफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी के रोगियों में जीवन की उपलब्धि और गुणवत्ता में सुधार के लिए न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास का विकास और प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. स्ट्रोक से बच गए लोगों के लिए एक भारतीय न्यूरोसाइकोलॉजिकल कॉन्टिनम ऑफ केयर (सीओसी) स्वास्थ्य देखभाल मॉडल की प्रभावकारिता को विकसित करना और अभिनिश्चित करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण नैदानिक परीक्षण (आरसीटी)

पूर्ण

1. स्किज़ोफ्रेनिया के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में इसकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक तंत्रिका-संज्ञानात्मक उपचार पैकेज और चरण II परीक्षण का विकास

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक कमजोरी के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित भावी कोहोर्ट अध्ययन: एक अंतः सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य एम्स-इरास्मस कोहोर्ट अध्ययन। (एक अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजना), तंत्रिका विज्ञान, हृदरोग विज्ञान, सामुदायिक चिकित्सा, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, ओरल हेल्थ साइंसेज, तंत्रिका मनोविज्ञान, जैव-सांख्यिकी आदि।
2. ड्रग रेफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी् के मरीज़ों में जीवन की उपलब्धि और गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास का विकास और प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, जैव-सांख्यिकी

पूर्ण

1. स्किज़ोफ्रेनिया के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में इसकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक कंप्यूटराइज़्सड तंत्रिका-संज्ञानात्मक उपचार पैकेज और चरण II परीक्षण का विकास, तंत्रिका मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, तंत्रिका विकिरण विज्ञान, जैव-सांख्यिकी

रोगी उपचार

शीर्षक के अंतर्गत : रोगी की उपचार/सहायक गतिविधियां: कृपया इसके बारे में जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला की सुविधाओं सहित)

बहिरोगी सेवा (ओपीडी): 3 रजिस्ट्रियों के साथ 2 न्यूरोसाइकोलॉजी/क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) ओपीडी/सप्ताह (महामारी के दौरान) हैं:

1. क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) क्लिनिक:
   क. मंगलवार और गुरुवार (महामारी के समय में सप्ताह में दो दिन):
2. विशेषीकृत क्लीनिक:
   क. मंगलवार: न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास (एनआर) क्लिनिक

न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन	संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण/पुनर्गठन
	बुनियादी कौशल प्रशिक्षण
	कार्यात्मक पुन: प्रशिक्षण
	वाच्य और भाषा का पुनर्वास
	मनोसामाजिक चिकित्सा
	मार्गदर्शन और परामर्श
	व्यक्तिगत चिकित्सा
	परिवार की चिकित्सा
	व्यावसायिक मार्गदर्शन
	समग्र / उदार दृष्टिकोण की चिकित्सा (रोगी की आवश्यनकताओं के आधार पर)

ख. बुधवार: संज्ञानात्मक विकार एवं स्मृति (सीडीएम) क्लिनिक

संज्ञानात्मक विकार एवं स्मृति क्लिनिक	स्मृति का आकलन
	संज्ञानात्मक क्षय के लिए स्क्रीनिंग
	मनोभ्रंश/अल्जाइमर मनोभ्रंश के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास
	स्मृति/कार्यकारी कार्यप्रणाली में क्षय के लिए संज्ञानात्मक पुन: प्रशिक्षण
	संज्ञानात्मक/स्मृति विकारों का प्रबंधन
	कृत्रिम मनोभ्रंश की पहचान करना और उसका उपचार करना
	शिक्षा: रोगी, उपचार करने वाले, प्रशिक्षु, सहकर्मी और आम जनता।
	परिवार का मार्गदर्शन
	प्रगति की निगरानी और चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया

रेफरल

रोगियों को तंत्रिका विज्ञान, बालरोग तंत्रिका विज्ञान, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, मनोविज्ञान, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर, तंत्रिका संवेदनाहरण, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (पीएमआर), चयापचय, चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय (चिकित्सा-विधिक मामलों के लिए) आदि से रेफर किया जाता है।

भविष्य में बदलाव को मापने के लिए, विशिष्ट क्षेत्रों में मजबूती और कमजोरियों की पहचान करने के लिए, रोगों के बीच अंतर करने के लिए कौशल / कमजोरियों की एक 'बेसलाइन' स्थापित करने के लिए रेफरल दिए जाते हैं, जो तब उचित उपचार को निर्देशित कर सकता है, जब कमजोरियों की भरपाई के लिए मजबूतियों का उपयोग करने के लिए उपचार की योजना बनाई जाती है, सहायता अथवा उपचार की योजना बनाने के लिए दैनिक कार्यात्मक कौशल का आकलन आदि किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. पुनर्वास कार्यक्रम, गैर-संचारी रोग विभाग, डब्ल्यू.एच.ओ. विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आयोजित ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के लिए विकास समूह के सदस्य के रूप में कार्य किया।
2. 32वें इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ साइकोलॉजी (आईसीपी, 2020) के इमर्जिंग साइकोलॉजिस्ट प्रोग्राम के लिए चुनें गए। प्राग, चेक गणराज्य में आयोजित होने वाला (जुलाई 2021)

तंत्रिका विकृति विज्ञान

विशिष्टताएं

वर्ष 2020-2021 में, तंत्रिका विकृति विज्ञान एकक उच्च मानक शिक्षाविदों और अत्याधुनिक नैदानिक सेवाओं को बनाए रखने में सक्षम रहा है। एकक नियमित नैदानिक सेवाओं (कुल **853** मामलों), स्नातक, स्नातकोत्तर, डीएम, एमचंद पीएचडी छात्रों के शिक्षण में सम्मिलित है; साथ ही तंत्रिका विकृति विज्ञान एकक विभिन्न उप-विशिष्टताओं में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान से भी जुड़ा हुआ है। तंत्रिका अर्बुदविज्ञान में प्रतिदिन के कार्यों को बढ़ाने में आणविक निदान और साइटोजेनेटिक को विकसित करने

के लिए नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिसमें *इन सिटू* संकरण, केशिका वैद्युतकणसंचलन, वास्तविक समय पीसीआर आदि शामिल हैं। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया जा रहा है और इस अवधि के दौरान कुल 6828 स्लाइड्स को चिह्नित और अध्ययन किया गया है। एकक नियमित रूप से तंत्रिका अर्बुदविज्ञान और मायोपैथोलॉजी की हिटोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट में नैदानिक महत्व के आणविक निर्माताओं को एकीकृत कर रही है। तंत्रिका विकृति विज्ञान संकाय-सदस्यों को **15** बाह्य परियोजनाओं के लिए धन प्राप्त हुआ है। सहकर्मी समीक्षा की गई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल **34** पत्र प्रकाशित हुए हैं। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शोध कार्य प्रस्तुत किए गए थे। ज्योत्सना सिंह को एआईआई इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस नई दिल्ली में 5-6 फरवरी को आयोजित डीएनएकॉन 2021 में "जीन एक्सप्रेशन बेस्ड प्रोफाइलिंग ऑफ प्लेमॉर्फिक ज़ैंथोएस्ट्रोसाइटोमा हाइलाइट्स टू प्रोग्नॉस्टिक सबग्रुप्स" शीर्षक की मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार मिला। ईमान दंडपथ को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 5-6 फरवरी को आयोजित डीएनएकॉन 2021 में "मॉलेक्युथलर कैरेक्टेसराइजेशन ऑफ आईडीएच वाइल्ड टाइप डिफ्यूज एस्ट्रोसाइटोमा: पोटेंशियल ऑफ दी सीएलएमपैक्टस-नाउ गाइडलाइसं" शीर्षक की मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

6-8 अप्रैल 2018 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (इसनोकॉन 2018) के 10 वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष। मॉलिक्यूलर न्यूरो-ऑन्कोलॉजी पर प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का भी आयोजन किया।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान (सभी व्याख्यान, आमंत्रित वार्तालाप, विस्तृत व्याख्यान, नामित भाषण को छोड़कर अतिथि व्याख्यान यहां सूचीबद्ध किए गए हैं) पहली पंक्ति में एक सम्पूर्ण उदाहरण दिया गया है

चित्रा सरकार

1. सीएनएस की जर्नल पैथोलॉजी: एक अवलोकन
2. सीएनएस ट्यूमर पर स्लाइड सेमिनार, पैथोलॉजी में स्नातकोत्तर के लिए ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम, 3-8 फरवरी 2021, ऑनलाइन, मुंबई
3. बाल चिकित्सा ग्लिओमास: आणविक आनुवंशिकी ने कैसे नैदानिक प्रबंधन को फिर से आकार दिया है, ब्रेन ट्यूमर का ई-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 4 फरवरी 2021, ऑनलाइन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
4. बेसिक रिसर्च, राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति समिति की बैठक, 5 फरवरी 2021, ऑनलाइन, नई दिल्ली

मेहर सी शर्मा

1. सामान्य मांसपेशी का हिस्टोपैथोलॉजी, जूवेनाइल आईआईएम और मिमिक्स, रुमेटोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया का 18वां राष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन। (दिल्ली पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी डिवीजन), 3-4, अक्टूबर 2020, ऑनलाइन (सर गंगा राम अस्पताल), दिल्ली

2. मांसपेशियों की बीमारियों में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री की भूमिका, एम्स-पीजीआई तंत्रिका विज्ञान अपडेट, 28 नवंबर 2020, एम्स, दिल्ली
3. पिट्यूटरी ट्यूमर के निदान में हालिया प्रगति, डीएनएकॉन, 5-7 फरवरी 2021, ऑनलाइन, दिल्ली
4. न्यूरोनल और मिक्स्ड् ग्लियोन्यूरल ट्यूमर का क्लिनिको पैथोलॉजिकल सहसंबंध, अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोपैथोलॉजी अपडेट, 16 फरवरी 2021, ऑनलाइन (फोर्टिस अस्पताल), गुरुग्राम
5. इंटरेस्टिंग केस प्रेजेंटेशन (सीपीसी), इंटरनेशनल न्यूरोपैथोलॉजी अपडेट, 16 फरवरी 2021, ऑनलाइन (फोर्टिस हॉस्पिटल), गुरुग्राम
6. इंटरेस्टिंग केस प्रेजेंटेशन, एआईपीएनए- आईसीपी, 4-6 फरवरी 2021, ऑनलाइन (अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान), कोच्चि, केरल
7. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध (सीपीसी), तंत्रिका विज्ञान सीपीसी, 23 फरवरी 2021, ऑनलाइन एम्स, दिल्ली
8. बच्चों में सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर के लक्षण में डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण की पैथोलॉजिकल पहलू और भूमिका, इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरो सर्जरी, 18 अप्रैल 2020, ऑनलाइन, दिल्ली

वैशाली सूरी

1. वयस्कों में डिफ्यूज़ ग्लिओमास: 2020 के लिए मंच तैयार करना, न्यूरोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, 12 दिसंबर 2020, वर्चुअल, दिल्ली
2. लक्षण के लिए हिस्टोपैथोलॉजी और चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक आणविक मार्कर, डीएनएकॉन 2021, 5-7 फरवरी 2020, वर्चुअल (एम्स, दिल्ली), दिल्ली

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:

1. दंडपथ आई, सूरी वी, शर्मा एमसी, सरकार सी, मोलेक्युटलर कैरेक्टैराइजेशन ऑफ आईडीएच वाइल्ड टाइप डिफ्यूज एस्ट्रोसाइटोमा: पोटेंशियल ऑफ द सिम्पैक्ट-नाउ गाइडलाइंस, मोलेक्युकलर कैरेक्टेराइजेशन ऑफ आईडीएच वाइल्ड टाइप डिफ्यूज एस्ट्रोसाइटोमा: पोटेंशियल ऑफ द सिम्पैक्ट-नाउ गाइडलाइंस, 5-7 फरवरी 2021, वर्चुअल, दिल्ली
2. सिंह जे, सूरी वीएस, शर्मा एमसी, सरकार सीएस, प्लेमॉर्फिक ज़ैंथोएस्ट्रोसाइटोमा हाइलाइट्स टू प्रोग्नॉस्टिक सबग्रुप्स की प्रोफाइलिंग के आधार पर जीन एक्सप्रेशन, डीएनएकॉन, 5-7 फरवरी 2021, वर्चुअल, दिल्ली

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

चित्रा सरकार

1. एचटीएइनपियोट अनुसंधान परियोजना के तहत डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स), डॉ. चित्रा सरकार, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 साल, 2020-23, रु 1.7 करोड़

2. जेसी बोस रिसर्च फेलोशिप, डॉ. चित्रा सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 साल, 2016-2020, प्रति वर्ष 15 लाख रुपये

जारी

एमसी शर्मा

1. स्पोरैडिक इंक्लूशन बॉडी मायोसिटिस के बेहतर लक्षण वर्णन के उद्देश्य से वयस्क-शुरुआत इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, प्रो एम सी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 50 लाख
2. भारत में न्यूरोमस्कुलर विकारों पर लक्षित सीक्वेंसिंग टारगेट जीन (स्टैंड-इंडिया), प्रो एम सी शर्मा, आईसीएमआर, 3 साल, 2018-2021, 50 लाख
3. ट्यूमर इंम्यूमन लैंडस्केरप: सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा और इसके उत्तरजीविता परिणामों के सहसंबंध की जांच करके ट्यूमर प्रतिरक्षा की परस्पर क्रिया की पीडीएल 1 अभिव्यक्ति और मूल्यांकन, प्रो एम सी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 35 लाख
4. बाल चिकित्सा एपेंडिमोमा के रोगजनन में स्नेल पैरालॉग्स की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, प्रो एम सी शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2020, 45 लाख

वैशाली सूरी

1. ट्यूमर की क्रमानुसार वृद्धि और ग्लियोमास में इसकी पुनरावृत्ति का पता लगाने के लिए शीघ्र निदान के लिए डायग्नोस्टिक बायोमार्कर के सुदृढ़ और अल्पव्ययी रक्त-आधारित पैनल की स्थापना करना, वी सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2024, 1 करोड़ रुपये
2. रिस्कडट्रैफिकेशन के लिए मेनिंगिओमास में सर्कआरएनए के संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन और चिकित्सीय इंटरवेंशन में इसकी भूमिका, वी सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 78 लाख रुपये
3. प्रोग्नॉस्टिक सिग्नेचर और थेरेप्यूटिक्स की पहचान के लिए मेनिंगियोमास के विभिन्न हिस्टोलॉजिकल और मॉलिक्यूलर सबग्रुप्स का इंटीग्रेटिव ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेिषण, प्रो. वी. सूरी, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 62 लाख रुपये
4. मेनिंगियोमा में नियमित आणविक उपसमूह और कार्रवाई योग्य लक्ष्यों की पहचान के लिए एक नवीन दृष्टिकोण विकसित करने के लिए लक्षित जीनोमिक-एपिजेनोमिक विश्लेषण, प्रो. वी. सूरी, डीएसटी, 3 साल, 2018-2021, लगभग 40 लाख रुपये।
5. बाल चिकित्सा ग्लिओमास के आणविक प्रोफाइल का विश्लेषण करना और आणविक उपसमूह और जोखिम स्तरीकरण के लिए सुदृढ़ और अल्पफव्येयी तरीके स्थापित करना, प्रो. वी. सूरी, डीबीटी, 3 साल, 2021-2024, 1 करोड़ रुपये

पूर्ण

1. ग्लियोब्लास्टोमा पर्सनलाइज्ड थेरेपी के लिए व्यापक आणविक आनुवंशिक पैनल विकसित करने के लिए एक मल्टी्-सेंट्रीक अध्ययन, चित्रा सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 5 साल, 2016-2021, 50 लाख रुपये (लगभग)

2. मेनिंगियोमा के स्तरीकरण के लिए नवीन बायोमार्कर के रूप में नॉन-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान करना और इसके निदान के लिए चिकित्सीय आवश्यरकताओं का मूल्यांकन करना, वी सूरी, आईआईटी दिल्ली के साथ बहु-संस्थागत संकाय की अंतर्विषयक अनुसंधान परियोजना, 3 साल, 2018-2020, रु 10 लाख
3. ग्लियोमा के डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोटोमोरीजेनिक सूजन का आणविक सिग्नेचर, वी सूरी, एम्स अंतर विभागीय सहयोगी परियोजना, 3 साल, 2018-2020, रु 20 लाख
4. ऑलिगोडेंड्रोग्लियोमास में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (सी14एमसी और सी19एमसी) की भूमिका को स्प्ष्ट करना: क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके अध्ययन, डॉ. चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 साल, 2017-2020, प्रति वर्ष 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल को आंकना
2. आईडीएच वाइल्डटाइप और म्युरटेंट ग्लियोमास की आणविक प्रोफ़ाइल
3. मेनिंगियोमास के आणविक प्रोफाइल को आंकना
4. ग्लिओमास की विभिन्न श्रेणियों के इंम्यू न माइक्रोएंवाइर्मेंट का विश्लेषण करना
5. सेंगर अनुक्रमण और डीडीपीसीआर द्वारा आईडीएच म्यूटेशन का मूल्यांकन
6. डिस्फेरलिनोपैथी के लिए इम्म्यूनोफ्लोरेसेंस
7. मायोसिटिस विशिष्ट और मायोसिटिस से जुड़े ऑटोएंटीबॉडी का पता लगाने के लिए लाइन इम्म्युनोस
8. डिस्फेरलिन और कैलपैन के लिए इम्म्युनोब्लॉट

पूर्ण

1. नवजात ग्लिओमास का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन (डॉ. चित्रा सरकार)
2. मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह के लिए डीएनए मिथाइलेशन सरणी (डॉ. चित्रा सरकार)
3. आईडीएच नकारात्मक ग्लिओमास का लक्षित अनुक्रमण (डॉ. चित्रा सरकार)

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. "ट्यूमर की प्रगति का पता लगाने और ग्लियोमा में इसकी पुनरावृत्ति के जल्दी निदान के लिए नैदानिक बायोमार्कर के सुदृढ़ और किफायती रक्त-आधारित पैनल की स्थापना करना", आईजीआईबी, दिल्ली
2. रिस्क ट्रैफिकेशन के लिए मेनिंगिओमास में सर्कआरएनए के संभावित नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन और चिकित्सीय हस्तक्षेप में इसकी भूमिका, आईआईटी, नयी दिल्ली।
3. ग्लिओमास में फैट जीन, जैव रसायन विभाग

4. बाल चिकित्सा ग्लिओमास के आणविक प्रोफाइल का विश्लेषण करना और आणविक उपसमूह और जोखिम स्तरीकरण के लिए सुदृढ़ और अल्पपव्यियी तरीके स्थापित करना, एनईआईजीआरएम, जीएनआरसी असम

रोगी उपचार

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है: (क) विभाग (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित) में उपलब्ध सुविधाएं (ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

1 अप्रैल 2020-31 मार्च 2021

कुल नमूने	540	फ्रोज़न सेक्शन	32
इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री			
नियमित आईएचसी	3851	रिसर्च आईएचसी	2310
स्नायु आईएचसी	460	कुल प्राप्त स्नायु	56
मसल एंजाइम-हिस्टोकेमिस्ट्री	151		
स्वस्थाने संकरण में प्रतिदीप्ति			
नैदानिक	244	अनुसंधान	228
ईएम सुविधा			
कुल मांसपेशी के नमूने	56	कुल तंत्रिका के नमूने	15
इम्युनोब्लॉट के नमूने	17	इम्यूनोफ्लोरेसेंस	5

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर चित्रा सरकार ने 15वां प्रोफेसर बी. राममूर्ति मेमोरियल भाषण दिया। शीर्षक: न्यूरो-ऑन्कोलॉजी में आणविक प्रतिमान: हम कितनी दूर आ गए? राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, अगस्त 2020; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स, गुवाहाटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए गए; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति की केंद्रीय समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए; इमपैक्ट-नाउ की कार्य समिति के सदस्य: डब्ल्यूएचओ [सीएनएस ट्यूमर वर्गीकरण के लिए आणविक और व्यावहारिक दृष्टिकोण को सूचित करने के लिए कंसोर्टियम न्यूरोपैथोलॉजी में विकास का मूल्यांकन और शामिल करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय पहल है। यह कई खोजों के साथ ब्रेन ट्यूमर वर्गीकरण को सिंक्रनाइज़ करने का एक व्यावहारिक साधन है जो इस क्षेत्र में नैदानिक रूप से उपयोगी हो सकता है। इस पहल का उद्देश्य डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण प्रक्रिया को पूरा करना है]; सेंट्रल नर्वस सिस्टम के ट्यूमर के वर्गीकरण पर 2020 की डब्ल्यूएचओ के पाठ्यपुस्तक में दो अध्यायों के सह-लेखक को इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, ल्यों द्वारा 2020 में प्रकाशित किए जाने के लिएआमंत्रित किया गया, [5 वां संस्करण] शीर्षक: ग्लियोब्लास्टोमा; पैरागैंग्लिओमास;

इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, ल्यों द्वारा 2020 में बाल चिकित्सा ट्यूमर के वर्गीकरण पर 2020 में प्रकाशित होने वाली डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक में एक अध्याय के सह-लेखक को आमंत्रित किया गया [5 वां संस्करण]शीर्षक: मेडुलोएपिथेलियोमा; 2021 का संस्करण डब्ल्यूएचओ पाठ्यपुस्तक में एक अध्याय के सह-लेखक के लिए आमंत्रित किया गया जिसका शीर्षक है: एंडोक्राइन और न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर;न्यूरोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया निर्वाचित अध्याक्ष के रूप में मनोनीत हुए; डीबीटी द्वारा रीज़नल राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, त्रिवेंद्रम की समीक्षा के लिए समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; एमेरिटस वैज्ञानिकों की आईसीएमआर चयन समिति के सदस्य; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा एमएफसीएस पदोन्नति (स्तर-2) के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; पैथोलॉजी में संकाय पदोन्नति के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की चयन समिति के सदस्य; केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा मुद्दों पर समिति के सदस्य के रूप में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियुक्त; कैंसर जीनोमिक्स पर वैभव शिखर सम्मेलन भारत पैनल चर्चा के सदस्य; मुख्यालय समन्वित परियोजनाओं के लिए सीएसआईआर समिति के अध्यक्ष; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा "सुप्रा" परियोजनाओं की चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; डीएसटी (एसईआरबी) द्वारा "विद्युत" परियोजनाओं की चयन समिति के सदस्य नियुक्त किए गए; आईसीएमआर द्वारा गठित चिकित्सा पेशेवरों के लिए नवाचार और उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज समिति के सदस्य; राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र की कार्यकारी समिति के सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा, एम्स, कल्याणी के *अध्यक्ष के रूप में कार्य जारी*; भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के संबंध में सिफारिशों का सुझाव देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और डीएचआर द्वारा गठित समिति के सदस्य। सदस्य, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के शासी निकाय; सदस्य, टीएचएसटीआई सोसायटी समिति; रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए चयन समिति के सदस्य; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर के शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य।

11.1. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति
एस राजेश्वरी

पुस्तकालय-प्रभारी
श्याम सिंह चौहान
(25 अक्टूबर 2020 तक)

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष
शांतनु गांगुली
(23 अक्टूबर 2020 से)

पृष्ठभूमि

बी बी दीक्षित पुस्तकालय केन्द्रीय पुस्तकालय एवं ज्ञान केंद्र है जो सभी विभागों एवं उत्कृष्टता केंद्र के विभिन्न हितधारकों (संकाय, यू.जी., पी जी एवं अनुसंधानकर्ता) को स्वास्थ्य एवं नैदानिक उपचार पर ज्ञान-आधारित मूल्य-संवर्धित सेवाएं प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय 24 घंटे खुला होता है जहां मुद्रित एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों में विशाल संसाधन उपलब्ध है। पुस्तकालय में एम्स नई दिल्ली के पाठकों, कर्मचारियों (दोनों तकनीकी एवं गैर तकनीकी) स्वास्थ्य उपचार क्षेत्र में हिन्दी पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय दो मंजिलों में विभाजित है। पहली मंजिल पर 300 प्रयोक्ताओं के बैठने की क्षमता सहित मुद्रित पुस्तकें उपलब्ध है। निचले भूतल पर 100 प्रयोक्ताओं के बैठने की स्थान क्षमता सहित मुद्रित पत्रिकाएं एवं समाचारपत्र, सजिल्द वॉल्यूम एवं पुस्तक कोष का संग्रह है। औसतन, पुस्तकालय में रोजाना 350 पाठक आते हैं। पुस्तकालय जैवचिकित्सीय शिक्षा एवं अनुसंधान में सहायता के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। पुस्तकालय में मुख्य रूप से ई-संसाधन (80%) उपलब्ध हैं जिन्हे चिकित्सकों एवं संकाय सदस्यों को उनके अनुसंधान कार्य के लिए किसी भी समय किसी भी स्थान पर रीमोट एक्सेस प्लेटफार्म के द्वारा हमेशा उपलब्ध कराया जाता है। संसाधन संग्रह का एक संक्षिप्त अवलोकन निम्नलिखित है:

प्रमुख संसाधन संग्रह

मुद्रित संसाधन	कुल संख्या
कुल मुद्रित पुस्तकें	91884
कुल हिन्दी पुस्तकें	2965
कुल सजिल्द पत्रिकाओं के वॉल्यूम	84391
थीसिस	7634

ई-संसाधन	विवरण
ई-पत्रिका	1416 स्कालर पत्रिकाएं, डेन्टिस्ट्री एण्ड ओरल साइंस सोर्सेस (डीओएसएस एग्रीगेटर)
ई -पुस्तक	162 एक्सेस मेडिसन, ऑक्सफोर्ड मेडिसिन ऑनलाइन(83), ओवीआईडी (103 ई-पुस्तकें)
पॉइंट ऑफ केयर डाटाबेस	अप-टू-डेट (कभी भी कहीं भी), बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, बीएमजे केस रिपोर्ट, एकलेंड एनाटमी, मेडवन सर्जरी, एनईजेएम जर्नल वाच
ई-लर्निंग पैकेज	जेएएमए एविडेंस, बीएमजे रिसर्च टू पब्लिकेशन, एचएसटॉक लेक्चर सीरीज, बीएमजे लर्निंग
एब्सट्रैक्टिंग एवं इंडेक्सिंग डाटाबेस	ईएमबीएएसई, वेब ऑफ साइंस (साइटेशन एनालिसिस डेटाबेस), जर्नल साइटेशन रिपोर्ट, स्कोपस (साइटेशन एनालिसिस डेटाबेस)
सेवाओं पर एक्सेस सुविधा सॉफ्टवेयर	लिब-सीस प्रीमिया (संस्क. 10) पुस्तकालय ऑटमैशन ईबीएससीओ खोज सेवा (सभी सदस्यता प्राप्त ई-संसाधन हेतु एकल बिन्दु खोज) सभी ई-संसाधन रीमोटएक्स (RemoteXs) के माध्यम से कैम्पस के अंदर, कैंपस के बाहर ओपनएथेंस (OpenAthens) सुविधा के द्वारा आईपी सक्षमता के द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं
साहित्यिक चोरी की सत्यापन सेवा	आईथेंटिकेट (iThenticate) वेब सक्षम साहित्यिक-चोरी विरोधी उपकरण

इन ऑनलाइन डेटाबेस, ई-पत्रिका और ई-लर्निंग पैकेजों को वेब-स्केल खोज सेवा (एकल बिन्दु खोज), आईपी इनेबल्ड एक्सेस और रिमोटएक्स सुविधा का उपयोग करके लाइब्रेरी के भीतर, कैंपस में या कैंपस के बाहर से लाभ लिया जा सकता है। वर्ष के दौरान, रिमोट एक्सेस सुविधा वर्ष 2020-21 के लिए 288 नए रिमोटएक्स खाते बनाए गए। कुछ चुनिंदा समाज-आधारित पत्रिकाएँ हैं, जिन्हें उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। स्वास्थ्य देखभाल ज्ञान सेवाओं तक आवश्यक पहुंच पुस्तकालय वेबपेज: http://www। aiims.edu/hi/library.html के माध्यम से प्रसारित की जाती है। संकाय-सदस्यों और अकादमिक रेजिडेंट डॉक्टरों को एकल-बिन्दु मेटा-सर्च http://elibraryaiimsdelhi.remotexs.in के माध्यम से परिसर के बाहर और देश के अन्य हिस्सों में भी ई-संसाधनों तक पहुंच के लिए प्रदान किया जाता है। पुस्तकालय शैक्षिक एकता के लिए अपने हितधारकों को शोध-आधारित सेवाएं भी प्रदान करता है, जैसे साहित्यिक चोरी सत्यापन सुविधा। वर्ष 2020-21 के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों की कुल संख्या 4481 थी। पुस्तकालय का अपना स्वयं का सर्च इंजन है जिसे '*सिंगल पॉइंट सर्च*' वेब-स्केल खोज सेवा कहा जाता है जो उपयोगकर्ताओं के लिए ग्रंथसूची प्रबंधन प्रणाली के लिए एक उपकरण के रूप में भी कार्य करता है। पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद, बजट आबंटन और पुस्तकालय संचालन तथा सेवाओं और कार्य तंत्र में सुधार करने के लिए ऑनलाइन उपलब्धता के लिए सभी पत्रिकाओं की संस्थागत सदस्यता प्राप्त करने और ऑनलाइन गतिविधियों के लिए दुनिया भर में

अन्य पुस्तकालयों के साथ सहयोग विकसित करने के बारे में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष को सलाह देता है। समिति की बैठक हर तीन महीने में कम से कम एक बार या आवश्यकता पड़ने पर होती है।

पुस्तकालय में एक आंतरिक सूचना संचार और प्रबंधन प्रणाली है जिसमें 3 सर्वर और 49 कंप्यूटर शामिल हैं। पुस्तकालय की अपनी वाई-फाई सेवा है और वर्ष के दौरान लगभग 1200 उपयोगकर्ता इससे लाभान्वित हुए। पुस्तकालय लिबसीस प्रीमिया ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर प्रणाली का उपयोग करता है जो डेटा प्रविष्टि और पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों की पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता करता है। एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए सभी दस्तावेज/ग्रंथसूची सेवाओं के साथ-साथ कई पुस्तकालय संचालन संबंधी कार्यों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के संचालन खंड को आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड प्रणाली के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत किया गया है और स्वचालित अनुस्मारक प्रणाली के साथ पुस्तकों की ऑनलाइन वापसी को उपयोगकर्ता के ईमेल के साथ एकीकृत किया गया है। पुस्तकालय के पाठकों को जारी किए गए कुल आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड 463 हैं। पुस्तकालय वर्तमान जागरूकता सेवा और संदर्भ और रेफरल सेवाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय ई-संसाधन बुलेटिन, एम्स इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी बुलेटिन और न्यू बुक्स बुलेटिन प्रकाशित करता है। यह वेब-आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक कैटलॉग (वेब ओपेक), रिप्रोग्राफी और शैक्षिक साहित्य का मुद्रीकरण जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से छात्रों, शोधार्थियों और डॉक्टरों के लिए अभिविन्यास और सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता करता है।

इस वर्ष पुस्तकालय ने ई-पत्रिका, डेटाबेस, पुस्तक और अन्य दस्तावेजों, आईटी उपकरण, सेवाओं आदि की खरीद में लगभग 18.14 करोड़ रुपये खर्च किए। वर्ष के दौरान पुस्तकालय में लगभग 608 थीसिस (मुद्रित और सीडी रूप में), 53 हिंदी किताबें और 22 उपहार में दी गई किताबें आईं। डेलनेट के माध्यम से अंतर पुस्तकालय ऋण सेवा भी प्रदान की गई। पुस्तकालय में ऑनलाइन मंच के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और निबंध (ईटीडी) की सुविधा है। अब, थीसिस और शोध प्रबंध पुस्तकालय के पाठकों के लिए मुद्रित, सीडी प्रारूपों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (24x7) http://bbdletd.aiims.edu/ के माध्यम से उपलब्ध हैं।

प्रदत्त भाषण:

शांतनु गांगुली: 8 जहांगीर खान: 1

महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ शांतनु गांगुली जर्नल ऑफ अकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एड्मिनिस्ट्रेशन(जेएएचए) के कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त सलाहकार संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे।

नीतू प्रिया संस्थान वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स नई दिल्ली की सदस्य थी।

11.2. कैफेटेरिया

अध्यक्ष
शुभाशीष पांडा
उप-निदेशक (प्रशासन)

सदस्य-सचिव
राकेश कुमार शर्मा
वरिष्ठ भंडार अधिकारी

लेखा अधिकारी
मीनाक्षी डबराल

महाप्रबंधक
के.के. शर्मा

अ.भा.आ.सं. कैफेटेरिया को विभागीय कैंटीन की श्रेणी के तहत स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर स्वास्थ्यकर वातावरण के अंतर्गत तैयार किया गया पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। यह कैफेटेरिया संकाय सदस्यों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, छात्रों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों सहित संस्थान के 15,000 से अधिक कर्मचारियों के खान-पान संबंधी आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। कैफेटेरिया प्रबंधन समिति के पर्यवेक्षण के तहत विभिन्न स्थानों / केद्रों में चौबीस घंटे कैफेटेरिया सेवा प्रदान की जा रही है। यह कैफेटेरिया महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों कार्यशालाओं, संगोष्ठी आदि के दौरान अ.भा.आ.सं. के सभी उच्च कार्यालयों की आतिथ्य सेवाओं की पूर्ति भी करता है।

अ.भा.आ.सं. परिसर में नए ब्लॉकों में अतिरिक्त अ.भा.आ.सं. स्टाफ क्षमता, रोगियों एवं उनके संबंधियों के आगमन के परिणामस्वरूप संस्थान में खान-पान की सेवाओं में अत्यधिक विस्तार की जरूरत को ध्यान में रखते हुए इसमें उच्च कुशल व्यावसायिक सेवाओं की आवश्यकता अनुभव की गई है। कैफेटेरिया सेवाओं के क्षेत्र को दो भागों में निर्धारित किया गया है एवं इस सेवा को एक ओपन क्यूसीबीएस निविदा प्रक्रिया के द्वारा एक व्यावसायिक एजेंसी को आउटसोर्स किया गया।

वर्तमान में मुख्य कैफेटेरिया का संचालन अ.भा.आ.सं. के आंतरिक स्टाफ द्वारा किया जा रहा है। मैसर्स जे.एस. हॉस्पिटेलिटी सर्विस प्रा. लिमि. को अ.भा.आ.सं. की अन्य सुविधाओं में किचन एवं कैफेटेरिया सेवाएं प्रदान करने की संविदा प्रदान की गई है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न भागों में 11 आउटलेट्स पर कैफेटेरिया / किचन सेवाएं प्रदान की जा रही है।

वर्तमान में संस्थान में संपूर्ण कैफे सेवाओं का प्रबंधन निम्न तरीके से किया जाता है:-

1. ज़ोन-1 के अतंर्गत — अ.भा.आ.सं. कैफेटेरिया
2. ज़ोन-2 के अतंर्गत — मैसर्स जे.एस. हॉस्पिटेलिटी सर्विस प्रा. लिमि.

कर्मचारी संख्या

कैफेटेरिया विभाग में नियमित आधार पर 24 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है और 101 कर्मचारी संविदा आधार पर नियुक्त हैं।

वार्षिक टर्न ओवर

कैफेटेरिया विभाग का कुल टर्न ओवर लगभग 1.25 करोड़ है।

11.3. केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य

एस.एस. चौहान

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी

पी.के. यादव

वर्ष के दौरान, केन्द्रीय पशु सुविधा (सी.ए.एफ.) में केवल चूहों, मादा चूहों, खरगोश, गिनी पिग तथा हेमस्टर्स को अनुरक्षित रखा गया।

छोटे पशु (रोडेंट्स):

वर्ष के दौरान प्रयोगशाला पशुओं की औसत संख्या निम्नलिखित थी।

1.	चूहे (विस्टर):	2044
2.	चूहे (स्प्रेग डॉले):	469
3.	मादा चूहे (स्विस):	947
4.	मादा चूहे बाल्ब/सी:	877
5.	मादा चूहे सी 57 बीएल/6:	441
6.	खरगोश (न्यूजीलैंड):	104
7.	गिनी पिग (डंकिन हार्टली):	37

विभिन्न विभागों को कुल 2187 छोटे पशु उपलब्ध कराए गए (चूहे 1540, मादा चूहे स्विस एलबिनो 441, मादा चूहे बाल्ब/सी 77, मादा चूहे सी 57 बीएल/6 94, खरगोश 25 तथा गिनी पिग 10)। दिल्ली तथा दिल्ली से बहार के अन्य शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थानों को कुल 1892 पशु बेचे गए (चूहे 1247, मादा चूहे 635 तथा खरगोश 10)।

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

केन्द्रीय पशु सुविधा में विभिन्न विभागों के संकाय, अन्वेषकों तथा छात्रों द्वारा एक सौ तेहत्तर (173) शल्य प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं। इसमें शरीर रचना, जैवरसायन, आई.आई.टी. नई दिल्ली के सहयोग से जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी, जैवभौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, जठरांत्ररोगविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, बाल शल्य चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, प्रजनन जैव विज्ञान तथा स्टेम सेल सुविधा शामिल हैं।

संस्थानिक पशु नीति विषयक समिति

संस्थानिक पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी.) को मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (भारत सरकार) के तहत जन्तुओं पर प्रयोग के नियंत्रण तथा पर्यवेक्षण के प्रयोजन हेतु समिति (सी.पी.सी.एस.ई.ए.) द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। एम्स की सी.पी.सी.एस.ई.ए. पंजीकरण संख्या 10/जी.ओ./आरईबीआईबीटी/एस/9/सी.पी.सी.एस.ई.ए. है "शिक्षा के उद्देश्यों हेतु अनुसंधान, आन्तरिक उपयोग के लिए प्रजनन तथा छोटे

पशुओं के व्यापार कार्य के उद्देश्य के लिए प्रजनन (चूहे, मादा चूहे, खरगोश, गिनी पिग तथा हेमेस्टर)।" संस्थानिक पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी.) ने विभिन्न अन्वेषकों की 25 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी तथा 2 परियोजनाओं को छोटे पशुओं (रोडेन्टस) पर अध्ययन करने हेतु विस्तार प्रदान किया गया। डॉ. एस.एस. चौहान आई.ए.ई.सी. के अध्यक्ष थे तथा डॉ. पी.के. यादव आई.ए.ई.सी. के सदस्य-सचिव थे।

प्रदत्त सेवाएं

केन्द्रीय पशु सुविधा ने शरीर रचना, जैव रसायन, आई.आई.टी., नई दिल्ली के सहयोग से जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग यूनिट, जैव भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, जठरांत्ररोगविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तांत्रिकाशल्यचिकित्सा, नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद, बाल शल्य चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, प्रजनन जैवविज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान तथा स्टेम सेल सुविधा से संबंधित पशुओं का रख-रखाव कर रहा है। इस विभाग से संबंधित प्रायोगात्मक प्रयोगाशाला पशुओं (उदाहरणतः चूहे 121, मादा चूहे 194, खरगोश 1 तथा गिनी पिग 2) का पूरे वर्ष रख-रखाव किया गया।

प्रतिरक्षा की कमी वाले पशुओं (न्यूड तथा ट्रांसजेनिक मादा चूहे) के साथ अनुसंधान हेतु सुविधाओं पर कार्य हो रहा है एवं यह शीघ्र ही क्रियाशील होगी।

आई.ए.ई.सी. ने शरीर क्रिया विज्ञान, भेषजगुण विज्ञान, नेत्र भेषजगुण विज्ञान तथा रा.प्र. नेत्रविज्ञान केन्द्र की फार्मेसी को इस विभाग में प्रयोगशाला पशुओं को रखने की अनुमति प्रदान की है। ये विभाग केन्द्रीय पशु सुविधा के पर्यवेक्षण के तहत अपने विभाग में प्रयोगशाला पशुओं का रख-रखाव करते हैं।

शैक्षिक कार्यक्रम में भाग लिया

पी.के. यादव

1. 'पशुचिकित्सा पोस्टमॉर्टम परीक्षा', पर ऑनलाइन प्रशिक्षण अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार, 23-24 सितम्बर 2020, पशु चिकित्सा विभाग, पशु चिकित्सा महाविद्यालय तथा अनुसंधान केन्द्र, तमिलनाडु पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, ओरथानाडु, जिला तंजावुर, तमिलनाडु में भाग लिया।
2. 'कोविड-19 परीक्षण तथा पशुजन्य रोगों से संबंधित जैव सुरक्षा मुद्दे' पर ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार 28 सितम्बर 2020, पशुचिकित्सा जन-स्वास्थ्य विभाग, पशुचिकित्सा विज्ञान तथा पशुपालन महाविद्यालय, डी.यू.वी.ए.एस.यू, मथुरा, उत्तर प्रदेश में भाग लिया।
3. 'शिक्षण प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में प्रयोगशाला पशुओं का उपयोग' पर ऑनलाइन औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 11 अक्टूबर 2020, त्रिचिनोपोली, नेहरू स्ट्रीट, बर्मा कलोनी, कट्टूर (पोस्ट), तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु।
4. "जी.एल.पी. परीक्षण तथा अध्ययन निर्देशक एवं अध्ययन कार्मिकों के उत्तरदायित्व" पर ऑनलाइन औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 13 अक्टूबर 2020, त्रिचिनोपोली, नेहरू स्ट्रीट, बर्मा कलोनी, कट्टूर (पोस्ट) तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडु में भाग लिया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. पी.के. यादव, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय पशु सुविधा, अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली, को मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, पशुपालन तथा डेयरी विभाग, भारत सरकार के तहत भारतीय पशुचिकित्सा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।

11.4. केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक

डॉ. गंगा प्रसाद

(आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार विभाग)

मुख्य तकनीकी अधिकारी

कालू राम, हरिंदर पाल

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

नितिन श्रीवास्तव (इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स)	मनप्रीत सिंह सूदन (इलेक्ट्रॉनिक्स)

उद्देश्य:

अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का सुचारु रूप से प्रदान करने हेतु कुशलतापूर्वक कार्य करने वाले यंत्रों का होना आवश्यक है। हालांकि, कई रोगी उपचार केंद्र महंगे एवं उत्कृष्ट उपकरण को खरीद लेते हैं, जो खराब रखरखाव के कारण टूट जाते हैं। यदि टूटे हुए उपकरणों की रिपोर्ट करने तथा योजना बनाने अथवा उन्हें मरम्मत पर ले जाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है तो उपकरण लंबे समय तक प्रयोग लायक नहीं रह सकते हैं। एक प्रभावशाली रखरखाव पद्धति अनुपयोगी उपकरण की समय अवधि को कम करेगी तथा वित्तीय दबाब को भी कम करती है।

केंद्रीय कार्यशाला की स्थापना सन् 1964 को शल्य उपकरणों एवं नैदानिक यंत्रों सहित चिकित्सीय उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु की गई थी। केंद्रीय कार्यशाला केवल विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव ही नहीं करती है अपितु शैक्षिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण भी करती है। इस प्रकार, यह एम्स में सुचारु एवं पूर्ण रोगी उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एकल तकनीकी विभाग होने के नाते यह संस्थान की विभिन्न प्रापण समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

कर्मचारियों की संख्या

उपर्युक्त कार्यों के निष्पादन हेतु तकनीशियनों एवं अधिकारीगणों की एक कुशल टीम विभाग में मौजूद है। यह टीम अस्पताल में विभिन्न उपकरणों को सुचारु रूप से कार्य करने के लिए कौशलात्मक सहयोग प्रदान करती है। केन्द्रीय कार्यशाला में विभिन्न अनुभाग हैं जिनका संचालन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में स्टाफ-सदस्यों द्वारा किया जाता हैं।

केन्द्रीय कार्यशाला में समूह 'ख' एवं 'ग' के स्टाफ-सदस्यों की संख्या निम्नानुसार है:

- तकनीकी अधिकारी - 4
- तकनीशियन (ग्रेड I) - 4
- कार्यालय लिपिक (जेएए) - 1
- भंडार लिपिक (जेएए) - 1

- तकनीशियन (ग्रेड II) - 7
- कार्यशाला सहायक - 3
- प्रचालक (ई तथा एम) - 4
- खलासी - 1

उपलब्ध सेवाएं

यह कार्यशाला मुख्य अस्पताल, केन्द्रों, एनडीडीटीसी गाज़ियाबाद और सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ को निम्नलिखित सेवाओं को प्रदान करती हैं:

मरम्मत एवं रखरखाव

केन्द्रीय कार्यशाला में विविध उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए विभिन्न अनुभाग है। वर्ष के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 5656 काम / कार्य प्राप्त एवं पूर्ण किए गए।

मरम्मत किए गए उपकरणों के कुछ अनुभाग-वार उदाहरण निम्नलिखित हैं:-

क्र.सं.	अनुभाग	कार्यों की संख्या	उपकरण का विवरण
01	इलेक्ट्रॉनिक्स	911	पेशेंट मॉनीटर्स, इन्फ्यूजन पंप, विनियमित पॉवर सप्लाईज, इलेक्ट्रॉनिक तराज़ू मशीन, लाइट सोर्सेज, ईईजी मशीन, सीलिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक नेबूलाईजर, डीवीटी पम्पस, सीवीटी / स्टैबला ईज़र, इंडक्शन हॉट प्लेट, नेबूलाईज़र, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ऑपरेशन टेबल (रिमोट कंट्रोल्ड), माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव ओवन, कलर टेलीविज़न, स्टूडियों लाइट, पेशेंट वार्मर, एलईडी व्यू बॉक्स, एलिसा वॉशर और रीडर, रिएक्शन टाइमर, एयर मैट्रेस पंप आदि।
02	इलेक्ट्रिकल	658	आटोक्लेव मशीन, गाइनी परीक्षण / गूज नैक / बुक आई लैंप, बॉईलर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, सक्शन मशीन, फलाई कीलर मशीन, फ्यूमीगेटर, गॉज / प्लास्टर कटर्स, ग्राइडंर, हॉट केस, हॉट एयर ओवेन्स, हॉट डिसप्ले काउटंर, हॉट प्लेट्स, इनक्यूबेट, लैमिनार फलो, मायो स्टैंड, मिक्सर ग्राइंटर, मैग्नेटिक स्टिरर, नीढल डिस्ट्रॉयर्स, ओटी लाइट्स, स्पॉट लाइट, स्टीम बाथ, स्टेरीलाईज़र्स, यूवी लाइट्स, वैक्यूम क्लीनर्स, एम्स-रे व्यू बॉक्स, वोर्टेक्स रोकर, वाटर बाथ, वैक्स बाथ, इलेक्ट्रिक केतली आदि।
03	मैकेनिकल	2558	सर्जिकल उपकरण, ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब, स्प्रे पंप, वेपोर जेट क्लीनिंग मशीन, कैंची (पट्टी काटने वाली) बेडसाइड लॉकर्स, आई.वी. स्टैंड्स, पेशेंट ट्रॉली, पेशेंट

04			बेड, व्हील चेयर्स, लोडिंग ट्रॉली, फूड ट्रॉली, साइड स्क्रीन, इंस्ट्रूमेंट ट्रॉली, बेसिन स्टैंड, फूडस्टेप, सर्जिकल ड्रम, पुश कार्ट, पेशेंट एग्जामिनेशन टेबल, हाइड्रोलिक ट्रॉली, टेस्ट ट्यूब स्टैंड्स, रिवोल्विंग स्टूल आदि।
04	फाइन इंस्ट्रूमेंट	916	डिजिटल बी.पी. उपकरण, माइक्रो बैलेंसिज, डायल बी.पी. उपकरण, स्टेथोस्कोप, तौल मशीन, कंप्रेसर, फलोमीटर्स, ऑक्सीजन रेगुलेटर्स, हाइड्रोलिक टेबल्स, लैरिंगोस्कोप आदि।
05	रेफ्रीजरैशन	195	वीसी कूलर्स, डीप फ्रीज़र्स, चिल्लिंग यूनिट, आईक्रीम कैबिनेट, रेफ्रीजरेटर्स, कोल्ड डिसप्ले काउंटर्स, मिनिकोल्ड, रेफ्रीजरेटिड बीओडी इनक्यूबेटर आदि।
06	पेंटिंग	418	कार्यालय एवं अस्पताल की सभी फर्नीचर सामग्री जैसे बेड, इंट्रावीनस स्टैंड्स, सभी प्रकार की ट्रॉली, व्हील चेयर्स, बेंचिस, फुटस्टेप्स, पेशेंट साइड लॉकर्स, पिजन लॉकर्स, पेशेंट एग्जामिनेशन टेबल्स, पुश कार्ट्स, अलमारियाँ, रैक आदि।
	कुल कार्य	**5656**	

निर्माण एवं मार्गदर्शन

मरम्मत एवं रखरखाव की गतिविधियों के धीरे-धीरे बढ़ते हुए भार के बावजूद भी केन्द्रीय कार्यशाला विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष विवरण के अनुसार रोगी उपचार अथवा वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोगी उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण द्वारा संस्थान की मदद करने में सक्षम है।

वर्ष 2020-21 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 1297 (एक हज़ार दो सौ सत्तानवे) उपकरणों का निर्माण किया गया था। उपकरणों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	उपकरण का विवरण	मात्रा	विभाग
01	सर्जिकल उपकरण के लिए हैंडल	12	अस्थिरोग विज्ञान ओ.टी., जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा सेंटर ओ.टी.
02	टेम्प चार्ट होल्डर	30	मुख्य अस्पताल
03	इंटूबेशन रोबॉट कोविड-19	1	टी.सी. आपात-चिकित्सा
04	एमआईआरए रोबॉट कोविड-19	2	कम्प्यूटर सुविधा
05	सैम्पलिंग सीट कोविड-19	22	इएचएस,आरपीसी,आईआरसीएच
06	एंडोस्कॉपी होल्डर	3	ईएनटी
07	फोन स्टैंड	1	कम्प्यूटर सुविधा

क्र.सं.	उपकरण का विवरण	मात्रा	विभाग
08	टेबल स्टैंड	1	कम्प्यूटर सुविधा
09	कॉपर स्टीलेट	32	एमओटी / सीटी 6
10	एल्यूमीनियम कलैंप	40	पैथोलॉजी
11	सैंपल ट्रे	3	मुख्य अस्पताल
12	स्टूडियो लाइट हैंगर	5	एसईटी सुविधा
13	एल्यूमीनियम ब्लॉक	205	आईआरसीएच
14	हुक्स	2	शल्य चिकित्सा
15	वुडेन स्प्लिन्ट	930	टीसी आपात-चिकित्सा
16	इलूमनेशन स्टैंड	1	पैथोलॉजी
17	सैंपल बॉक्स	1	स्त्रीरोग विज्ञान
18	इलेक्ट्रॉनिक सेट अप फॉर लैपरोस्कोपिक ट्रेनिंग	1	शल्य चिकित्सा
19	पसीना जांच मशीन	5	शल्य चिकित्सा
	कुल	**1297**	

1) अल्पकालीन प्रशिक्षण

विभाग विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातकपूर्व के छात्रों को अल्पकालीन प्रशिक्षण (4-6 सप्ताह) प्रदान करने में सक्रिय रूप में संलग्न है।

2) प्रशिक्षण गतिविधि

विभाग बी.एस.सी. ओ.टी. टेक्नोलॉजी के छात्रों की शैक्षिक गतिविधियों से जुड़ा रहा है। इसके द्वारा छात्रों के पाठ्यक्रम के अनुसार विभिन्न इलेक्ट्रिक एवं मैकेनिकल विषयों पर कक्षाएं एवं प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं।

उपलब्धियां

1. केंद्रीय कार्यशाला को विकृतिविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली से विकृतिविज्ञानी नमूनों की सकल फोटोग्राफी के लिए इलूमिनेशन स्टैंड के डिजाइन और निर्माण में प्रदान की गई तकनीकी सहायता के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं।
2. केंद्रीय कार्यशाला ने इंटुबेशन बॉक्स, एंडोस्कोपी होल्डर, फोन और टैबलेट स्टैंड, एमआईआरए रोबोट और दस्ताने के साथ सैंपलिंग शीट जैसे कोविड स्वास्थ्य सेवा में उपयोगी वस्तुओं के डिजाइन और निर्माण में भी मूल्यवान सेवा प्रदान की है जो स्वास्थ्यकर्मियों को रोगी के नमूने लेने में मदद करते हैं।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी-आचार्य

ए. शरीफ

उप-निदेशक

एस.एन. रघु कुमार

सिस्टम एनालिस्ट

सतीश प्रसाद एस.के. मेहर संजय गुप्ता

वरिष्ठ प्रोग्रामर

हरि शंकर श्यामल बरुआ पवन शर्मा

तृप्ता शर्मा संजीव कुमार अमित भाटी

विशिष्टताएं

सेवाएं और शिक्षा	आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क

• अस्पताल सूचना प्रणाली
• प्रयोगशाला सूचना प्रणाली
• आरआईएस/पीएसीएस
• इन हाउस मॉड्यूल:
  ○ प्रशासन और बैक ऑफिस
  ○ क्लीनिकल
• कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा एप्लीकेशन
• एम्स वेबसाइट: www.aiims.edu
• स्व ईमेल और एसएमएस सेवाएं
• पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों के लिए कंप्यूटर शिक्षा कक्षाएं
	• 9500+ नोड्स का प्रबंधन
	• हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन के लिए एनकेएन कनेक्टिविटी
	• इमारतों में वाई-फाई कवरेज
	• अत्याधुनिक डाटा सेंटर
	• अत्याधुनिक आईटी सुरक्षा
	• अत्याधुनिक 3 स्तरीय नेटवर्किंग आर्किटेक्चर
	• यूटीएएम/फ़ायरवॉल

सॉफ्टवेयर सेवाएं और शिक्षा

अस्पताल सूचना प्रणाली

eHospital@NIC सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) लागू की गई है जिसके माध्यम से निम्नलिखित मॉड्यूल का प्रबंध किया जाता है:

- ऑनलाइन अपॉइंटमेंट
- ओपीडी पंजीकरण (नया और फॉलो अप)
- पेशेंट बिलिंग
- सूची प्रबंधन मॉड्यूल
- प्रयोगशाला मॉड्यूल
- एडमिशन, डिस्चार्ज और स्थानान्तरण
- मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग
- आहार सेवाएं
- ब्लड बैंक

एचआईएस का स्नोमेड सीटी के साथ पूरी तरह से अनुपालन किया गया है।

ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की स्थिति

नए मरीज	**फॉलो-अप पेशेंट**
102050	116043

ओपीडी पंजीकरण (नए और फॉलो-अप) की स्थिति

केंद्र का नाम	**नए पंजीकरण (फिजिकल)**	**फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)**	**नए पंजीकरण (टेली कंसल्टेशन)**	**फॉलो-अप पंजीकरण (टेली कंसल्टेशन)**
मुख्य अस्पताल	104891	177240	224	36906
सीएन केंद्र	13224	36494	1261	23428
डॉ. आरपी केंद्र	36616	67020	14	1236
सीडीईआर	21236	26749	892	612
आईआरसीएच	21185	14548	0	0

भर्ती, छुट्टी और स्थानान्तरण के आँकड़े

भर्ती	**स्थानांतरण**	**छुट्टी**
138133	60763	138587

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली अंतरराष्ट्रीय एचएल7 मानकों का पालन करते हुए प्रयोगशाला उपकरण और ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर के एकीकरण के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है। एलआईएस से जुड़े प्रयोगशाला उपकरण हैं:

क्र.सं.	प्रयोगशाला का स्थान	उपकरण का नाम	संख्या	मशीन का प्रकार
1	सीएनसी	बकमैन 5 प्लॉट सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
2	सीएनसी	आईरिस आईकाउंट3	1	एकल-दिशात्मक
3	सीएनसी	इम्युलाइट 1000	1	एकल-दिशात्मक
4	सीएनसी	बायो-रेड10	1	एकल-दिशात्मक
5	सीएनसी	एलिफेक्स आर20 ईएसआर मशीन	1	एकल-दिशात्मक
6	सीएनसी	बेकमैन 3 प्लॉट सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
7	आरपीसी रुधिर विज्ञान (सातवां तल)	बेकमैन कल्टर 5 प्लॉट एक्ट डिफ सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
8	आरपीसी रुधिर विज्ञान (सातवां तल)	सिस्मेक्स केएक्स21	1	एकल-दिशात्मक
9	आरपीसी रुधिर विज्ञान (छठा तल)	बेकमैन एयू680	1	द्वि-दिशात्मक
10	एंडोक्रिनोलॉजी-1	बायो-रेड डी10	1	एकल-दिशात्मक
11	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	कोबास 6000	1	द्वि-दिशात्मक
12	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	मूत्र विश्लेषक	1	एकल-दिशात्मक
13	गुर्दे	कोबास सी3 11	1	द्वि-दिशात्मक
14	गुर्दे	एबॉट आर्किटेक्ट1000	1	द्वि-दिशात्मक
15	गुर्दे	आईओएनएस	2	एकल-दिशात्मक
16	आपातकालीन विभाग	एक्यूटी 90	1	एकल-दिशात्मक
17	आपातकालीन विभाग	एबीएल 800	1	एकल-दिशात्मक
18	आपातकालीन विभाग	पेंट्रा एक्सएल	1	एकल-दिशात्मक
19	न्यू प्राइवेट वार्ड द्वितीय तल	मिनी कैप	1	एकल-दिशात्मक
20	बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी	कोबास ई411	1	द्वि-दिशात्मक
21	सीएनसी	बेकमैन कल्टर एयू 680	1	द्वि-दिशात्मक

22	सीएनसी	बेकमैन कल्टर 480	1	द्वि-दिशात्मक
23	प्रजनन जीवविज्ञान	एबट आर्किटेक्ट 1000	1	द्वि-दिशात्मक
24	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस 4 सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
25	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस 9 सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
26	आईआरसीएच द्वितीय तल	एमएस4 सेल काउंटर	2	एकल-दिशात्मक
27	आईआरसीएच द्वितीय तल	एमएस9 सेल काउंटर	2	एकल-दिशात्मक
28	लैब मेडिसिन रूम नंबर-2	कोम्बिलिन	2	एकल-दिशात्मक
29	लैब मेडिसिन रूम नंबर-2	कैरटियम	2	एकल-दिशात्मक
30	सीएनसी रूम नंबर 53 ग्राउंड फ्लोर	हिटाशी मॉड्यूलर	1	द्वि-दिशात्मक
31	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	बेकमैन कल्टर एक्सेस2	1	द्वि-दिशात्मक
32	लैब मेडिसिन रूम नंबर 20	हिताची मॉड्यूलर	2	द्वि-दिशात्मक
33	एंडोक्रिनोलॉजी-01	कोबास इंटेग्रा	1	द्वि-दिशात्मक
34	सीएनसी	स्टा कॉम्पैक्ट	2	द्वि-दिशात्मक
35	आरपीसी (छठा तल)	बेकमैन कल्टर एयू680	1	द्वि-दिशात्मक
36	आरपीसी (छठा तल)	एक्सेस 2	1	द्वि-दिशात्मक
37	न्यू प्राइवेट वार्ड द्वितीय तल	स्टा कॉम्पैक्ट	1	द्वि-दिशात्मक
38	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 1000	1	द्वि-दिशात्मक
39	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 4000	1	द्वि-दिशात्मक
40	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 2000	1	द्वि-दिशात्मक (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
41	एंडो-02	कोबेस 411	4	द्वि-दिशात्मक
42	एंडो-02	संपर्क	2	द्वि-दिशात्मक

43	एंडो-02	कोबेस 411	1	द्वि-दिशात्मक (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
44	एंडो-02	संपर्क एक्सएल	1	द्वि-दिशात्मक
45	सीएनसी	एडविया	1	द्वि-दिशात्मक
46	सीएनसी	एडविया सेंटुरा एक्सपी	1	द्वि-दिशात्मक
47	सीएनसी	बेकमैन कल्टर एक्ट5	1	द्वि-दिशात्मक
48	जैव रसायन	विट्रो विश्लेषक	1	द्वि-दिशात्मक
49	एंडो-01	थोश जी8	1	एकल-दिशात्मक
50	लैब मेडिसिन रूम नंबर-2	एलीटएसीएल	1	द्वि-दिशात्मक (आईओटी आधारित इंटरफेसिंग)
		एकल-दिशात्मक	**27**	
		द्वि-दिशात्मक	**33**	
		कुल गणना	**60**	

आरआईएस और पीएसीएस

आरआईएस

विभिन्न रेडियोलॉजिकल जांच की एपॉइमेंट ई-हॉस्पिटल आरआईएस सिस्टम के माध्यम से दी जाती है। जांच के बाद के परिणाम भी एचएल7 का उपयोग करके एचआईएस सिस्टम में वापस ले लिए जाते हैं। आरआईएस के माध्यम से निर्धारित विभिन्न जांच नियुक्ति निम्नानुसार सूचीबद् हैं:

- प्लेन एक्स-रे
- सीटी स्कैन
- एमआरआई स्कैन
- अल्ट्रासोनोग्राफी
- पेट स्कैन
- नेत्र संबंधी रेडियोलॉजी
- मैमोग्राफी
- एंजियोग्राफी
- डेंटल एक्स-रे

ये जांच एम्स के विभिन्न केंद्रों में कई स्थानों पर की जाती है।

पीएसीएस

एम्स ने वेब-आधारित विज़ुअलाइज़र: ओवियम के साथ एक सामान्य केंद्रीकृत पीएसीएस सर्वर लागू किया है। यह प्रणाली स्टैंडअलोन विभागीय पीएसीएस सिस्टम (सीमेंस, जीई सेंट्रिकिटी, फिलिप्स, सोनोसाइट) के साथ एकीकृत है।

एम्स में ओपन सोर्स पैक्स से जुड़ी विधियां: कॉन्फ़िगर किए गए एईटी (एप्लिकेशन एंटिटी टाइटल) कहे जाने वाली विधियां की कुल संख्या 87 है। वर्ष 2014 के बाद से विभिन्न विभागों और स्थानों जैसे मुख्य एम्स, जेपीएनएटीसी, एनसीआई झज्जर से पीएसीएस सर्वर में अध्ययन को स्टोर करने के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है।

एचआईएस ई-अस्पताल के साथ पीएसीएस एकीकरण: यह एचएल 7 मानकों का उपयोग करते हुए रोगी जनसांख्यिकी विवरण प्राप्त करने के लिए एचआईएस के साथ एकीकृत है। यह रेडियोलॉजिकल जांच जैसे एक्स-रे, सीटी स्कैन, एमआरआई स्कैन आदि के लिए मांग को ऑनलाइन आरआईएस सिस्टम को भेजने में मदद करता है। पीएसीएस का एकीकरण विभिन्न विधियों के साथ किया गया था।

अपग्रेडेशन: कुछ बग संबंधी समस्या को ठीक करने और प्रदर्शन में सुधार के कारण ओपन पैक्स डीसीएम4सीएच ईईपीएसीएस संस्करण को 2.17.2 से 2.18.1 में अपग्रेड किया गया है।

ओवियम व्यूअर: डीआईसीओएम सी-ईटी/सी-मूव का उपयोग करके सीधे जीई - पीएसीएस से अध्ययन प्राप्त करने के लिए मॉड्यूल जोड़ा गया।

जेपीएनएटीसी पीएसीएस से **अध्ययन का ऑटो अग्रेषण** एम्स पीएसीएस में कॉन्फ़िगर किया गया है। क्रोम अपडेट 70 (अपडेट 70 में कुछ ब्राउज़र विशेषताओं को हटा दिया जाता है और एक वैकल्पिक समाधान किया जाता है) के कारण ओवियम (व्यूअर) सॉफ़्टवेयर अपडेट किया जाता है।

स्पिरोमेट्री रिपोर्ट अपलोड करने के लिए **पीडीएफ2डीआईसीओएम एप्लिकेशन** को स्थापित किया गया है जो पीडीएफ, जेपीजी जेपीईजी छवियों को डीआईसीओएम छवियों में परिवर्तित करती है और पीएसीएस सर्वर में ले जाता है।

वर्ष के दौरान विभिन्न अध्ययनों को ओपन पीएसीएस में स्टोर/संग्रहित किया गया

क्र.सं.	साधन	अध्ययनों की संख्या	साधन का स्थान
1	सीआर (कम्प्यूटेड रेडियोग्राफी)	44391	सीएनसी, आईआरसीएच, मुख्य एम्स, आरपीसी, ट्रॉमा ओपीडी, ट्रॉमा सेंटर
2	सीआर\एसआर	10	मुख्य एम्स, ट्रॉमा ओपीडी
3	सीटी (कम्प्यूटेड टोमोग्राफी)	10092	न्यू प्राइवेट वार्ड, मेन रेडियोलॉजी, मेन एम्स, आईआरसीएच, एनसीआई एम्स, आरपीसी, ट्रॉमा सेंटर

4	सीटी/ओटी/एसआर	5	सीटी8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स
5	सीटी/पीआर/एसआर	9	मुख्य एम्स, एनसीआई एम्स
6	सीटी/आरईजी	29	एनसीआई एम्स, मुख्य एम्स, आईआरसीएच
7	सीटी \ एसआर	24263	सीटी 8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स, एनसीआई एम्स, आईआरसीएच, ट्रॉमा सेंटर
8	डीएक्स (डिजिटल रेडियोग्राफी एक्स-रे)	40169	आईआरसीएच, सीटी8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स, आईआरसीएच, न्यू आरएके ओपीडी, एनसीआई एम्स, आरपीसी
9	डीएक्स/एसआर	4	नई आरएके ओपीडी, मुख्य एम्स
10	केओ/एमआर	2	मुख्य एम्स
1 1	मैमोग्राफी	865	आईआरसीएच, मुख्य एम्स
12	चुंबकीय अनुकंपन	1860	आईआरसीएच, मुख्य एम्स
13	अन्य	619	सीडीईआर एक्स-रे, मुख्य एम्स, एनसीआई झज्जर
14	पीआर	104	आईआरसीएच
15	पीटी/सीटी	68	मुख्य एम्स
16	आरईजी/एमआर/एसआर	1	मुख्य एम्स
17	आरएफ/सीआर	406	आईआरसीएच, मुख्य एम्स, ट्रॉमा ओपीडी
18	एसईजी/सीटी/एसआर	541	सीडीईआर एक्स-रे, मुख्य एम्स, एनसीआई एम्स, ट्रॉमा सेंटर, आईआरसीएच
19	यूएस (अल्ट्रासाउंड)	4775	आईआरसीएच, एनसीआई, मुख्य एम्स
20	एक्सए (एक्स-रे एंजियोग्राफी)	16	मुख्य एम्स

ओपन पीएसीएस में प्राप्त कुल अध्ययन: 128,227

औसत पीएसीएस एक्सेस समय: 12 महीनों के लिए कुल ओपन पीएसीएस एक्सेस समय 1572.083 घंटे है जिसे एलएएन (लैन) कनेक्शन और वाई-फाई पर एक्सेस किया गया था। औसत 1 महीने का पीएसीएस डेटा एक्सेस किया गया 1,572/12=131 घंटे प्रति माह है। प्रत्येक दिन का औसत एक्सेस समय लगभग 4.37 घंटे है।

इन हाउस मॉड्यूल

कंप्यूटर सुविधा में प्रोग्रामर्स की एक टीम होती है जो डॉट नेट तकनीक का उपयोग करके विभिन्न इन हाउस मॉड्यूलों का लगातार रखरखाव, उन्नयन और विकास करती है। हाल ही में, ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी को

प्रोत्साहित किया गया है और सॉफ्टवेयर विकास के उद्देश्य से इसका उपयोग किया गया है जिसमें पायथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, ट्राइटन फ्रेमवर्क और पोस्ट ग्रेएसक्यूएल डेटाबेस शामिल है।

प्रशासनिक और बैक ऑफिस मॉड्यूल

प्रशासनिक और बैक ऑफिस ऑटोमेशन के लिए, संस्थान में बनाए रखे जाने वाले और कार्यान्वित किये जाने वाले विभिन्न इन-हाउस मॉड्यूल नीचे सूचीबद्ध हैं:

- पे रोल प्रणाली
    - जीपीएफ सिस्टम: ऑनलाइन जीपीएस स्टेटमेंट
    - टैक्स मॉड्यूल: ऑनलाइन फॉर्म 16
    - पेंशन प्रणाली
- छात्रावास आवंटन और पंजीकरण प्रणाली
- ऑनलाइन वेतन पर्ची
- सतर्कता प्रणाली
- इंजीनियरिंग सेवा विभाग के लिए इन्डेंट पत्र और अवार्ड प्रणाली
- अकादमिक शिक्षण समय-सारणी और स्वचालित मेल
- ऑनलाइन विष सूचना
- ऑनलाइन अंग दान प्रपत्र
- ऑनलाइन परिवहन प्रणाली
- इलेक्ट्रॉनिक वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन और रिपोर्ट (ई-एपीएआर)
    - ट्राइटन आधारित ई-एपीएआर प्रणाली पर 11,264 फॉर्म तैयार किए गए और उन्हें पूरा किया गया।
    - एम्स के कर्मचारियों और सहायक कर्मचारियों द्वारा घर से काम कर रहे विभिन्न हेल्पडेस्क कर्मियों द्वारा 500 से अधिक टिकटों का समाधान किया गया।
- चेक और समाशोधन
    - हमारे सिस्टम से 5937 चेक प्रिंट किए गए।
- सभी सदनों के लिए विश्राम सदन डिजिटल प्रबंधन शुरू किया गया।
- दावा: बाल शिक्षा भत्ता, समयोपरि भत्ता, वाहन भत्ता, टेलीफोन बिल, समाचार पत्र बिल, मानदेय आदि के लिए एक प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई।
- फिजिक्ल चेक के उपयोग के बिना भुगतान करने के लिए एसबीआई कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग के साथ एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित की गई।
- सुरक्षा लेखापरीक्षा: एसटीक्यूसी निदेशालय के साथ ट्राइटन-आधारित अनुप्रयोगों के लिए सुरक्षा लेखापरीक्षा शुरू की।

पूरे संस्थान में फाइल की गतिविधियों की ऑनलाइन ट्रैकिंग के लिए ई-ऑफिस@एनआईसी सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन में कंप्यूटर सुविधा टीम भी शामिल है।

क्लिनिकल मॉड्यूल

क्लिनिकल साइड ऑटोमेशन में अनुरक्षित और कार्यान्वित किए गए विभिन्न इन-हाउस मॉड्यूल नीचे सूचीबद्ध हैं:

- आपातकाल में पीडीएस (पेशेंट डिस्प्ले सिस्टम): 55,864 मरीजों का विवरण इमरजेंसी, न्यू आपातकाल और बाल चिकित्सा आपातकालीन के लिए पंजीकृत किया गया है।
- गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल (क्यूएएम): सम्मेलनों, व्याख्यानों, संकाय सदस्यों की बैठकों और डॉक्टर के ग्रेडिंग उद्देश्य के लिए भी 531 प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं।
- क्यूएएम/एचए: एचए द्वारा ग्रेडिंग के उद्देश्य से 26 प्रविष्टियाँ की गई हैं।
- आरपीसी पीडीएस: आरपीसी पीडीएस प्रणाली में 2697 मरीजों का विवरण दर्ज किया गया है।
- ओटी शेड्यूलिंग: विभिन्न विभागों के लिए 28,883 ओटी शेड्यूलिंग की गई है।
- उपकरण चेकलिस्ट आरपीसी: आरपीसी में उपकरणों के लिए 640 चेकलिस्ट बनाई गई हैं।
- ई जन्म प्रमाण पत्र: इस मॉड्यूल के माध्यम से 1629 जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं।
- ई रक्त अनुरोध: रोगियों के लिए रक्त की व्यवस्था के लिए रक्त अनुरोध किया जाता है।
- एसएनओएमईडी सीटी का उपयोग: हमने इस मॉड्यूल में डायग्नोसिस आदि क्षेत्रों में एसएनओएमईडी सीटी को एकीकृत किया है। रिकॉर्ड किए गए लेनदेन की कुल संख्या 2597 है।
- ई कैथ सूची: कैथ प्रयोगशाला के लिए 388 शेड्यूलिंग की गई है।
- ई एमएलसी: एमएलसी मामलों के लिए 9557 मेडिकल रिकॉर्ड बनाए गए हैं।
- एसएनओएमईडी सीटी का उपयोग: यह डॉक्टरों के लिए ईएमएलसी तैयार करने का एक ऑनलाइन मॉड्यूल है। एसएनओएमईडी सीटी इस मॉड्यूल में कथित एच/ओ, डायग्नोसिस जैसे क्षेत्रों में एकीकृत है। दर्ज किए गए लेनदेन की कुल संख्या 8,406 है।
- ई एमएलसी आरपीसी: आरपीसी में एमएलसी मामलों के लिए 16 मेडिकल रिकॉर्ड बनाए गए हैं।
- पेनिसिलिन रजिस्टर: पेनिसिलिन सेवन के संबंध में शेड्यूलिंग और अलर्ट करने के लिए 119 पंजीकरण किए गए हैं।
- गामा नाइफ रजिस्टर: गामा नाइफ प्रक्रिया के लिए 49 पंजीकरण किए गए हैं।
- ऑनलाइन एडमिशन स्लिप: विभिन्न विभागों के तहत बिस्तरों की उपलब्धता के आधार पर ओपीडी और आपात स्थिति दोनों के रोगियों को मिलाकर कुल 9464 एडमिशन स्लिप एक वास्तविक मंच में प्रदान की गई हैं। एसएनओएमईडी सीटी इस मॉड्यूल में डायग्नोसिस आदि जैसे क्षेत्रों में एकीकृत है और दर्ज किए गए लेनदेन की कुल संख्या 2025 है।
- मेडिकल और फिटनेस सर्टिफिकेट में क्यूआर कोड: एम्स और अन्य केंद्रों के कर्मचारियों के लिए 8201 प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं।
- ई-शिकायत मॉड्यूल: इसके माध्यम से 29 शिकायतें की गई हैं।
- ई-डेथ नोट: इस एप्लिकेशन के माध्यम से 4858 मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं। तत्काल कारण: (क) पूर्ववर्ती कारण: (ख) डायग्नोसिस इत्यादि जैसे क्षेत्रों में एसएनओएमईडी सीटी को एकीकृत किया गया है। इस मॉड्यूल में दर्ज किए गए एसएनओएमईडी सीटी लेनदेन की कुल संख्या 1,691 है।

- एसएनओएमईडी सीटी का ई-हॉस्पिटल (एनआईसी) के साथ एकीकरण: एसएनओएमईडी सीटी को ईहॉस्पिटल के वेब एपीआई के माध्यम से एकीकृत किया गया है। यह दो मॉड्यूल यानी एडमिशन और डिस्चार्ज के साथ एकीकृत है। ई-हॉस्पिटल में दाखिले के समय लेनदेन की कुल संख्या 1,909 है। ई-हॉस्पिटल में डिस्चार्ज के समय लेनदेन की कुल संख्या 34,203 है।
- एंटीकोआगुलेंट रजिस्टर: यह टेली कंसल्टेशन के उपयोग के लिए पीटी / आईएनआर जैसे रोगियों के लैब मूल्यों की प्रविष्टि करने के लिए एक ऑनलाइन रजिस्टर है। प्रमाणित रोगी ओटीपी प्रमाणीकरण द्वारा इस एप्लिकेशन में स्वयं अपने लैब मूल्यों की प्रविष्टि कर सकते हैं और डॉक्टरों द्वारा नए प्रिस्क्रिप्शन प्रदान किए जाएंगे।
- बोन बैंक: यह मरीजों की हड्डी के विवरण को दर्ज करने के लिए एक एप्लीकेशन है जिसे बाद में उपयोग के लिए संरक्षित किया जाएगा। इसे न्यूरो और ऑर्थो विभागों के लिए विकसित किया गया है।
- स्त्रीरोग ई-एमएलसी: इसका उपयोग महिला एमएलसी मामलों को दर्ज करने के लिए किया जाता है। इस मॉड्यूल में सभी फॉर्म इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रिंट किए जाते हैं।
- हृदय प्रत्यारोपण: इसका उपयोग हृदय प्रत्यारोपण के लिए हृदय के मिलान के लिए हृदय प्रत्यारोपण हेतु रोगी के विवरण को दर्ज करने के लिए किया जाता है।
- स्तन कैंसर: इसका उपयोग स्तन कैंसर के विवरण दर्ज करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग सर्जरी (शल्यचिकित्सा)विभाग में किया जाता है।
- मेडिसिन मॉड्यूल: मेडिसिन मॉड्यूल एडमिशन नोट, परामर्श नोट, प्रगति नोट, सारांश के डिस्चार्ज संबंधी सारांश को शामिल करने के लिए है। हमने इस मॉड्यूल में डायग्नोसिस, जांच, महत्वपूर्ण, ऑपरेटिव नोट्स आदि जैसे क्षेत्रों में एसएनओएमईडी सीटी को एकीकृत किया है।
- छात्र कल्याण: इसका उपयोग छात्र के मानसिक स्वास्थ्य विवरण को कैप्चर करने के लिए किया जाता है।
- टेली कंसल्टेशन और ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन के लिए टेली मेडिसिन डैशबोर्ड
    - 10 से अधिक विभागों ने ई-प्रिस्क्रिप्शन प्रदान करने के लिए ट्राईटन आधारित टेलीमेडिसिन डैशबोर्ड का उपयोग किया।
    - अब तक 10,000 ई-प्रेस्क्रिप्शन तैयार किए जा चुके हैं।
- फार्मेसी डैशबोर्ड: एचएलएल जेनेरिक फार्मेसी में प्रिस्क्रिप्शन के कागज रहित (पेपरलेस) प्राप्ति के लिए ऑनलाइन प्रणाली है।
- विभिन्न विभागों के लिए अनुकूलित क्लिनिकल मॉड्यूल विकसित किए गए हैं और निम्नलिखित विभागों के लिए सफलतापूर्वक चल रहे हैं:
    - काय चिकित्सा
    - त्वचा
    - शल्य चिकित्सा
    - जेरिएट्रिक चिकित्सा
- कोविड रोबोट: कोविड वार्ड में दवाओं के वितरण के लिए स्वदेशी रोबोट विकसित किया गया। इसे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा लॉन्च किया गया और डिस्कवरी चैनल पर प्रदर्शित वृत्तचित्र में दिखाया गया।

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा एप्लीकेशन

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा (ईएचएस) सॉफ्टवेयर सिस्टम एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है और इसका उपयोग ईएचएस ओपीडी में कर्मचारियों के तैयार स्वास्थ्य प्रिस्क्रिप्शन को रिकॉर्ड करने और बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह प्रणाली उन सभी कर्मचारियों के रिकॉर्ड और उनके आश्रितों के विवरण का रखरखाव करती है जो ईएचएस ओपीडी में ईएचएस लाभ के लिए पात्र हैं।

सिस्टम में प्रत्येक ईएचएस रोगी को ओपीडी पंजीकृत करता है और सिस्टम में उनकी निर्धारित दवाओं को ऑनलाइन रिकॉर्ड करता है। ईएचएस फार्मेसी काउंटरों के माध्यम से दवाएं भी ऑनलाइन वितरित की जाती हैं। दवाएं जो ईएचएस फार्मेसी में उपलब्ध नहीं हैं उन्हें स्थानीय खरीद (एलपी) के लिए भेजा जाता है। एलपी इंडेंट स्वचालित रूप से इस सिस्टम द्वारा दो बार जेनेरेट होते हैं और एलपी विक्रेता को ऑनलाइन मोड में जमा किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए ईएचएस पंजीकरण और प्रिस्क्रिप्शन का डाटा इस प्रकार है:

- कुल पंजीकरण: 2,86,190
- कुल ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन: 2,66,883

एम्स वेबसाइट

- कंप्यूटर सुविधा द्वारा aiims.edu पर होस्ट की गई एम्स वेबसाइटों और इससे संबंधित विभिन्न अन्य सेवाओं का रखरखाव किया जाता है।
- उपरोक्त वेबसाइट का निरंतर रखरखाव।
- एम्स की वेबसाइट पर अपडेट किए गए, बनाए गए और अपलोड किए गए पृष्ठों की कुल संख्या लगभग 8500 थी।
- एम्स की वेबसाइट पर विजिट करने वालों की कुल संख्या लगभग 78 लाख थी।

ई-मेल और एसएमएस सेवाएं

- aiims.edu ई-मेल आईडी को गूगल वर्कस्पेस (जीसूट) में माइग्रेट किया गया।
- ई-मेल आईडी को aiims.edu डोमेन और aiims.ac.in डोमेन पर बनाए रखा गया।
- एम्स के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों और छात्रों के लिए aiims.edu डोमेन पर लगभग 850 नई ई-मेल आईडी बनायी गयी।
- विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि के संबंध में सभी संकाय-सदस्यों को नियमित ई-मेल भेजे गए।
- मोबाइल सेवा सीडैक एसएमएस गेटवे सेवाओं का उपयोग संस्थान द्वारा एसएमएस प्रदान करने के लिए किया जाता है:
    - रोगी की संबंधित सेवाएं जैसे अपॉइंटमेंट का विवरण, लैब रिपोर्ट ओटीपी आदि।
    - परीक्षा अनुभाग
    - शैक्षिक अनुभाग
    - रक्त बैंक
    - अंग दाताओं का विवरण

आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क

- कंप्यूटर सुविधा एनआईसी से एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से एम्स के विभिन्न उपयोगकर्ताओं को उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित नेटवर्क प्रबंधन सुविधाएं प्रदान करती है।
- नए ब्लॉक में अत्याधुनिक नई नेटवर्किंग शुरू की गई: एनसीआई, झज्जर, न्यू ओपीडी और न्यू बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक और इसे एमसीएच, न्यू सर्जिकल, एनएसी और वीवीआईपी ब्लॉक एम्स के लिए प्रदान किया जा रहा है।
- एम्स में कोविड-19 नेशनल टेली कंसल्टेंसी सेंटर (सीओएनटीईसी) और कॉल सेंटर की सुविधा दी गई।
- कोविड-19 महामारी के दौरान चौबीसों घंटे फेल फ्री नेटवर्क और सेवाएं प्रदान की गई।
- ऑनलाइन सम्मेलनों, वेबिनार, बैठकों, कक्षाओं आदि के सुचारू रूप से संचालन के लिए एम्स के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर एनकेएन कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
- एम्स के संकाय-सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को लगभग 100 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
- विभिन्न सेमिनारों/सम्मेलनों/वीडियो सम्मेलनों के लिए उच्च गति एनकेएन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई:
  - एम्स, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सीएमई / संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलनों के लिए एलएएन / वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई।
  - "ओटी 5वीं मंजिल से एलटी VI, 6ठी मंजिल, आरपीसी तक लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन" के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
  - मिशन दिल्ली प्रोजेक्ट (दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैक मिशन), कार्डियोलॉजी विभाग के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गई।
  - एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न विभागों/केंद्रों में लाइव वेबिनार के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया।
  - तंत्रिका विज्ञान विभाग सम्मेलन हॉल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई।
  - एसईटी सुविधा, कन्वर्जेंस ब्लॉक में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया।
- कंप्यूटर नेटवर्क की सुरक्षा और गेटवे स्तर पर प्रबंधन के लिए एप्लीकेशन एंटी-वायरस, एंटी-स्पैम, आईपीएस/आईडीएस और सूचना सामग्री की फ़िल्टरिंगके लिए यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट (युटीएम) फ़ायरवॉल का निरंतर प्रबंधन।
- लगभग 18 छात्रावास स्थानों पर वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन का निरंतर प्रबंधन, छात्रों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के लिए वाई-फाई क्षेत्र बनाना। अब तक लगभग। 9400 छात्रों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। इस सुविधा के लिए फिलहाल 1250 यूजर्स पंजीकृत हैं।
- एम्स वेबसाइट के माध्यम से बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय के माध्यम से सब्सक्राइब्ड निरंतर बीबीडीएल ओपेक सेवाएं और पुस्तकालय ऑनलाइन संसाधनों की वृद्धि।

- छात्रों के लिए इंटरनेट और ऑनलाइन जर्नल एक्सेस के लिए बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई-फाई जोन का निरंतर प्रबंधन।
- संकाय-सदस्यों और छात्रों के लिए एनकेएन लीज लाइन के माध्यम से हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा को एम्स के नेटवर्क पर लगभग 9500 नोड्स पर 24/7 आधार पर बनाए रखा जा रहा है।
    - वेब सर्वर, प्रॉक्सी सर्वर और मेल सर्वर का 24x7x365 दिनों के आधार पर रखरखाव।
    - कंप्यूटर की सुविधा के हेल्प-डेस्क के माध्यम से इंटरनेट और नेटवर्क उपयोगकर्ता की शिकायतों और 24 x 7 x 365 दिन समाधान के लिए सुविधा प्रबंधन कॉल संबंधी रखरखाव।
    - ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल के लिए वीपीएन आधारित एक्सेस मैकेनिज्म; एम्स के बाहर से सीपीआरएस पहुंच ने बल्लभगढ़, एम्स केंद्रों के लिए प्रबंधन जारी रखा ।
    - एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी को जोड़ने के लिए आईपी एसईसी सुरंग का निरंतर प्रबंधन।
    - वार्ड, ओपीडी, आईसीयू और ओटी आदि में ई-अस्पताल सॉफ्टवेयर और इंटरनेट तक वाई-फाई आधारित पहुंच के लिए एम्स संकाय-सदस्यों, वैज्ञानिकों, सहायक कर्मचारियों और उप नर्सिंग अधीक्षकों को एमएसी (मैक) आईडी आधारित प्रमाणीकरण प्रदान किया गया।
    - वीपीएन/ऑनलाइन जर्नल एक्सेस के लिए लगभग 200 आईडी बनाया गया।
    - इंटरनेट कनेक्शन के लिए आईपी को सक्रिय और कॉन्फ़िगर किया गया।
    - तंत्रिका विज्ञान केंद्र विभाग के लिए जीई सेंट्रिसिटी आरआईएस-पीएसीएस के लिए बाह्य आईपी एड्रैस का प्रावधान।
    - एलएएन और वाई-फाई उपयोगकर्ताओं के लिए यू-ट्यूब और फेसबुक को अनुमति देने के लिए बनाए गए फ़ायरवॉल नियम।
    - विभिन्न गतिविधियों के लिए एलएएन से डब्ल्यूएएन और डब्ल्यूएएन से एलएएन के लिए फ़ायरवॉल नियम बनाए गए।
    - एम्स में विभिन्न सर्वरों तक एसएसएच पहुंच के लिए फ़ायरवॉल नियम बनाए गए हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

एस.एन. रघु कुमार एम्स और उसके सभी केंद्रों और आगामी केंद्रों के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु विभिन्न तकनीकी विनिर्देश समितियों के सदस्य थे और उन्होंने नए चयनित एमबीबीएस छात्रों के लिए एम्स, नई दिल्ली में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया था।

सतीश प्रसाद ई-आफ़िस परियोजना (एनआईसी) के लिए नोडल अधिकारी थे और ई-आफ़िस का उपयोग के लिए कार्मिकों को समन्वित और प्रशिक्षित किया; कोर्स समन्वयक और एमएससी, बीएससी और आईटी क्लासेज ऑफ़ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग छात्रों के लिए पोस्ट सर्टिफिकेट कोर्स, बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट कोर्स, बीएससी डेंटल हाइजीन कोर्स, बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी की कक्षाएं लीं।

एस.के. मेहर नर्सिंग और बायोटेक्नोलॉजी के पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल थे; कोर मॉड्यूल, एलआईएस मॉड्यूल, ब्लड बैंक, आरआईएस, पीएसीएस और एम्स और सभी केंद्रों में इन-हाउस और ई-हॉस्पिटल में विकसित विभिन्न क्लिनिकल मॉड्यूल का पर्यवेक्षण और सहयोग प्रदान किया; झज्जर में रोबोट लैब के एकीकरण, मुख्य नए ओपीडी ब्लॉक में स्मार्ट लैब और एनसीआई, झज्जर के ओपन

पैक्स और सीमेंस पैक्स के कार्यान्वयन के लिए कार्यान्वयन टीम का हिस्सा और झज्जर में ई-हॉस्पिटल और ओपनपैक्स के साथ एकीकरण के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाई; सीएफ डाटा सेंटर में ओपन पैक्स डेटा को नए सर्वरों में स्थानांतरित करने के लिए एक रणनीति की योजना बनाई; एनसीआई, झज्जर (हरियाणा) के लिए डेटा सेंटर और डिजाइन, परिनियोजन और कंप्यूटर नेटवर्किंग और वाई-फाई का कार्यान्वयन और एनसीआई, झज्जर से एम्स, नई दिल्ली तक पी2पी कनेक्टिविटी में सहयोग दिया; आईसीएमआर, नई दिल्ली में आईटी उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी समिति के अध्यक्ष; आईसीएमआर परियोजनाओं में आईटी कर्मचारियों की भर्ती के लिए चयन समिति के अध्यक्ष; साइबर सुरक्षा नीति और आवश्यकता के लिए समिति के अध्यक्ष और आईसीएमआर, नई दिल्ली और भारत में अन्य शाखाओं में नेटवर्किंग की उन्नयन और नई आवश्यकता में भी; वर्तमान में एमईआईटी द्वारा वित्त पोषित ऑन्कोलॉजी परियोजना में एआई में काम कर रहे हैं और एम्स, नई दिल्ली में एसएनओएमईडी सीटी परियोजना (एमओएचएफडब्ल्यू के तहत) कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी; वीएआर इंडिया वर्चुअल सम्मेलन द्वारा आयोजित 'कोविड समय के दौरान व्यापार परिवर्तन' पर एक वार्ता दी; वीएआर पत्रिका में प्रकाशित "एक अच्छा टेलीहेल्थ एप्लिकेशन का सेटअप करना एक प्रमुख प्राथमिकता है"; 18वें इन्फोरेच फोरम में "स्वास्थ्य सेवा में आपकी व्यवसाय परिवर्तन रणनीति में वृद्धि करना" पर मुख्य वक्ता; वरइंडिया द्वारा 2020 में भारत के शीर्ष 10 प्रख्यात सीआईओ से सम्मानित किया गया। "एक सफल सीआईओ के पास एक ऐसा समाधान बनाने की दृष्टि होगी जो चिकित्सक की वास्तविक आवश्यकता को पूरा करे" लेख वरिंडिया के ब्रांड बुक 2020 में प्रकाशित हुआ था; एक अन्य लेख "स्टार्टअप कंपनी द्वारा विकसित किए जाने वाले हेल्थकेयर उत्पाद में संभावित एआई कैसे हैं" ओडिशा कॉरपोरेट फाउंडेशन में प्रकाशित हुआ था; एंटरप्राइज आईटी वर्ल्ड द्वारा दिए गए "कोविड-19 सुपरहीरो सीआईओ अवार्ड" से सम्मानित; नेशनल एंटरप्राइज टेक कनेक्ट, बी2बी इन्फोमीडिया, नई दिल्ली में "डिजिटल दुनिया में उद्यम सूचना सुरक्षा: वर्तमान रुझान और चुनौतियां" के प्रख्यात वक्ता; बीएमजे हेल्थ एंड केयर इंफॉर्मेटिक्स के संपादकीय बोर्ड के उप संपादक और संपादकीय बोर्ड के सदस्य 2020-2023, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर गेरोनटेक्नोलॉजी 2019-2022 के बोर्ड सदस्य; सदस्य, वैज्ञानिक समिति और 22-25 दिसंबर 2020 को आयोजित छठे भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (विषय "महामारी संकट और चुनौतियां" आईआईएसएफ 2020) में जूरी सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

संजय गुप्ता ने एम्स में कोविड-19 नेशनल टेली कंसल्टेंसी सेंटर (सीओएनटेक) और कॉल सेंटर की निगरानी की; एसवाईएस के ऑनलाइन चुनाव आयोजित किए जैसे कि पहले एम्स में सूचना कियोस्क का उपयोग करके ऑफिसर्स एसोसिएशन, एफएआईएमएस, एसवाईएस और आरडीए के लिए किए गए।

हरि शंकर ने एमबीबीएस छात्रों, एम्स के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए और एमएससी और बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए कक्षाएं लीं।

श्यामल बरुआ, वरिष्ठ प्रोग्रामर, जीईएम और ई-प्रोक्योरमेंट कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे। अब तक जीईएम में ऑन बोर्ड कुल उपयोगकर्ता 220 हैं।

तृप्ता शर्मा स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल थीं।

अमित भाटी परीक्षा अनुभाग के लिए विभिन्न आईटी उपकरणों की खरीद के लिए समिति के सदस्य थे; जेम सेल (स्टोर अनुभाग, डीओ) के माध्यम से सामान्य वस्तुओं की खरीद के लिए समिति सदस्य; आग लगने की घटनाओं की रोकथाम और प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी (कंप्यूटर सुविधा) के रूप में कार्य कर रहे हैं।

11.6. इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

आचार्य

टी.सी. नाग

सह-आचार्य

सुभाष सी. यादव

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

तकनीकी अधिकारी

चंदा पंवार

शिक्षा

शरीर रचना स्नातकोत्तरों हेतु इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी कक्षाओं (सिंद्धांत के साथ-साथ प्रेक्टिकल, केवल शुक्रवार) का आयोजन दिनांक 4 जनवरी से 13 मार्च 2021 तक किया गया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फॉर सांइटिफिक इन्वेस्टीगेटर्स में 36वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2020 तक किया गया। दिल्ली से 6 उम्मीदवारों ने भाग लिया।
2. श्री एन रामदास अय्यर, वरिष्ठ क्यूरेटर और अध्यक्ष, राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली ने 17 दिसम्बर 2020 को अपनी टीम के साथ माइक्रोस्कोप की विशेषताओं और अनुसंधान में इसके उपयोग का पता लगाने के लिए ईएम सुविधा का दौरा किया।

प्रदत्त व्याख्यान

टी.सी.नाग

1. कोशिका जैविक अनुसंधान में माइक्रोस्कोपी का उपयोग, जूलॉजी में इंट्रीगिंग कन्सेप्ट्स और एप्लीकेशन पर राष्ट्रीय वेबिनार, 28 सितम्बर 2020, बिधाननगर कॉलेज, कोलकत्ता, वर्चुअल

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्रायो-इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी (ईटी) और मानव नमूनों से कोविड-19 के सेलुलर संक्रामकता और आंतरिककरण को समझने के लिए सहसंबंध माइक्रोस्कोपी, सुभाष सी यादव, आईयूएसएसटीएफ, 2 वर्ष, 2020-2022, 50 लाख रूपए।
2. सुपर रेजूल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हए दृष्टिगत रूप से सक्रिय सूक्ष्मकणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग के यांत्रिकी आधार की व्याख्या करना, सुभाष सी यादव, नेनो मिशन, 2 वर्ष, 2019-2021, 34 लाख रूपए।
3. गुर्दा प्रत्यारोपण रोगियों के सीरम से बी के विषाणु की त्वरित तथा लागत प्रभावी नेनो-लैम्प आधारित पहचान को डिजाइन करना। सुभाष चंद्र यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 35.84 लाख रूपए।
4. ईडब्ल्यूएस-एफएलआई-I, फ्यूजन प्रोटीन का शीघ्र तथा विशिष्ट पहचान पद्धति का विकास, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 80 लाख रूपए।
5. बायोमेडिकल लाइव-सेल इमेजिंग और नेनो-पार्टिकुलेट ड्रग डिलीवरी के लिए लेजर कन्फोकल माइक्रोस्कोप सुविधा की स्थापना, सुभाष सी यादव, डीएसटी-एफआईएसटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 165 लाख रूपए।
6. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के उपचार हेतु मानव पेपिलोमा विषाणु (एचपीवी 16) आधारित नेनोकेरियर्स का प्रयोग करते हुए सिस्प्लेटिन की बाह्य आपूर्ति, सुभाष चंद्र यादव, एम्स- आईआईटीडी, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रूपए।
7. कोशिका विज्ञान नमूने से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं का चुम्बकीय नेनोकणों एवं क्वांटम डॉट्स युग्मक दृश्य पुष्टिकरण ग्रामीण भारतीय व्यवस्था हेतु एक लागत प्रभावी, शीघ्र तथा अनुकूल जांच, सुभाष चंद्र यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 38.68 लाख रूपए।
8. चूहों में प्रयोगात्मक लौह की अधिक मात्रा के बाद माइटोकोन्ड्रियल सक्रिय एवं रेटिना फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफैगी की स्थिति, टी.सी.नाग, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 30 लाख रूपए।
9. फोकल सेरेब्रल इस्किमिया के एक चूहे के मॉडल में कोलीनर्जिक न्यूराडट्स के संरचनात्मक पुनर्गठन का अध्ययन, प्रभाकर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रूपए।

पूर्ण

1. सुपर रेजूल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए दृष्टिगत रूप से सक्रिय सूक्ष्मकणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग के यांत्रिकी आधार की व्याख्या करना, सुभाष सी यादव, नेनो मिशन, 2 वर्ष, 2019-2021, 34 लाख रूपए।
2. कोशिका विज्ञान नमूने से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं का चुम्बकीय नेनोकणों एवं क्वांटम डॉट्स युग्मक दृश्य पृष्टिकरण: ग्रामीण भारतीय व्यवस्था हेतु एक लागत प्रभावी, शीघ्र तथा अनुकूल जांच, सुभाष चंद्र यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018-2021, 38.68 लाख रूपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. हैच के बाद के चिक रेटिना में प्रकाश प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव और एंडोपीनियस न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र।
2. प्रायोगिक लौह अधिभार के एक चूहे के मॉडल में रेटिनल फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में माइटीकॉन्ड्रियल गतिशीलता और ऑटोफैगी की स्थिति।

पूर्ण

1. चूहों में प्रकाश प्रेरित रेटिना क्षति के पश्चात समांतर कोशिकाओं में रीमॉडलिंग।
2. चयनात्मक मुलर कोशिका क्षति के बाद चूहें के रेटिना पर तेज प्रकाश से पड़ने वाले प्रभाव में सूक्ष्म तंत्रिकाबंध का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. सुपर रेजूल्यूशन माइक्रोस्कॉपी का प्रयोग करते हुए दृष्टिगत रूप से सक्रिय सूक्ष्मकणों का इंटरासेलुलर ट्रैफिकिंग के यांत्रिकी आधार की व्याख्या करना, जैवप्रौद्योगिकी विद्यालय, जे.एन.यू., नई दिल्ली।
2. सीबकथॉर्न से हर्बल फॉर्मूलेशन का विकास: स्ट्रेप्टाजोटोकिन प्रेरित डायबिटिक चूहों में मायोकार्डियल इन्फारक्शन के प्रायोगिक मॉडल में अकेले सीबकथॉर्न ऑयल और रेमिप्रिल की तुलना में रेमिप्रिल के संयोजन की प्रभावकारिता पर आणविक और औषधीय जांच।
3. हस्तक्षेप और परामर्श के माध्यम से बिहार के समुदाय में फ्लोरोसिस मिटीगेशन अंत:-विभागीय (ईकोटॉक्सीकोलॉजी सुविधा केन्द्र)
4. प्लोमाइसिन प्रेरित पल्मोनरी फाइब्रोसिस के प्रायोगिक मॉडल में एडहोडा वासिका के प्रभाव की जांच के लिए औषधीय और आणविक दृष्टिकोण, फार्माकोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 13 **पुस्तकों में अध्याय: 2**

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

इस वर्ष के दौरान अनुसंधान और रोगियों की देखभाल के लिए प्रदान की गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं इस प्रकार हैं:-

क्र.सं.	सुविधा	प्रयोक्ता नम्बर		नमूनों का विश्लेषण किया गया	
		आंतरिक	बाहरी	आंतरिक	बाहरी
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	96	126	388	669
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	9	44	90	248

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टीसी नाग ने इस अवधि के दौरान एक पीएचडी थीसिस (पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय) की जांच की। उन्हें अनुसंधान सलाहकार समिति, कूच बिहार पंचानन बरमा विश्वविद्यालय, कूच बिहार (पश्चिम बंगाल) का सदस्य नामित किया गया था और वे आईसीएमआर क्रय समिति के मुख्य सदस्य थे। उन्होंने 51 पांडुलिपियों जैसे- एक्टा हिस्टोकेम, एंजिंग डिस, एंजिस रेस रेव, आर्क फिजियोल बायोकेन, बायोफेक्टर, बायोमेड फार्माकोथेर, ड्रग केम टॉक्सीकोल, आईबीआरओ रिपोर्ट, जे बायोकेम एमओएल टॉक्सीकोल, खाद्य विज्ञान, फ्रंट मोल न्यूरोविज्ञान, फ्रंट फार्माकोल, जे माइक्रोस अल्ट्रास्ट्रट, जे सेल एमओएल चिकित्सा, न्यूरो विज्ञान आरईएस, जे फार्मेक फार्माकोल, माइक्रोसेक आरईएस प्रौद्योगिकी, 3-बायोटैक, ऑक्सिड मेड सेल लॉन्मिव, फाइटोमेडिसिन और रेडॉक्स बायोल की समीक्षा की थी।

डॉ. सुभाष सी यादव ने नैनोस्केल, कोलाइड्स एंड सरफेस बी, कोलाइड्स एंड सरफेस ए से 7 पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्हें आरसीबी दिवस, मार्च 2020 को रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, फरीदाबाद में वैज्ञानिक प्रस्तुतियों के लिए जज नामित किया गया था।

डॉ. नाग एवं डॉ. यादव ने संयुक्त रूप से भारतीय जैव रसायन और जैवभौतिकी पत्रिका के एक विशेष अंक "जैव चिकित्सा अनुसंधान में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी" का संपादन किया, जो जून 2021 में प्रकाशित होगा।

11.7. छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

संदीप अग्रवाल

छात्रावास के उप-अधीक्षक

एस.के. मौलिक (30 जून 2020 तक)

नीरजा भाटला

राज कुमार यादव

राकेश कुमार

के.एच. रीता

विजय शर्मा

तनुज दादा

पार्थ हल्दर

कपिल यादव

कमलेश कुमारी शर्मा

भूपिंदर कौर

वरिष्ठ भण्डार अधिकारी (छात्रावास)

राकेश कुमार शर्मा

प्राशासनिक अधिकारी (छात्रावास)

बी.के. सिंह

लेखा अधिकारी (छात्रावास)

श्रीमती राकेश कुमारी शर्मा

वरिष्ठ वार्डन (छात्रावास)

शशि प्रकाश पांडे

वार्डन

मोहन शर्मा

सीमा परूथी

उप-वार्डन

सतप्रकाश कालिया

सुचिता कुमारी

सुखपाल मलिक

सहायक वार्डन

तृप्ता शर्मा

रानी वर्गिस

कनिष्ठ वार्डन

बाबू लाल मीणा

दिनेश देसाई

निर्मला

राजेश रावत

सुनील देवी

अनुसचिवीय तथा संविदात्मक स्टाफ

छात्रावास अनुभाग में छः अनुसचिवीय तथा 10 संविदात्मक स्टाफ हैं।

अधीनस्थ स्टाफ

छात्रावास अनुभाग के अन्तर्गत विभिन्न छात्रावास में ग्यारह पुरुष तथा सताइस महिला कार्यालय परिचर तैनात हैं। एम्स में 2011 (लगभग) से अधिक सिंगल / डबल कमरे तथा विवाहितों हेतु 262 आवास, नर्सिंग छात्रों / स्टाफ नर्सों के लिए 421 आवास तथा 24 अतिथि कक्ष की क्षमता वाले कई छात्रावास हैं। ये विभिन्न छात्रावास एवं आवास एम्स के मुख्य परिसर, मस्जिद मोठ, ए.वी. नगर छात्रावास तथा ज.प्र.ना.एपे.ट्रा.कें. छात्रावास (राज नगर) में स्थित हैं। आठ अतिथि कक्ष अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों/ एक्सचेंज छात्रों हेतु आरक्षित रखे गए हैं।

दुकानें तथा प्रतिष्ठान

सभी छात्रावासों में भोजनालयों हेतु निविदाओं के माध्यम से नए ठेकेदार नियुक्त किए गए। नेस्कैफे (पूर्णत: वातानुकूलित) छात्रावास संख्या 7 के पुरुष छात्रावास परिसर में खोला गया है तथा 26 फरवरी 2021 को एम्स के निदेशक द्वारा इस कैफे का उद्घाटन किया गया।

छात्र वेलनेस केन्द्र

(i) मुख्य परिसर

क. छात्र वेलनेस केन्द्र सेवा कमरा संख्या 11 (छात्रावास संख्या 7 / अश्विनी छात्रावास के सामने), पुरुष छात्रावास एम्स में उपलब्ध है।

ख. कॉमन रूम I, छात्रावास संख्या 9, पार्वती छात्रावास।

(ii) मस्जिद मोठ परिसर

कॉमन रूम (2/II), दूसरी मंजिल, छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास), मस्जिद मोठ

(iii) ट्रॉमा केन्द्र परिसर: ट्रामा केन्द्र में है।

महत्वपूर्ण घटनाएं

1. छात्रावास का आबंटन

छात्रावास के कामकाज को सुव्यवस्थित किया गया है तथा आबंटन प्रक्रिया को विकेन्द्रीकृत किया गया है। छात्रावास अनुभाग की कार्यव्यवस्था इस प्रकार है:

(i) छात्रावास आबंटन प्रभाग-I स्नातकोत्तर (पुरुष), विवाहित आवास तथा नर्सिंग छात्र ।

छात्रावास संख्या 14 (आत्रेय छात्रावास) मस्जिद मोठ परिसर द्वारा कार्यव्यवस्था

(ii) छात्रावास आबंटन प्रभाग-II महिला स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर।

छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) महिला छात्रावास, अंसारी नगर द्वारा कार्यव्यवस्था

(iii) छात्रावास आबंटन प्रभाग-III स्नातकपूर्व

छात्रावास संख्या 7, पुरुष छात्रावास, अंसारी नगर में छात्रावास अनुभाग द्वारा कार्यव्यवस्था

2. **सिविल कार्य**

पुनर्निर्माण

1. छात्रावास संख्या 3 (सुश्रुत छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय सं. 7,8 तथा 9, छात्रावास संख्या 5 (नागार्जुन छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 1,3 तथा 5, छात्रावास सं. 7 (अश्विनी छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 13,15 तथा 17, छात्रावास संख्या 8 (भारद्वाज छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 14,16 एवं 18, छात्रावास संख्या 9 (पार्वती छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 1,2,3,4,11 और 12, छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 13,14 तथा 15 का नवीकरण किया गया।
2. छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) के टी.वी. कक्ष का नवीकरण किया गया।
3. छात्रावास संख्या 11 (अक्षरा छात्रावास)- स्नातकपूर्व एम.बी.बी.एस. छात्राओं हेतु सभी कक्षों को (पहली मंजिल से तीसरी मंजिल तक) नवीकृत तथा डबल / ट्रिपल सीटर में परिवर्तित किया गया।
4. छात्रावास संख्या 7 (अश्विनी छात्रावास): स्नातकपूर्व एम.बी.बी.एस. पुरुष छात्रों हेतु सभी 107 कक्षों को डबल सीटर कक्षों में परिवर्तित किया गया।
5. छात्रावास संख्या 9 (पार्वती छात्रावास): एम.बी.बी.एस. 2021 के छात्रों के बैच हेतु कक्ष संख्या 63 से 68 को डबल सीटर तथा 63 (ए) के एक कक्ष को डबल सीटर में परिवर्तित किया गया एवं 64(ए) के पांच सीटर कक्ष (कुल 19 सीट) को इन छात्रों हेतु आरक्षित रखा गया है।
6. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास): पहली मंजिल तथा दूसरी मंजिल को स्नातकोत्तर महिला छात्राओं (50 कक्ष) हेतु कक्षों में परिवर्तित कर दिया गया है।
7. छात्रावास संख्या 12 (धनवंतरी छात्रावास)-पुरानी पानी की टंकी को तोड़ा गया तथा नयी पानी की टंकी लगाई गई।
8. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास): 6 अतिथि कक्ष, सभी शाफ्ट, भूतल पर सार्वजनिक शौचालय तथा विवाहितों हेतु 2 कक्षों का नवीकृत किया गया।
9. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)-एकल कक्ष वाले गलियारे में पहली मंजिल से सातवीं मंजिल की खिड़कियों पर जाली लगाई गयी।
10. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास) तथा छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास) में आग लगने पर बहार निकलने हेतु फायर एग्जिट सीढ़ियों को नवीकृत किया गया।
11. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास) एवं छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास) पर छत की वाटर प्रूफिंग का कार्य किया जा चुका है।
12. छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास)-3 अतिथि कक्ष, 2 रोगी कक्ष तथा भूतल से 7वीं मंजिल तक के सभी शाफ्टों को नवीकृत किया गया।
13. छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास)-छात्रावास के चारों ओर भूतल से 10वीं मंजिल तक ग्रिल से कवर किया गया तथा दीवार का निर्माण किया गया।
14. छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास) तथा छात्रावास संख्या 17 (अम्बुजा छात्रावास)-दोनों कार्यालयों का नवीकरण किया गया है तथा छात्रावास की सफेदी का काम किया गया।
15. छात्रावास संख्या 17 (अंबुजा छात्रावास)-रसोईघर में लकड़ी की अलमारी बनाई गयी।

16. छात्रावास संख्या 17 (अंबुजा छात्रावास)-छात्रावास के पिछले भाग में दुपहियां वाहन पार्किंग का निर्माण किया गया है।
17. छात्रावास संख्या 18 (कश्यप छात्रावास)-सभी खुले क्षेत्रों की खिड़कियों को जाली से ढक दिया गया है।
18. छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास) भूतल से 10वीं मंजिल तक ग्रिल लगाने का कार्य किया जा चुका है।
19. छात्रावास संख्या 18 तथा 19 में फायर इस्केप मार्कर्स लगवाया गया।

3. विद्‌युत कार्य

1. छात्रावास संख्या 9 (पार्वती छात्रावास) सार्वजनिक शौचालय संख्या 1,2,3,4,11 तथा 12 एवं छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती संख्या)-कक्ष संख्या 39,40,49 और 50 में बिजली का कार्य किया जा चुका है।
2. छात्रावास संख्या 11 (अक्षरा छात्रावास) के सभी कमरों (पहली मंजिल से तीसरी मंजिल तक) में बिजली का काम किया गया है।
3. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)-छात्रावास संख्या 14 तथा 15 हेतु ड्राई जनरेटर लगाया गया है।
4. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)-छात्रावास संख्या 14 तथा 15 हेतु 'ट्रांसफार्मर' लगाने का कार्य जारी है।
5. छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास)-भूतल से 7वीं मंजिल तक एस. साइड गलियारे की एलईडी लाइट को बदल दिया गया है।
6. छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश छात्रावास) तथा छात्रावास संख्या 17 (अंबुजा छात्रावास)-कक्षों तथा गलियारे की एलईडी लाइट बदल दी गई है।
7. छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास)-छत पर पानी की टंकी में अलार्म सिस्टम लगाने का कार्य किया गया है।

4. विविध

1. छात्रावास संख्या 10 (सरस्वती छात्रावास) कक्ष संख्या 8 को छात्रावास अबांटन खण्ड-II-महिला स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर में परिवर्तित किया गया।
2. छात्रावास संख्या 11 (अक्षरा छात्रावास) कक्ष संख्या 110 को अतिथि कक्ष में परिवर्तित किया गया तथा इस कक्ष में टीवी भी उपलब्ध कराया गया।
3. छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय छात्रावास)-छात्रावास आबंटन खण्ड-I-स्नातकोत्तर (पुरुष), विवाहित निवास तथा नर्सिंग छात्रों हेतु कार्यालय के विस्तार के रूप में एक और कक्ष जोड़ा गया।
4. छात्रावास संख्या 15 (मेधा छात्रावास)-150 कक्षों में ड्रेसिंग टेबल लगाई गई तथा छात्रों के कक्षों को सुसज्जित किया गया है। अतिथि कक्षों को 7 कम्बल प्रदान किए गए तथा बालकनी में 20 स्टील की बेंच लगाई गई।
5. सभी छात्रावासों में सेंसर सेनिटाइजर डिस्पेंसिंग सिस्टम लगाए गए।
6. संशोधित छात्रावास आवास नियमावली लागू की गई है।

11.8. नीति विषयक समिति

शैक्षिक वर्ष 2020-21 हेतु नीति विषयक समिति में प्रस्तुत एवं चर्चा किए गए परियोजना प्रस्तावों एवं थीसिस प्रोटोकॉल की कुल संख्या का वर्णन निम्नानुसार है :

बैठकें

समिति की बैठकों की संख्या इस प्रकार थी :

- संस्थान नीति विषयक समिति : **16**
- मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति : **12**

समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थी :

- नए परियोजना प्रस्ताव : **1610**
- समीक्षा परियोजनाएं : **757**
- पुरानी परियोजनाएं : **383**

मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थी :

- नई थीसिसः **1048**
- समीक्षा थीसिसः **494**
- पुरानी थीसिसः **204**

इसके अतिरिक्त, संस्थान नीति विषयक समिति को गंभीर दुष्प्रभावों, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त होती रहीं।

संस्थान नीति विषयक समिति की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एस.ओ.पी.) को संशोधित किया गया और ये एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण घटनाएं

संस्थान नीति विषयक समिति और मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति, भारत के महा औषधि नियंत्रक, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और यू.एस.ए. के फैडरल वाइड एस्योरेंस के साथ पंजीकृत थीं।

11.9 के.एल. विग चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (सीएमईटी-आई)

अध्यक्ष

पीयूष साहनी

प्रभारी-आचार्य

(मूल विज्ञान के संकाय विकास के लिए)

के.के. दीपक

प्रभारी-आचार्य

(चिकित्सा और संबद्ध विषयों के नैदानिक संकाय के संकाय विकास के लिए)

ए.के. देवरारी

प्रभारी-आचार्य

(शल्य चिकित्सा विषयों के संकाय विकास के लिए)

अनुराग श्रीवास्तव (दिसंबर 2020 तक)

एजुकेशन मीडिया जनरलिस्ट

योगेश कुमार

प्रशासनिक अधिकारी

कुशाल कुमार (फरवरी 2021 तक) ललित उरांव (मार्च 2021 से)

नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फैलोशिप के लिए संकाय सदस्य

1. डॉ. पीयूष साहनी
2. डॉ. अनुराग श्रीवास्तव
3. डॉ. एस.एन. द्विवेदी
4. डॉ. शशि कांत
5. डॉ. के. आनंद
6. डॉ. गोविंद मखारिया
7. डॉ. वी. श्रीनिवास
8. डॉ. दीप्ति विभा
9. डॉ. नलिन मेहता
10. डॉ. तूलिका सेठ
11. डॉ. राजीव कुमार
12. डॉ. राकेश लोढा
13. डॉ. नीरजा भाटला
14. डॉ. नवनीत विग

विशिष्टताएं

कोविड-19 महामारी के दौरान सीएमईटी-आई का ध्यान कोविड-19 संबंधित प्रशिक्षण वीडियो, वेबिनार और टीवी स्पॉट की ओर स्थानांतरित हो गया। सीएमईटी-आई द्वारा निर्मित 168 वीडियो का उपयोग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट, एम्स वेबसाइट, सरल प्लेटफॉर्म और यूट्यूब के माध्यम से देश भर में किया गया।

शिक्षा

राष्ट्रीय संयुक्त ग्रैंड राउंड

कोविड-19 से संबंधित सामान्य मुद्दों के संबंध में अनुभव साझा करने और उनके प्रबंधन पर चर्चा शुरू करने के प्रयास में, एम्स, नई दिल्ली ने नीति आयोग तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर कोविड-19 पर नेशनल क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (एनसीजीआर) शुरू किया।

इन एनसीजी चक्रों में सीधे कोविड-19 के प्रबंधन में शामिल चिकित्सकों द्वारा नैदानिक मामलों की प्रस्तुति शामिल थी। प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों पर एम्स संकाय सहित देश भर के और भारत के बाहर के प्रख्यात विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा चर्चा की गई। प्रत्येक मामले की चर्चा के बाद कोविड-19 के प्रबंधन में चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक विषयों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। प्रत्येक एनसीजीआर में एक प्रश्न और उत्तर का सत्र भी शामिल था जहां, यूट्यूब पर सत्र देखने के लिए लॉग-इन करने वाले चिकित्सक, रोगी प्रबंधन से संबंधित प्रश्न विशेषज्ञों के पैनल से पूछ सकते थे। सभी सत्रों को प्रो. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली द्वारा संचालित किया गया।

सीएमईटी-आई टीम ने ओबीएस, स्काइप और गूगल मीट जैसे ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके इन आयोजनों का प्रबंधन किया।

क्र.सं.		शीर्षक	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संकाय	एम्स संकाय
1.	22 जुलाई 2020	रोगी एसएआरआई से ग्रस्त लेकिन प्रारंभिक परीक्षण नकारात्मक, लैब टेस्ट के लिए नैदानिक कार्यनीति		एस राजेश्वरी; आशु सेठ भल्ला; ललित डार
2.	29 जुलाई 2020	एंटीवायरल तथा एंटी-आईएल6 दवाओं का प्रयोग, तंत्र, संकेत और सावधानियां	ध्रुव चौधरी, पीजीआईएमएस रोहतक; हरीश मूरजानी, मेडिसिन के नैदानिक सहायक प्रोफेसर, न्यूयॉर्क मेडिकल कॉलेज, न्यूयॉर्क	अंजन त्रिखा; अनंत मोहन
3.	5 अगस्त 2020	कॉनवेलेसेंट प्लाज्मा और ऑक्सीजन थेरेपी का उपयोग		अंजन त्रिखा; मनीष सुनेजा; कपिल देव सोनी

क्र.सं.		शीर्षक	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संकाय	एम्स संकाय
4.	19 अगस्त 2020	कोविड-19 से पीड़ित बच्चे	अतुल जिंदल, बाल रोग के अतिरिक्त प्रोफेसर, एम्स रायपुर; एम जयश्री, बाल रोग की प्रोफेसर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; वी शंकर, क्रिटिकल केयर मेडिसिन के प्रोफेसर, सीएचओपी, फिलाडेल्फिया	ए के देवरारी, सुशील काबरा, राकेश लोढा, झुमा शंकर
5.	26 अगस्त 2020	कोविड-19 का एक्स्ट्रा-पल्मोनरी प्रकटन	उमा मल्होत्रा, आईडी विशेषज्ञ, वर्जीनिया मेसन मेडिकल सेंटर, सिएटल, यूएसए	एम वी पद्मा, अंबुज रॉय, नीरज निश्चल
6.	2 सितंबर 2020	गर्भावस्था और सद्यप्रसूता में कोविड-19	नीना रैना, डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि; नवीन कुमार, नियोनेटोलॉजी के प्रोफेसर, पीजीआई चंडीगढ़; मंजू पुरी, हेड ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, लेडी हार्डिंग एमसी, दिल्ली	ए के देवरारी; सुनेश कुमार; नीरजा भटला
7.	9 सितंबर 2020	कोविड-19 सिक्वेले का प्रबंधन	मंगला नरसिम्हन, मेडिसिन के प्रोफेसर, डोनाल्ड और बारबरा जुकर स्कूल ऑफ मेडिसिन, हॉफस्ट्रा/नॉर्थवेल, यूएसए; प्रतिमा मूर्ति, प्रोफेसर और मनोचिकित्सा के प्रमुख, निमहंस, बेंगलुरु	अनीता सक्सेना; अनंत मोहन; अंबुज रॉय; सौरभ मित्तल
8.	16 सितंबर 2020	कोविड-19 के साथ डायबिटीज/हृदय रोग/मानसिक रोग		अनीता सक्सेना; निखिल टंडन; राकेश चड्ढा; कौशिक सिन्हा देब; अनिमेष रे; यशदीप गुप्ता
9.	23 सितंबर 2020	कोविड-19 पॉजिटिव रोगी की तत्काल/सेमी-अर्जेंट सर्जरी		अनुराग श्रीवास्तव; राजेश्वरी; एव वी एस देव; सुषमा भटनागर

क्र.सं.		शीर्षक	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संकाय	एम्स संकाय
10.	30 सितंबर 2020	गंभीर कोविड-19 जिसे वेंटीलेटरों की जरूरत है	हृषिकेश एस कुलकर्णी, पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन; गिरेंद्र सडेरा, कंसल्टेंट क्रिटिकल केयर, यूके; विर्रल यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल	नवनीत विज; अंजन त्रिखा
11.	7 अक्टूबर 2020	अन्य संक्रमणों के साथ कोविड-**19** : डेंगी, एक्टिव टीबी, म्यूकोमाइकोसिस	रोहित सरीन, पूर्व-निदेशक, एनआईटीआरडी, नई दिल्ली	आरती कपिल, अनंत मोहन, मनीष सुनेजा, सौरभ मित्तल, वेद प्रकाश मीणा; पवन तिवारी
12.	14 अक्टूबर 2020	कोविड-19 से ग्रस्त कैंसर रोगी: जटिलताएं, विकिरण, कीमोथेरेपी, सर्जरी		ललित कुमार; एव वी एस देव; सुषमा भटनागर; डीएन शर्मा; अतुल शर्मा
13.	21 अक्टूबर 2020	मध्यम से गंभीर कोविड-19 उपचारों एवं वैक्सीन के बारे में अद्यतन जानकारी		अनंत मोहन; अंजन त्रिखा;नवनीत विज; संजन राय; मनीष सुनेजा; ऋचा अग्रवाल; एच एस सुजय
14.	4 नवंबर 2020	कोविड-19 के लिए सीबीएनएएटी एवं रेपिड एंजीजिन परीक्षण का प्रयोग करना-निदान सारांश शीर्षक: कोविड-19 परीक्षणों और उनके नैदानिक प्रभावों की अद्यतन जानकारी		रमा चौधरी; अनंत मोहन; उर्वशी बी सिंह; पूर्वा माथुर; पवन तिवारी; अंजन दुआ

क्र.सं.		शीर्षक	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संकाय	एम्स संकाय
15.	18 नवंबर 2020	होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड-19 रोगियों का प्रबंधन	आलोक नाथ, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ; ध्रुव चौधरी, पीजीआईएमएस, रोहतक	अनंत मोहन; विजय हड्डा; हरिहरन
16.	2 दिसंबर 2020	वयस्कों एवं बच्चों में कोविड-19 के एक्स्ट्रा-पल्मोनरी प्रकटन		अनूप सराया; एस के काबरा; राकेश लोढा; शालीमार; नीरज निश्चल; सौरभ केडिया; विजय कुमार
17.	16 दिसंबर 2020	समस्त विश्व में कोविड-19 का प्रबंधन: भारत और यू के में साझा अनुभव	मोनिका लखनपॉल, मर्विन सिंगर, डेविड ब्रेली, सभी यूसीएल, लंदन, यूके से	नवनीत विज; अनंत मोहन
18.	6 जनवरी 2021	कोविड-19 के लिए म्यूटेशन और वैक्सीन	गगनदीप कंग, आचार्य, सूक्ष्मजैव विज्ञान, सीएमसी वेल्लोर; उमा मल्होत्रा, क्लिनिकल सह-आचार्य, वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, यूएसए; हरीश मूरजानी, मेडिसिन के नैदानिक सहायक आचार्य, न्यूयॉर्क मेडिकल कॉलेज, न्यूयॉर्क	वी के पॉल; अरविंद बग्गा
19.	27 जनवरी 2021	दीर्घकालिक कोविड का प्रबंधन	राजा धर, सलाहकार पल्मोनरी मेडिसिन, फोर्टिस अस्पताल, कोलकाता	अनंत मोहन; नीरज निश्चल; सौरभ मित्तल; हरिहरन अय्यर

क्र.सं.		शीर्षक	राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संकाय	एम्स संकाय
20.	10 मार्च 2020	कोविड-19 के फेफड़ों संबंधी जटिलताएं और वैक्सीन का प्रभाव: भारत और यू के में साझा प्रभाव	मोनिका लखनपॉल, आचार्य, इंटीग्रेटेड चाइल्ड हेल्थ, प्रो वाइस प्रोवोस्ट साउथ एशिया; जेरेमी ब्राउन, अकादमिक श्वसन सलाहकार; जो पोर्टर, रेस्पिरेटरी मेडिसिन के प्रोफेसर; अर्जुन नायर; एम्मा डेनेनी; सभी यूसीएल, लंदन, यूके	अनंत मोहन; नीरज निश्चल; पवन तिवारी

65वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनी

सीमेट ने 25 से 27 सितंबर 2019 तक संस्थान दिवस प्रदर्शनी आयोजित करने में मदद की। प्रदर्शनी का विषय था: **"कोविड-19 के समय में एम्स"**। विभिन्न विभागों द्वारा 50 ई-पोस्टर और 36x56 इंच के 50 भौतिक पोस्टर तैयार किए गए थे, और 6 वीडियो स्टेशन भी प्रदर्शन हेतु लगाए गए थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री द्वारा माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, श्री अश्विनी कुमार चौबे और निदेशक, एम्स, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया की उपस्थिति में किया गया।

संस्थान दिवस पुरस्कार वितरण के साथ-साथ डॉ. दिगंबर बेहरा (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ से) द्वारा प्रस्तुत एक आभासी रजत जयंती व्याख्यान भी यूट्यूब पर लाइव टेलीकास्ट किया गया।

एम्स संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स, नर्सों और कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत 11 वीडियो, स्किट, गाने, नृत्य के साथ एक आभासी सांस्कृतिक शाम को यूट्यूब पर प्रसारित होने वाली आभासी सांस्कृतिक संध्या के लिए सीएमईटी-आई टीम द्वारा रिकॉर्ड और संपादित किया गया।

47वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

एम्स का वार्षिक दीक्षांत समारोह 11 जनवरी 2021 को ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर के ओबीएस और गूगल मीट तथा यूट्यूब पर लाइव टेलीकास्ट की मदद से हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि, निदेशक और संकायाध्यक्ष के साथ एक स्क्रीन पर, डिग्री प्राप्तकर्ताओं और डिग्री की तस्वीरें दिखाई गईं, जबकि संकायाध्यक्ष ने उम्मीदवारों के नाम पुकार कर उन्हें प्रस्तुत किया तथा उम्मीदवार गूगल मीट के माध्यम से लाइव रहे। 1440 उम्मीदवारों को कवर करने के लिए 48 ऐसे गूगल मीट बनाए गए थे।

वर्चुअल भाषण

सीएमईटी-आई टीम ने निम्नलिखित वर्चुअल भाषणों के आयोजन के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की-

1. प्रोफेसर सुदीप गुप्ता, निदेशक, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एसीटीआरईसी मुंबई द्वारा 5वां डॉ उर्मिल बी.के. कपूर ओरेशन, 26 नवंबर 2020।

2. डॉ सुरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन - प्रोफेसर गोपाल बदलानी, प्रोफेसर और वाइस चेयर, क्लिनिकल अफेयर्स, यूरोलॉजी, 28 जनवरी 2021 द्वारा।

3. डॉ ओपी घई मेमोरियल 5वां ओरेशन - डॉ वी.के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग, भारत, 12 मार्च 2021 को।

स्वास्थ्यचर्या कर्मियों के लिए आरोग्यता मंत्र

"स्वास्थ्यचर्या कर्मचारियों के लिए आरोग्यता मंत्र" नामक एक वेबिनार आयोजित करने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गई। प्रस्तुतकर्ता थे - एम्स, नई दिल्ली के पूर्व छात्र डॉ. संजीव चोपड़ा और डॉ. दीपक चोपड़ा, जिसके बाद एक प्रश्न उत्तर सत्र निदेशक, एम्स, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया द्वारा संचालित किया गया।

एम्स में 74वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एम्स के केन्द्रीय प्रांगण से यू-ट्यूब पर एक मल्टी कैमरा सेटअप का उपयोग करके किया गया।

रा.प्र. केंद्र दिवस प्रदर्शनी

इस प्रदर्शनी का आयोजन 10 मार्च 2021 को किया गया था। सीएमईटी-आई ने रा.प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान और अन्य उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए 20 पोस्टर डिजाइन और मुद्रित किए।

कोविड-19 महामारी

कोविड-19 महामारी के शुरुआती दिनों में चिकित्सा विभाग के रेजिडेंट्स को कोविड-19 के बारे में शिक्षित करने के लिए सत्रों की एक श्रृंखला रिकॉर्ड की गई। इन्हें 'बेसिक्स ऑफ कोविड-19' शीर्षक दिया गया था। निम्नलिखित सत्र रिकॉर्ड किए गए थे-

क्र.सं.	विषय	प्रस्तुतकर्ता	फेकल्टी प्रीसेप्टर
1.	परिचय	डॉ. सतीश स्वैन	डॉ. पीयूष रंजन
2.	महामारी विज्ञान	डॉ. दिनेश वालिया	डॉ. नीरज निश्चल
3.	नैदानिक प्रस्तुति	डॉ. आशीष गुप्ता	डॉ. पंकज जोरावल
4.	निदान	डॉ. अर्चना शशि	डॉ. रणवीर जादौन
5.	जटिलताएं	डॉ. जगदीश मणिकांत	डॉ. वेद प्रकाश
6.	प्रबंधन	डॉ. मौना बी एम	डॉ. अनिमेष रे
7.	रोकथाम	डॉ. बेनिन राजेश आरए	डॉ. प्रयास सेठी

लॉकडाउन के दौरान, सीएमईटी-आई ने कोविड-19 से संबंधित विभिन्न विषयों पर 20 वीडियो बनाए-

1. विशेषज्ञ सलाह - घर पर रहें सुरक्षित रहें (हिंदी)
2. विशेषज्ञ सलाह - घर पर रहें सुरक्षित रहें (अंग्रेज़ी)
3. हैंड रब के चरण (अंग्रेज़ी)
4. हैंड रब के चरण (हिंदी)
5. हाथ धोने के चरण (अंग्रेज़ी)
6. हाथ धोने के चरण (हिंदी)
7. पीपीई डोनिंग और डॉ. फिंग
8. सामाजिक खांसी शिष्टाचार (अंग्रेज़ी)
9. सामाजिक खांसी शिष्टाचार (हिंदी)
10. हैंड रब का स्थानीय उत्पादन (अंग्रेज़ी)
11. हैंड रब का स्थानीय उत्पादन (हिंदी)
12. फेस शील्ड का स्थानीय उत्पादन (अंग्रेज़ी)
13. फेस शील्ड का स्थानीय उत्पादन (हिंदी)
14. पीपीई डफिंग दिशानिर्देश - कोविड-19
15. पीपीई पहनने के दिशानिर्देश - कोविड-19
16. कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान तनाव से निपटना
17. कोविड-19 प्रबंधन के लिए निगरानी - योजना
18. कोविड-19 प्रबंधन के लिए निगरानी - विजिट
19. कोरोनावायरस के खिलाफ कैंडल लाइटिंग
20. भारतीय वायु सेना द्वारा एम्स के कोरोना योद्धाओं को श्रद्धांजलि।

निर्मित वीडियो

सीमेट ने सीडीईआर, कॉलेज ऑफ नर्सिंग और अन्य विभागों के लिए 18 वीडियो बनाए। ये वीडियो निम्नलिखित विषयों पर थे:

1. दंत आघात
2. इलेक्ट्रॉनिक कार्य लंबाई निर्धारण (दंत)
3. ऑक्युपाइड बिस्तर बनाना
4. ओरल केयर
5. डॉ. पी.एन. टंडन से साक्षात्कार
6. पैरवी कौशल - तंबाकू छोड़ो
7. मना करने का कौशल - तंबाकू छोड़ो
8. कोविड-19 स्वास्थ्य आगंतुक के लिए बैग तकनीक
9. बिस्तर स्नान तकनीक
10. बिस्तर पर मुंह की साधारण और विशेष देखभाल
11. बायोमेडिकल वेस्ट डिस्पोजल

12. माता-पिता द्वारा पूर्ण पोषाहार
13. बैंडिंग स्लिंग एंड नॉट तकनीक
14. स्पिल की देखभाल
15. छाती और पेट पर पट्टी बांधना
16. रैपिड ब्लड शुगर मॉनिटरिंग
17. डेंटल अमलगम फिक्सिंग
18. ब्रश करने की तकनीक

लॉकडाउन के दौरान सीएमईटी-आई टीम द्वारा निम्नलिखित 20 वीडियो रिकॉर्डिंग की गई-

1. बच्चों के लिए कोरोना-19 युक्तियाँ (हिंदी)
2. पुरानी बीमारियों वाले लोगों के लिए सलाह: विशेषज्ञ राय (हिंदी)
3. लॉकडाउन के दौरान शराब के सेवन को सुरक्षित रूप से कैसे रोकें
4. लॉकडाउन के दौरान तंबाकू को सुरक्षित रूप से कैसे छोड़ें (हिंदी)
5. अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों में पीपीई का इस्तेमाल।
6. घर पर रहें
7. अंगदान पर कविता
8. मानसिक तनाव और अवसाद का प्रबंधन।
9. कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान अविवाहित पुरुषों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे
10. कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे
11. कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान गर्भवती महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे
12. एचसीक्यू और कोविड-19
13. बुजुर्ग और कोविड-19 (हिंदी)
14. कोविड-19 मरीजों के खिलाफ अलगाव का भाव (अंग्रेज़ी)
15. कोविड-19 मरीजों के खिलाफ अलगाव का भाव (हिंदी)
16. होम आइसोलेशन (हिंदी)
17. होम आइसोलेशन (अंग्रेज़ी)
18. कोविड उपयुक्त व्यवहार
19. महामारी सूचना विज्ञान
20. मास्क कैसे पहनें

वीडियो व्याख्यान

शैक्षणिक और अनुसंधान अनुभागों के फाउंडेशन पाठ्यक्रम के लिए सीएमईटी-आई द्वारा निम्नलिखित वीडियो व्याख्यान तैयार किए गए थे-

क्र.सं.	विषय	वक्ता
1.	अनुसंधान के लिए प्रेरणा	डॉ. रणदीप गुलेरिया

2.	अपने गुरु से अधिकतम लाभ कैसे प्राप्त करें?	डॉ. शिंजिनी भटनागर
3.	अनुसंधान प्रोटोकॉल की सामग्री	डॉ. आर एम पांडेय
4.	शोध प्रश्न कैसे तैयार करें?	डॉ. वी के पॉल
5.	स्वास्थ्य अनुसंधान में वैरिएबिल्स को समझना	डॉ. प्रताप शरण
6.	अध्ययन डिजाइन का चयन	डॉ. आनंद कृष्णन
7.	क्रॉस सेक्शनल स्टडी/केस कंट्रोल स्टडी	डॉ. राकेश लोढा
8.	सामूहिक अध्ययन	डॉ. रमेश अग्रवाल
9.	ट्रायल डिजाइन करना	डॉ. अतुल शर्मा
10.	रैंडमाइजेशन एंड ब्लाइंडिंग	डॉ. जी कार्तिकेयन
11.	भ्रामक पूर्वाग्रह	डॉ. एम कलैवानी
12.	नमूना आकार की गणना कैसे करें?	डॉ. जीवा शंकर
13.	डेटा संग्रहण के तौर-तरीके	डॉ. पुनीत मिश्र
14.	मास्टर डेटा शीट कैसे तैयार करें?	डॉ. सुमित मल्होत्रा
15.	डेटा के प्रकार और डेटा का सारांश	डॉ. तूलिका सेठ
16.	पैरामीट्रिक परीक्षण और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण	डॉ. एस एन द्विवेदी
17.	परिकल्पना परीक्षण के सिद्धांत: टाइप I और 2 त्रुटि	डॉ. राधिका टंडन
18.	डिकोटोमस वैरिएबिल्स: टैस्टिंग फॉर एसोसिएशन एंड मैजर्स ऑफ एसोसिएशन (ओआर, आरआर, आरडी)	डॉ. अदिति सिन्हा
19.	सतत डेटा का विश्लेषण ("टी" परीक्षण, एनोवा)	डॉ. नवल किशोर विक्रम
20.	नैदानिक परीक्षण डेटा का विश्लेषण: पीपी/आईटीटी/संशोधित आईटीटी	डॉ. निखिल टंडन
21.	उत्तरजीविता विश्लेषण के सिद्धांत: KM वक्र और जोखिम अनुपात	डॉ. ए के मिश्रा
22.	मल्टीवैरिएबिल एनालिसिस	डॉ. एम ए खान
23.	नैदानिक परीक्षण मूल्यांकन	डॉ. एस रामकृष्णन
24.	मेटाएनालिसिस और व्यवस्थित समीक्षा: मूल सिद्धांत	डॉ. कामेश्वर प्रसाद
25.	रिपोर्टिंग दिशानिर्देश: स्ट्रोब, कंसोर्ट, प्रिज्मा, स्टार	डॉ. सौरभ केडिया
26.	प्रबंध सन्दर्भ और संदर्भ प्रबंधक	डॉ. टॉनी जॉर्ज जेकब
27.	स्वास्थ्य अनुसंधान में नैतिकता	डॉ. समीर बख्शी
28.	आधारिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति और गुणवत्ता नियंत्रण: एक सिंहावलोकन	डॉ. अर्चना सिंह
29.	जीनोमिक और जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण तकनीकों में गुणवत्ता नियंत्रण	डॉ. जयंत कुमार
30.	प्रोटीन विश्लेषण तकनीकों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण	डॉ. प्रज्ञान आचार्य

31.	रिप्रोड्यूसिबिल प्रवाह साइटोमेट्री प्रयोगों के लिए अनुसंधान डिजाइन की मूल बातें	डॉ. ऋतु गुप्ता
32.	माइक्रोस्कोपी और छवि विश्लेषण के नियम	डॉ. टॉनी जॉर्ज जेकब
33.	इन-विट्रो तकनीक: सावधानियां और पिट-फॉल्स	डॉ. सुदीप सेन
34.	पशु प्रयोगों के लिए अध्ययन डिजाइन: सामान्य त्रुटियों से बचना और परिणामों का अनुकूलन करना	डॉ. रूपेश श्रीवास्तव

"राइटिंग ए साइंटिफिक पेपर" नामक कार्यशाला श्रृंखला के लिए नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के सहयोग से सीएमईटी ने निम्नलिखित 8 सत्रों का आयोजन किया-

क्र.सं.	विषय	वक्ता
1.	शीर्षक, सार और मुख्य बातें	डॉ. टोनी जॉर्ज जेकब
2.	विधियां	डॉ. राकेश लोढा
3.	संदर्भ और संदर्भ प्रबंधक	डॉ. टोनी जॉर्ज जेकब
4.	तालिका और आंकड़े	डॉ. राकेश लोढा
5.	वैज्ञानिक कदाचार-1: वैज्ञानिक कदाचार क्या है?	डॉ. राजीव कुमार
6.	वैज्ञानिक कदाचार-2: रिपोर्टिंग बायोस और साहित्यिक चोरी	डॉ. राजीव कुमार
7.	वैज्ञानिक कदाचार-3: लेखकत्व और हितों का टकराव	डॉ. राजीव कुमार
8.	वैज्ञानिक कदाचार-4: सबमिशन एंड प्रीडेटोरी प्रेक्टिसिज	डॉ. राजीव कुमार

- सीएमईटी-आई तकनीकी टीम ने फैकल्टी/रेजिडेंट्स द्वारा 16 पोस्टर/पेपर प्रस्तुतियों के लिए विडियों भी रिकॉर्ड किए।
- सीएमईटी-आई की तकनीकी टीम ने विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित 6 वेबिनार और 11 टेलीकांफ्रेंस बैठकों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

मीडिया से संबंधित उपलब्धि

विवरण	जोड़
बड़े प्रारूप वाले अकादमिक पोस्टरों की डिजाइनिंग/मुद्रण (100 ई-पोस्टर सहित)	367
वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन (मांगों की संख्या)	432
क्लिनिकल/इवेंट फोटोग्राफी और स्कैन, एक्स-रे/सीटी/एमआरआई/स्लाइड (मांगों की संख्या)	208
स्क्रीन पर प्रस्तुतियों की संख्या	112
कलर प्रिंटिंग (A3 साइज)	710
कलर प्रिंटिंग (A4 साइज)	1409
प्रमाणपत्र प्रिंट ए4 आकार (सीएमईटी कार्यशालाएं + अन्य विभाग)	295

'क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन' में फैलोशिप के तहत व्याख्यान श्रृंखला: इस वर्ष 90+ मिनट के 11 सत्र आयोजित किए गए।

क्र.सं.	विषय	संकाय सदस्य
1.	अनुसंधान विधियों का परिचय- मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान	सुमित मल्होत्रा
2.	गुणात्मक अनुसंधान के तरीके- एक सिंहावलोकन	सुमित मल्होत्रा
3.	शोध प्रश्न और परिकल्पना की संकल्पना	सुमित मल्होत्रा
4.	महामारी विज्ञान के अध्ययन डिजाइन का अवलोकन	सुमित मल्होत्रा
5.	नैदानिक/अनुसंधान प्रश्न तैयार करना	आनंद कृष्णन
6.	भ्रम और पूर्वाग्रह	आनंद कृष्णन
7.	वर्णनात्मक आंकड़ों का अवलोकन, युग्मित और अयुग्मित डिजाइनों के लिए पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक विधियों का उपयोग करके अविभाज्य विश्लेषण करने के लिए उपकरण	आनंद कृष्णन
8.	सांख्यिकीय अनुमान की अवधारणा, त्रुटियों के प्रकार, शक्ति	कलैवानी मणि
9.	स्टेटा और डेटा प्रबंधन का परिचय	कलैवानी मणि
10.	स्टैटा का उपयोग करते हुए सांख्यिकीय विश्लेषण: वर्णनात्मक सांख्यिकी, एकतरफा और द्विचर विश्लेषण - दोनों, सापेक्ष जोखिम और विषम अनुपात	कलैवानी मणि
11.	वर्णनात्मक सांख्यिकी-केंद्रीय प्रवृत्ति और फैलाव के उपाय, तिरछापन और कुर्टोसिस	कलैवानी मणि

लॉजिस्टिक स्पोर्ट: सीएमईटी-आई ने सर्जरी और मनश्चिकित्सा विभाग को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करना जारी रखा। अगस्त 2019 में एम्स टीचिंग ब्लॉक में आग लगने की घटना के बाद, सर्जरी और मनश्चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को एचओडी और स्टोर कार्यालय के साथ सीएमईटी-आई में स्थानांतरित कर दिया गया। विभागों को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी लॉजिस्टिक स्पोर्ट, जैसे स्थान, फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधा आदि दोनों विभागों को उपलब्ध कराया गया था।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

योगेश कुमार (कार्यशाला/सत्र)

1. इंडो पैसिफिक एकेडमी (आईएनपीएएफओ) के सदस्यों के लिए "बिब्लियोग्राफी मैनेजमेंट यूजिंग ज़ोटेरो" वेबिनार और एसोसिएशन फॉरेंसिक ओडोन्टोलॉजी फॉर ह्यूमन राइट्स (एएफओएचआर), 8 अगस्त 2020 की साझेदारी में।
2. फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम "ट्रेनिंग द ट्रेनर्स", इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री, 1 नवंबर 2020 के दौरान मीडिया और वेब शिक्षण विधियों का प्रभावी उपयोग।

3. ‘एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप’ - "एंडोक्राइन डिसर्टेशन: ए प्राइमर फॉर रिसर्च", 7 नवंबर 2020 में डीएम / डीएनबी एंडोक्रिनोलॉजी रेजिडेंट्स के लिए ग्रंथ सूची प्रबंधन।
4. एंडोक्राइन सोसाइटी ऑफ इंडिया रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप "एंडोक्राइन डिसर्टेशन: ए प्राइमर फॉर रिसर्च", 7 नवंबर 2020 में डीएम / डीएनबी एंडोक्रिनोलॉजी रेजिडेंट्स के लिए एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण।
5. सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथ सूची प्रबंधन (गूगल मीट) (एम.एससी. नर्सिंग), 21 दिसंबर 2020
6. एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण (गूगल मीट) (एम.एससी. नर्सिंग), 28 दिसंबर 2020
7. मीडिया इन एजुकेशन (एम.एससी. नर्सिंग), 29 दिसंबर 2020
8. पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करना (एम.एससी. नर्सिंग), 4 जनवरी 2021
9. पावरपॉइंट में एनिमेशन (एम.एससी. नर्सिंग), 1 फरवरी 2021
10. रचनात्मकता (एम.एससी. नर्सिंग), 3 फरवरी 2021

11.10. मीडिया प्रकोष्ठ और प्रोटोकॉल प्रभाग

अध्यक्ष

डॉ. आरती विज

अपर-प्रवक्ता

कारण मदान

एम्स नई दिल्ली पर एम्स डाक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण: "**उत्कृष्टता की विरासत**"

एम्स, नई दिल्ली न केवल भारत में बल्कि विश्व स्थर पर चिकित्सा क्षेत्र में समृद्ध इतिहास वाला एक अग्रणी संस्थान है। एम्स नई दिल्ली के अतीत वर्तमान और भविष्य के दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 15 मिनट की एक लघु डाक्यूमेंट्री का निर्माण किया गया है। यह डॉक्यूमेंट्री एम्स, नई दिल्ली के इतिहास पर प्रकाश डालती है, जो संस्थान के पहले अध्यक्ष से शुरू होती है, शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल के क्षेत्र में उपलब्धियां, एम्स, नई दिल्ली द्वारा संचालित बुनियादी ढांचे और कार्यभार के बारे में संक्षेप में, एम्स के सहयोग के साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन, प्रमुख स्वास्थ्य नीतियों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और नैदानिक प्रथाओं पर एम्स में किए गए शोध का प्रभाव, इसके संकाय सदस्यों को प्रदान किए जाने वाले विभिन्न प्रतिष्ठित नागरिक और वैज्ञानिक पुरस्कार / सम्मान, स्वास्थ्य देखभाल, विस्तार के क्षेत्र में प्राप्त कई प्रथम / मील के पत्थर एम्स के बुनियादी ढांचे और एम्स नई दिल्ली को सबसे आधुनिक चिकित्सा विश्वविद्यालय में बदलने के लिए मास्टरप्लान पर प्रकाश डाला गया है।

कोविड-19 की सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री: आम जनता और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए कोविड-19 के विभिन्न पहलुओं पर वीडियो एम्स वेबसाइट और स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण मंत्रायल,यूट्यूब चैनल पर तैयार और अपलोड किए गए हैं।

शीर्षक

मास्क कैसे पहनें

इन्फोडेमिक्स

गौरव इस्सार

दिल्ली पुलिस प्लाज्मा दान

कोरोना वायरस 2021 : बच्चों के लिए टिप्स

विशेषज्ञ की सलाह - लम्बी बीमारियों वाले लोगों के लिए सलाह

लॉकडाउन के दौरान शराब पीने को सुरक्षित रूप से कैसे रोकें?

लॉकडाउन के दौरान तम्बाकू को सुरक्षित रूप से कैसे छोड़ा जाए?

घर पर रहें

अंगदान पर कविता

कोविड उपयुक्त व्यवहार

होम आइसोलेशन दिशानिर्देश

होम आइसोलेशन

COVID 19 मरीजों के खिलाफ स्टिग्मा (एचडी)

बुजुर्ग और कोविड-19 (हिंदी)

बुजुर्ग और कोविड-19

विशेषज्ञ की सलाह, घर में सुरक्षित रहें

जानिए, एम्स के डॉक्टरों से कि संक्रमण से बचने के लिए घर पर रहना क्यों आवश्यक है।

लॉकडाउन के दौरान मानसिक तनाव और अवसाद का प्रबंधन

अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग पर वीडियो

भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना द्वारा एम्स के कोरोना योद्धाओं को श्रद्धांजलि

एचसीक्यू और कोविड-19

अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में पीपीई का उपयोग

बुजुर्ग और कोविड-19

ई-बुकलेट्स:

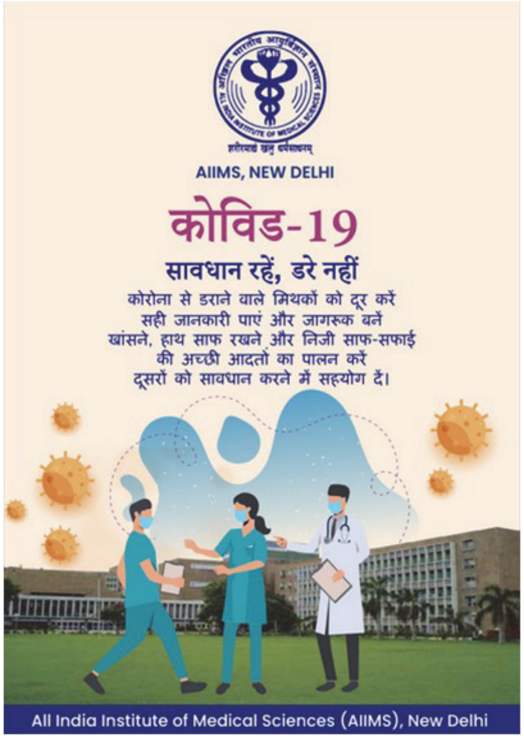

ख़बरों में एम्स: प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
1.	3 अप्रैल 2020	कोरोना से जंग का जज्बा : एम्स केनर्सिंग कर्मचारी ने कहा - कोरोना वार्ड में मेरी ड्यूटी लगाओ	लाइव हिंदुस्तान
2.	6 अप्रैल 2020	एम्स झज्जर में टेलीमेडिसिन से रोजाना बच रही है 20 पीपीइ, संक्रमण का खतरा में कम हुआ	दैनिक भास्कर
3.	6 अप्रैल 2020	केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने एम्स में डॉक्टर्स के साथ दीपक जलाये	दैनिक भास्कर
4.	7 अप्रैल 2020	एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा की हॉटस्पॉट में कुछ कम्युनिटी स्प्रेड हो सकता है।	हिंदुस्तान टाइम्स
5.	7 अप्रैल 2020	हॉटस्पॉट में फैले कुछ समुदाय: एम्स समुदाय	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
6.	7 अप्रैल 2020	एम्स पीएम-केयर्स फण्ड में दान के लिए एक दिन के वेतन कटौती को वैकल्पिक बनाया जाएगा	द स्टेटमैन
7.	7 अप्रैल 2020	कुछ क्षेत्रों में स्थानीय समुदायिक फैलाव	मेल टुडे
8.	7 अप्रैल 2020	संक्रमण से बेपरवाह न रहे युवा, खतरा उन पर भी काम नहीं है: डॉ. नवल विक्रम, एम्स	हिंदुस्तान
9.	7 अप्रैल 2020	देश के कुछ हिस्सों में है स्थिति अभी गंभीर: एम्स	नवभारत टाइम्स
10.	7 अप्रैल 2020	संक्रमण के दूसरे व तीसरे चरण के बीच में भारत: डॉ. रणदीप गुलेरिया	दैनिक जागरण
11.	8 अप्रैल 2020	*एम्स (एम्स) प्रशासन ने यह फैसला कोरोना पॉजिटिव मरीजों (कोरोना पॉजिटिव मरीज) का इलाज कर रहे डॉक्टर्स और उनकी देखभाल कर रहे अस्पताल स्टाफ (अस्पताल स्टाफ) को कोरोना वायरस (कोरोना वायरस) के संक्रमण से बचाने के लिए लिया गया है।*	न्यूज़ 18
12.	8 अप्रैल 2020	दिल्ली एम्स के कर्मचारी उस सुरंग से गुजरेंगे जो कीटाणुनाशक का छिडकाव करती है	एनडीटीवी
13.	8 अप्रैल 2020	'कोरोना वायरस योद्धाओं' के लिए डीआरडीओ ने बनाया डिसइंफेक्टैंट चैंबर, दिल्ली के एम्स में हुआ शुरू	एनडीटीवी इंडिया
14.	8 अप्रैल 2020	एम्स अपने स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एचसीक्यू टेबलेट्स आवंटित करता है	द मॉर्निंग स्टैंडर्ड
15.	8 अप्रैल 2020	दिल्ली के एम्स अस्पताल में बनाया गया सैनीटाईजेशन चैम्बर	ज़ी न्यूज़

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
16.	8 अप्रैल 2020	एम्स ने दिए एन-95 मास्क, केवल 4 बार करना होगा एक मास्क का इस्तेमाल	नवभारत टाइम्स
17.	9 अप्रैल 2020	कोविड-19: बेनेट विश्वविद्यालय ऑनलाइन सम्मलेन में एम्स के निदेशक ने कहा, लॉकडाउन अवधि निर्धारित करने के लिए अधिक डाटा की आवश्यकता	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
18.	9 अप्रैल 2020	एम्स में लगाई गयी सैनीटाईज़ेशन यूनिट	दैनिक जागरण
19.	9 अप्रैल 2020	एम्स में लगाएं गयी विषाणुनाशक यूनिट	जनसत्ता
20.	9 अप्रैल 2020	सुविधा : एम्स में लगा पहला पर्सनल सैनीटाईज़ेशन चैम्बर	दैनिक भास्कर
21.	9 अप्रैल 2020	एम्स की इमरजेंसी में आने वाले मरीज़ो की होगी कोरोना जांच	अमर उजाला
22.	9 अप्रैल 2020	एम्स में मरीज़ो के लिए नयी वयवस्था	दैनिक जागरण
23.	9 अप्रैल 2020	एम्स: इमरजेंसी के मरीज़ो को दो हिस्सों में बाटकर होगा इलाज	नवभार तटाइम्स
24.	10 अप्रैल 2020	शहर के सरकारी अस्पतालों ने डॉक्टरों, कर्मचारियों को डी एंटी-मलेरिया दवा	हिंदुस्तान टाइम्स
25.	10 अप्रैल 2020	हॉटस्पॉट से देश का टीकाकरण अगली चुनौती: डॉ. रणदीप गुलरिया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
26.	11 अप्रैल 2020	केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और एम्स दिल्ली के डॉक्टरों ने शुरू किया जागरूकता अभियान, खुद का विशेष ध्यान रखने की सलाह	अमर उजाला
27.	11 अप्रैल 2020	सर्जरी में मरीज़ को खतरा: एम्स	हिंदुस्तान
28.	11 अप्रैल 2020	डॉक्टरों के आवासीय हब पर चिंता एवं भय	हिंदुस्तान टाइम्स
29.	11 अप्रैल 2020	आईसीएमार ने 13 संस्थानों से कोरोना टेस्टिंग बढ़ाने में मदद करने को कहा	द इंडियन एक्सप्रेस
30.	12 अप्रैल 2020	*डॉ. रणदीप गुलेरिया ने घरेलू जानवरों से इंसानों को कोरोना वायरस का संक्रमण होने की संभावना को बहुत कम बताया है और कहा है कि घरों में पालतू जानवर रखना इस दौर मेंही सुरक्षित है*	न्यूज़ 18
31.	12 अप्रैल 2020	नर्सिंग स्टाफ उर्मिल ने एम्स के कोरोना आईसीयू में खुद आगे आकर लगवाई ड्यूटी, ट्रेनिंग शुरू होते ही खत्म हो गया था डर	हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
32.	13 अप्रैल 2020	पालतू जानवरो से नहीं फैलता कोरोना का संक्रमण: गुलेरिया	दैनिक जागरण
33.	13 अप्रैल 2020	हइड्रोक्सीक्लोरोक्विन से नहीं हो सकता हर किसी का इलाज	अमर उजाला
34.	13 अप्रैल 2020	एम्स इमरजेंसी के बहार डीआरडीओ की मदद से सेनेटाईज करने वाला केबिन तैयार किया गया है	हिंदुस्तान
35.	13 अप्रैल 2020	एम्स में तैनात पुलिसकर्मी पॉजिटिव	द इंडियन एक्सप्रेस
36.	13 अप्रैल 2020	एम्स में तैनात सिपाही पॉजिटिव	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
37.	14 अप्रैल 2020	एम्स ने कोरोना से बचाव के लिए तैयार की सस्ती फेसशील्ड	दैनिक जागरण
38.	14 अप्रैल 2020	माँ पॉजिटिव, एम्स में संक्रमण मुक्त पैदा हुआ बच्चा	द इंडियन एक्सप्रेस
39.	14 अप्रैल 2020	एम्स लैब टेक्निशन ने बचत की रकम से 100 पीपीइ खरीदकर एम्स को दी	दैनिकभास्कर
40.	15 अप्रैल 2020	तैयारी : एम्स में 270 बेड का कोरोना अस्पताल	हिंदुस्तान
41.	15 अप्रैल 2020	आइसोलेशन में मानसिक तनाव बुजुर्गों में बढ़ी चिंता: एम्स मनोचिकित्सक	द हिंदुस्तान टाइम्स
42.	15 अप्रैल 2020	एम्स में तैयार हुआ दिल्ली का पहला कोरोना स्पेशल सेंटर	नवभारत टाइम्स
43.	15 अप्रैल 2020	एम्स की गाइडलाइन्स से जानिए कैसे करनी है बुज़ुर्गो की देखभाल	नवभारत टाइम्स
44.	15 अप्रैल 2020	मिलकर जीतेंगे हम कोरोना के खिलाफ जंग: डॉगुलेरिया	दैनिक जागरण
45.	16 अप्रैल 2020	एम्स ने कोरोना मरीज़ो पर पहली बार आजमाई प्रोनवेंटिलेशन तकनीक	नवभारत टाइम्स
46.	16 अप्रैल 2020	सम्पर्क जोखिम को कम करने एम्स ने रोबोट और टेलीमेडिसिन का प्रयोग किया	द इकनोमिक टाइम्स
47.	16 अप्रैल 2020	एम्स के निर्देशक डॉ.रणदीप गुलेरिया का कहना है की प्लाज्मा तकनीक में संक्रमण से मुक्त हो चुके मरीज़ो के रक्त की आवश्यकता पड़ती है	अमरउजाला
48.	17 अप्रैल 2020	उम्मीद: महामारी से जूझ रही दो माओं के नवजात बच्चो को बचाया, एम्स	हिंदुस्तान
49.	17 अप्रैल 2020	एम्स की डॉक्टर ने पीएम केयर फण्ड में दान की पुरस्कार राशि	दैनिक जागरण

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
50.	17 अप्रैल 2020	एम्स की डॉक्टर ने इनाम की 2 लाख रुपए की राशि पीएम केयर फण्ड में दी	दैनिकभास्कर
51.	18 अप्रैल 2020	एम्स आरडीए ने शाह से स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए प्रस्तावित कानून लागू करने का आग्रह किया	द स्टेटमैन
52.	18 अप्रैल 2020	दिल्ली एम्स 20 अप्रैल से पंजीकृत गैर-कोविड रोगियों का फ़ोन पर इलाज करेगा	एनडीटीवी
53.	18 अप्रैल 2020	एम्स में कोरोना संदिग्ध मरीज़ो की सेवा मेंलगे डॉक्टरों को से वरॉन फाउंडेशन ने दिए रोबोट	अमर उजाला
54.	18 अप्रैल 2020	एम्स में पुराने मरीजों को इस तारीख से मिलेगा अपॉइंटमेंट, डॉक्टर्स फोन पर देंगे सलाह	ज़ी न्यूज़
55.	18 अप्रैल 2020	कोरोना के बढ़ने की दर कम होने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर कम होगा दबाव: एम्स निदेशक	एनडीटीवी इंडिया
56.	19 अप्रैल 2020	एम्स गैर-कोविड रोगियों के लिए टेली-परामर्श शुरू करेगा	द स्टेट मैन
57.	19 अप्रैल 2020	एम्स में पुराने मरीज़ ले सकते है ऑनलाइन अपॉइंटमेंट	दैनिक जागरण
58.	19 अप्रैल 2020	एम्स फ़ोन पर परामर्श देगा	हिंदुस्तान
59.	19 अप्रैल 2020	कोरोना संकट से निपटने के लिए एम्स की इस डॉक्टर ने पुरस्कार के दो लाख रुपये दान किए	एनडीटीवी इंडिया
60.	19 अप्रैल 2020	20 अप्रैल से एम्स भी मरीज़ो को फ़ोन पर देगा सलाह	नवभारत टाइम्स
61.	19 अप्रैल 2020	*अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक रणदीप गुलेरिया का कोविड-19 पर कहना है अगले 5-7 दिनों में हम अगर मौजूदा स्थिति को बनाए रखने में सफल होते हैं तो यह अच्छा होगा*	न्यूज़ 18
62.	19 अप्रैल 2020	कोरोना वायरस पर बोले एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया- अगले 5-7 दिनों पर बहुत कुछ निर्भर	एनडीटीवी इंडिया
63.	20 अप्रैल 2020	एम्स में आज से इलाज के लिए पंजीकरण करा सकेंगे पुराने मरीज़	हिंदुस्तान
64.	21 अप्रैल 2020	एम्स में वैकल्पिक संचालन जल्द ही फिर से शुरू करने हेतु	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
65.	21 अप्रैल2020	कोविड-19: सीआरपीएफ ने एम्स को 1 लाख मास्क दान किये	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
66.	21 अप्रैल 2020	एम्स: स्वास्थ्य कर्मियों के साथ भेदभाव ना करें	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
67.	21 अप्रैल 2020	एम्स में अगले सफ्ताह से जरुरी सर्जरी की जाएँगी	हिंदुस्तान
68.	21 अप्रैल 2020	डॉ. रणदीप गुलेरिया द्वारा "अभी लॉकडाउन सबसे अच्छा विकल्प"	मेल टुडे
69.	21 अप्रैल 2020	कोविड के दौरान बुजुर्ग अधिकारीयों की सुरक्षा के लिए नीतियाँ बनाये: पीएम से ले कर एम्स डॉक्टर्स तक	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
70.	22 अप्रैल 2020	उचित प्रशिक्षण और व्यक्तिगत स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण है	द इंडियन एक्सप्रेस
71.	22 अप्रैल 2020	एम्स न्यूनतम संपर्क के लिए रोबोट का प्रयोग करेगा	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
72.	22 अप्रैल 2020	रिम्स में एम्स का लीव रूल लागू	लाइव हिंदुस्तान
73.	22 अप्रैल 2020	एम्स ने कोविड-19 वार्ड में रोबोट तैयार किये	द हिन्दू
74.	23 अप्रैल 2020	कोरोना वायरस का प्रकोप: एम्स दिल्ली निदेशक का कहना है कि कई केन्द्रों पर	द इकनोमिक टाइम्स
75.	24 अप्रैल 2020	कोविड से जुड़ा प्रकोप अधिक मौतों का कारन बन सकता है: एम्स प्रमुख	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
76.	24 अप्रैल 2020	केवल 18% संक्रमित 60 वर्ष से अधिक है, लेकिन 50% से अधिक मौतों के ज़िम्मेदार है	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
77.	24 अप्रैल 2020	सरल ऑक्सीजन उपचार द्वारा 95% पॉजिटिव इलाज योग्य: सरकार	द पायनियर
78.	24 अप्रैल 2020	कोविड संदिग्ध को सर्जरी की ज़रूरत, एम्स डॉक्टर्स ने किया रिजल्ट का इंतजार न करने का फैसला	द इंडियन एक्सप्रेस
79.	24 अप्रैल 2020	कोविड-19: एम्स के नर्सिंग स्टाफ प्लाज्मा डोनर बनने का फैसला लिया	द स्टेटमैन
80.	24 अप्रैल 2020	जान लेवा कोरोना वायरस से संक्रमित बच्चे के लिए माँ का दूध अमृत: एम्स	दैनिक जागरण
81.	24 अप्रैल 2020	कोरोना जैसे लक्षण के बाद भी डॉक्टरों ने लिया रिस्क, सर्जरी कर बचाया, एम्स	नवभारत टाइम्स
82.	24 अप्रैल 2020	कोरोना वायरस से लड़ाई में एम्स के डॉक्टरों की मदद करेंगे रोबोट, कोविड-19 के मरीजों की निगरानी	लाइव हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
83.	24 अप्रैल 2020	कर्म के साथ मानवता का धर्म भी निभा रहे है डॉक्टर	अमरउजाला
84.	24 अप्रैल 2020	एम्स : प्लाज्मा दान करेंगे नर्सिंग अधिकारी	अमर उजाला
85.	25 अप्रैल 2020	लॉकडाउन का बच्चो और बुज़ुर्गो पर असर का एम्स करेगा स्टडी	नवभारत टाइम्स
86.	25 अप्रैल 2020	अस्पतालों में खून की कमी को पूरा कर रहे डॉक्टर	जनसत्ता
87.	25 अप्रैल 2020	केजरीवाल ने कहा - ठीक हुए मरीज़ प्लाज्मा दे; एम्स डायरेक्टर बोले -प्लाज्मा जादू की गोली नहीं	दैनिक भास्कर
88.	26 अप्रैल 2020	नर्सिंग कर्मचारी ने ली प्लाज्मा दान की शपथ	दैनिक जागरण
89.	27 अप्रैल 2020	एम्स में हाईटेक तकनीक के इस्तेमाल से कोरोना के मरीज़ो का इलाज	दैनिक जागरण
90.	27 अप्रैल 2020	एम्स ने लॉकडाउन हटाने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं को बहाल करने की रणनीति तैयार करने के लिए समिति गठित करी	द इकनोमिक टाइम्स
91.	27 अप्रैल 2020	एम्स में भी प्लाज्मा थेरेपि का ट्रायल शुरू	दैनिक जागरण
92.	27 अप्रैल 2020	एम्स में भी प्लाज्मा ट्रायल की शुरुआत हुई	हिंदुस्तान
93.	28 अप्रैल 2020	प्लाज्मा थेरेपी शुरू करने के लिए एम्स तैयार	हिंदुस्तान टाइम्स
94.	28 अप्रैल 2020	एम्स झज्जर: मरीज़ो को इंटरनेट की सुविधा, हर शिकायत होगी दूर	नवभारत टाइम्स
95.	28 अप्रैल 2020	कोविड-19: कोरोना वायरस के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी के क्लीनिकल परीक्षण की योजना बना रहा एम्स	एनडीटीवी इंडिया
96.	29 अप्रैल 2020	एम्स प्लाज्मा थेरेपी का क्लिनिकल परीक्षण करने की योजना बना रहा है	द इकनोमिक टाइम्स
97.	29 अप्रैल 2020	कोविड-19: कोरोना वायरस के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी के क्लीनिकल परीक्षण की योजना बना रहा एम्स	एनडीटीवी इंडिया
98.	30 अप्रैल 2020	एम्स ने वायरस वाले रोगियों के लिए प्लाज्मा थेरेपी का क्लीनिकल परीक्षण करने की योजना बनाई है	द स्टेट
99.	30 अप्रैल 2020	एम्स प्लाज्मा थेरेपी का क्लिनिकल परीक्षण करने की योजना बना रहा है	द पायनियर

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
100.	30 अप्रैल 2020	एम्स कोविड-19 के उपचार में प्लाज्मा थेरेपी का परीक्षण करने की योजना बना रहा है	मेल टुडे
101.	30 अप्रैल 2020	एम्स दिल्ली ने टेली-परामर्श के लिए अग्रिम बुकिंग आमंत्रित करी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
102.	30 अप्रैल 2020	कोविड-19: दिल्ली पुलिस ने आभार व्यक्त करने के लिए एम्स के आस पास परिक्रमा करी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
103.	30 अप्रैल 2020	कोविड-19 महामारी संकट के बीच स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में दिल्ली पुलिस ने एम्स की 'परिक्रमा' की.	ज़ी न्यूज़
104.	1 मई 2020	पुराने मरीज़ो को फ़ोन कर इलाज देगा एम्स, 9115444155 पर फ़ोन करके अपॉइंटमेंट	दैनिक भास्कर
105.	1 मई 2020	एम्स के मरीज़, फ़ोन से एडवांस अपॉइंटमेंट ले सकेंगे	अमर उजाला
106.	1 मई 2020	एम्स के टेलीकंसल्टेशन के लिए ले सकेंगे अपॉइंटमेंट	दैनिक जागरण
107.	1 मई 2020	राजधानी दिल्ली में प्रवासी राजस्थानी समाज से जुड़ी संस्था मारवाड़ी युवा मंचकी, पूर्वी दिल्ली शाखा द्वारा देश के सबसे बड़े मेडिकल संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सहयोग से पूर्वी दिल्ली में रक्तदानशिविर (ब्लडडोनेशन) का आयोजन किया गया	ज़ी न्यूज़
108.	1 मई 2020	एम्स दिल्ली ने टेली-परामर्श के लिए अग्रिम बुकिंग आमंत्रित करी	द पायनियर
109.	2 मई 2020	कोविड-19: एम्स के चिकित्सकों ने पुलिसकर्मियों पर फूल बरसाने के लिए दिल्ली पुलिस को धन्यवाद किया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
110.	2 मई 2020	"हमें कोरोना के साथ जीने की आदत डालनी होगी" एम्स के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा, बीमारी से जल्द छुटकारा नहीं	नवभारत टाइम्स
111.	3 मई 2020	एम्स - सफदरजंग के डॉक्टरों ने तालियां बजाकर किया पुलिस का स्वागत	दैनिक भास्कर
112.	3 मई 2020	कोरोना वॉरियर्स डे : एम्स-सफदरजंग अस्पताल के कर्म वीरों को सेना का सलाम	एनडीटीवी इंडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
113.	3 मई 2020	कोरोना से बचना है तो दिल खोल कर हसिये	दैनिक जागरण
114.	4 मई 2020	कोविड रणनीतिकर, एम्स प्रमुख डॉ. रणदीप गुलेरिया आज ई-अड्डा में अतिथि हैं	इंडियन एक्सप्रेस
115.	4 मई 2020	भारतीय वायुसेना के एक हेलिकॉप्टर ने कोरोना योद्धाओं को सलामी देते हुए एम्स, नयी दिल्ली पर पुष्प वर्षा करी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
116.	4 मई 2020	कोरोना वायरस कैसे जानलेवा है, यह स्थापित करने के लिए अभी तक कोई डाटाबेस नहीं है	द मॉर्निंग स्टैंडर्ड
117.	4 मई 2020	भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर द्वारा एम्स के स्वास्थ्य कार्यकर्तायों ने उन पर फूलों की पंखुड़ियों की वर्षा करने के लिए आभार व्यक्त किया।	मेल टुडे
118.	4 मई 2020	दिल्ली में एम्स की ओपीडी के बाहर अभिवादन स्वीकार करते डॉक्टर	नवभारत टाइम्स
119.	4 मई 2020	कोरोना वायरस से मुकाबला कर रहे योद्धाओं के सम्मान में भारतीय सेना के बैंड ने एम्स के सामने देशभक्ति की धुन बजाई	दैनिक जागरण
120.	4 मई 2020	एम्स में कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करते सेना के जवान	हिंदुस्तान
121.	5 मई 2020	ओपीडी और गैर-आपातकालीन सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा एम्स जल्द ही समिति से ब्लूप्रिंट तैयार करने को कहा।	द इकनोमिक टाइम्स
122.	6 मई 2020	कोरोना पर शोध के लिए एम्स में 49 परियोजनाएं	दैनिक जागरण
123.	6 मई 2020	एम्स में कोरोना पर 49 परियोजनाएं	हिंदुस्तान
124.	6 मई 2020	कोरोना: एम्स में 49 परियोजनायों पर स्टडी शुरू की	नवभारत टाइम्स
125.	6 मई 2020	संक्रमण का ग्राफ समानांतर, पर निरंतर बढ़ोतरी चिंताजनक: एम्स निर्देशक	अमर उजाला
126.	6 मई 2020	25 मई से 5 जून के बीच चरम पर पहुंच सकती है मरीज़ो की संख्या	दैनिक भास्कर
127.	6 मई 2020	लॉकडाउन के कारण अब तक कर्व अपेक्षाकृत सीधा बना हुआ है। हालांकि, मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह चिंता का विषय है: डॉ. रणदीप गुलेरिया।	मेल टुडे

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
128.	7 मई 2020	जून-जुलाई में कोविड-19 के चरम पर पहुंचने की संभावना: एम्स निदेशक	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
129.	7 मई 2020	एम्स : कोरोना के सिर्फ 18 मरीज़, क्षमता 2000 की	नवभारत टाइम्स
130.	7 मई 2020	विजाग गैस रिसाव: एम्स निदेशक का कहना है कि स्टाइलिन जलन, खांसी और सांस लेने में कठिनाई का कारण बनता है	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
131.	7 मई 2020	एम्स के निदेशक का बड़ा बयान! भारत में जून-जुलाई में चरम पर होगी कोरोना महामारी	ज़ी न्यूज़
132.	7 मई 2020	कोविड-19 पर एम्स के निदेशकको चेतावनी, जून-जुलाई में चरम पर पहुंच सकती है महामारी	लाइव हिंदुस्तान
133.	7 मई 2020	भारत में जून-जुलाई में चरम पर पहुंच सकता है कोरोना वायरस: एम्स दिल्ली निदेशक	द इकनोमिक टाइम्स
134.	7 मई 2020	एम्स वपीजीआई में वैक्सीन का मानव परिक्षण शुरू	अमर उजाला
135.	8 मई 2020	एम्स के निदेशकडॉ. गुलेरिया ने कहा संक्रमण को लेकर अलर्ट रहना है और इस के साथ आगे भी बढ़ना है	नवभारत टाइम्स
136.	8 मई 2020	एम्स में हुआ सफाई कर्मियों का सम्मान	जनसत्ता
137.	8 मई 2020	एम्स के निदेशक बोले, जून-जुलाई में चरम पर पहुंच सकता है कोरोना	नवभारत टाइम्स
138.	8 मई 2020	हॉट स्पॉट पर आक्रामक अभियान से घटेगा कोरोना	दैनिक जागरण
139.	8 मई 2020	जून-जुलाई में संक्रमण चरम पर होगा: डॉ. गुलेरिया	हिंदुस्तान
140.	8 मई 2020	यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि प्रकोप कब तक जारी रहेगा। लेकिन आंकडें और जिस तरह से मामले बढ़ रहे हैं, उसके मुताबिक जून और जुलाई में पीक आने की संभावना है: डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स (दिल्ली)	मेल टुडे
141.	8 मई 2020	मई से अगस्त के बीच कोविड के चरम पर पहुंचने की संभावना: एम्स निदेशक	हिंदुस्तान टाइम्स
142.	8 मई 2020	एम्स निदेशक का कहना है कि जून-जुलाई में मामले चरम पर पहुंच सकते हैं	द हिन्दू

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
143.	8 मई 2020	जून-जुलाई में पीक, एम्स निदेशक की भविष्यवाणी	द पायनियर
144.	8 मई 2020	*भारतीय अखिल आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि भारत में कोरोना का पीक सीजन जून-जुलाई में आएगा.*	न्यूज़ 18
145.	8 मई 2020	हॉटस्पॉट का प्रबंधन ' ब्लन्टिड पीक' की कुंजी है: एम्स निदेशक	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
146.	8 मई 2020	एम्स के निदेशक ने कहा, "खाने वाली चीज या खाने वाले पदार्थ से इंफेक्शन नहीं होता"	पत्रिका
147.	9 मई 2020	एम्स निदेशक ने अहमदाबाद के अस्पताल में कोविड-19 के इलाज को लेकर डॉक्टरों से मुलाकात की	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
148.	9 मई 2020	एम्स अगले सप्ताह प्रावस्था में ओपीडी, सर्जिकल विभाग फिर से खोल सकता है	हिंदुस्तान टाइम्स
149.	9 मई 2020	एम्स झज्जर में अर्धसैनिक बलों के जवानों का इलाज	हिंदुस्तान टाइम्स
150.	9 मई 2020	डॉ. रणदीप गुलेरिया टिप्पणी करते हैं कि कोविड-19 मामले बढ़ रहे हैं, और ऐसा लगता है कि चरम जून और जुलाई में आ सकता है	द स्टैण्डर्ड मॉर्निंग
151.	9 मई 2020	एम्स में जल्द शुरू हो सकती है ओपीडी	नवभारत टाइम्स
152.	9 मई 2020	कोरोना वायरस: अहमदाबाद में स्थिति गंभीर, एम्स निदेशक करेंगे दौरा	एनडीटीवी इंडिया
153.	9 मई 2020	एम्स के निदेशक बोले - कोरोना का डर बना हुआ है, टेस्ट कराने से बच रहे लोग	लाइव हिंदुस्तान
154.	9 मई 2020	गुजरात में नहीं थम रहा कोरोना का कहर, एम्स डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया अहमदाबाद भेजे गए	लाइव हिंदुस्तान
155.	9 मई 2020	अगर कोविड-19 मरीज अस्पताल आने में देरी करता है तो मृत्यु दर बढ़ जाती है: एम्स दिल्ली निदेशक	द इकनोमिक टाइम्स
156.	9 मई 2020	कोरोना मरीज़ को बचाने के लिए एम्स में डॉक्टर ने दाव पर लगा दीं जान	दैनिक जागरण
157.	9 मई 2020	देश में जून-जुलाई में कोविड-19 मामलों के चरम पर होने की संभावना के संबंध में एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया	मेल टुडे

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
158.	9 मई 2020	डॉ. रणदीप गुलेरिया द्वारा भविष्यवाणी की गई कि भारत में कोविड-19 मामले बढ़ रहे हैं और यह जून-जुलाई में चरम पर होगा	द स्टेटमैन
159.	9 मई 2020	एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया: बुजुर्गों को अधिक देखभाल की जरूरत है	ज़ी हिंदुस्तान
160.	9 मई 2020	*पद्मश्री डॉ.रणदीपगुलेरिया को एम्स में देश का पहला पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिस्ऑर्डर सेंटर शुरू करने का श्रेय दिया जाता है। इस सेंटर की शुरुआत 2011 में की गई थी। वह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी समेत देश-विदेश के कई नेताओं का इलाज कर चुके हैं।*	न्यूज़18
161.	10 मई 2020	सह-रुग्णता: देर से अस्पताल में भर्ती बीमार गुजरात: एम्स प्रमुख	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
162.	10 मई 2020	कोरोना: एम्स के विशेषज्ञों ने किया अहमदाबाद का दौरा, कही ये महत्वपूर्ण बातें	ज़ी न्यूज़
163.	10 मई 2020	राज्य के डॉक्टरों से एम्स के निदेशक डॉ. गुलेरिया ने कोरोना के मरीजों की स्थिति के बारे में जाना इसके साथ ही कोविड-19 का इलाज कर रहे डॉक्टरों की टीम को खास टिप्स दिए	न्यूज़ 18
164.	10 मई 2020	गंभीर मरीज की मदद के लिए दिल्ली एम्स के डॉक्टर ने उतारे सेफ्टी गियर	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
165.	11 मई 2020	कोरोना वायरस : एम्स के डॉक्टर जाहिद अब्दुल माजीद ने गंभीर हालत में पहुंचे एक कोरोना पीड़ित मरीज को पीपीई उतार कर ऑक्सीजन दी	एनडीटीवी इंडिया
166.	11 मई 2020	एम्स के डॉक्टर ने कोविड-19 मरीज को बचाने के लिए सेफ्टी गियर रिस्क लाइफ को हटा दिया	द हिन्दू
167.	11 मई 2020	रोजा खोले बिना अस्पताल पहुंचे इस डॉक्टर ने कोरोना मरीज की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी	एनडीटीवी इंडिया
168.	11 मई 2020	बिना पर्याप्त सुविधा होम आइसोलेशन में कोरोना मरीज़ को रखना खतरनाक : डॉ. रणदीप गुलेरिया	दैनिक जागरण
169.	11 मई 2020	खुद की परवाह किए बगैर एम्स के डॉक्टर ज़ाहिद ने निभाया अपना फर्ज़	ज़ी न्यूज़

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
170.	12 मई 2020	कोरोना के गंभीर मरीज को बचाने के लिए एम्स के डॉक्टर ने उतारे सुरक्षात्मक उपकरण, क्वारंटाइन की सलाह	द स्टेटमैन
171.	13 मई 2020	एम्स, कई अन्य ने प्लाज्मा परीक्षण के लिए मांगी मंज़ूरी	द इकनोमिक
172.	13 मई 2020	क्या शाकाहारी लोगों को नहीं होता कोरोना वायरस? जानिए एम्स की राय	एनडीटीवी इंडिया
173.	15 मई 2020	पर्दाफाश: महिलाओं की तुलना में पुरुष कोविड-19 से अधिक क्यों मर रहे हैं: डॉ. रणदीप गुलेरिया	द स्टेटमैन
174.	16 मई 2020	एम्स में अगले सप्ताह शुरू हो सकती है ओपीडी	दैनिक जागरण
175.	16 मई 2020	15 यूनिट रक्त एकत्रित	अमर उजाला
176.	17 मई 2020	एम्स के डॉक्टरों ने पुलिस कर्मियों को बताए संक्रमण से बचाव के तरीके	दैनिक जागरण
177.	18 मई 2020	एम्स की ओपीडी 20 मई से शुरू होगी	हिंदुस्तान टाइम्स
178.	18 मई 2020	एम्स में गैर-आपातकालीन ओपीडी फिर से शुरू होने की संभावना	द इकनोमिक टाइम्स
179.	20 मई 2020	जल्द शुरू होगी एम्स की ओपीडी, पहले होगी स्क्रीनिंग	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
180.	20 मई 2020	एम्स जल्द ही वायरस का अध्ययन करने के लिए शव परीक्षण करेगा	द इकनोमिक
181.	21 मई 2020	एम्स ने 34 हज़ार मरीज़ो को फ़ोन पर परामर्श दिया	हिंदुस्तान
182.	21 मई 2020	34 हज़ार मरीज़ों को फ़ोन पर चिकित्सीय सलाह दे चूका एम्स	अमर उजाला
183.	21 मई 2020	फ़ोन पर ले सकेंगे अब परामर्श: एम्स	जनसत्ता
184.	22 मई 2020	एम्स के डॉक्टर यह अध्ययन करने की योजना बना रहे हैं कि शरीर में कितने समय तक जीवित रह सकता है कोरोना वायरस	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
185.	22 मई 2020	मरीज के मरने के बाद शव में कब तक जिंदा रहता है कोरोना वायरस? पता लगाएंगे एम्स के डॉक्टर	लाइव हिंदुस्तान
186.	22 मई 2020	एम्स के डॉक्टरों की शव में कोरोना वायरस के जिंदा रहने की अवधि का अध्ययन करने की योजना	ज़ी न्यूज़
187.	23 मई 2020	जग्गा - बलिया के बाद ट्विन बेबी की मैराथन सर्जरी में जुटा एम्स	नवभारत टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
188.	23 मई 2020	एम्स कर रहा मृतकों पर शोध की तैयारी	जनसत्ता
189.	23 मई 2020	एम्स शव में कोरोना की सक्रियता पर शोध करेगा	हिंदुस्तान
190.	23 मई 2020	एक शरीर में कितने समय तक जीवित रह सकता है, इसका अध्ययन करने के लिए एम्स के डॉक्टर	द स्टेटमैन
191.	24 मई 2020	कोविड-19: एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया का कहना है कि हमें अभी तक एक आदर्श दवा नहीं मिली है	टाइम्स नाउ
192.	24 मई 2020	जुड़वाँ बच्चियों को 18 घंटे सर्जरी के बाद मिली नयी जिंदगी	हिंदुस्तान
193.	24 मई 2020	एम्स में 24 घंटे सर्जरी, कूल्हे - पेट से जुडी जुड़वाँ बहने अलग हुई	नवभारत टाइम्स
194.	24 मई 2020	शव में वायरस जिंदा रहने की अवधि का पता लगाएगा एम्स	अमर उजाला
195.	24 मई 2020	एम्स कर्मचारियों ने पीएम केयर फंड में दिए1.32 करोड़ रुपए	दैनिक जागरण
196.	24 मई 2020	दिल्ली एम्स ने पीएम राहत कोष में दान किये 1.32 करोड़	अमर उजाला
197.	24 मई 2020	राहत कोष में एम्स ने दिए 1.32 करोड़ रुपए	नवभारत टाइम्स
198.	24 मई 2020	64 डॉक्टरों ने 24 घंटे ऑपरेशन के बाद जुड़वाँ बहनो को किया अलग	अमर उजाला
199.	24 मई 2020	दिल्ली एम्स के 64 डॉक्टरों ने दो जुड़वां बच्चों को किया अलग, 24 घंटे चली सर्जरी	ज़ी न्यूज़
200.	24 मई 2020	एम्स कर्मियों ने 1.32 करोड़ दिए	हिंदुस्तान
201.	24 मई 2020	गुड न्यूज : पेट और कूल्हे से आपस में जुड़ी जुड़वां बच्चियों को 18 घंटे की सर्जरी के बाद मिली नई जिंदगी	लाइव हिंदुस्तान
202.	25 मई 2020	24 घंटे की सर्जरी के बाद एम्स में जुड़े 2 साल के बच्चे को अलग किया गया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
203.	25 मई 2020	कोरोना के साथ ही हीस्ट्रोक का खतरा बढ़ा	हिंदुस्तान
204.	25 मई 2020	24 घंटे की सर्जरी के बाद अलग हुए दो साल के जुड़वां बच्चे	द एशियन न्यूज़
205.	26 मई 2020	कोरोना : जानें हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन के इस्तेमाल पर क्या है एम्स के डायरेक्टर की राय	लाइव हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
206.	26 मई 2020	एम्स निदेशक : कोविड-19 के इलाज के हिस्से के रूप में हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन का उपयोग करने के 2 अलग-अलग पहलू हैं, इस बात की अधिक संभावना है कि म्यूटेंट दवाओं के उपयोग के कारण मरीज को विषाक्तता हो सकती है.	न्यूज़ 18
207.	27 मई 2020	ढील से बढ़ सकते है मामले: गुलेरिया	दैनिक जागरण
208.	28 मई 2020	डॉ. गुलेरिया बोले - सरकार को जो करना था किया, अब लोगों की जिम्मेदारी	दैनिक भास्कर
209.	28 मई2020	घर में भर्ती या आइसोलेशन? उम्र सबसे ज्यादा मायने रखती है: डॉ. गुलेरिया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
210.	29 मई 2020	शवों के ढेर के रूप में, शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए सरकार को लकड़ियों का उपयोग करना: डॉ. सुधीर गुप्ता	हिंदुस्तान टाइम्स
211.	30 मई 2020	एम्स, सरकार को कोविड उपचार पर समन्वय करने की आवश्यकता है	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
212.	30 मई 2020	लॉकडाउन के उठते ही नागरिकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है: डॉ. रणदीप गुलेरिया	एनडीटीवी इंडिया
213.	31 मई 2020	कोरोना महामारी के बीच दिल्ली एम्स दुनिया के 100 सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में शामिल	लाइव हिंदुस्तान
214.	1 जून 2020	दुनिया में 52 नंबर का अस्पताल है अपना एम्स, सभी कर्मचरियो को श्रेय: गुलेरिया	अमर उजाला
215.	1 जून 2020	दुनिया के 100 शीर्ष अस्पतालों में एम्स	हिंदुस्तान
216.	1 जून 2020	एम्स दुनिया के 100 श्रेष्ठ अस्पतालों में एम्स	दैनिक जागरण
217.	1 जून 2020	दुनिया के टॉप 100 अस्पतालों में एम्स शामिल	नवभारत टाइम्स
218.	1 जून 2020	कोरोना महामारी के बीच दिल्ली एम्स दुनिया के 100 सर्वश्रेठ अस्पतालों में शामिल	हिंदुस्तान
219.	1 जून 2020	एचसीक्यू शुरूआती संक्रमण रोकने में कारगर: गुलेरिया	दैनिक जागरण
220.	2 जून 2020	इस बच्चे ने कोविड को मात दी, दिल की एक दुर्लभ बीमारी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
221.	2 जून 2020	अखबार पर नहीं टिक सकता कोरोना वायरस	दैनिक जागरण
222.	3 जून 2020	2 मीटर की दूरी, मास्क बीमारी को रोकने की कुंजी: अध्ययन	हिंदुस्तान टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
223.	3 जून 2020	ढाई माह के बच्चे ने कोरोना को मात, फिर एम्स में हुई दिल की सर्जरी	दैनिक जागरण
224.	3 जून 2020	ढाई माह के बच्चे ने कोरोना से जीती जंग	हिंदुस्तान
225.	3 जून 2020	ढाई माह के बच्चे ने कोरोना को हराया, फिर हुई हार्ट सर्जरी	नवभारत टाइम्स
226.	4 जून 2020	अखबारों से वायरस फैलने की बात निराधार: डॉ. गुलेरिया	अमर उजाला
227.	4 जून 2020	मास्क ठीक से पहनें। इस तरह आप दूसरों की और अपनी सुरक्षा करते हैं	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
228.	5 जून 2020	संक्रमण से बचाव की जिम्मेदारी खुद डॉक्टरों की: स्वास्थ मंत्रालय	दैनिक भास्कर
229.	7 जून 2020	एम्स के निदेशक बोले - हलके लक्षणों वाले मरीजों पर एचसीक्यू कारगर	दैनिक भास्कर
230.	8 जून 2020	एम्स के साथ कर्मचारियों ने कोरोना को हराया	अमर उजाला
231.	8 जून 2020	टीएनएआई ने एम्स की नर्सों को कम ड्यूटी घंटे हेतु सहायता प्रदान की	द हिन्दू
232.	8 जून 2020	एम्स निदेशक बोले - हल्के लक्षणों वाले मरीजों पर एचसीक्यू कारगर	दैनिक जागरण
233.	9 जून 2020	केंद्र ने मांगी जिला स्तरीय योजना	द हिन्दू
234.	11 जून 2020	आईआईटी-मद्रास एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष पर, जेएनयू विश्वविद्यालयों में दूसरे स्थान पर	द इंडियन एक्सप्रेस
235.	11 जून 2020	एम्स लगातार तीसरे साल रहा सवश्रेष्ठ मेडिकल संस्थान	पंजाब केसरी
236.	11 जून 2020	लॉकडाउन के दौरान एम्स में हुई 4 हजार सर्जरी	पंजाब केसरी
237.	11 जून 2020	एम्स: टेलीमेडिसिन के जरिये 61 हजार मरीजों को मिला उपचार	नवोदया टाइम्स
238.	11 जून 2020	देशभर में सर्वश्रेठ मेडिकल संस्थान एम्स	हिंदुस्तान
239.	11 जून 2020	एम्स के नए ब्लॉक में कोरोना उपचार	हिंदुस्तान
240.	11 जून 2020	देशभर के शीर्ष दस में दिल्ली के पांच कॉलेज	हिंदुस्तान
241.	11 जून 2020	एम्स ने लॉकडाउन के दौरान 12000 मरीजों की देखभाल की	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
242.	11 जून 2020	एम्स ने लॉकडाउन के दौरान 55000 टेली-परामर्श, 10,609 गैर-कोविड-19 प्रवेश प्रदान किए	द इंडियन एक्सप्रेस

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
243.	11 जून 2020	20 जून तक 15000 बिस्तरों की व्यवस्था की जाएगी: जैन	द हिन्दू
244.	12 जून 2020	कोरोना काल में 4995 मरीजों की एम्स में सर्जरी	दैनिक जागरण
245.	12 जून 2020	लॉकडाउन में एम्स ने बचाई 4000 जाने	अमर उजाला
246.	12 जून 2020	एम्स: कोरोना के लिए बढ़ेंगे बेड	नवभारत टाइम्स
247.	12 जून 2020	एम्स की नवनिर्मित इमारत में होगा संक्रमितों का इलाज	जनसत्ता
248.	12 जून 2020	एचसी पैनल यह आकलन करेगा कि क्या होटलों को कोविड की सुविधा बनाया जा सकता है	हिंदुस्तान टाइम्स
249.	12 जून 2020	एम्स की नवनिर्मित इमारत में होगा संक्रमितों का इलाज	जनसत्ता
250.	12 जून 2020	एचसी पैनल यह आकलन करेगा कि क्या छात्रावास कोविड की सुविधा हो सकते हैं	हिंदुस्तान टाइम्स
251.	12 जून 2020	लॉकडाउन के दौरान एम्स में हुई 4 हजार से अधिक सर्जरी	पंजाब केसरी
252.	12 जून 2020	एम्स लगातार तीसरे साल रहा सर्वश्रेष्ठ मेडिकल संस्थान	पंजाब केसरी
253.	12 जून 2020	एम्स: टेलीमेडिसिन के जरिये 61 हजार मरीजों को मिला उपचार	नवोदया टाइम्स
254.	12 जून 2020	देशभर में सर्वश्रेष्ठ मेडिकल संस्थान	हिंदुस्तान
255.	12 जून 2020	एम्स के नए ब्लॉक में कोरोना उपचार	हिंदुस्तान
256.	12 जून 2020	देशभर के शीर्ष दस में दिल्ली के पांच कॉलेज	हिंदुस्तान
257.	12 जून 2020	नए एम्स ब्लॉक को कोविड सुविधा के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
258.	13जून 2020	प्रयास हो तो दो - तीन हफ्ते में सुधर सकते हैं हालात : डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
259.	13 जून 2020	दो-तीन हफ्ते में कोरोना के ग्राफ में हो सकता है सुधार	नवभारत टाइम्स
260.	13 जून 2020	कोरोना से निपटने को एलजी ने गठित की छह सदस्यीय समिति	दैनिक जागरण
261.	13 जून 2020	हमारा उद्देश्य संचरण की श्रृंखला को तोड़ना, मृत्यु दर को कम करना है: एल-जी	द पायनियर
262.	14 जून 2020	मास्क कोविड-19 विकास दर को 40% तक कम कर सकता है; अध्ययन	

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
263.	14 जून 2020	ब्लड डोनेशन के 4 रोशन चेहरों से मिले	नवभारत टाइम्स
264.	14 जून 2020	हमारा उद्देश्य संचरण की श्रृंखला को तोड़ना, मृत्यु दर को कम करना है: एल-जी	The Pioneer
265.	15 जून 2020	एम्स के नर्सिंग अधिकारी ने दान किया प्लाज्मा	दैनिक जागरण
266.	15 जून 2020	दिल्ली में तीन गुना जांच की तैयारी	हिंदुस्तान
267.	15 जून 2020	राजधानी में दो दिन में दोगुना होगी एंटीजन	दैनिक जागरण
268.	15 जून 2020	दिल्ली को मिलेगी अतिरिक्त टेस्ट किट	अमर उजाला
269.	15 जून 2020	कोविड की जांच अब 30 मिनट में, एंटीजन किटको आईसीएमआर की मंजूरी	नवभारत टाइम्स
270.	15 जून 2020	टेस्ट होंगे सस्ते, कोरोना के वार्ड में लगेंगे सीसीटीवी	नवभारत टाइम्स
271.	15 जून 2020	दिल्ली एम्स में फॉरेन नेशनल डॉक्टरों को भी जल्द मिलेगा स्टाइपेंड, आगामी तीन महीने में पूरी होगी प्रक्रिया	दैनिक भास्कर
272.	17 जून 2020	कोविड-19 के लिए विकिरण चिकित्सा? पानी की जांच के लिए एम्स का पायलट अध्ययन	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
273.	17 जून 2020	एम्स डायरेक्टर बोले - कोरोना संकट में हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित	दैनिक भास्कर
274.	17 जून 2020	त्वरित परिणामों के लिए, रेड ज़ोन में रैपिड एंटीजन किट का उपयोग करें	द एशियन ऐज
275.	18 जून 2020	कोरोना प्रभावित जिलों में पहुँचाया जायेंगे दस हजार वेंटिलेटर	अमर उजाला
276.	18 जून 2020	हवलदार ने प्लाज्मा दान कर बचाई महिला की जान : एम्स निदेशक ने प्रशासित पत्र देकर किया सम्मानित	अमर उजाला
277.	18 जून 2020	कोरोना से ठीक हो चुके हेडकांस्टेबल ने किया प्लाज्मा डोनेट	दैनिक भास्कर
278.	18 जून 2020	एम्स में कोरोना के मरीजों पर रेडिएशन थेरेपी का परीक्षण	दैनिक जागरण
279.	18 जून 2020	ट्रैफिक हवलदार ने प्लाज्मा डोनर बन कर बचाई जान	नवभारत टाइम्स
280.	18 जून 2020	एम्स ने कोविड पॉजिटिव रोगियों पर कम विकिरण चिकित्सा आयोजित की	द एशियन ऐज

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
281.	18 जून 2020	नई दवा को पूरी समीक्षा के बाद डब्ल्यूएचओ की मंजूरी	हिंदुस्तान टाइम्स
282.	18 जून 2020	एम्स में कोरोना के मरीजों पर रेडिएशन थेरेपी का परीक्षण	दैनिक जागरण
283.	21 जून 2020	योग से माईग्रेन के इलाज में मिल रहा सहयोग	जनसत्ता
284.	21 जून 2020	पुलिस कर्मियों ने योग सेशन में 4 से 6 किलो तक घटाया वजन	दैनिक भास्कर
285.	21 जून 2020	माईग्रेन के इलाज में दवाओं से ज्यादा बेहतर	हिंदुस्तान
286.	22 जून 2020	अंतरास्ट्रीय योग दिवस: एम्स में वर्चुअल माध्यम से बताया गया योग का महत्व	ईटीवी भारत
287.	22 जून 2020	सिरदर्द के इलाज में दवा से ज्यादा असरदार हो सकता हैं नियमित योग	दैनिक जागरण
288.	22 जून 2020	500 किलोमीटर की दूरी तय कर नर्सिंग अफसर ने किया मरीज का डायलिसिस	अमर उजाला
289.	22 जून 2020	योग माइग्रेन को कम करता है: एम्स अध्ययन	द इंडियन एक्सप्रेस
290.	22 जून 2020	अंतराष्ट्रीय योग दिवस : एम्स में वर्चुअल माध्यम से बताया गया योग का महत्व	ईटीवी भारत
291.	22 जून 2020	योग द्वारा माइग्रेन का पता लगाया जा सकता है: एम्स अध्ययन	ड्रग टुडे
292.	24 जून 2020	एम्स में ओपीडी कल से एम्स में ओपीडी शुरू होगी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
293.	24 जून 2020	एम्स कल ओपीडी फिर से शुरू करने के लिए तैयार	द हिन्दू
294.	24 जून 2020	गुरुवार से एम्स की ओपीडी शुरू होगी	हिंदुस्तान टाइम्स
295.	24 जून 2020	योग तनाव, चिंता, अवसाद से लड़ने में मदद करता है: एम्स अध्ययन	द स्टेटमैन
296.	24 जून 2020	25 जून से शुरू होगी एम्स ओपीडी	द इंडियन एक्सप्रेस
297.	24 जून 2020	रहत : एम्स में कल से शुरू होगी ओपीडी, तीन महीनो से बंद	अमर उजाला
298.	24 जून 2020	सुविधा: एम्स में ओपीडी सेवा कल से शुरू होगी	हिंदुस्तान
299.	24 जून 2020	एम्स न्यूरोसर्जन द्वारा बनाया गया पोर्टेबल वेंटिलेटर लाइव दिखाया गया	द इंडियन एक्सप्रेस
300.	25 जून 2020	एम्स: अपॉइंटमेंट लेने के बाद ओपीडी में इलाज	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
301.	25 जून 2020	तीन महीने बाद आज से एम्स में फिर से शुरू होगी ओपीडी	दैनिक जागरण
302.	25 जून 2020	एम्स की ओपीडी आज से मरीजों के लिए शुरू होगी	हिंदुस्तान
303.	25 जून 2020	एम्स में आज से ओपीडी तीन महीने की मिल सकती हैं दवा	नवभारत टाइम्स
304.	25 जून 2020	एम्स: अपॉइंटमेंट लेने के बाद ओपीडी में इलाज	अमर उजाला
305.	26 जून 2020	केवल अनुवर्ती रोगियों के लिए एम्स ओपीडी फिर से खोली गई	मेल टुडे
306.	26 जून 2020	प्लाज्मा दान कर मरीजों की जान बचा रहे एम्स कर्मी	अमर उजाला
307.	26 जून 2020	एम्स की ओपीडी शुरू	जनसत्ता
308.	26 जून 2020	हर्ष वर्धन ने खून की उपलब्धता आसान बनाने के लिए ऐप लॉन्च किया	दैनिक जागरण
309.	26 जून 2020	मां के दूध से कोरोना वायरस ढेर	अमर उजाला
310.	26 जून 2020	पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की पत्नी ने 93 साल की उम्र में कोरोना को हराया	दैनिक जागरण
311.	26 जून 2020	पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी 93 साल की उम्र में वायरस से ठीक, एम्स से हुईं डिस्चार्ज	द इंडियन एक्सप्रेस
312.	27 जून 2020	प्लाज्मा थैरेपी से लोकनायक में मृत्यु दर में 50% से अधिक की कमी : सीएम	हिंदुस्तान टाइम्स
313.	27 जून 2020	प्रवासियों को घर पहुंचाने में मदद करने वाले उड़िया अभिनेता	हिंदुस्तान टाइम्स
314.	27 जून 2020	राजधानी में 30 जून तक होगा स्वास्थ्य सर्वेक्षण	द स्टेटमैन
315.	28 जून 2020	दिल्ली सरकार वायरस के खिलाफ 'पांच हथियारों' का इस्तेमाल कर रही है: केजरीवाल	हिंदुस्तान टाइम्स
316.	28 जून 2020	शहर की पांच सूत्री कोविड रणनीति के पीछे का विज्ञान	हिंदुस्तान टाइम्स
317.	29 जून 2020	एम्स के डॉक्टरों ने की रक्त दान की अपील : साइकिल रैली निकाल लोगो को किया जागरूक	अमर उजाला
318.	29 जून 2020	कोरोना से एलएनजेपी के चिकित्सा की मौत	हिंदुस्तान
319.	30 जून 2020	लोक नायक में परीक्षण द्वारा पता लगाया गया कि प्लाज्मा थेरेपी कोविड रोगियों को स्थिर करने में मदद करती है	हिंदुस्तान टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
320.	1 जुलाई 2020	शहर के डॉक्टरों का कहना है कि वे किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं	हिंदुस्तान टाइम्स
321.	1 जुलाई 2020	उम्मीद पर खरे उतरे देश के स्वास्थ कर्मी: डॉ. रणदीप गुलेरिया	अमर उजाला
322.	2 जुलाई 2020	संभावित प्लाज्मा दाताओं को ट्रैक करने में मदद करने के लिए एक ऐप	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
323.	2 जुलाई 2020	प्लाज्मा दाताओं को ट्रैक करने के लिए ऐप विकसित किया गया	द एशियन ऐज
324.	2 जुलाई 2020	एप से प्लाज्मा देने और लेने वाले की जानकारी मिलेगी	हिंदुस्तान
325.	2 जुलाई 2020	प्लाज्मा डोनर के लिए एम्स और आईआईटी दिल्ली ने बनाया प्लाज्मा ऐप	नवभारत टाइम्स
326.	5 जुलाई 2020	टेलीमेडिसिन: अब घर पर ही पाए इलाज	अमर उजाला
327.	6 जुलाई 2020	12 दिनों में तैयार हुआ डीआरडीओ का 1000 बेड का अस्पताल	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
328.	9 जुलाई 2020	प्लाज्मा बैंक में, कई चेहरे और एक समान लक्ष्य: हम किसी की भी मदद कर सकते हैं	द इंडियन एक्सप्रेस
329.	9 जुलाई 2020	देश के 17 राज्यों के सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को सप्ताह में दो दिन टेली परामर्श देंगे एम्स के एक्सपर्ट डॉक्टर	दैनिक भास्कर
330.	10 जुलाई 2020	आईटीडीसी ने स्वास्थय प्रोटोकॉल को मजबूत करने के लिए एम्स के साथ किया समझौता	दैनिक भास्कर
331.	11 जुलाई 2020	9 घंटे पीपीई किट पहन कर ड्यूटी, इतना पसीना निकला जुते गीले पड़े	नवभारत टाइम्स
332.	13 जुलाई 2020	एम्स ने मरीजों के लिए टेलीमेडिसिन ओपीडी सुविधाएं विकसित की गई	हिंदुस्तान टाइम्स
333.	13 जुलाई 2020	ज्यादातर मरीज घर पर, एम्स के डॉक्टर ई-प्रिस्क्रिप्शन जेनरेट करेंगे	हिंदुस्तान टाइम्स
334.	13 जुलाई2020	कोरोना को हराया, अब दूसरों की जिंदगी बचने की ठानी	नवभारत टाइम्स
335.	13 जुलाई 2020	सभी कर्मचारियों की एंटीबॉडी जांच कराएगा एम्स	अमर उजाला
336.	14 जुलाई2020	एम्स दान कर सफाई कर्मी ने बचाई जान	अमर उजाला
337.	14 जुलाई2020	एम्स में स्वास्थय कर्मियों की हो रही कॉउंसलिंग	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
338.	15 जुलाई 2020	एम्स ओपीडी में दोगुना मरीजों को देखेगा	हिंदुस्तान
339.	15 जुलाई 2020	प्लाज्मा दान करने के सफाई कर्मी आगे आये	हिंदुस्तान
340.	15 जुलाई 2020	ठीक होने के बाद दुसरों की मदद में जुटे पिता-पुत्र	हिंदुस्तान
341.	15 जुलाई 2020	एम्स ओपीडी में नए मरीजों का इलाज शुरू	नवभारत टाइम्स
342.	16 जुलाई 2020	एम्स में आज से शुरू नया ओपीडी ब्लॉक	दैनिक जागरण
343.	16 जुलाई 2020	एम्स में नए मरीजों के लिए सेवा शुरू, पहले करवानी होगी कोरोना की जांच	दैनिक जागरण
344.	17 जुलाई 2020	संक्रमण रोकने के लिए रोजना 10 लाख सैंपल की जांच करने की तैयारी: डॉ. हर्ष वर्धन	दैनिक जागरण
345.	17 जुलाई 2020	स्मार्ट लैब में रोज 2 लाख जांच होंगी	हिंदुस्तान
346.	17 जुलाई 2020	हर्ष वर्धन ने एम्स के नए ओपीडी ब्लॉक का उद्घघाटन किया	हिंदुस्तान
347.	18 जुलाई 2020	दो फर्मों ने अपने कोविड-19 टीकों के लिए मानव परीक्षण शुरू किया	द इंडियन एक्सप्रेस
348.	18 जुलाई 2020	एम्स में प्लाज्मा दान करने वाले सम्मानित	अमर उजाला
349.	19 जुलाई 2020	एम्स में किया जाएगा कोरोना की वैक्सीन का सब से बड़ा ह्यूमनट्रायल	नवभारत टाइम्स
350.	19 जुलाई 2020	पहले चरण में 100 पर वैक्सीन का ट्रायल	अमर उजाला
351.	20 जुलाई 2020	7 दिवसीय अभियान में प्लाज्मा देंगे पुलिस	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
352.	20 जुलाई 2020	इस सप्ताह कोवैक्सिन परीक्षण शुरू करेगा एम्स	हिंदुस्तान टाइम्स
353.	20 जुलाई 2020	एम्स कैंप में 26 पुलिसकर्मियों ने प्लाज्मा पुश का नेतृत्व किया	द इंडियन एक्सप्रेस
354.	20 जुलाई 2020	एम्स पैनल ने कोरोनावायरस वैक्सीन 'कोवैक्सिन' के मानव परीक्षण को दी मंजूरी	द एशियन टाइम्स
355.	20 जुलाई 2020	एम्स में 26 पुलिसकर्मियों ने दान किया प्लाज्मा	दैनिक जागरण
356.	20 जुलाई 2020	कोरोना वैक्सीन के ह्यूमन ट्रायल को हजारो आगे आये	नवभारत टाइम्स
357.	20 जुलाई 2020	वैक्सीन ट्रायल: 1000 लोगों ने जताई इच्छा	अमर उजाला
358.	20 जुलाई 2020	मानव परीक्षण को एक हजार आये	दैनिक जागरण

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
359.	20 जुलाई 2020	सरकार महीने के अंत तक 600 आईसीयू बिस्तर जोड़ने के लिए	हिंदुस्तान टाइम्स
360.	21 जुलाई 2020	एम्स ने कोवैक्सिन परीक्षणों के लिए स्वयंसेवकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू करी	द इंडियन एक्सप्रेस
361.	21 जुलाई 2020	कोवैक्सिन का परीक्षण शुरू करेगा एम्स	द हिन्दू
362.	21 जुलाई 2020	देसी कोवैक्सिन का मानव परीक्षण शुरू	द पायनियर
363.	21 जुलाई 2020	जैन ने कोरोना से ठीक होने के बाद कार्यालय फिर से शुरू किया	द पायनियर
364.	21 जुलाई 2020	मार्च से ड्यूटी पर संविदा डॉक्टर की कोविड से मौत, अधर में परिवार	द इंडियन एक्सप्रेस
365.	21 जुलाई 2020	दिल्ली के लोगों में विकसित हो गई हर्डइम्युनिटी, नहीं बढ़ेंगे नए मामले	दैनिक जागरण
366.	21 जुलाई 2020	दिल्ली में कम हो रहे कोरोना के मामले: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
367.	21 जुलाई 2020	एम्स से 11 राज्यों ने परामर्श लिया	हिंदुस्तान हिंदी
368.	21 जुलाई 2020	बिना लक्षण वाले मरीजों का होम आइसोलेशन घातक, इसी से संक्रमण का खतरा बड़ा है	दैनिक भास्कर
369.	21 जुलाई 2020	एम्स के निदेशक बोले दिल्ली का पीक ख़त्म	नवभारत टाइम्स
370.	21 जुलाई 2020	एंटी बाडी बना रही ऑक्सफ़ोर्ड की वैक्सीन, भारतीय डॉक्टर भी खुश	नवभारत टाइम्स
371.	21 जुलाई 2020	देश में समुदाय फैलाव नहीं: एम्स निर्देशक	अमर उजाला
372.	21 जुलाई 2020	प्लाज्मा डोनेट करने वाली पुलिस की पहली महिला सिपाही बनी हेमा	नवभारत टाइम्स
373.	21 जुलाई 2020	पुलिस कर्मियों ने दान किया प्लाज्मा	जनसत्ता
374.	21 जुलाई 2020	टीके के लिए 100 लोगों कीजरुरत लेकिन आये 1800	जनसत्ता
375.	21 जुलाई 2020	एम्स के परामर्श कार्यक्रम का लाभ राज्यों के 43 अस्पतालों ने उठाया	जनसत्ता
376.	22 जुलाई 2020	कोरोना की देसी वैक्सीन ने दिए अच्छे नतीजे के संकेत	नवभारत टाइम्स
377.	22 जुलाई 2020	एम्स में वैक्सीन के ट्रायल के लिए वॉलंटियर को 1800 कॉल, सिर्फ 100 की जरूरत	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
378.	23 जुलाई 2020	वैक्सीन स्वयंसेवकों के लिए स्क्रीनिंग शुरू	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
379.	23 जुलाई 2020	एम्स के डॉक्टर ने गंभीर मरीज को किया रक्तदान, सर्जरी के लिए टैंडन गाउन	द इंडिया एक्सप्रेस
380.	23 जुलाई 2020	कोवैक्सिन परीक्षण: एम्स, दिल्ली, शनिवार तक टीकाकरण में भाग लेना शुरू कर देगा	द इंडिया एक्सप्रेस
381.	23 जुलाई 2020	कैसे परिजन 'जीवन रक्षक' के लिए हाथ-पांव मार रहे हैं	मेल टुडे
382.	23 जुलाई 2020	मरीज के लिए पहले दिया रक्त, फिर किया ऑपरेशन	दैनिक जागरण
383.	23 जुलाई 2020	सिरों सर्वे में शामिल होंगे दिल्ली के 21 हजार लोग	हिंदुस्तान हिंदी
384.	23 जुलाई 2020	डॉ. जावेद के परिवार को 1 करोड़ की मदद	नवभारत टाइम्स
385.	23 जुलाई 2020	एम्स में जल्द शुरू होगा कोरोना के टीके का परीक्षण	जनसत्ता
386.	24 जुलाई 2020	एम्स में आज से शुरू होगा कोरोना के स्वदेशी टीके का ट्रायल	दैनिक भास्कर
387.	24 जुलाई 2020	एम्स में आज से वैक्सीन का ट्रायल	नवभारत टाइम्स
388.	24 जुलाई 2020	एम्स में आज से शुरू होगा कोविड वैक्सीन का ट्रायल	नवभारत टाइम्स
389.	24 जुलाई 2020	एम्स में डॉक्टर ने पहले मरीज को दिया खून, फिर किया ऑपरेशन	दैनिक भास्कर
390.	24 जुलाई 2020	स्वास्थ कर्मियों की मानसिक स्थिति का आकलन करेगा एम्स	अमर उजाला
391.	24 जुलाई 2020	वैक्सीन योद्धा बनने महिलाएं दिखा रही अधिक रूचि	लोकमत समाचार
392.	25 जुलाई 2020	परीक्षण शुरू होते ही एम्स ने कोविड वैक्सीन की पहली खुराक दी	हिंदुस्तान टाइम्स
393.	25 जुलाई 2020	30 वर्षीय व्यक्ति को पहली बार मिली कोविड ट्रायल ड्रग की खुराक	द इंडियन एक्सप्रेस
394.	25 जुलाई 2020	Covaxin का ट्रायल शॉट पाने वाला दिल्ली का पहला व्यक्ति	मेल टुडे
395.	25 जुलाई 2020	Covaxin के लिए चरण-1 क्लिनिकल परीक्षण शुरू	द हिन्दू
396.	25जुलाई 2020	कोविड: एम्स में देसी कोवैक्सिन का क्लीनिकल परीक्षण शुरू	द पायनियर
397.	25 जुलाई 2020	एम्स ने कोवैक्सिन के लिए चरण-1 नैदानिक परीक्षण शुरू किया	द एशियन ऐज

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
398.	25 जुलाई 2020	दिल्ली एम्स में शुरू हुआ भारत में बानी कोरोना वैक्सीन का ट्रायल	दैनिक जागरण
399.	25 जुलाई 2020	कोवैक्सिन चरण-1 नैदानिक परीक्षण: एम्स में आदमी को पहली खुराक दी गई	द स्टेटमैन
400.	25 जुलाई 2020	उम्मीद: एम्स में वैक्सीन का मानव परिक्षण शुरू	हिंदुस्तान
401.	25 जुलाई 2020	एम्स में कोरोना वैक्सीन परिक्षण शुरू	अमर उजाला
402.	26 जुलाई 2020	आईसीएमआर प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए एंटीबॉडी जीवन पर एक अध्ययन करेगा	द पायनियर
403.	26 जुलाई 2020	ट्रायल के दूसरे दिन एम्स में पांच लोगों को लगा कोरोना का स्वदेशी टीका	दैनिक जागरण
404.	26 जुलाई 2020	एंटीबॉडी टेस्ट में पॉजिटिव मिले एम्स कर्मचारी ने दान किया प्लाज्मा	दैनिक जागरण
405.	26 जुलाई 2020	एम्स में ट्रायल, 5 और को कोविड वैक्सीन	नवभारत टाइम्स
406.	27 जुलाई 2020	कोविड अस्पतालों में अस्पतालों में मृत्यु दर में आई गिरावट	अमर उजाला
407.	27 जुलाई 2020	मरीजों की सेवा करने वाले 14 फ्रंट लाइन योद्धा का सम्मान	दैनिक भास्कर
408.	27जुलाई 2020	दो साथियों के पॉजिटिव होने पर भी ड्यूटी पर डटे रहे हवलदार पवन	नवभारत टाइम्स
409.	27 जुलाई 2020	20 से.मी का चाकू निगला, लिवर में फंसे चाकू को डॉक्टरों ने निकाला	नवभारत टाइम्स
410.	27 जुलाई 2020	एम्स के डॉक्टरों ने दुर्लभ सर्जरी के बाद 20 सेमी चाकू आदमी का लीवर निकाला	हिंदुस्तान टाइम्स
411.	28 जुलाई 2020	डॉक्टर द्वारा आदमी के लीवर में फंसा 20 सेंटीमीटर लंबा चाकू निकाला	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
412.	28 जुलाई 2020	इज़राइली टीम कोविड-19 के रैपिड टेस्ट के लिए पहुंची	द हिन्दू
413.	28 जुलाई 2020	एसबीआई ने बांटे 5 वेंटिलेटर	द स्टेटमैन
414.	28 जुलाई 2020	केंद्र के अस्पतालों में बेड की कमी नहीं	हिंदुस्तान
415.	28 जुलाई 2020	एम्स के डॉक्टरों ने बच्ची के सिर से निकला 5 एम एम पत्थर	नवभारत टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
416.	29 जुलाई 2020	एम्स में बच्ची के मस्तिष्क से निकाला पत्थर का टुकड़ा	दैनिक जागरण
417.	29 जुलाई 2020	लोगों ने कर दिया था सामाजिक बहिष्कार, फिर भी ठीक होने पर भाई- बहन ने डोनेट किया प्लाज्मा	नव भारत
418.	29 जुलाई 2020	बच्ची को मिला डॉक्टर के निजी प्रयास से इलाज	जनसत्ता
419.	30 जुलाई 2020	कोविड वार्ड से प्लाज्मा बैंक तक, राजधानी में नर्सों ने अतिरिक्त काम	द इंडियन एक्सप्रेस
420.	30 जुलाई 2020	बस एक कॉल दूर	द पायनियर
421.	30 जुलाई 2020	एम्स : दो लोगों को दी वैक्सीन	अमर उजाला
422.	31 जुलाई 2020	अन्य राज्यों में दिल्ली के कोविड-19 मॉडल को दोहराने के लिए स्वास्थ्य मंत्री	हिंदुस्तान टाइम्स
423.	1 अगस्त 2020	एम्स में टीका लगवाने वाले लोगों का स्वास्थय सामान्य	हिंदुस्तान
424.	1 अगस्त 2020	एम्स में डॉक्टरों ने कोरोना पीड़ित दिल के दो मरीज़ को लगाया पेसमेकर	दैनिक जागरण
425.	2 अगस्त 2020	एम्स के एनसीआइ में जल्द शुरू होगा कैंसर का इलाज	दैनिक जागरण
426.	4 अगस्त 2020	एम्स आइसीयू में भर्ती मरीज़ों को स्क्रीन पर लाइव देख सकेंगे तीमारदार	दैनिक भास्कर
427.	4 अगस्त 2020	एम्स परीक्षण: 16 को मंजूरी, 20% में एंटीबॉडी हैं	द इंडियन एक्सप्रेस
428.	4 अगस्त 2020	एम्स में, कोविड ने सरकोमा सर्जरी को धीमा नहीं किया	द इंडियन एक्सप्रेस
429.	6 अगस्त 2020	सामाजिक सेवा भी कर रहे है एम्स के नर्सिंग अधिकारी	अमर उजाला
430.	6 अगस्त 2020	एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि प्लाज्मा थेरेपी कोई जादू की गोली नहीं	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
431.	7 अगस्त 2020	प्लाज्मा परीक्षणों ने कोविड रोगियों में मृत्यु दर में कमी नहीं दिखाई: एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
432.	10 अगस्त 2020	एम्स : वैक्सीन के पहले चरण का ट्रायल पूरा	अमर उजाला
433.	12 अगस्त 2020	इसराइल के मदद से एम्स शुरू करेगा पोस्ट-कोरोना रिकवरी क्लिनिक	अमर उजाला
434.	12 अगस्त 2020	स्वस्थ हुए लोगों के लिए एम्स में क्लीनिक जल्द	हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
435.	12 अगस्त2020	इज़राइल ने एम्स के साथ अल टेक, रोबोट साझा किए	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
436.	13 अगस्त 2020	अभी शिखर पर नहीं पहुंचा है संक्रमण: डॉ. रणदीप गुलेरिया	दैनिक जागरण
437.	15 अगस्त 2020	सीआरपीएफ ने एम्स के साथ अंगदान अभियान शुरू किया	पीटीआई
438.	15 अगस्त 2020	एम्स में 600 लोगों ने किया ब्लड डोनेशन	नवभारत टाइम्स
439.	17 अगस्त 2020	स्वतंत्रता दिवस पर एम्स में रक्त दान शिविर, 6 सौ लोगों ने किया ब्लड डोनेट	दैनिक भास्कर
440.	21 अगस्त 2020	मधुमेह रोगियों को अवसाद से लड़ने में मदद करेगा मॉडल: एम्स अध्ययन	न्यू इंडियन एक्सप्रेस
441.	25 अगस्त 2020	केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एम्स, दिल्ली में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया	एएनआई
442.	28 अगस्त 2020	मधुमेह वाले लोगों को गंभीर संक्रमण का खतरा: एम्स अध्ययन	हिंदुस्तान टाइम्स
443.	3 सितंबर 2020	राजधानी में कोरोना की दूसरी लहर: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
444.	4 सितंबर 2020	डॉ. गुलेरिया, बिना मास्क, आक्रामक परीक्षण के लिए भारी जुर्माना की सलाह देते हैं	द इंडियन एक्सप्रेस
445.	6 सितंबर 2020	एम्स के अध्ययन में तीव्र ज्वर रोगों के रोगियों में जूनोटिक मलेरिया परजीवी पाया गया	द ट्रिब्यून
446.	6 सितंबर 2020	कई वेक्टर जनित रोग एक साथ हमला कर सकते हैं	द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
447.	7 सितंबर 2020	एम्स के जैव रसायन विभाग और काय चिकित्सा विभाग का शोध	जनसत्ता
448.	7 सितंबर 2020	डॉ. हर्ष वर्धन की माँ का निधन, एम्स को दान की आँखें	हिंदुस्तान
449.	7 सितंबर 2020	डॉ. हर्ष वर्धन की माँ का निधन, देह दान किया	जनसत्ता
450.	7 सितंबर 2020	मंत्री हर्ष वर्धन ने दिवंगत माँ की आँखें दान की	दैनिक भास्कर
451.	7 सितंबर 2020	हर्षवर्धन की मां का निधन, वैज्ञानिक अध्ययन के लिए दिया उनका शरीर	हिंदुस्तान टाइम्स
452.	7 सितंबर 2020	हर्ष वर्धन की माँ का निधन, कॉर्निया व देह किया दान	दैनिक जागरण
453.	7 सितंबर 2020	डॉ. हर्ष वर्धन की माँ का निधन, नेत्र और शरीर किए दान	नवभारत टाइम्स

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
454.	10 सितंबर 2020	विश्व आत्म हत्या रोकथाम दिवस आज, एम्स ने शुरू किया जागरूकता अभियान	दैनिक भास्कर
455.	10 सितंबर 2020	सवालों में है प्लाज्मा थेरेपी की जीवन रक्षक क्षमता, चिकित्सकों ने इसके उपयोग पर सावधानी बरतने को कहा	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
456.	10 सितंबर 2020	कोविड रोगियों में फेफड़ों के फाइब्रोसिस के विकास के जोखिम	हिंदुस्तान टाइम्स
457.	10 सितंबर 2020	डॉ. गुलेरिया ने पोस्ट-कोविड क्लीनिक की आवश्यकता पर जोर दिया	द इंडियन एक्सप्रेस
458.	13 सितंबर 2020	एम्स ने काम गभीर मरीज़ो को प्लाज्मा थेरेपी की दी सलाह	नवभारत टाइम्स
459.	15 सितंबर 2020	एम्स स्टडी: कोरोना से ब्रेन स्टोक का भी खतरा	हिंदुस्तान
460.	15 सितंबर 2020	एम्स कोविड और डेंगू दोनों के मामले से जूझ रहा है	द इंडियन एक्सप्रेस
461.	17 सितंबर 2020	कुछ हिस्सों में संक्रमण की दूसरी लहर: एम्स निर्देशक	अमर उजाला
462.	18 सितंबर 2020	कोरोना के 21 फीसद मरीज़ अवसाद से पीड़ित	दैनिक जागरण
463.	19 सितंबर 2020	दोहरा खतरा: कोविड टाइम्स में डेंगू एक बड़ा जोखिम	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
464.	20 सितंबर 2020	अगले वर्ष तक सामान्य हो सकती है स्थिति: एम्स	अमर उजाला
465.	21 सितंबर 2020	अच्छी जीवन शैली और खुराक से 80 साल में भी तेज़ चलेगा दिमाग: एम्स एक्सपर्ट	दैनिक जागरण
466.	22 सितंबर 2020	कोरोना के कारण बाद सकती है अल्ज़ाइमर की बीमारी	दैनिक जागरण
467.	23 सितंबर 2020	एम्स का अध्ययन 93.4 फीसदी मरीज़ मोटापे से पीड़ित	दैनिक जागरण
468.	26 सितंबर 2020	टेली-मेडिसिन व कंसल्टेशन में एम्स का महत्वपूर्ण योगदान: हर्ष वर्धन	दैनिक भास्कर
469.	26 सितंबर 2020	स्वास्थ्य व शिक्षा में बेहतर काम कर रहा एम्स	पंजाब केसरी
470.	26 सितंबर 2020	प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल के कारण कोविड से होने वाली मौतों में गिरावट: डॉ. वर्धन	द एशियन ऐज
471.	26 सितंबर 2020	स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रिसर्च में एम्स का काम बेहतर	विराट वैभव

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
472.	26 सितंबर 2020	चिकित्सा सेवाओं को मज़बूत करने की दिशा में विचार करे मेडिकल छात्र	नवोदय टाइम्स
473.	30 सितंबर 2020	एम्स में कोरोना के इलाज को स्टेटिनवएस्प्रिन का ट्रायल	दैनिक जागरण
474.	3 अक्टूबर 2020	कोरोना-19 की वैक्सीन जनवरी, आने की उम्मीद, हालात सामान्य होने में लग जायेंगे डेढ साल: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
475.	3 अक्टूबर 2020	भारत के पास '2021' की शुरुआत तक प्रभावी कोविड-19 वैक्सीन होगी: एम्स प्रमुख	द पायनियर
476.	5 अक्टूबर 2020	एम्स में एक सप्ताह तक चलेगा हेल्थस मीट, 1600 विशेषज्ञ भाग लेंगे: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
477.	5 अक्टूबर 2020	अब घर बैठे-बैठे मिलेगा मानसिक बीमारी का इलाज, एम्स ने तैयार की वेबसाइट	नवभारत टाइम्स
478.	5 अक्टूबर 2020	अब मानसिक बीमारियों का इलाज होगा आसान	दैनिक जागरण
479.	5 अक्टूबर 2020	मानसिक रोगों के लिए निशुलक परामर्श ले सकेंगे	हिंदुस्तान
480.	5 अक्टूबर 2020	प्रदूषण बढ़ने से हवा में ज्यादा देर तक रह सकता है कोरोना वायरस: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
481.	6 अक्टूबर 2020	कोरोना मरीज़ों की संजीवनी है आयुर्वेदा 'एम्स'	दैनिक जागरण
482.	6 अक्टूबर 2020	10 अक्टूबर से मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक पोर्टल	द इंडियन एक्सप्रेस
483.	7 अक्टूबर 2020	बुज़ुर्गो के लिए खतरनाक हो सकता है होम आइसोलेशन	हिंदुस्तान
484.	8 अक्टूबर 2020	कोविड में वृद्धि, डेंगू सह-संक्रमण चिंता का विषय	हिंदुस्तान टाइम्स
485.	8 अक्टूबर 2020	एम्स के चिकित्स्क यूपी वालों का नशा छुड़ायेंगे	हिंदुस्तान
486.	10 अक्टूबर 2020	कोरोना काल में शारीरिक के साथ मानसिक स्वास्थय का ख्याल रखना भी जरुरी	अमर उजाला
487.	10 अक्टूबर 2020	एम्स के अध्ययन में हुआ खुलासा : कोरोना पीड़ित हर पांचवा व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार	पंजाब केसरी
488.	10 अक्टूबर 2020	अध्ययन: एम्स में भर्ती हर पांचवा संक्रमित अवसाद ग्रस्त	हिंदुस्तान
489.	16 अक्टूबर 2020	एम्स में मिर्गी के दौरे पड़ने वाले बच्चो पर किया गया शोध, तीन तरह की डाइट का इस दौरान प्रयोग किया गया	हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
490.	19 अक्टूबर 2020	प्रदूषण से तेजी से फैल सकता है कोविड वायरस; विशेषज्ञों का कहना	द एशियन ऐज
491.	19 अक्टूबर 2020	एम्स के साथ दिल्ली में नशे पर वार करेगी आप सरकार	दैनिक जागरण
492.	21 अक्टूबर 2020	एम्स में 11 साल की बच्ची का पहला मामला, कोरोना का मस्तिष्क पर असर	दैनिक भास्कर
493.	21 अक्टूबर 2020	दिमाग की नसों को कमज़ोर कर रहा है वायरस: एम्स एक्सपर्ट	नवभारत टाइम्स
494.	22 अक्टूबर 2020	9 घंटे हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद घर गया 26 साल का व्यक्ति	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
495.	23 अक्टूबर 2020	एम्स में कुल्हा प्रत्यारोपण के नौ घंटे बाद ही मरीज़ को मिली अस्पताल से छूटी	दैनिक जागरण
496.	24 अक्टूबर 2020	वायु प्रदूषण कोविड-19 की गंभीरता बढ़ाता है, अस्पताल में भर्ती होने का खतरा: एम्स विशेषज्ञ	हिंदुस्तान टाइम्स
497.	26 अक्टूबर 2020	ठण्ड में तापमान जब 16 डिग्री होगा, तब तेजी से फेल सकता है कोरोना	दैनिक भास्कर
498.	26 अक्टूबर 2020	कोरोना के मरीज़ों में बढ़ रहा फेफड़ो का तीन गुना वजन	अमर उजाला
499.	26 अक्टूबर 2020	क्या आप कोविड से ठीक हो चुके हैं? प्रदूषण के प्रभाव को दूर रखने के लिए फ्लू शॉट लें: विशेषज्ञ	हिंदुस्तान टाइम्स
500.	26 अक्टूबर 2020	दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने संक्रमण से ठीक होने वाले मरीज़ो पर शुरू किया अध्ययन	अमर उजाला
501.	29 अक्टूबर 2020	कोरोना प्रदूषण से बढ़ जाता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा: डॉ. एम पद्मा श्रीवास्तव	हिंदुस्तान
502.	31 अक्टूबर 2020	हलके लक्षण वाले मरीज़ो को दोबारा हो सकता है इन्फेक्शन: डॉ. गुलेरिया	नवभारत टाइम्स
503.	31 अक्टूबर 2020	दूसरी लहर ही हुई है तेज़: डॉगुलेरिया	दैनिक जागरण
504.	31 अक्टूबर 2020	अगले सप्ताह कोवैक्सिन के तीसरे चरण के परीक्षण के लिए एम्स का प्रस्ताव	हिंदुस्तान टाइम्स
505.	2 नवंबर 2020	अगले साल मार्च तक आ सकता है टिका: एम्स	हिंदुस्तान
506.	2 नवंबर 2020	आगे सड़क पर कई चुनौतियाँ: किताब में विशेषज्ञ की कोविड अंतर्दृष्टि: डॉ. गुलेरिया	द इंडियन एक्सप्रेस
507.	2 नवंबर 2020	संक्रमण के पांच दिन में एंटीजन जांच से मिलते हैं बेहतर परिणाम	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
508.	2 नवंबर 2020	अगले साल मार्च तक आ सकता है टीका: एम्स	हिंदुस्तान
509.	2 नवंबर 2020	रोग के 5 दिनों के भीतर नियम में रोगियों के लिए एंटीजन परीक्षण नासमझ: एम्स अध्ययन	द इंडियन एक्सप्रेस
510.	2 नवंबर 2020	विशेषज्ञ, कोविड अंतर्दृष्टि के आगे कई चुनौतियाँ	द इंडियन एक्सप्रेस
511.	3 नवंबर 2020	संक्रमण के साथ मिली आठ बीमारियाँ, एम्स ने बचाई जान	अमर उजाला
512.	3 नवंबर 2020	एम्स के डॉ. विवेक दीक्षित को कोविड प्रबंधन आईडिया के लिए मिला प्रथम पुरस्कार	दैनिक भास्कर
513.	3 नवंबर 2020	दिवाली में सतर्कता न बरती तो और बढ़ेगा संक्रमण: गुलेरिया	दैनिक जागरण
514.	3 नवंबर 2020	प्रदूषण बढ़ने पर बढ़ेगा खतरा : डॉ. गुलेरिया	हिंदुस्तान
515.	3 नवंबर 2020	बीमारी के 5 दिनों के भीतर रोगियों के लिए एंटीजन परीक्षण अच्छा है: एम्स अध्ययन	द पायनियर
516.	5 नवंबर 2020	कैंसर मरीज़ों में कोरोना संक्रमण की गंभीरता का पता लगाएगा दिल्ली एम्स	अमर उजाला
517.	7 नवंबर 2020	प्रदूषण व मौसम के बदलाव के कारण दोबारा कोरोना संक्रमित होने का खतरा: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
518.	9 नवंबर 2020	2022 में ही आम आदमी तक पहुंच सकता है कोविड का इलाज: एम्स निदेशक	द एशियन ऐज
519.	12 नवंबर 2020	भीड़ और शादियों की वजह से बड़ा संक्रमण: डॉ. गुलेरिया	नवभारत टाइम्स
520.	12 नवम्बर 2020	कोरोना का टीका माइनस 70 डिग्री पर रखना होगा चुनौती पूर्ण: एम्स निर्देशक	अमरउ जाला
521.	12 नवंबर 2020	संक्रमण फैलने की वजह है बाजार और समारोह: गुलेरिया	अमर उजाला
522.	12 नवंबर 2020	एम्स का अध्ययन, वायु प्रदूषण के साथ ऑटोइम्यून विकारों के लिंक की पुष्टि करता है	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
523.	13 नवंबर 2020	इम्यून सिस्टम एंटीजन को 2 गुना पहचान सकता है: डॉक्टर	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
524.	14 नवंबर 2020	काउंसलिंग से मधुमेह रोगियों का तनाव घट रहा	हिंदुस्तान
525.	15 नवंबर 2020	प्रदूषण बढ़ने पर खतरनाक हो सकता है संक्रमण: गुलेरिया	हिंदुस्तान
526.	17 नवंबर 2020	40 सेकंड में ख़त्म होगा शुरुआती सर्विकल कैंसर	दैनिक जागरण

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
527.	17 नवंबर 2020	एम्स में सर्वाइकल कैंसर पर कार्यशाला	द इंडियन एक्सप्रेस
528.	17 नवंबर 2020	कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई की अग्रिम में डॉक्टर	हिंदुस्तान टाइम्स
529.	18 नवंबर 2020	कोरोना जांच ले लिए लैबों को किया जायेगा 24 घंटे संचालित: गुलेरिया	दैनिक भास्कर
530.	18 नवंबर 2020	सर्वाइकल कैंसर के इलाज पर एम्स में चर्चा	दैनिक जागरण
531.	18 नवंबर 2020	एम्स के निदेशक बोले, हॉट स्पॉट क्षेत्र में लॉकडाउन लगाया जा सकता है	नवभारत टाइम्स
532.	18 नवंबर 2020	सर्वाइकल कैंसर के इलाज के लिए एम्स पोर्टेबल तकनीक विकसित कर रहा है	द इंडियन एक्सप्रेस
533.	19 नवंबर 2020	एम्स में सर्वाइकल कैंसर पर राष्ट्रीय कार्यशाला	हिंदुस्तान
534.	19 नवंबर 2020	स्थिर रोगियों को जल्दी डिस्चार्ज करने से दबाव कम हो सकता है	हिंदुस्तान टाइम्स
535.	20 नवंबर 2020	हर रात के बाद सवेरा आता है: एम्स निदेशक	हिंदुस्तान टाइम्स
536.	20 नवंबर 2020	कोरोना वैक्सीन आने पर उस के भंडारण के लिए होगी बड़ी चुनौती: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
537.	20 नवंबर 2020	वैक्सीन का रखरखाव बड़ी चुनौती: गुलेरिया	हिंदुस्तान
538.	24 नवंबर 2020	ऑक्सफ़ोर्ड की वैक्सीन ने बड़ाई भारत की उम्मीद	दैनिक जागरण
539.	25 नवंबर 2020	बेड खाली है तो 60 साल से अधिक की पेशेंट को अस्पतालों में करे एडमिट: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
540.	25 नवंबर 2020	अभी कुछ सप्ताह सतर्क रहने की जरूरत: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
541.	25 नवंबर 2020	भारत में भी आपात स्थिति में कोरोना टीका देने की मंज़ूरी की उम्मीद: एम्स	अमर उजाला
542.	25 नवंबर 2020	20 वर्ष की आयु के 50% से अधिक लोगों को बाद में मधुमेह होने की संभावना है	हिंदुस्तान टाइम्स
543.	26 नवंबर 2020	अध्ययन भारत में खतरनाक मधुमेह महामारी की चेतावनी देता है: डॉ निखिल टंडन	ड्रग टुडे
544.	26 नवंबर 2020	महानगरो में 56 % युवाओं को मधुमेह का खतरा	दैनिक जागरण
545.	26 नवंबर 2020	शोध: 13 करोड़ आबादी पर डायबिटीज का खतरा	हिंदुस्तान
546.	27 नवंबर 2020	एम्स में शुरू हुआ कोवाक्सिन के तीसरे फेज़ का ट्रायल	नवभारत टाइम्स
547.	27 नवंबर 2020	एम्स दिल्ली में कोवैक्सीन के तीसरे चरण का परिक्षण	हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
548.	27 नवंबर 2020	एम्स में भारत निर्मित 'कोवैक्सिन' का तीसरे चरण का परीक्षण शुरू	द एशियन ऐज
549.	27 नवंबर 2020	एम्स में कोवैक्सिन चरण-III का क्लिनिकल परीक्षण शुरू	द पायनियर
550.	27 नवंबर 2020	एम्स में स्वदेशी ठीके के तीसरे चरण का परिक्षण हुआ शुरू	दैनिक जागरण
551.	28 नवंबर 2020	एम्स में भारत निर्मित 'कोवैक्सिन' का तीसरे चरण का परीक्षण शुरू	हिंदुस्तान टाइम्स
552.	28 नवंबर 2020	3 माह में 80 हज़ार लोगो ने ली अंग दान की शपथ	पंजाब केसरी
553.	28 नवंबर 2020	एम्स में मनाया गया राष्ट्रीय अंग दान दिवस, लोगों ने बताया अंग दान क्यों है महा दान	नवोदय टाइम्स
554.	28 नवंबर 2020	अंग दान से बड़ा कोई धार्मिक कार्य नहीं: डॉ. हर्षवर्धन	हिंदुस्तान
555.	28 नवंबर 2020	देश में प्रत्यारोपण के लिए अंगों की मांग, आपूर्ति में भारी अंतर: एम्स प्रमुख	द स्टेटमैन
556.	28 नवंबर 2020	देश में प्रत्यारोपण के लिए अंगों की मांग, आपूर्ति में भारी अंतर: एम्स प्रमुख	डेक्कन हेराल्ड
557.	28 नवंबर 2020	80000 सीआरएफ कर्मियों, उनके परिवार के सदस्यों ने अंगदान करने का संकल्प लिया	इंडिया टुडे
558.	30 नवंबर 2020	एम्स अध्ययन: बिना लक्षण वाले मरीजों में वायरस फैलने की आशंका 4 गुना कम	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
559.	1 दिसंबर 2020	तीसरे चरण में सबसे पहले कोवैक्सिन का इंजेक्शन लगाने वाले एम्स के डॉक्टर का कहना है कि कोई साइड-इफेक्ट नहीं था	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
560.	1 दिसंबर 2020	दिल्ली में पहली बार कोरोना मरीज का फेफड़ा प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण
561.	2 दिसंबर 2020	बॉर्डर पर जुटे किसानो के इलाज के लिए डॉक्टर लगा रहे हैं हेल्थ कैंप	नवभारत टाइम्स
562.	4 दिसंबर 2020	जनवरी तक वैक्सीन उपलब्ध कराने पर विचार कर सकता है भारत: डॉ. रणदीप गुलेरिया	द हिन्दू
563.	4 दिसंबर 2020	'कोविशील्ड' पूरी तरह सुरक्षित: डॉ. गुलेरिया	हिंदुस्तान
564.	4 दिसंबर 2020	जनवरी की शुरुआत तक वैक्सीन को मंजूरी मिलने की उम्मीद: एम्स डायरेक्टर	दैनिक भास्कर

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
565.	4 दिसंबर 2020	दिल्ली ने देखा पहला फेफड़े का प्रत्यारोपण, एक कोविड रोगी	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
566.	5 दिसंबर 2020	7 महीने के बच्चे ने कोविड को मात दी, हुआ लीवर ट्रांसप्लांट	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
567.	6 दिसंबर 2020	वैक्सीन लगवाने के बाद भी सामाजिक दुरी जरुरी: एम्स के पूर्व निर्देशक ने टीका लगवाया	हिंदुस्तान
568.	8 दिसंबर 2020	रहस्यमय बीमारी की जांच कर रही एम्स और डब्ल्यूएचओ की टीमें	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
569.	8 दिसंबर 2020	देशी टीका ही श्रेष्ठ	दैनिक जागरण
570.	13 दिसंबर 2020	एम्स सर्वेक्षण द्वारा जाना गया कि केवल 53% स्वास्थ्यकर्मी ही हाथों की उचित स्वच्छता का पालन करते हैं	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
571.	14 दिसंबर 2020	5 लीटर गुनगुना पानी पीकर बनाये हार्ड इम्युनिटी	दैनिक जागरण
572.	14 दिसंबर 2020	कोरोना के दर से 43 फीसदी लोगों ने छोड़ दिए जंकफ़ूड	दैनिक भास्कर
573.	17 दिसंबर 2020	एम्स में सेवा वापस सामान्य	द हिन्दू
574.	22 दिसंबर 2020	संक्रमण के भँवर में मजबूत हुई सुविधाओं की: कोरोना काल में लोगों का इलाज का नया विकल्प मिला, एम्स में खुले आधुनिक ओपीडी ब्लॉक	दैनिक जागरण
575.	23 दिसंबर 2020	वायु प्रदूषण से दिल्ली को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान	हिंदुस्तान टाइम्स
576.	24 दिसंबर 2020	सख्ती: दिल्ली में पहली बार ध्वनि प्रदूषण पर कटे चालान	हिंदुस्तान
577.	24 दिसंबर 2020	नतीजे: कोवैक्सीन छह से 12 माह तक असरदार	हिंदुस्तान
578.	24 दिसंबर 2020	कोरोना के नए वैरिएंट से भी मास्क ही बचाएगा: विशेषज्ञ	नवभारत टाइम्स
579.	25 दिसंबर 2020	दिल के मरीजों के लिए दिल्ली पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
580.	25 दिसंबर 2020	एम्स ने स्वयंसेवकों को कोविड वैक्सीन के चरण-III परीक्षण के लिए नामांकन हेतु आमंत्रित किये	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
581.	25 दिसंबर 2020	ग्रीन कॉरिडोर केवल 12 मिनट में आईजीआई हवाई अड्डे से एम्स तक पहुंचने में मदद करता है	द पायनियर

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
582.	25 दिसंबर 2020	एम्स में हार्ट ट्रांसप्लांट ले जाने वाली एम्बुलेंस के लिए पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर	द एशियन ऐज
583.	25 दिसंबर 2020	12 मिनट में दिल को एम्स पहुंचाया	दैनिक जागरण
584.	25 दिसंबर 2020	3500 कर्मियों की मदद से चलेगा टीकाकरण कार्यक्रम	हिंदुस्तान
585.	26 दिसंबर 2020	कोवैक्सीन ने वैश्विक ध्यान खींचा है: आईसीएमआर	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
586.	26 दिसंबर 2020	20 - एम्स में हृदय प्रत्यारोपण के बाद 20 वर्षीय व्यक्ति को मिला नया जीवन	द पायनियर
587.	26 दिसंबर 2020	बुजुर्ग आगे आ रहे ताकि टीका बनने में न हो देरी	हिंदुस्तान
588.	27 दिसंबर 2020	6 महीने में बचाई 600 मरीजों की जिंदगी	अमर उजाला
589.	28 दिसंबर 2020	इस वायरस ने हम सबको जिंदगी जीने का नया नजरिया भी दिया	नवभारत टाइम्स
590.	30 दिसंबर 2020	एम्स ने बार्क द्वारा विकसित कैंसर चिकित्सा का सफलतापूर्वक उपयोग किया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
591.	30 दिसंबर 2020	सीएम का कहना है कि नए कोविड स्ट्रेन को टालने के लिए शहर का पालन-पोषण हुआ	हिंदुस्तान टाइम्स
592.	30 दिसंबर 2020	डॉक्टर जगा रहे विश्वास	दैनिक जागरण
593.	30 दिसंबर 2020	घर में ज्यादा रहने से हो रही ओसीडी	अमर उजाला
594.	31 दिसंबर 2020	तीन तरह की जांच के बाद एम्स में लगाया जा रहा कोरोना का टीका	अमर उजाला
595.	31 दिसंबर 2020	डॉक्टर नर्स हो रहे हैं परीक्षण में शामिल	अमर उजाला
596.	31 दिसंबर 2020	महिलाओं को पानी और स्वच्छता में केंद्र-चरण होना चाहिए	हिंदुस्तान टाइम्स
597.	3 जनवरी 2021	विशेषज्ञ पैनल प्रतिबंधित उपयोग के लिए कोवैक्सीन मंजूरी देता है	हिंदुस्तान टाइम्स
598.	4 जनवरी 2021	भारत बायोटेक के टीके का बैकअप के रूप में करंगे इस्तेमाल: डॉ. गुलेरिया	अमर उजाला
599.	4 जनवरी 2021	कोरोना के नए रूप के खिलाफ भी वैक्सीन कारगर: एक्सपर्ट	नवभारत टाइम्स
600.	4 जनवरी 2021	सावधान! कोरोना के सक्रिय मरीज़ न लगवाए टिका	हिंदुस्तान
601.	4 जनवरी 2021	वृद्धि की स्थिति में कोवैक्सिन बैक-अप का उपयोग करें: एम्स के नियंत्रण में, आईसीएमआर प्रमुख	द इंडियन एक्सप्रेस

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
602.	5 जनवरी 2021	टीकाकरण के बाद पुन: संक्रमित लोगों में हल्के लक्षण हो सकते हैं: गुलेरिया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
603.	5 जनवरी 2021	एम्स निदेशक भारतीय उत्पादों की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त; स्थिति के कारण जल्दी मंज़ूरी दे सकते हैं	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
604.	6 जनवरी 2021	एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने कहा, कोरोना से पीड़ित हो चुके लोगों को भी टीका लगवाना चाहिए	दैनिक जागरण
605.	6 जनवरी 2021	एम्स प्रमुख का कहना है कि कोविड टीकाकरण स्वैच्छिक है	द एशियन ऐज
606.	10 जनवरी 2021	पिछले कुछ महीनों में बहुत कम गैर-कोविड बच्चों का इलाज किया गया: एम्स	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
607.	12 जनवरी 2021	बुज़ुर्गों और बर्न मरीज़ों को एम्स में मिलेगा अलग ब्लॉक	अमरन उजाला
608.	12 जनवरी 2021	एम्स में बढ़ेगी सुविधाएं, शुरू होंगे पांचन एसेंटर	दैनिक जागरण
609.	12 जनवरी 2021	वर्चुअल दीक्षांत समारोह में एम्स के 1430 छात्रों को मिली डिग्री	नवभारत टाइम्स
610.	13 जनवरी 2021	स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को रोल मॉडल बनना चाहिए	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
611.	16 जनवरी 2021	एम्स समेत 81 केंद्रों पर टीकाकरण अभियान	द एशियन ऐज
612.	17 जनवरी 2021	एम्स निदेशक का कहना है: कोवैक्सिन सुरक्षित है लोगों को उन वैज्ञानिकों और नियामक निकायों पर भरोसा करना चाहिए जिन्होंने उचित विचार-विमर्श के बाद इसे मंजूरी दी है	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
613.	17 जनवरी 2021	एम्स निदेशक डॉ. गुलेरिया, नीति आयोग के पॉलव सांसद महेश शर्मा ने भी लगवाया टीका	जनसत्ता
614.	17 जनवरी 2021	कोरोना योद्धाओं को टीके की संजीवनी	दैनिक जागरण
615.	17 जनवरी 2021	मैनें वैक्सीन लगवाई, जब मौका मिले तो आप भी लगवाएं: डॉ. गुलेरिया	नवभारत टाइम्स
616.	17 जनवरी 2021	कोरोना योद्धाओं को समर्पित पहला दिन	अमर उजाला
617.	17 जनवरी 2021	एम्स निदेशक डॉ. गुलेरिया वैक्सीन लेने वाले तीसरे स्वास्थ्य कर्मी बने	दैनिक भास्कर
618.	17 जनवरी 2021	नई दिल्ली में एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने खुद टीका लगवा कर संदेह दूर किया	हिंदुस्तान

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
619.	17 जनवरी2021	एम्स में कोविड जांच पाने वाला पहला सफाई कर्मचारी; डॉ. वर्धन ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया	द स्टेटमैन
620.	17 जनवरी 2021	महामारी की लड़ाई के लिए स्वदेशी शॉट्स के लिए जाते हैं	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
621.	17 जनवरी 2021	2 लाख को कोविड-रोधी सुरक्षा की पहली खुराक मिली	द पायनियर
622.	17 जनवरी 2021	एम्स दिल्ली में कोविड वैक्सीन पाने वाले पहले सफाई कर्मचारी	द एशियन ऐज
623.	17 जनवरी 2021	एम्स में लाइन में सबसे पहले, अच्छा महसूस करा, सफाईरामचारी का कहना	द इंडियन एक्सप्रेस
624.	18 जनवरी 2021	एम्स में बर्न और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक शुरू होगा	हिंदुस्तान
625.	18 जनवरी 2021	दो दिन में ठीक हो जाएगा हल्का दुष्ट प्रभाव	दैनिक जागरण
626.	19 जनवरी 2021	एम्स में 100 बिस्तरों वाली बर्न और प्लास्टिक सर्जरी यूनिट शुरू	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
627.	19 जनवरी 2021	साइड इफेक्ट पर इन्फोडेमिक ने चिंता ज़ाहिर की	हिंदुस्तान टाइम्स
628.	19 जनवरी 2021	एम्स में सौ बेड का प्लास्टिक सर्जरी एंड बर्न ब्लॉक शुरू	हिंदुस्तान
629.	19 जनवरी 2021	त्वचा दान बढ़ाने पर जोर देगा एम्स का बर्न और प्लास्टिक सर्जरी सेंटर	दैनिक जागरण
630.	20 जनवरी 2021	टीके पर अफवाह से पैदा हुई आशंका: डॉ. गुलेरिया	हिंदुस्तान
631.	21 जनवरी 2021	नाक से दिया जाने वाला टीका बच्चों के लिए होगा बेहतर: डॉ. गुलेरिया	अमर उजाला
632.	21 जनवरी 2021	विद्यार्थियों को नाक के जरिए कोविड टीका देना आसान: डॉ. गुलेरिया	जनसत्ता
633.	24 जनवरी 2021	घबराये नहीं, सामान्य टीके की तरह है कोरोना वैक्सीन: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
634.	24 जनवरी 2021	एम्स उप-निर्देशक ने टीका लगवाया, बोले-डरे नहीं	हिंदुस्तान
635.	28 जनवरी 2021	जल्द आ रही नेजल वैक्सीन, इंजेक्शन का दर होगा छूमंतर	नवभारत टाइम्स
636.	30 जनवरी 2021	एम्स ने दो पैथी को मिलकर खोजी जैबीजीआर 34 का असर	अमर उजाला

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
637.	30 जनवरी 2021	एम्स में वैक्सीन के लिए अब खुद से तय कर सकते है तारीख	नवभारत टाइम्स
638.	30 जनवरी 2021	आयुर्वेद, एलोपैथी दवा मिला कर मधुमहे का बेहतर उपचार संभव	हिंदुस्तान
639.	31 जनवरी 2021	मधुमेह के खिलाफ कारगर हो सकता है आयुर्वेदिक-एलोपैथिक दवा का मिश्रण: एम्स अध्ययन	द स्टेटमैन
640.	31 जनवरी 2021	एम्स ने खोजा मधुमेह नियंत्रण का सटीक तरीका	दैनिक जागरण
641.	31 जनवरी 2021	कोविड केसों में गिरावट, 'लॉन्ग कोविड' अभी भी चिंता	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
642.	1 फरवरी 2021	मधुमेह को नियंत्रित करने में बीजीआर-34 प्लस एलोपैथिक दवा की अहम भूमिका हो सकती है: अध्ययन	द पायनियर
643.	1 फरवरी 2021	मधुमेह को नियंत्रित करने में कारगर हो सकता है एलोपैथिक दवा का मिश्रण	द एशियन ऐज
644.	2 फरवरी 2021	वैक्सीनेशन में विश्व में पहले नंबर पर बना हुआ है भारत: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
645.	2 फरवरी 2021	रक्तदान के लिए एम्स में निकाली गई जारूकता रैली	अमरउ जाला
646.	3 फरवरी 2021	एम्स में रक्तदान महा अभियान आज	दैनिक जागरण
647.	4 फरवरी 2021	एम्स नई दिल्ली में रक्तदान शिविर के दौरान भारतीय सेना के अधिकारी	द एशियन ऐज
648.	4 फरवरी 2021	एम्स में लगे शिविर में जमा हुआ 2200 यूनिट रक्त	अमर उजाला
649.	4 फरवरी 2021	एम्स में 2207 यूनिट ब्लड डोनेशन	नवभारत टाइम्स
650.	4 फरवरी 2021	नई दिल्ली के एम्स में बुधवार को आयोजित रक्तदान शिविर में भारतीय सेना के आफिसरों ने रक्त दान किया	दैनिक भास्कर
651.	4 फरवरी 2021	कैंसर पीड़ितों ने संयम और जज्बे से कोरोना को भी मात दी	हिंदुस्तान
652.	9 फरवरी 2021	एम्स के ओर्बो समर्थित साइकिलिंग ग्रुप ले अंग दान के प्रति जागरूकता लाने के लिए निकाली साइकिलिंग रैली	दैनिक भास्कर
653.	13 फरवरी 2021	वैक्सीन एंटीबॉडीज कम से कम 8 महीने तक चलेगी: एम्स प्रमुख	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
654.	13 फरवरी 2021	कोविड-19 जैब्स के बाद एंटीबॉडी 8 महीने तक चल सकती हैं: एम्स निदेशक	द पायनियर
655.	15 फरवरी 2021	दूसरो में संक्रमण फैलने से भी रोकेगा नेजल टिका	दैनिक जागरण
656.	18 फरवरी 2021	साल के अंत तक बाजार में आ सकता है कोरोना टिका: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
657.	18 फरवरी 2021	दूसरी खुराक के बाद, एम्स निदेशक का कहना है कि कोविड शॉट पूरी तरह से सुरक्षित है	द पायनियर
658.	19 फरवरी 2021	एम्स में 600 लोगों को टीका लगाया गया	हिंदुस्तान
659.	19 फरवरी 2021	एम्स: 600 वक्सीनेशन कर बनाया रिकॉर्ड	नवभारत टाइम्स
660.	21 फरवरी 2021	कोरोना से बचाव का एकमात्र उपाय टीकाकरण: डॉ. गुलेरिया	जनसत्ता
661.	22 फरवरी 2021	हर्ड इम्युनिटी को पूरी तरह पाना मुश्किल: डॉ. गुलेरिया	अमरउजाला
662.	22 फरवरी 2021	90 साल के दादा को 30 साल के पोते की तरह याददाश्त कैसे: एम्स कर रहा स्टडी	नवभारत टाइम्स
663.	22 फरवरी 2021	कोरोना का नया स्टैन ज्यादा संक्रामक: डॉ. गुलेरिया	हिंदुस्तान
664.	22 फरवरी 2021	वृद्धावस्था में तेज दिमाग बनाये रखने को एम्स में शोध	दैनिक जागरण
665.	22 फरवरी 2021	भारत में हर्ड इम्युनिटी हासिल करना मुश्किल: एम्स निदेशक	द इंडियन एक्सप्रेस
666.	22 फरवरी 2021	यहां तक कि जिन एंटी-बॉडीज को नए वेरिएंट से प्रतिरक्षा नहीं है, वे भी एम्स के निदेशक अलार्म; 24 घंटे में 14,264 कोरोना वायरस केस	द पायनियर
667.	23 फरवरी 2021	एम्स में 27 फीसदी स्वास्थय कर्मचारियों को लगा टीका	दैनिक जागरण
668.	23 फरवरी 2021	एम्स में वक्सीनशन का रिकॉर्ड एक दिन में 633 को टीका	नवभारत टाइम्स
669.	25 फरवरी 2021	अगला चरण महत्वपूर्ण, गुलेरिया कहते हैं; लाभार्थी स्व-पंजीकरण कर सकते हैं, वॉक-इन	द इंडियन एक्सप्रेस
670.	25 फरवरी 2021	कोरोना के नए स्टैन पर बारीक़ नज़र रखना जरुरी: डॉ. गुलेरिया	अमर उजाला
671.	25 फरवरी 2021	दो साल की अनामिका को एम्स में मिली नई जिंदगी	दैनिक जागरण

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
672.	25 फरवरी 2021	निजी अस्पताल को टीकाकरण की अनुमति देने से प्रक्रिया को बढ़ावा मिलेगा: एम्स निदेशक	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
673.	2 मार्च 2021	प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को लगा टीका, एम्स में वैक्सीन प्रोसेस को बूस्टर डोज दिया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
674.	2 मार्च 2021	प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कोवैक्सिन शॉट के साथ अगले चरण की शुरुआत की, दूसरों से टीकाकरण करने का आग्रह किया	हिंदुस्तान टाइम्स
675.	2 मार्च 2021	एम्स में पीएम नरेंद्र मोदी को मिली कोवैक्सिन की खुराक	द इंडियन एक्सप्रेस
676.	2 मार्च 2021	टीकाकरण के दूसरे चरण के शुरू होते ही पीएम ने ली कोवैक्सिन पहली खुराक ली	द एशियन ऐज
677.	2 मार्च 2021	प्रधानमंत्री मोदी ने टीका लगवा सभी शंकाओं को दूर किया: डॉ. गुलेरिया	दैनिक भास्कर
678.	2 मार्च 2021	प्रधानमंत्री ने एम्स में लगवाया कोरोना विषाणु रोधी टीका	जनसत्ता
679.	9 मार्च 2021	257 स्वास्थय कर्मियों ने एम्स में रक्त दान किया	हिंदुस्तान
680.	9 मार्च 2021	एम्स में 200 महिलाओं ने किया ब्लड डोनेट	नवभारत टाइम्स
681.	12 मार्च 2021	एक अन्य स्पाइक सावधानी के लिए चेतावनी संकेत, टीकें है इलाज, विशेषज्ञों का कहना है	हिंदुस्तान टाइम्स
682.	13 मार्च 2021	दिल्ली में विशेषज्ञों का दावा कोरोना के बढ़ रहे केस, आ सकती है चौथी लहर	दैनिक भास्कर
683.	14 मार्च 2021	दिल्ली में लगातार दूसरे दिन 400 से अधिक संक्रमित मिले	हिंदुस्तान
684.	20 मार्च 2021	एशिया में पहला: एम्स वर्चुअल ऑटोप्सी शुरू करेगा	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
685.	20 मार्च 2021	वैक्स ड्राइव कोबढ़ाया गया, 3 महीने में 50+ के लिए जैब: गुलेरिया	द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
686.	20 मार्च 2021	गायत्री मंत्र, प्राणायाम के प्रभाव का अध्ययन करेगा एम्स	द हिन्दू
687.	21 मार्च 2021	एम्स निदेशक का कहना है कि वे 'आठ महीने से एक साल तक' सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं	द हिन्दू
688.	21 मार्च 2021	10 महीने तक आपको वायरस से बचाएगा जैब्स: एम्स प्रमुख	द पायनियर

क्र.सं.	दिनांक	विषय	समाचार पत्र
689.	21 मार्च 2021	टीका 8-10 महीने सुरक्षा देने में सक्षम: डॉ. गुलेरिया	जनसत्ता
690.	21 मार्च 2021	एम्स में शवों का होगा वर्चुअल पोस्मॉर्टम	दैनिक जागरण
691.	22 मार्च 2021	दूसरी लहर को रोकने के लिए कोविड नियमों का पालन करें: गुलेरिया	द पायनियर
692.	31 मार्च 2021	एम्स प्रमुख का कहना है कि दिल्ली में मुख्य रूप से युवाओं में बढौतरी हुई	द इंडियन एक्सप्रेस
693.	31 मार्च 2021	संक्रमण रोकने के लिए वर्क फ्रॉम होम जरुरी: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण

मीडिया परिचर्या

क्र.सं.	दिनांक				
1.	1 अप्रैल 2020		12 मार्च से, जब भारत ने अपनी सीमा को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया और डब्ल्यूएचओ ने कोविड-19 संक्रमण को एक महामारी करार दिया- अब तक, आपको किस बात से आश्चर्य हुआ है?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री कौनैन शेरिफ एम, द नेशनल ब्यूरो, द इंडियन एक्सप्रेस
2.	5 अप्रैल 2020	आउटलुक हिंदी पत्रिका	कोरोनावायरस के 5000 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और इसकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। आप इस मामले में क्या कहना चाहेंगे? आप मौजूदा हालात को कैसे देखते हैं?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री नीरज कुमार, आउटलुक हिंदी पत्रिका
3.	5 अप्रैल 2020	इकनोमिक टाइम्स	कितने प्रतिशत कोविड रोगियों को क्रिटिकल केयर की आवश्यकता है?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	सुश्री प्रेरणा, द इकोनॉमिक टाइम्स
4.	9 अप्रैल 2020	प्राइम टीवी	कोविड-19 से बचने के लिए अमेरिका के बाद	डॉ. रणदीप गुलेरिया,	श्री अंकित कुमार,

क्र.सं.	दिनांक				
			इंडिया में वैक्सीन ट्रायल या मेक इन इंडिया वैक्सीन की क्या संभावना है?	निदेशक	असाइनमेंट हेड, प्राइम टीवी
5.	12 अप्रैल 2020	दैनिक जागरण	कोरोना वायरस के विषय में जानकारी हेतु	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री रणविजय सिंह, वरिष्ठ संवाददाता, दैनिक जागरण
6.	16 अप्रैल 2020	आईएएनएस	प्लाज्मा थेरेपी कैसे काम करती है और प्लाज्मा थेरेपी की सीमाएं क्या हैं?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	सुश्री सफ्रूती, आईएएनएस
7.	16 जून 2020	जीएमआर समूह	रिसपोन्सिंग द फैथ इन फ्लाइंग	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	जीएमआर समूह
8.	24 जून 2020	न्यूज़ 18	न्यूज 18 इंडिया ई-कॉन्क्लेव	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री किशोर अजवानी, प्रधान संपादक, समाचार 18
9.	24 जून 2020	आईएएनएस	यदि कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ते रहे, तो क्या आपको लगता है कि हमें उन क्षेत्रों में एक और लॉकडाउन की आवश्यकता है जहां मामलों की संख्या बहुत अधिक है?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री सुमित सक्सेना, एसोसिएट एडिटर, आईएएनएस
10.	26 जून 2020	इकोनॉमिक टाइम्स इंडियन हेल्थकेयर वर्चुअल समिट	ईटी हेल्थकेयर मेन इवेंट	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	डॉ सिद्धार्थ भट्टाचार्य महासचिव, हेल्थकेयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया
11.	27 जून 2020	द इकनोमिक टाइम्स	कोविड-19 के दौरान नेतृत्व और भारतीय स्वास्थ्य सेवा के लिए वैश्विक प्रमाण क्या हैं?	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	सुश्री प्रियंका गुप्ता, द टाइम्स ग्रुप

क्र.सं.	दिनांक				
12.	27 जून 2020	एएनआई	देश में कोविड मामलों में बढौतरी	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	सुश्री जॉयमाला बागची, स्वास्थ्य संवाददाता, एएनआई
13.	30 जून 2020	दैनिक जागरण	डॉक्टर्स डे पर कोरोना योद्धाओं की बातचीत	डॉ. नीरज निश्चल, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग	श्री रणविजय सिंह, वरिष्ठ स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक जागरण
14.	30 जून 2020	पंजाब केसरी	डॉक्टर्स डे पर कोरोना योद्धाओं की बातचीत	डॉ. अरविंद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग	श्री राकेश शर्मा, स्वास्थ्य संवाददाता, पंजाब केसरी
15.	30 जून 2020	दैनिक भास्कर	डॉक्टर्स डे पर कोरोना योद्धाओं की बातचीत	डॉ. अरविंद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मेडिसिन विभाग	श्री पवन कुमार, वरिष्ठ स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक भास्कर
16.	1 जुलाई 2020	द मिरर नाउ	डॉक्टर्स डे	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	सुश्री तन्वी शुक्ला, समाचार संपादक, द मिरर नाउ
17.	5 जुलाई 2020	ज़ी न्यूज़	इम्युनिटी कॉन्क्लेव	डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक	श्री अमन चोपड़ा, वरिष्ठ रिपोर्टर, ज़ी न्यूज़
18.	7 जुलाई 2020	इंडिया टीवी	भारत में कोरोना की स्थिति	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक,एम्स, नई दिल्ली	श्री प्रफुल्ल मिश्रा, संपादक, इंडिया टीवी
19.	12 जुलाई 2020	ज़ी न्यूज़	कोविड-19 वैक्सीन और शॉर्ट, लॉक डाउन	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री अदिति और सुश्री पूजा मक्कड़, ज़ी न्यूज़

क्र.सं.	दिनांक				
20.	12 जुलाई 2020	इंडियन एक्सप्रेस	कोविड की नई जानकारी	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री कौनैन शेरिफ, इंडियन एक्सप्रेस
21.	13 जुलाई 2020	एबीपी न्यूज	कोविड वैक्सीन और गणितीय मॉडल अध्ययन का नैदानिक परीक्षण	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री सुनीत अवस्थी, एबीपी न्यूज
22.	19 जुलाई 2020	दैनिक भास्कर	कोविड की नई जानकारी	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री पवन कुमार, स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक भास्कर
23.	19 जुलाई 2020	इंडियन एक्सप्रेस	कोविड की नई जानकारी	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, इंडियन एक्सप्रेस
24.	23 जुलाई 2020	कलकत्ता न्यूज नेटवर्क	कोविड -19 टीका	डॉ. (प्रो.) आशुतोष विश्वास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स	श्रीमती इंद्राणी दासगुप्ता, कलकत्ता न्यूज नेटवर्क
25.	23 जुलाई 2020	सीएनएन न्यूज 18	कोरोना वायरस के राष्ट्रीय शिखर के बारे में क्या?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री स्नेहा मोरदानी, विशेष संवाददाता, सीएनएन न्यूज 18
26.	24 जुलाई 2020	संपादकजी	हम कब कोविड-19 के लिए टीका लगवा सकते हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री विक्रम चंद्र, संपादकजी
27.	25 जुलाई 2020	आईएएनएस	वे कौन से कारक हैं जिन्होंने दिल्ली को मामलों की संख्या में गिरावट देखने में मदद की?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री सुमित सक्सेना, एसोसिएट एडिटर, आईएएनएस

क्र.सं.	दिनांक				
28.	29 जुलाई 2020	इंडियन एक्सप्रेस	यह जानने के लिए कि वे महामारी में खुद को कैसे सुरक्षित रख रहे हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, विशेष संवाददाता, इंडियन एक्सप्रेस
29.	4 जुलाई 2020	ओपन मैगज़ीन इंडिया	कोविड-19 पर एम्स के योगदान के संबंध में	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	मिस्टर राहुल ईरानी, ओपन मैगज़ीन इंडिया
30.	7 अगस्त 2020	एस एंड टी ओटीटी चैनल (डीडी न्यूज विज्ञान प्रसार)	अपने सम्मानित संगठनों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालें	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री निधि कुमार, टीवी कार्यक्रम एंकर
31.	7 अगस्त 2020	डीडी न्यूज	गुमनाम कोरोना योद्धाओं के योगदान के संबंध में	सूची संलग्न	श्री नितेन्द्र कुमार, वरिष्ठ संवाददाता, डीडी न्यूज
32.	20 अगस्त 2020	एएनआई	सीरो सर्विलांस के दूसरे चरण के संबंध में	डॉ. नीरज निश्चल सह-आचार्य, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री जॉयमाला बागची, वरिष्ठ संवाददाता, एएनआई
33.	28 अगस्त 2020	द मिरर नाउ	पोस्ट कोविड देखभाल पर क्या कोई रणनीति है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री आयुष्मान, वरिष्ठ संवाददाता, द मिरर नाउ
34.	1 सितंबर 2020	बीबीसी	लॉकडाउन के दौरान अवसाद के मामलों के क्या कारण हैं?	डॉ. वाई.पी. बलहारा, सह-आचार्य, विभाग मनश्चिकित्सा विभाग एवं एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री पायल भुइयां, वरिष्ठ संवाददाता, बीबीसी
35.	2 सितंबर 2020	इंडियन एक्सप्रेस	दिल्ली में मामलों के बढ़ने के पीछे क्या	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया,	सुश्री आस्था सक्सेना, वरिष्ठ

क्र.सं.	दिनांक				
			कारण है?	निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	संवाददाता, इंडियन एक्सप्रेस
36.	2 सितंबर 2020	दैनिक जागरण	दिल्ली में मामलों के बढ़ने के पीछे क्या कारण है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री रणविजय सिंह, वरिष्ठ स्वास्थ्य रिपोर्टर, दैनिक जागरण
37.	5 सितंबर 2020	न्यू इंडियन एक्सप्रेस	एकल व्यक्तियों में एकाधिक संक्रमण और जनसंख्या में एक जूनोटिक मलेरिया प्रजाति की खोज	डॉ. प्रज्ञान आचार्य, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग	सुश्री सोमरिता घोष, संवाददाता, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस
38.	5 सितंबर 2020	आईएएनएस	एकल व्यक्तियों में एकाधिक संक्रमण और जनसंख्या में एक जूनोटिक मलेरिया प्रजाति की खोज	डॉ. (प्रो.) प्रज्ञान आचार्य, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आकांक्षा, वरिष्ठ संवाददाता, आईएएनएस
39.	5 सितंबर 2020	द हिंदुस्तान टाइम्स	एकल व्यक्तियों में एकाधिक संक्रमण और जनसंख्या में एक जूनोटिक मलेरिया प्रजाति की खोज	डॉ. (प्रो.) प्रज्ञान आचार्य, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री अरोना, वरिष्ठ संपादक, द हिंदुस्तान टाइम्स
40.	5 सितंबर 2020	जनसत्ता	एकल व्यक्तियों में एकाधिक संक्रमण और जनसंख्या में एक जूनोटिक मलेरिया प्रजाति की खोज	डॉ. (प्रो.) प्रज्ञान आचार्य, सह-आचार्य, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री प्रतिभा सुखाला, वरिष्ठ संवाददाता, जनसत्ता
41.	7 सितंबर 2020	ईटी नाउ	हम हाई कोविड मामलों के लिए कैसे तैयार हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री रुचि भाटिया, संवाददाता, ईटी नाउ
42.	7 सितंबर 2020	मिरर नाउ	क्या राज्य मामलों की बढ़ती संख्या को संभालने	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया,	मिस्टर ब्रैंडन परेरा,

क्र.सं.	दिनांक				
			के लिए तैयार हैं?	निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	संवाददाता, मिरर नाउ
43.	9 सितंबर 2020	एएनआई	भारत के संचयी कोविड मामलों में दूसरे स्थान पर होने के साथ, क्या हम मामलों में पुनरुत्थान देख रहे हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री जॉयमाला बागची, संवाददाता, एएनआई
44.	9 सितंबर 2020	न्यूज 24 टीवी	क्या बढ़ते मामले दूसरी लहर के संकेत है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री संदीप चौधरी, वरिष्ठ एंकर, न्यूज 24 टीवी
45.	9 सितंबर 2020	सीएनएन न्यूज़ 18	कोरोनावायरस संक्रमण में उछाल के मामले में भारतीय अब ब्राजील से आगे निकल गया है। यह कितनी बड़ी चिंता है	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	मिस्टर ज़क्का जैकब, सीनियर एंकर, सीएनएन न्यूज़ 18
46.	9 सितंबर 2020	इकनोमिक टाइम्स	कोविड के बाद की जटिलताओं के संभावित कारण क्या हो सकते हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री प्रेरणा कटियार, वरिष्ठ सहायक संपादक, द इकोनॉमिक टाइम्स
47.	15 सितंबर 2020	द इंडियन एक्सप्रेस	कोविड और डेंगू संक्रमण	डॉ. (प्रो.) आशुतोष बिश्वास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, वरिष्ठ संवाददाता, द इंडियन एक्सप्रेस
48.	15 सितंबर 2020	द हिंदू	कोविड और डेंगू संक्रमण	डॉ. (प्रो.) आशुतोष बिश्वास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री बिंदु सहजन, संवाददाता, द हिंदू
49.	15 सितंबर 2020	दैनिक जागरण	कोविड और डेंगू संक्रमण	डॉ. (प्रो.) आशुतोष	श्री रणविजय सिंह, वरिष्ठ

क्र.सं.	दिनांक				
				बिश्वास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक जागरण
50.	15 सितंबर 2020	हिंदुस्तान (हिंदी)	कोविड और डेंगू संक्रमण	डॉ. (प्रो.) आशुतोष बिश्वास, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	श्री हेमंत राजोरा, स्वास्थ्य संवाददाता, हिंदुस्तान (हिंदी)
51.	30 सितंबर 2020	इंडियन एक्सप्रेस	जब हम कहते हैं कि कोविड 19 और बीएमआई एक खुराक-प्रतिक्रिया संबंध दिखाते हैं, तो इसका क्या मतलब है?	डॉ. (प्रो.) नवल किशोर विक्रम, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, वरिष्ठ संवाददाता, इंडियन एक्सप्रेस
52.	30 सितंबर 2020	इंडियन एक्सप्रेस	जब हम कहते हैं कि कोविड-19 और बीएमआई एक खुराक-प्रतिक्रिया संबंध दिखाते हैं, तो इसका क्या अर्थ है?	डॉ. पीयूष रंजन, सह-आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, वरिष्ठ संवाददाता, इंडियन एक्सप्रेस
53.	2 सितंबर 2020	द ट्रिब्यून	कोविड-19 को अब तक की सबसे बड़ी चिकित्सा चुनौती के रूप में वर्णित करें? वायरस अप्रत्याशित बना हुआ है	डॉ. (प्रो.) जे.एस. गुलेरिया और डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री अदिति टंडन, वरिष्ठ संवाददाता, द ट्रिब्यून
54.	7 अक्टूबर 2020	द टाइम्स ऑफ इंडिया	"मिर्गी वाले बच्चों में किटोजेनिक डाइट मॉडिफाइड एटकिन्स डाइट और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी डाइट की प्रभावशीलता ड्रग रेजिस्टेंस"	डॉ. (प्रो.) शैफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली	श्री दुर्गेश झा, वरिष्ठ संवाददाता, द टाइम्स ऑफ़ इंडिया
55.	7 अक्टूबर 2020	हिंदुस्तान (हिंदी)	"मिर्गी वाले बच्चों में किटोजेनिक डाइट मॉडिफाइड एटकिन्स	डॉ. (प्रो.) शैफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग, एम्स,	श्री हेमंत राजोरा, वरिष्ठ संवाददाता,

क्र.सं.	दिनांक				
			डाइट और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी डाइट की प्रभावशीलता ड्रग रेजिस्टेंस"	नई दिल्ली	हिंदुस्तान (हिंदी)
56.	7 अक्टूबर 2020	द ट्रिब्यून	"मिर्गी वाले बच्चों में किटोजेनिक डाइट मॉडिफाइड एटकिन्स डाइट और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी डाइट की प्रभावशीलता ड्रग रेजिस्टेंस"	डॉ. (प्रो.) शैफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री अदिति टंडन, संवाददाता, द ट्रिब्यून
57.	9 सितंबर 2020	बी.डब्ल्यू बिजनेस वलर्ड	आपकी भविष्यवाणी के अनुसार आपको क्या लगता है कि कोविड-19 कब खत्म होगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री कवि भंडारी, संवाददाता, बीडब्ल्यू बिजनेसवर्ल्ड
58.	9 सितंबर 2020	द हिंदू	एंटीबायोटिक प्रतिरोध: नवीनीकृत लड़ाई	डॉ. (प्रो. एवं आचार्य) रमा चौधरी, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री बिंदु सहजन, विशेष संवाददाता, द हिंदू
59.	9 सितंबर 2020	द ट्रिब्यून	एंटीबायोटिक प्रतिरोध: नवीनीकृत लड़ाई	डॉ. (प्रो. एवं आचार्य) रमा चौधरी, सूक्ष्म्जैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री अदिति टंडन, विशेष संवाददाता, द ट्रिब्यून
60.	10 अक्टूबर 2020	ज़ी टीवी	सर्दियां अब नजदीक आ रही हैं। कोरोना को लेकर लोगों पर इसका क्या असर होगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री पूजा मक्कड़, संवाददाता, ज़ी टीवी

क्र.सं.	दिनांक				
61.	10 अक्टूबर 2020	न्यूज 24 टीवी	दिल्ली में ठंड के मौसम और त्योहारों में किस तरीके से कोरोना का प्रकोप बढ़ेगा	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री पल्लवी झा, वरिष्ठ संवाददाता, न्यूज 24 टीवी
62.	11 अक्टूबर 2020	दैनिक जागरण	विश्व गठिया दिवस	डॉ. रंजन गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली	श्री रणविजय सिंह, स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक जागरण
63.	15 अक्टूबर 2020	टाइम्स नाउ	क्या नोवेल कोरोनावायरस सर्दियों के दौरान घातक हो जाएगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री शेरिन, संवाददाता, टाइम्स नाउ
64.	15 अक्टूबर 2020	सीएनएन इंटरनेशनल	सर्दियां कोविड -19 को कैसे प्रभावित करेंगी? क्या हम मामलों में वृद्धि देख सकते हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री वेदिका सूद, विशेष संवाददाता, सीएनएन इंटरनेशनल
65.	21 अक्टूबर 2020	ज़ी मीडिया	एम्स में कोरोना वायरस के शोध के निष्कर्षों की कहानी बच्चों में मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा रही है और उनकी दृष्टि को भी प्रभावित कर रही है	डॉ. (प्रो.) शैफाली गुलाटी, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री पूजा मक्कड़, संवाददाता, ज़ी मीडिया
66.	22 अक्टूबर 2020	द प्रिंट	भारत के पास वैक्सीन कब होगी?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	एमएस ज्योति मल्होत्रा, विशेष संवाददाता, ज़ी मीडिया
67.	22 अक्टूबर 2020	एएनआई	क्या आप बता सकते हैं कि कोरोनावायरस संक्रमण के साथ बढ़ता प्रदूषण फेफड़ों की जटिलताओं वाले लोगों	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री जॉयमाला बागची, विशेष संवाददाता, एएनआई

क्र.सं.	दिनांक				
			के लिए कैसे घातक हो सकता है?		
68.	2 नवंबर 2020	दैनिक जागरण	क्या प्रदूषण भी कोरोना के मामले बढ़ने के लिए जिम्मेदार है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री रणविजय सिंह, स्वास्थ्य संवाददाता, दैनिक जागरण
69.	2 नवंबर 2020	न्यूज नेशन टीवी	कई लोगो में दोबारा इन्फेक्शन के मामले सामने आने लगे है / रीइन्फेक्शन को लेकर क्या फाइंडिंग है, लोगो को क्या बताना चाएंगे?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री मधुरेंद्र कुमार, वरिष्ठ संवाददाता, न्यूज नेशन टीवी
70.	2 नवंबर 2020	सीएनएन न्यूज 18	दिल्ली में अब मामलों में वृद्धि क्यों हो रही है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री स्नेहा, वरिष्ठ संवाददाता, सीएनएन न्यूज 18
71.	6 नवंबर 2020	नवोदय टाइम्स	कोरोना के साथ अब प्रदूषण भी लोगो के लिए मुसीबत बन रहा है, यह दोहरा हमला कितना खतरनाक है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री आशुतोष, मैट्रो संपादक, नवोदय टाइम्स
72.	10 नवंबर 2020	एएनआई	बढ़े हुए प्रदूषण और बढ़ती कोविड संख्या का संयोजन कितना घातक है- विशेष रूप से महत्वपूर्ण दिवाली के समय	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री अभिषेक भारद्वाज, सीनियर कोप एड, एएनआई प्रिंट
73.	11 नवंबर 2020	आईएएनएस	एक कोविड -19 वैक्सीन जादू की गोली नहीं हो सकती है, हमें कब तक मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों को जारी रखना होगा	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री सुमित सक्सेना, सहायक संपादक, आईएएनएस

क्र.सं.	दिनांक				
74.	13 नवंबर 2020	ईटी नाउ	फाइजर वैक्सीन	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री तमन्ना इनामदार, वरिष्ठ संपादक, ईटी नाउ
75.	13 नवंबर 2020	ज़ी न्यूज़	क्या दिवाली में कोरोना केस बढ़ने की वजह त्याहारों की भीड़ है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री पूजा मक्कड़, वरिष्ठ संवाददाता, ज़ी न्यूज़
76.	17 नवंबर 2020	एबीपी न्यूज	भारत में कोरोना के मामले कम नहीं हुए, वही प्रदूषण और ठंड से इस पर क्या असर होगा? क्या मामले और बढ़ेंगे?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री शोभना यादव, न्यूज एंकर, एबीपी न्यूज
77.	17 नवंबर 2020	इंडिया टीवी	भारत में वर्तमान कोरोना प्रसार की स्थिति	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री प्रफुल्ल मिश्रा, विशेष संवाददाता, इंडिया टीवी
78.	27 नवंबर 2020	टीवी 9 भारतवर्ष	मौसम बदलने के साथ क्या कोरोना के साथ लड़ने के तरीकों में बदलाव करना होगा ?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री कुमार कुंदन,
79.	27 नवंबर 2020	ज़ी न्यूज़	भारत में वैक्सीन का भण्डारण और वितरण कैसे होगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	मिस्टर सचिन अरोड़ा, ज़ी न्यूज़
80.	3 दिसंबर 2020	द हिंदू	दिल्ली महामारी की तीसरी लहर के बीच में है, जबकि भारत के अन्य शहरों में स्पाइक्स देखे गए हैं, क्या दिल्ली में महामारी की अनूठी विशेषताएं हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री बिंदु सहजन, द हिंदू

क्र.सं.	दिनांक				
81.	3 दिसंबर 2020	एएनआई	कोविड टीकाकरण नियमित अनुमोदन से कैसे भिन्न होगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री सुक्षेत्र, एएनआई
82.	3 दिसंबर 2020	एबीपी न्यूज़	भारत में कैसे वैक्सीन दी जाएगी ? क्या इसको लेकर कोई प्लान तैयार किया गया है ?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री प्रफुल्ल श्रीवास्तव, संवाददाता, एबीपी
83.	9 दिसंबर 2020	इंडियन एक्सप्रेस	एम्स अध्ययन ने व्यायाम की कमी, स्क्रीन समय में वृद्धि की समस्या को दर्शाया।	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री आस्था सक्सेना, सीनियर कोरेस्पोंडेंट इंडियन एक्सप्रेस
84.	9 दिसंबर 2020	डीडी न्यूज़	इस महामारी के दौरान काम करने वाले स्टाफ सदस्यों के संबंध में	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री नितेन्द्र कुमार वरिष्ठ संवाददाता, डीडी न्यूज
85.	16 दिसंबर 2020	अमर उजाला	स्वदेशी टीके के लिए नहीं मिल रहे लोग: डॉ. संजय राय	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री परीक्षित निर्भय, वरिष्ठ संवाददाता, अमर उजाला
86.	16 दिसंबर 2020	द टाइम्स इंडिया	कोविद 40% हृदय की मांसपेशियों को नुकसान होता है	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री दुर्गेश नंदन झा, वरिष्ठ संवाददाता, द टाइम्स इंडिया
87.	18 दिसंबर 2020	इंडिया अहेड न्यूज	कोरोना योद्धाओं पर इंडिया फॉरवर्ड का ई कॉन्क्लेव	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री भूपेंद्र चौबे, एडिटर इन चीफ, इंडिया अहेड न्यूज।
88.	18 दिसंबर 2020	यूनिसेफ	कोविड-19 के टीके	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री सुंदरंजन, एंकर, यूनिसेफ

क्र.सं.	दिनांक				
89.	20 दिसंबर 2020	न्यूज 18	2020 के असली योद्धा	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री किशोर अदनानी और प्रतीक दिवेदी, एंकर न्यूज 18 इंडिया।
90.	21 दिसंबर 2020	मिंट वेबिनर	हम कोविड-19 वैक्सीन को कैसे फंड और वितरित करते हैं	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री नीतू चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय लेखिका-स्वास्थ्य,
91.	29 दिसंबर 2020	न्यूज़ 24	डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बताया, कितना खतरनाक हैं कोरोना का नया स्ट्रेन और कब लगेगी वैक्सीन ?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्रीमती पल्लवी झा, वरिष्ठ स्वास्थ्य संवाददाता, न्यूज़ 24
92.	31 दिसंबर 2020	एएनआई	एक बार परिचय के बाद क्या आपको लगता है कि हाल के महीनों में विकसित टीकों के खिलाफ काम करना चाहिए?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री जॉयमाला बागची, वरिष्ठ संवाददाता, एएनआई
93.	3 जनवरी 2021	एएनआई	जहां तक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का संबंध है, टीका कितना सुरक्षित है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री जॉयमाला बागची, वरिष्ठ संवाददाता, एएनआई
94.	4 जनवरी 2021	एबीपी न्यूज	भारत में एक साथ दो वैक्सीन के प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग की अनुमति मिली हैं, कितना बड़ी रहत की खबर?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री आदर्श झा, एंकर, एबीपी न्यूज
95.	4 जनवरी 2021	सीएनएन न्यूज़ 18	महोदय, बैकअप टीकों का क्या अर्थ है? कोवैक्सीन एक बैकअप वैक्सीन कैसे है..?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री श्रेया ढौंडियाल, संवाददाता, सीएनएन न्यूज 18

क्र.सं.	दिनांक				
96.	4 जनवरी 2021	रिपब्लिक भारत टीवी	कोविशील्ड और को वैक्सीन दोनों को सुरक्षित बताया जा रहा हैं लेकिन अभी भी लोगों के मन में कुछ सवाल हैं इसे लेकर आप क्या कहेंगे?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री रवि मिश्रा, रिपब्लिक भारत टीवी
97.	17 जनवरी 2021	दैनिक भास्कर	देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रो. रणदीप गुलेरिया स्वयं पहले ही दिन दिल्ली एम्स में भारत बायोटेक की को वैक्सीन का पहला डोज लिया हैं और वैक्सीन लेने का अपना अनुभव शेयर किया और लोगों से अपील की वैक्सीन लगवाने से परहेज न करें यह पूरी तरह सेफ हैं?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री पवन कुमार, वरिष्ठ संवाददाता, दैनिक भास्कर
98.	17 जनवरी 2021	एबीपी न्यूज़	देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रो. रणदीप गुलेरिया स्वयं पहले ही दिन दिल्ली एम्स में भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का पहला डोज लिया है और वैक्सीन लेने का अपना अनुभव शेयर किया	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री आदर्श झा, एंकर, एबीपी न्यूज
99.	23 जनवरी 2021	दैनिक भास्कर	स्वदेशी टीका कोवैक्सीन कितना प्रभावी हैं इस विषय पर एम्स के निर्देशक डॉ.प्रो.रणदीप गुलेरिया से चर्चा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री रणविजय सिंह, वरिष्ठ संवाददाता, दैनिक जागरण

क्र.सं.	दिनांक				
100.	4 फरवरी 2021	आईएएनएस	महामारी के बारे में एम्स कैंसर सर्जरी कैसे जारी रखता है?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	श्री आशीष, वरिष्ठ संवाददाता, आईएएनएस
101.	19 फरवरी 2021	इंडिया टुडे टीवी	को-विन 2.0 कैसे काम करेगा?	डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली	सुश्री स्नेहा मोरदानी, उप. संपादक, इंडिया टुडे टीवी
102.	15 फरवरी 2021	नवभारत टाइम्स हिंदी	च्यवनप्राश का उपयोग करने के कुछ गुण और दोष (अवलेश और किसी ब्रांड के लिए विशिष्ट नहीं)	सुश्री रेखा पाल सिंह, सहायक आहार विशेषज्ञ, मुख्य अस्पताल	श्री नरेश तनेजा
103.	19 फरवरी 2021	दूरदर्शन	क्या भारत में महामारी हटने वाली है, जिसमें शुरुआती दौर में मॉडलर्स ने बड़ी संख्या में मामलों और कोविड-19 के कारण लाखों मौतों की भविष्यवाणी की थी?	डॉ. (प्रो.) वत्सला डडवाल, स्त्रीरोग, डॉ. अपर्णा शर्मा, अपर प्रो., स्त्रीरोग विज्ञान, डॉ. (प्रो.) राजेंद्र प्रसाद, सर्जरी, डॉ. (प्रो.) राजेश खडगावत, एंडो। डॉ. गरिमा खच्छावा, अपर आचार्य, स्त्रीरोग विज्ञान, डॉ. पी. कामरिया सीनियर रेजिडेंट सीटीवीएस, डॉ. पी. कुमार, सह-आचार्य, अस्पताल प्रशासन, डॉ. विश्वप्रकाश गुप्ता, चीफ फिजियोथेरेपिस्ट, सीटीवीएस,	सुश्री विनोद मल्होत्रा, निर्माता, हैल्थ दूरदर्शन

क्र.सं.	दिनांक				
				सिस्टर सुमिता दुआ, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर	
104.	23 फरवरी 2021	सीएनएन न्यूज़ 18	कोविड-19 दूसरी लहर	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री श्रेया ढौंडियाल
105.	23 फरवरी 2021	द हिंदुस्तान टाइम्स	कोविड-19 टीकाकरण	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री अन्नोना दत्ता
106.	24 फरवरी 2021	सीएनएन न्यूज़ 18	भारत में टीकाकरण अभियान में निजी क्षेत्र की भूमिका	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री रीना
107.	24 फरवरी 2021	एएनआई	कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री जॉयमाला बागची
108.	26 फरवरी 2021	टाइम्स नाउ	टीकाकरण चलाये जाने का आकलन	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री सौरव कुमार
109.	26 फरवरी 2021	रिपब्लिक टीवी	एक नया भारतीय स्ट्रेन	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री पीयूष मिश्रा
110.	15 मार्च 2021	विज्ञान प्रसार (डीडी न्यूज)	टीके पर बात - इम्यूनाइजिंग इंडिया	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री निधि कुमार
111.	15 मार्च 2021	ईटी नाउ	कोविड-19 दूसरी लहर	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री अर्पिता जैनी
112.	17 मार्च 2021	पीटीआई	वैक्सीन की हिचकिचाहट को समझना और संबोधित करना	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री शशी
113.	17 मार्च 2021	इंडिया टुडे	न्यू स्ट्रेन भारत में चिंता का विषय	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री स्नेहा मोर्दानी
114.	17 मार्च 2021	इंडिया टीवी	भारत में कोविड की वर्तमान स्थिति	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री पंकज भार्गवी
115.	24 मार्च 2021	सीएनएन इंटरनेशनल	भारत में कोविड अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री वेदिका सूद
116.	24 मार्च 2021	इंडियन एक्सप्रेस	दिल्ली में बढ़ रहा है कोविड के मामला	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री आस्था सक्सेना
117.	30 मार्च 2021	इंडियन एक्सप्रेस	दिल्ली में बढ़ रहा कोविड केस 1000 से ज्यादा	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री आस्था सक्सेना

क्र.सं.	दिनांक				
118.	30 मार्च 2021	दैनिक जागरण	कोरोना पर अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री रणविजय
119.	1अप्रैल 2021	टीवी 9	कोरोना पर वर्तमान स्थिति	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री सुदेशना
120.	5अप्रैल 2021	दैनिक जागरण	कोरोना पर अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री रणविजय
121.	5 अप्रैल 2021	ईटी नाउ	कोरोना वायरस स्प्रेड अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री रुचि भाटिया
122.	5 अप्रैल 2021	रिपब्लिक टीवी	कोरोना पर अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री पीयूष मिश्रा
123.	5 अप्रैल 2021	ज़ी हेल्थ	कोरोना वायरस दूसरी लहर	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री पूजा मक्कर
124.	9 अप्रैल 2021	एबीपी न्यूज़	कोरोना वायरस दूसरी लहर	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री प्रफुल्ल कुमार श्रीवास्तव
125.	9 अप्रैल 2021	न्यूज़ नेशन	कोरोना पर अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री राहुल डबास
126.	20 अप्रैल 2021	रिपब्लिक टीवी	डबल म्यूटेंट पर अपडेट करें	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	श्री अभिषेक कपूर
127.	20 अप्रैल 2021	ज़ी न्यूज़	दूसरी लहर पर अपडेट	डॉ. (प्रो). रणदीप गुलेरिया	सुश्री पूजा मक्कर

प्रेस कॉन्फ्रेंस 2020-2021

क्र.सं	दिनांक	विषय	विभाग
1.	20 जुलाई 2020	कोवैक्सिन	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

प्रेस विज्ञप्ति

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	18 अप्रैल 2020	कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई	एम्स प्रशासन
2.	5 मई 2020	कोविड-19 सम्बंधित अनुसन्धान	अनुसंधान अनुभाग
3.	12 जून 2020	विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए एम्स प्रवेश परीक्षा	परीक्षा अनुभाग
4.	12 जून 2020	एम्स का अध्ययन माइग्रेन के सिरदर्द में योग की प्रभावशीलता को साबित करता है	एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र और तंत्रिका विज्ञान विभाग
5.	6 जुलाई 2020	श्री तरुण सिसोदिया ज.प्र.न.ए.ट्रॉ.कें में भर्ती हुए	एम्स प्रशासन

6.	16 जुलाई 2020	मस्जिद मोठ में आरएके ओपीडी	एम्स प्रशासन
7.	19 जून 2020	एम्स, नई दिल्ली में प्लाज्मा दान अभियान	एम्स प्रशासन
8.	11 अगस्त 2020	इज़राइल ने एम्स को अभूतपूर्व तकनीक दान करी	एम्स प्रशासन
9.	18 अगस्त 2020	श्री अमित शाह पोस्ट कोविड देखभाल के लिए एम्स में भर्ती	एम्स प्रशासन
10.	25 अगस्त 2020	नेशनल आई बैंक द्वारा 35वां नेत्रदान पखवाड़ा समारोह	डॉ. रा.प्र. केंद्र
11.	29 अगस्त 2020	श्री अमित शाह पोस्ट कोविड देखभाल के लिए एम्स में भर्ती	एम्स प्रशासन
12.	31 अगस्त 2020	श्री अमित शाह पोस्ट कोविड देखभाल के लिए एम्स में भर्ती	एम्स प्रशासन
13.	25 सितंबर 2020	65वां एम्स स्थापना दिवस समारोह	एम्स प्रशासन
14.	5 अक्टूबर 2020	सिंह राजपूत जांच और रिपब्लिक टीवी प्रश्नावली के जवाब पर एम्स की स्थिति	एम्स प्रशासन
15.	16 नवंबर 2020	भारत सरवाइकल कैंसर के उन्मूलन में तेजी लाने के लिए वैश्विक रणनीति शुरू करने का समर्थन करता है	एम्स प्रशासन
16.	26 नवंबर 2020	संविधान दिवस उत्सव	एम्स प्रशासन
17.	27 नवंबर 2020	राष्ट्रीय अंगदान दिवस	ओआरबीओ
18.	14 दिसंबर 2020	एम्स की नर्सिंग यूनियन हड़ताल पर	एम्स प्रशासन
19.	12 जनवरी 2021	47वां एम्स दीक्षांत समारोह दिवस	एम्स प्रशासन
20.	18 जनवरी 2021	बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक का उद्घाटन	एम्स प्रशासन
21.	20 जनवरी 2021	एम्स में कोविड टीकाकरण कार्यक्रम	एम्स प्रशासन
22.	9 फरवरी 2021	रेड क्रॉस कंबल वितरण	एम्स प्रशासन
23.	16 फरवरी 2021	डॉ. (प्रो.) वी.के. पॉल (नीति आयोग के सदस्य) को कोवेक्सिन की दूसरी डोज	एम्स प्रशासन
24.	17 फरवरी 2021	कोवाक्सिन्टो की दूसरी खुराक डॉ. (प्रो.) रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स, नई दिल्ली को कोवेक्सिन की दूसरी डोज	एम्स प्रशासन

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 1

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं: 2016 सार: 299 पुस्तकों में अध्याय: 286 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 41

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली-29
दिनांक 31 मार्च, 2021 के अनुसार वित्तीय स्थिति का विवरण

संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2020-21	2019-20
संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	71,469,036,139.20	67,077,830,259.20
रिजर्व और अधिशेष	2	4,650,661,309.32	4,602,252,487.87
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	3	1,468,948,757.60	1,443,309,256.00
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	3,221,400,000.00	3,366,900,000.00
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	0.00	
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	0.00	
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	12,293,392,075.47	12,025,780,090.85
कुल		**93,103,438,281.59**	**88,516,072,093.92**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	60,131,176,625.97	54,787,037,520.20
उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	9	0.00	72,061,069.00
निवेश - अन्य	10	7,846,727,421.55	7,294,750,570.69
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	25,125,534,234.07	26,362,222,936.85
विविध व्यय		0.00	0.00
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		0.00	0.00
कुल		**93,103,438,281.59**	**88,516,072,096.74**
लेखों के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं नोट्स	24		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, नई दिल्ली-29
दिनांक 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2020-21	2019-20
विक्रय / सेवाओं से आय	12	93,805,049	478,592,687
अनुदान / सब्सिडी	13	26,901,300,000	25,888,999,999
शुल्क / चन्दा	14	170,096,016	228,411,730
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि में निवेश से आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	6,173,912	323,657,672
अर्जित ब्याज	17	528,853,092	760,672,232
अन्य आय	18	559,173,040	469,973,131
तैयार वस्तुओं के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) एवं जारी कार्य	19	-	-
कुल (क)		**28,259,401,109**	**28,150,307,451**
व्यय		-	-
स्थापना व्यय	20	17,601,377,485	17,365,052,693
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	5,605,838,070	5,669,524,854
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	4,073,244,309	4,014,346,294
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	45,477,809	6,000,000
ब्याज	23	117,631,444	29,270
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष - अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप कुल योग)		256,194,578	-
कुल (ख)		**27,699,763,695**	**27,054,953,111**
		-	-
व्यय पर आय की अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		559,637,415	1,095,354,340
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)		-	-
सामान्य रिजर्व हेतु / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (कमी) एवं शेष			
कुल		**28,259,401,109**	**28,150,307,451**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1 - संग्रह / पूंजी निधि:	**2020-21**	**2019-20**
वर्ष के प्रारंभ में शेष	67,077,830,259.20	61,631,092,117.00
परिवर्धन: संग्रह / पूंजी निधि के लिए अंशदान	4,586,300,000.00	5,654,738,716.00
वर्ष के दौरान अनुपयोगी न्यून	195,094,120.00	208,000,573.80
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष	**71,469,036,139.20**	**67,077,830,259.20**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**2020-21**	**2019-20**
1. पूंजी रिजर्व:	-	-
गत लेखा के अनुसार	3,598,085.00	167,494,684.00
समीक्ष्य वर्ष में परिवर्धन	-	671,274.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	-	-
गत लेखा के अनुसार	-	-
समीक्ष्य वर्ष में परिवर्धन	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व	-	-
गत लेखा के अनुसार	-	-
समीक्ष्य वर्ष में परिवर्धन	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व	-	-
गत लेखा के अनुसार	4,598,654,402.87	3,926,752,812.40
समीक्ष्य वर्ष में परिवर्धन	288,403,869.90	412,912,013.47
परिवर्धन / न्यून: समायोजन	-985,968.72	94,421,704.00
कैंसिल चेक जमा बैंक लेखा	17,185,498.00	
मूल्यांकन का न्यून समेकन प्रभाव	256,194,577.73	
कुल	**4,650,661,309.32**	**4,602,252,487.87**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

	2020-21	**2019-20**
अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि		
क) निधियों का अथशेष	1,443,309,256.00	1,553,583,124.00
ख) निधियों में परिवर्धन:	94,271,406.50	-
i. दान / अनुदान	568,406,745.00	971,369,381.00
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	34,739,377.00	2,986,377.00
iii. सीएसआर अस्पताल बिलिंग एम्स	-	22,967,680.00
iv. अनुसंधान अनुभाग	2,500,000.00	2,703,149.00
कुल (क)	**2,143,226,784.50**	**2,553,609,711.00**
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग / व्यय	-	-
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति	-	68,068,190.00
- अन्य	63,500,000.00	125,551,305.00
ii. राजस्व व्यय	-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	3,487,811.90	-
- किराया	-	-
- अन्य व्यय	607,290,215.00	916,680,960.00
कुल व्यय (ख)	674,278,026.90	1,110,300,455.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शुद्ध शेष (क-ख)	**1,468,948,757.60**	**1,443,309,256.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2020-21**	**2019-20**
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
क) मियादी ऋण		
ख) अर्जित ब्याज एवं देय		
4. बैंक:		
क) मियादी ऋण		
- अर्जित ब्याज एवं देय		
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)		
- अर्जित ब्याज एवं देय		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां #	3,366,900,000.00	
परिवर्धन- ऋण की प्राप्ति	379,500,000.00	4,153,400,000.00
न्यून - ऋण का भुगतान	525,000,000.00	786,500,000.00
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**3,221,400,000.00**	**3,366,900,000.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2020-21**	**2019-20**
1. केंद्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक:		
क) मियादी ऋण		
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	2020-21	2019-20
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने से प्राप्त स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2020-21	2019-20
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		
1. अग्रदाय	20,000.00	20,000.00
2. विविध ऋणदाता:	-	-
i) वस्तुओं हेतु (सीमा शुल्क का भुगतान किए जाने हेतु)	-	-
ii) अन्य (एचईएफए ऋण के लिए अनुदान)		-
iii) अन्य वेतन (सीएनसी)	571,929.00	
3. प्राप्त अग्रिम	-	-
4. देय ब्याज:	-	-
क) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को वापिस किया गया है	175,677,289.00	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं:	-	-
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	4,547,197,891.47	4,951,327,794.85
7. मुख्य एम्स (एनपीएस राशि आरपीसी द्वारा एनएसडीएल को भेजी जाएगी)	17,712,344.00	19,074,051.00
8. जीपीएफ देयताएं	7,552,212,622.00	7,055,358,245.00
कुल (क)	12,293,392,075.47	12,025,780,090.85
	-	-
ख. प्रावधान	-	-
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-
5. व्यवसाय वारंटी / दावा	-	-
6. अन्य (उल्लिखित करें)	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	**12,293,392,075.47**	**12,025,780,090.85**

** राशि को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को वापसी हेतु देयताओं के रूप में रखा गया है। इस राशि में मंत्रालय को वापसी योग्य ब्याज का हिस्सा और एम्स, नई दिल्ली की आय शामिल है। इस प्रकार, पूरी राशि वापसी योग्य नहीं है।

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

क.	(स्थायी परिसंपत्ति):	2020-21					2019-20
	अनुसूची 8	**अथशेष**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**अनुपयोगी सामान का निस्तारण**	**विमूल्यन**	**वर्ष के अंत में परिसंपत्ति का समापन मूल्य**	
		-	-	-		-	-
1	**भूमि:**	-	-	-		-	-
	क) पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर	895,504,881.00	-			895,504,881.00	895,504,881.00
2	**भवन:**	-	-	-		-	-
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	23,045,138,889.00	200,699,277.00	-	3,344,987.95	23,242,493,178.05	23,045,138,889.00
	ख) पट्टे पर भूमि	-	-	-	-	-	-
	ग) पूंजीगत कार्य जारी है	460,303,700.00	-	-	-	460,303,700.00	460,303,700.00
		-	-	-	-	-	-
3	मशीनरी संयंत्र एवं उपकरण	28,795,601,601.20	5,338,976,118.85	190,162,809.00	252,270,532.50	33,692,144,378.55	28,795,601,601.20
4	वाहन	82,662,207.00	740,988.65	1,911,913.00	49,400.00	81,441,882.65	82,662,207.00
5	फर्नीचर और उपस्कर	61,637,307.00	227,479.00	3,019,398.00	23,522.94	58,821,865.06	61,637,307.00
6	कार्यालय उपकरण	-	-	-	-	-	-
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	252,569,105.00	4,312,009.00	-	506,134.33	256,374,979.67	252,569,105.00
8	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,193,619,830.00	250,471,931.00	-		1,444,091,761.00	1,193,619,830.00
	कुल	**54,787,037,520.20**	**5,795,427,803.50**	**195,094,120.00**	**256,194,577.73**	**60,131,176,625.97**	**54,787,037,520.20**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य सावधि जमा (अक्षय निधि)		72,061,069.00
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक धन (दान)		
कुल	0	**72,061,069.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	2020-21	2019-20
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य:-	621,600,000.00	571,600,000.00
7. एनपीएस	110,000,000.00	140,000,000.00
8. जीपीएफ	7,097,988,997.55	6,566,897,146.69
9. दान का निवेश	17,138,424.00	16,253,424.00
कुल	**7,846,727,421.55**	**7,294,750,570.69**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2020-21	2019-20
क	वर्तमान परिसंपत्ति:		
	1. वस्तुसूचियां / खरीद हेतु अग्रिम		
	क) सामग्री एवं आपूर्ति	9,782,099.00	9,782,099.00
	ख) भंडार माल	-	-
	तैयार वस्तुएं	-	-
	कार्य जारी है	-	-
	2. विविध देनदार:	-	-
	क) बकाया उधार	42,881,904.00	115,351,675.00
	ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)	3,245,441.00	3,245,441.00
	ग) केंद्र से प्राप्य विविध वसूलियां (इंजीनियरिंग कार्य)	76,000.00	76,000.00
	3. नकद रोकड़ शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सम्मिलित हैं)	1,135,285.00	1,039,150.00
	4. बैंक शेष:	-	-
	क) अनुसूचित बैंकों के पास:	-	-
	चालू खाते में	1,309,866,568.34	1,493,283,466.69
	जमा खाते में	3,688,822,818.23	1,531,657,295.85
	ख) अनुसूचित बैंकों के पास:	-	13,784,126.00
		-	-
	एफडीआर पर अनुसंधान अनुभाग	608,831,336.00	4,500,000,000.00
	बचत खाते में	-	207,301,827.00
	5. निवेश (टीडीआर-एनओएचपी)	-	40,000,000.00
	कुल (क)	**5,664,641,451.57**	**7,915,521,080.54**
		-	-
		-	-

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम		-	-
ख	ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति	-	-
	1. ऋणः	-	-
	क) कर्मचारीगण	18,110,648.00	12,603,782.00
	ख) अन्य इकाइयां जो इकाई के लिए समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न हैं।	-	-
	ग) अन्य (खरीद हेतु अग्रिम)	2,340,588.00	2,340,588.00
	2. अग्रिम एवं अन्य राशि:	-	-
	क) पूंजी खाते पर	-	-
	ख) साख-पत्र	555,033,526.00	662,705,199.00
	ग) सीमा-शुल्क	185,145,315.00	232,260,941.00
	घ) पीडीए	10,633,748.00	8,468,025.00
	3. अर्जित आय:	-	-
	क) उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश पर	-	-
	ख) निवेश पर - अन्य	-	-
	ग) ऋण एवं अग्रिमों पर	2,626,000.00	2,626,000.00
	घ) अन्य	18,687,002,957.50	17,525,697,321.31
		-	-
	4. वसूलनीय दावे:	-	-
	कुल (ख)	**19,460,892,782.50**	**18,446,701,856.31**
	कुल (क+ख)	**25,125,534,234.07**	**26,362,222,936.85**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	2020-21	2019-20
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय	-	-
2. कच्चे माल का विक्रय	-	-
3. रद्दी का विक्रय	540,870.00	330,600.00
2) सेवाओं से आय	-	-
क) अस्पताल प्राप्तियां	90,979,418.00	476,719,893.77
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं आढ़त		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अन्य	2,284,761.00	1,542,193.00
कुल	**93,805,049.00**	**478,592,686.77**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 13 - अनुदान / सब्सिडी	**2020-21**	**2019-20**
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)		
1. केन्द्र सरकार	26,901,300,000.00	25,808,999,999.00
2. राज्य सरकार/सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल से पीएमजेएवाई हस्तांतरण		80,000,000.00
कुल	**26,901,300,000.00**	**25,888,999,999.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 - शुल्क / चंदा	**2020-21**	**2019-20**
1. ट्यूशन शुल्क	47,190,376.45	94,495,413.00
2. लाइसेंस शुल्क	26,172,931.55	39,474,476.00
3. सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क	-	-
4. अन्य	96,732,708.00	94,441,841.00
कुल	**170,096,016.00**	**228,411,730.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 - निवेश से आय	2020-21	2019-20
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश में आय)		
1. ब्याज		
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर		
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र		
2. लाभांश:		
क) शेयरों पर		
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर		
3. किराया		
4. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		
उद्दिष्ट / अक्षय निधि में अंतरित	0	

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2020-21**	**2019-20**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित करें) एनपीएस	6,173,912.00	323,657,672.00
कुल	**6,173,912.00**	**323,657,672.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
1. अवधि जमा पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों के पास	-	262,370,789.00
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) संस्थानों के पास	-	-
घ) अर्जित ब्याज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को वापिस कर दिया गया है	-	-
2. बचत खातों पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ख) गैर - अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) डाकघर बचत खाता	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋणों पर:	-	-
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1,424,969.00	1,464,892.00
ख) अन्य	-	-
4. जीपीएफ निवेश पर	527,428,123.00	496,836,551.00
5. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	-	-
कुल	**528,853,092.00**	**760,672,232.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2020-21**	**2019-20**
1. विविध प्राप्ति	29,253,586.00	34,465,893.00
2. विविध स्थापना प्राप्ति	-	42,610,150.00
3. परीक्षा अनुभाग रसीद	528,612,750.00	292,897,088.00
4. अन्य आय	1,306,704.00	-
5. अनुसंधान अन्य आय	-	100,000,000.00
कुल	**559,173,040.00**	**469,973,131.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री एवं जारी कार्य के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**2020-21**	**2019-20**
क) समापन स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- जारी कार्य		
ख) न्यून: अथ स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- जारी कार्य		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	0	0

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**2020-21**	**2019-20**
वेतन एवं मजदूरी	15,253,169,033.00	15,044,423,015.60
यात्रा भत्ता	32,220,929.00	75,685,763.00
शिक्षण संसाधन भत्ता	-	-
भविष्य निधि में अंशदान	-	-
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)	180,000.00	-
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	1,962,209,414.00	1,785,435,582.00
अन्य (एनपीएस)	352,266,266.00	455,585,236.00
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	1,331,843.00	3,923,096.00
कुल	**17,601,377,485.00**	**17,365,052,692.60**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2020-21**	**2019-20**
क) अस्पताल भंडार की खरीद अन्य निर्दिष्ट	1,262,215,871.00	1,425,346,878.00
ख) स्टाफ आउटसोर्सिंग व्यय	855,167,282.00	765,308,725.00
ग) कार्यालय व्यय	30,078,368.00	24,772,323.00
घ) विद्युत एवं बिजली	923,309,837.00	830,178,640.00
ङ) जल प्रभार	55,243,102.00	47,815,600.00
च) बीमा	-	-
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी / सीएएमसी)	280,404,077.00	337,300,568.00
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	828,547,170.00	941,058,245.00
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, चालित एवं अनुरक्षण	-	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	-	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	5,050,381.00	86,386,825.00
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय	-	-
ण) अंशदान व्यय	-	-
त) फीस पर व्यय	-	-
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	-	-
द) आतिथ्य व्यय	-	-
ध) व्यावसायिक शुल्क	-	-
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष राशि	-	-
फ) अन्य व्यय	144,633,002.00	282,922,023.00
ब) छात्रावास	-	-
भ) बैंक प्रभार	572,403.00	864,518.30
म) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
य) अन्य (उल्लिखित करें) (आकस्मिक प्रभार)	1,220,616,577.00	927,570,509.00
कुल	**5,605,838,070.00**	**5,669,524,854.00**

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	**2020-21**	**2019-20**
अस्पताल भंडार सामग्री एवं आपूर्ति	4,049,344,959.00	3,975,530,639.00
अन्य सामग्री एवं आपूर्ति	23,899,350.00	38,815,655.00
कुल	**4,073,244,309.00**	**4,014,346,294.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 - अनुदानों, सब्सिडी आदि पर व्यय	2020-21	2019-20
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान		6,000,000.00
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी		
ग) आर.पी.सी. रोगी उपचार खाते में दिया गया अनुदान	45477809	
कुल	**45,477,809.00**	**6,000,000.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 23 - ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) बैंक प्रभार	32,444.00	29,270.00
ग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को अंतरण	117,597,000.00	-
कुल	117,629,444.00	29,270.00

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अनुसूची 24

लेखों के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं नोट्स

1. संस्थान की गतिविधियों को मुख्यत: भारत सरकार के अनुदानों से वित्तपोषित किया जाता है और संस्थान का लेखा-जोखा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किया जाता है।
2. ये लेखा, नकद आधार पर अर्थात् वास्तविक प्राप्ति और भुगतान के आधार पर तैयार किए गए हैं। तथापि, परिसम्पतियों पर प्राप्त किया गया अवमूल्यन वित्त वर्ष 2020-21 में प्रभारित किया गया है। परिसम्पतियों की कबाड़ कीमत को घटाते हुए परिसम्पतियों की वास्तविक आय को लेखा में सम्मिलित करने के बाद अवमूल्यन की गणना सरल स्पष्ट विधि से की गई है।
3. एम्स, नई दिल्ली के समेकित अंतिम लेखा वित्त वर्ष 2020-21 हेतु तैयार किए गए हैं। तथापि, अनुसंधान अनुभाग, एन.डी.डी.टी.सी. एवं यू.एन.डी.सी.पी. के लेखा पृथक रूप से तैयार किए जाते हैं क्योंकि ये केन्द्र मंत्रालयों/विभिन्न निधि-प्रदाता एंजेसियों से अलग से निधियां प्राप्त करते हैं।
4. ब्याज के आंकड़ों में संस्थान की राजस्व प्राप्तियों पर अर्जित ब्याज भी सम्मिलित है। जी.आई.ए. के अव्ययित बकाया पर अर्जित ब्याज के भाग की गणना के बाद इसे मंत्रालय को प्रेषित कर दिया जाएगा।
5. लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि की देनदारी के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार से अनुदान वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया जाता है। लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान की गणना केवल वास्तविक भुगतानों के समय पर लेखा में की जाती है।
6. लेखांकन अवधि के अंत में भंडार और आपूर्ति का कोई अंतिम स्टॉक लेखा में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भण्डारों और आपूर्तियों पर किये गए सभी व्यय को लेखा में वास्तविक भुगतान के समय पर अंतिम व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
7. संस्थान की आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अंतर्गत आयकर से मुक्त है।
8. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अनुदान द्वारा वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) का उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों के लिए किया जाता है और इन्हें संस्थान की परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) को या तो निधि प्रदान करने वाले अभिकरणों को लौटा दिया जाता है अथवा इनका उपयोग निधि प्रदान करने वाले अभिकरणों की स्वीकृति के अनुसार, परियोजनाओं की समाप्ति के पश्चात विभागों में किया जाता है।
9. वर्ष 2020-21 के दौरान, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विभिन्न परियोजना अन्वेषकों द्वारा किये गए व्यय को तथा दिनांक 31.03.2021 के अनुसार, संस्थान के पास उपलब्ध शेष राशि को दर्शाने वाला एक विवरण लेखों के साथ संलग्न है।
10. पैकेजों के अंतर्गत, उन उपचारों की मद में राजस्व एवं व्यय के रूप में खर्च किये गए उपचार की अग्रिम राशियों को व्यय में दर्शाया गया था। चालू वर्ष के दौरान, उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों के मद में प्राप्त अग्रिम राशियों को आवर्ती निधि और आवर्ती निधि पर किये गए

व्यय के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया है। आवर्ती निधि में शेष राशि को देनदारी के रूप में प्रदर्शित किया गया है। लेखांकन नीति के इन परिवर्तनों का प्रभाव आकलन योग्य और महत्वपूर्ण नहीं होता है।

11. दिनांक 31.03.2021 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा को नए प्रारूप, समूहीकरण, पुन: समूहीकरण और वर्गीकरण में तैयार किया गया है, जहां कहीं भी आवश्यक हो, इसे बेहतर प्रस्तुति के लिए परिवर्तित/अंगीकृत किया गया है।
12. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान की परिसंपतियों का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/मुख्य गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
13. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान के भण्डार तथा आपूर्ति का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/मुख्य गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
14. संस्थान, रोगी उपचार के लिए आवश्यक जांचों/प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न आवर्ती निधियों का रखरखाव कर रहा है और उसे संस्थान के समेकित लेखा में सम्मिलित किया जाता है।
15. बिना किसी संलग्न शर्तों के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दान राशियों/प्राप्तियों को, जैसा भी मामला हो, संबंधित केन्द्र या संस्थान की आय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
16. उपर्युक्त सूचीबद्ध सभी लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियां तैयार करने वाले भाग का उपयोग केन्द्रों के लेखों को तैयार करने में भी किया जाता है।

लेखा अधिकारी | वित्त सलाहकार | वरिष्ठ वित्त सलाहकार

निदेशक

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	भुगतान	2020-21	2019-20
1. अथशेष			**1.व्यय**		
(क) नकद राशि	-	-	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	156,512,311.00	154,572,718.00
(ख) बैंक शेष	-	-	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	161,880,871.50	148,322,009.00
(i) चालू खाते में	20,473,772.00	36,293,687.00			
(ii) जमा खाते में	-	-	**2.अग्रिम भुगतान**		
(iii) बचत खाते में	-	-	i) सामग्री एवं आपूर्ति	79,508.00	120,000.00
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	-	20,000.00
			iii) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए	-	240,000.00
2. प्राप्त अनुदान			**3.निवेश एवं जमा किया गया**		
(क) भारत सरकार से (स्वास्थ्य एव परिवार कल्याण मंत्रालय)			(क) उद्दिष्ट / अक्षय निधि में से	-	-
सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्ति)	5,334,477.00	10,474,468.00	(ख) निजी निधि में से (निवेश - अन्य)	-	-
सहायता अनुदान (सामान्य)	109,993,132.00	104,429,940.00			
सहायता अनुदान (वेतन)	165,000,000.00	124,882,683.00	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
सहायता अनुदान (सामान्य)/डीटीसी योजना	44,996,165.00	36,437,865.00	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद (अनुसूची सं. 8)	13,586,602.00	20,941,032.00
सामान्य सहायता अनुदान (नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम)	-	330,600.00	(ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				-	-
3. निवेश पर आय, द्वारा			**5.अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**	-	
(क) उद्दिष्ट / अक्षय निधि	-	-	(क) भारत सरकार को	-	-
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	-	-	(ख) राज्य सरकार को	-	-
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)	37,500,000.00	15,000,000.00
4. प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाता को वापसी	-	-
(क) बैंक जमा पर	32.00	-	**6.वित्त शुल्क (ब्याज)**	-	-
(ख) ऋण, अग्रिम आदि	-	-			
			7.अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय			बाह्य वसूलिया (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	-	-
अस्पताल प्राप्तियां	73,125.00	675,275.00	(क) परियोजनाएं	-	-
6.अन्य आय			(ख) बयाना राशि जमा की वापसी	-	-
विविध प्राप्तियां	220.00	358,743.00	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान	-	-
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्ति	-	3,231,270.00	i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	1,012,372.00	918,962.00
			एम्स/बाह्य, बकाया वसूली (अनुसूची 7)		
7. उधार ली गई राशि	-	-	ii) बाह्य वसूलियां	26,531,765.00	25,386,021.00
एम्स (मुख्य) से ऋण	35,000,000.00	37,500,000.00	iii) जीपीएफ (सदस्यता और अग्रिम) जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को प्रेषित	12,792,804.00	12,613,758.00
यूएनडीसीपी खाते से ऋण	25,000,000.00	5,000,000.00	iv) बैंक को एनपीएस की वसूली	5,513,342.00	5,152,376.00
8. कोई अन्य प्राप्तियां			v) एनपीएस से वसूली (पीआरएएन के बिना) जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को प्रेषित	319,204.00	277,798.00
(क) परियोजनाएं	-	-	पिछले वर्ष की वसूली	-	-
(ख) बयाना राशि जमा	-	75,000.00	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		-

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	भुगतान	2020-21	2019-20
(ग) कर्मचारी से वसूली (आय कर)	-	-	सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान	-	-
i) कर्मचारियों से वसूलियां	1,012,372.00	918,962.00	कंप्यूटर अग्रिम	-	-
ii) बाह्य वसूलियां	26,531,765.00	25,386,021.00	त्यौहार अग्रिम	-	-
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	12,792,804.00	12,613,758.00	वसूली / कटौतियां (इंजी. कार्य)	-	-
iv) एन.पी.एस. से वसूली	5,513,342.00	5,152,376.00	वसूली / कटौतिया (इजी. कार्य के अलावा)	3,420,554.00	3,082,277.00
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)	319,204.00	277,798.00	ऋण का पुनः भुगतान (यू.एन.डी.सी.पी.)	-	-
vi) इजीनियरिंग कार्यो से वसूली	-	-	**8. अंतशेष**		
9. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली	-	-	(क) नकद राशि	-	-
कार अग्रिम वसूली	-	-	(ख) बैंक शेष	-	-
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	-	-	(i) चालू खाते में	36,250,382.00	20,473,772.00
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	-	-	(ii) जमा खाते में	-	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	-	(iii) बचत खाते में	61,248.50	-
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	-	-			
वसूली / कटौतिया (इजी. कार्य के अलावा)	3,420,554.00	3,082,277.00			
कुल	**455,460,964.00**	**407,120,723.00**	**कुल**	**455,460,964.00**	**407,120,723.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियों) से आय	**12**	73,125.00	675,275.00
अनुदान / सब्सिडी	**13**	319,989,297.00	266,081,088.00
फीस / अभिदान	**14**	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश पर आय)	**15**	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	-	-
अर्जित ब्याज	**17**	32.00	-
अन्य आय	**18**	220.00	3,590,013.00
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**		
कुल (क)		**320,062,674.00**	**270,346,376.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	156,512,311.00	154,572,718.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	163,194,295.50	161,262,903.00
सामग्री और आपूर्ति	**21B**	-	-
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**	-	-
अवक्षय (अनुसूची 8 के संगत - समाप्त वर्ष पर सकल कुल)			
कुल (ख)		**319,706,606.50**	**315,835,621.00**
व्यय से अधिक आय का शेष होना (क-ख)		356,067.50	(45,489,245.00)
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)		**320,062,674.00**	**270,346,376.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
समग्र / पूंजीगत निधि और देयताएं	**1**	280,797,870.00	275,463,393.00
रिजर्व और अधिशेष	**2**	1,356,585.50	1,000,518.00
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	**3**	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	**7**	65,486,370.00	42,986,370.00
कुल		**347,640,825.50**	**319,450,281.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	308,604,415.00	295,017,813.00
निवेश - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से	**9**	-	-
निवेश - अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	39,036,410.50	24,432,468.00
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		**347,640,825.50**	**319,450,281.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2020-21**		**2019-20**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	275,463,393.00	-	266,672,470.00	-
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	5,334,477.00	-	10,474,468.00	-
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	-	280,797,870.00	1,683,545.00	275,463,393.00
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**280,797,870.00**		**275,463,393.00**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष:	**2020-21**		**2019-20**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिवर्स)	-		-	-
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	1,000,518.00		46,489,763.00	
वर्ष के दौरान समायोजित	356,067.50	1,356,585.50	(45,489,245.00)	1,000,518.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
कुल	-	**1,356,585.50**	**-**	**1,000,518.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि	**कुल**	
	2020-21	**2019-20**
क) निधि का अथशेष	-	-
ख) निधि में परिवर्धन:	-	-
i. दान / अनुदान	-	-
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-	-
iii. अन्य परिवर्धन (प्रकृति का उल्लेख करें)	-	-
iv. वर्ष के दौरान कम व्यय	-	-
कुल (क+ख)	**0**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय	-	-
i. पूंजीगत व्यय	-	-
-स्थायी परिसंपत्तियां	-	-
-अन्य	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-
-वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-
-किराया	-	-
-अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
कुल	-	-
कुल (ग)	-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)		**0**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधारः	**2020-21**		**2019-20**	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
ख) अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधारः	**2020-21**	**2019-20**
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक:	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2020-21**	**2019-20**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2020-21		2019-20	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1 . स्वीकृतियां	-	-	-	-
2 . विविध ऋणदाता:	-	-	-	-
i) वस्तुओं हेतु (भुगतान किए जाने वाला सीमा-शुल्क)	-	-	-	-
ii) अन्य (एम्स को भुगतान की जाने वाली बाह्य वसूलियां)	13,155.00	13,155.00	-	13,155.00
3. प्राप्त अग्रिम	-	-	-	-
4. अर्जित ब्याज परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
i) सुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
ii) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. अर्जित ब्याज परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
6 . सांविधिक देयताएं:	-	-	-	-
क) अतिदेय	-	-	-	-
ख) अन्य	-	-	-	-
7 . प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)	-	-	-	-
अथशेष	360,000.00	-	285,000.00	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-	75,000.00	-
वर्ष के दौरान वापसी	-	360,000.00	-	360,000.00
8. अन्य वर्तमान देयताएं	113,215.00	113,215.00	-	113,215.00
9 . यूएनडीसीपी खाते से ऋण (अथशेष)	5,000,000.00		-	-
वर्ष के दौरान यूएनडीसीपी खाते से ऋण	25,000,000.00	30,000,000.00	5,000,000.00	-
न्यून: यूएनडीसीपी खाते से ऋण वापसी	-		-	5,000,000.00
10 . एम्स (मुख्य) से ऋण (ओबी)	37,500,000.00		15,000,000.00	-
एम्स (मुख्य) से ऋण	35,000,000.00		37,500,000.00	-
एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	37,500,000.00	35,000,000.00	15,000,000.00	37,500,000.00
कुल (क)		**65,486,370.00**		**42,986,370.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. सेवा-निवृत्ति / पेंशन	-	-	-	-
4. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-	-	-
5. ट्रेड वारंटीज / दावे	-	-	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**65,486,370.00**		**42,986,370.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				विमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्य	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान परिवर्धन पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 20-21 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 19-20 के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्ति:**										
1. भूमि:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) इंजीनियरिंग से संबंधित पूंजीगत कार्य	125,072,829.00	4,089,195.00		129,162,024.00		-	-	-	129,162,024.00	125,072,829.00
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	81,997,576.00	1,849,827.00	-	83,847,403.00					83,847,403.00	81,997,576.00
4. वाहन	13,331,349.00	1,367,948.00	-	14,699,297.00					14,699,297.00	13,331,349.00
5. फर्नीचर, फिक्सचर	15,404,714.00	1,319,755.00	-	16,724,469.00					16,724,469.00	15,404,714.00
6. कार्यालय उपकरण	-	893,576.00	-	893,576.00					893,576.00	-
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल	-	485,747.00	-	485,747.00					485,747.00	-
8. विद्युत संस्थापन	-	-	-	-						
9. पुस्तकालय पुस्तकें	57,077,785.00	3,580,554.00		60,658,339.00					60,658,339.00	57,077,785.00
10. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	2,133,560.00	-		2,133,560.00					2,133,560.00	2,133,560.00
वर्तमान वर्ष का कुल	**295,017,813.00**	**13,586,602.00**	**-**	**308,604,415.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**308,604,415.00**	**295,017,813.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)	-	-
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक राशि (दान)	-	-
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (एनपीएस सावधि जमा)	-	-
7. दान का निवेश	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

				(राशि रुपयों में)	
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2020-21		2019-20	
क वर्तमान परिसंपत्ति:					
1. खरीद हेतु अग्रिम					
क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	255,000.00	-	255,000.00	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	79,508.00	-	120,000.00	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	79,508.00	255,000.00	120,000.00	255,000.00
ख) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम:	अथशेष	125,000.00	-	-	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	240,000.00	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	-	125,000.00	115,000.00	125,000.00
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम	अथशेष	3,137,988.00	-	15,823,882.00	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	20,000.00	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	1,233,916.00	1,904,072.00	12,705,894.00	3,137,988.00
3. विविध देनदार:					
क) ऋण		-	-	-	-
ख) अन्य (वाह्य वसूली)		-	-	-	-
ग) केंद्रों से विविध वसूली (इंजीनियरिंग कार्य)		-	-	-	-
4. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		-	-	-	-
5. बैंक शेष:					
क) अनुसूचित बैंकों में:					
चालू खाते में		-	36,250,382.00	-	20,473,772.00
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-	-	-	-
बचत खाते में		-	61,248.50	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंक में:					
चालू खाते में		-	-	-	-
जमा खाते में		-	-	-	-
बचत खाते में		-	-	-	-
6. सीमा शुल्क अग्रिम			400,000.00		400,000.00
7. बाह्य वसूली			40,708.00		40,708.00
कुल (क)			**39,036,410.50**		**24,432,468.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2020-21		2019-20	
ख **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
1. ऋण:				
क) स्टाफ	-	-	-	-
i) मोटर कार	-	-	-	-
ii) भवन निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
iii) कंप्यूटर अग्रिम	-	-	-	-
iv) त्यौहार अग्रिम	-	-	-	-
2. अग्रिम एवं नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त की जाने वाली अन्य वसूलनीय राशि:				
क) पूंजीगत खाते में	-	-	-	-
ख) पूर्व भुगतान	-	-	-	-
ग) अन्य	-	-	-	-
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट /अक्षय निधि से निवेश पर	-	-	-	-
ख) निवेश पर अन्य	-	-	-	-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	-	-
घ) अन्य	-	-	-	-
(अवसूली देय रु. ....की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:	-	-	-	-
कुल (ख)		-		-
कुल (क+ख)		**39,036,410.50**		**24,432,468.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि/ वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार वस्तुओं की बिक्री	-	-
2. कच्चे माल की बिक्री	-	-
3. रद्दी की बिक्री	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	73,125.00	675,275.00
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्ति	-	-
कुल	**73,125.00**	**675,275.00**

अनुसूची 13 - अनुदान / सब्सिडी	**2020-21**	**2019-20**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)		
1. केंद्र सरकार	319,989,297.00	266,081,088.00
2. राज्य सरकारें	-	-
3. सरकारी एजेंसियों	-	-
4. संस्थाएं / कल्याण निकायें (एस.ए.पी.)	-	-
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6. एम्स से अन्य (उल्लेख करें) ऋण	-	-
कुल	**319,989,297.00**	**266,081,088.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**2020-21**	**2019-20**
1. ट्यूशन और परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श फीस		
5. अन्य (उल्लेख करें) ईएचएस		
कुल	**0**	**0**
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जाएं		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि के निवेश पर आय)	**2020-21**	**2019-20**	**2020-21**	**2019-20**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र	-	-	-	-
2. लाभांश:				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3. किराया	-	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट / अक्षय निधि में स्थानांतरित				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2020-21**	**2019-20**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 अर्जित ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) संस्थानों में	-	-
घ) अन्य	-	-
2. बचत खाते पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों में	32.00	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य राशि पर ब्याज	-	-
कुल	**32**	**-**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2020-21	2019-20
1. विविध प्राप्ति	220.00	358,743.00
2. यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियाँ	-	3,231,270.00
3. अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	**220.00**	**3,590,013.00**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	2020-21	2019-20
क) समापन भंडार	-	-
-तैयार वस्तुएं	-	-
-चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: प्रारंभिक स्टॉक	-	-
-तैयार वस्तुएं	-	-
-चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	2020-21	2019-20
वेतन	150,619,136.00	144,572,490.00
यूएनडीसीएपी खाते से प्राप्त 5% प्रशासनिक लागत के तहत वेतन व्यय		2,072,718.00
एन.पी.एस. के लिए अंशदान	5,893,175.00	7,927,510.00
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	-	-
स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
कर्मचारीगण के "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ" पर व्यय	-	-
अन्य (एनपीएस एवं एलएसपीसी)	-	-
कुल	**156,512,311.00**	**154,572,718.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 - प्रशासनिक व्यय आदि	2020-21	2019-20
क) अस्पताल भंडार की खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	34,358,667.00	56,257,449.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	4,306,937.00	21,452,084.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	79,508.00	120,000.00
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन	52,748,615.00	32,913,376.00
ङ) विद्युत एवं ऊर्जा	6,467,490.00	-
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	39,897.00	95,751.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	356,646.00	-
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	12,128,432.00	-
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण	503,530.00	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	29,031.00	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,631,665.00	-
ड) यात्रा एवं परिवहन व्यय	-	115,000.00
ढ़) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत व्यय	2,286.00	46,314.00
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	45,003,669.00	37,476,165.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	-	80,870.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
द) वाहन का बीमा	233,900.00	-
ध) बैंक प्रभार (चालू और बचत खाता)	2,920.50	-
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष	-	-
फ) रोगी आहार	2,638,681.00	-
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
भ) किराए पर लिए गए वाहन	1,428,505.00	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
य) अन्य (उल्लेख करें) (अग्रिमों का समायोजन)	1,233,916.00	12,705,894.00
कुल	**163,194,295.50**	**161,262,903.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21(क) - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2020-21**	**2019-20**
क) अस्पताल भंडार की खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	34,358,667.00	56,257,449.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	4,306,937.00	21,452,084.00
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	-	-
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	52,748,615.00	32,913,376.00
ङ) विद्युत एवं ऊर्जा	6,467,490.00	-
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	39,897.00	95,751.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	356,646.00	-
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	12,128,432.00	-
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण	503,530.00	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	29,031.00	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,631,665.00	-
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	-
ढ़) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत व्यय	2,286.00	46,314.00
ण) डीटीसी योजना के तहत व्यय	45,003,669.00	37,476,165.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	-	80,870.00
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
द) वाहन का बीमा	233,900.00	-
ध) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	2,920.50	-
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष	-	-
फ) रोगी आहार	2,638,681.00	-
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
भ) किराए पर लिए गए वाहन	1,428,505.00	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
य) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिक शुल्क) (अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**161,880,871.50**	**148,322,009.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**2020-21**	**2019-20**
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई सब्सिडी	-	-
कुल	-	-
नोट - अनुदानों / सब्सिडी की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाएं।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	भुगतान	2020-21	2019-20
1. अथशेष			**1. व्यय**		
क) नकद राशि	-	-	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	4,514,597.00	2,364,869.00
ख) बैंक शेष	-	-	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	17,583,911.50	8,158,819.00
(i) चालू खाते में	209,508,502.00	60,122,247.00			
(ii) जमा खाते में	-	-	**2. अग्रिम भुगतान**		
(iii) बचत खाते में	-	-	i) सामग्री एवं आपूर्ति	-	-
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	-	-
			iii) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए	-	-
2. प्राप्त अनुदान			**3. निवेश एवं जमा किया गया**	-	-
क) विश्व स्वास्थ्य सगठन से	-	257,550.00	(क) उद्दिष्ट / अक्षय निधि में से	-	-
ख) वित्त मंत्रालय से	-	874,628.00	(ख) निजी निधि में से (निवेश-अन्य)	-	-
ग) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रलाय से	-	192,725,400.00			
			4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय		
			(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद (अनुसूची 8)	1,553,235.00	28,947,635.00
			(ख) पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				-	-
3. निवेश पर आय, द्वारा			**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**	-	
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि	-	-	(क) भारत सरकार को	-	-
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	-	-	(ख) राज्य सरकार को	-	-
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)		
4. प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाता को वापसी	-	-
(क) बैंक जमा पर	32.00	-	**6. वित्त शुल्क (ब्याज)**	-	-
(ख) ऋण, अग्रिम आदि	-	-			
	-	-	**7. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
5. अस्पताल सेवाओं से आय	-	-	बाह्य वसूलिया (जीपीएफ, एनपीएस,एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	-	-
अस्पताल प्राप्तियां	-	-	(क) परियोजनाएं	-	-
6. अन्य आय	-	-	(ख) धरोहर राशि जमा की वापसी	-	-
विविध प्राप्तियां	-	-	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान	-	-
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियां	-	-	i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	-	-

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2020-21	2019-20	भुगतान	2020-21	2019-20
	-	-	एम्स/ बाह्य, बकाया वसूली (अनुसूची 7)	-	-
7. उधार ली गई राशि	-	-	ii) बाह्य वसूलियां	-	-
एम्स (मुख्य) से ऋण	-	-	iii) जीपीएफ (अंशदान और अग्रिम जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को वापसी)	-	-
यूएनडीसीएपी खाते से ऋण	-	-	iv) एनपीएस से बैंक को वसूली	-	-
8. कोई अन्य प्राप्तियां	-	-	v) एनपीएस से वसूली (पीआरएएन के बिना) जीपीएफ अनुभाग से एम्स मुख्य को वापसी	-	-
क) परियोजनाएं	-	-	पिछले वर्ष की वसूली	-	-
(ख) धरोहर राशि जमा	-	-	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**		-
(ग) कर्मचारी से वसूली (आय कर)	-	-	सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान	-	-
i) कर्मचारी से वसूलियां	-	-	कंप्यूटर अग्रिम	-	-
ii) बाह्य वसूलियां	-	-	त्यौहार अग्रिम	-	-
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	-	-	वसूली / कटौतियां (इंजी.कार्य)	-	-
iv) एन.पी.एस. से वसूली	-	-	वसूली / कटौतियां (इंजी.कार्य के अलावा)	-	-
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)	-	-	एन.डी.डी.टी.सी. को ऋण (अनुसूची सं. 11)	25,000,000.00	5,000,000.00
vi) इजी.कार्यो से वसूली	-	-	**8. अंतशेष**	-	-
9. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति/ वसूली	-	-	(क) नकद राशि	-	-
कार अग्रिम वसूली	-	-	(ख) बैंक शेष	-	-
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	-	-	(i) चालू खाते में	160,848,440.00	209,508,502.00
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	-	-	(ii) जमा खाते में	-	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	-	(iii) बचत खाते में	8,350.50	-
वसूली/कटौती (इंजी.कार्य)	-	-		-	-
वसूली/कटौतियां (इंजी.कार्य के अलावा)	-	-		-	-
कुल	**209,508,534.00**	**253,979,825.00**	**कुल**	**209,508,534.00**	**253,979,825.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियों) से आय	**12**	-	
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	-	193,857,578.00
फीस / अंशदान	**14**	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश पर आय)	**15**	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	-	-
अर्जित ब्याज	**17**	32.00	-
अन्य आय	**18**	-	
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**19**		
कुल (क)		**32.00**	**193,857,578.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	4,514,597.00	2,364,869.00
प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	17,583,911.50	8,158,819.00
सामग्री एवं आपूर्ति	**21B**	-	-
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	-	-
ब्याज	**23**	-	-
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत-समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**22,098,508.50**	**10,523,688.00**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		(22,098,476.50)	183,333,890.00
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक को उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष / (कमी)		**32.00**	**193,857,578.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी खाता

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रूपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	-	-
रिजर्व और अधिशेष	2	228,902,610.50	251,001,087.00
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	3		-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थागित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	-	-
कुल		**228,902,610.50**	**251,001,087.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	38,000,820.00	36,447,585.00
निवेश - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	190,901,790.50	214,553,502.00
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		**228,902,610.50**	**251,001,087.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी खाता

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 1 - समग्र / पूंजीगत निधि:	**2020-21**		**2019-20**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-	-	-
जमा: समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	-	-	-	-
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**-**		**-**

अनुसूची 2 - रिजर्व एवं अधिशेष	**2020-21**		**2019-20**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिवर्स)	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	251,001,087.00		67,667,197.00	
वर्ष के दौरान समायोजित	(22,098,476.50)	228,902,610.50	183,333,890.00	251,001,087.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
कुल	-	**228,902,610.50**	**-**	**251,001,087.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी खाता

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट/ अक्षय निधि	**कुल**	
	2020-21	**2019-20**
क) निधियों का अथशेष	-	-
ख) निधि में जमा:	-	-
i. दान / अनुदान	-	-
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय	-	-
iii. अन्य जमा (प्रकार का उल्लेख करें)	-	-
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय	-	-
कुल (क+ख)	**0**	**0**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय	-	-
i. पूंजीगत व्यय	-	-
-स्थायी परिसंपत्तियां	-	-
-अन्य	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-
-वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-
-किराया	-	-
-अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
कुल	-	-
कुल (ग)	-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)		**0**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी खाता

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2020-21**		**2019-20**	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
ख) अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी खाता

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2020-21**	**2019-20**
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक:	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2020-21**	**2019-20**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि		

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 7- वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2020-21		2019-20	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां	-	-	-	-
2. विविध ऋणदाता:	-	-	-	-
i) वस्तुओं हेतु (भुगतान किया गया सीमा शुल्क)	-	-	-	-
ii) अन्य एम्स को भुगतान की जाने वाली बाह्य वसूलियां (ओ.बी.)				
3. प्राप्त अग्रिम	-	-	-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
i) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
ii) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
5. ब्याज प्रोद्भूत परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
क) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-	-	-
6. सांविधिक देयताएं	-	-	-	-
क) अतिदेय	-	-	-	-
क) अन्य	-	-	-	-
7. प्रतिभूति जमा (ई.एम.डी.)	-	-	-	-
अथशेष	-	-	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वापसी	-	-	-	-
8. अन्य वर्तमान देयताएं	-	-	-	-
9. यूएनडीसीपी/ओ.बी. खाते से ऋण	-	-	-	-
यूएनडीसीपी खाते से ऋण	-	-	-	-
न्यून: यूएनडीसीपी खाते से ऋण वापसी	-	-	-	-
10. एम्स (मुख्य) से ऋण (ओबी)	-	-	-	-
एम्स (मुख्य) से ऋण	-	-	-	-
एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	-	-	-	-
कुल (क)		**-**		**-**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-	-	-
6. संचित अवकाश नकदी	-	-	-	-
6. ट्रेड वारंटीज / दावे	-	-	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल (ख)	-	-	-	-
कुल (क+ख)		**-**		**-**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 8 - स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत/मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 2021 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 19-20 के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्ति:**										
1. भूमि:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) इंजीनियरिंग से संबंधित पूंजीगत कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	36,447,585.00	1,553,235.00	-	38,000,820.00	-	-	-	-	38,000,820.00	36,447,585.00
4. वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. फर्नीचर, फिक्सचर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. कार्यालय उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7. कंप्यूटर/परीफेरल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8. विद्युत संस्थापन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. पुस्तकालय पुस्तकें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**36,447,585.00**	**1,553,235.00**	**-**	**38,000,820.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**38,000,820.00**	**36,447,585.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)	-	-
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक राशि (दान)	-	-
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश-अन्य	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. एनडीडीटीसी हेतु ऋण	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (एनपीएस सावधि जमा)	-	-
7. दान का निनेश	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार तुलन के भाग के रूप में अनुसूची

					(राशि रूपयों में)	
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण अग्रिम आदि			2020-21		2019-20	
क. वर्तमान परिसंपत्ति:						
1. खरीद हेतु						
	क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	45,000.00	-	45,000.00	-
		वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
		वर्ष के दौरान समायोजित	-	-	-	-
			45,000.00	45,000.00	45,000.00	45,000.00
	ख) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम:	अथशेष				
		वर्ष के दौरान जमा	-	-		-
		वर्ष के दौरान समायोजित	-	-		-
2. एनडीडीटीसी हेतु ऋण		अथशेष	5,000,000.00	-	5,000,000.00	-
		वर्ष के दौरान जमा	25,000,000.00	-	-	-
		वर्ष के दौरान समायोजित	-	-	-	-
			30,000,000.00	30,000,000.00	5,000,000.00	5,000,000.00
3. विविध देनदार:						
	क) बकाया ऋण		-	-	-	-
	ख) अन्य (बाह्रा वसूलियां)		-	-	-	-
	ग) केंद्र से विविध वसूलियां (इंजी. कार्य)		-	-	-	-
4. नकद राशि शेष (चैक/ड्राफ्ट एवं **अग्रदाय** सहित)			-	-	-	-
5. बैंक शेष:						
	क) अनुसूचित बैंकों में:					
	चालू खाते में		-	160,848,440.00	-	209,508,502.00
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-	-	-	-
	बचत खाते में		-	8,350.50	-	-
	ख) गैर-अनुसूचित बैंक में:					
	चालू खाते में		-	-	-	-
	जमा खाते में		-	-	-	-
	बचत खाते में		-	-	-	-
6. सीमा शुल्क अग्रिम			-	-	-	-
7. बाह्य वसूली			-	-	-	-
कुल (क)				**190,901,790.50**		**214,553,502.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2020-21		2019-20	
B **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**				
1. ऋण:				
क) स्टाफ	-	-	-	-
i) मोटर कार	-	-	-	-
ii) भवन निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
iii) कंप्यूटर अग्रिम	-	-	-	-
iv) त्यौहार अग्रिम	-	-	-	-
2. अग्रिम एवं नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त की जाने वाली अन्य वसूलनीय राशि:				
क) पूंजीगत खाते में	-	-	-	-
ख) पूर्व भुगतान	-	-	-	-
ग) अन्य	-	-	-	-
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश पर	-	-	-	-
ख) निवेश पर - अन्य	-	-	-	-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	-	-
घ) अन्य	-	-	-	-
(अवसूली देय रू. --------की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे:	-	-	-	-
कुल (ख)		**0**		**0**
कुल (क +ख)		**190,901,790.50**		**214,553,502.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार सामग्री की बिक्री	-	-
2. कच्ची सामग्री की बिक्री	-	-
3. रद्दी की बिक्री	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	-	-
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ड.) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्ति	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 13 - अनुदान / आर्थिक सहायता	**2020-21**	**2019-20**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. डब्ल्यूएचओ से	-	257,550.00
2. वित्त मंत्रालय से	-	874,628.00
3. एमओएसजेई से	-	192,725,400.00
कुल	**-**	**193,857,578.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 14 - फीस / अभिदान	**2020-21**	**2019-20**
1. ट्यूशन और परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार/प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श फीस		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ईएचएस		
कुल	0	0
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जाएं		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट/ अक्षय निधि के निवेश पर आय)	**2020-21**	**2019-20**	**2020-21**	**2019-20**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
क) अन्य बॉन्ड्स / ऋणपत्र	-	-	-	-
2. लाभांश:				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
क) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3. किराया	-	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट/ अक्षय निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2020-21**	**2019-20**
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
1. सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) संस्थानों में	-	-
घ) अन्य	-	-
2. बचत खाते पर	-	-
क) अनुसूचित बैंकों में	32.00	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य राशि पर ब्याज	-	-
कुल	**32**	**0**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	**2020-21**	**2019-20**
1. विविध प्राप्ति	-	-
2. यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियां	-	-
3. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूचित 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि / (कमी) एवं चालू कार्य	**2020-21**	**2019-20**
क) समापन भंडार	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	**2020-21**	**2019-20**
वेतन	4,514,597.00	2,364,869.00
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत के तहत वेतन व्यय		
एन.पी.एस. के लिए अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	-	-
स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
कर्मचारीगण के "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ" पर व्यय	-	-
अन्य (एनपीएस एवं एलएसपीसी)	-	-
कुल	**4,514,597.00**	**2,364,869.00**

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21 - प्रशासनिक व्यय आदि	**2020-21**	**2019-20**
क) अस्पताल भंडार से खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	-	3,961,901.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	-	-
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	-	-
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	-	-
ङ) विद्युत एवं ऊर्जा	-	-
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	-	-
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	-	-
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण	-	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	-	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	207,999.00
ढ़) विभिन्न केंद्रों हेतु निधियों का अंतरण	17,534,000.00	752,000.00
ण) एनडीडीटीसी हेतु 5% अनुदान अंतरित	-	3,231,270.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	-	-
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
द) विविध व्यय	47,581.00	5,000.00
ध) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	2,330.50	649.00
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष	-	-
फ) रोगी आहार	-	-
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
भ) वाहन भाड़ा	-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
य) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिक प्रभार) (अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**17,583,911.50**	**8,158,819.00**

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों एवं भुगतान के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21क - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2020-21**	**2019-20**
क) अस्पताल भंडार से खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	-	3,961,901.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	-	-
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	-	-
घ) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	-	-
ङ) विद्युत एवं ऊर्जा	-	-
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	-	-
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	-	-
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण	-	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	-	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	207,999.00
ढ़) विभिन्न केंद्रों हेतु निधियों का अंतरण	17,534,000.00	752,000.00
ण) एनडीडीटीसी हेतु 5% अनुदान अंतरित	-	3,231,270.00
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	-	-
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
द) विविध व्यय	47,581.00	5,000.00
ध) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	2,330.50	649.00
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष	-	-
फ) रोगी आहार	-	-
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
भ) वाहन भाड़ा	-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
य) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिक प्रभार) (अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**17,583,911.50**	**8,158,819.00**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूचित 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	**2020-21**	**2019-20**
अस्पताल भंडार	-	-
कुल	**-**	**-**

लेखा अधिकारी

यूएनडीसीपी लेखा

31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2020-21**	**2019-20**
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	0	0
नोट - अनुदानों/ आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाए।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	0	0

लेखा अधिकारी,

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि-रूपयों में)

संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	-	-
रिजर्व और अधिशेष	2	13,737,591.96	-
उद्दिष्ट/विन्यास निधि	3	1,606,574,886.85	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	56,524,440.26	-
कुल		**1,676,836,919.07**	**-**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	-	-
उद्दिष्ट/विन्यास निधि से निवेश	9	-	-
निवेश-अन्य	10	-	-
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	1,676,836,919.07	-
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		**1,676,836,919.07**	**-**
लेखा की लेखा नीतियों एवं टिप्पणियों के रूप में भाग	24		

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31.03.2021 के समाप्ति वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि रूपयों में)

आय	अनुसूची	2020-21	2019-20
विक्रय/सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान/आर्थिक सहायता	13	1,303,515,975.88	-
शुल्क /अभिदान	14	-	-
निवेश से आय (निधि से अंतरित उद्दिष्ट/स्थायी निधि से निवेश पर आय)	15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	30,568,996.00	-
अन्य आय	18	-	-
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि/(कमी)	19	-	-
कुल (क)		**1,334,084,971.88**	**-**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	576,844,580.00	-
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	290,228,671.08	-
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	453,274,128.84	-
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष- अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप शुद्ध जोड़)			
कुल (ख)		**1,320,347,379.92**	**-**
व्यय पर आय की अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		**13,737,591.96**	**-**
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व हेतु/ से अंतरण			
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष/ (कमी) का होने वाला शेष		**13,737,591.96**	**-**
कुल		**1,334,084,971.88**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 1-संग्रह/ पूंजी निधि:	2020-21		2019-20	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-	-	-	-
जमा: संग्रह /पूंजी निधि के लिए अंशदान	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान निराकरण	-	-	-	-
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष	-	-	-	-

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:	2020-21		2019-20	
1. पूंजी रिजर्व:				
गत लेखा के अनुसार	-	-	-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	-	-	-	-
गत लेखा के अनुसार	-	-	-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व	-	-	-	-
गत लेखा के अनुसार	-	-	-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व	-	-	-	-
गत लेखा के अनुसार	-	-	-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा	-	13,737,591.96	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
कुल	-	**13,737,591.96**	-	-

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 3- उद्दिष्ट /विन्यास निधि	**2020-21**	**2019-20**
क) निधियों का अथशेष	1,520,466,404.54	-
ख) निधियों में जमा:	137,243,616.31	-
i. न्यून: वित्त एजेंसियों को वापस की गई राशि	51,135,134.00	-
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	-	-
iii. सीएसआर अस्पताल बिलिंग एम्स	-	-
iv. अन्य जमा (विशेष प्रकार) सीएसआर	-	-
कुल (क+ख)	**1,606,574,886.85**	**-**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग /व्यय		
i. <u>पूंजी व्यय</u>		
- स्थायी परिसंपत्ति	-	-
- अन्य	-	-
ii. <u>राजस्व व्यय</u>		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-
- किराया	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
कुल	-	-
वर्ष समाप्ति (क+ख+ग) के अनुसार शुद्ध शेष	**-**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 4- सुरक्षित ऋण एवं उधार	**2020-21**		**2019-20**	
1. केन्द्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-	-	-
क) मियादी ऋण	-	-	-	-
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) मियादी ऋण	-	-	-	-
- प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)				
- प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अन्य (उल्लिखित करें)	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 5- असुरक्षित ऋण एवं उधार	2020-21	2019-20
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं	-	-
4. बैंक:	-	-
क) मियादी ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)	-	-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (उल्लिखित करें)	-	-
कुल	**-**	**-**

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय राशि

अनुसूची 6- आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	2020-21	2019-20
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखने द्वारा अर्जित स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	**-**	**-**

<u>टिप्पणी</u>: एक वर्ष के भीतर देय राशि

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 7- वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2020-21		2019-20	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां	-	-	-	-
2. विविध ऋणदाता:	-	-	-	-
i) वस्तुओं हेतु	-	-	-	-
ii) अन्य	-	55,455,516.26	-	-
3. प्राप्त अग्रिम	-	-	-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत किंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
क) सुरक्षित ऋण /उधार	-	-	-	-
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय	-	-	-	-
ख) अन्य	-	-	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	-	1,068,924.00	-	-
कुल (क)	**-**	**56,524,440.26**	**-**	**-**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. अधिवर्षिता/पेंशन	-	-	-	-
6. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-	-	-
6. व्यवसाय वारंटी /दावे	-	-	-	-
6. अन्य (उल्लिखित करें)	-	-	-	-
कुल (ख)	-	-	-	-
कुल (क+ख)	-	**56,524,440.26**	**-**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची - 8 (स्थायी परिसंपत्ति)	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
स्थायी परिसंपत्ति विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/मूल्यांकन	समीक्ष्य वर्ष के दौरान वृद्धि	समीक्ष्य वर्ष में कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि पर	समीक्ष्य वर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	2020-21	2019-20
क **स्थायी परिसंपत्ति**										
1 **भूमि:**										
क) पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर										
2 **भवन:**										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर										
ख) पट्टा भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर										
3 **मशीनरी संयंत्र एवं उपकरण**										
4 **वाहन**										
5 फर्नीचर और उपस्कर										
6 कार्यालय उपकरण										
7 **कंप्यूटर/पेरीफेरल्स**										
8 **पुस्तकालय की पुस्तकें**										
वर्तमान वर्ष का कुल										

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि-रूपयों में)

अनुसूची 9-उद्दिष्ट/विन्यास निधि से निवेश	**2020-21**	**2019-20**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य सावधि जमा (विन्यास निधि)	-	-
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक धन (दान)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 10- निवेश - अन्य		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (एन.पी.एस. सावधि जमा)	-	-
7. दान का निवेश	-	-
कुल	-	-

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची II- वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि		2020-21	2019-20
क	वर्तमान परिसंपत्ति		
	1. वस्तुसूचियां:		
	क) भण्डार एवं स्पेयर्स	-	-
	ख) खुले औजार	-	-
	ग) भण्डार माल	-	-
	समाप्त सामग्री	-	-
	कार्य प्रगति पर	-	-
	कच्चा माल	-	-
	2. विविध देनदार:		-
	क) उधार बकाया	-	-
	ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)	-	-
	ग) केन्द्र से वसूलनीय विविध वसूलियां	-	-
	3. नकद रोकड़ शेष (चैक/ड्रॉफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	-	-
			-
	4. बैंक शेष:		-
	क) अनुसूचित बैंक के पास:		-
	चालू खाते में	-	-
	जमा खाते में (एफडी)	433,763,239.00	-
	बचत खाते में	1,236,548,441.07	-
	ख) गैर अनुसूचित बैंक के पास:	-	-
	एफडीआर में	-	-
	एफडीआर अनुसंधान अनुभाग में	-	-
	बचत खाते में	-	-
		-	-
	5. डाकघर- बचत खाता	-	-
	कुल (क)	**1,670,311,680.07**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 11- वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2020-21	2019-20
ख **ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति**		
1. ऋण:		
क) कर्मचारीगण		
ख) अन्य इकाइयां जो इकाई के लिए समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न हैं।		
ग) अन्य (लोहे एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)		
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा प्राप्त की जाने वाली राशि हेतु प्रकार:		
क) मूलधन खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अन्य (अग्रिम भुगतान)	587,825.00	
3. आय प्रोद्भूत:		
क) उद्दिष्ट /विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश पर -अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(आय देय अवास्तविक - ?		
4. अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	5,937,414.00	
कुल (ख)	6,525,239.00	
कुल (क+ख)	1,676,836,919.07	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 12- विक्रय/सेवाओं से आय	2020-21	2019-20
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां		
ख) व्यवसायिक /परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)		
ड) अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल		

अनुसूची 13- अनुदान/आर्थिक सहायता	2020-21	2019-20
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां	1,303,515,975.88	
4.संस्थान/कल्याण निकाय		
5.अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6.अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल से पीएमजेएवाई अंतरण		
कुल	**1,303,515,975.88**	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क/अभिदान	2020-21	2019-20
1. शिक्षण शुल्क 2. लाइसेंस शुल्क 3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 4. परीक्षा रसीद 5. अन्य (विशेष) ई.एच.एस		
कुल		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश-अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट/विन्यास निधियों से निवेश में आय)	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
1. ब्याज क) सरकारी प्रतिभूतियों पर क) अन्य बॉन्ड्स/ ऋणपत्र 2. लाभांश: क) शेयरों पर ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर 3. किराया 4. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल	0	0	-	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2020-21**	**2019-20**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
1. अवधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य	7,249,123.00	
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य	23,319,873.00	
3. ऋणों पर:		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**30,568,996.00**	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 18- अन्य आय	2020-21	2019-20
1. विविध प्राप्ति		
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. परीक्षा अनुभाग प्राप्ति		
4. सामान्य दान		
5. अनुसंधान अन्य आय		
कुल		

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री एवं जारी कार्य के भण्डार में वृद्धि/(कमी)	2020-21	2019-20
क) समापन स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- कार्य प्रगति पर		
ख) न्यून: प्रारंभिक स्टॉक		
- तैयार सामग्री		
- कार्य प्रगति पर		
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क+ख)		-

अनुसूची 20- स्थापना व्यय	2020-21	2019-20
वेतन एवं मजदूरी	567,522,901.00	
यात्रा भत्ते	9,321,679.00	
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम प्रकोष्ठ)		
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)		
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		
अन्य (एन.पी.एस.)		
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान		
कुल	576,844,580.00	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2020-21**	**2019-20**
क) अस्पताल भण्डार की खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय/अतिरिक्त	30,804,561.00	
ग) भाड़ा एवं ढुलाई आगत		
घ) विद्युत एवं बिजली		
ड) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (ए.एम.सी./सी.ए.एम.सी.)		
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) संगोष्ठी: कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अंशदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यावसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) छात्रावास		
भ) बैंक प्रभार		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित करें) (आकस्मिक प्रभार)	259,424,110.08	
कुल	**290,228,671.08**	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	**2020-21**	**2019-20**
अस्पताल भण्डार	408,479,842.26	
मशीनरी एवं उपकरण	44,794,286.58	
कुल	**453,274,128.84**	

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31.03.2021 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 22 - अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**2020-21**	**2019-20**
क). संस्थाओं /संगठनों को दिए गए अनुदान ख). संस्थाओं/ संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	-	0
टिप्पणी - अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	**2020-21**	**2019-20**
क) सावधि ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लिखित करें) अनुसंधान अनुभाग के लिए अंतरित अक्षयनिधि ब्याज	-	0
कुल	-	0

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

दिनांक 31 **मार्च** 2021 **के अनुसार लेखा हेतु अनुसूची**

अनुसूची 24 - **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) दान का वसूली आधार पर लेखांकन किया जाता है।

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों हेतु लेखांकन" के प्रावधानों के अनुसार तैयार किया जाता है।

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में एएस 12 के अंतर्गत परिभाषित आय/राजस्व पद्धति का अनुपालन किया गया है।

(iv) परियोजना के लिए क्रय किए गए उपकरणों को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अनुसंधान दान

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार तुलन-पत्र

विवरण	**नोट संख्या**	**31 मार्च-2021 (रूपए)**
पूंजी एवं देयताएं		
समग्र निधि	2	11,463,298
रिजर्व एवं अधिशेष	3	40,206
		11,503,504
वर्तमान देयताएं		
ड्यूटी एवं कर		-
विविध लेनदार		-
अन्य वर्तमान देयताएं		-
		-
कुल		11,503,504
परिसम्पत्तियां		
गैर-वर्तमान परिसम्पत्तियां		
अचल परिसम्पत्तियां		-
सावधि जमा		10,000,000
		10,000,000
वर्तमान परिसम्पत्तियां		
रोकड़ एवं बैंक शेष	4	1,503,504
		1,503,504
कुल		11,503,504

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1

उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अनुसंधान दान

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का विवरण

	विवरण	**31-मार्च-2021** (रूपए)
I	**आय**	
	ब्याज आय	40,206
	कुल	40,206
II	**व्यय**	-
	कुल	-
III	**व्यय पर आय का अधिशेष/अधिकता** (I-II)	40,206

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अनुसंधान दान

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि हेतु

देनदार *लेनदार*

प्राप्तियां	**राशि (रूपए)**	**भुगतान**	**राशि (रूपए)**
अधोनीत शेष	1,463,298		
ब्याज आय	40,206	अधोनीत जमा शेष द्वारा	1,503,504
	1,503,504		1,503,504

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अनुसंधान दान

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा विवरण

	विवरण		31-मार्च-2021 (रूपए)
2	**समग्र निधि**		
	अथशेष		11,463,298
	जमा: वर्ष के दौरान परिवर्धन		-
		कुल	11,463,298
3	**आरक्षित एवं अधिशेष**		
	अथशेष		-
	जोड़: वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा		40,206
		कुल	40,206
4	**रोकड़ एवं बैंक शेष**		
	नकद राशि		-
	भारतीय स्टेट बैंक		1,503,504
		कुल	1,503,504

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष** **संकायाध्यक्ष**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

अंसारी नगर, नई दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार लेखा हेतु विवरण

लेखा हेतु टिप्पणियां

(i) दान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लिए लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व प्रस्ताव पद्धति का पालन किया गया है।

(iv) परियोजना हेतु उपकरण के क्रय को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी	**लेखा अधिकारी**	**सह-संकायाध्यक्ष**	**संकायाध्यक्ष**

एम्स-डाइटी निधि लेखा
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार तुलन-पत्र

विवरण	**नोट संख्या**	**31-मार्च-2021** (रूपए)
पूंजी एवं देयताएं		
समग्र निधि (उद्दिष्ट निधियां)	2	47,485
आरक्षित एवं अधिशेष	3	1,305
		48,790
वर्तमान देयताएं		
ड्यूटी एवं कर		-
विविध लेनदार		-
अन्य वर्तमान देयताएं		-
		-
कुल		48,790
परिसम्पत्तियां		
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां		
अचल परिसंपत्तियां		-
		-
वर्तमान परिसंपत्तियां		
रोकड़ एवं बैंक शेष	4	48,790
		48,790
कुल		48,790

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

एम्स- डाइटी निधि लेखा
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का विवरण

	विवरण	31-मार्च-2021 (रूपए)
I	**आय**	
	अनुदान	-
	ब्याज आय	1,305
	कुल	1,305
II	**व्यय**	-
	कुल	-
III	**व्यय पर आय का अधिशेष/अधिकता (I-II)**	1,305

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

एम्स- डाइटी निधि लेखा

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि हेतु

देनदार *लेनदार*

प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा	राशि (रूपए)	**भुगतान**	राशि (रूपए)
अधोनीत शेष	47,485		
ब्याज आय	1,305	अधोनीत जमा शेष द्वारा	48,790
	48,790		48,790

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

एम्स- डाइटी निधि लेखा
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा विवरण

	विवरण	31-मार्च-2021 (रूपए)
2	**समग्र निधि (उद्दिष्ट निधियां)**	
	अथशेष	3,229,170
	जमा: असमायोजित शेष	(3,181,685)
	कुल	47,485
3	**आरक्षित एवं अधिशेष**	
	अथशेष	-
	जमा: इस वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा	1,305
	कुल	1,305
4	**रोकड़ एवं बैंक शेष**	
	नकद राशि	-
	भारतीय स्टेट बैंक	48,790
	कुल	48,790

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

एम्स- डाइटी निधि लेखा
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 तक लेखा हेतु विवरण

1 **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) दान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व प्रस्ताव पद्धति का पालन किया गया है।

(iv) परियोजना हेतू उपकरणों के क्रय को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	31-मार्च-2021 (रूपए)
पूंजी एवं देयताएं		
समग्र निधियां	2	89,844,372
आरक्षित एवं अधिशेष	3	(730,443)
		89,113,929
वर्तमान देयताएं		
ड्यूटी एवं कर		-
विविध लेनदार		-
अन्य वर्तमान देयताएं		-
		-
कुल		89,113,929
परिसंपत्तियां		
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां		
अचल परिसंपत्तियां		-
निवेश	4	75,000,000
		75,000,000
वर्तमान परिसंपत्तियां		
रोकड़ एवं बैंक शेष	5	14,113,929
		14,113,929
कुल		89,113,929

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का विवरण

	विवरण	**31-मार्च-2021** (रूपए)
I	**आय**	
	अनुदान	-
	ब्याज आय	2,312,669
	कुल	2,312,669
II	**व्यय**	
	अक्षयनिधि से व्यय	3,043,112
	कुल	3,043,112
III	**व्यय पर आय का अधिशेष /अधिकता (I-II)**	(730,443)

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अक्षय निधि

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि हेतु

देनदार *लेनदार*

प्राप्तियां	**राशि (रूपए)**	**भुगतान**	**राशि (रूपए)**
अधोनीत शेष	9,717,136	अक्षयनिधि से व्यय द्वारा	495,876
दान प्राप्ति	17,500,000	मियादी जमा द्वारा	15,000,000
वापस किए गए चैक (पुराने चैक)	80,000		
बैंक ब्याज	2,312,669	अधोनीत जमा शेष द्वारा	14,113,929
	29,609,805		29,609,805

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अक्षय निधि

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु लेखों का विवरण

	विवरण	31-मार्च-2021 (रूपए)
2	**समग्र निधि**	
	अथशेष (सामान्य)	72,344,372
	जमा: इस वर्ष के दौरान परिवर्धन	17,500,000
	कुल	89,844,372
3	**आरक्षित एवं अधिशेष**	
	अथ शेष	-
	जमा: इस वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा	(730,443)
	कुल	(730,443)
4	**निवेश**	
	मियादी जमा (यूनियन बैंक)	15,000,000
	मियादी जमा (मीरा सेठ)	25,000,000
	मियादी जमा (अन्य)	35,000,000
	कुल	75,000,000
5	**रोकड़ एवं बैंक शेष**	
	नकद राशि	-
	भारतीय स्टेट बैंक	14,113,929
	कुल	14,113,929

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अक्षय निधि

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार लेखों हेतु विवरण

1 - **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) दान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व प्रस्ताव पद्धति का पालन किया गया है।

(iv) परियोजना हेतु उपकरणों के क्रय को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

एम्स-जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के अनुसार तुलन-पत्र

विवरण	नोट संख्या	31-मार्च-2021 (रूपए)
पूंजी एवं देयताएं		
समग्र निधि	2	8,748,961
आरक्षित एवं अधिशेष	3	(4,206,660)
		4,542,301
वर्तमान देयताएं		
ड्यूटी एवं कर		-
विविध लेनदार		306,941
अन्य वर्तमान देयताएं	4	585
		307,526
कुल		4,849,827
परिसंपत्तियां		
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां		
अचल परिसंपत्तियां	5	1,329,487
		1,329,487
वर्तमान परिसंपत्तियां		
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	6	62,212
रोकड़ एवं बैंक शेष	7	3,458,128
		3,520,340
कुल		4,849,827

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **प्रमुख (जराचिकित्सा)**

एम्स-जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा का विवरण

	विवरण	31-मार्च-2021 (रूपए)
I	**आय**	
	अनुदान	-
	ब्याज आय	154,822
	कुल	154,822
II	**व्यय**	
	वेतन	3,488,313
	आपूर्ति एवं सामग्री	873,169
	कुल	4,361,482
III	**व्यय पर आय का अधिशेष/अधिकता (I-II)**	(4,206,660)

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **प्रमुख (जराचिकित्सा)**

एम्स-जराचिकित्सा विभाग

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि हेतु

देनदार *लेनदार*

प्राप्तियां	राशि (रूपए)	भुगतान	राषि (रूपए)
अधोनीत शेष	7,419,474	वेतन द्वारा	3,549,940
ब्याज आय	154,822	आपूर्ति एवं सामग्री द्वारा	566,228
		अधोनीत जमा शेष द्वारा	3,458,128
	7,574,296		7,574,296

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **प्रमुख (जराचिकित्सा)**

एम्स-जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष हेतु लेखों का विवरण

	विवरण	**31-मार्च-2021** **(रूपए)**
2	**उद्दिष्ट निधियां**	
	अथ शेष	8,748,961
	जमा: इस वर्ष के दौरान परिवर्धन	-
	कुल	8,748,961
3	**आरक्षित एवं अधिशेष**	
	अथ शेष	-
	जमा: इस वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा	(4,206,660)
	कुल	(4,206,660)
4	**अन्य वर्तमान देयताएं**	
	एसवाईएस पीओटी निधि देय	585
	कुल	585
5	**अचल परिसंपत्तियां**	
	कंप्यूटर	190,780
	फर्नीचर	817,833
	मशीनरी एवं उपस्कर	194,513
	मीडिया प्रोजेक्टर	105,361
	प्रिंटर	21,000
	कुल	1,329,487
6	**अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां**	
	ईएचएस देय	1,100
	आरडीए देय	680
	वेतन देय	60,432
	कुल	62,212
7	**रोकड़ एवं बैंक शेष**	
	नकद राशि	-
	भारतीय स्टेट बैंक	3,458,128
	कुल	3,458,128

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **प्रमुख (जराचिकित्सा)**

एम्स-जराचिकित्सा विभाग

अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2021 के आधार पर लेखों का विवरण

1. **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) दान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व प्रस्ताव पद्धति का पालन किया गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **प्रमुख** (जराचिकित्सा)

13.2. लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 की धारा 18 (2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के अंतर्गत 31 मार्च 2021 के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र तथा उसी तिथि को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा की लेखा-परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय प्रकट करना है।
2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण पद्धतियों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण, समानुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।
3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह उचित आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त है। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा, हमारी राय के संबंध में तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।
4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि:
   i. जहां तक मेरी जानकारी और विश्वास है, उसके अनुसार हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे;
   ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित लेखों को एक समान प्रारूप में तैयार किया गया है।
   iii. हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य सम्बद्ध रिकॉर्डो का उचित अनुरक्षण किया गया है।
   iv. हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. आय एवं व्यय लेखा

क.1 वर्ष 2020-21 के दौरान, एम्स ने ₹2,697.86 करोड़ (वेतन - ₹1762.00 करोड़ तथा सामान्य - ₹935.86 करोड़) का सहायता अनुदान प्राप्त किया था, तथापि आय एवं व्यय लेखा में ₹2690.13 करोड़ सहायता अनुदान लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप आय के साथ-साथ रिजर्व एवं अधिशेष में ₹7.73 करोड़ की न्यूनोक्ति हो गई।

ख. सामान्य

ख.1 वर्ष 2020-21 के दौरान, एम्स ने राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, संयुक्त राष्ट्र औषध नियंत्रण कार्यक्रम तथा अनुसंधान अनुभाग को छोड़कर एम्स, नई दिल्ली के सभी केंद्रों के समेकित अंतिम लेखा तैयार कर लिए हैं तथा स्थायी परिसंपत्तियों पर अवमूल्यन लगाना आरंभ कर दिया है। लेखा परीक्षा के दौरान, जांच में निम्नलिखित विसंगतियों का पता चला है:

क) एम्स ने समेकित (मुख्य) लेखा में जी.पी.एफ खातों को सम्मिलित किया था। आय एवं व्यय खाते में, ₹51.22 करोड़ की राशि को अनुसूची - 17 (अर्जित ब्याज) के अंतर्गत जी.पी.एफ. अंशधारकों के खाते में अर्जित ब्याज जमा करने के रूप में सम्मिलित किया गया है। तथापि, इसे आय एवं व्यय लेखा का भाग नहीं होना चाहिए था तथा इसी कारण इस आय में ₹51.22 करोड़ का अधिविवरण हो गया है।

ख) वर्ष 2020-21 के दौरान, एम्स ने स्थायी परिसंपत्तियों का अवमूल्यन आरंभ कर दिया है तथा वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त स्थायी परिसंपत्तियों पर ₹25.62 करोड़ की राशि का अवमूल्यन लगाया है। वर्ष 2020-21 से पहले प्राप्त स्थायी परिसंपत्तियों पर अवमूल्यन नहीं लगाया गया है।

तथापि, ₹25.62 करोड़ की राशि को आय एवं व्यय लेखों में दर्शाया गया है, इसे 'अवमूल्यन का न्यून समेकित प्रभाव' शीर्ष के अंतर्गत अनुसूची - 2 (रिजर्व एवं अधिशेष) में भी सम्मिलित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व एवं अधिशेष में ₹25.62 करोड़ की न्यूनोक्ति हो गई है।

ग) इसके अतिरिक्त, आय एवं व्यय लेखों के अनुसार, व्यय की तुलना में आय की अधिकता ₹55.96 करोड़ (जी.पी.एफ. पर ₹51.22 करोड़ के अर्जित ब्याज सहित) थी तथा इस राशि को वर्ष के दौरान अनुसूची - 2 (रिजर्व एवं अधिशेष) में परिवर्धन के रूप में दर्शाना पड़ा था। तथापि, वर्ष के दौरान ₹28.84 करोड़ की राशि को अनुसूची -2 (रिजर्व एवं अधिशेष) में परिवर्धन के रूप में दर्शाया गया है। जांच में पाया गया कि ₹28.84 करोड़ आय एवं व्यय खाते का एक संतुलक आंकड़ा था जोकि वर्ष के दौरान (क) जी.पी.एफ. ब्याज (₹51.22 करोड़) तथा (ख) जी.पी.एफ. लेखा की व्यय पर आय (₹1.52 करोड़) तथा अवमूल्यन के परिवर्धन (₹25.62 करोड़) को घटाने के पश्चात प्राप्त हुआ।

तथापि, आय एवं व्यय खाते में जी.पी.एफ. ब्याज को शामिल करने की गलती में सुधार करने हेतु, एम्स ने ₹28.84 करोड़ की शेष राशि को अनुसूची-2 (रिजर्व एवं अधिशेष) में डाल दिया है।

इस संबंध में, एम्स द्वारा उत्तर दिया गया कि जी.पी.एफ. ब्याज के ₹51.22 करोड़ को गलती से समेकित आय एवं व्यय खाते (व्यय भाग) में सम्मिलित नहीं किया गया। हालांकि, बाद में इसमें सुधार करते हुए इसे समेकित तुलन पत्र में शामिल कर लिया गया था।

एम्स का लेखाकंन कार्य सही नहीं हैं क्योंकि समेकित राशि में हुई गलती को तुलन पत्र में समायोजित करने के स्थान पर उचित स्थान पर संशोधित किया जा सकता है।

ख.2 अनुसूची-8-एम्स (मुख्य) की वार्षिक लेखा एवं एम्स के अन्य केंन्द्रों के 'स्थायी परिसंपत्ति' का प्रकट मूल्य 31 मार्च 2021 के अनुसार ₹6013.12 करोड़ था। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 के अंतर्गत प्रपत्र जी.एफ.आर.-22 में रखे जाने वाले अपेक्षित परिसंपत्ति रजिस्टर को एम्स द्वारा केवल 2020-21 के दौरान अधिगृहित परिसंपत्तियों हेतु ही बनाया गया है। संभी परिसंपत्तियों हेतु परिसंपत्ति रजिस्टर को तथा 2020-21 से पूर्व अधिगृहित परिसंपत्तियों के मूल्य को अद्यतन नहीं किया गया।

ख.3 अनुसूची-11ख (ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां) में 'आय प्राप्त-अन्य' शीर्ष के अंतर्गत ₹1868.70 करोड़ की राशि दर्शाई गई है। हालांकि, ये राशि उन विभिन्न अग्रिम पूंजी अथवा राजस्व के लिए है, जिसमें वस्तुओं / सेवाओं की आपूर्ति अभी लंबित है। अत: 'आय प्राप्त' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाई गई राशि की बुकिंग सही नहीं थी। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त दर्शाई गई कुल राशि में से ₹1790.04 करोड़ एम्स (मुख्य) से संबंधित है तथा अधिकतर अग्रिम पुराने हैं तथा वर्ष 2021-21 के दौरान बिना किसी बढ़ोत्तरी / समायोजन के वार्षिक खाते में दर्शाए गए हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है:

(क) 5 वर्षों से अधिक समय से बिना किसी बढ़ोत्तरी / समायोजन के 63 अग्रिमों के ₹134.26 करोड़ की असमायोजित राशि खाते में दर्शाई जा रही थी।

(ख) 2 वर्षों से अधिक समय से बिना किसी बढ़ोत्तरी / समायोजन के 83 अग्रिमों के ₹101.21 करोड़ की असमायोजित राशि खाते में दर्शाई जा रही थी।

(ग) 1 वर्ष से अधिक समय से बिना किसी बढ़ोत्तरी / समायोजन के 12 अग्रिमों के ₹3.32 करोड़ की असमायोजित राशि खाते में दर्शाई जा रही थी।

ख.4 एम्स ने वर्ष 2020-21 हेतु समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखे तैयार नहीं किए हैं।

ख.5 वर्तमान परिसंपत्तियों में जी.पी.एफ. राशि (निवेश के अतिरिक्त) के रूप में ₹45.42 करोड़ की राशि सम्मिलित है। हालांकि, रोकड़ खाता के अनुसार, 31.03.2021 तक शेष राशि केवल ₹9.81 करोड़ थी। इसके अतिरिक्त, जांच से प्रकट हुआ कि 31.03.2020 तक, जी.पी.एफ. खाते में ₹37.13 करोड़ का घाटा था एवं वर्ष 2020-21 में ₹1.52 करोड़ अतिरिक्त था। इसलिए, 31.03.2021 के अनुसार संचित घाटा ₹35.61 करोड़ था। इस घाटे को ₹35.61 करोड़ की काल्पनिक चालू परिसंपत्तियां बनाकर पूरा दिखाया गया है तथा दिनांक 31.03.2021 तक एम्स के तुलन पत्र में जी.पी.एफ. खाते का संचयी घाटा शून्य हो गया है।

इस संबंध में, एम्स द्वारा उत्तर दिया गया कि जी.पी.एफ. के गत कार्य-व्यवहारों से ₹35.61 करोड़ की गैर-परिचालन संपत्ति उद्भूत हुई है। तद्नुसार, खातों के समेकन में वित्तीय संतुलन बनाने के लिए

वर्तमान परिसंपत्तियों में इसे शामिल कर दिया गया है। हालांकि, वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखों में आवश्यक सुधार कर लिया जाएगा।

यह उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि लेखा-परीक्षा को ₹35.61 करोड़ का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया।

ख.6 अनुसंधान (₹120.93 करोड़), योजना प्रकोष्ठ (₹0.14 करोड़) एवं गैर-संस्थान योजनाएं (₹113.25 करोड़) के खाते में वर्तमान देयताएं के रूप में ₹234.31 करोड़ दर्शाए गए हैं। इस राशि का विवरण लेखा-परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

ख.7 अनुसंधान प्रकोष्ठ के समेकित लेखों में, बैंक विवरण के अनुसार बकाया को रोकड़ खाता अधिशेष के स्थान पर लेखों में सम्मिलित किया गया है। इसके प्रभावस्वरूप मिलान की शुद्ध राशि को कोष निधि में असमायोजित राशि के रूप में दर्शाया गया है। इसके परिणामस्वरूप लेखों के संबंधित शीर्षों में इन राशियों को शामिल नहीं किया गया।

ख.8 सेवानिवृत्ति लाभ का प्रावधान ए.एस. 15 के अनुसार नहीं बनाया गया था।

ख.9 एम्स अपनी लेखा नीतियों के अनुसार लेखों में भंडार के अथशेष स्टॉक एवं आपूर्ति का लेखा जोखा नहीं रख रहा है तथा संस्थान द्वारा भुगतान के समय इसे अंतिम व्यय के रूप में मान लिया गया। इस कारण से, भंडार एवं आपूर्ति की सारभूत कीमत लेखों में अवशेष रह गई।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2021-21 के दौरान, एम्स को मंत्रालय से ₹3420.68 करोड़ का सहायता अनुदान (जी.आई.ए. सामान्य-₹935.86 करोड़, जी.आई.ए. वेतन-₹1762.00 करोड़ पूँजीगत परिसंपत्ति बनाने हेतु जी.आई.ए.-₹650.00 करोड़ (वर्ष 2020-21 हेतु मंत्रालय द्वारा पुन: सत्यापित किए गए वर्ष 2019-20 हेतु ₹191.37 करोड़ उपयोग नहीं किए गए अनुदान राशि सहित), एच.ई.एफ.ए. ऋण ब्याज हेतु अनुदान एवं मूल भुगतान-₹72.82 करोड़) प्राप्त हुआ। एम्स के पास ₹82.92 करोड़ की आंतरिक प्राप्ति थी।

₹3503.60 करोड़ की कुल निधि में से, एम्स ने ₹3473.54 करोड़ (जी.आई.ए. सामान्य-₹973.82 करोड़, जी.आई.ए. वेतन-₹1760.14 करोड़, पूँजीगत संपत्ति बनाने हेतु जी.आई.ए.-₹648.67 करोड़, एच.ई.एफ.ए. ऋण ब्याज अनुदान हेतु अनुदान तथा मूल पुन: भुगतान-₹84.08 करोड़) एवं एस.ए.पी. शीर्ष ₹6.83 करोड़ का उपयोग किया और दिनांक 31 मार्च 2021 के अनुसार ₹30.06 करोड़ (जी.आई.ए. वेतन-₹1.86 करोड़ एवं आंतरिक प्राप्तियां ₹28.20 करोड़) की राशि अव्ययित बकाया रह गई।

घ. प्रबंधन पत्र

जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है, उनको उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के द्वारा संस्थान प्रबंधन की जानकारी में ला दिया गया है।

i. पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में हमारे अवलोकनों के अधीन, हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

ii. हमारी राय में तथा हमारी सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, इस लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखांकन नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के अधीन भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

    क. जहां तक कि यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2021 तक के तुलन-पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

    ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

(अशोक सिन्हा)

लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक

(स्वास्थ्य कल्याण एवं ग्रामीण विकास)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक:

अखिल-भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्